तज्जयंत. व० कृ० नाया० ८;
तज्जिज्जमाण कं० वा० व० कृ० सूय० २, १; ४८; नाया० १६;

तज्जण. न० (तर्जन) तर्जना करवी; ઉલંભો દેવો; તર છોડવું. तिरस्कार करना Reproaching; taunting; insulting. सूय० २, २, ६२; ८२; पण्ह० १, ३; दसा० ६, ४; नाया० १६; सु०च० १,१; ओव० ४१;

तज्जणा स्त्री० (तर्जना) જુઓ " तज्जण " શબ્દ. देखो " तज्जण " शब्द. Vide " तज्जण " ओव० ४०; राय० २७४;

तज्जाअ-य त्रि० (तज्जात) ગુરૂએ શિષ્યને શિખામણ આપતાં જે શબ્દો કહ્યા, તેજ શબ્દો શિષ્ય ગુરૂને સંભલાવે કે તમે કેમ નથી કરતા તે. शिष्य को शिक्षा देते हुए गुरुने जो शब्द कहे वेही शब्द शिष्य गुरु को पुनः कह सुनावे कि तुम (स्वत) क्यों नहीं करते हो Repeating the advice given by a preceptor before him retorting that why he himself does not abide by it. " तज्जाय दोसे भइभंगदोसे " ठा० १०; सम० ३३; दसा० ३, २५; (२) સાધુને આપવા યોગ્ય દ્રવ્ય—ખાદ્ય પદાર્થ. साधु को देने योग्य द्रव्य —खाद्य पदार्थ. an eatable fit to be offered to an ascetic. ठा० ५, १; —**लेव.** पुं० (-लेप) સાધુને આપવાના પદાર્થથી હાથ વગેરે લેપાય તે. साधु को देने वाले पदार्थों से हाथ वगैरह बिगड जाय वह. the smearing of hand by an object to be given to an ascetic. ओघ० नि० ४०१; —**संसट्ठकप्पिअ.** त्रि० (-संसृष्टकल्पिक) તજ્જાત—આપવાનુ દ્રવ્ય તેથી ખરડાયેલ હાથ વગેરેથી આપે તેજ લેવું એવો અભિગ્રહ ધરનાર तज्जात-देने का द्रव्य उससे बिगड़े हुए हाथ इत्यादि से जो मिले सोही लेना ऐसा अभिग्रह धारण करने वाला. (one) taking the vow that he would accept anything given by one whose hands are smeared by handling the objects that he is to receive. पण्ह० १, ; ठा०५,१; —**संसट्ठचरअ.** त्रि० (-संसृष्टचरक) જુઓ ઉપલો શબ્દ देखो ऊपर का शब्द vide above ओव० —**संसट्ठचरग.** त्रि० (-संसृष्टचरक) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपर का शब्द. vide above. ठा० ३; १;

तज्जाइय-अ. त्रि० (तज्जातिक-तस्म जातिरुत्पातिर्यस्य सः) તેમાંથી ઉત્પન્ન થયેલ. उसमें से उत्पन्न. Born of it " तज्जाइआ इमे कामा " सूय० १,४, २, १६;

तज्जिय. त्रि० (तर्जित) તર્જના કરેલ. पीडित; तर्जना किया हुआ. Troubled; reproached उत्त० २, ८; ३५, पण्ह० १, १; प्रव० १५२;

तडाग. पु० (तडाग) તલાવ तलाव; तडाग. A lake. ओव०

तट्ठ. त्रि० (तष्ट) છોલેલુ; ઝીણું કરેલું. छीला हुआ; बारीक किया हुआ. Scarped; sliced. सूय०१,७,३०; जं० प० ७,१५७;

तट्ठाणपत्त. त्रि० (तत्स्थानप्राप्त) તેજ સ્થાનને પ્રાપ્ત થયેલ उसी स्थान को जो प्राप्त हुआ है वह (One) who has reached that place. वेय० ६, २;

तट्ठार. पुं० (त्वष्टृ) ચિત્રા નક્ષત્રનો અધિષ્ઠાતા દેવતા. चित्रा नक्षत्र का अधिष्ठाता देवता. The presiding deity of Chitrā constellation " दो तट्ठा " ठा० २, ३; अणुजो० १३१; सू० प० १०; जं० प०

तड न० (तट) કિનારો; કાંઠો. किनारा, तट. Bank; shore नाया० ५; विशे० ७६४;

सु० च० २, ४८,

तडउडा स्त्री० (तटपुटा) આવલ आवल. A kind of tree. जीवा० ३, ४; जं० प० १; —**कुसुम** न० (-कुसुम) આવલના ફુલ आवल के फूल the flower of the Āvala tree. जीवा० ३, ४;

तडड. पुं० (*) આવલ आवल. The Āvala tree राय० ५४;

तडगड. पुं० (*) જુઓ 'तडड' શબ્દ. देखो 'तडड' शब्द. Vide 'तडड' राय० ५४,

तडतडंत त्रि० (तडतडायत्) તડતડ કરતો. तडतड करता हुआ. Making a "Taḍa Taḍa" sound; asplitting or snapping sound भग० ३, २. नाया० ९;

तडत्थ त्रि० (तटस्थ) તટસ્થ; મધ્યસ્થ तटस्थ, मध्यस्थ Neutral विशे० १२१२;

तडफडत त्रि० (तडफडायत्) તડફડતો तडफडाता हुआ Fluttering, flouncing. सु० च० ८, ८०;

तडाग पुं० (तडाग) તલાવ, સરોવર. तालाव; सरोवर. A pond, a lake. भग० ५, ७, ८, ६, पिं० नि० ४, ठा० २, ४; —**मह** पुं० (-महस्) તલાવનો મહોત્સવ तलाव का महोत्सव. a great festival connected with a lake. " **अगडमहेसु वा तेडालागमहेसुवा दहमहेसुवा** " आया० २, १, २, १२; भग० ६, ३३;

तडि. स्त्री० (तडित्) વિજળી, વિદ્યુત विद्युत; विजली Lightning जं० प०

तडिअ पु० (तटिक) કાંઠો, ભેખડ. किनारा. Bank विवा० १;

तडिगा. स्त्री० (तलिका) મોજડી, જોડો जूता Sandal; slipper ओघ० नि० ३६,

तडितडिय. स्त्री० (ताडित्ताडित्) વિજળીનીપેઠે વિસ્તાર પામેલ. विजली समान विस्तृत. Spread like the lightning ओव० १०;

तडिय-अ. स्त्री० (ताडित्) વીજળી; વિદ્યુત. विजली, विद्युत Lightning. नाया० ८; १६, भग० ११, ११, कप्प० ३, ३५;

तडी. स्त्री० (तटी) નદી આદિનો કિનારો. नदी आदि का तट-किनारा A river bank नाया० १;

√**तण** धा० I. (तनु) વિસ્તાર કરવો. विस्तार करना; फैलाना To spread; to stretch.

तणिज्जए. क० वा० विशे० १३८३,

तण. न० (तृण) ઘાસ, ખડ; દર્ભ; વગેરે તરણા घांस; दर्भ, दुर्वा-दूब इत्यादि तृण. Grass. पचा० ११, ५, नाया० १; २, ८, ६: १४, १७, भग० ३, ३; ६, १; ७, ६, ६, १८, ७; २१, ६; ७, दस० ४; ५, १, ८४, पिं० नि० ८७; जीवा० १; राय० २६; वेय० ४, २६; पन्न० १, उत्त० २, ३४; सूय० २, ३, ११, क० ग० १, २२, ३६, प्रव० ६८२; १६, आया० १, १, ४, ३७, १, ६, ३, १८५, १, ७, ६, २२२; जं० प० ५, ११२. १, १०; —**कूड.** पुं० (-कूट) તરણાનો શિખર-ઢગલો तृण का शिखर-ढेर a heap of grass. नाया० १४, —**गहण** न० (-ग्रहण—तृणानां व्रीहिपलालादीनां ग्रहणं तृणग्रहणम्) તરણાં-બ્રીહિ આદિના પરાલનુ ગ્રહણ કરવું તે तृण-व्रीहि इत्यादि के भूसे को ग्रहण करना accepting chaff of grass etc प्रव० ५२५, —**घर.** न० (-गृह) તરણાંનું બનાવેલુ ઘર-ઝુંપડી तृण की बनाई हुई झोंपडी-कुटि. a hut of straw. ओघ० नि० ४४, —**पणग.** न० (-पञ्चक) પાંચ જાતના તૃણ. શાલિ, વ્રીહિ, કોદ્રવ, કાંગ અને શ્યામાકપ્રમુખ જંગલના તરણા-એ પાંચ જાતના પલાલ તથા તરણા.

पांच प्रकार के तृण, शालि, व्रीहि, कोद्रव, कांग व श्यामाकप्रमुख जंगली तृण-इन पांच प्रकार का भूसा-तृण. grass of five varieties; Sāli etc.; the chaff or husk of these corns प्रव० ६८२; —**पास**. न० (-पाश) तरणांनुं બંધન-પાસ. तृण का बंधन. a noose of grass निसी० १२, १; —**पीढय**. न० (-पीढक) तरणांनो બાજોઠ. तृण का बनाया हुआ आसन. a seat made of grass निसी० १२, ६, —**प्पवेस**. न० (-प्रवेश—प्रविशन्ति तृणान्यनेन भूम्यन्तरमिति तृणप्रवेशः) तृणु ખડનુ મૂલ. तृण का मूल. the root of grass. नाया० १, —**भार**. पु० (-भार) तरणांनो ભારો. तृण का गट्ठा a bundle of hay or grass भग० ८. ६; —**मालिया** स्त्री० (-मालिका) तरणांनी માલા. तृण की माला a garland of grass. निसी० ७, १, १७, ३; —**रासि**. पुं० (-राशि) तरणांनो ઢગલો तृण का ढेर. a heap of straw. भग० ८, ६; १५, १, —**वणस्सइ**. पुं० (-वनस्पति) બાદર વનસ્પતિનો એક પ્રકાર; તરણા ઘાસરૂપ વનસ્પતિ बादर वनस्पतिका एक प्रकार; तृण-घासरूप एक वनस्पति a kind of gross vegetation; a grass-like vegetation. भग० ७, ६; —**वणस्सइकाइय** पु० (-वनस्पत्तिकायिक) બાદર વનસ્પતિ કાયનો એક પ્રકાર बादर वनस्पति काय का एक प्रकार. a species of gross vegetation embodiment ठा०३, १;५, २; ६, १०; भग०७, ६,—**सूअ-य** पु० न० (-शूक) તૃણનો અગ્રભાગ. तृण का अग्रभाग. the tip of grass भग० ८, ६, १५, १, —**हत्थग** न० (-हस्तक) ખડનો પુલો. घांस का पूला a bunch of hay. भग० १६, ४; —**हत्थय**. न० (-हस्तक) ખડનો પુલો. घांस का पूला a bunch of hay. भग० ३, ३; —**हारअ**. पुं० (-हारक) ઘાસ સારનાર, ઘાસ વેચનાર घांस बेचने वाला a grass dealer अणुजो० १३१;

तणग. न० (तृणक) એક જાતનું ઘાસ. एक जाति का घांस A kind of grass सूय० २, २, ११; दस० ५, २, १६; (२) ઘાસનુ પાથરણું; ચટાઇ. घास का बिछौना; चटाई a grass-bed a mat. आया० २, २, १, १०;

तणफास. पुं० (तृणस्पर्श) દાભડાની પથારીમાં તરણા લાગે તે, ૨૨ માંનો ૧૭મો. પરિષહ. घांस के बिछौने मे घांस का चुभना, २२ म से १७ वां परिषह The 17th suffering amongst the 22, pain due to the sharp points in a grass-bedding पराह० २, ५, नाया० ६, भग० ८, ८, प्रव० ६६३, —**परिसह**. पुं० (-परिषह) તરણાંની પથારીમા તરણા ખુંચવાથી ઉપજતુ કષ્ટ સહન કરવું તે तृण के बिछौने में तृण चुभने से होनेवाले कष्ट को सहन करना. The act of suffering pain due to the picking of sharp pointed grass stalks, while sleeping on a grass-bedding सम० २२; भग० ८, ८; प्रव० ८६;

तणविंटिय पु० (तृणवृन्तक) ત્રણ ઇન્દ્રિય વાલો એક જીવ तीन इंद्रिय वाला एक जीव A three-sensed being. पन्न० १,

तणय पु० (तनय-तनोति कुलमिति) પુત્ર. पुत्र A son सु०च० ४, १०८, १४, २६;

तणविं-वें-टय पु० (तृणवृन्तक) ત્રણ ઇંદ્રિય જીવ વિશેષ तीन इंद्रिय जीव विशेष. A

three-sensed being पन्न० १,

तणसोल्लिश्रा-या स्त्री० (तृणसोल्लिका) એક ફૂલ વાળી વનસ્પતિ વિશેષ મલ્લિકા श्वेत पुष्प वाली बनस्पति विशेष; मल्लिका A particular vegetation with white flowers. जं० प० नाया० १६,

तणहार. पुं० (तृणाहार) ઘાસ ખાઇને જીવનાર ઘાસનો કીડો, તેઇંદ્રિય જીવ વિશેષ घास खाकर जीने वाला, घास का कीडा, तेंद्रिय जीव विशेष One who lives on straw, an insect of grass, a three-sensed being. उत्त० ३६, १३६, पन्न० १; जीवा० १; नाया० १३,

तणु त्रि० (तनु) બારિક, સૂક્ષ્મ पतला, बारिक, सूक्ष्म Minute; thin. कप्प० ३, ३४, प्रव० ६७२; श्रोव० १०, जं० प० पन्न० २, उत्त० १४, ४७, विशे० १९६, पिं० नि० भा० ३६, कप्प० ४, २४, (२) पुं० स्त्री० દેહ, શરીર. देह, शरीर. body गच्छा० ८४, क० प० १ २७, भत्त० १०, विशे० ३३७, ३१६; १६३२; नाया० १, पिं०नि०२०११, (३) न० સ્વલ્પ, લઘુ પરિમાણ लघु परिमाण a minute, measure. जंवा ३, (४)છેડે સૂક્ષ્મ હોવાથી સિદ્ધશિલાનું એક નામ सिरे पर सूक्ष्म होने से सिद्धशिला का एक नाम a name of Siddha-Silā, being very thin at the extremity पन्न० २; सम० १२, श्रोव० ४३. ठा० ८, १, (५) શરીરનામ, નામ કર્મની એક પ્રકૃતિ જેના ઉદયથી જીવ ઉદારિકાદિ શરીર પામે शरीर नाम;नामकर्म की एक प्रकृति कि जिसके उदयसे जीव उदारिकादि शरीर प्राप्त करे a variety of Nāma Karma at whose appearance a soul gets physical body etc. क०गं०४,१६,१, २४; ३१, ५,

—**श्रंग.** त्रि० (-श्रङ्ग) તનુ-પાતળું છે અંગ જેનું जिसका अंग तनु-पतला हो. slender-bodied भत्त १२८, —**श्रंत.** न० (-श्रन्त्र) ઝીણું આતરડું. बारीक श्रात. a slender intestine "तणुयते तेण पासवणे परिणमइ" तदु० —**श्रट्ठ** न० (- श्रष्ट) શરીર, અંગોપાગ, સઠાણ, સંઘયણ, ગતિ, જાતિ, ચાલવાની ગતિ, અને અનૂપૂર્વી એ આઠ નામકર્મની પ્રકૃતિનો સમહ शरीर, श्रगोपाग, सठाण, संघयण, गति, जाति, चलने की गति, व श्रनुपूर्वी, इन ८ नामकर्म की प्रकृतिश्रोका समूह a group of the 8 varieties of Nāma Karma viz. body, limb, make up, constitution, birth, class, gait, and serial order क० ग० ४, १६, —**कसाश्र** त्रि० (-कषाय) જેના ક્રોધાદિ કષાય તનુ--પાતલા પડયા છે તે जिस के क्रोधादि कषाय तनु-पतले हो गये हों. (one) whose passions have become less. क० गं० १, ५८, —**किट्टि** स्त्री० (-किट्टि) સૂક્ષ્મ લોભ. सूक्ष्म लोभ a little greed क० प० ४, ५, —**जोग.** पुं० (-योग-तनोति विस्तारयत्यात्मप्रदेशानस्यामिति तनुरौदारिक दि शरीरं, तया सहकारिकरणभूतया योगस्तनुयोग तनुविषयो वा योगस्तनुयोग) કાયાનો યોગ-વ્યાપાર काया का योग-व्यापार. the activity of a body "मणण इस माणसीश्रो तणुजोगो विभत्तो" विशे० ३५६, क० गं० ४, १३, —**ट्ठ.** त्रि० (-स्थ) શરીરમા રહેલ तन में रहा हुश्रा. living in a body. क० प० ४, ५, —**णाम** न० (-नामन्) શરીર નામ, નામકર્મની એક પ્રકૃતિ. शरीर नाम. नामकर्म की एक प्रकृति. a variety of Nāma-Karma क०

गं० १; ३५; —णमिय. त्रि० (-नत—तनु कृश नतं नम्रं तनुनमितं) થોડું નમ્ર. थोडा नम्र. a little bent. जं० प० —पज्जत. त्रि० (-पर्याप्त) શરીર પર્યાપ્તિ બાંધીને પુરી કરેલ હોય તે. शरीर पर्याप्ति बांध कर पूर्ण की हो वह. fully developed bodied क० प० ६, २; —तिग. न० (-त्रिक) ઉદારિક આદિ ત્રણ શરીર. उदारिक आदि तीन शरीर the 3 sorts of bodies viz Udārika (physical)etc क०गं०१,३४;—तुल्ल. त्रि०(-तुल्य) શરીર નામકર્મની માફક शरीर नामकर्म के समान similar to Śarīra Nāma-Karma, a variety of Nāma Karma relating to a body. क० प० १, ६१, —दुग. न० (-द्विक) શરીર નામકર્મ અને આંગો પાંગ નામકર્મ એ બે પ્રકૃતિ शरीर नामकर्म व अंगोपांग नामकर्म ये दो प्रकृतियां. the two varieties of Karmic matters viz Śarīra and Aṅgopāṅga Nāma Karma. क० प०४, ८३;—नाम. न० (-नामक)શરીરરૂપ નામ કર્મની એક પ્રકૃતિ शरीररूप नामकर्म की एक प्रकृति. a variety of Nāma-Karma in the form of a body. क० गं० १, ३६;—पज्ज. न० (-पर्याप्त) જુઓ "तणु पजत्त" શબ્દ. देखो "तणुपजत्त" शब्द vide "तणुपजत्त" क० गं० ४, ७, —पज्जति. स्त्री० (-पर्याप्ति) ७ પર્યાપ્તિ માની બીજી શરીરનામે પર્યાપ્તિ छ. पर्याप्ति मे से द्वितीय शरीर नामक पर्याप्ति. the 2nd Paryāpti (development) named Śarīra out of 6 Paryāptis (developing the full characteristics of a body or those attributes which it is going to get in another life or incarnation) क० गं० ३ १३, —पणग न०(-पञ्चक) ઉદારિક આદિ પાંચ શરીર. पांच प्रकार के शरीर five bodies viz. Udārika (physical)etc प्रव० १२६७, —फरिस. पुं० (-स्पर्श) શરીરનો સ્પર્શ. शरीरका स्पर्श. bodily touch. गच्छा० ८४;—माण. न० (-मान) શરીરનું પરિમાણ. शरीर का परिमाण. the measure of a body. "सत्तम पुढवीए पुण पंचेव धणुस्सयाइं तणुमाणं" प्रव० १०६२, (२) શરીર પ્રમાણે, શરીર જેટલું शरीर के प्रमाणका-शरीर जितना. of the measure of a body. प्रव० ७; ४१, —राग पुं० (-राग) થોડો રાગ, અલ્પ પ્રેમ. थोडा राग: अल्प प्रेम a little affection क० प०४, २४;—संभोग पुं० (-सम्भोग) શરીરનો સંભોગ, વિષય शरीर का सयोग; विषय copulation. सु० च० ४, ११३; —सरीर न० (-शरीर) સૂક્ષ્મ શરીર. सूक्ष्म शरीर minute or subtle body पराह० १, १;

√तणुअ ना०धा० I. (*) ઓછું કરવું कम करना. To lessen

तणुएंति. श्रोघ० नि० १६६;

तणुग-य. त्रि० (तनुक-तनुरेव तनुकः) ઝીણું; સૂક્ષ્મ; સ્વલ્પ. सूक्ष्म, स्वल्प. Minute; small कप्प० ३, ३६; नाया० ८; १२; जीवा. ३; राय० १०४; (२) દરિદ્રી,ગરીબ. दरिद्री. गरीब wretched; poor. "से नूण भंते सेट्ठियस्स य तणुयस्स य किवणस्स य खत्तियस्स य" भग० १, ६; (३) યાચક. याचक mendicant. नाया० १२; (४) અલ્પભાગ.

अग्रभाग the tip. नाया० ८; (४) शरीर शरीर. body. भग० ११, ११;

तणुअ-य त्रि० (तनुज —तनुः शरीरं तस्माज्जात) तनु-देहथी उत्पन्न थयेल; पुत्र पुत्री विगेरे तनु-देह से उत्पन्न पुत्र पुत्री इत्यादि. A child. " जहाय भोई तणुयं भुजगी " उत्त० १४, ३४,

तणुई. स्त्री० (तन्वी) नाजुक अंगवाली स्त्री नाजुक अंगवाली स्त्री A slender-limbed lady पिं०नि०४१८, ओघ० नि० ७३७; (२) सिद्धशिलानुं एक नाम सिद्ध शिला का एक नाम. name of a Siddha Śilā ठा० ८;

तणुग न० (तनुक) शरीर. शरीर. Body. ज० प० (२) त्रि० सूक्ष्म. सूक्ष्म. minute जं० प० **राग.** त्रि० (-राग) सूक्ष्म थोडोक राग सूक्ष्म थोडा राग a little affection क०प० ४, ५;

तणुज पुं० (तनुज) शरीरथी उत्पन्न थयेल पुत्र शरीर स उत्पन्न पुत्र A son. उत्त० १४, ३४;

तणुतणु. स्त्री० (तनुतनु तनोरपितनुरितितनुत्वाद्वा तनुतनुः) सिद्धशिला, मुक्तिशिला. सिद्धशिला, मुक्तिशिला A salvation stone ठा० ८, १, ओव० ४३; पन्न० २;

तणुतणुई स्त्री० (तनुतन्वी) जुओ उपलो शब्द देखो ऊपरका शब्द Vide above. ठा० ८,

तणुयत्त. न० (तनुकत्व) बारीकाई, सूक्ष्मपणु बारिकता, सूक्ष्मपना Slenderness, minuteness विशे० १४६६,

तणुयर त्रि० (तनुतर) घणु सूक्ष्म; अति पातळु. बहुत सूक्ष्म, अति पतला. Very minute or slender. उत्त० ३६, ५६. विशे० ३६५, पन्न० १; २;

तणुल. न० (तनुज-तनु, शरीरं तत् सुखं स्पर्शतया लाति अनुगृह्णातीति तनुलम्) शारीरिक सुख शारीरिक सुख Physical happiness; pleasure. जं० प०

तणुवत्थुल. न० (तनुवस्थुल) ए नामनी एक वनस्पति इस नामकी एक वनस्पति. A vegetation of this name. भग० २१, ७;

तणुवात. पुं० (तनुवात) जुओ " तणुवाय" शब्द. देखो " तणुवाय " शब्द. Vide " तणुवाय " भग० २०, ६, —**वलय.** न० (-वलय) जुओ " तणुवायवलय" शब्द. देखो " तणुवायवलय " शब्द. vide 'तणुवायवलय " भग० २०, ६;

तणुवाय-अ. पुं० (तनुवात) घनवानो आधारभूत तनुवा, बादर वायुकायनो एक भेद घनवायु का आधारभूत तनुवायु, बादर वायुकाय का एक भेद. The minute or rarified air which is the fulcrum of the gross air; a kind of gross-air ठा० ३, ४, भग० १, ६, २, १०; १२,५; १७, ११; पन्न० १, जीवा० १, ३, १; —**वलय.** न० (-वलय —तनुवातः स एव वलयमिव वलय कटकमिति) बादर वायुकायनो एक भेद; वलयाकारे रहेल तनुवा बादर वायुकाय का एक भेद; वलयाकार-कुण्डलाकार में रहा हुआ तनुवा. a kind of gross-air; the rarified air which remains in a circular form भग० १७, ११; ठा० ३, ४, पन्न० २,

तणुसोल्लिय न० (तनुसोल्लिक) मालतीनु फूल मालती का फूल. The jasmine flower. नाया० १६;

तणूअरी. स्त्री० (तनुतरी) सिद्धशिला सिद्ध शिला. Siddha Śilā (salvation stone). सम० १२;

तएण. पुं० (तार्क्ष-तृणान्यत्ति) વાછડો વછડા A calf जं० प० ५ ११२, जीवा० १,

तएणास. पुं० (तन्नाश) તેનો નાશ उसका नाश. Its destruction. विशे० ५४३;

तएहा. स्त्री० (तृष्णा) તૃષ્ણા; લાલસા, પિપાસા तृष्णा; लालसा, पिपासा. Thirst; desire for. नाया० १; २; १३; १८, भग० १२, ५; १४, ८; १५, १; ओव० ३८; ३६; राय० २३६; विशे० १०३४; पन्न० २; उत्त० ३२, ६; पगह० १, ३; गच्छा० ७७; —**अभिहय.** त्रि० (अभिहत) તૃષ્ણાથી પીડિત. तृष्णा से पीडित. troubled by thirst. भग० १६, ४, जीवा० ३, —**आउर.** त्रि० (-आतुर) તૃષાતુર. तृषातुर. eager in thirst. सु० च० २, ३८४; —**आतिअ** त्रि० (-आर्दित) તૃષાતુર થયેલ. तृषातुर. very thirsty पगह० १, १;—**गेहि** स्त्री० (-गृद्धि) તૃષ્ણારૂપ ગૃદ્ધિ-લાલસા; ગૌણ અદત્તાદાન तृष्णा रूप गृद्धि-लालसा, गौण अदत्तादान. greediness in the form of thirst; a secondary Adattādāna (stealing or what is not given) पगह० १, ३; —**ज्झाण** न० (-ध्यान) તૃષાના પરિષહનુ ચિન્તવન तृष्णा के परिषहका चिन्तवन meditation of the suffering of thirst आउ०

तत. न० (तत) તાંતથી વાગે તે વીણા-સારંગી વગેરે. तंतु से बजनेवाली वीणा-सारंगी. A stringed musical instrument. जं० प० ५, १२१; ठा० २, ३, ४, ४; जीवा० ३, ४; भग० ५, ४, (१) વચ્ચે પોલા અને બે તરફથી ચર્માદિકથી મઢેલ વાજિંત્રની એક જાત. ઢોલ માદલ વગેરે. मध्य में पोला व दोनो तरफ से चर्मादिक से आच्छादित वाजिन्त्र का एक प्रकार, ढोल, मादल इत्यादि. a kind of musical instrument e. g a drum etc राय० ६५; (३) વિસ્તાર પામેલ. विस्तार पाया हुआ extended भग० ८, ७; **गति** स्त्री० (-गति) એક ગામથી બીજે ગામ જતાં રસ્તામે ગામ ન પહોંચાય ત્યાંસુધી ગતિનો વિસ્તાર થાય તે તતગતિ एक ग्राम से दूसरे गांव जाने में उद्दिष्ट गांव को न पहुंचे वहां तक गतिका जो विस्तार होता है वह ततगति a gait or locomotion which extends to as far as one does not reach a village in front when he is going from one village to another. भग० ८, ७, पन्न० १६;

तत्तिइ-य त्रि० (तृतीय) ત્રીજો-જી જુ. तृतीय; तीसरा-री. Third जं० प० ७, १४६, १५१, भग० २४, ०; २५, ६;

ततिया-आ. स्त्री० (तृतीया) ત્રીજ. तृतीया; तीज. The third date जं० प० ७, १५३; नाया० १०;

ततो अ० (ततस्) ત્યાર પછી तत् पश्चात्. After that. सम० ८; भग० १३, १; नाया० १६;

तत्त. न० (तत्व) રહસ્ય, સાર; તત્વ. रहस्य; सार, तत्व Secret; essence; reality. उत्त० २३, २५; पगह० १, २; (२) વસ્તુ. સત્પદાર્થ-वस्तु, सत्पदार्थ. an object; the real substance. सूय० १, १, ३, ८, १, ३, ३, १४; (३) પરમાર્થ-યથાવસ્થિત (જેવો છે તેવો) લોકનો સ્વભાવ. परमार्थ यथावस्थित (जैसा है वैसा) लोक का स्वभाव. the real state or nature of the world. ' तत्तं तेण विजाणंति ' सूय० १, १, ३, ६, (४) જીવ, અજીવ, પુણ્ય, પાપ, આશ્રવ, સંવર, નિર્જરા; બંધ

અને મોક્ષ, એ નવ તત્વ जीव, अजीव,पुराय, पाप, आश्रव, संवर, निर्जरा, बंध व मोक्ष; ये पाच तत्व. the five elements viz soul, non living being, merit, sin, inflow of Karmic matter, check of this inflow, decay, bondage and salvation विशे० ५३५; ठा० ६, —**अणुरूवत्त** न० (-अनुरूपत्व) १५ મો સત્ય વચનનો અતિશય; તત્વને અનુસરી બોલવુ તે १५ वां सत्य वचन का अतिशय, तत्व का अनुसरण करते हुए बोलना the 15th supernatural power due to true speech, speaking in accordance to the precepts. राय० —**अभिणिवेस** पु०(-अभिनिवेश) વસ્તુ સ્વરૂપનો નિર્ણય. वस्तु स्वरुप का निर्णय. determination of the nature of a thing पंचा० ६, ४०.

तत्त. त्रि० (तप्त) તપેલ; ગરમ થયેલ तपा हुआ, गरम Heated, hot. 'तत्ततवणिज्जकणगवरणा' ओव०१०; २५; ३८, भग० २, ५, ३, १; ३ ६, १, ७, ६; पन्न० १, २, दसा० ६ ४; विवा० ४, ६, सूय० १, ३, ४, १, तंदु० ठा० ८, उवा० १, ७६, —**अणिव्वुड.** त्रि० (-अनिर्वृत्त) તપેલ પણ પ્રાશુક અચેત નહિ થયેલ उष्ण परन्तु प्राशुक-अचेत न हुआ हो वह hot but possessing life दस०३,६;—**कवेलय** न० (कवेलक) ગરમ કરવાનુ તપાવવાનુ વાસણ गरम करने का बरतन-पात्र a vessel to boil or heat जं० प० २, ३८, भग० ७, ६,—**तव** त्रि०(-तपस्) કર્મોને તપાવે તેવુ તપ કર્મ કરનાર कर्मों को तप्त करे ऐसा तपकर्म करने वाला (one) who practises penances which destroy the Karmas भग० १, १; जं० प० राय० —**तवणिज्ज** न० (-तपनीय) તપાવેલ સોનું. तपाया हुआ-गरम किया हुआ-सुवर्ण refined gold "तत्ततवणिज्ज संकासो" पन्न० १; —**तेल्ल.** न० (-तैल) ઉકળતુ તેલ. उबलता हुआ तेल. boiling oil सम० ११; —**निव्वुड.** त्रि० (-निर्वृत) તપીને અચિત થયેલ. तप कर अचित हुआ हो वह. that which has become lifeless being heated दस० ३, ६, ५, २, २२, —**फासुअ** न० (-प्राशुक) ગરમ કરેલ અચેત પાણી गरम किया हुआ अचेत पानी. water rendered lifeless by heating "उसिणोदग तत्तफासुय पडिगाहिज्ज संजए" दस० ८, ६; —**लोहपह** पुं० (-लोहपथ) તપેલ લોઢાના જેવો માર્ગ. गरम लोहे के समान मार्ग a path like the red-hot iron. पराह० १, १; —**समजोइभूय** त्रि० (समाज्योतिर्भूत-तप्तेन तापेन समा तुल्या ज्योतिषा वह्निना भूता जाता या सा तप्तसमज्योतिर्भूता) સલગતી અગ્નિ સમાન जलती हुई अग्नि के समान like a burning fire. भग० ७, ६,

तत्तजला स्त्री० (तप्तजला) સુવચ્છ વિજયની પશ્ચિમ સરહદ ઉપરની એક અતર નદી. सुवच्छ विजय की पश्चिम सरहद ऊपर की एक अंतर नदी The Antara river on the western boundary of Suvachhe Vijaya "दोतत्तजलाओ" ठा० २, ३; ३, ४, जं० प०

तत्ताडिअ न० (-) રગેલ વસ્ત્ર रंगीन वस्त्र Coloured dress गच्छा० ८९,

तत्तत्थ पुं० (तत्वार्थ) પરમાર્થ, સાર અર્થ,

परमार्थ, सार अर्थ. The real truth. पचा० १, ३; प्रव० ५६६; —सद्दहाण. न० (-श्रद्धान) તત્વાર્થની શ્રદ્ધા तत्वार्थ की श्रद्धा a faith in reality पंचा०१,३;

तत्तवई. स्त्री० (-तत्त्ववती) સુઘોષ નગરના અર્જુન રાજાની રાણીનું નામ. सुघोष नगर के अर्जुन राजा की रानी का नाम Name of the queen of the king Arjuna of Sughosa city. विवा० २, ८;

तत्ति स्त्री० (तृप्ति) સંતોપ; तृप्ति; संतोष; तृप्ति. Satisfaction, contentment आउ० ४६, ठा० १, सु० च० २, ४०८;

तत्ति स्त्री० (तप्ति) તાપ, ક્રોધ ताप, क्रोध. Anger, heat पिं० नि० २०५;

तत्तिय. त्रि० (तावत्) તેટલું उतना. That much पिं०नि० ३६१,४०८.विशे० १३०; भग० ८, १, १६, ८,

तत्तियमित्त. त्रि०(तावन्मात्र) તેટલુંજ उतनाही. That much only. पिं० नि० २६६,

तत्तिल त्रि० (तावत्) તેટલુ उतनाही. केवल उतना That much only, so much. ओव० नि० १६०;

तत्तिव्वऽज्झवसाण त्रि० (तत्तीव्राध्यवसान तास्मिन्नेवार्थादौ तीव्र आरम्भत प्राकर्ष यायि अध्यवसान प्रयत्न विशेष लक्षणा यस्यासौ) તે-આરંભ આદિમાં તીવ્ર અધ્યવસાયવાળો. वह-आरंभ आदिमें तीव्र अध्यवसायवाला One who is strongly addicted to sinful operations भग० १, ७,

तत्तो अ०(ततः) ત્યાર પછી तत्पश्चात् After that उत्त० १, १०; नाया० १०, भग० २५, ७, "तत्तोत्रिसेवइत्ताण" दस० ५, २, ४८, क० गं० ५, ६६;

तत्थ त्रि० (* स्तब्ध) સ્તબ્ધ થયેલ स्तब्ध. Steady; still. जीवा० १;

तत्थ. न० (तथ्य) સત્ય सत्य. Truth. नंदी० ४०;

तत्थ, त्रि० (त्रस्त) ત્રાસ પામેલ. त्रसित; त्रस्त, पीडित Troubled; harassed. नाया० १; ३; ४; ५; १४, १७; १८; भग० १२, १; १५, १; जं० प० ७, १७७; ५, ११२;११५,उत्त० १६,७२; पन्न० २, जीवा० ३, १; उवा० ८, २५६;

तत्थ. अ० (तत्र) ત્યાં; તે ઠેકાણે तहां; वहां; उस स्थानपर. There, in that place. नाया० १; २, ५; ८,६; १३; १६' भग० १, १; २; २, ५; ५, ४; ७, ६; १०; १२, ४; १४, ५; १५, १; २४, १२; दस० ५, १, २७; ६६;५,२, ११; ६,७;५१; वव० १, १६; २३; दसा० ६,१. नि० ४, १, पन्न० ओव० १२; राय० २३; पिं०नि० ७६; विशे० ६२, उत्त० २ २३; ६,२६, आया० १, १, १, १०; १, १, २,१५; १५; १, ६, २, १८४; अणुजो० २, उवा० १, ३;

तत्थगय त्रि० (तत्रगत) ત્યાં ગયેલ वहां गया हुआ. Gone there भग० २, १; ३, २; ५, ६; ६, ६; नाया० ध० [illegible]या० १: दसा० ३, २०, जं० प० ५, ११५;

तत्थवि अ० (तत्रापि) ત્યાં પણ वहां भी. Even there. नाया० ६; १४; दस० ५, २, ४७; भग० १५, १;

तत्थेव अ० (तत्रैव) ત્યાંજ- वहीं; उसी स्थान पर. There; at that place. भग० २, १; ३, १; ५, ६. ८, ६; १५, १, नाया० ८; ६, दसा० १०, १; दस० ५, १, २१; क० गं० १, ४,

तथारूव. त्रि० (तथारूप) શાસ્ત્રમાં કહ્યું છે તેવા પ્રકારનો. शास्त्र में जैसा कहा है उसी प्रकार का. As prescribed in the scriptures ठा० ३, १;

तदंतराल. न० (तदन्तराल) ते બેની વચ્ચે. उन दोनों को मध्य में. Between the two. विशे० १६;

तदज्झवसाण. त्रि० (तदध्यवसान) તેમાં-આરંભ ક્રિયામાં જેનું ચિત્ત રહેલું છે તે उस में-आरंभ क्रिया में जिस का चित्त रहा हुआ है वह. One who is addicted to sinful operations. विवा० २,

तदज्झवसिय त्रि० (तदध्यवसित) તેમા-આરભ ક્રિયાદિમા ચિત રાખેલ उस में-आरंभ क्रियादि में चित्त रक्खा हुआ. (One) who has placed his heart in sinful operations भग० १, ७,

तदट्ठ पु० (तदर्थ-तस्यार्थस्तदर्थः सचासावर्थश्च वा तदर्थ) પ્રકૃત વસ્તુ તે પદાર્થ प्रकृत वस्तु; वह पदार्थ That object; the thing in question. भग० १, ७; विवा० २; —**उवउत्त** त्रि० (-उपयुक्त) તે વસ્તુમા ઉપયોગવાલો उस वस्तु में उपयोग युक्त. useful in that विवा० १, भग० १, ७;

तदद्ध. न० (तदर्द्ध) તેનું અડધ उस का आधा. Half of that. जं० प० ५,११६,

तदन्नवत्थुअ. त्रि० (तदन्यवस्तुक) વાદીએ જે સાધનનો ઉપન્યાસ કર્યો હોય તેથી ભિન્ન વસ્તુને લઇને પ્રતિવાદી ઉત્તર આપે તે. वादीने जिस साधन का उपन्यास किया हो उस से भिन्न वस्तु को लेकर प्रतिवादी जो उत्तर दे वह A different reply presented by a defendant than the point sued on by the plaintiff. ठा० ४, ३,

तदन्नवयण पुं० (तदन्यवचन) વ્યુત્પતિથી ભિન્ન અર્થને કહેનાર શબ્દ, રૂઢ શબ્દ જેમ મંડપ વગેરે. व्युत्पत्तिसे भिन्न अर्थ सूचक शब्द, रूढ शब्द मंडप इत्यादि. A non-derivative word; an arbitrary word e. g मंडप etc. ठा० ३, ३;

तदप्पियकरण. त्रि० (तदर्पितकरण) તેની અંદર મન, વચન, કાયાને અર્પણ કરનાર. उसके अंदर मन, वचन व कायाको समर्पण करनेवाला (One) who has placed his mind, speech and body in that भग० १, ७,

तदवत्थ त्रि० (तदवस्थ) મૂલ હતુ તેવુ ને તેવું. मूल था जैसा का वैसा As it was in the origin; original विशे०२६६,

तदा अ० (तदा) ત્યારે, તે વખતે. तदा, तब, उस समय Then, at that time भग० १२,६; १५, १, नाया०११;

तदाणुरूव त्रि० (तदनुरूप) તેના જેવુ. उस के जैसा Like that जं०प०२,३८,

तदाहार. त्रि० (तदाधार-ते पृथिव्यादय आधारो येषां ते तदाधाराः) પૃથ્વી આદિનો આધાર જેને છે તે. जिसको पृथ्वी आदि का आधार है वह That which is supported by the earth etc. पराह० १, १,

तदाहार. पुं० (तदाहार-तानेव पृथिव्यादीन् आहारयन्तीति तदाहाराः) તે પૃથ્વી આદિ નો આહાર કરનાર वह पृथ्वी आदि का खानेवाला That which feeds upon the earth etc पराह० १, १;

तदुप्पाअ पु० (तदुत्पात) તેની ઉત્પત્તિ उसकी उत्पत्ति Its birth. विशे० ४२५;

तदुभय त्रि० (तदुभय) તે બે वे दो Those two. भग० १, ७, ५, २, ८, ८, १७, ४; पन्न० १४, २२, क० गं० १,२२; --**अरिह.** त्रि० (-अर्ह) તે બે (આલોચના અને પ્રાયશ્ચિત) ને યોગ્ય उसके (आलोचना

व प्रायश्चित) इन दोनो के योग्य. (one) fit for the two (confession and expiation). भग० २५, ७; —अहिगरणि. त्रि० (-अधिकरणिन्) ते બેનું હથિયાર उन दोनों के शस्त्र the weapons of those two. भग० १६, १, —आरंभ. त्रि० (आरम्भ) પોતે આરંભ કરે અને બીજા પાસે કરાવે તે. जो स्वयं आरंभ करे व अन्यसे भी करावे. performing sinful operations oneself and through others as well. भग० १, १.—कड त्रि० (-कृत) ते બેથી કરેલ उन दोनों ने किया हुआ. done by those two भग० १, ६; —प्पओगनिव्वत्तिय त्रि० (-प्रयोगानिर्वार्तित) તે બેના પ્રયોગથી-વ્યાપારથી-ઉત્પન્ન થયેલ. उन दोनों के प्रयोग से-व्यापार से-उत्पन्न. proudced by the effort of those two भग० १६, १; —भवियणाण न० (-भविकज्ञान) આ ભવ અને પરભવમા જનારૂ જ્ઞાન. इस भव व परभवमें साथ जाने वाला ज्ञान the knowledge which accompanies the soul in this birth and the next birth too. भग० १, १;

तद्देगदेस पुं० (तद्देकदेश) તેનો એક ભાગ. उसका एक भाग A part of that भग० १, १;

तद्दिवस. पुं० (तद्दिवस) તેજ દિવસ. वही दिन That very day वेय० ३, ३०; ४, २६;

तद्देस पुं० (तद्देश) તેનો એક ભાગ. उसका एक भाग A part of that. उत्त० ३६, ५; विशे० २४१,

तद्दोसि त्रि० (त्वग्दोषिन्) ચામડીના દોષ વાળું चमडी के दोष वाला. (One) suffering from a skin-disease. पिं० नि० ४७५; ५८३;

तद्धिय. पुं० (तद्धित) અપત્યાદિ અર્થ બતાવનાર પ્રત્યય अपत्यादि अर्थ बताने वाला प्रत्यय. A nominal termination. पगह० २, २,

तद्धियअ-य त्रि० (तद्धितज) તદ્ધિતથી બનેલું तद्धित से बना हुआ. Nominal derivative. "सेकिंतं तद्धियए" अणुजो० १३१;

तधा अ० (तथा) તે પ્રકારે उस रीति से-प्रकार से In that manner सू० प० १६;

तन्नाण न० (तज्ज्ञान) તેનું જ્ઞાન उसका ज्ञान Its knowledge. विशे० २६;

तन्निवेसण त्रि० (तन्निवेशन) સદા તેમાં-ગુરૂકુલાદિમાં રહેનાર सदा उस में-गुरुकुलादि में रहने वाला. (One) who always stays in that (family of a preceptor etc) "तप्पुरक्कारे तस्सन्नी तन्निवसणे " आया० १, ५, ६, १६६;

तन्निस्सिय. त्रि० (तन्निश्रित) તેને આશ્રીને રહેલ. उसके आश्रित होकर रहा हुआ. Resorting to that. दस० ५, १, ६८;

तप्प पुं० (तप्र-ततस्ततः प्लवेत चलति नदीप्रव हेणेति) ત્રાપો. बेडा. A raft. पन्न० ३३; भग० ११, १०; (२) ત્રાપાને આકારે થતું નારકીનું અવધિજ્ઞાન. बेडे के आकृति में होने वाला नारकी का अवधिज्ञान. a limited knowledge of a hell-being in the shape of a raft विशे० ७०६; —आगार. पुं० (-आकार) ત્રાપાનો આકાર बेडे का आकार. the shape of a raft. भग० ११, १०; —आगारसंठिय त्रि० (-आकारसंस्थित) ત્રાપાને આકારે રહેલ बेडे की आकृति में रहा हुआ. remaining in the form

of a raft भग० ११, १०;

तप्पएस पुं० (तत्प्रदेश) તેનો એક બારીકમાં બારીક અંશ કે જેના એકના બે ભાગ થઇ શકે નહિં. उसका एक सूक्ष्म से सूक्ष्म अंश जिसके दो भाग न हो सके. An atomic or indivisible portion of that. उत्त० ३६, ५,

तप्पक्खिय त्रि० (तत्पाक्षिक-तेषां पक्षस्तत्पक्ष तत्र भवस्तत्पाक्षिक) તેના પક્ષવાળો, સંવિગ્ન પાક્ષિક. उसके पक्ष वाला; संविग्न पाक्षिक Belonging to that party; of the Saṃvigna party भग० ३, ७, ५, ४, ६, ३१, —**उवासग** त्रि० (-उपासक) તેનો-સંવિગ્ન પક્ષનો ઉપાસક. उसका-संविग्न पक्ष का उपासक the devotee of that (Saṃvigna) party. भग० ६, ३१, —**उवासय** त्रि० (-उपासक) જુઓ ઉપલો શબ્દ देखो ऊपर का शब्द vide above भग० ६, ३१, —**उवासिया** स्त्री० (-उपासिका) સ્વયંબુદ્ધની ઉપાસિકા-શ્રાવિકા स्वयंबुद्ध की उपासिका-श्राविका. a lay-woman devotee of a Svayam Buddha (one attaining salvation by his own intuitive knowledge). भग० ५, ४; ९, ३१; —**सावग** पुं० (-श्रावक) સ્વયં બુદ્ધનો શ્રાવક. स्वयम्बुद्ध का श्रावक a layman devoted to a Svayam Buddha भग० ६, ३१; —**सावय** पुं० (-श्रावक) તત્પાક્ષિક શ્રાવક. तत्पाक्षिक श्रावक a layman belonging to that party. भग० ५, ४, —**साविया** स्त्री० (-श्राविका) સ્વયંબુદ્ધની શ્રાવિકા स्वयम्बुद्ध की श्राविका a lay-woman devotee of a Svayam Buddha. भग० ५, ४, ६, ३१,

तप्पच्चइय त्रि० (तत्प्रत्ययिक) તત્કારણિક; તન્નિમિત્તિક तत्कारणिक, तन्निमित्तिक Resulting in that, its cause. उत्त० २६, ३१;

तप्पच्चयहेउ पुं० (तत्प्रत्ययहेतु) તેના જ્ઞાનનો હેતુ. उसके ज्ञान का हेतु The cause of its knowledge विशे० ६१,

तप्पडिरूव त्रि० (तत्प्रतिरूप) તેના સરખુ उसके समान Like that पचा० १, १४;

तप्पढमया स्त्री० (तत्प्रथमता) સૌની પહેલા; શરૂઆત सर्व से प्रथम, सब से पहिले; प्रारंभ. First of all; foremost ओव० ३१, वेय० ३. १३, भग० ६, ५; नाया० १,

तप्पण न० (तर्पण) એક ઉપકરણ. एक उपकरण An implement सम० ३०, (२) સાથવો सत्तु a kind of food; a powdered meal पण्ह० २, ५, (३) તેલ આદિ સ્નિગ્ધ પદાર્થ तेल आदि स्निग्ध पदार्थ an oily substance नाया० १३; विवा० १,

तप्पणालोडिय न० (तर्पणालोडित) પાણીથી લોદો વાળેલ સાથવો पानी से लोंदा बनाया हुआ सत्तु. a powdered meal made into a lump with water. ठा० ४, ३;

तप्पभिइं अ० (तत्प्रभृति) ત્યારથી માંડીને तब से लगाकर, तब से लेकर From that time, thence-forth भग० ३, १, ५, ९, ६, ३३, १०, ४. नाया० १, नाया० ध०

तप्पर त्रि० (तत्पर-तदेव परं प्रधानं यस्यासौ) તેના ઉપર उसके ऊपर Over that विशे० ३७,

तप्पाउग्ग त्रि० (तत्प्रायोग्य) તેને યોગ્ય उसके योग्य Fit for that भग० १,

५; क० गं० ६, ८१;

तप्पिऊण. अ० (तर्पयित्वा) तृप्त કરીને तृप्त करके. Having satisfied. सु० च० २, ५, ४;

तप्पुरक्कार. पुं० (तत्पुरस्कार-तस्य पुरस्कार:) તેને-આચાર્યાદિકને અગ્રેસર તરીકે માનવું તે उसे-आचार्यादिक को अग्रेसर समझ कर मानना. Considering him (a preceptor etc) to be a leader. " तप्पुरक्कारे तस्सन्नीतन्निवसणे " आया० १, ५, ४, १५७, १, ५, ६, १६६;

तप्पुरिस. पुं० (तत्पुरुष) તત્પુરૂષ નામનો સમાસ; સમાસનો એક પ્રકાર. तत्पुरुष नामक समास का एक प्रकार A compound named Tatpurusa; a determinative compound. " से किंते तप्पुरिसे ? तप्पुरिसे अणेगविहे पएणत्ते " अणुजो० १३१;

तप्पेयव्व. त्रि० (तर्पयितव्य) તૃપ્ત કરવા યોગ્ય. तृप्त करने योग्य Fit to be satisfied. सु० च० ११, ४५;

तप्फल. न० (तत्फल) તેનું ફલ. उसका फल. Its fruit. विशे० २३२;

तब्भक्खण. न० (तद्भक्षण) તેનું ભક્ષણ उस का भक्षण. Its devouring or eating up. नाया० १५;

तब्भत्तिय. त्रि० (तद्भाक्तिक) તેનો સેવક. उसका सेवक. Its devotee. भग०३, ७; ५,७;

तब्भव. पुं० (तद्भव) તે ભવ; વર્તમાન ભવ. वह भव; वर्तमान भव. That life; the present birth. नाया० १६;

तब्भवज्ज. त्रि० (तद्भवज) તદ્ભવ-વર્તમાન ભવસંબંધી. तद्भव-वर्तमान भव के संबंध में. Related to the present birth. विशे ७०२;

तब्भवजीविय. न० (तद्भवजीवित) ઉદારિક-શરીરવાળા મનુષ્ય અને તિર્યંચનું જીવન उदारिक शरीर वाले मनुष्य व तिर्यंच का जीवन. Life of a human or sub-human being. विशे० ३५१३;

तब्भवमरण. न० (तद्भवमरण) તદ્ભવમરણ, જે ગતિનું આયુષ્ય ભોગવે છે તેજ ગતિનું ફરી આયુષ્ય બાંધી મરણ પામે તે; બાલ-મરણનો એક પ્રકાર. तद्भव मरण. जिस गति का आयुष्य भोग रहा हो उसी गति का पुनः आयुष्य बांधकर मृत्यु को प्राप्त होना. Death after again binding life to a condition which one is enduring; a kind of ignorant form of death सम० १७; ठा० २, ४; भग० २, १, निसी०११, ४१;

तब्भारिय. त्रि० (तद्भारिक-तद्भारो येषा वोढव्यतयाऽस्तिते तद्भारिकाः) દાસ. दास A slave. भग० ३, ७,

तब्भाव पुं० (तद्भाव) તેનો ભાવ उसका भाव. Its motive. पंचा० २,३२; विशे० ८५;

तब्भावणाभाविय. त्रि० (तद्भावना भावित) તે અનુષ્ઠાનની ભાવનાથી ભાવિત. उस अनुष्ठान की भावना से भावित Impressed with the motive of that performance भग० १, ७;

तब्भासामीसिय. त्रि० (तद्भाषामिश्रित) ભાષારૂપે મૂકેલ પુદ્ગલોથી મિશ્ર થયેલ. भाषा स्वरूप वर्णन किये हुए पुद्गलों से मिश्रित. Mixed with atoms in the form of a language. विशे० ३५१३;

तब्भेय. पुं० (तद्भेद) તેનો ભેદ-વિભાગ. उसका भेद-विभाग. Its division. विशे० २;

तम. पुं० न० (तमस्) અંધકાર; અંધારૂં. अंधकार; अंधेरा Darkness. भग० ६, ५; ७, ६; ७; सूय० १, १, १, १४, अणुजो० १०३, ठा० ४, ३; उवा० ७, २१८; काप० ३, ३८, (२) મોહ. मोह. greed आया० १, ४, ४, १३८, ओव० (3) અજ્ઞાન. अज्ञान. ignorance. सूय० १, १, १, १४, ठा० ४, ३; —**पज्जलण** त्रि० (-प्रज्वलन) અજ્ઞાનરૂપ અંધકારને લીધે ક્રોધાદિ અગ્નીથી બળતરા કરનાર अज्ञानरूप अंधकार के कारण क्रोधादि अग्नि से संताप करनेवाला anger due to the darkness of ignorance. ठा० ४, ३; —**तिमिर.** न० (-तिमिर) અજ્ઞાનરૂપ અંધકાર अज्ञानरूप अंधकार. darkness in the form of ignorance. प्रव० ८५; —**पडल.** न० (-पटल) જ્ઞાનાવરણ રૂપ ઢાંકણ. ज्ञानावरण रूप ढक्कन A cove ing in the shape of obscuring knowledge. भग० ६, ४, (२) અંધકારનો સમૂહ अंधकारका समूह. a volume of darkness. कप्प० ३, ३६: —**प्पविट्ठ** त्रि० (-प्रविष्ट) અંધારમાં પ્રવેશ કરેલ अधकार में प्रविष्ट-प्रवेश किया हुआ. entered into darkness. भग० ६, ४; —**रिपु** पुं० (-रिपु) અંધકારનો શત્રૂ, સૂર્ય અથવા ચંદ્ર. अंधकारका शत्रु, सूर्य अथवा चद्र the enemy of darkness, the Sun or Moon काप० ३, ३८;

तमकाय. पु० (तमस्काय) તમસ્કાય કે જે અરૂણવર સમુદ્રથી નિકલી પાંચમા દેવલોક સુધી પહોંચેલ છે. तमस्काय कि जो अरुण वर समुद्र से निकल कर पाचवे देवलोक पर्यन्त पहुचा है. A volume of darkness which proceeding from the Aruṇavara sea has reached upto the 5th Devaloka. प्रव० ६०; —**सरूव** न० (-स्वरूप) તમસ્કાયનું સ્વરૂપ. तमस्काय का स्वरूप. the form or nature of the smoky column प्रव० ६०;

तमतमग. पुं० (तमस्तमाग) સાતમી નરકના જીવ सातवें नरक के जीव The beings of the 7th hell. क० गं० ५, ६८, क० प० ७, ३५;

तमतमप्पभा. स्त्री० (तमस्तमप्रभा) સાતમી નરક. સાતમી નરકની પૃથ્વીનુ ગોત્ર सातवां नरक; सातवें नरककी पृथ्वी का गोत्र. The seventh hell; the family-origin of the land of the 7th hell. अणुजो० १०३; पन्न० १; जीवा० १,

तमतमा स्त्री० (तमस्तमा) ગાઢ અંધકાર વાળી સાતમા નરક घोर अंधकारमय सातवां नरक. The 7th hell where pitch darkness abounds. अणुजो० १३४; उत्त० ३६, १५६; सम० ४१, ठा० ७, १, भग० १, ५; ५, ८, क० प० २, ८२, क० गं० ५, ७२;

तमप्पभा. स्त्री० (तमस्प्रभा) છઠ્ઠી નરક. छठा नरक. The 6th hell प्रव० १७२; पन्न० १; अणुजो० १०३;

तमप्पहा. स्त्री० (तमःप्रभा) છઠ્ઠી નરકની પૃથ્વી. छठे नरक की पृथ्वी. The region of the 6th hell प्रव० १०८६;

तमबल. त्रि० (तमोबल-तमोबलं येषां ते) અસદાચારી, તસ્કર. असदाचारी; तस्कर. Bad-conducted; a thief. (२) અજ્ઞાનનુ બલ. अज्ञान का बल the strength of ignorance. ठा० ४. ३; —**पलज्जण.** पुं० (-प्रलजन) તમોબલથી રક્ત-ઉદ્ધત્ત પુરૂષનો સમૂહ. तमोबल से रक्त-उद्धत पुरुषोंका समूह a group of men

infatuated with the power of ignorance. ठा० ४,३; —पलज्जण. पु० (-प्रलज्जन् तमोबलेन् संचरन् प्रलज्जत इति) रात्री चर्यामां लज्जाता माणसनो समूह रात्रि चर्या में लज्जित होते हुए मनुष्योंका समूह a group of men who are ashamed of nocturnal roving or act ठा० ४, ३;—तमरूव. न० (-तमोरूप) तमस्काय; अरुणवर समुद्रमांथी अंधकारमय धूमस चडे छे ते तमस्काय, अरुणवर समुद्र में से अंधकारमय कुहिरा चढता है वह. a volume of smoke; a black mist which arises out of the Aruṇavara sea. प्रव० १४१३,

तमस पुं० (तमम्) अंधकार अंधकार. Darkness दस० ५, १, ५०; पन्न० २;

तमा स्त्री० (तमा) छठी नरक पृथ्वी. छठी नरक पृथ्वी the 6th hell-region. सम० ४१, भग० ५, ८; १०, १; ठा० ७, १, उत्त० ३६, १५६; (२) निची दिशानुं नाम नीची दिशाका नाम. name of the lower direction. ठा० १०;

तमाल. पुं० (तमाल) तमालनुं झाड तमाल वृक्ष.The Tamāla tree. ओव० आया० नि० १, १, ५, १२६; पन्न० १; भग० ८, ३; २२, १; —पत्त न० (-पत्र) तमाल वृक्षना पांदडा तमाल वृक्ष की पत्तियां the leaves of the Tamāla tree उत्त० ४१,

तमिस न० (तमिस्र) अंधारुं. अंधकार, अंधेरा Darkness पिं० नि० ३०१; —(सं) अंधयार पुं० न० (-अंधकार) गाढ अंधारु. गाढ अंधकार. pitch darkness. " ते घोररूवे तमिसंधयारे " सूय० १, ५, १, ३;

तमिसगुहा. स्त्री० (तमिस्रगुफा) कच्छ विजयना वैताढ्य उपरना नवकूटमांनुं छठ्ठुं शिखर. कच्छ विजय के वैताढ्य के ऊपर के नवकूट में से छठा शिखर. The 6th summit out of 9 of Vaitāḍhya in the Kachcha Vijaya (territory) जं० प० १, १२;

तमिसगुहाकूड. पुं० (तमिस्रगुफाकूट) जुओ उपलो शब्द देखो ऊपर का शब्द. Vide above जं० प० १, १२;

तमिस्स. न० (तमिस्र) गाढ अन्धकार गाढ अंधकार. Pitch darkness. जं० प० ठा० ४, ३;

तमिस्सगुहा स्त्री० (तमिस्रगुहा) वैताढ्य पर्वतनी वच्चे पश्चिम बाजुनी एक गुफा के जेमा थई चक्रवर्ती उत्तर भरतमां देश साधवा जाय छे. वैताढ्य पर्वत के मध्य में पश्चिम दिशा की एक गुफा कि जिस में से हो कर चक्रवर्ती उत्तर भरत में देश जीतने को जाता है. A western cave in the middle of the Vaitāḍhya mountain through which a Chakravartī goes to conquer the countries of the northern Bharata जं० प०

तमुक्काइय. पुं० (तमस्कायिक) तमस्काय करनार देव तमस्काय करने वाला देव. The deity creating a volume of smoke. " तमुक्काइए देवे सद्दावेंति " भग० १४, २;

तमुक्काय पुं० (तमस्काय) अरुणवर समुद्रमांना पाणीना सूक्ष्म परिणामरूप अंधकारनो समूह अरुणवर समुद्र के पानी के सूक्ष्म परिणामरूप अंधकार का समूह. A column of darkness resulting from a change in the

minute particles of water in the Arunavara sea. "किमियं भंते तमुक्काए त्ति पव्वुचइ" भग० ६, ५, ३, २, ६, १, ठा० ४, २, प्रव० २५५;

तमुयत्त न० (तमस्कत्व) જાતિઅંધપણું जाति अंधपना, जाति अंधता A class blindness. सूय० २, २, २१,

तमोकासिय त्रि० (तम कषिक—तमसि कषितु शीलं येषा ते तमः काषिकास्त एव तम कषिकाः) ખરી બીનાનો ઢાંક પીછોડો કરનાર सत्य वर्णन को छुपाने वाला (One) who conceals a true description सूय० २, २, १६,

तम्मज्झ न० (तन्मध्य) તેનું મધ્ય उस का मध्य. The middle of it सु० च० १, १०३;

तम्मण त्रि० (तन्मनस्—तस्य देवदत्तादेस्तस्मिन् घटादौ मनस्तन्मन) તે ઘટાદિ વિષયમાં પરોવાયેલું મન उस घटादि विषय मे तल्लीन हुआ मन The mind devoted to that (pot etc) ठा० ३, ३; विवा०२; भग०१, ७, पिं०नि०

तम्मत्त न० (तन्मात्र) તેટલુંજ માત્ર उतनाही; केवल उतनाही. That much क० गं० ५, २३;

तम्मय त्रि० (तन्मय) તન્મય, તે સ્વરૂપ तन्मय; तत्स्वरूप. In that form, blending with that विशे० ३;१६०; पराह० १, १,

तम्मियय न० (तन्मात्रज—शब्दादीनि यानि पञ्चतन्मात्राणि सूक्ष्मसंज्ञानि, तेभ्यो जातमुत्पन्न तन्मात्रजम्) પાંચ તન્માત્રથી ઉત્પન્ન થયેલ આકાશ આદિ પાંચ મહાભૂત पच तन्मात्र से उत्पन्न आकाश आदि पच महाभूत. The five elements viz sky etc. which are produced from the five original elements ठा० २, १,

तम्मिस्स पु० (तन्मिश्र) ઉદારિકમિશ્ર કાયયોગ. उदारिकमिश्र काययोग. Mixed with that (a conjunction with a physical body). क० गं०३, १४,

तम्मुत्ति स्त्री० (तन्मुक्ति) સંગ-ઉપાધિથી છુટા થવું ते संग उपाधि से मुक्त होना Emancipation from attachment. 'तद्दिट्ठीए तम्मुत्तीए' आया० १, ५, ४, १५७;

तम्मूल न० (तन्मूल) તેનું મૂલ કારણ उस का मूल कारण. Its original cause "तम्मूलं संसारं जणेइ" गच्छा० १३३,

तम्मेत्त त्रि० (तन्मात्र) તેટલુંજ. उतनाही. That much ठा० २, १;

तम्मेयय न० (तन्मात्रज) જુઓ "तम्मियय" શબ્દ देखो "तम्मियय" शब्द. Vide "तम्मियय" ठा० २, १,

तम्हा अ० (तस्मात्) તેટલામાટે. इस कारण के लिये Therefore, hence भग० १, ७; १, १०, २, १; ७, ३; ७, १२, २; दस० ५, १, ११; ६, ११, २६; ८, १, १०; ६, १, १०; ८, २, १६; १०, १, ४; नाया० ८, वेय० १, ३३, २, १८; विवा० ५, पिं० नि० ४, वव० ८, १; सूय० १, २, १, २१, अणुजो० ७, विशे० ११२, क० प० १, ११; गच्छा० ७;

तय स्त्री० (त्वच्) તજ, તેજાનાની એક જાત. दालचिनी. Cinnamom bark. जं० प० २, ३६, भत्त० ४१,

तय त्रि० (तत्क) તે वह That गच्छा० ७५; क० गं० १, १०,

तयणुभाव पुं० (तदनुभाव) તેનો અનુભાગ-

रस. उसका अनुभाग-रस. Its influence, effect. क० प० २, १;

तयणुरूव. त्रि० (तदनुरूप) तेने અનુસાર. उस के अनुसार Resembling that. प० १, १७,

ततक्खाअ-य. पुं० (त्वक्खाद) લાકડાની બહારની છાલ ખાનાર ઘુણો लकड़ी के बाहर की छाल को खाने वाला कीडा. An insect that lives upon the outer bark of wood ठा० ४, १;

तयरणवत्थुक. पुं० (तदन्यवस्तुक) ઉદાહરણનો એક પ્રકાર. उदाहरण का एक प्रकार. A kind of illustration ठा० ४, ३;

तयत्थालोयण पुं० (तदर्थालोचन) ते ते અર્થનો વિચાર. उस उस अर्थ का विचार. A thought of those various meanings. पंचा० ३, ६,

तयत्थि त्रि० (तदर्थिन्) तेना અર્થી उस के अर्थी Its supplicant पंचा०३,२६,

तयन्नमण न० (तदन्यमनस्) દેવદત્તથી અન્ય યજ્ઞદત્ત આદિનું ઘટની અપેક્ષાએ પટમાં મન લાગવુ તે. देवदत्त से भिन्न यज्ञदत्त आदि का घट की अपेक्षा से पट मे चित्त लगना. Application of the mind of Yagñadatta etc different from Devadatta to a piece of cloth in expectation of a pot ठा० ३, ३.

तय. त्रि० (तत) विस्तृत, પસારેલ विस्तृत, पसरा हुआ; फैला हुआ. Extended; spread उत्त० १४, ३६;

तया स्त्री० (त्वच्) तृण-વનસ્પતિનો એક પ્રકાર. तृण बनस्पति का एक प्रकार. A kind of grass-vegetation. ठा० ८; (२) ચામડી, છાલ, ત્વચા. चमडी; छाल; त्वचा. skin; bark. जं० प० ओव० ३१; जीवा० १, ३, ४; सूय० १, २, २, १; २, ३, २; २, १, ४२, पिं० नि० २६७; पन्न० १, ठा० ४, ३; राय० २५८; भग० १६, ४; २१, १; नाया० १५; कप्प० ४, ६१; पंचा० १६, ६; प्रव० ४३६; ११६४; —**आहार.** पुं० (-आहार) ઝાડની છાલનો આહાર કરનાર વાનપ્રસ્થની એક જાત. वृक्ष के छाल का आहार करने वाले वानप्रस्थ की एक जाति. a kind of forest-dwelling ascetics who live on the bark of a tree निर० ३, ३; भग० ११, ६; ओव० —**पाम.** न० (-प्रमाण) ત્વચા છાલ પ્રમાણ. त्वचा छाल प्रमाण. like a bark निसी० ११, २०; —**पाणय.** न० (-पानक) વૃક્ષની છાલનું પાણી. वृक्ष की छाल का पानी. the water of the bark of a tree भग० १५, १; —**फास** पु० (-स्पर्श) ચામડીનો સ્પર્શ. चमडी का स्पर्श. the touch of skin. प्रव० ११६४; —**भोयण.** न० (-भोजन) ઝાડની છાલનુ ભોજન. वृक्ष की छाल का भोजन a food of bark सम०२१; दसा० २, १६; —**रासि.** पुं० (-राशि) છાલનો ઢગલો. छाल का ढेर a heap of bark. भग० १५, १; —**विस.** पुं० (-विष-त्वचि विषं यस्य स त्वग्विषः) ચામડી માત્રના સ્પર્શથી ઝેર ચઢે એવા સાંપની એક જાત. चमडी मात्र के स्पर्श से विष चढ जावे ऐसे सर्प की एक जाति. a species of serpent the mere touch of whose skin is poisonous जीव० १; —**सुह.** न० (-सुख) ચામડીને સુખરૂપ चमडी को सुख रूप. pleasing to the skin. विवा० ६; नाया० १;

तया. अ० (तदा) ત્યારે; તે વખતે. तदा;

तब; उस समय. Then; at that time. नाया० १; ३; ७; १६; भग० १, ६; ६; ५, १; दसा० ५, ३२; ३३; ओव० १२; उवा० १, १४;

तयाणंतर. अ० (तदनन्तर) ત્યાર પછી; તેના પછી. तत्पश्चात्; तदनन्तर; उसकेबाद After that; then. नाया० १; ४; ६; ८; १०; १६; भग० ७, ३;ओव० ३१: जं० प० ७, १३१;

तयाणुग-य. त्रि० (तदनुग) तत्सदृश· તેના જેવું; તેને અનુસરતું. तत्सदृश, उसकेसमान; तद्वत्; उसको अनुसरता हुआ. Like that; similar to that; resembling it. " विवरीयपन्नसभूयं अन्न उत्तं तयाणुगं " सूय० १, १, ४, ५;

तयाणुरूव त्रि० (तदनुरूप) તેના જેવુ; उसके समान, तद्रूप. Like that; in that form. नाया० ८;

तयामंत. त्रि० (त्वगवत् -त्वग् विद्यते यस्यासौ) ચામડી-છાલ વાળુ चमडी- छाल वाला. Skinny; having bark राय०

तयावरण. न० (तदावरण) તેના-આત્માના આવરણ રૂપ જ્ઞાનાવરણીય દર્શનાવરણીય આદિ કર્મ. उसके आत्मा के आवरण रूप ज्ञानावरणीय दर्शनावरणीय आदि कर्म The Karmas known as Jñānāvaraṇīya, Darśanāvaranīya etc; which obscure knowledge and vision. नाया० ८; क० गं० १, ६,

तयावरणिज्ज न० (तदावरणीय) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपर का शब्द Vide above नाया० १; ८, जं० प० ३, ७०; —**कम्म.** न० (-कर्मन्) જુઓ ઉપલો શબ્દ देखो ऊपर का शब्द vide above नाया० १४,

√**तर.** धा० I,II. (तृ) તરવું; ઉલ્લંઘવું; પાર પામવું. तैरना; उस पार जाना, उल्लंघन करना. To swim; to cross.

तरइ. भग० १६, ६; उत्त० ४, १; विशे० १३०; सु० च० २, ४७३; पिं० नि० ४१७;

तरंति. उत्त० १८,५३; ओव० २१; नाया०६;

तरसि. पिं० नि० ३०८,

तरे. वि० आया० १, २, ६, ६६;

(अ)तरिंसु. भू० उत्त० १८, ५३;

तरिस्संति. भ० सूय० १, ३, ४, १८;

तारिहिंति. उत्त० ८, १६;

तरित्तुं स० कृ० दस० ६, २, २४;

तरिउं. उत्त० १६, ४३, सूय० १, ६, २५; भत्त० १८;

तरमाण. भग० १६, ६;

तरिज्जइ. क० वा० सु० च० ३५१;

तिज्जइ क० वा० विशे० १०२५:

तर. पुं० (-) દહીં વગેરે ઉપર જે તર હોય તે. दही इत्यादि के ऊपर जो थर होती है वह. A layer over curds etc. ओघ० नि० ८७; ठा० ५, १,

तर. न०. (तरस्) વેગ; બલ वेग; बल. Speed, power. ओव० ३१;

तरंग. पुं० (तरङ्ग) તરંગ; મોજા; લહેર, तरंग; मोजा, लहर. A wave; a ripple. ओव०१०,२१;जीवा०३,३; राय०४६; नाया० ८; भग० ७, ६; पण्ह० १, ३; भत्त० १२६; कप्प० ३, ४३; जं० प० ५,११६; —**माला.** स्त्री० (-माला) તરંગની માલા-હાર. तरंगो की माला-हार. a wreath of i. e. a series of waves. नाया० ८;

तरंड. पुं० (तरण्ड) મછવો. નાનું વહાણ. छोटी नाव. A small boat. पण्ह० १, ६; —**तुल्ल** त्रि० (-तुल्य) મછવા સમાન. छोटी नाव के समान. like a small boat पंचा० १६.

तरग. त्रि० (तरक—तरन्तीति तरास्त एव तरकाः) તરનાર; પાર પામનાર. तैरने वाला; उस पार जाने वाला. A swimmer; (one) who crosses. "चत्तारि तरगा पराणता" ठा० ४, ४;

तरच्छ. पुं० (तरक्ष) તરસ; દીપડો; વાઘની એક જાત. एक प्रकार का व्याघ्र. A kind of tiger; a hyena. नाया० १; भग० ३, ५; १, ६; पन्न० १; जं० प० पराह० १, १; आया० २, १, ५, २७;

तरण. न० (तरण) તરવું તે; પાર પામવું. तैरना; उस पार जाना. Swimming; crossing. सूय० टी० १, ११, १; विशे० १०२७; भत्त० १५५;

तरणि स्त्री० (तरणि) નાવ, વ્હાણ. नौका; नाव. A boat; ship. भत्त० ५२;

तरणिज्ज. त्रि० (तरणीय) તરવા યોગ્ય. तैरने योग्य. Fit to be crossed; fit to swim. विशे० १०२७;

तरतम त्रि० (तरतम) ન્યૂનાધિક ભાવવાળો. न्यूनाधिक भावयुक्त. Having more or less. विशे० २८६;

तरतमजोग पुं० (तरतमयोग) મુકાબલો; બે વસ્તુની પરસ્પર તુલના કરતાં ન્યૂનાધિકપણું નીકળે તે. तुलना; दो वस्तुओं की परस्पर तुलना करते हुए न्यूनाधिकता निकले वह Comparison विशे०२८६; प्रव०१०६०; —**जुत्त** त्रि० (-युक्त) તરતમયોગ સહિત. तरतमयोग सहित. with comparison. कप्प० ३; ४६;

तरमल्लि त्रि० (*) વેગ ધારણ કરનાર वेग धारण करनेवाला. Bearing speed. जं० प० ७, ११६; ओव० —**हायण.** त्रि० (-हायन—तरं वेगं मल्लते धारयतीति तरमल्ली हायनः सम्वत्सरो वर्तते येषां ते) વેગથી દોડી શકે તે અવસ્થાને પ્રાપ્ત થયેલ ઘોડા બલદ વગેરે. जोर से भागने की शक्ति वाला बैल, घोडा वगैरह. (one) who has reached a state of running with speed e.g. a bull, horse etc. जं० प० ७, १६६; ओव०

तरय. त्रि० (तरक) તરનાર. तैरने वाला. A swimmer. भग० १४, २;

तरल. त्रि० (तरल) ચંચલ. चंचल. Fickle; quick भत्त० १०६;

तरलियमइ. त्रि० (तरलितमति -तरलिता मतिर्यस्यासौ) ચંચલ બુદ્ધિવાળો. चंचल बुद्धिवाला. Fickle-minded. जीवा०१;

तरिअ. त्रि० (तीर्ण) તરી ગયેલ. तर गया हुआ. (One) who has swimmed or crossd सु० च० २,२२७;

तरिअ-य-व्व. त्रि० (तरितव्य) તરવા યોગ્ય. तैरने योग्य. Fit to swim नाया० ६;

तरिउकाम. त्रि० (तरितुकाम) તરવાની ઇચ્છાવાળો. तैरने की इच्छावाला. (One) desirous of swimming. नाया० १४;

तरियं. अ० (त्वरितम्) શીઘ્ર, જલદી. शीघ्र; सत्वर Soon; immediately. नाया० १;

तरियार. त्रि० (तरितृ) તરનાર. तैरनेवाला. A swimmer. विशे० १०२७;

तरी. स्त्री० (तरी तरान्ति जनान्यनयति) તરવાનું સાધન મચ્છવો. तैरने का साधन; नाव. A means to sail; a boat. पिं० नि० १०२;

तरु पुं० (तरु) વૃક્ષ; ઝાડ. वृक्ष. A tree. आया० २, १०, १६६; ओव० ३८; नाया० १; भग० २, १; जीवा० ३; (२) વનસ્પતિ કાય वनस्पति काय vegetation-embodiment प्रव० ४८८; क० गं०३,१२;—**काल** पुं० (-काल) વનસ્પતિ કાલ; અનંતકાલ. वनस्पति काल; अनंत

काल. infinity; a period of vegetation. भग० ११, १; विशे० ३३३७; —गण. पुं० (-गण) વૃક્ષ સમૂહ. वृक्ष समूह. a collection of trees. प्रव० १११३; —पक्खंदोलय. त्रि० (-पक्षान्दोलक-तरुपक्षे तरुपार्श्वे आत्मानमान्दोलयन्ति ये ते तथा) ઝાડ ઉપરથી પડીને મરનાર; બાલ મરણનો એક પ્રકાર. वृक्ष के ऊपर से गिरकर मरने वाला. (one) who dies of a fall from a tree. ओव० —पडण न० (-पतन) ઝાડ ઉપરથી પડીને મરવું તે; બાલ મરણનો એક પ્રકાર. वृक्ष से गिर कर मरजाना; बाल मरण का एक प्रकार dying of a fall from a tree; a kind of ignorant death. ठा० २, ४, निसी०११, ४१, नाया० १६; भग०२,१; —पडणट्ठाण न०(-पतनस्थान यत्र मुमूर्षव एवानशनेन तरुवत्पतिता स्तिष्ठन्ति तत् तरुयो वा यत्र पतन्ति) ઝાડ ઉપરથી પડીને મરવાનું સ્થાન वृक्ष पर से गिर कर मरने का स्थान a place to die of a fall from a tree. " गिद्धपट्ठ ट्ठाणेसुवातरु पडणट्ठाणेसुवा " आया० २, २, ३, १६६; —वर पुं० (-वर) મોટો ઝાડ. बडा वृक्ष a big tree. नाया०१; —संपया स्त्री०(-संपत्) વૃક્ષની સંપત્તિ. वृक्ष की संपत्ति prosperity or wealth of trees. नाया०११;

तरुण त्रि० (तरुण) યુવાન-જુવાન. युवा, तरुण Young भग० ६, ३३; १४, १; १५, १; १६, ४; १६, ३; २४, ८; नाया० १; ओघ० नि० २०; ओव० १०, जीवा० ३, २, ३, राय० ३२, आया० २, ५, १, १४१; उत्रा० ७, २१६; गच्छा० १०६, कप्प० ३ ४२, (२) નવીન; તાજું नया, ताजा fresh; new. ओव० १०; —आइच्च. पुं० (-आदित्य) સવારના પહોરનો સૂર્ય. प्रातःकाल का सूर्य the morning sun. उत्त० ३४, ७:

तरुणअ पुं० (तरुणक) નાનો બાલક; સ્તનન્ધય. छोटा बालक; स्तनन्धय. A child; a suckling. " पूयणां इव तरुयए " सूय० १, ३, ४, १३;

तरुणग. त्रि० (तरुणक)નવું. नया. New. भग० १५, १; दस० ५, २, १६;

तरुणिया-आ स्त्री० (तरुणिका) કાચી વનસ્પતિ कच्ची वनस्पति. Raw vegetation. आया०२, १, १,२; दस०५, २, २०;

तरुणी स्त्री० (तरुणी) યુવાન સ્ત્રી; યુવતી. युवा स्त्री, युवती. A young female. भग० ६, ३३; १९, ३; नाया० १: पराह० २, ४; —पडिकम्म न० (-प्रतिकर्म) સ્ત્રીને શોભાવવાનું વિજ્ઞાન; ૩૧ મી કલા. स्त्री को शोभा देने का विज्ञान; ३१ वीं कला. an art of adorning a lady; the 31st art जं० प० ओव० ४०, नाया०१;

√तल धा० II. (तल्) તેલમાં તલવું. तेल में तलना. To fry in oil.

तलेति. विवा० ३;

तल पुं० (तल) હાથનું તળીઉં; હથેલી. हाथ का तल; कर तल; हथेली. The palm. जं० प०५,११२; ७,१४०; नाया०१; ठा०८; ओव० पन्न० २; जीवा० ३, ४; राय० २८; सू० प० १८, ओघ० नि० ४६०; सम० प० २१०; (२) મધ્યખંડ मध्य खंड. the middle portion. ठा० ८; (३) તળીઉં, ભુમિનું તળુ. तला, भूमि का तल; भूतल. the surface of the earth. ओव० १०, पन्न० २, सम० ११, भग० १५, १; पि० नि० ३५७, नाया० १; विवा० ३; उवा० २, १०२; १०४;

तल पुं० (*ताल) તાડવૃક્ષ અને તેનું ફલ ताडवृक्ष व उस का फल The palm

tree or its fruit. नाया० ८; भग० ११, ११; दसा० ५, ३४; ३५; वव० १;

तल. पुं० (ताल) તાડ વૃક્ષ અને તેનું ફળ. ताड वृक्ष व उसका फल. The palm tree or its fruit. नाया० ८; भग० ११, ११; दसा० ५, ३८; ३५; वव० १; (२) હાથના તાલ; તાલીનો અવાજ. हाथ के ताल करतल ध्वनि clapping of hands. जीवा० ३, ३; सूय० २, २, ५५; नाया० राय० —**ताल** पुं० (-ताल) ગાયનના તાલપ્રમાણે બે હથેલીથી પાડવામાં આવતિ તાલી, તાલ. गाने के ताल के अनुसार दोनों हथेली से बजाई जाती ताली; ताल. clapping of hands to keep time to singing. जं० प० ५, ११५; ओव० ३२, नाया० १७, कप्प० २, १३; —**पत्त.** न० (-पत्र) તાલ વૃક્ષના પાંદડા. ताल वृक्ष के पत्ते. palm leaves. नाया० १७; —**प्पमाणमेत्त.** न० (-प्रमाणमात्र) તાલ વૃક્ષ પ્રમાણે ताल वृक्ष समान resembling a palm tree. नाया० ८; —**फल** न० (-फल) તાલ વૃક્ષનું ફલ ताल वृक्ष का फल. the palm-tree fruit भग० १७, १; —**संपुड** न० (-सम्पुट) તાલના સુકા પાંદડાનો પડો ताल के सूखे पत्तों का पुडा a bundle of dried palm leaves " तेतिप्पमाणा तलसंपुडंव " सूय० १, ५, १, २३;

तल. पुं० (*तिल) તલ; એક પ્રકારનું ધાન્ય. तिल, एक प्रकार का धान्य. Sesamum, a kind of seed. सू० प० ११,

***तलश्रोडा.** स्त्री० (तलोडा) એ નામનો ગુચ્છો; તેલેડા. इस नाम का गुच्छा, तलोडा. A bunch, cluster of this name. पन्न० १,

तलण. न० (तलन) તલવું; ભુંઝવું तलना; भूनना. Frying: roasting. पण्ह० १, १; विवा० ३;

तलभंगय. न० (तलभङ्गक) ભુજામાં પહેરવાનુ આભૂષણ भुजा में पहिनने का आभूषण. An ornament worn on the arms. जीवा० ३, ३; ओव० ३२; पन्न० २;

तलवर. पुं० (तलवर) રાજાએ પ્રસન્નતાથી બક્ષીસ આપેલ રત્નભૂષિત સુવર્ણપટ્ટ મસ્તકે ધરનાર ધનવાન્ ગૃહસ્થ. राजाने प्रसन्नता मे पारितोषित किया हुआ रत्नभूषित सुवर्णपट मस्तक पर धारण करने वाला धनवान् गृहस्थ. A rich man wearing on his head a gold medal studded with jewels which is presented by a king. पन्न० १६; जं० प० जीवा० ३, ३; नाया० १; अणुजो० १६, ओव० कप्प० २, ६२; (२) કોટવાલ. कोटवाल. a city guard. निर० ३, ४; राय० २४३; नाया० ५; १४; १६; भग० ६, ३३, १५, १; (३) તલાટી. पटवारी. a village revenue officer or accountant अणुजो० १३१;

तणाश्र-य. पुं० (तडाग) તલાવ. तालाव. A pond. ओव० ३८;

तलाग. पुं० (तडाग) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपरका शब्द. Vide above. आया० २, १, १, १२; अणुजो० १३०; पन्न० २, ओव० जीवा० ३, ३, उत्त० ५, ३०; विशे० ६२५; पण्ह० २, ४;

तलार. पुं०(*तलवर) કોટવાલ. कोटवाल,नगर -रक्षक अधिकारी. The city-guard; a police officer. सु० च० ११, ६०;

तलिश्र-य त्रि० (तलित) તલેલ; ભુંઝેલ. तला हुआ. भूना हुआ. Fried; roasted. विवा० २; उवा० ८, २४०;

तालिश्र त्रि० (तलिक) જોડા- પગરખાંથી

ઢંકાયેલ પગ. जूतो से ढका हुआ पैर. foot covered by a shoe ओघ० नि० ६८;

तलिआ. स्त्री० (तलिका) તલાઇ. तलाई; सुजनी A small pond. गच्छा० ११४;

तलिगा स्त्री० (तलिका) સપાટ, મોજડી सपाट; जूता Slippers प्रव० ६८३,

तलिण त्रि० (तलिन) પાતલું; ઝીણું. पतला, बारिक Thin जीवा० ३, ३, जं० प० ओव० १०;

तलिम. न० (तलिमत्) કરતાલ करताल Clap of a hand सु० च० २, ५८७;

तलिम. न० (॰) શય્યા; પલંગ વગેરે शय्या, पलंग इत्यादि A cot; a bed नाया० १६;

तलिमा. स्त्री० (*) શય્યા. शय्या. A cot. नाया० १६,

तलिया. स्त्री० (तलिका) એક જાતનું વાસણ પાત્ર विशेष, एक जाति का बरतन-पात्र. A kind of vessel. भग० ११, ११;

तलुण त्रि० (तरुण) જુઓ "तरुण" શબ્દ देखो "तरुण" शब्द. Vide "तरुण" नाया० १६,

तल्लअ न० (तल्लज) એક જાતનું ઘાસ. एक प्रकार का घास A kind of grass. पण्ह० २, ३,

तल्लिच्छ. त्रि० (तल्लिप्स-तत्पर) તેની ઇચ્છા-વાળો. उस की इच्छा वाला Desirous of that सु० च० २, २४२, नाया० ४,

तल्लेसा स्त्री० (तल्लेश्या) તે સંબંધી લેશ્યા उसके सबंधमें लेश्या A thought-tint related to that भग० १, ७, ३, ४,

√तव धा० I, II (तप्) તપવું. तपना To get heated (२) તપાવવું. तपाना, गरम करना. to heat.

तवेइ भग० १, ६;

तवइ राय० १२०;

तवेंति भग० ७, १०, ८,८; सू०प० १८,

तवंति. जीवा० ३, ४; जंप० ५, १२१;

तवइस्सति भग० ७, ६;

तविस्संन्ति. जं०प० २, ३६; ७, १२६;

तवइंसु भू० जं०प० ७,१२६;

तवयइ. प्रे० सम० १६;

तवयन्ति. प्रे० जं०प० ७, १३६;

तव. पुं० (तपस्) જેનાથી કર્મનો ક્ષય થાય તે તપકર્મ, અનશન આદિ બાર પ્રકારના તપ, તપસ્યા. जिससे कर्मोंका क्षय होता है वह तपकर्म, अनशन आदि बारह प्रकार के तप, तपस्या. An austerity, a penance e. g fasting etc; that which destroys the Karmas तवसा. तृ० ए० व० नाया० १, ५; १६; भग० ८, ७; नाया० दस० ५, २, ६; ४२, ६, १; ६८, ८, ६२; १०, १, ७, १४, भग० १, ६, ४२, १,पन्न० १, २३; जीवा० ३; उत्त० १, १६; ४७; २६, २, ओव०१२,२०, सम० १०; जं० प० नदी० ५, पिं० नि० १८५; २६२; ओघ० नि० ५२६; ठा० ५, १, आया०१, २, ३, ७६; उवा० १, ७२, प्रव० ६; आव० १, १, गच्छा० ५; १००; पंचा० ६, ५, ११, १६, भत्त० ३, १२८,

—**अमद.** त्रि० (-अमद) તપના મદથી રહિત. तप के मद से रहित. free from the pride of austerity. भग० ८, ६, —**अरिह** त्रि० (-अर्ह) તપને યોગ્ય. પ્રાયશ્ચિત્તનો છઠ્ઠો પ્રકાર. तप के योग्य, प्रायश्चित्त का छठा प्रकार fit to perform an austerity, the 6th form of expiation ठा० ८, १०, भग० २५, ७, —**आयार** पुं० (-आचार) બાર પ્રકારના તપનો આચાર, જેથી તપ શુદ્ધ થાય

ते बारह प्रकार के तप का आचार; जिससे तप शुद्ध हो वह the performance of the austerity of 12 kinds; that which purifies an austerity. " अगिलाए अणाजीवी नायव्वो सो तवाऽऽयारी " ठा० २, ३; ५, २; सम० प० १६८, —उवहाण. न० (-उपधान) ઉપધાન તપ. उपधान तप the Upadhāna austerity " तवोवहाणे मुणिवेजयंत " सूय० १, ६, २०, पंचा० ६; सम० प० १६८, —गुण पुं० (-गुण) તપના ગુણ આચાર, અનશન આદિ तप के गुण आचार, अनशन आदि. the varieties of austerity; fasting etc ठा० ६;—चरण न० (-चरण) તપનું આચરણ કરવું તે. तप का आचरण करना, संयम अनुष्ठान the practice of austerity or self-restraint "तवचरणे होइजइयव्वं" सूय० नि० १, ५, १, ६५; अणुजो० १३०; नाया० ६; —चरणसमत्ति स्त्री० (-चरण समाप्ति) તપશ્ચર્યાની સમાપ્તિ, તપપુરુ થાય તે तपश्चर्या की समाप्ति, तप का संपूर्ण होना the fulfilment or completion of an austerity. प्रव० १५६३, —चरणि त्रि० (-चरणिन्) તપોનુષ્ઠાન કરનાર, તપસ્વી तपोनुष्ठान करने वाला, तपस्वी an ascetic, one who practices austerity. " साइज्जंतो एगं वच्चइ एसो तवच्चरणी " ठा० ५, ३; —च्चियाय. न० (-त्याग) તપ અને ત્યાગદાન तप व त्यागदान. austerity and renouncement नाया० ८, —तेण त्रि० (-स्तेन) તપ સંબંધી જુઠું બોલનાર,જેમકે કોઇએ કોઇ કૃશ મુનિને પૂછ્યું કે તમે તપસ્વી છો? ત્યારે તેણે કહ્યુ કે હા, મુનીઓ તપસ્વી હોય છે तप के संबंध में असत्य बोलनेवाला; यथा किसी ने कृश मुनि से पूछा कि आप तपस्वी हैं? तब उसने उत्तर दिया कि हाँ मुनिगण तपस्वी होते है. (one) who tells a lie in connection with austerities, e. g. when one asked of an emaciated sage whether he was practising penances, he said " Yes, all the sages peoform penances " "तवतेणे वयतेणे" दस० ५, २,४६, —दुद्दम. त्रि० (-दुर्दम) તપે કરી પણ જેનું દમન ન થઇ શકે તે. तप से भी जिसका दमन न हो ऐसा. that which cannot be subdued even by a penance. प्रव० ७६१; —नियम. पुं० (-नियम) તપ અને નિયમ-પચ્ચખાણ तप और नियम-पच्चखाण. austerity and regulation or vow जं० प० ७, १६२; —निरय. त्रि० (-निरत) તપમાં લયલીન-તત્પર तप में तल्लीन-तत्पर. devoted to austerities. सू० च० १, ३८८, —प्पहाण. त्रि० (-प्रधान) તપમાં પ્રધાન-ઉત્તમ तप में प्रधान-उत्तम. the best in austerities नाया०१;राय०—बल न० (-बल) તપનું સામર્થ્ય. तपका सामर्थ्य. the power of austerities. ठा० १०; —मअ-य. पुं० (-मद) તપનો મદ-અહંકાર तप का मद-अहंकार. the pride of austerity सम० ८; ठा० १०; —मद पुं० (-मद) જુઓ ઉપલો શબ્દ देखो ऊपर का शब्द vide above. ठा० ८, १; —विणय. पुं० (-विनय) તપસ્યા અને વિનય तपस्या व विनय austerity and modesty प्रव० ६७२; —विसय पुं० (-विषय)

तपनो विषय. तप का विषय. an object of austerity. नाया० ८; —संजम. न० (-संयम) तप अने संयम. तप व संयम. austerity and self-restraint. प्रव० ५६१; दस० ८, ४१; —संजमप्पहाण. पुं० (-संयमप्रधान) तप अने संयममा प्रधान तप व संयम में श्रेष्ठ. chief in austerity and self-restraint. "तवसंजमप्पहाण गुणधारी जे वयंति सदब्भावं" सूय०नि०१, ११,११४; —संजमरय पुं० (-संयमरत) तप अने संयममा तत्पर तप व संयम में तत्पर. devoted to austerities and self-restraint. ओव० —संयउत्त. त्रि० (-सम्प्रयुक्त) छट्ठ अट्ठमादि तपमां जोडायेल एक दिन या दो दिनके तप में रत. given to the austerities of one day or two day's fast etc. कप्प० ६, ६१; —सत्त त्रि० (-सक्त) तपमा तत्पर-प्रेमी तप में तत्पर-प्रेमी. devoted to austerities प्रव०५५१;—समाहि. पुं० (-समाधि) तपनी समाधि, केवल निर्जरा अर्थे समाधिभावे तप करवुं ते तप की समाधि; केवल निर्जरा के हेतु समाधि भाव से तप करना. a contemplation in the form of austerity; practising a penance in the form of contemplation in order to destroy the Karmas. "चउव्विहाखलु तवसमाही भवइ" दसा० ६,४१; —सामायारी स्त्री० (-सामाचारी) बार प्रकारे तप करवु ते; तपनुं अनुष्ठान द्वादश प्रकार से तप करना; तप क अनुष्ठान. practising of penances in 12 ways, the practice of an austerity दसा० ४, ७; —सूर त्रि० (-शूर) तप करवामां शूरो. तप करने में शूर. brave in performing penance. "तवसूरा अणगारा" संथा० ठा० ४, ३;

तवअ. पुं० (तवक) तावडो. तवक; तसला; थाली. A flat dish; a plate; a tray. विवा० ३;

तवग्ग. पुं० (तवर्ग) त, थ, द, ध, न नो वर्ग. त, थ, द, ध, न का वर्ग. The class of dentals e. g. Ta, Tha, etc राय० ६४;

तवग्गपविभत्ति. न० (तवर्गप्रविभक्ति) ए नामनुं ३२ नाटकमांनुं १८ मुं नाटक. इस नाम का ३२ नाटक में से १८ वां नाटक. The 18th drama so named out of the 32. राय० ६४,

तवण. पु० (तपन-तपतीति तपनः) रवि; सूर्य. रवि; सूर्य The sun. अणुजो० १३१; पिं० नि० भा० १; —अच्चिमालि. पु० (-अर्चिमालिन्) ताप करतो सूर्य. गर्मी-उष्णता देनेवाला सूर्य. the heat-producing sun. दस० ६, १, १४;

तवणा स्त्री० (तपन) सूर्यनो ताप. सूर्य का ताप. The heat of the sun. उत्त० २०, ५;

तवणिज्ज. न० (तपनीय) रातुं सोनुं, तपावेल सोनुं रक्त सुवर्ण; गरम किया हुआ सोना. Red or heated gold. "तवणिज्जवालुया पत्थडे" जीवा० ३, ४; सम०प० २१३; ओव० १०, नाया० १, राय०६१, ६३; १६४; भग० १५, १; पन्न० १, २, जं०प० ५,१२३; ७, १६६; ५, ११६; ४, ६३, ४; १०७; —उज्जल. त्रि० (-उज्ज्वल) राता सुवर्ण जेवु उज्ज्वल. गरम किये हुए सुवर्ण समान उज्ज्वल (anything) as bright as heated gold भग० ६, ३३;

तवणिज्जकूड. पुं० (तपनीयकूट) જંબુદ્વીપના રૂચક પર્વતનું એક કૂટ-શિખર. जंबूद्वीप के-रुचक पर्वत का एक कूट-शिखर. A summit of the mount Ruchaka of Jambūdvīpa. ठा० ८;

तवणिय. त्रि० (तपनीय) તપવા યોગ્ય. गरम होने योग्य; तपने योग्य. Fit to be heated. नाया० १;

तवय. पुं० (तवक) તાવડો; કડાઇ. तसला; कढाई. A tray; a frying pan सु० च० ४, २१०;

तवस्सि त्रि० (तपस्विन्-तपश्चरितुं शील मस्येति) અનશન આદિ બારપ્રકારે તપ કરનાર. अनशन आदि बारह प्रकार से तप करनेवाला (One) who practises penance in twelve ways viz fasting etc. भग० २,१,३,२; ८, ८; १२, २; १५, १; २५, ७; उत्त० २, २; १२, १०; सय० २, ६, ७; वेय० ३, १६; दस० ५, २, ४२, ६, ६०; ८, ३०; पिं०नि० ६६०; सु० च० १, ३८८; दसा० ५, ३०; ठा० २, ४; नाया० ८; ओघ०नि० ५३७; उवा० १, ७६; कप्प० ६, २०; पंचा० १४, १४; प्रव० १८६, ५६४, —**वेयावच्च.** न० (-वैयावृत्य) તપસ્વીની વૈયાવચ્ચ કરવી. तपस्वी की वैयावच्च करना service of an ascetic. ठा० ५, १; वव० १०, २७; भग० २५, ७,

तविय. त्रि० (तप्त) તપેલ ગરમ થયેલ गरम किया हुआ, तपाया हुआ. Heated; warmed. सू०प० ११; सु० च० १, ३२; भग० २५, १; ठा० ५, ३;

तविय. त्रि० (तापित) તપાવેલ. गरम-उष्ण किया हुआ. Heated. जं०प० भग० ११, ११; नंदी० ३७; सु०च० ४, ३१०;

तवोकम्म. न० (तपःकर्म) કર્મને તપાવનાર તપ કર્મ; તપોનુંષ્ઠાન. कर्मों को तपाने वाला तपकर्म; तपोनुष्ठान. Austerity; the practice of penance. ठा० २, १; नाया० १; ६, ८; १३; भग० २, १; ५; ३, १; ७, ६; ८, ६; ६, ३१; वेय० ४, २५; वव० १, ३७; ओव० १५; सम० ६; दसा० १०; ११;

तवोकम्मगंडिया स्त्री० (तप.कर्म्मगण्डिका) તપ કર્મના અધિકારવાળુ પુસ્તક. तप कर्म के अधिकार वाला पुस्तक. A book containing the description of austerities. सम०

तवोधन. न० (तपोधन -तप एव धनं यस्य सः) તપસ્વી; તપ એજ જેનું ધન છે તે. तपस्वी; जिसका तप ही धन है वह An ascetic; (one) whose wealth is austerity. " अणगारेतवोधणे " उत्त० १८, ४;

तवोमग्गगइ स्त्री० (तपोमार्गगति) ઉતરાધ્યયનના ૩૦ માં અધ્યયનનું નામ. उत्तराध्ययन-सूत्र के ३० वें अध्ययन का नाम. Name of the 30th chapter of the UttarādhyayanaSūtra. सम०

तवोमय. पुं० (तपोमद) તપનો મદ. तप का मद. The pride of austerity. "पन्नामयं चेव तवोमयं च" सूय० १, १३, १५;

तवोवण न० (तपोवन) તપોવન; તપ કરવાનું સ્થલ. तपोवन; तप करने का स्थल. A penance-grove; a place of performing a penance ओघ० नि० १६४;

तव्वइतिरित्त त्रि० (तद्व्यतिरिक्त) તેથી જુદુ; તે સિવાય. उससे पृथक; उसके अतिरिक्त. Different or other than that. ठा० २, १; भग० २, ५;

तव्वक्खाण. न० (तद्व्याख्यान) તેનું વ્યાખ્યાન; કથન. उसका व्याख्यान; कथन.

Its description or expostulation. विशे० ३;

तव्वग्ग. पुं० (तद्वर्ग) तेनो वर्ग-जे संख्या होय तेने तेटला गणा करीये ते. उसका वर्ग-जो संख्या हो उसके उतने ही गुने किये जाय वह. Its square; squaring a number क० गं०४, ८७;

तव्वज्जण न० (तद्वर्जन) तेने वर्जवुं-छोडवु ते उसको छोडना-त्याग करना. Abandoning that. नाया० १५;

* **तव्वणिय.** पुं० (*) बौद्ध धर्मने माननार; बौद्धनो अनुयायी. बौद्ध धर्म को मानने वाला. (One) who follows the Buddhist religion. विशे० १०४१,

तव्वत्थुअ पुं० (तद्वस्तुक) वादीए जे साधननो उपन्यास कर्यो होय तेने लईनेज प्रतिवादी उपपत्ति पूर्वक प्रत्युत्तर आपे ते. वादी ने जिस साधन का उपन्यास किया हो उसे लेकर ी प्रतिवादी का उपपत्ति पूर्वक प्रत्युत्तर देना. Giving a persuasive reply by the defendant taking the very point which the plaintiff has advanced ठा० ४, ३;

तव्वयण पुं० न० (तद्वचन) व्युत्पत्ति अनुसार थता अर्थने कहेनार शब्द-यौगिक शब्द पंकज वगेरे. व्युत्पत्ति के अनुसार होते हुए अर्थ को कहने वाला शब्द, यौगिक शब्द, पंकज इत्यादि. A derivative, etymological word e g. Pankaja etc. ठा० ३, ३; पचा० ४, ३४,

तव्विमुक्क. त्रि० (तद्विमुक्त) तेनाथी मुक्त उससे मुक्त Free from that नाया० ६;

तव्विवरीअ त्रि० (तद्विपरीत) तेनाथी विपरीत; उलटुं. उससे विपरीत. Opposed to that. विशे० ५६; भग० १६. ६; गच्छा० ६७;

तव्विसअ पुं० (तद्विषय) तेनो विषय. उसका विषय. Its object. विशे ४८७; —**वियारणा.** स्त्री० (-विचारणा) तेना (शास्त्रना) विषयनो विचार करवो ते उसके (शास्त्रके) विषय का विचार करना thinking or meditation of that (scriptural) subject प्रव० ६५:

तव्विसेसण. न० (तद्विशेषण) तेनुं विशेषरूपे ज्ञान. उसका विशेष रूप से ज्ञान. Its particular knowledge. विशे०२५४;

√**तस.** धा० I. (त्रस्) त्रास पामी भागी छुटवुं; पलायन करवुं. त्रस्त होकर पलायमान हो जाना-छू हो जाना-भग निकलना To run away being troubled तसंति आया०१,१, ६, ४०; सूय०१,७,२०;

तस. पुं० (त्रस) दुःखथी त्रास पामी एक स्थानथी बीजे स्थाने जवानी गति शक्ति वाला प्राणी; त्रस जीव; बे इन्द्रिय आदि जीव. दु ख से त्रस्त होकर एक स्थान से दूसर स्थान को जाने की शक्ति वाले प्राणी त्रस जीव; द्वि इन्द्रिय आदि जीव. That which would run away being frightened, a mobile creature. आया०१,१, ६, ४८; नदी०४५; ठा० ३, २; २,१;दस० ४, ६, १०, २४; सूय०१,७,२०; उत्त० ५, ८, १०; ओव० ३८; क० गं० १, २६; (२) त्रसकाय मार्गणा. त्रसकाय मार्गणा soul-quest of a mobile creature क० गं० ४, २२; (३) नामकर्मनी एक प्रकृति के जेना उदयथी जीव त्रसपणुं पामे नामकर्म की एक प्रकृति कि जिसके उदय से जीव त्रसपना प्राप्त करे a nature of Nāma Karma by

the rise of which a soul gets the body of a mobile creature. पन्न० २३; —काइय. त्रि० (-कायिक) त्रसडाय ७व त्रसकाय जीव. a mobile-bodied being. भग० ८, २; दस० ४; —काय-अ. पुं० न० (-काय) હાલતા ચાલતા જીવ; બે ઇન્દ્રિય, તે ઇન્દ્રિય, ચો ઇન્દ્રિય અને પંચેન્દ્રિય જીવ. हिलने चलने वाला जीव; द्वि-इंद्रिय, तेइंद्रिय, चेइंद्रिय व पंचेंद्रिय जीव. a mobile being; two-three-four and five-sensed beings. श्राव० ४, ७; आया० १, ६, १, १२; सूय० २, ८, ६; सम० ६; भग० ५, ६; ७, १०; दस० ६, ४४; क० गं० ४, १३; —कायसमारंभ. पुं० (-कायसमारंभ) ત્રસકાયનો સમારંભ; ત્રસ કાયને ઉપદ્રવ કરવો તે. त्रस काय का समारम्भ; त्रस काय को उपद्रव करना. causing injury or harm to a mobile being दस० ६, ४६; —चउ. न० (-चतुष्क) ત્રસનામ, બાદરનામ, પર્યાપ્તનામ અને પ્રત્યેકનામ એ ચાર પ્રકૃતિ. त्रसनाम, बादरनाम, पर्याप्तनाम व प्रत्येकनाम ये चार प्रकृति. the four Karmic matters viz. Trasanāma (mobile name), Bādaranāma (gross name), Paryāptanāma, (developable name) and Prateyaka-nāma (one-souled-constitutional name). क० गं० १, २८; ५, १३; —चउक्क. न० (-चतुष्क) ત્રસ, બાદર, પર્યાપ્ત અને પ્રત્યેક એ નામ કર્મની ચાર પ્રકૃતિનો સમુદાય त्रस, बादर, पर्याप्त व प्रत्येक इन नामकर्म की चार प्रकृतियों का समुदाय an aggregate of the 4 Karmic matters, viz. Trasa, Bādara, Paryāpta and Pratyeka. क० गं० १, २८; —जिय. पुं० (-जीव) ત્રસ જીવ. त्रस जीव. a mobile creature. क० प० ४, ७; १, ४४; —णवग. न० (-नवक) ત્રસ, બાદર આદિ નામકર્મની નવ પ્રકૃતિનો સમૂહ. त्रस, बादर आदि नामकर्म की नौं प्रकृतियों का समूह. an aggregate of the nine Nāma Karmic matters viz. Trasa, Bādara etc. क० गं० २, ६; —तिग. न० (-त्रिक) ત્રસ, બાદર અને પર્યાપ્ત એ ૩ પ્રકૃતિનો સમૂહ. त्रस, बादर व पर्याप्त इन तीन प्रकृतियों का समूह an aggregate of 3 Karmic matter viz. Trasa, Bādara and Paryāpta. क० गं० २, २३; ३३; —थावर. पु० (-स्थावर) ત્રસ અને સ્થાવર જીવ. त्रस व स्थावर जीव mobile and immovable creatures. दस० १०, १, ४; प्रव० ८२६; १२४७; —दसग. न० (-दशक) ત્રસ, બાદર આદિ નામકર્મની દસ પ્રકૃતિનો સમૂહ. त्रस, बादर आदि नामकर्म की दश प्राकृतियों का समूह. an aggregate of the 10 natures of Nāma Karma viz. Trasa, Bādara etc क० गं० १, २६; —नव. न० (-नवक) ત્રસ, બાદર, પર્યાપ્તિ, પ્રત્યેક, સ્થિર, શુભ, સૌભાગ્ય સુસ્વર અને આદેયનામ એ નામકર્મની નવ પ્રકૃતિઓનો સમૂહ. त्रस, बादर, पर्याप्त, प्रत्येक, स्थिर, शुभ, सौभाग्य, सुस्वर व आदेयनाम इन नाम कर्म की नौं प्रकृतियों का समूह. an aggregate of the 9 natures of Nāma Karma viz. Trasa, Bādara, Paryāpta, Pratyeka, Sthira, Śubha, Saubhāgya, Susvara and Ādeyanāma. क०

गं॰ २, ६; —नाडी स्त्री॰ (-नाडी) त्रस જીવોને રહેવાનો પ્રદેશ કે જે લોકની વચ્ચે એક રાજ પ્રમાણ લોકના નીચેના છેડાથી ઉપરના છેડા સુધી છે. त्रस जीवों को रहने का प्रदेश कि जो लोक की मध्यमे एक राज प्रमाण लोक के नीचे के सिरेसे ऊपर के सिरे तक है the space occupied by mobile creatures, which measures one Rāja in the middle of the world, and extends from the lower to *the upper extremity of* the world. प्रव॰ १३; —नाम. न॰ (-नामन्) જેના ઉદયથી ત્રસપણું મલે તેવી નામકર્મની એક પ્રકૃતિ जिसके उदय से त्रसत्व प्राप्त हो ऐसी नामकर्म की एक प्रकृति a nature of Nāma Karma by the rise of which a soul gets birth as a mobile creature. सम॰ २८, —पाण पुं॰ (-प्राण) હાલતા ચાલતા પ્રાણી. चलता फिरता प्राणी. a mobile creature. उत्त॰ २४, १८; प्रव॰ ६१७; —पाणसमारंभ पुं॰ (-प्राणसमारंभ) ત્રસ જીવોની હિંસા. त्रस जीवों की हिंसा. injury to the mobile creatures भग॰ ७, १; —वीस. न॰ (-विंशक) ત્રસ વિંશક; ત્રસ બાદર આદિ નામકર્મની વીશ પ્રકૃતિઓનો સમૂહ. त्रस विंशक, त्रस बादर आदि नामकर्म की बीस प्रकृतियों का समूह an aggregate of the 20 natures of Nāma Karma viz Trasa, Bādara etc क॰गं॰ ४, १६;

तसकायियत्ता स्त्री॰ (-त्रसकायिकता) ત્રસકાયપણું त्रसकायत्व-पना. The state of having a mobile body भग॰ ६, ४;

तसत्ता. स्त्री॰ (त्रसता) ત્રસપણું त्रसत्व; त्रसपना. Mobility. सूय॰ २, ७, ६;

तसरेणु. पुं॰ (त्रसरेणु) વાલાગ્રનો ६४ મો ભાગ; રથરેણુનો આઠમો ભાગ. वालाग्रका ६४ वां भाग; रथरेणु का आठवां भाग. the 64th part of Vālāgra (the tip of a hair); the 8th part of Ratharenu. अणुजो॰ १३४, जं॰प॰ २, १६, भग॰ ६, ७, प्रव॰ १४०१,

तसवाइया स्त्री॰ (त्रसपादिका) ત્રિઇંદ્રિય જીવ વિશેષ त्रिइन्द्रिय जीव विशेष A particular three-sensed being जीवा॰ १;

तसिय. त्रि॰ (त्रस्त) ત્રાસ પામેલ त्रस्त, त्रास पाया हुआ. Troubled, harassed. नाया॰ १; ३; ४, ५, भग॰ ३, १, १२, १; १५, १, दस॰ ४; पन्न॰ २; उवा॰८, २५६,

तसेत्तिकाल. पुं॰ (त्रसत्वकाल) ત્રસપણામાં રહેવાનો કાલ. त्रसपने में रहने का काल The period of existing in a state of mobility. जीवा॰ १,

तसन्नि. त्रि॰ (तत्संज्ञिन्) વિવક્ષિત જ્ઞાનવાલો विवक्षित ज्ञानवाला. Having a particular knowledge alluded to आया॰ १, ५, ४, ४७, १, ५, ६, १६६;

तस्सम त्रि॰ (तत्सम) તેના જેવું. उसके समान Like that विशे॰ १३०;

तस्सीलय त्रि॰ (तच्छीलक) તેના સ્વભાવવાળો. उसके स्वभाववाला Having that nature. विशे॰१०४७;

तस्सेवि त्रि॰(तत्सेविन्) આલોચનાનો એક દોષ; જે દોષ પ્રથમ સેવ્યો હોય તે પુનઃ સેવનાર जिस दोष का पहिले सेवन किया हो उसे पुनः सेवन करने वाला, आलोचना का एक दोष Indulging in the same

fault which is once incurred; a fault of Ālochanā (confession) भग० २५, ७; ठा० १०;

तह. न० (तथ्य) યથાર્થ. यथार्थ. True. "तहमेवं देवाणुप्पिया" भग० ११, ११; सूय० नि० १, १३, १२२;

तहं अ० (तथा) તેમજ; તે પ્રકારે. उसी रीतिसे; उस प्रकारसे. In that manner भग० २, १; उवा० १, १२,

तह अ० (तथा) તે પ્રકારે; તેવી રીતે. उस प्रकार-रीतिसे; ऐसी रीतिसे. In that or this manner. नाया० १, ६; ७; ८; ९; १०; ११; १५; १६; १८; भग० २, १; १०; ५. ६; पन्न० ११; विवा० १; उवा० १, ६७, प्रव० ८. क० गं० २, १;

तहक्कार. पुं०(तथाकार) ગુરૂએ તત્વ પ્રતિપાદન કરતી વખતે કે શાસ્ત્રનો પાઠ આપતી વખતે શિષ્ય તહત્તિ-તેમજ છે, એમ કહે તે સામાચારીનો આઠમો પ્રકાર गुरुजी जब तत्व का प्रतिपादन करते हैं उस समय शास्त्र का पाठ देवें तब शिष्य ने "तहत्ति-ते" वह ऐसाही है ऐसा कहना यह समाचारी का आठवां प्रकार The corroboration by a disciple saying "It is so" at the time when a preceptor discusses some truth and reads a scriptural passage. उत्त० २६, ३; भग० २५, ७, पंचा० १२, २; प्रव० ७६७;

तहच्च. त्रि० (तथार्च) તથા-પૂર્વની પેઠે અર્ચા-લેશ્યા અથવા શરીર છે જેનું તે. जिस का तथा-पूर्व के समान अर्चा-लेश्या अथवा शरीर हो. (One) who has an Archā (thought-tint) or body as before. सूय०१, १३. ७, २, ६, ४;

तहच्चा. स्त्री० (तथार्चा) તથા-તેવા પ્રકારની અર્ચા-લેશ્યા. तथा-उस प्रकार की अर्चा-लेश्या. An Archā (thought-tint) of that sort. सूय०१, १५,१८;

तहणाण. न० (तथाज्ञान) જેવા પ્રકારની વસ્તુ તેવા પ્રકારનું જ્ઞાન; યથાર્થ જ્ઞાન. जिस प्रकार की वस्तु उसी प्रकार का ज्ञान; यथार्थ ज्ञान. True knowledge or perception ठा० ६, १;

तहत्ति. अ० (तथेति) તેમજ; તહેત; સૂત્રનું પ્રતિ પાદન કરતી વખતે બોલવાનો શબ્દ. ऐसाही; तहेत्त, सूत्र प्रतिपादन करते समय बोलने का शब्द It is so; amen; a word spoken at the time of reading a Sūtra. नाया० १; ५; ७; ८; १४; १६; १७; भग० ७, ९; ९, ३३; राय० २१; दसा० १; १; गच्छा० ५६,

तहपि अ० (तथापि) તોપણ. तोभी, तथापि. Even then. विशे० ३१४, सु० च० १, १८; १२४;

तहप्पगार. त्रि० (तथाप्रकार) તથા પ્રકારનું; તેવી રીતનું तथा प्रकार का; वैसी रीति का. Of that mode or manner. दसा० २, १८; ६, १; ४; १०, ३; ४; भग० ३, ७; ७, ३; ८, ३; १३, ४; १५, १; पन्न०१; वेय० ४, २६; निसी० ११, २८, १७, ३३; उत्त० ४, १२. सूय० २, ६, ६, दस० ४; आया० २, १, १, १; कप्प० २, १७;

तहा. अ० (तथा) તેમજ, તેમ, વળી वैसेही; उसी तरह; भी In that manner; even; too. भग० १, १; ३; ३,१; ५,४; ५; १२, १०; १६, २; १८, ५; २५, ८; नाया० १; ३; ९; ८; ९; १६; दस० ७,२२; विशे०५४; ६८; सु०च० १, १०८; अणुजो० ४७; सूय० १, १, १, १८; उवा० १, १२, ७६; क० गं० १, ३८, १, ४८;

तहागय-अ. पुं० (तथागत) તથા-ભવ ભ્રમણથી ગત નીકળેલ; ભવ ભ્રમણમાંથી

निवृत्त थयेल अरिहंत गणधर विगेरे. तथा-भव भ्रमण से गत-निकला हुआ; भव भ्रमण मे से जो निवृत हुआ हो - ह; अरिहंत इत्यादि. (One) free from rebirth e. g. Arihanta etc. सूय० १, १२, २; १, १५, २०, भग० १७, २; आया० १, ३, ३,११८;

तहाभाव. पुं० (तथाभाव) तेवा प्रकारना भाव. उस प्रकार के भाव Sentiments of that sort भग० ३, ६.

तहाभूअ. त्रि० (तथाभूत) तेवा प्रकारनुं; यथार्थ. वैसे प्रकार का; यथार्थ Of that manner, true "तोपेसंति तहाभूएहिं" उत्त० ५, ३०, सूय० १, ४,२,४; दस० ८,७,

तहामुत्ति. स्त्री० (तथामूर्ति) सत्य स्वरूप; तथारूप सत्य स्वरुप, तथारूप. The real nature or form. दस० ७, ५;

तहारूव. त्रि० (तथारूप) शास्त्रमां वर्णव्या छे तेवा यथोक्त गुणना धरनार शास्त्र में वर्णन किये है ऐसे यथोक्त गुणों को धारण करने वाला. As described in the Śāstras; possessing the said merits. भग० १, ७; २, १; ५; ३, २; ५, ६, ७, १, ८, ६; १८, २; नाया० १; ५; ८; १५, दसा० १०, ३; विशे० २२४; ओव० २७, वव० ३, ६, —**साहु.** पुं० (-साधु) शास्त्रमां बतावेल आचार पालनार साधु. शास्त्र मे वर्णन किये हुए आचार को पालन करने वाला साधु an ascetic whose conduct is regulated according to the scriptures. नाया० १६,

तहावि. अ० (तथापि) तो पण तथापि; तदपि; तोभी. Even then नाया० १६; भ० ६, ३३, गच्छा० ६६; जं० प० ३,५८;

तहाविह त्रि० (तथाविध) ते प्रकारनुं उस प्रकार का. Of that manner. सु० च० १,१०१; दस० ४,१,८४; सूय० १,४,१,१८;

तहिं. अ० (तत्र) त्यां; ते ठेकाणे तहाँ; वहां; उस स्थान पर. There; at that place. भग० ६, ७; ७, १०; ८, ८; २०, ९; २४, २१; नाया० ८; १७, विवा० ४; विशे०१०२२; पिं० नि० १६६, उत्त० १२, ३६; क० ग० १, ४५;

तहिय त्रि० (तथ्य) सत्य; वास्तविक सत्य; वास्तविक True; real सूय० १,१२,१०; उत्त० २८, १४; नाया० १२; उवा० १, ८५;

तहियं अ० (तस्मिन्) त्यां ते ठेकाणे वहां; उस स्थान पर. Therein; in that place "तहियं गंधोदयपुप्फवासं" उत्त० १२, ३६; विशे० २७८;

तहेव. अ० (तथैव) ते प्रकारे तेमज उस प्रकार से, वैसे ही In that manner. नाया० १, ५; ८, ६; १२; १४, १६, १७; १८; भग० १, १; ६, ७; १८, ७; ३३, ५; ३६, १; दस० ५, १, ७१; ८,७, ११; १५; विशे० २; क० गं० १, १४, जं० प० ४, ११४; ११२;

ता. अ० (तस्मात्) तेथी. उस से; उस लिये. Therefore, hence जं० प० ५,११२;

ता. अ०(तावत्) त्यांसुधी तावत्; वहां तक; तब लग. So long; till then विशे० १३३; ५४२; नाया० १; भग० २, १; वव० २, २६; उवा० १, ७३;

ताअ-य. पु० (तात) पिता, बाप पिता; बाप Father. सूय० १, ३, २, २; उत्त० १४, ६, नाया० १; ७, ८, १६; १८, सु० च० १, ३४३, पगह० १, १;

ताइ. त्रि० (तायिन्-तय् गतौ रक्षणे च-स्यास्य धातोर्घञ् प्रत्यय. तयनं तायः स विद्यते यस्यासौ तायी) मोक्षमां जनार. मोक्ष में जाने वाला. Attaining salvation.

सूय० २, ६, २४; (२) સ્વ અને પરનો રક્ષક-બચાવનાર. स्व व पर का रक्षक-बचाने वाला. (One) who protects himself and others. सूय० १, २, २, १७; २, ६, २४; दसा० ५, २६; उत्त० ११, ३१, दस० ३, १५;

ताइ त्रि० (त्रातृ) સ્વ અને પરની રક્ષા કરનાર. स्व व पर की रक्षा करने वाला (One) who protects himself and others. "नायपुत्तेण ताइणा" दस० ६, २१; ३६;

√**ताड.** धा० II. (तड्) વગાડવું; મારવું; તાડન કરવું. बजाना; मारना; ताडन करना. To sound; to kill; to beat; to drive away.

ताडिंति सु० च० २, १७६;
ताडेज्जा. वि० राय० २४४; २, २६४;
ताडंत. गच्छा० १७;
ताडिज्जंति क० वा० सु० च० १५, ६५;
ताडिज्जमाण. सूय० २, १, ४८, सु० च० १, ३४२;

ताडण. न० (ताडन) તાડન; મારવું તે ताडन; मारना. Beating; thrashing. सूय० २, २, ६२; प्रव० ८३७;

ताण. न० (त्राण) રક્ષણ કરવું તે; શરણ. રક્ષણ. रक्षण करना; शरण; रक्षण. Protection; shelter. सूय० १, १, १, ५; १, १, ४, ३; आया० १, २, १, ६४; उत्त० ६, ३; सम० ३०; ओव० विशे० २५७५; कप्प० २, १५;

ताण. न० (तान) રાગ ગાવામાં પલટા મારવા તે; રાગની ધુન-તાન राग गाने में आलाप लगाना; राग की धुन-तान. The mode of a tune in a song अणुजो० १२८;

तामरस पुं० न० (तामरस) કમલ. कमल. A lotus. सूय० २, ३, १८; पन्न० १; कप्प० ३, ४२;

तामलित्ति स्त्री० (ताम्रलिप्ति) એ નામની બંગ દેશની એક નગરી કે જ્યાં તામલિ તાપસનો જન્મ થયો હતો. इस नाम की बंग देश की एक नगरी कि जहांपर तामलि तापस का जन्म हुआ था. A town so named in the Banga region where an ascetic named Tāmali was born. पन्न० १; भग० ३, १:

तामलित्तिया. स्त्री० (ताम्रलिप्तिका) ગોદાસ થિવરથી નીકળેલ ગોદાસ ગણની પ્રથમ શાખા. गोदास थिवर से निकले हुए गोदास गण की प्रथम शाखा. The 1st branch of Godāsagaṇa started by Godāsa Thivara. कप्प० ८;

तामली. पुं० (तामली) તામ્રલિપ્તિ નગરીના રહેવાસી (ઈશાન ઇન્દ્રનો જીવ) મૌર્ય વંશનો તામલિ નામે ગાથાપતિ. ताम्रलिप्ति नगरी का रहनेवाला (ईशान इंद्र का जीव) मौर्यवंश का तामलि नामक गाथापति. A Gathāpati named Tāmali of the Maurya family resident of Tāmralipsi town. भ० ३, १;
—**मोरिपुत्त** पुं० (-मौर्यपुत्र) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपर का शब्द. vide above. भग० ३, १:

तामस. त्रि० (तामस) અજ્ઞાન ભાવ. अज्ञान भाव Ignorance. पण्ह० १, ४; (२) અંધકાર. अंधकार darkness. जीवा० ३, —**बाण** पुं० (-बाण) રણ સંગ્રામમાં અન્ધકાર ફેલાવે તેવું બાણ. रण संग्राम में अंधकार फैला दे ऐसा बाण. an arrow which spreads darkness in a battle-field. जीवा० ३, ३;

तायत्तीस त्रि० (त्रयस्त्रिंशत्) ૩૩; તેત્રીસ. ३३, तेत्तीस. 33; thirty-three. भग०

३, १; १०; ४; जं० प० ५, ११६; ५, ११५; २, ३३;

तायत्तीसग पुं० (त्रायस्त्रिंशक) ઈંદ્રના પૂજ્ય સ્થાનીય ત્રાયસ્ત્રિંશક જાતિના દેવતા. इन्द्र के पूज्य स्थानीय त्रायस्त्रिंशक जाति के देवता. The gods of the Trāyastrinśaka class adorable by Indra. ठा० ३, १, कप्प० २, १३; भग० १०, ४;

तायत्तीसगत्ता. स्त्री० (त्रायस्त्रिंशकता) ત્રાયસ્ત્રિંશક દેવતાપણું त्रायस्त्रिंशक देवतापना. The state of being a Trāyastrinśaka god. भग० २५, ६;

तायय. पुं० (तातक) પિતા पिता. Father. " तायए अन्नं माय मवेसता पथं " उत्त० टी० २, ४४;

तार न० (तार) ચાંદી સોનાનો તારવાળો चांदी-सोने के तार वाला Having a silver or gold wire. प्रव० ४५३; पन्न० १, ११; राय० ४६; (२) ઉંચો સ્વર, નીચો સ્વર. ऊंची आवाज a loud voice. राय० ८६,

तारग न० (तारक) આંખની કીકી. आंख की पुतली. Pupil of an eye. जीवा० ३, ४; (२) વિવેકજન્ય જ્ઞાન. विवेक जन्य ज्ञान. intuitive knowledge. राय० (३) બીજા પ્રતિવાસુદેવ द्वितीय प्रतिवासुदेव. second Prati Vāsudeva. प्रव० २११; (४) તારા तारा. a star नाया० १; **—पहा.** स्त्री० (-प्रभा) તારાની પ્રભા. ताराओंकी प्रभा. the light of the stars. नाया० १;

तारगा स्त्री० (तारका) યક્ષના ઇન્દ્ર પૂર્ણભદ્રની ચોથી પટ્ટરાણી. यक्ष के इन्द्र पूर्णभद्र की चौथी पटराणी. The fourth chief queen of Pūrnabhadra the Indra of Yaksa. ठा० ४, १;

तारग्ग. न० (ताराग्र) તારાનું પરિમાણ. ताराओं का परिमाण. The extent of stars जं० प० ७, १५५; १५८;

तारण. त्रि० (तारण) તારનાર; પાર ઉતારનાર. तारने वाला,पार ले जानेवाला. (One) who takes across. भत्त० २४; **—समत्थ.** त्रि० (-समर्थ) સંસાર સમુદ્રમાંથી તારવાને સમર્થ. संसार समुद्र मे से तारने को समर्थ powerful to carry across the ocean in the form of the world भत्त०२४;

तारय त्रि० (तारक--तारयतीति) તારનાર. तारक; तारने वाला Conveyer; protector, supporter. जं० प० ५, ११५; नाया० १, विशे० १०२८; श्रोव० १२; राय० २३, सम० १; कप्प० २, १५, (२)पुं० બીજા પ્રતિ વાસુદેવનુ નામ. द्वितीय प्रति वासुदेव का नाम. name of the 2nd Prativāsudeva. प्रव० १२२७,

तारया स्त्री० (तारका) જુઓ ' तारगा शब्द. देखो ' तारगा ' शब्द. Vide 'तारगा ' भग० १०, ५; प्रव० ११४७;

तारा. स्त्री० (तारा) સુગ્રીવની સ્ત્રી. सुग्रीव की स्त्री. The wife of Sugrīva पगह०१, ४;(२) તારા, નક્ષત્ર तारा नक्षत्र. planet, constellation. राय० १६४, सूय० २, ६, ४७, ठा० १, १; ५, १, सम० १; ९; श्रोघ०नि० ६४१, भग० ८, १; नाया० १; सू०प० १, जीवा० ३; उत्त० ३६, २०६; श्रोव० २५, (३) આઠમા ચક્રવર્તિ સુભૂમની માતા आठवें चक्रवर्ती सूभूम की माता. mother of the 8th Chakravarti Sūbhūma जं० प० ७, १००; सम० प० २३४, (३) એ નામની એક મહાનદી. इस नाम की एक महानदी. a

great river of this name. ठा० १०; —गण. पुं० (-गण) તારાઓનો સમૂહ. ताराओं का समूह. a group of planets. जं०प०७,१२६;भग०६,१; —रूव. त्रि०(-रूप) તારા સમાન. तारे के समान. like a planet. भग० ३, ७; ६, ५; ८; १८, ७; नाया० १;

ताराविमाणजोइसिय. पुं० (ताराविमान ज्योतिष्क) તારા વિમાનના વાસી જ્યોતિષી દેવતા. तारा विमान के वासी ज्योतिषी देवता. Luminary gods, inhabiting the planetary celestial abode. भग० २४, १२;

तारागण न० (तारागण) એ નામનો એક ઋષિ. इस नाम का एक ऋषि. A sage of this name. सूय० १, ३, ४, २;

तारावलिपविभत्ति. पुं० न० (तारावलिप्रविभक्ति) ३२ નાટકમાંનું એક નાટક. ३२ नाटक में से एक नाटक. A drama out of 32 dramas राय० ९१;

तारिअ. त्रि० (तारित) તારેલ तार दिया हुआ. (One) who is conveyed across. दस० ५, १, ६,४,

तारिआ-या. स्त्री० (तारिका) તારિકા દેવી. तारिका देवी. Tārikā goddess. नाया० ध० ५; (२) આંખની કિકિ. आंख की पुतली. the pupil of an eye. सु०च० १५,.२५४;

तारिम. त्रि० (तार्य) તારવા યોગ્ય. तारने के योग्य. Fit to be conveyed across दस० ७, ३८; सूय० १, ३, २, १२;

तारिस. त्रि० (तादृश) તેના જેવો, તેના સરખો. उसके जैसा-समान. Like that. दस० ५, १,४४ ५,२,३६;६, ३७,६७;८,६४; उत्त० २७, ८; भग० ३, १; सु० च० १, ३४६; विशे० २६; ओघ० नि० ६६७; पिं० नि० ५२८, प्रव० ५३१; कप्प० ३, ३२; पंचा० १६, २२;

तारिसग. त्रि० (तादृशक) તેના જેવું; તેવું. उसके समान; वैसा. Like that. भग० ११. ११; दस० ४, २७;

तारिसय. त्रि० (तादृशक) તેવું. वैसा. Like that. पंचा० ८, ८;

तारिसिय. त्रि० (तादृशक) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपरका शब्द. Vide above. नाया० ८; भग० ३, २; १५, १;

तारुण्ण. न० (तारुण्य) યૌવન; યુવાવસ્થા. यौवन; युवावस्था. Youth; puberty. उत्त० १६, ३६; ४०; सु० च० १, १२८;

तारुन्न. न० (तारुण्य) જુવાની; તારુણ્ય. तारुण्य; युवावस्था. Youth; puberty. भत्त० १३०;

√ताल. धा० II. (तड्) મારવું; તાડન કરવુ मारना; ताडन करना To beat; to strike

तालेइ. नाया० १६;१८;

तालेति. नाया० ४; ५; भग० ३, १; अंत० ६, ३;

तालेज्जा. वि० उवा० ७, २००;

तालेइ. नाया० ५; १३;

तालित्ता. नाया० १६;

तालिज्जंत. राय० ८८;

तालैंत. नाया० १६;

तालिज्जमाण. नाया० १६; सूय० २, ४,११;

तालेमाण. विवा० १; नाया० ८;

ताल. पुं० (ताल) તાલ (તાડ) નું ઝાડ. ताल (ताड) का वृक्ष The palm or palmyra tree. ठा० ४, १; ओव० भग० ८, ३; ६, ३१; १६, ६; १७, १; २२, १; पन्न० १; राय० ३३; जीवा० १; कप्प० ६, ४५; जं० प० ७, १४०; (२)

तेनु ફल उसका फल. its fruit सूय० १, २, १, ६, (३) કાંસીયા, ઝાંઝ વગેરે. झांझ आदि cymbals. पन्न० २; निसी० ६२, ३२; आया० २, ११, १६८, ठा० २, ३, सूय० २, २, ५५, (४) હાથનો તાલ; ગાયનના સુરમાં તાલ આપવો તે. हाथ का ताल, गाने के सुरमे ताल देना. clap of hands; keeping time in singing जीवा० ३, ३, ४, सू० प० १८; (५) એ નામનો ગોશાલાનો મુખ્ય શ્રાવક इस नाम का गोशाला का मुख्य श्रावक. the chief layman of Gośālā भग० ८, ५; (६) તાળું ताला. a lock. सूय० २, २. ३७; —उग्घाडणी. स्त्री० (-उद्घाटनी) તાળું ઉઘાડવાની કલા-વિદ્યા ताला खोलने की कला-विद्या. an art of opening locks. सूय० २, २, ३०; —जंघा. स्त्री० (-जङ्घा) તાડના વૃક્ષની સમાન જંઘા. ताडके वृक्षके समान जघा. a thigh like a palmyra tree. नाया० ८, —पट्ट. न० (-पट्ट) તાડના ઝાડનો પંખો. ताड के वृक्ष का पखा. a fan of palm-leaf भग० ६, ३३, —पिसाय. पुं० (-पिशाच) તાડના ઝાડ જેવા લાંબા આકારનો પિશાચ ताड के वृक्ष के समान लबाकृति वाला पिशाच. a demon, long like a palm tree. ठा० १०, पन्न० १; नाया० ८, भग० १६, ६; —पिसायरूव. न० (-पिशाचरूप) તાડના જેવા લાંબા પિશાચનું સ્વરૂપ. ताड के समान लम्बे पिशाच का स्वरूप. the form of a demon as tall as a palm tree. नाया० ८, —फल न० (-फल) તાડનું ફલ ताड के वृक्ष का फल. the fruit of a palm tree नाया० ६;—मत्थय न० (-मस्तक) તાડના ઝાડનો વચલો ગર્ભ-ગાભો. ताड के वृक्ष का मध्यस्थ गूदा. the internal pulp of the palm tree. आया० २, १, ८, ४८; —वग्ग. पुं० (-वर्ग) તાલના અધિકારવાલો વર્ગ-પ્રકરણ ताल के अधिकार वाला वर्ग-प्रकरण. a chapter dealing with the palmyra tree. भग० २२, २, —विंट न० (-वृन्त) તાડના પાંદડાંનો પંખો. ताड के पत्तों का पंखा a fan of a palm tree leaf. पगह० १, १, नाया० १; —सद्द. न० (-शब्द) તાલ આપવાનો શબ્દ ताल देने का शब्द a clapping sound. निसी० १७, ३५;

तालउड. न० (तालपुट) તાલપુટ નામનું ઝેર तालपुट नामक विष A poison named Tālaputa. " विसं तालउड जहा " दस० ८, ५७; उत्त० १६, १३;

तालउडगविस न० (तालपुटकविष) એ નામનું એક ઝેર-વિષ. इस नाम का एक विष A poison so named नाया० १४;

तालण. न० (ताडन) ચપેટા દઈ મારવું; તાડન કરવું, ताडन करना; चपेटा देकर मारना. Slapping; beating. ओव० ४१; सूय० २, २, ८२; नाया० १८, दसा० ६, ४, पगह० १, १;

तालण. न० (*नाडना-ताडन) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपर का शब्द Vide above राय० २८४; ओव० ४०,

तालद्धअ. पुं० (तालध्वज) તાલ વૃક્ષની ધ્વજાના ચિન્હવાલા બલદેવ ताल वृक्ष की ध्वजा के चिह्न वाले बलदेव. Baladeva whose insignia is a banner of a palm tree सम० प० २३६;

तालना. स्त्री० (ताडना) ટીપવું, કુટવું તે. ठोकना: घढना, कूटना. Striking, ham-

mering; pounding. पंचा० १४, ३६;

तालपलंब पुं० (ताडप्रलम्ब) ગોશાલાનો શ્રાવક. गोशाला का श्रावक A layman-voter of Gośālā भग० ८, ५, (२) તાડનું ફલ. ताड का फल. the palm tree fruit. वेय० १, १;

तालपुटविस. न० (तालपुटविष) તાલપુટ ઝેર. तालपुट विष. A poison named Tālaputa. नाया० १४;

तालपुडगविस. न०(तालपुटकविष) તાલવું ફાડીનાખે એવું ઝેર. तालु फोड डाले ऐसा विष. A poison which tears away the palate निर०१, १;

तालमूलय. न० (ताडमूलक) તાડ વૃક્ષના મૂલની પેઠે નીચે વિશાલ અને ઉપર સંકીર્ણ એવું એક જાતના પ્રાણિનું ઘર ताड वृक्ष के मूलके समान नीचे विशाल व ऊपर से संकीर्ण ऐसा एक जाति के प्राणी का घर. An abode of a class of animals, which is broad at the base and narrow at the top like a trunk of a palm tree कप्प० ६, ४५;

तालसम. न० (तालसम) સરખા તાલમાં ગાવું તે सम ताल में गाना. Singing in an even measure of clapping of hands अणुजो०१२८, ठा०७;

तालाचर त्रि० (तालचर) તાલોટા વગાડી નાચનાર. तालियां बजाकर नाचने वाला (One) who dances clapping his hands जं० प० भग० ११, ११;

तालायर. त्रि० (तालचर) તાલોટા વગાડી નાચનાર; નૃત્યકારનો એક વર્ગ ताल बजाकर नाचने वाला; नृत्यकार का एक वर्ग (One) who dances clapping the hands; a class of dancers. जं० प० पराह० २, ४; ओघ० नि० ७६६, ओव० नाया० १; —कम्म. न० (-कर्म) તાલ ક્રિયા; નૃત્ય કર્મ. ताल क्रिया, नृत्य कर्म. the clapping of hands; dancing. "तालायर कम्मं करेमाणा" नाया० १३;

तालिअं-यं-ट. न० (तालवृन्त) તાડનાં પાંદડાનો પંખો. ताड के वृत्त के पत्तो का पंखा. A fan of the palm tree leaf आया० २, १, ७; ३६; निसी० १७, २८; भग० ६, ३३, नाया० १, पराह० १, ४; अणुजो० ३, १; दस० ४; ६, ३८; ८, ६: ओव०३१; जं०प० ३, ४३, ५. ११४, १२०;

तालिय. त्रि० (ताडित) તાડન કરેલ ताडन किया हुआ. Beaten. नाया० ५; ६, १६, पराह० १, ३;

तालीस. त्रि० (तादृश) તેવું. તેવા પ્રકારનું. वैसा, वैसे प्रकार का. Like that, similar to that. उत्त० ५, ३१;

तालु न० (तालु) તાલવું तालू Palate नाया० १, ८; जं० प० ७, १६६, आया० १, १, २, १६: अंत० ३, ८, ओव० १०: पन्न० २, भग० ११, ११; जीवा० ३, ३, (२) તાળું સીચરણું ताला. a lock. नाया० १८; —उग्घाडणी स्त्री० (-उद्घाटनी) તાલાને ઉઘાડવાની વિદ્યા ताले को खोलने की विद्या. an art of opening locks. सूय० २, २, ३०; नाया० १८,

तालुय. न० (तालुक) તાલવું तालू Palate. भत्त० १४२;

तालुया. स्त्री० (*तालुका-तालु) તાલવું तालू Palate. "तवणिज्जामया तालुया" राय०

ताव अ० (तावत्) ત્યાં સુધી तावत्; वहा तक, तबलग. Till then. (२) પહેલા पहिले. before नाया० १, ७; ८; ६, १२; १४, १६; भग० १, ६; २, १; ३, १; २; ६, १०, ८, ५, १५, १, १६, ८; २०, ८;

पिं० निं० भा० १८, पिं० निं० १६८; २८६; दस० ७, २१, अणुजो० १७; पन्न० १६, वव० १०, १; उवा० १, ७३, प्रव० ८२;

ताव. पुं० (ताप) સૂર્યનો તડકો सूर्य का ताप Heat of the sun. सू० प० २; ठा० ४, २; क० गं० १, ४५; (२) તપાવવુ તે. गरम करना heating पचा० १४, ३६,

तावइअ-य त्रि० (तावत्) તેટલું, તેટલા પ્રમાણવાળુ. उतना; उतने प्रमाण वाला That much ज० प० १, ३, ८, भग० १, ६; ६, १; १८, ४, २०, ८, वव० ९, ४४, उत्त ३६, ६८; अणुजो० १४,

तावं अ० (तावत्) ત્યા સુધી. तावत्; वहांतक, तबलग. Till then. सूय० २, १, ६,

तावंचणं. अ० (तावच्च) તેટલામા उतने मे. In that time " जावं जावंचणं अभिक्कमेइ तावं तावंचणं महते " भग० १५, १; सूय० २, १, ६;

तावक्खेत्त न० (तापक्षेत्र) સૂર્યનો તાપ જેટલા ક્ષેત્રમાં પડે તેટલુ ક્ષેત્ર सूर्य का ताप जितने क्षेत्र में पडे उतना क्षेत्र So much region as is heated by the sun जीवा० ३, ४· सू० प० ४: ज० प० ७, १३५;

तावक्खेत्तदिसा. स्त्री० (तापक्षेत्रदिशा) તાપક્ષેત્રની દિશા तापक्षेत्रकी दिशा. The direction of Tāpaksetra i e a region heated by the sun ठा० ३, २,

तावच्चणं. अ० (तावच्च) તેટલામા. उतने में In that time भग० २, १, ३, ३;

तावणीय त्रि० (तापनीय) તાપવા યોગ્ય ताप देने योग्य. Fit to be heated. भग० १५, १,

तावत्तिय त्रि० (तावत्) તેટલું उतना. That much. राय० १५१; जीवा०३ ४,

तावस पुं० (तापस) તાપસ; તપસ્વી तापस. तपस्वी An ascetic भग० १, २; पन्न० २०: पिं० निं० ४४५; ५३०, उत्त० २५, २६, ओव० ३८; निर० ३, ३; पचा० ७, १५; प्रव० ७३८, ११२६; (२) માઢર ગોત્રના આર્ય શાન્તિકશ્રેણીના શિષ્ય माठर गोत्र के आर्य शांतिकश्रेणी का शिष्य A disciple of Ārya Śāntika order of the MātharaGotra क० प० ८;—**अवसह** पुं० (-अवसथ) તાપસનો મઠ-આશ્રમ तापस का मठ-आश्रम a monastery. भग० ११, ९;

तावसअ पुं० (तापसक) તાપસ तापस. An ascetic. अणुजो० १३१,

तावसी स्त्री० (तापसी) તાપસી, તપ કરનાર સ્ત્રી. तापसी; तप करने वाली स्त्री. A female ascetic ओघ० नि० १३३,

ताविच्छ. न० (तापिच्छ) તમાલ વૃક્ષ. तमाल वृक्ष; तम्बाकु का वृक्ष A Tamāla tree, the tobacco tree सु० च० २, ३६८,

ताविय त्रि० (तापित) તપાવેલું गरम किया हुआ Heated विवा० ३, पिं० निं०२४०; भग० ११, ११, कप्प० ३, ३५,

ताविय. सं० कृ० अ० (तापयित्वा) તપાવીને गरम करके. Having heated. जीवा० ३, १,

तावेउं सं० कृ० (तापयित्वा) જુઓ ઉપલો શબ્દ देखो ऊपर का शब्द. Vide above. पिं० निं० ३५०,

तास पुं० (त्रास) ત્રાસ, બીક; ભય त्रास, डर, भय. Fear, trouble. विशे०३४४६; पण्ह० १, १,

तासणअ त्रि० (त्रासनक) ત્રાસ-આકસ્મિક ભય ઉપજાવનાર. त्रास; आकस्मिक भय पैदा करने वाला. (One) who accidently raises fear or trouble पण्ह० १,१;

तासन. त्रि० (त्रासन) ત્રાસ ઉપજાવનાર. त्रास उत्पन्न करने वाला. (One) who raises trouble. पराह० १, १; १, ३;

तासनग. त्रि० (त्रासनक) ત્રાસ ઉપજાવનાર. त्रास उत्पन्न करने वाला. (One) who raises trouble पन्न० २;

तासि. त्रि० (त्रासिन्—स्वयं त्रस्तः परानपि त्रासयतीति त्रासी) પોતે બીતો બીજાને બીવરાવે તે. स्वयं डरते हुए अन्यको भी डराने वाला (One) who frightens others though is afraid himself जं० प० ५,११२; ११३; ठा० ४, २,

तासिय त्रि० (त्रासित) ત્રાસ પામેલ. त्रास पाया हुआ; त्रस्त. Troubled; harassed जीवा० ३, १; नाया० १६;

ताहे. अ० (तदा) ત્યારે; તે વખતે. तदा; उस समय. Then; at that time. नाया० १; ८; ६; १३; १८; १६; भग०१४, ६; १६, २, २४, १; २४; ३४, १, विशे० २३२४; विवा० ; ४; जं प०

ति. अ० (इति) આ પ્રકારે; આમ इस प्रकार से; इस तरह In this manner. नाया० १; ७, ८, ६, १०; १६, १६, दस० ७, ८; २, ८, २; १०, १, २१; भग० ३, १ २; ६, ५; पन्न० १७; ३६; (२) ઇતિ; સંપૂર્ણ; સમાપ્તિ इति; संपूर्ण; समाप्ति. finish, complete. नाया० २; भग ५, ४, ८, १०; १०, १, २४, २४, ३५, ६; विशे० ३, १५१; वेय० ६, २०; दसा० १, ११,

ति त्रि० (त्रि) ત્રણ. तीन Three भग० १, १०; २, ८; ५, ८, १३, २; १६, ६; १७, १; १८, ७; २४, २४, नाया० १,८; वेय० ४, १, निसी० ४. १२७, ५ ७२, राय० ४५, २०१, दस० ६, ६०, नंदी० २७, विशे० ६१०, पन्न० २; ४; जं० प० दसा०७, १; ववं० ३, १३; १०, १; अणुजो० १४; ४८; उत्त० ५, ३२; २४, १६; उवा० १,१०; क० ग० १, २, ६; ३०, ४६;

तिजयजण. पुं० (त्रिजगज्जन) ત્રણ જગતના લોક तीन जगत के लोग. People of the three worlds. प्रव० ४४८;

तिअ-य. त्रि० (तृतीय) ત્રીજું. तीसरा; तृतीय. Third. क० गं० २, ७; ५, ६६; **—कसाय** पुं० (-कपाय) ત્રીજો કષાય-પ્રત્યક્ખાણાવરણીયની ચોકડી. तृतीय कपाय-प्रच्चक्खाणावरणीयकी चौकडी. the 3rd passion; a quaternary of vow-obscuring (passion). क० ग० २, ७;

तिअग न० (त्रिक) ત્રણનો સમૂહ. तीन का समूह. Trio. क० ग० २, १८;

तिअणाण. न० (त्र्यज्ञान-त्रयाणां अज्ञानानां समाहारस्त्र्यज्ञानम्) મતિ અજ્ઞાન, શ્રુતિ અજ્ઞાન અને વિભંગ એ ત્રણ અજ્ઞાન. मति अज्ञान, श्रुति अज्ञान व विभंग ये तीन अज्ञान. The 3 kinds of ignorance viz Mati (intellectual), Śruti (scriptural) and Vibhaṅga (visual) क० ग० ४, ३३;

तिअणाणि. त्रि० (त्र्यज्ञानिन्) મતિ, શ્રુત અને વિભંગ એ ત્રણ અજ્ઞાનવાળો मति, श्रुत व विभंग इन तीनों अज्ञान वाला. (One) having ignorance of intellect, scriptures and vision. भग० ८, २;

तिआसिंद पुं० (त्रिदशेन्द्र=त्रिदशा सुमनसस्तेषामिन्द्रः) દેવોનો અધિપતિ; ઇન્દ્ર. देवों का अधिपति; इन्द्र Indra, the lord of the gods. गच्छा० १;**—नमंसिअ.** त्रि० (-नमस्यित) ઇંદ્રોએ નમન

करेल. इंद्रों से नमन किया हुआ. saluted by the Indras. गच्छा० १,

तिश्राल. त्रि० (त्रिचत्वारिंशत्) તેતાલીશ,૪૩. तेतालीस, ४३. Forty-three, 43 क० गं० ६, ७२;

तिइंदिय. त्रि० (त्रीन्द्रिय) ત્રણ ઇંદ્રિયવાલો જીવ. तीन इंद्रिय वाला जीव Three-sensed being. जीवा० १;

√**तिउट्ट.** धा० I. (त्रुट्) તુટવું, તુટી જવું. टूटना, टूट जाना To break, to split.

तिउट्टइ आया० १, ७, ८, २, सूय० १, १, १, १; १, १५, ५,

तिउट्टेज्जा सूय० १, १, १, १;

तिउडग. पु० (*) ધાન્યની એક જાત; ૨૪ પ્રકારના ધાન્યમાનું એક. धान्य की एक जाति; २४ प्रकार के धान्य में से एक. A variety of corn, one of the 24 varieties of corn. प्रव० १०१६;

तिउण. त्रि० (त्रिगुण) ત્રણગણું. तीन गु। Threefold भग० ६, ७;

तिउत्तर. त्रि० (त्र्युत्तर) ત્રણ ઉપર, ત્રણે અધિક तीन अधिक; तीन ऊपर Three more क० गं० १, २३; —**सय** न० (-शत) ત્રણે અધિક સો. એકસો ને ત્રણ. तीन अधिक सौ, एक सौ तीन. 103; one hundred and three क० गं० १, २३;

तिउल. त्रि० (त्रितुल) મન વચન અને કાયા એ ત્રણની તુલના કરીને જીતનાર. मन, वचन व काया इन तीनों का तुलना करके जीतने वाला. One who conquers the mind, speech and body having balanced them नाया० १, भग० ९, ३३, पराह० १, १;

तिऊड पुं० (त्रिकूट) કચ્છવિજયની પશ્ચિમ સરહદ ઉપરનો વખારા પર્વત. कच्छविजय की पश्चिम सरहद पर का वखारा पर्वत. A Vakhārā mountain to the west of Kachchha Vijaya (territory). जं० प० ४, ६५; ठा० ४, २;

तितिणिश्र. न० (तिन्तिणिक) આહારાદિ ન મલેથકે ખેદના વચન બોલવા તે, બડબડ કરવો તે. आहारादिक न मिलने पर खेदयुक्त उद्‌गार प्रकट करना, बडबडाहट करना. Grumbling or murmuring at not being able to get food. वेय० ६, १६,

तिंदुक पुं० (तिन्दुक) બહુ બીજ વાલા ફલ-વાલું એક જાતનું ઝાડ अति बीज वाले फल वाला एक जाति का वृक्ष. A kind of tree bearing fruit having many seeds पन्न० १, (२) વારાણસી નગરીનુ તિન્દુકના ઝાડ વાલું તિન્દુક નામે ઉદ્યાન बाराणसी नगरी का तिन्दुक के वृक्ष वाला तिन्दुक नामक उद्यान. a garden named Tinduka of Vāranasī city having Tinduka trees. ठा० ७ तित्थ० (३) સાવર્થી નગરીની બહારનુ એ નામનું ઉદ્યાન. सावर्थी नगरी के बाहर का इस नाम का उद्यान. an orchard so named outside Sāvarthī city. उत्त० २३; (४) ૧૧ મા તીર્થંકરનું ચૈત્ય વૃક્ષ. ११ वें तीर्थंकरका चैत्य वृक्ष. a memorial tree of the 11th Tirthankara सम०

तिंदुग पुं० (तिन्दुक) ટીબરૂનુ ઝાડ. टींबरू का वृक्ष The ebony tree. (२) न० તેનું ફલ. उसका फल its fruit. आया० २, १, ८, ४८, (३) એક જાતનુ ત્રણ ઇન્દ્રિયવાલો જીવ एक जातिका तीन इन्द्रिय वाला जीव a kind of three-sensed animal उत्त० ३६, १३७;

तिंदुय. पुं० (तिन्दुक) वृक्षनी એક જાત કે જેના ફલ ગોટલી બંધાયા પહેલાં અનન્તકાય તરીકે ગણ્યાં છે. वृक्ष की एक जाति कि जिसके फल गुठली बनने के पहिले अनतकाय के समान माने गये हैं. A species of trees the fruits of which are considered as multi-souled before the stone is formed उत्त० १२, ८; २३, ४; ठा०८, १; दस० ५, १. ७३; जीवा० १; भग० १५, १; २२, ३; प्रव० २६३.

तिंदूस. पुं० (तिन्दूस) બહુ બીજવાં ફલવાળું એક ઝાડ. अति बीज वाले फल का झाड A tree bearing fruits having many seeds. पन्न० १; (२) દડો. गेंद. a ball. नाया० १४;

तिंदूसय. पुं० (तिन्दूसक) દડો. दडा. A ball नाया० ६, १४. १८;

तिक. पु० (त्रिक) ત્રણનો સમૂહ. तीन का समूह Trio. जीवा० ३, ३;

तिकंडग. त्रि० (त्रिकाण्डक) ત્રણ કાંડ-થર-પૃથ્વી વિભાગ જેમા છે તે तीन कांड-थर-पृथ्वी विभाग जिसमें हैं वह. Having three layers "सयं सहस्साण उजोयणाणं तिकंडगे पंडगवेजयते" सूय०१,६,१०;

तिकट्टु अ० (इतिकृत्वा) એમ કરીને; એ પ્રકારે કરીને. ऐसा करके, इस प्रकार से करके Having done so; thus नाया० ५; १४; १६; भग० २, १;

तिकट्टुय न० (त्रिकटुक) સુંઠ, મરી અને પિપર. सोंठ काली मिर्च व पीपल Dried ginger, pepper, and Pipala. उत्त० ३४, ११,

तिकणइय त्रि० (त्रिकनयिक) દ્રવ્યાર્થિક પર્યાયાર્થિક અને ઉભયાર્થિક એમ ત્રણ નયનો આશ્રય કરનાર; ગોશાલાના મતને અનુસાર ત્રૈરાશિક લોકો દરેક વસ્તુના ત્રણ ત્રણ ભાગ પાડે છે જેમ લોક અલોક અને લોકાલોક. જીવ અજીવ અને જીવાજીવ ઇત્યાદિ. द्रव्यार्थिक; पर्यायार्थिक व उभयार्थिक इस प्रकार तीन नय का आश्रय करने वाला; गोशाला के मत को अनुसरण करने वाले त्रैराशिक लोक प्रत्येक वस्तु के तीन तीन भाग करते हैं यथा:- अलोक व लोकालोक जीव अजीव व जीवाजीव इत्यादि (One) who follows the triplicate point of view viz objective, modal and Ubhayārthika; a follower of Gośālā who divides all things into three categories viz world, non-world and world non-world etc. सम० २२;

तिकरणसुद्ध. त्रि० (त्रिकरणशुद्ध) મન વચન અને કાયા એ ત્રણ કરણથી વિશુદ્ધ-નિર્મલ. मन, वचन व काया इन तीन करण मे विशुद्ध-निर्मल. Pure in the three Karaṇas (means) viz. the mind, speech and body. विवा० २; भग० १५, १;

तिकसाय पुं० (त्रिकषाय) અનંતાનુબંધી આદિ ત્રણ કષાય. अनंतानुबन्धी आदि तीन कषाय. The 3 passions which bind eternally. क० गं० २, १६; ४, २३;

तिकाल. पुं० (त्रिकाल) ભૂત, ભવિષ્ય અને વર્તમાન એ ત્રણ કાલ. भूत, भविष्य व वर्तमान ये ३ काल The three times past, future and present. सम० ११, पिं० नि० ४३५, अणुजो० १३०; —विऊ त्रि० (-विद्) ત્રણ કાલને જાણનાર तीनों काल को जानने वाला. One who is wide awake in the

three times. सु० च० ३, ८१; —सन्निधर. त्रि० (-संज्ञाधर) ભૂત, ભવિષ્ય અને વર્તમાન એ ત્રણ કાલ વિષયક સંજ્ઞાને ધારણ કરનાર; દીર્ઘકાલિકી સંજ્ઞાવાલો. भूत, भविष्य व वर्तमान ये तीन काल विषयक संज्ञाको धारण करने वाला; दीर्घकालिकी सज्ञावाला. that which bears names related to the three times viz past, future and present प्रव० ६३३,

तिकूड पु (त्रिकूट) જંબુદ્વીપના મેરૂની પૂર્વે આવેલી શીતોદા મહાનદીની દક્ષિણ દિશામા આવેલો એક વખારાપર્વત. जम्बूद्वीप के मेरू की पूर्व में आईहुइ शीतोदा महानदी की दक्षिण दिशा मे आयाहुआ एक वखारा पर्वत A Vakhārā mountain to the south of the great river Sitodā which is to the east of Meru in Jambū-Dvīpa 'दो तिकूडा" ठा० २, ३, ४, २;

तिकोण. त्रि० (त्रिकोण) ત્રિકોણાકાર પદાર્થ त्रिकोणाकार पदार्थ A triangular thing. ठा० १, (२) શીંગોડાનું ફલ सिंघाडेका फल. a fruit of Singhādā ठा० ५, १;

तिक्ख. त्रि० (तक्षिण) તીખું, તીક્ષ્ણ तीखा; तीक्ष्ण. Sharp, pungent नाया० १; ३,७,८,६;१७, भग०७, ६; १६,३; दस०६, ३३; जीवा० ३, जं० प० उत्त० ११, १६; ३४, ११, सूय० १, ५, १, १८, निसी० ३, ३४; भत्त० १५२; कप्प० ३, ३५; (२) વેગવાન્ वेगवान् speedy ज०प०७,१६६; —तुंड त्रि० (-तुण्ड) આકરા મુખવાલું. कठोर मुखाकृति वाला. cruel faced. पंचा० १६, ६, —धार त्रि० (-धार) તીક્ષ્ણ ધારવાલું तीक्ष्ण धारवाला. sharp-edged. भग० ७,६, —सत्थजाअ. न० (-शस्त्रजात) તીખા શસ્ત્રની જાત-સમૂહ. तीक्ष्ण शस्त्रों की जाति-समूह. a group of sharp weapons निसी० ६, १३;

तिक्खुत्तो अ० (त्रिकृत्वस्) ત્રણવાર. तीन वार. Thrice. नाया० १, १३; १६, १९, भग० १, १, २, १; ४२, ३२; ठा० ५, २; ओव० १२; २२, वव० १, ३०; राय० २२; निसी० ६, २०, विवा० १; पि० नि० ६३२, वेय० ४, २८; सु० च० ३, ५८; उवा० १, १०, प्रव० ७६३; जं० प० ५, ११२, ११५,

तिग न० (त्रिक) ત્રણ રસ્તાનો સંગમ तीन मार्गों का सगम. A meeting of three paths भग० २, ५; ५, ७; नाया० ८,१६; ओव० २७; पिं० नि० भा० १८; पिं० नि० ६६, अणुजो० ११४; क०प० १, ४; क०गं० १, ४३; —संजोग पुं० (-सयोग) ત્રણ વસ્તુનો સંયોગ. तीन वस्तुओं का संयोग the union of three things. प्रव० १३६१; —हीण. त्रि० (-हीन) ત્રિક વિનાનું. त्रिक रहीत. devoid of a trio. क० प० ४, २२;

तिगडुअ. न० (त्रिकटुक) સુંઠ, પીપર, મરીતીખા એ ત્રણ ઔષધિ ત્રિકટુ કહેવાય. सोंठ, पीपल, काली मिर्च ये तीन औषधियों को त्रिकुट कहते हैं Dried ginger, pepper and pīpala. पिं० नि० १६६,

तिगरण. न० (त्रिकरण) મન વચન અને કાયા એ ત્રણ કરણ. मन, वचन व काया ये ३ करण. The three Karanas (means) viz the mind, speech and body. भत्त० ७०;

तिगिंच्छकूड. न० (तिगिच्छकूट) શિખરી પર્વતના ૧૧ કૂટમાંનું અગીઆરમું કૂટ. शिखरी पर्वत के ११ कूट मे से ग्यारहवां कूट. The last of the 11 summits of

the mount Śikharī. जं० प०

तिगिंछिद्दह पुं० (तिगिंच्छिहद) निषध पर्वत उपरनो द्रह के जे चार हजार जोजननो लांबो बे हजार जोजन पहोळो अने दस जोजननो ऊंडो छे. निषध पर्वत के ऊपर का द्रह कि जो चार हजार योजन लंबा दो कजार योजन चौंडा व दस योजन गहरा है. A lake on the Nisadha mountain which is 4000 Yojanas long, 2000 Yojanas broad and 10 Yojanas deep (a Yojana = 8 miles) जं० प० ४. ८३;

तिगिच्छ. न० (तिगिच्छ) ए नामनो एक द्रह इस नामका एक द्रह. A lake of this name. जीवा० ३, ४; (२) तिगिच्छ विमान-दसमां देवलोकनुं एक विमान; एनी स्थिति वीस सागरोपमनी छे ए देवता दशमे महिने श्वासोच्छ्वास ले छे अने वीसहजार वर्षे क्षुधा लागे छे. तिगिच्छ विमान-दशवें देवलोक का एक विमान, इस की स्थिति बीस सागरोपम की है; यह देवता दशवें महिने श्वासोच्छ्वास लेते हैं व बीस हजार वर्ष की अवधि से उन्हें क्षुधा लगती है. the Tigichchha celestial abode of the 10th Devaloka; its duration is 20 Sāgaropamas (a period of time); its gods breathe at the 10th month and feel hungry once in 2000 years सम० २०;

तिगिच्छ. पुं० (चिकित्स-चिकित्सक) चिकित्सा करनार; वैद चिकित्सा करने वाला; वैद्य. A physician. निसी० ७, २४; १३,५७; ठा० १०;

तिगिच्छग. त्रि० (चिकित्सक) चिकित्सा करनार; वैद्य हकीम वगेरे, चिकित्सा करने वाला; वैद्य इत्यादि. A physician etc. ठा० ४; ४;

तिगिच्छण. न० (चिकित्सन) चिकित्सा करवी. चिकित्सा करना. Treating; healing; curing. पि० नि० १८८;

तिगिच्छमाण. त्रि० (चिकित्सत्) चिकित्सा करतो चिकित्सा करता हुआ. Curing; treating. विशे० ११०८;

तिगिच्छय त्रि० (चिकित्सक) चिकित्सा करनार; वैद्य. चिकित्सा करने वाला, वैद्य. A physician. नाया० ५;

तिगिच्छा. स्त्री० (चिकित्सा) चिकित्सा; रोग निवारण उपाय. चिकित्सा; रोग निवारण करने का उपाय. Healing; cure. अणुजो० ५८; नाया० ५; विशे० ६०२; पराह० २, १; पिं० नि० ४०८; पंचा० १३, १८, प्रव० ६३०; (२) उपायणना १६ दोषमानो छठो दोष उपायण के १६ दोष में से छठा दोष the sixth of 16 faults in connection with Upāyanā. प्रव० ५७३; पिं० नि० ४०८; —**साथ** न० (शास्त्र) चिकित्सा शास्त्र; आयुर्वेद. आयुर्वेद शास्त्र. the science of medicines. ठा० ८;

तिगिच्छायण. पुं० (चिकित्सायन) जेष्ठा नक्षत्रनुं गोत्र ज्येष्ठा नक्षत्र का गोत्र. The family—origin of the Jyeṣthā constellation. सू० प० ११;

तिगिच्छि. पुं० (तिगिच्छि) शिखरी पर्वतनुं एक शिखर. शिखरी पर्वतका एक शिखर. A summit of the Śikharī mount. ठा० २, ३; (२) निषध पर्वत उपरनो एक द्रह. निषध पर्वत ऊपर का एक द्रह. a lake on the Niṣadha mountain. ठा० २,३; सम० ४०००;(३) फुलनी रज. फूल की रज. pollen. जं० प०

तिगिच्छिकूड. पुं० (तिगिच्छिकूट) અરુણો-દય સમુદ્રમા આવેલ એ નામનો ચમરેન્દ્રનો એક ઉત્પાત પર્વત. अरुणोदय समुद्र समीपका चमरेंद्र का एक उत्पात पर्वत An Utpāta mountain of Chamarendra situated in Arunodaya ocean. भग० ३, २, २, ८, ठा० २, ३;

तिगिच्छिणयरी. स्त्री० (तिगिच्छिनगरी) તિગિચ્છ નામની નગરી. तिगिच्छ नामक नगरी A city named Tigichchhi विवा० ६;

तिगिच्छिद्दह पुं० (तिगिच्छिद्रह) નિષધ પર્વતની વચ્ચેનો બે હજાર જોજન પહોળો અને ૪ હજાર જોજનલાંબો એક દ્રહ निषध पर्वत की मध्यस्थ दो सहस्र योजन चौडा व चार हजार योजन लम्बा एक द्रह. A lake in the middle of the Nisadha mountain, which is 2000 Yojanas wide and 4000 Yojanas long सम० ७४; जं० प०

तिगिच्छिय पुं० (चिकित्सक) ચિકિત્સા કરનારો વૈદ्य चिकित्सा करने वाला, वैद्य. A physician. नाया० ५; ठा० ६; विवा० १;

तिगिच्छिय. स्त्री० (चिकित्सा) રોગની ચિકિત્સા; દર્દીની તપાસ रोगकी चिकित्सा, दर्दीकी तपास. Curing or prognosis of disease उत्त० १५, ८;

तिगुण. त्रि० (त्रिगुण) ત્રણ ગુણા. तिगुना. तीन गुना. Threefold उत्त० ३६, ५८. नंदी० ५६; जं० प० पिं० नि० १७१; जीवा० ३; (२) દૃષ્ટિવાદાંતર્ગત સિદ્ધશ્રેણિ પરિકર્મનો નવમો ભેદ. दृष्टिवादांतर्गत सिद्धश्रेणि परिकर्म का नववां भेद. the ninth variety of Siddhaśreni Parikarma occcuring in Dristivāda. जं० प० ७, १५२, नंदी० ५६; सम० १२;

तिगुत्त. त्रि० (त्रिगुप्त) મન વચન અને કાયાથી ગુપ્ત-સુરક્ષિત. मन, वचन व काया से गुप्त-सुरक्षित. Protected by the mind, speech and body. सम० १२; उत्त० ३, २०, ६, २०; १२, १६; दस० ३, ११;

तिगुत्ति. स्त्री० (त्रिगुप्ति) મન વચન અને કાયાને પાપથી ગોપવવારૂપ ત્રણ ગુપ્તિ. मन, वचन व काया को पाप से बचाने रूप तीन गुप्ति. Three protective measures to save the mind, speech and body from sin. आव० १, ४;

तिघरंतर. न० (त्रिगृहान्तर) ત્રણ ઘરનું અંતર-આંતરૂં तीन गृहों का अंतर An interval of three houses. निसी० ३, १५;

तिघरंतरिय. त्रि० (त्रिगृहान्तरिक) ત્રણ ઘરને આંતરે ભિક્ષા લેનાર; ગોશાલાના મતનો અનુયાયી. तीन घर के अंतर से भिक्षा लेने वाला; गोशाला के मत का अनुयायी. A follower of Gośālā who begs at every fourth house. आव० ४१;

तिचक्खु पुं० (त्रिचक्षु) ચક્ષુરિન્દ્રિય, પરમ-શ્રુત અને પરમઅવધિ એમ ત્રણ જ્ઞાન-રૂપી ચક્ષુ ધરનાર તથારૂપના સાધુ. चक्षुरिंद्रिय, परम श्रुत व परम अवधि इस प्रकार तीन ज्ञानरूप चक्षु को धारण करने वाला-तथारूप का साधु. One who possesses the spiritual eye in the form of sensual, scriptural and perfect knowledge. ठा० ३, ४;

तिचरिम. पुं० (त्रिचरम) જેનાથી છેલ્લો સમય ત્રીજા નંબરનો થાય તે. जिसमें अंतिम समय तृतीय संख्याका (नंबरका) हो वह. That which has the last period numbering three. क०

प० २, ७७;

तिजय. पुं० (त्रिजगत) त्रणु लोक. तीन लोक. The three worlds. सु० च० १, १;

तिट्ठाण न० (त्रिस्थान) स्वरना त्रणु स्थान-हृदय, कंठ अने मस्तक. स्वर के तीन स्थान हृदय, कंठ व मस्तक. The 3 places of a note viz. the heart, throat and head राय० ८६; १३१; (२) कर्मनो त्रिठाणीयो रस. कर्म का त्रिठाणी रस the triplicate essence of Karma. क० प० १, ६२; —रस. पुं० (-रस) त्रिठाणीयो रस; अप्रत्याख्यानी कषायने योगे कर्ममां जे रस पडे ते. त्रिठाणी रस; अप्रत्याख्यान की कषाय के योग से कर्म में जो रस हों वे. triplicate essence; the intensity which occurs in Karmas in union with total-vow-preventing passion क० गं० ५, ६४; —सुद्ध. त्रि० (-शुद्ध) हृदय, कंठ, अने मस्तकथी शुद्ध. हृदय, कंठ, व मस्तक से शुद्ध. pure from the heart, throat and head राय० ज० प०

तिड्ड पुं० (") तिड. शलभ, टिड्डी Locust सु० च० १२, ५६;

तिण. न० (तृण) घास; खड. घास, चारा. Grass, hay, सु० च० २, ७०; कप्प० ५, ११८, —सूय. पुं० न० (-शूक) खडनो अग्रभाग बांस का अग्रभाग. the tip of a straw भग० १५, १, —हत्थय. न० (-हस्तक) खडनो पुलो. चारेका पूला, घास का पूला. a bundle of hay or grass. भग० ३, ३,

तिणइय. न० (त्रिनयिक) त्रि-त्रणु नयवाळु सूत्र. त्रि-तीन नय-वाला सूत्र. A Sūtra with three standpoints. नंदी०

तिणय. त्रि० (त्रिनत) आदि मध्य अने अवसानमां नमेल. आदि, मध्य व अन्त में झुका हुआ. Bent in the beginning, middle and end. राय० २०८; भग० ३; ६;

तिणयण. पुं० (त्रिनयन) शंकर; शिव शंकर; शिव The god Śiva. सु० च० ६, २९;

तिणिस. पुं० (तिनिश) वृक्ष विशेष; नेतरनुं झाड. वृक्ष विशेष; बेतका वृक्ष A particular tree; cane-plant. ओव० ३१; राय० १२६; जीवा० ३, ४; जं० प० —लया. स्त्री० (-लता) नेतरनी छडी. बेत की छडी. a cane-stick. ठा० ४, २; क० गं १, १६; —लयाथंभ. पुं० (-लतास्तंभ) नेतरनो थांभलो बेत का स्तंभ. a cane post ठा० ४, २;

तिएण त्रि० (तीर्ण) पार पामेल; तरी गयेल, संसार समुद्रने पार पामेल जिसने पार पाया है वह, संसार समुद्र का पार पहुचा हुआ. One who has crossed or swum across this ocean-like world जं० प० ५, ११५, विशे० १०२५; ओव० १२; उत्त० २६, १; नाया० १; राय० २३; भग० १६, ६; आया० १, ८, ६, २२३; सूय० १, १२, २;

तिएणाणि त्रि० (त्रिज्ञानिन्) मति, श्रुत अने अवधि ए त्रणु ज्ञानवाळो. मति, श्रुत व अवधि ये तीन ज्ञान वाला (One) who has intellectual, scriptural and limited knowledge भग० ८, २;

तिएणाणोवगय. त्रि० (त्रिज्ञानोपगत) मति, श्रुत अने अवधि ए ज्ञानयुक्त. मति, श्रुत व अवधि इन तीन ज्ञान से युक्त. Possessed of intellectual, scriptural and limited knowledge. भग० १५ १;

तिरिणग पु० (तीर्णक) એ નામનો એક દેશ इस नाम का एक देश. A country of this name. (२) त्रि० તે દેશમા રહેનાર મનુષ્ય उस देश में रहने वाला मनुष्य. an inhabitant of that country पन्न० १,

तिरहा. स्त्री० (तृष्णा) તૃષ્ણા; પિપાસા तृष्णा. पिपासा. Thirst सम०५२,जं०प०४,११५,

√तितिक्ख. धा० I (तिज्+स्) સહન કરવુ; ખમવુ, સહેવુ. सहन करना; सहना. To endure, to suffer.

तितिक्खइ अत० ६,३; आया० २,१५,१७६;

तितिक्खए. आया० १, ७, ८, २,

तितिक्खसि नाया० १;

तितिक्खे. उत्त० २, ५;

तितिक्खमाण आया० १, ६, २, १८३;

तितिक्ख त्रि० (तितिक्षु) પરિષહ આદિ સહન કરનાર; દીનતા રહિત परिषह आदि को सहन करने वाला. दीनता रहित One who endures afflictions, strong दसा० ६, २; ७, १, ठा० ५.१, वव० १०,१,

तितिक्खण. न० (तितिक्षण) સહન કરવુ તે. सहन करना. Enduring ठा० ६,

तितिक्खा स्त्री० (तितिक्षा) તિતિક્ષા-પરિષહ સહન કરવોતે; સહન શીલતા तितिक्षा-परिषह सहन करना, सहनशीलता Enduring affliction; forbearance. उत्त०२.२६. २६,३४, सूय०१,८,२६; सम० ३२; पिं०नि० ६६६, प्रव० ७८५;

तितिक्खिय त्रि० (तितिक्षित) સહન કરેલ सहन किया हुआ. Endured भग०१५,१,

तित्त त्रि० (तृप्त) તૃપ્ત, સન્તુષ્ટ तृप्त; सतुष्ट Satisfied, contented विशे० २४०६, पन्न० २;

तित्त पुं० (तिक्त) તીખો રસ तीक्ष्ण रस. Pungent taste. जं०प० विशे० ८६४, भग० १, १; २, १: १४; ७; २०, ५; (२) त्रि० તીખા રસવાળુ; તીખુ तीक्ष्ण रस वाला; तीक्ष्ण pungent नाया०१६;१७, पन्न० १; भग० १८,६, ठा०१,२; जीवा० १; अणुजो० १४६; उत्त० ३६, १८, आया० १, ५, ६, १७०, सम० २२, (३) तिक्तरस-नामकर्म-નામકર્મની એક પ્રકૃતિ કે જેના ઉદયથી જીવ તિક્ત્તો રસ પામે છે. तिक्तरस नाम कर्म-की एक प्रकृति कि जिसके उदय से जीव तीक्ष्ण रस को प्राप्त करता है. A nature of Nāma Karma at whose appearance a soul gets pungent taste. क० ग० १. ४२;

—णाम न० (-नामन्) નામકર્મની એક પ્રકૃતિ नामकर्मकी एक प्रकृति. a nature of Nāma Karma. क०गं० १, ४२;

—रस पु० (-रस) તીખો રસ तीक्ष्ण रस. pungent taste. भग० ८, १;

—रसणाम न० (-रसनामन्) નામ કર્મની એક પ્રકૃતિ. नाम कर्म की एक प्रकृति a nature of Nāma Karma क० ग० १, ४१;

तित्तग. पु० (तिक्तक) તીખો રસ तीक्ष्ण रस Pungent taste. दस० ५, १, ६७, नाया० १६;

तित्तत्त न० (तिक्तत्व) તીખા પણું. तीक्ष्णता. Pungency, sharpness. भग०१७,२,

तित्तलाउय न० (तिक्तालाबुक) કડવી તુબડી कटु तुंबी. Bitter gourd. नाया० ६; १६,

तित्ति. स्त्री० (तृप्ति) તૃપ્તિ; સતોષ. तृप्ति, संतोष. Satisfaction; contentment सु० च०६,३०; विशे०२२७,२४०४,

तित्तिर पुं० (तित्तिर) તેતર પક્ષી तीतर पक्षी Partridge नाया० १७; पन्न० १, पराह० १, १; सू० प० ११, सूय० २, २,

१०; दसा० ६, ४; —पोसय. त्रि० (-पोषक) તેતરને પાલનાર. तीतर को पालने वाला (one) who rears a partridge. निसी० ६, २३;

तित्तिरक. पुं० (तित्तिरक) જુઓ 'तित्तिर' શબ્દ. देखो 'तित्तिर' शब्द. Vide. 'तित्तिर' आया० २, १०, १६६;

तित्तिरलक्खण. न० (तित्तिरलक्षण) તેતરના સ્વરૂપનું પ્રતિપાદન કરનાર ગ્રંથ વિશેષ. तीतर के स्वरूप का प्रतिपादन करने वाला ग्रंथ विशेष. A particular book which deals with the form of a partridge. सूय० २, २, ३०; उत्रा० ७, २१६;

तित्तीस. त्रि० (त्रयस्त्रिंशत्) ૩૩; તેત્રીસની સંખ્યા ३३; तेतीस की संख्या. Thirty-three; 33. उत्त०३०,३०;३३, २२; नंदी० ४६, —यर. पुं० (-अतर) તેત્રીશ સાગરોપમ. तेंतीस सागरोपम. like 33 Sāgaropamas (a period of time); क० गं० ५, ६२;

तित्थ. पुं० न०(तीर्थ) ગંગા જમુના વગેરે લૌકિક તીર્થ. गंगा यमुना इत्यादि लौकिक तीर्थ Mundane pilgrimages e. g. the Ganges, Yamunā etc ओव० ३८; (२) ચતુર્વિધ સંઘ. તીર્થંકરે સ્થાપિત કરેલ સાધુ, સાધ્વી, શ્રાવક, શ્રાવિકા-રૂપ સંઘ સમુદાય. चतुर्विध संघ; तीर्थंकर ने स्थापित किया हुआ साधु, साध्वी, श्रावक, श्राविका रूप संघ; समुदाय. an order of four viz. monk, nun, layman and laywoman established by a Tirthankara. 'तित्थंतिपुव्वं भणियं संघो जो नाण चरण संघाओ' विशे० १३८०; १०२६; संत्था० १४; अणुजो० १३१; नंदी० २१; सु० च० १, १; भग० २०, ८; २५, ५; ६; ७; नाया ७; दस० ७, ३७; ठा० १; प्रव० ४७६; (३) શાસન; તીર્થંકરનું સામ્રાજ્ય. शासन; तीर्थंकर का साम्राज्य. a command; the reign of a Tīrthaṅkara भग०२५,५,६; (४) તરવાનું સ્થાન तैरनेका स्थान. a place for swimming. दस० ७, ३७; (५) તીર્થંકરનામ નામકર્મની એક પ્રકૃતિ કે જેના ઉદયથી તીર્થંકર-પણુ પામે तीर्थंकरनाम नामकर्म की एक प्रकृति कि जिस के उदय से जीव तीर्थंकर पद प्राप्त करे. a nature of Nāma Karma at whose appearance a soul is raised to the position of a Tirthankara. क० गं० ३, २२; १, २५; ५, १२, ३, ५; —अंतर. त्रि० (-अन्तर) અન્ય તીર્થ; જૈનેતર. अन्य तीर्थ, जैनेतर. belonging to another religion than Jainism. विशे० ११६६; —अभिसेय. पुं० (-अभिषेक) લૌકિક તીર્થમાં સ્નાન કરવું તે. लौकिक तीर्थ में स्नान करना. bathing in a terrestrial pilgrimage नाया० ५; ८; —अहिव पुं० (-अधिप)તીર્થ-ચતુર્વિધ સંઘના અધિપતિ, તીર્થંકર. तीर्थ-चतुर्विध संघ के अधिपति; तीर्थंकर. the lord of the fourfold order; a Tīrthaṅkara विशे०१०५६ —आययण. न० (-आयतन) અન્ય ધર્મના તીર્થસ્થાન अन्य धर्मके तीर्थस्थान the places of pilgrimage of other religions. सूय० २, ७, १६; —ऊण. त्रि० (-ऊन) તીર્થંકર નામકર્મ શિવાયનું. तीर्थंकर नाम कर्म के रहित. (one) without a Excepting Tirthankara Nāma-Karma क०गं० ३, २२;

—उएणति स्त्री० (-उन्नति) तीर्थनी वृद्धि-उत्कर्ष. तीर्थ की वृद्धि,उत्कर्ष. a prosperity of a Tīrtha. पंचा० ८, ४६; —उएणतिकारग. त्रि० (-उन्नतिकारक) तीर्थनी उन्नति करनार. तीर्थ की उन्नति करने वाला. (anything) causing prosperity of a Tīrtha. पन्चा० ८, ४६; —उदय पुं० (-उदय) तीर्थंकर नामकर्मनो उदय. तीर्थंकर नामकर्म का उदय. the appearance of a Tīrthankara Nāma-Karma क० गं० २; २१, —नाह. पुं० (-नाथ) तीर्थना अधिष्ठाता, तीर्थंकर. तीर्थ के अधिष्ठाता; तीर्थंकर the founder of a Tīrtha; a Tīrthankara प्रव० ५; —पव्वत्तण न० (-प्रवर्तन) साधु साध्वी-श्रावक श्राविका एम चतुर्विध संघनुं स्थापवुं ते. साधु साध्वी-श्रावक श्राविका इस तरह चतुर्विध संघ की स्थापना करना establishing a fourfold order of monks, nuns, laymans and laywomen. राय०६५;—भेय पुं० (-भेद) तीर्थमां भेद पाडवो ते. तीर्थ में भेद पैदा करना. causing difference in a Tīrtha नाया०२;—मट्टिया. स्त्री० (-मृत्तिका) तीर्थनी माटी तीर्थ की मृत्तिका. the earth of a Tīrtha राय० —उच्छेअ. पुं० (-व्युच्छेद) तीर्थनो उच्छेद-नाश. तीर्थका उच्छेद नाश the destruction of a Tīrtha प्रव०८,—सिद्ध पुं० (-सिद्ध—तीर्थे सति सिद्धा निर्वृत्ता ऋषभसेनगणधरादिवदिति तीर्थसिद्धा) तीर्थ स्थपायापछी सिद्ध थनार. तीर्थ स्थापित होने के पश्चात् सिद्ध होने वाला (one) who becomes a Siddha (perfect) after establishing a Tīrtha. पन्न० १; ठा० १, १;

तित्थंकर. पुं० (तीर्थंकर) तीर्थंकर. तीर्थंकर. A Tīrthankara. नाया०१५; भग०२०, ८; प्रव- ३; —णात. न० (-ज्ञात) जिनेश्वरनुं उदाहरण जिनेश्वर का उदाहरण. an illustration of Jineśvara. पंचा० ६, ६;

तित्थंयर. पुं० (तीर्थङ्कर) साधु, साध्वी, श्रावक, श्राविका आदि ४ तीर्थने स्थापनार साधु, साध्वी, श्रावक, श्राविका आदि चार तीर्थ का स्थापन करने वाला. A founder of four Tīrthas viz. monks, nuns, laymen and laywomen. विशे० ७६६;

तित्थकर पुं० (तीर्थंकर) जुओ 'तित्थंकर' शब्द देखो 'तित्थकर' शब्द. Vide. 'तित्थकर' भग० १५, १; —अइसय. पुं० (-अतिशय) तीर्थंकरना ३४ अतिशय, प्रभाव तीर्थंकर के ३४ अतिशय 34 Atiśayas of Tīrthankara. भग० ६, ३३,

तित्थगर. पुं० (तीर्थंकर) चार तीर्थने स्थापनार, तीर्थंकर चार तीर्थ को स्थापन करने वाला, तीर्थंकर Founder of four Tīrthas. ज० प० ५, ११२, ११३; नाया० १; १६; १८; पिं० नि०१४७, भग० १, १; ११, ११; १६, ५; २०, ८; पन्न० २०, पन्चा० १७, ११; क० प० ४,१७; (२) नामकर्मनी एक प्रकृति-जेना उदयथी जीव तीर्थंकर पद प्राप्त करे छे. नाम कर्म की एक प्रकृति कि जिसके उदय से जीव तीर्थंकर पद प्राप्त करता है a kind or nature of Nāma-karma by the rise of which a living being obtains Tīrthankara position पन्न० २३, —अइसय. न० (-अतिशय) तीर्थंकरना

३४ અતિશય. तीर्थकर के ३४ अतिशय. the 34 supernatural powers of a Tīrthaṅkara. भग० ६,३३;—मायर. स्त्री० (-मातर-मातृ) तीर्थंકરદેવની માતા. तीर्थंकर देव की माता mother of a Tīrthankara भग० १६, ६, —सिद्ध. पु० (-सिद्ध) તીર્થંકરપદ પ્રાપ્ત કરીને સિદ્ધ થનાર. तीर्थंकर पद प्राप्त करके सिद्ध होने वाला (one) who is to be liberated after acquiring Tīrthankara-hood. पन्न० १;

तित्थगरत्त. न० (तीर्थंकरत्व) તીર્થંકરપણું. तीर्थंकरत्व. Tīrthankara-hood. पन्न० २०;

तित्थपव्वत्तणचरियणिबद्ध न० (तीर्थप्रवर्तनचरित्रनिबद्ध) ૩૨ નાટકમાંનું એક પ્રકારનું નાટક ३२ प्रकार के नाटकों में से एक A kind of the 32 dramas राय०

तित्थय-अ-र पुं० (तीर्थंकर) સાધુ, સાધ્વી, શ્રાવક અને શ્રાવિકા, એ ૪ તીર્થ સ્થાપનાર साधु,साध्वी, श्रावक व श्राविका इन चार तीर्थों को स्थापन करनेवाला. A founder of the four orders viz. male ascetics, female ascetics, laymen and laywomen ज० प० ५, ११२; ११३, नाया० १;८,१३,नंदी०२; ठा०१, १; भग०५,५;२५, ६; सत्था० १४, राय० सम०१६, भत्त० ३१; क० गं०२, ३, क०प०२, ३०, १११; कप्प० १, २. १५, प्रव० ४७६, ५५७, आव० २,१; —अतिसय पुं० (-अतिशय) તીર્થંકર ભગવાનના અતિશય-પ્રભાવ. तीर्थंकर भगवान का अतिशय-प्रभाव. power of a Tīrthankara. नाया०ध० —अभिमुह त्रि० (-अभिमुख) તીર્થંકરની સન્મુખ तीर्थंकर के सन्मुख in the presence of a Tīrthankara. कप्प० २, १४,नाया०ध०—अभिसेय.न०(-अभिषेक) તીર્થંકરનો દીક્ષા વખતનો સ્નાનાભિષેક. तीर्थंकरका दीक्षाके समयका स्नानाभिषक the bathing ceremony of a Tīrthaṅkara at the time of Dīkṣā.नाया ८;—आगमण. न० (-आगमन) તીર્થંકરનું આગમન-આવવું તે. तीर्थंकर का आगमन. arrival of a Tīrthankara. विवा०६, —गंडिया. स्त्री० (-गण्डिका) તીર્થંકરના ચરિત્રવાળો ગ્રંથ વિભાગ. तीर्थंकर के चरित्र वाला ग्रंथ विभाग. a part of a book on the life of Tīrthaṅkaras. सम० —जणणी स्त्री० (-जननी)તીર્થંકરની માતા. तीर्थंकर की माता. the mother of a Tīrthankara. प्रव०१५६८,—जम्मणाभिसेय. पुं० (-जन्माभिषक) તીર્થંકરના જન્મનો મહોત્સવ तीर्थंकरका जन्म महोत्सव. birth ceremony of a Tīrthaṅkara. नाया० ८; —णाणुप्पत्ति. न० (-ज्ञानोत्पत्ति) તીર્થંકરને કેવલજ્ઞાન ઉત્પન્ન થાય તે तीर्थंकर को केवल ज्ञान का उत्पन्न होना appearing of perfect knowledge to a Tīrthankara. (२) તીર્થંકરનું કેવલજ્ઞાન વખતનું તપ. तीर्थंकर का केवल ज्ञान के समय का तप. the dawing or penance at the time of Kevala (perfect) knowledge on the part of a Tīrthaṅkara. पचा० १६, १०, —णामगोयकम्म. न० (-नामगोत्रकर्म) નામકર્મની એક પ્રકૃતિ કે જેના ઉદયથી જીવ તીર્થંકર નામગોત્ર પામે. नामकर्म की एक प्रकृति कि जिस के उदय से जीव तीर्थंकर नाम गोत्र को प्राप्त करत है A kind of Nāma Karma by the rise of

which a man gets a family name of Tīrthankara. नाया० ८, —णामबंध.पुं०(-नामबन्ध) तीर्थंકર નામ કર્મ બાંધવું તે तीर्थंकर नामकर्म बांधना. the bondage known as Tīrthankara Nāma-Karma. नाया० ८, —णिग्गम. न० (-निर्गम) તીર્થંકર ગૃહવાસ છોડી નિકળે તે तीर्थंकर का गृहवास छोड कर निकलना. renouncing the worldly effects on the part of a Tīrthankara (२) તીર્થંકરનું દીક્ષા વખતનું તપ. तीर्थंकर का दीक्षा समय का तप. the penance at the time of Dīkṣā on the part of a Tīrthankara पंचा० १६, ६, —भत्ति स्त्री० (-भक्ति) તીર્થંકરની ભક્તિ વિનય तीर्थंकर का भक्ति-विनय. devotion to a Tīrthankara. पंचा० १,३७, —मोक्खगमणतव. न० (-मोक्षगमनतपस्) તીર્થંકર નિર્વાણ પામતી વખતે જે તપ કરે તે तीर्थंकर निर्वाण को प्राप्त करने के समय जो तप करे वह penance of a Tīrthankara at the time of salvation " तित्थयरमोक्खगमणं अहावरो एत्थ होइ विन्नेओ " ठा० ८; —वज्जिय त्रि०(-वर्जित) તીર્થંકર શિવાયનું तीर्थंकर के सिवाय except a Tīrthankara प्रव० ५३८,—समीव न० (-समीप) તીર્થંકરની સમીપે तीर्थंकर के पास in the vicinity of or near a Tīrthankara प्रव० ५१८, —सिद्ध. पुं० (-सिद्ध) તીર્થંકરપણે સિદ્ધ થનાર तीर्थंकरपने से सिद्ध होने वाला. (one) becoming Siddha in the state of a Tīrthankara. नंदी०

तित्थयरत्त. न० (तीर्थङ्करत्व) તીર્થંકરપણું तीर्थंकरपना Tīrthankara-hood प्रव० ३२०, नाया० ८;

तित्थुगालिय. न० (तीर्थोद्गालिक) એ નામનું એક પઈન્નુ, દશ પઇન્નામાંનું એક. इस नाम का पइन्ना दश पइन्नाओं में से एक. One of the ten Painnas (minor scripture) so named तित्थु०

तिदंड. पुं० (त्रिदण्ड) સન્યાસીનું એક જાતનું ઉપકરણ; ત્રિદણ્ડીની લાકડી. संन्यासीका एक प्रकार का उपकरण, त्रिदंडी की लकडी. A stick of a wandering ascetic. नाया० ५; (२) તેને ધારણ કરનાર. उसको धारण करने वाला. (one) accepting or holding it भग० २, १.

तिदंडि. पुं० (त्रिदण्डिन्) ત્રણ દણ્ડ ધારણ કરનાર-સન્યાસી; ત્રિદંડી. तीन दंड धारण करने वाला संन्यासी; त्रिदण्डी. A Sanyāsī; (an ascetic) who holds a particular sticks प्रव० ७३६,

तिदंडिय. न० (त्रिदण्डिक) સન્યાસીને રાખવાની લાકડી કે જેના યોગથી ત્રદણ્ડી કહેવાય છે તે संन्यासी को रखने की एक लकडी कि जिसके कारण वह त्रिदण्डी कहलाता है. An ascetic known as Tridandī ओव० ३६;

तिदिस. न० (त्रिदिश्-त्रिसो दिश समाहृता त्रिदिक्) ચાર દિશામાંની ગમે તે ત્રણ દિશા चार दिशाओं में से कोई भी तीन दिशा Any three of the four quarters. राय०

तिदिसि. अ० (त्रिदिश्-तिसृणां दिशा समाहारः त्रिदिक्) ત્રણ દિશા, ત્રણ બાજુ तीन दिशा, तीन ओर Three sides ज० प० ५, ११४, ११६; राय० १५१,

तिदुल त्रि० (त्रिदोल) મન, વચન અને કાયાને ડોલાવનાર मन, वचन और काया को विचलित करने वाला (Anything)

that causes the loss of the controlling power of the mind speech and body. उत्त० २, ३५;

तिनवइ. स्त्री० (त्रिनवति) નેવુ અને ત્રણ; ૯૩ ની સખ્યા. नव्वे और तीनः ६३ की संख्या. Ninety-three; 93. क०गं०१,२३;३१,

तिन्न. त्रि० ( ) આર્દ્ર થયેલ; પાણીથી પલરેલ. आर्द्र, पानी से भींगा हुआ. Wet, soacked in water. " मद्दियालेमंसि तिन्नंसि कुहियंसि " नाया० ६;

तिन्न. त्रि० (तीर्ण) જુઓ "तिरण" શબ્દ देखो "तिरण" शब्द. Vide "तिरण" सम० १; उत्त० १०, ३४; २६, ५२, ३१, १; आया० १, ७, ६, २२२; पिं० नि० २११;

तिन्नाण. न० (त्रिज्ञान) મતિ, શ્રુત અને, અવધિ એ ત્રણ જ્ઞાન. मति, श्रुति और अवधि ये तीन ज्ञान Three kinds of knowledge viz. Mati, Śruta and Avadhi. कप्प० १,३; —**उवगअ.** त्रि० (–उपगत) ત્રણ જ્ઞાન યુક્ત. तीन ज्ञान युक्त. possessed of the three kinds of knowledge कप्प० ३, २६;

तिपएसिअ-य त्रि० (त्रिप्रदेशिक) જેમાં ત્રણ પરમાણુ મલેલાછે તેવો સ્કંધ. जिसमें तीन परमाणु मिलेहों ऐसा स्कंध. A body made up of three atoms अणुजो० ७४, भग० ५, ७, २०, ५;

तिपएसोगाढ. त्रि० (त्रिप्रदेशावगाढ) આકાશના ત્રણ પ્રદેશને અવગાહી રહેલ. आकाश के तीन प्रदेशों में व्याप्त. Occupying the three regions of the sky. अणुजो० १०१;

तिपज्जवसिय. पुं (त्रिपर्यवसित) જે સખ્યાને ચારે ભાગતા ત્રણ વધે તે. जिस सख्या को चार से भाग देने पर ३ बचें ऐसी संख्या. A number having 3 as remainder when divided by 4 (four). भग० १८, ४; ३१, १;

तिपदेसिय. त्रि० (त्रिप्रदेशिक) જુઓ "तिपएसिय" શબ્દ. देखो "तिपएसिय" शब्द. Vide "तिपएसिय" भग० १२,४;१८,६;

तिपल्ल. न० (त्रिपल्य) ત્રણ પલ્યોપમ. तीन पल्योपम. Three Palyopamas क० प० २, ११०;

तिपासिय त्रि० (तिपाशित) દોરાના ત્રણ વેઢણ—આંટાથી બાધેલ दोरे के तीन आटोंस बंधा हुआ Threefold tying of a thread. ओघ०नि० ७०७;

तिपुंज. न० (त्रिपुञ्ज) શુદ્ધ, અશુદ્ધ અને મિશ્ર એ ત્રણ પુદ્ગલનો સમૂહ. शुद्ध, अशुद्ध और मिश्र इन तीन पुद्गलों का समूह. A collection of three Pudgalas viz. Śuddha, Aśuddha and Miśra. विशे० ५२६;

तिपुड त्रि० (त्रिपुट-त्रयः पुटा यस्य) ત્રણ પડવાળુ तीन तहवाला. (Any thing) having three layers जं०प०

√**तिप्प** धा० I. (तृप्) દુઃખ આપવું दुख. देना To tease; to give pain to. (२) તૃપ્તિ કરવી. तृप्ति करना. to satisfy (३) તૃપ્તિ થવી तृप्ति होना. to be satisfied.

तिप्पइ पिं०नि०२६७; आया० १, २,५,४१;
तिप्पाइ. सूय० २, १, ३१;
तिप्पोत. सूय० २, २, ५५; दमा० ६, ४;
तिप्पामि. सूय० २, १, ३१,
तिप्पउं. सं०क्रु० महा०प० ५५;
तिप्पयंत सम० ३०; दसा० ६, १६;
तिप्पमाण. नाया० १; ६; आया० १, ७, ८, १०; सूय० १, ५, १, २३;

तिप्पण न० (तेपन) આંખમાંથી ટીપાં પાડો રોવું. आखों मे से आसू डालकर रोना.

Weeping with tears in the eyes. दसा० ६, १;

तिप्पणया. स्त्री० (*तेपन) આંસુ ખેરી રડવુ, आंसू डालकर रोना. Weeping with tears. ठा० ४, १; ओव० २; भग० ३, ३;२५, ७; (२) દુઃખ દેવું; હિંસા કરવી. दुःख देना; हिंसा करना. teasing; murdering; killing. सूय० २, ४, ६६;

तिफास. पुं० (त्रिस्पर्श) આઠ સ્પર્શમાંના ત્રણ સ્પર્શ, आठ स्पर्श मे से तनि. Three out of eight touches. भग० २०,५;

तिभाग पुं० (त्रिभाग-तृतीयो भागस्त्रिभाग) ત્રીજો ભાગ-અંશ; તૃતીયાંશ. तीसरा हिस्सा-भाग; तृतीयांश Third part. जं०प०७, १३५; अणुजो० ६५,उत्त० ३६,६३; भग० ६,३; **—अवसेस.** पुं० (-अवशेष) ત્રીજા ભાગનો અવશેષ; ત્રીજો ભાગ બાકી રહે તે तीसरे भाग का अवशेष; तीसरे भाग का बाकी रहना. remainder of the third part. विवा० २; ३; ५; **—कढिअ.** त्रि० (-क्वथित) ત્રીજો ભાગ બાકીરહે તેવી રીતે ઉકાળેલ. तीसरा भाग बाकी रहे उस रीतिसे उबाला हुआ. boiled to the extent of one out of three parts क० गं० ५, ६५, **—हीण.** त्रि० (-हीन) ત્રીજે ભાગે ન્યૂન. तीसरा भाग कम. less by the third part. प्रव० ४८६;

तिमासिय त्रि० (त्रिमासिक) ત્રણ માસનું; ત્રણ મહીનાનુ. तीन महिने का. Quarterly, three-monthly निसी० २०, १३; १८; ४१, वव० १, २; भग० २, १, **—भत्त.** न० (-भक्त) ત્રણ માસના ઉપવાસ. तीन महिने का उपवास. three month's fast भग० २५, ७;

तिमासिया. स्त्री० (त्रिमासिकी) ભિક્ષુની ત્રીજી પડિમા કે જેમા એક મહિના સુધી ત્રણ દાત અન્નની અને ત્રણ દાત પાણીની લઇ શકાય भिक्षु की तीसरी पडिमा कि जिस मे एक महिने तक तीन दात अन्न की और तीन दात पानी की ली जा सके A certain austerity, practised by an ascetic, in which he takes three morsels of food and three draughts of water every day for three months सम० १२; २८; ओव० १६, दसा० ७, १,

तिमि पुं० (तिमि) મોટુ માછલુ-મચ્છ. बडी मछली-मच्छ. A large fish. पन्न० १; पगह० १, १; सूय० टी० २, ३: ५७; कप्प० ३, ४३;

तिमिंगिल पुं० (तिमिङ्गिल-तिमिं मत्स्यं गिरतीति) એ નામનો એક જાતનો મચ્છ. इस नाम का एक जातिका मच्छ A fish so named सूय० टी० २, ३, ५७; पन्न० १; पगह० १, १, कप्प० ३, ४३,

तिमिर. न० (तिमिर) અંધકાર अंधकार. Darkness जीवा० ३, ३; भग० ४२, १, कप्प० ३, ३८; (२) પર્વતની વનસ્પતિનો એક પ્રકાર. पर्वत की वनस्पति का एक प्रकार. a kind of mountainous vegetation. पन्न० १; भग० २१, ६; **—विद्धंस.** त्रि० (-विध्वंस) અંધકાર દૂર કરનાર. अंधकार को दूर करने वाला. destroyer of darkness "जहा से तिमिर विद्धंसे" उत्त० ११, २४;

तिमिसा. स्त्री० (तिमिस्रा) ભરતના વૈતાઢ્ય પર્વતની એક ગુફા કે જેમાં થઇ ચક્રવર્તી દક્ષિણ ભરતાર્ધમાંથી ઉત્તરાર્ધમાં જઇ શકે છે. भरत के वैताढय पर्वत की एक गुफा कि जिस में होकर चक्रवर्ती दक्षिण भरतार्ध में से उत्तरार्ध मे जा सकते हैं A cave on the

Vaitādhya mountain in Bharata through which a Chakravartī can go from the southern-half of Bharata to the northern-half. ठा० २, ३; पराह० १, १;

तिमिस्सगुहा. स्त्री० (तिमिस्रगुहा) જુઓ " तिमिसा " શબ્દ. देखो " तिमिसा " शब्द. Vide " तिमिसा " "तिमिस्सगुहा अट्ठजोयणाहिं " जं० प० १, १२; ६, १२५; ३, ५१; सम० ५०;

तिमिस्सा. स्त्री० (तिमिस्रा) જુઓ " तिमिसा " શબ્દ. देखो " तिमिसा " शब्द. Vide. " तिमिसा " ठा० २, ३;

तिमुह. त्रि० (त्रिमुख) ત્રીજા સંભવનાથ તીર્થંકરના યક્ષનુ નામ. तीसरे संभवनाथ तीर्थंकर के यक्ष का नाम. Name of the Yakṣa of the 3rd Sambhavanātha Tīrthaṅkara. प्रव० ३७५;

तिमुहुत्त न० (त्रिमुहूर्त) ત્રણ મુહુર્ત; ૭ ઘડી. तीन मुहूर्त; छ घडी. Three Muhūrtas (one Muhūrta is equal to 48 minutes). भग० ११, ११;

तिय-अ न० (त्रिक) ત્રણનો સમુદાય. तीन का समुदाय. A collection, group of three. उत्त० २६, १६; ३१, ४; भग० १, ३, ५, ४; ८, १, ११, १; १२, १०; २०, ५; विशे० १८; ओघ० नि० १४; राय० का० ४, ८८; क० गं० १, ३३; (२) શરીરનો એક અવયવ; પીઠ-વાંસાના કરોડનો એક ભાગ. शरीर का एक अवयव; पीठ का एक भाग. lower part of the spine or hips. " तियं मे अंतरिच्छं च " उत्त० २०,२१; विशे० ३४०१; ત્રણ માર્ગ ભેગા થાય તે સ્થલ; ત્રિકોણ માર્ગ. जिस स्थल पर तीन रास्ते मिलते हों वह स्थल; तिराहा. meeting place of three ways; triangular way. उत्त० १६, ४; नाया० १; —**भंग.** पुं० (-भङ्ग) પીઠનું ભાંગવું. पीठ का टूटना. breaking of the back. भग० ६, ४; —**संजोअ.** पुं० (-संयोग) ત્રણ વસ્તુનો સંયોગ-જોડાણ. तीन वस्तुओं का संयोग-मिलाप. joining or combining of three things or matters. अणुजो० १२७;

तिय. त्रि० (तृतीय) ત્રીજું. तीसरा. Third. क० गं० ५, ६६;—**कसाय.** पुं० (-कषाय) ત્રીજો પ્રત્યાખ્યાની કષાય. तीसरा प्रत्याख्यान कषाय. the third Pratyākhyāna passion. क० गं० ५, ६६;

तियग. पुं० (त्रिक) જુઓ " तिअ-य " શબ્દ. देखो "तिअ-य" शब्द. Vide. " तिअ-य " भग० २०, ५;

तियस. पुं० (त्रिदश) દેવતા देवता God. सु० च० २, ६३३; पंचा० ४, ४६;—**लोग.** पुं० (-लोक) દેવલોક. देव लोक heavenly abode. पंचा० ४, ४६;

तियाह पुं० (त्र्यहन्) ત્રણ દિવસ. तीन दिन. Three days. दसा० ६, २; पव० ८, ४; भग० ६, ५; १२, ७;

तिरच्छिय त्रि० (तिरश्चीन) તીરછો. तिरछा. Oblique दसा० ६, २;

तिरयण न० (त्रिरत्न) સમ્યગ્ જ્ઞાન, સમ્યગ્દર્શન અને સમ્યગ્ચારિત્ર એ મોક્ષ સાધન રૂપ ત્રણ રત્ન यथार्थ ज्ञान, यथार्थ दर्शन और यथार्थ चारित्र ये मोक्ष साधन रूप तीन रत्न Three virtues of acquiring emancipation viz Samyak Jñāna, Samyak Darśana and Samyak Chāritra., संथा. ११७; —**माला** स्त्री० (-माला) જ્ઞાન, દર્શન,ચારિત્ર એ ત્રણ રત્ન રૂપ માળા,

ज्ञान, दर्शन, चारित्र इन तीन रत्न रूप माला a collection of the three virtues viz. Jñānā, Darśana and Chāritra. " चारित सुद्ध साला तिरयणमाला तुम्भे भवा" संत्था० —सार. न० (-सार) જ્ઞાન દર્શન અને ચરિત્ર એ ત્રણ રત્નના સાર રૂપ (મોક્ષ) ज्ञान, दर्शन और चारित्र इन तीन रत्नोका साररूप (मोक्ष) essence of the three virtues viz. Jñāna, Darśana and Chāritra क० ग० ६, ६०,

तिराइय. त्रि० (*) તાડન કરેલ ताडन किया हुआ. Beaten; punished. ओघ० नि० भा० २६४,

तिराय न० (त्रिरात्र) ત્રણ રાત્રિ. तीन रात्र. Three nights. निसी० १०, १३;

तिरासि. न० (त्रिराशि) ત્રૈરાશિક મત પ્રમાણે જીવ અજીવ અને જીવાજીવ એમ ત્રણ રાશિ પદાર્થ સમૂહ त्रैराशिक मत के आधार से जीव अर्जीव और जीवाजीव इस तरह तीन राशि-पदाथ समूह A group of three categories viz Jīva, Ajīva and Jīvājīva according to Trairāśika tenet. ठा० ७;

तिरि त्रि० (तिर्यच्) તિર્યંચ तिर्यंच Sub-human क० ग १, २३, ३३, २, ४, ४, १३, —आउ न० (-आयुष्य) તિર્યંચનુ આયુષ્ય तिर्यंच का आयुष्य. life of sub human beings. क० गं० ३, ७; ५, ६६; —गइ. स्त्री० (-गति) તિર્યંચ ગતિ. तिर्यंच गति sub-human state. क० गं० २, १६; ४, १३; —दुग न० (-द्विक) તિર્યંચની ગતિ અને તિર્યંચની અનુપૂર્વી એ બે પ્રકૃતિ तिर्यंच की गति और तिर्यंच की अनुपूर्वी ये २ गति the two kinds of existence viz. sub-human state and serial order. क०ग० ३,४; —नर. पुं० (-नर) તિર્યંચ અને મનુષ્ય. तिर्यंच और मनुष्य. sub human and human beings. क० गं० ५, ६६; —नराउ न० (-नरायुष्) તિર્યંચ અને મનુષ્યનુ આયુષ્ય. तिर्यंच और मनुष्य का आयुष्य. life of sub-human and human beings क० गं० ३, ४;

तिरिक्ख. त्रि० (तिर्यंच्) તિર્યંચ, પશુ પક્ષી વગેરે. तिर्यंच; पशु पक्षी वगैरह Birds, beasts etc विशे० ४३१; पन्न० १; सु० च० ३, ६६; उत्त० २६, ४; नंदी० ८, अणुजो० १३४; भग० ८, १, पि०नि० भा० २५, उवा० २, ११६; क० प० ४, ६३; —आउ. न०(-आयुष्) તિર્યંચનુ આયુષ્ય तिर्यंच का आयुष्य life of sub-human beings. उत्त० ३३, १२;

तिरिक्खजोणि पुं० (तिर्यग्योनि) પશુ પક્ષી વગેરે તિર્યંચ. पशु पक्षी वगैरह तिर्यंच The state of existence in the form of birds, beasts etc ओघ० ७६६; दस० ५, २, ४८; प्रव० ११०३,

तिरिक्खजोणिणी स्त्री० (तिर्यग्योनि) તિર્યંચણી, તિર્યંચની સ્ત્રી. तिर्यंचनी; तिर्यंच की स्त्री. Female sub-human being. " तिरिक्खजोणिणीओ परिग्गहियाओ भवंति." भग० ५, ७, ८, ८,

तिरिक्खजोणिअ-य पुं० (तिर्यग्योनिक) તિર્યંચ; પશુ, પક્ષી तिर्यंच, पशु, पक्षी Birds, beasts etc ओव०३४,सम०१; ठा०१,१ ३,१, भग०१,२,२,५; ५,७, ८,१, ८;९, ३२; २४, १;२२, नाया०१,१३; दस० ४, ववा०१०, १; दसा०७, १; कप्प०४,११५; —आउय. न० (-आयुष्क) તિર્યંચનુ. આયુષ્ય तिर्यंच का आयुष्य. life of sub-

human beings. भग० ५, ३; ३०, १; —दुग्गइ. स्त्री० (-दुर्गति) तीर्यंच योनिरूप दुर्गति. तिर्यंच योनिरूप दुर्गति. evil state in the form of animal life. ठा० ४, १,

तिरिक्खत्तण. न० (तिर्यक्त्व) तिर्यंचपणुं. तिर्यंचत्व. The state of a sub-human being. उत्त० ७, १६;

तिरिक्खभूय. त्रि० (तिर्यग्भूत) पशु समान. पशु समान. Beastly. पराह० १, ३;

तिरिच्छ. त्रि० (तिरश्चीन) त्रिच्छो. तिरछा. Oblique. आया० १, २, ५, १४, सू० प० १; —छिन्न. त्रि० (-च्छिन्न) त्रिछुं छेदेलुं-कापेलुं. तिरछा काटा हुआ. cut obliquely. "एवं अतिरिच्छच्छिन्नेवितिरिच्छाच्छिन्नेजाव" आया० २, ७, २, १६०; —संपाइम. त्रि० (-सम्पातिम) त्रिच्छा चालनार तिरछा चलने वाला (one) going obliquely. "तिरिच्छसंपाइमा तसा पाणा" आया० २, १, ३, २०; दस० ५, १, ८;

तिरिच्छिय. पुं० (तिर्यच्) तिर्यंच; पशु तिर्यंच, पशु. Birds, beasts. पन्न० २०, भग० १, १;

तिरिय-अ. त्रि० (तिर्यच्) पशु पक्षी वगेरे; तिर्यंच पशु पक्षी वगैरह; तिर्यंच Sub-human beings. जं० प० १७, १३६; ४, ११२; ५, ११७; २ २७; १, ११; भग० ११, १; २०, ६, २१, १; क० गं० १, १३; १८; ३, ७, १०; प्रव० ३२;भत्त०१०५;पन्न०३२;दसा०५,३१; ओव० २०;दस०७,५०; नंदी०१८; पिं०नि०भा०५०; उवा० १, ५०; (२) त्रिच्छुं; मध्य. तिरछा; मध्य. middle; oblique प्रव० ४०८; जीवा० १; अणुजो० १०३; राय० २६; जं० प० भग० ८, ८; १५, १; पिं० नि० २६३; आया० १, १, ५, ४१; सूय० १, ३, ४, २०; (३) त्रिच्छोलोक; मध्यलोक तिरछा लोक; मध्य लोक. the middle world. भग० १, ६, २, ८; ३, २; ६, ५; उत्त० ३६, ५०; प्रव० ४७७; कप्प० ४, ८८; (४) तिर्यग् दिशा; त्रिछी दिशा. तिरछी दिशा; तिर्यग् दिशा. oblique direction. भग० १६, ६; —आउ. न० (-आयुस्) तिर्यंचनुं आयुष्य. तिर्यंच का आयुष्य. animal or sub human life. क० गं० १, ५८; ३, १३; —आउय. न० (-आयुष्क) तिर्यंचनुं आउखुं. तिर्यंच की आयु-जीवन. the life of an animal भग०१,८; —गइ. स्त्री० (-गति—तिरश्चांतिर्यक्त्वप्रसाधिका गतिस्तिर्यग्गति) तिर्यंचनी गति. तिर्यंच की गति. the state of a sub-human being. ठा० ५, ३; भग० ८, २; चं० प० २; सम० १७; —गइसम. त्रि० (-गतिसम) तिर्यंच-पशुनी गति-समान तिर्यंच-पशु की गति के समान. like the condition of an animal. क०प०२, १०८; —गति स्त्री० (-गति) जुओ "तिरियगइ" शब्द देखो "तिरियगइ" शब्द. vide "तिरिय गइ" भग० ३, १; —जंभग पुं० (-जृंभक) तिरछा लोकमां रहेनारा एक जातिना देवता. तिरछे लोक में रहने वाले जाति विशेष के देवता. a class of deities living in the Tirchhā region. कप्प० ४, ८८; —जोग्गा स्त्री० (-योग्या) तिर्यंचनी गतिमां उदय पामवाने योग्य कर्मप्रकृति जेवी के एकेन्द्रिय जाति बेइन्द्रिय जाति-स्थावरनाम, सूक्ष्मनाम वगेरे तिर्यंच की योनी में जन्म दिलानेवाली कर्मप्रकृति यथा एकेन्द्रिय-दो इन्द्रिय जाति-स्थाव नाम, सूक्ष्मनाम आदि. a Karmic nature which

causes birth in the state of irrational beings like one sensed or two-sensed beings etc क० प० ४, ८५; —दुग. न० (-द्विक) तिर्यंच द्वि गति અને તિર્યંચ અનુપૂર્વી એ બે પ્રકૃતિનો સમૂહ तिर्यंच द्विगति तथा तिर्यंच अनुपूर्वी इन दो प्रकृतियों का समूह a collection of the two varieties of existence viz. sub-human-Dvi and sub-human Anupūrvī प्रव० १३०२, क० प० २, १०७, —पव्वय पुं० (-पर्वत) માર્ગમાં આડો આવે એવો ત્રીછો પર્વત. मार्गमें रुकावट डालने वाला तिरछा पर्वत a mountain lying crosswise on a path. भग० १४, ५, —भवत्थ. त्रि० (-भवस्थ) તિર્યંચના ભવમાં રહેનાર तिर्यंच भव-संसार मे रहने वाला living in the world of animals. भग०८,२, —भित्ति. स्त्री० (-भित्ति) ત્રીછી ભીત तिरछी भीत-दिवाल crooked, oblique wall. भग०१४,५, —लोग पुं० (-लोक) અઢારસો યોજન પ્રમાણે ત્રિચ્છોલોક. अठारहसौ योजन प्रमाण का तिरछा लोक. a region of the irrational beings measuring 1800 Yojanas ठा० ३, २, —लोय-अ पुं० (-लोक) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपर का शब्द vide above. अणुजो० १०३; १४८, भग० २, ८, १०, ६, ८ ११, ६. १०, १३, ४, पन्न० २; —लोयतट्ट पुं० (-लोकतट) ત્રીછા લોકનો તટ-કાંઠો; ચારે બાજુએ સ્વયમ્ભૂરમણ સમુદ્રની વેદિકા અને ઉપર નીચે અઢારસો જોજન પ્રમાણ ત્રીછા લોકનો ઉપલો અને નીચલો છેડો. तिरछे लोक को ऊपर का और नीचे का तट—किनारा जिसके चारों ओर स्वयंभूरमण समुद्र की वेदिका और ऊपर व नीचे अठारहसौ योजन प्रमाण तिरछे लोक का ऊपर का व नीचे का किनारा है. the raised portion of land surrounding the Swayambhuramaṇa ocean on all sides, the upper and the lower boundary of the region of the irrational beings. पन्न० २; —वसइ स्त्री० (-वसति) તિર્યંચની વસતી. तिर्यंच की बस्ती the habitation of the irrational beings पण्ह० १, १, —वाय. पुं० (-वात—तिर्यग् गच्छन् यो वाति वात स तिर्यग्वात) ત્રિચ્છો વાયુ तिरछी हवा wind in an oblique direction पन्न०१. —विग्गहगइ स्त्री० (-विग्रहगति) તિર્યંચની વિગ્રહ ગતિ तिर्यंच की विग्रह गति the Vigraha state of existence of sub human beings ठा० १०, —सत्त. पुं०न० (-सत्व) તિર્યંચની યોનિમાં ઉત્પન્ન થયેલ જન્તુ तिर्यंच की गतिमें उत्पन्न जंतु a being born in the state of irrational beings पंचा०२, २२, —सिद्ध. पुं० (-सिद्ध) ત્રિછા લોકમાંથી સિદ્ધ થાય તે. तिरछे लोक में से सिद्ध होनेवाले those who become Siddha from the region of the irrational beings. प्रव० १०,

तिरीड. पुं० (किरिट) ત્રણ શીખરવાળું મુગુટ तीन शिखरवाला मुकुट. A coronet with three crests. ओव० २६, पण्ह० १, ३, ४, सम० प० २३७, पन्न० २, जं० प०

तिरीड न० (तिरिट) વૃક્ષ વિશેષ; લોધરનું ઝાડ. वृक्ष विशेष; लोध्र वृक्ष. A kind of tree; the Lodhra tree. वेय० २, २२, —पट्ट. न० (-पट्ट) લોધર

नामना झाडनी छालनुं वस्त्र. लोध्र नामक वृक्ष की छाल का वस्त्र. a garment of the bark of the Lodhra tree. वेय० २, २२, ठा० ५, ३; निसी० ७, ११; —पट्टअ. न० (-पट्टक) जुओ "तिरीडपट्टक" शब्द. देखो "तिरीडपट्टक" शब्द. vide. "तिरीडपट्टक" ठा० ५, ३;

तिरीडि. त्रि० (किरीटिन्) मुकुटधारी मुकुट धारी; किरीट धारण करने वाला Wearing a crown. उत्त० ६,६०;

तिरूवाह्य. त्रि० (त्रिरूपाहत) त्रणे गणेल; त्रणगणो तीन गुना; तिगुना. Threefold. जीवा० २;

√तिरोधा. धा० I, II. (तिरस्+धा) छुपावुं; छानु रहेवुं छिपाना; चुपचाप छुपे रहना. To hide, to remain hidden तिरोहंति सु० च० ३, ७०;

तिरोभाव. पुं० (तिरोभाव) अंतर्धान. छुपा रहेवुं. अंतर्धान, छुपे रहना; अदृश्य होना Disappearance; hiding विशे० ६७;

तिल पुं० (तिल) तल; जेमांथी तेल निकले छे तेवु एक धान्यनुं नाम तिल-तिल्ली-जिसमें से तैल निकलता है Sesamum; a kind of seed from which oil is extracted. 'साली वीही गोहुम जवा कलमसूरि तिल मुग्गा" जं० प० ३, ४१; ७, १६६; पन्न० १; सूय० २, १, १६; भग० २, १; ६, ७, २१, २; जीवा० १; उत्त० १४, १८; वेय० २, १; दस० ६, ४; प्रव० १०१०; (२) ८८ ग्रहमांनो ३१ मो ग्रह ८८ ग्रहो में से ३१ वां ग्रह. the 31st of the 88 planets. "दोतिलपा" ठा० २, ३, सू० ९०२०, —उदअ न० (-उदक) तल धोयेलुं पाणी; तलनुं धोवण. तिल धोया हुआ पानी; तिलोदक, तिल का धोवन. water in which sesamum is washed. ठा० ३, ३; —उदग. न० (-उदक) तलनुं धोवण तिल का धोवन. water in which sesamum is washed. आया० २, १, ७, ४१; निसी० १७, ३०; कप्प० ३; ६, २५; —चून. न० (-चूर्ण) तलनुं चूर्ण तिल का चूर्ण powder of sesamum 'तिल चुन्नाण वा मुग्ग चुन्नाण वा" पन्न० १; —तिल. न० (-तिल) तल तल मात्र. थोड़ा थोड़ा. तिल तिल मात्र. little by little. विवा० २; —थंभय. पुं० न० (-स्तम्भक स्तम्भ) तलनो छोडवो. तिल का झाड. the sesamum plant. भग० १५, १. —थंभया. स्त्री० (-स्तम्भिका) तलनी शींग. तिल की फली sesamum pod. भग० १५, १; —दंडगाडिया स्त्री० (-दण्डशकटिका) तिलना छोडवाना दंडावाली गाडी तिल की सांटीके दंडे वाली गाडी a cart having stal s of the sesamum plant नाया० १. —पप्पडगा स्त्री० (-र्पटिका) तलनी पापडी, तलसांकली तिल पापडी. a pudding made of sesamum. दस० ५, २, २१; आया० २, १, ८, ४८; —पिट्ठ. न० (-पिष्ट) चूर्ण करेल तल; खांडेल तल, तलवट चूर्ण किये हुए तिल; खांडा—कूटी हुई तिल powdered sesamum दस० ५,२,२२, आया० २,१, ८,४८, —संगलिया स्त्री० (-शृङ्गलिका) तलनी शींग तिल की फली a sesamum pod. भग० १५,१. —सक्कुलिया स्त्री० (-शष्कुलिका) तिलसांकली. तिल की पिंडी. तिल पापड़ी a sweet cake of sesamum आया० नि० १, १, ५, १३२;

तिलग पुं० (तिलक) जुओ "तिलय" शब्द. देखो "तिलय" शब्द. Vide

"तिलग्र" नाया० ६, सूय० १, ४; २, १०; जं० प० पन्न० २; सम० ७, भग० ११, ११,२२,२; —करणी. स्त्री० (-करणी) સોનાની અથવા દાંતની કપાલે તિલક કરવાની સળી. सोने अथवा हाथी दांत की बनी हुई भाल पर तिलक लगाने की सली. a gold or ivory stick to put a mark on the forehead. सूय०१, ४, २, १०; —वण. न० (-वन) તિલકના ઝાડનું વન. तिलक वृक्ष का वन a forest of Tilaka trees. भग० १, ७;

तिलगरयण. न० (तिलकरत्न) એક પ્રકારનું તિલક. एक तिलक विशेष A kind of mark on the forehead. जीवा० ३,

तिलपुप्फवरण. पुं० (तिलपुष्पवर्ण) ૩૨ મો મહાગ્રહ ३२ वा महाग्रह The 32nd great planet. "दो तिलपुप्फवरणा" ठा० २, ३, सू०प० २०;

तिलभट्ट पु० (तिलभट्ट) તલની ખેતી કરનાર એક બ્રાહ્મણ કે જેની સ્ત્રી ઉન્મત્ત અને કુટલા હતી અને જેણીએ પોતાના ધણીને મારી નાખ્યો હતો तिल की खेती करने वाला एक ब्राह्मण जिसकी उन्मत्त तथा कुलटा स्त्री ने उसकी हत्या कर डाली थी A Brāhmaṇa who cultivated sesamum whose wife was insolent and unchaste and who murdered him. तदु०

तिल-य. न० (तिलक) તિલ; ચામડી ઉપર કાલા રંગનો તિલના જેવો ડાઘ. तिल, चमड़ी पर काले रंग का तिल जैसा बिन्दू-दाग A mole; mark on the skin black like sesamum अणुजो० १४६, (२) ચાલ્લો, ટીલું तिलक a mark on the forehead कप्प० ३, ३८, ३, ४२; सम०प० २१३, राय० ८१; सु०च० १, १, नाया० १, निर० ३, ४; अणुजो० १०३; (३) તિલકનું ઝાડ तिलक वृक्ष. a Tilaka tree. जं० प० ५, १२२; कप्प० ३, ३७, पन्न० १; ओव० जीवा० १; ३, ३; (४) ૧૧ માં તીર્થંકરનું ચૈત્ય વૃક્ષ ११ वे तीर्थंकर का चैत्य वृक्ष. a memorial tree of the eleventh Tīrthaṅkara सम० प० २३३; (५) એ નામના આવતી ચોવિસીના પ્રથમ પ્રતિવાસુદેવ. इस नामके आगामी चौवीसी के प्रथम प्रतिवासुदेव the first Prati Vāsudeva of that name of the coming Chauvīsī. सम० प० २४२; (६) એ નામનો એક દ્વીપ અને એક સમુદ્ર इस नाम का एक द्वीप और एक समुद्र an island and an ocean of this name जीवा० ३,४; पन्न० १५;

तिलागणि पु० (तिलाग्नि) તલના ઝાડની અગ્નિ तिल वृक्ष की अग्नि. Fire of the sesamum plant ठा० ८,

तिलिंग. न० (त्रिलिङ्ग) સમકિતના ત્રણ લિંગ, શાસ્ત્ર શ્રવણની ઉત્કટ ઇચ્છા, ધર્મ ઉપર અત્યંત અનુરાગ અને ધર્મ ગુરૂની સેવા ભક્તિ એ ત્રણ લિંગ समकित के तीन लिंग, शास्त्र श्रवण की उत्कट इच्छा, धर्म के प्रति अत्याधिक अनुराग तथा धर्माचार्य की सेवा सुश्रुषा. Three characteristics of right belief, a strong desire to listen to scriptures, excessive attachment towards religion and service and devotion towards religious preceptors प्रव० ६४०,

तिलिम पु० (तिलिम) વાદ્ય વિશેષ વાદ્ય विशेष A kind of musical instrument सु० च० १३, ४१;

तिलुक्क न० (त्रैलोक्य) સ્વર્ગ, મૃત્યુ અને પાતાલ એ ત્રણ લોકવર્તી જન સમુદાય

स्वर्ग मर्त्य तथा पाताल इन तीन लोक मे रहने वाला जन समुदाय. Host of men living in the three worlds,-the heaven, earth and nether world. अणुजो० ४२;

तिलोई. स्त्री० (त्रिलोकी) त्रणु लोक. तीन लोक; त्रिलोक. The three worlds. भत्त० १५२; सु० च० १, १;

तिलोक्क. न० (त्रैलोक्य) त्रणु लोक. तीन लोक. The three worlds. नाया० १६;

तिलोग. पुं० (त्रिलोक-त्रयो लोका समाहृता त्रिलोक) त्रणु लोक; स्वर्ग मर्त्य अने पाताल. तीन लोक-स्वर्ग, मर्त्य तथा पाताल. The three worlds, the heaven, earth and nether world. पंचा० ८, ३४; **—चूडामणि.** पुं० (-चूडामणि) त्रणु लोकना मुगट रूप (मोक्ष स्थान). तीन लोक का मुकट रूप (मोक्षस्थान). a place of salvation which is the diadem of the three worlds. पंचा० ८, ३४; **—पुज्ज.** त्रि० (पूज्य) त्रणु लोकमा पूजनीय. तीन लोक मे पूज्य-वंदनीय. venerable throughout the three worlds. पंचा० ६, १;

तिलोय. पुं० (त्रिलोक) स्वर्ग मर्त्य अने पाताल ए त्रणु लोक. स्वर्ग मर्त्य तथा पातालादि ३ लोक. The three worlds, the heaven, earth and nether world. उत्त० १६, ४८; **—पुज्ज.** त्रि० (-पूज्य) त्रणु लोकमां पूजवा योग्य. तीनों लोक में पूजनीय. revered in the three worlds. प्रव० १००१;

तिल्ल न० (तैल) तेल तैल. Oil. जं० प० ५, ११४; उत्त० १४, १८, २८, २२; आया० २, १, ४, २४; ठा० ३, १, दस० ६, १८; सु० च० ४, ७१; सूय० २, १, १६; कप्प० ४, ६१; गच्छा० ११३; **—उव्वट्टण.** न० (-उद्वर्तन) तेलथी मर्दन करवुं ते. तैल मर्दन. rubbing with oil. गच्छा० ११३; **—कुट्टी.** स्त्री० (-कुट्टी) तलवट. तिल पदार्थ; तिलपापडी. a substance made from sesamum "तिल्लमल्लि तिल्लकुट्टी दद्दंतिलं तहासहोल्लीरयं" प्रव० २३२; **—पूय.** पुं० (-पूप) तेलपूआ; तेलना मालपूआ तैल का मालपूआ. sweet cakes fried in oil. आया० २, १, ६, ५१; **—बिन्दु.** पुं० (-बिन्दु) तेलनुं बिंदु; टपकु. तैल का बिंदु; टिपका; बूंद. a drop of oil. प्रव० ६६६; **—मल्ली.** स्त्री० (-मल्ली) तलनो खोळ तिल की खल. a pod of sesamum. प्रव० २३२;

तिवई-ती. स्त्री० (त्रिपदी) पहेलवाननी एक प्रकारनी चाल. पहलवानों-मल्लों की गति विशेष. A particular gait of a wrestler. (२) घोडा वगेरेनुं त्रणे पगे उभा रहेवुं; घोडानी एक प्रकारनी चाल. घोडे की एक प्रकार की चाल standing on three legs by a horse etc; a particular kind of gait of a horse. ओव० ३१; भग० ३, २, हाथीनु पलान बांधवानी रस्सी-दोरडी हाथी का पलान बांधने की एक रस्सी-दोरी. a rope to tie the packsaddle of an elephant. राय० १८२; (४) कुदवानो एक प्रकार कूदने का एक प्रकार. a form of jumping. अंत० ५, १; जीवा० ३, ४;

तिवग्गिअ. त्रि० (त्रिवर्गित) त्रणवेला वर्ग करेल. तीन वार वर्गीकरण किया हुआ. Classed three times. क० गं० ४, ८४;

तिवग्गिउं अ० (त्रिवर्गकृत्वा) त्रणवार वर्ग करीने. तीन बार वर्गीकरण कर के. Hav-

ing classed three times. क० गं० ४, ८८;

तिवरिस पुं०स्त्री० (त्रिवर्ष) त्रणु वरसनी प्रव्रज्यावाला साधु, साध्वी. तीन वर्ष की प्रव्रज्या वाले साधु, साध्वी. A male or female ascetic of three years standing. वव० ३, ३; —**परियाय** पुं० (-पर्याय-त्रिणि वर्षाणि पर्यायः प्रव्रज्यापर्यायो यस्य स त्रिवर्षपर्याय) જેને દીક્ષા લીધાં ત્રણ વર્ષ થયાં હોય તે वह जिसे दीक्षा लिये हुए तीन वर्ष हो चुके हो one for whose initiation three years have elapsed. वव० ३, ३;

तिवलि स्त्री० (त्रिवलि) પેટ ઉપર ત્રણ વાટા હોયછે તે. पेटपर की त्रिवलि The three wrinkles across the abdomen. जं० प० जीवा० ३, ३;

तिवलिअ त्रि०(त्रिवलिक) ત્રણ રેખા વાળુ. तीन रेखा वाला One having three wrinkles कप्प० ३, ३६;

तिवलिया-आ. स्त्री० (त्रिवलिका) ક્રોધ કરતી વખતે કપાલ ઉપર ત્રણ વલી-લીટી પડે તે क्रोध करते समय कपाल पर पडने वाली तीन आडी रेखाए Three wrinkles formed on the forehead in an angry mood (२) પેટ ઉપર પડતા ત્રણ વાટા. पेट पर पडती तीन रेखा. the 3 wrinkles across the abdomen नाया० ६, १६, भग० ३, १; उवा०२, ६६; ओव० विवा० ५, नाया० २;

तिवली- स्त्री० (त्रिवली) પેટ કે કપાલ ઉપર થતી ત્રણ રેખા पेट अथवा कपाल पर पडने वाली ३ रेखाएं The three wrinkles on the abdomen or forehead. पराह० १, ३; —**विणीय**. त्रि० (-विनीत-तिस्रो वलयो विनीत विशेषतः प्रपिता यत्र तत् त्रिवलीविनीतम्) ત્રણ વાટવાળો. तीन रेखावाला. having three wrinkles. जीवा० ३, ४;

तिवस्सजाअ त्रि० (त्रिवर्षजात) જેને જન્મ્યાને અથવા પ્રવ્રજ્યા લીધાને ત્રણ વર્ષ થયા છે તે. जिसे जन्म लेने को अथवा प्रव्रज्याग्रहण किये को तीन वर्ष हुए हो. (One) for whose birth or initiation three years have elapsed. तदु०

तिवाअ- पु० (त्रिपात-पतनं पात. त्रिभ्यो मनोवाक्कायेभ्यः पातस्त्रिपातः) મન, વચન અને કાયા એ ત્રણનું પાડવુ . मन वचन तथा काया इन तीनों का पतन. Discarding from the mind, speech and body. पिं० नि० भा० २६;

तिवायण न०(त्रिपातन=त्रयाणां देहायुरिन्द्रियरूपाणाम् मनोवाक्कायरूपाणा वा पातन विनाश. त्रिपातनम्) મન, વચન કાયાનો નાશ કરવો, ઇન્દ્રિય આયુષ્ય અને દેહ એ ત્રણનો નાશ કરવો તે. मन वचन तथा काया का नाश करना; इन्द्रिय आयुष्य व देह इन तीनोंके नाश का कार्य. Destruction of the mind, speech and body; to annihilate the sense, life and body. पिं० नि० ६७,

तिवायणा. स्त्री० (त्रिपातना-अतिपातना-त्रिपातन) મન વચન અને કાયા એ ત્રણ યોગ અથવા દેહ આયુષ્ય અને ઇન્દ્રિય એ ત્રણથી કોઇ પણ જીવને પાડવો, ભ્રષ્ટ કરવો તે. मन वचन तथा काया इन तीन योगों से अथवा देह, आयुष्य व इन्द्रिय इन तीन के द्वारा किसी भी जीवको भ्रष्ट करना-पतित करना Degrading of any being from the trio of the mind, speech and body or body, life

and senses. पराह० १, १; (२) प्राणुनो अतिपात करवो ते. प्राणका'अतिपात उल्लंघन. transgression of life. पराह०१, १;

तिवासपरियाय. पुं० (त्रिवर्षपर्याय) जुओ "तिवरिसपरियाय" शब्द देखो "तिवरिसपरियाय" शब्द Vide "तिवरिसपरियाय" वव० ३, २; ७, १६;

तिवासपरियायग पुं० (त्रिवर्षपर्यायक) जुओ "तिवरिसपरियाय" शब्द. देखो "तिवरिसपरियाय" शब्द. Vide "तिवरिसपरियाय" वव० १०, २२; २३; २४;

तिविकप्प. त्रि० (त्रिविकल्प) त्रण विकल्प-प्रकारनुं. तीन विकल्प-प्रकार का; त्रिविध. Of three kinds or varieties. क०प० २, ५०;

तिविगप्प पुं० (त्रिविकल्प) त्रण विकल्प. तीन विकल्प. Three optionals. क० गं० ६, ३;

तिविट्ठ. पुं० (त्रिपृष्ठ) चालु चोविसीना प्रथम वासुदेव चालु चौवीसी के १ ले वासुदेव. The first Vāsudeva of the present cycle. "तिविट्ठेणं वासुदेवे असीइं धणूइं" सम० ८०; प्रव० १२२६; (२) आवती चोवीसीना नवमा वासुदेव. आगामी चौवीसी के ६ वें वासुदेव. the ninth Vāsudeva of the coming cycle. सम० प० २४२;

तिविह त्रि०(त्रिविध-तिस्रो विधा यस्य तत्तथा) त्रण प्रकारनुं. तीन प्रकार का; त्रिविध. Of three kinds. भग० १, १, ७, २; १८, ८; २५, १; दस०४, ६, २७, ८, ४; विशे० ८६; आया० १, ३, ३, ८०; पिं०नि०भा० १६; १८; पिं०नि० १४१, सम० २६; उवा० १,१३;१४;१५,गच्छा०१०१; प्रव०६५; ६१; २, १३' आव० १, ३; पंचा० ३, २, ५, ३२, १३, ३२; क० गं० १, १४, ४, ७४; भत्त० ६, ३७; ४३; क० प० १, ७१;

—**रस.** पुं० (-रस) त्रण प्रकारनो रस. त्रिविध रस; तीन प्रकार का रस. three kinds of tase. क० प० १, ६०;

तिव्व. त्रि० (तीव्र) तीक्ष्ण; आकरूं; दुःसह. तीच्ण, कडा; दुःसह. Sharp, unbearable. "तिव्वे रोगायंके पाउब्भूए" भग० १५, १; सूय० १, १, १, १०; १, ५, १, ३; अणुजो० २७; भग० ६, ३३; १५, १; पिं० नि० १०१; राय०२८३; उवा० १, ४८; भत्त० २१,५१; प्रव० ८३७; (२) रौद्र. रौद्र. causing fear. सूय० १, ५, १, ३; अत्यंत गाढ. अत्यंत गाढ, गंभीर; गहरा. excessive, deep. सूय० १, २, १, ८; ओव० २१; (४) अचानक मरण निपजे तेवो रोग. ऐसी व्याधि जिससे अकस्मात मृत्यु हो जाय. a disease which causes death all of a sudden. (५) पुं० तीव्र रस तीव्र रस. intensity; acuteness; strong essence. क० गं० ५, ६३; —**अणुभाव.** पुं० (-अनुभाव) तीव्र अनुभाव, कर्मनो रस. तीव्र अनुभाव-कर्म रस. strong influence, intensity of Karma. भग० १,१;—**अभिताव.** पुं०(-अभिताप) दुःसह संताप दुःसह संताप; असह्य कष्ट. an unbearable pain. "लित्ता तिव्वाभितावेण उज्झिया असमाहिया" सूय० १, ३, ३,१३;—**अभितावि.**त्रि० (-अभितापिन्) तीव्र वेदना पामनार. तीव्र वेदना पीडा-पाने वाला. (one) getting great pain "तिव्वाभितावी णरगाभिसेवी" सूय० २, ६, ४४; —**अभिलास.** पुं० (-अभिलाष) तीव्र इच्छा तीव्र इच्छा. a strong desire. उवा० १, ४८, —**असुहसमायार.** त्रि० (-अशुभसमाचार) तीव्र-उत्कट अशुभ

समाचार-आचरणु वाळो. अत्युत्कट अशुभ समाचार-आचरण वाला. an excessively bad person. दसा० ६, ६; —कोहया. स्त्री० (-क्रोधता-क्रोधत्व) तीव्र क्रोधपणु. तीव्र क्रोधत्व; भयंकर क्रोधी भाव. state of terriple anger. भग० ८, ६;—गिद्ध त्रि०(-गृद्ध) तीव्र-अत्यन्त गृद्ध, अति लोलुपता. अत्यन्त गृद्ध; अति लोलुपता. excessive greediness or covetousness पगह०१, ३; —गिलाण त्रि० (-ग्लान) अत्यन्त व्याधिवाळो. अत्यन्त व्याधि-रोग-वाला. (one) too much diseased. पंचा० ३,५०;—चरित्तमोहणिज्जया.स्त्री०(-चारित्रमोहनीयत्ता) चारित्रमोहनीयकर्मनी तीव्र प्रकृति चारित्रमोहनीय कर्म की तीव्र प्रकृति. acute state of conduct-deluding Karma भग० ८, ६; —चरित्तमोहणिय. न० (-चारित्रमोहनीय) नोकषायमोहनीय कर्मनी प्रकृति. नोकषाय मोहनीय कर्म की प्रकृति. a nature of Nokaṣāya Mohanīya Karma भग०८,६; ज्झवसाण. न० (-अध्यवसान) तीव्र चिंतवन-विचार. तीव्र चिंतन-विचार. a deep meditation or thought. विशे० २२६, —दंसणमोहणिज्ज न० (-दर्शनमोहनीय) दर्शनमोहनीय कर्मनी तीव्र प्रकृति. दर्शनमोहनीय कर्म की तीव्र प्रकृति an acute state of Darśana Mohanīya Karma. भग० ८, ६; —दंसणमोहणिज्जया. स्त्री० (-दर्शनमोहनीयता) दर्शनमोहनीय कर्मनी तीव्र प्रकृतिपणु. दर्शनमोहनीय कर्म की तीव्र प्रकृति acuteness of the state of the Darśana Mohanīya Karma.भग० ८,६; —धम्माणुरागरत्त. त्रि० (-धर्मानुरागरक्त) धर्ममां तीव्र रागवाळो धर्म में उत्कट अनुराग रखने वाला. (one) having strong attachment towards religion. भग०१,७;—भाव.पुं०(-भाव) तीव्र परिणाम, संक्लिष्ट भाव. तीव्र परिणाम; संक्लिष्ट भाव. an acute result. पंचा० ३,४;—माणया.स्त्री०(-मानता-मान) तीव्र मान. तीव्राभिमान; अत्याधिक गर्व. excessive pride. भग० ८, ६; —माया. स्त्री० (-माया) तीव्र माया-कपट. तीव्र माया-कपट-छल. excessive hypocrisy. भग० ८, ६; —रोस. पुं० (-रोष) तीव्र-अत्यंत क्रोध. तीव्र-अत्यधिक रोष-क्रोध excessive anger. नाया० ६; —लोह त्रि० (-लोभ) अत्यंत लोभ अत्यन्त लोभ. excessive covetousness भग० ८, ६; —वेर. न० (-वैर) तीव्र वैर. तीव्र वैर, घोर शत्रुता. fierce enmity. पगह० १, १; नाया० २, —संकिलेस. पुं० (-संक्लेश) तीव्र-दुष्ट परिणाम. तीव्र या दुष्ट परिणाम. an evil result पंचा० १६, २३; —संवेग पुं० (-संवेग) तीव्र संवेग; अत्यंत मोक्षाभिलाषा. तीव्र संवेग; अत्यन्त मोक्षाभिलाषा. fierce speed; desire for utter salvation तदु० —सद्धा स्त्री० (-श्रद्धा) तीव्र श्रद्धा—आस्था सदनुष्ठान करवामां अत्यंत रुचि तीव्र श्रद्धा-आस्था; सदनुष्ठान करने में अत्यन्त रुचि. strong dovotion, faith, strong desire to perform devotion 'तं पुण संविग्गेणं उवओग जुएणं तिव्वसद्धाए' पंचा० ४, ३२,

तिव्वतरग. न० (तीव्रतरक) अतिशय तीव्र. अतिशय तीव्र. Very sharp or acute. पंचा० १५, ७;

तिसंगहिय. त्रि० (त्रिसंगृहीत) ત્રણ જણે સંઘરેલ. तीन व्यक्तियों द्वारा संग्रहीत. Collected by three men वव० ३, १२, १३;

तिसंज्झ न० (त्रिसन्ध्य) પ્રાતઃકાલ, મધ્યાન્હ અને સાંઝ એ ત્રણ સંધ્યાનો સમૂહ प्रातःकाल, मध्यान्ह व सायंकाल इन तीन कालकी संध्याओं का समूह. The three twilights-morning, noon and evening चउ० ६२, सु० च० ४, ४०;

तिसंज्झा. स्त्री० (त्रिसन्ध्या) પ્રાતઃકાલ, મધ્યાન્હ અને સાંઝ એ ત્રણ સંધ્યાનો સમૂહ प्रातःकाल, मध्यान्ह व सायंकाल की संध्याओं का समूह A collection of the twilights - morning, noon and evening. नाया० २, ७,

तिसंधि. त्रि० (त्रिसन्धि) આદિ, મધ્ય અને અંત-છેડે સાંધા વાળું आदि, मध्य व अन्त मे सन्धि वाला-जुड़ा हुआ. Possessing joints in the beginning, middle and end राय०२०४,

तिसत्तक्खुत्तो अ० (त्रिसप्तकृत्वस्) २१ વાર; ૨૧ વખત इक्कीसवार. Twenty-one times ओव० ४२, भग० ३, १; ६, ५; १६, ३, २०, ६; नाया० ६;

तिसमइय. त्रि० (त्रिसमयिक-त्रयः समयास्त्रि समयं तद्यत्रास्ति स त्रिसमयिक) ત્રણ સમય સુધી રહેનાર तीन समय तक रहने वाला One staying for three Samayas (a measure of time).ठा०३,४,

तिसमय. न० (त्रिसमय = त्रयः समयाः समाहतास्त्रिसमयम्) ત્રણ સમય तीन समय Three Samayas भग०२५,८, —**आहारग** त्रि० (-आहारक) ત્રણ સમય સુધી આહાર કરનાર तीन समय तक आहार करने वाला. one taking food till three Samayas are over. विशे० ५८८; —**सिद्ध.** पुं० (-सिद्ध) જેને સિદ્ધ થયાને-સિદ્ધિ પામ્યાને ત્રણ સમય થયા છે તે. जिसे सिद्धि प्राप्त किये तीन समय हो चुके हों वह one for whom three Samayas have elapsed after becoming a Siddha (liberated). पन्न० १;

तिसमुत्थ. त्रि० (त्रिसमुत्थ) ધર્મ, અર્થ અને કામ એ ત્રણ વસ્તુથી બનેલ. धर्म, अर्थ तथा काम इन तीन वस्तुओं द्वारा निर्मित. Formed of the three objects-religion, wealth, and pleasure. पिं०नि० ८६;

तिसमुद्दक्खायाकित्ति. त्रि० (त्रिसमुद्रख्यात कीर्ति) સમુદ્રની ત્રણબાજુ સુધી જેની ખ્યાતિ પહોંચેલી છે તે जिसकी ख्याति समुद्र के तीन ओर तक पहुंची हुई है वह. Whose fame has reached the three sides of a sea. नंदा०

तिसय. न० (त्रिशत) ત્રણસો, ३०० तीनसौ; ३००. Three hundred; 300. विशे० १०७; (२) એકસો ને ત્રણ. एकसौ तीन. one hundred and three. क० गं० १, ३; ३४;

तिसर. पुं० (त्रिसर) ત્રણ સરો હાર, ત્રણ સરતાલી માલા. तीन लडियों वाला हार; तीन सर वाली-माला. A necklace of three strings ओव० २७;

तिसर न०(त्रिशरस्-त्रीणि शराणि त्रिशरस्) ત્રણ બાણનો સમુહ तीन बाणों का समूह. A collection of three arrows. दसा० १०,१;

तिसरग न० (त्रिशरक) ત્રણ સરો હાર. तीन सरा हार, तिहेरा हार A necklace of three strings जं० प० तदु०

तिसरय न० (त्रिशरक) त्रणुसरो હાર. तीन सरा हार-माला. A necklace of three strings. जं० प० दसा० १०, १; नाया० १;

तिसरा स्त्री० (त्रिशरा) मच्छबन्धन विशेष. मच्छबन्धन विशेष. A particular bodily structure विवा० ८;

तिसला स्त्री० (त्रिशला) ભગવાન મહાવીર સ્વામિની માતાનું નામ. भगवान् महावीर स्वामी की माता का नाम Name of the mother of the Lord Mahāvīra. आया० २, १५, १७६; ठा० १०; प्रव० ३२२, कप्प० २, २०, सम० प० २४०,

तिसलोइया. स्त्री० (त्रिश्लोकिका) त्रણ શ્લોકમા બનાવેલ સ્તુતિ. तीन श्लोकों में रचित स्तुति. An eulogy written in three verses. प्रव० ४४५;

तिसल्ल न० (त्रिशल्य) માયા, નિયાણુ અને મિચ્છાદસણુ એ ત્રણુ શલ્ય. माया, नियाण व मिच्छादंसण आदि तीन शल्य. The three Śalyas (thorns) viz Māyā, Niyāṇa Michchhādansaṇa. प्रव० ४०४;

तिसा. स्त्री० (तृषा) तृषा; तरस. तृषा; प्यास Thirst ओघ० नि० ६८२,

तिसालग. पु० (त्रिशालक) त्रणु પડાલ-માલવાળું ઘર तिमंजिला मकान. Three storeyed house जीवा० ३, ३;

तिसिअ-य. त्रि० (तृषित) तृषातुर थयेल; तृषा युक्त. प्यासा, तृषा पीडित; तृषार्त. Thirsty. नाया० १, १४, पण्ह० १, ३, २, १, सु० च० १०, ४१;

तिसुगंध. त्रि० (त्रिसुगंध) त्रणु જાતની સુગંધવાળું. त्रिविध सुगन्ध वाला Rossessed of three kinds of fragrance जीवा० ३, ४:

तिसुद्धि. स्त्री० (त्रिशुद्धि) સમકિતની ત્રણ શુદ્ધિ, દેવ ગુરૂ અને ધર્મ શિવાય બાકીની સંસારિક વસ્તુ માત્રને તુચ્છ નિઃસાર માનવી ते समकित की ३ शुद्धि; देव गुरु तथा धर्मके अतिरिक्त शेष समस्त सांसारिक वस्तुमात्र को निःसार जानना-मानना. Threefold purity of Samakita, considering all the worldly objects except the gods, preceptor and religion, as worthless प्रव० ९४०;

तिसूल. न० (त्रिशूल) ત્રિશૂલ त्रिशूल Trident. सूय० १. ५, १, ६;

तिसूलिय. त्रि० (त्रिशूलिक) ત્રિશૂલ સહિત त्रिशूल सहित With a trident. सूय० १, ५, १, ९:

तिसूलिया. स्त्री० (त्रिशूलिका) લાંબી સૂલ लम्बा त्रिशूल. A long trident. " अज्जेतु सूलाहिं तिसूलियाहिं " सूय० १, ५, १, १०;

तिसेस. त्रि० (त्रिशेष) ત્રણ બાકી शेष तीन Remaining three. क० ग० ४, १०,

तिसोवाण न० (त्रिसोपान) ત્રણ દિશામાં સોપાન પગથીયાંનો સમૂહ. तीन ओर को सोपान-सीढियोंका समूह. Stairs in three directions जं० प० ५, ११६; ११७; ४, ७३, राय० —पडिरूवग न० (-प्रतिरूपक) સુંદર ત્રણ પગથી-આની સીડી. तीन पगथियों की सुन्दर निसैनी- सीढी. a ladder of three beautiful steps. " तेसिया तिसोवाण पडिरूवगाणं अयमे यारूवे" जीवा० ३, ४,

तिहत्थ पुं० (त्रिहस्त) ત્રણ હાત. तीन हाथ. Three hands आया० २, ५, १, १४१;

तिहा अ० (त्रिधा) ત્રણ પ્રકારે तीन प्रकार

से. In three ways. जं॰ प॰ विशे॰ १६, १८७; राय॰ २५१; भग॰ १, १०; ८, ३; १२, ४; क॰ प॰ ४, २, ४, ३०;

तिहि स्त्री॰ (तिथि) તિથિ; દિવસ. तिथि. दिवस A day; a date. जं॰ प॰ १, ११९; ७, १५२; नाया॰ १; २; ५; ८; १४; १५, भग॰ ६, ३३; ११, ६; ११; १२, १; सू॰ प॰ १; पराह॰ १, २; ओघ॰ नि॰ भा॰ ८०; ओव॰ ४०; चं॰प॰१०; पंचा॰१५,२०;

तिहियसय. न॰ (त्र्याधिकशत) ત્રણે અધિક સો; એકસોને ત્રણ तीन आधिक सौ; एक सौ तीन One hundred and three. क॰ गं॰ २, ३;

तिहुयण. पुं॰ (त्रिभुवन) ઉર્ધ્વ, અધો અને તિર્છો એ ત્રણ લોક. ऊर्ध्व, अधो, व तिरछा ये तीन लोक. The three regions-the upper, lower, and oblique सु॰ च॰ १, ३४५, चउ॰ १८; क॰ गं॰ १, ४७७;

तीइल. न॰ (तैतिल) તૈતિલ નામનુ કરણ; ૧૧ કરણમાંનુ એક. तैतिल नामक करण; ११ करणमेंसे एक A Karaṇa named Taitila; one of the eleven Karṇas विशे॰ ३३४८;

तीत. त्रि॰ (अतीत) ભૂત કાલનુ; ગતકાલનુ भूतकालका; बीतेहुए समय का; पुराना. Past; of the bygone days, old. जं॰ प॰ ७, १३८; भग॰ १, ४; १४, ४, —**कालसमय** पु॰ (-कालसमय) ભૂતકાલનો સમય. भूतकाल; बीता हुआ समय. past time. भग॰ १, १; —**वयण.** न॰ (-वचन) ભૂત કાલનુ વચન-વિભક્તિ પ્રત્યય. भूतकाल का वचन-विभक्ति प्रत्यय. the case termination of the past tense ठा॰ १, १; ३, ४;

तीतद्धा. स्त्री॰ (अतीताद्धा) ભૂતકાલ भूत काल. The past tense. भग॰ १, ६; १२, ५; १५, १; २५, ५;

तीय. न॰ (त्रिक) ત્રણ; ત્રણની સંખ્યા. तीन; तीन की संख्या. Three, third number. "कोतीयं नोचेव दावरं" सूय॰ १, १, २, २३;

तीय-अ त्रि॰ (अतीत) ભૂતકાલનું; ગતકાલનું. भूतकालिक; बीते हुए समय का Of the past or bygone days. ठा॰ ३, ४; अणुजो॰ ४२; जं॰ पं॰ ५, ११२; भग॰ २, १; ७, ७, १४, ४; नाया॰ ८, पन्न॰ ११; उवा॰ ७, १८७; कप्प॰ २, २०; —**काल.** पुं॰ (-काल) અતીત કાલ; ભૂતકાલ. अतीत काल; भूतकाल. the past time गच्छा॰ ३६;

तीयद्धा. स्त्री॰ (अतीताद्धा) ભૂતકાલ. भूतकाल Past time. भग॰ १२, ५; १५, १; २५, ५;

√तीर धा॰ II. (तॄ) તરવું; પાર પામવું. तैरना; पारपाना. To swim; to cross.

तीरेइ. नाया॰ १; भग॰ २, १; उवा॰ १, ७०;

तीरंती विशे॰१३८, सु॰ च॰ ४,१२४, प्रव॰ ६१;

तीरित्ता. सं॰ कु॰ नाया॰ १,

तीर. पुं॰ (तीर) કાંઠો; કિનારો. तट; तीर; किनारा. Bank; shore नाया॰ १; २; ८; भग॰ १३, ६; जीवा॰ ३, १; ओघ नि॰भा॰ ३४; उत्त॰ १०, ३४; १३, ६: ३०; ठा॰ ४, १, उवा॰ ७, २१८; —**ट्ठि.** त्रि॰ (-अर्थिन्-तीरं पारं भवार्णवस्यार्थयत इत्येवं शीलस्तारार्थी) ભવરૂપી સમુદ્રને પાર પામવાની ઇચ્છાવાળો. भवरूपी समुद्रको तैरने का अभिलाषी. (one) desirous of crossing this world in the form of an ocean. सूय॰ २,१,६; ठा॰४,१;

तीरंगम. त्रि॰ (तीरङ्गम-तीरं गच्छन्तीति तीरंगमा.) પારગામિ; પાર જનાર पारगामी; पार जाने वाला. (One) who has reached the other end. आया॰ १, २, ३, ८०;

तीरिय त्रि॰ (तारित) પાર ઉતારેલ. पार उतारा हुआ. (One) who is made to cross "तीरिया किट्टिया" ठा॰७; (२) સમાપ્ત; પૂર્ણ કરેલ समाप्त; पूर्ण किया हुआ. fulfilled; finished. पगह॰ २, १, प्रव॰ २१२;

तीस स्त्री॰ (त्रिंशत्) ત્રીસ; ૩૦. तीस; ३० की संख्या Thirty; 30. भग॰२, ३, ८. ५, १; ६, ३; १५, १; १६, ६; २०, ४; ८; नंदी॰ १८; पन्न॰ २, ४; दसा॰ ६, १, सम॰ ३०; नाया॰ १; नाया॰ ध॰ क॰ गं॰ २, १०; २२; ज॰ प॰ ५, ११५, —**दिण.** न॰ (-दिन) ત્રીશ દિવસ; એક માસ तीस दिन; एक महिना thirty days, a month. प्रव॰ १०६;

तीसइ स्त्री॰ (त्रिंशत्) ત્રીશ; ૩૦. तीस; ३० Thirty; 30. उत्त॰ ३३, १६; —**मुहुत्त.** त्रि॰ (-मुहूर्त) ત્રીશ મુહૂર્ત; સાઠ ઘડી तीस मुहूर्त; साठ घड़ी. thirty Muhūrtas (a Muhūrta equal to 48 minutes each); sixty Ghaḍis ठा॰ ६;

तीसइम त्रि॰ (त्रिंशत्तम) ત્રીસમો; ૩૦ મું. तीसवा, ३० वा Thirtieth. भग॰२, १;

तीसगुत्त पु॰ (तिष्यगुप्त) તિષ્યગુપ્ત નામના બીજા નિન્હવ જેણે જીવના અસંખ્યાત પ્રદેશ પૈકી છેલ્લા પ્રદેશમાં જીવત્વ છે, બીજામાં નહિ એવી રીતે સ્થાપન કર્યું. तिष्यगुप्त नामक दूसरे निन्हव जिन्होंने यह (सिद्धान्त) स्थापित किया कि जीव के असंख्य प्रदेशों में से अन्तिम प्रदेश में जीव है दूसरों में नहीं होता. The second heretic of the name of Tisyagupta who established that life exists in the last of the innumerable regions of the soul and not in others ठा॰ ७, १; विशे॰ २३०१;

तीसतिम त्रि॰ (त्रिंशत्तम) ત્રીશમો-મી-મું. तीसवा वी-वें-रा-री-रे. Thirtieth. नाया॰ १;

तीसभद्द पुं॰ (तिष्यभद्र) એ નામના માઠર ગોત્રના સંભૂતિવિજય થિવરના શિષ્ય इस नाम के संभूति विजय थिवर के माठर गोत्रीय शिष्य A disciple of this name of the ascetic Sambhūti Vijaya of the Māthara lineage. कप्प॰ ८;

तीसय पु॰ (तिष्यक) એ નામના ભગવાન મહાવીર સ્વામિના એક શિષ્ય. भगवान् महावीर स्वामी के इस नाम के एक शिष्य. A disciple of this name of the Lord Mahāvīra Swāmī भग॰ ३, १;

तीसयदेव (तिष्यकदेव) મહાવીર સ્વામિના તિષ્યકનામના સાધુ કે જે કાલ કરીને પ્રથમ દેવલોકના સામાન્ય દેવતા થયા તે महावीर स्वामी के तिष्यक नामक साधु कि जो मृत्यु के नंतर प्रथम देवलोक के सामान्य देवता हुए Tisyaka the disciple of the Lord Mahāvīra, who after death attained to the ordinary godhood of the 1st abode of the gods. भग॰ ३, १;

तीसा. स्त्री॰ (त्रिंशत्) ત્રીસ; ૩૦. तीस; ३०. Thirty जं॰प॰ ४, ११८; भग॰ १, ५; १२, ७;

तु. अ० (तु) સમુચ્ચય. समुचय; जोड; धन Addition; all taken together. क० गं० १, २; १३, २६; (२) અવધારણ अवधारण. restriction. दस० ७, १०, ६, १, १४; (३) વિશેષણ. विशेषण. qualification; adjective. सूय० १, ४, २, २; (४) વિતર્ક-પણ. वितर्क-किन्तु a conjecture. दस० ४, ५, २, ४१; ६, ४७; भग० २५, ७; (५) પાદ પૂરણ. पाद पूरण; पाद पूर्ति. completion of a sentence. ठा० ४, २; (६) તેના માટે उसके लिये. for him. दस० ७, ७, (७) અને; વળી. और; तथा; एवं. and. सूय०नि० १, १, १, ३;

तुअट्टण. न० (त्वग्वर्त्तन) સુવું; લાંબા થઇને-પડવું सोना: लम्बे होकर लेटना. Sleeping; lying. ओव० २०;

तुअर न० (तुवर) એક જાતનું ધાન્ય; તુવર. एक धान्य विशेष, तुवर. A kind of pulse. जं०प४

तुंग त्रि० (तुङ्ग) ઊંચ-ગુણવાળું, ઉન્નત. ऊच; उन्नत; गुण युक्त High; noble; possessed of merits; prominent. सम० ओव० जं० प० ३, ६५; ५, ११७; (२) બાહર નીકળતું. बाहर निकलता. projecting जीवा० ३, ३; ४; जं०प० ओव० १०, २१; नाया० १, ५, सम०प० २१३, राय० ७०; पन्न० २; निर० ५, १; भत्त० ११; कप्प० ३, ४६,

तुंगिय पुं० (तुङ्गिक) એ નામનું ગોત્ર. इस नाम का गोत्र. A Gotra (lineage) of this name. कप्प०८;(२) त्रि० तुंगिक ગોત્રી. तुंगिक गोत्री of Tuṅgika lineage. "जसभद्दं तुंगियं चेत्र" नंदी०२४;

तुंगिया स्त्री० (तुंगिका) એ નામની એક પ્રસિદ્ધ નગરી કે જ્યાં મહાવીર સ્વામિના ઘણા શ્રાવક વસતા હતા इस नामकी एक प्रसिद्ध नगरी जिसमें महावीर स्वामी के बहुत से श्रावक निवास करते थे. Name of a famous city where a number of followers of Mahāvīra Svāmī lived. "तीसे णं तुंगियाए णयरीए" भग० २, ५;

तुंगियायण. पुं० (तुङ्गिकायण) તુંગિક ગોત્રના ઋષી. तुंगिक गोत्र के ऋषि A sage of the Tuṅgika Gotra (lineage). कप्प० ८;

तुंड. न० (तुण्ड) મોઢું; મુખ मुँह मुख. Mouth. (२) ચાંચ चोंच beak. विशे० १४६६, जं०प० उत्त० ३४,७, जीवा० ३, १; नाया० १,

तुंदिल त्रि० (तुन्दिल) દુંદાળો; ફાંદાળો. तुंदिल; दूंदवाला. Big-bellied उत्त० १, ५;

तुंब. पुं० (तुम्ब) તુંબડું; તુંબડી. तुम्बी; तुम्बा; तुम्बड़ी Gourd नाया० ५; ६; उत्त०३४, १०; भग० ७, १, जं० प० ३, ४६; ओघ० नि० ३८; (२) તુંબડીના દૃષ્ટાંતવાળું જ્ઞાતા સુત્રનું છઠ્ઠું અધ્યયન. तुम्बीके दृष्टांत वाला ज्ञाता सूत्रका छठा अध्ययन the 6th chapter of the Jñātā Sūtra having a parable of a gourd नाया०१;१६; (३) ચક્ર અથવા પૈડાની વચ્ચેનો ગોલ અવયવ चक्र अथवा पहिये के बीच का गोल अवयव-भाग. a hub; a round portion in the centre of a wheel. जं प० नंदी० ५, पराह० २, ४;

तुंबइय पुं० (तुम्बकित-तुम्बकितो भयादर घट्टतुम्बाकारवज्जातस्तुम्बकितः) ભયથી સ્તબ્ધ થએલ, ઉંચા થએલ भय से स्तब्ध बनाहुआ, उन्नत Motionless through fear, raised. " आयवालोय महंततुम्ब-

इयपुत्तकन्नो " नाया० १;

तुंवणाय. न० (तुम्बज्ञात) તુંબડીના અધિકારવાળું જ્ઞાતાસૂત્રનું છઠું અધ્યયન तुम्बी के अधिकारवाला ज्ञातासूत्र का छठा अध्ययन. The sixth chapter of the Jñātā Sūtra having the description of a gourd. नाया० १,

तुंववीण. त्रि० (तुम्बवीणा-तुम्बयुक्ता वीणा येषां ते तुम्बवीणाः) તુંબડીની વીણા વગાડનાર तुम्बी की बीन-वीणा बजाने वाला. A lute-player. जीवा० ३ ३;

तुंववीणा स्त्री० (तुम्बवीणा) તુંબડીની વીણા तुम्बी की वीणा-बीन. A lute राय०८८;

तुंववीणिय त्रि० (तुम्बवीणिक) તુંબડીની વીણા વગાડનાર. पुगी बजाने वाला;-तुम्बी की बीन बजाने वाला A player of lute. अणुजो० ६२; ओव० कप०५,६६;

तुंववीणिया स्त्री० (तुम्बीवीणिका) તુંબડાની વીણા तुम्बी की वीणा. A lute made of gourd आया० १, ११, १६८;

तुंबा. स्त्री० (तुम्बा) ચમરેન્દ્ર તથા બલેન્દ્રની અભ્યંતર પરિષદ-સભા चमरेंद्र तथा बलेन्द्रकी अभ्यंतर परिषद-सभा. The internal committee of Chamarendra and Balendra ठा० ३, ३; (२) સૂર્ય તથા ચન્દ્રની અભ્યન્તર પરિષદ. सूर्य तथा चंद्र की अभ्यंतर परिषद the inner assembly of the sun and moon. ठा० ३, ३, जीवा० ३, ४;

तुंबाग. न० (तुम्बाक) તુંબડી, તુંબી तुम्बी, तुम्बा. A gourd " तुंबागं सिंगबेरंच " दस० ५, १, ७०;

तुंबी. स्त्री० (तुम्बी) તુંબડીની વેલ. तुम्बी की वेल-लता. A creeper of gourd. भग० २२, ६, पन्न० १, राय० ८८, ओघ० नि० १७०; आया० नि० १, १, १, १२६.

तुंवुरु. पुं० (तुम्बुरु) શ્રી સુમતિનાથ પ્રભુનો યક્ષ. श्री सुमतिनाथ प्रभु का यक्ष The Yakṣa of Śrī Sumati Nātha Prabhu. प्रव०२६; (२) શક્રેન્દ્રની ગન્ધર્વ સેનાનો અધિપતિ. शक्रेन्द्र की गन्धर्व सेना का नायक-अधिपति the general of the Gandharva (demy-god) army of Śakrendra. ठा० ८; (३) ત્રીજો ગન્ધર્વ. तृतीय गन्धर्व. the third Gandharva पन्न० १; (४) વૃક્ષ વિશેષ वृक्ष विशेष; टीमरू का वृक्ष. a particular tree. सम० ८;

तुच्छ. त्रि० (तुच्छ) નજીવું; નિઃસાર; અલ્પ; હલકું निष्प्राण, निःसार, अल्प, हलका Inert; worthless; small; light. नाया० ५; भग० ६, ३३; सम० ६; उत्त० ४, १३, उवा० १, ५१; (२) ચોથ, નોમ અને ચઉદસ એ ત્રણ તિથી. चतुर्थी, नवमी, तथा चतुर्दशी नामक तीन तिथियां. the three dates-the fourth, ninth and fourteenth of a lunar month. जं० प० ७, १५२; सू० प० १०, पचा० १, २२; ५, १६;
—आहार. त्रि० (-आहार) અલ્પ-તુચ્છ આહાર કરનાર. अल्प-हलका आहार करने वाला;अल्पाहारी,मितभोजी (one) eating a little. पराह० २, १, —उभासि त्रि० (अवभासिन्—तुच्छो भनश्रुतादिरहितो ऽत एव तदविनियोजकत्वात् तुच्छावभासी) તુચ્છ દેખાતો हलका दिखाई देने वाला, अल्पदृष्टि. shortsighted. ठा० ४, ४,
—कुल. पु० (-कुल) હલકું કુલ क्षुद्र कुल, हलका-नीच वंश low family दसा० १०, १०; कप्प० २, १६.—जीवि. त्रि० (-जीविन्) તુચ્છ આહાર લઈ જીવનાર. तुच्छ आहार ग्रहण कर के जीवन धारण

करने वाला, अल्पाहारजीवी. (one) living or a low kind of food only. भग० ६, ३३; —फल न० (-फल) હલકું ફલ, બોર વગેરે. हलका-छोटा फल बेर आदि. a kind of fruit like a berry etc. प्रव०२४८;—रूव त्रि०(-रूप —तुच्छ हीनं रूपं आकारो यस्यासौ) હીન આકારનો; બેડોલ हीन आकृति वाला; बेडौल, कुरूप. of deficient form; ugly ठा० ४, ४;

तुच्छअ-य. त्रि० (तुच्छक) નિર્ધન; દરિદ્રી. निर्धन, दीन, दरिद्री. Poor; wretched. आया० १. २, ६, १००, (२) ગર્વિષ્ઠ; તોછડો गर्विष्ट. proud. सूय० १,१४, २१;

तुच्छग. त्रि० (तुच्छक) ગંભીરતા વિનાનું. હલકું गम्भीरताहीन, हलका. Low, not serene. पंचा० ७, २२;

तुच्छतर त्रि० (तुच्छतर) અતિશય તુચ્છ; અતિ હલકું. अतिशय तुच्छ-क्षुद्र, बहुत हलका. Very light राय० २६२,

तुच्छत्त. न० (तुच्छत्व) નિ:સારતા; તોછડાઇ. नि सारता; तत्वहीनता; अयोग्यता. Worthlessness. प्रव० १११; पन्न०१५; भग० १८, ३;

तुच्छा स्त्री० (तुच्छा) ચોથ, નોમ અને ચૌદસની તિથિનું નામ चतुर्थी नवमी व चतुर्दशी इन तिथियों का नाम Name of the fourth, ninth and four teenth dates of a lunar month. सू० प० १०;

तुच्छोसहिभक्खणया स्त्री० (तुच्छौषधिभक्षण) જેમાં નાખીદેવાનું ઘણું એવી તુચ્છ વસ્તુ ખાવી તે, સાતમા ઉપભોગ પરિભોગ વ્રતનો એક અતિચાર ऐसी वस्तु को खाना जिसका अधिकांश फेंकना पडे; सातवें उपभोग परिभोग व्रत का एक अतिचार. Eating a worthless thing from which much is to be thrown away; a violation of the seventh vow of Upabhoga Paribhoga प्रव० ३८२;

तुज्ज. न० (तूर्य) તૂરી; વાદ્ય વિશેષ. तूर्य; भेरी; वाद्य विशेष. Trumpet; a kind of musical instrument. सू० प० १०;

तुडिय. न० (त्रुटित) વાદ્ય; વાજિંત્ર. वाद्य; वाजिन्त्र. Musical instrument. प्रव० १२४१; —अंग. न० (-अङ्ग) ત્રુટિત-વાજિંત્રના અંગ-પેટા, ભાગ-પ્રકાર. वाद्य यंत्र के भिन्न भिन्न अंग; स्वर आदि प्रकार. different notes etc. of musical instruments. प्रव० १२४१;

√तुट्ट धा० I. (त्रुट्) તુટવું टूटना; तोडना; फोडना To break.

तुट्टइ सूय० १, २, १, २;

तुट्टे. आया० १, ६, ५, १६५;

तुट्टंति. सूय० १, १५, ५;

तुट्ठ त्रि० (तुष्ट) સન્તુષ્ટ; સન્તોષ પામેલ, ખુશી થયેલ सन्तुष्ट; सन्तोष प्राप्त; तृप्त; प्रसन्न Contented; happy. "नहिरुट्ठो नवि तुट्ठो" जं० प० ५, ११४; १२१; उत्त० २५, ६; नाया० १; ३; ६; १२; १६; १७; भग० २, १; ५; ५, ४; ७, ९, ६,-३२; १४, ८; १५, १; जीवा० ३, ४; दस० ६, २, १५; ओव० ११; राय० २१, उवा० १, १२; कप्प० १, ४, पंचा० ७, २२; —चित्त. न० (-चित्त) પ્રસન્ન ચિત્તવાળો प्रसन्न चित्तवाला. (one) with a glad heart. कप्प० १, ५;

तुट्ठि स्त्री० (तुष्टि) સન્તોષ; તૃપ્તિ. संतोष; तृप्ति. Contentment; satisfaction. नाया० १; २, भग० ११, ११; उत्त० ३२, २९; कप्प० १, ९, ५, ११८;

√तुड. धा० II. (तुड्) થીગડું દેવું थिगला

लगाना To patch (२) વગાડવું. बजाना. to play; to blow.
तुडेइ निसी० १, ४२;
तुडत व० कृ० निसी० १, ४२;

तुडिअ-य. न० (त्रुटित) તૂરી; વીણા આદિ વાજિન્ત્ર. तुरई, वीणा आदि वाद्य-यन्त्र; बाजा Musical instruments such as trumpets, lute etc आया० २, ११, १७०; सूय० २, २, ५५, जं० प० निसी० १२, ३२; सू० प० १४; पन्न० २; नाया० ८; पराह० २, ५; राय० कप्प० २, १३; ५, १०२, (२) ८४ લાખ ત્રૂટિતાંગ પ્રમાણનો કાલવિભાગ. ८४ लाख त्रुटितांग प्रमाण का काल विभाग. a period of time consisting of eighty-four lacs of Trutitāṅgas. भग० ५,१; ६, ७,२५,५, अगुजो० ११५, ठा०२,४; जीवा० ३, ४; (३) બાજુબન્ધ, બેરખા बाहुबन्ध, बाजूबन्ध. armlet. ज० प० ५, ११५; ७, १४; १६२; १७०; २, १८; नाया० १, भग० ११, ११; ओव० १२, २२; सम० ३४; जं० प० राय० ८०, १८६; जीवा० ३, ३, ४, पन्न० २; नाया० ध० निसी ७, ८; कप्प० २, १४, ४, ६२; (४) અંતઃપુર. अन्तःपुर; रानिवास, महिलाभवन. harem जीवा० ३; सू० प० १८, भग० १०, ५, नाया० १, (५) ચમરેન્દ્રની અભ્યન્તર પરિષદ્ चमरेंद्र की अभ्यन्तर परिषद the internal committee of Chamarendra ठा० ३, २;

तुडिअं-यं-ग. न०पुं० (त्रुटिताङ्ग) ८४ લાખ પૂર્વને એક ત્રુટિતાંગ. ८४ लाख पूर्व का एक त्रुटितांग. A period of time consisting of eighty-four lacs of Pūrvas ठा० २, ४, जीवा० ३, ४, जं० प० भग० ५, १; २५, ५; अगुजो० ११५,पव०१८१; (२)જેમાંથી વાજિંત્ર જેવો અવાજ-ધ્વનિ નીકલે તેવો કલ્પવૃક્ષ. ऐसा कल्पवृक्ष जिसमें से बाजे जैसी ध्वनि निकले. a Kalpa tree from which musical notes proceed सम० १०; जीवा० ३, ३;

तुडिया. स्त्री० (त्रुटिता) વાણવ્યંતર, લોકપાલ, સૂર્ય, ચંદ્ર અને ઇંદ્રાણીની મધ્યમ સભા. वाणव्यंतर, लोकपाल, सूर्य, चन्द्र, तथा इन्द्राणी की मध्यम सभा. The common council of Vāṇa Vyantara, Lokapāla, Sūrya, Chandra and Indrāṇī ठा० ३, २; जीवा० ३, ४,

तुणसद्द. न० (तुणाशब्द) તુણા-વાજિંત્ર વિશેષના શબ્દ. तुणा-वाद्य विशेष की ध्वनि Sound of a particular musical instrument "तुणासद्दाणि" निसी० १७, ३४;

तुणा स्त्री० (तुणा) વાદ્ય વિશેષ. પંજાબમાં હાલ જેને તુણતુણા કહે છે તે वाद्य विशेष, पंजाब में तुनतुना नाम से प्रसिद्ध एक वाद्य विशेष. A kind of musical instrument, which is still called Tunatunā in the Punjab राय० ८८,

तुणाअ-य. (*तुन्नाक-तुन्नवाय) તુણનાર, વસ્ત્રના ફાટેલ ભાગને તુણીને શીવનાર रफूकार; वस्त्र के फटे हुए भाग को रफू कर के सीनेवाला. (One) who mends rent clothes अगुजो० १३१;

तुणाग. त्रि० (*तुन्नाक-तुन्नवाय) તુણનારો रफूगिर. A carder; a mender of rent clothes. अगुजो० १३८,

*तुरिणय. त्रि० (तुन्नित-तुन्नकारेण पूरितच्छिद्र) તૂણનારે તૂણીને છિદ્ર પૂરેલ. रफूकार द्वारा रफू किया हुआ. Mended by

a mender e. g. cloth etc प्रव० ८५७;

तुण्हिक्क त्रि० (तूष्णीक) મૌન ધારણ કરનાર. मौनी; मौन धारण करने वाला (One) practising a vow of silence. पिं० नि० १२१, ओघ० नि० १८; सु० च० १, ८०; २, ४३१;

तुत्तश्र पुं० (तोत्रक) ચાબુક; ચાબખો चाबुक; कोड़ा. A whip उत्त० २७, ३;

√तुद धा० I. (तुद्) પીડા કરવી; દુઃખ ઉપજાવવું. पीड़ा देना; दुःख उपजाना; दुःख देना. To afflict; to give pain.

तुदति. आया० २, १६, २;

तुद. पु० (*नोद-तोदन) ચાબુક; ચાબખો. चाबुक; कोड़ा. A whip. "आरुस्स विज्झंति तुदेण पीठे" सूय० १, ५, २, ३;

तुन्नण न० (तुन्नन) તુનવું, સાંધો કરવો તે. रफू करना; सांधना जोड़ना. Joining; mending गच्छा० ११३;

तुन्नाग त्रि० (तुन्नक) જુઓ "तुण्णाग" શબ્દ. देखो "तुण्णाग" शब्द. Vide "तुण्णाग" पन्न० १;

*तुप्प (!) घी घी; घृत Ghee. (clarified butter) प्रव० २३५;

तुप्प. त्रि० (*) ઘીથી મસળેલ; ઘી લગાડેલ घी मे मला हुआ, घी लगाया हुआ. Besmeared with ghee. अणुजो० २१; ओघ० नि० भा० ३०७;

तुप्पग्ग (*) તેલથી મસળીને ઓપ ચડાવેલ तेलसे मसलकर चिलका चढाया हुआ. Polished by smearing with oil. कप्प० ३, ३४;

तुम्ह. त्रि० (युष्मद्) તું; તમે; આપ. तू; तुम; आप. Thou, you. नाया० १; २, ५; ७, ८, ९; १२, १४; १६; भग० २, १; ३, १; ७, ९, १५, १; १८, ७, दसा० ६, ३; ६, ६; ३, २२; उवा० १, ५८; वव० २,२६; निसी० ९, ४; जं० प० ५, ११४;

तुम्हारिस. त्रि० (युष्मादृश) તમારા જેવા. तुम्हारे जैसा; आपसा. Like you. सु० च० १, ३८१; ४, १४३; गच्छा० १६;

तुयट्ट. न० (त्वग्वर्तन) આડે પડખે પડવું, લાંબા થઈ સુવું लंबा होकर लेटना. Lying down flat; sleeping prostrate. प्रव० १०७;

तुयट्टण. न० (त्वग्वर्तन) આડે પડખે થવું. बाजू से-पर लेटना Lying on sides. उत्त० २४, २४; ओघ० नि० १०१; ७१०; पिं० नि० भा० १५; वव० ५, १८; निसी० ५, २; भग० १३, ४; २५, ७;

तुयट्टावण. न० (त्वग्वर्तन) પાસું ફેરવવું તે. बाजू बदलना; करवट बदलना. Changing sides. वेय० ४, २६;

तुयट्टिय त्रि० (त्वग्वर्तित) આડે પડખે પડેલ. बाजु मे-करवट से लेटा हुआ-पड़ा हुआ. (One) lying on sides राय०

तुयट्टियव्व. न० (त्वग्वर्तितव्य) શયન કરવા યોગ્ય सोने योग्य. Fit to lie on. भग० २, १; नाया० १;

तुयरी. स्त्री० (तुवरिका) તુર દાલ; તુવેરની દાલ. तुवर की दाल; अरहर की दाल. Pulse of Tuvara. पिं० नि० ६२३;

तुयावइत्ता. स्त्री० (तोदयित्वा-दीयमान) વ્યથા ઉત્પન્ન કરીને પ્રવ્રજ્યા આપવામાં આવે તે; પ્રવ્રજ્યાનો એક પ્રકાર व्यथा उत्पन्न करके दी जाने वाली प्रव्रज्या; प्रव्रज्या विशेष Giving asceticism after producing pain; a kind of initiation "तिविहा पव्वज्जा पन्नत्ता तंजहा तुयावइत्ता पुयावइत्ता बुआवइत्ता" ठा० ३, ३; ४, ४;

√तुर धा० I (त्वर्) ઉતાવળે ચાલવું.

जल्दी से चलना. To walk hurriedly. तुरांति विशे० १२११;

तुरंत व०कृ०सु०च० ७, १२; तंदु०

तुर न० (तूर्य) વાજીંત્ર. वाद्य यंत्र. Trumpet. श्रोघ० नि० भा० ८५;

तुरंग न० (तुरंग) અશ્વ. ઘોડો અશ્વ. घोडा; तुरंग. A horse अणुजो० १३१, पिं० नि० ४०५;

तुरंगम पु० (तुरङ्गम) ઘોડો. घोडा; अश्व. A horse नाया० १६,

तुरग. पुं० (तुरग) ઘોડો. घोडा; तुरग; अश्व. A horse. राय० ४३,जीवा० ३, ३; सू० प० १४, नाया० १; ८, श्रोव० भग० ११, ११; जं०प० ५, ११५,

तुरगमुह. पुं० (तुरगमुख) અનાર્ય દેશ વિશેષ अनार्य देश विशेष A particular Anārya country सूय० टी० २, १, ६;

तुरतुंगव पुं० (तुरतुङ्गव) ત્રણ ઇંદ્રિયવાળા જીવની એક જાત तीन इन्द्रिय वाले जीव की जाति विशेष. A species of three-sensed beings पन्न० १,

तुरय. पुं० (तुरग) ઘોડો. घोडा. A horse. भग० ७, ६; ९, ३३, नंदी० ६; सु० च० २, २०८, ६३८; प्रव० १२२८; (२) ત્રીજા તીર્થંકરનું લાંછન. तीसरे तीर्थंकर का लांछन-चिन्ह. the insignia of the third Tirthankara. प्रव० ३८१,

तुरयमुह पुं० (तुरगमुख) એ નામનો અનાર્ય દેશ इस नाम का अनार्य देश An Anārya country of this name प्रव० १५९६;

तुरिअ-य त्रि० (तुर्य) ચોથો; ચોથા નંબરનો. चौथा; चतुर्थ. Fourth. क०गं०२,१६; ५, ९, —**कसाय** पु० (-कषाय) ચોથો સંજ્વલનો કષાય. चतुर्थ संज्वल का कषाय the fourth Sañjvala passion क० गं० ५, ६३, —**कोह.** पुं०(-क्रोध) ચોથો સંજ્વલનો ક્રોધ. चतुर्थ संज्वल का क्रोध. the fourth Sañjvala anger. क० ग० २, ३०; —**भंग.** न० (-भङ्ग) ચોથો ભાગો. चतुर्थ विभाग. the fourth division. क० गं० ५, ९. —**लोभ** पुं० (-लोभ) ચોથો સંજ્વલનનો લોભ. चौथा संज्वल का लोभ. the fourth Sañjvala greed. क० ० २, १६,

तुरिअ-य. न० (तूर्य) ભેરી, મૃદંગ, કરતાલ વગેરે વાદ્ય-વાજીંત્ર. भेरी, मृदंग, करताल आदि वाद्य यंत्र. Musical instruments consisting of drums cymbals etc. श्रोव० ३१; उत्त०२२,१२;

तुरिअ-य न० (त्वरित) શીઘ્ર; ત્વરિત; ઉતાવળ शीघ्र; सत्वर; जल्दी से. Soon; hastily नाया० १; २; ८; ६; १६; कप्प० २, १४, श्रोव० १२, राय० २७; सु० च० १, ३०८; २, २५४, भग० ६, ३३, १५. १, (२) त्रि० ઉતાવળું. उतावला. hasty चं० प० ३, ४३; ५, ११५; आव० १२; २१; श्रोघ० नि० भा० २५; जीवा० ३, १, पिं० नि० २६२; प्रव०१५९; (३) न० શીઘ્ર ગતિ शीघ्र गति; शीघ्र गतिवाला speedy.भग० ३, १; २; ६, ९; ११, ११; —**भासि.** त्रि० (-भाषिन्) અવિવેકપણે બોલનાર. बिना विचारे बोलने वाला, अविवेकी वक्ता. an inconscientious,hasty speaker. आया० २, ४, २, १४०; —**वेग.** पुं० (-वेग) ઉતાવળી ગતિ सत्वर गति, तीव्र गति, जल्दी की चाल. a hurried gait, hasty speed कप्प०३,४३,

तुरियगइ पुं० (त्वरितगति) અમિતગતિ તથા અમિતવાહન ઇંદ્રના લોકપાલનું નામ. अमितगति तथा अमितवाहन इन्द्र के लोक-

पाल का नाम Name of the Lokapālas (guardians of the quarters) of Amitagati and Amitavāhana Indras ठा० ४, १; भग० ३, ८;

तुरिया. स्त्री० (त्वरिता) મન જેવા વેગવાળી દેવતાની એક પ્રકારની ગતિ मन के समान वेगवाली देवता की गति विशेष A particular kind of gait of gods as swift as the mind. आया० २, १५, १७६. राय०२६; भग०६,५; जं०प०३,५८;

तुरुक्क. न० (तरुष्क) સેલ્હારસ; સેરી લોબાન सेरा लोबान A kind of myrrh; benzoin. राय० २८, सू० प० २०; ज० प० ५, १२२, नाया० १; १६; जीवा० ३, ४; भग० ११, ११; सम० प० २१०; जीर० उवा० १, ३२; कप्प० ३, ३२;

तुरुमणि स्त्री० (तुरुमणि) તુરુમણિ નામની એક નગરી. तुरुमणि नामक एक नगरी A city of this name. " तुरुमणि दत्तुब्व दारु ; पुरिसो " भत्त० ६२;

√तुल धा० II (तुल) તોલવું; સરખામણી કરવી; તુલના કરવી तुलना करना, मिलान करना. To weigh; to balance; to compare.

तुलेमि. राय० २६०;

तुलिया सं० कृ० उत्त० ६, ३०; ७, १८;

तुलणा. स्त्री० (तुलना) તુલના, સરખામણી तुलना, मीलान. Comparision; similie पंचा० १०, ४१, प्रव० ५०९;

तुलसी. स्त्री० (तुलसी) તુલસી, તુલસીનું ઝાડ तुलसी; तुलसी का वृक्ष. The Tulasī plant. पन्न० १; भग० २१, ८; प्रव० २११, पंचा० ५, ३०, (२) ભુતદેવતાની સભા આગળનું ચૈત્ય વૃક્ષ. भूत देवताकी सभा के आगेका चैत्य वृक्ष. a memorial tree before the assembly-hall of Bhūta gods. ठा० ८, १;

तुला. स्त्री० (तुला) તુલના; સરખામણી. तुलना; बराबरी Comparision; similarity राय० २४४; सूय० २, २, ८१; आया० १, १, ७, ५६; (२) તોલવાનું ત્રાજવું; કાંટો. तोलने की तराजू; कांटा. a balance उत्त० १९,४२; पग्ह० १, २; विशे० ३९७,

तुलिय त्रि० (तुलित) તોલેલ. तुला-तोला हुआ Weighed. तंदु०

तुल्ल न० (तोल्य) માપ. नाप; माप, Measure. जं० प० ७, १४६; उवा० १, ४७;

तुल्ल त्रि० (तुल्य) સરખું; બરાબર. सरीखा समान; बराबर. Similar; equal. ओव० १०; ठा० २, ३; ४, ३; सू० प० १४; विशे० ५२; पन्न० ३; सु० च०३,६१४; ४, ८२; जीवा० १; पिं० नि० भा० ६; नाया० १; भग० १, १; २; ३, २; १६, ३; २५, १, ६; ३४, १; अणुजो० ८६; क० प० १, ६२; पंचा० १६, ४३; ६, १६; प्रव० ६७२; ६१२; क० गं० ४, ४८; ६, ८; —ठतिय. त्रि० (-स्थितिक) સમાન સ્થિતિવાળું समान स्थिति वाला. of a similar state. भग० ३४, १; —फास. त्रि० (-स्पर्श) સમાન સ્પર્શવાળું समान स्पर्श वाला. of a similar touch. कप्प० ३, ३२; —विसेसाहिय. त्रि० (-विशेषाधिक) સમાન અને કંઈક વધારે. समान और कुछ अधिक. equal and a little more भग० ३४, १;

तुल्लत्त. न० (तुल्यत्व) તુલ્યપણું; સરખાપણું. समानता; तुल्यता. Equality; similarity. ज०प०७, १६२; विशे०३८;

तुल्लमयत्त न० (*तुल्यमयत्व) તુલ્યમયપણું. तुल्यमय; तुल्यता; बराबरी.

State of being equal. विशे० ३८;

तुल्लय त्रि० (तुल्यक) તુલ્ય तुल्य, समान Equal. भग० १४, ७, ठा० ४, ३.

√तुवत्त. धा० I, II. (त्वग्+वृत्) આડે પડખે થવુ; લાંબા થઇ સુવુ. आडा-टेढा होना; लम्बा होकर सोना-लेटना. To lie on sides, to sleep flat.

तुयट्टइ भग० २, १;

तुयट्टेइ. निसी० ४, ८०,

तुयट्टंति. भग० १५, ६, जीवा० ३; नाया० १७, जं० प० १ १६;

तुयटामो. सूय० २, ७, १५.

तुयटेज्ज, वि० पन्न० ३६; भग० १, ७,

तुयटेज्जा दस० ४,

तुयटह आ० राय० २५१,

तुयट्टिस्सामो भग० १०, ३,

तुयट्टित्ता सं० कृ० दसा० ३, ३२; ३३,

तुयट्टित्तए हे० कृ० वेय०१,१५: ३,१. भग० ७, १०, १३, ४, १७, २, १८, ३;

तुयट्टमाण व० कृ० भग० ३, ३;

तुवर. न० (तुवर) તુવેર ધાન્ય तुवर, अरहर धान्य. The Tuvara pulse. (२) पुं० કસાયલો રસ बिगडा हुआ रस. sour or decomposed juice. सु० प० ११, प्रव० २६; (३) त्रि० કાચુ; કસાયલું कच्चा; कसैला. unripe; decomposed राय० उत्त० ३४, १२,

तुवरी स्त्री० (तुवरी) ધાન્યની એક જાત, તુવેર. धान्य विशेष; तुवर; अरहर A kind of pulse, Tuvara प्रव०१०१०;

√तुस. धा० I. (तुष्) સન્તોષ પામવો-પમાડવો. संतोष पाना; सन्तुष्ट होना, सतुष्ट करना. To get satisfaction to satisfy.

तोसइ प्रे० दस० ६, १, १६,

तुस पुं० (तुष) અનાજના છાલા-ફોતરાં, ભુસ્સો. अनाजके छिलके; भूसी. Chaff; husk. आया० २, १, १, १; जीवा० ३, १, —**दाह.** न० (-दाह) ફોતરા બાળવાની જગ્યા. भूसी जलाने की जगह A place to burn chaff. निसी०३,७५; —**रासि.** पुं० (-राशि) ભુસ્સાનો ઢગલો भूसी का ढर. a heap of husk. दस० ५, १, ७, भग० ८, ६, १५, १;

तुसणीअ-य त्रि० (तूष्णीक) મૌનધારી, અબોલ રહેનાર. मौनधारी; चुपचाप रहने वाला. (One) practising silence, silent. भग० ३, १, ६, ३३, ठा० ३, ३; उत्त० १, २०, नाया० १२, —**भाव** पुं० (-भाव) મૌનધારીપણું मौन भाव. मौनधा-रित्व. state of observing silence आया० २, ३, ३, १३१,

तुसार न० (तुषार) બરફ, હિમ बरफ, हिम. Snow. (२) ठंडु ठंड. cold पन्न० २, जीवा० ३, १, नाया० १, ६, —**कर.** पुं० (-कर) ચંદ્રમા चन्द्र, चद्रमा, चाद the moon. सु०च०२, ३६,

तुसणी. अ० (तूष्णीम्) મુંગા રહેવુ. મૌન રહેવું. चुप रहना, मौन रहना-होना Remaining silent पिं० नि० ३१३,

तुसिणीय. त्रि० (तूष्णीक) મૌનધારી. मौनधारी मौनव्रत धारण करनेवाला (One) practising the vow of silence नाया० १ २, ५, ८, १४, १६, १७, १६ भग० २, १; ११, ११, १५,१; निर० १, १, उवा० २, ६६; जं० प० २, २६,

तुसिय. पु० (तूषित) કૃષ્ણરાજીના વિમાનના રહેતા લોકાંતિક દેવતાની નવ જાતિમાંની એક. कृष्णराजी के विमान मे रहने वाले लोकान्तिक देवता की नौ जाति में से एक जाति. One of the nine classes of the Lokāntika gods living

in the celestial abode of Kriṣṇarājī प्रव० २६७; १४६२; सम० ७७; नाया० ८; भग० ६, ५, ठा० ६;

तुसियव्व. त्रि० (तुष्टव्य) સંતોષ પામવા યોગ્ય. संतोष पाने योग्य. Deserving satisfaction पराह० २, ५;

तुसोदअ-ग. न० (तुषोदक) ચોખાના ભુસ્સાનું પાણી; ડાંગરનું ધોણ. चावल की भूसी का पानी; मांड, धोवन. Husk-water, washing of rice-husk ठा० ३,३;

तुसोदग. न०(तुषोदक) જુઓ ઉપલો શબ્દ देखो ऊपर का शब्द Vide above. आया० २, १, ७, ४१, निसी० १७, ३०; कप्प० ६; २५,

तुहग. पुं० (*तुहक) એક જાતનો કંદ ग्रुक कन्द विशेष. A species of bulbous roots. भग० ३६ ८८;

तुहिणायल पुं० (तुहिमाचल) હિમાલય हिमालय. The Himalayas सु० च० ३, १५,

तूण. पु० (तूण) બાણ રાખવાનું ભાથું तरकश; तूणीर, बाण रखने का भाता. A quiver. ज० प०

तूणइल्ल त्रि०(तूणावत्) તૂણ નામનું વાજીંત્ર વગાડી ભીક્ષા માગનાર वीणा या तून बजाकर भिक्षा मागने वाला A beggar who plays on an instrument known as Tūna कप्प० ६. ६६; ओव० जीवा० ३, ३; अणुजो० ६२,

तूणय. न० (तूणक) તુનક નામનું વાદ્ય-વાજીંત્ર. तुनक नामक वाद्य-यंत्र A musical instrument known as Tunaka. आया० २, ११, १६८;

तूणा. स्त्री० (तूणा) બાણ રાખવાનું ભાથુ. तरकश, तूणीर A quiver जं० प० (२) એ નામનું વાજીંત્ર. इस नाम का वाजिंत्र. A kind of musical instrument. ओव० राय०

√**तूर.** धा० I. (त्वर्) જલ્દી ચાલવું; શીઘ્ર ગતિ કરવી; जल्दी चलना; वेग बढाना To walk swiftly, to hasten.

तूरंति. उत्त० १३, ३१,

तूरत व० कृ० ओघ० नि० भा० ७१;

तूर पु० (तूर्य) વાદ્ય વિશેષ. वाद्य विशेष. A particular kind of musical instrument. सु० च० २, ६८, पराह० १, ३ विशे० ७८, —सद्द. पुं० (-शब्द) તૂરીનો અવાજ भेरी की ध्वनि. note of a trumpet विशे० ७८;

तूल पुं० (तूल) કપાસ; રૂ. कपास; रुई. Cotton राय० ५७; सू० प० २, २०; भग० ११, ११; ओव० कप्प० ३, ३२; —कड. त्रि० (-कृत) આકડાના રૂનું બનેલું. अकाव के रुई का बना हुआ. made of cotton of the Ākaḍā plant. आया० २, ५, १, १४१;

तूला स्त्री० (तूली) તલાઈ; સેજ; શય્યા. पलंग; खटिया, शय्या. A bed. राय० १६१;

तूलिया स्त्री० (तूलिका) તલાઈ-ગાદલું. गादी A mattress (२) ચિત્ર આલેખવાની પીંછી चित्र निकालने की कलम-कुची or brush नाया० ८;

तूली स्त्री० (तूली) તલાઈ. गादी A bed प्रव०६८४, जीवा०३,४;(२) જેનું પડિલેહણ ન થઇ શકે એવું વસ્ત્ર ऐसा वस्त्र जिसका पडिलेहण न हो सके a garment which cannot be examined. जं० प०

तूसणीअ. त्रि० (तूष्णीक) मौनी; મૌનધારી. मानी, मौनधारी (One) practising silence. राय० ७८,

तेअस. न० (तेजस्) તેજ; પ્રકાશ; કાંતિ તેજ; प्रकाश; कान्ति. Lustre; light; splendour. तेअसा. तृ० ए० कप्प० ३, ३६; ४, ६०;

तेअंसि, पुं० (तेजस्विन्) તેજસ્વી; શરીરના તેજવાળો. तेजस्वी; शारीरिक तेज वाला. Lustrous; possessing splendour of the body ओव० १६;

तेआसि. त्रि० (तेजस्विन्) તેજસ્વી. तेजस्वी. Bright जं० प०

तेआहिअ. पुं० (त्र्याहिक) ત્રણ ત્રણ દિવસને આંતરે આવતો તાવ, તરીઓ તાવ. तिजारी, तीसरे दिन आने वाला ज्वर. Tertian fever: fever coming on every third day जं० प०

तेइंदिय पुं० (त्रीन्द्रिय) શરીર, મોઢું અને નાક એ ત્રણ ઇન્દ્રિયવાળા જીવ. शरीर, मुह व नाक इन तीन इन्द्रियों से युक्त जवि A being with the three organs viz body, mouth and nose. भग० १, १; ५; २, १, ५, १०; ८, १; २४, १२; २६, १; पन्न० १; दस० ४; ठा० १, १; पिं० नि० भा० ६; उत्त० ३६; १२५; —**काय.** पु० (-काय) તેઇંદ્રિય ભવ. तीन इन्द्रियों का भव-जन्म the state of having three senses. उत्त० १०, ११;

तेइच्छ न० (चैकित्स्य—चिकित्सायाभाव चैकित्स्यम्) ચિકિત્સા કરવી તે; રોગનો ઉપાય. चिकित्सा कार्य; रोगोपाय. curing a disease; remedy. नाया० १३;

तेइच्छा स्त्री० (चिकित्सा) ચિકિત્સા; રોગનો ઉપચાર. चिकित्सा; रोग का उपचार A cure; healing. आया०२, १३,१७३,

तेइल्ल. त्रि० (तेजस्क) તેજવાળા. तेज वाला; तेजस्वी Lustrous. सु० च० २, ४०;

तेउ न० (तेजस्) અગ્નિ. अग्नि. Fire. सूय० १, १, १, ७; दस० ४; उत्त० ३६, १०७; ओघ० नि० ४५; (२) ગરમી; તાપ; બફારો. गर्मी; ताप; घाम. heat; warmth. आया० १, ६, ३, १८५; (३) તેજુ લેશ્યા, અગ્નિના જેવા રંગવાળા કર્મસ્કંધ જેના યોગથી જીવને પ્રદીપ્ત શુભ પરિણામ થાય तेजो लेश्या, अग्नि के समान वर्ण वाले कर्म समूह जिन के योग से जीव को प्रदीप्त शुभ विचार प्राप्त होते है. a group of Karmas having the colour of fire by whose association a being obtains bright auspicious thoughts उत्त०३४,३;पन्न०१७;क०गं०४, १६;(४) અગ્નિશિખ તથા અગ્નિમાણુવ ઇંદ્રના પહેલા લોકપાલનુ નામ अग्निशिख तथा अग्निमाणव इन्द्र के पहिले लोकपालका नाम the name of the first Lokapāla of Agniśikha and Agnimānava Indras. ठा० ४, १; भग० ३, ८; —**पुट्ठ** त्रि० (-स्पृष्ट) અગ્નિથી બળેલ, દાઝેલ. अग्नि से जला हुआ. Burnt by fire, charred. "तेइपट्ठा व पाणिणो" सूय० १,३,१, ८; —**प्फास** पुं० (-स्पर्श) અગ્નિનો સ્પર્શ. अग्नि का स्पर्श. the touch of fire. आया० १, ६, ३, १८५; —**सोय.** न० (-शौच—तेजसा अग्निना तद्विकारेण वा भस्मना शौचं तेजःशौचम्) અગ્નિથી અથવા રાખથી પવિત્રતા કરવી તે. अग्नि या राख द्वारा पवित्र करना या पवित्र करने का कार्य. purifying by means of fire or ashes. ठा० ५, २; ३;

तेउक्कंत पुं० (तेजस्कान्त) અગ્નિશિખ તથા અગ્નિમાણુવ ઇંદ્રના લોકપાલનું નામ. अग्निशिख तथा अग्निमाणव इन्द्र के लोकपाल का नाम. The name of Lokapāla of

Agniśikha and Agnimānya Indra. ठा० ४, १; भग० ३, ८;

तेउकाइय. पुं० (तेजस्कायिक) અગ્નિકાય; અગ્નિના જીવ आग्निकाय; अग्नि के जवि. Fire-embodiment; fire-beings. दस० ४; पन्न० १; भग० १, ५; २४, १४ ३४, १;

तेउकाय-श्र पुं० (तेजस्काय) અગ્નિકાય; અગ્નિના જીવ. अग्निकाय; अग्नि के जवि. Fire-embodiment; fire-beings. ठा० १, १; आया० १, ६, १, १२, सम० ६; दस०६, ३६, भग० ७, १०, आव० ४, ७;

तेउक्काइय. पुं० (तेजस्कायिक) અગ્નિના જીવ अग्नि का जीव. A fire-being "से किंतं तेउक्काइया ? तेउक्काइया दुविहा पण्णत्ता " पन्न० १; जीवा० १; भग० २४, १२; १८, २६, १;

तेउक्काय. पुं० (तेजस्काय) અગ્નિનો ભવ; અગ્નિપણે ઉત્પન્ન થવુ તે. अग्नि का भव-योनी-जन्म; अग्निरूप में उत्पन्न होना The life of fire; a being born in the form of fire उत्त० १०, ७;

तेउप्पभ. पुं० (तेज प्रभ) અગ્નિશિખ તથા અગ્નિમાણવ ઇન્દ્રના લોકપાલનું નામ. अग्निशिख तथा अग्निमाणव इन्द्र के लोकपाल का नाम. The name of the Lokapāla of Agni Śikha and Agni Māṇava Indras. भग० ३,८, ठा०४,१,

तेउलेसा. स्त्री० (तेजोलेश्या) તેજોલેશ્યા; લેશ્યાનો ચોથો પ્રકાર. तेजो लेश्या; चौथे प्रकार की लश्या The 4th variety of thought-tint. उत्त० ३४, ७, आव० ४, ७;

तेउलेस्स. त्रि० (तेजोलेश्य) તેજુ લેશ્યાવાલો. तेजो लेश्यावाला- Having bright thought-tint ठा० २, ४; भग० १४, ६; २६, १;

तेउलेस्सा. स्त्री० (तेजोलेश्या) તેજુલેશ્યા; તેજસ્વી પુદ્ગલનેયોગે થતા આત્માના ચલકતા પરિણામ. तेजोलेश्या; तेजस्वी पुद्गलोंके योग के कारण होने वाले आत्मा के प्रकाशमय परिणाम. The fourth thought-tint; a bright effulgence of the soul resulting from the combination of lustrous atoms. भग० १, १; १४, ६; पन्न० १७; सम० ६; —लद्धि. स्त्री० (-लब्धि) તેજુલેશ્યાની પ્રાપ્તિ तेजो लेश्या की प्राप्ति. attainment of bright thought tint. प्रव० २७०;

तेउसीह पुं० (तेज:सिंह) અગ્નિશિખ તથા અગ્નિમાણવ ઇન્દ્રનો બીજો લોકપાલ अग्नि शिख तथा अग्निमाणव इन्द्रका दूसरा लोकपाल The second Lokapāla of Agni Śikha and Agnimānava Indras. ठा० ४, १; भग० ३, ८;

तेश्रोश्र न० (त्र्योज) જે સંખ્યાને ચારે ભાગતાં ત્રણ શેષ રહે તે वह संख्या जिसे चार से भाग देनेपर तीन शेष रहे. The number which divided by four leaves the remainder of three. भग० २५, ३; ठा० ४, ३;

तेश्रोग. पुं० (त्र्योज) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपर का शब्द. Vide above. भग० १८, ४; ३१, १; —कडजुम्म. पुं० (-कृतयुग्म) જે સંખ્યાને ચારે ભાંગતાં શૂન્ય શેષ રહે અને લબ્ધાંકને ચારે ભાંગતાં ત્રણ શેષ રહે તે સંખ્યા वह संख्या जिसे चार से भाग देनेपर शून्य शेष रहे और लब्धांक को चार से भाग देनेपर तीन शेष रहें. A number which divided by four leaves zero as remainder and

a quotient which leaves three when divided by four. भग० ३१, १; —कलिओग. पुं० (-कल्योज) જે સંખ્યાને ચારે ભાંગતાં એક શેષ રહે અને લબ્ધાંકને ચારે ભાગતાં ત્રણ શેષ રહે તે સખ્યા वह संख्या जिसे चार से भग देनेपर एक शेष रहे और लब्धांक को चार से भाग देने पर तीन शेष रहे. a number which divided by four leaves a remainder of 1 and the quotient which leaves three when divided by four. भग० ३५, १; —तेओग पुं० (-त्र्योज) જે સખ્યાને અને લબ્ધાંકને (બન્નેને) ચારે ભાગતા ત્રણ શેષ રહે તે સખ્યા वह सख्या जिसे व जिसके लब्धांक को चार मे भाग देनेपर तीन शेष रहें. a number and quotient which leaves a remainder of three being divided by four. भग० ३५, १: —दावरजुम्म. न० (-द्वापरयुग्म) જે સખ્યાને ચારે ભાંગતાં બે શેષ રહે અને લબ્ધાંકને ચારે ભાગતા ત્રણ શેષ રહે તે સંખ્યા. वह संख्या जिसे चार से भाग देनेपर दो शेष रहें और लब्धांक को चार से भाग देने पर तीन शष रहें. a number which leaves a remainder of two when divided by four and a quotient which leaves three when divided by 4 भग० ३५, १;

तेओलेस्सा. स्त्री० (तेजोलेश्या) તેજુલેશ્યા तेजो लेश्या. Bright thought-tint भग० १, १, २५, ६;

तेंदुसय पुं० (*) દડો गेंद. A ball. नाया० ८, श्रं० ३, ८,

तेंदुरु. पु० (*) ત્રણ ઇન્દ્રિય વાલા જીવની એક જાત तीन इन्द्रिय वाले जीव की एक जाति. A species of three-sensed beings जीवा० १:

तेगिच्छ. न० (चैकित्स्य) ચિકિત્સા કર્મ; રોગ નિવારણનો ઉપાય. चिकित्सा कर्म; रोग निवारण का उपाय. The practice of medicine; prevention of diseases "तेगिच्छं पाहणा पाए" दस० ३, ४;

तेगिच्छा. स्त्री० (चिकित्सा) ચિકિત્સા; રોગની તપાસ चिकित्सा; रोग की परीक्षा Diagnosis. उत्त० २, ३३,

तेगिच्छायण त्रि० (चैकित्सायन) ચિકિત્સ ગોત્રમાં ઉત્પન્ન થયેલ. चिकित्स गोत्र में उत्पन्न. (One) born in the family-origin of Chikitsa. जं०प० ७, १५६;

तेगिच्छिकूड. पुं० (तिगिच्छिकूट) અસંખ્યાતમા સમુદ્રમાં એ નામનુ એક કૂટ-શિખર असख्यात समुद्रों मे इस नाम का एक कूट शिखर. A mountain peak of this name amidst the innumerable seas. भग० १३, ६, .

तेगिच्छिद्दह पुं० (चैकित्स्यद्रह) નિષધ પર્વતના ઉપરના ધૃતિક દેવતાનો દ્રહ. निषध पर्वतवर्तीय धृतिक देवता का द्रह. The lake of Dhṛitika god on the Nisadba mountain. ठा० २,३,

तेगिच्छियसाला. स्त्री० (चैकित्सिकशाला) દવાખાનુ, ઔષધાલય दवाखाना, औषधालय A hospital; a medical-hall नाया० १३;

तेज न० (तेजस्) તેજ. तेज. Lustre. भग० २, १; नंदी० ८; सम० प० २१६;

तेण पुं० (स्तेन) ચોર, તસ્કર चोर; स्तेन, तस्कर A thief; a robber. जं०प० ५, ११२; १, १५, भग० १५, १, नाया० २; १५-१६; दस० ५,२,३७; ७, १२; पिं० नि०

११८; ३३२; उत्त० ४, ३; ३४, २६; ओव० २०; सम० ३०, आया० २, ४, १, १३४; उवा० १, ४७; प्रव० १६४, —अणुबंधि. पुं० (-अनुबन्धि) ચોરી કરવામાં ચિત રાખવું; તસ્કર પણુ चोरी करने की इच्छा रखना; तस्करता thinking of stealing; thieving ठा० ४, १;

तेणउइ. स्त्री० (त्रिनवति) ९३; ત્રાણુની સંખ્યા. त्र्यानवे की संख्या; त्र्यानवे, ९३. Ninety-three सम० ९३;

तेणग. पुं० (स्तेनक) ચોર. चोर. A thief दस० ७, ३६; गच्छा० ४८,

तेणपरं अ० (ततःपरं) ત્યાર પછી तदनंतर; उसके बाद After that वेय० ४, २६, भग० ५, ४, ६, ७, १०, ३, ७, ७, १८; पन्न० ३;

तेणयबंध. पुं० (स्तेनकबन्ध) બીજાને કલવામાં ન આવે તેવી રીતે સાંધવું તે ચોરીયો બંધ इस प्रकार से जोडना कि दूसरे जान न सके A joint which cannot be known to others; a gordian joint. ओघ० नि० ४०२;

तेणाहड न० (स्तेनाऽऽहृत) ચોરી આણેલ માલ લેવો તે; શ્રાવકના ત્રીજા વ્રતનો પ્રથમ અતિચાર. चुराया हुआ माल लेना; श्रावक के तीसरे व्रत का प्रथम अतिचार (One) who accepts stolen things; the first fault connected with a layman's third vow. उवा० १, ४७, पंचा० १, १४;

तेणिक्क. न० (स्तैनिक्य) ચોરી. चोरी. Theft. पन्न० १, ३, —हरणबुद्धि त्रि० (-हरणबुद्धि—स्तैन्येन हरणे बुद्धिर्येषां ते तथा) ચોરીથી હરણ કરવાની લઇ લેવાની બુદ્ધિ વાલા चोरी द्वारा हरण करने की बुद्धिवाला. (one) willing to steal पराह० १,३;

तेणिय. न० (स्तैन्य) ચોરી. चोरी. Theft. प्रव० १५२,

तेणिल. त्रि० (तैनिश) તણચ્છ નામના ઝાડ સબંધી तणच्छ नामक वृक्ष सम्बन्धी. Pertaining to a tree named Tanachha. भग० ७, ६;

तेणेत्र अ०(तत्रेत्र) ત્યાં; તિહાં. वहा, उस जगह. There. नाया० १; ४, ५; १८, १६; भग०१, १; ६, २, १; ३, १; ५, ४; ६, ४; १६, ४, अंत० १, १; जं० १०५,११२;११४;

तेराण न० (स्तैन्य) ચોરી. चोरी. Theft. वेय० ४, ३;

तेतल. पुं० (तेतल) નાગકુમારના ઇંદ્રની ગંધર્વ સેનાનો અધિપતિ. नागकुमार के इन्द्र की गन्धर्व सेना का अधिपति. The general of the army of Gandharvas of the Indra of the Nāga-Kumārs ठा० ७;

तेतलि पुं० (तेतलिन्) વૃક્ષ વિશેષ. वृक्ष विशेष. A kind of tree भग०८, ३; २२, १; (२) મનુષ્યની એક જાત. मनुष्य जाति विशेष. a class of men ज० १०

तेतलिपुत्तअणगार. पुं० (तेतलिपुत्रानगार) તેતલિપુત્ર નામના એક સાધુ तेतलिपुत्र नामक एक साधु. An ascetic named Tetaliputra. नाया० १४;

तेतलिपुत्तकेवलि. पुं० (तेतलिपुत्रकेवलिन्) તેતલિ પુત્ર નામના કેવલી-કેવલજ્ઞાની तेतलि पुत्र नामक केवल ज्ञानी. A Kevali (one possessed of perfect knowledge) named Tetaliputra नाया० १४;

तेतलिपुर. न० (तेतलिपुर) એ નામનું એક નગર કે જ્યાં કનકરથ નામે રાજા હતો અને તેતલિપુત્ર તેનો પ્રધાન હતો. इस नाम का एक शहर जिस का राजा कनकरथ व

प्रधान तेतलि पुत्र था. A city of this name whose king was Kanakaratha and minister Teitaliputra. नाया० १३;

तेतलिसुय. पुं० (तेतलीसुत) તેતલિપુત્ર એ નામનો તેતલીપુર નગરના રાજા કનકરથનો પ્રધાન. तेतलीपुत्र; तेतलीपुर नगर के राजा कनकरथ का (इस नाम का) प्रधान. Tetaliputra, the minister of the king Kanakratha of the city called Tetalipura. " तस्सणं कणगरहस्स रएणो तेतिलपुत्ते णामं श्रमच्चे होत्था " नाया० १४; (२) તેતિલપુત્ર પ્રધાનના અધિકારવાળું જ્ઞાતાસૂત્રનું ૧૪મું અધ્યયન. तेतिलपुत्र प्रधान के अधिकार वाला-ज्ञातासूत्र का १४ वां अध्ययन the fourteenth chapter of the Jñātā Sūtra containing the description of the minister Tetilaputra. नाया०१४; पराह० २, ५;

तेतलीइअ पुं० (तैतलीयक) તેતલીપુત્રના અધિકારવાળું જ્ઞાતાસૂત્રનું ૧૪મું અધ્યયન तेतलिपुत्र के अधिकार वाला ज्ञातासूत्र का १४ वां अध्ययन. The fourteenth chapter of the Jñātā-Sūtra containing the description of Tetaliputra समः १८.

तेतसि स्त्री० (त्रयस्त्रिंशत्) તેત્રીસ. तैंतीस, ३३ Thirty-three भग० १, १; पन्न० ४; **—सागरोवम.** पुं० (-सागरोपम) તેત્રીસ સાગરોપમ; સર્વાર્થસિદ્ધ વિમાનના દેવતા અને સાતમી નરકના નારકીનું આયુષ્ય तैंतीस सागरोपम; सर्वार्थसिद्ध विमान के देवता और ७ वीं नरक के नारकी का आयुष्य. thirty-three Sāgaropamas of time; the age of the gods of the Sarvārtha Siddha celestial abode and of the hell-beings of the seventh hell. भग० १, १;

तेत्तिर. पुं०(तित्तिर) તેતર પક્ષી. तीतर पक्षी A partridge जीवा० १.

तेत्तीस. स्त्री० (त्रयस्त्रिंशत्) ૩૩; તેત્રીસ. तेंतीस; ३३. Thirty-three. भग० ८, ६; १२, ६; १५, १, १८, ६; २४ १; २५, ६; पन्न० ४; दसा० २, २; सम० ३, ३, उत्त० ३४, ३४; नाया० १६,

तेपुरएणमिंजिया. स्त्री० (*त्रिपूर्णमञ्जिका) ત્રણ ઇંદ્રિયવાલા જીવની એક જાત. तीन इन्द्रिय वाले जीव की एक जाति. A species of three-sensed beings पन्न० १;

तेय. न० (स्तेय) ચોરી. चोरी; चौर कर्म. Stealing. जं० प० १६, २२;

तेय-अ. पुं० (तेजस्) તેજ; કાંતિ; પ્રકાશ. तेज, कान्ति, प्रकाश Lustre, light उवा० १, ७६, अणुजो० १६; भग० १, १; २, १, ३, २; १६, ४; नाया० १; सू० प० ११; ओघ० नि० ४५; ठा० ८; ओव० १०, २२; (२) તૈજસશરીરનામ; નામકર્મની એક પ્રકૃતિ જેના ઉદયથી જીવ તૈજસ શરીર પામે तैजसशरीरनाम; नामकर्म की एक प्रकृति जिसके उदय से जीव तैजस शरीर प्राप्त करे a name of lustrous body, a variety of Nāma Karma at whose rise, a soul obtains a lustrous body. भग० ८, ६; क०ग०५, ३१;५, ७६, (૩) તાપ, સૂર્યનો તડકો. ताप, घाम;सूर्य की गर्मी heat. सूय०१,५,१,२४, (૪) અગ્નિ. अग्नि fire पन्न०१; (૫) સાત સમુદ્ઘાતમાંની પાંચમી સમુદ્ઘાત કે જેમાં તેજસ નામ કર્મના પુદ્ગલની નિર્જરા થાય છે. सातमें से पांचवीं समुद्घात जिस में तैजसना-

मकर्म के पुद्गल की निर्जरा होती है. the fifth of the seven Samudghātas in which the atoms of Taijasa-Nāma-Karma perish. पन्न० ३६; —कम्म. न० (-कर्मन्) નામકર્મની એક પ્રકૃતિ; તૈજસ અને કાર્મણ શરીર. नाम कर्म की एक प्रकृति, तैजस और कार्मण शरीर. a nature of Nāma Karma; the lustrous and Kārmaṇa body. भग० ८, ६; —पण. न० (-पञ्चक) તૈજસ કાર્મણ એ બે શરીર અગુરૂલઘુ નિર્માણ અને ઉપઘાત એ પાંચ પ્રકૃતિઓનો સમૂહ. तैजस तथा कार्मण ये दो शरीर, अगुरुलघु, निर्माण व उपघात इन पांच प्रकृतियों का समूह a group of the 5 Kasmic natures consisting of the two bodies Taijasa and Kārmaṇa and Agurulaghu, Nirmāṇa and Upaghāta. क० गं० ५, ३१: —पुंज पुं० (-पुञ्ज) તેજનો સમૂહ. तेज का समूह. a halo of lustre. सु० च० २, ३४४, —मंडल. न० (-मण्डल) તેજ-પ્રભાનું મંડલ. तेजोमंडल; प्रभा मंडल. a circle of lustrous light. सम० ३४; —समुग्घाय पुं० (-समुद्घात) તેજુ લેશ્યા મુકતી વખતે જીવ પ્રદેશનું વિસ્તરવું અને પ્રકૃત પ્રકૃતિનું નિર્જરવું તે तेजो लेश्या छोडने के समय जीव प्रदेश का विस्तृत होना और प्रकृत प्रकृति का क्षय निर्जरा होना. expanding of the soul at the time of casting Tejo-Leśyā and lessenning of the Prakrita Prakṛiti. सम० ६. —सरीरि त्रि० (-शरीरिन्) તૈજસ શરીરવાલો. तैजस शरीर वाला (one) possessing a lustrous body. जीवा० १०;

तेयश्र. न० (तैजस्क) ખોરાકનો રસ નિપજાવી પચાવી પરિણમાવનાર એક શરીર; તેજના વિકારરૂપ દરેક જીવની પાસેનું એક સૂક્ષ્મ શરીર; પાંચ શરીરમાંનું એક आहार का रस उत्पन्न कर,उसे पचा कर परिणमन कराने वाला एक शरीर; तेजके विकार स्वरूप प्रत्येक जीवके निकट का एक सूक्ष्म शरीर; पांच शरीरों में से एक A body which changes the food after extracting a juice and then digesting it; a subtle body possessed by every being in the form of lustre; one of the five bodies. अणुजो०१४२; पन्न० १२; जीवा० १; भग० १, ५; २, १: ८, १;

तेयंसि. त्रि० (तेजस्विन्) તેજસ્વી. तेजस्वी. Lustrous. नाया० १: भग० २, ५; राय० २१५; सम० प० २३५;

तेयग. न० (तैजस्क) જુઓ "तेयश्र" શબ્દ. देखो "तेयश्र" शब्द Vide "तेयश्र" जीवा० १; भग० ८, ६; (२) पुं० અગ્નિ. अग्नि. fire सम० ३०; (३) તૈજસ શરીર યોગ્ય પુદ્ગલ સ્કંધની વર્ગણા-સમુદાય. तैजस शरीर के योग्य पुद्गल स्कंध का समुदाय a collection of atoms fit for a lustrous body. क० प० १, १६; —लद्धि. स्त्री० (-लब्धि) તેજુ લેશા ઉત્પન્ન કરવાની લબ્ધિ-શક્તિ. तेजो लेश्या उत्पन्न करने की शक्ति the power of creating the bright thought-tint भग०१६,८;—समुग्घाय. पुं०(-समुद्घात) સાત સમુદ્ઘાતમાંની પાંચમી સમુદ્ઘાત सात समुद्घातों में से पांचवां समुद्घात. the 5th Samudghāta out of the seven. सम० ६;— सरीर. न०(-शरीर) તૈજસ શરીર तैजस शरीर. lustrous

body. भग० १६, ८; —सरीरणाम. पुं० (-शरीरनामन्) નામ કર્મની એક પ્રકૃતિ. नाम कर्म की एक प्रकृति. a nature of Nāma Karma. सम० २८; —सरीरत्ता. स्त्री० (शरीरत्ता) તૈજસ શરીરપણું. तैजस शरीरत्व the state of lustrous body. भग० २५, २; —सरीरि. त्रि० (-शरीरिन्) તૈજસ શરીરવાળો (જીવ). तैजस शरीर वाला जीव (one) having a lustrous body. ठा० ६, ४;

तेयाणिसग्ग. न० (तेजोनिसर्ग) ભગવતી સૂત્રના ૧૫મા શતકના પહેલા ઉદ્દેશાનું નામ भगवती सूत्र के १५ वे शतक के पहिले उद्देशा का नाम Name of the first Uddeśā of the 15th chapter of the Bhagavatī Sūtra भग०१५,१;

तेयलि. न० (तेतलि) જ્ઞાતા સૂત્રનું તેતલીપુત્રના અધિકારવાળું ૧૪મું અધ્યયન तेतलीपुत्र के अधिकार वाला ज्ञाता सूत्र का १४वां अध्ययन. The fourteenth chapter of the Jñātā Sūtra containing the description of Tetaliputra. नाया० १; (२) દેવકુરૂ ઉત્તરકુરૂના મનુષ્યની એક જાત देवकुरु उत्तरकुरु के मनुष्यों की एक जाति a class of men of Devakuru and Uttarakuru. भग० ६, ७, जीवा० ३, ४; —अमच्च. पुं० (-अमात्य) તેતલિનામે તેતલીપુરના રાજાનો અમાત્ય-પ્રધાન तैतली नामक तेतलीपुरके राजा का अमात्य-मन्त्री the minister named Tetali of the king of Tetalīpura नाया० १४;

तेयलिपुत्त पु० (तेतलिपुत्र) તેતલિપુર નગરના રાજા કનકરથનો એ નામનો પ્રધાન तेतलिपुर नगर का राजा कनकरथ का इस नाम का प्रधान. A minister so named of Kanakaratha the king of Tetilapura. नाया० १४;

तेयलिपुर. न० (तेतलिपुर) જુઓ "તેતલિપુર" શબ્દ देखो "तेतलिपुर" शब्द. Vide. "तेतलिपुर" नाया० १४;

तेयलेस्स. त्रि० (तेजोलेश्य) તેજુલેશ્યાવાળો. तेजोलेश्या वाला (One) possessed of bright thought-tints. नाया० १६;

तेयलेस्सा. स्त्री० (तेजोलेश्या) તેજુ લેશ્યા. तेजो लेश्या Bright thought-tint भग० ३, १; ७, १०; १६, ५; निर० १, १, नाया० १,

तेयवंत. त्रि० (तेजोवत्-तेजस्विन्) તેજસ્વી; પ્રભાવશાલી तेजस्वी, प्रभावशाली Lustrous; imposing. पराह० २, ४;

तेयवीरिय. पु० (तेजोवीर्य) ભરતના વંશમાં પાંચમી પેઢીએ મહાબલનો પુત્ર भरत के वंश की ५वी पीढी में महाबल का पुत्र. The son of Mahābala in the fifth generation of the race of Bharata ठा० ८; १.

तेयस न० (तेजस्) કાંતિ; તેજ. कांति; तेज Sheen; lustre भग० १६, ५; तेयसा तू० ए० व० अंत० ६, ३, नाया० १; कप्प० ५, ११६;

तेयस्सि. त्रि० (तेजस्विन्) તેજસ્વી. तेजस्वी. Lustrous. आया० २, ३, १, ७१; सु० च० २, ८६;

तेया-आ. स्त्री० (तेजस्) તૈજસ શરીર. तैजस-तेजपूर्ण शरीर. Lustrous body. भग०७,६,२५,६; विशे०६२७; (२) તેરસની રાત્રિનું નામ. त्रयोदशी के रात्रि का नाम name of the thirteenth night of a lunar month. सू०प० १०;जं०प०

—पोग्गलपरियट्ट न० (-पुद्गलपरिवर्त) લોકના સર્વ પુદ્ગલોને તૈજસ શરીરરૂપે જેટલા વખતમાં પરણમાવીને છોડે તેટલો વખત. उतना समय जिसमें लोकके समस्त पुद्गलों को तैजस शरीरमें परिणमन करे. a period of time in which all the atoms of the world are transformed in the form of lustrous bodies भग० १२, ४; —सरीर पुं० (-शरीर) તેજસ શરીર. तैजस शरीर a lustrous body भग० ८, ६;

तेयाणुबंधि. न० (स्तेयानुबन्धिन्-स्तेनस्य-चौरस्य कर्म स्तेयं, तन्निकोधाऽऽयाकुलतया तदनुबन्धवत् तथा) ચોરને મારવા સંબંધિનું રૌદ્ર ધ્યાન; રૌદ્ર ધ્યાનનો એક પ્રકાર. चोर को मारने का रौद्रध्यान; रौद्रध्यान विशेष. An angry mood to kill a thief; a kind of strong rage भग०२५,७;

तेयाल. स्त्री० (त्रिचत्वारिंशत्) ४३; તેતાલીસ. तैतालीस; ४३. Forty-three उत्त० ३४, २०; प्रव० ३६;

तेयालि. पुं० (तेयालि) એક જાતનું ઝાડ एक वृक्ष का नाम. A kind of tree. " ताले तमाले तक्कतेयालीसालिसारकल्लोणे " पन्न० १;

तेयाली. स्त्री० (त्रिचत्वारिंशत्) ४३; તેતાલીસ. तैंतालीस; त्रयालीस. Forty-three. पन्न० ४;

तेयालीस. स्त्री० (त्रिचत्वारिंशत्) ४३, તેતાલીસ त्रयालीस; तैंतालीस. Forty-three. सम० ४३;

तेयासीइ. त्रि० (त्र्यशीति) ८३; ત્યાશી. तिर्यासी;८३. Eighty-three. सम०८३;

तेयाहिय. पुं० (त्र्याहिक) ત્રણ દિવસને આંતરે આવનાર તાવ; તરીઓ તાવ तिजारी; तीन दिन के अन्तर से आने वाला ज्वर. Fever coming on every third day. जीवा० ३, ३;

तेरस त्रि० (त्रयोदशन्) १३; તેરની સંખ્યા. तेरह; १३ Thirteen. भग० ५, १; ६, ३३; १३, ६; ३१, १; जं० प० सम० १३; ओव० २८; उवा० ८, २३३; क० गं० २, ३४; —किरिया. स्त्री० (-क्रिया) તેર પ્રકારની ક્રિયા. तेरह प्रकार की क्रिया. The actions of thirteen varieties प्रव० २७; —वासपरियाग. त्रि० (-वर्षपर्यायक) જેને દીક્ષા લીધાં તેર વર્ષ થયાં છે તે. जिसे दीक्षा लिए तेरह वर्ष हुए हों वह. (one) for whose initiation thirteen years have elapsed. वव० १०, २८; २६;

तेरसम. त्रि० (त्रयोदश) १३ મો-મી-મું. तेरहवा, वीं, वें. Thirteenth. नाया० १; १३; भग० २, १; २८; १३;

तेरसी स्त्री० (त्रयोदशी) પક્ષની ૧૩ મી તિથી તેરસ. पक्ष की तेरहवीं तिथि; त्रयोदशी; तेरस. The thirteenth day of a lunar month. सु० च० १, ६६; जं० प० ७, १५३; कप्प० २, ३०;

तेरासिय. त्रि० (त्रैराशिक) જીવ અજીવ અને જીવાજીવ એમ ત્રણ રાશિનું સ્થાપન કરનાર રોહગુપ્ત આચાર્યના મતનો અનુયાયી. जीव अजीव, और जीवाजीव इस प्रकार तीन राशियों को स्थापित करने वाला रोहगुप्त आचार्य का अनुयायी. A follower of the doctrnie of Roha Gupta preceptor who established three categories e. g., Jiva, Ajiva and Jivājiva ओव० ४१; पिं० नि० ५४३, सम० १२;

तेरिंदिय. त्रि० (त्रीन्द्रिय) ત્રણ ઇંદ્રિયવાળો જીવ. तीन इन्द्रिय वाला जीव. A three-

sensed being. भग० २४, १;

तेरिच्छ. त्रि० (तिरश्चीन) તિર્યંચ સંબંધી निर्यंच-पशु-सम्बन्धी. Pertaining to sub-human beings. उत्त० २५, २५, ३१,५;(२)તિર્યંચ-પશુ પક્ષી વગેરે तिर्यंच-पशु-पक्षी आदि. animals, birds etc. प्रव०४४०; **—संठावण** न० (-संस्थापन) તિર્યંચ-પશુ પક્ષી આદિ રાખવાતે तिर्यंच-पशुपक्षी आदि का संस्थापन-पालन taming animals, bird etc प्रव० ४४०;

तेरिच्छिय त्रि० (तिरश्चीन) તિર્યંચ સંબંધી, તિર્યંચનું કરેલું. तिर्यंच सम्बंधी; तिर्यंचकृत Relating to sub-human beings. विशे० ३००५;

तेरिच्छी. स्त्री० (तिरश्चीना) પશુની સ્ત્રી; તિર્યંચણી पशु की स्त्री, मादा पशु A female of an animal प्रव० ३२;

तेल. न० (तैल) તેલ तैल. Oil. नाया०१; **—चम्म** न० (-चर्मन्) જેના ઉપર બેસી તેલનું મર્દન કરાય તે ચામડું. ऐसा चमडा जिस पर बैठ कर तैल मला जाय. a skin, used as a seat while oil is smeared. नाया० १; ओव०

तेलकेला. स्त्री० (तैलकला) તેલ રાખવાનું ઠામ. तैल रखने का पात्र; तैल पात्र. A vessel to store oil; an oil can नाया० १; तंदु०

तेलुक्क न० (त्रैलोक्य) ત્રણ લોક; સ્વર્ગ મર્ત્ય અને પાતાલ. तीन लोक; स्वर्ग, मर्त्य तथा पाताल. The three worlds; the heaven, earth and nether world ओघ० नि० ७४५, पन्न० ३, भत्त० ६६, गच्छा० ३५;

तेलोक्क पुं० (त्रैलोक्य) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपर का शब्द. Vide above ओघ० नि० ७४७, उवा० ७, १८७,**—रंगमज्झ.** त्रि० (-रङ्गमध्य) ત્રિલોકરૂપી રંગભૂમિની મધ્યે. त्रिलोक रूपी रंगभूमि के मध्य में in the middle of the stage-like three worlds. भग० ६, ३३;

तेल्ल न० (तैल) તેલ. तैल. Oil नाया० ८; १६, जं० प० ५, १२०, विशे० २०१; ओव० ३१; पन्न० १; ३६; निसी० १, ५; १३, ३५; भग० ८, ६, १८, ६; जीवा० ३, १; अणुजो० १६, ठा० ४; १, सूय० १, ४, २, ८; २, ६, ३७, उवा० १, २५, प्रव० २१८, **—कुंभ.** पुं० (-कुम्भ) તેલનો ઘડો. तैल का घडा. a pot of oil. भग० १६, ६; **—चम्म.** न० (-चर्मन्) તેલ મર્દન કરવાને બેસવાનું આસન. तैल मर्दन करते समय बैठनेका आसन. a skin used as a seat at the time of rubbing of oil. नाया०१; ओव०३१,**—समुग्गय.** पुं० (-समुद्गक) તેલનો ડબ્બો-શીશી, તેલનું ઠામ तैल का डिब्बा, शीशी. an oil-tin, a bottle of oil. जीवा० ३, ४, राय०

तेल्लकेला स्त्री० (तैलकेला) જુઓ "तेल-केला" શબ્દ. देखो "तेलकेला" शब्द. Vide. 'तेलकेला' जीवा० ३, ४; भग० १५, १;

तेल्लपल्ल. न० (तैलपल्य) એક જાતનું સૌરાષ્ટ્ર દેશ પ્રસિદ્ધતેલનું ઠામ सौराष्ट्र देश प्रसिद्ध एक तैल पात्र A pot of oil famous in the Saurāṣṭra country. दसा०१०, ३,

तेल्लपूय न० (तैलपूय) માલપૂઆ माल-पूआ A sweet fried cake जं० प० **—संठाणसंठिय.** त्रि० (-संस्थानसंस्थित) માલપૂઆના જેવા આકારવાળો. मालपूआ के से आकार वाला having the

—पोग्गलपरियट्ट. न० (-पुद्गलपरिवर्त) લોકના સર્વ પુદ્ગલોને તૈજસ શરીરરૂપે જેટલા વખતમાં પરણુમાવીને છોડે તેટલો વખત. उतना समय जिसमें लोकके समस्त पुद्गलों को तैजस शरीरमें परिणमन करे. a period of time in which all the atoms of the world are transformed in the form of lustrous bodies भग० १२, ४; —सरीर पुं० (-शरीर) તૈજસ શરીર. तैजस शरीर a lustrous body भग० ८, ६;

तेयाणुबंधि. न० (स्तेयानुबन्धिन्-स्तेनस्य-चौरस्य कर्म स्तेयं, तत्क्रोधाऽऽशाकुलतया तदनुबन्धवत् तथा) ચોરને મારવા સંબંધિનું રૌદ્ર ધ્યાન; રૌદ્ર ધ્યાનનો એક પ્રકાર. चोर को मारने का रौद्रध्यान; रौद्रध्यान विशेष. An angry mood to kill a thief; a kind of strong rage भग०२५,७;

तेयाल स्त्री० (त्रिचत्वारिंशत्) ४३; તેતાલીસ तैंतालीस; ४३ Forty-three उत्त० ३४, २०; प्रव० ३६;

तेयालि. पुं० (तेयालि) એક જાતનું ઝાડ एक वृक्ष का नाम A kind of tree. "ताले तमाले तक्कतेयालीसालिसारकल्लोये" पन्न० १;

तेयाली. स्त्री० (त्रिचत्वारिंशत्) ४३; તેતાલીસ. तैंतालीस; त्रयालीस. Forty-three. पन्न० ४;

तेयालीस. स्त्री० (त्रिचत्वारिंशत्) ४३; તેતાલીસ त्रयालीस, तैंतालीस. Forty-three. सम० ४३;

तेयासीइ. त्रि० (त्र्यशीति) ८३; ત્યાશી. तिर्यासी;८३. Eighty-three. सम०८३;

तेयाहिय पुं० (त्र्याहिक) ત્રણ દિવસને આંતરે આવનાર તાવ; તરીઓ તાવ तिजारी; तीन दिन के अन्तर से आने वाला ज्वर. Fever coming on every third day. नाया० ३, ३;

तेरस. त्रि० (त्रयोदशन्) १३; તેરની સંખ્યા. तेरह; १३ Thirteen. भग० ५, १; ४, ३३; १३, ६; ३१, १; जं० प० सम० १३; ओव० २८; उवा० ८, २३३; क० गं० २, ३४; —किरिया. स्त्री० (-क्रिया) તેર પ્રકારની ક્રિયા. तेरह प्रकार की क्रिया. The actions of thirteen varieties प्रव० २७; —वासपरियाग. त्रि० (-वर्षपर्यायक) જેને દીક્ષા લીધાં તેર વર્ષ થયાં છે તે. जिसे दीक्षा लिए तेरह वर्ष हुए हों वह. (one) for whose initiation thirteen years have elapsed. वव० १०, २८; २४;

तेरसम त्रि० (त्रयोदश) १३ મો-મી-મું. तेरहवा, वीं, वें. Thirteenth. नाया० १; १३; भग० २, १; २४; १३;

तेरसी स्त्री० (त्रयोदशी) પક્ષની १३ મી તિથી· તેરસ. पक्ष की तेरहवीं तिथि; त्रयोदशी, तेरस. The thirteenth day of a lunar month. सु० च० १. ६६; जं० प० ७, १५३; कप्प० २, ३०;

तेरासिय त्रि० (त्रैराशिक) જીવ અજીવ અને જીવાજીવ એમ ત્રણ રાશિનું સ્થાપન કરનાર રોહગુપ્ત આચાર્યના મતનો અનુયાયી जीव अजीव, और जीवाजीव इस प्रकार तीन राशियों को स्थापित करने वाला रोहगुप्त आचार्य का अनुयायी. A follower of the doctrnie of Roha Gupta preceptor who established three categories e. g., Jiva, Ajiva and Jivajiva. ओव० ४१; पिं० नि० ५४३; सम० १२;

तेरिंदिय. त्रि० (त्रीन्द्रिय) ત્રણ ઇંદ્રિયવાળો જીવ. तीन इन्द्रिय वाला जीव. A three-

sensed being. भग० २४, १,

तेरिच्छ. त्रि० (तिरश्चीन) તિર્યંચ સંબંધી. तिर्यंच-पशु-सम्बन्धी. Pertaining to sub-human beings उत्त० २५, २५, ३१,५;(२)તિર્યંચ-પશુ પક્ષી વગેરે तिर्यंच-पशु-पक्षी आदि. animals, birds etc. प्रव०४४०, **—संठावण** न० (-संस्थापन) તિર્યંચ-પશુ પક્ષી આદિ રાખવાતે तिर्यंच-पशुपक्षी आदि का संस्थापन-पालन taming animals, bird etc प्रव० ४४०;

तेरिच्छिय त्रि० (तिरश्चीन) તિર્યંચ સંબંધી, તિર્યંચનું કરેલું. तिर्यंच सम्बंधी, तिर्यंचकृत Relating to sub-human beings. विशे० ३००५,

तेरिच्छी. स्त्री० (तिरश्चीना) પશુની સ્ત્રી; તિર્યંચણી पशु की स्त्री, मादा पशु. A female of an animal प्रव० ३२;

तेल. न० (तैल) તેલ तैल. Oil. नाया०१, **—चम्म.** न० (-चर्मन्) જેના ઉપર બેસી તેલનુ મર્દન કરાય તે ચામડુ. ऐसा चमडा जिस पर बैठ कर तैल मला जाय. a skin, used as a seat while oil is smeared. नाया० १; ओव०

तेलकेला. स्त्री० (तैलकला) તેલ રાખવાનું ઠામ. तैल रखने का पात्र, तैल पात्र. A vessel to store oil; an oil can नाया० १, तंदु०

तेलुक्क. न० (त्रैलोक्य) ત્રણ લોક, સ્વર્ગ મર્ત્ય અને પાતાલ. तीन लोक, स्वर्ग, मर्त्य तथा पाताल. The three worlds; the heaven, earth and nether world ओघ० नि० ७४५, पन्न० ३, भत्त० ६६; गच्छा० ३५;

तेलोक्क पुं० (त्रैलोक्य) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपर का शब्द. Vide above ओघ० नि० ७४७, उवा० ७, १८७,**—रंगमज्भ.** त्रि० (-रङ्गमध्य) ત્રિલોકરૂપી રંગભૂમિની મધ્યે. त्रिलोक रूपी रंगभूमि के मध्य में. in the middle of the stage-like three worlds. भग० ६, ३३;

तेल्ल न० (तैल) તેલ. तैल Oil नाया० ८; १६, जं० प० ५, १२०, विशे० २०१; ओव० ३१, पन्न० १, ३६; निसी० १, ५; १३, ३५; भग० ८, ६, १८, ६; जीवा० ३, १; अणुजो० १६; ठा० ४; १, सूय० १, ४, २, ८; २, ६, ३७; उवा० १, २५; प्रव० २१८, **—कुंभ.** पु० (-कुम्भ) તેલનો ઘડો. तैल का घडा. a pot of oil. भग० १६, ६; **—चम्म.** न० (-चर्मन्) तेल મર્દન કરવાને બેસવાનુ આસન. तैल मर्दन करते समय बैठनेका आसन. a skin used as a seat at the time of rubbing of oil. नाया०१; ओव०३१,**—समुग्गय** पुं० (-समुद्गक) તેલનો ડબ્બો-શીશી, તેલનુ ઠામ तैल का डिब्बा, शीशी. an oil-tin, a bottle of oil जीवा० ३, ४; राय०

तेल्लकेला. स्त्री० (तैलकेला) જુઓ "तेलकेला" શબ્દ. देखो "तेलकेला" शब्द. Vide 'तेलकेला' जीवा० ३, ४, भग० १५, १;

तेल्लपल्ल. न० (तैलपल्य) એક જાતનુ સૌરાષ્ટ્ર દેશ પ્રસિદ્ધતેલનુ ઠામ सौराष्ट्र देश प्रसिद्ध एक तैल पात्र A pot of oil famous in the Saurāstra country. दसा०१०, ३;

तेल्लपूय. न० (तैलपूय) માલપૂઆ मालपूआ A sweet fried cake जं० प० **—संठाणसंठिय.** त्रि० (-संस्थानसंस्थित) માલપૂઆના જેવા આકારવાલો मालपूआ के से आकार वाला having the

shape of a sweet fried cake. जं० प०

तेल्लपेल्ला स्त्री० (॰ तैलपल्य) સૌરાષ્ટ્ર દેશ પ્રસિદ્ધ મૃન્મય તેલનું ભા ન. सौराष्ट्र देश प्रख्यात मिट्टीका तेल पात्र An earthen vessel for oil of the Saurāstra country. दस० १०, ३;

तेवग्ग पुं० (त्रिवर्ग -त्रयोवर्गास्त्रिवर्गाः) ધર્મ અર્થ અને કામ એ ત્રણ વર્ગ. त्रिवर्ग धर्म अर्थ तथा काम The class of three - religion, wealth and desires. नंदी०

तेवट्ठ स्त्री० (त्रिषष्टि) ત્રેસઠ; સાઠ અને ત્રણ तिरसठ; त्रेसठ:६३. Sixty-three. सूय० २, २, ७६; भग० ८, ८;

तेवट्ठि स्त्री० (त्रिषष्टि) ६३; ત્રેસઠની સંખ્યા ६३, त्रेसठ Sixty-three. भग० २४, २१ २४, ७, जं० प० ७. १४८. ७, १३६; २ ३०; सम० ६३, क० गं० २, ७, -सय. न० (-शत) એકસો અને ત્રેસઠ. एकसौ त्रेसठ; १६३. one hundred and sixty-three क० प० २, ११७;

तेवण्ण. स्त्री० (त्रिपञ्चाशत) ५३; ત્રેપન; પચાસ અને ત્રણ ५३; त्रेपन. Fifty-three. पन्न० २; ४;

तेवत्तरि. स्त्री० (त्रिसप्तति) ७३; તોંતેરની સંખ્યા ७३ तिहत्तर. Seventy-three सम० ७३; जं० प० २, २६; ७, १४८;

तेवन्न. स्त्री० (त्रिपञ्चाशत्) ५३; ત્રેપન ५३. त्रेपन. Fifty-three. सम० ५३; क० गं० ६, ७२;

तेवीस स्त्री० (त्रयोविंशति) २३; ત્રેવીસ ત્રણ અને વીસ २३; तेइस. Twenty three. भग० २, ८; २०, ८; पन्न० ४; नंदी० ४६; सम० २३; अणुजो० १४३; उत्त० ३१, १६; क० गं० ६, ३३;

तेवीसइम. त्रि० (त्रयोविंशतितम) ત્રેવીસમો; २३ मो तेइसवां. Twenty-third. ठा० ६, २;

तेसट्ठि स्त्री० (त्रिषष्टि) ६३; ત્રેસઠની સંખ્યા. ६३, त्रेसठ Sixty-three. सम० ६३; भग० १३, ६;

तेसीइम त्रि० (त्र्यशीतितम) ત્યાસીમું. तिरयासीवां, ८३ वां. Eighty-third. कप्प० २, ३०;

तेसीति. स्त्री० (त्र्यशीति) ८३; તિર્યાશીની સંખ્યા. ८३; तिर्यासी, त्र्यासी. Eighty-three. भग० २०, १०;

तेसीय. स्त्री० (त्र्यशीति) ત્યાસી; ८३. त्र्यासी; तिर्यासी; ८३. Eighty-three. विशे० ५०७१;

तेहिअ-य. त्रि० (त्र्याह्निक) ત્રણ દિવસનું. तीन दिनका. Of three days. जं० पं० ५, ११२; २, १६; भग० ६, ७; (२) ત્રીઓ તાવ; ત્રીજે દીવસે આવે તેવો તાવ. तिजारी; तीसरे दिन आनेवाला ज्वर. tertian fever. भग० ३. ७;

तो अ० (ततः) તેથી તેટલા માટે. अतएव; इसलिए; अत.. Therefore; hence. नाया० २; ८; ६; १४, १६; उवा० २, ६५; क० गं० १, ६;

तोडन. न० (तोदन) પીડા કરવી તે दुःख देना. पीडित करना. Afflicting. सूय० नि० १, ५, १, ७२;

तोट्ठ पुं० (॰) ચાર ઇંદ્રિયવાળા જીવની એક જાત; चार इंद्रिय वाले जीव की जाति विशेष. A species of four sensed beings. पन्न० १;

तोण पुं० (तूण) બાણ રાખવાનું ભાથું, तूणीर; तरकश निषंग A quiver. पण्ह० १, ३, जीवा० ३, ४; विवा० ३; राय० १२६; नाया० १८;

तोत्त. न० (तोत्र) ચાબુક. चाबुक. A whip. उत्त० १, ४०; १६, ५६; सू० च० १२, ५१;

तोमर. न०(तोमर) જેને ભાષામાં ગડાસા અથવા સવલી કહે છે તે અસ્ત્ર. गडासा-तोमर नामक अस्त्र विशेष. A missile called "Gadāsā' or "Savalī" in the vernacular. जं० प० ३; जीवा० ३१; पण्ह० १, १; सूय० नि० १, ५, १, ७४, —ग्गा. न०(-अग्रा) તોમરનો આગલો ભાગ तोमर-गंडास का अग्रभाग the fore part of a Tomara नाया० १६;

तोय. पु० (तोद्-तोदनं तोदः) પીડા. पीडा; दुःख Pain, affliction ठा० ४, ४;

तोय-अ. न० (तोय) પાણી, જલ. पानी; जल. Water. जं० प० ५, ११२, पण्ह० १, ३; विशे० २०७; श्रोव० १७; कप्प० ३, ३६; भत्त० ६०; —पिट्ठ. न० (-पृष्ठ) પાણીની સપાટી. पानी का समतल भाग-उपरी भाग. the surface of water श्रोव० ३१; —बिंदुप्पमाणमित्त. त्रि० (-बिन्दुप्रमाणमात्र) પાણીના બિંદુ જેટલું માત્ર पानी की बूंद भर, जलबिन्दु मात्र, पानी के बिन्दु समान like a drop of water; drop-like वेय० ५, ३८,

तोरण. न० (तोरण) તોરણ तोरण. festoon. नाया० १, ६, १६, भग० ८, ६; सम० प० २१०, ओव० ठा० २, ४, दस० ७, २७, राय० ४६, २६१, पन्न० २; जीवा० ३, २, अया० २, ४, २, १३८, पंचा० २, १६; ज० प० ५, ११६,

तोल. पुं० न० (तोल) તોલ, મગધ દેશમાં પ્રસિદ્ધ માપ વિશેષ तोल, मगध देश प्रसिद्ध माप विशेष A measure in the Magahda country, a particular measure. तंदु०

तोलेउं. हे० कृ० अ० (तोलयितुम्) તોલવાને માટે तोलने के लिए; वजन करने के लिए. For weighing उत्त० १६; ४१,

तोस पुं (तोष) પ્રમોદ; સંતોષ प्रमोद, संतोष Joy, satisfaction पंचा० २, १०,

तोसलि. पुं० (तोसलिन) તોસલિના રહેવાસી એક આચાર્ય. तोसलि में रहने वाले एक आचार्य. A preceptor dwelling in Tosali. आया० नि० १, ८, १, २६७

तोसिय त्रि० (तोषित) સંતોષ પમાડેલ ખુશી કરેલ संतोषित, खुश किया हुआ, (One) satisfied or pleased उत्त० २३, ८८;

√त्तस धा० I (त्रस्+णि) ત્રાસ આપવો; બીવડાવવું. त्रास देना; डराना. To distress, to frighten.

तासेउ प्रे० सं० कृ० सु० च० ११, ६०;

तासेमाण प्रे० सं० कृ० विवा० ३;

√त्ता धा० I (ताय्-त्रै) રક્ષણ કરવું. रक्षण करना, बचाना To protect

तायंति उत्त० २५, २८,

त्ति. अ० (इति) સમાપ્તિ દ્યોતક અવ્યય. समाप्ति द्योतक अव्यय. An indeclinable denoting ' Finish. " क० गं० १, २५, ४५,

√त्थण धा० I (स्तन्) આક્રન્દન કરવું. आक्रन्दन करना, रोना. To lament: to cry

थणंति सूय० १, ५, १, ७,

√त्थुण. धा० I. (स्तु) સ્તુતિ કરવી, ગુણ કીર્તન કરવું. स्तुति करना; गुणगान करना. To praise, to eulogise.

थुणंति. सु० च० २, १३६,

थुणिमो. क० गं० २, १,

थुणिज्जाहि पिं० नि० ४६०;

थुणिउ सु० च० १, ३६४, २, ६०६,

थ.

थ. अ० (थ) वाक्यालंकार. वाक्यालंकार. An expletive नाया० ८;

थइया. स्त्री० (स्थगिका) पान राखवानी डब्बी; पानदानी. पानदान; ताम्बूल पात्र. A box of betel leaves नु० च० ४, ५६;

थंडिल. न० (स्थण्डिल) संथारो करवाने योग्य स्थळ; ज्यां कांई बाधा पीडा न थाय तेवी निवृत्तिनुं स्थल. संथारा करने के लिए योग्य स्थान, निवृत्तिपूर्ण स्थान जो बाधाओं से सर्वथा विहिन हो A place fit for retirement; a place for Santhārā where no pain or obstruction arises. संत्था० ६६; आया० १, ७, ८, ७, (२) साधुने शौच जवानी जग्या; दिशाए जवाने उचित भूमि साधु को शौच जाने की जगह, दिशा जगल जाने के योग्य भूमि. a place to void stools for an ascetic, a proper place for passing stools वेय० ४, ११; १२; निसी० ४, ७२, वव० ७, १०, ८, १२, दसा० ७, १;

थंडिल्ल न० (स्थण्डिल) जुओ उपलो शब्द देखो ऊपर का शब्द. Vide above आया० २, ५, १, १४०, अंत० ३, ८, ओघ० नि० भा० ६३, भग० ८, ६; प्रव० ७७१, (२) क्रोध; गुस्सो क्रोध; गुस्सा anger, rage. सूय० १, ६, ११,

थंब. पु० (स्तम्ब) घासनो जथ्थो घास की ढेरी A stock of hay. ओघ०नि०७७१, (२) झुमखो. झुमका. a cluster ओघ० नि० ७७१;

थंभ पु० (स्तम्भ) अहंकार, गर्व, मान अहंकार; गर्व, मान Pride, a haughtiness. भग० १२, ५; दसा० ६, १, १; सम० ५२; उत्त० ११, ३; (२) थांभलो. स्तम्भ खंभा. a post क० गं० १, १५, ठा० ४, २, भग० ६, ३३; १४, ७; आया० २, १, ७, ३७;

थंभण. न० (स्तम्भन) हाली चाली शके नहि तेवुं करवुं; थांभवुं स्थिर करना; रोकना; थामना Checking; stopping. पि० नि० ४१७; (२) उंचु करवुं ऊंचा करना. raising. ओव०

थंभणया. स्त्री० (स्तम्भन) अटकाववुं. अटकाना; निरोध करना Stopping; checking. ओव० ३८, पन्न० १६;

थंभणा. स्त्री० (स्तम्भन) जुओ "थंभण" शब्द देखो "थंभण" शब्द Vide "थंभण" ठा० ४, ४.

थंभणी स्त्री० (स्तम्भनी) स्तम्भन करवानी विद्या स्तम्भन विद्या. A charm to make one motionless नाया० १६; सूय० २, २, २७;

थंभय पुं० (स्तम्भक) अरीसानी फ्रेम (फ्रेम) चोकठुं. दर्पण की चोखट. A mirror-frame राय० ११८;

थंभिय. त्रि० (स्तम्भित) स्तब्ध करेलुं; थंभेल, रोकेल. स्तब्ध किया हुआ; थामा हुआ, रोका हुआ Stopped; checked; restrained ओव० १२ २२; पन्न० २; नाया० १, नाया० ध० जीवा० ३ ४; सम० ३४, जं० प० ५, ११५; कप्प०२,१४;४,६२;

√थकार. ना० धा० II. (थकार) थ, थ, एवो शब्द करवो 'थथ' शब्द करना. To produce the sound "Tha, Tha"

थकारेंति. जीवा० ३. ४;

थक्क. त्रि० (१) પર્યાય. पर्याय, जाति. Synonym; class; modification. विशे० २०,३,(२) અવસર, સમય, વખત अवसर, समय time, chance. पिं० नि० १५६; —**आवडिय** त्रि० (-आपतित) અવસર વખતસર આવેલ उचित समय पर आया हुआ. (one) come at the right time. पिं० नि० १५६,

थक्काथक्कं अ० (स्थित्वा स्थित्वा) રહી રહીને ठहर ठहर कर. Stopping now and then. सु० च० १२, ५४,

√**थक्कार.** ना० धा० II. (थकार) જુઓ "थकार" શબ્દ. देखो "थकार" शब्द. Vide "थकार"

थक्कारेंति राय० १८३;

थगण न० (स्थगन) ઢાંકવું ढाकना, बन्द करना. Covering. ठा०४, ४;

√**थग्ग** धा० I. (") માન કરવું. પ્રમાણ બાંધવું; માપવું मापना; प्रमाण निश्चित करना, अंदाज लगाना. To measure, to estimate.

थग्गिजए क० वा० प्रव० ६७८;

थण पुं० न० (स्तन) સ્તન; થાન स्तन, थन; थान. Breast; udder. नाया० २; ३, १७, भग० ६, ३३; अणुजो० १३०, १३१, आया० १, १, २, १६; १, ६, १७२; निसी० ७, १४; अंत० ३, ४; विशे० १४६२, पिं० नि० ४८७, विवा० ७, तंदु० प्रव० २४६, कप्प० ३, ३६; —(णं) **अंतर.** न० (-अन्तर) બે થાન વચ્ચેનું અંતર. स्तनों के बीच का अन्तर the interval between the two breasts नाया० १६, —**जीविणी** स्त्री० (-जीविनी) દાઈ; ધાવ માતા. दाई, धात्री; धाय an Ayha-nurse पिं० नि० ५०, १, —**पीलण** न०(-पीडन) સ્તન મર્દન स्तन मर्दन, कुच पीडन. fondling or pressing of breasts तंदु० —**मूल.** न० (-मूल) સ્તનનો મૂળ ભાગ स्तन का मूल भाग. the base of a breast. विवा०७;

थणग. न०(स्तनक-स्तन एव स्तनकम्) સ્તન, થાન. स्तन; थान Breast; udder. दस० ५, १, ४२, —(गं) **अंतराय** न० (-अन्तराल) બે થાન વચ્ચેની જગ્યા. दो स्तनों के बीच का भाग the part between the two breasts निर० ४, १; —**छीर.** न० (-क्षीर) થાનનું દૂધ. स्तन का दूध. milk from an udder तंदु०

थणय न० (स्तनज-स्तनाभ्यां जायते इति) દૂધ दूध Milk. उवा० २, ६४; नाया० २,

थणिअ-य. त्रि० (स्तनित) ગર્જના-મેઘનો શબ્દ. गर्जना-मेघध्वनि Thunder. ओव० ३४, नाया० ५; भग० ६, ५, सू०प० २०, पन्न० ८, जीवा० ३, ४; सूय० १, ६, १६, सु०च० ६, ६६, सम० प० २३८; (२) સ્તનિત કુમાર દેવતા; ભવનપતિ દેવતાની એક જાત स्तनित कुमार देवता; भवनपति देवता की एक जात the god Stanita Kumāra, a class of Bhavanapati gods ओव० २३, जीवा० १; सम० ७६, उत्त० ३६, २०४; प्रव० ११४३, (२) રતિ ક્રીડા સમયનો શબ્દ. रति क्रीडा के समय का शब्द a sound made at the time of sexual sport. उत्त० १६, ५, —**सद्द** पुं० (-शब्द) મેઘનો શબ્દ मेघ की ध्वनि rumbling of a cloud. नाया० ८, ६,

थणियकुमार पुं० (स्तनित कुमार) ભવનપતિ દેવતાની દશમી જાત भवनपति देवता की दसवी जात The tenth class of Bhavanapati gods "छावत्तरि थणि-

यकुमारावाससयसहस्सा पराणत्ता" भग० १, १, ३, १; ८, १; १६, १४; ठा० १, १; पन्न० १; —भवणवासि पुं० (-भवन-वासिन्) स्तनितકુમાર નામના ભવનપતિ-ભવનમા રહેનાર દેવતા स्तनितकुमार नामक भवनपति-भवन में रहने वाले-देवता. a Bahavanapati named god Stanitakumāra; a god residing in a Bhavana (mansion). भग० २४, १२,

थणियकुमारत्त न० (स्तनितकुमारत्व) સ્તનિતકુમાર પણું स्तनित कुमारता. The state of Stanitakumāra. भग० १२, ४,

थणियकुमारी स्त्री० (स्तनितकुमारी) સ્તનિતકુમાર દેવતાની દેવી. स्तनितकुमार देवता की देवी-धर्मपत्नि. The wife of the god Stanitakumāra. भग० ३, ७,

थद्ध त्रि० (स्तब्ध) અહંકારી, અભિમાની, વિનય વગરનો. घमंडी, अभिमानी गर्विष्ठ, विनयहीन. Proud; haughty, rude. जं०प० ३, ५७; उत्त० ११, २; २७, १०, सम० ३०; सूय० २, २, १७, सू०प० २०, दसा० ६, २०, २१; दस० ६, २, ३; प्रव० १५०. गच्छा०५२,

थय-अ पुं० (स्तव) સ્તોત્ર, સ્તવન, ગુણ કીર્તન કરવુ તે स्तोत्र, स्तवन; गुण कीर्तन Hymn, a panegyric, a praise अणुजो०४६,उत्त०२६,२,—**पाढ** पुं०(-पाठ) સ્તુતિપાઠ स्तुतिपाठ an eulogy. पंचा० ३, १७,—**सरण**. न० (-स्मरण) ચોવીસ સ્તવનુ ચિન્તન કરવુ તે. चौवीस स्तवों का चिन्तन ध्यान करना the meditation of the twenty-four hymns पंचा० ८, ३२,

***थरथरंत** व० कृ० त्रि० (०) ધ્રુજતુ. धूजता; थरथर कांपता. Trembling shaking. पिं०नि० ५१८;

***थरहरिय** त्रि० (०) ધ્રુજેલ; કમ્પેલ. कम्पित; थरथर कांपा हुआ. Trembling. सु०च० १, २७२;

थल. न० (स्थल) પાણી ન ભરાય તેવો ભૂમિ વિભાગ; જલ વગરની જમીન સ્થલ जल विहीन स्थल भाग, रेगिस्तान; वह स्थान जहाँ पानी एकत्र न होसके. A waterless region; a desert उत्त०८,६,१२,१२; १३, ३०, नाया० १७; भग० ५, ७; ७, ६; आया० २, ३, १, ११८, निसी० १८, ७; १७, ३२; जं०प० २, ३६, सू०प० ११; दसा० ७, १;

थलचर त्रि०(स्थलचर) સ્થલ-જમીન ઉપર ગતિ કરનાર ગાય, ભેંસ, ઘોડા, ઉંટ વગેરે, તિર્યંચ પચેન્દ્રિયની એક જાત. जमीन पर चलने वाले गाय, भैंस, घोडा, ऊंट आदि; तिर्यंच पंचेन्द्रिय की एक जाति Terrestrial animal such as a cow, buffalo, horse etc, a species of five-sensed beings. अणुजो० १३४; जीवा० १, भग० ८, १; २४, १;

थलचरी. स्त्री० (स्थलचरी) ભૂમિઉપર ગતિ કરનાર, તિર્યંચની સ્ત્રી, સ્ત્રી થલચર તિર્યંચ. भूमि पर चलने वाले तिर्यंच की नारी मादा, मादा थलचर तिर्यंच Female of a terrestrial animal ठा०३, १;

थलज त्रि० (स्थलज) જમીનથી ઉત્પન્ન થયેલ जमीन से पैदा हुआ-जन्मा हुआ. Produced from the earth. राय० २७,

थलय त्रि० (स्थलज) જુઓ "थलज" શબ્દ देखो "थलज" शब्द Vide "थलज" नाया० ८, पन्न० १,

थलयर त्रि० (स्थलचर) જુઓ "थलचर"

शब्द देखो " थलचर " शब्द Vide थलचर " पन्न० १; जीवा० १; ओव० उत्त० ३६, १७०; —मंस. न० (-मास) हरण वगेरे जमीन पर रहेनार प्राणिनुं मांस. हरिणादि स्थलवासी प्राणीयों का मास flesh of terrestrial animals like deer etc. प्रव० २२२,

थली. स्त्री० (स्थली) जमीनने ऊंचो प्रदेश. जमीन का ऊंचा प्रदेश, स्थल का उन्नत भाग; पथार-पठार. A tablet-land उत्त० ३०, १७, प्रव० ६७०;

थव पुं० (स्तव) जुओ " थय-अ " शब्द. देखो " थय-अ " शब्द. Vide "थय-अ" पचा० ३, ७२; —पाठ पुं० (-पाठ) जुओ " थयपाठ " शब्द देखो " थयपाठ" शब्द. vide " थयपाठ " पंचा० ३, ७२,

थवइअ त्रि० (स्तबकित) फुल अने गुच्छ जेमां लागेल छे ते जिसमें फूल और गुच्छे लगे हुए है वह. That which has flowers and clusters ओव० भग० १, १;

थवण न० (स्तवन) स्तुति करवी ते स्तवन; प्रशसा, गुण कीर्तन Eulogy पराह०२,२,

थवय पुं० (स्तवक) फुलनो गुच्छो फूलों का गुच्छा A bunch of flowers जीवा० ३,

थविर त्रि०(स्थविर)परिपक्व-स्थिर बुद्धिवाळो. परिपक्व-स्थिर बुद्धि वाला (One) having a steady or developed intellect भग० ६, ३३; प्रव० १०१६. (२) स्थविरकल्पी-गच्छ वासि साधु स्थविर कल्पी-गच्छवासीसाधु a member or an order of monks. प्रव० १५; —कंचुइज्ज पुं० (-कञ्चुकीय) स्थिर बुद्धिनो प्रतिहारी स्थिर बुद्धि का प्रतिहारी. a chamberlain of a steady will. भग० ६, ३३, —कप्प पुं० (-कल्प) गच्छमां रहेल आचार्य आदिनी समाचारी-व्यवहार मर्यादा. समुदाय मे रहने वाले आचार्य आदि की समाचारी-व्यवहार मर्यादा. .. limit of conduct of preceptors etc who remain in a group ठा० ३, ४; —भूमि. स्त्री० (-भूमि) स्थविरनी पदवी, वृद्धपणांनी भूमिका स्थविर की पदवी, वृद्धत्व की भूमिका the title of a Sthavira; the position of an old ascetic ठा० ३, २, —वेयावच्च. न० (-वैयावृत्य) स्थिवरोने आहार पाणी लावी आपीने सेवा करवी ते. आहार पानी-अन्न जल द्वारा स्थिवरों का कीजाने वाली सेवा. the services done to a Sthavira such as fetching water, food, etc for him ओव०

थाण न० (स्थान) स्थान, ठेकाणुं. स्थान; ठिकाना Place, resort विशे० ५४७;

थाणु पुं० (स्थाणु) झाडनुं ठुंठुं वृक्ष का ठूठ-सूखा हुआ भाग Stump. ओघ० नि० १८६, नाया० १. विशे० १६३;

थाम न० (स्थामन्) बल; सामर्थ्य. बल. शक्ति, सामर्थ्य. Power, strength पराह० २, ५ दस० ८, ३५; ओव० १७, सूय० १, ११, ३३, पचा० १५, २७, कप्प० ४, ११६; (२) क्रिया, अनुष्ठान. क्रिया अनुष्ठान. work, performance गच्छा० ४.

थामवंत त्रि०(स्थामवत्) बळवान बलवान. सशक्त Powerful उत्त० ७, २;

थारुगिणिया स्त्री० (स्थारुकिनिका) थारुकिन देशमा उत्पन्न थयेली दासी थारुकिन देश में उत्पन्न दासी. A female servant born in the country of Thārukina नाया० १

थाल न० (स्थाल) પાત્ર વિશેષ; થાલ. पात्र विशेष; थाल. A big dish. जं० प० ५, १२०; निर० ३, ३; आया० २, १, ११, ६२; भग० ११, ६; ११; पन्न० ११; जीवा० ३, ३;

थालश्र न० (स्थालक) જુઓ " थाल " શબ્દ. देखो "थाल" शब्द. Vide 'थाल' सूय० २, २, ४८;

थालइ पुं० (स्थालकिन्--स्थालमेव स्थालकं तदस्यास्तीति स्थालकी) થાલ જેવું અમુક ઠામ રાખનાર તાપસ; તાપસનો એક વર્ગ. थाल के समान पात्र विशेष रखने वाला तपस्वी; तपस्वी वर्ग विशेष A class of ascetics possessing a dish-like pot. ओव० ३८;

थालग पुं० (स्थालक) જુઓ " थाल " શબ્દ. देखो " थाल "शब्द. Vide 'थाल' राय० ३४, जीवा० ३, ३,

थालपाग. पुं० (स्थालपाक) જમણવાર. भोजन; बड़ी रसोई. A big feast. जीवा० ३, ३;

थालपाणय. न० (स्थालीपानक) દાહને ઉપશમાવનારૂં કુંભારની માટીનું પાણી. दाह को शान्त करने वाला कुम्हार की मिट्टीका पानी Water from the pot of a potter which allays burning. भग० १५,१,

थाली. स्त्री०(स्थाली) થાલી; ભાજન વિશેષ थाली; पात्र विशेष. A plate. ओव० ३८; भग० ७, १०; सू० प० २०; जीवा० ३, १;

थालीपाग. पुं० (स्थालीपाक) થાલી-તપેલી વગેરેમાં રાંધવું તે. थाली तपेली आदि में रांधना पकाना. Cooking in a plate or bowl. ठा० ३, १, जं० प० २, २४;

थावच्चा. स्त्री० (स्थापत्या) એ નામની એક ગાથાપત્ની-ગૃહિણી. इस नामकी एक गाथापत्नि गृहिणी. A merchant's wife of this name नाया० ५;—**पुत्त.** पुं०(-पुत्र) થાવચ્ચા ગાથાપતણીનો દીકરો કે જેણે એક હજાર જણ સાથે દીક્ષા લીધી હતી. थावच्चा गाथापत्नि का पुत्र जिसने एक सहस्र मनुष्योंके साथ दीक्षा लीथी the son of a wealthy merchant's wife, who was initiated with a thousand men नाया० ५;

थावर. त्रि०(स्थावर) પૃથ્વી આદિ એકેન્દ્રિય જીવ; પૃથ્વી, પાણી, અગ્નિ, વાયુ અને વનસ્પતિ એ પાંચ સ્થાવર. पृथ्वी आदि एकेन्द्रिय जीव. पृथ्वी, जल, वायु, अग्नि व वनस्पति आदि पांच स्थावर One-sensed beings like the earth etc. the five Sthāvaras the earth, water, fire, wind and vegetation दस० ४; ६, १०; उत्त० ५, ८, ६, ६; ८, १०, २५, २२, भग० ७, १०; सु० च० ११, ३२; पत्र० २३; ठा० २, १. ओघ० नि० ६८६; क० प० २, १०५; ६, १६;(२) સ્થાવરનામ-નામકર્મની એક પ્રકૃતિ કે જેના ઉદયથી જીવ સ્થાવરપણું પામે. स्थावर नाम-नामकर्म की एक प्रकृति जिस के उदय से जीव स्थावरता प्राप्त करता है a nature of Nāma Karma by the rise of which a being attains the state of a Sthāvara क० गं० १, २७; क० प० २, ६२, —**काय.** पुं० (-काय) પૃથ્વી આદિ પાંચ સ્થાવર. पृथ्वी आदि पांच स्थावर. the 5 Sthāvaras-the earth etc. सूय० २, ७, ६, प्रव० ८२७; —**चउ.** न० (-चतुष्क) સ્થાવરનામ, સૂક્ષ્મનામ અપર્યાપ્તનામ અને સાધારણનામ એ નામકર્મની ચાર પ્રકૃતિઓનો સમૂહ स्थावरनाम; सूक्ष्म नाम; अपर्याप्त नाम और साधारण नाम इन नामकर्म की चार प्रकृतियों का समूह. a group of

the four natures of NāmaKarma; viz. Sthāvara, Sūksma, Aparyāpta and Sādhāraṇa Nāma क० ग ३, ४; —चउक्क. न० (-चतुष्क) જુઓ 'थावर-चउ' શબ્દ. देखो 'थावर-चउ' शब्द vide. 'थावर-चउ' क० गं० १, २८; —जहन्न. त्रि० (-जघन्य) સ્થાવર-એકેન્દ્રિયને યોગ્ય જઘન્ય સ્થિતિસ્થાનક. स्थावर--एकेन्द्रिय के योग्य जघन्य स्थितिस्थानक the minimum duration of life fit for a Sthāvara one-sensed being. क० प० ७, २०;—जहन्नसंत. त्रि० (-जघन्यसत्) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपर का शब्द. vide above. क०प० ४, १४,—जीव पुं०(-जीव) પૃથ્વી આદિ પાંચ સ્થાવર જીવ. पृथ्वी आदि पाच स्थावर जीव. the five Sthāvara beings viz the earth etc. क० प० १, ४४, —दस. न० (-दशक) સ્થાવર દશક, સ્થાવરનામ, સૂક્ષ્મનામ, સાધારણનામ, અપર્યાપ્તનામ, અસ્થિરનામ, અશુભનામ, દુર્ભાગનામ, દુઃસ્વરનામ, અનાદેયનામ, અને અજસોકીર્તિનામ એ દશ પ્રકૃતિનો સમૂહ. स्थावर दशक; स्थावर नाम, सूक्ष्म नाम, साधारणनाम, अपर्याप्तनाम, अस्थिर-नाम, अशुभनाम, दुभगनाम, दु स्वरनाम, अनादेयनाम, और अजसोकीर्तिनाम इन दश प्रकृतियोंका समूह. a group of the ten Karmic matters viz Sthāvra Nāma, Sūksma Nāma, Sādhāraṇa Nāma, Aparyāpta Nāma, Asthira Nāma, Aśubha Nāma, Durbhaga Nāma, Duhsvara Nāma, Anādeya Nāma and Ajasokīrti Nāma क० गं० ५, १७, —दसग न० (-दशक) સ્થાવરનો દશકો, સ્થાવરનામ આદિ નામ કર્મની દશ પ્રકૃતિ स्थावर दशक; स्थावरनाम आदि नामकर्म की दस प्रकृतियां. a group of ten Sthāvaras; the ten natures of Nāma-Karma viz. Sthāvara Nāma etc. क० गं० ५, ६१;—विस न० (-विष) વિષ, ઝેરનો એક ભેદ. विष; जहर विशेष. poison; venom. ठा० ६;

थावरत्ता स्त्री० (स्थावरता) સ્થાવરપણું. स्थावरता. The state of being a Sthāvara सूय० २, ७, ६०;

थासग पुं० (स्थासक) અરીસો दर्पण, कांच. A mirror. ओव० ३१; जं० प० नाया० १; (२) ઘોડાની પુંઠનો અલંકાર. घोडेकी पीठ का आभूषण an ornament for the back of a horse. अणुजो० १६; जं० प०

थासया. स्त्री० (स्थासिक) આરસી, દર્પણ. काच, दर्पण A mirror. अणुत्त० ३, १;

थाह न० (स्थाघ) અગાધ નહી કિન્તુ નાસિકા પર્યન્ત જલ. अगाध नहीं किन्तु, नासिका पर्यन्त गहरा जल Not very deep, only nose-deep water. विशे० १३३६; पराह० २, २, नाया० ६; १४, १६;

थिग्गल. न०(*) શરદઋતુના આકાશનો ખણ્ડ शरद ऋतुके आकाश का भाग-खंड प्रदेश. A portion of the autumnal sky. जीवा० ३, ४, (२) થિગડો. टुकडा a patch दस० ५, १, १५; पण्ह० १५; आया० २, १, ५, ३२;

थिज्ज न० (स्थैर्य) સ્થિરતા, ધીરજ. स्थिरता; धैर्य; धीरज Steadiness, courage. कप्प० ६, १४;

थिवुग पुं० (स्तिबुक) પાણીનો પરપોટો.

पानी का बुदबुदा. A bubble of water. जीवा० १; विशे० ७०४; पन्न० १८; क० प० २, ७१; —विंदुसंठित. त्रि० (-बिन्दु-संस्थित) પાણીના પરપોટાને આકારે સંસ્થિત થયેલ અર્થાત અપકાય જીવોના શરીરનું સસ્થાન પાણીના બુદબુદાને આકારે છે. पानी के बुदबुदे के रूप में स्थित अर्थात अपकाय जीवों के शरीर का पानी के बुदबुदे के रूप संस्थान. formed in the shape of a bubble (the shape of the body of the lives of water is like that of a bubble). भग० २४, २;

थिमिअ-य. त्रि० (स्तिमित) ભયથી રહિત निर्भय; भयहीन; निडर. Fearless; dauntless नाया० १५; १६; जं० प० सू० प० १, ओव० ३८; राय० २, भग० १, १, उवा० १, ७; (२) નિશ્ચલ; સ્થિર. निश्चल, अचल, स्थिर. Steady; motionless. पराह० १, ४, राय० ८६; सूय० १, ३, ४, ११; सु० च० ३, ७१, (३) न० અંતગડ સૂત્રના ૧ લા વર્ગના ૫ મા અધ્યયનનું નામ, કે જેમા અંધકવૃષ્ણિના પુત્ર પાંચમા દશાર્હ કે જે નેમનાથ પ્રભુ પાસે બાર વરસની પ્રવ્રજ્યાપાલી શત્રુંજય ઉપર એક માસનો સંથારો કરી મોક્ષ ગયા. अंतगड सूत्र के १ ले वर्गके ४ थे अध्ययन का नाम जिसमें अन्धकवृष्णिके पुत्र ५ वें दशार्ह जिन्हों का नेमिनाथ प्रभु से दीक्षा ले, बारह वर्ष की प्रव्रज्या पाल और शत्रुंजय पर १ मास का संथारा कर मोक्ष प्राप्त करने का उल्लेख है name of the fifth chapter of the 1st section of Antagāda Sūtra which deals with the fifth Daśārha the son of Andhaka Vriṣni who being initiated by the Lord Nemanātha practised asceticism for twelve years and after practising Santhārā for a month on Śatruñjaya mountain attained salvation. अंत० १,५;

थिय. त्रि० (स्थित) રહેલ સ્થિત; स्थित; कायम. Existing. विशे० १०३५;

थिर. त्रि० (स्थिर) સ્થિર રહેલું; નિશ્ચલ. निश्चल; अडग, अचल. Motionless; steady. क० प० १, ७२; ४, ३; प्रव० ११४७; कप्प० ३, ३४; पंचा० १०, १७; नाया० ८; भग० १, ६; ११, ११; १३, ४; १५, १; राय० ३२; उत्त० २६, २४; नंदी० ७, ओघ० नि० ५८६; निसी० ५, ६७; १४, ७; विवा० जं० प० ७, १५३; (२) નામ કર્મની એક પ્રકૃતિ કે જેના ઉદયથી શરીરના અવયવ મસ્તક દાંત વિગેરે સ્થિર (દૃઢ) રહી શકે તે. नामकर्म को एक प्रकृति जिसके उदय से शरीरके अवयव दांत आदि दृढ रह सकते है. a variety of Nāma Karma at whose rise the parts of body such as the head, teeth etc. remain strong. क० गं० १, २६; ५०; ५, ६१, पन्न० २३, —इयर. त्रि० (-इतर) અસ્થિર अस्थिर; चचल unsteady. क० गं० ५, ७;—ग्गहत्थ त्रि० (-अग्रहस्त) જેના હાથનો અગ્રભાગ સ્થિર છે તે. जिस के हाथका अग्रभाग स्थिर है वह. (one) whose forearm is steady. जीवा०३०; —चित्त त्रि० (-चित्त) સ્થિર મનવાળો स्थिर मनवाला. steady-minded. जीवा० ६; गच्छा० ६६,—छक्क. न० (-षट्क) સ્થિર નામ, શુભનામ, શુભગનામ, સુસ્વર નામ, આદેય નામ અને જસોકીર્તિનામ એ નામકર્મની ૭ પ્રકૃતિ સ્થિરા-

नाम, शुभनाम, शुभगनाम, सुस्वरनाम, आदेय-नाम और जसोकीर्ति नामक नाम-कर्म की छः प्रकृतियां. the six varieties of Nāma-Karma viz Sthiravāma, Śubhanāma, Śubhaganāma, Susvaranāma, Ādeyanāma, and Jasokīrti. क०गं० १, २८,५, ३०, —जस. त्रि० (-यशस्) સ્થિર-ચિરસ્થાયી કીર્તિવાળો. स्थिर कीर्ति वाला, अमर यशवाला. of an eternal fame. सम० ७; ९; —जाय. त्रि० (-जात-स्थिरेण निर्विघ्नेन जात उत्पन्नः स्थिरजातः) નિર્વિઘ્ન પણે ઉત્પન્ન થયેલ. निर्विघ्नता पूर्वक उत्पन्न-जन्माहुआ (one) born without any obstacle. तंदु० —प्प. त्रि० (-आत्मन्) સ્થિર આત્માવાળો स्थिर आत्मा वाला; दृढात्मा. of a steady soul सु०च०३, १८५;—बंधण.न०(-बन्धन) ગાઢ બંધનથી બાંધવું તે प्रगाढ बंधन से बांधना; गाढ बंधन tying fast. सम० ११; —संघयण. पुं० (-सहनन) દૃઢ શક્તિ; મજબુત બાંધો. दृढ शक्ति; सुदृढ बंधन strong constitution. आया० २, ५, १, १४१, भग० १५, १, दसा० ४, १६, २०, २१,२२, —सत्त. त्रि० (-सत्व) નિશ્ચલ સત્ત્વ વાળો निश्चल सत्व शील. of a steady virtue. ठा० ४, ३; ५, ३, —सम. त्रि० (-सम) સ્થિર નામની માફક स्थिर नाम के समान. like a Sthira Nāma कप्प० ?, ६२;

थिरतरय. त्रि० (स्थिरतरक) અતિ સ્થિર अति स्थिर. Very steady. पंचा० ११, १६,

थिरयर त्रि० (स्थिरतर) અતિ નિશ્ચલ. अति निश्चल; प्रशान्त Very still, calm पंचा० ११, १६,

थिरा स्त्री० (स्थिरा) સ્થિરનિષ્પન્ન થયેલ વનસ્પતિ; વનસ્પતિની એક અવસ્થા. स्थिर निष्पन्न वनस्पति; वनस्पति की अवस्था विशेष. A particular state of vegetation दस० ७, ३३;

थिरावलिया. स्त्री० (स्थिरावलिका) ભુજપરિસર્પિણીનો એક પ્રકાર. भुजपरि सर्पिणी का एक प्रकार. A variety of crawling female animals. जीवा० २;

थिरीकरण न० (स्थिरीकरण) કષ્ટથી-દુખથી સીદાતા ધર્મિજનના શિથિલ અધ્યવસાયને દિલાસો આપી સ્થિર કરવા, સમકિતના આઠ આચારમાંનો છઠો પ્રકાર दुःख से पीडित धर्मात्मा पुरुष के शिथिल अध्यवसाय को उत्साहित करके दृट करना; समकित के आठ आचारों में से छठा आचार Making steady by encouraging a laxity in duty of a religious person who is harassed by pain प्रव० २७०; २६६; पन्न० १; उत्त० २८, ३१, (२) સ્થિર કરવું, દૃઢ કરવું स्थिर करना; दृढ करना making steady or firm पिं० नि० ४४७, भग० १५ १,

थिल्लि स्त्री० (?) ઉંટનો પલાણ. ऊंट की जीन. The saddle of a camel ज० प० अणुजो० १३४; (२) હાથીની અંબાડી. हाथी का हौदा-अम्बारी. a seat on an elephant सूय० २, २, ६२, जीवा० ३, ३; (३) યાન વિશેષ. यान विशेष, रथविशेष. a particular vehicle भग० ५, ७, ११, ११, दसा० ६, ४, (४) ઘોડાનો એક ઉપકરણ घोडे का एक उपकरण an accessory pertaining to a horse. भग० ३, ४,

थिवथिवंत. त्रि० (स्तिवास्तिवत) થિવ થિવ

શબ્દ કરતો. थिंव थिव ध्वनि करता हुआ. (One) making the sound "thiva thiva" "थिवि थिविर्य वभिच्छं" तंदु॰ विवा॰ ७;

थिहु. स्त्री॰ (स्तिभ) સાધારણ બાદર વનસ્પતિનો એક ભેદ. साधारण बादर वनस्पति का एक प्रकार. A kind of gross-vegetation having infinite souls. भग॰ ७,३,२३,२; उत्त॰ ३६, ६८; जीवा॰ १,

थी स्त्री॰ (स्त्री) સ્ત્રી, ભાર્યા. स्त्री भार्या; पत्नि Wife प्रव॰ ६६२; कप्प॰ ४, ५२; क॰ गं॰ १, २२; २, ४; गच्छा॰ ८३; विशे॰ १३८४; भग॰ ६, ३०, **—भोग.** पुं॰ (-भोग) સ્ત્રી સાથે વિલાસ કરવો તે. स्त्री के साथ भोग विलास करना. sexual enjoyment with a woman प्रव॰ ४३८; **—लक्खण.** न॰ (-लक्षण) સ્ત્રીઓનાં લક્ષણો-સારાં નરસા ચિન્હો. स्त्रियों के लक्षण बुरे भले चिन्ह. the characteristics, marks of woman प्रव॰ ११९;—**लिंग.** न॰ (-लिङ्ग) સ્ત્રી જાતિ. स्त्री जाति feminine gender प्रव॰ ४७८; **—वेअ-य.** पु॰ (-वेद) સ્ત્રી વેદ स्त्री वेद. feminine inclination क॰ प॰ ७, ११०; प्रव॰ १३, ७०६;

थीण. त्रि॰ (स्त्यान) એકઠું કરેલ एकत्रित; इकट्ठा किया हुआ. Gathered up. ठा॰ ६, १; (२) થીણદ્ધિ નિદ્રા. नींद में चलना somnambulism. क॰ गं॰ २, १७; २५; ५, ६; २, ४; **—तिग** न॰ (-त्रिक) થીણદ્ધિ ત્રિક; નિદ્રાનિદ્રા, પ્રચલાપ્રચલા અને થીણદ્ધિનિદ્રા એ ત્રણ પ્રકૃતિ. थीणद्धित्रिक, निद्रानिद्रा, प्रचलाप्रचला और थीणद्धि निद्रा ये तीन प्रकृति. The three varieties of somnambulism viz Nidrānidra, Prachalā-prachalā and Thiṇaddhi Nidrā. क॰ गं॰ २, १७; २५; ३, ४; ५, ६९;

थीणगिद्धि. स्त्री॰ (स्त्यानगृद्धि) દર્શનાવરણીય કર્મની એક પ્રકૃતિ કે જેના ઉદયથી માણુસને વાસુદેવનું અર્ધું બલ આવતા પ્રબલ રાગ દ્વેષનો ઉદય થાય છે તે થી ઊંઘમાં ને ઊંઘમા બહાર આવી જઈ ઘણાનો સંહાર કાઢી નાખે (નિદ્રાનો પાંચમો ભેદ). दर्शनावरणीय कर्म की एक प्रकृति जिसके उदयसे मनुष्य को वासुदेव का आधा बल प्राप्तहोते ही उसमें प्रबल राग द्वेश का उदय होता है और अतएव नींद के नींद ही में बाहर आकर कितने ही को मार डालता है (पांचवें प्रकार की निद्रा). Somnambulism; a nature of faith-obscuring Karma at whose rise a man gets half of the strength of Vāsudeva and when strong passions and hatred appear he goes out in an act of sleep and slays many people; the fifth variety of sleep क॰प॰६, १३. उत्त॰ ३३, ५; ठा॰ १,६, विशे॰ २३४; **—तिग** न॰ (-त्रिक) જુઓ "थीण-तिग" શબ્દ. देखो "थीण-तिग" शब्द vide. "थीण-तिग", क॰ प॰ २, ६६;

थीणद्धि स्त्री॰ (स्त्यानर्द्धि) જુઓ 'थीणगिद्धि' શબ્દ देखो 'थीणगिद्धि' शब्द. Vide. 'थीणगिद्धि' पन्न॰ २३; सम॰ ६; ३१; अणुजो॰ १२७; क॰ गं॰ १, १२; प्रव॰ १२६८;

थीपरिएणा. स्त्री॰ (स्त्रीपरिज्ञा) સ્ત્રી પરિજ્ઞા નામનુ સૂયગડાંગનો ૪ થુ અધ્યયન स्त्री परिज्ञा नामक सूयगडांग का ४था अध्ययन.

The fourth chapter of Sūyagadāṅga named Strīparijñā. सम २३;

थीविलोयण. न० (स्त्रीविलोचन) દરેક માસના શુક્લ પક્ષમાં ત્રીજ અને દશમને દિવસે તથા છઠ અને તેરસની રાતે તેમજ કૃષ્ણ પક્ષમાં બીજ અને નોમને દિવસે તથા પાંચમ અને બારસની રાતે આવતુ ૧૧ કરણમાનું ચોથુ કરણ. ग्यारह करणों मे से चौथा करण जो प्रत्येक मास के शुक्ल पक्ष में तृतीया तथा दशमी के दिन को शष्ठी और त्रयोदशी की रात्रि को व कृष्ण पक्ष में द्वितीया और नवमी तथा पंचमी व बारस की रात को आता है. The fourth Karaṇa of the eleven which falls in the day on the third and tenth dates and at night on the sixth and thirteenth dates in the bright half of a month; similarly in the day on the second and ninth and at night on the fifth and thirteenth dates of the dark half of a month. ज० प० ७, १५३;

थुइ. स्त्री० (स्तुति) સ્તુતિ-ગુણગાવુ તે સ્તુતિ; गुणगान; प्रशंसा. Panegyric; praise प्रव० ६६; पंचा० ३, २; ४, २३; ओघ०नि० १३७; २७०; उत्त० २६, २; २६, ४२; —**तिय.** न० (-त्रिक) ત્રણ થુઈ; સ્તુતિ. तीन स्तुति; प्रार्थनात्रय. a group of three eulogies. प्रव० १७६; १७८,

थुक्कार. पुं० (थूत्कार) થુ થુ કરવુ તે. ધિક્કારવું તે. थूथू करना; धिक्कारना, थूकना saying; 'Fie'. राय०

थुक्कारज्जमाण त्रि० (थूत्क्रियमाण) થુ થુ શબ્દથી તિરસ્કાર કરાતો. थू थू शब्द द्वारा तिरस्कार कराता (One) dishonoured by the words 'Thu Thu' नाया० १६;

थुड. पुं० (स्थुड) વનસ્પતિનો સ્કંધ ભાગ. बनस्पति का स्कंध भाग. The stem of a tree or a branch ठा० १०;

थुण. न० (स्थुण) થાંભલો.थंभा, स्तंभ; खम्ब. A post; a pillar. निसी० १३, ९;

थुति. स्त्री० (स्तुति) સ્તવવુ તે; સ્તુતિ કરવી તે स्तुति; प्रार्थना. Praise, eulogy. पंचा० ८, ३२,

थुभ. पुं० (स्तूप) સ્તૂપ, શિખર. स्तूप, शिखर. A Stūpa; summit. पराह० १, १;

थुभिया. स्त्री० (स्तूपिका) શિખર. शिखर; कूट. Top. जीवा० ३, ४;

थुल्ल त्रि० (स्थूल) જાડુ; સ્થૂલ. मोटा; स्थूल Thick; massive. पिं० नि० ४१५; ७२६; ओघ० नि० ७२१; प्रव० ५२०;

√थुव. धा० I (स्तु) સ્તુતિ કરવી. स्तुति करना To praise

थवति. भग० १५, १;

थुव्वन्त. क० वा० व० कृ० सु०च०२,४८०;

थूणा स्त्री० (स्थूणा) થાભલી. छोटा स्तंभ A small pillar पन्न० १५; नाया० ३; विशे० ३३४१; (२) એ નામની પશ્ચિમ દિશામાં એક નગરી पश्चिम दिशा की एक नगरी. a city of this name in the west वेय० १, ४६; —**मंडव.** न० (-मंडप) તમ્બૂ; થામલી ઉપર કરેલ માંડવો. तम्बू; थंभों पर खड़ा किया हुआ मंडप. a tent, a canopy raised on posts नाया० ३;

थूभ. पुं० (स्तूप) પ્રેક્ષાઘરના મણ્ડપની આગલની મણિપીઠિકા ઉપર સોલજોજનનો લાંબો પહોળો અને સોલજોજનનો ઉચો સફેદ રંગનો ચૈત્ય સ્તૂપ. प्रेक्षा घर के मंडप

के सामने वाली मणिपीठिका के ऊपर का सोलह योजन लम्बा, चौड़ा, सोलह योजन ऊँचा सफेद रंग वाला चैत्य स्तूप. a white coloured memorial Stūpa (mound) 16 Yojanas in length, breadth and height situated on the platform opposite the canopy of Prekṣāghara. राय० १५३; (२) અવયવ સમુદાયરૂપ અવયવી. अवयव समुदायरूप अवयवी. a whole possessed of parts. सूय० १, १, १, ६; (३) કુવા વગેરેનું તટ-કાંઠો. कुओं आदिका किनारा. the edge of a well etc. विशे० २०६४; (४) પગલાં चरणचिन्ह. memorial in the form of foot-marks. जीवा० ३, ३; आया० २, १, २, १२; (५) શુભ-સ્મરણ સ્તંભ. स्मारक स्तंभ a monumental post. विशे० ६६८; (६) સ્તૂપ- મૃતકઘર; ચેતી જગ્યાએ બાંધેલ દેરી છતરડી स्तूप-मृतकघर; छत्री. a memorial temple. भग० ५, ७; ८, ६; ६, ३३; १५, १; जं० प० (७) શિખર; ઢગલો. शिखर; समूह; ढेर. a peak; a heap. पन्न० ११, ओघ० नि० ११९; जं० प० —मह. पुं० (-मह) સ્તૂપનો મહોત્સવ. स्तूप का महोत्सव. a festivity of a Stūpa. राय० २१७; आया० २, १, १, १२; —संठिय. त्रि० (-संस्थित) સ્તૂપને આકારે રહેલ. स्तूपाकार having the form of a Stūpa. भग० ८,२;

थूभकरंडग. न० (स्तूपकरण्डक) ઋષભપુરના પાસેનું ઉદ્યાન ऋषभपुर के निकट का एक उद्यान. An orchard near Ṛisabhapura विवा० २;

थूभिआ-या. स्त्री० (स्तूपिका) લઘુ શિખર. छोटा शिखर. A small peak. जं० प० सम० प० २१३; राय० १०; १४१; (२) પ્રાસાદ ઉપરની મણિમય સ્તૂપિકા (શિખર) प्रासाद ऊपरकी मणिमय स्तूपिका-शिखर. a turret studded with jwels on a palace. नाया० १; —(य)अग्ग. पुं० (-अग्र) શિખરની ધ્વજા. शिखरकी ध्वजा. a banner on a top. पन्न० २०;

थूभियाग. पुं० (स्तूपिकाक) શિખર. शिखर. Summit. पन्न० २;

थूल. त्रि० (स्थूल) સ્થૂલ; જાડું; મોટું; પુષ્ટ. स्थूल; मोटा; जाड़ा. Thick; stout; gross क०गं०५,८७;१,४६; प्रव०१०५४; भग० ७, २; ६; उत्त० १, १३; सूय० २, ६, ३७; ठा० ४, २; ओघ० नि० ४७४; दस० ४; ७, २२; आया० १, ५, २, १४६; —परिग्गह. पुं० (-परिग्रह) સ્થૂલ, પરિગ્રહ, ઘણી માયા-મિલકત अनन्त सम्पद्; प्रभूत-सम्पत्ति. vast riches. नाया० १३;

थूलअ. त्रि० (स्थूलक) જુઓ " थूल " શબ્દ. देखो 'थूल' शब्द. Vide. "थूल" भग० ८, ५; ठा० ४, २;

थूलक त्रि० (स्थूलक) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपरका शब्द. Vide above. उवा० १. १३;

थूलग. पुं० (स्थूलक) જુઓ " थूलअ " શબ્દ. देखो " थूलअ " Vide " थूलअ " ओव० ३६; पंचा० १०, ८; १, ७; —पाणाइवाय. पुं० (-प्राणातिपात) સ્થૂલ હિંસા; ત્રસજીવના પ્રાણ લેવા તે. स्थूल हिंसा; त्रस जीवों की हिंसा-प्राण हरण. the killing of mobile-beings. नाया० १३;

थूलभद्द. पुं० (स्थूलभद्र) આર્ય સમ્ભૂત-

विजयना शिष्यनुं नाम. आर्य सम्भूत विजयके शिष्य का नाम. Name of the disciple of Ārya Sambhūta Vijaya. नदी० सम० २४; कप्प० ८;

थूलयर. त्रि० (स्थूलतर) अति मोटुं-जाडुं. अत्यधिक स्थूल-मोटा. Very thick. विशे० ६६४;

थूवमह. पुं० (स्तूपमह) जुओ "थूभमह" शब्द. देखो "थूभमह" शब्द Vide "थूभमह" भग० ६, ३३;

थेग. पुं० (*स्तेक) थेग, कंदनी एक जात कद विशेष. A species of bulbous roots. प्रव० २४०;

थेज्ज न० (स्थैर्य) धैर्य; स्थिरभाव. धैर्य, स्थिरता, स्थैर्य. Courage; steadiness "मणुन्नै मणामे थेज्जे" भग० २, १; ६, ३३, —करण न० (-करण) स्थिरता मेळववी ते दृढ करण; स्थिरता प्राप्त करना. getting steadiness. पंचा० ८, ३३;

थेज्जत्थ. न० (स्थैर्यार्थ) स्थिरता माटे स्थिरता के लिये. For steadiness. विशे० १४,

थेर. पुं० (स्थविर) ६० वरसनी उमरना वय-स्थविर वीस वरसनी दीक्षा वालो प्रव्रज्या-थविर अने समवायांग, ठाणांग वगेरेना जाणनार श्रुतस्थविर ए त्रणु प्रकारे थिवर (साधु). तीन प्रकार के स्थविर साधु-६० वर्ष की आयु के वय थविर, बीस वर्ष की दीक्षा वाला प्रव्रज्या-थविर तथा समवायाग, ठाणाग आदि के ज्ञाता श्रुतथविर Ascetics of three kinds viz. Vaya Sthavira aged sixty years, Pravrajyā Sthavira those of 20 years of concecration and Śruta Sthavira knowing Samavāyānga and Thānānga etc प्रव० १०२, ५५७; ६३१, नाया० १; २; ५; ८; १२, १४; भग० १, ६; २, १; ४, ४; १८, २; ठा० ४, ३; ओव० १६; वेय० ३, १६; वव० १; २२; २३; विशे० ६; ५५०, निसी० १२, ३४; दसा० १, ३, पन्न० १६, आया० २, १, १०, ५६; (२) त्रि० वृद्ध-प्रौढ. वृद्ध; प्रौढ; बूढा aged. गच्छा० १२२; कप्प० ८; सम० ३०; उत्त० १६, १; २७, १; आया० २, ७, २, १६२; २, ११, १७०; नाया० १६; भग० २, ५; ५, ६; ८, ३; पिं० नि० भा० ४५; पिं० नि० ४८०; ५८०, जीवा० १, सू० प० २०, सुच० २, ४८०;

—**आगमण** न० (-आगमन) थिवर साधुनुं आगमन-आववुं थिवर साधु का आगमन. the coming of a Thivara ascetic नाया० १२; १५;

—**उवघाइअ.** पुं० (-उपघातिक) थिवर आचार्य गुरु वगेरेना दोष काढी तेनी घात करनार; असमाधिनुं छठ्ठुं स्थानक सेवनार थिवर आचार्यके दोषोंको ढूढकर उनका अपमान करने वाला, असमाधि के छठे स्थानक का सेवन करने वाला. (one) who insults a Thivara preceptor by exposing his faults. दसा० १, ७, ८, सम० २०.

—**कप्प** पुं० (-कल्प) १४ उपगरण-धारी साधुओनी व्यवहार मर्यादा. १४ उपकरणधारी साधुओं की व्यवहार मर्यादा. the limit of conduct of the ascetics who can keep fourteen articles with them. भग० २५, ६, ७, प्रव० ५०६,

—**कप्पठिइ.** स्त्री० (-कल्पस्थिति) गच्छप्रतिबद्ध आचार्यादिना कल्पनी स्थिति व्यवहार मर्यादा. गच्छप्रतिबद्ध आचार्यादि के कल्प की स्थिति-व्यवहार मर्यादा. the limit of conduct of preceptors etc. of an order of monks वेय० ६, २०,

—कप्पिय पुं० (-कल्पिक) स्थविर કલ્પવાલા (સાધુ); ગચ્છના પ્રતિબંધવાલા સાધુ स्थविर कल्प वाले साधु; गच्छ प्रतिबंध वाले साधु. monks belonging to a certain order; an ascetic under a restraint of an order वव०५,२१; —भूमि स्त्री०(-भूमि) स्थविर પદવીની યોગ્યતા स्थविर पद की योग्यता. fitness for the title of a Sthavira वव०५,१७; १०,१६; —भूमिपत्त. पुं० (-भूमिप्राप्त) સ્થિવર ભૂમિને પ્રાપ્ત થયેલ स्थिवर भूमि को प्राप्त साधु. (one) who has reached the position of a Sthavira. वव० ८, ५; —वेयावच्च. न० (-वैयावृत्य) વૃદ્ધોની સેવા કરવી તે वृद्ध जनों की सेवा, गुरुजन सेवा कार्य service done to the aged. भग० २५, ७;वव० १; २; ७; ठा० ५, १;

थेरअ. पुं० (स्थविरक) જુઓ "थेर" શબ્દ देखो "थेर" शब्द. Vide "थेर" सूय० १, ३, २, २,

थेरग. पुं० (स्थविर) જુઓ "थेर" શબ્દ. देखो "थेर" शब्द. Vide "थेर" निसी० १४, ६, भग० ७, ६; सूय० १, ७, १०;

थेरत्ता. स्त्री० (स्थविरता) સ્થવિરપણું स्थविरत्व Agedness. वव० ३, ७;

थेरावली. स्त्री० (स्थविरावली) સ્થવિર સાધુઓની પરિપાટી, એક પછી એકનું અનુક્રમે વર્ણન स्थविर साधुओं की परिपाटी; एक के बाद दूसरे का क्रमपूर्वक वर्णन. The genealogy of Sthavira ascetics, a serial description. नंदी० कप्प० ८,

थेरिया स्त्री० (*स्थविरा) સ્થવિર સાધ્વી स्थविर साध्वी A female Sthavira निसी० १४, ६,

थेरी. स्त्री० (स्थविरा) વૃદ્ધ સ્ત્રી. वृद्ध स्त्री An old lady. पिं० नि० ४१८;

थेव त्रि० (*) થોડું; સ્વલ્પ थोड़ा; स्वल्प; कम. A little प्रव० ११७; —काल. पुं० (-काल) થોડો વખત. थोड़ा समय; अल्पसमय a little time. प्रव० २१५;

थोअ. त्रि० (स्तोक) થોડું. थोड़ा; अल्प; कम. A little. विशे० १४७३; —ऊणय. त्रि० (-ऊनक) થોડું ઓછું. थोड़ा कम; कुछकम. a little less विशे० ६६१;

थोग. त्रि० (स्तोक) થોડું. थोड़ा; अल्प. A little. "चिरसमत्ता मिच्छत्तगयस्सु क्खलणथोगोसिं" क० प० २, १००;

थोत्त न० (स्तोत्र) તીર્થંકર આદિની સ્તુતિરૂપ સ્તોત્ર तीर्थंकर आदि की स्तुति रूप स्तोत्र. A hymn of panegyric of a Tīrthaṅkara पत्र०१७६; पंचा० ४, ३; २३; —गुरुई. स्त्री० (-गुर्वी) સ્તોત્રથી મ્હોટી. स्तोत्र के कारण गुरु-सम्मान वाली; स्तोत्र गुर्वी. great on account of hymns. पंचा० ४, ३;

थोयव्व त्रि० (स्तोतव्य) પૂજનીય-માન્ય. पूज्य; वन्द्य; मान्य. Venerable; respectable. पचा० ६, २४; प्रव० ८४;

थोव. त्रि० (स्तोक) થોડું. थोड़ा; स्वल्प. A little. "थोवमासा यणट्ठाए" दस० ५, १, ७८; ८, २६; नाया० ८, ११; भग० १, १; ३. २; ५, १; ७; ६, ७; १६, ११; २५, २५, १; ४; ठा० २, ४; •३, ४, पिं० नि० २०६; २७०, ५६८; विशे० २५५; १३०६; उत्त० १०, २, ३२, १००; सू० प० ८; तंदु० जं० प० सूय० २, ६, ५३; जीवा० १, ३, ४; आया० १, २, ४, ८५; अणुजो० ११५; १३८; सु० च० १, ३१७; क० प० १, ४६; ४१; ६६; २, ७०; १०६; ५, २०; पंचा० ५, १२; १०, ३०; क० गं० ४, ४१; ५, ७६;

प्रव० १२००; (२) કાલનું એક જાતનું પ્રમાણ. काल का प्रमाण विशेष. a measure of time. कप्प० ५, ११२; १२३; —(वू) ऊण. त्रि० (-ऊन) થોડું ઓછું. कुछ कम. a little less. जं० प० १, २१; भग० २५, ५; —(वू) ऊणग. त्रि० (-ऊनक) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपर का शब्द. vide above. भग० २५, ५; —ड्ढि. स्त्री० (-ऋद्धि) થોડી ઋદ્ધિ. अल्प ऋद्धि; थोडी समृद्धि. a little power, prosperity. नाया० ११; —निसेग पुं० (-निषेक) થોડા કર્મના દલિયા નાખવા તે अल्प कार्मिक अणुओं का क्षय करना removing atoms of Karma in small numbers. क० प० ६, २८;

थोवअ. पुं० (स्तोकक) ચાતક પક્ષી चातक पक्षी. The Chātaka bird; flamingo. नाया० १;

थोवंथोवं. अ० (स्तोकंस्तोकं) થોડુંથોડું. थोडा थोडा. Little by little. ठा० ४, ३;

थोवतम. त्रि० (स्तोकतम) થોડામાં થોડું ओछे में ओछा;- थोडे में थोडा. Least. क० प० १, ७;

थोवतर त्रि० (स्तोकतर) અતિ થોડું. बहुत कम; अल्प. Very little. विशे० १२०५;

थोहरा. स्त्री० (थोहरी) થોરનું ઝાડ. थूहर का वृक्ष. Thūara plant. प्रव० २३६,

द.

दअ न० (दक) પાણી. पानी; जल. Water. वेय० ५, १२;

दइ. स्त्री० (दति) મશક; ચામડાની કોથલી. चमडेकी थैली, मशक. A leather bag. पिं० नि० भा० ४१,

दइय. पुं० (दयित) પ્રિય; વહાલો; વલ્લભ; પતિ पति; प्यारा; दुलारा; वल्लभ. Dear, beloved. नंदी० ३७, उत्त० १६, २; नाया० ६; १६; कप्प० ३,३८; —वज्जिअ. त्रि० (-वर्जित) પતિવર્જિત; પ્રિયવર્જિત. प्रियविहीन; पतिविहीन; पतिद्वारा छोडी हुई. forsaken by a beloved or husband. कप्प० ३, ३८;

दइया-आ. स्त्री० (दयिता) પ્રિયા; વલ્લભા; સ્ત્રી. प्रिया; प्राणवल्लभा; भार्या A beloved; sweetheart. सु० च० १, ४०;

दइया-आ. स्त्री० (दृतिका) ચામડાની મશક चमडे की मशक. A leather water-bag. अणुजो० १३२;

दइवत. न० (दैवत) દૈવ; નશીબ; પૂર્વકૃત-પૂર્વે કરેલાં કર્મ. दैव; नसीब; पूर्व कृत कर्म. Fate; destiny; actions done in the former life. पग्ह० १, २;

दइवय. न० (दैवत) જુઓ ઉપલો શબ્દ देखो ऊपर का शब्द. Vide above पग्ह० १, २; —प्पभाव पुं० (-प्रभाव) નશીબનુ-પૂર્વકૃત કર્મનું સામર્થ્ય—પ્રભાવ. दैव सामर्थ्य; भाग्य प्रभाव; पूर्वकृत कर्मों का प्रभाव. prowess, influence of fate. पग्ह० १, २;

दओदर. न० (दकोदर) જલોદર; એક જાતનો પેટનો રોગ. जालंधर; जलोदर; एक प्रकार का उदर रोग. A kind of disease relating to stomach; dropsy. नाया० १;

दओभास. पुं० (दकावभास) લવણ સમુદ્રમાં દક્ષિણ દિશે બેતાલીસ હજાર જોજન ઉપર આવેલ વેલધર દેવતાનો નિવાસ પર્વત.

लवण समुद्र की दक्षिण दिशा में बयांलीस हजार योजन के ऊपर आया हुआ वेलंधर देवता का निवास पर्वत The dwelling mountain of the Velandhara gods situated in the Lavana ocean at a distance of 42,000 Yojanas to the south. ठा० ४, २; जीवा० ३, ४;

दंड. पुं० (दण्ड--दण्ड्यन्ते व्यापाद्यन्ते प्राणिनो येन स दण्डः) જેથી આત્મા દંડાય તેવી મન વચન અને કાયાની પ્રવૃત્તિ કરવી તે, હિંસા. आत्मदमन प्रवृत्ति; मन, वचन व काया की ऐसी प्रवृत्ति जिसमें आत्मा दंडित (कलुषित) हो. The sinful activity of the mind, speech and body which blackens the soul. "एगे दंडे. सम० १, उत्त० ५, ८; ३१, ३, आया० १, १, ३, ३४, सूय० १, १३, २३; ठा० ६; उवा० १, ८३; भग० ७, २; १७, २, दस० ४, जीवा० ३, १; भत्त० २७; (२) ચાર હાત પરિમિત એક માપ. चार हात का एक माप a unit of measure equal to four arms in length. जं० प० ५, ११२; सम० ४, अणुजो० १३३; भग० ६, ७, (३) દંડ-લાકડીના આકારે કેવલસમુદ્ઘાત વખતે આત્માના પ્રદેશ વિસ્તારવા તે केवल समुद्घात के समय लकडी के रूप में आत्म प्रदेश का विस्तार. expanding of the molecules of the soul in the shape of a stick at the time of acquiring perfect knowledge 'पढमे समये दंडं करेइ' पन्न० ३६; नाया० १; राय० २८, भग० २१, ४; (४) ખભા પ્રમાણે ઉંચી લાકડી; દાંડાના પાચ પ્રકારમાંનો એક खं भावत् ऊंची लकडी; पांच प्रकार के दंडों में से एक. a pillar-like long stick; one of the five kinds of sticks. ओघ० नि० ७३०; प्रव० ६७६; (५) પાણી ગરમ કરતાં પાણીમાં ઉકાળો આવે તે. गरम पानी का उबलना; उबलते पानी में बुदबुदों का आना. bubbles in the boiling water. पिं० नि० भा० १८; (६) દંડ; સામાન્ય લાકડી दंड, सामान्य लकडी; डंडा. a stick; a club. ओव० ३१; आया० १, ७, १, २०१; सम० ८; उत्त० १२, १८; सूय० १, ३, १, १६; अणुजो० १३१, नाया० १; भग० २, १०; ३, १; ५, ४; ८, १०; दसा० ६, ५, ६, ७; वव० ८, ५; दस० ६, २, ४; राय० २३; २५४; पिं० नि० २५३; पंचा० १, ३४; १८, १६; (७) સન્યાસીનું એક ઉપકરણ सन्यासी का दंड; एक उपकरण. a stick used by an ascetic नाया० १६; (८) શિક્ષા, સજા; રાજ નીતિના સામાદિ ચાર પ્રકારમાંનો ત્રીજો પ્રકાર. शिक्षा, दंड, सजा; राज नीति के सामादि चार प्रकारों में से तीसरा प्रकार the third of the four ways of politics viz Danda; punishment. ठा० ३, ३; उत्त० ३०, ३७; आया० १, २, २, ७५; १, ४, १, १२३; राय० २०६; नाया० १; ८, १४, पंचा० १, २३; (९) દંડ રત્ન, ચક્રવર્તીના ચૌદરત્નમાનું એક. दंड रत्न, चक्रवर्ती के चौदह रत्नों में से एक a jewel in the form of a stick, one of the 14 jewels of a Chakravartī. प्रव० १२२८, (१०) મૂલ પાઠ; શબ્દ સંદર્ભ मूल पाठ; शब्द संदर्भ. an original reading; a composition. प्रव० ७८;

—खंडनिवसण न० (-खण्डनिवसन) જુના અથવા થીગડાં દીધેલ વસ્ત્ર पुराना

या पैबन्द लगाया हुआ वस्त्र. old or patched garment. नाया० १६: —गुरुय पुं० (-गुरुक—दण्डेण गुरुको दण्डगुरुक) મોટા દંડ વાળો बड़े दंड-लकड़ी या बाहु दंड वाला (one) with a club or muscular arms दसा० ६, १;—णायग. पुं० (-नायक) ગામનું રક્ષણ કરનાર; કોટવાલ ग्राम रक्षक; कोट-वाल. the head of the police, who guards a city नाया० १; पण्ह० १, ४,—णीइ स्त्री० (-नीति—दण्डनं दण्ड: परिधीनामनुशासनं तत्र तस्य वा स एव वा नीतिर्नयो दण्डनीतिः) દંડ કરવો; શિક્ષા કરવી તે, રાજ્ય નીતિનો એક પ્રકાર. दण्ड देना; सजा देना; एक राज नैतिक अंग a variety of politics, the law of punishing the culprits ठा०७,६;—त्तय. न० (-त्रय) મન વચન અને કાયાનો કુવ્યાપાર मन, वचन व कायाका कुव्यापार, बुरी विचारणा an evil activity of the mind, speech and body प्रव०५६२,—दारु. पुं० (-दारु) કાષ્ટમય દંડ, બ્રહ્મચારીનું એક ઉપકરણ काष्ट दण्ड; ब्रह्मचारी का उपकरण. a wooden staff; an object owned by a celebate. भग० ११, ६; —धारि त्रि० (-धारिन्) દંડ ધારણ કરનાર दण्डधारी a club bearer ओघ० ६४४, —नायग. पुं० (-नायक) જુઓ "दंडणायग" શબ્દ देखो "दंडणायग" शब्द. vide "दंड-णायग" नाया० १, भग० ११, ६; राय० २५३; ओव० कप्प०४, ६२; —नीइ स्त्री० (-नीति) જુઓ "दंडणीइ" શબ્દ देखो "दंडणीइ" शब्द. vide "दंडणीइ" जं० प० ३, ३६, प्रव० १२४०; —नीति स्त्री० (-नीति) જુઓ "दंडणीइ" શબ્દ. देखो "दंडणीइ" शब्द vide "दंड-णीइ" राय० २६६: —पह. पुं० (-पथ) ગાયવગેરે પશુઓને ચરવા જવાનો માર્ગ; કેડી गोपथ भूमि; गौ आदि के चरने को जाने का मार्ग the way for the cattle to go to graze "अधे व से दंडपह गहाय, अविओसिए घासत्ति पावकम्मी" सूय० १, १३, ५. —पासि पुं० (-पार्श्विन्-.दण्डस्य पार्श्वं दण्डपार्श्वं तद्विद्यते यस्याऽसौ दण्डपार्श्वी) થોડા અપરાધને માટે ભારે શિક્ષા કરનાર थोडे से अपराध के लिये भारी दंड देने वाला. (one) who levies heavy punishment for a light offence सूय० २, २, १८; दसा०६, १; ४; —पुंछ-णय न० (-पुञ्छनक) દાંડાવાળી સાવરણી. मूठवाली-झाडू a broom having a handle. ज० प० —पुर-क्खड. त्रि० (-पुरस्कृत) દંડ આગલ કર્યો છે જેણે दंड भारी जिसने दंड को आगे बढा कर रखा हो (one) who has projected a rod दसा० ६, १, ४; —रक्खिय पुं० (-रक्षिक) દંડથી રક્ષણ કરનાર, કોટવાલ. दड से बचाने वाला, कोतवाल the head of the police; the upholder of punishment निसी०६, २५, —रयण. न० (-रत्न) ચક્રવર્તીનું દંડરત્ન, ચૌદરત્નમાંનું એક. चक्रवर्ती का दण्डरत्न, चौदहरत्नों में से एक the Danda Ratna (a gem in the from of rod) of a Chakravarti; one of the 14 gems of a Chakravarti. पन्न०२०, ठा०७,१;—रुइ स्त्री० (-रुचि) દંડ-હિંસાની રુચિ दंड-हिंसाकी रुचि-प्रवृत्ति. a liking for caus-

ing injury. पण्ह० १, ३; —लक्खण. न०(-लक्षण) દંડનું સ્વરૂપ. दण्डका लक्षण; स्वरूप. the nature of sin. जं०प० २; नाया० १; सम०—समादाण न०(-समादान) પાપનુ ગ્રહણ કરવું તે पाप को स्वीकारना; पाप ग्रहण करना. confession; accepting of sins. सूय० २, २, ३; —समायाण न० (-समादान) જુઓ ઉપલો શબ્દ देखो ऊपर का शब्द vide above. जीवा० ३,

दंडदंडेण. अ० (दण्डदण्डेन) દંડ ઉપર દંડ. दंड पर दंड; सजा पर सजा; बारर दंड Punishment followed by other punishment. राय० २६७;

दंडक. पुं० (दण्डक) વિંછીનો કાંટો. बिच्छू का डंक The sting of a scorpion. पण्ह० १, १; (२) નારકી આદિ ચોવીસ દંડક. नारकी आदि चौवीस दंडक the 24 Dandakas viz. Nārki etc. भग० १, ७, ६, ४; ८, १०; २४ ,१; (३) લાકડી, દાંડો. लकड़ी, डंडा, लाठी. a stick; a rod. पिं०नि०भा०४६; ओघ०नि० ४६, ६८, दस० ४; सूय० २, १, ४८; दसा० ६, ४, (४) કથન, વર્ણન. कथन, वर्णन. narration; description. पन्न० ६, (५) નમોત્થુણં આદિ પાઠ नमोत्थुणं आदि पाठ extracts from scriptures e. g Namothunam etc पंचा० ३, २; प्रव० ६२; —पणग. न० (-पञ्चक) પાંચ પ્રકારના દાંડા-લાકડી. पाच प्रकार के दंडे-लकडी. five sorts of sticks or rods प्रव० ६७६;

दंडण न० (दण्डन) દંડ, સજા दंड, सजा, शिक्षा. Punishment. सूय० २, २, ८२; नाया० ३, १६;

दंडणया स्त्री०(दण्डन) દંડવુ તે. दंड देना, दण्डित करना Punishing; incurring sin etc. विशे० १७७६;

दंडभी. त्रि० (दण्डभी—दण्डं जीवकर्मसमारम्भं मृषावादाऽऽदिकं, तस्माद्विभेतीति दण्डभीः) દંડથી પાપ પ્રવૃત્તિથી બીનાર. दंड या पापप्रवृत्ति से डरने वाला; पापभीरु. (One) afraid of committing sin. आया० १, ८, १, २०१;

दंडय-अ. पुं० (दण्डक) જુઓ "दंडग" શબ્દ. देखो "दंडग" शब्द. Vide. "दंडग" भग० ६, ८; ७, २; ८, ६; १८, ३; २४, २; पन्न० १५; निसी० १८, १६; प्रव० १६;

दंडवीरिअ. पुं० (दण्डवीर्य) ભરતની ગાદીએ આવેલ કીર્તિવીર્ય પછી તેનો પુત્ર. कीर्तिवीर्य के बाद भरत की गादी का उत्तराधिकारी उसका पुत्र. A son of Kirtivirya, the heir to the throne of Bharata after Kirtivirya ठा० ८, १;

दंडाययय. त्रि० (दण्डायतिक—दण्डस्येवाऽऽयतिर्दीर्घत्वं पादप्रसारणेन यस्यास्ति स दण्डाऽऽयतिकः) દંડની માફક પગ લાંબા કરી બેસનાર. दण्डवत् पैरों को लंबे कर के बैठने वाला (One) sitting with feet stretched like a stick. ठा० ५, १; पण्ह० २, १; दसा० ७, ६; ओव०

दंडायय. न० (दण्डायत) દંડ-લાકડીની પેઠે શરીરને લાંબું કરવું તે; દંડાસન; આસનનો એક પ્રકાર. दंडवत्-लकडी की भांति शरीर को लम्बा करना; दण्डासन, आसन विशेष. Stretching the body like a stick, Daṇḍāsana; a kind of bodily posture प्रव० ५६२;

दंडासणिय. त्रि० (दण्डासनिक) દંડાસને બેસનાર. दण्डासन से बैठने वाला. (One)

who sits in a particular posture called Dandāsana वेय० ५, २७;

दंडि त्रि० (दण्डिन्) દંડ ધારણ કરનાર દંડધારી; दण्डी; दंड धारण करने वाला; संन्यासी. (One) holding or possessing a staff or stick अणुजो० १३१; विवा० ७, जं० प० ३, ६७, सु० च० २, ६४३, प्रव० १४७५;

दंडिआ स्त्री० (दण्डिका) ડંડીકા, નાની લાકડી. छोटी लकडी, बेत, छडी A cane; a small stick. जं० प०

दंडिखंड पुं० (दंडिखण्ड) દોરાથી સીવેલ વસ્ત્ર; થીગડાં દીધેલ વસ્ત્ર धागे से सिला हुआ वस्त्र, पैवन्द लगाया हुआ वस्त्र A cloth sewn with a thread; a patched cloth नाया० १६,

दंडिणी. स्त्री० (दंडिनी) એ નામની એક રાજાની બે સ્ત્રીઓ। इस नामकी एक राजा की दो स्त्रियां Two wives of a certain king of this name. पिं० नि० ४००;

दंडिय पु० (दंडिक) વિરોધી રાજા विरोधी प्रतिपक्षी–शत्रु राजा. An opposing king ओघ० नि० भा० ११७;

दंत. न० (दन्त्य) સુખડીની એક જાત, ગુળીન જેવો ખાવાનો એક પદાર્થ मिठाई, खाद्य पदार्थ विशेष A kind of sweetmeat; a kind of eatable. प्रव० २१०; पचा० ४, २६.

दंत. पुं० (दन्त) દાંત दात, दन्त. A tooth नाया० १, ४, ८; ६, पिं० नि० भा० ५०; आया० १, १, २, १६, १, १, ६, ५३; २, ६, १, १५२; ओव० १०, सूय० २, २, ६, अणुजो० १६, १३१; जीवा० ३, ३; राय० ५४, १६४, दसा० ५, २६; निसी० ३ ५०, ४, ३६; दस० ३, ३; भग० ३, ७; उवा० २, १०१; कप्प० ३, ३४, प्रव० ४३६; क० गं० १, ४०; **—अंतर.** न० (–अन्तर) બે દાંત વચ્ચેનું આંતરું. दो दांतोके बीच का अन्तर. space between two teeth. भत्त० १०२: **—(तु) उट्ठ.** त्रि० (–ओष्ठ) દાંત અને હોઠ. दांत और ओष्ट the teeth and lips. ठा० ७; **—पक्खालण.** न० (-प्रक्षालन) દાંતણ કરવુ, દાત સાફ કરવા તે. दतौन करना; दात साफ करना, दतशुद्धि. rubbing and cleaning of the teeth सूय० १,४, २,११, आया० १, ६,४, २, **—पाय** न० (–पात्र) દાતનુ બનાબેલ પાત્ર दात का बना हुआ पात्र; दंतपात्र a vessel prepared of ivory. आया० २, ६, १, १५२, **—पहोयण.** न० (-प्रधावन) દાંતને આંગલી આદિથી સાફ કરવા તે अंगुली आदिसे दातोंको साफ करना rubbing of the teeth with a finger etc दस० ३, ३; **—मल.** न० (–मल) દાંતનો મેલ. दात का मैल. the dirt of the teeth निसी० ३, ५६, **—मालिया.** स्त्री० (–मालिका) દાંતની માલા दंतपंक्ति; दांत की माला a row or line of the teeth निसी० ७, १, **—वेयणा** स्त्री० (–वेदना) દાતની વેદના–પીડા दंतपीडा; दात का दर्द. tooth ache जीवा० ३, ४, **—सेढी.** स्त्री० (–श्रेणी) દાતની શ્રેણી–હાર. दन्तश्रेणी, दांतों की पंक्ति a row of the teeth. जं० प० भग० १६, ४, ओव० **—सेणी.** स्त्री० (–श्रेणी) દાંતની શ્રેણી; દાંતની પંક્તિ. दात की श्रेणी, दंत-पंक्ति. a row of the teeth. जं० प०

दंतसोहण. न० (दन्तशोधन) દાંત ખોતરણી. दन्तशोधक, दांत खुतरनी. An instrument to clean the teeth दस०

६, १४; उत्त० १६, २८; (२) त्रि० ઇંદ્રિય દમન કરેલ. સંયમી. दमी; इन्द्रिय दमन किया हुआ. (one) who has controlled the senses. उत्त० १, १५; २, २७; ११, ४; ओघ० नि० भा० ४६, ८६, नाया० १; १४; भग० २, १; २५, ७; दस० १, ५, ३, १३; ६, ३; ८, २६; ६, ४, २; ३; सूय० २, ६, ५; ओव० १६; आया० १, ६, ४, १६३; गच्छा० ५३, प्रव० ६४७; कप्प० ३, ३८, —(ति)इंदिय. त्रि० (-इन्द्रिय) ઇંદ્રિય દમન કરનાર; જિતેન્દ્રિય. दमी, संयमी; जितेन्द्रिय. (one) who controls or checks the senses; (one) who has conquered the senses. पंचा० १७, ४२;

दंतकट्ठ न० (दंतकाष्ठ) દાતણ. दतौन; दंत काष्ठ. A wooden stick for rubbing the teeth. दसा० ६, ४;

दंतकम्म. न० (दन्तकर्मन्) દાંતની કારીગરી. दांत का कामः हाथी दांत का काम. Ivory work. निसी० १२, २०; आया० २, १२; १७१;

दंतकार. पुं० (दन्तकार) દાંતનો કારીગર. दंतचिकित्सक; दांत का इलाज करने वाला; दांत बनाने वाला-कारीगर. Dentist; a worker in ivory. अणुजो० १३१;

दंतनिवाय. पुं० (दन्तनिपात) હોઠમાં દંતક્ષત કરવુ તે, કામચેષ્ટાનો એક પ્રકાર. ओष्ठ में दंत क्षत करना; कामचेष्टा विशेष. Pressing the teeth on the lips; a sort of sexual sport. प्रव० १०७६;

दंतमणि पुं० (दन्तमणि) હાથી આદિના દાંતમાંથી નીકળતો મણી. हाथी आदि के दांत में से निकलने वाला मणी. A precious stone or jewel extracted from the tusks of an elephant etc. पराह० २, ५;

दंतमाल. पुं० (दन्तमाल) વૃક્ષવિશેષ. वृक्ष विशेष. A kind of tree. जीवा० ३, ३; जं० प० २;

दंतवक्क. पुं० (दान्तवाक्य) ચક્રવર્તી; જેના વચનમાત્રથી શત્રુ દાંત-દમિત થાય છે તે. चक्रवर्ती; जिस की मात्र आज्ञा के कारण ही शत्रु फीका पड़ जाता है. A Chakravarti; (one) by whose words alone an enemy is overpowered. सूय० १, ६, २२;

दंतवण न० (दन्तपावन—दन्ताः पूयन्ते पवित्रीक्रियन्ते येन काष्ठखण्डेन तद् दन्तपावनम्) દાતણ. दतौन; दतौन की लकड़ी. A wooden stick for rubbing the teeth. उवा० १, २३; ओघ० नि० ४८६; दस० ३, ६; पंचा० ५, ३०; १०, २४; प्रव० २११; —विहि. स्त्री० (-विधि) દાંતણ કરવાની વિધિ. दंत धावन विधि; दांत धोने की रीति. act of rubbing the teeth उवा० १, २३;

दंतवाणिज्ज. पुं० (दन्तवाणिज्य) દાંતનો વ્યાપાર કરવો તે; સાતમા ઉપભોગ પરિભોગ વ્રતનો અતિચાર. दांत का व्यापार; सातवें उपभोग परिभोग व्रत का अतिचार. Ivory trade; a kind of sin due to lapse in the seventh vow called Upabhoga Paribhoga. भग० ८, ५; प्रव० २६७,

दंतार. पुं० (*दन्तकार) દાંત કોતરનાર કારીગર. दांत खुतरने वाला कारीगर. (One) skilled in scraping the teeth or ivory पण्ह० १;

दंताली. स्त्री० (दन्ताली) ઘાસ પરાલ વગેરે એકઠું કરવાનું એક લાકડાનુ હથીયાર;

દંતાલી, दरांती; घास आदि इकट्ठा करने का एक लकडी का हथियार. A wooden iplmement to collect hay or dried grass etc.; a hackle. क०गं १, ३६;

दंति. पुं० (दन्तिन्) હાથી. हाथी; गज. An elephant. जं० प०

दंतिया. स्त्री० (दन्तिका) એ નામનું એક ગુલ્મ જાતિનું વૃક્ષ. एक गुल्म जाति का वृक्ष विशेष .A kind of a plant of this name. पन्न० १;

दंती स्त्री० (दन्ती) એ નામની એક વનસ્પતિ; ઉદુમ્બર. एक वनस्पति विशेष, उदुम्बर. A kind of vegetation of this name; Udumbara tree. भग० २३, ३; पन्न० १;

दंतुक्खलिय त्रि० (दन्तोत्खलित) ફલ ખાનાર તાપસનો એક વર્ગ. फलाहारी तपस्वियों का एक वर्ग A class of ascetics who live on fruits ओव० ३८; भग० ११, ६; निर० ३, ३;

दंद. न० (द्वन्द्व) રાગ દ્વેષ આદિ બબ્બે વસ્તુની જોડ राग द्वेषादि दो दो वस्तुओं की जोडी, A pair (of anger and hatred etc) नउ० २८; (२) દ્વન્દ્વ નામે સમાસ, સમાસનો એક પ્રકાર. द्वन्द्व नामक समास विशेष. a compound of this name " सेकिंतं दंदे " अणुजो० १३१;

दंभ. पुं० (दम्भ) ડોલ; ખોટો આડંબર. ढोंग; मिथ्या आडम्बर. Vanity; false show. सम० ५२;

दंभण. न० (दम्भन) ડાંભ; डाम, गरम पदार्थ से दाग देना. Branding with a hot thing; scalding. विवा० ६;

√**दंस.** धा० I,II. (दश+णिच्) દર્શાવવું; બતાવવું दिखलाना; दर्शाना; बतलाना. To show

दंसेइ. भग० १६, ६;

दसंति सु० च० २, ११२;

दंसए. वि० सूय० १, २, २, १७;

दंसिज्जा भत्त० ३७;

दंस पुं० (दर्शन) દર્શન; સમ્યક્ત્વ. दर्शन; सम्यक्त्व Conation; faith. विशे० १२८४; (२) સામાન્ય બોધ. साधारण ज्ञान, सामान्य बोध. ordinary knowledge or understanding क० गं० ४, ५१; —**तिग** न०(-त्रिक) ચક્ષુદર્શન અચક્ષુદર્શન અને અવધિ દર્શન એ ત્રણ દર્શન चक्षु, अचक्षु व अवधि नामक त्रिविध दर्शन. three Darśanas (conations) viz Chaksu Darśana, Achaksu Darśana and Avadhi Darśana. क० गं० ४, ४१,

दंस पु० (दंश) ડાંસ. डास. A mosquito; a gadfly आया० १, ६, ३, १८५; २, २, ३, ११०; उत्त० १, १०; १६, ४; सूय० १, ३, १,१२; ओव० ३८;३६ भग० २, १; जीवा० ३, ३; जं० प० प्रव०६६२;

दंसण पु० (दशन) દાંત दांत, दन्त. A tooth. दसा० ६, ४; जीवा० ३, ३;

दंसण न० (दर्शन) સામાન્ય ઉપયોગ, ચક્ષુ અચક્ષુ અવધિ અને કેવલ એ ચાર દર્શન. सामान्य उपयोग, चक्षु, अचक्षु, अवधि व केवल ये चार दर्शन Four Darśanas viz (conations) Chaksu, Achaksu, Avadhi and Kevala अणुजो० ४२, १४७, पिं० नि० ६१; वेय० १, ४६, ठा० १, १; सम० १; ओव०नाया०१; ५; १६; भग०१, १; दसा० १०, १; पन्न० २३, दस०४, २२; राय०२३; २१५, सू० प० २०, (२) તત્વાર્થનું યથાર્થ શ્રદ્ધાન–સદ્દહણા, तत्वार्थ विषयक यथार्थ श्र-

ज्ञान-समकित. a proper faith towards the reality. विशे० ४०; नाया० १; २; ८; भग० १,६; २, १; ६, ३; २५, ६; नंदी० ४; दस० ६, ११; पन्न० १; १३; (३) પન્નવણા સૂત્રના ત્રીજા પદનું નામ. पन्नवणा सूत्र के तीसरे पद का नाम. name of the third Pada of Pannavaṇā Sūtra पन्न० ३; (४) આંખ; नेत्र आंख, नेत्र the eye जं०प० (५) દેખવું; જોવું. देखना looking, seeing; sight. भग० ३, ६, ५, ४, दस० ५, १, १६, ओव० ११; पंचा० ७, ४६, ८, ४; कप्प० ५, १, २; नाया० ८. (६) સંવેદન; વેદવું તે. अनुभव करना; वेदना experiencing, sensing. भग० १०; (७) દર્શન; દૃષ્ટિ. दर्शन, दृष्टि sight उत्त० ६, ८, (८) ઉપદેશ शिक्षा; उपदेश. advice आया० १, ३, ४, १२१. (८) અભિપ્રાય. अभिप्राय, तात्पर्य. opinion; purport आया० १, ३, ४, १२१: —(णं) अंतर. न० (-अन्तर) દર્શન દર્શન વચ્ચેનું અન્તર ભેદ. दो दर्शनों के बीच का अन्तर-भेद. the difference between two systems of philosoohy. भग० १, ३; —अभिगम. पुं० (-अभिगम) ગુણપ્રત્યયિક અવધિજ્ઞાનથી વસ્તુનો નિર્ણય કરવો તે गुणप्रत्ययिक अवधि ज्ञानसे वस्तुका निर्णय करना. the decision of an object by a limited knowledge which corroborates the attributes. ठा० ८; —आयार. पुं० (-आचार) દર્શન-સમકિતનો આઠ પ્રકારનો આચાર; ૧ તત્ત્વમાં નિઃશંકપણું ૨ અતત્ત્વને ગ્રહણ કરવાની અનિચ્છા; ૩ કરણીના ફળની અસંદિગ્ધતા—અસંદેહ, ૪ દૃષ્ટિનો અવ્યામોહ; ૫ શક્તિનું અગોપવવું. ૬ પડતાને સ્થિર કરવો સાધર્મિ પ્રત્યે વત્સલભાવ રાખવો અને ધર્મની પ્રભાવના કરવી. दर्शन-समकित का आठ भांति का आचार: १ पूर्ण तत्वज्ञता, २ अतत्व या कुतत्व को ग्रहण करने की अनिच्छा, ३ कर्मफल की असंदिग्धता-निस्संदेहता-निश्चिन्तता, ४ दृष्टिका अव्यामोह, ५ शक्तिका अगोपन, ६ गिरते हुए को बचाना: ७ स्वधर्म के प्रति वात्सल्य भाव रखना और ८ धर्म की प्रभावना करना the eightfold marks of right belief viz. 1 knowing without doubt the reality; 2 unwillingness to accept a wrong belief. 3 entertaining no doubt in regard to the doctrine of "reaping as you sow," 4 firmness of conation; 5 revealing of one's powers, 6 helping out one who is falling, 7 attachment to one's own religion: and 8 to expand the religion. प्रव० ११०, ठा० २, ३; ५, २, —आय पुं० (-आत्मन्) દર્શનરૂપ આત્મ; આત્માનો છઠ્ઠો પ્રકાર. दर्शनरूप आत्मा; आत्मा का छठा प्रकार. the conative from of the soul; sixth form or variety of the soul. भग० १२, १०; —आयार. पुं० (-आचार) જુઓ "दंसणाचार" શબ્દ. देखो "दंसणाचार" शब्द. vide 'दंसणाचार" सम०प०१६८; —आराहणा. स्त्री० (-आराधना) સમકિતની આરાધના. समकित की आराधना. the meditation of right faith. "तिविहा दंसणाऽऽराहणा उक्कोसा मज्झिमा जहएणा" ठा० ३, ४; भग० ८, १०;

—आरिय. पुं० (-आर्य) આર્યનો એક પ્રકાર. आर्य की एक जाति; आर्य विशेष. a class of the Aryans. पन्न० १; —(णि) इंद. पुं० (-इन्द्र) ક્ષાયિક સમકિતનો ધણી. क्षायिक समकित वाला. the possessor of the purifying Samakita. ठा० ३, १,—इयार. पुं० (-अतिचार) શંકા કંખા વગેરે સમ્યક્ત્વના અતિચાર-દોષ. शंका करना आदि सम्यक्त्व क अतिचार-दोष. the faults connected with right-faith due to keeping doubts and misgivings. गच्छा० १३२; —उवघाअ-य पुं० (-उपघात) શંકા આદિથી સમ્યક્ત્વની વિરાધના. शंका आदि से सम्यक्त्व की विराधना-अशून्य भाव destruction of right-faith by keeping doubts. ठा० १०;—(णु) उस्सुअ त्रि० (-उत्सुक) દર્શનાભિલાષી. दर्शनाभिलाषी; दर्शन का इच्छुक. (one) desirous of having right-faith. सु० च० २, ४५५; —कुसील. त्रि० (-कुशील) દર્શનને દૂષિત બનાવનાર. दर्शन को दूषित बनाने वाला. that which destroys or pollutes the right-faith. ठा० ५, ३; —खवग त्रि० (-क्षपक) દર્શન મોહનીય કર્મનો ક્ષય કરનાર. दर्शन मोहनीय कर्म का क्षय करनेवाला. a destroyer of the faith-deluding Karmic matter. ठा० १; क० ग० ५, ८२; —चउ. न० (-चतुष्क) ચક્ષુદર્શનાવરણીય, અચક્ષુદર્શનાવરણીય અવધીદર્શનાવરણીય અને કેવલદર્શનાવરણીય એ ચાર પ્રકૃતિ. चक्षुदर्शनावरणीय, अचक्षुर्दर्शनावरणीय, अवधिदर्शनावरणीय और केवलदर्शनावरणीय ये चार प्रकृतिया the four Karmic matters viz. sight-obscuring, non-sight-obscuring, conation-obscuring, limited-conation-obscuring and perfect-conation-obscuring. क० गं० १, ६; २, २०; —चउक्क न० (-चतुष्क) જુઓ " दंसण-चउ " શબ્દ देखो " दंसण-चउ " शब्द. vide " दसण-चउ " क० प० १, ७६; २, ४०; —चरित्तजुत्त. त्रि० (-चारित्रयुक्त) દર્શન અને ચારિત્રવાળો. दर्शन एवं चारित्रवाला; दर्शन चारित्रयुक्त. (one) having right-faith and right conduct. निसी० २०; —चारित्तमोह पुं० (-चारित्रमोह) દર્શનમોહનીય અને ચારિત્રમોહનીય એ બે મોહનીયકર્મના વિભાગ दर्शनमोहनीय और चारित्र मोहनीय ये मोहनीय कर्म के दो प्रकार the two varieties of deluding Karmas viz. conation and right condnct-deluding. पराह० २, ४; —ट्ठ. त्रि० (-अर्थ) દર્શન-સમ્યક્ત્વ-તત્વના અર્થી-અભિલાષી दर्शन सम्यक्त्व-तत्व के अभिलाषी-इच्छुक. (one) desirous of the principle of DarsanaSāmakita. ठा० ५, ३;—ट्ठया स्त्री० (-अर्थता) દર્શનની અપેક્ષા. दर्शनकी अपेक्षा, अभिलाषा. the desire of a sight. भग० १८, १०, ठा० ५, ३;—तिग. न० (-त्रिक) સમકિત મોહનીય, મિથ્યાત્વ-મોહનીય અને મિશ્રમોહનીય એ ત્રણ દર્શન મોહનીય. समकित मोहनीय, मिथ्यात्व मोहनीय और मिश्र मोहनीय ये तीन दर्शन मोहनीय. the 3 conation-deluding Karmas viz. Samakita-deluding, falsity generating and

mixed(ringht and wrong belief generating) प्रव० १३०६, क० गं० ६, ७७; —धर. त्रि० (-धर) કેવલદર્શનને ધારણ કરનાર. केवल दर्शी; केवल दर्शन को धारण करने वाला. (one) having perfect conation. जं०प० ५, ११५, आव० ६, ११; —दुग. न० (-द्विक) ચક્ષુ દર્શન અને અચક્ષુ દર્શન એ બે દર્શન. चक्षु और अचक्षुदर्शन नामक दो दर्शन twofold sight-ocular and non-ocular. क० गं० ४, ३५; —धर. पु० (-धर) કેવલ દર્શન ધારનાર केवल दर्शन धारण करने वाला. a possessor of perfect faith जं० प० ५, ११५, —नाण. न० (-ज्ञान) દર્શન અને જ્ઞાન दर्शन और ज्ञान. conation and knowledge. प्रव० १३०५, —नाणतिग. न० (-ज्ञानत्रिक) ૩ દર્શન અને ત્રણ જ્ઞાન. ३ दर्शन और तीन ज्ञान. the three conations and three knowledge. क० गं० ४, ३६; —नाणुसग्ग पुं० (-ज्ञानोत्सर्ग) દર્શન અને જ્ઞાનની શુદ્ધિ માટે કાઉસગ્ગ કરવો તે दर्शन और ज्ञानकी शुद्धि के लिये कार्योत्सर्ग करना. performing meditation for the purification of the conation and knowledge. प्रव० १७६; —पज्जव पु० (-पर्यव) દર્શનના પર્યાય. दर्शन का पर्याय: a modification of conation. भग० २, १,—पडिणीयया. स्त्री० (-प्रत्यनीकता) દર્શનસમ્યકત્વ પ્રત્યે શત્રુતા; દર્શનાવરણીય કર્મ બાંધવાનો એક હેતુ. दर्शन सम्यक्त्व प्रति शत्रुता; दर्शनावरणीय कर्म बधनका एक हेतु. a cause of the bondage of the conation-obscuring Karmas. भग० ८, ६;

—पडिमा. स्त्री० (-प्रतिमा) શ્રાવકે એક માસ સુધી બરાબર રીતે સમ્યકત્વનું પાલન કરવું તે, શ્રાવકની ૧૧ પડિમામાંની પહેલી પડિમા. श्रावक द्वारा ठीक एक मासतक सम्यक्त्वका पाला जाना-पालना, श्रावक की ११ पडिमाओं मे की प्रथम पडिमा the maintenance of right faith by a layman for exactly a month; the 1st of the 11 vows of a layman प्रव० ६६७; —परिणाम. पुं० (-परिणाम) સમ્યગ્દર્શનનુ પરિણામ. सम्यग्दर्शन का परिणाम. the result of right-conation. पन्न० १३. —परीसह. पुं० (-परीषह) દર્શન-સમ્યકત્વનો પરીષહ; બાવીશ પરીષહમાનો એક. दर्शन-सम्यक्त्व-का परिषह, बाईस परिषह में से एक. affliction connected with getting faith; one of the 22 Parisahas (afflictions). भग० ८, ८; उत्त० २, १; —पायच्छित्त. न० (-प्रायश्चित्त) દર્શનના અતિચારની શુદ્ધિ અર્થે પ્રાયશ્ચિત્ત કરવુ તે दर्शन के अतिचार की शुद्धि के लिये किया हुआ प्रायश्चित्त. expiation for a conative fault. ठा०४, १,३,४; —पुरिस त्रि० (-पुरुष) સમ્યકત્વવાન પુરૂષ. सम्यक्त्ववान पुरुष a person having right belief ठा० ३, १; —पुलाअ-य. पुं० (-पुलाक) દર્શનને નિઃસાર બનાવનાર પુલાક લબ્ધિવંત સાધુ. दर्शन को नि सार करने वाला पुलाक लब्धिवंत साधु. an ascetic possessing a certain power which destroys the right faith. भग० २५, ६; ठा० ५, ३; —बल पुं० (-बल) દૃઢ દર્શન. दर्शन की दृढता शक्ति; दृढ दर्शन. firm conation.

पण्ह० २, १, —बुद्ध. पुं० (-बुद्ध) દર્શન મોહનીયના ક્ષયોપશમાદિથી તત્વશ્રદ્ધાનરૂચિ વડે બોધ પામેલ दर्शन मोहनीय के क्षयोपशमादि के कारण तत्त्वश्रद्धान रुचिद्वारा बोध पाया हुआ. (one) having knowledge due to faith in the reality caused by the destruction of the conation-obscuring Karmas. "दुविहा पण्णत्ता, तं जहा णाण बुद्धा चे व दंसण बुद्धा चे व" ठा० २, ४; ३, २; —बोहि त्रि० (-बोधिन्) દર્શન મોહનીય કર્મના ક્ષયોપશમથી તત્વ શ્રદ્ધાન પામનાર. दर्शन मोहनीय कर्मके क्षयोपशम द्वारा तत्वश्रद्धान प्राप्त करने वाला. (one) getting knowledge due to faith in the reality caused by the destruction of the conation-obscuring Karmas. ठा० २, ४; ३, २; —भट्ठ त्रि० (-भ्रष्ट) સમકિતથી ભ્રષ્ટ થયેલ. समकित च्युत–स्खलित-भ्रष्ट. fallen from Samakita (right faith) भत्त० ६४; —भेदणी. स्त्री० (-भेदिनी) દર્શન-સમકિતને ભેદનારી વિકથા दर्शन-समकित का भेनद करने वाली विकथा. a story that destroys right belief ठा० ७, —मूढ. त्रि० (-मूढ) દર્શન રહિત; મિથ્યાત્વી दर्शन रहित; मिथात्व वाला. conationless, having wrong belief. ठा० ३, १; —मोह. पुं० (-मोह) જુઓ "दंसण-मोहणिज्ज" શબ્દ. देखो "दंसण-मोहणिज्ज" शब्द vide "दंसण-मोहणिज्ज" प्रव० ६६४; क० प० ५, ३२; क० गं० १, १४; ५६. —मोहखवग. त्रि० (-मोहक्षपक) દર્શનમોહની ત્રણ પ્રકૃતિને ખપાવનાર. दर्शनमोह की तीन प्रकृतियों का क्षय करनेवाला. a destroyer of the 3 varieties of the conation-obscuring Karmas. क० प० ६, ८; —मोहणिज्ज न० (-मोहनीय) દર્શન-સમ્યક્ત્વમાં મુઝાવનાર મોહનીયકર્મની પ્રકૃતિ; સમ્યક્ત્વ મોહનીય, મિથ્યાત્વ મોહનીય અને મિશ્ર મોહનીય એ ત્રણ પ્રકૃતિ. दर्शन-सम्यक्त्व से विमुख करनेवाली मोहनीय कर्म की प्रकृति, सम्यक्त्व मोहनीय, मिथ्यात्व मोहनीय और मिश्र मोहनीय नामक तीनप्रकृतियां the three deluding Karmic matters which are amalgamated with right conation deluding Karma viz Samyaktva, Mithyātva and Miśra Mohanīya. अणुजो० १२७; ठा० २, ४; भग० ८, ८, उत्त० २० ७, ३३, ८, —रइ स्त्री० (-रति) દર્શનમા રતિ-પ્રીતિ दर्शन विषयक प्रीति-लगन. attachment for right-belief जं०प०५, ११७, —रय त्रि० (-रत) દર્શનમાં અનુરક્ત दर्शन में अनुरक्त attached to right faith. "बहूसु असमरसुयसपराएसु दंसणरएसमंतओ कलह सदक्खिणं अणुगवेसमाणे" नाया० १६, —रहिय त्रि० (-रहित) દર્શન-સમકિત રહિત दर्शन-समकित रहित. without right belief. उत्त० ६६; —लाद्धि स्त्री० (-लब्धि) દર્શન સમ્યક્ત્વની પ્રાપ્તિ दर्शन-सम्यक्त्व की प्राप्ति attainment of right belief. भग० ८, २; —लाद्धिय. त्रि० (-लब्धिक) દર્શનની લબ્ધિ વાળો दर्शन की लब्धि-प्राप्ति वाला. (one) who has acquired right belief. भग० ८, २; —लूसि. त्रि० (-लूषिन्) દર્શન-સમકિતનો લોપ કરનાર. दर्शन–समकित का लोप

mixed(ringht and wrong belief generating) प्रव० १३०६, क० गं० ६, ७७; —धर त्रि० (-धर) કેવલદર્શનને ધારણ કરનાર. केवल दर्शी; केवल दर्शन को धारण करने वाला (one) having perfect conation. जं०प० ४, ११४, श्राव० ६, ११; —दुग. न० (-द्विक) ચક્ષુ દર્શન અને અચક્ષુ દર્શન એ બે દર્શન. चक्षु और अचक्षुदर्शन नामक दो दर्शन twofold sight-ocular and non-ocular. क० गं० ४, ३४; —धर. पुं० (-धर) કેવલ દર્શન ધરનાર. केवल दर्शन धारण करने वाला. a possessor of perfect faith जं० प० ४, ११४; —नाण. न० (-ज्ञान) દર્શન અને જ્ઞાન. दर्शन और ज्ञान. conation and knowledge. प्रव० १३०४, —नाणतिग. न० (-ज्ञानत्रिक) ૩ દર્શન અને ત્રણ જ્ઞાન ३ दर्शन और तीन ज्ञान. the three conations and three knowledge. क० गं० ४, ३६, —नाणुस्सग्ग पुं० (-ज्ञानोत्सर्ग) દર્શન અને જ્ઞાનની શુદ્ધિ માટે કાઉસગ્ગ કરવો તે दर्शन और ज्ञानकी शुद्धि के लिये कायोत्सर्ग करना. performing meditation for the purification of the conation and knowledge प्रव० १७६; —पज्जव. पुं० (-पर्यव) દર્શનના પર્યાય. दर्शन का पर्याय; a modification of conation. भग० २, १,—पडिणीयया. स्त्री० (-प्रत्यनीकता) દર્શનસમ્યક્ત્વ પ્રત્યે શત્રુતા; દર્શનાવરણીય કર્મ બાંધવાનો એક હેતુ. दर्शन सम्यक्त्व प्रति शत्रुता, दर्शनावरणीय कर्म बंधनका एक हेतु. a cause of the bondage of the conation-obscuring Karmas. भग० ८, ६;

—पडिमा. स्त्री० (-प्रतिमा) શ્રાવકે એક માસ સુધી બરાબર રીતે સમ્યક્ત્વનું પાલન કરવું તે; શ્રાવકની ૧૧ પડિમામાંની પહેલી પડિમા. श्रावक द्वारा ठीक एक मासतक सम्यक्त्वका पाला जाना-पालना, श्रावक की ११ पडिमाओं में की प्रथम पडिमा. the maintenance of right faith by a layman for exactly a month; the 1st of the 11 vows of a layman. प्रव० ६८४; —परिणाम. पुं० (-परिणाम) સમ્યગ્દર્શનનું પરિણામ. सम्यग्दर्शन का परिणाम. the result of right-conation. पन्न० १३, —परीसह. पुं० (-परीषह) દર્શન-સમ્યક્ત્વનો પરીષહ; બાવીશ પરીષહમાંનો એક. दर्शन-सम्यक्त्व-का परिषह; बाईस परिषह में से एक. affliction connected with getting faith; one of the 22 Parisahas (afflictions). भग० ८, ८; उत्त० २, १; —पायच्छित्त. न० (-प्रायश्चित्त) દર્શનના અતિચારની શુદ્ધિ અર્થે પ્રાયશ્ચિત કરવું તે. दर्शन के अतिचार की शुद्धि के लिये किया हुआ प्रायश्चित्त expiation for a conative fault. ठा० ४, १;३,४; —पुरिस. त्रि० (-पुरुष) સમ્યક્ત્વવાન પુરૂષ. सम्यक्त्ववान पुरुष a person having right belief. ठा० ३, १; —पुलाअ-य. पुं० (-पुलाक) દર્શનને નિઃસાર બનાવનાર પુલાક લબ્ધિવંત સાધુ दर्शन को नि सार करने वाला पुलाक लब्धिवंत साधु an ascetic possessing a certain power which destroys the right faith. भग० २५, ६; ठा० ५, ३; —बल. पुं० (-बल) દૃઢ દર્શન. दर्शन की दृढता शक्ति, दृढ दर्शन. firm conation.

पराह० २, १; —बुद्ध. पुं० (-बुद्ध) દર્શન મોહનીયના ક્ષયોપશમાદિથી તત્વશ્રદ્ધાન-રૂચિ વડે બોધ પામેલ दर्शन मोहनीय के क्षयोपशमादि के कारण तत्त्वश्रद्धान रुचिद्वारा बोध पाया हुआ. (one) having knowledge due to faith in the reality caused by the destruction of the conation-obscuring Karmas " दुविहा पराणत्ता, तं जहा णाण बुद्धा चे व दंसण बुद्धा चे व " ठा० २, ४; ३, २; —बोहि त्रि० (-बोधिन्) દર્શન મોહનીય કર્મના ક્ષયોપશમથી તત્વ શ્રદ્ધાન પામનાર दर्शन मोहनीय कर्मके क्षयोपशम द्वारा तत्वश्रद्धान प्राप्त करने वाला. (one) getting knowledge due to faith in the reality caused by the destruction of the conation-obscuring Karmas. ठा० २, ४; ३, २; —भट्ठ त्रि० (-भ्रष्ट) સમકિતથી ભ્રષ્ટ થયેલ. समकित च्युत-स्खलित-भ्रष्ट. fallen from Samakita (right faith) भत्त० ६५, —भेइणी. स्त्री० (-भेदिनी) દર્શન-સમકિતને ભેદનારી વિકથા. दर्शन-समकित का भेदन करने वाली विकथा. a story that destroys right belief. ठा० ७, —मूढ. त्रि० (-मूढ) દર્શન રહિત; મિથ્યાત્વી दर्शन रहित, मिथात्व वाला. conationless; having wrong belief. ठा० ३, १; —मोह. पुं० (-मोह) જુઓ "दंसण-मोहणिज्ज" શબ્દ. देखो "दंसण मोहणिज्ज" शब्द vide "दंसण-मोहणिज्ज" प्रव० ६६४; क० प० ५, ३२, क० गं० १, १४, ५६, —मोहखवग. त्रि० (-मोहक्षपक) દર્શનમોહની ત્રણ પ્રકૃતિને ખપાવનાર दर्शनमोह की तीन प्रकृतियों का क्षय करनेवाला. a destroyer of the 3 varieties of the conation-obscuring Karmas. क० प० ६, ८; —मोहणिज्ज न० (-मोहनीय) દર્શન-સમ્યક્ત્વમાં મુંઝાવનાર મોહનીયકર્મની પ્રકૃતિ; સમ્યક્ત્વ મોહનીય, મિથ્યાત્વ મોહનીય અને મિશ્ર મોહનીય એ ત્રણ પ્રકૃતિ दर्शन-सम्यक्त्व से विमुख करनेवाली मोहनीय कर्म की प्रकृति, सम्यक्त्व मोहनीय, मिथ्यात्व मोहनीय और मिश्र मोहनीय नामक तीनप्रकृतियां the three deluding Karmic matters which are amalgamated with right conation deluding Karma viz Samyaktva, Mithyātva and Miśra Mohanīya अणुजा० १२७; ठा० २, ४; भग० ८, ८; उत्त० २० ७, ३३, ८; —रइ स्त्री० (-रति) દર્શનમાં રતિ-પ્રીતિ दर्शन विषयक प्रीति-लगन attachment for right-belief जं०प०५, ११७, —रय त्रि० (-रत) દર્શનમાં અનુરક્ત दर्शन में अनुरक्त attached to right faith. "बहूसु असमरसुयसंपराएसु दंसणरएसमंतओ कलहं सदक्खिणं अणुगवेसमायो" नाया०१६;—रहिय त्रि० (-रहित) દર્શન-સમકિત રહિત दर्शन-समकित रहित. without right belief. उत्त० ६६; —लद्धि. स्त्री० (-लब्धि) દર્શન સમ્યક્ત્વની પ્રાપ્તિ दर्शन-सम्यक्त्व की प्राप्ति attainment of right belief. भग० ८, २; —लद्धिय त्रि० (-लब्धिक) દર્શનની લબ્ધિ વાળો दर्शन की लब्धि-प्राप्ति वाला. (one) who has acquired right belief. भग० ८, २; —लूसि. त्रि० (-लूषिन्) દર્શન-સમકિતનો લોપ કરનાર. दर्शन-समकित का लोप

करनेवाला. (one) who of destroys right belief. आया० १, ६, ४, १६०; —लोग पुं० (-लोक) सम्यक्त्वादि दर्शन-रूप लोक. सम्यक्त्व आदि दर्शनरूप लोक. the world in the form of right belief etc. ठा० ३, २; —वावरणग पुं० (-व्यापन्नक—दर्शनं सम्यक्त्वं व्यापन्नं भ्रष्टं येषां ते तथा) दर्शन सम्यक्त्व वम्यु छे जेणे एवा निन्हव वगेरे दर्शन सम्यक्त्व का वमन किए हुए -निन्हव आदि. heretic etc who has abandoned Darśana Samyaktava (right belief). पन्न० २०,२३; —विणय पुं० (-विनय—दर्शनं सम्यक्त्वं तदेव विनयो दर्शनविनयः) समकितरूप विनय. दर्शनस्वरूप विनय; समकित विनय humility in the form of right belief. प्रव० ६४५; भग० २५,७, —विराहणा· स्त्री० (-विराधना) दर्शन समकितनी विराधना करवी ते. दर्शन समकित की विराधना-अवहेलना. the opposition of right belief सम० ३. आव० ४, ७, —विसंवायणाजोग पुं० (-विसंवादनायोग) समकित परत्वे खोटो विखवाद करवो ते, दर्शनावरणीय कर्म बांधवानो एक हेतु दर्शन समकित के सम्बन्ध मे मिथ्या असम्बद्ध वादविवाद, दर्शनावरणीय कर्मबन्धन का एक हेतु. a useless discussion against the right belief, a cause of the bondage of the conation -obscuring Karma. भग० ८, ६ —विसोहि· स्त्री० (-विशोध—दर्शनाऽऽचाचारपरिपालनतो विशुद्धिर्दर्शनविशुद्धिः) सम्यक्त्वनी विशुद्धि. सम्यक्त्व की विशुद्धि. a purity of right belief. ठा० १०; —संकिलेस· पुं० (-संक्लेश—दर्शनस्य संक्लेशोऽविशुद्धयमानता स दर्शनसंक्लेशः) दर्शननी अविशुद्धि दर्शन की अशुद्धता. the impurity of conation. ठा० १०; —संग. पुं० (-सङ्ग—दर्शनेऽवलोकनेऽभिष्वंगो दर्शनसङ्गः) अवलोकन-जोवाथी थतो राग अवलोकन करने या देखने से उत्पन्न राग आसक्ति. love produced by sight. पंचा० १७, २१; —संपराण त्रि० (-सम्पन्न) समकित संपन्न; सम्यग्दृष्टिवालो. समकित सम्पन्न; सम्यग्दृष्टि वाला (one) having right belief. भग० २, ५; २५, ७, —संपन्नया. स्त्री० (-सम्पन्नता) दर्शन-सम्यक्त्व संपन्नता-युक्तता. दर्शन संपन्नता; सम्यक्त्व-युक्तता. the possession of right belief उत्त० २६, २; भग० १७, ३; —समाहि पुं० (-समाधि) भाव समाधिनो एक प्रकार. भावसमाधि विशेष a particular form of sentimental concentration. सूय० नि० १, १०; १०३; —सावअ-य. त्रि० (-श्रावक) श्रावकनी ११ पडिमाओमां पहेली पडिमा आदरनार श्रावक के जे एक मास सुधी शंकादि रहित निर्मल समकितनुं पालन करे. श्रावक की ११ पडिमाओं में से पहिली पडिमा का आदर करने वाला श्रावक जो एक मास तक शंकादि शून्य निर्मल समकित का पालन करे. the layman who adopts the first of the 11 vows, who holds right belief without any doubt for a month. सम० ११; दसा० ६, २; १०, ७; ८; —सावग. पुं० (-श्रावक) जुओ उपयो शब्द देखो ऊपरका शब्द vide above. सम० १०; —सुंदर त्रि० (-सुन्दर)

જોવામાં સુંદર देखनेमें सुंदर. beautiful in appearance भत्त० १२०,

दंसणमेत्त न० (दर्शनमात्र) જોતાવેંત; નજર પડી કે તરત. देखतेही; दृष्टि के गिरतेही. Just while seeing. पंचा० १२, २४;

दंसणावरण न० (दर्शनावरण) આત્માની દર્શન શક્તિને આવરનાર-દબાવનાર કર્મ; કર્મના આઠ પ્રકારમાંનો બીજો પ્રકાર आत्माकी दर्शन शक्ति को दबाने-ढंकने या कम करने वाला कर्म; आठ प्रकार के कर्मों में से दसरा कर्म A Karma which covers up the conative power of the soul; the 2nd of the 8 varieties of Karmas. "नवविहे दंसणा वरणे कम्म पराणत्ते" ठा० ६, उत्त० ३३, २, दसा० ५, ३३, क० गं० १, ३, ६ ६, ८, —**श्रंतश्र.** त्रि० (–अन्तक) દર્શનાવરણીય કર્મ આદિ ઘાતિકર્મનો અંત-નાશ કરનાર. दर्शनावरणीय कर्म आदि घातिकर्म का अंत करने वाला-नाशक the destroyer of the conation-obscuring Karma etc सूय० १, १५, १,

दंसणावरणिज्ज. न० (दर्शनावरणीय) દર્શનાવરણીય કર્મ, આઠ કર્મમાંનું બીજું. दर्शनावरणीय कर्म; आठ कर्मों में से दूसरा The conation-obscuring Karma, the 2nd of the 8 Karmas. सम० ६,

दंसणि त्रि० (दर्शनिन्) દર્શની, દર્શનવાળો दर्शनवाला; दर्शनी. (One) having deep faith "दसणेणा दंसणी" अणुजो० १, १,

दंसणिज्ज त्रि० (दर्शनीय) દર્શન કરવા યોગ્ય. देखने दर्शन करने योग्य. Handsome; beautiful; fit to be seen. नाया० १, जीवा० ३,

दंसणिय. त्रि० (दर्शनीय) દર્શન કરવા યોગ્ય दर्शनीय-देखने योग्य. Hand some, beautiful; fit to be seen. नाया० १;

दंसमसग. पुं० (दंशमशक) ચાર ઇંદ્રીયવાળો જીવ; ડાંસ અને મચ્છર. चार इंद्रियवाला जीव, डांस मच्छर आद A four sensed living being, a gnat, a mosquito. सम० २१, भग० १, १, —**परिसह** पुं० (–परिषह) ડાંસ મચ્છર જૂ વગેરેનું દુઃખ સહન કરવું તે. डास, मच्छर, जूं आदि का पीडा का परिषह सहन करना. bearing of the pain caused by mosquitoes, gnats, lice etc. सम० २२, उत्त० १, १, भग० १, ३:

दंसमाण त्रि० (दशत्) કરડતો. काटता हुआ. Biting 'अप्पे जणे णिवारेइ लूसणए सुणए दंसमाणे" आया० १, ६, ३, ४;

दंसि. त्रि० (दर्शिन्) જોનાર-અવલોકન કરનાર. देखनेवाला; अवलोकन कर्ता, दर्शक. Seer, spectator. आया० १, १, ७, ५६;

दंसिज्जंत. त्रि० (दृश्यमान) દેખાડાતું. दिखलाई देता हुआ. Visible सु० च० २, ४८१,

दंसि-य त्रि० (दर्शित) દેખાડેલ दिखाया-हुआ. Shown विशे० ५१०, अणुजो० १६, नाया० १; पंचा० ५, ३१, ११, १३;

दक्ख. न० (दाक्ष्य) દક્ષતા, ચાતુરી, ચાલાકી दक्षता, चातुरी; पटुता. Skill; cleverness. उत्त० १, १३;

दक्ख त्रि० (दक्ष) ચતુર બુદ્ધિવાન, નિપુણ चतुर, निपुण, बुद्धिवान्. Clever, skilful intelligent. नाया० १, ६; १६; राय०

३३,२६५; जीवा० ३, १; ओव० ३१; ठा० ७; कप्प० ४, ६१; ५, १०८, जं० प० ५, ११६; (२) ઉત્તર તરફના ભવનપતિ ઇંદ્રની પાયદલ સેનાનો ઉપરી उत्तरी भवन पति इन्द्रकी पैदल सेनाका अधिपति-नायक. the general of the infantry of Indra lord of the northern Bhavana ठा० ५, १; जं० प० —पइराण पुं० (-प्रतिज्ञ-दक्षा निपुणा-प्रतिज्ञा यस्य स) નિપુણતા પૂર્વક પ્રતિજ્ઞા કરનાર चतुरता पूर्वक प्रतिज्ञा करने वाला (one) who promises skilfully. कप्प० ५, १०४;

दक्खत न० (दक्षत्व) ચાતુરી; ચાલાકી. चातुरी, दक्षता, पटुता. Cleverness, skill, deftness. "दंक्खतं भंते, साहू, आलसियत साहू" भग १२, २;

दक्खवण न० (द्राक्षवन) દ્રાક્ષ-દરાખનુ વન द्राक्ष--दाख का-वन. A forest of vine creepers. अणुजो० १३१,

दाख. स्त्री० (द्राक्षा) દ્રાક્ષ-દરાખ द्राक्ष-दाख; अंगूर Grapes, vine. पंचा० २, २६, पिं० नि० १६६; ठा० ४, ३;

दक्खिण. पुं० (दक्षिण) સર્વ સ્ત્રીઓમાં સરખો રાગ રાખનાર નાયકનો એક પ્રકાર सर्व स्त्रीओं मे समान प्रीति रखने वाला नायक विशेष. A stage-hero who has equal attachment towards all his wives. जं० प० ६, १२५, ५, ११८; (२) દક્ષિણ દેશ-વિભાગ. दक्षिण देश-विभाग the southern region. जं० प० १, १४; ७, १५४; उवा० १, ७४, वेय० १, ४६; —अणुकूल त्रि० (-अनुकूल) દક્ષિણ દિશાને અનુકૂલ. दक्षिण दिशा के अनुकूल favourable for the southern direction नाया० ८; —डभरह. पुं० (-अर्धभरत) દક્ષિણાર્ધ ભરત; ભરત ક્ષેત્રનું દક્ષિણાર્ધ. दक्षिणार्ध भरत, भरत क्षेत्र का दक्षिणार्ध. the southern half of Bharata. सम० ६०००; —मुह. त्रि० (-मुख) દક્ષિણ દિશા તરફ મુખ રાખેલ दक्षिणमुख वाला; दक्षिण दिशाकी ओर मुख कियाहुआ (one) facing towards the south सम० ७४;

दक्खिणऊल त्रि० (दक्षिणकूल) જુઓ "दाक्खिणकूलग" શબ્દ देखो "दक्खिण कूलग" शब्द Vide. "दक्खिणकूलग" निर० ३, ३;

दाक्खिणकूलग. त्रि० (दाक्षिणकूलक) ગંગાને દક્ષિણ કાંઠેજ રહેનાર તાપસ: તાપસની એક જાત गंगाके दक्षिण किनारे रहने वाला एक तपस्वी, तपस्वीविशेष. An ascetic living on the southern bank of the Ganges; a particular ascetic ओव० ३८; भग० ११, ६;

दक्खिणत्त. न० (दक्षिणत्व) સત્ય વચનનો છઠો અતિશય सत्यवचन का छठा अतिशय. The 6th Atiśaya influence of the truth राय०

दाक्खिणत्त. त्रि० (दाक्षिणात्य) દક્ષિણ દિશામાં રહેનાર અસુરકુમાર આદિ. असुरकुमारादि दक्षिण दिशामें रहने वाला. Asura Kumāra living in the southern direction पन्न० २,

दक्खिणा स्त्री० (दक्षिणा) દક્ષિણા; દાન. दक्षिणा; दान. Charity; alms. "दक्खिणाए पडिलम्भो अत्थि वा णत्थि वा पुणो" सूय० २, ५, ३२, निर० ३, २;

दाक्खिणावह. पुं० (दक्षिणापथ) એ નામનો એક દેશ इस नाम का एक देश. A

country of this name. प्रव० ८०६;

दक्खिणिल्ल. त्रि० (दाक्षिणात्य) દક્ષિણ દિશાનું. दक्षिण दिशा का. Of or belonging to the southern direction. जं० प० नाया० ८, ६:

दक्खिणेय. पुं० (दाक्षिणेय) દાન લેનાર दान लेने वाला. (One) accepting charity; a mendicant विशे ३२७०;

दक्खिएण न० (दाक्षिण्य) ડહાપણ; ચાતુરી ચતુરાઇ बुद्धिमानी; चातुर्य Wisdom or expertness ओघ० नि० भा०११२,

दक्खिन्न. न० (दक्षिण) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपर का शब्द. Vide above. सु० च० १५, १०५,

दक्खु. त्रि० (दक्ष) ચતુર; નિપુણ. चतुर; निपुण Skilful, wise सूय० १, २, ३, ११, —**दंसण** त्रि० (-दर्शन) સર્વજ્ઞ દર્શન, સર્વજ્ઞોક્ત શાસન પ્રમાણે વર્તનાર. सर्वज्ञ दर्शन, सर्वज्ञकथित शासनानुसार चलने वाला (one) acting in accordance with the ordinance of philosophy; preached by an omniscient सूय० १, २, ३, ११;

दक्खु. त्रि० (पश्य-पश्यतीति पश्यःद्रष्टा) દેખનાર; સર્વજ્ઞ. दृष्टा, सर्वज्ञ. A seer, an omniscient. सूय० १, २, ३, ११; —**दंसण.** न० (-दर्शन) સર્વજ્ઞનું દર્શન सर्वज्ञ का दर्शन the philosophy of an omniscient सूय०१, २, ३, ११;

दग न० (दक) પાણી; જલ. पानी, जल; उदक. Water. ओव० २१; नाया० १; पन्न० १७, पि० नि० ५८८; दस० ५,१,२६; निसी० ७, २१, ८, ४, वेय० ४, २६; ओव० ४, ५; गच्छा० ७५; प्रव० ६६३, कप्प० ६, २६; (२) એ નામનો ૩૩મો ગ્રહ इस नाम का ३३वां ग्रह. the 33rd constellation of this name. " दो दगा " ठा० २, ३; सू० प० २०; (३) સ્ફટિક, ફાટક स्फटिक; फाटक. crystal. जं० प० —**आहरण.** न० (-आहरण -उदक आह्रियते येन तदुदकाहरणम्) પાણી કાઢવાના સાધન; કોસ, ડોલ વગેરે. पानी निकालने या खींचने का साधन, चड़स, डोल, घड़ा, बालटी आदि requisites for drawing water from a well· a bucket etc. सूय०१,४,२,१०; —**उप्पील** पुं० (-उत्पीड) માણસને પીડાકરે એવો જલ પ્રવાહ. मनुष्यको दुःख पहुंचाने वाला जलप्रवाह. a troublesome current of water. जीवा० ३, ३; —**उब्भेय** पुं० (-उद्भेद) ધરતી ફાડી નાખે તેવો જલપ્રવાહ जमीन को खोद डालने वाला, जल प्रवाह. a forcible current of water which digs deep the strata of the earth. जीवा० ३, ३; —**कलसग.** पुं० (-कलशक) પાણીથી ભરેલ કલસ. पानी से भराहुआ कलश, जलपात्र. a pot full of water. राय० —**कुंभग.** पुं० (-कुम्भक) પાણીનો ઘડો. पानी का घड़ा. a pot or jar to keep water in; a water-pot. राय० —**गब्भ** पुं०(-गर्भ) પાણીનો ગર્ભ पानीका गर्भ. interior of water. ठा० ४, ४; —**छड्डण.** न० (-छर्दन) પાણી ફેંકવું તે. पानी फेंकना; छिड़कना sprinkling or throwing of water. आया०२, १, ६, ३२, —**छड्डण मत्तय.** पुं०(-छर्दनमात्रक) પાણી નાખવાનું ભાજન. पानी छांटने का वर्तन a pot to pour water आया० २, १, ६, ३२, —**ट्ठाण.** न० (-स्थान) પાણીની અન્દરના સ્થાન पानी के भीतर के स्थान

places under water. निसी० ८, ४; —तीर. न० (-तीर) પાણીનો કાંઠો. पानी का किनारा; जल का तट. water-bank; a beach. "नो कप्पइ निग्गंथाणं वा निग्गंथीणं वा दगतीरं सेवा" वेय० १, १६; निसी० ८, ४; —थालग पुं० (-स्थालक) પાણીથી ભરેલ કાંસાનું ઠામ (થાલ વગેરે). पानी से भरा हुआ कांसीका बरतन. (थाली आदि). a bronze vessel full of water(a dish etc.) राय० —धारा. स्त्री० (-धारा) પાણીની ધાર. पानी की धारा a current of water; a water current. नाया० २; ६; —पह. पुं० (-पथ) પાણી ભરવાનો માર્ગ. पानी भरने का मार्ग-रास्ता. way to fetch water. निसी० ८, ४; —पासाय पुं० (-प्रासाद) જલ મહેલ. जल महल; पानी के बीच का प्रासाद. a water palace. जं० प०—फुसिय. न० (-पृषत्) પાણીના ઝીણા છાંટા. पानी की बारिक फुंवार. small drops, particles of water. वेय० ५, १२; —फुसिया. स्त्री० (-पृषत्) પાણીના બિંદુ; છાંટા. पानी की बूंदे. drops or spray of water. कप्प० ६, २४; —भवण. न० (-भवन) પાણીઆરૂં. पानीघर. a water house; a place where water is kept दस० ५, १, १५; —भवन न० (-भवन) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपरका शब्द. vide above. आया० २, १, ६, ३२; —मंचग. पुं० (-मञ्चक) સ્ફટિકનો માંચ; માંચી स्फटिक मंच. a bench or coach of crystal. जं० प० —मंडग. न० (-मण्डप) સૂર્યાભ દેવતાના વન ખંડમાંનો ક્રીડા મંડપ. सूर्याभ देवता के वन खंड में का क्रीडा मंडप. a playing bower in Vanakhanda belonging to the deity by name Sūryābha. राय० १३५;—मंडव. पुं० (-मण्डप) જેમાં પાણી ઝરે છે એવો માંડવો. ऐसा मंडप जिसमें पानी टपकता हो. a pandal, bower with a spring of water. पण्ह० २, ५; राय० १३५;—मंडवग पुं०(-मण्डपक) સ્ફટિકનો માંડવો. स्फटिक मंडप. a crystal or marble bower. जं० प० पण्ह० २, ५; —मग्ग. पुं० (-मार्ग) પાણીનો માર્ગ. पानी का मार्ग. a water way; a way in which water flows. निसी० ८, ४; —मट्टियआयाण. पुं० (-मृत्तिकादान) પાણી અને માટી લાવવાનો માર્ગ. पानी और मिट्टी लाने का मार्ग. a way to fetch water and earth. दस०५,१,२६;—मट्टिया. स्त्री० (-मृत्तिका) સચિત્ત પાણી સહિત કાદવ, ઢીલું કીચડ. सचित्त पानी मिली हुइ मिट्टी; गीली कीचड वाली मिट्टी. mud; mire. सम० २१; आया० १, ७, ६, २२२; वेय० २, २६; (२) પાણી અને માટીના સંયોગનું વિજ્ઞાન; જમીન અને પાણી પીછાનવાની કલા; ૭૨ કલામાંની ૧૫ મી કલા. पानी और मिट्टी के संयोग का विज्ञान; जमीन और पानी को पहिचानने की कला; ७२ कलाओं में से १५वीं कला. the 15th of the 72 arts; an art relating to the knowledge of recognising water and earth. ओव० ४०; जं० प०नाया० १; —मल. न० (-मल) મેલ સહિત પાણી; મેલું ગંદુ પાણી. मैला पानी; गंधला पानी. dirty water; muddy water. निसी० ८,४; —मालग. पुं०(-मालक) સૂર્યાભવાસી દેવતાનું એક ક્રીડા સ્થાન सूर्याभवासी देवता का

एक क्रीडा स्थान. a pleasure-garden or playing ground of a god named Sūryābha. राय० जं० प० १; —रक्खस पुं० (-राक्षस) જલચર વિશેષ. जलचर विशेष a particular aquatic animal. "मग्गूइ डट्टा दगरक्खसाय" सूय० १, ७, १५, —रय. न० (-रजस्) પાણીનુ બિંદુ રજ કણ पानी की बूंद रज, कण. a particle of water dust ओव० १०; पन्न० २; नाया०१, वेय०५,१२; भग० ६, ३३; जीवा० ३, ३; राय० ६२, पराह० १, ३; कप्प० ३, ३३, ४०. ९., २६; —रयय. न० (-रजत) પાણીના ફીણ पानी का फेन; जलफेन. water foam, froth भग० ११, ११; —लेव. पुं० (-लेप) નાભિ પ્રમાણે પાણીમાં ઉતરવુતે नाभि की गहराई तक पानी में उतरना. plunging into navel deep water ठा० ५, २; —वार पुं० (-वार-कुम्भ) નાનો ઘડો छोटा घड़ा a small jar, pot. "दग वारेणंपिहित्रं" दस०५,१, ४५; —वारक. पुं० (-वारक -कुम्भ) પાણીનો નાનો ઘડો पानी का छोटा घड़ा a small jar of water जीवा० ३, —वारय पुं० (-वारक) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपर का शब्द vide above नाया० २; —वीरिणया. स्त्री० (-वीथिका—दकस्य वीथिका दकवीथिका) પાણીનો મોરિઓ पानी का रास्ता, नाली. a water drain निसी० १, १३; —सत्तघाइ. त्रि० (-सत्वघातिन्) જલના પ્રાણીઓની હિંસા કરનાર. जलचरों की हिंसा करने वाला; भोई; मछलीमार. (one) who kills, the water-animals e. g. fish, crocodiles etc. सूय० १, ७, १७; —सोयरिअ. पुं० (-सौकारिक) સાંખ્ય-મતના અનુયાયી કે જે પાણી ઢોલનારા તરીકે પ્રસિદ્ધ છે; જલના શિકારી सांख्यमत के अनुयायी जो पानी बहुत ढोलते हैं; जल के शिकारी. the followers of Sāṅkhya sect who are notorious for their extravagance in using water. पिं० नि० ३१४;

दगतुंड. पुं० (दकतुण्ड) પક્ષિ વિશેષ. पक्षी विशेष. A kind of bird पराह० १, १;

दगपंचवरणा. पुं० (दकपञ्चवर्ण) ૮૮ ગ્રહમાનો ૩૪મો ગ્રહ. ८८ग्रहों में से ३४वां ग्रह The 34th of the 88 planets. "दो दगपंचवरणा" ठा० २, ३;

दगपव्वय. पुं०(दकपर्वत) સૂર્યાભવાસી દેવતાઓના વનખંડમાનો સ્ફટિકમય ક્રીડા પર્વત सूर्याभवासी देवताओं के वनखड का स्फटिक मय क्रीडा पर्वत. The sporting crystal mountain in the forest regions of the Sūryābha gods. राय० १३५,

दगपिप्पली स्त्री० (दकपिप्पली) એ નામની એક લીલી વનસ્પતિ. इस नामकी एक हरी वनस्पति A green herb of this name पन्न० १;

दगभास पुं० (दकाभास) વેલંધર નાગરાજનો એક આવાસ પર્વત. वेलंधर नागराज के रहने का एक पर्वत A mountain residence of Velandhara the king of Nāgas सम० ५२;

दगवरणा पुं० (दकवर्ण) ૩૪મો મહા ગ્રહ. ३४वां महाग्रह. The 34th major planet सू० प० २०,

दगसीम. पुं० (दकसीमन्) મનશિલાક-નામના વેલંધર નાગરાજનો આવાસ પર્વત मनाशिलाक नामक वेलंधर नागराज का आवास-निवास पर्वत. A mountain

home by name Manaśilāka of Velandhara the king of Nāgas. जीवा० ३, ४; सम० ५२; ८७;

दगाभास. पुं० (दकाभास) જુઓ " दग भास " શબ્દ. देखो " दगभास " शब्द Vide " दगभास " सम० ८७;

दगोवचर पुं० (• दकोपचर) સફેદ કોઢની એક જાત. सफेदकुष्ट की एक जाति A variety of white leprosy. जीवा० ३, ३;

दच्छ त्रि० (दक्ष) દક્ષ; ચતુર; નિપુણ. दक्ष, होशियार; चतुर. Skilful; adroit; wise; expert. भग० १५, १; उवा० २, १०७;

दज्झमाण व० कृ० त्रि० (दह्यमान) બળતો. दहकता हुआ; जलता हुआ. Burning; blazing. भग० ८, ६;

दट्ठ. त्रि० (दृष्ट) દેખેલ. देखा हुआ. Seen; observed. दस० ५, १, ६६;

दट्ठव्व. त्रि० (द्रष्टव्य) દેખવા લાયક देखने योग्य; द्रष्टव्य. Worth witnessing; worth seeing. पन्न०१५; प्रव०८०; सु० च० ४, १४७; पंचा० १०, ८; ६. २७;

दट्ठ. त्रि० (दष्ट) ડંસેલ; કરડેલ डसा हुआ, काटाहुआ. Stung; bitten. भत्त० ११०;

दट्ठर. त्रि० (द्रष्टृ) જોનાર. देखने वाला. Seer; (one) who sees. विशे० १८६५;

दट्ठुमण. त्रि० (द्रष्टुमनस्) જોવાની ઇચ્છાવાળો देखने की इच्छा रखने वाला; दर्शनाभिलाषी. (One) willing to have a sight, visit. सु० च०२,३८७;

दड्ढ. त्रि० (दग्ध) બળેલ; દાઝેલ. जला हुआ; दग्ध. Burnt. विशे० ११५६; २३२५; ओघ० नि० ६८६; पिं०नि०६५६; चउ०२७; पन्न० ३६; ओव०४३; उत्त०१६, ५०;पण्ह० १,१;—च्छवि त्रि० (-च्छवि) શીતાદિથી કડક થયેલ ત્વચા વાળો. जिसकी त्वचा शीत के कारण कड़ी कठोर होगई हो. (one) whose skin has become coarse, rough on account of cool, heat etc. पण्ह० १, ३; — (अ) ट्ठि. न० (-अस्थि) બળી ગયેલ હાડકું जली हुई हड्डी दग्धास्थि. a burnt bone प्रव० १४८५;

दड्ढग. त्रि० (दग्धक) બળેલ; સળગેલ. जला हुआ: सुलगा हुआ. Burnt; lighted. ओव० ३८;

दढ. त्रि० (दृढ) દૃઢ; સ્થિર; નિશ્ચલ; મજબુત. दृढ; स्थिर; निश्चल; मजबूत. Strong; firm, immovable आया० १, ६, २, १८३; सु० च० १, ३६; ओव० ४०, सम० ३२; पिं० नि० ५१८; नंदी० १२; पंचा०१५: ४६; —चारित्त. त्रि० (-चारित्र) દૃઢ છે ચારિત્ર જેનું તે दृढ चारित्रवाला (one) having a firm, straight forward character. गच्छा० ६४; —चित्त. न० (-चित्त) દૃઢ છે ચિત્ત જેનું તે. दृढ चित्त वाला; निश्चल-स्थिर चित्त वाला. (one) who is strong-minded, firm-minded भत्त० ५६. —जत्तकय त्रि० (-यत्नकृत) દૃઢ પ્રયત્નથી કરેલ; બહુ આદરપૂર્વક કરેલ. बड़े प्रयत्न से किया हुआ, बड़े आदर के साथ किया हुआ. done with a great effort; performed with a great respect. पंचा० ३, २४; —धम्म. त्रि० (-धर्म) ધર્મમાં ચુસ્ત-દૃઢ, અંગીકાર કરેલ વ્રતનો નિર્વાહ કરનાર धर्म दृढ, अंगीकृत व्रत का यथावत् निर्वाह करने वाला a firm upholder of religion. सूय० १, २, १, १; क० गं० १, ६६; ठा० ४, ३; दस० १०, १०, भग० १२, १; ओघ० नि०

६४७; उत्त० ३४, २८; —धम्मया. पुं० (-धर्मता) ધર્મમાં દઢપણું. धर्म दृढता. orthodoxy सम० ३२; —परक्कम. त्रि० (-पराक्रम) દઢ પરાક્રમી. दृढ पराक्रमी of a firm prowess. दसा० ६, ३२; —प्पहार. त्रि० (-प्रहार) દઢ મજબૂત પ્રહાર મારનાર. दृढ प्रहार; जोरदार मार; मजबूत मार. hard stroke. विवा० ३; —प्पहारि. त्रि० (-प्रहारिन्) દઢ પ્રહાર કરનાર. दृढ प्रहार करने वाला. (one) who strikes hard नाया० १८; —लट्ठि. स्त्री० (-यष्टि) મજબૂત લાકડી दृढदंडा; मजबूत दण्डा. a hard stick गच्छ० १५५; —वइर. त्रि० (-वैर) દઢ વેરવાળો. दृढ-स्थिर वैर-शत्रुता वाला a relentless foe तंदु० —व्वय त्रि० (-व्रत) દઢ મજબૂત વ્રત વાળો. दृढव्रती; स्थिर व्रत-प्रतिज्ञा वाला. firm in austerity, vow. गच्छा० ४१;

दढकेड पुं० (दृढकेतु) એરવત ક્ષેત્રમાં થવાના ચૌદમા તીર્થંકરનું નામ. ऐरवत क्षेत्र में होने वाले चौदहवें तीर्थंकर का नाम. The name of the 14th would-be Tirthankara of the Airavata region. प्रव० ३०३;

दढणेमि. पुं० (दृढनेमि) દ્વારકા નગરીના સમુદ્રવિજયની ભાર્યા શીવાદેવીથી થયેલ પુત્ર કે જે નેમનાથ ભગવાન પાસે દીક્ષા લઈ શત્રુંજય પર સિદ્ધ થયા તેનો અધિકાર અંતગડદશા સૂત્રના ચોથા વર્ગના દશમાં અધ્યયનમાં છે द्वारका नगरी के समुद्र विजयकी भार्या शीलादेवी से उत्पन्न (उनका) पुत्र जिसने नेमिनाथ भगवान से दीक्षा लेकर शत्रुंजय पर सिद्धि प्राप्त की; इनका अधिकार अंतगडदशा सूत्र के चौथे वर्ग के दसवें अध्ययन में है. The son of Siladevi wife of Samudra Vijaya of Dvārkā city who being concecrated by the lord Nemināthа attained Siddhi on Śatruñjya. His description occurs in the 10th chapter of the 4th section of Antagaḍadaśā Sūtra अंत० ३, ८;

दढधणु पुं० (दृढधनुष्) જંબુદ્વીપના ભરત ક્ષેત્રમાં થનાર આઠમા કુલકર जंबूद्वीप के भरत क्षेत्र में होने वाले आठवें कुलकर. The 8th would be Kulakara of Bharata region of Jabmudvipa. ठा० १०; (२) જંબુદ્વીપના એરવત ક્ષેત્રમાં થનાર સાતમાં કુલકર जंबुद्वीप के ऐरवत क्षेत्र में होने वाले सातवें कुलकर. 7th Kulakara to come in the Airavata region of Bharata Kṣetra. सम० प० २४०;

दढनेमि. पुं० (दृढनेमि) અંતગડ સૂત્રના ચોથા વર્ગના દસમા અધ્યયનનું નામ. अंतगड सूत्र के चौथे वर्ग के दसवें अध्ययन का नाम. The name of the 10th chapter of the 4th section of Antagaḍa Sūtra. (२) નેમનાથ પ્રભુના ભાઈ. नेमिनाथ प्रभु के बन्धु. the brother of the lord Neminātha अंत० ४, १,

दढपइण्ण पुं० (दृढप्रतिज्ञ) સૂર્યાભ દેવતાના આવતા ભવનું નામ. सूर्याभ देवता के आगामी भवका नाम. The name of the future life of the Sūryābha god सूय० २८७, (२) અમ્બડ સન્યાસીના આવતા ત્રીજા ભવનું નામ. अम्बड सन्यासी के आनेवाले तीसरे भवका नाम. the name of the 3rd would-be life of Ambaḍa ascetic ओव० ४०, भग० ११, ११, १५, १; १४, ८;

(३) ગોશાલાના જીવનું નામ. गोशाला के जीव का नाम. the name of the soul of Gośālā. भग० १५,१, (४) એ નામને એક શ્રાવક. इस नाम का श्रावक विशेष. a layman of this name. निर० १, १; (५) પ્રતિજ્ઞામાં દૃઢ રહેનાર. दृढ प्रतिज्ञ; अटल संकल्पवाला. firm to a promise. विवा० १; श्रोव० ४०;

दढरह. पुं० (दृढरथ) દશમાં તીર્થંકર શીતલ નાથના પિતાનું નામ. दसवें तीर्थंकर शीतलनाथ के पिताका नाम. Name of the father of the 10th Tīrthaṅkara Śītalanātha. प्रव० ३२४; सम० प० २२८; (२) એ નામના ગત અવસર્પિણીના આઠમાં કુલકર. गत अवसर्पिणी के इस नामवाले आठवें कुलकर. the 8th Kulakara so named of the past aeon of decrease. सम० प० २२, ६;

दढरहा. स्त्री० (दृढरथा) વાણવ્યંતરના ઇંદ્રની પટ્ટરાણીની બાહ્ય પરિષદ. वाण व्यंतर के इन्द्रकी पटरानी की बाह्य परिषद The external assembly of the chief queen of the Indra of Vāṇavyantara gods.(२) ભવનપતીના ઇંદ્રના લોકપાલની દેવીની બાહ્ય પરિષદ. भवनपति इंद्र के लोकपाल के देवी की बाह्य परिषद्. the external assembly of the Lokapāla of Bhavanapati Indra ठा० ३ २; जीवा० ३, ४;

दढाउ. पुं० (दृढायुष्) જંબુદ્વીપનાં ભરત ક્ષેત્રમાં થનાર પાંચમાં તીર્થંકરના પૂર્વ ભવનું નામ. जम्बुद्वीप के भरत क्षेत्रमें होनेवाले पांचवे तीर्थंकर के पूर्व भव का नाम. Name of the previous life of the 5th Tīrthaṅkara to come in Bharata region of Jambūdvīpa. सम० प० २४१; प्रव० ४६६; —जीव. पुं० (-जीव) આવતી ચોવીસીમાં થનાર પાંચમાં તીર્થંકરને જીવ. आगामी चौवीसीमें होनेवाले पांचवे तीर्थंकरका जीव. the soul of the 5th Tīrthaṅkara to come in the coming cycle. प्रव० ४६६;

दढाऊल. पुं० (दृढाकुल) એ નામને એક માણસ કે જે મરીને સાતમી નરકના અપઇઠાણ નરકાવાસામા ઉત્પન્ન થયો. इस नाम का एक पुरुष विशेष जो अपनी मृत्यु के बाद सातवें नरक के अपइट्ठाण नरकावास में पैदा हुआ A man of this name who was born in the 7th hell after his death. जीवा० ३, १;

दणुय. पुं० (दनुज) રાક્ષસ राक्षस, दानव. Demon. सु० च० २, २०१;

दत्त. त्रि० (दत्त) આપેલું, દીધેલું दिया हुआ; दत्त. Given सूय० १, १, ४, ४; पण्ह० २, १; (२) न० દાન; આપવું તે. दान. charity; gift उत्त० १, ३२; ठा० ५, १; (३) છોડેલ. छोडा हुआ. released. जं० प० (४) ભારતવર્ષમાં થઇગયેલ સાતમાં વાસુદેવ. भारतवर्ष के भूत पूर्व सातवें वासुदेव the late 7th Vāsudeva of Bhārata; varsa प्रव० १२२६;सम०३५; (५) જંબુદ્વીપનાં ભરત ક્ષેત્રમાં આવતી ઉત્સર્પિણીમા થનાર પાંચમાં કુલકર. जंबूद्वीप के भरत क्षेत्र में आगामी उत्सर्पिणी में होने वाले पाचवें कुलकर. the 5th Kulakara to come in the coming aeon of increase in Bharata Kṣetra. सम० प० २४०. (६) વિપાક સૂત્રના નવમા અધ્યયનમાં ઉદાહરણ આપેલ દેવ દત્તને પિતા विपाक सूत्र के नवें अध्ययन में

उद्दाहत देवदत्त के पिता. the father of Devadatta described in the 9th chapter of the Vipāka Sūtra. ठा० १०; विवा० ६; (७) पुष्पिका सूत्रना सातमा अध्ययननुं नाम. पुष्पिका सूत्र के सातवें अध्ययन का नाम. the name of the 7th chapter of the Puṣpikā Sūtra. निर० ३, १; (८) गइ चोवीशीना ८मा तीर्थंकर. गत चौवीसी के आठवें तीर्थंकर. the 8th Tīrthaṅkara of the past cycle प्रव० २६०;

दत्ति. स्त्री० (दत्ति) अन्न के पाणीनी दातधार, भिखुनी पडिमा के अभिग्रह विशेषमां आ दातनो एक, बे, त्रण, इत्यादि संख्याथी नियम करवामां आवे छे; अन्न के पाणी एक वासणमां थीपात्रमां व्होरावतां धार तुटे ते एक दात गणवामा आवे छे अन्न या पानी की दात–धारा; भिक्षु की पडिमा–अभिग्रह विषेश में इस दात की एक दो तीन आदि सख्याओं से मर्यादा–सीमा बाँध ली जाती है; अन्न या पानी किसी बरतन से पात्र (भिक्षापात्र) मे परोसते हुए जो धार टूटती–खंडित होती है उसे एक दात कहते हैं One unbroken current of water etc.; this current of water serves as a measure in certain vows of a mendicant when food or water is poured from one vessel to another (mendicant's) and if the flow or current is broken it is counted as one Dāta प्रव० १६७; ५८६; १५७५; अंत०८,५; ठा०३, ३; वव० ६, ४४; १०, १; २, कप्प० ६, २६;

दत्तिय पुं० (दात्तिक) आहारपाणीनी दातनो अभिग्रह करनार (साधु). आहार पानी–अन्न जल की दात का अभिग्रह लेने वाला–साधु. An ascetic who keeps a vow of taking a particular measure of food and water. कप्प० ६, २६;

दत्तेसणा. स्त्री० (–दत्तैषणा) उत्पाद आदि एषणा दोषनी तपास करवी ते. उत्पाद आदि एषणा दोष की जांच The examination of the Esaṇā fault viz. Utpāda etc. सूय० १, ३, १, ६;

दद्दर. त्रि० (दर्दर) मजबूत; दृढ. मजबूत; दृढ़, कड़ा, गाढ. Strong; hard; inflexible. नाया० १; राय० जं० प० (२) न० वाद्य विशेष वाद्य विशेष a particular musical instrument. जं० प० ५, १२०; जीवा० ३; राय० (३) भीत के जमीन उपर थापो मारवो ते; चपेटानो एक प्रकार. भींत या जमीन पर चपत या थाप मारना; चपत का एक प्रकार. striking the wall or ground नाया० ८; ओव० सम०प० २१०; पन्न० २; (४) दादर; दादरो; निसरणी. निसेनी; चढाव; सीढी. a staircase; a ladder. पिं० नि० ३६४; जीवा० ३, ३; सम०प० २१० (५) एक पर्वत एक पर्वत–पहाड़. a mountain. जं० प० (६) डेडकानी माफक पग पछाडवां. मेंढक की भांति पैरों का पटकना throwing of legs like a frog. जीवा० ३, ४; (७) पुं० वचननो आडम्बर वचनका दिखाव–ढोंग, आडम्बर. a show of words पण्ह० १, ३; (८) दक्षिणमां दर्दुर नामना पहाड उपरनुं चन्दन दर्दुर नाम दक्षिणी पहाड पर का चन्दन. the sandal of the southern mountain named Dardura. पन्न०

२; जीवा० ३, ४; कप्प० ५, ६६; जं० प०

दद्दरअ-य. न० (दर्दरक) વાસણનું-મોં બાંધવાનો લુગડાનો કટકો. बरतन का मुंह बांधने का कपडे का टुकडा. A piece of cloth to cover or tie the neck of a pot पिं० नि० ३४७;

दद्दरग. पुं० (दर्दरक) પગથી દર દર એવો અવાજ કરવો તે पैरों से 'दर दर' शब्द आवाज ध्वनि को पैदा करना. A pattering sound made by the feet भग० ३,२; राय० १=३; (२) એક જાતનું વાજિંત્ર. एक प्रकार का बाजा. a kind of musical instrument. जीवा ३, ३; राय० १८३;

दद्दरिया स्त्री० (दर्दरिका) વાદ્ય-વાજિંત્ર વિશેષ. वाद्य-बाजा विशेष. A kind of musical instrument.ठा०७;राय०८६;

दद्दु पुं० (दद्रु) ખાપર; ચામડીનો એક રોગ. दाद; गजकर्ण; दद्रु; चर्म रोग विशेष. Ringworm; a skin disease जं० प० भग० १, ६;

दद्दुर. पुं० (दर्दुर) દેડકો मेंढक; डेडक. A frog; a toad विशे० १७५७; ओव० २६; नाया० १; भत्त० ७५; (२) એ નામનો એક પર્વત इस नाम का एक पर्वत a mountain of this name. नाया० १६; जं० प० (३) રાહુનું અપર નામ. राहु का दूसरा नाम. the second name of Rāhu सू० प० १६; भग० १२, ५, (४) ચમડાથી મોઢું બાંધેલ કલસ. चमडे से मुंह बाधा हुआ कलस. a pot the mouth of which is tied by piece of a leather. पराह०२,५; (५) કુંડી આદિ ભાજનનું મુખ. कुंडी आदि पात्र का मुंह. the mouth of a mortar or a bowl etc. नाया० १; (६) દેડકાના ભવમાંથી દર્દુરાવતંસક વિમાનમાં ઉત્પન્ન થયેલ દેવ मेंढक के भव में से दर्दुरावतंसक विमान में उत्पन्न देव विशेष. a god born in the Dardurāvatansaka celestial abode from the life of the frogs. नाया० १३; (७) પાંચમાં દેવલોકના ઇંદ્રનું ચિન્હ पांचवें देवलोक के इन्द्र का चिन्ह. the symbol of the Indra of the 5th Devaloka. ओव० २६; —कुलरसिय. न० (-कुलरसित) દેડકાના સમૂહનો એક સાથેનો અવાજ. मेंढकों की संगठित एक साथ की आवाज-शब्द ध्वनी. the simultaneous croaking of a group of frogs. नाया० ८; —गइ. स्त्री० (-गति) દેડકાની ચાલ. मेंढक की चाल-गति. the gait of a frog. नाया. १२; —जीव. पुं० (-जीव) દેડકાનો જીવ. मेंढक का जीव. the soul of a frog. नाया० १२; —सीहासण. न० (-सिंहासन) દર્દુર નામા દેવનું સિંહાસન. दर्दुर नामक देव का सिंहासन. a throne of the god named Dardura. नाया० १३;

दद्दुरत्ता. स्त्री० (दर्दुरता) દેડકાપણું मंडुकत्व; मेंढकपन The state of a frog. नाया० १३;

दद्दुरदेव. पुं० (दर्दुरदेव) પહેલા દેવલોકનો એક દેવતા. पहिले देवलोक का एक देवता. A god of the 1st Devaloka नाया० १३;

दद्दुरदेवत्ता. स्त्री० (दर्दुरदेवत्ता) દર્દુરદેવ પણું. दर्दुरदेवत्व The state of a Darduradeva. नाया० १३;

दद्दुरवडिंसअ-य. न० (दर्दुरावतसक) એ નામનું પહેલા દેવલોકનું એક વિમાન पहिले देव लोक का इस नाम का एक विमान. A

celestial abode of the 1st Devaloka of this name नाया० १३; —विमाण न० (-विमान) જુઓ ઉપલો શબ્દ देखो ऊपर का शब्द vide above. नाया० १३;

दद्दुरी. स्त्री० (दर्दुरी) દેડકી. मेंढकी; मादा-मेंढक, डेंडकी. A female frog. नाया० १३;

दद्ध. त्रि० (दग्ध) બળેલ जला हुआ Burnt प्रव० २३२; —तेल्ल. न०(-तैल) બળેલ તેલ जला हुआ तैल. burnt oil प्रव० २३२;

दधि. न० (दधि) દહીં दही. Curds. जीवा० ३, ३, पिं० नि० भा० ५०; सू० प० ११; ज०प०५, १२२;—कुंभ पुं० (-कुम्भ) દહીંનો ઘડો दही का घडा. a pot of curds भग०१६,६; —घण न० (-घन) બરાબર જમેલું-કઠણ થયેલ દહીં बराबर जमा हुआ-या गाढा दही; अच्छा जमा हुआ दही well curdled curds ज० प० ७, १६६; नाया० १;

दधिफोल्लइ. स्त्री० (दधिफोल्लकी) વનસ્પતિ વિશેષ. वनस्पति विशेष. A kind of vegetation भग० २०, ६;

दधिमुह. न० (दधिमुख) આઠમા નંદીશ્વર દ્વીપમાં ચારે દિશાએ ચાર અંજન પર્વત છે તે પ્રત્યેકની બાજુએ ચાર પુષ્કરણી-વાવડી છે તે દરેક વાવની વચ્ચે એકેક પર્વત પલંગને આકારે છે તે १६ પર્વત દધિમુખ પર્વત કહેવાય છે. आठवें नंदीश्वर द्वीपमें चारों दिशाओं में चार पर्वत हैं इन में से हरएककी चारों तरफ चार पुष्करिणी-बावडी हैं और हरएक बावडीके मध्यमें पलंग के आकार का एक २ पर्वत है; ये १६ पर्वत दधिमुख पर्वत कहलाते हैं. There are 4 mountains in the 4 directions of the 8th Nandīśvaradvīpa. There are 4 Puṣkariṇī wells on the 4 sides of each of these mountains and there is a cot-like mountain in the midst of each of these wells These 16 mountains are called Dadhimukha. सम० ६४;

दधिवण्ण पुं० (दधिपर्ण) વૃક્ષ વિશેષ. वृक्ष विशेष, एक जाति का वृक्ष. A kind of tree. ओव० भग० २२, ३;

दप्प. पुं० (दर्प) અહંકાર; ગર્વ; માનકષાય. अहंकार, घमंड गर्व; मानकषाय Pride, haughtiness. पण्ह० १, ४; भग० १२, ५; २५, ७; सम० ५२; गच्छा० ५८; भत्त० ११०;

दप्पण. पुं० न० (दर्पण) અરીસો, આયની ऐना; दर्पण. A mirror; one of the 8 auspicious objects. (२) આઠ મંગલિકમાંનો એક. आठ मांगलिकों में से एक one of the eight auspicious things or marks. ज० प० ५, १२२; पण्ह० २, ४; राय० नाया० ४७; १; १६; भग० ६, ३३; विशे० ३०४; सु० च० २, ५६८, जीवा० ३, ३; ४; ओव० १०, ३१; कप्प०३, ३८;—तलोवम. त्रि० (-तलोपम) દર્પણના કાચ સમાન શોભાવાળું, ઉજ્વલ दर्पण के काचवत् शोभायमान् उज्वल; निर्मल स्फटिकवत् beautiful like the surface of a mirror; bright as a mirror कप्प०३, ३८;

दप्पणग. न० (दर्पणक) અરીસો પકડવાનો હાથો. दर्पण का दस्ताना; काच की मुठ. A handle of a mirror. ओव० १०;

दप्पणिज्ज. त्रि० (दर्पणीय) બલ આપી ઉત્સાહ શક્તિને પુષ્ટ કરનાર; જઠરાગ્નિ

પ્રદીપ્ત કરનાર. बल प्रदान कर उत्साह शक्ति की वृद्धि करने वाला; जठराग्नि को प्रदीप्त करने वाला. That which increases the power of digestion. ओव० ३१; पन्न० १७, जं० प० ठा० ६, १; कप्प० ४, ६१; (२) न० જેથી કામ ઉત્પન્ન થાય એવું એક પ્રકારનું મર્દન. एक मर्दन विशेष जिसके कारण काम उत्पन्न हो a massage that excites sexual passion. नाया० १;

दप्पिट्ठ. त्रि० (दर्पिष्ठ) ગર્વી; અહંકારી. गर्वी; अहंकारी; घमंडी. Proud; vain सु० च० १, २८४;

दप्पिय. त्रि० (दर्पित) ગર્વિષ્ઠ ઘમંડી, गर्विष्ठ. Proud, vain. पराह० १, १; जं० प० ७, १६६;

दब्भ. पुं० (दर्भ) દાભડો; એક જાતનું ઘાસ દૂર્વ; दूर्वा; दर्भ. एक प्रकार का बारीक घास Grass; a kind of thin grass. आया० २, २, २, ८७; अंत० ३, ८, पन्न० १; नाया० १, ५; ६; ८; भग० २, १; ७, १; ६; ८, ६; ११, ६; उवा० १, ६६; —**कम्मंत** न० (-कर्मान्त) દાભડાનું કારખાનું दर्भ का कारखाना. a factory of the Darbha grass. दसा० १०, १; —**कलस.** पुं० (-कलश) દર્ભનો કલશ दूब-दर्भ का कलश. a pot of the Darbha grass. भग० ११, ६, —**कुस.** न० (-कुश) દાભડો दर्भ; कुश; (दूब) grass भग० २१, ६; —**कुस-हत्थगय** त्रि० (-कुशहस्तगत) દાભના તરણા જેના હાથમાં છે એવો. जिसके हाथ में दूब है वह; दूर्वांकुर हस्तधारी one holding the Darbha grass in his hands. निर० ३, ३; —**वण** न० (-वन) દાભડાનું વન. दर्भ का वन, दूब का जंगल. a forest of the Darbha grass. पराह० १, १; —**संथारग.** न० (-संस्तारक) દાભડાની પથારી दूब का बिछौना. a mat of the Darbha grass. नाया० १६, —**संथारोवगय** त्रि० (-संस्तारकोपगत) દાભડાના સન્થારા-પથારી પર બેઠેલ. दूब के बिछौने पर बैठा हुआ. (one) seated on a Darbha mat. जं० प० ३, ७०; भग० १५, १;

दब्भपुप्फ पुं० (दर्भपुष्प) દર્વિકર-સર્પની એક જાત. दर्विकर-सर्प की एक जाति. A kind of serpent पराह० १. १;

दब्भय. पुं० (दर्भक) મૂલ સહિત દાભનો છોડ. मूलसहित दूब का पौधा The Darbha plant with roots भग० १८, १;

दब्भियायण पुं० (दार्भ्यायन) ચિત્રા નક્ષત્રનું ગોત્ર. चित्रा नक्षत्र का गोत्र. The family-origin of the Chitrā constellation. ' चित्ता याक्खत्ते किं गोत्ते पराणत्ते ? दब्भियाय , स गोत्ते पराणत्ते " सू० प० ११; जं० प० ७, १५६;

दम पुं० (दम) ઇંદ્રિય દમન, ઇંદ્રિય નિગ્રહ. संयम, इंद्रिय निग्रह-दमन. Self-restraint. आया० १, २, ३, ७६, —**सायर** पुं० (-सागर—दम एव दुस्तरत्वात्सागर इवेति) તરી ન શકાય એવો ઇન્દ્રિય દમન કરવારૂપી સાગર. इंद्रिय दमनरूप दुस्तर सागर. the impassable ocean in the form of self-restraint उत्त० १६, ४३;

दमइत्ता. सं० कृ० अ० (दमयित्वा) આત્મ દમન કરીને. आत्मदमन करके Having controlled one's self दस० ५, १ १३;

दमग पुं० (द्रमक) રાંક; ભિખારી रंक, दीन; गरीब; दरिद्री; भिखारी. Penniless;

pauper; poor. नाया० १६; —पुरिस. पुं० (-पुरिस) रंक-दरिद्री पुरुष. रक या दरिद्री पुरुष. poor; destitute. नाया० १६;

दमघोष. पुं० (दमघोष) शिशुपाल राजाना बापनु नाम शिशुपाल राजा के पिता का नाम. Name of the father of the king Śiśupāla "वसुदेव सुसाए सुत्रो दमघोसस्स राहिवेस माहीए" नाया० ८; १६; सूप० टी० १, ३, १;

दमण न० (दमन) दमन करवुं ते; पशु आदिने पीडवां ते दमनकार्य, पशु पीडन. Subdueing; hurting the animals etc. पराह० १, १, १, ३; (२) वृक्षनी एक जात. वृक्ष की एक जाति. a particular class of trees नाया० १७; —पुड. पुं० (-पुट) दमनगना पांदडानो पुडो. दमनग के पत्तों का पुडा या द्रोण a cup of the Damanaga leaves नाया० १७;

दमणग. पुं० (दमनक) फुलनी एक जात एक प्रकार का पुष्प विशेष A particular flower. 'दमणग पुडाणवा' जं० प० नाया० ८, जीवा० ३, ४; पराह० २, ५, राय० पन्न० १; —वञ्च न० (-वर्चस्) दमनग-वृक्ष विशेषनां पादडा दमणग-वृक्ष विशेष के पत्ते leaves of a particular tree. निसी० ३, ७०;

दमणय पुं० (दमनक) जुओ 'दमणग' शब्द. देखो 'दमणग' शब्द. Vide 'दमणग' भग० २१, ८, राय० ५६, जं० प० पराह० २, ५; कप्प० ३, ३७;

दमणा. स्त्री० (दमना) एक जातनु गन्ध द्रव्य एक प्रकार का सुगन्धि द्रव्य विशेष. A sort of fragrant substance. राय० ५६;

दमदंत. पुं० (दमदन्त) ए नामनो हस्तिशीर्षक-पुरनो एक राजा. हास्तिशीर्षकपुरका इस नाम का एक राजा. A king of this name of Hastiśirṣaka city. नाया० १६;

दमि. त्रि० (दमिन्-दमो विद्यते येषां ते दमिनः) इंद्रिय निग्रह करनार; जितेन्द्रिय. संयमी; दान्त, इन्द्रिय निग्रह करनेवाला; जितेंद्रिय. Self-restrained; (one) who has controlled the senses. उत्त० १६; २२, —ईसर पुं० (-ईश्वर-दमो विद्यते येषां ते दमिनो जितेन्द्रियाः तेषामीश्वरो दमीश्वरः) जितेन्द्रियमां अग्रेसर जितेन्द्रिय श्रेष्ठ, श्रेष्ठ संयमी the lord amongst the self-restrained उत्त० १६, २; २२, ४;

दमिय. त्रि० (दमित) दमन करेल; निग्रह करेल. दमन किया हुआ; निग्रहीत, निरोधित Subdued; checked उत्त० ३२, १२;

दमिला स्त्री० (द्रमिला) द्रमिल नामना देशमां उत्पन्न थयेल एक दासी द्रमिल नामक देश में उत्पन्न एक दासी A maid-servant born in the country named Dramila. भग० ९, ३३,

दमिली स्त्री० (द्रामिली) द्रमिल देशमा उत्पन्न थयेल दासी द्रमिल देश में उत्पन्न एक दासी. A maid-servant born in the country named Dramila नाया० १; जं० प० ओव० ३३;

दमेयव्व. त्रि० (दमितव्य-दम्य) दमन करवा योग्य दम्य, दमनयोग्य; निग्रहोचित. Fit to be subdued or restrained उत्त० १, १५;

दम्म त्रि० (दम्य) दमन करवा योग्य. दमन योग्य; निरोध योग्य. Fit to be subdued or restrained. दस० ७, २४; आया० २, ४, २, १३८;

√दय. धा० I. (दय) दया करवी. दया

करना. To pity.

दयइ. सम० ३३, आया० १, ७, ३, २०६;
दयए आ० नाया० ८;

दय. त्रि० (दायक) આપનાર. देनेवाला; दाता. A giver; a donor. कप्प० २,१५;

दयट्ठया. स्त्री० (दयार्थता) દયાને માટે. दया के लिए; दयार्थ; करुणार्थ. For compassion. सूय० २, ६, ५२;

दयपत्त. त्रि० (दयाप्राप्त) દયાને પ્રાપ્ત થયેલ. दयार्द्र; दयामय. Compassionate. ठा० ६; राय०

दया. स्त्री० (दया) દયા; કૃપા; રહેમ. दया; करुणा; कृपा,रहम Pity; compassion. (२) જીવરક્ષા जीवरक्षा. protection of living beings. दस० ४, १०; ६, १, १३, नंदी० १४; पराह० २, १; ओव० आया० १, ६, ५, १७४, गच्छा० ७६; —अहिगार. त्रि० (-अधिकारिन्) દયાનો અધિકારી; દયાને પાત્ર. दया का अधिकारी; दयापात्र. an object of pity or compassion दस० ८, १३; —वर. त्रि० (-वर) દયાના ગુણથી વખણાએલ-શ્રેષ્ઠ दयालु स्वभाव के कारण प्रशंसित-श्रेष्ठ famous as compassionate; best amongst the compassionate. सूय० २, ६, ४५;

दयालु त्रि० (दयालु) દયાળુ; દયાવાન दयालु; दयावान्. Compassionate. प्रव० १३७१,

दर. त्रि० (*) અર્ધ. आधा. Half. ओघ० नि० २५४; ४६३; (२) થોડું थोड़ा; कम. ओछा. a little. विशे० ६४२; —गय. त्रि० (-गत) થોડું પ્રાપ્ત થયેલ कम परिमाण में प्राप्त; थोड़ा प्राप्त-मिला हुआ. obtained or got in a little quantity. विशे० ६४२; —दिएण त्रि० (-दत्त) થોડું આપેલ. थोड़ा दिया हुआ. given a little. पंचा० १०, ४७; —निव्वलिय. त्रि० (-निर्वलित) મિશ્ર; થોડું શુદ્ધ અને થોડું અશુદ્ધ. मिश्र थोड़ा शुद्ध और अशुद्ध mixed; alloyed. विशे० १२२०, —फुल्ल त्रि० (-फुल्ल) અર્ધ વિકસિત. आधा खिला हुआ; अर्ध विकासित-प्रस्फुटित half open, blooming. विशे० १४३१; —विरइ स्त्री० (-विरति) દર-ઈષત્ થોડી વિરતિ જેમા છે તે; દેશ વિરતિ; પાંચમું ગુણસ્થાનક कम विरतिवाला; देश विरति, पांचवां गुणस्थानक. (one) who has partial renouncement; fifth spiritual stage. क० गं० ५, ८२;

दरसणिज्ज. त्रि० (दर्शनीय) દર્શન કરવા યોગ્ય. दर्शनीय; प्रेक्षणीय; देखने योग्य. Beautiful; handsome नाया० १; ७, ८, भग० १८, ५; निर० ५, १; चं० प० १८;

दरसिय. त्रि० (दर्शित) દેખાડેલ. दिखाया हुआ. Shown. नाया० १६;

दरिद्द त्रि० (दरिद्र) દરિદ્ર, ગરીબ; નિર્ધન दरिद्र; गरीब; दीन; निर्धन. Destitute; poor. ठा० ३, १; ४, ३; पिं० नि० ३२५; —कुल. न० (-कुल) નિર્ધન કુલ निर्धन कुल, दीन कुल. a poor family दसा० १०, १०; कप्प० २, १६;

दरिद्दीहूय. त्रि० (दारिद्रीभूत-अदरिद्रा दरिद्रा भवन्ति दारिद्रीभूताः) દરિદ્ર થયેલ. दरिद्री; दरिद्र बना हुआ. (One) become destitute. ठा० ३, १;

दरिय. त्रि० (दृप्त) ગર્વિષ્ઠ. ગર્વયુક્ત. गर्विष्ठ; दंभी; घमंडी. Proud, vain. सु० च० १, ६१; २, ५२५; ओव० नाया० १. पराह० १, ४;

दरिसंत. त्रि० (दर्शयत्) દેખાડતો. दिखलाता हुआ. Showing सु० च० १, ३३२;

दरिसण. न० (दर्शन) સમકિત. समकित; सम्यक्त्व. Belief. faith. नाया० १; १४; (२) આગમ आगम; शास्त्र. scriptures. सूय० १, १, १, १६; (३) સંવેદન. संवेदन. narration which excites love for truth. सम० १०; (४) પ્રકાશવું; પ્રગટ કરવું. प्रकाश करना: प्रकट करना. showing; manifesting विशे० २८१८; सम० ४; राय० (५) વાક્ય. वाक्य. a sentence. सम० ६: (६) દર્શન—મત. दर्शन-मत. system; creed. सूय० १, १, १, १६; —रइय. त्रि० (-रतिक—दर्शने-आलोकने रतिर्यस्मिन् स दर्शनरतिकः) જોતાં આનન્દ આપનાર. देखते ही आनन्द देनेवाला, दर्शन सुखकर. that which gives pleasure at the mere sight. राय०

दरिसणावराणज्ज. न० (दर्शनावरणीय) આત્માના દર્શન ગુણનું આચ્છાદન કરનાર આઠ કર્મમાંનું બીજું કર્મ. आत्माके दर्शन गुण का आच्छादन कर्ता आठ कर्मों में से दूसरा कर्म The 2nd of the eight Karmas which obscures the conative power of the soul. ठा० २, ३; ४,१; भग० ५,४, ६, ३, २६,१;

दरिसणावरणीय न० (दर्शनावरणीय) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपर का शब्द. Vide above. पन्न० २२,

दरिसणिज्ज. त्रि० (दर्शनीय) આંખને આનન્દકારી; જોવા યોગ્ય; જેને જોતાં આંખને શ્રમ ન લાગે તે नयनानन्दकारी, नेत्रों को सुखप्रद; दर्शनीय; दर्शन मनोहर. That which gives pleasure to the eyes; handsome. जं० प० ४, ११५; ११७; राय० २; ४४; पन्न० २; जीवा० ३, १; नाया० १; ६; १२; १६; भग० २, ५; उवा० २, ११२; ओव०

दरिसणीय. त्रि० (दर्शनीय) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपरका शब्द. Vide above. नाया० ५; १३;

दरिसयंत. त्रि० (दर्शयत्) પ્રકટ કરતો. प्रकट करता हुआ. Showing; manifesting. सम० २;

दरिसि पुं० (दर्शिन्) સર્વદર્શી. सर्वज्ञ; सर्वदर्शी; सम्यक्ज्ञानी. Omniscient. उवा० ७, १८७;

दरी. स्त्री० (दरी) પર્વતની ગુફા. पर्वतकी गुफा-कन्दरा. A mountain cave. दसा० ७, १; आया० २, १, २, १२; २,१०,१६६; भग० ३, ३१; १५, १; नाया० १; ४; जं० प० (२) ઉંદર આદિથી કરેલી નાની બાડ चूहों आदि द्वारा बनाया हुआ छोटासा दर a hole or burrow made by rats etc. जीवा० ३, ३; जं० प० २; नाया० १; —(रि) मह. न० (-महस्) ગુફાનો મહોત્સવ गुफा का महोत्सव. a great festivity connected with a cave. आया० २, १,२,१२; राय०२१७;

√**दल.** धा० I. (दद्) આપવું; દાન કરવું. देना; दान करना; प्रदान करना. To give in charity; to bestow upon.

दलइ. पिं० नि० ५६६;
दलाइ. नाया० ७;
दलामो. नाया १४;
दलेज्जा. वि० उत्त० ८, १६;
दलएज्जा. विधि० नाया० २;
दले. आ० दसा० ६, २; वव० ४, २४;
दलसु सु० च० २, ६०७;
दलाह. आ० नाया० ७;
दलह. आ० निर० १, १;

दलाहि. आ० नाया० १४;
दलइस्सइ. ओव० ४०;
दलइस्सामि. नाया० १६;
दलइत्तए. हे० कृ० नाया० ८; वव० ७, १५;
दलंत. व० कृ० पिं० नि०५७४; प्रव० १३७;
दलमाण. व०कृ० नाया० १६; भग०११,११;
दलावेमि (णिच्) अंत० ६, १५;
दलावेमाण (णिच्) ठा० ४, ३; नाया० १,

√दल. धा० I. (दद्) આપવું; દેવું. देना To give.
दलयए. नाया० १;
दलयइ-ति. नाया० १; २; ५; ६; ७; ८; १४; १५; १६; जं० प० ५, ११७; भग० ७, १; ११, ११; नाया० ध० पिं० नि० ३२८; राय० २४०, ओव० १२; २८; जीवा० ३, ४, भग० ३, २; ११, ११;
दलयंति. नाया० १;८;१३; जं० प० ५,१२१;
दलयामि. नाया० १; ७, १४; १६, निर० ३, ४,
दलयामो. नाया० १; १६, नाया० ध० भग० ६, ३३;
दलयाहि. आ० निसी० ६, ४;
दलयित्था. आ० भग० ७,६;
दलइत्ता. सं० कृ० नाया० १, २; ६; ७; ८; १६; भग० ३, २; ११, ११,
दलइत्तए. हे० कृ० नाया० २;
दलयित्तए. हे० कृ० भग० ३, २,
दलयमाण. व० कृ० ३, २; ४,२; नाया० १; वव० १०, १;

दल. न० (दल) પત્ર; પાંદડાં, पत्र; पत्ते A leaf. पन्न० १७; विशे० २६६; जीवा० ३, ४; (२) ભાગ, ખંડ. भाग; खंड a portion; a division. पन्न० २, (३) સમૂહ; જથ્થો समूह; झुंड, वृन्द. a collection; a group नाया० १; ६; (४) ઉપાદાન કારણ उपादान कारण. the material cause पंचा० ७, ६; (५) કર્મના દલીયા; કર્મના અણુંનો જથ્થો कर्म समूह, कर्म-अणुओं का समूह. an aggregate of Karmas or Karmic atoms. क०गं० ५, ७८; —अगणि पुं० (-अग्नि—दलानि पत्राणि तेषामग्निर्दलाग्नि) પાંદડાનો અગ્નિ. पत्तों की अग्नि fire of leaves. ठा०८;—रयणा स्त्री० (-रचना) કર્મના દલની-પ્રદેશની રચના. कर्मदल-प्रदेश रचना. the arrangement of the molecules of Karmas क० गं० ५, ८३; —विमल. त्रि० (-विमल) દલ-કમલ-પત્રની પેઠે નિર્મલ. दल-कमल पत्रवत् निर्मल. clear, spotless like a lotus leaf. जं० प० ५, १२२;

दलिय न० (दलिक) વિભાગ; અવયવ વિશેષ विभाग, खंड; अंग; अवयव विशेष. A division; a portion; a particular limb जं० प० (२) કર્મના પરમાણુ कर्म के परमाणु the molecules of Karma. ठा० ४, २, क० गं० ५,८१; (३) વસ્તુ, પદાર્થ वस्तु; पदार्थ; चीज. an object, a thing. ओघ० नि० ५५;

दव पुं० (द्रव) કેલિ; ક્રીડા, ગમ્મત केलि, क्रीडा; रमण; खेल. Sport; play; game. जं० प० ३, ६७; ओव० २४,पन्न० २; गच्छा० ७३; (२) જલ, પાણી; પ્રવાહી. जल, उदक; पानी; प्रवाही water "सीए दवस्स एगो भत्ते चत्तारि अहव दो पाणो" प्रव० ७८६; पिं० नि० भा० २६; विशे० १७०७,—कर त्रि० (-कर) ક્રીડા-ગમ્મત હાસી-કરનાર. क्रीडक, खिलाडी a player; a sportsman ओव०३१;—कारग. त्रि० (-कारक) ક્રીડા કરનાર. क्रीडा करने वाला, खिलाडी. a player जं० प० ३,

६७; —कारी स्त्री० (कारिणी) હાંસી-ગમ્મત કરનારી (ભાષા) हास्य विनोदात्मक भाषा, हास्यरस से भरी हुई भाषा. humourous or witty language भग० ११, ११; —गुड पुं० (-गुड) નરમ ગોળ. नरम गुड. soft molasses. प्रव० २२१, पगह० १, ४;

दव. न० (दव) દાવાનલ; વનનો અગ્નિ दावानल; वन की आग. Wild fire विशे० १३०७; —दान न० (-दान— दवस्य दवाग्ने स्तृणाऽऽदिदहननिमित्तं दानं वितरणं दवदानम्) દાવાનલ સલગાવવો. वन की आग भडकाना–सुलगाना; दावानल को प्रज्वलित करना enkindling a wild fire प्रव० २६८,

दवग्गि पुं० (दवाग्नि) દાવાનલ. दावाग्नि; दावानल; वन वन्हि Forest conflagration. "दवग्गि जालाभिहए" जीवा० १, २; पगह० १, १, ओव० ३८; नाया० १, उत्त० ३३, ११; भग० १५, १, उवा० १, ५१; —दट्ठयंग. न० (-दग्धाङ्ग) દાવાગ્નિમાં બાળવાની સજા કરવી તે दावाग्नि दहन का दण्ड, वन की आग में जलाने की सजा a punishment in the form of burning in a conflagration. सूय० २, २, ६३; —दड्ढय. त्रि० (-दग्धक) દાવાનલમાં બળેલો. दावाग्नि दग्ध; दावानल में जला हुआ one burnt by a wild fire दसा० ६, ४; —दावणया. स्त्री० (-दापन) સાતમા ઉવભોગ પરિભોગ વ્રતનો ૧૩મો કર્માદાનરૂપ અતિચાર, ડુંગર વગેરેને સલગાવવા તે सातवें उपभोग परिभोग व्रत का १३ वें कर्मादानरूप अतिचार, पर्वत आदि का सुलगाना-उन मे आग्नि प्रकट करना the 13th fault in the form of sinful actions connected with the 7th Upabhoga Paribhoga vow; setting fire to a mountain etc. भग० ८, ५;

दवदव. अ० (*) 'ધબ ધબ' કરતાં ચાલવું તે धव धव करके चलना; ध्वनि पूर्ण गति Plodding heavily making the sound " Dhaba Dhaba " while walking. उत्त० १७, ८; दस० ५, १, १४; —चारि त्रि० (-चारिन्) ધબ ધબ એવો અવાજ કરતો ચાલનાર સાધુ, અસમાધિનું પ્રથમ સ્થાન સેવનાર. धम धम आवाज के साथ जल्दी चलने वाला साधु, असमाधि के प्रथन स्थान का सेवक. an ascetic who plods heavily making a sound, one who resorts to the 1st stage of non-concentration. दसा० १, ४; सम० २०,

दवदवस. अ० (*) ઉતાવલે ઉતાવલે. जल्दी जल्दी; शीघ्रता के साथ. Hurriedly. " दव दवस्स चरईपमत्तेय आभिक्खणं' उत्त० १७, ८; अंत० ६, ३;

दवरग पुं० (दवरक) દોરડું. रस्सा, दोरी; रज्जू A rope; a cord. नाया० ८; राय०

दवसील. त्रि० (द्रवशील) જલદી જલદી ભાષણ કરનાર. शीघ्रता के साथ बोलने वाला, शीघ्र वक्ता (One) who speaks hurriedly ठा० ४, ४;

दविड पुं० (द्रविड) એ નામનો એક અનાર્ય દેશ. इस नाम का एक अनार्य देश. An Anārya country of this name नाया० १, प्रव० १५६८;

दविण न० (द्राविण) ધન. धन; द्रव्य; सम्पत्ति. Wealth, riches. सु० च० १, २२०, ४, १२६;

दविअ-य पुं० (द्राविक) સંયમી. संयमी.

Self-restrained. (२) મોક્ષ જવાને યોગ્ય; ભવ્ય. मोक्ष प्राप्ति के योग्य; भव्य. fit for emancipation. श्राया० १, १, ७, ५७; १, ४, ४, १३७; १, ६, ३, १८५; १, ८, २, १५; १, ८, ४, १३; सूय० १, २, १, १५; १, ४, १, १०; १, १६, १; (२) તૃણુ આદિ દ્રવ્ય સમુદાય; બીડ. तृण श्रादि द्रव्य समुदाय; बीड. a heap of hay etc.; a grass field. भग० १,८; श्राया० २, ३, ३, १२७;

दविय. न० (द्रव्य) દ્રવ્ય; વસ્તુ; ગુણુ અને પર્યાયના આધાર રૂપ ધર્માસ્તિ કાય આદિ ૭ દ્રવ્ય. द्रव्य; वस्तु; गुण और पर्याय के आधार रूप धर्मास्ति काय आदि छः द्रव्य. Substance; object; the 6 substance viz. Dharmāstikāya etc. which are the fulcrum of attributes and modifications. ठा०४,२; अणुजो०५०; (२) ધન; સંપત્તિ. धन; संपत्ति wealth; riches. कप्प०५,१०३; —**श्रणुश्रोग**, पुं०(अनुयोग) દ્રવ્ય. સંબંધી વિવેચન. द्रव्य सम्बन्धी विवेचन. a discussion relating to substance. "दमविहे दवियाणुयोगे पराणते" ठा० १०; —**श्रणुजोग**. पुं० (-अनुयोग) જુઓ ' दवियाणुश्रोग " શબ્દ. देखो " दवियाणुश्रोग " शब्द. vide " दवियाणुश्रोग " श्रोघ०नि० ६; —**श्रात**. पुं० (श्रात्मन्) દ્રવ્યાત્મા; આત્મ દ્રવ્ય द्रव्यात्मा; श्रात्म द्रव्य, श्रात्म सम्पद वाला. possessing the wealth of the soul. भग० १२, १०, —**एगय**. पुं० (-एकक) દ્રવ્ય સંબંધી એકમ. द्रव्यसम्बन्धी एकम् a unit relating to a substance. ठा० ४, २;

दविल त्रि० (द्राविड) દ્રવિડ દેશવાસી द्राविड देश का निवासी. A native of the Dravida country पराह० १,१; पन्न० १;

दविसात्थिय पुं० (द्रव्यस्वास्तिक) વનસ્પતિ વિશેષ वनस्पति विशेष. A particular vegetation. भग० २१, ७;

दव्व. न० (द्रव्य) ગુણુ અને પર્યાયનું આશ્રય, ભૂત અને ભાવિ પર્યાયનું કારણુ: વસ્તુ; પદાર્થ; ધર્માસ્તિકાય આદિ ૭ દ્રવ્ય. गुण और पर्याय का श्राश्रय, भूत व भावि पर्याय का कारण, वस्तु-पदार्थ; धर्मास्तिकाय श्रादि छः द्रव्य. Vide " दविय " नाया० १; २; ३; ८; १२; १७; भग० १, १; ४; २, १; ५; ३, ४, ५, २; ७; ७, १; ८, १; १०; १८, १०; २५, २; नंदी० १६; पन्न० १५; अणुजो० १८; १३२; १४३; श्रोव २०; पिं० नि० ५; विशे० २८; क० गं०५, ८६; पंचा० ३, ३५; ८, २६; प्रव० ६०४; भत्त०३१; ४२; ७१; (२) કર્મદલ; કર્મના દલિઆ. कर्म समूह-कर्म दल. a group of Karmas क० प० १, ८३; —**श्रंतर** न० (-अन्तर) દ્રવ્યાન્તર; બીજું દ્રવ્ય. द्रव्यान्तर; दूसरा द्रव्य. another substance. सम० ३; —**श्रणंतश्र-य**. पु० (-अनन्तक) અનંતદ્રવ્ય. अनन्त द्रव्य, अपार निधि. infinite substances, an immense treasury. ठा० ५, ३; —**श्रणुश्रोग**. पुं० (-अनुयोग) ધર્માસ્તિકાય આદિ ૭ દ્રવ્યનું વિવેચન. धर्मास्तिकाय आदि छः द्रव्य का विवेचन a discussion on the 6 Dravyas. सम० ३; —**श्रणुपुव्वी**. स्त्री० (-अनुपूर्वी) દ્રવ્ય વિષયક અનુક્રમ; અનુપૂર્વી. द्रव्यसम्बन्धी अनुक्रम, द्रव्यानुक्रमाणिका-अनुपूर्वी. a serial order of substances. अणुजो० ७१; —**श्रभिग्गह**. पुं० (-अभिग्रह) અમુક દ્રવ્ય લેવું

અમુક ન લેવું એવી રીતે દ્રવ્ય સંબંધી નિયમ કરવો તે द्रव्य सम्बन्धी नियमन; पदार्थों के लेने का नियम मर्यादा. a vow that a particular thing is to be accepted or not etc ओव० भा० २५, ७; —अभिग्गहच्चरय. पुं० (-अभिग्रह चरक) અમુક દ્રવ્ય લેવું અમુક ન લેવું એવો અભિગ્રહ વિશેષ ધરનાર સાધુ. अमुक द्रव्य लेना अमुक न लेना इस आशय का अभिग्रह विशेष धारण करने वाला साधु. an ascetic who has taken a vow that a particular thing is to be taken or not. भग० २५, ७; —आदेस. पुं० (-आदेश-आदेशः प्रकारो द्रव्यरूप आदेशो द्रव्याऽऽदेशः) દ્રવ્યનો આદેશ-અપેક્ષા द्रव्य का आदेश-अपेक्षा a relation or substitute for substances. भग० २, ६; १४, ४, ठा० ४, १; —आय पुं० (-आत्मन्) દ્રવ્ય સ્વરૂપ. द्रव्य स्वरूप. the external shape or form पिं०नि०१०४, —आयरिय. पुं० (-आचार्य) આચાર્યના ગુણ રહિત આચાર્ય. आचार्य के गुणों से हीन आचार्य; अयोग्य आचार्य an unfit preceptor. पंचा०६,१३;—इंद. पुं०(-इन्द्र) દ્રવ્યેન્દ્રના બે પ્રકાર છે એક આગમની અપેક્ષાએ અને બીજો અનાગમની અપેક્ષાએ; આગમમા જ્યા ઇંદ્રનું વર્ણન છે, તેણો જાણનાર પુરુષ, ઉપયોગ રહિત તેનું અધ્યયન કરતો હોય ત્યારે તે પુરુષ, આગમની અપેક્ષા-દ્રવ્યેન્દ્ર કહેવાય. જે શરીર ભવિષ્યમાં ઇંદ્રનું સામર્થ્ય મેલવનાર છે અથવા ભૂત કાલમાં જેણે મેલવ્યુ છે વર્તમાનમાં ઇંદ્ર ભાવ રહિત છે તે શરીરને આગમની અપેક્ષાએ દ્રવ્યેદ્ર કહેવાય. द्रव्यंन्द्र दो प्रकार के हैं, १ आगम की अपेक्षा से, २रा अनागम की अपेक्षा से आगम मे जहाँ इन्द्र का वर्णन है,उसे जानने वाला व्यक्ति यदि बिना समझे उसका अध्ययन करे, तो वह पुरुष आगम की अपेक्षा मे द्रव्येन्द्र कहलाता है जो शरीर भविष्य मे इन्द्र की शक्ति प्राप्त करने वाला है अथवा भूतकाल में उसे प्राप्त कर चुका है और वर्तमान में इन्द्रत्व से रहित है उस शरीर को आगम की अपेक्षा से द्रव्येंद्र कहते हैं. Dravyendra is of two kinds; 1 with reference to scriptures 2 with reference to non-scriptures. Any person who knows the description of an Indra in scriptures, but studies it without understanding them is called Dravyendra in reference to scriptures. That body which will obtain the power of Indra or which has obtained it but has not the state of an Indra at present is called Dravyendra in reference to scriptures —इंदिय. पुं० (-इन्द्रिय) કાન, નાક, આંખ આદિ નિર્વૃતિ અને ઉપકરણ રૂપ દ્રવ્ય ઇંદ્રિય. कान, नाक, आंख आदि निर्वृत्ति और उपकरण रूप द्रव्यइन्द्रिय organs of senses such as the ears, nose, eyes etc पन्न० १५,भग०१,७,विशे० ६०, —उज्जोअ. पुं० (-उद्योत) દ્રવ્ય ઉદ્યોત-દીવાઆદિનોપ્રકાશ द्रव्य उद्योत-दिये आदि का उजेला. brightness of an object such as a lamp etc "गए से आवुज्जोए दव्वुज्जोअं करिस्सामो " कप्प० ५, १२७; —उमोयरिया. स्त्री०(-अवमोदरिका) ખાન પાનનાં પહેરવા ઓઢવાના દ્રવ્યો ઘટાડવાં.

खान पान के या पहिनने ओढ़ने के द्रव्यों को घटाना-कम करना. decreasing food stuffs and wearing apparels ओव० १६; भग० २५, ७; —पयरणा स्त्री० (-प्रजना) द्रव्य परत्वे कंपवुं ते. द्रव्य परत्वे कंपन. trembling materially. भग० १७, ३०; —ओगाहणा स्त्री० (-अवगाहना) द्रव्य आश्री अवगाहन-ઉંચાઇ. द्रव्य सम्बन्ध की अवगाहना-ऊंचाई material height ठा० ४, १; —ओहि पुं० (-अवधि) द्रव्य आश्री अवधिज्ञान. द्रव्य के सम्बन्ध का अवधि-ज्ञान. limited knowledge in relation to substances. विशे० ५८४; —करण. न० (-करण) द्रव्य आश्री करणु. द्रव्य सम्बन्धी करण द्रव्यार्थीकरण. material couse. भग० १६, ६; —ग्गहण. न० (-ग्रहण) पुद्गलादि द्रव्यनुं ग्रहणु करवुं ते. पुद्गलादि द्रव्य का ग्रहण करना. taking in of substances like Pudgala etc प्रव०५१७; १०५६; —जाय पुं० (जात) द्रव्यना प्रकार द्रव्य के प्रकार; द्रव्य की जाति. the varieties of substances जं० प० २, ३१; —जीविय न० (-जीवित) प्राणु धारणु करवाना आधाररूप अन्न पाणी वगेरे द्रव्य. प्राण धारण के आधाररूप अन्न जलादि द्रव्य substances such as food, water etc. which support life. विशे० ३५११;—ट्ठ पुं०(-अर्थ) द्रव्यनी अपेक्षा. द्रव्य की अपेक्षा-इच्छा wish for sub stances. भग० ७, २; —ट्ठता. स्त्री० (-अर्थता) द्रव्यार्थपणुं. द्रव्यनी अपेक्षा. द्रव्यार्थता; द्रव्य की अपेक्षा; द्रव्य कामना. a desire for substances भग० २५, ३;—ट्ठया. स्त्री० (-अर्थता) द्रव्यार्थिक नय; द्रव्यनी अपेक्षा; पर्यायने गौणु राखी द्रव्यने मुख्यता आपी शाश्वत अशाश्वतनो विचार करवो ते. द्रव्यार्थिक नय; द्रव्य की अपेक्षा; पर्याय को गौण रख कर द्रव्य को मुख्यत्व प्रधानता देना और फिर शाश्वत अशाश्वत का विचार करना. substantial standpoint; a desire for wealth; discussion of the eternal or transitory, making the substances as primary and there modifications as secondary. जं० प० ७; १७५, राय० १४५; भग० १८, १०, १४, ७; २५, ४, जीवा०३, ४; नाया०५,पन्न ३.—तुल्लय त्रि० (-तुल्यक) द्रव्य आश्री तुल्य द्रव्य तुल्य. similar to a substance. भग० १४, ७,—त्थव. (-स्तव) द्रव्य स्तव-स्तुति; भावविना स्तुतिनो उच्चार मात्र करवो ते द्रव्य स्तुति भावहीन प्रार्थना करना; भाव को न समझते हुए स्तुति के उच्चार मात्र से प्रार्थना करना a material praise; repeating a prayer without any sincerity पंचा० ६, ४६; —दिसा. स्त्री० (-दिश्) दश दिशानी शरुआत मेरुना रूचक प्रदेश रूप द्रव्यथी थाय छे तेथी तेनी अपेक्षाए दिशाओ द्रव्य रुप कही शकाय दस दिशाओं का आरंभ मेरू के रुचक प्रदेश रूप द्रव्य मे होता है इसकी अपेक्षा से दिशायें द्रव्यरूप कही जासकती हैं the quarters can be called material for they start from the Ruchaka region (which is material) in the Meru mountain. विशे० ६६६६; —देव. पुं० (-देव) आवता भवमां देवपणे थनार मनुष्य अने तिर्यंच. आगामी भवमें देवता होनेवाले मनुष्य और तिर्यंच. the human and

sub-human beings which are to become gods in the coming life. पन्न० २०; —देस पुं० (-देश) द्रव्यनो देश भाग. द्रव्य का देश भाग. a part of a substance. भग० ८, १०; —धम्म. पुं० (-धर्म) भाव शून्य धर्म. भाव विहीन धर्म; खोखलाधर्म. unsentimental religion; a hollow religion. सूय०नि० १,६;१००; —पच्चक्खाण न० (-प्रत्याख्यान) द्रव्यथी भावविना सचित्त पदार्थ-पाणी अन्न वगेरेनो त्याग करवो ते द्रव्य से भाव बिना भावको न समझते हुए सचित्त पदार्थ-अन्न जलादि का त्याग abandoning of food, water etc without understanding the motive. विशे०३८०३; —पमाण. न० (-प्रमाण) द्रव्यनु परिमाण गणतरी. द्रव्य का परिमाण गिनती सख्या the measure of a substance विशे० ४०६, —परमाणु. पुं० (-परमाणु) द्रव्यना परमाणु द्रव्य के परमाणु. the molecules of a substances भग० २०, ५; —परिणाम पुं० (-परिणाम) द्रव्यनु परिणाम. द्रव्य का परिणाम. a modification or result of substances. विशे० ६६; —पुरिस. पुं० (-पुरुष) पुरुष भाव रहित; द्रव्य मात्रकरी पुरुष पुरुष भाव से हीन; द्रव्य मात्र से पुरुष, द्रव्य पुरुष man in appearance only. ठा० ३, १, —पूइ. स्त्री० (-पूति) वस्तुनुं अपवित्रपणुं कोहायेली वस्तु. पदार्थ-वस्तु की अपवित्रता; बिगडी हुई अपवित्र वस्तु impurity of an object; a decomposed thing पिं० नि० २२६; —बंध.पुं० (-बन्ध) द्रव्य बंध, स्नेह या रज्जुथी बांधवुं ते. द्रव्य बंध; स्नेह या रस्सी का बंधन. the material bondage; a tie of affection. भग० १८,३,—मंगल. न० (-मङ्गल) द्रव्यमंगल; मांगलिक द्रव्य चोखा नालीयर वगेरे. मांगलिक द्रव्य; चावल, श्रीफल आदि. auspicious things e. g. rice, cocoanut etc विशे० ४६; —मण. न० (-मनस्) कायथोगनी सहायताथी जीवे ग्रहण करेल चिंता-विचारणा प्रवृत्ति करावनार मनोवर्गणानो द्रव्य समूह. काययोग की सहायता से जीवद्वारा ग्रहण की हुई चिन्ता-विचारणा प्रवृत्ति करानेवाला मनोवर्गणा का द्रव्य समूह. a material group of Manovargaṇā which stimulates the thought-activity entertained by the soul through the help of Kayayoga (physical concentration) विशे०२१७, —मास.पुं०(-माष) द्रव्यमां माष- अडदरूप द्रव्य. माष- उडद, उर्द रूप द्रव्य. a substance in the shape of Māsa (a kind of pulse). भग० १८, १०; —रासि पुं० (-राशि) द्रव्यनो समूह. द्रव्य का समूह द्रव्य राशि. an aggregate of substances. पण्ह० २, ४; —लिंग. न० (-लिङ्ग) द्रव्य व्यवहार; बहारनो वेष. द्रव्य व्यवहार; बाहरी वेष. external intercourse, show. भग० २५, ६; ७; पंचा० ३, ३१, —लेस्सा. स्त्री० (-लेश्या) द्रव्य लेश्या; कृष्णादि ७ लेश्यानु द्रव्य. द्रव्य लेश्या; कृष्णादि छः लेश्या का द्रव्य. matter-tint. भग० १, ६; १२, ५; —लोग. पुं० (-लोक) धर्मास्तिकायादि जीवाजीव द्रव्यरूप लोक. धर्मास्ति काय आदि जीवाजीव द्रव्य रूप लोक. the animate or inanimate

material world viz. Dhasmāstikāya etc. ठा० १, २; —लोय. पुं० (-लोक) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपर का शब्द vide above. भग० ११, १०; —विउस्सग- पुं० (-व्युत्सर्ग) દ્રવ્યથી શરીર આદિનો પરિત્યાગ. द्रव्य मे शरीर आदि का परित्याग. material abandonment. भग० २५, ७. —संजोग. पुं० (-संयोग) દ્રવ્યનો સંયોગ-સંબંધ द्रव्य का संयोग, सम्बन्ध. the union, relation of substances अणुजो० १३१; —संसार पुं० (-संसार) જીવ પુદ્ગલ રૂપ દ્રવ્યનું ભ્રમણ તે દ્રવ્ય સંસાર जीव पुद्गलरूप द्रव्य का भ्रमण वह द्रव्य ससार the wandering of substance in the shape of life-molecule is called a material world ठा० ४, १; —सरूव. न० (-स्वरूप) દ્રવ્યનું સ્વરૂપ द्रव्य का स्वरूप. the nature of a substance. प्रव० ६८७; —सील. न० (-शील) ચેતન અચેતન આદિ દ્રવ્યનો સ્વભાવ चेतन अचेतन आदि द्रव्य का स्वभाव. the nature of a substance as consciousness, unconsciousness etc. सूय० नि० १, ७,८६; —सुद्ध. त्रि०(-शुद्ध)ઉદ્ગમાદિ દોષ રહિત શુદ્ધ વસ્તુ उद्गम आदि दोषरहित शुद्ध वस्तु a pure substance; free from the faults such as birth etc. विवा० १, भग० १५, १; —सुय न० (-श्रुत) દ્રવ્યશ્રુત; ભાવશ્રુતના કારણરૂપ શબ્દ સમૂહ; આચારાંગ આદિ શાસ્ત્ર द्रव्यश्रुत; भावश्रुत का शब्दसमूह; आचारांग आदिशास्त्र a composition of words in the from of scriptures. विशे० ११६, ४७; —सुयत्त न० (-श्रुतत्व) દ્રવ્ય શ્રુતપણું. द्रव्य श्रुतत्व, द्रव्य श्रुतता the state of being a scripture in a material form. विशे० १३, ६; —सोय. पुं० (-शौच) શરીર શૌચ; બ્હારની પવિત્રતા. शारीरिक शुद्धि; बाहरी पवित्रता physical cleanliness नाया० ५; —हय त्रि० (-हत) દ્રવ્યથી હણાયેલ. નિર્વીર્ય થએલ. द्रव्य विहीन, निर्वीर्य किया हुआ (one) rendered stuffless. प्रव० २२७, —हेकम्म. न० (-अधः कर्मन्) વસ્તુનું નીચે જવું पदार्थ का अधोगमन, वस्तु का पतन the degradation of substances पिं० नि० ६८;

दव्वओ. अ० (द्रव्यतस्) દ્રવ્યની અપેક્ષાએ. द्रव्य मे, द्रव्य की अपेक्षा से द्रव्यके कारण. From the point of substance. उत्त० २४, ६; ओव० १७. भग० २, १; ५, ८, ८, ९; १०; नंदी० १६; प्रव० १५६;

दव्वजाअय न० (द्रव्यजात) દ્રવ્યના પ્રકાર જાત. द्रव्य के प्रकार-जाति The varieties of substances. जं० प० २, ६७, निसी० १०, ४४; पण्ह० २. ३;

दव्वट्ठिय. पुं० (द्रव्यार्थिक) દ્રવ્યાર્થિક નય; દ્રવ્યની અપેક્ષા લગાડી વિચાર કરવો તે द्रव्यार्थिक नय; द्रव्य की अपेक्षा मे विचार करना Substantial standpoint. विशे० ७१, ४५७;

दव्वतो अ० (द्रव्यतस्) દ્રવ્યથી ગણી द्रव्य से; द्रव्य की अपेक्षा से Materially पंचा० १६; विशे०३५२५;

दव्वत्त. न० (द्रव्यत्व) દ્રવ્યપણું द्रव्यत्व; द्रव्यपूर्णता. The state or quality of a substance विशे० ५२;

दव्वहालिया. स्त्री० (द्रव्यहालिका) એ નામની એક વનસ્પતિ इस नामकी एक वनस्पति.

A kind of vegetation. पन्न॰ १;

दव्वहोमा स्त्री॰ (द्रव्यहोमा) ઉચ્ચાટનાદિ નિમિત્તે મધ ઘી તલ વગેરે હોમવાની વિદ્યા; ૪૦ વિદ્યામાંની એક. उच्चाटनादि के निमित्त मधु, घी, तिल आदि का हवन करने की विद्या, ४० विद्याओं में से एक. An art out of the 40; a sacrifice of honey etc. offered for expelling, attracting etc. सूय॰ २, २, २७;

दव्विकर पुं॰ (दर्वीकर) એક જાતનો સર્પ. एक सर्प विशेष. A kind of snake. जीवा॰ १;

दव्विय. त्रि॰ (द्रव्य) ભવ્ય, મુક્તિ પામવાને યોગ્ય. भव्य; मोक्ष प्राप्ति के योग्य. One fit for salvation; one possessed of the qualities of acquiring salvation सूय॰ १, ८, ६; (२) સચિત વસ્તુ सचित वस्तु-पदार्थ. conscious object; a thing having life. दसा॰ २, २१, २२;

दव्वी. स्त्री॰ (दर्वी) કડછી; ચાડવો. कड़छी; चाटू. A spoon; a ladle. दस॰ ५, १, ३५, पिं॰ नि॰ २५०; आया॰ २, १, ६, ३३; (२) આ નામની એક વનસ્પતિ; કોબી, કોબી ફૂલ इस नाम की एक वनस्पति, गोबी; गोबी फूल. a vegetation of this name; acauliflower, cabbage. पन्न॰ १;

दव्वीअ. पुं॰ (दर्वीक) ચાટવો; કડછી. कड़छी; भोजनालय का पात्र विशेष जिसके द्वारा द्रव पदार्थ परोसे जाते हैं. A spoon, a ladle निसी॰ १२, १८,

दव्वीकर पुं॰ (दर्वीकर) કડછીની માફક ફેણને પહોળી કરનાર એક જાતનો સર્પ. कड़छी के समान फन को गहरा फैलाने वाला एक सर्प विशेष A kind of serpent having an expanded hood like a spoon "से किंते दव्वीकरा ? दव्वीकरा अणेगविहा पन्नता" पन्न॰ १;

√**दस**. धा॰ I. (दंस) દંશ કરવો; કરડવું. काटना; डंक मारना; डसना; दंश करना. To bite, to sting.

दसतु. आया॰ १, ६, ३, ४;

दस. त्रि॰ (दशन्) દશ; ૧૦; દશની સંખ્યા. दस; १०; दस की संख्या. Ten, 10. नाया॰ १, ५; १६; भग॰१,५,३, १, ८; ५, ८; ७, ६; २५, ४; उत्त॰ २६, १६; ३६, ५२; पन्न॰ १; ४; दस ६, ७, दसा॰ ५, १६; नाया॰ध॰सू॰प॰ ११; पिं॰नि॰१४६; निसी॰ ६, २०; —**अंग**. पुं॰ (-अंग) દશ જેના અંગ અવયવો છે-એવુ સુખ મેળવનાર જીવ; દશાંગી સુખ પ્રાપ્ત કરનાર. दस अंगो से युक्त सुख मिलाने वाला जीव; दशांगी सुख प्राप्त करने वाला. a pleasure-seeking being with ten limbs. उत्त॰३, १७, —**आहिया** स्त्री॰ (-आन्हिका) દશ દિવસ પર્યંત થતી પુત્રની જન્મ ક્રિયા. दस दिन तक होने वाली पुत्र की जन्म क्रिया. a ceremony lasting for 10 days at the birth of a son. भग॰ ११, ११; —**गुण** त्रि॰ (-गुण) દશગણો. दशगुना. tenfold. भग॰ २५, ४; ठा॰ १०; —**गुणकालग**. त्रि॰ (-गुणकालक) એક ગુણા કાલાની અપેક્ષાએ દશગણો કાલો एक गुने (पट) काले की अपेक्षा दशपट काला. tenfold black. ठा॰ १०; —**गुणिय** त्रि॰ (-गुणित) દશે ગણેલ; દશગણું. दश से गुणित; दस गुना. multiplied by ten. भग॰ ६, ७, प्रव॰ १०४१; —**ठाण** न॰ (-स्थान) ઠાણાંગ સૂત્રના દશ ઠાણા ठाणांग सूत्र के

दस ठाण. the ten sections of the Thāṇanga Sūtra. भग० १, ४; १४, ५;—णह. न० (-नख) બન્ને હાથના મળીને દશ નખ. दोनों हाथों के पांच और पांच दश नख. the ten nails. नाया० १६; भग० २, १;—दसय. न० (-दशक) દશદ શક = ૧૦૦, સો. दश दशक = १ शतक; १००; सौ. ten by ten = 100. ठा० १०;—दसार. पुं० (-दशार्ह) સમુદ્રવિજય આદિ ૧૦ ભાઈ. समुद्र विजय आदि दस भाई. the ten brothers viz. Samudra Vijaya etc. नाया० ५; १६;—दिवसिय त्रि० (-दैवसिक) દશ દિવસનું. दस दिन का. of ten days. 'दस दिवसियं ठिइवडियं' नाया० १;—दिसा. स्त्री० (-दिश्) ચાર દિશા, ચાર વિદિશા ઉંચી અને નીચી એ દશ દિશા. चार मुख्य दिशा, चार विदिशा, उर्ध्व और अधः ऐसी दस दिशा. the ten directions viz. the 4 principal quarters, 4 angular ones, up and low. भग० २,४;—दिसी. स्त्री० (-दिशा) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपर का शब्द. vide above. सम० ३४;—द्ध. त्रि० (-अर्द्ध) દશનું અર્ધ; પાંચ, ५ दस का आधा; पांच; ५. half of ten; five. नाया० १६; जीवा० ३, ३; राय० २७; भग० ७, ६; सम० ३४;—द्धवण्ण. त्रि० (-अर्धवर्ण) પાંચ રંગનું; પંચરંગી. पचरंगी, पांचरंग वाला. of five colours. जं० प० ३, ४३; नाया० ८, १८; विवा० १, सम० ३४; राय० २७;—नह पुं० (-नख) બે હાથના દશ નખ दो हाथों के दस नख. the ten nails कप्प० १, ५;—पएसिअ-य पुं०(-प्रदेशिक) દશ પ્રદેશિક સ્કંધ; દશ પરમાણુ મળવાથી બનેલ એક વસ્તુ दस प्रदेशिक स्कंध; दस परमाणु के योग से बनी हुई एक वस्तु. a formation of ten atoms. अणुजो० १३०; ठा० १०;—पएसोगाढ. पुं० (-प्रदेशावगाढ) દશ પ્રદેશને અવગાહીને રહેલ. दश प्रदेशों का अवगाहन कर रहा हुआ, लेकर रहा हुआ that which covers up ten units of space. ठा० १०;—परिणाह पुं० (-परिणाह) હાથીનો મધ્યભાગ કે જે દશ હાથ લાંબો હોય છે તે. हाथी का मध्य भाग जिस की लम्बाई १० हाथ होती है. the middle part of an elephant, its length is 10 arms. नाया० १;—पुव्वि. पुं० (-पूर्विन्) દશપૂર્વના જાણનાર दशपूर्व के ज्ञाता (one) who knows the 10 Pūrvas(a certain mass of knowledge ओघ० नि० १, कप्प० ८; -प्पयार पुं० (-प्रकार) દશ પ્રકાર दस प्रकार-जाति-भांति. the ten varieties. नाया० ५;—भेय. पुं० (-भेद) દશ પ્રકાર. दस प्रकार-भेद the ten varieties. प्रव० ११४३;—मास. पुं० (-मास) દશ માસ. दस मास या महिने. ten months. दसा० ६, २;—रत्त न० (-रात्र) દશ રાત્રિ. दस रात्रि-रात-निशा. ten nights. विवा० ३;—रत्तठिइवडिया. स्त्री० (-रात्रस्थिति पतिता) કુલાચારપ્રમાણે દશ દિવસ સુધી પુત્ર પુત્રીનો જન્મ મહોત્સવ કરવો તે. कुलाचार के अनुसार दस दिनों तक पुत्र या पुत्री का जन्म महोत्सव celebrating the birth of a child for ten days according to family customs. विवा० ३;—राअ य. न० (-रात्र) દસ રાત્રિ दस रात्रि-रात ten nights. आया० २, ५, १, १४६; निसी०

२०, १७; १८; ४१; —वग्ग. पुं० (-वर्ग) જ્ઞાતાધર્મકથાના દશ વર્ગ जाताधर्मकथा के दस वर्ग. the ten sections of the Jñātādharmakathā Sūtra. नाया० ध० —वासपरियाग. पुं० (-वर्षपर्यायक) દશ વર્ષની દીક્ષાવાળો. दश वर्ष की दीक्षा वाला. (one) of ten years of concecration वव० १०, २५, —वाससय. न० (-वर्षशत) એક હજાર વર્ષ. एक हजार या सहस्र वर्ष. one thousand years. भग० ६, ७, —वाससहस्स. न० (-वर्षसहस्र) દશ હજાર વર્ષ दस सहस्र या हजार वर्ष ten thousand years. भग० १, १; २४, १; —विणय पुं० (-विनय) દશ પ્રકારનો વિનય दश प्रकार का विनय humility of ten kinds. प्रव० ६४०; —समयठिइय त्रि० (-समयस्थितिक) દશ સમયની સ્થિતિવાળો. दश समय की स्थिति वाला. (one) having an existence for ten Samayas (a unit of time) ठा० १०; —सय. न० (-शत) હજારની સંખ્યા हजार की संख्या. one thousand; 1000 ठा० १०; —सुन्न. न० (-शून्य) દશ શૂન્ય-મીંડાં. दश बिन्दू-शून्य ten zeroes. प्रव० ४११; —हीण. त्रि० (-हीन) દશ બાદ કરેલ; દશ ઓછા કરેલ दश कम किया हुआ; जिसमें से दश घटा दिये गये हों. less by ten; that from which ten are subtracted. प्रव० ३७६,

दसअट्ठ. त्रि० (*दशाष्ट-अष्टादश) અઢાર; १८. अठारह, अष्टादश, १८. Eighteen; 18 दस० ६, ७, —ठाण न० (-स्थान) અઢાર પાપનાં સ્થાનક अठारह पाप के स्थानक. the 18 ways or acts of incurring sin. दस० ६, ७;

दसक न० (दशक) દશકો; દશનો થોક. दस दस का जत्था; दशक. A group of ten. भग० १२, ४;

दसकालिय. न० (दशकालिक) દશવૈકાલિક નામનું મૂલસૂત્ર. दशवैकालिक नामक मूलसूत्र. The original Sūtra named Daśvaikālika. विशे० १०२१;

दसट्ठ. त्रि० (*दशाष्टन्-अष्टादश) અઢાર; १८ अठारह; १८. Eighteen; 18 दस० ६, ७;

दसठाण. न० (दशस्थान) અવધિજ્ઞાન આદિ દશ બોલ કે જે ૫ માં આરામાં વિચ્છેદ થયા. अवधिज्ञान आदि दस बोल जिनका ५ वें आरे में विच्छेद हुआ. The ten stages viz limited knowledge etc. whose destruction took place in the 5th Āra (a part of the cycle of time) प्रव० २०, —वव च्छेअ पुं० (-व्यवच्छेद) જમ્બુસ્વામી પછી દશ સ્થાન-વસ્તુઓનો વિચ્છેદ થયો-તે; અવધિજ્ઞાન, મનઃપર્યવજ્ઞાન, કેવલજ્ઞાન, છેલ્લા ત્રણ ચારિત્ર, ક્ષપકસમકિત, પુલાકલબ્ધિ, આહારક શરીર અને જિનકલ્પી સાધુ એ દશ બોલનો વ્યવછેદ. जंबूस्वामी के बाद के दस स्थान-वस्तुविच्छेद, अवधिज्ञान, मनःपर्यवज्ञान, केवलज्ञान, अन्तिम तीन चारित्र, क्षपकसमकित, पुलाकलब्धि, आहारक शरीर और जिनकल्पी साधु आदि इन दसबोल का व्यवच्छेद. the destruction of the ten stages after Jambū Svāmī viz. limited knowledge etc whose destruction took place in the 5th Āra (a part of the cycle of time). प्रव० २०;

दसण पुं० (दशन) દાંત दांत, दन्त A

tooth. सु० च० २, ३६५; जं० प०

दसरण. पुं० (दशार्ण) એ નામનો એક દેશ. इस नाम का एक देश. A country of this name. पन्न० १; उत्त० १३, ६;

दसरणपुर. न० (दशार्णपुर) એ નામનું એક નગર इस नाम का एक नगर A city of this name. ठा० १०;

दसदसमिश्रा-या. स्त्री० (दशदशमिका) દશ દશક-સો દિવસનું અભિગ્રહ-તપ, જેમાં એકેક દિવસે અથવા દશ દશ દિવસે એકેક દાત અન્ન પાણીની વધારતાં એક દાતથી દશ દાત સુધી અન્ન પાણીની લઈ શકાય છે. दस दसक या सौ दिन का अभिग्रह तप कि जिस में एक एक दिन में अथवा दस दस दिनों में अन्न जल की एक २ दात बढाते हुए एक दात से दस दात तक अन्न जल लिया जा सके. A vow of 100 days in which on every day or the 10th day one Dāta (a particular measure) of food and water is increased till it reaches ten Dātas. अंत० ८, ५; वव० ६, ४०; ओव० १५; ठा० १०; सम० १००;

दसधणु. पुं० (दशधनुष्) જમ્બુદ્વીપના ઐરવત ક્ષેત્રમાં આવતી ઉત્સર્પિણીમાં થનાર છઠ્ઠા કુલકર जंबूद्वीप के ऐरवत क्षेत्र में आने वाली उत्सर्पिणी में होने वाले छठे कुलकर. The 6th Kulakara who is to be born in the coming aeon of increase in Airavata region of Jambūdvīpa. सम० २४०; (२) ભરતક્ષેત્રની આવતી ઉત્સર્પિણીના ૧૦ મા કુલકર. भरत क्षेत्र की आगामी उत्सर्पिणी के १० वें कुलकर. the 10th Kulakara of the coming aeon of increase of Bharata Ksetra ठा० १०;

दसन. पुं० (दशन) દાંત. दांत; दन्त. A tooth. जं० प०

दसन्न. पुं० (दशार्ण) જુઓ "दसरण" શબ્દ. देखो "दसरण" शब्द. Vide "दसरण" उत्त० १८, ४४;

दसन्नभद्द. पुं० (दशार्णभद्र) દશાર્ણ દેશનો રાજા કે જેને પોતાની ઋદ્ધિને માટે ઘણું માન હતું, જ્યારે ઈન્દ્રે અધિક ઋદ્ધિ બતાવી માન ઉતાર્યું ત્યારે તેણે દીક્ષા ધારણ કરી ઇન્દ્રને નમાડ્યો. दशार्ण देश का राजा जिसे अपनी ऋद्धि-समृद्धि के विषय में बडा अभिमान था, जिस समय इंद्र ने अधिकतर ऋद्धि बतलाकर उसका अभिमान चूर कर दिया तब उसने दीक्षा धारण कर के इंद्र को नमाया. The king of Daśārṇa country who was very proud of his powers, when Indra humbled his pride by showing a superior power, then the king entered the order and humbled Indra. उत्त० १८, ४४,

दसपुर न० (दशपुर) દશપુર નામનું નગર કે જેમાં ગોષ્ઠામાહિલ નિન્હવ થયા. दशपुर नामक नगर कि जिसमें गोष्ठामाहिल निन्हव हुए थे. A city named Daśapura where Goṣṭā Māhila heretic lived. ठा० ७, १;

दसम. त्रि० (दशम) દશમો-મી-મું. दसवां-वीं वें Tenth भग० २, १; १५, १; १६, ८; नाया० १०; १६; उत० २६, ४; नाया० ध० १०; उवा० १, ७१; (२) ચાર ઉપવાસ. चार उपवास. four fasts. नाया० १; ८; भग० २, १; —भत्त. न० (-भक्त) ચાર ઉપવાસ ભેગા કરવા તે. एक साथ चार उपवासों का करना. the four simult-

aneous fasts पराह० २, १; ओव० १६; —भत्तिय पुं० (-भक्तिक) ચાર ઉપવાસ વાલો-चा उपवास वाला. (one) keeping four fasts. भग० १६, ४; पराह० २, ३;

दसमा. स्त्री० (दशमी) દશમ; પક્ષની ૧૦ મી તિથિ दशमी; पक्ष की दसवीं तिथि. The 10th date of a lunar month दसा० ६, २;

समी स्त्री० (दशमी) દશમ; દશમી. दशमी, दसम. The 10th date of a lunar month जं० प० ७, १५३;

दसमुद्दा. स्त्री० (दशमुद्रा) આંગલીમાં પહેરવાનું આભૂષણ. अंगुली मे पहिननेका आभूषण. अंगूठी.मुद्रा A ring.राय०१८५; —मंडियगहत्थ. पुं० (-मण्डिताग्रहस्त) જેણે દશ મુદ્રા હાથમા પહેરેલ છે એવો जिसके हाथ मे दस मुद्रा हों वह. (one) wearing a particular ring. जीवा० ३, ४;

दसमुद्दिताणंतक. पुं० (दशमुद्रिकानन्तक) આગલીમાં પહેરવાનું એક આભૂષણ अंगुली में पहिनने का एक आभूषण A particular ring; an ornament for the finger. जीवा० ३, ४;

दसमुद्दिताणंतय पुं० (दशमुद्रिकानन्तक) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपर का शब्द Vide above भग० ६, ३३

दसय न० (दशक) દશની સખ્યા दसकी संख्या The number ten प्रव० ६८१, —पव्व. न० (-पर्वन्) દશ ગ્રથિઓ, દશ ગાઠ दशग्रथिया, दस गाठ ten knots प्रव० ६८१,

दसरह पुं० (दशरथ) ચાલુ અવસર્પિણીના આઠમા બલદેવ વાસુદેવ (રામ લક્ષ્મણ) ના પિતા, દશરથ રાજા. वर्तमान अवसर्पिणी के आठवें बलदेव वासुदेव (राम लक्ष्मण) के पिता; राजा दशरथ. The king Daśaratha father of Rāma and Laksamana the 8th Baladeva and Vāsudeva of the present decreasing aeon. ठा० ६; सम० प० २३५; (२) એ નામના ચાલુ અવસર્પિણીના ૯ મા કુલકર. वर्तमान अवसर्पिणी के इस नामके ६ वें कुलकर the 9th Kulakara of this name of the current aeon of decrease. ठा० १०; सम० प० २२६, (३) એક કુમારનું નામ. एक कुमार का नाम. the name of a prince. निर० ५, १: (४) વન્હિદશા સૂત્રના પ્રથમ અધ્યયનનુ નામ. वन्हिदशा सूत्र के प्रथम अध्ययन का नाम the name of the first chapter of Vanhidaśā Sutra. निर० ५, १;

दसविह त्रि० (दशविध) દશ પ્રકારનુ. दस प्रकार का. Of ten kinds नाया० ५, भग० २५, ६ सम० १०, ओव० १, ४, —कप्पद्दुम पुं० (-कल्पद्रुम) દશ પ્રકારના કલ્પ વૃક્ષો दस भाति के कल्पवृक्ष. the desire-yielding celestial trees of ten varieties. प्रव-१४४८,

दसवेयालिअ-य न० (दशवैकालिक) એ નામનુ ૨૯ ઉત્કાલિક સૂત્રમાંનુ પહેલુ. इस नाम का २६ उत्कालिक सूत्रों मे से पहिला सूत्र. The first of the 29 Utkālika Sūtras of this name नदी०४३;

दसहा अ० (दशधा) દશ પ્રકારનુ दश प्रकार का. Of ten varieties भग० २४, ७, उत्त० ३६, ४, प्रव० १८८,

दसा स्त्री० (दशा) દશા, સ્થિતિ, અવસ્થા. दशा, स्थिति, अवस्था, हालत State;

condition. ओघ० नि० ७०८; तंदु० दसा० ३, ३५; (२) દસ પ્રકારના અધિકાર વાળું એક કાલિક સૂત્ર. दश प्रकार के अधिकार वाला एक कालिक सूत्र. a Kālika Sūtra having ten descriptions. नंदी०४४; ठा० १०, १०; वव० १०, ३५;

दसाकप्पववहार पुं० (दशाकल्पव्यवहार) દશાશ્રુત સ્કંધના દશ, બૃહત્કલ્પના છ અને વ્યવહાર સૂત્રના દશ અધ્યયન સર્વ મળીને છવીસ અધ્યયન. दशाश्रुत स्कंध के दश, बृहत्कल्प के छः और व्यवहार सूत्र के दश अध्ययन इस प्रकार कुल छब्बीस अध्ययन The 26 chapters viz. 10 of Daśāśrutaskandha, 6 of Bṛihat kalpa and 10 of Vyavahāra. आव० ४, ७; —धर. पुं० (-धर) दशाकल्पं व्यवहारञ्च धरतीति) દશાશ્રુત બૃહતકલ્પ અને વ્યવહાર સૂત્રના ધરનાર दशाश्रुत, बृहत्कल्प और व्यवहार सूत्र के धारण कर्ता (one) who knows the Daśāśruta, Bṛihatkalpa, and Vyavahāra Sūtras. वव० ३,५;

दसार. पुं० (दशार्ह) સમુદ્રવિજય વગેરે દશ ભાઈ; લોકોમા અર્હ-લાયક હોવાથી દશાર્હ કહેવાય છે. समुद्रविजय आदि दस भाई; लोगों में पूज्य होने के कारण दशार्ह के नामसे प्रख्यात हैं. The 10 brothers viz. Samudra-vijaya etc known as Daśārha as they are fit to be worshipped by the world अंत० १, १, उत्त० २२, ११; नाया० ५, १६; ओघ० नि० ५३५; (२) વાસુદેવ; શ્રીકૃષ્ણ. वासुदेव; श्रीकृष्ण. Śrī Kriṣna, Vāsudeva. ठा० २; ३;१०; सम० प० २३५; (३) વાસુદેવનું કુટુંબ वासुदेव का कुटुम्ब. the family of Vāsudeva. सम० प० २३५;—गंडिया. स्त्री० (-गण्डिका) જેમાં દશાર્હનો અધિકાર છે એવો ગ્રન્થ. दशार्ह के वर्णन वाला ग्रन्थ. the book which treats of Daśārha. सम० प० २३५; —चक्क न० (-चक्र) યાદવ સમૂહ. यादववृन्द का समूह the group or host of Yādavas (a race). 'दसार चक्केण य सो सव्वओ परिवारिओ' उत्त० २२, ११, —मंडण न० (-मण्डन) દશાર્હ યાદવ વંશમાંનો ઉત્તમ પુરુષ. दशार्ह यादव वंश का श्रेष्ठ पुरुष. the best person of the Yādava race. सम० प० २३५; —मंडल. पुं० (-मण्डल) બલદેવ વાસુદેવની જોડી અને તેનું કુટુંબ. बलदेव वासुदेव की जोडी और उन का कुटुम्ब. the pair of Baladeva and Vāsudeva and their family. सम० प० २३५; —वंस. पु० (-वंश) દશાર-વાસુદેવનો વંશ दशार वासुदेव का वंश. the family of Vasudeva. ठा० २, ३; ३, १; जं० प० २, ३४;

दसाहिय त्रि० (दशाह्निक) દશ દિવસ સબંધી दस दिवस सम्बन्धी, दस दिन का. Of ten days कप्प० ५, १०१;

दसी स्त्री० (दशा) વસ્ત્રનો છેડો કે જે ભાગ વણ્યા વગરનો હોય તે वस्त्र का अन्तिम भाग जो बुना हुआ नहीं होता. the skirt or hem of a garment. ओघ० नि० भा० १९६;

दसुग. पुं० (दस्युक) ચોર. चोर; दस्यु, स्तेन. A thief आया० २, ३, १, ११५;

दसुय पुं० (दस्युक) ચોર; તસ્કર. तस्कर; चोर. A thief. उत्त० १०, १६, निसी० १६, १८;

दस्सु. पुं० (दस्यु) ચોર. चोर; स्तेन, दस्यु.

A thief. आया० २, ३, १, ११५;

दह. त्रि० (दशन्) દશ; ૧૦. दस; १०. Ten; 10. प्रव० ६८; **—त्रिक.** न० (-त्रिक) ત્રણ ત્રણના દશ થોક. तीन तीन के दस जत्थे या समूह ten groups of three each. प्रव० ६८; **—तियसंजुत्त.** त्रि० (-त्रिकसंयुक्त) ત્રણ ત્રણના દશ થોકથી યુક્ત तीन तीन के दस समूहों-जत्थों से युक्त. including ten groups of three each. प्रव० ६८;

दह. पुं० (ह्रद) પાણીનો ઉન્ડો ઝરો; દ્રહ पानीका गहरा झरा, गंभीर सरोवर. A deep fountain or a lake of water. ठा० २, ४; ३, ४; अणुजो० १०३, १३४; जं० प० १, १०; नाया० १; ४, ८; भग० १, ८; ८, ६; पिं० नि० १७, ५१८, नंदी० ४७; आया० २, १, २, १२; पन्न० २; सूय० २, २, ८, उवा० १, ५१, प्रव० १११५; (२) એ નામનો એક દ્વીપ અને સમુદ્ર. इस नाम का एक द्वीप और समुद्र an island and a sea of this name पन्न० १५; जीवा० ३; ३, ४; (३) એ નામની એક વેલ इस नाम की एक लता. a creeper of this name. पन्न० १; **—उअ.** न० (-उदक) દ્રહનું પાણી. झरने का पानी. the water of a lake. जं० प० ५, १२०; **—गलण.** न० (-गलन) મત્સ્ય આદિ પકડવા માટે દ્રહમાં ભ્રમણ કરવું તે-શોધવું તે. मछली आदि को पकडने के लिए झरने पर घूमना-शोध निकालना. searching a stream for catching fish etc. विवा० ८, **—प्पवहण** न० (-प्रवहन) દ્રહનો પ્રવાહ. झरने का प्रवाह-धारा. the current of a stream. विवा० ८; **—मद्दण.** पुं० (-मर्दन) દ્રહમાં વારંવાર ભ્રમણ કરવું તે. सरोवर में बार बार घूमने को जाना; जल भ्रमण wandering frequently in a stream विवा० ८; **—मलण.** न० (-मर्दन) દ્રહમાં પરિભ્રમણ કરવું તે; તરવું તે. झरने में तैरना; स्रोत में चक्कर लगाना. swimming in a stream. विवा० ८; **—मह** पुं० (-मह) દ્રહ-જલાશયનો મહોત્સવ. द्रह-जलाशय का महोत्सव a great festivity in connection with a lake or a well. भग० ९, ३३; आया० २, १, २, १२; **—महण.** न० (-मंथन) દ્રહનું મન્થન કરવું. द्रह-झरने का मंथन. churning of a pond "दहमहणेहिं दह वहणेहिं" विवा० ८; **—वट्टण.** न० (-वर्त्तन) દ્રહનું ઉલેચવું તે. झरने का उलचना, झरन का पानी बाहर फेंकना removing of water from a pond, draining a pond. विवा० ८;

दहण. न० (दहन-दहतीति दहनः) બાલવું; ભસ્મ કરવું. जलाना; भस्म करना. Burning. पण्ह० १, १; प्रव० ८३७, (२) એ નામનો કૃત્તિકા નક્ષત્રનો દેવતા. इस नाम का कृत्तिका नक्षत्र का देवता. the god of this name of the Krittikā constellation. ठा० २, ३;

दहणय त्रि० (दहनक) દાહ કરનાર. जलन करने वाला. (One) that burns. भग० १, ८,

दहफुल्लिया स्त्री० (द्रहफुल्लिका) એ નામની એક વેલ एक वेल-लता विशेष का नाम. A creeper of this name. पन्न० १;

दहवई स्त्री० (द्रहवती) મહાવિદેહની બાર અંતર નદીમાંની એક. महाविदेह की बारह अन्तर नदियों में से एक नदी One of the 12 Antara (inner) rivers of

Mahā Videha. "दो दहवहओ" ठा० २, ३;

दहवती. स्त्री० (द्रहवती) કચ્છગાવતીવિજય અને આવર્તવિજય વચ્ચેની નદી. कच्छगावतीविजय और आवर्तविजय के बीच की नदी. The river between Āvarta Vijaya and Kachchhagāvatī Vijaya. "दहवती कूडे दहवती दीवे" जं० प०

दहावई स्त्री० (ह्रदवती–ह्रदा अगाध जला ऽऽशयाः सन्त्यस्यामिति ह्रदवती) બાર અન્તર નદીમાંની એક. बारह अन्तर नदिओं में से एक नदी. One of the twelve Antara rivers. "तस्सणं दहावइ कुण्डस्स दाहिणेणं तोरणेणं दहावई महाणई" जं० प० ठा० ६; —कुंड. न० (–कुण्ड) દ્રહાવતી નદીનો કુંડ. द्रहावती नदीका कुंड the pool of the Drahāvatī river. "कहिणं भंते, महाविदेहे वासे दहावईकुण्डे णामं कुण्डे पण्णत्ते" जं० प० ४, ६५;

दहि. न० (दधि) દહીં दही. Curds. पन्न० ११; विशे० ७१; निसी० ६, २२; ठा० ४, १; आया० २, १, ४,२४; ओव० ३८; प्रव० २०६; १४३०; पंचा० ४, १५; कप्प० ६, १५; —घण. पुं० (–घन) દહીંનો પિંડ; કઠણ જામેલ દહીં. दही का पिंड; कठिन जमा हुआ दही. a lump of curds; thick curds. जं०प० १; राय०

दहिकामुय. पुं० (दधिकामुक) એ નામની વનસ્પતિ વિશેષ. इस नाम की वनस्पति विशेष. A vegetation of this name. राय० १३७, —मंडव. पुं० (–मण्डप) દધિકામુક વનસ્પતિનો માંડવો. दधि कामुक वनस्पति का मंडप. a bower of Dadhi-Kāmuka vegetation. राय० १३७;

दहिमुह. पुं० (दधिमुख) એક પર્વતનું નામ કે જે ૬૪૦૦૦ જોજન ઉંચો ૧૦૦૦ જોજન ઉંડો અને ૮૦૦૦૦ જોજનના વિસ્તારમાં છે. एक पर्वत का नाम जो ६४ हजार योजन ऊंचा १ हजार योजन गहरा और ८० हजार योजन के विस्तार में है. Name of a mountain which is 64000 Yojanas high, 1000 Yojanas deep and 80000 Yojanas wide. जं०प० २;२३;प्रव०१४६५.जीवा०३ ४; (२) દધિમુખ નામનો દેવ. दधिमुख नामक देव a god named Dadhimukha. भग० ३, ७; —पव्वय. पुं० (–पर्वत) જુઓ "दहिमुह" શબ્દ. देखो "दहिमुह" शब्द. vide "दहिमुह" सव्वे विणं दहिमुहा पव्वया पल्लासठाण संठिया" सम० ६४;

दहिमुहग पुं० (दधिमुखक) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपर का शब्द Vide above. ठा० ४, २;

दहिय. त्रि० (दग्ध) તપાવેલ. तपाया हुआ Boiled; heated. विवा० ६;

दहिवण्ण. पुं० (दधिवर्ण) એ નામનું એક ઝાડ. इस नामका एक वृक्ष A tree of this name पन्न० १; ठा० १०, १; सम० प० २३३; ओव० राय० (२) દ્વીપકુમાર દેવતાનું ચૈત્ય વૃક્ષ. द्वीपकुमार देवता का चैत्य वृक्ष. a memorial tree of Dvīpakumāra god ठा० १०, १; (३) ૧૫ મા તીર્થંકરનુ ચૈત્ય વૃક્ષ. १५ वें तीर्थंकर का चैत्य वृक्ष a memorial tree of the 15th Tirthankara. सम० प० २३३;

दहिवासुया. स्त्री० (दधिवासुका) એ નામની એક વનસ્પતિ इस नाम की एक वनस्पति. A vegetation of this name. "दहिवासुया मंडवगं" जीवा० ३,४; जं०प० राय०

√दा धा० II (दा) આપવું; દેવું; દાનકરવું. देना, दान करना To give; to bestow.
देति-इ. सू०प० ११; नाया० ७:८; अणुजो० १२८, विशे० १३११; सु०च० १, ३७७; राय० २६७, जं०प० ७, १५१; क० प० २, ६५; नि०सी० १०, १७, १४, ५,
दिंति विशे० ५; जं०प० ७, १५७;
देन्ति. नाया० २; दस० ६, ८,
देज्जा. वि० उत्त० ७, १;
दए वि० उत्त० ६, ४०; दस० ६, ६;
देमि. पिं० नि० १६५; ३८०, नाया० ८;
देमो. भग० ६, २३;
देहि पिं०नि० १६५; २०८, वव० १, २६;
देसि. ओघ० नि० भा० ५३;
देहामि. भ० नाया० ७;
देउ. आ० भग० ४२, १;
देंत व० कृ० पिं० नि० ११९;
देह. आ० पराह० १, २;
दाहिइ भ० उत्त० २७, १२;
दाहं. भ० पिं० नि० २४१;
दाहामि. भ० उत्त० २६, ६; पिं०नि० १४२; नाया० १६;
दाहासु भ०ब०सूय० १, ३, २, ८; उत्त० १२, ११;
दाहित्थ. भू० पिं०नि० ४६४;
दाउं. हे०कृ० आया० २, १, ६, ३३; भग० ६, ३३; ११, ११; वव० २, २६; नाया० १; वेय० ४, १३; २६; उवा० १, ५८;
देयंत. व० कृ० निसी० १४, ६;
देयमाण व० कृ० नाया० १४;
दाऊण. सं० कृ० सु० च० २, ७५, जं० प० ५, १२२;
दच्चा. सं० कृ० ठा० ३, २; उत्त० ६, ३८; भग० ३, १, विवा० १;
दावेइ प्रे० सु० च० ४, १२७;
दाविमि प्रे० पिं० नि० ४६५;
दावए प्रे० आ० वेय० २, १८, ५, ११; वव० ८, १२; ६, १;
दाविस्सं. प्रे० सु० च० ६, ३७;
दाविज्जए प्रे० सु० च० २, ४४८;
दवावित्तए. प्रे० हे० कृ० वेय० ४, २६;
दवावेमाण व०कृ०भग० ११, ११; नाया० १४;
दिज्जइ. क०वा०विशे० १०६; पिं०नि० २२१; कप्प० ४, १;
दिज्जए. नाया० ८;
दिज्जामि. नाया० १६;
दिज्जउ. नाया० १६; सु० च० १, ३५९;
दिज्जंत क०वा० व० कृ० सु० च० ७, २८४; पिं० नि० २५१;
दिज्जमाण. व० कृ० निसी० ३, १५; ११, ८; १४, १; १६, १; दसा० २, ७; सु०च० २, ३२८; दस० ५, १, ३५; उत्त० १२, २२; सम० २१; भग० ८, ७;

दाअ. न० (दात) કન્યાને પરણાવ્યા પછી આપવાની વસ્તુ; દાદ; ક્રિયાવર. कन्या के विवाह के बाद उसे दी जाने वाली वस्तु; दहेज Dowry. विवा० ३; ६; नाया० ८; कप्प० ५, १०१;

दाइय. पुं० (दायिक) ભાયાત; ગોત્રીય; કુટુંબી ભાઈ બન્દ, दायाद; सगोत्री; कुटुम्ब का. An heir; an inheritor; a relative. नाया० १; भग० ६, ३३; कप्प० ५, १०६; जं० प० २, ३०;
—सामरण त्रि० (-सामान्य) દાયાદ ભાયાતને સાધારણ. दायाद-सामान्य भाई बन्धु a collateral. भग० ६, ३३;
—साहिय त्रि० (-साधिक) સંબંધીને આધીન सम्बन्धीके अधीन dependent on a relative. भग० ९, ३३;

दाइय. त्रि० (दर्शित) દેખાડેલ; બતાવેલ. दिखाया हुआ; बतलाया हुआ. Shown; revealed. दस० ५, २, ३१; विशे० १०१३;

दाई. स्त्री० (दात्री) દેનારી; દાતાર સ્ત્રી. देने वाली; दाता स्त्री. (A female) giver or donor. पन्न० १२;

दाकलस. पुं० (दककलश) પાણીનો કલશીયો. पानी का कलश A pot of water. भग० १५, १;

दाकुंभ पुं० (दककुंभ) પાણીનો ઘડો. पानी का घडा. A pot of water. भग०१५,१;

दाकुंभग. पुं० (दककुंभक) પાણીનો ઘડો. पानी का घडा. A pot of water भग० १५, १;

दाडिम. पुं० (दाडिम) દાડમનું ઝાડ; દાડમી. अनार-दाडिम का वृक्ष. The pomegranate tree. जीवा० १; जं०प०श्रोव० (२) તેનું ફલ; દાડમ उसका फल, दाडम. pomegranate. पिं० नि० १६६; जीवा० ३, ३; **—पुप्फ** न० (-पुष्प) દાડમીનાં ફુલ अनार का फूल. the flower of a pomegranate tree. जीवा० ३, ४, प्रव० १५३६;

दाढ. त्रि० (दांष्ट्र) દાઢથી ફાડી ખાનાર પ્રાણી સિંહ વગેરે दात से फड कर खाने वाले हिंसक प्राणी आदि. A beast of prey; wild beast प्रव० ११०७;

दाढा. स्त्री० (दंष्ट्रा) દાઢ; दाढ. A molar. उत्त० ११, २०; सूय० २, २, ८, ६; भग० ११, ११; नाया० ८, सु० च० २, ५३१; आया० १, १, ६, ५३; पिं० नि० १८७, उवा० २, १०८; कप्प० ३, ३५; मत्त०११०;

दाढि. त्रि० (दंष्ट्रिन्) દાઢવાલા હિંસક પશુ दाढ वाले हिंसक पशु A beast of prey. पण्ह० १, १;

दाढिगाली स्त्री० (दढगाली) જેનુ પડિલેહણ બરાબર ન થઇ શકે એવુ બ્રાહ્મણને પહેરવા યોગ્ય વસ્ત્ર ब्राह्मण के पहिनने के योग्य एक ऐसा वस्त्र जिसका ' पड़िलेहण ' ठीक २ न होसके. A garment fit to be worn by a Brāhmaṇa and which cannot be examined properly. प्रव० ६८५;

दाढिया. स्त्री० (दाढिका) દાઢી મુછ दाढी मूंछ. Beard and mustaches नाया० २; भग० १५, १;

दाण न० (दान) દાન, ભિક્ષુકને અન્ન આદિ આપવુ તે. दान; भिक्षुक को अन्न आदि दान देना Charity; alms. " दाणाणं सेट्ठं अभयप्पयाणं" सूय० १,६,२३; सु०च० ४, १२७; पिं० नि० १८, दस० १, ३, पिं० नि० भा० ४१, क० ग० १ ५३; ५५, क० प० ४, ५८, पचा० १, ३१; ८, २८; १६, ३३; प्रव० १२१६; गच्छा० १००; **—अंतराय.** न० (-अन्तराय -दीयते इति दान तद्विषयकमन्तरायं दानान्तरायम्) દાન દેતાં અંતરાય પાડવાથી બાંધેલ અંતરાયકર્મની એક પ્રકૃતિ કે જેને લીધે પોતે દાન આપી શકે નહી दान देते हुए विघ्न डालने से बधी हुई अंतरायकर्म की एक प्रकृति जिससे मनुष्य स्वयं दान नहीं दे सकता. a variety of Antarāya Karma (Karma which makes a man averse to giving charity) ariseing by keeping a bar while is charity given and as a result of which he himself cannot give alms अणुजो० १२७; उत्त० ३३, १५, सम०१७; भग०८, ६; क०प० ५, ४०; **—उवएस.** पुं० (-उपदेश) દાન આપવાનો ઉપદેશ કરવો તે दानोपदेश; दान देने का उपदेश. an advice to give charity. पंचा०५,४२,**—ट्ठ** न० (-अर्थ) દાનનો અર્થ; દાનનું નિમિત્ત. दान का

कारण; दान का निमित्त for charity. पग्ह० २, ५; दस० ५, १, ४७; —धम्म. पुं० (- धर्म) દાન રૂપ ધર્મ; દાન આપવું તે दान रूप धर्म; दान देने का कार्य. religion in the form of charity. नाया० ५; ८; पंचा० २, ३०; —रुइ स्त्री० (-रुचि) દાનની રૂચિ. दान की रुचि a love for charity. कं० गं० १, ४८; —लद्धि. स्त्री० (-लब्धि) દાન દેવાની શક્તિ दान देने की शक्ति the power of giving charity. भग० ८, २; —लद्धिया स्त्री०(-लब्धिका)જુઓ ઉપલો શબ્દ देखो ऊपरका शब्द. vide above भग० ८, २; —लाभ. पुं० (-लाभ) દાન અને લાભ. दान और लाभ. charity and gain प्रव० १३०५; —पति. पुं० (-पति) દાન આપનાર; દાન દેનાર. दान देने वाला, दाता. A donor. ओघ० नि०६१०; —विप्पणास. पुं० (-विप्रनाश) દાન દેવું હોય તેમા વિઘ્ન નાખવો તે देते हुए दान में विघ्न डालना. obstructing a charity पग्ह०२;३, —सूर. त्रि० (-शूर) દાન આપવામા શૂર; દાનવીર दान देने में साहसी-शूर-दानवीर. brave amongst the donors. ठा० ४, ३;

दाणमय. त्रि०(दानमय) જેમા દાન દેવુ મુખ્ય ધર્મ છે તે (એક પ્રકારની તેવી પ્રવ્રજ્યા). जिसमें दान देना प्रधान धर्म हो (एक ऐसी प्रव्रज्या) That in which charity is the principal duty भग० ३, ३;

दाणव. पु० (दानव) ભવનપતિની એક જાત, દાનવ; અસુર भवनपति की एक जाति, दानव; असुर; Dānava; Asura, a class of demons नाया० ५, ८; १६, सु० च० ६, १८; —इंद. पुं० (-इंद्र) ચમરેંદ્ર આદિ દાનવના ઇંદ્ર. चमरेन्द्र आदि दानवोंके इंद्र Chamarendra etc. the Indras of Dānavas (demons). नाया० ८;

दाणामा. स्त्री० (दानमयी) દાન જેમા મુખ્ય કર્તવ્ય છે એવી પ્રવ્રજ્યા દીક્ષા ऐमी प्रव्रज्या-दीक्षा जिसमें दान देना मुख्य हो. An ascetic life or vow in which charity is the chief thing "दाणामाए पव्वज्जाए पव्वइए" भग०३,२,

दाणिं. अ० (इदानीम्) અત્યારે; હમણા अभीहाल में; अब. Now. भग० ३, २;

दानार. त्रि० (दातृ) દાન કરનાર; દાતાર दाता, दानी; दान देन वाला A donor; a giver. ओव० ३६;

दाथालग-य न० (दकस्थालक) પાણીથી આર્દ્ર થાલી. पानी से भींगी हुई थाली. A dish wet with water भग० १५, १;

दान न० (दान) જુઓ "दाण" શબ્દ देखो "दाण" शब्द. Vide. "दाण" पन्न० २३; ओव० ३८;

दाम. न० (दामन्) ફુલની માલા. फूल की माला A garland of flowers. नाया० १; १४, जीवा० ३, ३; राय० ५४; भग० ११, ११; सूय० २, २, ५५; उवा० १, १, जं० प० ५, ११६; (२) દોરડું. रस्सी. a cord. पग्ह० १, ३; कप्प० १, ४. ३, ३७, (३) લવણ સમુદ્રમા ઉત્તર દિશાએ ૪૨ હજાર જોજન ઉપર વેલધર દેવનો નિવાસ પર્વત लवण समुद्र में उत्तर की ओर ४२ हजार योजन ऊपर की ओर वेलधर देव का निवास पर्वत. the dwelling mountain of Velandhara god at a distance of 42000 Yoja-

nas to the north of the Lavana sea; ठा० ४, ३, —दुग. न० (-द्विक) બે માલા. दो मालाएं. two garlands भग० १६, ६, ठा० १०, १; —वरणग पुं० (-वर्णक) માલાનું વર્ણન. माला का वर्णन. a description of a garland. जं० प० ३, ६८;

दामक-ग न० (दामक) પગ બાંધવાનું દોરડું; દામણુ. दामन; पैर बांधने की रस्सी A rope to tie the legs. पगह० १, ३;

दाम. पुं० (दामार्थिन्) શક્રેંદ્રની વૃષભ સેનાનો અધિપતિ. शक्रेन्द्र की वृषभ सेना का अधिपति The leader of the Vrişabha army of Śakrendra ठा० ५, १.

दामण न० (दामन्) દામણુ, બંધન. दामन; बंधन. A tie; a bond. प्रव० ४३६;

दामणी. स्त्री० (दामनी) ગાય આદિના પગ બાંધનનું દોરડુ, દામણુ गाय आदि के पैर बांधने की रस्सी, दामन A rope to tie the hind legs of a cow etc. भग० १६, ६; जं० प० ७, १५६; (२) ૧૮માં તીર્થંકરની મુખ્ય સાધ્વીનું નામ अठारहवें तीर्थंकर की मुख्य साध्वी का नाम. name of the principal nun of the eighteenth Tirthankara. प्रव० ३०६; (३) દામની આકારનું સ્ત્રીનું એક સુલક્ષણુ. माला के आकार का स्त्री का एक सुलक्षण-शुभ चिन्ह. an auspicious sign in a female of the form of a garland.

दामलिवि. स्त्री० (दामलिपि) બ્રાહ્મીલિપિનો ૧૭મો પ્રકાર ब्राह्मीलिपि का १७वा प्रकार. The seventeenth variety of the Brāhmi script समः० १८;

दामा. स्त्री० (दामन्) ફુલની માલા फूल की माला, पुष्पहार. A garland of flowers. विवा० ३; नाया० ८; —अलंकिय. त्रि० (-अलङ्कृत) નાના પ્રકારની માલાથી અલંકૃત. नानाविध मालाओं से भूषित या सजाया हुआ adorned with garlands of different kinds. नाया० १;

दामिण. न० (*दामन्) દામણુ दामण; रस्सा. A rope; a cord भग० १६, ६; सू० प० १०;

दामिणी स्त्री० (दामनी) દામણુ; દોરડી વિશેષ. दामण; रस्सा - सी विशेष. A particular cord. जीवा० ३, ३;

दामिल पु० (द्राविड) દ્રાવિડ દેશ. द्राविड देश. The Drāvida country जावा० ३, ३;

दामिललिवि स्त्री० (द्राविडलिपि) દ્રાવિડ અક્ષરની લિપિ द्रविड अक्षरों की लिपि या वर्णमाला The Drāvida script. सम० १८;

दामिली स्त्री (द्राविडी) દ્રાવિડી વિદ્યા द्राविडी विद्या The Drāvidi lore. सूय० २, २, २७; पन्न० १,

दामोयर पुं० (दामोदर) ભરતક્ષેત્રના ગત ચોવીસીના નવમા તીર્થંકર भरत क्षेत्र की गत-गत चौवीसी के ६ वें तीर्थंकर. The 9th Tirthankara of the past cycle of Bharataksetra. प्रव०२६०;

√**दाय** धा० II. (दृश्+णिच्) દેખાડવું, બતાવવું दिखलाना; बतलाना. To show, to reveal.

दाएइ अणुजो० १३०. विशे० ८४४;
दाए. आ० पिं० नि० ३८०;
दाइज्जइ विशे० ४६०,८४४;
दाइज्जमाण. कप्प० ५, ११३;
दाएत विशे० १२६४,

दाय न० (दाय) દાન; દેવાનો ભાગ. दान;

देय अंश Charity; part of a gift to be given; inheritance. जं० प० नाया० १; २; विवा० ७; भग० ११, ११;

दायश्र. त्रि० (दायक) દાતાર. दानी; दायक; देनेवाला; दाता. A donor. दस० ५,२,१२;

दायग. त्रि० (दायक) એષણાના દશ દોષ માંનો છઠ્ઠો દોષ. एषणा के दस दोषों में से छठा दोष. The 6th of the ten of Esaṇā (seeking of food etc) faults पिं०नि० ५२०; (२) દાતાર. दाता a donor ओघ० नि० ४७५; पिं० नि० ३३६; आया० २, १, १, ८; पंचा०१३,२६, गच्छा० ४३, प्रव० ५७६; —सुद्ध त्रि० (-शुद्ध) એષણાના દોષ રહિત एषणाके दोष से रहित. free from the fault of Esaṇā (seeking of food etc.) भग० १५, १; (२) ફલની આકાંક્ષા રહિત फल की आकाङ्क्षा रहित (one) devoid of an expectation of fruit भग० १५, १;

दायण न० (दान) દેવું; આપવું. देना, दान करना Giving; bestowing उत्त० ३०, ३२; पराह० २, १;

दायणा स्त्री० (दापना) પ્રશ્નનું નિરાકરણ કરવું તે. प्रश्न का निराकरण-खुलासा करना Explaining a question. " दायणा तयरथस्स वक्खाणं " विशे० २६३१, (२) વસ્ત્ર પાત્રાદિકનું આપવું તે. वस्त्रपात्र आदि का दान. giving of utensils, garments etc. सम० १२;

दायव्व त्रि० (दातव्य) દેવા યોગ્ય देनेयोग्य; दातव्य; देय. Fit to be given. पिं० नि० ६०७; आया० २, १, २, १२; पंचा० १०, ४६; १५, १०;

दायाय. पुं० (दायाद) ભાયાત; ગોત્રીયો. भाईबन्धु; सगोत्री, कुटुम्बी. An inheritor. आया० १, २, ३, ८०;

दायार. पुं० (दातृ) દાતાર; આપનાર. दाता; दानी. A donor. विशे० ३२४३; पिं० नि० भा० २७; ४६१; उत्त० १३, २५;

दायार. त्रि० (दायार) યાચક; માગણ याचक, मांगनेवाला; भिक्षुक A beggar; a mendicant " दायं दायारेहिं परिभाइत्ता दायं दाइयाणं परिभाइत्ता " कप्प० ५, १०६,

दार. पुं० न० (दार—दारयन्ति विदारयन्ति पुरुषस्यान्तरङ्गगुणानिति दाराः) પત્ની; સ્ત્રી पत्नी; स्त्री; भार्या; कलत्र. A wife; a consort नाया० १४, अणुजो० १३०; उवा० १, १६, उत्त० ७, २३, आव० ४, १६; —अभिसंकि. पुं० (-अभिशंकिन्) સ્ત્રીઓની શંકા કરનાર स्त्रियों की-से शंका करने वाला. (one) suspicious of women. नाया० १८, —मंतभय पुं० (-मन्त्रभेद) પોતાની સ્ત્રીનું રહસ્ય પ્રકાશવું, બીજા વ્રતનો એક અતિચાર. अपनी स्त्री का रहस्य प्रकट करना; दूसरे व्रत का एक अतिचार. revealing the secret of one's wife; a violation of the 2nd vow. प्रव० २७६;

दार. न० (द्वार) દરવાજો; બારણું दरवाजा; द्वार; किमाड; पट; फाटक. A door; a gate; an entrance. विशे० २; नाया० १; २; ८, भग० ५, ७; ८, ६; दस० ५, १, १५; ५, २; ६; राय० १०४; २०६; सू० प० १; ११; पिं० नि० ११३; जं० प० १, ४५; ३, १६, पन्न० २; जं० प० ५, ११२; जीवा० ३०२; निसी० ८, ३; सम० प० २३०; ठा० २, ४; अणुजो० १३४; ओव० दसा० ६, ११; प्रव० ६६; (२) न० પ્રકરણ. प्रकरण. topic; section. विशे० १३५०; दस० ३; पिं० नि० ३३८;

प्रव० ३३६; (३) અર્થ મેળવવાનો ઉપાય. अर्थ प्राप्त करने का उपाय. the means to explain the meaning. सग०३०;—अंतर. न०(-अन्तर) દ્વારદ્વાર વચ્ચેનું આંતરૂં. द्वार द्वार के मध्य का अंतर; दो दरवाजों के बीच का अन्तर. the interval between two doors.जं०प० १, ६; —भाय. पुं० (-भाग) દ્વારભાગ; બારણાંનો ભાગ. दरवाजे का हिस्सा; द्वार का भाग. a part of a door. नाया० ८; —मूल. पुं० (-मूल) બારણાંની પાસે. दरवाजे के पास near a door. नाया० ०;

दारग. पुं० (दारक) બાલક; છોકરો. बालक, छोकरा; शिशु. A young boy; a youth. नाया० १; २; ६; १६; निर० ३, ४; राय० १८१; दस० ५, १, २२; ओव० ४०; उत्त० १४, ४३; सूय० १, ४, ०, १७, —पेज्जमाणी. स्त्री० (-पाययन्ती) બાલકને ધવરાવતી. बालक को दूध पिलाने वाली माता-धाय. a wet-nurse; a mother feeding a baby. दसा० ७, १; वव० १०, २;

दारगत्त. न०(दारकत्व) છોકરાપણું बाल्यता; शिशुत्व; छिछोरपन. Childhood. नाया० १४;

दारचेडी. स्त्री० (द्वारचेटी) બારસાંખ वारसाख; फाटक की वारसाख. A door-frame. राय० १०६; १६२;

दारण. न० (दारण) વિદારવું તે विदारण; फाडना. Rending or tearing. भत्त० ५८;

दारपिंड पुं०(द्वारपिंड) બારશાંખ. वारसाख. A door-frame. जं० प० १, ६;

दार-य. पुं० (दारक) બાલક; છોકરો. बालक; शिशु. A youth, a boy. जं० प० ५, ११२; अणुजो० ११८; विवा० १; राय० ३२; जीवा० ३, १; नाया० १; २; ७; ८; ६; १४; १८; सु० च० १, २००; भग० ११, १०; कप्प० १, ८; ४, ६०;

दारवती. स्त्री० (द्वारवती) સૌરાષ્ટ્ર દેશમાંની પ્રસિદ્ધ દ્વારિકા નગરી सौराष्ट्र देश की प्रसिद्ध द्वारिका नगरी. The famous Dvārikā city of Gujarāta.पन्न०१;

दारविंड. न० (द्वारपिंड) બારસાંખ. वारसाख. A door-frame जीवा० ३, ४;

दारिद्द न० (दारिद्र्य) દરિદ્રતા. दरिद्रता; निर्धनता, गरीबी. Poverty; pauperism. सूय० २, ७, ८२; भत्त० १०५;

दारियत्ता. न० (दारिकात्व) દીકરીપણું कन्यत्व; कुमारिकापन; दुहितापन. The state of being a daughter. दसा० १०, ३; नाया० ८, १६; भग० १५, १;

दारिया. स्त्री० (दारिका) દીકરી; પુત્રી. पुत्री, लडकी; दुहिता; छोकरी. A daughter; a female child आया० २, ११, १७०; निर० ३, ४; नाया० २, ८; १४, १, १८; भग० १५, १; विवा० ३; दसा० १०, ३; अंत० ३, ८; —णिमित्त. न० (-निमित्त) પુત્રિનું પ્રયોજન-નિમિત્ત. पुत्रीका प्रयोजन निमित्त for a daughter "मम सुकं जन्न वेसमाणे राया मम दारियानिमित्तेण अणुगिएहति" विवा०१, ६;

दारु न० (दारु) કાષ્ટ. काष्ट; लकडी Wood. नाया० १८; ओघ० नि० भा० २७१; जं० प० ३, ४०; जीवा० ३, ४; दसा० २, १८; निसी० ७, २१; ओव० ३८; आया० २. १, ५, २९; सूय० १, ४, २, २५, राय० १२६; —गोल. पुं० (-गोल) લાકડાનો ગોળો. लकडी का गोला. a ball of wood ठा० ४, ४; —थंभ. पुं० (-स्तम्भ) લાકડાનો

थांभलो. लकड़ी का स्तंभ. a wooden pillar ठा० ४, २; —दंड. पुं० (-दण्ड) લાકડાનો દંડ लकड़ी का दंड; डंडा. a wooden staff निसी० ५, २७; —दंडय. पुं० (-दण्डक) લાકડાનો દંડિકો. लकड़ो का दंड. काष्टदंड a wooden club वेय० ५, ३५; निसी० २, २; —पाअ-य. न० (-पात्र) લાકડાનું ઠામ. लकड़ी का पात्र-बर्तन. a wooden vessel. ठा० ३, ३; —समाण त्रि० (-समान) લાકડા જેવું लकड़ी के समान, like wood. (२) લાકડા થાંભલા સમાન જે અપચ્ચખાણાવરણીય કષાય તેનાથી જે દ્વિગુણીયો રસ કર્મમાં પડે તે. लकड़ी के स्तंभवत् जा अपचखाणावरणीय कषाय उसके कारण जो द्विगुणित रस कर्म मे गिरे वह the duplicate intensity that falls in Karmas due to total-vow-preventing Karmic matter which is like a wooden post. क० प० २, ४५;

दारुग पुं० (दारुक) વસુદેવ રાજાના એક પુત્રનું નામ. वसुदेव राजा के एक पुत्र का नाम Name of a son of the king Vasudeva अंत० ३, १; ठा० ६, (२) કૃષ્ણનો સારથી कृष्ण का सारथी. the charioteer of Kṛisna नाया० १६;

दारुण त्रि० (दारुण) દારૂણ; ભયંકર; અસહ્ય दारुण; भयकर, असह्य, दुःस्सह. Terrible; horrible, intolerable. उत्त० २, २५; ६, ७; सूय० १, २, २, १६; नाया० १; २; दस० ८, २६; ६, २, १४; आया० १; ४, ४, १३६; भत्त० ५, २४, ५७; ६२, पंचा० १६, ४५, (२) એક અહોરાત્રના ત્રીશમુહુર્તમાંના પંદરમા મુહુર્તનું નામ एक अहोरात्रि के तीस मुहूर्त में से १५वें मुहूर्त का नाम. name of the 15th Muhūrta of the 30 Muhūrtas of a day (24 hours). जं० प० —मति. स्त्री० (-मति) રૌદ્ર મતિ रौद्र मति; भयंकर दुष्ट बुद्धि. evil intellect. पण्ह० १, १; —विवाग. पुं० (-विपाक) દારૂણ-ભયંકર દુખ દાયક ફલ-પરિણામ. दारुण-भयकर-दुःख दायक फल-परिणाम. a terrible, sorrowful result पंचा० ८, १५; —सरूव पुं० (-स्वरूप) ભયંકર સ્વરૂપ. भयकर स्वरूप. a terrible form नाया० ६; —हियय. पु० (-हृदय) કઠોર-નિર્દય હૃદય कठोर-क्रूर या निर्दय हृदय. a hard heart. नाय० २;

दारुणतर. त्रि० (दारुणतर) અતિ ભયકર. अतिभयकर-भीषण More terrible. नाया० १,

दारुपव्वय. पु० (दारुपर्वत) એ નામનો એક પર્વત વિશેષ. इस नामका एक पर्वत विशेष. A mountain of this name. जीवा० ३, ४; राय० १३५,

दारुपव्वयग. पु० (दारुपर्वतक) સૂર્યાભ વિમાનના વનખંડમાંનો લાકડાનો બનેલ દેખાતો એક પર્વત. सूर्याभ विमान के वन खंड का लकड़सा मालुम होने वाला एक पर्वत. A mountain appearing to be made of wood in the forest of the Sūryābha celestial abode राय० १३९.

दारुमड. पु० (दारुमृत) જંબુદ્વીપના ભરતખંડમાં થનાર ૨૩માં તીર્થંકરના પૂર્વભવનું નામ जंबुद्वीप के भरतखंड में होने वाले २३वें तीर्थंकर के पूर्वभव का नाम. Name of the previous birth of the 23rd would-be Tirthankara in

Bharata Khanda of Jambū-dvīpa. सम० प० २४१;

दारुमय. त्रि० (दारुमय) કાષ્ટમય काष्टमय; लकडियों का. Wooden. भग० ३, १;

दारुय पुं० (दारुक) અંતગડ સૂત્રના ત્રીજા વર્ગના બારમાં અધ્યયનનું નામ. अंतगड सूत्र के तीसरे वर्ग के बारहवें अध्ययन का नाम. Name of the 12th chapter of the 3rd section of Antagada Sūtra (२) વાસુદેવ રાજાની ધારણી રાણીના પુત્ર કે જે નેમનાથ પ્રભુપાસે દીક્ષા લઇ ચૌદ પૂર્વનું અધ્યયન કરી વીસ વરસની પ્રવજ્યા પાલી શત્રુંજય પર સિદ્ધિપદ પામ્યા. वासुदेव राजा की धारणी रानी के पुत्र कि जो नेमनाथ प्रभु से दीक्षा लेकर १४ पूर्व का अध्ययन कर बीस वर्ष की प्रवज्या पालकर शत्रुंजय पर सिद्धि पद को प्राप्त हुए. the son of the queen Dhāranī wife of the king Vāsudava, who was concecrated by the Lord Neminātha studied the 14 Pūrvas; remained an ascetic for 20 years and attained Siddhi on the Śatruñjaya. अंत० ३, १२; ठा० ६; (३) લાકડું; કાષ્ટ लकडी; काष्ट. wood; timber. सम० २१; ओव० ३० निसी० १३, ४; (४) કૃષ્ણવાસુદેવના સારથિનું નામ. कृष्ण वासुदेव के सारथी का नाम. name of the charioteer of Krisna Vāsudeva. नाया० १६;

दारुयसारहि. पुं० (दारुकसारथि) કૃષ્ણ વાસુદેવનો સારથી. कृष्णवासुदेव का सारथी. Name of the charioteer of Krisna. नाया० १६;

√**दाल** धा० I. (द) વિદારવું; ફાડવું. फाडना; विदारण करना. To rend to tear.

दालइत्ता. सं० कृ० जं० प० ४, ११०;

दालिय. सं० कृ० आया० २, १, २, १३;

दालण. न० (दारण) ફાડવું; વિદારવું તે. फाडने का कार्य; विदारण. Rending; tearing. पगह० १, १;

दालि. स्त्री० (*दालि) ચણા વગેરેની દાલ. चने आदि की दाल. Pulse of grams etc. प्रव० ४४०;

दालिद्द. न० (दारिद्य) દરિદ્રતા. दरिद्रता; गरीबी. Poverty. सु० च० १, ३०६; ४, १०७;

दालिम. पुं० न० (दाडिम) દાડમડી અને તેનુ ફલ; દાડમ. अनार वृक्ष; अनार का फल; अनार; दाडिम. Pomegranate tree or fruit. ओव० १०; पन्न० १; भग० २२, ३; आया० २, १, ८, ४३;

दालियंव. न० (दालिकाम्ल) આમલી નાખેલ દાલ; ખાટી દાલ. इमली डली हुई दाल; खटी दाल; खटाई वाली दाल. A cooked pulse in which tamrind is put to make it sour. उवा० १, ४०;

दालिया. स्त्री० (दालिका) દાલ. दाल; द्विदल. Pulse. पगह० २, ५; उवा० १, ४०

दाली. स्त्री० (दाली) દાલ. दाल. Pulse. (२) ફાટ; તડ. भाग; दल. a crack. ओघ० नि० ३२३;

दावणा. स्त्री० (दापन) અપાવવું તે. (दूसरोंसे) दिलवाना. Causing to be given. पिं० नि० २०३;

दावद्दव. पुं० (दावद्रव) સમુદ્રના કાંઠા ઉપર ઉગતુ એક જાતનું ઝાડ. समुद्र तटपर उगने वाला एक वृक्ष विशेष. A tree growing on a sea shore. नाया० १; १०; ११; (२) દાવદવ નામના વૃક્ષના દૃષ્ટાંતવાલું જ્ઞાતાસૂત્રનું ૧૧ મું અધ્યયન. वदावद

नामक वृक्षके दृष्टांतवाला ज्ञातासूत्रका ११ वा अध्ययन the 11th chapter of the Jñātāsūtra having a description of a tree named Dāvadava. सम० १८, —तरुवण न० (-तरुवन) દાવદ્રવના ઝાડનું વન- दावद्रव के वृक्षों का जगल-बन the forest of Dāvadrava trees. नाया० ११;

दावर. पुं० (द्वापर) બે, બેની સંખ્યા. दो; दोकी संख्या; २. Two; 2. सूय० १, २, २, ३३;

दावरजुम्म. न० (द्वापरयुग्म) જેને ચારે ભાગતાં બે શેષ રહે તે સંખ્યા. ६; १०; १४: વગેરે. वह संख्या जिसे चारसे भाग देनेसे दो शेष रहें. ६; १०; १४; आदि A figure which divided by 4 leaves two as remainder e.g 6, 10, 14, etc. भग० १८, ४, २५, ३; ४. ३१, १. ३५. १, ठा० ४, ३; —**कडजुम्म.** न० (-कृतयुग्म) જે રાશિને ચારે ભાગતાં કંઈ ન રહે અને લબ્ધ સંખ્યાને ચારે ભાગતા બે શેષ રહે તે સંખ્યા जिस राशि को चार से भाग देने पर कुछ भी शेष न रहे और लब्धि को चार से भाग देने पर दो शेष बचें वह संख्या- राशि a figure which when divided by four leaves zero as remainder and the quotient divided by 4 leaves two as remainder. भग० ३५ १; —**कलिओग** पुं० (-कल्योज) જે રાશિને ચારે ભાગતા એક શેષ રહે અને લબ્ધ સંખ્યાને ચારે ભાગતાં બે શેષ રહે તે સંખ્યા जिस राशि को चार से भाग देने पर एक शेष रहे और लब्ध संख्या को चार से भाग देने पर दो शेष रहें वह सख्या. a figure which leaves a remainder of 1 when divided by 4 and the quotient leaves 2 as remainder when divided by four. भग० ३५, १, —**तेओग.** पुं० (-त्र्योज) જે સંખ્યાને ચારે ભાગતાં ત્રણ શેષ રહે અને લબ્ધ સંખ્યાને ચારે ભાગતા બે શેષ રહે તે સંખ્યા वह संख्या जिसे चारसे भाग देने पर तीन बाकी बचे और लब्धि को चार से भाग देने पर शेष दो बचें a figure which being divided by 4 leaves the remainder of 3 and the quotient divided by 4 leaves 2 as remainder. भग० ३५, १,—**दावरजुम्म.** न० (-द्वापरयुग्म) જે રાશિને અને લબ્ધ સંખ્યાને ચારે ભાગતા બે શેષ રહે તે સંખ્યા. वह संख्या जिसकी राशि और लब्धि को चार से भाग देने पर दो शेष रहें a figure which leaves a remainder of two when it and its quotient is divided by 4. भग० ३५, १;

दावारग न० (दकवारक) ઘડો, પાણીનું વાસણ ઘડા; पानी का पात्र-बरतन A waterpot. भग० १५. १;

दावारय. न० (दकवारक) જુઓ "दावारग" शब्द देखो "दावारग" शब्द Vide. "दावारग" भग० १५, १;

दाविय. त्रि० (दापित) અપાવેલ दिलाया हुआ Caused to be given सु० च० २, ४६२; १३, २४,

दास. पु० (दास) દાસ, નોકર; ચાકર. दास भृत्य; नौकर. A servant, a slave. नाया० १; २; ८, ६; १४, १६; भग० २, ५, ११, ११, जं० प० दसा० ६, ४; राय० २८६; वव० ९, ३८; जीवा० ३, ३; सूय० १, ४, २, १५, २, २, ६३: उत्त० १, ३१,

३, १८; ८, १८; १३, ६; ओव० आया० २, १, २, १२; ठा० ३, १; —चेडग. पुं० (-चेटक) દાસ પુત્ર; નોકરનો છોકરો. दास पुत्र; नौकरका लडका. a son of a servant, slave. नाया० २; —चेडय. पुं० (-चेटक) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपरका शब्द. vide above. नाया० १८; —चेडिआ स्त्री० (-चेटिका) દાસ દાસી दास, दासी. male and maid-servants. नाया० ८; —चेडी स्त्री० (-चेटी) દાસ દાસી दासी; परिचारिका. male and maid-servants. विवा० ९; नाया० १९; —दासी. स्त्री० (-दासी) દાસ અને દાસી નોકર-ચાકર. दास दासी; नौकर चाकर a comprehensive term for servants प्रव० ७२६; —वाय. पुं० (-वाद) દાસનો આરોપ ચડાવવો. दासका आरोप लगाना. fixing the charge of a slave. वेय० ६, २;

दासत्त. न० (दासत्व) દાસપણું. दासत्व; दासता. Slavery. विशे० १३११, पिं० नि० २१६;

दासत्ता स्त्री० (दासत्ता) દાસ પણું, दासता, दासपन; दासत्व; सेवकाई. Slavery. भग० १२, ७;

दासि. न० (*दासि) એ નામનો એક ગુચ્છો; વનસ્પતિ વિશેષ इस नाम का एक गुच्छा; वनस्पति विशेष. A vegetation of this name. पन्न० १;

दासी स्त्री० (दासी) દાસી; ચાકરડી. दासी; नौकरानी. A maid-servant. नाया० ८; भग० २, ५; ११, ११; सूय० १, ४, १, १३; ओव० पिं०नि० ३७०; राय० २८६; २८८; दसा० ६, ४; आया० २, १, २, १२; —चोर. पुं० (-चोर) દાસીને ચોરનાર. दासी को चुराने वाला. one who steals a maid-servant. पण्ह० १, ३;

दासीखव्वडिया. स्त्री० (दासीखर्वटिका) ગોદાસ થિવરે કાઢેલી ગોદાસ ગણની ચોથી શાખા. गोदास थिवर की निकाली -चलाई हुई गोदास-गण की चौथी शाखा The 4th branch of Godāsa-Gana started by Godās Thivara. कप्प० ८;

दाह. पुं० (दाह) દાહ જ્વર; બળતરીયો તાવ. दाह ज्वर; जलन करने वाला बुखार-ताप. A burning fever. नाया० १; १३; भग० ७, ८; जीवा० ३, ३;

दाह. पुं० (दाह) દાહ; બળતરા. दाह, जलन. Burning; heat क० गं० १, २२; नाया० ५, १६; भग० ३, ७; (२) શસ્ત્ર વિશેષ शस्त्र विशेष a particular weapon. नाया० १८; —वुक्कंत. त्रि० (व्युत्क्रान्त) દાહથી પીડિત. दाह से दुःखी; जलन का मारा. troubled by heat or burning. नाया० १६; भग० १५, १; —वुक्कंतिय. त्रि० (-व्युत्क्रान्तिक-दाहोव्युत्क्रान्त उत्पन्नो यस्याऽसौ दाहव्युत्क्रान्तः स एव दाहव्युत्क्रान्तिक) દાહ ઉત્પન્ન કરનાર. दाह उत्पन्न करने वाला; जलन करने वाला. that which produces heat or burning. नाया० १; १६; भग० ६, ३३; १५, १;

दाहग. त्रि० (दाहक) બાળનાર. जलाने वाला; दाहक (One) that burns. विशे० ८६८;

दाहिण. त्रि० (दक्षिण) જમણું; જમણી બાજુનું. दाहिना; दाहिनी ओर का. To the right. (२) स्त्री० દક્ષિણ દિશા. दक्षिण दिशा the southern direction. जं० प० ५, ११५; ११४; ७,१२०; १, ११; १२; २, ४१; ४, ७२, भग० २, ८; ३, २; ७, ५, १; ४; ६, ५; ६, ३; २५; २, नाया०

१; ५; १६; ओव० १२; राय० ६३: १०२; ओघ० नि० २८२; ओघ० नि० भा० ३१७; जीवा० ३, १; सु० च० १, २०२; सू० प० २०; दस० ६, ३४; कप्प०२, १४; ५,११३; प्रव० ७७, ६४३; ७५४; —**अभिमुह**. त्रि० (–अभिमुख) દક્ષિણ દિશાની સન્મુખ રહેલ. दक्षिण दिशा के सामने का. facing the southern direction. भग०११, १०; दसा० ७, १; —**कूल** न० (–कूल) ગંગા નદીનો દક્ષિણ તરફનો કાંઠો गंगा नदी का दाहिना–या दक्षिण ओर का किनारा. the southern bank of the Ganges नाया० १; —**दिसा**. स्त्री० (–दिशा) દક્ષિણ દિશા. दक्षिण दिशा. the southern direction. प्रव०६८६; —**पञ्चच्छिमा**. स्त्री० (–पश्चिमा) નૈઋત્ય ખુણો. नैऋत्य कोन; दक्षिण पश्चिम के बीच का कोना–विदिशा. the south-west direction. भग० ८, १; राय० ६४, —**पश्चिम**. पु० (–पश्चिम) નૈઋત્ય કોણ नैऋत्य कोण the south-west direction.भग०५,१,—**पडीण** पुं०(–प्रतीचीन) દક્ષિણ પશ્ચિમનો મધ્ય ભાગ, નૈઋત્ય કોણ. दक्षिण पश्चिम का मध्य भाग; नैऋत्य कोण the south-west direction. जं०प० ७,१५०;—**पुरच्छिम**. पुं० (–पौरस्त्य)અગ્નિ કોણ अग्नि कोण; पूर्व और दक्षिण के बीच की विदिशा. the south—east direction. राय० ६४; भग० ५, १; ५, ३३; —**पुरच्छिमिल्ल** पुं० (–पौरस्त्य) જુઓ ઉપલો શબ્દ देखो ऊपर का शब्द. vide above. भग० १६, १, —**पुरत्थ**. पुं० (–पौरस्त्य) અગ્નિ કોણ अग्नि कोण. south-east सू० प०१; —**पुरत्थिम** पुं० (–पौरस्त्य) અગ્નિ કોણ. अग्नि कोण south east जं० प० ४, ११६; विवा०१, नाया०१८; —**ब्भंतर**. पुं० (–अभ्यन्तर) દક્ષિણ અને અભ્યંતર. दक्षिण और अभ्यंतर. south and interior भग० ६, ५; —**भुय**. पु० (–भुज) જમણો હાથ दाहिना हाथ; दक्षिण हाथ. the right hand. राय० —**लवणसमुद्द**. पुं० (–लवणसमुद्र) દક્ષિણ તરફનો લવણ સમુદ્ર. दक्षिण ओर का लवण समुद्र. the southern salt ocean. जं० प० १, ११; —**वाय**. पुं० (–वात) દક્ષિણ દિશાનો વાયુ. दक्षिण दिशा की वायु the southern wind. पन्न० १; ठा० ५, ३; ७, १; —**हत्थ**. पुं० (–हस्त) જમણો હાથ. दाहिना हाथ. the right hand. नाया० १६; प्रव० ७६७;

दाहिणगामि. त्रि० (दक्षिणगामिन्) દક્ષિણ દિશા તરફનું दक्षिण दिशा की ओर का; दक्षिणगामी. Southern, going towards the south. दसा० ६, १; —**णेरइअ**. पुं० (–नैरयिक) દક્ષિણ તરફના નારકી. दक्षिण ओरके नारकी–नैरयिक. the hell-beings of the south. दसा० १०, ३;

दाहिणड्ढ न० (दक्षिणार्ध) દક્ષિણાર્દ્ધ–દક્ષિણ તરફનો અર્દ્ધભાગ. दक्षिणार्द्ध दक्षिण दिशा का आधा हिस्सा. The southern half. नाया० १, १६; ३, १; ५, १; सम० ६६; अणुजो० १४८; जं० प० निर० ५, १; —**भरह**. पुं० (–भरत) દક્ષિણાર્ધ ભરત; ભરત ક્ષેત્રનો દક્ષિણ તરફનો અર્દ્ધ ભાગ दक्षिणार्ध भरत, भरत क्षेत्र की दक्षिण ओर का आधा भाग. the southern half of Bharata Ksetra. नाया० ५, १६; कप्प० १; २; —**भरहकूड** पु० (–भरतकूट) વૈતાઢ્ય પર્વતના નવકૂટમાંનું બીજું કૂટ. वैताढ्य पर्वत के नवकूट में से दूसरा

कूट. the 2nd peak of the 9 of Vaitādhya mountain. जं० प० —भारह. पुं० (-भारत) દક્ષિણાર્દ્ધ ભરત. दाक्षिणार्द्ध भरत. the southern half of Bharata. नाया० १; —भारहवास. पुं० (-भारतवर्ष) દક્ષિણાર્દ્ધ ભારતવર્ષ-ભરત ક્ષેત્ર. दक्षिणार्द्ध-भारत वर्ष-भरत क्षेत्र. the southern half of Bharata Kṣetra. नाया० १६; —माणुस्सखेत्त न०(-मनुष्यक्षेत्र) મનુષ્ય ક્ષેત્રનો દક્ષિણ અર્ધ ભાગ. मनुष्य क्षेत्र का दक्षिण अर्ध भाग. the southern half of the region of the mortals सम० ६५; —लोगाहिवइ. पुं० (-लोकाधिपति) મેરૂથી દક્ષિણ તરફના અર્ધ લોકનો અધિપતિ मेरू से दक्षिण ओर के अर्ध लोक का स्वामी. the lord of the half world south of the Meru mountain कप्प० २, १३;

दाहिणत्त. न० (दाक्षिणत्व) સરલપણું. सरलता; सीधापन; Straight forwardness सम० ३५.

दाहिणदारिय. न० (दक्षिणद्वारिक) અશ્વિની આદિ સાત નક્ષત્ર, દક્ષિણમુખી છે. आश्विनी आदि सात नक्षत्र जो दक्षिण मुखी है. the 7 constellations Aśvinī etc. which are facing the south. सम० ७; ठा० ७,

दाहिणय. पुं० (दाक्षिणक) દક્ષિણ દેશ. दक्षिण देश. The southern country सु० च० २, ३;

दाहिणा स्त्री० (दक्षिणा) દક્ષિણ દિશા. दक्षिण दिशा. The southern direction जं०प०भग० १०, १; ठा० ६; नाया० १; १, १, २; १, ६, ५, ११४;

दाहिणायण पुं० (दक्षिणायन) દક્ષિણાયન; સૂર્યનું દક્ષિણ દિશા તરફ જવું તે दक्षिणायन; सूर्य का दक्षिण दिशा की ओर गमन एवं भ्रमण. The winter solstice. सू० प० १०;

दाहिणावत्त. पुं० (दक्षिणावर्त) જમણો શંખ; દક્ષિણાવર્ત શંખ. दाहिना शंख; दक्षिणावर्त शंख. The right conch; a particular conch. ठा० ४, २;

दाहिणिल्ल. त्रि०(दाक्षिणात्य) દક્ષિણ દિશામાં થનાર; દક્ષિણ દિશાનું. दक्षिण दिशा में होने वाला; दक्षिण दिशा का. Of the south. ज० प० ५, ११४; ११७; ३, ५४; नाया० ध० ३; ५; नाया० १; ठा० ४, २; पन्न० २; भग० ३, १; ६, ३३; १५, १;१६, ८; ३४. १; —पुरत्थिमिल्ल. पुं० (-पौरस्त्य) અગ્નિ ખુણો. अग्नि कोण. the south-east राय० ७२. —वणसंड. पुं० (-वनखंड) દક્ષિણ દિશાનો વનખંડ. दक्षिण दिशा का वनखंड. the southern forest नाया० १३; —वेयाली. स्त्री० (-वेला) સમુદ્રનો દક્ષિણ તરફનો કિનારો समुद्र का दक्षिण किनारा. the southern sea-shore. नाया० १६;

दिअंत. पुं० (दिगन्त) દિશાઓનો અંત-છેડો. दिशाओं का अन्त-छोर The ends of the quarters. चउ० २०;

दिइ. स्त्री० (दृति) પાની ભરવાની મશક. पानी भरने की मशक-पखाल. A leathern bag to fill water. नाया० १८;

दिउत्तम. पुं० (द्विजोत्तम) ઉત્તમ બ્રાહ્મણ. श्रेष्ठ ब्राह्मण, द्विजवर्य. A good Brāhmaṇa उत्त० २५, ३३;

दिंत त्रि० (ददत्) આપતું. देता हुआ. Giving जं० प० ७, १५१; पिं०नि० ५७५; सु० च० १,१७०; पिं०नि० भा० ४५; विशे० १४३५;

√दिक्ख. धा०II. (दीक्ष्) દીક્ષા દેવું. दीक्षा देना. To consecrate.

दिक्खए. सु० च० १, ३८२;

दिक्खित्ता. गच्छा० १५;

दिक्खा. स्त्री० (दीक्षा) દીક્ષા; સંસાર ત્યાગની ક્રિયા. दीक्षा; संसार त्याग की क्रिया. Consecration; renouncement of the world. विशे० ८६६, सु० च० १, ३८०, गच्छा० ८६; —**उवयार.** पुं० (-उपकार) દીક્ષા દેવાનો અનુગ્રહ. दीक्षा देने का अनुग्रह. the favour of initiating. पंचा० १८, ३५; —**गुण.** पुं० (-गुण) જૈન દીક્ષાના ગુણ-ધર્મ. जैन दीक्षा के गुण-धर्म. the attributes of the Jaina consecration. पंचा० २, ४२; —**विहाण.** न० (-विधान) દીક્ષા લેવાની વિધિ. दीक्षा ग्रहण करने की विधि. the rites of accepting consecration पंचा० २, ४४;

दिक्खाभाव. पुं० (दीक्षाभाव–दीक्षस्य प्रव्रज्यस्याभावो दीक्षाभावः) દીક્ષા લેનારનો અભાવ. दीक्षा ग्राहकों की कमी–अभाव. a dearth of those who accept consecration. पंचा० १८, ३०;

दिक्खिय. त्रि० (दीक्षित) દીક્ષા આપેલ. दीक्षित; दीक्षा लिया हुआ. Consecrated. सु० च० ३, १६३; पंचा० २, ५, ८, २८;

*दिगिंछा स्त्री० (जिघत्सा) ભૂખ भूख, क्षुधा. Hunger. नाया० १, ६, ४, १६; उत्त० २, १; दसा० १०, ३; —**परिगय.** त्रि० (-परिगत) કડકડતી ભૂખ લાગેલ. जोरों की लगी हुई भूख वाला; तीव्र क्षुधार्त. very hungry. उत्त० २, १; —**परिसह.** पुं० (-परिषह) ભૂખનો પરિષહ. भूख का परिषह. the trouble caused by hunger. उत्त० २, १; —**परीसह** पुं० (-परीषह) ભૂખનો પરિષહ. क्षुधा-भूखका परीषह. enduring an affliction caused by hunger. सम २२; भग० ८, ८;

दिगु. पुं० (द्विगु) દ્વિગુ સમાસ. द्विगु समास Numeral compound. अणुजो० १३१;

दिग्घ. त्रि० (दीर्घ) દીર્ઘ; લાંબું. दीर्घ; लंबा. Lengthy; long. जं० प०

दिट्ठ. त्रि० (दृष्ट) દીઠેલ; જોએલ; દેખેલ. देखा हुआ. Seen; noticed. नाया० १; ८; ६; १६; दस० ५, १, ६६; ६, ५१; ८, २०; ४६; भग० १, ४; ६; ३, १, ६, १; ११, ११, १७, २; २५, ७; पिं० नि० १३१; २१५; अणुजो० १६; निसी० १२, ३५, उत्त० ५, ५; पन्न० १; आया० १, १, ४, ३३; उवा० ३, १४१; पंचा० ७, २१; प्रव० ५२६, कप्प० १, ८; १, १०; ३, ४६; —**आभट्ठ.** त्रि० (-आभाषित) નજરે જોઇને બોલાવેલ आंखों से देखकर बुलाया हुआ. called after being seen by the eyes. भग० ३, १; —**दोसपतित.** त्रि० (-दोषपतित—दृष्टः दोषश्चेर्थोऽऽदिर्येस्यासैा तथा) દોષ દેખાઇ જવાથી પતિત થયેલ दोष दिख जाने के कारण पतित. degraded on account of the exposure of faults. श्रंत० ३, ८; —**धम्म.** पुं० (-धर्म) જાણેલ ધર્મ. जाना हुआ या देखा हुआ धर्म. a comprehended religion. सूय० १, १३, १७, —**पह** त्रि० (-पथ) જેણે મોક્ષ માર્ગ જોયો છે તે. जिसने मोक्ष मार्ग को जाना हो या देखा हो वह. (one) who has seen the path of salvation. आया० १, २, ६, १४; —**पुव्व.** त्रि० (-पूर्व) પહેલાં દેખેલ. प्रथम देखा हुआ; पूर्व दृष्ट. previously seen. नाया० ८, १६; १७;

—पुव्वग. त्रि० (पूर्वक) પહેલાં જોએલ. पहिले देखा हुआ. previously seen. दसा० ४, ७७; —भय. त्रि० (-भय— दृष्टं संसाराद्भयं सप्तप्रकारं वा येन स तथा) સંસારના સાત પ્રકારના ભયને જોનાર. संसार के सप्तविध भय को देखने वाला. (one) who has seen the seven sources of fear of the world. आया० १, ३, २, १११, —लाभिअ त्रि० (-लाभिक) દીઠેલા અને પરિચિત દાતાર પાસેથી દીઠેલી વસ્તુની ગવેષણા કરનાર देखे और परिचित दाता से देखी हुई वस्तु की याचना करने वाला (one) who begs of an acquainted donor a thing which is seen. ठा० ५, १; ओव० १८; पण्ह० २, १; —सार त्रि० (-सार) જેણે સાર-પરમાર્થ દીઠેલ છે તે, જ્ઞાની जिसने सार-परमार्थ देख लिया है वह, ज्ञानी. (one) who has understood reality; a wise man भत्त०३१; —साहम्म. न० (-साधर्म्य) એક વસ્તુ જોઇ તેના ઉપરથી તેના જેવી વસ્તુનું જ્ઞાન થાય તે, અનુમાનનો એક પ્રકાર. एक पदार्थ को देखनेपर तद्वत् अन्य वस्तु का होनेवाला ज्ञान; अनुमान का एक प्रकार. knowledge produced of objects which are similar to the one seen; a kind of inference. अणुजो० १४६;

दिट्ठ त्रि० (दिष्ट) ફરમાવેલું; કહેલું. कहा हुआ; आज्ञा किया हुआ. Said; ordered. भत्त० ७७; पंचा० ६, १३;

दिट्ठंत. पुं० (दृष्टान्त) દૃષ્ટાંત; દાખલો; ઉદાહરણ. दृष्टांत; मिसाल; उदाहरण, दाखला, An illustration. अणुजो० १६; १४८; सम०६; सूय० २, ४, ७; भग० ३, १, २, १६, ५; पन्न० १७; ३०; सु०च० ४, १०८; विशे० ४१; १५४; नंदी० ३५; भत्त० १३७; पंचा० ३, २२; ५, ४८; क० गं० १, २; प्रव० १२८;

दिट्ठंतिय. त्रि० (दार्ष्टान्तिक) અભિનયના ચાર પ્રકારમાંનો પહેલો પ્રકાર. चार प्रकार के अभिनय में से पहिला. The 1st of the 4 kinds of acting. राय० ६५; जीवा० ३, ४;

दिट्ठि. स्त्री० (दृष्टि) દૃષ્ટિ-નજર; નેત્રની શક્તિ. दृष्टि-नजर-नेत्र की शक्ति. Sight. अणुजो० १३०; नाया०२; ३; ८; ६; ओव० ४१; पिं० नि० १८६; भग० २, ५; २५, १; दस० ८, ५५; आया० १, ५, ४, १५७; दसा० ६, ४, ७, १२, उवा० ७, २१४; (२) જ્ઞાન; સમજણ. ज्ञान; समझ. knowledge; understanding. जं० प० ५, १२३, पंचा०१८, २४, पिं० नि० १८६; (३) મત, પક્ષ, દર્શન. मत, पक्ष, दर्शन tenet सूय० १, १, २, ३०; २, ५, २; २, ६,१२; विशे० २३०७; राय० २४४, (४) સમ્યગ્ દૃષ્ટિ. सम्यक् दृष्टि. proper faith भग० १, ५, ९, ६, ४, जीवा०१; (५) આંખ; નેત્ર. आंख; नेत्र, नयन; चक्षु. the eye. " दिट्ठिं वा मेत्तए " नाया० ५; गच्छा० ८; क० गं० १, १०; नाया०१; पन्न० १; भग० ११, १०; —क्खोह पुं० (-क्षोभ) દૃષ્ટિ ક્ષોભ. दृष्टि क्षोभ; दृष्टि पीडा; नेत्र पीडा. a sore eye. भत्त० १२४; —जुद्ध न० (-युद्ध) દૃષ્ટિ યુદ્ધ; આંખથી યુદ્ધ કરવું તે. दृष्टि युद्ध; आंखों-नजरों द्वारा युद्ध करना fighting by the eyes. जं० प० —णिव्वत्ति. स्त्री० (-निर्वृत्ति) દૃષ્ટિની ઉત્પત્તિ નિષ્પત્તિ. दृष्टि की उत्पत्ति-निष्पत्ति. the origin of sight. ' कइ विहाणं भंते दिट्ठिणिव्वत्ति

पएणात्ता " भग० १८, ८; —तिग. न० (-त्रिक) ત્રણ દૃષ્ટિઓ-સમકિત દૃષ્ટિ; મિથ્યાત્વ દૃષ્ટિ અને સમામિથ્યાત્વ દૃષ્ટિ. तीन दृष्टियां-समकित, मिथ्यात्व तथा समामिथ्यात्व दृष्टि the three sights (sorts of faith): Samakita Mithyātva and Samāmithyātva. क० प० ५, ५७; —दुग न० (-द्विक) બે દૃષ્ટિ સમકિત દૃષ્ટિ અને સમામિથ્યાત્વ દૃષ્ટિ दृष्टिद्वय, समकित दृष्टि और समामिथ्यात्व दृष्टि. the two sights; Samakita and Samāmithyātva. क० प० २, २; ६, २; —पडिलेहणा स्त्री० (-प्रतिलेखना) મુહપતિ વગેરે ઉપર નજર ફેરવવી તે मुहपति आदि पर नजर डालना; आंखों से जांचना. casting a glance at the mouth-cloth, examining by sight. प्रव० ६६; —मोह. पुं० (-मोह) દર્શન મોહનીય दर्शन मोहनीय sight-deluding. क० प० २, २२; —विस त्रि० (-विष—दृष्टौ विष येषां ते दृष्टिविषाः) જેની દૃષ્ટિ માત્રમાં ઝેર હોય એવો સર્પ. जिसकी दृष्टि मात्र में विष हो ऐसा सर्प a serpent whose very sight is poisonous नाया० ६; भग० १५. १; जीवा० १; वव० १०, ३३, ३६; भत्त० १२६. गच्छा० ८३; —संचाल पुं० (-संचार) જરી જરી આંખ હલાવવી તે कुछ कुछ आंखों का हिलाना, दृष्टि संचार -प्रक्षेप slight movement of the eyes. आव० १, ५, —संपएण. पुं० (-सम्पन्न) સમ્યગદૃષ્ટિ યુક્ત. सम्यक् दृष्टि से युक्त. possessed of right sight or faith आव० ४, ८; —संपएणया स्त्री० (-सम्पन्नता) સમ્યગદૃષ્ટિપણું सम्यक् दर्शिता the state of having right faith ठा० १०; —सूल. पुं० (-शूल) આંખનું શૂલ. नेत्र पीडा. आंखों की पीडा. an eyesore. नाया० १३; —सेवा स्त्री० (-सेवा) હાવ ભાવ યુક્ત સ્ત્રીની દૃષ્ટિ સાથે દૃષ્ટિ મેલવવી તે. हाव भाव वाली स्त्री की नजर से नजर मिलाना facing a lady casting amorous looks प्रव० १०७८;

दिट्ठिमंत. त्रि० (दृष्टिमत्) સુદૃષ્ટિ; સમકિતિ. सुदृष्टि: समकिती. Right-sighted; Samkiti (having right faith) सूय० १, ३, ३, २१;

दिट्ठिया. स्त्री० (दृष्टिका—दृष्टं दर्शनं वस्तु वा निमित्ततया यस्यामस्ति सा) જોવાથી કર્મ બંધાય તે, ૨૫ ક્રિયામાંની એક. जिसके देखने से कर्म बंधे वह; २५ क्रियाओं मे से एक The Karmic bondage incurred by looking; one of the 25 actions ठा० २, १; (२) નજર; જોવું તે. नजर; दृष्टि sight; seeing नाया० १;

दिट्ठिया. स्त्री० (दृष्टिजा—दृष्टेर्जाता दृष्टिजा) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपर का शब्द Vide above. ठा० २, १;

दिट्ठिवाउवएसा. स्त्री० (दृष्टिवादोपदेशिका) સમ્યક્ત્વ દૃષ્ટિરૂપ સંજ્ઞા; સંજ્ઞાનો ત્રીજો પ્રકાર. सम्यक्त्व दृष्टि रूप संज्ञा; संज्ञा का तीसरा प्रकार A knowledge of right belief or conduct; the 3rd variety of knowledge or animate feeling. प्रव० ९३२;

दिट्ठिवाय पुं० (दृष्टिवाद) બારમું અંગસૂત્ર મ્હોટામાં મ્હોટું એક જૈન સૂત્ર કે જે હાલ વિચ્છેદ થઈ ગયેલ છે बारहवा अंगसूत्र, एक बडे से बडा जैन सूत्र जिसका

एक दिन से लगकर नौ दिन तक from one to 9 days क॰प॰ ४. ८६;

दिणकय पुं॰ (दिनकृत) सूर्य. सूर्य; भास्करः सविता. The Sun ठा॰ २, ३;

दिणकर पुं॰ (दिनकर) सूर्य. दिनकर; सूर्य. The Sun. नाया॰ ९;

दिणनाह. पुं॰ (दिननाथ) सूर्य. सूर्य; दिनकरः दिननाथ. The Sun. सु॰ च॰ २. ४४;

दिणयर. पुं॰ (दिनकर) सूर्य. सूर्य. The Sun नाया॰ १; ८; भग॰ २. ५: ११, ११; १६. ६: अणुजो॰ १६: कप्प॰ १. ४; ३. १२; ४, ६०;

दिएण त्रि॰ (दत्त) આપેલું; દીધેલું. दत्त; दिया हुआ. Given "दिएणं भुंजामे" नाया॰ १; ७; ८; १३: १६; विवा॰ ३; जं॰ प॰ ५, ११५; राय॰ ४०; ओव॰ ३८, सम॰ प॰ २१०; उवा॰ ७, १८४; (२) ૨૧મા તીર્થંકરને પ્રથમ ભિક્ષા આપનાર ગૃહસ્થ. २१वें तीर्थंकर को सब से पहिले भिक्षा देने वाला गृहस्थ the person to give alms first of all to the 21st Tirthankara सम॰ प॰ २३२; (३) આઠમા ચન્દ્રપ્રભ તીર્થંકરના પ્રથમ ગણધરનું નામ आठवें चन्द्रप्रभ तीर्थंकर के प्रथम गणधर का नाम name of the first Gaṇadhara of the 8th Chandra Prabha Tirthankara सम॰ प॰ २३३. (४) ૧૧માં શ્રેયાંસનાથ સ્વામીના ત્રીજા પૂર્વભવનું નામ. ११वें श्रेयांसनाथ स्वामी के तीसरे पूर्व भव का नाम name of the third previous life of the eleventh Śreyāṁsa Nātha. सम॰ प॰ २३०, (५) અષ્ટાપદ પર્વત ઉપર રહેનાર ... अष्टापद पर्वत पर ... एक तपस्वी ... living on the Aṣṭāpada mountain. उत्त॰ टी॰ १०, ९; (६) ૨૩મા પાર્શ્વનાથ પ્રભુના પ્રથમ ગણધર. २३वें पार्श्वनाथ प्रभु के प्रथम गणधर. the first Gaṇadhara of Pārśvanātha the 23rd Tirthankara. सम॰ प॰ २३३;
—भइ. त्रि॰ (-भृति) દીધું છે ભરણ પોષણ માટે અન્નાદિ જેને તે. भरण पोषणार्थ अन्नादि देनेवाला. (one) who has given food etc. for maintenance. नाया॰ १३: —भत्त. त्रि॰ (-भक्त) જેને ભોજન આપી રાખવામાં આવેલ છે તે; પેટોડીઓ. जिसे खुराक-भोजन देकर रख लिया हो. (one) who is engaged on food. विवा॰ ३: —वियार. त्रि॰ (-विचार) દીધા છે વિચાર-સ્વતંત્રપણે ફરવાની આજ્ઞા જેને. स्वतन्त्रता से अपने विचारों को घूमने देने वाला. (one) who has allowed his thoughts to wander freely. नाया॰ १: १५; वेया॰ ४;

दिएणपहु. पुं॰ (दत्तप्रभु) આઠમા તીર્થંકરના પહેલા ગણધર. आठवें तीर्थंकर के पहिले गणधर. The first Gaṇadhara of the 8th Tirthankara. पण॰ १०४;

दित्त. त्रि॰ (दीप्त) પ્રકાશિત; ઝળહળતું. प्रकाशित; जाज्वल्यमान. Shining; luminous. (२) દીપ્તિમાન; તેજસ્વી. दीप्तिमान; तेजस्वी. bright. नाया॰ १; ८; १३; १६; राय॰ १०६; ओव॰ १०; ३८; भग॰ २, ५; ९, ३३; नंदी॰ १०; उवा॰ १; ६६; पराह॰ ४३; नाया॰ ५; ११६; (३) ... [illegible] ... —अग्गि. पुं॰ (-अग्नि) ... [illegible]

प्रचंड तप करनार. प्रचंड तपस्वी. (one) who performs hard penance. भग० १, १; —रूव. त्रि० (-रूप) प्रचंड रूप वालो. प्रचंड रूप वाला of a fierce shape. उत्त० १२, ६; —सोह. त्रि० (-शोभ) प्रदीप्त छे शोभा जेनी ते प्रदीप्त शोभा वाला. of a shining beauty. कप्प० ३,३६; —स्सर. पुं० (-स्वर) प्रचंड स्वर. प्रचंड स्वर; तीव्र स्वर a terrible tone; a harsh sound. नाया० ८;

दित्त. त्रि० (दीप्त) कामथी उद्दीप्त काम से उद्दीप्त. Infatuated with lust उत्त० ३२, १०; (२) गर्विष्ठ, अहंकारी. गर्विष्ठ; अहंकारी; घमंडी. haughty; proud; vain. दस० ५, १, १२; ओघ० नि० ३०२; (३) भूत पिशाच वगेरेना आवेशवालुं. भूत पिशाचादि के आवेश वाला. one possessed, haunted by a ghost or goblin. पिं० नि० ५१६; —चित्त. त्रि० (-चित्त) हर्षघेला चित्तवालुं हर्ष से पागल हुए चित्त वाला (one) whose mind is mad on account of joy ठा० ५, १; वव० ३, १०;

दित्ततर. त्रि० (दीप्ततर) अति प्रचंड अति प्रचंड. Very terrible नाया० १,

दित्ति स्त्री० (दीप्ति) शोभा; कांति; प्रकाश. शोभा; कान्ति, प्रकाश. Beauty, lustre विशे० ३४४७, नाया० १०.

दित्ति त्रि० (दप्ति) काम. काम. Lust. (२) अहंकार अहंकार pride उत्त० ३२, १०; —कर. त्रि० (-कर) काम उद्दीपन करनार. कामोद्दीपक, कामको दीप्त करने वाला. stimulating lust उत्त० ३२, १०; —धर. त्रि० (-धर) अहंकारवालो. अहंकारी, गर्विष्ठ. proud; haughty ठा० १०;

दित्तिमत. त्रि० (दीप्तिमत्) दीप्ति-ज्योति-वालुं दीप्ति-ज्योति वाला. Bright; luminous. उत्त० ५, २७;

दिनयर. पुं० (दिनकर) सूर्य. सूर्य. The sun. ओव० १३;

दिन्न. त्रि० (दत्त) जुओ "दिण्ण" शब्द. देखो "दिण्ण" शब्द. Vide "दिण्ण" उत्त० ६, ८; १२, २१; आया० २, १, ५, ३०; पिं० नि० १६५; २०८ सू० च० १, २१६; २, ४६२; राय० ५८, पन्न० २; दस० ५, २, १३;

दिन्नअ. त्रि० (दत्तक) खोले लीधेल; दत्तक लीधेल. गोद लिया हुआ; दत्तक. An adopted child ठा० १०;

दिप्पत. व० कृ० त्रि० (दीप्यत्) दीपतुं चलकतुं. चलकता, चमकता Glittering; shining नाया० १, ८; भग० ३, २; उत्त० ३, १४; ओव० ३१; पिं० नि० ३०३; सु० च० २, ३८;

दिप्पमाण व० कृ० त्रि० (दीप्यमान) दीप्यमान. रुचतुं. रुचताहुआ; दीप्यमान; शोभतावाला. रोचक Glistening; brightened. 'कविलतं पुणं दिप्पमाणा' उवा० २१६४, जं० प० ३, ४४; कप्प० ३, ४१; ४, ६२;

दिय पुं० (द्विज) सारा संस्कारवालो ब्राह्मण उत्तम संस्कारवाला ब्राह्मण. A Brāhmana of good culture. उत्त० १२. १२. २५, ७; (२) पक्षी. पक्षी. a bird. सूय० १, १४, ३. —पोअ. पुं० (-पोत) पक्षीनुं बच्चुं पक्षी का बच्चा-शावक the young one of a bird. आया० १, ६, ३, १८७; —पोत. पुं० (-पोत) जुओ उपलो शब्द. देखो ऊपरका शब्द vide above. 'जहा दियापोतमपत्तजातं" सूय० १, १४, २;

दियर पुं० (देवर) पतिनो नानो भाइ; देवर. पति का छोटा भाई; देवर. A younger

brother of a husband पिं०नि०१६६;

दियराउ. अ० (दिवारात्र) રાત દિવસ. रात दिन, दिनरात. A night and day. ओघ० नि० भा० ७५;

दियस पुं० (दिवस) દિવસ दिवस: दिन. A day. तंदु०

दियह. पुं० (दिवस) દિવસ; દિન. दिवस; दिन. A day. सु० च० ६, १३६; पंचा० ८, २४;

दिया अ० (दिवा) દિવસ; દિન. दिवस; दिन A day. नाया० १; ४; जीवा० १; आया० १. ६, ४, १८८; वव० ६, ४१; भग० २, १; निसी० ११, २१; दस० ६, २५; पिं० नि० १७५; दसा० ६, २; **—बंभयारि.** पुं० (-ब्रह्मचारिन्) શ્રાવકની પાંચમી પડિમા આદરનાર કે જે પાચ માસ સુધી દિવસે બ્રહ્મચર્ય પાળે. श्रावक की पांचवीं पडिमा का धारण करनेवाला जो पाच मास तक दिन में ब्रह्मचर्य का पालन करे the 5th Vow of a layman which consists of remaining a celebate in the daytime for five months. सम० ११; **—भोयण.** न० (-भोजन) દિવસનું ભોજન. दिन का भोजन, food of the day निसी० ११, २१,

दियालोकच्चुय त्रि० (देवलोकच्युत) દેવલોકથી ચવેલ देवलोक से भ्रष्ट च्युत पतित. Fallen from the heaven. सम० ४;**—भासिय** त्रि० (-भाषित) દેવલોકથી ચવેલ (ઋષિઓ) ના કહેલા देवलोक से चालित(ऋषिओं) द्वारा कहा हुआ. spoken by the sages who are fallen from the heaven सम० ४४;

दिलिवेढय पुं० (दिलिवेष्टक) એક જાતનો જલચર પંચેંદ્રિય જીવ एक जाति का पंचेंद्रिय जलचर जीव. A kind of five-sensed aquatic being. पराह० १,१;

दिली. पुं० (दिली) એક જાતનો જલચર પંચેંદ્રિય જીવ. एक जाति का पंचेन्द्रिय जलचर जीव A kind of five-sensed aquatic being. पन्न० १,

दिव न० (दिव) સ્વર્ગ. स्वर्ग. The heaven सूय० १, ६, ७; नाया० ८; **—गय.** त्रि० (-गत) સ્વર્ગમાં ગયેલ. स्वर्ग में गया हुआ. gone to the heaven. नाया० ८;

दिवड्ढ. त्रि० (द्व्यपार्द्ध) દોઢ; એકને અરધો. डेढ; एक और आधा. One and half. भग०१, १;८, १०; १३, ६; पन्न०२३; निसी १, ४७; २०, २१; २३, विशे० ६६३; सू० प० १०; प्रव० १६८, जं० प० ६०; १२५, **—कखेत्त.** न० (-क्षेत्र) દોઢ ક્ષેત્ર. डेढ क्षेत्र one and half regions. सू० प० १; **—कखेत्तिय.** त्रि० (-क्षेत्रिक) દોઢ ક્ષેત્રનુ डेढ क्षेत्र का. of one and half regions सम० ४५; ठा० ६, **—मासिय;** त्रि० (-मासिक) દોઢ માસનુ. डेढ मास का of one and half months निसी० २०, १७;

दिवस. पुं० (दिवस) દિવસ, દહાડો. दिवस; दिन A day जं० प० ७, १३४; नाया० १; २, ८; १६; १८; १६; भग० ५, १;११, ६; ११; १६, १; वव० ३, ६, विशे० १६६; २०३६, विवा० २, तंदु० नंदी० १२; सम० १५, उत्त० २६, ११, ३०, १६, प्रव०६२५; आव० ३, १; **—अंतर** न० (-अन्तर) ભિન્ન દિવસ, બીજો દિવસ. भिन्न दिन; दूसरा दिन. a different day; other day. विशे० ६०६; **—चरिम** न० (-चरम) દિવસનો છેલ્લો પહોર

दिवस का अन्तिम प्रहर. the last Prahara (a period of three hours) of a day. आव० ६, १०; —तिहि. स्त्री० (-तिथि) तिथिनो पूर्व भाग तिथि का पूर्व भाग. the first part of a date. सू० प० १०; —पुहुत्त न० (-पृथक्त्व) બેથી માંડી તે નવ દિવસ સુધી (કાલ). दो से लगाकर नो दिन तक (काल) from two to nine days. भग० १, १; कप्प० ५, ५१; —प्पमाणकाल. पुं० (-प्रमाणकाल) દિવસ પ્રમાણેનો સમય. दिन प्रमाण का समय. a period of time equal to a day. भग० ११, ११; —बंभयारि. पुं० (-ब्रह्मचारिन्-दिवसे ब्रह्मचरतीत्येवं शीलो दिवसब्रह्मचारी) દિવસે મૈથુનનો ત્યાગ કરનાર. दिन मे मैथुन का त्याग करने वाला. one who abandons coition in the day time. पंचा० १०, १८; प्रव० १०००; —भयअ. पुं० (-भृतक) દાડીઓ; મજૂર; એક દિવસના પૈસા લઇ કામ કરનાર. मजूर; मजदूर; एक दिन की मजदूरी के पैसे लेकर काम करने वाला. a labourer; one who works on wages per day. ठा० ४, १; —विसय. पुं० (-विषय) દિવસનો ભાગ. दिन का भाग. the part of a day. प्रव० १४१;

दिवासिय. त्रि० (-दैवासिक) દિવસમાં થનાર; દિવસ સંબંધી. दिन में होने वाला; दिन सम्बन्धी. Related to a day; daily. नाया० १;

दिवा. अ० (दिवा) દિવસ दिन; दिवस A day राय० ५३; जं० प० ७, १५३; ५, ११४; दस० ४; —बंभयारि. पुं० (-ब्रह्मचारिन्) દિવસે બ્રહ્મચર્ય પાલનાર; પાંચમી પડિમાધારી શ્રાવક. दिन में ब्रह्मचर्य पालने वाला; पांचवी पडिमा धारी श्रावक. a layman observing the 5th Padimā(vow); (one) abstaining from coition in the day time. दसा० ६, २;

दिवाकर. पुं० (दिवाकर) સૂર્ય. सूर्य. The sun. राय० ५३;

दिवाकरकूड. पुं० (दिवाकरकूट) જંબુદ્વીપના મન્દરની દક્ષિણે આવેલ રૂચક પર્વતનું આઠમુ કૂટ. जंबूद्वीप के मन्दिर के दक्षिण में आने वाले रुचक पर्वत का आठवां कूट-शिखर The 8th peak of the Ruchaka mountain coming to the south of the temple of Jambūdvīpa. ठा० ८;

दिवागर. पुं० (दिवाकर) જુઓ "दिवाकर" શબ્દ. देखो " दिवाकर " शब्द. Vide दिवाकर " नाया० १;

दिवायर. पुं० (दिवाकर) સૂર્ય. सूर्य. The sun. " उत्तिट्ठंते दिवायरे जलत इव " उत्त० ११, २४, पन्न० १७,

दिव्व. त्रि० (दिव्य) ઉત્તમ; શ્રેષ્ઠ उत्तम; श्रेष्ठ. Best. (२) દિવ્ય, સ્વર્ગીય. दिव्य; स्वर्गीय divine; heavenly. (३) પ્રધાન; મુખ્ય. प्रधान; मुख्य. chief; principal. नाया०१;५;८; ६; १४; भग० ३, १;२;७,६; १२,८,१५,१;१६, ६; नाया० ध०पन्न०२; ओव०सम० १०; राय०२७;२६; दस०६,२,४; दसा०५,२१; पिं०नि०भा०४२; भत्त० ३६; जं० प० ५, ११२; (४) દેવતા સંબંધી. देव विषयक; देवता सम्बन्धी. relating to gods ठा० ३, १; ४, ४; उत्त० २५, २५; ३१, ५; ओव० २२; जीवा० ३, १; सू० प० १८; विशे० १००५; दस० ४; वव० १०, १; नाया० १; कप्प०

२, १३; २, २७; २, २८; ६, ११६; पंचा० १८; १६; वव० १०७५; (५) मुकुली सर्पनी એક જાત. मुकुली सर्प की एक जात. a class of serpents जीवा०१; (६) દેવતાઈ; દેવતાધિષ્ઠિત देवाधिष्ठित presided by a god. जं० प० ५, ११२; ११५: ७, १४०, ३, ५३, —**श्रायपत्त** न० (-आतपत्र) દિવ્ય છત્ર दिव्य छत्र. a divine umbrella. राय० —**उत्तिराण** त्रि० (-उत्तीर्ण) સ્વર્ગમાથી ઉતરેલ स्वर्ग से उतरा हुआ. descended from the heaven. सु० च० ४, १६६, —**श्रोसहि**. पु० (-औषधि) દૈવી ઔષધિ दैवी औषधि-दवा divine medicine. नाया०१; —**गइ** स्त्री० (-गति) ઉચ્ચ ગતિ; દેવ ગતિ.उच्च गति; देवगति a high position, the state of the gods. नाया० ६;—**तुडिय** न० (-त्रुटित) વીણા, મૃદંગ આદિ દિવ્ય વાજીત્ર वीणा, मृदंग आदि दिव्य वाद्य-यंत्र a set of divine musical instruments such as a lute, drum etc राय० —**देव-जुति** स्त्री० (-देवद्युति) દેવતાની દિવ્ય દ્યુતિ-કાંતિ देवता की दिव्य द्युति-कांति. the divine lustre of the gods. सम० १०: —**देविड्ढि** स्त्री० (-देवार्द्ध) પ્રધાન પરિવારરૂપ દેવની ઋદ્ધિ प्रधान परिवार रूप देव की ऋद्धि-समृद्धि-सम्पद the power of the gods सम०१०, —**देवाणुभाव**. पु० (-देवानुभाव)ઉત્તમ વૈક્રિય શરીર કરવુ આદિ દેવનો પ્રભાવ उत्तम वैक्रिय शरीरनिर्माण सबन्धी देव का प्रभाव. ths influence of the gods relating the creation of the best Vaikriya body. सम० १०; —**माया**. स्त्री० (-माया) દેવમાયા. देव-माया; मोहनी the illusion of the gods. आया० १,८,८,२४; —**रूवधारि**. त्रि०(-रूपधारिन्)દિવ્ય રૂપ ધારણ કરનાર दिव्य रूपधारी. having a divine form. नाया० १:

दिव्व. न० (दैव)ભાગ્ય; નસીબ. भाग्य, नसीव, दैव Fate; destiny, lot. सु० च० १, ३१६; उत्रा०२,११६;—**जोय**. पु०(-योग) દૈવયોગ दैवयोग,दैव. fate. सु० च० ३, १५४;

दिव्वग त्रि० (दिव्यक) વ્યન્તર દેવકૃત ઉપસર્ગનો એક પ્રકાર व्यन्तर देव कृत एक उपसर्ग विशेष. A kind of disturbance caused by the Vyantara gods सूय० १, २, २, १५;

दिव्वाग पुं० (दिव्याक) મુકુલિ સર્પની એક જાત मुकुली सर्प की एक जात. A kind of serpent. पन्न० १:

√**दिस** धा० I. (दृश्) જોવું; અવલોકન કરવું देखना, अवलोकन करना. To see, to observe

दिच्छसि. भ० भग० २, १, दस० २, ६,

√**दिस**. धा० II. (दिश्) ઉપદેશ કરવો. उपदेश करना.To preach,to instruct.

देसेइ. प्रे० नाया० ६,

√**दिस** धा० I (दृश्) જોવું; તપાસવું. देखना; परीक्षा करना, निरीक्षण करना. To see, to look; to inspect.

देहए सूय० १, १, २, ८;

देहमाण. व०कृ० जं०प० भग० ६, ३३;

अदक्खु भू० भग० ५, ४, १६, ३, सूय०१, २, ३, २; आया० १, २, ५, ८७; १, ६, १, १०;

दट्ठुं सं०कृ०ठा० ३,३,उत्त०१,१२,३१,१४; सूय० १, २, ३, १०; १, ७, २०; पिं०नि० १६८; दसा० ६, २;

दट्टूण. दस० ५, १, २१;५,२, ३१; ६,२६; ८, ५५; नाया० १६; आया० १, ४, ४; १३१, २, ३, १, ११४; विशे० ५८; सु० च० १, १०१;

दिस्स. सं०कृ० दस० १०, १, १२;

√**दिस** धा० I. (दृश्-दिश्) જોવું; દેખવું. देखना To see; to look. (२) દેવું देना to give.

दीसइ. क०वा० सूय० १, १, १, ६; नाया० ६; भग० ६ ३३;१५,१; उत्त० १८; २०; विशे० ५३; पिं० नि० ५१६; सु० च० ६, ५१;

दीसति पन्न० १; भग० ८, ८; दस० ६,२, ५, विशे० २०६; जं०प० ७, १३६;

दीसंत. दस० ५ २, २८; प्रव० १६६;

दिसा. स्त्री० (दिश्) પૂર્વ આદિ ૭ દિશા. पूर्वादि छः दिशा. The 6 directions viz. the east etc. राय० २८; वव० ७, ८; नाया० १; ८; भग० १, १; २, १; ५, १; ४; ७, ६; १०, १; उत्त० ३, १३; दसा० १०, १; आव० २२; आया० १, १, १, २; उवा० १, २०; कप्प० ३, २७; प्रव० ६३६; पचा० ५, ४२, (२) દિશા કુમાર દેવતા; ભવનપતિ દેવતાની એક જાત. दिशाकुमार देवता. भवन पति देवता की एक जात. the gods known as Disākumāra; a class of Bhavanapati gods उत्त० ३६, २०४; समं० ७६, प्रव० ११४३, (३) એ નામનું દશમા દેવલોકનું એક વિમાન, એની સ્થિતિ ૨૦ સાગરોપમની છે એ દેવતા દસમે મહીને શ્વાસોચ્છ્વાસ લે છે અને વીસહજાર વર્ષે ક્ષુધા લાગે છે दशवें देवलोक का इस नामका एक विमान; इसकी स्थिति २० सागरोपम की है -ये देवता दसवें महिने श्वासोच्छ्वास लेते है और बीस हजार वर्षों में क्षुधा लगती है. a celestial abode of this name of the 10th Devaloka, the age of its gods is 20 Sāgaropamas. The gods there breathe at the 10th month and become hungry after 20000 years जं० प० ५, ११६; समं० २०; —**अणुवाय.** पुं० (-अनुपात) દિશાને અનુસરવું તે दिशाओं का अनुसरण. following a direction पन्न०३ —**अवलोय** पुं०(अवलोक) દિગ્દર્શન; દિશાઓનું અવલોકન કરવું તે. दिग्दर्शन. दिशाओं का अवलोकन bird's-eye view. नाया० २ ४; —**गइंद** पुं० (-गजेंद्र) ઐરાવણાદિ હાથી; આઠ દિશાના આઠ હાથી ऐरावतादि हाथी; आठ दिशाओं के आठ हाथी the elephants of the 8 quarters viz. Airāvata etc कप्प० ३, ३६; —**चर.** त्रि० (-चर) દિશાચર; જુદી જુદી દિશાઓમાં ફરનાર; શુભાશુભ ફલ પ્રકાશક दिशाचर; भिन्न २ दिशाओं मे फिरने वाला शुभाशुभ फल प्रकाशक (one) who roams in the directions, (one) who reveals the auspicious or inauspicious result भग० १५, १; —**दाह** पुं० (दाह) દિશાઓ બળતી દેખાય તે; અધ્ધર અગ્નિની જ્વાલા દેખાય તે. दिशाओं का जलती हुई दिखना, अधर अग्नि की ज्वाला का दर्शन. the sight of the directions as burning; a blaze of fire in the atmosphere अणुजो० १२७, भग० ३, १; (२) દિશાઓ દાઝતી દેખાય તેનું શુભાશુભ જાણવાની વિદ્યા दिशाएँ जलतीं हुई दिखे उनका शुभाशुभ जानने की विद्या. the lore of knowing omens at the sight

of the burning directions. सूय० २, २, २७; —पोक्खि पुं० (-प्रोक्षिन्) ચારે દિશા તરફ પાણી છાંટી ફલ ફુલાદિક લે એવા તાપસની એક જાત चारों दिशाओं की ओर पानी छींटकर फल फलादि ग्रहण करने वाला तपस्वी विशेष a class of ascetics who accept fruits or flowers having sprinkled water towards the 4 directions. भग० ११, ६; ओव० ३८; निर० ३; ३; —पोक्खिय. पुं० (-प्रोक्षिक) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपरका शब्द vide above भग० ११, ६; —मोह. पुं० (-मोह) દિશાનો મોહ; દિગ્મૂઢતા दिशा का मोह, दिग्मूढता. the forgetfulness of the directions आव० ६, २; —यत्तिय. त्रि० (-यात्रिक—दिग्यात्रा देशांतर गमन प्रयोजनं येषां तानि तथा) દેશાન્તરમાં ગમન કરનાર देशान्तर को जानेवाला. a traveller. उवा० १, २०;—विचारि. त्रि० (-विचारिन्) દિશામાં ફરનાર दिशाओं में फिरने वाला. (one) who wanders in all quarters. उत्त० ३६, २०६; —सोवत्थिअ पुं० (-सौवस्तिक) દિશાઓમાં પાણી છાંટી આહાર લેનાર તાપસનો એક વર્ગ दिशाओं में पानी छींटकर आहार ग्रहण करने वाला तपस्वी वर्ग a class of ascetics who accept food after sprinkling water in all the directions. जीवा० ३, ४,

दिसाइ. पुं० (दिशादि) દિશા વિદિશાની શરૂઆત જ્યાંથી થાય છે તે મેરૂ પર્વત मेरु पर्वत जहांसे दिशा विदिशाओं का आरंभ होता है. the Meru mountain from which all directions proceed. जं० प०

दिसाकुमार पुं० (दिशाकुमार) એ નામની ભવનપતિ દેવતાની એક જાત. भवनपति देवता की इस नामकी एक जात a class of the Bhavanapati gods so named. पन्न० १; भग० १६; १३, —आवास. पुं० (-आवास—आसमन्तात् वसन्त्येष्विति) દિશાકુમાર દેવતાને રહેવાનો આવાસ दिशाकुमार देवता के रहने के आवास. the abodes of the Diśākumāra gods. सम० ७५;

दिसाकुमारिआ स्त्री० (दिशाकुमारिका) ભવનપતિ દેવીની એક જાત; ૫૬ દિશાકુમારિકા भवनपति देवी की एक जात; ५६ दिशाकुमारिका a class of the Bhavanapati gods; 56 Diśākumārikās जं० प० ठा० ८,

दिसाकुमारिका. स्त्री० (दिशाकुमारिका) દિશાઓની અધિષ્ઠાત્રી ભવનપતી જાતની દેવી કે જે તીર્થંકરનો જન્મમહોત્સવ કરવા સૌથી પ્રથમ આવે છે. दिशाओं की अधिष्ठात्री भवनपति जाति की देवी जो तीर्थंकर का जन्म-महोत्सव मनाने के लिये सब से पहिले आती है. A goddess of the Bhavanapati class, presiding the quarters, who comes first to celebrate the birth of a Tīrthaṅkara जं० प०

दिसाकुमारी स्त्री० (दिशाकुमारी) જુઓ ઉપલો શબ્દ देखो ऊपरका शब्द Vide above जं० प० ५, ११३; ११४, भग० ३, ७; ११, १०;

दिसाचक्कवाल. न० (दिक्चक्रवाल) એક પ્રકારનું તપ. एक तप विशेष A kind of penance. भग० ११, ६;

दिसादि. पु० (दिगादि) મેરુ પર્વત. मेरु

पर्वत. The Meru mountain. सू० प० ५;

दिसावगासिय. न० (दिगवकाशिक) श्रावकना બાર વ્રતમાનું દશમું દિશાની વિશેષ મર્યાદા બાંધવાનું વ્રત. श्रावक के बारह व्रतों में से दसवा दिशाका विशेष मर्यादा बाधने का व्रत. The 10th of the 12 vows of a layman; a vow restraining the limit of directions दसा० ६,२;

दिसासोवत्थिश्र. पुं० (दिक्स्वस्तिक) જંબુ દ્વીપના રુચક પર્વતનું આઠમું શિખર. जंबू द्वीपके रुचक पर्वतका आठवां शिखर. The 8th peak of the Ruchaka mountain of Jambūdvīpa. ठा० ८;

दिसासोवत्थिश्रासण. न० (दिसासौवस्तिकाऽऽसन) એ નામનું એક આસન. इस नाम का एक आसन A posture or seat of this name. जीवा० ३, ४;

दिसाहत्थि पुं० (दिग्घस्तिन्) ભદ્રસાલ વનનું એક કૂટ. भद्रसाल वन का एक कूट. A peak of the Bhadraśāla forest. जं० प०

दिसाहत्थिकूड पुं० (दिग्घस्तिकूट) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपर का शब्द. Vide above. जं० प०

दिसि. स्त्री० (दिश्) દિશા. दिशा. Direction. वव० १, २३; नाया० १; ८; १६; १७, पिं० नि० ३१०, भग० १०, १; २५, २; (२) દિશાકુમાર દેવતા. दिशाकुमार (नामक) देवता. a deity by name Diśā Kumāra. पराह० १, ३; (३) પન્નવણા સૂત્રના પહેલા પદના ત્રીજા દ્વારનું નામ पन्नवणा सूत्र के प्रथम पद के तीसरे द्वार का नाम name of the third chapter of the first section of Pannavaṇā Sūtra पन्न० ३; —चक्क. पुं० (-चक्र) દિશાચક્ર. दिशाचक्र-दिशा (दर्शक) चक्र. a wheel of directions सु० च० ३, ६२; —दसय. न० (-दशक) દશ દિશાઓ दस दिशा. the ten directions. सु० च० २, १८४; —दाह. पुं० (-दाह) જુઓ " दिसादाह " શબ્દ. देखो " दिसादाह " शब्द. vide 'दिसादाह' धा० १०, १; —दुग. न० (-द्विक) ચાર દિશામાંની ગમે તે બે દિશા. चार दिशाओं में से चाहे जौनसी दो दिशा. any two of the four directions. प्रव० ७५५; —देवया. स्त्री० (-देवता) દિશાઓના દેવતા. दिशाओं के देवता the presiding deities of the different quarters. पंचा० ८, १६; —भाग. पुं० (भाग) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपर का शब्द vide above नाया १६;—भाय पुं० (-भाग) દિશાનો વિભાગ दिशा का विभाग. an angle of a quarter or direction. सूय० २, ७, ४; भग०२, १; दसा० ५, ५, श्रोव० नाया० ५; ८; —मुह. न० (-मुख) દિશાનું મુખ-શરૂઆત दिशामुख-दिशा का प्रारंभ. the begining of a quarter direction. सु० च० २, ५०. —विभाय. पुं० (-विभाग) દિશાના વિભાગ दिशा का विभाग. division, angle of a direction सू०प०१,राय०

दिसिव्वय. न० (दिग्व्रत) શ્રાવકનું છઠું વ્રત. श्रावक का छठा व्रत. The sixth vow of a Jaina-layman. पंचा० १, ७; भग० ७, ३;

दिसी स्त्री० (दिश्) દિશા दिशा A quarter; a direction. राय० ४; उवा० १, ५०; —भाग. पुं० (-भाग) દિશાનો ભાગ-પ્રદેશ. दिशा का भाग या

प्रदेश. the different angles or divisions of a quarter. जं० प० ५, ११२; १, १; ११३; भग० १५, १; कप्प० २, २६;

दिसोदिसिं. अ० (दिशिदिशि) ચારે દિશે. चारों दिशाओं में In all the quarters. उत्त० २१, १४; नाया० १; १६; भग० ७, ६;

दिस्स सं० कृ० अ० (दृष्ट्वा) જોઇને देखकर. Having seen. "अणागयं भयं दिस्स" सूय० १, ३, ३, ३, उत्त० ६, ७,

दिस्समाण त्रि० (दृश्यमान) દેખાતો दिखता हुआ या दृश्यमान That which is being seen or visible. आया० १, ३, ३, ११०;

दिस्सा. सं० कृ० अ० (दृष्ट्वा) જોઇને. देखकर. Having seen. सूय०२, २, ५४, भग० १८, ८;

दीण त्रि० (दीन) ગરીબ; રાંક; નિર્ધન. गरीब; रंक; निर्धन. A poor, a penniless, a pauper. नाया० १; भग० ७, ५, ८, ३३; पन्न० २३; उत्त० ३२,१०३; आया० १, ६; ४, १६३; सु० च० ४,१२७; कप्प० ४, ६२; भत्त० १०५; —**उभासि.** त्रि० (-अवभाषिन्) દીનપણું જણાવનાર दीनता बताने वाला. (one) showing humility ठा० ४, २;—**जाइ.** त्रि० (-जाति-दीना हीना वा जातिर्यस्येति दीनजाति.) ગરીબ જાતિ વાળો. गरीब-जाति का (one) of a poor breed or caste ठा० ४, २; —**दाण.** न० (-दान) ગરીબને દાન આપવું તે दीन को दिया जाने वाला दान. charity which is given to the needy (poor). पंचा०८, ४६; —**दिट्ठि** त्रि० (-दृष्टि) ગરીબ દેખાવની આંખ વાળો दीन दृष्टि वाला (one) of piteous eyes. ठा० ४, २, —**पण्ण.** त्रि० (-प्रज्ञ) બુદ્ધિથી હીન; હીન બુદ્ધિવાળો. बुद्धि हीन-निर्बुद्ध. (one) devoid of talent;a fool. ठा०४,२;—**परक्कम** पुं० (-पराक्रम) હીન પરાક્રમવાળો हीन पराक्रम वाला; पराक्रम हीन. (one) of less prowess or valour; a coward. ठा० ४, २; —**परिणय.** पुं० (-परिणत) દીન થયેલ. दीन बना हुआ. humble; poor. ठा० ४, २; —**परियाअ-य.** त्रि० (-पर्याय) દીનક્રિયાવાળી દીક્ષા લેનાર दीन क्रिया की दीक्षा लेने वाला. (one) who is to enter into an order which is of low or mean principles ठा० ४, २; —**परिवाल.** त्रि० (-परिवार) ગરીબ પરિવારવાળો. निर्धन कुटुम्ब वाला (one) with a poor family. ठा०४, २;—**भासि.** त्रि० (-भासिन्) ગરીબાઇના વચન બોલનાર. दीन, गरीब वचन बोलने वाला. (one) who speaks humble words. ठा० ४,२; —**मण** त्रि० (-मनस्) દીન અતઃકરણ વાળો. दीन अन्तःकरण वाला. of an humble heart. ठा०४,२; —**रूव** त्रि० (-रूप) ગરીબ દેખાવનો; દરિદ્રી दीन स्वरूपी, दरिद्री, दीन आकृति वाला. (one) poor in appearance; a pauper. ठा० ४, २; —**ववहार.** त्रि० (-व्यवहार) વ્યવહારમાં દીન કુશલતા વગરનો व्यवहार में दीन-अकुशल, व्यवहार को न जानने वाला. (one) not expert in practice; imperfect in practice or practical wisdom. ठा० ४, २; —**वित्ति.** त्रि० (-वृत्ति) દીન વૃત્તિવાળો, ગરીબ. दीन वृति वाला; गरीब.

(one) of poor profession or disposition; a poor man. ठा० ४, २; —विमण. त्रि० (-विमनस्) દીન-પામર ચિત્તવાળું. दीन-हृदय वाला; पामर चित्त वाला. (one) of a poor mind; shallow hearted. विवा० २; —संकप्प. त्रि० (-संकल्प) દીન વિચારવાળો. दीन विचार वाला. (one) of poor ideas or thoughts. ठा० ४, २; —सर. त्रि० (-स्वर) દીન સ્વર; કરૂણા જનક સ્વર. अर्जवाणी; करुणा जनक स्वर. a pitiful voice; a piteous cry. भग० १, ७; ७, ६; —सीलायार. त्रि० (-शीलाचार) શીલાચાર વગરનો. शील-सदाचार विहीन. devoid of good character or chastity. ठा० ४, २; —सीलसमायार पुं० (-शीलसमाचार) શીલાચાર વગરનો. शील-सदाचार रहित. devoid of good character or chastity. ठा० ४, २, —सेवि. त्रि० (-सेविन्) ગરીબની સેવાકરનાર. गरीबों की सेवा करने वाला; दीन सेवक. (one) serving the poor; ठा० ४, २;

दीणत्त न० (दीनत्व) દીનતા; નિર્દ્ધનતા. गरीबी; अकिंचनता; द्रव्यहीनता. Pennilessness; pauperism; poverty. सु० च० २, १८६;

दीणया स्त्री० (दीनता) દૈન્ય; ગરીબપણું. दैन्य; गरीबी. Poverty; humility. ठा० ४, २,

दीणार पुं० (दीनार) સોના મ્હોર; સોનૈયો. दीनार; सुवर्ण मुद्रा; सोने का सिक्का. A gold coin; a sovereign. कप्प० ३, ३६;

दीनारमालिया स्त्री० (दीनारमालिका) એ નામનું એક આભૂષણ; મોહરમાલા इस नाम का एक अलंकार; मोहर माला. A necklace of gold coins. जीवा ३, ३;

√दीव. धा० II. (दीप्) દીપન કરવું; સલગાવવું; દીવો કરવો. दिया लगाना; सुलगाना. To light; to kindle.

दीवेय. पिं० नि० ३३५;
दीवंति. सु० च० २, १२६;
दीवए वि० उत्त० ३६, १२;
दीवित्ता. सं० कृ० वेय० ४, २१;
दीवंत. व० कृ० जं० प० ३, ६७;

दीव. पुं० (द्वीप) બેટ; દીપ; ચારે બાજુ પાણી અને વચમાં જમીન હોય તે द्वीप, टापू; भूमि का वह भाग जो चारों ओर पानी से घिरा हो. An island; that part of land which is surrounded by water on all sides. जं० प० ५, ११५; ११२; ६, १२४; भग० १, ६; २, ८; १६, ६; ३४, १; नाया० १, ६; सूय० १, ११, २३; ठा० २, ४; ओव० पिं० नि० ५०३; विशे० ६१९; पन्न० १; नंदी० २७; अणुजो० १३६; सम० ३०; निर० ५, १; उवा० २, ११३; क० गं० १, १६; कप्प० १, २; २, १४; २, १५; प्रव० १४४२; (२) દ્વીપ કુમાર નામે ભવન પતિ દેવની એક જાત. द्वीपकुमार नामक भवनपति देव की एक जाति. a class of Bhavanapati gods named Dvīpakumāra. भग० १, ५; ओव० २३; सम० ७६; पण्ह० १, ४; प्रव० १४४३;—(वो)उदहि. पुं० (-उदधि) દ્વીપ અને સમુદ્ર. द्वीप और समुद्र. an island and a sea. क० गं० ४, ७७; ८०; ५, ८२; —ताण. त्रि० (-त्राण) દ્વીપની પેઠે રક્ષણ કરનાર. द्वीप के समान रक्षा करने वाला. a protector like that of an island. दसा० ६, १७;

—वायु. पुं० (-वायु) દ્વીપનો પવન. द्वीप की वायु. island-wind. नाया० ११; —संठिय. त्रि०(-संस्थित) દ્વીપના આકારે રહેલ द्वीप के आकार में स्थित. formed in the shape of an island. भग० ८, २; —समुद्द पुं० (-समुद्र) દ્વીપ અને સમુદ્ર द्वीप और समुद्र. an island and a sea. " कहिणं भंते दीवसमुद्दा " जीवा० ३, ४; राय० २६; भग० ६, ४, दसा० ५, २३, ठा० १००, आव० ४, ८;

दीव पुं० (दीप) ' દીવો ' તેના બે પ્રકાર દ્રવ્ય દીવો અને ભાવ દીવો; દ્રવ્ય દીવો બતી વગેરે પ્રકાશક વસ્તુ, ભાવ દીવો શ્રુત જ્ઞાન दीया या दीपक इसकी दो जातियां हैं; १ ला द्रव्य दीपक २रा भाव दीपक. द्रव्य दीपक अर्थात् वत्ती आदि प्रकाशक वस्तु भाव दीपक अर्थात् श्रुत ज्ञान. A lamp, it is of 2 kinds viz. 1 Diavya Dīpaka, that which enlightens material objects, a lamp, e. g a lantern; 2 Bhāva Dīpaka i. e the knowledge of scriptures. उत्त० ४, ५; सूय० १, ६, ३४, आव० विशे० १६४; जीवा० ३, ३, सु० च० १, १. कप्प० ३, ५२, पंचा० ४, १४, जं० प० २, २६; (२) જેમાથી દીપક સમાન જ્યોતિ નીકળે તેવાં કલ્પ વૃક્ષ. वे कल्पवृक्ष जिनमें दीपकवत् ज्योति प्रकट होती है those celestial trees which emit light like a lamp. प्रव० १०८१; सम० १०; —चंपय न० (-चम्पक) દીવાનુ ઢાંકણું. दिये का ढक्कन. a cover or lid of a lamp. भग० ८, ६, राय० २७२, सम० —देवी स्त्री० (-देवी) દ્વીપની અધિષ્ઠાતા દેવી द्वीप की अधिष्ठात्री देवी. the presiding deity of an island. भत्त० १४७; —सय. न० (-शत) સો દીવા. सौ दीये. शत दीपक. hundred lamps. अणुजो० २५४; —सिहा. स्त्री० (-शिखा) દીવાની શિખા दीये की लौ; दीपक शिखा the flame of a lamp. प्रव० १०८३;

दीवंग. पुं० (दीपांग) એ નામનું એક કલ્પ વૃક્ષ; જેમાથી દીવા સરખી જ્યોતિ પ્રગટે એવું એક જાતનુ કલ્પ વૃક્ષ. इस नामका एक ऐसा कल्पवृक्ष जिसमें दीपकवत् ज्योति प्रकट होती है. a celestial tree of this name which emits light like a lamp ठा० १०; तंदु०

दीवकुमार. पु० (द्वीपकुमार) ભવનપતિ દેવતાની છઠ્ઠી જાત भवनपति देवता की छठी जात. the 6th class of Bhavanapati gods. " दीव कुमाराणं भंते समाहारा " भग० १६, १३; पन्न० १; —आवास. पु० (-आवास) દ્વીપકુમાર દેવતાના આવાસ-રહેઠાણ. द्वीपकुमार देवता का निवासस्थान the abodes of the Dvīpakumāra gods सम० ७५;

दीवकुमारी. स्त्री० (द्वीपकुमारी) દ્વીપકુમાર દેવની દેવી. द्वीपकुमार देव की देवी. The queen of the *Dvīpakumāra* god. भग० ३, ७,

दीवकुमारुद्देसय न० (द्वीपकुमारोद्देशक) ભગવતીના સોલમા શતકના ૧૦ મા ઉદ્દેશાનું નામ भगवतीके सोलहवे शतकके १० वें उद्देश का नाम. Name of the 10th chapter of the 16th section of Bhagavatī Sūtra. भग० १६, १०;

दीवग. न० (दीपक) દીવો. दीया, दीप. A lamp; a light. प्रव० ६६०; सू० प० १०; (२) એ નામનું એક જાતનું સમકિત; પોતે તત્વ શ્રદ્ધાન રહિત હોય છતા બીજાને ઉપદેશ આપી તત્વ પ્રત્યે શ્રદ્ધાન ઉત્પન્ન કરાવે

ते इस नामका एक प्रकार का समकित; स्वतः तत्व श्रद्धान् से शून्य होते हुए दूसरों को उपदेश देकर तत्व के प्रति श्रद्धान उत्पन्न करावें. A kind of faith; creating in others faith towards precepts though he himself is ignorant of them. विशे० २६७५;

दीवण. न० (दीपन) પ્રકાશ કરવો; આગમનાદિ પ્રયોજનનો આવિર્ભાવ કરવો તે प्रकाश करना आगमनादि प्रयोजन का आविर्भाव करना. Throwing light upon, illuminating. पंचा० १२, ६; ओघ०नि० ७०; वेय० १, २;

दीवणा स्त्री० (दीपना) પ્રકાશ કરવું તે. प्रकाश करना. Illuminating पंचा० १, ४८;

दीवणिज्ज. त्रि० (दीपनीय) જઠરાગ્નિને વધારનાર (ખોરાક). जठराग्नि बढाने वाली (खुराक). Appetising or hunger stimulating (diet) पन्न०१७; जं०प० ठा० ६, ४; नाया० १२; जीवा० ३,४, कप्प० ४, ६१;

दीवग. पुं० (द्वीपक) દીપડો; ચિત્રો चीता. A leopard जीवा० १; ३, १;

दीवमंत. त्रि० (दीव्यत्) રમતો खेलता हुआ; रममाण. Playing. सूय० १, २, २, २३;

दीवर. पुं० (दीवर) એ નામની એક જાતની વનસ્પતિ इस नामकी एक जात की वनस्पति A vegetation of this name पन्न० १;

दीवसमुद्दुद्देस. न०(द्वीपसमुद्देश) એ નામનો જીવાભિગમ સૂત્રનો એક ઉદ્દેશો. इस नामका जीवाभिगम सूत्र का एक उद्देशा. A section of the Jīvābhigama Sūtra of this name. जं० प० ५, ११७; भग० १६, ६;

दीवसागरपन्नति. स्त्री० (द्वीपसागरप्रज्ञप्ति) જેમાં દ્વીપ સાગરનો અધિકાર છે એવું એક કાલિક સૂત્ર. एकका कालिक सूत्र जिसमें द्वीप सागरका वर्णन है. A kind of Kālika Sūtra which describes Dvīpa Sāgara. ठा० ३, १; ४, १; नंदी०४३;

दीवसिह. पुं० (दीपशिख) કલ્પ વૃક્ષની એક જાત. कल्पवृक्ष की एक जात. A species of the celestial trees. जीवा०३,३; (२) બ્રહ્મદત્ત ચક્રવર્તીની સ્ત્રીનું નામ. ब्रह्मदत्त चक्रवर्ती की स्त्री का नाम. name of the wife of Brahmadatta Chakravartī उत्त० टी० १३, १;

दीवायण. पुं० (द्वैपायन) એ નામના એક મહર્ષિ કે જે યાદવ કુમારોની મશ્કરીથી કુપિત થઇ નિયાણું કરી અગ્નિ કુમાર દેવતામાં ઉત્પન્ન થયા અને દ્વારિકા નગરીને બાલી ભસ્મ કરી. इस नाम के एक महर्षि जिन्होंने यादव कुमारोंकी हंसी-दिल्लगीके कारण गुस्सा होकर नियाणा कर अग्निकुमार देवता में उत्पन्न होकर द्वारिकापुरी को जलाकर भस्म कर डाली. A great sage of this name who being enraged at the jokes of the Yādava Kumāras took birth in Agni Kumāradevatā through a resolve for future birth and burnt to ashes the city of Dvārikā. अंत० ५, १, सूय० १, ३, ४, ३; (२) ભરત ખંડમાં થનાર વીસમાં તીર્થંકરના પૂર્વભવનું નામ. भरतखंड में होने वाले बीसवें तीर्थंकर के पूर्व भव का नाम. name of the past life of the 20th would-be Tīrthankara in Bharatakhaṇḍa. सम० प०२४१;—जीव. पुं० (-जीव) દ્વીપાયનનો જીવ द्वीपायन का जीव the soul of

Dvīpāyana प्रव० ४७३;

दीविआ-या. स्त्री० (दीपिका) દીવી; મશાલ. समाई; दीवी; मशाल. A torch. जं० प० ५, ११४; जीवा० ३, ३;

दीविग. पुं० (द्वीपिक) ચિત્રો चींता. A leopard जं०प० नाया० १; १७;

दीविच्च . त्रि० (द्वैप्य) દ્વીપ સંબધી द्वीप सम्बन्धी. Pertaining to an island. " जयाया दीविच्चगा इंसिं पुरेवाया " नाया० ११;

दीविच्चय. त्रि० (द्वैप्य) દ્વીપ સંબધી द्वीप के सम्बन्ध का. Belonging to an island. भग० ५, २.

दीविय. पुं० (द्वीपिक) દીપડો; ચિત્રો. चीता. A leopard. नाया० १; १७, भग० ३, ४; ७, ६; आया० २, १. ५, २७; पन्न० १; राय० ४६;

दीविय. त्रि० (दीप्त) પ્રકાશિત प्रकाशित Illumined; lightened. नाया० १;

दीवियग्गह. त्रि० (दीपिकाग्राह) દીવીને ગ્રહણ કરનાર, મસાલ પકડનાર मशालची, दीपक धारण करने वाला. A torch-bearer; a link-man निसी० ६, २४; जं० प० ३, ६७,

√दीह ना० धा० I. (दीर्घ) લાંબુ કરવુ लंबा करना To lengthen, to stretch

दीहेज्जा. सूय० १, १४, २३, क० प०२,७४; प्रव० ४८६, ६७२;

दीह त्रि० (दीर्घ) લાંબું; વિશાલ लम्बा; विशाल. Lengthy; expansive; great ओव० १०, १७, ३६, नाया० १; ८; विशे० ४१६, १५६२; ओघ० नि० २७, ठा०१,१: २, १; ७, १; निसी०३, ४१; ४३; पन्न० १३; भग०४, ६; उत्त०५,२७, आया० १, ६, ५, १७०; नंदी० स्थ० ७; —**आउ** न० (-आयुष्) લાંબી જીંદગી; લાંબું આઉખું. दीर्घायु; मोटी उम्र a long life. कप्प० १, ८; भग० ११, ११; नाया० १; (२) त्रि० લાંબી જીંદગી વાળા. लम्बी जींदगी वाला; दीर्घायु long lived. पिं०नि०४१३, —**आउय** त्रि० (-आयुष्क) લાંબા આયુષવાલા दीर्घायु वाला, बडी उम्र वाला. (one) havidg long life; long-lived सूय०२,७,२३;—**आउयत्ता.** स्त्री० (-आयुष्कता) લાંબી જીંદગીરૂપ પરિણામ. दीर्घायु रूप परिणाम; दीर्घ जीविता. a result in the form of a long life; longevity भग० ५, ६; ठा० ३, १; —**आसण.** न० (-आसन) દીર્ઘ-લાંબુ આસન-પલંગ વગેરે दीर्घ-लम्बा आसन, पलग आदि a long seat, bedstead etc. जं० प० भग० ११, ११; राय० १३५, —**उराह.** न० (-उष्ण) લાંબો નિઃશ્વાસ लम्बी उसास, दीर्घ निश्वास. a deep sigh. भग० १५, १; —**काल.** पुं० (-काल) લાંબો વખત. दीर्घ समय. a long time. भग० १, १; ६; —**कालिगी** स्त्री० (-कालिकी) ઘણા ગત કાલની સ્મૃતિ અને ભાવિ વસ્તુની વિચારણારૂપ સંજ્ઞા बहुत लम्बे-पिछले काल की स्मृति तथा भावि वस्तु की विचारणारूपी संज्ञा a recognition in the form of a recollection of a very long past time and a reflection of a future event " इह दीह कालिगी कालिगत्ति सराणा सुदिहंपि " विशे० ५०८; —**कालिय.** त्रि० (-कालिक—दीर्घकालो विद्यते यस्य स दीर्घकालिकः) લાંબા વખતનું; પ્રાચીન पूर्व कालीन, प्राचीन; बहुत पहिले का. of long antiquity; very old,

ancient, archaic. उत्त० १६, ५; दसा० ७, १२; —केस. पुं० (केश) લાંબા વાલ. लम्बे वाल; दीर्घ केश. long hair. निसी० ३, ४७; —राय. न०(-रात्र) લાંબો વખત; જીંદગી પર્યંત दीर्घ काल, आजीवन. long time; life-long. सूय० १, ६, २७, आया० १, ५, २, १५०; —रोम. पुं० (-रोमन्) દીર્ઘ રોમ-રૂંવાટી दीर्घ रोम-रुएं या रोंगटे. long hair or feathers दस० ६, ६५; —वट्ट. त्रि० (-वृत्त) લાંબા અને ગોલ लम्बे और गोल. long and round. आया० २, ४, २, १३८; दस० ७, ३१; —वेयड्ड. पुं०(-वैताढ्य) લાંબો વૈતાઢ્ય પર્વત. लम्बा वैताढ्य पर्वत the long range of the Vaitāḍhya mountains ठा० २, ३; सम० ५०; जं० प० ६, १२५; भग० १४, ८; —सद्द पुं०(-शब्द) દીર્ઘ-લાંબો શબ્દ दीर्घ शब्द; लम्बी आवाज. a long sounding voice; a bombastic word ठा० १०; —सुत्त. न० (-सूत्र) સૂતરના લાંબા તાતણા. सूत के लम्बे तंतू long fibres of thread. निसी० ५, १२;

दीहकालोवएसिया. स्त्री० (दीर्घकालोपदेशिका) અતીત અને અનાગત વસ્તુ વિષયક જ્ઞાનવાલી સંજ્ઞા; સંજ્ઞાનો પ્રથમ પ્રકાર. अतीत और अनागत वस्तु विषयक ज्ञान वाली संज्ञा; संज्ञा का प्रथम प्रकार A recognition having for its object a knowledge of the past and future objects; 1st kind of recognition. प्रव० ६३२;

दीहकालसन्नि त्रि० (दीर्घकालसंज्ञिन्) દીર્ઘ કાલ સંજ્ઞાએ કરી સંજ્ઞી दीर्घ कालिक संज्ञा वाला. (One) possessed of a recognition of past events etc. प्रव० ६३३;

दीहराय. पुं० (दीर्घनृप) કમ્પિલપુરનો એ નામનો રાજા. इस नाम का कम्पिलपुर का राजा. A king of Kampilapura known by this name उत्त० टी० १३, १;

दीहदंत. पुं० (दीर्घदंत) અણુત્તરોપપાતિક સૂત્રના પ્રથમ વર્ગના છઠ્ઠા અધ્યયનનું નામ अणुत्तरोप पातिक सूत्र के प्रथम वर्ग के छठे अध्ययन का नाम. Name of the 6th chapter of the 1st section of the Aṇuttaropapātika Sūtra अणुत्त० १, ६ (२) શ્રેણિક રાજાની ધારણી રાણીના પુત્ર કે જે મહાવીર સ્વામી પાસે દીક્ષા લઇ ૧૧ અંગ ભણી, ગુણરયણ તપ આચરી બાર વરસની પ્રવ્રજ્યા પાલી વિપુલ પર્વત ઉપર એક માસનો સંથારો કરી સર્વાર્થસિદ્ધ મહા વિમાને ૩૩ સાગરોપમના આઉખે ઉત્પન્ન થયા ત્યાંથી મહાવિદેહમાં મનુષ્ય થઇ મોક્ષ જશે. श्रेणिक राजा की धारणी राणी का पुत्र कि जिन्होंने महावीर स्वामी के समीप दीक्षा लेकर ११ अंगों का अध्ययन कर गुणरयण तप कर के बारह वर्ष तक प्रव्रज्या का पालन करके विपुल पर्वत पर १ मास का संथारा कर सर्वार्थसिद्ध विमान में ३३ सागरोपम का आयुष्य बांध कर उत्पन्न हुए और वहां से महाविदेह क्षेत्र में मनुष्य भव प्राप्त कर के मोक्ष प्राप्त करेंगे. the son of Dhāraṇī the queen of Śrenikā. He (son) took Dīkṣā from the Lord Mahāvīra, studied the 11 Aṅgas and practised Guṇarayaṇa penance and after 12 year's asceticism and a month's Santhārā

on the mount Vipula, god birth in the Sarvārtha Siddha celestial abode with a life period of 33 Sāgaropamas. from there he will be born as a man in Mahāvideha and will get salvation अणुत्त० १, ६,(२) જંબુદ્વીપના ભરતમા આવતી ઉત્સર્પિણીમાં થનાર ૧૦ માં તીર્થંકર. जंबूद्वीप के भरत में आगामी उत्सर्पिणी में होने वाले१० वें तीर्थंकर the tenth would-be Tīrthankara of the coming aeon of increase in Bharata of Jambūdvīpa. सम० प० २४२;

दीहदसा. स्त्री०(दीर्घदशा) એ નામનો એક ગ્રન્થ एक ग्रन्थ का नाम. Name of a book. " दीहदसाणं दस अज्झयणा पराणत्ता " ठा० १०;

दीहपास. पुं० (दीर्घपार्श्व) ઐરવત ક્ષેત્રમાં થનાર ૧૬ મા તીર્થંકર. ऐरवत क्षेत्र में होने वाले १६वें तीर्थंकर The 16th would-be Tīrthankara of Airavata Ksetra प्रव० ३०२;

दीहपुट्ठ. पुं० (दीर्घपृष्ठ) સર્પ. सर्प; सांप. A snake; a serpent प्रव० ५, २१,

दीहबाहु. पुं० (दीर्घबाहु) આવતી ચોવીસીના ત્રીજા વાસુદેવ. आगामी चौवीसी के तीसरे वासुदेव. The third Vāsudeva of the coming Chaubīsī सम० प० २४२; (२) આઠમા તીર્થંકરનું ત્રીજા પૂર્વભવનુ નામ आठवें तीर्थंकर के तीसरे पूर्व भव का नाम. name of the 3rd past life of the 8th Tīrthankara. सम० प० २३०;

दीहभद्द. पुं० (दीर्घभद्र) સંભૂતિવિજયના શિષ્ય. संभूतिविजय के शिष्य. The disciple of Sambhūti Vijaya. कप्प० ८;

दीहमद्ध. त्रि० (दीर्घाद्ध-दीर्घा अद्धा कालो यस्य तद्दीर्घाद्धम्) લાંબે વખતે ઉલ્લંઘાય તેવું. दीर्घ काल में उल्लंघन योग्य. (One) transgressable in a long time. ठा० २, १; भग० २, १; नाया० २;

दीहमद्ध. त्रि० (दीर्घाध्व-दीर्घोऽध्वा मार्गो-यस्मिन् तद्दीर्घाध्वम्) લાંબો માર્ગ છે જેમાં એવું. जिसमें दीर्घ मार्ग या लम्बा रास्ता हो. (One) having a lengthy way. नाया० १८; भग० १, १, १५, १, ठा० २, १; (२) पुं० લાંબો માર્ગ. लम्बा मार्ग. a long way. नाया० १५, ठा० ३, ४;

दीहमाउ. न० (दीर्घाऽऽयुष्) લાંબું આયુષ-જીન્દગી दीर्घायु या दीर्घ जीवन. Long life. ठा० १०;

दीहया. स्त्री० (दीर्घता) વિશાલતા; લમ્બાઈ. विशालता, लम्बाई. Lengthiness; greatness; longevity. कप्प० १,८४;

दीहर. त्रि० (दीर्घ) લાંબું, મોટું. लम्बा; बडा; मोटा. Lengthy, great. सु० च० १, १०७; २, ८०;

दीहलोय पुं० (दीर्घलोक) વનસ્પતિકાય. वनस्पति काय. Herbaceous. आया० १, १, ४, ३२;

दीहसेण. पुं० (दीर्घसेन) અનુત્તરોવવાઈ સૂત્રના બીજાવર્ગના પ્રથમ અધ્યયનનું નામ अणुत्तरोववाइ सूत्र के दूसरे वर्ग के प्रथम अध्ययन का नाम Name of the first chapter of the 2nd section of the Anuttarovavāi Sūtra. अणुत्त० २, १; (२) શ્રેણિક રાજાની ધારણી રાણીના પુત્ર, કે જે મહાવીર સ્વામી સમીપે દીક્ષા લઇ, ૧૧ અંગભણી, ગુણરયણ તપ તપી, સોલ વરસની પ્રવ્રજ્યા

પાલી, વિપુલ પર્વત ઉપર એક માસનો સંથારો કરી, વિજય નામના અનુત્તર વિમાનમાં ઉત્પન્ન થયા ત્યાંથી એક અવતાર કરી મોક્ષ જશે. श्रेणिक राजा की धारिणी नामक रानी का पुत्र, जिन्होंने महावीर स्वामी से दीक्षा लेकर ११ अंगों का अध्ययन कर, गुणरयण नामक तपस्या कर सोलह वर्षों तक प्रव्रज्या का पालन कर, विपुल पर्वत पर एक महिने का संथारा करके विजय नामक अणुत्तर विमान में उत्पन्न हुए, उसके बाद एक अवतार करके मोक्ष प्राप्त करेंगे. the son of Dhāraṇī the queen of the king Śrenika. He (son) accepted consecration from the Lord Mahāvīra, studied the eleven Aṅgas, practised the Guṇarayaṇa penance, observed Santhāra (abstinence from food and water) on Vipula mountain after twelve years asceticism got birth in the Anuttara Vimāna (celestial abode) and from there after one birth will attain salvation. अणुत्त २, १, (३) ઈરવત ક્ષેત્રના વર્તમાન ચોવીસીના આઠમા તીર્થંકરનું નામ. इरवत क्षेत्र के वर्तमान चौवीसी के आठवें तीर्थंकर का नाम name of the 8th Tīrthaṅkara of the present cycle in Iravatakṣetra. प्रव० २६८;

√दीहीकर नाम० धा० I. (दीर्घ+कृत्) લાંબો કરવો. लम्बा बनाना, दीर्घ करना. To lengthen; to make long.

दीहीकरेंति. भग० १, ६;

दीहीया. स्त्री० (दीर्घिका) પાણીની નીક; ધોરીઓ; નહેર. पानी की प्रशस्त; धारा; नहर. A long current of water; a canal. (२) લાંબી વાવ. लम्बी या दीर्घ बावडी-वापी. a deep well. ओव० ३८; नाया० १; २; भग० ५, ७, ८, ६; पगह० १, १; जं० प० निसी० १२, २१; अणुजो० १३४; राय० १३२; पन्न० २; सु० च० २, २०५;

दु. स्त्री० (द्रु) સત્તા. सत्ता; शक्ति. Power; authority विशे० २२;

दु. अ० (दुर्) અભાવ. अभाव Absence; want. आया० १, २, ५, ६२: (२) ખરાબ; બુરૂં. खराब; बुरा. bad, evil. पन्न० २;

दु. त्रि० (द्वि) બે; ૨. दो, २. Two; 2. भग० १, ५, ८; ६; १०; २. १; ५; ८; ३, २; ५, ८; ६, ४; ७, १०; १२, १०; १८, ७; २०, ५, ३१, १; ४१, १; नाया० १, २; ३; ८, ६, १६; दस० ५, १, ३७; ३८; विशे० ३७, १२१; नाया० ध० ६; राय० ६७, पन्न० २; ४, वेय० १. ८; पिं० नि० १६०; विवा० १; अणुजो० १४; आया० १, ७, ५, २१६; निसी० ५, २२; वव० २, १; ६, ११; ६, ३८, ४१; प्रव० ३६; क० गं० १, ३; ३, १९; २९; ३७; पन्न० १, ४, निसी० १६, २४, दसा० ७, १; भग० १४, ६; २०, ५; २५, ४; उत्ता० १, १३; वव० १०, १;—अणाणि त्रि० (-अज्ञानिन्) મતિ અજ્ઞાન અને શ્રુત અજ્ઞાન વાળો. मति अज्ञान तथा श्रुत अज्ञान वाला. one ignorant of Mati and Śruta knowledge. भग० ८, २; —अनाण. न० (-अज्ञान) બે અજ્ઞાન दो (भांति के) अज्ञान. two sorts of ignorance. क० गं० ४, ६; —ओणय. न० (-अवनत) ગુરૂને વન્દના કરતાં બે વાર મસ્તક

નમાડવું તે; 'ઇચ્છામિ ખમાસમણો' એ પાઠમાં 'અણુ જાણહ' એ પદ બોલી આજ્ઞા માગતાં મસ્તક નમાડવું તે. गुरु वंदना के समय दो बार सिर नमाना, 'इच्छामि खमासमणो' इस पाठ के 'अणुजाणह' इस पद का उच्चारण कर के आज्ञा मागते हुए शीश नमाना. bending the head twice before a preceptor to salute and seek order while reciting 'अणुजाणह' pada part of 'इच्छामि खमासमणो' सम० १२;प्रव० ६८, —**गंध** पुं० (-गन्ध) સુરભિ અને અસુરભિ એ બે ગંધ सुरभि व असुरभि नामक दो गंध two sorts of smell viz. the fragrant and foul क० गं० ५, ७८; —**खंड.** पुं० (-खण्ड) બે ખંડ-કકડા दो भाग; टुकडे two parts, two divisions प्रव० ६२३; —**गाउ** न० (-गव्यूत) બે ગાઉ; અર્ધ જોજન आधा योजन, दो कोस four miles प्रव० ५१९, —**गोय** न० (-गोत्र) ગોત્ર દ્વિક गोत्रद्वय, दो गोत्र. two family-origins. क० गं० ५, २; —**चरम** त्रि० (-चरम) છેલ્લા બે સમય. अन्तिम दो समय last two moments क० ०२, २०, ३१,६,८४; —**चरिमसमअ** पुं० (-चरमसमय) જુઓ ઉપલો શબ્દ देखो ऊपरका शब्द. vide above क० प० २, ७७, —**छक्क** न० (-षट्क) બે છક્કા-બાર दो छक्क या बारह. twice six i e. twelve प्रव०६५४, —**णाणि** त्रि० (-ज्ञानिन्) બે જ્ઞાનવાળો. द्विज्ञानी (one) possessed of two sorts of knowledge. भग० ८, २; —**दंस.** न० (-दर्शन) ચક્ષુ અને અચક્ષુ એ બે દર્શન चक्षु व अचक्षु नामक द्विधा दर्शन. the twofold sight named चक्षु and अचक्षु. क० गं० ४, ८, ३५; ५१, —**नउइ** स्त्री० (-नवति) બાણું; ૯૨ ની સંખ્યા. बानवे; ९२ की संख्या; the number 92. क० गं० ६, ३१; —**निद्दा** स्त्री० (-निद्रा) નિદ્રા અને નિદ્રાનિદ્રા એ બે દર્શનાવરણીયની પ્રકૃતિ निद्रा तथा निद्रानिद्रा नामक द्विधा दर्शनावरणीय की प्रकृति. the two varieties of the sight-obscuring Karmic matter named Nidrā i e sleep and Nidrānidrā i e. deep sleep. क० गं० २, ७०; —**पएसिअ** त्रि० (-प्रदेशिक) દ્વિ પ્રદેશિક સ્કંધ. બે પરમાણુ ભેગા થવાથી બનેલ એક વસ્તુ. द्वि प्रदेशिक स्कंध दो परमाणुओं के इकट्ठे हो जाने से बनी हुई एक वस्तु. a thing made out of a combination of two atoms अणुजो० १३२; —**पक्ख.** पुं० (-पक्ष) બે પક્ષ-ગૃહસ્થ પક્ષ અને યતિ પક્ષ, અથવા ઇર્યાપથ અને સાંપરાયિક એ બે ક્રિયા दो पक्ष-गृहस्थ व यति, अथवा ईर्यापथ और सांपरायिक नामक दो क्रियायें the 2 parties viz. of the laymen and ascetics two kinds of actions namely Iryāpatha and Sāmparāyika. सूय० १, १; ३, १, (२) એક માન્યતાની સામે બીજી માન્યતા-પ્રતિપક્ષ ઉભો થાય તે मानी हुई बात के विपरीत प्रतिपक्षों का खडा होना the standing of an opposite party against an established truth. सूय० १, १२ ५; —**पज्जवसिय** त्रि० (-पर्यवसित) વિવક્ષિત રાશિને ચાર ચારના થોક કરતાં બે શેષ રહે તે विवक्षित राशिके चार २ के पृथक २ भाग करनेपर २ का शेष रहना

the remainder of 2 when a figure is divided into groups of four each. भग० ३१, १;—पडोआर. त्रि० (-प्रत्यवतार) જેનો બે પ્રકારમાં સમાંવેશ કરવામાં આવે તે जिसका समावेश दो तरह से हो सके. that which can be admitted in two ways. ठा० २, १; —पद त्रि० (-पद) બે પગવાલા. दो पैर वाला. biped. (२) पु० મનુષ્ય. मनुष्य a man भग० ३२, २;—पदेसिय. त्रि० (-प्रदेशिक) બે પરમાણુ ભેગા થઇ બનેલ સ્કંધ दो परमाणुओं के इकट्ठा हो जाने से बना हुआ स्कंध. an object made by a combination of two atoms. भग०५,७;—पय. त्रि०(-पद-द्वे पदे यस्य) જેને બે પગ હોય તે. दो पैरवाला. biped. पिं०नि० ४०६; जीवा०३; सम०३४; आया० १, २, ३, ८०; अणुजो० ६१; १३१; उत्त० १३, २४, उवा० १, ४६; प्रव० ७५०; —पवेस. पुं० (-प्रदेश) વંદના કરતાં અવગ્રહમાં-ગુરૂની મર્યાદામા બે વખત પ્રવેશ કરવો તે वन्दना करत समय अवग्रह में—गुरु की मर्यादा में दो वार प्रवेश करने का कार्य. entering the limit of a preceptor twice at the time of saluting him. सम० १२, प्रव० ६८, —प्पसिय त्रि० (-प्रदेशिक) બે પ્રદેશવાલો (સ્કંધ). दो प्रदेशवाला (स्कध), a molecule of two halves. ठा० ५, ४;—प्पदेसिय. पु० (-प्रदेशिक) બે પ્રદેશવાલો સ્કંધ. दो प्रदेशवाला-स्कंध. a molecule of two parts. भग० १८, ६;—प्पभिइ. अ० (-प्रभृति) બેથી વધારે दो से अधिक. more than two. अणुजो० १४६; —प्पय. पुं० (-पद) જુઓ " दुपय " शब्द. देखो " दुपय " शब्द. vide. " दुपय " नाया० ८; —मिस्स. न० (-मिश्र) ઔદારિકમિશ્ર અને વૈક્રિયમિશ્ર એ બે મિશ્રયોગ. औदारिकमिश्र व वैक्रियमिश्र नामक दो मिश्रयोग two Miśra Yogas named Audārika and Vaikriya क० ग० ४, ५१; —ग्ग. त्रि० (-अग्र) બે આગલ અગ્ર ભાગે જેને છે તે वह जिसके अग्र भाग में दो हैं. that which has two in its front प्रव०१२६४,—राइ स्त्री०(-रात्रि) બે રાત. दो रात two nights. वव०६, १०; —राय न० (-रात्र) બે રાત્રીનો સમાહાર; બે રાત્રીઓ दो रात्रियों का समाहार-दो रात्रि. congregation of two nights वव० १, २३; —वयण. न० (-वचन) દ્વિવચન બેની સંખ્યા બતાવનાર પ્રત્યય. द्विवचन; दो की संख्या को बताने वाला प्रत्यय. dual; a term expressing the number two ठा० ३, ४, आया० २, ४, १, १३२; —विगप्प. त्रि० (-विकल्प) દ્વિવિધ; બે પ્રકારનું. द्विविध, दो प्रकार का. of two kinds. प्रव० ११८; क० प० २, ३६; सु० च० ५, १७; १५, ७; —सअ न०(-शत) બસો, २००. दोसौ,२००. two hundred उत्त० ३४, २०, —संगहिय त्रि० (-संगृहीत) બે જણે સંગ્રહ કરેલો. दो मनुष्यों द्वारा संग्रहीत. collected by two men वव० ३, १०; ११; —सन्नि. त्रि० (-संज्ञिन्). બે સંજ્ઞા-નામવાલું. दो संज्ञा-नाम-वाला. (one) of two names. क० प० ५, २; —समइय त्रि० (-सामयिक) બે સમયની સ્થિતિવાલું. दो समय की स्थिति वाला, द्विसामयिक. consisting of two innumerable

parts of a moment. भग० २४, १, —समय. पुं० (-समय) બીજો સમય दूसरा समय second Samaya क० प० ४, १८; ५, ४३; —सय. न० (-शत) એકસોને બે, १०२ एकसौ दो १०२ one hundred and two; 102 क०गं०२, ३१, —हुअ त्रि० (हत) રાગ અને દ્વેષ એ બેથી હણાયેલ राग व द्वेष इन दो द्वारा मारा हुआ struck by love and jealousy आया० १, ३, ३, ११९, —हत्थ पु० (-हस्त) બે હાથ दो हाथ two arms प्रव०५४४, आया० २, ४, १, १४१,

दुआइक्ख त्रि० (दुराख्येय) દુઃખે કહેવાય એવું. दुःख के साथ कहा जाने वाला Difficult to relate, indescribable. ठा० ४, १,

दुआर न० (द्वार) બારણું. दरवाजा, द्वार. A door. नाया० २,

दुआरिआ. स्त्री० (द्वारिका) નાનું બારણું, બારી. छोटा दरवाजा; खिडकी A small door, a window. नाया० २;

दुआवत्त. न० (द्विकावर्त) દૃષ્ટિવાદનું અચ્છિન્ન છેદનયવાળું સોલમું સૂત્ર. दृष्टिवाद का अच्छिन्न छेदनय नामक सोलहवा सूत्र The 16th Sūtra named Achchhinna Chedanaya of Dristivāda सम०१२,

दुइपलास न० (द्युतिपलाश) વાણિજ્ય ગામની બહારનું એક ઉદ્યાન वाणिज्य ग्राम के बाहरका एक उद्यान. A garden outside the city named Vānijyagrāma अंत० ६, १०;

दुइय. त्रि० (द्वितीय) બીજુ. दूसरा. Second सु० च० २, ३,

दुंदुभय. पुं० (दुन्दुभक) જુઓ ઉપલો શબ્દ देखो ऊपर का शब्द Vide above. २, ३;

दुंदुभग. पुं० (दुन्दुभक) ૮૮ પૈકી ૧૮ મા મહાગ્રહનું નામ. ८८ मे से १८ वें महाग्रह का नाम. The eighteenth of the 88 planets. सू०प०२०; ज०प०७,१७०,

दुंदुभि. पुं० (दुन्दुभि) મોટું નગારું, એક જાતનું વાજીંત્ર. वडा नगारा; एक जाति का वाद्य यत्र-वाजा. A big drum; a kind of musical instrument. नाया० १; राय० ८८, सम० प० २३८, भग० ५, ४; ज० प० ५, ११७; ओव० ३१:

दुंदुभिया स्त्री० (दुन्दुभिका) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपर का शब्द Vide above. विवा० १;

दुंदुहि पुं० (दुन्दुभि) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपर का शब्द Vide above जं० प० राय० प्रव० ४५६,

दुंबिल पुं० (दुम्बिल) એ નામનો એક અનાર્ય દેશ इस नाम का एक अनार्य देश. An 'Anārya' (non Āryan) country of this name. प्रव०१५६८,

दुकण्ण. पुं० (द्विकर्ण) વનસ્પતિ વિશેષ. एक विशिष्ट वनस्पति. A particular herb. भग० २३, १;

दुकुल्ल न० (दुकूल) વસ્ત્ર વિશેષ एक विशिष्ट वस्त्र A particular garment राय० ६२, दसा० १०, १,

दुक्कड न० (दुष्कृत) પાપ, દુષ્કૃત્ય पाप, दुष्कृत्य; दुष्कार्य, बुरा कर्म. Sin; bad deed, evil act सूय० १, ४, १, १८; आया० १, ७, १, १९९; उत्त० १, २८, आउ० आव० १, ५; प्रव० ७५६; —कम्म न० (-कर्मन्) નઠારું કર્મ-કર્તવ્ય; અસદ્ અનુષ્ઠાન बुरा कर्म; असद् अनुष्ठान. bad deed, evil action

सूय० १, ५, २, १; —कम्मकारि त्रि० (-कर्मकारिन्) અકૃત્ય કરનાર. "अकृत्य-करने वाला; अयोग्य कार्य करने वाला. (one) who commits unbecoming deeds; an evil doer. "बाला जहा दुक्कडकम्मकारी" सूय० १, ५, २, १; —कारि. त्रि० (-कारिन्) પાપ કરનાર. पापी; पापकर्म करने वाला. a sinner; sinful. "अत्तदुक्कडकारिणो" सूय० १, ८, ८; —तावि. त्रि० (-तापिन्) અતિચાર લગાડી પશ્ચાત્તાપ કરનાર. अतिचार लगाकर पश्चात्ताप करने वाला. a penitant; (one) who repents for his past transgressions of morality पंचा० १४, १२;

दुक्कडि. त्रि० (दुष्कृतिन्-दुष्कृतं विद्यते येषां ते दुष्कृतिनः) નારકી; મહાપાપી. नारकी; महापापी. (One) living in hell; a most wretched man. सूय० १, ५, १, २;

दुक्कडिय त्रि० (दुष्कृतिक) અસદ્ અનુષ્ઠાન સેવનાર. असद् अनुष्ठान का सेवन करने वाला (One) addicted to evil practices सूय० १, ५, १, २;

दुक्कय. न० (दुष्कृत) પાપ કર્મ. पाप कर्म Sinful action. पराह० १, १;

दुक्कर. त्रि० (दुष्कर) દુષ્કર; મુશ્કેલ; અઘરું; કરવાને અશક્ય. दुष्कर; कठिन; मुश्किल से किया जाने वाला. Difficult to undertake; difficult task. उत्त० २, २८; ३५, ५; विशे०१११; सु०च० ४, १२४; दस० ३, १८; भग० ७, १; ६, ३३; पिं० नि० ४२१; नाया० १; उवा० ३, १३५; गच्छा० ७४; पंचा०१३,४३,१८,४३;

दुक्काल पुं० (दुष्काल) અકાલ-દુર્ભિક્ષ. अकाल; दुर्भिक्ष. Famine. जीवा० ३, ३, भग० ३, ७; जं० प०

√दुक्ख. धा० I, II. (दुःख्) દુઃખ આપવું. दुःख देना. To give pain.

दुक्खइ. सूय० २, १, ७१;

दुक्खेति. दसा० ६, ४;

दुक्खंति. सूय० २, २, ५५;

दुक्खामि. सूय० २, १, ३१;

दुक्खंतु. सूय० २, १, ३१;

दुक्ख. न० (दुःख) દુઃખ-કષ્ટ; ક્લેશ. दुःख; कष्ट; क्लेश. Pain, distress; affliction. भग० १, १०; २, १; ७, ८; १०; १५, १; १७, ४; नाया० १; ६; १०; १४; १६; १७; दसा० ५, २७; २८; ६, १, सू० प० १; आया० १, १, १, ११; ठा० १, १, सूय० १, १, १, १०; १, १, २, १; सु० च० २, ५४५; उवा० ७, २७; क० गं० १, ११; भत० ६०; (२) त्रि० દુઃખ આપનાર. दुःख देनेवाला (one) causing pain. दसा०६,१; (३) न० અસાતા-વેદનીય કર્મ. असाता वेदनीय कर्म. Karma which causes distress. भग० १, ६; २, १; (४) ભગવતી સૂત્રના પ્રથમ શતકના બીજા ઉદ્દેશાનું નામ કે જેમાં દુઃખ વિષયક પ્રશ્નોત્તર છે भगवती सूत्र के प्रथम शतकके दूसरे उद्देशा का नाम कि जिसमें दुःख विषय के प्रश्नोत्तर हैं. name of the 2nd chapter of the 1st section of Bhagavatī Sūtra which contains enquiry on the nature of afflictions, भग० १, १; (५) દુઃખ-શારીરિક અને માનસિક. शारीरिक और मानसिक दुःख. physical and mental affliction. पन्न० २०; —अंतकर. त्रि० (-अंतकर) દુઃખનો નાશ કરનાર. दुःख का नाश करने वाला. the destroyer of pain. पंचा० १४, ४६;

—अणुबंधि. त्रि० (-अनुबन्धिन्) કલેશનો અનુબન્ધી, દુખ સાથે સંબંધ જોડાવનાર. दुःख के साथ सम्बन्ध जोडनेवाला that which joins hands with affliction. भग० ६, ३३: —आययण न० (-आयतन) દુખનું સ્થાન; કલેશનું ઘર. a place of affliction; a resort of trouble. भग० ६, ३३; —आवणत्ता. स्त्री० (-आपन-प्रापण) દુઃખની ઉત્પત્તિ. दुःख की उत्पत्ति. the origin of pain. भग० ३, ३;—क्खय. पुं० (-क्षय) દુખનો ક્ષય. दुःख का क्षय-विनाश. the destruction of pain. भत्त० १३६; —क्खव पुं० (-क्षय-दुःखं क्षपयतीति) દુઃખ ખપાવનાર - ક્ષય કરનાર. दुःख का क्षय करनेवाला. a destroyer of afflictions. ठा० ४, १; —खणि. स्त्री० (-खानि) દુઃખની ખાણ दुःखों की खान a mine, treasure of affliction. भत्त० १२३; —खम त्रि० (-क्षम-दुःखं क्षमते सहत इति) દુઃખ ખમનાર. दुःख सहन करनेवाला. (one) who endures pain. आया० २, १६, ८; —नासण. न०. (-नाशन) દુઃખનો નાશ કરનાર. दुःख का नाश करने वाला. (one) who destroys pain. भत्त० ६३; —पडिकूल. त्रि० (-प्रतिकूल) દુખનો દ્વેષી; દુઃખનો તિરસ્કાર કરનાર. दुःख से द्वेष करने वाला, दुःख का तिरस्कर्ता. (one) who hates or scorns pain. आया० १, २, ३, ८०; —पहीणमग्ग. पुं० (-प्रक्षीणमार्ग) જેમાં દુખનો ક્ષય થાય એવો માર્ગ ऐसा मार्ग जिसमें दुःख का नाश हो. the way in which pain ends आव० ४, ८; —फास. त्रि० (-स्पर्श दुःखं स्पृशतीति) દુઃખ દાયક; દુઃખ આપનાર दुःख देने वाला harasser; troublesome. सूय० १, ८, ७; —भय. त्रि० (-भय-दुःखात्मरणादिदुःखाद्भयं येषां ते) મરણાદિ દુઃખથી ભય પામનાર. मरणादि दुःखसे डरने वाला. (one) afraid of trouble such as death etc. ठा० ३, २;—भोगि.त्रि०(-भोगिन्) દુઃખ ભોગવનાર. दुःख भोगने वाला. (one) who undergoes, endures troubles. भग० ७, ६; —मत्ता. स्त्री० (मात्रा) પરિષહ કે રોગથી ઉત્પન્ન થતા દુખનું પરિમાણ. परिषह या रोग से उत्पन्न होने वाले दुःख का परिमाण a measure of trouble born of a disease or otherwise. आया १, ३, ३, १२०; —मोक्ख. पुं० (-मोक्ष) દુખનો નાશ; દુખનો છુટકારો. दुःख का नाश; दुःख से मुक्ति the destruction of or emancipation from misery सूय० नि० १, १३; १२६; —विमोयग त्रि०(-विमोचक) દુઃખથી મુકાવનાર છોડાવનાર दुःखसे मुक्त करने वाला. liberator from pain."न ते दुक्खविमोयगा" सूय० १, ८, ३; —संभव. त्रि० (-सम्भव-सम्भवत्यस्मात्संभवः दुःखस्य संभवः दुःखसंभव) દુઃખ દાયક; દુઃખ આપનાર. दुःखदायक; दुःख देनेवाला. troublesome; distressing. उत्त० ६, १: —समुद्द. पुं० (-समुद्र) દુઃખરૂપી સમુદ્ર. दुःख समुद्र. sea in the form of misery. भत्त० ११५; —सह. त्रि० (-सह) દુખ સહન કરનાર. दुःख सहने वाला. (one) who endures pain. दस० ८, ६१;

दुक्खण. न० (दुःखन) જુઓ "दुक्ख"

शब्द. देखो " दुक्ख " शब्द. Vide " दुक्ख " दसा० ६, १;

दुक्खणत्ता. स्त्री० (*) દુખરૂપ પરિણામ. दुःख रूप फल. Fruit in the form of pain or distress. सूय० २, ४, ६;

दुक्खणया. स्त्री० (*) જુઓ "दुक्खणत्ता" शब्द. देखो " दुक्खणत्ता " शब्द. Vide " दुक्खणत्ता " भग० १२, १;

दुक्खत्त न० (दुःखत्व) દુખપણું. दुःखत्व. Misery. भग० १, १०;

दुक्खत्ता स्त्री० (दुःखता) જુઓ ' दुक्खत्त' शब्द देखो ' दुक्खत्त ' शब्द Vide 'दुक्खत्त' "दुक्खत्ताए कज्जंति" भग० ६, ३;

दुक्खा. स्त्री० (दुःखा) બીજાની પ્રેરણાથી ઉત્પન્ન થયેલી અસાતા વેદના-પીડા. दूसरे की प्रेरणासे उत्पन्न वेदना. Pain produced by the goading of others पन्न० ३,

दुक्खि त्रि० (दुःखिन्) દુઃખી दुःखी Unhappy; distressed. भग०७,१;१४,४;

दुक्खिय. त्रि० (दुःखित) દુઃખ પામેલ; દુખી થયેલ. दुःख प्राप्त; दुःखी बना हुआ. Distressed; troubled. उत्त० ३, ६;

दुक्खुत्तो. अ० (द्विकृत्वस्) બે બાર. दो बार. Twice. निसी० ६, २०; ठा० ५, २;

दुक्खुर. त्रि० (द्विखुर) જેને બે ખુરી હોય તે ગાય ભેંસ વગેરે. वे प्राणी जिनके दो खुर हों यथा गाय भैंस आदि. Cloven-footed animals e. g. cow etc. भग० १२,१; ठा०४,४; उत्त०३६, १७६; जीवा०१;

दुग. त्रि० (द्विक) બે दो. Two भग०४, १; विशे० ६७२; २३००; क० गं० १, ३०; ४३; —**जोग.** पुं० (-योग) દ્વિકસંયોગ. द्विक संयोग. a duplicate conjunction प्रव० १३११; —**वुड्ढि** स्त्री० (-वृद्धि) બે બેની વૃદ્ધિ. दो दो का बढती. an increase by two. क० गं० ५, २८; —**संजोअ.** पुं० (-संयोग) બે વસ્તુનો સંયોગ. दो वस्तुओं का संयोग. conjunction of two objects. अणुजो० १२७;

दुगंध. पु० (दुर्गन्ध) દુર્ગન્ધ; ખરાબ બાસ. बुरी बास. Foul smell (२) त्रि०ખરાબ ગંધવાળું बुरी बास वाला. ill-smelling. जं० प० २, ३६; दस०५, २,१; भत्त०११२; (३) દુરભિગન્ધ નામની નામકર્મની એક પ્રકૃતિ કે જેના ઉદયથી જીવ દુર્ગન્ધ પામે છે. दुरभिगन्ध नाम की नामकर्म की एक प्रकृति जिसके उदय से जीव दुर्गन्ध प्राप्त करता है. a nature of Nāma Karma at whose appearance a being becomes ill-smelling. क० गं० १, ४२;

दुगंधता. स्त्री० (दुर्गन्धता) દુર્ગન્ધ પણું. दुर्गन्धता. Noisesomeness. भग० ६, ३; ७, १०;

दुगुंच्छणा. स्त्री० (जुगुप्सा) નિન્દનીય વસ્તુ જોવાથી થતી ઘૃણા. निन्दनीय वस्तु के देखने से उत्पन्न होने वाली घृणा. Hate produced by looking at a censurable object. आया० १, १,७ ५५;

दुगुंच्छणिज्ज. त्रि० (जुगुप्सनीय) જુગુપ્સા કરવા યોગ્ય. जुगुप्सा करने योग्य. Censurable. उत्त० १३, १६;

दुगुंच्छमाण. व० कृ० त्रि० (जुगुप्समान) જુગુપ્સા કરતો. जुगुप्सा करता हुआ; जुगुप्समान Censuring. उत्त० ४, १३; सूय० २, ६, १४;

दुगुंच्छा. स्त्री० (जुगुप्सा) દુર્ગન્ધિવાળી વસ્તુ તરફ જોતાં આવતો અણગમો दुर्गन्धित वस्तु की ओर देखने से आने वाली नफरत. Disgust produced by looking at a striking object.

सु० च० ७, १; पिं० नि० ५८५; ठा० ६, १; उत्त० ३२, १०२; पचा० १, ३६; (२) મોહનીય કર્મની એક પ્રકૃતિ કે જેનાથી ઘૃણા થાય. मोहनीय कर्म की एक प्रकृति कि जिसके कारण घृणा होती है. a nature of deluding-Karma by which hatred is produced. विशे० ३५७५; पन्न० २३; सम० २१; प्रव० ७०४; ७०६; ६४३; —कम्म. न० (-कर्म) નિન્દ્યકર્મ निन्द्यकर्म;बुरा काम censurable action. ठा०१०;—वत्तिय त्रि० (-प्रत्यय) જેનાથી ઘૃણા થતી હોય; ઘૃણાનું કારણ. जिससे घृणा उत्पन्न हो वह; घृणास्पद. an object of hatred or abhorrence भग० १,७;

दुगुंछि. त्रि० (जुगुप्सिन्) જુગુપ્સા કરનાર. जुगुप्सा करने वाला. Censurer. उत्त० २, ४;

दुगुंछिय-अ. त्रि० (जुगुप्सित) ઘૃણિત વસ્તુ; નિન્દ્ય. घृणित वस्तु, निन्द्य पदार्थ. A hateful or censurable thing. आव० ४, ८; ओघ०नि० ३०२; पराह० १,३; —कुल न० (-कुल) ઘૃણાપાત્ર કુલ; નિન્દ્યકુલ घृणित कुल; निन्द्य कुल. a censurable race or lineage. निसी० १६, ३०; ३७;

दुगुण. त्रि० (द्विगुण) બમણું. दूना; दुगना. Double. नाया०१;भग०६,८;२५, ५; सु० च०१;३०३; पिं० नि०१७१; सूय०१,४, १, २१;क० प० १,४७;५६;१,१०; प्रव०१०६३; (२) દષ્ટિવાદ અન્તર્ગત સિદ્ધ શ્રેણીયા અને મણુસ્સ શ્રેણીયા પરિકર્મનો આઠમો ભેદ અને પુટ્ઠ સેણી આદિ પાંચ પરિકર્મનો પાંચમો ભેદ दृष्टिवाद के अन्तर्गत सिद्ध श्रेणिया और मणुस्स श्रेणिया परिकर्म का आठवा भेद और पुट्ठ सेणी आदि पांच परिकर्मका ५वां भेद. the eighth variety of Siddhaśreniyā and Manussa-śreniyā Parikarma and the 5th variety of the 5 Parikarmas viz Puṭṭhaseṇī etc नंदी०५:सम० १२; —कम्मट्ठिइ. स्त्री० (-कर्मस्थिति) બમણી કર્મસ્થિતિ. दुगनी कर्मस्थिति. the double duration of Karmas. क० प० ३, ५; —प्पमाण. त्रि०(-प्रमाण) જેનુ પ્રમાણ પહેલા કરતા બેવડું-બમણું હોય તે,બમણા પ્રમાણવાળું. जिमका प्रमाण पहिले की अपेक्षा दूना हो वह; दुगने प्रमाण वाला. double than the original size भग०६,८;—हीण. त्रि० (-हीन) બમણા ઓછા. दूने ओछे. doubly less. कप्प० १, २२; ६५;

दुगुल न० (दुकूल) ઝાડની છાલનું વસ્ત્ર. वृक्ष की छाल का वस्त्र. A bark-garment राय० १६२; निसी०७, ११; जीवा० ३, ३; —पट्ट. न० (-पट्ट) રેશમી વસ્ત્ર. रेशमी वस्त्र. silk garment. कप्प०३.३२;

दुगुल्ल. न० (दुकूल) ગોડ-બંગાલના સુતરનું બનેલ વસ્ત્ર गोड-बंगाल के सूत का बना हुआ वस्त्र. A garment made of muslin of Bengal. आया० २, ५, १, १४५, भग० ६, ३३, ११, ११; सु० च०२, ४६६;

दुगूल न० (दुकूल) વસ્ત્ર. वस्त्र; पट. A garment. नाया० १; सु० च० ४, ७६;

दुगोत्त. न० (द्विगोत्र) એ નામની એક વેલ. इस नामकी एक लता. A creeper of this name. पन्न० १;

दुग्ग. पुं० (दुर्ग) વિષમ પ્રદેશ; દુર્ગમ સ્થાન. विषम प्रदेश, दुर्गम स्थान. A place difficult to enter. (२) કિલ્લો; કોટ. किला; कोट. a fort पराह० १, ३; वेय० ६, ७; जं० प० सु० च० १, ३२६;

शब्द. देखो " दुक्ख " शब्द. Vide " दुक्ख " दसा० ६, १;

दुक्खणत्ता. स्त्री० (*) દુખરૂપ પરિણામ. दुःख रूप फल. Fruit in the form of pain or distress. सूय० २, ४, ६;

दुक्खणया. स्त्री० (*) જુઓ "दुक्खणत्ता" શબ્દ देखो "दुक्खणत्ता" शब्द. Vide "दुक्खणत्ता" भग० १२, १;

दुक्खत्त न० (दुःखत्व) દુખપણું. दुःखत्व. Misery. भग० १, १०;

दुक्खत्ता स्त्री० (दुःखता) જુઓ 'दुक्खत्त' શબ્દ देखो 'दुक्खत्त' शब्द Vide 'दुक्खत्त' "दुक्खत्ताए कज्जंति" भग० ६, ३;

दुक्खा. स्त्री० (दुःखा) બીજાની પ્રેરણાથી ઉત્પન્ન થયેલી અસાતા વેદના-પીડા. दूसरे की प्रेरणासे उत्पन्न वेदना. Pain produced by the goading of others. पन्न० ३;

दुक्खि. त्रि० (दुःखिन्) દુઃખી दुःखी Unhappy; distressed. भग०७,१;१४,४;

दुक्खिय. त्रि० (दुःखित) દુઃખ પામેલ; દુખી થયેલ. दुःख प्राप्त; दुःखी बना हुआ. Distressed; troubled उत्त० ३, ६;

दुक्खुत्तो. अ० (द्विकृत्वस्) બે બાર. दो बार. Twice. निसी० ६, २०; ठा० ५, २;

दुक्खुर. त्रि० (द्विखुर) જેને બે ખુરી હોય તે ગાય ભેંસ વગેરે. वे प्राणी जिनके दो खुर हों यथा गाय भैंस आदि. Cloven-footed animals e g. cow etc. भग० १८,१; ठा०४,४; उत्त०३६, १७१; जीवा०१;

दुग. त्रि० (द्विक) બે दो. Two. भग०४, १; विशे० ६७२; २३००; क० गं० १, ३०; ४३; —**जोग.** पुं० (-योग) દ્વિકસંયોગ. द्विक संयोग. a duplicate conjunction प्रव० १३११; —**वुड्ढि.** स्त्री० (-वृद्धि) બે બેની વદ્ધિ. दो दो का बढ़ती. an increase by two. क० गं० ५, २८; —**संजोअ.** पुं० (-संयोग) બે વસ્તુનો સંયોગ. दो वस्तुओं का संयोग. conjunction of two objects. अणुजो० १२७;

दुगंध. पु० (दुर्गन्ध) દુર્ગન્ધ; ખરાબ બાસ. बुरी वास. Foul smell (२) त्रि०ખરાબ ગંધવાળું बुरी वास वाला. ill-smelling. जं० प० २, ३६; दस०५, २,१; भत्त०११२; (३) દુરભિગન્ધ નામની નામકર્મની એક પ્રકૃતિ કે જેના ઉદયથી જીવ દુર્ગન્ધ પામે છે दुरभिगन्ध नाम की नामकर्म की एक प्रकृति जिसके उदय से जीव दुर्गन्ध प्राप्त करता है. a nature of Nāma Karma at whose appearance a being becomes ill-smelling. क० गं० १, ४२;

दुगंधता. स्त्री० (दुर्गन्धता) દુર્ગન્ધ પણું. दुर्गन्धता. Noisesomeness. भग० ६, ३; ७, १०;

दुगुंच्छणा. स्त्री० (जुगुप्सा) નિન્દનીય વસ્તુ જોવાથી થતી ઘૃણા. निन्दनीय वस्तु के देखने से उत्पन्न होने वाली घृणा. Hate produced by looking at a censurable object. आया० १, १,७ ५५;

दुगुंच्छणिज्ज. त्रि० (जुगुप्सनीय) જુગુપ્સા કરવા યોગ્ય. जुगुप्सा करने योग्य. Censurable. उत्त० १३, १६;

दुगुंच्छमाण. व० कृ० त्रि० (जुगुप्समान) જુગુપ્સા કરતો. जुगुप्सा करता हुआ; जुगुप्समान Censuring. उत्त० ४, १३; सूय० २, ६, १४;

दुगुंच्छा. स्त्री० (जुगुप्सा) દુર્ગન્ધિવાળી વસ્તુ તરફ જોતાં આવતો અણગમો दुर्गन्धित वस्तु की ओर देखने से आने वाली नफरत. Disgust produced by looking at a striking object.

सु० च० ७, १; पिं० नि० ५८५, ठा० ६, १; उत्त० ३२, १०२; पचा० १, ३६; (२) મોહનીય કર્મની એક પ્રકૃતિ કે જેનાથી ધૃણા થાય. मोहनीय कर्म की एक प्रकृति कि जिसके कारण घृणा होती है a nature of deluding-Karma by which hatred is produced. विशे० ३५७५; पन्न० २३; सम० २१; प्रव० ७०४; ७०६; ६४३; —कम्म. न० (-कर्म) નિન્દ્યકર્મ निन्द्यकर्म; बुरा काम censurable action. ठा० १०; —वत्तिय त्रि० (-प्रत्यय) જેનાથી ધૃણા થતી હોય; ધૃણાનુ કારણ जिससे घृणा उत्पन्न हो वह; घृणास्पद. an object of hatred or abhorrence भग० १,७;

दुगुंछि. त्रि० (जुगुप्सिन्) જુગુપ્સા કરનાર. जुगुप्सा करने वाला. Censurer. उत्त० २, ४;

दुगुंछिय-अ. त्रि० (जुगुप्सित) ધૃણિત વસ્તુ; નિન્દ્ય. घृणित वस्तु; निन्द्य पदार्थ. A hateful or censurable thing. आव० ४, ८; ओघ० नि० ३०२. पराह० १,३; —कुल न० (-कुल) ધૃણાપાત્ર કુલ, નિન્દ્યકુલ घृणित कुल; निन्द्य कुल. a censurable race or lineage. निसी० १६, ३०; ३७;

दुगुण. त्रि० (द्विगुण) બમણું. दूना; दुगना. Double. नाया० १; भग० ६, ८; २५, ५; सु० च० १; ३०३; पिं० नि० १७१; सूय० १, ४, १, २१; क० प० १, ४७; ५६; १, १०; प्रव० १०६३; (२) દષ્ટિવાદ અન્તર્ગત સિદ્ધ શ્રેણીયા અને મણુસ્સ શ્રેણીયા પરિકર્મનો આઠમો ભેદ અને પુઠ્ઠ સેણી આદિ પાંચ પરિકર્મનો પાંચમો ભેદ दृष्टिवाद के अन्तर्गत सिद्ध श्रेणिया और मणुस्स श्रेणिया परिकर्म का आठवां भेद और पुट्ठ सेणी आदि पांच परिकर्म का ५वां भेद. the eighth variety of Siddhaśreṇiyā and Maṇussa-śreṇiyā Parikarma and the 5th variety of the 5 Parikarmas viz Puṭṭhaseṇī etc नंदी० ५; सम० १२; —कम्मट्ठिइ. स्त्री० (-कर्मस्थिति) બમણી કર્મસ્થિતિ. दुगनी कर्मस्थिति. the double duration of Karmas. क० प० ३, ५; —प्पमाण. त्रि० (-प्रमाण) જેનુ પ્રમાણ પહેલા કરતાં બેવડું-બમણું હોય તે; બમણા પ્રમાણવાળું. जिसका प्रमाण पहिले की अपेक्षा दूना हो वह, दुगने प्रमाण वाला double than the original size. भग० ६, ८; —हीण. त्रि० (-हीन) બમણા ઓછા. दूने ओछे. doubly less. कप्प० १, २२; ६५;

दुगुल न० (दुकूल) ઝાડની છાલનું વસ્ત્ર. वृक्ष की छाल का वस्त्र. A bark-garment राय० १६२; निसी० ७, ११; जीवा० ३, ३; —पट्ट न० (-पट्ट) રેશમી વસ્ત્ર. रेशमी वस्त्र. silk garment. कप्प० ३, ३२;

दुगुल्ल. न (दुकूल) ગોડ-બંગાલના સુતરનું બનેલ વસ્ત્ર. गोड-बंगाल के सूत का बना हुआ वस्त्र. A garment made of muslin of Bengal आया० २, ५, १, १४५, भग० ६, ३३, ११, ११; सु० च० २, ४६६;

दुगूल. न० (दुकूल) વસ્ત્ર. वस्त्र; पट. A garment. नाया० १; सु० च० ४, ७६:

दुगोत्त न० (द्विगोत्र) એ નામની એક વેલ इस नामकी एक लता. A creeper of this name. पन्न० १;

दुग्ग. पुं० (दुर्ग) વિષમ પ્રદેશ; દુર્ગમ સ્થાન. विषम प्रदेश, दुर्गम स्थान. A place difficult to enter. (२) કિલ્લો; કોટ. किला, कोट. a fort. पराह० १, ३; वेय० ६, ७; जं० प० सु० च० १, ३२६;

भग०३, २; ७, ६; ९; ३३; १६, १; जीवा० ३, १; सूय० १, ५, १, २; २, १०, ६; दसा०६,१;७,१; राय० २८३; महा० प०४२; —ग्गहण. न० (-ग्रहण) પર્વત વગેર દુર્ગમ સ્થલનો આશ્રય લેવો તે. पर्वत आदि दुर्गम स्थल का आश्रय लेना. taking shelter of an inaccessible place such as a mountain etc. पंचा० ३, १६;

दुग्गश्र. त्रि० (दुर्गत) દરિદ્રી; ધનહીન; ઉપકાર વગેરેથી રહિત दरिद्री; निर्धन; उपकार हीन. Wretched; poor; destitute; ungrateful. ठा० ४, ३;

दुग्गश्र. पुं० (दुर्गक) દુષ્ટ વૃષભ-બલદ. दुष्ट वृषभ-बैल. A bad bull. "दुग्गश्रो वा पश्रोएणं" दस० ६, २, १९;

दुग्गइ. स्त्री० (दुर्गति) નરક તિર્યંચ આદિ દુર્ગતિ. नरक तिर्यंच आदि दुर्गति. An evil state like the hell; sub-human birth etc. दस० ५, १, ११; सूय० २, ७, २०; ठा० ३, ३; उत्त० ७, १८; ६,५३; सम० ६; पिं० नि० १०२; पंचा० ३, ४१; भत्त० ७१; —गय. त्रि० (-गत) નરક આદિ દુર્ગતિને પામેલો. नरक आदि दुर्गतिको प्राप्त. (one) who attains an evil state like the hell etc. ठा० ३; —गामि. त्रि० (-गामिन्) દુર્ગતિમાં જનાર. दुर्गति को जाने वाला. (one) falling into an evil state. ठा० ४, ३;—णारी. स्त्री०(-नारी) દરિદ્રી સ્ત્રી. दरिद्रा स्त्री; निर्धना; दीना. a destitute woman. पंचा०४,४१;—पंथ. पुं० (-पथन) દુર્ગતિનો માર્ગ. दुर्गति का मार्ग the path of an evil state. गच्छा० ४३; —फल. न० (-फल) દુર્ગતિનું ફલ. दुर्गति का फल. the result of an evil state. सूय० नि० १, ११' १११; —फलवाइ. पुं० (-फलवादिन्) દુર્ગતિના ફલને કહેનાર. दुर्गति के फल को कहने वाला. (one) who relates the fruits of an evil condition. सूय० नि०१, ११, १११; —वड्ढण. त्रि० (-वर्धन) દુર્ગતિને વધારનાર. दुर्गति को बढाने वाला. (one) who increases an evil condition. दस० ६, २६;

दुग्गंध. पुं० (दुर्गन्ध) ખરાબ ગન્ધ. खराब गन्ध; दुर्गन्ध; बुरी बास. Foul smell. भग० ७, ६; ठा० ६; क० गं० ९, ३२; —परिणय. त्रि० (-परिणत) દુર્ગન્ધ રૂપે પરિણામ પામેલ. दुर्गन्ध रूप में परिणाम प्राप्त. changed to a foul taste. भग० ८, १:

दुग्गंधि. त्रि० (दुर्गन्धिन्) દુર્ગન્ધવાળું; નઠારું. दुर्गन्ध वाला,बुरा. Ill-smelling; foul श्रणुजो० १३०;

दुग्गत त्रि० (दुर्गत) દરિદ્ર; ભિખારી. दरिद्री; भिखारी; निर्धन. Poor; destitute. पंचा० १२, ४०;

दुग्गम. त्रि० (दुर्गम) દુ:ખે સમજાય-જણાય એવું दु:खपूर्वक जो समझा या जाना जासके Difficult to understand प्रव० ७८५; ठा० ५, १; जं० प०

दुग्गा स्त्री० (दुर्गा) દુર્ગા દેવી. दुर्गा देवी. The goddess Durgā. श्रणुजो० २०;

दुग्गास. त्रि०(दुर्ग्रास) જેમાં પ્રયાસથી ખાવાને મલતું હોય તે; દુર્ભિક્ષ. जिसमें प्रयत्न एवं प्रयास से खाने को मिले वह (समय); दुर्भिक्ष. A famine. पिं० नि० भा० ३३;

दुग्गिज्झ त्रि० (दुर्ग्राह्य) મુશ્કેલીથી ગ્રહણ થઇ શકે-જાણી શકાય તેવું. जिसे कठिनाई से ग्रहण किया जासके-समझा जासके. Difficult to understand. गच्छा० ६५;

दुग्गेज्झ. त्रि० (दुर्ग्राह्य) દુઃખે કરી ગ્રહણ કરાય તે. कठिनाई से ग्राह्य. Difficult to grasp or hold. विशे० ११२७;

दुग्घट्ट. त्रि० (दुर्घट्ट) જે મુશ્કેલીથી કરી શકાય તે. दुष्कर; दुर्घट. Difficult to perform. पराह० १, ३;

दुघण. पु० (द्रुघन) ઘણ; લોહારનું એક ઓજાર. घन; लोहार का एक श्रोजार. A hammer. जीवा० ३, १;

दुघरंतरिय. पुं०(द्विगृहान्तरिक) એક ઘેર ભિક્ષા લઈ વચ્ચે બે ઘર છોડી ત્રીજેથી ભિક્ષા લેવાનો અભિગ્રહ ધરનાર સાધુ;ગોશાલાનો અનુયાયી एक घरसे भिक्षा लेकर बीचके दो घरों को छोड़कर तीसरे घर से भिक्षा ग्रहण करने का अभिग्रह धारण करने वाला साधु; गोशाला का अनुयायी. A follower of Gośālā who begs alms at every fourth house. ओव० ४१;

दुचिरण. त्रि० (दुश्चीर्ण) દુષ્ટરીતે કરેલું કામ. अयोग्य रीति से किया हुआ काम Work done badly. विवा० १; ओव० ३४; —**कम्म.** न० (-कर्म) ખરાબ કર્મ. दुष्कर्म; बुरे कार्य. wicked deed दसा० ६, ४; —**फल.** न० (-फल) દુષ્ટાચરણનું માઠું ફલ. बुरे चाल चलन का बुरा फल an evil end, result of evil deeds. दसा० ६, ४;

दुच्च. त्रि० (द्वितीय) બીજું. दूसरा Second. आया० २, १, ११, ६२; पन्न० ३; कप्प० ५, १२३; दस० ४; निर० १, ३;

दुच्चअ-य. त्रि० (दुस्त्यज) દુઃખેથી છોડાય તેવું. दुःख से छोड़ने योग्य; दुःख त्याज्य. Difficult to abandon. उत्त० १४, ४६; भग० ७, ९;

दुच्चक. त्रि० (द्विचक्र) જેને બે પૈડાં હોય તેવું વાહન दो पहियों वाला वाहन. A two wheeled vehicle. ओघ० नि० ३८३;

दुच्चर. त्रि० (दुश्चर) મુશ્કેલીથી ચલાય તેવું સ્થાન. दुर्गम्य स्थान. Inaccessible place. आया० १, ६, ३, २; (२) મુશ્કેલીથી આચરવા યોગ્ય. कठिनाई से आचरणीय. impracticable. चउ० १४;

दुच्चरित. न० (दुश्चरित) ખરાબ આચરણ. दुराचरण; बुरे चालचलन. Bad conduct; mischief. पंचा० १५, ३६;

दुच्चारिय. न० (दुश्चरित) નઠારી ચાલચલન. दुष्टाचार, बुरा चालचलन. Bad conduct; immorality. तंदु० दसा०६, ४; आउ० १८; सु० च० १, ३६३;

दुच्चिरण न० (दुश्चीर्ण) દુષ્ટ ભાવથી કરેલ કાર્ય. दुष्ट भावना से किया हुआ कार्य. An action done with an evil inclination. ठा० ४, २;

दुजडि पुं० (द्विजटिन्) દ્વિજટી નામનો ગ્રહ; ૮૮ મહાગ્રહમાંનો એક द्विजटी नामक ग्रह; ८८ महा ग्रहों में से एक ग्रह. A planet called Dvijatī; one of the 88 planets. सू० प० २०; ठा० २, ३;

दुज्जंत. पुं० (दुर्यन्त) એ નામનો એક આચાર્ય. इस नाम का एक आचार्य. A preceptor of this name. कप्प० ८;

दुज्जण पुं० (दुर्जन) ખરાબ મનુષ્ય. दुर्जन; खराब मनुष्य. A wicked fellow. वेय० १, ३;

दुज्जय. त्रि० (दुर्जय) દુઃખેથી જીતાય તેવું. कठिनाई से जीता जाने वाला; दुर्जय. Difficult to conquer. उत्त० ६, ३४; सु० च० १, ३८३;

दुज्जाय. पुं० (दुर्यात) દુઃખેથી જવાય તે. जो कठिनाई से गम्य हो वह; दुर्गम्य. Difficult to go. आया०१,६,४;१५६;

दुज्जीव. पुं॰ (दुर्जीव) દુષ્ટ જીવ. दुष्ट जीव. An evil being. विशे॰ ३४५२;

दुज्जोसश्र. त्रि॰ (दुर्जुष्य) મુશ્કેલીથી ખપાવા યોગ્ય. काठिनाई से खपाने या पूरा करने योग्य. Difficult to finish. आया॰ १, ५, ३, १९१;

दुज्जोहण. पुं॰ (दुर्योधन) ધૃતરાષ્ટ્રનો પુત્ર દુર્યોધન. धृतराष्ट्र का पुत्र दुर्योधन. Duryodhana the son of Dhritarāṣtra. विवा॰ ६; नाया॰ १६;

दुज्झ. त्रि॰ (दोह्य) દોહવા યોગ્ય. दुहने योग्य. Fit to be milked. दस॰७,२४;

दुज्झाश्र. न॰ (दुर्ध्यात) રૂદ્રધ્યાન આદિ દુષ્ટ ધ્યાન ધરેલ रुद्रध्यान आदि दुष्ट ध्यान धारण किया हुआ. (One) who meditates upon evil things; Rudradhyāna etc. आव॰ १, ४;

दुट्ठ. त्रि॰ (दुष्ट) દુષ્ટ; ખરાબ. दुष्ट; खराब. Evil; wicked. दसा॰ ६, १६; ओघ॰ नि॰ ७३६; वेय॰ ४, २; ७; नाया॰ २; १६; उत्त॰ २७, १६; सम॰ ३०, ओव॰ २१; भग॰ ७, १; दस॰ ७, ४५; प्रव॰ ५८६, ७६२; पंचा॰ १६, २३; भत्त॰ १४६, **—आसण.** न॰ (-आसन) અભિમાની આસન; પગ ઉપર પગ ચડાવી બેસવું તે (ધર્મ-ધ્યાનમાં તેમ બેસવાથી આશાતના લાગે). अभिमानी आसन, पैर पर पैर चढाकर वैठना (धर्मध्यान मे इस तरह वैठने से आशातना लगती है). a proud posture; sitting by keeping a leg over another a sin is incurred by sitting thus in a religious performance. प्रव॰४४०,**—गाह.** पुं॰ (-ग्राह) દુષ્ટ મકર. दुष्ट मकर. a wicked crocodile. तंदु॰ **—पारंचिश्र** पुं॰ (-पारंचिक) ક્રોધ દુષ્ટ પારંચિક અને વિષય દુષ્ટ પારંચિક (ક્રોધે કરી ગુરૂની પણ ઘાત કરે તે; ક્રોધ પારંચિક; સાધ્વી સ્ત્રીના ભોગની ઇચ્છા કરે તે વિષય પારંચિક કહેવાય). क्रोध दुष्ट पारंचिक और विषय दुष्ट पारंचिक (जो क्रोध के कारण गुरु का भी घात करे वह क्रोध पारंचिक और जो साध्वी स्त्री के भोग की इच्छा करे वह विषय पारंचिक कहलाता है). Krodhadusta Pārañchika i. e. who slays even his preceptor in anger, and Viśayadusta Pārañchika i. e. one who desires to violate the person of even a chaste lady. ठा॰ ३, ४; **—मण** त्रि॰ (-मनस्) જેનું મન દુષ્ટ હોય તે. जिस का मन दुष्ट हो. evil-minded. सु॰ च॰ ११, १; **—वाइ.** त्रि॰ (-वादिन्) દુષ્ટ રીતે બોલનાર. अनुचित या अयोग्य रीति से बोलने वाला. (one) who speaks evil or badly. उत्त॰ ३४, २६;**—सीलायार** त्रि॰ (-शीलाचार) ખરાબ શીલ અને આચારવાલો. दुःशील एवं दुराचार वाला. bad-conducted नाया॰२; **—स्स** पुं॰ (-अश्व) ખરાબ ઘોડો. खराब घोडा. a nag, a bad horse. ओघ॰ नि॰ १६३, पंचा॰ १८, १०;

दुट्ठाण न॰ (दुःस्थान) ખરાબ સ્થાન; ડાંસ મચ્છર વગેરે ક્ષુદ્ર જંતુવાલું સ્થાન. खराब स्थान, डांस मच्छर आदि क्षुद्र जंतुओं वाला स्थान. A bad place; a place full of minute insects like mosquitoes etc. भग॰ १६, २; ठा॰ २, ४; क॰ प॰ २, ४७; ४, ४४;

दुट्ठायण न॰(द्विस्थानक) એ નામનું ઠાણાંગનું બીજું ઠાણું. इस नाम का ठाणांग का दूसरा ठाणा. The 2nd Thāṇā (section) of this name of Thāṇānga. ठा॰

२, १;

दुट्ठाणरस. पुं० (द्विस्थानरस) બેઠાણીઓ રસ; પચ્ચખ્ખાણાવરણીય કષાયને યોગે કર્મમાં જે રસ પડે તે. दुगना रस; पच्चक्खाणावरणीय कषाय के द्वारा कर्म में जो रस पडे वह रस. Double essence; the intensity which is met with in Karma due to the Pachchakhāṇāvaraṇīya passion क० ग० ५, ६४;

दुट्ठु. त्रि० (दुष्ट) દુષ્ટ; અયોગ્ય दुष्ट; अयोग्य Wicked, improper नाया० १६; —पडिच्छिय त्रि० (-प्रतिच्छित) દુષ્ટ નાલાયકને જ્ઞાન આપેલું હોય તે. જ્ઞાનનો એક અતિચાર. अयोग्य को दिया हुआ ज्ञान, ज्ञान का एक अतिचार. Imparting knowledge to a wicked or unworthy fellow, a fault connected with knowledge. आव० ४, ७;

दुएणाम न० (दुर्नामन्) દુષ્ટ સ્વભાવવાળુ નામ. दुष्ट स्वभाव वाला नाम. A name of an evil nature. भग० १२, ५;

दुरिणक्कम्म. त्रि० (दुर्निक्रम-दुःखेन निष्क्रमोयत्र) જ્યાં દુઃખથી નીકળવાનું હોય તે. जहांसे दुःख से निकलने का हो वह (स्थान). A place where exist is difficult. ज० प० २, ३६; भग० ७, ६;

दुरिणसीहिया. स्त्री० (दुर्निषद्या) દુઃખરૂપ સ્વાધ્યાય ભૂમિ. दुःख रूप स्वाध्याय भूमि The place of religious scripture in the form of pain भग० १६, २.

दुत. न० (द्रुत) ઉતાવળે ઉતાવળે ગાવું તે; ગાયનનો એક દોષ. गायन का एक दोष. जल्दी जल्दी गाना A fault of singing (singing quickly). (२) જલ્દી, ઉતાવળ. शीघ्रता; जल्दी. haste, quickness. पंचा०७, ४०; अणुजो०१२- ठा० ७, १: (३) નાટક વિધિ વિશેષ. नाटक विधि विशेष a particular dramatic performance. जीवा०३,४;

दुतविलंबित. न० (द्रुतविलम्बित) એક પ્રકારની નાટકવિધિ. एक प्रकार की नाटक विधि. A kind of dramatic performance. जीवा० ३, ४;

दुतितिक्ख त्रि० (दुस्तितिक्ष) સહન ન થાય તેવું. असह्य. Intolerable. ठा० ५, १;

दुतित्त. न० (दूतीत्व) દૂતીપણું. दूतीपन. The state of a female messenger पंचा० १३, २०;

दुत्तर. त्रि० (दुस्तर) દુઃખે તરી શકાય તે. वह जो दुःख से पार किया जा सके. That which is difficult to cross. भत्त० १४७; सु० च० ४, १६६; उत्त० ३२, १७; सूय० १; ३, ४, १५; भग० ६, ३३;

दुत्तार त्रि० (दुस्तार) મુશ્કેલીથી તરી શકાય તે. दुस्तर; कठिनाई से पार किया जाने वाला. Difficult to cross or swim. ओव० २१;

दुत्तितिक्ख. त्रि० (दुस्तितिक्ष) જે મુશ્કેલીથી સહન થાય તે. वह जो कठिनाई से सहा जा सके. Difficult to be endured. ठा० ५, १;

दुत्तोसश्र. पुं० (दुस्तोषक) આહારાદિકથી અસંતુષ્ટ (સાધુ) મુશ્કેલીથી પ્રસન્ન-તુષ્ટ થાય તે. जो आहारादिक से असंतुष्ट होनेके कारण कठिनाई से प्रसन्न हो वह (साधु). That ascetic who being dissatisfied with food etc. is difficult to please. दस० ५, २, ३२;

दुद्दंत. त्रि० (दुर्दान्त) જેનું મુશ્કેલીથી દમન [illegible] તે. वह जिसका कठिनाई से दमन [illegible] Untamable. नाया० ४; १[illegible] [illegible] ४, १; उत्त० २७, ७; ३२

भत्त० १५०;

दुद्दंतत्तण. न० (दुर्दान्तत्व) દુર્દાન્તપણું. दुर्दान्तता. Intractableness. नाया० १७;

दुद्दंसण. त्रि० (दुर्दर्शन) જેનું રૂપ ખરાબ હોય તે. जिसका रूप खराब हो वह. Ugly in appearance. अणुजो० १३०;

दुद्दंसणिज्जरूव. त्रि० (दुर्दर्शनीयरूप-दुर्दर्शनीयं रूपं यस्य) જેનું રૂપ જોઇ શકાય તેવું ન હોય તે जिसका रूप देखसकने योग्य न हो वह. Ugly in shape. भग० ७, ६;

दुद्दम. त्रि० (दुर्दम) જેનું દુઃખથી દમનથાય તે. दुर्दमनीय; जिसका दमन कठिनाई से हो सके वह. Indomitable. उत्त० १; १५; तंदु०

दुद्दिण. न० (दुर्दिन) ધુલીયા વાદલના ઘેરાવાથી સૂર્ય ન દેખાતાં અંધારા જેવું લાગે તે. वह दिन जिसमें कालेर बादलों के घिर जाने के कारण सूर्य दिखाई न पडे और चारों ओर अंधेरा सा हो जाय. A dark day due to black clouds. पिं० नि० भा० ३६;

दुद्ध. न० (दुग्ध) દુગ્ધ; દૂધ दुग्ध; दूध. Milk. भत्त० ४१; नाया०२; १८; पिं०नि० १३१; पन्न० ११; जीवा० ३, ३; विवा० ७; प्रव० २१८;

दुद्धट्टी. स्त्री० (दुग्धाट्टी) બળી (પ્રસવવખતના દુધને પકવી બનાવવામાં આવે છે). बलि (जो प्रसूति के दूध को पकाकर बनाई जाती है). a preparation made of milk of delivery. प्रव० २२८;

दुद्धया स्त्री० (दुग्धदा) દૂધને આપનારી (સ્ત્રી ગાય વગેરે). दूध देने वाली (स्त्री, गौ आदि). Milk-yielding; milch (cow etc.) विशे० १४५७;

दुद्धर. त्रि० (दुर्धर) દુઃખે ધરી-પકડી શકાય તે; कष्ट पूर्वक पकड़ा जाने वाला. Difficult to catch or hold. पण्ह० १, ३; दसा० ४, ५२; सम० ६; ठा० ६, १; सम० प० २३७,

दुद्धरिस त्रि० (दुर्धर्ष्य) પાસે ન જઇ શકાય તેવું; જેને તાબે કરવાની હામ ન ભીડાય તેવું; દુર્જય. जिसके पास न जाया जाय ऐसा; जिसे काबू में करने का साहस न किया जासके; दुर्जय. Unapproachable; unassailable; unconquerable. सु०च०२,८६; ओव०१७; क०गं०१, ४४; कप्प० ५, ११६; ओघ० नि० भा० २२०; नंदी० स्थ० ६;

दुद्धवलेही. स्त्री० (*) દુધની તર-મલાઇ. दूध की तरी-मलाई. Cream. प्रव०२२८;

दुद्धसाडी. स्त्री० (*) દૂધમાં ચોખાની કણકી નાખી રાંધવામાં આવે તે, ખીર. दूध में चांवल डालकर जो पदार्थ बनाया जाता है वह; खीर. Milk pudding. प्रव० २२८;

दुद्धा. स्त्री० (दुग्धा) દોહેલી ગાય ભેંસ આદિ. दुही हुई गाय भैंस आदि. Milked cow, she-buffalo etc. विशे० १४७४;

दुन्नय पुं० (दुर्नय) દુષ્ટ નીતિ. दुष्ट नीति. Bad politics. सु० च० १५, ११३;

दुण्णिबोह. त्रि० (दुर्निबोध) જે પ્રયાસથી જાણીશકાય તે. जो प्रयत्न पूर्वक जाना जा सके वह. That which can be known with an effort. सूय० १, १५, २५;

दुण्णिय. न० (दुर्नीत) દુષ્કૃત્યથી સંચિત થયેલ અશુભકર્મ. दुष्कर्मों के कारण संचित अशुभ कर्म. Evil Karmas accumulated through evil actions "बधंतिवेदंति य दुण्णियाणि" सूय० १, ७, ४;

दुण्णिरिक्ख. त्रि० (दुर्निरीक्ष्य) દુઃખે જોઇ શકાય તેવું. कष्ट पूर्वक देखा जा सकने वाला. Difficult to be seen. कप्प०

३, ३६; —रूव. न० (-रूप) दुःખથી પણ ન જોઈ શકાય એવું રૂપ. कठिनाई से भी न दिखाई देने वाला रूप. a form which cannot be seen even with difficulty; invisible form कप्प० ३, ३६;

दुन्निसन्न. त्रि० (दुर्निषण्ण) દુષ્ટ રીતે બેઠેલ. अनुचित रीतिसे बैठा हुआ. Improperly seated ठा० ५, २:

दुप. पुं० (द्विप) હાથી; ગજ. हाथी; गज, कुंजर. An elephant जीवा० ३, १.

दुपउत्तकाय. पुं० (दुःप्रयुक्तकाय) ઇષ્ટ વિષયની પ્રાપ્તિથી સુખી થતાં અને અનિષ્ટ વિષયની પ્રાપ્તિથી દુઃખ વેદતા દુઃપ્રણિહિત પ્રમત્ત સંયતિની કાયાનો વ્યાપાર. इष्ट विषय की प्राप्ति से सुखी और अनिष्ट की प्राप्ति से दुःख का अनुभव करने वाली दुःप्रणिहित प्रमत्त संयति की काया का व्यापार. The activity of the body of Duhpranihita Pramatta Sañyati that is getting pleased with the contact of a desired object and getting dejected when some undesirable object comes into contact ठा० २, १; —किरिया. स्त्री० (-क्रिया) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपर का शब्द. vide above. ठा० २, १.

दुपओल त्रि० (दुष्पक्व) અધરીતે પાકેલ વસ્તુ. अर्धपक्व, आधी पकी हुई वस्तु Partially ripened or cooked. पचा० १, २२;

दुपक्क. त्रि० (दुष्पक्व) દુષ્ટરીતે પકવેલું अनुचित रीति से पकाया हुआ. Improperly cooked प्रव० १८२;

दुपच्चक्खाइ. त्रि० (दुष्प्रत्याख्यायिन्) દુષ્ટ રીતે-અવિધિએ પ્રત્યાખ્યાન પચ્ચખાણ કરનાર दुष्टरीति से-अनुचित रीति से प्रत्याख्यान 'पच्चखाण' करने वाला. (One) who accepts a vow contrary to the prescribed rules. भग० ७, १;

दुपच्चक्खाय. त्रि० (दुष्प्रत्याख्यान) અવિધિએ પચ્ચખાણ કરેલ. अविधि से पच्चखाण किया हुआ. (One) who has taken a vow contrary to the prescribed rules भग० ७, २;

दुपाडयाणंद. पुं० (दुष्प्रत्ययनान्द) માઠું કરી રાજી થનાર; દુષ્કૃત્યમાં આનંદ માનનાર. बुरा कार्य कर के प्रसन्न होने वाला; बुरे कामों में ही खुशी मनाने वाला. (One) who is pleased to do an evil act. विवा० १;

दुपारिकम्मतरय. न० (दुष्परिकर्मतर) જે પ્રયાસથી અગ્નિ આદિથી શુદ્ધ કરાય તે. वह जो प्रयास पूर्वक अग्नि आदि से शुद्ध किया जा सके. That which can be purified with difficulty by fire etc भग० ६, १;

दुपारिचय पुं० (दुष्परिचय) દુષ્ટ પરિચય अहितावह परिचय; दुष्ट परिचय. Bad acquaintance. दसा० ६, ४:

दुपरिच्चय त्रि० (दुष्परित्यज) દુઃખેથી છોડાય તે कष्टत्याज्य; कठिनाई से छोडा जाने वाला. Difficult to abandon उत्त० ८, ६;

दुपस्स त्रि० (दुर्दर्श) મુશ્કેલીથી જોવાય તે. कठिनाई से दीखने वाला Difficult to see. ठा० ४, १;

दुप्पअ त्रि० (दुष्पद) ઢોચકુ; સ્થિર ન રહે તેવું, વાંકું વળી જાય તેવું ढुलकने वाला; अस्थिर रहने वाला; टेढा हो जाने वाला Rolling, unstable; bending. ओघ० नि० ६८८;

दुप्पउत्त त्रि० (दुष्प्रयुक्त) ખોટી રીતે ઉપ-

ગોગ કરેલ. अनुचित रीत से उपयुक्त प्रयुक्त. Used improperly. पन्न० २२; ओघ० नि० ८०३; भग० ३, ३; पंचा० १५, ३७;

दुप्पउलिय. त्रि० (दुष्प्रज्वलित) દુષ્ટ રીતે પાકેલું. अनुचित रीतिसे पका हुआ. Badly cooked or ripened उवा० १, ५१; —**ओसहि.** स्त्री० (-ओषधि) દુષ્ટ રીતે પાકેલી ઔષધી-અન્ન. अनुचित रीति द्वारा पकी हुई औषधि-अन्न. a food cooked badly. उवा० १, ५१; —**ओसहिभक्खणया.** स्त्री० (-ओषधिभक्षणता) દુષ્ટ રીતે પાકેલ અન્નનું ભક્ષણ કરવું તે; સાતમાં વ્રતનો એક અતિચાર. खराब रीति से पके हुए अन्न को खाना; सातवें व्रत का एक अतिचार. eating an improperly coocked food; a violation of the 7th vow. उवा० १, ५१;

दुप्पच्चक्खाय. त्रि० (दुष्प्रत्याख्यात) દુષ્ટરીતે-અવિધિએ પચ્ચખાણ કરેલ. अनुचित रीतिसे-अविधिसे पचखाण किया हुआ. (One) who has accepted vows in a bad way. सूय० २, ७, ६;

दुप्पडिक्कंत. त्रि० (दुष्प्रतिक्रान्त) મુશ્કેલીથી જેનું આક્રમણ થાય તેવું; દુર્જય. जिस पर कठिनाई से आक्रमण किया जासके वह; दुर्जय. Difficult to overcome; invincible. विवा० १;

दुप्पडिग्गह. पु० (दुष्प्रतिग्रह) વિચ્છેદ ગયેલ બારમાં દૃષ્ટિ વાદ અગના બીજા વિભાગ સૂત્રનો વીસમો ભેદ. विच्छेदित बारहवें दृष्टिवाद अंग के दूसरे विभाग सूत्र का बीसवा भेद. The 20th division of the 2nd Vibhāga Sūtra of the lost twelfth Drstịvāda Anga. नंदी० ५६;

दुप्पडिबूहग. त्रि० (दुष्प्रतिबृहक) વધારી શકાય નહિ તેવું. अपरिवर्द्धनीय; जिसका विस्तार न किया जासके. That which cannot be enlarged or increased. आया० १, २, ५, ६२;

दुप्पडियाणंद. त्रि० (दुष्प्रत्यानन्द)ઉપકારનો બદલો વાલવો પડશે એવા ભયથી તેના ઉપકારમા દોષ દર્શાવીનારાજી બતાવનાર, મુશ્કેલીથી રીઝે તેવો. उपकार का बदला देना होगा इस भय से जो उपकार में दोष दिखा कर नाराजी बतावे-कठिनाई से प्रसन्न होने वाला व्यक्ति. (One) who shows anger by showing a defect in an obligation under the fear that it is to be repaid; a person difficult to please. सूय० २, २, ६२; ठा० ४, ३; दस ६, ४;

दुप्पडियार. त्रि० (दुष्प्रति-ती-कार) જેનો સ્હેલાઇથી પ્રતિકાર-પ્રત્યુપકાર ન થઇ શકે તે जिसका प्रतिकार-प्रत्युपकार सरलता से न होसके वह. That which cannot be easily remedied or avenged ठा० ३, १;

दुप्पडिलेहग त्रि० (दुष्प्रतिलेखक) જે દૃષ્ટિ ગોચર ન થઇ શકે તેવુ; જેનું પડિલેહણ ન થઇ શકે તેવું वह जा दिखाई न दे, अदृश्य. जिसका पडिलेहण न हो सके. Invisible whose " Padilehaṇa " cannot be done. दस० ५, १, २०; ६, ५६,

दुप्पडिलेहणा. स्त्री० (दुष्प्रतिलेखन) અવિધિએ પડિલેહણ કરવું તે. अविधिसे पडिलेहण करना. Making Padilehana improperly. आव० ४, ६;

दुप्पडिलेहिय. त्रि० (दुष्प्रतिलेख्य) જેનું પડિલેહણ બરાબર ન થઇ શકે તે. जिसका 'पडिलेहण' (प्रतिलेख) बराबर न हो सके वह. That whose Padileha-

ṅa can not be propeıly made पंचा० १, ३०;

दुप्पणिहाण. न० (दुष्प्रणिधान) હિંસા આદિ દુષ્કૃત્યમાં પ્રણિધાન-ચિત્તની એકાગ્રતા. हिंसा आदि दुष्कर्मों में प्रणिधान-चित्तकी एकाग्रता. Concentıation or evil deeds such as injuıy etc पंचा० १, २६; प्रव० २८४;१२२२; ठा० ३ १,भग०१८,७,

दुप्पणीयतर त्रि० (दुष्प्रणीततर) યુક્તિ હીન; અયુક્ત. अयुक्त; युक्तिहीन, उपाय रहित Illogical; irrational; without means सूय० २, ७, ६,

दुप्पणोल्लिय त्रि० (दुष्प्रणोद्य-दु खन प्रणोद्यते प्रर्यते इति) દુઃખેથી મુશ્કેલીથી પ્રેરણા કરવા યોગ્ય जिसे कठिनाई से प्रेरित किया जा सके वह Difficult to uıge. सूय० १, ३, १, ६,

दुप्प .र. त्रि० (दुष्प्रतर) જે તરી ન શકાય તે. दुस्तर; जो पार न किया जासके वह Difficult to cross. ' अधंतमं दुप्पतर महंतं" सूय० १, ५, १, ११;

दुप्पमज्जणा. स्त्री० (दु प्रमार्जना) દુષ્ટ રીતે અવિધિએ પ્રમાર્જન કરવું તે दुष्टरीति से प्रमार्जन करने का काम Brushing (sweeping) against the prescribed ıules. आव० ४, ६;

दुप्पमज्जिय त्रि० (दुष्प्रमार्जित) દુષ્ટ રીતે અવિધિએ પ્રમાર્જન કરેલ. दुष्टरीति से अनुचित अविधि स प्रमार्जित Improperly; bıushed प्रव० २८७, —चारी. त्रि० (-चारिन्) અવિધિએ દુષ્ટ રીતે પુંજીને ચાલનાર; અસમાધિના ત્રીજા સ્થાનકનો સેવનાર (સાધુ) अविधि से प्रमार्जन कर चलने वाला; असमाधि के तीसरे स्थानक का सेवन करने वाला (one) who walks without brushing the gıound in a pıoper way; one who incurs the third stage of Asamādhı. सम० २०, दसा० १, ५, ६;

दुप्पयार. पुं० (दुष्प्रचार) ચોરી વિગેરે માઠો આચાર, અન્યાય. चोरी आदि दुराचार; अन्याय. Bad conduct like stealing etc; evil deeds कप्प० ३, ३६;

दुप्परक्कंत. त्रि० (दुष्पराक्रान्त) જેના ઉપર મુશ્કેલીથી પરાક્રમ થઇ શકે તેવું. वह जिसपर कठिनाई से पराक्रम किया जा सके Diffi cult to be assaulted or overcome. आया० १, ५, ४, १५६;

दुप्पारिकम्मतर. न० (दुष्परिकर्मतर) જુઓ " दुपरिकम्मतरय " देखो "दुपरिकम्मतरय" शब्द Vide "दुपरिकम्मतरय" भग० ६, १,

दुप्पवेस त्रि० (दुष्प्रवेश) જેમાં ઘણી મુશ્કેલીએ પ્રવેશ થઇ શકે તેવું. जिसमें बड़े दु ख के साथ प्रवेश किया जासके ऐसा. Difficult to penetıate तदु० जं० प० ओव०

दुप्पसह. पुं० (दुष्प्रसह) એ નામના એક આચાર્ય કે જે પાંચમા આરાને છેડે થવાના છે. इस नामके एक आचार्य जो पाँचवें आरे के अन्त में होने वाले हैं A preceptor of this name who is to be born at the end of the 5th Āıā (a part of the cycle of tıme) प्रव० ७६५,—सूरि पुं०(-सूरि) દુપ્પસહ નામના આચાર્ય. दुप्पसह नामक आचार्य a preceptor of this name प्रव० १४५१;

दुप्पस्स त्रि० (दुर्दर्श) મુશ્કેલીથી દેખાય તે. कठिनाई से दिखाई देने वाला. Difficult to see. ठा० ४, १,

दुप्पहंस. त्रि० (दुष्प्रध्वंस) કઠિનતાથી નાશ કરાય તે जिसका नाश कठिनाई से हो सके ऐसा. Difficult to destıoy

नाया० १८; विवा० ३;

दुप्पहंसअ-य. त्रि० (दुष्प्रध्वंसक) કોઈથી ન પકડી શકાય તેવું. वह जो किसी से भी न पकड़ा जासके. That which cannot be caught by anyone उत्त० ६, २०; ११, २०; विवा० ३;

दुप्पिच्छ त्रि० (दुष्प्रेक्ष्य) કઠિનતાથી દેખાય તે. जो कष्टपूर्वक देखा जा सके वह. Difficult to see. सु०च० २, ४३१ ;६, ५६;

दुप्पूरअ. त्रि० (दुष्पूरक) જે કઠિનતાથી ભરી શકાય તે वह जिसकी पूर्ति कठिनाई से हो सके ऐसा Difficult to fill up. उत्त० ८, १६;

दुप्फास. पु० (दुःस्पर्श) ખરાબ સ્પર્શ. दुष्ट स्पर्श. Bad touch. भग० ७, ६;

दुफास. पु० (दुःस्पर्श) ખરાબ સ્પર્શ. दुष्ट स्पर्श बुरा स्पर्श. Bad touch. जं०प० २, ३६; भग० १, ७.

दुफासत्ता. स्त्री० (दुःस्पर्शता) ખરાબ સ્પર્શ પણું. दुष्ट स्पर्शता, बुरी तरह से छूने का भाव The state of bad touch भग० ६, ३;

दुबद्ध. त्रि० (दुर्बद्ध) ખરાબ રીતે બાંધેલું. बुरी तरह से बाँधा हुआ. Tied badly निसी० १३, ७;

दुबल. त्रि० (दुर्बल) બલહીન. बलहीन Feeble; weak. भग० १६, ४;

दुबुद्धि त्रि० (दुर्बुद्धि) જેની બુદ્ધિ ખરાબ હોય તે. वह जिसकी बुद्धि खराब हो. Foolish; stupid, evil-minded. "एवं दुबुद्धि किच्चाणं वुत्तोवत्ता पकुव्वइ" दस० ६, २, १६;

दुब्बल. त्रि० (दुर्बल) બલહીન बलहीन; निर्बल. Feeble, weak. भग० ७, ६; ६, ३३; १६, ३; वेय० ३, १६; कप्प० ६, ६१; आव० नाया० १; २; १३, जीवा० ३, १; पिं० नि० ८०; ३२७; उत्त० २७, ८; विवा० ७; सम० ६;

दुब्बलय. त्रि० (दुर्बलक) સુકાયેલ; દુર્બલ. सूखा हुआ; दुर्बल. Dried; week; lean. अणुजो० १३०;

दुब्बलिय. न० (दौर्बल्य) દુર્બલતા. अशक्तता; कमजोरी. Weakness; feebleness. आया० २, ३, २, १२१;

दुब्बलियत्त. न० (दुर्बलिकत्व) દુર્બલપણું. दुर्बलता; कमजोरी Feebleness. भग० ५, ५; १२, २;

दुब्भगाकरा स्त्री० (दुर्भगकरी) જેથી સોભાગી માણસ દુર્ભાગી બને તેવી વિદ્યા; ૪૦ વિદ્યામાંની એક. जिसके कारण सौभाग्य शाली पुरुष अभागा बने ऐसी विद्या. ४० विद्याओं म से एक (विद्या) A lore by which a fortunate man becomes un-fortunate; one of the 40 lores. सूय० २, २, २७;

दुब्भासिय. न० (दुर्भाषित) ખરાબ વચન. खराब वचन; बुरे वचन. Bad words. पंचा० १२. १७;

दुब्भि त्रि० (*दुरभिः दुर्गन्धि) દુર્ગંધી दुर्गंधी. Foul-smelling. (२) અશુભ; અનિષ્ટ अशुभ; अनिष्ट. inauspicious; omenous पन्न० १, निसी० २, ४३; जीवा० ३. १; आया० १, ६, २, १४८,

दुब्भिक्ख न० (दुर्भिक्ष) જે દેશમાં ભિક્ષા ન મલતી હોય તેવો દેશ યા કાલ. वह देश या काल जिसमें भिक्षा न मिलती हो. The place or time when alms cannot be got. भग० ३, ७; ५, ६; जीवा० ३, ३; ठा० ३, १; (२) ભિક્ષાનો અભાવ. भिक्षा का अभाव. absence of alms. जं०प० १, १०; ठा० ४, २; (३) દુષ્કાલ. दुर्भिक्ष, अकाल. Famine. गच्छा० ६१;

प्रव० १६६: ४५०; सम० ३४; श्रोव० महा० प० ३५; श्रोघ०नि० ६४६; —भत्त. न० (-भक्त) દુકાળના વખતમાં ભૂખે મરતાં ગરીબોને આપવાનો ખોરાક. दुर्भिक्ष के समय में भूखों मरते हुए गरीबों को दिया जाने वाला भोजन. food distributed to the famine-stiiken. नाया० १; निसी० ६, ६; भग० ५,६; ६,३३;श्रोव०४०;

दुब्भिगंध. पुं० (दुरभिगंधदुर्गंध) દુર્ગંધ. दुर्गंध. Bad smell. (२) દુર્ગંધવાળું. दुर्गंध वाला. ill-smelling. जं०प० ५, ११२; राय० २६; भग० ८, १; १४, ७; १८, ६; २०, ५, ठा० १, १; सम० २२; उत्त० ३६, १७,

दुब्भिगधत्त. न०(दुरभिगन्धत्व) દુર્ગંધપણું. दुर्गंधता. Noisesomeness भग०१७,२;

दुब्भिगंधत्ता. न० (दुरभिगंधत्व) દુર્ગંધપણુ दुर्गंधता; बदबू. Noisesomeness नाया० १२;

दुब्भिसद्द. पुं० (दुरभिशब्द) અશુભ શબ્દ. अशुभ-बुरे शब्द. Bad evil word. ठा० १, १; पन्न० १३;

दुब्भिसद्दत्ता. स्त्री० (दुरभिशब्दत्ता) અશુભ શબ્દ પણું. अशुभ शब्दता; बुरे शब्दों का भाव. The state or quality of bad words. नाया० १२;

दुब्भूश्र त्रि० (दुर्भूत) દુરાચારી; નિન્દ્ય. दुराचारी; निन्द्य Immoral; censurable उत्त० १७, १७; भग० ३, २; जीवा० ३, ३;

दुब्भेय. त्रि० (दुर्भेद) દુઃખથી ભેદવાલાયક. कष्ट पूर्वक भेदने के योग्य; दुर्भेद्य. Difficult to pierce राय०

दुभग. न० (दुर्भग) નામકર્મની એક પ્રકૃતિ કે જેના ઉદયથ જીવ દુર્ભાગી બને છે. नामकर्म की एक प्रकृति जिसके उदय से जीव अभागा बनता है. A variety of Nāma Karma at whose maturity a being becomes unfortunate. क०गं० १, २७; क० प० ४, ३७; ८६; पन्न० २३; (२) त्रि० દુર્ભાગી. अभागा. unfortunate. नाया० १६; पण्ह० १, २; २, ४; सम० २५;

दुभग्ग. त्रि० (दौर्भाग्य) દુર્ભાગી. अभागा. Wretched. नाया० १६; —भाग. त्रि० (-भाग) બીજો ભાગ; અર્ધું. दूसरा भाग; आधा.the other part;half.श्राव०१७; —कढिश्र. त्रि० (-कथित) બે ભાગે ઉકાળેલું; સેરનું અધસેર રહે તેવી રીતે ઉકાળેલ; બેગણીઓ રસ. दोभागों में उबाला हुआ; सेर का आधा सेर रह जाय इस भाति उबाला हुआ. boiled to a half part e. g. 1 seer may remain half seer after boiling. क० गं० ५, ६५; —पत्त. त्रि० (-प्राप्त) બીજા ભાગનો-અર્ધો આહાર પ્રાપ્ત કરનાર. दूसरे भाग के आधे आहार को प्राप्त करने वाला. (one) who receives half of the 2nd part of food. भग० ७, १; वव०८,१५;

दुम. पुं० (द्रुम) અણુત્તરોવવાઇ સૂત્રના બીજા વર્ગના સાતમા અધ્યયનનું નામ. अणुत्तरोववाइ सूत्र के दूसरे वर्ग के सातवें अध्ययन का नाम. Name of the 2nd section of Anuttaıovavāi Sūtras. जं० प० २, २०; (२) શ્રેણિક રાજાની ધારણી રાણીના પુત્ર કે જે મહાવીર સ્વામી પાસે દીક્ષાલઇ ११ અંગ ભણી ગુણરયણ તપ કરી સોલ વરસની પ્રવ્રજ્યા પાલી વિપુલ પર્વત ઉપર ૧ માસનો સંથારો કરી અપરાજિત નામના અનુત્તર વિમાનમાં ઉત્પન્ન થયા; ત્યાંથી એક અવતાર કરી મોક્ષ જશે. श्रेणिक राजा की धारणी रानी के

पुत्र जिन्होंने महावीर स्वामी से दीक्षा लेकर ११ अंगों को पढा, गुणरयण तप किया, सोलह वर्ष की प्रव्रज्या पाल कर विपुल पर्वत पर एक मासका संथारा किया और अपराजित नामके अनुत्तर विमान में उत्पन्न हुए और वहा से एक अवतार के बाद मोक्ष को प्राप्त होंगे. The son of the queen Dhārinī wife of the king Śrenika, who being consecrated by Mahāvira Svāmi studied the 11 Aṅgas, practised Guṇarayaṇa penance, remained an ascetic for 16 years, fasted for a month on the Vipula mountain was born in Anuttara celestial abode named Aparājita and after one incarnation will attain salvation अणुत्त० २, ७, (२) વૃક્ષ; ઝાડ वृक्ष, झाड़ a tree नाया० १; ६; जीवा० ३, ३, ठा० ४, ४, विशे० १३०, ७; १७२४, उत्त० ५०, १; ३२, १०; दस० १, २; ६, २, १, भग० २, ५; (३) ચમરેન્દ્રના પાયદલ લશ્કરનો અધિપતિ. चमरेन्द्र की पैदल सेना का अधिपति. the commander of the infantry of Chamarendra. ठा०५,१; (४) દ્રુમ નામનું આઠમા દેવલોકનું એક વિમાન, એની સ્થિતિ અઢાર સાગરોપમની છે એ દેવતા નવ મહિને શ્વાસોશ્વાસ લે છે, અને એને અઢાર હજાર વર્ષે ક્ષુધા લાગે છે आठवें देवलोक का द्रुम नामक एक विमान, इसकी स्थिति १८ सागरोपम की है ये देवता नौ महिने में श्वासोश्वास लेते है और इन्हे १८ हजार वर्षों मे क्षुधा लगती है. a celestial abode named Druma of the 8th Devaloka, its gods live for eighteen Sāgaropamas. They breath once in nine months and are hungry after 18000 years. सम० १८; —राय. पुं० (-राज) પ્રધાન વૃક્ષ. प्रधान वृक्ष. a chief tree ठा० ४, ४;

दुमण. न० (दुर्मनस्) દુષ્ટ મન. दुष्ट मन, बिगड़ा दिल. An evil mind. नाया०१; पराह० १, ३;

दुमण. न० (*) ધોળુ કરવું તે. सफेद बनाने का कार्य. Whitening. पराह० २, ३;

दुमपुप्फिया. स्त्री० (द्रुमपुष्पिका) દશવૈકાલિક સૂત્રના પ્રથમ અધ્યયનનું નામ दशवैकालिक सूत्र के प्रथम अध्ययन का नाम Name of the 1st chapter of the Daśavaikālika Sūtra. ओघ० नि० ६५०;

दुमसेण. पुं० (द्रुमसेन) અણુત્તરોવવાઈ સૂત્રના બીજા વર્ગના આઠમા અધ્યયનનું નામ. अणुत्तरोववाइ सूत्र के दूसरे वर्ग के आठवें अध्ययन का नाम. Name of the 8th chapter of the 2nd section of the Anuttarovavāi Sūtra. अणुत्त० २, ८, (२) શ્રેણિક રાજાની ધારણી રાણીના પુત્ર, કે જે મહાવીર સ્વામી સમીપે દીક્ષા લઇ, ૧૧ અંગ ભણી ગુણરયણ તપ કરી, સોલ વરસ પ્રવ્રજ્યા પાલી, વિપુલ પર્વત પર એક માસનો સંથારો કરી, અપરાજિત નામના અનુત્તર વિમાનમાં ઉત્પન્ન થયા; ત્યાથી એક અવતાર કરી મોક્ષ જશે श्रेणिक राजा की धारणा रानी के पुत्र, जिन्होंने महावीर स्वामी से दीक्षा लेकर ११ अंगों का अध्ययन कर, गुणरयण तप कर सोलह वर्षों तक प्रव्रज्या पालकर विपुल पर्वत पर एक मास का संथारा कर, अपराजित

नाग के अनुत्तर विमान में उत्पन्न हुए और वहां से एक अवतार लेकर मोक्ष को प्राप्त होंगे. the son of the queen Dhārinī wife of the king Śrenika, who being consecrated by Mahāvīra Svāmī studied the 11 Aṅgas, practised Gunarayaṇa penance, remained an ascetic for 16 years, fasted for a month on the Vipula mountain, was born in Anuttara celestial abode named Aparājita and after one incarnation will attain salvation. अणुत्त० २, ८, (३) નવમાં બલદેવ વાસુદેવના પૂર્વભવના ધર્માચાર્ય. नवमें बलदेव वासुदेव के पूर्व भव के धर्माचार्य the religious preceptor of the ninth Baldeva Vāsudeva in his past birth. सम० प० २३६;

*दुमिय. त्रि० (*) ધોળુ કરેલ. सफेद किया हुआ. Whitened सु० च० २०;

दुमुह पु० (द्मुख) એ નામના એક યાદવ કુમાર. इस नाम के एक यादव कुमार. A Yādava Kumāra of this name. पगह० १, ४; नाया० १६;

दुम्मइ स्त्री० (दुर्मति) દુર્મતિ. दुर्मति; खराब बुद्धि वाला. Foolish, dull, evil-minded. दस० ५, २, ३६; (२) त्रि० દુષ્ટ બુદ્ધિવાલો. खराब बुद्धि वाला. evil-intellected. सूय० १, १, २, २१,

दुम्मण त्रि० (दुर्मनस्) ઇષ્ટ વિયોગાદિથી જેનું મન ખિન્ન થયેલું હોય તે इष्ट वियोगादि से जिसका मन खिन्न होगया हो. (One) dejected on account of separation from a desired object ठा० ३, २; पिं० नि० ४४६; दसा० ६, ४;

दुम्मणिय न० (दौर्मनस्य) દુષ્ટ મનોભાવ. दुष्टमनोभाव, खराब विचार Evil idea. दस० ६, ३, ८;

दुम्मारि . पुं० (दुर्मारि) દુષ્ટ મારી–મરકી. दुष्टमारी. An epidemic. प्रव० ४५०,

दुम्मुह पुं० (दुर्मुख) અંતગડ સૂત્રના ત્રીજા વર્ગના દશમા અધ્યયનનું નામ. अंतगड सूत्र के तीसरे वर्ग के दशवें अध्ययन का नाम Name of the 10th chapter of the 3rd section of Antagaḍa Sūtra अंत० ३, १०; (२) દ્વારકાના બલદેવ રાજાની ધારણી રાણીના પુત્ર કે જે નેમનાથ પ્રભુના પાસે દીક્ષા લઇ ચૌદ પૂર્વનો અભ્યાસ કરી; વીસ વરસની પ્રવજ્યા પાળી એક માસનો સંથારો કરી શત્રુંજય પર નિર્વાણપદ પામ્યા. द्वारिका के बलदेव राजा की रानी धारणी के पुत्र जिन्होंने नेमिनाथ प्रभु से दीक्षा ग्रहणकर चौदह पूर्व का अध्ययन कर बारह वर्षों की प्रवज्या पालकर, एक मास का संथारा कर शत्रुंजय पर निर्वाण पद प्राप्त किया. the son of the queen Dhārinī wife of the king Baladeva of Dvārika, who studying the 14 Pūrvas, remaining an ascetic for 12 years and fasting for a month on Śatruñjaya attained salvation अंत० ३, १०, (३) દુર્મુખ નામના પ્રત્યેક બુદ્ધ કે જેને ઇન્દ્રસ્તમ્ભની પલટાતી અવસ્થા ઉપરથી વૈરાગ્ય ઉત્પન્ન થયો હતો. दुर्मुख नामक प्रत्येक बुद्ध जिन्हें इन्द्रस्तम्भ की बदलती हुई अवस्था के कारण वैराग्य उत्पन्न हुआ था. Prateyaka Buddha (who attained salvation through the

knowledge of his own intuition) named Durmukha who was led to renouncement at seeing the changing condition of Indrastambha. उत्त० १८, ४५;

दुम्मेह. त्रि० (दुर्मेधस्) दुर्बुद्धि वाળो. दुर्बुद्धि वाला. Foolish; dull; blockhead. उत्त० १३, ७; विशे० ५५१;

दुय-अ. त्रि० (द्विक) બે. दो. Two. जं० प० ५, १२१; भग० ८, १; २०, ५; २१, ५;

दुय. न० (द्रुत) બત્રીશ પ્રકારના નાટકમાંના ૨૨ માં પ્રકારના નાટકનું નામ; જેમાં દ્રુત-ઉતાવળે ઉતાવળે નાચવામાં આવે તે નાટક. बत्तीस प्रकार के नाटकों में से बाईसवां नाटक जिसमें द्रुतगति से नाचा जाय. The 22nd drama of the 32 kinds in which quick dance is shown. राय० ६४; (२) ઉતાવળું ગાવું તે. जल्दी २ गाना. singing by quick. (३) ગાયનનો એક દોષ; આ દોષને શંકિતપણ કહે છે. गायनका एक दोष जिसे शंकितपन कहते हैं. a fault in singing called Śankita or shyness. अणुजो० १२८;

दुयं-य. अ० (द्रुतम्) જલદી;ઉતાવળથી. जल्दी से; शीघ्रता से. quickly; speedily. विशे० २०४८; पिं० नि० २०८; ओघ० नि० भा० २८७६;

दुयअ. त्रि० (द्विक) બે. दो. Two. "एवं दुयओ मेओ" भग० ८, १;

दुयग. त्रि० (द्विक) બે. दो. Two. भग० १२, १०; २०, ५;

दुयविलंबिय-त. पुं० न० (द्रुतविलम्बित) બત્રીશ નાટકમાંનું ચોવીશમું નાટક; જેમાં ઉતાવળે અને ધીમે બન્ને પ્રકારે નાચ્ય-નૃત્ય-કરવામાં આવે તે નાટક. बत्तीस नाटकों में से चौवीसवां नाटक कि जिसमें धीमे २ और जल्दी २ दोनों प्रकार का नृत्य किया जाता हो. The 24th of the 32 dramas in which both slow and quick dances are shown राय० ६४; ६३;

दुयावत्त. न० (द्विकावर्त्त) વિચ્છેદ ગયેલ બારમા દૃષ્ટિવાદ અંગના બીજાવિભાગ સૂત્રનો સત્તરમો ભેદ. विच्छेद गयेहुए १२ वें दृष्टिवाद अंग के दूसरे विभाग सूत्र का सत्रहवां भेद. the 17th variety of the 2nd Vibhāga Sūtra of the lost 12th Dristi Vāda Anga. नंदी० ५६;

दुयाह. न० (द्विकाह) બે દિવસ. दो दिन Two days. भग० ६, ५; १२, ७; दसा० ६, २;

दुरंत. त्रि० (दुरन्त-दुष्टोऽन्तो विनाशो यस्य) નઠારા પરિણામવાળું. दुष्परिणाम वाला. Evil ending. उत्त० १०, ६; भग० २, २; नाया० १६; पगह० १, २; दवा० २, ६५; भत्त० १५;

दुरक्ख. त्रि० (दूरक्ष) મુશ્કેલથી બચાવી શકાય તેવું. दुरंदय; जिसकी रक्षा कष्ट से हो सके वह. Difficult to protect. सु० च० ६, १०७;

दुरणुचर. त्रि० (दुरनुचर) દુઃખે આચરણ કરીશકાય તેવું; મુશ્કેલી ભર્યું. दुःख पूर्वक आचरण किया जाने वाला; कठिनता पूर्ण. Difficult to do; difficult. पंचा० १०, ४६; आया० १, ४, ४, १३७; ठा० ५, १; भग० ६, ३३; नाया० १;

दुरणुणेय. त्रि० (दुरनुनेय) ખરાબ સ્વભાવ વાળો. दुष्ट प्रकृति वाला. Bad-natured. दसा० ६, ४;

दुरणुपाल. त्रि० (दुरनुपाल) દુઃખેથી પાળી શકાય તેવું. कष्ट पूर्वक पालनीय. Difficult to practise. पंचा० १७, ४२; उत्त० २३, २७;

दुरतिक्कमणिज्ज. त्रि० (दुरतिक्रमणीय) દુઃખે ઉલ્લંઘન થઇ શકે તેવું દુર્લંઘ્ય; जिसे कठिनाई से पार किया जासके. Difficult to cross. नाया० ५;

दुरप्प. त्रि० (दुरात्मन्) દુષ્ટાત્મા; ખરાબ સ્વભાવવાળુ. दुष्टात्मा; खराब स्वभाव वाला. A wicked, bad-natured fellow. ओघ० नि० भा० २७;

दुरभिगंध त्रि० (दुरभिगन्ध) દુર્ગંધી, નઠારી વાસવાળું. दुर्गन्धी; बुरी बासवाला foul-smelling (२) पु० દુર્ગંધ; ખરાબ ગંધ दुर्गन्ध; खराब बास. foul-smell. भग० १, १; आया० १, ५, ६, १७०; नाया० ८, १२;

दुरवगाह त्रि० (दुरवगाह) દુઃખે પ્રવેશકરી શકાય તેવું कठिनाई से प्रवेश करने जैसा; वह जिसमें कष्ट पूर्वक प्रवेश किया जासके. Difficult to enter सम० १०;

दुरस त्रि० (दुरस-दुष्टो रसो यस्य) ખરાબ રસવાળું, રસહીન खराब रस वाला; रस हीन; नीरस. Having bad juice; juiceless, dry. भग० १, ७; ७, ६;

दुरसता स्त्री० (दूरसता) ખરાબ રસપણું विरसता; कदमता. Tastelessness; insipidity. भग० ६, ३; नाया० १२.

दुरहि. पु० (दुरभि) દુરભિગંધ નામકર્મ કે જેના ઉદયથી જીવ દુર્ગંધ પામે दुरभिगंध नामकर्म जिसके उदय से जीव दुर्गंध पावे A Nāma Karma named Durabhigandha at whose appearance a life becomes foul smelling. क० गं० १, ४१;

दुरहिगम. त्रि० (दुरधिगम दुःदुखेन अधिगमः प्राप्त यैस्यासौ) દુર્બોધ, મુશ્કેલીથી સમજાય તેવુ. कठिनाई से समझा जाने वाला. Difficult to understand. सम० १०; क० गं० ६, ६१;

दुरहिट्ठिय. त्रि० (दुरधिष्ठित) મુશ્કેલીથી સિદ્ધ થઇ શકે તેવું, દુસાધ્ય, कठिनाई से सिद्ध हो सकने वाला-दुःसाध्य; दुराराध्य. Difficult to accomplish. दस० ६, ४;

दुरहियास. त्रि० (दुरधिसह्य) દુઃખેકરી સહન થાય તેવું. दुःख से सहा जाने वाला. Borne with pain. उवा० २, १००; दसा० ६, १; राय० २८३; भग० ५, ६; ६, ३३; १५, १; सूय० २, २, ६७; नाया० १; ५; १६; जीवा० ३, १;

दुरहियासय. त्रि० (दुरधिसह्य) જુઓ "दुरहियास" શબ્દ. देखो "दुरहियास" शब्द. Vide "दुरहियास" सूय० १, ३, १, १७,

दुराराह. त्रि० (दुराराध्य) દુઃખે કરી આરાધી શકાય તેવું दुराराध्य; कठिनाई से जिसकी आराधना की जासके. Difficult to worship. कप्प० ४, १३२;

दुरालोइय त्रि० (दुरालोचित) બેદરકારીથી જોયેલુ असावधानी से देखा हुआ Seen inadvertantly. ओघ०नि० भा० २७४,

दुरासय. पुं० (दुराश्रय) ક્રોધના લીધે જેનો મુશ્કેલીથી આશ્રય થઇ શકે તે, અતિ પ્રચણ્ડ પ્રકૃતિ વાલો. जिसका आश्रय क्रोध के कारण कठिनाई से लिया जासके वह; अति उग्र स्वभाव वाला (One) whose shelter can be taken with difficulty for his anger, a very hot-tempered person. उत्त० १, १३; दस० ६,३३; पगह० १, ३;

दुरासय-अ. त्रि० (दुराशय) ઊંડા આશયવાલો; જેનો સામાન્ય બુદ્ધિથી થાહ (પાર) લઇ શકાય નહિ તે. गंभीर आशय वाला; जिसकी थाह सामान्य बुद्धि द्वारा न ली जासके (One) of a high motive; who

cannot be gauged by mens of ordinary intelligence. उत्त० ११, ३१; (२) અત્યન્ત દુઃખથી પણ સહન ન થાય તેવું अत्यन्त कष्ट से भी न सहा जाने वाला. that which cannot be endured even with great pain. दस० २, ६;

दुरिय. न० (दूरित) પાપ. पाप. Sin. प्रव० ३११, —दरी. स्त्री० (-दरी) દુરિત-પાપ-રૂપ ગુફા. दुरित-पाप रूप गुफा. a cave in the form of sins. भत्त० १२३;

दुरियारि. स्त्री० (दुरितारि) સંભવનાથજીની દેવીનું નામ. संभवनाथजी की देवी का नाम. Name of the wife of Sambhavanāthjī प्रव० ३७७;

दुरुक्क. न० (*दुरुक्क) થોડુ, થોડુ પીસેલું; થુલું. कुछ कुछ पीसा हुआ; थूली. Ground a little; whole-wheat. आया० २, १, ८, ४५;

दुरुत्त त्रि० (द्विरुक्त) બે બેખત ઉચ્ચાર કરેલું; પુનરુક્ત दो बार बोला हुआ; पु रुक्त, Repeated twice पिं०नि० १३३;

दुरुत्तर. त्रि० (दुरुत्तर=दुस्तर) દુઃખેકરી તરીશકાય તેવું; દુસ્તર; દુર્લંઘ્ય कठिनाई से पार किया जाने वाला, दुस्तर; दुर्लंघ्य Difficult to cross or swim. नाया० १; दस० ६, ६६; ६, २, २४, उत्त० ५, १; सूय० १, ३, २, १;

दुरुद्धर त्रि० (दुरुद्धर) દુઃખે નીકળે તેવો. दुःख से निकलने वाला. Difficult to take out सूय० १, २, २, ११;

दुरुस्सास. पुं० (दुरुच्छ्वास) દુષ્ટ ઉશ્વાસ; દુર્વિચાર. दुष्ट उश्वास; दुर्विचार. Foul breath; bad thought. नाया० १;

दुरूढ. त्रि० (आरूढ) આરૂઢ થયેલો, ચઢેલો. आरूढ; चढा हुआ. Mounted; riding. ओव० ३१, भग० ७, ६, ६, ३३; १२, २; १५, १; १६, ६; नाया० १; ३;५;८;६;१६; पिं० नि० ५८४; राय० ३८;

दुरूय. न० (दूरूप) બેડોળ રૂપ बेडोल या भद्दा रूप. Ugly form. नाया० १, ८;

दुरूव. न०(दूरूप) ખરાબ રૂપ; બેડોલ. कुत्सितरूप; बेडौलपन. Ugliness; deformity. भग० १, ७; ७, ६; दसा० १०, ७; ठा० १, १; नाया० १२;

दुरूव. त्रि० (द्विरूप) બે રૂપ, બેની સંખ્યા. दोरूप; दो की संख्या. Biform; the number 2. जं० प० २, ३६; अणुजो० ६७, विशे० १६२;—अहिय. त्रि० (-अधिक) બે અધિક. दो और, दो अधिक two more. भग० १३, ४;

दुरूवत्ता. स्त्री० (दूरूपता) બેડોલ પણું. भद्दापन; कुरूपता. Akwardness; ugliness. नाया० १२; भग० ६, ३, ७, १०;

दुरूवसंभव. त्रि० (दूरूपसम्भव) દુરૂપ-પચેન્દ્રિયના મલ મૂત્રાદિ તેને વિષે ઉત્પન્ન થતા જીવ. दुरूप-पंचेन्द्रिय के मलमूत्रादि से उत्पन्न होने वाले जीव Living beings born form the excretions of a five-sensed living being. सूय० २, ३, २८;

√दुरूह. धा० I, II. (दुर् + रूह्) ઉપર ચઢવું; સ્વાર થવું. ऊपर चढ़ना, सवार होना. To ascend; to mount;

दुरूहइ जं० प० ५, ११७, भग० ७, ६; १६, ६; नाया० १; १४; १६; १६: जं० प० निसी० १२, १३, १८, १: विवा० ३; राय० ६७; उवा०१, ६१;

दुरूहंति. नाया० १, ३; ५; ८; १६; ओव० ३३; जं० प० ५, ११२;

दुरूहामि. उवा० २, १०८;

दुरूहह. आ० भग० १५, २;

दुरूहेह. आ० भग० १५, १;

दुरूहित्ता. सं० कृ० पन्न० १७; भग० २, १; नाया० १, १२; १६, ज० प० ५, ११७, ११२;
दुरुहिहेत्ता भग० ७, ६; ६, ३३; १२, १; १५, १; १८, २; नाया० १, १४;
दुरूहमाण व०कृ०दस०५,१,६८,भग०१६,६;
दुरूहिया. सूय० १, १, २, ३१,

दुरोवणीश्र त्रि० (दुरुपनीत) દુષ્ટ રીતે અસંગત પણે ઉપનય મેલવવો તે, સાધ્યને અનુપયોગી ઉદાહરણ આપવું તે. दुष्ट रीति से उपनय मिलाने का कार्य, साध्य को अनुपयोगी उदाहरण देने का कार्य. Obtaining application to the special case of an inference in a fallicious way. ठा० ४, ३,

दुल्लह त्रि० (दुर्लभ) દુર્લભ. दुर्लभ Difficult to be attained. भत्त० ७१, प्रव० ८१३;

दुल्लघ त्रि० (दुर्लंघ.) દુ:ખે કરી ઉલ્લંઘાય એવું दुर्लंघनीय. Difficult to transgress. सु०च० १५, १६०;

दुल्लभ. त्रि० (दुर्लभ) દુર્લભ-દુ:ખે મળે તેવું कठिनाई से प्राप्त होने वाला, दुर्लभ. Hard to get; inaccessible उत्त० ८, १५, पिं० नि० ३२२; —**बोहि.** त्रि० (-बोधि) જુઓ "दुल्लभबोहिश्र" શબ્દ देखो "दुल्लभबोहिश्र" शब्द vide "दुल्लभबोहिश्र" भग० ३, १; —**बोहिश्र-य** त्रि० (-बोधिक) મુશ્કેલીથી બોધ પામે તેવો. कठिनाई से समझने वाला. (one) who understands with difficulty, dull दसा० १०, ३; राय० ७६;

दुल्लभय. त्रि० (दुर्लभक) દુર્લભ; મુશ્કેલ, દુષ્પ્રાપ્ય. दुर्लभ.दुष्प्राप्य. Inaccessible; difficult to get. उत्त० १०, २०,

दुल्लह त्रि०(दुर्लभ) જુઓ "दुल्लभ" શબ્દ देखो "दुल्लभ" शब्द. Vide "दुल्लभ" जं० प० ३, ५६; श्राया० २, ५, ३, १५४; उत्त० ३, १; १०,४, भग० ७, १; ६, ३३, नाया० १; २; पिं० नि० ३१६, सु० च० १, ११६; सू० प० २०; दस० ४, २६; ५, १, १००, भत्त० ३; गच्छा० ६२, पंचा० ६, ४४; १५, ३८;

दुवरण. पु० (दुर्वर्ण) ખરાબરંગ. कुवर्ण; खराब रंग Bad colour. भग० ७, ६; जं० प० २, ३६;

दुवरणता स्त्री० (दुर्वर्णता) દુષ્ટવર્ણ (રંગ) પણું कुरूपता, बदसूरती. Ugliness; the quality of having bad colour. भग०६, ३;

दुवय पु० (द्रुपद) દ્રુપદ નામનો પાંચાલ દેશનો રાજા द्रुपद नामक पांचाल देश का राजा. The king of the Pāñchāla country named Drupada नाया० १६;

दुवामतर त्रि० (दुर्वाम्यतर) અતિ મુશ્કેલીથી વમવા-તજવા યોગ્ય कठिनाई से त्याज्य Difficult to be abandoned. भग० ६, १,

दुवार. न० (द्वार) દ્વાર-બારણું, દરવાજા. द्वार; फाटक; दरवाजा. A door, a gate भग० २, ५; ३, १; नाया० १; ५; ८; १६, १८; वेय० १, १०; १४; विवा० ३; ७, ६, जं० प० राय० ५८, प्रव० ६३८; ६७६; ८७६; कप्प० ४, ६७, ५, ६६, —**वयण.** न० (-वदन) દરવાજાના કમાડ. दरवाजे के फाटक panel of a door. भग० १३, ४; १५, १.

दुवारा स्त्री० (द्वारा) બારણું; નાની બારી दर्वाजा, छोटी खिड़की. A door; a small window. भग० १३, ४;

दुवारिय. पु० (दौवारिक) દ્વારપાલ;દરવાન

द्वारपाल; दरवान; ड्योढीवान्. A door-keeper.; a warder. निसी० ६, ६; —भत्त न० (-भक्त) द्वारपालने माटेनुं भोजन. द्वारपाल का भोजन. the food for a door-keeper. निसी० ६, ६;

दुवारिया स्त्री०(द्वारिका) नानी बारी. छोटी खिड़की. A small window. आया०२, १, २, १३;

दुवालस त्रि० (द्वादश) बार; दश अने बे. बारह; दश और दो; १२. Twelve. ज० प०१, १२०, ५, ११६; अणुजो० ४२; १३४; भग० २, १; ३, २; ५, १; ६, ८; ८, १; ५; ११, ११; १८, २; १०; २५, ७; नाया० १: ४; ५; १६; नंदी० ४०; पन्न० १; ववृ० ८, १४; सू० प० १; उवा० १, १२; प्रव० ३१; —अंग. न० (-अङ्ग) आचारांग आदि बारअंग सूत्रो आचारांग आदि बारह अंग. the 12 Aṅga Sūtras viz. Āchārāṅga etc. सम० १; भग० १६, ६; २०, ८; २५, ३; ४२, १; कप्प०८; —अंगि. त्री० (-अङ्गिन्) आचारांग सूयगडांग (सूत्र कृतांग) वगेरे बारअंग सूत्रो (शास्त्र) ना धरनारा; अंग शास्त्रवेत्ता. आचारांग, सूत्रकृतांग आदि बारह अंगसूत्रों को धारण करने वाला; अंगशास्त्र वेत्ता. (one) well versed in the Aṅga scriptures; (one) who bears upon himself the 12 Aṅga Sūtras viz. Āchārāṅga, Sūtrakritāṅga etc. ओव० १६; चउ० ३३; —अंसिअ. त्रि० (-अंशिक) बार खुणावाळुं. बारह कोने वाला. dodecagon. ठा० ८, १; —आवत्त. पुं० (-आवर्त) इच्छामि खमासणानी वन्दनामां बार आवर्तन आपवा ते. इच्छामि खमासणा की वन्दना में बारह आवर्तों का देना. offering 12 rounds in the salutation of Ichchhāmi etc. सम० १२; —मुहुत्त. न० (-मुहूर्त) बार मुहूर्त. बारह मुहूर्त. twelve Muhūrtas (one Muhūrta=48 minutes). जं० प० ७, १३४; —वास. न० (-वर्ष) बार वर्ष. बारह वर्ष. twelve years. नाया० १२;

दुवालसम त्रि० (द्वादशम) बारमो. बारहवां. Twelfth. ठा० ६, १; नाया० १; (२) न० पांच उपवास भेगा करवा ते. पांच उपवास एक साथ करना observing five fasts together. भग० २५, ७; नाया० ८;

दुवालसविह. त्रि० (द्वादशविध) बार प्रकारनुं. बारह तरहका. Of twelve kinds. सम० १२; विवा० १; निर० ३, ३; नाया० १२; प्रव० ४६६;

दुवालसहा. अ० (द्वादशधा.) बार प्रकारे. बारह प्रकारसे. In twelve ways. सु० च० १५, ७०;

दुवासपरियाय. पुं० (द्विवर्षपर्याय) बे वर्षनो पर्याय. दो वर्ष की पर्याय. A modification of two years. नाया० ८;

दुविचिंतिअ त्रि० (दुर्विचिन्तित) दुष्ट चिंतवना करेल. दुष्ट चिंतन किया हुआ. (One) having thought evil. आव० १, ४;

दुविट्ठ. पुं० (द्विपृष्ट) द्विपृष्ट—आवती चोवीसीना भरत क्षेत्रना आठमां वासुदेव. आगामी चौबीसी के भरत क्षेत्र के आठवें वासुदेव. The 8th Vāsudeva of Bharata of the coming cycle. सम० प० २४२; प्रव० १२२६; (२) चालु चोवीसीना बीजा वासुदेवनुं नाम. प्रचलित चौबी-

सीकें दूसर वासूदेव का नाम. the 2nd Vāsudeva of the present cycle

दुविध. त्रि० (द्विविध) બે પ્રકારનું. दो प्रकार का. Of two kinds. सम० २;

दुविह त्रि० (द्विविध) બે પ્રકારનું. दो तरह का. Of two kinds. भग० १, १; २; ९, १; ५, ३; ७, ७, १६, ६; १८, १०; पिं० नि० भा० १६, अणुजो० ठा० २, १; नाया० ५; उवा० १, ४१; क० गं० १, १३, १७; ५७, कप्प० ५, १४५; पंना० १, १३; ६,३६,१६, ८; क० प० २, ३५; भत्त० १०; जं० प० ५, ११४,७,१५२, १३२;—**पगइ.** त्रि० (-प्रकृति) બે પ્રકારની પ્રકૃતિ. दो तरह की प्रकृति. two kinds of nature of matter क० प० १, १०१; —**पमाण** न० (-प्रमाण) બે પ્રકારના પ્રમાણ. दो तरह के प्रमाण authorities or measures of two kinds क० प० २, ४७;

दुवीस स्त्री० (द्वाविंशति) બાવીસ बाईस-२२. twenty two. क० गं० १, ३२; २, ११; —**सय.** न० (-शत) એકસો ને બાવીસ. १२२; एकसौ बाईस. one hundred and twenty two. क० गं० २, १३; २६;

दुव्वन्न. त्रि० (दुर्व्रत) નઠારાં આચરણ કરનાર; માઠા વ્રત આચરનાર. बुरे आचरण वाला, बुरे व्रत करने वाला Immoral; (one) undergoing evil practices उवा०१०,२७७,ठा०४,३,दसा०६,४;

दुव्वन्न. त्रि० (दुर्वर्ण) ખરાબ દેખાવવાળું. बुरी आकृति वाला Bad-coloured; ugly. पिं०नि० ३२७; ४१४; भग० १, ७;

दुव्वयण. न० (दुर्वचन) ખરાબ વચન. दुष्ट शब्द, बुरा बोल. Bad words; slander, abuse. विशे० ५२०;

दुव्वसु. त्रि० (दुर्वसु) વસુ-ભવ્ય-મોક્ષ જવાને યોગ્ય-દુ-દુષ્ટ-વસુ-અર્થાત અભવ્ય. अभव्य. Not fit for attaining salvation. आया० १, २, ६, १४०;

दुव्वह. त्रि० (दुर्वह) દુઃખેથી વહન કરવા યોગ્ય कष्ट सह्य; कठिनाई से सहा जाने वाला. Difficult to be borne or crried. उत्त० १६, ३५;

दुव्वा स्त्री० (दूर्वा) ધ્રો; વનસ્પતિ વિશેષ. दुर्वा, दुब, वनस्पति विशेष. Green grass, a kind of vegetation. विशे० १७७४,

दुव्वाइ. त्रि० (दुर्वादिन्) ખરાબ બોલનાર; અપ્રિય-વક્તા. खराब बोलने वाला; अप्रिय वक्ता. A Slanderer दसा० ६, २,३;

दुव्विभावत्त न० (दुर्विभावित्व) દુર્લક્ષ્યપણું दुर्लक्ष्यता; असावधानी. Carelessness. विशे० २६६,

दुव्वियड. त्रि० (दुर्विवृत) વસ્ત્રવિનાનો; નગ્ન वस्त्र विहीन; नग्न. Nude; naked, ठा० ५, २;

दुव्वियड्ढ. त्रि० (दुर्विदग्ध) દાઝેલો; અર્ધ દગ્ધ. बुरी तरह से विदग्धः अर्धदग्ध. Badly burnt; half burnt. नंदी० स्थ० ४५; पण्ह० १, ३;

दुव्विसह. त्रि० (दुर्विषह) મુશ્કેલીથી સહન કરવું તે. कठिनाई से सहन करना. Bearing with difficulty. भग० ७, ६; जं० प० २, ३६;

दुव्विसोज्झ त्रि० (दुर्विशोध्य) દુઃખે શુદ્ધિ કરી શકાય તેવું. जिसकी शुद्धि कठिनाई से हो सके वह. Difficult to be purified. पंचा० १७, ४२;

दुव्वुट्ठि. स्त्री० (दुर्वृष्टि) ખરાબ વૃષ્ટી, માવઠું. खराब वृष्टि, मावठा untimely rain. भग० ३, ७;

दुसचार. त्रि० (दुःसंचार) મુશ્કેલીથી ચાલી શકાય તેવું. कठिनाई से चलने योग्य. Difficult to walk; untractable दसा० १०, ५;

दुसराणप्प. त्रि० (दुःसंज्ञाप्य) દુઃખે કરી સમજાવવા યોગ્ય. मुश्किल से समझाया जाने वाला Difficult to be explained. ठा० ३, ४; वेय० ४, ७;

दुसम. पुं० (दुष्षम) અવસર્પિણી કાલનો પાંચમો આરો અને ઉત્સર્પિણી કાલનો બીજો આરો. अवसर्पिणी काल का पाचवा और उत्सर्पिणी का दूसरा आरा. The fifth Ārā (part of cycle of time) of the decreasing and second of the increasing aeon भग० ६, ७; प्रव० ४०६, १०४८;

दुसमदुसमा स्त्री० (दुष्षमदुष्षमा) અવસર્પિણીનો છઠ્ઠો આરો અને ઉત્સર્પિણી કાલનો પહેલો આરો अवसर्पिणी का छठा आरा और उत्सर्पिणी काल का पहिला आरा. The first Ārā of the increasing and the sixth of the decreasing aeon ठा० १, १, भग० ६, ७;

दुसमदुसमाअ. त्रि० (दुष्षमदुष्षमाज) એકાંત દુઃખમાં દુઃખ છે જેમાં એવા છઠ્ઠા આરામાં જન્મેલ. जिसमें एकान्त दुःख है ऐसे छठे आरे में उत्पन्न. Born in the sixth Ārā which is totally full of pain अणुजो० १३१,

दुसमय-अ. पुं० (द्विसमय) બે સમય. दो समय. Two samayas (an indivisible measure of time) पन्न० १, —सिद्ध. पुं० (-सिद्ध) જેને સિદ્ધ થયે બે સમય થયા હોય તે जिसे सिद्ध होने को दो समय हुए हों वह. (one) for whom two Saamayas have elapsed to become a Siddha पन्न० १;

दुसमसुसमा. स्त्री० (दुष्षमसुषमा) ચોથા આરાનું નામ જેમાં દુઃખ ઘણું અને સુખ થોડું હોય એવો કાળ. चोथे आरे का नाम, जिस काल में दुःख बहुत और सुख थोडा हो Name of the fourth Ārā where happiness is little while pain is great भग० ६, ७; कप्प० १, २;

दुसमाअ. त्रि० (दुष्षमज) જેમાં એકલુ દુઃખ છે એવા પાંચમાં આરામાં જન્મેલ. जिसमें केवल दुःख ही है ऐसे पांचवें आरे में उत्पन्न. (One) born in the fifth Ārā wherein there is merely pain अणुजो० १३१;

दुस्संबोह त्रि० (दुःसंबोध) દુઃખેકરી બોધ પમાડી શકાય તેવો. कष्ट से अनुभव कराया जा सके ऐसा (One) difficult to be advised. आया० १, १, २, १४;

दुस्समस्सदुमाकाल पु० (दुष्षमदुष्षमाकाल) અવસર્પિણીનો છઠ્ઠો આરો અને ઉત્સર્પિણીનો પહેલો આરો अवसर्पिणी का छठा और उत्सर्पिणी का पहिला आरा The first Ārā of the increasing and the sixth of the decreasing aeon. भग० २५, ६;

दुस्समसुस्समाकाल. पुं० (दुष्षमसुषमाकाल) અવસર્પિણી કાલનો ચોથો આરો અને ઉત્સર્પિણી કાલનો ત્રીજો આરો. अवसर्पिणी काल का चौथा और उत्सर्पिणी काल का तीसरा आरा The third Ārā (part of a cycle of time) of the increasing and the fourth of the decreasing aeon. भग० २५, ६;

दुस्समाओद्देसय पुं० (दुष्षमोद्देशक)

ભગવતી સૂત્રના એક ઉદ્દેશાનું નામ. भगवती सूत्र के एक उद्देशा का नाम. Name of a chapter of the Bhagavati Sūtra. भग० ८, ६;

दुस्समाकाल. पुं० (दुष्षमाकाल) અવસર્પિણી કાલના પાંચમા આરાનુ અને ઉત્સર્પિણીના બીજા આરાનુ નામ अवसर्पिणी काल के पांचवें तथा उत्सर्पिणी के दूसरे आरे का नाम. Name of the 2nd Ārā (a part of cycle of time) of the increasing and the fifth of the decreasing aeon भग० २५, ६;

दुस्सर. पुं० (दुःस्वर) નામકર્મની એક પ્રકૃતિ કે જેના ઉદયથી જીવ કઠોર સ્વર પામે जिस प्रकृति के उदय से जीव कठोर स्वर वाला बने वह नाम कर्म की एक प्रकृति. A nature of Nāma Karma by the maturity of which a being becomes harsh-toned सम० २८; पन्न० २३, क० गं० १, २२;

दुस्सविणअ पुं० (दुःस्वप्नक) દુષ્ટ સ્વપ્ન दुष्ट स्वप्न, बुरा स्वप्न An evil dream. प्रव० ७६०;

दुस्सह. त्रि० (दुःसह) મુશ્કેલીથી સહન થાય તેવું दुस्सह, कठिनाइ से सहने योग्य Difficult to be borne नाया० ११, भग० ६, ३२; दस० ३, १४, भत्त० ०१०;

दुस्साहड. त्रि० (दुःसंहत) દુઃખે કરી મેલવેલું. दुःख से प्राप्त Obtained with difficulty. उत्त० ७, ८,

दुस्सिज्जा स्त्री० (दुःशय्या) દૂષિત શય્યા. दूषित शय्या, अपवित्र बिछौना Polluted bed; unholy bed दस० ८, २७;

दुस्सील. त्रि० (दुःशील) ખરાબ સ્વભાવ વાળો. खराब स्वभाव वाला Evil natured (२) दुराचारी दुराचारी immoral उत्त० १, ४, दसा० ६, ४, सु० च० ४, १००; तंदु० गच्छा० १८;

दुस्सील. न० (दुःशील्य) ખરાબ સ્વભાવ. दुष्ट स्वभाव; खराब स्वभाव. Evil nature. उत्त० १, ५;

दुस्सीस पुं० (दुःशिष्य) દુષ્ટ શિષ્ય. दुष्ट शिष्य A bad disciple. उत्त० २७, ८,

दुस्सेज्जा. स्त्री० (दुःशय्या) દુષ્ટ વસતિ; દુઃખદાયક મકાન. दुष्ट बस्ती; दुःख दायक मकान A troublesome residence. भग० १६, २;

√दुह. धा० I (द्रुह्) દ્રોહ-ઈર્ષ્યા કરવી. द्रोह करना; ईर्षा करना. To be jealous; to envy.

दुहति-भग० २, १;

दुह. न० (दुःख) દુઃખ. પીડા. दुःख, पीडा; कष्ट. Pain distress ओव० ३४; नाया० ३; ७, भग० १, १; ६, १०; दस० ६, २, ५; विवा० १, उवा० २, ६५; प्रव० ४४४. भत्त० १०८, —**गण** पुं० (-गण) દુઃખનો સમૂહ दुःख का समूह. an aggregate of pain. नाया० १७, —**ट्ट** त्रि० (-आर्त) દુઃખી; આર્તધ્યાની. दुःखी; आर्तध्यान वाला. troubled; distressed नाया० १; १३; १६; १६; —**ट्टिअ** त्रि० (-आर्तिक) દુઃખથી આર્તપીડાએલ दुःख से आर्त-पीडित. troubled उत्त० २, ३२, —**त्त.** त्रि० (-आर्त) દુઃખથી પીડિત दुःख से पीडित distressed नाया० ६; —**फासत्ता** स्त्री० (-स्पर्शता) દુઃખ દાયક સ્પર્શપણું. दुःख दायक स्पर्श का भाव. a painful tactual state नाया० १२; —**विमोयणतरय** न० (-विमोचनतर) દુઃખથી એકદમ છુટવું તે एकाएक दुःखसे मुक्त होना. sudden deliverance from pain

भग० १४, २; —विवाग. पुं० (-विपाक) દુ:ખ રૂપે વિપાક. दुःख रूप विपाक-परिणाम. result ending in sorrow. विवा० १;—वेदणतरय. न० (-वेदनतर) દુઃખરૂપી વેદના ભોગવી તે. दुःख रूपी वेदनाओं कों भोगना. experiencing the painful sensation. भग० १४, २;—समुच्चिय· त्रि० (-समुचित) દુઃખને યોગ્ય. दुःख के योग्य; fit for pain. भग०६,३३;—सिसेज्जा. स्त्री० (-शय्या) દુઃખદાયક વસતિ. दुःख दायक वसति-वस्ती. a troublesome residence. आया० २, १६, ६; ठा० ४, ३; —हश्र त्रि० (-हत) દુઃખથી હણાયેલ दुःख का मारा हुआ. troubled; struck by sorrow. नाया० ७;

दुहश्र. पुं० (दुर्भग) દૌર્ભાગ્ય; કમનશીબ. दुर्भाग्य, कमनसीब. misfortune; wretchedness. दस०७,१४;—चउक्क. न० (-चतुष्क) દુભગનામ દુસ્વરનામ અનાદેયનામ અને અજસોકીર્તિનામ એ નામકર્મની ચાર પ્રકૃતિનો સમૂહ. दुभगनाम, दु.स्वरनाम, अनादेयनाम, और अजसोकीर्तिनाम, इन नामों की चार प्रकृतियो का समूह. a group of the four natures of Karmic matter viz. Dubhaga Nāma, Duhsvara Nāma, Anādeya Nāma and Ajasokīrti Nāma क० प० ४, ६२;

दुहश्र त्रि० (उभय) બન્ને; બે. दोनों, दो. Both, two भग० ३, १, ५;

दुहश्रो. अ० (द्विधा+तस्) બે તરફથી. दो ओरसे. On two sides. नाया० १४; सु० २, ५; ३, १; ४, ५; १३, ४, १६, ६; १८, ८; २५, ३, ३४, १; आया० १, ३, ३, ११६; १, ७, ३, ३, २०६; सूय० १, १, १, १६; दस० १, ११, २; ६, २, २२; उत्त० ५, १०; ६, २३, ६, ५४; वेय० १, ३६; २, १५; वव० ८, १०; पगह० २, २; जं० प० राय० ८१; २५४; —अणंतश्र· त्रि० (-अनन्तक) બે પ્રકારે લંબાઇ પહોળાઇમાં અનન્ત लम्बाई चौडाईमें दो तरह से अनन्त. enfinite in two ways that is in langth and breadth. ठा० ५, ३;

दुहश्रोवत्त· पुं० (द्विधावृत्त) બે ઇન્દ્રિયવાલો જીવ. दो इन्द्रियवाला जीव. Two sensed living being. पन्न० १;

दुहग. न० (दुर्भग) દુર્ભાગ્યનામ; નામકર્મની એક પ્રકૃતિ જેના ઉદયથી જીવ દુર્ભાગ્ય પામે છે दुर्भाग्यनाम; नामकर्म की एक प्रकृति जिस के उदय होने से जीव दुखी होता है. A nature of Nāma Karma named Durbhāgya at whose appearance a life becomes unhappy. क० गं० २, १६; —तिग. न० (-त्रिक) દુભગ દુઃસ્વર અને અનાદેય એ નામકર્મની ત્રણ પ્રકૃતિનો સમૂહ. नामकर्म की दुभग, दुःस्वर और अनादेय नामक तीन तरह की प्रकृतियोंका समूह.an aggregate of the 3 natures of Nāma-Karma viz. Dubhaga, Duhsvara and Anādeya Nāma. क० गं० २; ४,

दुहट्ट· त्रि० (दुर्घट) દુર્ઘટ; કઠિન. दुर्घट; कठिन; दुष्कर Difficult; hard. नाया० ८;

दुहण. पुं० (द्रुघण) મુદ્ગર વિશેષ; કસરતનું એક સાધન. मुद्गर विशेष; व्यायाम का एक साधन. A club; a particular appliance of exercise भग० १६, ३; पगह० १, १;

दुहतो. अ० (द्विधातस्) બન્ને તરફથી दोनों ओर से. On both sides. सू० प० १०;

दुहदुह. पुं० (दुहदुह) દુહ દુહ શબ્દ કરવો તે. दुह दुह आवाज करना. Saying " Duha Duha " जीवा० ३, ४;

दुहा. अ० (द्विधा) બે પ્રકારે. दो प्रकार से; दो तरह से. In two ways भग० १, १०; ८, ३; १२, ४; सूय० १, ८, १, पिं० नि० ८६; १६७; जं० प० क० प० ४, ३०, क० गं० १, १२; ५२; ५, ५, —**किज्जमाण** त्रि० (-क्रियमाण) બે ભાગ કરાતા दो भाग कराता हुआ bisected. भग०१,१०; —**विभज्जमाण.** त्रि० (-विभज्यमान) બે ભાગે ભંગાતું વ્હેંચાતુ दो भागों में विभाजित होने वाला, बटने वाला. that which is being divided or distributed into two parts. भग० ३, २;

दुहावह त्रि० (दुःखावह) દુઃખદાયક. दु:ख देने या बुलाने वाला. Painful. सूय० १, २, २, १०; उत्त० १३, १६;

दुहिय त्रि० (दुःखित) દુઃખી; શોકગ્રસ્ત; પીડિત. दुःखी; शोकग्रस्त, पीडित. Distressed; sorrowful; vexed उत्त० ६, १०; भग० १, ७, नाया० २; १६; सु० च० १, १०७, २, ४२३;

दुहिअ त्रि० (दुग्ध) દોહેલ दुहा हुआ; दूध निकाला हुआ. Milked. विवा० १;

दुहिया स्त्री० (दुहितृ) કન્યા; દીકરી कन्या; लड़की, दुहिता. Daughter. गच्छा० ८४; सु० च० १, ६८;

दुहिल त्रि० (द्रोग्धृ) દ્રોહ કરનાર; દ્રોહી. द्रोह करने वाला; द्रोही. A hater. उत्त०११,६;

√दू धा० I (दु) વિહાર કરવો; વિચરવું. विहार करना; विचरना. To wander, to roam.

दूइज्जइ. निसी० २, ४२; १०, ४५; वेय० ४, २८; ओघ० नि० ११५;

दूइज्जित्ता. स० कृ० सूय० २, ७, १४;

दूइज्जितए. हे० कृ० वेय० ४, २५; ५, १६; ठा० ५, २;

दूइज्जंत. व० कृ० ओव० २१;

दूइज्जमाण. व० कृ० नाया० १; भग० २, ५; ओव० १०; आया० १, ८, ४, १५६; २, १, १, ४; भग० १, १, ३, २, ८, ६, ६, ३३; १२, ६; १५, १; १८, १०; नाया० १; २६, १६, निसी० २; ३६; सूय० १, २, २, १६;

दुज्जन्तु क० वा० पराह० १, २;

दूइपलास. न० (दूतिपलाश) વાણિજ્ય નગરની બહારનું એ નામનુ એક ઉદ્યાન. इस नाम का वाणिज्य नगर के बाहर का एक उद्यान A garden so named outside the Vāṇijya city उवा० १, ८६; भग० ६, ३२; विवा० २;

दूइपलासय. पुं० (दूतिपलाशक) વાણિજ્ય નગરની બાહેરનો દુતિપલાશક નામનો બગીચો. वाणिज्य नगर के बाहर का दूतिपलाशक नामक बगीचा. A garden of this name outside Vāṇijya city. भग० १०, ४; १८, १०, उवा० १, ३; २;

दूई. स्त्री० (दूती) જાસૂસ સ્ત્રી जासूस स्त्री; दूती. A female spy. प्रव० ५७४; (२) ઉપાયણાના ૧૬ દોષમાંનો બીજો દોષ उपायणा के १६ दोषों में से दूसरा दोष. the 2nd of the 16 faults of Upāyaṇa पिं०नि० ४०८; —**पिंड.** पुं० (-पिण्ड) ગૃહસ્થનો સ દેશો પહોંચાડી આહાર લેવો તે; ૧૬ દોષમાંનો બીજો દોષ. गृहस्थ का संदेशा पहुचाकर भोजन प्राप्त करने का क्रम उपायणा के १६ दोषों मे से दूसरा

दोष. obtaining food by conveying a message; the second of the 16 faults of Upāyaṇā. निसी० १३; ४६; ५२: आया० २, १, १, ६;

दूत पुं० (दूत) सन्देशो पहोंचाडनार; दूत. सन्देश पहुंचाने वाला; दूत. Envoy; messenger. पराह० १, ३; आव०

दूती स्त्री० (दूती) सन्देशो आपनारी स्त्री. सन्देशवाहक स्त्री. A female messenger. पचा० १३, १८;

दूभग. न० (दूर्भग) जुओ " दुभग " शब्द. देखो " दुभग " शब्द. Vide " दुभग " प्रव० १२७६;

दूभग्गसत्ता स्त्री० (दुर्भगसत्वा-दुर्भगः सत्वो गर्भे यस्याः सा तथा) दुर्भागी बालकने जन्म आपनार स्त्री. अभागे शिशु को जन्म देने वाली स्त्री. A female who gives birth to a wretched baby. नाया० १६;

√**दूम.** धा० I, II. (दु) दुःखी करवुं. दुखी करना. To give pain.

दूमइ. सु० च० १, ६१;

दूमग. त्रि० (दावक) दुःख करनार. दुःख करने वाला. Sorrowful, unhappy. पराह० १, ३;

दूमण न० (दवन) दुःखी करवुं ते. दुःखी बनाना. Making one unhappy पराह० १, ३;

दूमण. न० (*) धोलुं करवुं ते. सफेद या श्वेतबनाना. Whitening पराह०१,३;

दूमण. त्रि० (दुर्मनस्) दुष्ट मन वालो दुष्ट मन वाला. An evil-minded fellow. "जे दूमण तेहिणोणया" सूय०१,१, २,२७;

दूमिअ. त्रि० (दावित) दुःखी थयेल दुःखी बना हुआ. Unhappy. सु० च० १, १२०; ६१०;

दूमिय. त्रि० (*) धोलुं करेल. सफेद किया हुआ. Whitened. सू० प० २०; भग० ११, ११; नाया० १; कप्प० ३, ३२; प्रव० ८८०; (२) बलेल; दाझेल. दग्ध; जला हुआ. burnt. विशे० १३०७;

दूम्मण त्रि० (दुर्मनस्क) व्यग्र; व्याकुल. व्यग्र. व्याकुल; विकल. Anxious; eager, agitated. कप्प० ३, ३८;

दूय पुं० (दूत) सन्देशो पहोंचाडनार; दूत. संदेशा लेजाने वाला. A messenger. नाया० १, ८; १६; भग० ७, ९; राय० २५३; कप्प० ४, ६३; —**कम्म.** न० (-कर्म) जुओ " दुईपिंड " शब्द देखो " दुईपिंड " शब्द. Vide " दुईपिंड " उत्त० टी०२४, १२;

दूयग. पुं० (दूतक) दूत दूत; एलची; चर. A messenger; an ambassador; a spy. नाया० ८;

दूर त्रि० (दूर) दूर; छेडे; आघे दूर; आगे; दूरीपर. Yonder; at a distance. नाया० १; ४; भग० २, १; ५, ४; ८, ८; राय० २७४; पन्न० २; सूय०१, १, २, १६; ओव० २७; गच्छा० १०३; प्रव० ७१७; (२) पुं० छेडे आवेल मोक्ष दूर गया हुआ मोक्ष the salvation gone to a distance जं०प०१७,१३६; सूय०१,२,२, ५; —**आलइय.** त्रि० (-आलयिक) मोक्षगामी मोक्ष गामी; मुक्ति प्राप्त करने वाला. (one) destined to salvation. आया० १, ३,३, ११८, —**उज्झिय.** त्रि० (-उज्झित) दूरथी तजेल दूरसे त्यागा हुआ-छोड़ाहुआ.abandoned at a distance. गच्छा० ५७; —**गइ.** स्त्री० (-गति) ऊंची गति. ऊँची गति. high state. भग०२,५; —**गइय.** त्रि० (-गतिक) सौधर्म आदि विमानमां जनार सौधर्म आदि विमानों में

जाने वाला. destined to go to the celestial abode nemed Saudharma ठा० ८; —गत. त्रि० (-गत) આગે ગયેલ. आगे गया हुआ; दूर पहुंचा हुआ. gone farther. भग०७, १०; —पाय. त्रि० (-पात) દૂરથી પડેલ दूरसे गिरा हुआ. fallen from afar पराह० १, ३; —सुव्वत. त्रि० (-श्रूयमाण) દૂરથી સંભળાતુ दूरसे सुनाई पडने वाला. heard from a distance पराह० १, ३;

दूरओ. अ० (दूरतस्) દૂરથી. दूर से At a distance. दस० ५, १, १२; ६, ५६; पिं० नि० २६५;

दूरग. त्रि० (दूरग) છેટે ગયેલ. दूरी पर गया हुआ; दूर गया हुआ. (One) who has gone far. सूय० १, ५, २, २०,

दूरा अ० (दूरात्) દૂરથી. दूर से. At a distance उत्त० ३२, २,

√दूस धा० I. (दुष्) દૂષિત કરવુ. दूषित करना; अपवित्र करना. To pollute, to contaminate.

दूसति. पिं० नि० २६५;

दूसमाण. व०कृ०जं० प० २,३४;

दूस. न० (दूष्य) વસ્ત્ર; ચાદર. वस्त्र, चद्दर. A garment; a sheet. भग० २, १०, ८, ५, ६, ३३, जीवा० ३, ३,ओव० ३०; उत्त० ६, ४६; नाया० ७; जं० प० सूय० २, १, ३६; दसा० १०, १, प्रव० १६; ६८४; —अंतर. न० (-अन्तर) વસ્ત્ર-પડદાનુ અંતર. वस्त्रान्तर. another garment उत्त० १६, ४; —पट्टपरिपूय. त्रि० (-पट्टपरिपूत) વસ્ત્રના પટ્ટથી ગાળેલ. वस्त्र के भाग से गाला-छाना-हुआ. filtered through a cloth. तंदु० —रयण. न० (-रत्न) પ્રધાન-શ્રેષ્ઠ વસ્ત્ર. प्रधान वस्त्र. a principal or best garment. नाया० १; ओव० कप्प०४, ६२;

दूसगणि. पुं० (दूष्यगणिन्) લોહિતાચાર્યના શિષ્ય. लोहिताचार्य के शिष्य. The disciple of Lohitāchārya. नंदी० ४१;

दूसण. न० (दूषण) કલંક कलंक, धब्बा Stain; stigma तंदु०

दूसमा. स्त्री० (दुष्षमा) જુઓ "दुसमा" શબ્દ. देखो "दुसमा" शब्द. Vide "दुसमा" भग० ६, ७;

दूसर. पु० (दुःस्वर) નામકર્મની એક પ્રકૃતિ કે જેના ઉદયથી જીવ ખરાબ સ્વર-આવાજ પામે. नामकर्म की एक प्रकृति जिसके उदय से जीव को खराब स्वर प्राप्त होता है. A nature of Nāma Karma at whose appearance the tone of a living being becomes harsh प्रत्र०१२७६;

दूसह त्रि० (दुःसह) જુઓ "दुसह" શબ્દ. देखो "दुसह" शब्द. Vide "दुसह" पराह० १, १, भग० १३. ६;

दूसि. न० (दूष्य) તક, છાશ. मट्ठा, छाछ Butter-milk. पन्न० १७;

दूसिअ-य त्रि० (दूषित) દૂષિત; દોષવાળુ दूषित, दोषपूर्ण Polluted; defective. नाया० १६; महा० प० ३५,

दूसित त्रि० (दूषित) દૂષિત; દોષયુક્ત. दूषित, दोषयुक्त Polluted; faulty. नाया० १; पंचा० १, १०, ६, १६; १६,१६;

दूहग त्रि० (दुर्भग) દુર્ભાગી; પામર; દીન. अभागा, पामर, दीन Wretched, poor; destitute सूय० १, ३, १, ६;

दूहफास. पुं० (दुःखस्पर्श) દુઃખરૂપ સ્પર્શ. दुःखरूप स्पर्श. Painful touch. नाया० १२;

देउल. न० (देवकुल) દેવાલય; દેવલ देव मन्दिर, देवस्थान. A temple नाया० १;

५; राय० ३३; पिं०नि०३३८; अणुजो०१३४;

देउलिअ. पुं० (देवकुलिक) દેવળની સંભાળ લેનાર; પુજારી. मन्दिर की देख रेख करने वाला, पुजारी. A priest; (one) who looks after a temple. ओघ० नि० भा० ४०;

देय. त्रि० (देय) દેવા યોગ્ય. देने योग्य. Fit to be given. पंचा० १३, ३७; विशे० ३२३१;

देयड पुं० (*) એક પ્રકારનો શિલ્પી કારીગર. एक प्रकार का शिल्पी-कारीगर. A kind of craftsman. पन्न० १;

देव. पुं० (देव-दीव्यान्ति क्रीडादिधर्मभाजो भवन्ति, दीव्यन्ते स्तूयन्ते वेति देवा.) ભવનપતિ વાણવ્યંતર જ્યોતિષ્ક અને વૈમાનિક દેવતા. भवनपति वाणव्यंतर ज्योतिष्क तथा वैमानिक देवता. the gods nown as Bhavanayati Vānavyantara Jyotiṣka and Vaimanika. अणुजो० २०; १०३; सम० १; ३४; उत्त० १, ४८; १०, १४; ठा० १, १; ओव० २२; नाया० १; ५; ८; १६; भग० १, १; ३; २, १; ५; ३, १; ८, १; १४, २; १८, ७; पन्न० १; सू० प० १६; दस० १, १; ४; ७, ५०; ६, २, १०; ६, ४, २; ३; वेय० ५, १; दसा० ६, २८; २६; उवा०७, १८७; कप्प० २, १३; २०; प्रव० ६३; क० गं० १, ४६; (२) સ્વામી, રાજા; માલિક. प्रभु; मालिक; राजा. lord; master; king जं० प० ५, ११२; ११५; ११४; ४, ७३; ३, ४७; नाया० १; राय० ७८; (३) पुं० અંજનક પર્વતનાં સિદ્ધાયતનના એક દ્વારનું નામ કે જે ૧૬ યોજન ઉંચું અને આઠ જોજન પહોળું છે. अंजनक पर्वत के सिद्धायतन के एक दर्वाजे का नाम जो १६ योजन ऊंचा और आठ योजन चौडा है. name of a door of Siddhāyatana of the Añjanaka mountain which is 16 Yojanas long and 8 Yojanas broad. उत्त० ३, ४; (४) ગંધિલ વિજયની પૂર્વ સરહદ ઉપરનો વખારા પર્વત. गंधिल विजय की पूर्वीय सीमा पर का वखारा पर्वत. the Vakhārā mountain situated on the eastern boundary of Gandhila Vijaya. (५) દેવદ્વારના અધિપતિ દેવતાનું નામ. देवद्वार के अधिपति देवता का नाम. name of the god who is the master of Devadvāra. जीवा० ३, ४; (६) એ નામનો એક દ્વીપ અને એક સમુદ્ર. इस नामका एक द्वीप और एक समुद्र. an island and a sea of this name. जीवा० ३, ४, सू० प० १६; पन्न० १५; —**अणुभाव.** पुं० (-अनुभाव) દેવતાનું સામર્થ્ય. देवता का सामर्थ्य. the power of gods. भग० ३, १; ७, ६; १६, ५; दसा०५, २१; —**अभिओग.** पुं० (-अभियोग) દેવતાનો અભિયોગ-બલાત્કાર. देवता का अभियोग-बलात्कार. the tyranny of gods. उत्त० १२, २१; —**अहिव.** पुं० (-अधिप) દેવતાનો અધિપતિ; ઇન્દ્ર. देवताओं का अधिपति इन्द्र. the lord of the gods; Indra. जं० प० ५, १२०; —**अहिवइ.** पुं० (-अधिपति) ઇંદ્ર इद्र, सुरेश. Indra. "सक्केव देवाहिवई जुईमं" सूय०१, ६, ८; —**आउ.** न० (-आयुष) દેવતાનું આયુષ્ય देवता की आयु. the age of a god. क० गं० ३, ३; —**आउय.** न० (-आयुष्क) દેવતાનું આયુષ્ય; આયુષ્યકર્મની એક પ્રકૃતિ. देवता की आयु: आयुष्यकर्म की एक प्रकृति. the age of a god: a

nature of Ayusya Karma. भग॰ १,८,९,३;३०,१,उत्त३३;१२; ठा॰४,४; क॰गं॰६, ७३; —**आउस**. न॰(-आयुष्य) દેવતાનું આયુષ્ય. देवता की उम्र-वय. the age of a god भग॰ १५, १; —**आवास** पुं॰(-आवास)દેવતાના આવાસ. देवता के रहने की जगह. the abode of the gods. भग॰ १४, १; १३, २; —**आवासंत्तर**. न॰ (-आवासान्तर) દેવતાના એક આવાસમાંથી બીજો આવાસ. देवता के एक आवास में से दूसरा आवास. the second abode of the gods भग॰ १०. ३; —**इड्ढि**. स्त्री॰ (-ऋद्धि) ત્રણ પ્રકારની દેવતાની ઋદ્ધિ. देवताओं की त्रिविध ऋद्धि. the threefold power of the gods कप्प॰ ५, १४०; निर॰ ३, १; भग॰ ३, २, ७, ६; ठा॰ ३, ४; —**इत्थी**. स्त्री॰ (-स्त्री) દેવની સ્ત્રી; દેવી देवता की पत्नी-देवी. goddess जीवा॰ २; —**इड्ढि**. त्रि॰ (-ऋद्धि) જુઓ "देव इड्ढि" શબ્દ देखो "देवइड्ढि" शब्द. vide "देवइड्ढि" जं॰ प॰ ३, ४५; —**उक्कलिया**. स्त्री॰ (-उत्कलिका) દેવતાની સભા देवताकी सभा. the assembly of gods. ठा॰ ३, १, ४, ३; —**उज्जोय** पुं॰ (-उद्योत) દેવતાનો પ્રકાશ देवता का प्रकाश. the light of a god "तिहिं ठाणेहि देवुज्जोओसिया" ठा॰ ३, १; राय॰ —**उत्त** त्रि॰ (-उप्त) દેવથી ઉત્પન્ન થયેલ देव से उत्पन्न. born of a god. सूय॰ १, १, ३, ५, —**उत्त** त्रि॰ (-गुप्त) દેવે રક્ષણ કરેલ. देवों द्वारा रक्षित. protected by the gods सूय॰ १,१,३,५; —**कण्णगा** स्त्री॰ (-कन्यका) દેવકન્યા. देवकन्या, सुर सुता. daughter of a god. नाया॰ ८, —**कण्णा**. स्त्री॰ (-कन्या) દેવકન્યા, દેવકુમારી. देवकन्या; देवकुमारी. daughter of a god. नाया॰ ८; —**कम्म**. न॰ (-कर्मन्) દેવતાને યોગ્ય કર્મ. देवोचित कर्म. action fit for gods. ठा॰ ५, २, —**कहकहय**. पुं॰ (-कहकहक) દેવનો કોલાહલ, શોરબકોર; કહ કહ એવો અવાજ देव का कोलाहल; कहकहाट पूर्ण ध्वनि the bustle of gods राय॰ जीवा ३, ४; ठा॰ ३; —**काम**. पुं॰ (-काम) દેવ સંબંધી વિષય; દેવ ભોગ. देव सम्बन्धी विषय, देव भोग. enjoyment concerning the gods उत्त॰ ७, १२; —**किब्बिस** पुं॰ (-किल्बिष) દેવતાની હલકી જાત; કિલ્વિષ જાતના દેવતા. देवता की घटिया जाति; किल्विष जाति के देवता a low class of the gods; gods of this class. दस॰ ५, २, ४६; ठा॰ ४, ४; प्रव॰ ६४८; —**किब्बिसिय** पुं॰ (-किल्बिषिक) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपर का शब्द vide above "कइ विहाण भंते देवकिब्बिसिया पण्णत्ता" भग॰ ९, ३३: —**किब्बिसियत्ता** स्त्री॰ (-किल्बिषिकता) કિલ્બિષિક દેવતાપણું किल्बिषिक देवतापन the state of a lower god. भग॰ ९, ३३; —**कुमार**. पुं॰ (-कुमार) દેવકુમાર. देवकुमार son of a god. भग॰ ११, ११; राय॰तदु॰—**कुल** न॰(-कुल) દેવ મન્દિર; દેવલ. देवालय, मान्दिर. a temple. नाया॰ ५. १८, भग॰ ८, ६, १८, १०; आया॰ २, २, २, ८०, ओव॰ १६; अणुजो॰ १६; पण्ह॰ १, १; राय॰ २५१, कप्प॰ ४, ८८; —**गण**. पु॰ (-गण) દેવોનો સમૂહ देवोंका समूह. a group of gods. भग॰ २, ५; —**गणियत्ता**. न॰ (-गणिकात्व)

દેવીરૂપે વેશ્યાપણું. देवी रूप में वेश्यापन. prostitution in the form of a goddess. नाया० १६; —च्चण. न० (-अर्चन) દેવતાનું અર્ચન કરવું તે. देवार्चन कार्य; देवपूजन. worship; adoration. सु० च० ८, ४३; —छंदग. पुं० (-च्छन्दक) દેવ છંદો. देव मूर्ति का आसन, पीठ, a platform on which an idol is seated. "देवछंदो" जं०प०१,१३;४,९९; जीवा० ३, ४;—छंदयअ. पुं० (-च्छन्दक) દેવ છંદો; જમીનથી બે ત્રણ હાથ ઉંચો ઓટલો; દેવ મૂર્તિને બેસાડવાનો ઓટલો. देवछंद; पृथ्वी से दो तीन हाथ ऊंची वेदी; देव मूर्ति बैठाने की वेदी. a platform two or three arms above the ground; an altar to place an idol. आया० २, १५, १७४; राय० १६२; जीवा० ३, ४; —जाण. न० (-यान) દેવનું વાહન. देव का वाहन-यान a vehicle of a god. पंचा० २, ३२; —जुइ. स्त्री० (-द्युति) દેવની કાન્તિ. देव की कान्ति. the lustre of gods सु० च० २, २१७; राय० ७७; —जुति. स्त्री० (-द्युति) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपर का शब्द. vide above भग० ७, ९, १६, ५; —ज्जुइ. स्त्री० (-द्युति) જુઓ "देवजुइ" શબ્દ. देखो "देवजुइ" शब्द. vide "देवजुइ" दसा० ५, २१; —ज्जुति. स्त्री० (-द्युति) જુઓ "देवजुइ" શબ્દ. देखो "देवजुइ" शब्द. vide "देवजुइ" भग० ३, १; —ज्झुणि. पुं० (-ध्वनि) દિવ્ય ધ્વનિ-અવાજ. दिव्य ध्वनि; दिव्य स्वर. heavenly voice प्रव० ४४६; —ट्ठिइ. स्त्री० (-स्थिति) દેવની સ્થિતિ; દેવનું આયુષ્ય. देव की स्थिति; देव की आयु. the age of a god. भग० ११, १२; ठा० ४, १; —ट्ठिति. स्त्री० (-स्थिति) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपरका शब्द. vide above. भग० २४, २४; —ड्ढि. स्त्री० (-ऋद्धि) દેવતાની ઋદ્ધિ. देवताओं की ऋद्धि. the power of gods. भग० ३, १; १६, ५; नाया० १३; नाया० ध० राय० १०; —णिकाय. पुं० (-निकाय) દેવનિકાય; સમાન ધર્મવાલા દેવોનો સમૂહ. देवनिकाय; समान धर्मवाले देवों का समूह. group of gods, a group of gods possessing common attributes. ठा० ६; —दंसण. न० (-दर्शन) દેવતાનું દર્શન. देवदर्शन. the sight of god. दसा० ५, २१, —दुंदुभि. पुं० (-दुंदुभि) દેવ દુંદુભિ; વાદ્ય વિશેષ देव दुंदुभि वाद्य विशेष. a divine drum. भग० १५, १; —दुंदुहि. पुं० (-दुन्दुभि) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपरका शब्द. vide above. कप्प० ३, ४४; गाया० १४, —दुग न० (-द्विक) દેવગતિ અને દેવાનુપૂર્વી. देवगति और देवानुपुर्वी. Devagati and Devānupūrvi क० प० १, ७१; —दुग्गइ. स्त्री० (-दुर्गति) અધમ દેવઆશ્રી દેવ દુર્ગતિ. देव दुर्गति. the wretched state of wretched gods. ठा०४,१;—दुहदुहक. न०(-दुहदुहक) દેવતાનો દુહદુહક એવો શબ્દ. देवताका दुहदुहक सा शब्द. the "Duhaduhaka" sound of gods. जीवा० ३, ४; राय० —निकाय पुं० (-निकाय) દેવોનો સમુદાય. देव वृन्द. a group of gods. प्रव० १५०५; —पवेसणय. पुं० (-प्रवेशनक) દેવ ગતિમાં પ્રવેશ કરનાર જીવ. देव गति में प्रवेश करने वाला जीव. a soul enter-

ing the life of gods भग० ६, ३२; —भवत्थ. त्रि०(-भवस्थ) દેવ ભવવાળો. देव भववाला. existing in the state of gods भग०८,२,—मइ. स्त्री०(-मति) દેવની મતિ, ચાતુર્ય. देव की मति, चातुर्य-बुद्धिमानी. the intellect of gods. जं० प० —राज. पुं० (-राज) દેવતાનો રાજા; ઇન્દ્ર देवता का राजा; इन्द्र, सुरेश. Indra; lord of the gods. सम०६०, —राय पु० (-राज) દેવનો રાજા; ઇન્દ્ર देवोंका राजा; इन्द्र. Indra; lord of the gods. भग० ३, १, ७, ७, ६; १६, १, १७, ५; नाया० ८; कप्प० २, १३; ३, ३३, जं० प० ५, ११५; —रूव त्रि० (-रूप) દેવ સમાન. देववत्; देव समान god-like नाया० ८; —वरवहू स्त्री० (-वरवधू) દેવતાની પટ્ટરાણી; મુખ્ય દેવી. देवता की पट्टरानी; महिषी. the chief queen of the gods नाया०६;—विग्गहगइ स्त्री० (-विग्रहगति) દેવોમા જવાની વિગ્રહ-વાંકવાળી ગતિ. देवोंमे जानेकी विग्रह पूर्ण-वांकी टेढीगति. the crooked gait through which a soul goes to the state of gods. ठा०१०; —संघ पुं०(-संघ) દેવતાનો સમુદાય. देवता का समुदाय; देव वृन्द. a group of gods. ज० प० ७, १६६; —संसारविउस्सग पुं० (संसार व्युत्सर्ग) દેવરૂપ સંસારનો ત્યાગ देवरूप ससार का त्याग. abandonment of the divine world. भग० २५, ७, —संसारसंचिट्टणकाल पु० (-संसारसंस्थानकाल) દેવતાના ભવમાં પોતાના આયુષ્ય પ્રમાણે રહેવુ ते देवता के भव में अपने आयुष्यानुसार रहना the period of time in which one lives in the life of gods according to his age. भग० १, २; —सण्णिवाय. पुं० (-सान्निपात) દેવતાના સમૂહનુ મળવુ; દેવતાનો મેળાવડો. देववृंद सम्मिलन; देव सम्मिलन a conference of the gods. भग०२,१, ठा०३,१, ज०प०३,७०; नाया०५;—समरूव. त्रि० (-समरूप) દેવતાના સમાન રૂપવાળું. देवता के से रूपवाला. god-like. प्रश्न० १४४३; —सयणिज्ज. पुं०न०(-शयनीय) દેવતાની સેજ. देवता की शय्या. a bed of gods राय० १६१; भग० ३, १; १६, ५; ६; नाया० ध० —सहस्सी स्त्री० (-सहस्री) હજાર દેવના सहस्र देवता. a thousand gods. जं० प० ५, ११२; —सोग्गइ स्त्री० (-सद्गति) દેવરૂપ સદ્ગતિ देवरूप उत्तम गति. a good state in the form of a god ठा० ४, १;

देवई. स्त्री० (देवकी) વાસુદેવની એક રાણી; કૃષ્ણ વાસુદેવની માતા वासुदेवकी एक रानी; कृष्ण वासुदेव की माता. a queen of Vāsudeva, the mother of Krisna Vāsudeva. उत्त० २२, २; पराह० १, ४, सम० प० २३५; प्रव० ४६६; (२) જમ્બૂદ્વીપના ભરતખંડમા થનાર ૧૧માં તીર્થંકરના પૂર્વભવનુ નામ जंबूद्वीप के भरतखण्ड में होने वाले ११ वें तीर्थंकर के पूर्व भवका नाम. name of the previous life of the 11th Tirthankara to be born in Bharatakhaṇḍa in Jambūdvīpa सम० प० २४१,

देवउल. न० (देवकुल) દેવ મંદિર. देव मन्दिर. A temple. भग० ५, ७,

देवंधकार. पु० (देवान्धकार) જુઓ "देवंधयार" શબ્દ. देखो "देवंधयार" शब्द. vide "देवंधयार" भग० ६, ५;

देवंधयार. पुं० (देवांधकार) દેવોને સંતાઇ જવા માટે અંધકારનું સ્થાન હોવાથી તમસ્કાયનું નામ. देवों के छिपनेके लिये अंधकार पूर्ण स्थान होने के कारण तमस्काय का एक नाम. a name of Tamaskāya (Dark body) being a dark resort for the gods to hide themselves. ठा० ४, २;

देवकुरा. स्त्री० (देवकुरु) મેરૂ પર્વતની દક્ષિણે મહાવિદેહાન્તર્ગત એક જુગલીયાનું ક્ષેત્ર. मेरू पर्वत की दक्षिण ओर महाविदेहान्तर्गत एक जुगलिया का क्षेत्र. a residing region of Jugaliyās situated in Mahāvideha to the south of Meru. जं० प० ठा० २, ३; (२) २१ માં તીર્થંકરની પ્રવ્રજ્યા પાલખીનુ નામ. a name of the palanquin of the 21st Tīrthaṅkara used at the time of initiation. सम० प० २३१;

देवकुरु. पुं० (देवकुरु) જંબૂદ્વીપના મહાવિદેહક્ષેત્ર અન્તર્ગત એક જુગલીયાનું ક્ષેત્ર. जंबूद्वीपके महाविदेह क्षेत्र में का जुगलिया का क्षेत्र. A region of the Jugaliyās in Mahāvideha of Jambūdvīpa. ठा० २, ३; ६; सम० ४८; जीवा० १; भग० ६, ७; २०, ८; जं० प० पन्न० १, १६; प्रव० १०६८; (२) એ નામનો દેવકુરૂ ક્ષેત્રનો એક દ્રહ. देवकुरु क्षेत्र के एक द्रह का नाम a lake of that name in the country of Devakuru. " दो देव कुराओ " ठा० २, ३. जं० प० ४; (३) મેરૂ પર્વતની દક્ષિણ પશ્ચિમ દિશામાં આવેલ સિદ્ધાયતનની દક્ષિણ પશ્ચિમ દિશામાં આવેલ એ નામનું એક કૂટ. मेरू पर्वत के नैऋत्य दिशाके सिद्धायतन के नैऋत्य दिशामें स्थित इस नामका एक कूट a summit in the south-west of Siddhāyatana (Siddha--abode) situated to the south west of the Meru mount ठा० ५, २; (४) જંબૂદ્વીપના સોમનસ વખારા પર્વતનું ચોથું કૂટ–શિખર. जंबूद्वीपके सोमनस वखारा पर्वत का चौथा शिखर. the fourth summit of the Somanasa Vakhārā mountain of Jambūdvīpa. ठा० ७; (५) જમ્બુદ્વીપના વિદ્યુત પ્રભ પર્વતનું એ નામનું ત્રીજું કૂટ–શિખર. जम्बूद्वीपके विद्युत प्रभ पर्वत का इस नामका तीसरा कूट-शिखर. the third summit of the Vidyutprabha mountain of Jambūdvīpa. (६) स्त्री० રતિકર પર્વતની ઉતર આવેલ ઇશાનેંદ્રની અગ્ર મહિષીની રાજધાની रतिकर पर्वत की उत्तर की ओर के ईशानेंद्र की पट्टरानी की राजधानी the capital of the principal queen of Īśānendra to the north of the Ratikara mountain. ठा० ४, २; —कूड. पुं० (-कूट) સોમનસ વખારા પર્વતના સાત કૂટમાંનું ચોથુ કૂટ. सोमनस वखारा पर्वत के सातकूटों में से चौथा कूट. the fourth peak of the seven of the Somanasa Vakhārā mountain जं० प० (२) વિદ્યુતપ્રભ વખારા પર્વતનુ ત્રીજું કૂટ. विद्युतप्रभ वखारा पर्वत का तीसरा कूट the third peak of the Vidyutprabha Vakhārā mountain. जं० प० —महद्दुम. पुं० (-महाद्रुम) એ નામનું એક દ્રુમ-ઝાડ. इस नामका एक द्रुम-वृत्त. a tree of this name. " दो देवकुरु महाद्दुमा " ठा० २, ३; —महद्दुमावास पुं० (-महाद्रुमावास)

એ નામનો એક આવાસ. इस नामका एक आवास-निवासस्थान. an abode of this name. "दो देवकुरु महद्दुमावासा" ठा० २,३;

देवकुरुश्र-य. पुं० (देवकुरुज) દેવકુરૂ ક્ષેત્રમાં જન્મેલ. देवकुरु क्षेत्र में उत्पन्न. Born in the Devakuru Ksetra "पंचहिं देवकुरुएहिं" पन्न० १; अणुजो० १३१;

देवगइ. स्त्री० (देवगति) દેવતાની ગતિ. देवता की गति. The state of a god. जं० प० ५, ११७; ११२; भग० ३, १; ६, ५; ११, १०; १२, ८; २५, ६; नाया० १; ८; ठा० ५, ३; कप्प० २, २७; —**नवग.** न० (-नवक) દેવગતિ આદિ નામકર્મની નવ પ્રકૃતિઓનો સમૂહ. देवगति आदि नामकर्म का नौ प्रकृतिओं का समूह. an aggregate of the nine natures of Nāma Karma viz. Devagati etc. क० प० २, ६०;

देवगति. स्त्री० (देवगति) દેવની ગતિ; નામકર્મની એક પ્રકૃતિ. देव की गति; नामकर्म की एक प्रकृति The state of a god, a nature of Nāma Karma भग० ८, २; कप्प० ४, ३३; —**नाम.** न० (-नामन्) દેવગતિ નામે નામકર્મની એક પ્રકૃતિ. देवगति नामक नामकर्म की एक प्रकृति. a nature of Nāma Karma called Devagati. सम० २८;

देवगुत्त. पुं० (देवगुप्त) એ નામના એક બ્રાહ્મણ સંન્યાસી. इस नाम का एक ब्राह्मण सन्यासी. A Brāhmaṇa ascetic of this name. ओव० ३८;

देवजिण. पुं० (देवजिन) ભારત વર્ષમાં થનાર ૨૨મા તીર્થંકર. भारतवर्ष में होने वाले २२वें तीर्थंकर. The 22nd Tīrthaṅkara to be born in Bhārata Varṣa प्रव० २९७; ४७४;

देवड्ढ. त्रि० (द्व्यर्द्ध) દોઢ. डेढ. एक और आधा; १॥. One and half. जीवा० ३;

देवतमस. न० (देवतमस्) દેવતાને અંધકાર રૂપ; તમસ્કાય. देवताओं को अधकार रूप-तमस्काय. Dark body in the form of darkness to the gods. ठा० ४, २;

देवता. स्त्री०(देवता) દેવ. देव; सुर. A god. क० प० २, ८५; —**उववण.** न० (-उपवन) વ્યંતર દેવતાનું ઉપવન. व्यंतर देवता का उपवन. the garden of Vyantara gods. पंचा० ७, १७;

देवती. स्त्री० (देवकी) કૃષ્ણ વાસુદેવની માતા. कृष्ण वासुदेव की माता-जननी. The mother of Kṛṣṇa Vāsudeva. अंत० ३, ८;

देवत्त. न० (देवत्व) દેવપણું. देवत्व; देवपन. The state of a god; divinity भग० २, १; ५,३, १;५;६, ५; ७, ८; १०, २; १५, १; सु० च० १, १२३; ४, १५६; नाया० ८; विशे० ५३६; दस० ५, २, ४७; उवा० १, ६२, —**गश्र.** त्रि० (-गत) દેવપણાને પામેલ. देवत्व प्राप्त; वह जिसे देवत्व प्राप्त हो चुका है (one) obtaining divinity क० प० ६, २२;

देवत्ता. न० (देवत्व) દેવપણું. देवत्वं; देवताई. The state of a god भग० ६, ५; ८, ५; १२, ७, १४, १; नाया० १; ३; ८; ६, १४, १६;

देवदत्त. पुं० (देवदत्त) એક પુરુષનું નામ. एक व्यक्ति का नाम. Name of a person. पि० नि० भा० ४, पिं०नि० १४२;

देवदत्ता. स्त्री० (देवदत्ता) ચંપાનગરી રહેનારી ગણિકા-વેશ્યા. चंपानगरी की रहने वाली

गणिका-वेश्या. A harlot living at Champā city. नाया० ३,१६; विवा० १; (२) विपाक सूत्रनुं ए नामनुं नवमुं अध्ययन. विपाक सूत्र का इस नामका नवा अध्ययन. the ninth chapter of this name of the Vipāka Sūtra. विवा० १; ठा० १०;

देवदार. न० (देवद्वार) अजनगिरिना सिद्धायतननी पूर्व दिशामां आवेलुं द्वार. अञ्जन गिरि के सिद्धायतन की पूर्व दिशा वाला द्वार. A door to the east of Siddhāyatana on the Añjana mount. ठा० ४, २;

देवदारु. पुं० (देवदारु) वृक्ष विशेष. वृक्ष विशेष; एक खास झाड. The pine tree आया० नि० १, १, ५, १२६; भग० २२, ५;

देवदाली. स्त्री० (देवदाली) बहु जीववाली ए नामनी एक लता. बहुत जीव वाली इस नाम की एक लता. A creeper of this name having many living beings. पन्न० १,

देवदिण्ण. पुं० (देवदत्त) धनशेठनो तेनी स्त्री भद्राथी उत्पन्न थयेल पुत्र. धन सेठ का अपनी पत्नी भद्रा से उत्पन्न पुत्र. The son of Dhanasetha born from his wife Bhadrā नाया० २;

देवदीव. पुं० (देवद्वीप) ए नामनो एक द्वीप. इस नाम का एक द्वीप. An island of this name. जीवा० ३, ४;

देवदूस. न० (देवदूष्य) दिव्य वस्त्र. दिव्य वस्त्र; उज्ज्वल पट. A divine or bright garment. जं० प० भग० ३,२; १५,१; निर० ३,१, निर० ३,१; कप्प० ५,११४; —अंतरिय. त्रि० (-अन्तरित) दिव्य वस्त्रने आंतरे रहेल. दिव्य वस्त्र के अंतर्गत रहा हुआ. that which has remained inside a divine garment. भग० ३,१; नाया० ध० —जुगल. न० (-युगल) दिव्यवस्त्रनी जोड. दिव्य वस्त्र की जोड़ी; दो दिव्य वस्त्र. a pair of divine garments. जीवा० ३, ८;

देवन्नू. पुं० (देवज्ञ) ज्योतिषी ज्योतिषी. Astronomer. सु० च० ६, ६१;

देवपडिक्खोभ पुं० (देवप्रतिक्षोभ) देवताने क्षोभ पमाडनार तमस्काय. देवताओं को क्षुभित करने वाला तमस्काय. A dark column which agitates the gods. " देव पडिक्खोभेइवा " भग० ६, ५;

देवपव्वअ-य. पुं० (देवपर्वत) ए नामनो सीतोदा नदीना किनारा उपरनो एक वखारा पर्वत सितोदा नदी के तटपर स्थित इस नामका एक वखारा पर्वत. The Vakhārā mountain on the bank of the river Sitodā ज० प० ठा० ४, २; ८, १. (२) पश्चिम वनखंडनी वेदिकानी पूर्वे आवेला पर्वतनु जोडुं. पश्चिमीय वनखंड की वेदिका के पूर्व में स्थित पर्वतों का एक जोड़ा. a pair of mountains to the east of the outskirts of the western forest. " दो देवपव्वया " ठा० २, ३;

देवफलिक्खोभा. स्त्री० (देवपरिक्षोभा) देवताने क्षोभ पमाडनार रूप कृष्णराजीनुं एक नाम. देवताओं को क्षोभ पहुंचाने वाला रूप, कृष्णराजी का एक नाम. A form which agitates the gods: a name of Krisparājī भग० ६, ५; ठा० ८, १;

देवफलिह. पुं० (देवपरिघ) देवने भोगल रूप तमस्काय देवको भोगल रूप तमस्काय. A Dark-column which acts as a bar to gods. भग० ६, ५;

देवफालिहा. स्त्री० (देवफलिका) આઠ કૃષ્ણરાજીમાંની એક. आठ कृष्णराजियों में से एक. One of the eight Krisṇa-rājis. भग ६, ५; ठा० ८; १;

देवभद्द. पुं० (देवभद्र) દેવદ્વીપના અધિપતિ દેવતાનું નામ. देवद्वीप के अधिपति देवता का नाम. Name of the presiding of god Devadvīpa जीवा० ३, ४;

देवभूय. त्रि० (देवभूत) દેવની સમાન. देव के समान; देववत्. Like a god नाया० १८; भग० २, ५,

देवमहाभद्द. पुं० (देवमहाभद्र) દેવ દ્વીપના અધિપતિ દેવતાનુ નામ देवद्वीप के अधिपति देवता का नाम. Name of the god who is the master of Devadvīpa जीवा० ३, ४, सू० प० १६;

देवमहावर. पुं० (देवमहावर) દેવસમુદ્રનો અધિપતિ દેવતા. देव समुद्र का अधिपति देवता. The presiding god of Deva sea. सू० प०१६,

देवय. न० (दैवत) દેવ, દેવતા. देव, देवता A god, a deity. ज० प०. ३, ५२, ७, १५६; उवा० १, ५८; ओव० ४०; नाया० १; भग० २, १; ११, ६, (२) त्रि० દેવ સ્વરૂપ, દેવ સબંધી देव स्वरूप, देव सम्बन्धी. god-like, godly जीवा० ३, ४; वव० १०, १; नाया०दसा० १०, १, १६; ओव० २७; ठा० ३, १;

देवया. स्त्री० (देवता) દેવ; દેવતા देव. देवता A god; a deity प्रव० ४३०, पिं०नि० ५२,नाया०८,६, अणुजो०१३१,—**णिओग.** पुं० (-नियोग) દેવતાનો આદેશ देवता का आदेश a command of a god पचा० १६, ८३;

देवर. पुं० (देवर दीव्यति पासुनेति) દીયર; ધણીનો નાનો ભાઇ. A younger brother of a husband. अणुजो० १३०;

देवरइ पुं० (देवरति) દેવરતિ નામે એક રાજા. देवरति नामक एक राजा. A king named Devarati. जं०प० ५; ११५; २, ३३, भत्त० १२२;

देवरएण न० (देवारण्य) દેવતાનું અરણ્ય જંગલ; તમસ્કાય देवताका अरण्य; तमस्काय. The forest of gods, the dark column ज०प० ५; ११५, ११६; भग०. ६, ५; ठा० ४, २;

देवरमण न (देवरमण) સૌભાંજન્યા નગરીની બહારનું એક ઉદ્યાન. सौभांजन्या नगरी के बाहर का उद्यान. An orchard of the Saubhāñjanyā city. विवा० ४, ८:

देवल. पुं०(देवल) એ નામના એક અન્યતીર્થી ઋષિ. इस नामके एक अन्यतीर्थी ऋषि. A Risi of this name of another creed. सूय० १; ३, ४; ३;

देवलोग पुं०(देवलोक) દેવલોક, દેવને રહેવાનુ સ્થાન. देवलोक; देवों के रहने का स्थान. The world of the gods; the abode of the gods नाया०१; ८,१४; १६, भग०३,६,५,९;२५,६; नंदी०५०;उत्त०; ६,१. **गमण.** न०(-गमन) દેવલોકમાં જવું તે. देव लोक में जाना the act of going to heaven. सम० ६;—**गय.** त्रि० (-गत) દેવલોકમાં ગયેલ. देव लोक में गया हुआ gone to heaven. भग०७, ७, १८, ७, —**परिग्गहिय** त्रि० (-परिगृहीत) દેવે ગ્રહણ કરેલ देवों द्वारा ग्रहित-लिया हुआ accepted by the gods. ज० प० २, २५; भग० ६, ३, —**समाण** त्रि० (-समान) દેવલોક સમાન देव लोक के समान. like heaven. सम० ७,

—**लोगभूय** त्रि० (देवलोकभूत) देव-

समान. देवलोक वत्. like heaven. जं० प० ३, ४१; नाया० ५, १६;

देवलोय-श्र. पुं० (देवलोक) દેવલોક. देवलोक. Heaven; the world of the gods. दस० ३,१४; भग०१,१;२,१; ५; ७, १; नाया० १४; उत्त० ३, ३; —गमण. न० (-गमन) દેવ લોકમાં જવું તે. देवलोक मे जाना. the act of going to the region of the gods. सम०७;

देवलोयभूय. त्रि०(देवलोकभूत)દેવલોકસમાન. देवलोक के समान. Like heaven. नाया० ८;

देववर. पुं० (देववर) દેવ સમુદ્રનો અધિપતિ દેવતા. देव समुद्र का अधिपति देवता. The presiding god of Deva sea. सू० प० १६;

देववूह. पुं० (देवव्यूह) દેવતાના સંગ્રામની રચના રૂપ તમસ્કાયનું એક નામ. देवसंग्राम की रचनारूप तमस्काय का एक नाम. Name of a dark column like an arrangement of a battle array of gods. ठा० ४, २; भग० ६, ५;

देवसमुद्द. पुं० (देवसमुद्र) એ નામનો એક સમુદ્ર. इस नामवाला एक समुद्र. A sea of this name. जीवा० ३;

देवसम्म. पुं० (देवशर्मन्) જંબૂદ્વીપના ઐરાવત ક્ષેત્રમાં ચાલુ અવસર્પિણીમાં થએલ ૧૧ માં તીર્થંકર जंबूद्वीप के ऐरावत क्षेत्र में प्रचलित अवसर्पिणी में उत्पन्न ११ वें तीर्थंकर. The 11th Tīrthankara of the present Avasarpiṇī in Airāvata region of Jambūdvipa सम० प० २४०, (२) ગૌતમ સ્વામીએ પ્રતિબોધેલ એ નામનો એક બ્રાહ્મણ गौतम स्वामी द्वारा प्रतिबोधित इस नामका एक ब्राह्मण. a Brāhmaṇa of this name, enlightened by Gautama Svāmi. तंदु०

देवसिश्र. त्रि० (दैवसिक) દિવસ સંબંધી; દિવસને લગતું. दैनिक, दिन सम्बन्धी. Daily. नाया०५, श्रोव०श्रोघ० नि० ६३६; गच्छा०११८;प्रव०१७६;—पडिक्कमण. न० (-प्रतिक्रमण) દિવસ સંબધી પ્રતિક્રમણ. दिन सम्बन्धी प्रतिक्रमण. Pratikramaṇa relating to a day. नाया० ५; श्राव० १, १;

देवसेण. पुं० (देवसेन) અંતગડસૂત્રના ત્રીજા વર્ગના પાંચમા અધ્યયનનું નામ अंतगड सूत्रके तीसरे वर्गके पांचवे अध्ययनका नाम. The fifth chapter of the 3rd section of AntagaḍaSūtra. श्रंत० ३,५;(२)ભદ્દલપુર નિવાસી નાગ ગાથાપતિની પત્ની સુલસાના પુત્ર કે જે નેમનાથ પ્રભુ પાસે દીક્ષાલઈ, વીસ વરસ પ્રવજ્યા પાળી, શત્રુંજય પર એક માસનો સંથારો કરી નિર્વાણપદ પામ્યા. भद्दलपुर निवासी नाग नामके गाथापति की पत्नी सुलसाका पुत्र जिसने नेमिनाथ प्रभुसे दीक्षा ले बीस वर्षों तक प्रव्रज्या का पालनकर शत्रुंजयपर एक मासका संथारा किया श्रौर निर्वाण पदको प्राप्त हुए. the son of Sualsā wife of a merchant named Nāga of Bhaddalapura who accepted consecration at the hands of the lord Nemināthа and remaining ascetic for twenty years attained salvation after fasting for a month on the Śatruñjaya mount. श्रंत०३, ५; (३) ઐરવત ક્ષેત્રના વર્તમાન ચોવીશીના ૧૬ મા તીર્થંકરનું નામ ऐरवत क्षेत्र के वर्तमान

चौवीसी के १६ वे तीर्थंकरका नाम name of the 16th Tīrthaṅkara of the current cycle in Airavata Ksetra. प्रव० ४६, (४) ગોશાલાના ભાવી જન્મનું એક નામ. गोशाला के भावी जन्मका एक नाम a name of the future birth of Gośālā भग० १५, १;

देवस्सुय पुं०(देवश्रुत) જંબુદ્વીપના ભરતખંડમા થનાર છઠા તીર્થંકરનું નામ जम्बूद्वीपके भरतखण्ड मे होनेवाले छट्ठे तीर्थंकर का नाम. Name of the 6th would-be Tīrthaṅkara in Bharata Khaṇḍa of Jambūdvīpa. सम० प० २४१, —जीव पुं० (-जीव) ભરતખંડમાં થનાર છઠા તીર્થંકરનો જીવ भरतक्षेत्र मे होने वाले छट्ठे तीर्थंकर के जीव. the soul of the 6th would be Tīrthankara of Bharata Ksetra. प्रव० ४६६.

देवाणद. पु० (देवानन्द) જંબૂદ્વીપના એરવત ક્ષેત્રમા આવતી ઉત્સર્પિણીમા થનાર ૨૪માં તીર્થંકર, અપરનામ દેવોપપાત. जम्बूद्वीप के ऐरवत क्षेत्र में आगामी उत्सर्पिणी में होने वाले २४वे तीर्थंकर, दूसरा नाम देवोपपात. The 24th would be Tīrthankara of the coming Utsarpiṇī in Airavata Ksetra of Jambūdvīpa, another name is Devopapāta. सम० प० २४३;

देवाणंदा. स्त्री० (देवानन्दा) બ્રાહ્મણકુંડગ્રામ નગરના ઋષભદત્ત બ્રાહ્મણની સ્ત્રી અને મહાવીર સ્વામીની પ્રથમ ગર્ભ ધરણ કરનારી માતા. ब्राह्मणकुंडग्राम नगर के ऋषभदत्त ब्राह्मण की स्त्री तथा महावीर स्वामी की प्रथम गर्भ धारण करने वाली माता. The wife of Riṣabhadatta Brāhmana of Brāhmaṇakuṇḍagrāma village and the mother who bore first Mahāvīra Svāmī. आया० २, १५, १७६; नाया० १४, ठा० १०. कप्प० १, २; (२) પખવાડીયાની પંદરમી રાત્રિ पक्ष की पन्द्रहवीं रात्रि. the last night of a fortnight. सू०प०१० जं० प० ७, १५२; —माहणी. स्त्री० (ब्रह्मणी) દેવાનંદા બ્રાહ્મણી. देवानंदा ब्राह्मणी. Devānandā-wife of a Brāhmaṇa. भग० ६, ३३;

देवाणुपुव्वो स्त्री० (देवानुपूर्वी) નામકર્મની એક પ્રકૃતિ કે જેના ઉદયથી જીવ સિધ્ધે સિધ્ધું દેવતાની ગતિમાં જાય नामकर्म की एक प्रकृति कि जिस के उदय से जीव सीधा देवगति को प्राप्त होता है. A nature of Nāma Karma at whose appearance a soul directly obtains the state of a god "देवाणु पुव्वीए पुच्छा ? गोयमा" पन्न०२१; —णाम. न० (-नामन्) જુઓ "देवाणुपुव्वी" શબ્દ. देखो "देवाणुपुव्वी" शब्द. vide "देवाणुपुव्वी" सम० २८;

देवाणुप्पिय त्रि० (देवानुप्रिय) દેવ સરખો પ્રિય. દેવના જેવો વહાલો કોમલ (સંબોધન) देव के समान प्रिय, देववत्प्यारा. Lovable like the gods जं० प० ५, ११२; भग० १, ६; २, १; ३, १, ५, ४; ६, ३३, १२, १, १६, ५, १८, १०; २०, ८, कप्प० १, ६; ४, ५८, नाया० १; २; ५, ८, ६; १२, १४, १६ निर० ३, ४; दसा० १०, १; राय० २६, ७७; ओव० ११, उवा० १, १२;

देवात्तिदेव. पुं० (देवातिदेव) દેવોના પણ દેવ; તીર્થંકર देवों के भी देव; तीर्थंकर. A

Tirthankara; the god of the gods. ठा० ५, १;

देवाधिदेव पुं० (देवाधिदेव) तीर्थंकर तीर्थंकर. A Tirthankara. भग० १२, ८;

देवानंदा. स्त्री० (देवानंदा) जुओ ' देवाणंदा " शब्द. देखो " देवाणंदा " शब्द Vide. " देवाणंदा " भग० ६ ३३;

देवारण्ण. न० (देवारण्य) देवताने जंगल जेवुं स्थान; तमस्काय. देवता को जंगल के समान स्थान; तमस्काय. A place like a forest to the gods; a dark column ठा० ४, २; भग० ६, ५;

देवासुर. पुं० (देवासुर) देव अने असुर. देव और असुर-राक्षस. Gods and demons. भग० १८, ७; —संगाम. पुं० (-संग्राम) देवता अने असुरनो संग्राम लडाइ देवासुर संग्राम; देव और असुरों की लडाई. a fight between the gods and the demons भग० १८, ७;

देवाहिदेव. पुं० (देवाधिदेव) १८ दोषरहित तीर्थंकर. १८ दोष रहित तीर्थंकर. A Tirthankara free from 18 faults. सम० २३.

देविंद. पुं० (देवेन्द्र) देवतानो इन्द्र. देवोंका इंद्र. India (lord) of the gods जं० प० ५, ११५; १, १२; गच्छा० ७४; पंचा० ६, ८; कप्प० २, १३; उत्त० ६, ८, १२, २१; ठा० ३ १; आया० २, ७, २, १६२, सम० ६०; नाया० ८; भग० ३, १; ७; ७, ६; १६, १; सु० च० २, ६७८; निर० ३. ४; उवा० २, ११३; प्रव० ६८८; (२) ए नामनां एक आचार्य के जेणे कर्मग्रंथ नामे पुस्तक रच्युं छे इस नामवाले एक आचार्य कि जिन्होंने कर्मग्रंथ नामक एक ग्रंथ बनाया है a preceptor of this name who wrote Karmagrantha क० गं २, ३५; —उग्गह. पुं० (-अवग्रह) इन्द्रनी आज्ञा. इन्द्रकी आज्ञा. a command of Indra. भग० १६, १; —वंदिय. पुं० (-वन्दित) देवेन्द्रथी वंदायेल (तीर्थंकर) देवेन्द्रसे वन्दित (तीर्थंकर) adored by the highest god (a Tirthankara) क० गं० २, ३ ; —सूरि. पुं० (-सूरि) कर्मग्रंथना कर्ता ए नामना एक आचार्य; जगचंद्रसूरिना शिष्य कर्मग्रन्थ के कर्ता इसी नामके एक आचार्य जो जगचन्द्र सूरि के शिष्य थे a preceptor of this name, author of Karmagrantha and a disciple of Jagachandra Sūri क०गं०१,६१: ३, २५;

देविंदत्ता स्त्री० (देवेन्द्रता) देवेन्द्रपणुं देवेन्द्रता State of the highest god. भग० १८, २;

देविंदत्थव. पु० (देवेन्द्रस्तव) २९ उत्कालिक सूत्रमांनुं १३ मुं सूत्र २९ उत्कालिक सूत्रोंमेंसे १३वा सूत्र. The 13th of the 29 Utkālika Sūtras. नंदी० १३;

देविंदोववाय-अ न० (देवेन्द्रोपपात) ए नामनुं एक कालिक सूत्र इस नाम का एक कालिक सूत्र. A Kālika Sūtra of this name. नंदी० ४३;

देवी स्त्री० (देवी) देवी; देवांगना. देवी, देवांगना; सुरवधु Goddess; wife of a god. जं० प० ५, ११५; ११२; उत्त० ३२, १६; भग० १, १; २, ५; ३, १; ३; ६, ६; ८, ८; ६, १; १०, ३; २५, ९; नाया० ८; १५; सूय० २, ५, १२; विवा० १; सू० प० १८, वेय० ५, २, उवा०२, ११३; प्रव० ७, ११५३; भत्त० १२२; कप्प० २, १३; (२) राजानी मुख्य राणी. पट्टराणी.

राजाकी मुख्य रानी, पट्टरानी; महिषी the chief queen ओव० २१; नाया० १, ८; १२, १४, १६; भग०११, ११, विवा० १; राय० ७२, सू० प० १; अंत० ४, १, जं प० दसा० १०, ६; ७, (३) સાતમા ચક્રવર્તીની માતા सातवें चक्रवर्ती की माता the mother of the 7th Chakravartī सम० प० २३४. (४) १० મા ચક્રવર્તી હરિષેણની સ્ત્રી (રત્ન) १० वें चक्रवर्ती हरिषेण की स्त्री the wife of the 10th Chakravartī Harisena. सम० प० २३४, (५) १८ મા તીર્થંકરની માતા १८ वें तीर्थंकर की माता the mother of the 18th Tīrthankara सम०प० ३०,३२२.प्रव०

देवीत्ता स्त्री० (देवीता-देवी) દેવીપણું देवीत्व. The state of a goddess भग० १२, ७;

देवुद्देसय. पुं० (देवोद्देशक) જીવાભિગમ સૂત્રનો એક ઉદ્દેશો. जीवाभिगम सूत्र का एक उद्देशा An Uddeśa (chapter) of the Jīvābhigama Sūtra. भग० ६, ५;

देवेंद्दोववाअ न० (देवेन्द्रोपपात) ૭૨ સૂત્ર માનું એક કાલિક સૂત્ર ७२ सूत्रों में से एक कालिक-सूत्र. One of the 72 Kālika Sūtras. वव० १०, २९;

देवेसर पुं० (देवेश्वर) ઇન્દ્ર. इन्द्र; सुरेश Indra; lord of the gods सम०प० २४०; —**वंदिय.** पुं० (-वन्दित) ઇન્દ્રથી વન્દિત એવા અર્હંત-ભગવાન् इन्द्र से वन्दित अर्हन्त प्रभु the lord Arhanta adored by Indra. सम० प० २४०;

देवोद पुं० (देवोद) એ નામનો એક સમુદ્ર इस नामका एक समुद्र. A sea of this name जीवा० ३, ४; सू० प० १९;

देवोववाअ. पुं० (देवोपपात) જમ્બુદ્વીપના ભરતખંડમાં થનાર ૨૩મા તીર્થંકર. The twentythird would-be Tīrthankara in Bharat Khanda of Jambūdvīpa. सम० प० २४१;

देस. पुं० (द्वेष) દ્વેષ; શત્રુતા. द्वेष; शत्रुता; बैर Aversion; hatred, enmity. विशे० २९९६;

देस. त्रि० (द्वेष्य) દ્વેષ કરવા યોગ્ય द्वेष करने के योग्य; द्वेषार्ह (One) fit to be hated. विशे० १४४७;

देस पुं० (देश) દેશ, જનપદ. देश, जनपद; मुल्क Country. नाया० १; १६; उवा० १ ५४, (२) १०० હાથ માપેલી જમીનને દેશ કહે છે. १०० हाथ मापी हुई जमीन को देश कहते हैं. a piece of land measuring 100 arms पिं० नि० ३४४; (३) પ્રદેશ, જગ્યા; સ્થાન. प्रदेश; जगह; स्थान place; territory सू०प० ११, पिं० नि० १२४, पन्न० २२; ओव०२०; (४) દેશ વિરતિ ગુણસ્થાનક partial renounciation; a spiritual stage विशे० ११६१,क० गं० २,२; (५) વસ્તુનો એક ભાગ, અંશ, હિસ્સો, પ્રદેશ. वस्तु का एक भाग, अंश, हिस्सा. a part or sub-division of a thing अणुजो० १०१, १४४; नाया० ८, ९; विशे० ४५; भग० १, ६; २, १, ३, १; ५, ७; ६, ५, १६, ८; २०, ५, पन्न०१, वव० ३, १०; ओव० १०, कप्प० ६, २६, प्रव० ५६६, (६) દેશકાલ, જમાનો देशकाल, जमाना place and time. गच्छा० १४; (७) સ્થૂલ; મ્હોટું મ્હોટું स्थूल; बड़ा २. thick; gross विशे० १२३४; —**अंत** पुं०

(-अन्त) દેશનો અંત; છેડો. देश का अन्त, आखरी भाग. the extremity of a country. नाया० ८;—अणुसार. त्रि० (-अनुसार) દેશને અનુસાર દશાનુસાર; देश की प्रथा के अनुसार. according to place or custom of a country. नाया० ८; —अवसन्न. त्रि० (-अवसन्न) એ દેશથી સંયમની ખંડના કરનાર, આવસ્યકાદિ વિધિપૂર્વક ન કરે તે સબંધી ગુરૂ શિખામણ આપે તો સ્હામું ઉલટું બે લે તેવો સાધુ. ऐसा साधु कि जो एक देश से सयम का भंग करे, आवश्यकादि विधि पूर्वक न करे और इस विषय मे गुरुद्वारा उपदेश दिया जाने पर जो उलटकर सामने जवाब दे. (one) who partially violates self-restraint; an ascetic who would not do what he ought to do and being advised by a preceptor would oppose him. प्रव० १०८; —अहिवइ पुं० (-अधिपति) દેશનો અધિપતિ, દેશનો રાજા. देश का मालिक; राजा. a king ठा० ४, ४; —आरक्खिय. त्रि० (-आरक्षित) દેશનો અધિકારી देश का अधिकारी-हाकिम an official of a country. निसी० ४,१५. ६४, —आराहय पुं० (-आराधक) એક દેશનો આરાધક, સર્વથા આરાધક નહીં एक देश का आराधक, जो सर्वथा आराधक नहीं है वह. a partial devotee. भग० ८, १०; नाया० ११, —आवरण पुं० (-आवरण) દેશથાની આવરણ કરનારી સાત પ્રકૃતિ; કેવલજ્ઞાનાવરણ અને કેવલદર્શનાવરણ શિવાયની જ્ઞાનાવરણ અને દર્શનાવરણની પ્રકૃતિ. देशघाती आवरण करने वाली सात प्रकृतियां: केवलज्ञानावरण और केवलदर्शनावरण के अतिरिक्त ज्ञानवरण तथा दर्शनावरण की प्रकृति. the 7 Karmic natures which obscure knowledge etc. partially; the Karmic natures viz knowledge or sight-obscuring apart from the perfect -knowledge or sight obscuring natures क० गं० ५, ६४; —उत्तरगुण. पुं० (-उत्तरगुण) દેશ વિરતિ શ્રાવકના ઉત્તર ગુણ देश विरति श्रावक के उत्तर गुण. minor vows that is partial abstention on the part of a layman भग० ७, २; —ऊण त्रि० (-ऊन) દેસ-થોડુંક, ઉણુ-ઓછું; કંઈક ઓછું. देस-थोडासा ऊन-कुछ थोडा. a little less विशे० २०२; ४३७; भग० २, १०, ३, ३; ७; २४, २, नाया० ८, जं० प० १, १२; अणुजो० १४०, नाया०ध० ४; पिं० नि० २८२, सम० ६७ ठा० ३, ४; —एय. त्रि० (-एज—एजन) દેશથી ચલાયમ ન થવું-કંપવું તે देश से चलायमान होने या कांपने (का भाव) shaking in part भग० २५, ४; —ओहि पुं० (अवधि) એક દેશી અવધિજ્ઞાન. एक देशीय अवधि ज्ञान limited knowledge. सम० —कहा. स्त्री० (-कथा) દેશના આચાર વિચાર વગેરેની કથા કરવી તે, ચાર વિકથામાંની એક देशके आचार विचार आदि की चर्चा करना, चार विकथाओं मे से एक. discourse on the conduct of the men of a country; one of the 4 Vikathās (random talk) "देसकहा चउव्विहा पएणत्ता " ठा० ४, २: सम० ४; आव० ४, ७; —कालजुत्त त्रि० (काल युक्त) અવસરને યોગ્ય. ક્ષેત્ર કાલને યોગ્ય.

समयोपयोगी; क्षेत्रकाल के उपयुक्त opportunate; proper for place and time पंचा० १, ३१; —(ऽ ग्ग न० (-अग्र) દેશનો અગ્રભાગ -देश का अग्र भाग the front part of a c untry नाया० १५; —घाइ त्रि० (-घातिन्) દેશઘાતી આત્માના એક દેશની ઘાત કરનાર (કર્મ પ્રકૃતિ). देशघाती आत्मा के एक देश का घात करने वाली (कर्म प्रकृति). a nature of Karmic matter which destroys the soul in one part क० गं० ५, १४, क० प० २, ४५, ४, ४४; चारत्त. न० (चारित्र) એક દેશી સામાયક ચારિત્ર. દેશ વિરતિ-શ્રાવકપણું एक देशाय मा ायिक चारित्र; दश विरति-श्रावकत्व partial observance of right-conduct. पचा० ११, २; —च्चाइ. पुं० (-त्यागिन्) દેશનો જન્મભૂમિનો ત્યાગ કરનાર. देशत्यागी, जन्मभूमि को छोड देने वाला (one) who abandons his motherland ठा० ३, ३; —च्चाय. पु० (-त्याग) જન્મ ભૂમિનો ત્યાગ देश परित्याग, जन्मभूमि परित्याग abandoning one's mother country ठा० ३, ३, —च्छंद पुं० (-च्छंद) દેશચ્છંદ-અમુક સ્ત્રી ગમ્ય અમુક અગમ્ય એમ છંદ એટલે ગમ્યાગમ્ય વિભાગ देशच्छद-फला स्त्री गम्य है और फला अगम्य है इस प्रकार का गम्यागम्य विचार-विभाग a division as to whether a particular female is approachable or not ठा० ४, २ —च्छंदकहा स्त्री० (-छन्दकथा) ગમ્યાગમ્ય વિભાગ સબન્ધી કથા કરવી તે गम्यागम्य विभाग विषयक बात करना discourse related to the approachable or unapproachable female. ठा० ४, २; —जइ. पुं० (-यति) શ્રાવક; એક દેશથી યતિ જેવો. श्रावक; एक देश से यतिवत्. a layman; partly like an ascetic. "सव्वेण च देसेण च तेण जुआहोइ देसजई" आउ० २; क० प० १, ८१, (२) દેશ વિરતિ, સ્થૂલ પાપની નિવૃત્તિ. देशविरति; स्थूल पापकी निवृत्ति. cessation of gross sins. क० प० ९, २७; —णाणावरणिज्ज न० (-ज्ञानावरणीय) એક દેશી જ્ઞાનને આવરે તે; મતિજ્ઞાનાવરણીયાદિ પ્રકૃતિ एक देशीय ज्ञानको आवरण, मति ज्ञानावरणीय आदि प्रकृति. that which partly obscures knowledge, a nature of knowledge-obscuring Karma. ठा० २, ४; —णेवत्थ. न० (-नेपथ्य) દેશના સ્ત્રી પુરૂષનો પહેરવેશ देश के नरनारियों की वेशभूषा-पहिरावा. the mode of wearing of dress in a country. ठा० ४, २, —णे (ने) वत्थकहा. स्त्री० (-नेपथ्यकथा) દેશના પહેરવેશની કથા देश की वेशभूषा की कथा. the description of the mode of dressing etc. of a country ठा० ४, २; —देस. पु० (-देश) સો હાથની અંદરની જમીનને દેશ દેશ કહે છે. सौ हाथ के प्रमाण अन्दरकी जमीन को देश देश कहते हैं. a patch of field measuring under hundred arms is styled as Deśa Deśa "हत्थसयं खलु देसो आरण होइ देसदेसोय" पिं० नि० ३४४; —पसिद्ध. त्रि० (-प्रसिद्ध) દેશમાં વિખ્યાત देश प्रसिद्ध; देश में मशहूर. famous in a country. पवा० १६, २५ —पंत. न० (-प्रान्त) દેશનો છેડો-સીમા देश का अन्तिम भाग. समान्त

प्रदेश. the border or boundary of a country. विवा० २; नाया० १६; —बंध. पुं० (-बंध) એક દેશે બંધ થાય તે. जो एक देश मे बंध हो जाय वह. that which is closed in one part. भग० ८, ९; —बंधंतर. न० (-बंधान्तर) દેશ બંધનું અંતર देश बंध का अंतर. the interval between the extremities of two countries. भग० ८,६; —बंधग. पुं० (-बन्धक) દેશથી બંધ કરનાર; સર્વ બંધક નહીં. देशसे बंध करने वाला. अंशतः बंधक, सर्व बंधक नहीं. that which binds in part not worldly. भग० ८,६,—बंधय. पुं० (-बन्धक) થોડો બંધ કરનાર थोडा बंध करने वाला,अल्पबंधक (one) causing little bondage भग० ८, ६; —भाअ-य. पुं० (-भाग) દેશનો ભાગ; પ્રદેશ વિભાગ. देशका हिस्सा, प्रदेश; विभाग. territory; province जं० प० ५, ११४; श्रोव० नाया० १, ५; भग० २, ८; —भाग. पुं० (-भाग) દેશનો ભાગ; પ્રદેશ; વિભાગ. देश का भाग, प्रदेश, विभाग. a division of a country; province. नाया० १; भग० ६; ५; श्रोव० सम० प० २१०; कप्प० ३, ३; —वासि त्रि० (-वर्षिन्) એક દેશમાં વરસનાર; મેઘ एक देश म बरसने वाला-बादल. a cloud shedding rain in one part. ठा० ४, ४; —विअप्पकहा स्त्री० (-विकल्पकथा) દેશની પેદાશ સંબંધી કથા કરવી તે. देश की उपज संबंधी कथा या चर्चा करना. conversing about the production of a country. ठा० ४, २; —विएणाए. न० (-विज्ञान) વિવિધ દેશ સંબંધી જ્ઞાન नाना देश विषयक ज्ञान. knowledge of various countries पंना० १७;३६; —विरअ. त्रि० (-विरत) એક દેશે પાપથી નિવૃત્તિ પામેલ; શ્રાવક. एक देश मे अंशतः पाप मे निवृत्त; श्रावक. absolved of sins in part; a layman. भत्त० २९; क० गं० ६, ७२; श्राउ० ७,—विरइ. स्त्री० (-विरति) એક દેશે પાપથી નિવૃતિ પામવી તે; શ્રાવકપણું અણુવ્રત સ્વીકારવાના પરિણામ. एक देश मे विभागतः पापमे निवृत्त होना, श्रावकरवाअणुव्रत स्वीकृत करने के मनोभाव. freedom from sins in one part; the thought inclination of accepting Anuvrata; (minor vows). क०प०२,६५; पचा० १०,४१; —विरत. त्रि० (-विरत) જુઓ "देसविरअ" શબ્દ देखो "देसविरअ" शब्द. vide "देसविरअ" क० प० ४,५२; —विराहय. त्रि० (-विराधक) એક દેશે વિરાધના કરનાર. एक देश में-अंशतः विराधना करने वाला. (one) who partially violates नाया० ११; भग०८, १०;—विहिकहा. स्त्री० (-विधिकथा) દેશના રીતભાતની કથા કરવી તે. देश की रहन महन रीति आदि की चर्चा करने का कार्य. description of the mode of living, customs, ethics etc of a country ठा० ४, २; —साहणबंध पुं० (-संहननबन्ध) થોડા સંઘયણનો બંધ. कुछ संघयणों का बंध a bondage of a few osseous structures. भग० ८, ६; —हर त्रि० (-हर) એક દેશે હરનાર. ઘાત કરનાર; દેશ ઘાતી. देश घाती; एक देश में घात करने वाला. (one) killing in a particular portion. क० प० ७, २१;

देसंतर. न० (देशान्तर) એક દેશથી બીજો દેશ; એક જગ્યાથી બીજી જગ્યા. एक देश से दूसरा देश; एक स्थान से दूसरा स्थान. another country or place. सु० च० ४, १२५; पिं० नि० भा० ४४ श्रोव० ३९; प्रव० ६८४; —ट्ठिय. त्रि० (-स्थित) દેશાન્તર-બીજા દેશમાં રહેલ. देशान्तर-दूसरे देश में रहा हुआ. a foreigner; alien. प्रव० ८६४;

देसकाल. पुं० (देशकाल) દેશ કાલ, શુભાશુભ કાર્યનો નિશ્ચય કરેલ સમય. देशकाल, शुभाशुभ कार्य का निश्चित किया हुआ समय. Place and time, the fixed time of the good or evil deeds. विशे० २०६३; नाया० ८; —जुय त्रि० (-युत) દેશ કાલને યોગ્ય देश कालानुसार; देश काल के योग्य. proper for place and time पन्न० १;

देसकालएणया स्त्री० (देशकालज्ञता) દેશ કાલને જાણવું તે. देश कालज्ञता, देश काल का ज्ञान. Knowledge of place and time भग० २५, ७; —कालवइत्ता. स्त्री० (-कालव्यतीतत्व) તીર્થંકરની વાણીનો ૧૪ મો અતિશય. तीर्थंकरकी वाणीका १४वा अतिशय. The 14th Atiśaya of the words of a Tirthankara. सम० ३५; राय०

देसग. त्रि० (देशक) ઉપદેશ કરનાર. उपदेशक; उपदेष्टा; उपदेशदेनेवाला An adviser. सम० प० २४१;

देसग. पुं० (दर्शक) દર્શક; દર્શાવનાર. दर्शक; दर्शावनार, बतलानेवाला. Spectator; (one) who shows पराह० २, ४,

देसण. न० (देशन) ઉપદેશ, શિક્ષા उपदेश, सीख; शिक्षा; Advice, instruction सु० च० १, ३७६;

देसण. न० (द्वेषण) દ્વેષ કરવો તે. द्वेष करना, द्वेष. Hatred; aversion. विशे० २९६६;

देसणा स्त्री० (देशना) દેશના ઉપદેશ, ધર્મોપદેશ. उपदेश; धर्मोपदेश. Advice; religious sermon. ठा०१; नाया० १५; ०च० ८, २०; प्रव० ६६३; पंचा० ६, २२; क० गं० १, ५६;

देसमाण. व०कृ० त्रि० (दिशत्—दर्शयत्) દેખાડતો; બતાવતો. दिखानेवाला, बतानेवाला. (One) who shows. ठा०; ४, २; ६;

देस-य. त्रि० (देशक) દેશના આપનાર; ઉપદેશક. देशना या उपदेश देनेवाला; उपदेशक. Adviser, instructor. श्रोव० १०; सम० १; नाया १;

देसयंत. व० कृ० त्रि० (दिशत्) કથન કરતો. कथन करता हुआ. (One) narrating. विशे० २६१;

देसयत. व० (देशकत्व) ઉપદેશકપણું. उपदेशकत्व; उपदेशक का कार्य. The act of advising or preaching. विशे० २६५९;

देसराग न० (देशराग) કોઇ દેશમાં પ્રસિદ્ધ એક વસ્ત્રની જાત. देश प्रसिद्ध एक तरह का वस्त्र. A famous cloth of a certain country. श्राया० २, ५, १, १४६;

देसावगास. पुं० (देशावकाश) જેમા દેશ-ક્ષેત્ર-ભૂમિની હદ બાંધવામા આવે છે તે, શ્રાવકનુ દશમું વ્રત. जिसमें देश-क्षेत्र या भूमि की सीमा निर्धारित की जाय ऐसा व्रत; श्रावक का दसवां व्रत. The tenth vow of a layman; that in which the limit of a country, field or land is set down प्रव० २८५;

देसावगासिय. न० (देशावकाशिक) દિશાઓ અને દ્રવ્યની મર્યાદારૂપ શ્રાવકનું દશમું વ્રત. दिशा तथा द्रव्य की मर्यादा रूप श्रावक का दसवां व्रत. The tenth vow of a layman in the form of a limit of directions and objects. ओव० ३४; आउ० ४; भग० ७, २; सूय० २, ७, २६, उवा० १, ५४;

देसि. त्रि० (देशिन्) દેશમાં જન્મેલ દેશજ; देश में पैदा हुआ हुआ. Country-bred; born in a country. ओव० ३३;

देसिगणि. पुं० (देशिगणिन्) એ નામના આચાર્ય. इस नाम के एक आचार्य. A preceptor of this name. कप्प० ८;

देसितवंत. त्रि० (देशितवत्) નિરૂપેલ; દર્શાવેલ. निरूपित; दर्शाया या बतला या हुआ. Shown; pointed out. सूय० १, ६, २४;

देसिभासा. स्त्री० (देशिभाषा) દેશની ભાષા. देश की भाषा. Language of a country. विवा० २;

देसिय. पुं० (देशिक) ઉપદેશ કરનાર; કથન કરનાર. उपदेश दाता; कथाकार An adviser; a story-teller. विशे० १४२५;

देसिय. त्रि० (देशित) દેખાડેલ. दिखाया हुआ. Shown. (२) ઉપદેશેલ; પ્રતિપાદન કરેલ उपदेश किया हुआ, प्रतिपादित. advised; maintained उत्त० ५, ४, १०, ३१; २८, ५; ३६, १; दस० ५, १; १२; ६, ६; नाया० ५; पिं० नि० ७४७. (३) મોટા ક્ષેત્રમાં વિસ્તાર પામેલ. विशाल क्षेत्र में विस्तारित. spread in a vast field. श्रया० २, १, ३, २०; प्रव० ६६८, गच्छा० ४६;

देसिय. त्रि० (दैवसिक) દિવસ સંબંધી दैनिक; दिन सम्बन्धी. Pertaining to a day " देसियंतु श्रइयारं आलोइज्ज जहक्कम " उत्त० २६, ३९; प्रव० १८३;

देसी. स्त्री० (देश्या) દેશમાં જન્મેલી, દેશની. देश में उत्पन्न; देश की, दर्शीय Born in a country; native ओव० ३३,

देसी. स्त्री० (देशी) દેશી (ભાષા). देशी (भाषा). Vernacular विशे० २७; नाया० १;

देह त्रि० (देह) શરીરના ચિન્હ મસ તિલ વગેરે शारीरिक चिन्ह-मस, तिल आदि. Physical signs such as a mole etc सूय० १, १२, ६,

देह. पुं० (देह) દેહ; શરીર; देह, शरीर, बदन. Body उत्त० १, ४८; ७, २; अणुजो० १६; नाया० १; भग० ७, १ १६, २; दस० २, ३. ६, २२; विशे० ३०. पिं० नि० भा० ८०, निसी० १३, ३१; प्रव० ६३; ४४७, कप्प० ४, १२; भत्त० १७६; (२) એક જાતના પિશાચનું નામ. एक जातिके पिशाच का नाम name of a class of ghosts, fiends. पन्न० १; —दुक्ख. न० (-दुःख) શરીરની પીડા शारीरिक पीडा; दैहिक दुःख physical pain दस० ८, २७; —पमाण न० (-प्रमाण) શરીરનું પ્રમાણ. शरीर का प्रमाण measure of body प्रव० ५४०; —पलोयण न० (-प्रलोकन) આરીસા આદિમાં શરીરનું જોવું તે दर्पण वगैरह मे शरीर को देखना seeing the image of body in a mirror दस० ३, ३; —माण. न० (-मान) દેહનું પ્રમાણ. देह का प्रमाण माप. the measure of a body ज० प० ५, १२३, प्रव० ८५. —वास पुं० न० (-वास) શરીરમાં વાસ કરવો તે शरीर में रहने का कार्य. the act of living in a body. दस० १०, १, २१; —विमुक्क त्रि० (-विमुक्त) દેહથી

मुक्त; सिद्ध देह से मुक्त-सिद्ध free from body; Siddha भग० ८, २; —सक्कार. पुं० (-सत्कार) शरीरनी शोभा शारीरिक शोभा. bodily equipment पंचा० १, २९;

देहंबलिया. स्त्री० (देहबलिका) भिक्षावृत्ति भिक्षा वृत्ति. भीख मांगकर आजीविका चलाना. Begging नाया० १६; विवा०७,

देहत्थ. त्रि० (देहस्थ) शरीरमां रहेल शरीरस्थ शरीर मे रहा हुआ Inhabiting a body, bodily विशे० २३६,क० प० ४, १०;

देहि. पुं० (देहिन्) देहधारी, आत्मा; जीव. देह धारी, आत्मा-जीव. Soul; life; possessed of body. सूय० १, १, १, ८; विशे० १६६४;

दोकिरिय पुं० (द्विक्रिय) એક સમયે એક જીવ બે ક્રિયા વેદે એવા રીતે સ્થાપન કરનાર, ગંગાચાર્યના મતનો અનુયાયી एक ही समय में एक जीव दो क्रियाओं का ज्ञान प्राप्त करे इस प्रकार स्थापित करने वाला गंगाचार्य के मत का अनुयायी. A follower of Gaṅgâchârya who established the doctrine that a soul simultaneously knows two actions. ओघ० ४१;

दोगच्च न० (दौर्गत्य) દારિદ્રતા. दारिद्य. निर्धनता Poverty, penuity भत्त० १६६;

दोगिद्धिदसा स्त्री० (द्विगृद्धिदसा) એ નામનો એક શ્રુત વિભાગ. इस नाम का एक श्रुत विभाग A class of scripture of this name. " दोगिद्धिदसाणं दस अज्झयणा पण्णत्ता " ठा० १०

दोगुंच्छि. त्रि० (जुगुप्सिन्) જુગુપ્સા-ધૃણા કરનાર जुगुप्सा-घृणा-करने वाला Censurer; hater. " दोगुंच्छी अप्पणोपाए दिरणं भुंज्जज्ज भायणे " उत्त० ६ ८;

दोगुंदग. पुं० (दोगुंदक) ઘણી ક્રીડા કરનાર દેવતાની એક જાત. अतिशय क्रीडाशील देवों की एक जाति. A class of very sportive gods उत्त० १६, ३; सु०च० ७, ५२;

दोग्गइ. स्त्री० (दुर्गति) ખરાબ ગતિ; નરક આદિ ગતિ दुर्गति बुरी गति-नरक आदि गति. Bad state-hell etc ठा० १,१;

दोच्च त्रि० (द्वितीय) બીજો જી-જું. दूसरा दूसरी. Second ज० प० ७, १३४, भग० २, १; ३, १; ५, ६; ६, ८; ५; ८, १०; ६. ३३. १२ ३. १५, १; १६, ६; ३१. १; नाया०१; २; ४, ६; ८; १२; १४; १६;१८; निर० १, १; सम० ३३; नाया० ध० २; वेय० १, ३७; ३, १५, विशे० ६६५, राय० १४; दसा० ३, ३१, ६, २, ७, १; जीवा०२;

दोच्च न० (दौत्य) દૂતપણું. दूतत्व, दूतपन. Embassy; espionage नाया० ८;

√दोज्झ. धा० I. (दुह्) દૂધ દોવું. दूध दोहना. To milk.

दोज्झइ विशे० १४७३;

दोण पुं० (द्रोण) ચાર આઢકનું માપ. चार आढक का माप A measure of four Âḍhakas अणुजो० १३२, (२) દ્રોણકુમાર द्रोण कुमार. Droṇa Kumara. नाया० १६; —मेह पुं० (-मेघ) જેટલા વખતમાં પાણીના બિંદુથી મોટી ગાગર ભરાય તે પ્રમાણનો વરસાદ ऐसी वर्षा कि पानी की बूंदो से एक बडा घडा भर जाय इतने समय तक बरसता रहे a rainfall which would fill a big pot with drops of rain. विशे० ६४५८; —वाय. पु० (-पाक) દ્રોણ પ્રમાણ ધાન્યનો પાક-રસોઇ. द्रोण प्रमाण धान्य

का-पाक-रसोई, food prepared of corn measuring a Droṇa. अणुजो० १३१;

दोणमुह. न०(द्रोणमुख) બંદરકાંઠો; જ્યાં જલમાર્ગ અને સ્થલ માર્ગ બંને રસ્તે કરિયાણું વગેરે આવે તે શહેર बन्दरगाह के किनारे का वह शहर जहां जल और थल के दोनो मार्गों से व्यापार की वस्तुए आता रहती हों A city near a port so situated that merchandise is carried in it by both the land and sea routes. जं०प०३,६६; वेय० १,६; ओव० ३२; सूय०२,२,१३; जीवा०३ ३; नाया० १६. भग० १, १; ३, ७; ७, ६; पण्ह० १. ३. उत्त० ३०, १६; अणुजो० १३१; आया० १, ७, ६, २२२; ठा० २, ४; कप्प० ४, ८८, प्रव० १२३३;

दोणसूरि पुं० (द्रोणसूरि) અણહિલપુરપટ્ટન નગરની એક આચાર્ય. अणहिलपुरपट्टन नगर के एक आचार्य. A preceptor of Aṇahilapurapaṭṭana city. ठा० १०;

दोणी स्त्री० (द्रोणी) નૌકા. નાવ नौका; नाव; जलयान. Boat, ship. भग० ८, ६; पण्ह १, १;

दोणिअ पुं० (द्रोणिक) જલથી ભરેલી મ્હોટી કુંડીમાં પુરૂષ પ્રવેશ કરે ને એક દ્રોણ પાણી તેમાથી બહાર નીકળે તેટલાં વજનવાળો પુરૂષ जलसे भरा हुई बडी कुंडी मे पुरुष प्रवेश करे और एक द्रोण पानी उसमे से बाहर निकले इतने वजन वाला पुरुष A man with so much weight that if he enters a reservoir of water full upto the brim ,his volume causes one Droṇa of water to come out उवा०८, २३२. अणुजो० १३८;

दोसिणाभा. स्त्री० (ज्योतिप्रभा) ચન્દ્રની અગ્રમહિષીનું નામ चन्द्रकी अग्रमहिषी-पटरानी का नाम Name of the chief queen of the Moon नाया० १:

दोधार. त्रि० (द्विधार) બે ધારવાળું दुधारा; दो धारवाला Two edged ठा० १, ३; —च्छेयण. न० (-च्छेदन) બે ધારી તલવાર વગેરેથી છેદવું તે दुधारी तलवार आदि शस्त्रों द्वारा छेदन cutting with a double-edged sword etc ठा० ५, ३:

दोफग्गुणी. स्त्री (द्विफल्गुनी) પૂર્વા ફલ્ગુની અને ઉત્તરા ફાલ્ગુની એ બે નક્ષત્ર पूर्वा फल्गुनी और उत्तरा फाल्गुनी नामक दो नक्षत्र. The two planets viz. Pūrvā Phālgunī and Uttarā Phālgunī. अणुजो० १३१;

दोबल्ल न० (दौर्बल्य) દુર્બલપણું दुर्बलता, कमजोरी. Feebleness विशे० २११; ३२१२. पिं० नि० भा० ४५;

दोभग्ग. न० (दौर्भाग्य) દુર્ભાગ્ય दुर्भाग्य. कमनसीबी Misfortune जीवा० ३. ३;

दोमणस्स न० (दौर्मनस्य) નાઉમેદપણું; ચિંતા निराशापूर्ण हृदय चिन्ता व्यग्र चित्. Hopeless or disappointed mind सूय० २ ?, ८२;

दोमास. पु० (द्विमास) બે માસ दो मास-महिने Two months निसी० २०, १२; १६,

दोमासिअ-य त्रि०(द्विमासिक) બે માસનું. द्वैमासिक, दो मासका Of two months. सम० २८; निसी० २० १०; ११; १२; १४; वव० १, २; भग० २, १, (२) બે મહીનાના સાથે ઉપવાસ કરવા તે, દ્વિમાસિક તપ दो महीने का लगातार उपवास करना, द्विमासिक

तप a penance to fast for two months ओव० १६; —भत्त. न० (-भक्त) બે માસના ઉપવાસ કરવા તે दो मास के उपवास करने का व्रत a vow of fasting for two-months. भग० २५, २;

दोमासिया स्त्री० (द्विमासिकी) ભિખ્ખુની બાર પડિમામાંની બીજી પડિમા-અભિગ્રહ: (આમાં એક માસ સુધી બે દત અન્ન અને બે દાત પાણી લઇ શકાય) भिक्खु की १२ पडिमा में की दूसरा पडिमा अभिग्रह. (इसमें एक मास पर्यन्त दोदात अन्न और दोदात पानी ग्रहण किया जा सकता है). (One) of the twelve Padimās of an ascetic. In this an ascetic can take two draughts of food and water for one month. ओव०१५; सम० १२;नाया० ८; दसा० ७, १;

दोमिली. स्त्री० (दोमिली) એક પ્રકારની બ્રહ્મી લિપી. एक प्रकार की ब्राह्मी लिपी A kind of Brāhmi script पन्न० १;

दोर पुं० (दोर) દોરો, તાંતણો दोरा; धागा; तन्तु Thread, cord राय०१६६; ओघ० नि० भा० ३१६, जीवा० ३, ४;

दोरज्ज न० (द्विराज्य) બે રાજ્ય. दो राज्य. Two kingdoms आया०२,११, १७०, ठा० ३. १;

दोरूवय त्रि० (द्विरूपक) બે, બેનો આંકડો. दो दो का अंक. Two; the figure of two अणुजो० १४६;

दोला. स्त्री० (दोला) ચાર ઇંદ્રિયવાળા જીવની એક જાત चार इन्द्रिय वाले जीव की एक जाति A kind of four-sensed being पन्न० १.

दोव. पुं० (दोव) એક પ્રકારની અનાર્ય જાતિ एक प्रकार की अनार्य जाति. A non Aryan race. पन्न० १;

दोवई स्त्री० (द्रौपदी) દ્રૌપદી द्रौपदी. Draupadi. नाया० १६; —अज्जा. (-आर्या) દ્રૌપદી સાધ્વી. सती-साध्वी-द्रौपदी-आर्या the female ascetic Draupadi नाया० १६ —देवी स्त्री० (देवी) દ્રૌપદી દેવી. देवी द्रौपदी. Devi Draupadi नाया० ध० नाया० १६;

दोवती स्त्री० (द्रौपदी) દ્રૌપદી . द्रौपदी; द्रुपदराज पुत्री Draupadi, daughter of the king Drupada. पण्ह० १.४;

दोवारंग पुं० (+द्वाराङ्ग) અરિસાનો હાથો. दर्पणका हत्था, दस्ताना. Handle of a mirror राय० ११८;

दोवारिय. पुं० (दौवारिक) દ્વારપાલ, દરવાન. ड्योढीवान; द्वारपाल; दरवान. A door keeper. नाया० १, ओव० राय० २५३; निसी० ६ २५; कप्प० ४, ६२;

दोस. पुं० (दोष) દોષ. અપગુણ. દૂષણ दोष, ऐब. अवगुण, दूषण Fault, defect demerit, flaw. उत्त० १, २४, ठा० १, १, अणुजो० १२८, ओव० १०; भग० १, ६, ७, १, १२, ५, १८,१०, २५, ७, नाया० १; २; सू० प० २०; पिं० नि० भा० २५; दस० ५, १, ११; ६६; ५, २, ३७, ६, २६, २१, ७, ५६, दसा०४, ८४, ६, ३१; नंदी० ४५. सूय० २, ५, १२; प्रव०६,६८२; पचा० ५, ७, १७, ४८, भत्त० १०८; —गब्भ. न० (-गर्भ) દોષગર્ભિત. दोषगर्भित, दोषपूर्ण full of faults भत्त० १२६; —जाल. पुं० (-जाल) દોષનો સમુદાય. दोष समूह. दोषों का समुदाय an aggregate of faults. विशे० २८८. —णिग्घायण न० (-निर्घातन) દોષનો નાશ કરવો તે दोषों का नाश करने का कार्य

the act of destroying defects. दसा० ४, ६७; —णिस्सिय न० (-निःसृत) એક પ્રકારનું મૃષાવાદ. एक प्रकार का असत्य. a kind of false d scussion. ठा० १०; —दंसि त्रि० (-दर्शिन्) દોષ જોનાર. दोष देखने वाला, छिद्रान्वेषी fault-finder. आया० १. ३. ४. १२४; —दूसण. न० (-दूषण) પોતાના દોષની નિન્દા કરવી તે अपने अवगुणों की निन्दा करने का कार्य. an act of censuring one's own fau't. भत्त० १६; —पडिवत्ति स्त्री० (-प्रतिपत्ति) દોષની પ્રાપ્તિ दोष की प्राप्ति getting defects. गच्छा० ५१; —पडिसेह. पुं० (-प्रतिषेध) નિર્દોષપણું; દોષનો અભાવ निर्दोषता; दोषाभाव innocence: absence of faults. पंचा० १३; ४८. —परिण्णाण न० (-परिज्ञान) દોષનું જ્ઞાનપણું परिज्ञान; दोषों की जानकारी. knowledge of faults. पंचा० १३, ३२: —प्पकाम त्रि० (-प्रकाम) જેમાં ઘણાં દોષો હોય તે जिसमें अनेक दोष हों. very defective. भत्त० १०७; —रहिय. त्रि० (-रहित) દોષ રહિત दोष विहीन; निर्दोष faultless. सू० प० २०; —वज्जिअ त्रि० (-वर्जित) દોષ રહિત दोष रहित. defectless दस० ५. १, ६९; —वत्तिया स्त्री० (-प्रत्ययिका) પ્રાતિકારક ક્રિયા. દ્વેષથી ઉત્પન્ન થતી ક્રિયા. अप्रिय कार्य; द्वेषोत्पन्न क्रिया. an unpleasant act; that which would encite hatred. ठा० २, १: ४;

दोस. पुं० (दोष-द्वेष) દ્વેષ; ક્રોધનો પર્યાય. અપ્રીતિ. द्वेष· क्रोध का पर्याय. अप्रीति Aversion: a synonym of anger, discord. सम० २, ५२, उत्त० ४, १३, २५, २१. अणुजो० १२७, ओव० १०, भग० १, ६; ९; १२, ५; २५, ७ नाया० १: ३; पि० नि० ६३४; दस० २. ५ दसा० ६, ४; पन्न० २३: कप्प० ५, ११७; क० गं० १, १६; —कलिय त्रि० (-कलित) દ્વેષવાળું. द्वेष वाला. द्वेषी. spiteful नाया० ६; —बंध. पुं० (-बन्ध) ક્રોધ અને માન રૂપ દ્વેષથી થતો બંધ क्रोध और मान रूप द्वेष के कारण होने वाला कर्म बन्धन a bondage caused by hatred in the form of anger and pride ठा० २, ४; —बंधण. न० (-बंधन) દ્વેષરૂપ બંધન; કર્મ બંધનું કારણ द्वेषरूप बंधन, कर्म बंधन का कारण the bondage due to hatred: a cause of Karmic bondage. आव० ४, ७; पन्न० २;

दोसऊरिया स्त्री० (दोषपूरिक) ૧૮ લિપિમાંની એક १८ लिपियों में से एक लिपि One of the 18 scripts. सम० १८;

दोसपूरिया स्त्री० (दोषपूरिका) જુઓ " दोसऊरिया " શબ્દ. देखो "दोसऊरिया" शब्द Vide " दोसऊरिया " पन्न० १;

दोसण्णु पुं० (दोषज्ञ) દોષને જાણનાર. दोषों का जानने वाला (One) who knows the faults दस० ७, १३;

दोसवंत त्रि०(दोषवत्) દોષયુક્ત दोष युक्त. Eaulty पंच० ८; ११;

दोसा स्त्री० (दोषा) ૧૮ લિપિમાંની એક १८ लिपियों में से एक लिपि. One of the eighteen scripts पन्न० १.

दोसाएण. न० (दोषान्न-प्रदोष न्न-पर्युषितान्न) રાતવાસી અન્ન. रात का बासी अन्न. Stale food being kept overnight पण्ह० २ ५.

दोसिण त्रि० (*) ટાઢું વાસી ठंडा, बासी; पर्युषित Cold, stale आघ० नि० २५३;

दोसिणा स्त्री० (ज्योत्स्ना) જ્યોત્સ્ના કાન્તિ. તેજ; ચંદ્રલેશ્યા ज्योत्स्ना, छवि, कान्ति; तेज, चन्द्रलेश्या. Moonlight. ठा०२,४, सू० प० १;

दोसिणाभा स्त्री०(ज्योत्स्नाभा) જ્યોતિષીના ઇન્દ્ર ચન્દ્ર તથા સૂર્યની બીજી અગ્ર મહિષી ज्योतिषी के इन्द्र चन्द्र तथा सूर्य की दूसरा अग्र महिषी The second crowned queen of Indra the moon and sun of astronomers. नाया० ध० ७; ठा० ४, १, जीवा०४; जं० प० ७, १७०, सू० प० १८,

दोसिअ. त्रि० (दौष्यिक) કાપડિઓ, કાપડનો વ્યાપારી बजाज; कपडों का व्यापारी वस्त्र व्यापारी. A cloth-merchant. अणुजो १३१; पन्न० १, —**साला.** स्त्री० (—शाला) કાપડ વેચવાની જગ્યા; કાપડની દુકાન बजाजखाना. कपडोंकी दुकान. a cloth-market. वव०६,२१,२४, २५;

दोसियएण. न० (दोषान्न) રાતવાસી અન્ન. रात का वासी ठंडा अन्न Stale food. पराह० २, ५;

दोसिल्ल. त्रि० (दोषवत्) દોષવાળું. दोषवाला. Defective विशे० १११०, पिं० नि० १७६;

* **दोसीण** त्रि० (*) વાસી, ટાઢું. बासी; ठंडा, पर्युषित. Stale, cold. ओघ० नि० १४५;

दोह. पुं० (द्रोह) કપટ, વેરબુદ્ધિ રાખી અપકાર કરવો તે वैरबुद्धि से अपकार करने का कार्य, द्रोह. Doing an evil turn with jealousy or enmity चउ० ३५,

दोहग्ग न० (दौर्भाग्य) દુર્ભાગ્ય. दुर्भाग्य. दैवहतिकता Misfortune. जं० प० सूय० २, २, ८२;

दोहहि. पुं० (दोहहि) એ નામનું એક ગામ. इस नाम का एक गाव A village of this name. जीवा० ३;

दोहण. न० (दोहन) દૂધ દોહવાનું વાસણ; તાંબડી. दूध दुहने का पात्र, वटलोई, भगोना इत्यादि Milking pot or bowl. जीवा० ३;

दोहल न० (दोहद) ગર્ભવતી સ્ત્રીને બીજે ત્રીજે મહિને જીવના ભવિષ્ય પ્રમાણે સારી માઠી ઇચ્છા-આતુરતા થાય તે सगर्भा स्त्री को गर्भ रहने के दूसरे या तीसरे महिने में जीव के भविष्य के अनुसार अच्छी या बुरी जो इच्छा-आतुरता उत्पन्न हो वह. Desires or aspirations which are born in the foetus according to the future prospects of a living being सू० १, ४,२, १५, नाया० १; निर० १, १; भग० ११, ११; पिं० नि० ८०; कप्प० ४, ६६;

दोहारच्छेयण न० (द्विधारच्छेदन) બે ધાર વાળી તરવાર વિગેરેથી છેદન કરવું તે. दुधारी तलवार आदि से छेदने का कार्य. Cutting with a double edged instrument. भग० ११, ११;

√**द्रव** धा० I, II. (द्रु) પ્રાપ્ત થવું. प्राप्त होना. To get

दवए. विशे० २८;

दाविज्जा वि० विशे० १४७४;

√**द्रव** धा० I. (द्रु) મેળવવું; પ્રાપ્ત કરવું. मिलाना, प्राप्त करना To obtain, to get.

दुद्दय विशे० २८;

√**दह.** धा० I, II. (दह्) ભસ્મ કરવું; બાળવું भस्म करना; जलाना To burn to ashes; to burn.

दहे. दस० ६, ३४;

दहिज्जा. वि० उत्त० १८, १०;
दह. आया० १, ७, २, २०४;
दहिउं. स० कृ० उत्त० १३, २५;
दहिऊण. सु० च० २, ६७;
√द्धंस. धा० I, II. (ध्वंस) नीचे पाडवुं. अधःपात करवो. नीचे गिराना; अधःपात करना. To throw down; to cause to fall (२) नाश करवो नाश करना. to destroy.
धंसेइ- दसा० ६, ६; सम० ३०;
धंसंति. विशे० ३८१;
धंसिया. सं० कृ० सम० ३०;

ध.

धंत. त्रि० (ध्मात) अग्नि आदिथी तपावीने शोधेलुं; निर्मल करेलुं. अग्नि आदिमें गरम कर के शुद्ध किया हुआ. Purified by smelting in fire. जं० प० ३, ४४; विशे० ३०२६; राय० ५५, २४६; ठा० ५, ३; जीवा० ३, ४; नाया० १; जं० प० पिं० नि० भा० ४०; पन्न० १; १७; —धोय. न० (–धौत) अग्निथी तपावीने साफ करेलुं. अग्नि में तपाकर शुद्ध किया हुआ; अग्निपूत. purified by means of blowing. जीवा० ४, जं० प०

धगधगंत. त्रि० (धगधगायमान) जोरथी बळतुं; जाज्वल्यमान. खूब जोरसे जलता हुआ; प्रकाण्ड रूप से धधकता हुआ. Burning fiercely. नाया० १;

धट्ठज्जुण्ण. पुं० (धृष्टार्जुन) द्रुपद राजानो पुत्र; एक राजकुमार. द्रुपद राजा का पुत्र; एक राजकुमार. the son of the king Drupada. नाया० १६;

धण. न० (धन) द्रव्य; लक्ष्मी; संपत्ति. द्रव्य, धन; दौलत; श्री Wealth; riches. सु० च० २, ३२८; नाया० १; २; १६; १८; भग० २, ५; ३,१;५, ६; ८, ५; राय० २२२; उत्त० ४, २; ६, ६; १०, २८; अणुजो० १२८, ओव० १३; गच्छा० ८८, कप्प० ४, ८६; प्रव० ७२८; उवा० १, ४१; १०, २७७; (२) २३ मा तीर्थंकरने प्रथम भिक्षा आपनार गृहस्थ २३ वें तिर्थंकर को प्रथम भिक्षा प्रदान करने वाला गृहस्थ the man who gave alms first of all to the 23rd Tirthankara. सम० प० २३२; (३) ए नामनो एक शेठ इस नाम का एक सेठ. a merchant of this name. नाया० १८; —क्खय. पुं० (–क्षय) धननो नाश. अर्थ नाश; द्रव्य की हानि. the destruction of wealth. भग० ३, ७, —णिहि. पुं० (–निधि) सुवर्ण विगेरे धननो निधि-खजानो. सुवर्ण आदि द्रव्य का भंडार खजाना a treasury of wealth like gold etc. ठा० ५, ३; —धन्न. न० (–धान्य) धन अने धान्य. धन और धान्य. riches and corn; a comprehensive term for wealth. प्रव० २७६; —भागि त्रि० (–भागिन्) धनना फलने भोगवनार. लक्ष्मीनो भोगवटो करनार. धन के फल को भोगन वाला. ऐश्वर्य भोग करने वाला; धनभोगी. (one) who enjoys wealth or prosperity; an easy going man. विशे० ३४२७;

धणंजय. पुं० (धनजय) उत्तराभाद्रपद नक्षत्रनुं गोत्र उत्तराभाद्रपद नक्षत्र का गोत्र. The family origin of the Uttarā Bhādrapada constellation. " उत्तरा

पोट्ठपदा णक्खत्ते किं गोत्ते पण्णत्ते; धणंजय सगोत्ते पण्णत्ते " जं॰ प॰ ७, १५१; सू॰ प॰ १०; (२) પખવાડીઆના નવમા દિવસનોનું નામ. पखवाडे या पक्ष के नव दिन नवमी का नाम the ninth date of a fort-night. सू॰प॰१०; जं॰ प॰७,१५२,

धणंतरि. पुं॰ (धन्वन्तरि) ધન્વંતરિ વૈદ્ય धन्वन्तरी वैद्य The physician of the gods विवा॰ ७, — **विज्ज** पुं॰ (वैद्य) ધન્વન્તરી વૈદ્ય धन्वन्तरी वैद्य, देवताओं के हकीम the physician of the gods, विवा॰ ७;

धणगिरि पु॰(धनगिरि)એક મુનિનું નામ एक मुनिका नाम. The name of a saint. कप्प॰ ८;

धणगुत्त पुं॰ (धनगुप्त) ધનગુપ્ત નામે મહાગિરિ આચાર્યના એક શિષ્ય धनगुप्त नामक महागिरी आचार्य का एक शिष्य. A disciple named Dhanagupta of Mahāgiri preceptor विशे॰ २४२५,

धणगोव पु॰ (धनगोप) રાજગૃહ નગરના નિવાસી ધન્ય સાર્થવાહનો ત્રીજો પુત્ર राजगृह नगर निवासी धन्य सार्थवाह के तीसरे पुत्र का नाम. The name of the 3rd son of the merchant Dhanya of Rajagriha. नाया॰ ७, १८,

धणदत्त. पुं॰ (धनदत्त) ત્રીજા વાસુદેવના ત્રીજા પૂર્વભવનું નામ. तिसरे वासुदेव के तीसरे पूर्व भव का नाम. The name of the third past life of the 3rd Vāsudeva. सम॰ प॰ २३६;

धणदेव. पु॰ (धनदेव) ધન્ય સાર્થવાહનો બીજો પુત્ર. धन्य सार्थवाह का दूसरा पुत्र. The second son of the merchant Dhanya नाया॰ ७, १८;

धणपाल पु॰ (धनपाल) ધન્ય સાર્થવાહનો પહેલો પુત્ર धन्य सार्थवाहका पाहिला पुत्र. The 1st son of the merchant Dhanya. नाया॰ ७;१८;

धणय. पुं॰ (धनद-धनंददातीति) વૈશ્રમણ; કુબેર-ભંડારી वैश्रमण; कुबेर; भंडारी; देवताओंके कोपाध्यक्ष. The lord of wealth; the treasurer of the gods भग॰ ४, १, सु॰ च॰ १, ३४७, २, १३०;

धणरक्खिय. पुं॰ (धनरक्षित) ધન્ય સાર્થવાહનો ચોથો પુત્ર धन्य सार्थवाहका चतुर्थ पुत्र The 4th son of the merchant Dhanya नाया॰ ७; १८;

धणवइ पुं॰(धनपति) વૈશ્રમણ-કુબેર ભંડારી. वैश्रमण-कुबेर, भंडारी, खजांची. The lord of wealth; the treasurer of the gods जं॰प॰३, ४१, ४२, नाया॰विवा॰१;

धणवंत त्रि॰(धनवत्)ધનવાન્;શ્રીમંત;धनवान्; श्रीमत Rich; wealthy. विशे॰ ५०६;

धणवति. पुं॰ (धनपति) કુબેર; ધનનો અધિષ્ઠાયક દેવતા. कुबेर, धन का अधिष्ठायक देवता The god of wealth अंत॰१,१;

धणसत्थवाह. पुं॰ (धनसार्थवाह) રાજગૃહ નગરનો નિવાસી ધનનામે એક સાર્થવાહ. धन नामक राजगृह नगर निवासी एक सार्थवाह. A merchant named Dhana dwelling in Rajagriha नाया॰ १५, १८;

धणसेट्ठि. पुं (धनश्रेष्ठिन्) રાજગૃહ નગરનો રહેવાસી ધન નામે એક સેઠ धन नामक राजगृह नगर निवासी एक सेठ. A merchant of this name dwelling in the city of Rājagriha. नाया॰ १८;

धणि पुं॰ (ध्वनि) શબ્દ; ધ્વનિ; અવાજ. शब्द, आवाज; ध्वनि Sound; note; voice. जीवा॰ ३, ३; विशे॰ १५०;

धणि स्त्री॰ (घ्राणि) અસંતોષ લોભી પ્રકૃતિ. असंतोष, लोभ पूर्ण प्रकृति Discontent;

greediness. विशे० १६५३;

धणिक. त्रि० (धानिक) ધનવાન. ધનવાન્; શ્રીમાન્; लक्ष्मीपुत्र. Rich; wealthy; well to do पंचा० ७, ५;

धणिट्ठा. स्त्री० (धनिष्ठा) એ નામનું એક નક્ષત્ર. इस नाम का एक नक्षत्र. A constellation of this name. जं०प० ७, १५५; १५१; अणुजो० १३१; सम० ५: ठा०२,३;

धणित्तण. न० (ध्वनित्व) શબ્દપણું; આવાજનો ગુણ. शाब्दिकता; आवाज का गुण. The state of sound. विशे० १५६;

धणिय. त्रि० (धानिक) ધનવાન્ धनी. धनवान् Rich; wealthy. नाया० १८, (२) ધણી; માલીક; સ્વામી धनी; मालिक; स्वामी master; lord सम० ६;

धणिय -अ. त्रि० (*) મજબૂત; કઠિન; દૃઢ; ગાઢ; અત્યન્ત મજબુત. मजबूत; कठिन, दृढ;; प्रगाढ; अत्यन्त कड़ा. Strong; deep. सु० च० ५, ८०; नाया० १; राय० २७४; भग० १, ६; ६, ३३; १८, ३; सम० ११; पराह० १, ३; ओव० २१; —**बंधण.** न० (-बंधन) કઠણ-મજબુત બન્ધન कठिन या दृढ बन्धन. a fast or hard knot भग० १, १;

धणियं अ० (*) અતિશય; ઘણુંજ. अत्यन्त; बहुत ही अधिक. Too much; excessive; profuse. ओघ० नि० ८०७; सु० च० ११, १८; उत्त० १३, २१;

धणु न० (धनुष्) ધનુષ; તીરકામઠું. धनुष्य; तीरकमान; धनु. A bow; a bow and arrow नाया० ८; १६; १८, पिं० नि० ६६; भग० २, ५; ५, ६; ७, ६; १८, ३; २४, २; उत्त० ६, २१, राय० २५६. ओव० (२) ચાર હાથનું માપ चार हाथ का माप a measure of 4 arms. भग० ६, ७. ओव० ४३, सम० ३०; जं० प० ७, १७४; विशे० ३४२; पन्न० २१; (३) ધનુષ્યવતી નારકીઓને દુઃખ આપનાર; પરમાધામી. धनुष्य द्वारा नारकों (नर्क के जीवों) का दुःख देने वाला; परमाधामी (one) who tortures the hell beings by bows; Parmādhāmī those who torture in the hell. भग० ३, ७, सम० १५; —**त्तिभाग.** न० (-त्रिभाग) ધનુષ્યનો ત્રિજો ભાગ धनुष्य का तीसरा भाग the third part or measure of a bow. प्रव० ४६४; —**परिहाणि** स्त्री० (-परिहानि) ધનુષ્યની પરિહાનિ, ઘટ ડો. धनुष्य की क्षति; धनुष्य का क्षय, नुकसान. the destruction of a bow प्रव० ४१३; —**पिट्ठ.** पुं० (-पृष्ठ) ધનુષ્યની પીઠ-કમાન धनुष्य की पीठ-, मान a bow stick. (२) ધનુષ્યની પીઠના આકારનું ક્ષેત્ર धनुष्य की पीठ के
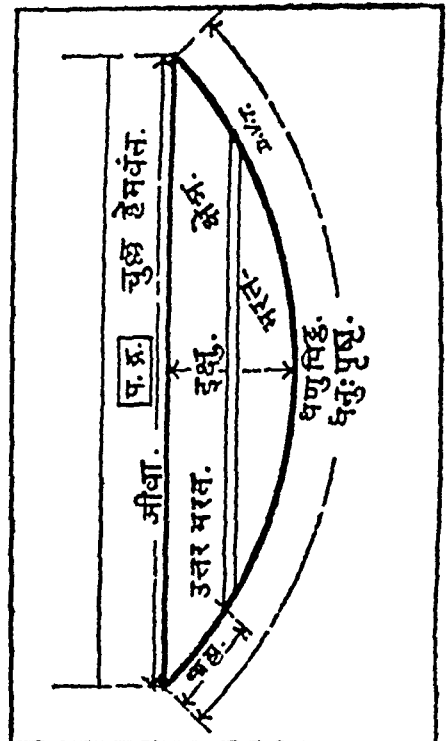
आकार का क्षेत्र. a field or region

having the shape of the back (stick) of a bow नाया० १ भग० ५ ६; —पुट्ठ. पुं० (-पृष्ठ) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपर का शब्द vide above. भग० ५, ६; -पुहुत्त. न० (-पृथक्त्व) બેથી નવ ધનુષ્ય પર્યંત दोसे नौ धनुष्य तक from 2 to 9 bows प्रव० ११८ —प्पमाण. न० (-प्रमाण) ધનુષ્યનું પ્રમાણ માપ. धनुष्य का प्रमाण, माप या नाप the measure of a bow भग० ६,७; —बल. न०(-बल) ધનુષ્યનું બલ धनुष्य का बल. strength equal to one Dhanuṣya (a measure) भग० ३, २. —वर न० (-वर) શ્રેષ્ઠ ધનુષ્ય श्रेष्ठ धनुष्य; उत्तम धनु. the best bow जं० प० ३, ५५. —सय. न० (-शत) એકસો ધનુષ્ય. शत धनुष्य, एकसौ धनुष्य hundred bows. प्रव० ४ ३; जं० प० ७, १३४; १, ४;

धणुक्क न०(धनुष्क) જુઓ " धणु " શબ્દ देखो " धणु " शब्द. Vide " धणु " अणुजो० १३३;

धणुग्गह. (धनुर्ग्रह) ધનુર્વા; એક પ્રકારનો વાયુનો રોગ धनुर्वात; एक प्रकार का वायु रोग Tetanus; a kind of disease pertaining to the wind जं० प० जीवा० ३, ३;

धणुद्धय. पुं० (धनुर्ध्वज) એ નામનો રાજા કે જે આવતી ચોવીસીમાં પહેલા મહાપદ્મ તીર્થંકર પાસે દીક્ષા લેશે. इस नामका एक राजा जो आगामी चौवीसी मे प्रथम महापद्म तीर्थंकर से दीक्षा लेगा. A king of this name who will be consecrated by the first Mahāpadma Tīrthaṅkara of the coming cycle. ठा० ८ १;

धणुग्गह पुं० (धनुर्ग्रह) ધનુષ્યને ગ્રહણ કરનાર धनुष्य को ग्रहण करने वाला One who takes a bow निसी० ६, २४;

धणुव्वेय. पुं० (धनुर्वेद) બાણ છોડવાની વિદ્યાનો ગ્રંથ; પાંચમો વેદ. धनुर्वेद; बाण चलाने की विद्या को सिखाने वाला ग्रंथ; पाचवां वेद. the work on the science of archery; the 5th Veda. नाया० १. श्रोव० ४०;

धणुह. न० (धनुष्) ધનુષ્ય. धनुष्य; धनु. A bow. भग० २१, १, २४, २२. —पुहुत्त न० (पृथक्त्व) બે ધનુષ્યથી માંડી નવ ધનુષ્ય સુધી दो धनुष्य से लगाकार नौ धनुष्य पर्यन्त from two bows to nine भग० २१, १; २२, १६;

धरण त्रि० (धन्य) ધન્યવાદને લાયક; સત્કર્મ કરવાથી મળતા સન્માનનું પાત્ર; આદરણીય; ભાગ્યશાલી. धन्यवाद के योग्य; सत्कर्म करने से मिलने हुए सन्मान योग्य, श्रादरणीय; सन्माननीय; भाग्यशाली Blessed. fit to be thanked; honoured or respected, fortunate; respectable जं०प० ५, ११२; ११७; पंचा० १५, ४४, २, ३५; ६, २६; गच्छा० ६५; नाया०१; २. ७; ८; १३; १४; १६ भग० ६,११.११, ११;१३, ६; १५, १; अणुजो० १२८; १३०; दसा० ६, ४; पराह० २, २; विवा० २, ७; (२) એક સાર્થવાહનું નામ. एक सार्थवाह का नाम. the name of a merchant नाया० ७; १५;

धरण न० (धान्य) ૨૪ પ્રકારનું ધાન્ય; દાણા. २४ प्रकार का धान्य; अनाज; दाना; नाज. The corn of 24 varieties कप्प० ४,८६. पराह०१,३, श्रोव० ३३; भग० ३.१; ६, ५. नाया० १;उत्त०११, २६, प्रव० ७२८; —कुलत्थ पुं० स्त्री० (कुलत्थ)

કલથી નામક ધાન્ય. कुलथी नामक धान्य a corn named "Kulathi" नाया० ५; भग० १८, १०; —पुंजियसमाणा त्रि० (-पुञ्जितसमाना) કચરા સહિત ઢગલો કરેલ ધાન્યના જેવું. कचरे सहित किये हुए धान्य के ढेर के समान; मिट्टी कंकर आदि से मिले हुए अनाज के ढेर के समान. like a heep of corn mixed with husk pebbles etc. ठा० ४, ४; —मास. पुं० स्त्री० (-माष) અડદ નામનું ધાન્ય. उर्द या उड़द नामक धान्य a pulse named Uḍada or Urda. नाया० ५; भग० १८, १०; —सरिसव. पुं० (-सर्षप) સરસવ નામનું ધાન્ય. सरसव (सरसों) नामक धान्य. a seed named Sarsava; mustard. नाया० ५; भग० १८, १०;

घत्तरट्ठ. पुं० (धृतराष्ट्र) કાલામુખ અને પગવાલો એક જાતનો હંસ काले पैर तथा मुँह वाला एक जाति का हंस. A swan with black bill and foot पराह० १, १;

धन्न त्रि० (धन्य) ધન્યવાદને લાયક. धन्यवाद के योग्य; धन्यवादार्ह. Fit to be thanked. भत्त० १६५; भग० २, १; जं० प० २, ३०. उवा० २, ११३; ६, १०३; पिं० नि० १२७, कप्प० १, ४; અણુત્તરોવવાઈ સૂત્રના ત્રીજા વર્ગના પ્રથમ અધ્યયનનું નામ अणुत्तरोववाइ सूत्र के तीसरे वर्ग के पहिले अध्ययन का नाम. the name of the 1st chapter of the 3rd class of the Aṇuttarovavāi Sūtra. अणुत्त० ३, १; (२) કાકંદી નગરી નિવાસી ભદ્રા સાર્થવાહીના પુત્ર; જે મહાવીર સ્વામી પાસે દીક્ષા લઈ છઠ છઠનાં પારણાં કરવા લાગ્યા; પારણે લુખ્ખા આહારથી આયંબિલ કરતા, એમ નવમાસની પ્રવજ્યા પાલી વિપુલ પર્વત ઉપર એક માસનો સંથારો કરી સર્વાર્થસિદ્ધ વિમાનમાં ૩૩ સાગરને આયુષ્યે ઉત્પન્ન થયા, ત્યાંથી એક અવતાર કરી મોક્ષે જશે काकंदी नगरी निवासी भद्रा सार्थवाही के पुत्र; जो महावीर स्वामी से दीक्षा लेकर छठ छठ (दो दो उपवास) के पारणे करने लगे, पारणों में लूखे सूखे आहार से आयंबिल करते थे; इस तरह नौ महिने की प्रव्रज्या पालकर, विपुल पर्वत पर एक महिने का संथारा कर सर्वार्थ सिद्ध विमान में ३३ सागर की आयु से उत्पन्न हुए और वहाँ से एक अवतार कर मोक्ष प्राप्त करेंगे. the son of the merchant Bhadrā dwelling in a Kākandī city who being consecrated by Mahāvīra Svāmī began to break his fast on every 3rd day and took coarse and dry food. In this manner remaining an ascetic for 9 months left food and water for a month on the Vipula mountain was born in the Sarvārthasiddhi celestial abode having a life period of 33 Sagars and will thence attain salvation after another incarnation. अणुत० ३, १;

धन्न. न० (धान्य) અનાજ; ધાન્ય. नाज; अनाज, धान्य Corn ठा० ३, २. प्रव० १७; ५३०; उवा० ३, ४६; १०, २७७; —णिहि. पुं० (-निधि) અનાજનો કોઠાર. धान्य भंडार; अनाज का कोठा granery; corn-house. ठा० ५, ३. —माण पुं० (-मान) માપવાનું સાધન धान्य मापने का साधन. a measure for corn. अणुजो० १३२;

धन्नइ. पुं० (धनाढ्य) આર્ય મહાગિરિના શિષ્ય आर्य महागिरि के शिष्य The disciple of Ārya Mahāgiri कप्प० ८;

धन्ना स्त्री० (धन्या) એ નામની એક સ્ત્રી इस नाम की एक स्त्री. A lady of this name. उवा० ३, १४६, १० २७१;

धन्नावह. पुं० (धन्नावह) એ નામનો એક રાજા. इस नामका एक राजा A king of this name विवा० २;

धमंत व० कृ० त्रि० (धमत्) ધમતો, ધમ ધમ એવો અવાજ કરતો. धम धम ऐसा आवाज करता हुआ, धमता हुआ Imitating a sonnd like " Dhama Dhama " blowing नाया० ६; भग० १५, १;

धमणी स्त्री० (धमनी) નાડી, નસ. नाडी, नस, Nerve; vein. पण्ह० १, १, उत्त० २, ३. अंत० ८; १; तदु० १६ उवा० २, ७२; ८, २५१; प्रव० ११६३; —(णि)अं.र. न० (-अंतर) બે નાડીએની વચ્ચે. दो नाडियों के बीच में. between the two nerves विवा० १;—सतय नं०(-सतत) માંસ રહિત શરીર હોવાથી નસો દેખાય તે શરીર સ્થિતિ मांस रहित शरीर होने से उसकी केवल नसों का दिखाई देना. चमाच्छादित अवस्था a state of the body in which all the veins are visible due to the absence of flesh भग० २, १; ३, १;

धमधमंत. व० कृ० त्रि० (धमधमायमान) એ પ્રકારનો શબ્દ કરતો इस प्रकार का शब्द करता हुआ. A sort of loud sound नाया० ८, ९; भग० १५, १; प्रव० १६५; उवा० २; १०६;

धमासस्सार पुं० (धमासस्सार) એક પ્રકારની વનસ્પતિ; ધમસો एक प्रकार की वनस्पति, धमासा. A kind of vegetation पन्न० १७;

धम्म. पुं० (धर्म) દુર્ગતિમાં પડતાં ધરી રાખનાર જ્ઞાન-દર્શન ચારિત્રરૂપ ધર્મ, દયા, ક્ષમા, સદાચાર આદિ આત્મશ્રેયની સામગ્રી. धर्म; दया क्षमा, सदाचार आदि आत्मश्रेयकी सामग्री दुर्गति में पड़ते से बचाने वाला ज्ञान दर्शन चरित्र रूप धर्म a substance for the blessedness of the soul such as religion; duty, morality etc; an observance in the form of right-belief which upholds a man from wrong path उत्त० १, ४२; २४, ७, ३०, ३६; ओव० ३८, सूय० २, ५, १२; आया० १, ६, २, १८३; नाया० १; २; ५; १२; १३; १४; १६; १८; उवा० २, ६८; ७, २२७; दसा० ४, ७६, ५, १८, ७, १२; ६, १७; भग० १, ६. २, १; ८, ३१; ३३; १७, २; २०, २; २५, ७; जं० प० २, ३३; पन्न० १; २०; नाया० ध० वव० १०, ८; ६; गाय० २३; ४२; सू० प० १; दस० १, १; सम० १; २३; २४; कप्प० २, १४; आव० २, १; भत्त० ६१; ६; प्रव० ५५७; गच्छा० ११६; (२) વસ્તુનો સ્વભાવ वस्तु का स्वभाव. the nature of an object सूय० १, २, २, ५; २, १, २८; नाया० १; ८; नंदी० ६४० १२; (३) દશવૈકાલિક સૂત્રના પહેલા અધ્યયનનું નામ. दशवैकालिक सूत्र के पहिले अध्ययन का नाम. the name of the 1st chapter of the Daśavaikālika Sūtra. अणुजो० १३१; (४) સૂયગડાંગ સૂત્રના નવમાં અધ્યયનનું નામ सूयगडांग सूत्रके नवें अध्ययन का नाम. the name of the 9th chapter of the Sūtragadānga Sūtra

सूय० १. ६, ३६; सम० १६; (५) જીવનો પર્યાય. जीव का पर्याय. a modification of the soul. विशे० १३७१; (६) ૧૫માં તીર્થંકરનું નામ. १५ वें तीर्थंकर का नाम. the name of the 15th Tirthaṅkara. आव० २, ३; कप्प० ६. १६१; प्रव० २६४. अणुजो० ११६; भग० २०, ८, (७) દરેક વસ્તુને ગતિ આપનાર અરૂપી દ્રવ્ય, ધર્માસ્તિકાય प्रत्येक वस्तु को गति देनेवाला अरूपी द्रव्य. धर्मास्तिकाय. an unvisible substance which gives to every object; Dharmāstikāya, fulcrum of motion. उत्त० २८, ७, ठा० ४; —(मं) अंतराइय. त्रि० (-अन्तरायिक) ધર્મમાં વિઘ્ન પાડનાર. धर्म में विघ्न डालने वाला. (one) who puts obstructions in religion. भग० ६, ३१; १६, ३; —अंतराय पुं० (-अन्तराय) ધર્મમાં વિઘ્ન. धर्म मे विघ्न, बाधा, रुकावट या व्यत्यय. an obstruction. गच्छा० ६८; —(मं) अंतेवासि. (-अन्तेवासिन्) દીક્ષા લઈ ગુરૂની સમીપ રહેનાર શિષ્ય. दीक्षा प्राप्तकर गुरु के समीप रहने वाला शिष्य. a disciple living near a preceptor after initiation. ठा० १०; भग० १५, १; —अंस पुं० (-अंश) ધર્મનો અંશ धर्म का भाग, अंश a portion of religion. प्रव० ६३६; —अणायर पुं० (-अनादर) ધર્મને વિષે અનાદર. धर्म के विषय में अनादर disrespect towards religion प्रव० १२२२; —अणु (ये)ओग. पुं० (-अनुयोग) ધર્મની વ્યાખ્યા. धर्म की व्याख्या. the definition of religion. नाया० १; —अणुग त्रि० (-अनुग) ધર્મ માર્ગમાં ચાલનાર धर्म मार्ग से चलने वाला (one) who walks on the path of religion. भग० १२, २; —अणुपेहि त्रि० (-अनुप्रेक्षिन्) ધર્મ ભાવના ભાવનાર. धर्म की भावना रखने वाला (one) who has a religious inclination प्रव० ६४६; —अणुराय पुं० (-अनुराग) ધર્મ ઉપર પ્રીતિ. धर्म से प्रीति, धर्मरुचि delight in religion उत्त० ६५; —अधम्म. पुं० (-अधर्म) ધર્મ અને અધર્મ धर्म और अधर्म right and wrong. भग० १७, २; —अववोहिया स्त्री० (-अवबोधिका) ધર્મનો બોધ કરનાર (વાણી) धर्म को समझाने वाली (वाणी). a speech expounding religion. प्रव० ४४६; —इच्छिय. न० (-ईप्सित) ધર્મની અભિલાષા धर्म की अभिलाषा. a desire for righteousness भग० १८, २; —उवएस. पुं० (-उपदेश) ધર્મનો ઉપદેશ धर्म का उपदेश, धर्म की शिक्षा religious preaching; a sermon भग० ७, ६; गच्छा० १३३; —उवएसग पुं० (-उपदेशक) ધર્મનો ઉપદેશક. धर्म का उपदेश देनेवाला. a religious preacher. भग० १५, १, नाया० १६; —उवएसग पुं० (-उपदेशक) જુઓ " धम्म उवएसग " देखो " धम्म उवएसग " vide. " धम्म उवएसग " उवा० १, ७३. ७, १६६; भग० २, १, ७, १०; नाया० १; —उवएसय पुं० (-उपदेशक) જુઓ " धम्म उवएसग " देखो " धम्म उवएसग " vide. " धम्म उवएसग " भग० २. १; १८, ७. —करण न० (-करण) ધર્મ કરવો તે ધર્મનું સેવન धर्माचरण. धर्म

सेवन; धर्म पालन. right conduct, religious practice पचा० २; ८ —कहा. स्त्री० (कथा) धर्मनी चर्चा, धर्मोपदेश, धर्मप्रधान दान, शील, तप भाव वगेरे संबंधी कथा. धर्मकी चर्चा, धर्मोपदेश, धर्मप्रधान दान, शील, तप, भाव आदि के विषयकी कथा. religious teaching; a sermon; religious tales भग० १८, २; २५, ७; नाया० १; ५. ६, नाया० ध०; निर० ३, ४, पि० नि० ३१२; सम० ६, ठा० ३, ३. उत्त० २६, २: अणुजो० १३: ओव० २०; गच्छा० १२६; उवा० १, ११, २, ११७; —कहि. त्रि० (-कथिन्) धर्मकथा कहेनार धर्म कथा कहने वाला, कथाकरी, धर्म कथक. an expounder of religious tales. उवा० ७, २१६, प्रव० ६४८,—कामय त्रि० (-कामक) धर्मने इच्छनार. धर्मेच्छुक; धर्म को चाहने वाला desirous of righteousness, religious merit. भग० २, ७; —कामि. त्रि० (-कामिन्) धर्मने इच्छनार. धर्मकी इच्छा करने वाला. one devoted to religion; one desirous of religion दस० ६, १, १६: —किरिया स्त्री० (-क्रिया) धर्मनी क्रिया. धर्मकी क्रिया धर्मक्रिया. धर्मकार्य. religious deeds प्रव० १५६१: -गुण पुं० (-गुण) धर्मना गुण धर्म के गुण the attributes of religion पंचा० १, ४८; —चक्क न० (-चक्र) धर्मनो प्रकाश करनारू धर्मचक्र तीर्थंकरनी आगल चाले तीर्थंकरना ३४ अतिशयमांनो २१मो अतिशय धर्मको प्रकाशित करने वाल धर्मचक्र-तीर्थंकरके आगे चलताहै तीर्थंकरके ३४ अतिशयों मेंसे २१वां अतिशय a supernatural manifestation which manifests the 21st of the 34 supernatural manifestations of a Tirthankara. प्रव० ४५१; —चिंतग त्रि० (-चिन्तक) धर्मनु चिन्तन करनार; धर्मशास्त्रोना चिन्तन-मनन उपर निर्वाह चलावनार वर्ग धर्मशास्त्रों के चिंतन तथा मनन पर अपना निर्वाह करनेवाला वर्ग; धर्मका चिन्तन या अध्ययन करनेवाला. one who practises religious meditation, a class of men substing upon religious meditation अणुजो० २०; —चिंता स्त्री० (-चिन्ता) धर्मनी चिन्ता-विचारणा करवी ते. धर्मचिंता, धर्म विचारणा religious meditation. गच्छा० ५६; प्रव० ७४४; दसा० ५, १८; —जणणी स्त्री० (-जननी) धर्मनी मा; धर्मने उत्पन्न करनार (यतना) धर्मकी माता; धर्म जननी, धर्म को उत्पन्न करने वाली (यतना). the mother of religion; the originator of religion. पंचा० ७, ३०, —जागरिया. स्त्री० (-जागरिका) धर्मने माटे जागरण करवुं ते धर्म के लिए किया जानेवाला जागरण. keeping awake at night for religious meditation भग० २, १; १२, १, २; नाया० १; ५; १६; ठा० ४, २, वेय० १, १६, अणुत्त० १; निर० २, १; कप्प० ६, ५१; (२) कुलधर्म प्रमाणे छट्ठे दिवसे जागरण थाय छे ते कुलधर्मानुसार छठे दिनका जागरण a vigil kept on the 6th day according to one's family or religious customs. कप्प० ५, १०१, —(मा) जीवि त्रि० (-जीविन्) संयममां जीवन गालनार संयम पूर्ण जीवन बिताने वाला practising religion, leading a self-restrined life. दस० ६, ५०; —जोग. पु० (-योग)

धर्मनो योग-संबंध. धर्म का संबन्ध; धर्म योग. the connection or contact with religion. प्रव० १०६७; —ज्झया. स्त्री० (-ध्वजा) धर्मनी ध्वजा जे तीर्थंकरनी पासे रहे छे. धर्म की ध्वजा जो तीर्थंकर के पास रहती है. the religious flag accompanying a Tirthankara. भग० १, १; —ज्झाण न० (-ध्यान) आज्ञा विचयादिरूप धर्म चिंतन; धर्म विचारमां तल्लीनता; चार प्रकारना ध्यानमांनुं एक. आज्ञा विचयादि रूप धर्म चिंतन; धर्म विचारों में तल्लीनता; चार प्रकार के ध्यानों मे से एक religious meditation, concentration upon religious thoughts; one of the 4 kinds of contemplations. सम० ४; ठा० ४, १; ओव० नाया० ८; भग० २५, ७; आव० ४, ७, —ज्झाणरय. त्रि० (-ध्यानरत) धर्मना ध्यानमां रत-तत्पर. धर्म ध्यान परायण: धर्म के ध्यान में निमग्न. (one) devoted to religious thoughts, given solely to it. दस० १०, १, १६; —(ऽ) ट्ठि त्रि० (-अर्थिन्) धर्मने इच्छनार; धर्मनी वांछा राखनार. धर्मार्थी, धर्म को चाहने वाला, धर्मेच्छुक. desirous of righteousness दस० ६, ३२; —तित्थ पुं० (-तीर्थ) धर्मनुं तीर्थमार्ग; धर्मतीर्थनी स्थापना. धर्म का तीर्थ मार्ग; धर्म तीर्थ की स्थापना. a religious; establishment of a religious order. नाया० ८; सम० प० २४१; —(ऽ) त्थ त्रि० (-अर्थ) धर्मने माटे. धर्म के लिये. for the sake of religion. दस० ६, ४; —(ऽ) त्थकाम पुं० (-अर्थकाम) धर्म अर्थ-काम; चार पुरुषार्थमांना पहेला त्रण धर्म, अर्थ, काम; चारों पुरुषार्थ मेंसे पहिले तीन the 1st three of the four ideals of human existence. religion, worldly prosperity and enjoyment. दस० ६, ४; —(ऽ) त्थिय त्रि० (-अर्थिक) धर्मनो ग्राहक धर्म का ग्राहक; धर्म के स्वीकार करने वाला. a recipient of religion. भग० १२, २; —दार न० (-द्वार) धर्मनुं द्वार धर्म द्वार, धर्म का दर्वाजा the entrance of religion ठा० ४, ४, —देव पुं० (-देव) धर्ममा देव समान साधु मुनि. धर्म में देव समान; साधु. मुनि like a god in religion; a saint भग० १२ ८, —देसअ-य पुं० (-देशक — धर्म देशयति बोधयत इति) धर्म देनार; धर्मनो मार्ग देखाडनार. धर्म प्रदान करने वाला; धर्म का मार्ग बतलाने वाला. (one) who shows religion or its path. जं० प० ५, ११५, कप्प० २, १५; नाया० १; —दअ-य पुं० (-दद) श्रुत चारित्र रूप धर्मना देनार. श्रुत चारित्र रूप धर्म का देनेवाला a preacher, a preceptor. जं० प० ५, ११५ ओव० ६, ११, नाया० १; कप्प० २, १५, —देसग पुं० (देशक) जुओ "धम्मदेसिय" शब्द. देखो 'धम्म देसिय" शब्द vide "धम्मदेसिय" जं० प० ५, ११५; भग० १ १. —देसिय. पुं० (-देशक) धर्मनो उपदेश आपनार; धर्म का उपदेश देने वाला. religious instructor. आव० ६, ११; —धुरधवल पुं० (-धुर्धवल) धर्मनी धोंसरी उपाडवामां धवल-उत्तम बलद समान. धर्मकी धुरी को उठाने मे श्रेष्ठ (अच्छे बैल के समान) fit (like a good bull) to support the yoke of religion प्रव० ४०२, —धुरा स्त्री० (-धुरा) धर्म

धोंसरी-भार धर्म की धुरी; धर्म का भार the yoke of religion, i. e its burden नाया० ८; —नायग. पुं० (-नायक) धर्मनो नेता, अग्रेसर धर्माग्रणी, धर्म के नेता, धर्म धुरंधर, धर्म के आचार्य a religious leader. जं० प० ५,११५; कप्प० २,१५; भग० १, १०, आव० ६,११; —पय. न०(-पद) धर्मनुं पद स्थान धर्मका पद स्थान the abode of religion दस०६,१,१२,—परिभट्ट त्रि०(-परिभ्रष्ट) धर्मथी पडी गयेल धर्मच्युत; धर्म-पतित; धर्मभ्रष्ट, विगतधर्मा, अधर्मा. fallen or degenerated from religion. नाया०१७, —पुरिस. पुं० (-पुरुष) धर्म प्रधान पुरुष, अरिहंत. धर्म प्रधान पुरुष, अरिहंत. the principal religious person; Arihanta ठा० ३, १; पंचा० ६, २७; —पुरिससीह. पुं० (-पुरुषसिंह) धर्मि पुरुषोमा सिंह समान. धार्मिक पुरुषों में सिंहवत्, धर्म केसरी, धर्म पंचानन a lion amongst the religious persons प्रव० ४१४, —रयण न० (-रत्न) धर्मरत्न, श्रेष्ठ धर्म धर्मरत्न, उत्तमधर्म, उत्कृष्टधर्म, अच्छा धर्म a jewel of religion, the best religion प्रव० १३७०; —रहस्स न० (-रहस्य) धर्मनुं तत्व धर्म का तत्व, धर्म की सार बात. the reality or principle of religion. पंचा० ७, ३, —राअ. पुं० (-राग) धर्म उपर प्रीति. धर्मानुराग; धर्मपर प्रेम love towards religion. पंचा० १, ४; ३, ५; प्रव० ६४३;—रुइ स्त्री० (-रुचि) धर्म उपर रुचि-लागणी. धर्म विषयक प्रीति, लगन, धर्म में दिलचस्पी. religious attachment. प्रव० ६६४, —वर पुं० (-वर) श्रेष्ठ धर्म. श्रेष्ठ धर्म, उत्तम धर्म the best religion. जं० प० २, ३०; ५, ११५; भग० १, १; —विसय. पुं० (-विषय) धर्मनो विषय. धर्म का विषय. the subject of religion. नाया० ८; —सण्णा स्त्री० (-संज्ञा-धर्मश्रद्धा स्वमज्ञा गलिता) धर्मनी संज्ञा-श्रद्धा-निश्चय धर्म की संज्ञा-श्रद्धा-निश्चय-विश्वास. a recognition of religion viz. faith, resolve or belief. "धम्म सण्ण सम्मत्त परिब्भट्टा" भग० ७, ६; —सद्धा. स्त्री० (-श्रद्धा) सत्य धर्मनी श्रद्धा धर्म पर श्रद्धा, धर्म विषयक आस्था. faith in religion. उत्त० २६, २; —सरण न० (-शरण) धर्मनुं शरण धर्म का आश्रय या शरण. the shelter of religion. नाया० ९; —सवण न० (-श्रवण) धर्मनु साभलवुं. धर्म का सुनना; धर्म श्रवण, धार्मिक वातों का श्रवण करना. hearing of religion पंचा० १०,१०; —सार पुं० (-सार) धर्मनुं तत्व. धर्म का सार या तत्व the essence or reality of religion. पंचा० ७, २६, —सारहि. पुं० (-सारथि -धर्मरूपरथस्य प्रवर्तकत्वेन सारथिरिव सारथिः) धर्मने चलावनार; धर्म प्रवर्तक धर्म को चलाने वाला; धर्मसंस्थापक या प्रवर्तक a founder or propounder of religion जं० प० ५, ११५; कप्प० २, १५; भग० १, १; आव० ६. ११; —साहअ त्रि० (-साधक) धर्मने साधनार. धर्म साधक; धर्म को साधने वाला, धर्माचरण करने वाला (one) who upholds or maintains religion प्रव० ५८१, —सुक्कज्झाण. न० (-शुक्लध्यान) धर्मध्यान अने शुक्ल ध्यान, चार ध्यानमांना बे श्रेष्ठ ध्यान धर्म

ध्यान और शुक्लध्यान; चार प्रकार के ध्यानों में से दो श्रेष्ठ ध्यान. the 2 best forms of the 4 religious meditations; viz. Dharma Dhyāna and Śukla Dhyāna. प्रव० ५२५;
—हिगारि. त्रि० (-अधिकारिन्) धर्मनो अधिकारी; धर्म पालवाने लायक. धर्म का अधिकारी; धर्म पालन करने के योग्य. one fit for practising of religion. पंचा० २, २; ६, ४१;

धम्म. त्रि० (धर्म्य) धर्मयुक्त; धर्मने लायक. धर्म युक्त; धर्म योग्य. Just; consistent with religion जं० प० ५, ११५; २, ३०; १, १; उत्त० १६, ७; ८;

धम्मघोस पुं० (धर्मघोष) ए नामना एक थविर साधु इस नाम का एक बूढा साधु. An old saint of this name. नाया० २; ८; १५; भग० ११, ११; १५,१; विवा० १; —थेर. पुं० (-स्थविर) धर्मघोष नामना स्थविर-वृद्ध साधु. धर्मघोष नामक वृद्ध साधु. an old ascetic named Dharma Ghośa नाया० ८; १६; १६;

धम्मज्झश्र पुं० (धर्मध्वज) जंबुद्वीपना एरवत क्षेत्रमां आवती उत्सर्पिणीमां थनार पांचमा तीर्थंकर. जंबूद्वीप के ऐरवत क्षेत्र में आगामी उत्सर्पिणी मे होने वाले पांचवे तीर्थंकर. The fifth would-be Tirthankara of Airvata region in Jambūdvīpa सम० प० २४२;

धम्मण. न० (ध्मान) फुंक मारवी; वायु पूरवो ते. फूंकना, वायु धमना; फूंकसे हवा करना. Blowing; inflating. पराह० १, १;

धम्मत्थकामज्झयण न० (धर्मार्थकामध्ययन) धर्मार्थकाम नामे दशवैकालिक सूत्रनु छठु अध्ययन धर्मार्थकाम नामक दशवैकालिक सूत्र का छठा अध्ययन. the sixth chapter of the Daśavaikālika Sūtra dealing with the three of the four ideals of human existence (Dharma, Artha and Kāma) दस० ६, ६६;

धम्मत्थिश्राइय. पुं० (धर्मास्तिकायिक) असंख्येय प्रदेशात्मक, लोकव्यापी, अमूर्त, जीव अने पुद्गलने गति करवामा सहायक द्रव्य. असंख्येय प्रदेशात्मक, लोकव्याप्त, अमूर्त, जीव और पुद्गलको गति करनेमें सहायता देनेवाला द्रव्य. A substance which is the medium of motion to soul and matter and which contains innumerable atoms of space, pervades the whole universe and has no form; the fulcrum of motion विशे० ४०३;

धम्मत्थिकाय. पुं० (धर्मास्तिकाय) एक प्रकारनुं लोकव्यापी अमूर्त द्रव्य के जे सर्वने गतिमां सहाय करे छे. एक प्रकार का विश्व व्यापी अमूर्त्त द्रव्य जो वस्तु मात्र को गतिमें सहायता करता है. A substance which is the medium of motion to soul and matter, and which contains innumerable atoms of space, pervades the whole universe and has no form; a fulcrum of motion. भग० १, ६, २, १०; ७, १०; २०, २, सम० ५; उत्त० ३६, ४, पन्न० १, राय० २७०; जीवा० १, अणुजो० ६७. १३१;

धम्मपरणत्ति स्त्री० (धर्मप्रज्ञप्ति) दशवैकालिक सूत्रनो चतुर्थ अध्याय, जेमां धर्मनु प्रतिपादन करेलु छे. दशवैकालिक सूत्र का चौथा अध्याय, जिसमें धर्म का प्रतिपादन किया गया है. The 4th chapter of the Daśavaikālika Sūtra

which deals with an exposition of religion. दस० ४;

धम्ममय. त्रि० (धर्ममय) ધર્મ પ્રધાન; ધર્મરૂપ. धर्म प्रधान; धर्म स्वरूप Full of or abounding in religion. उवा० ७, २१६;

धम्ममाण व० कृ० त्रि० (ध्मायमान) ધમતો; ધમણ ફુંકતો. धमनी फूंकता हुआ; धम्मन चलाता हुआ. Blowing the bellows. नाया० ८; भग० १५, १;

धम्ममित्त. पुं० (धर्ममित्र) છઠ્ઠા તીર્થંકરના ત્રીજા પૂર્વ ભવનું નામ. छठे तीर्थंकर के तीसरे पूर्व भव का नाम The name of the 3rd past life of the 6th Tīrthankara. सम० प० २३०,

धम्मरुइ. पुं० (धर्मरुचि) ધર્મમાં પ્રેમ; સમકિતનો એક પ્રકાર. धर्म में प्रीति, सम्यक्त्व का एक प्रकार Love for religion; a variety of Samakita. उत्त० १८, १६; (२) એ નામના એક સાધુ इस नाम का एक साधु. an ascetic of this name नाया० १६; विवा० १०; —अणगार. पुं० (-अनगार) ધર્મરૂચિ નામના સાધુ धर्मरुचि नामक साधु an ascetic named Dharmaruchi नाया० १६,

धम्मरुक्ख. पुं० (धर्मवृक्ष) એ નામનું વલય જાતિનું એક વૃક્ષ. इस नाम का वलय जाति का एक वृक्ष A tree of this name belonging to the Valaya (creepers) class पन्न० १;

धम्मवि त्रि० (धर्मविन्-धर्म वेत्तीति) ધર્મને સારી રીતે જાણનાર. धर्म को अच्छी तरह से जानने वाला, धर्मदक्ष, धर्मपटु (One) thoroughly versed in religion. आया० १, ३, १, १०७;

धम्मविउ त्रि० (धर्मविद्) શાસ્ત્રોક્ત ધર્મને જાણનાર. शास्त्र कथित धर्म को जानने वाला. One who knows religion as prescribed by the scriptures. आया० १, ३, १, १०७; सूय० १, १, १, २०;

धम्मविरति. पुं० (धर्मविरति) એ નામના એક સાધુ. इस नामका एक साधु. An ascetic of this name. विवा० ६;

धम्मसीह. पुं० (धर्मसिंह) પાટલીપુત્રના ચન્દ્રગુપ્તના સમયના ચન્દ્રગુપ્તના પુત્ર બિંદુસારના સુબુદ્ધિ મંત્રીનો મિત્ર-એક રાજા. एक राजा जो पाटली पुत्र के चंद्रगुप्त के समय में उसके पुत्र बिन्दुसारके सुबुद्धि मंत्रीका मित्र था. A king in the reign of Chandra Gupta who was a friend of Subuddhi a minister of Bindusāra the son of Chandra Gupta. सत्था० ७०; (२) ચોથા તીર્થંકરના ત્રીજા પૂર્વ ભવનું નામ चौथे तीर्थंकर के तीसरे पूर्वभव का नाम. the name of the third past life of the 4th Tīrthankara. सम० प० २३०; (३) સાધુનું નામ. साधु का नाम a name of an ascetic विवा० ८; (४) ૧૫મા તીર્થંકરને પ્રથમ ભિક્ષા આપનાર ગૃહસ્થ. १५वे तीर्थंकर को प्रथम भिक्षा देने वाला गृहस्थ. the person who first of all offered alms to the 16th Tīrthankara सम० प० २३२;

धम्मसेण. पुं० (धर्मसेन) સાતમા બલદેવના ત્રીજા પૂર્વભવનું નામ सातवें बलदेव के तीसरे पूर्वभव का नाम. The name of of the third past life of the 7th Baladeva. सम० प० २३६,

धम्मा स्त्री० (धर्मा) એ નામની એક સ્ત્રી इस नाम की एक स्त्री A lady of this

name. नाया० ध० १०;

धम्मायरिय. त्रि० (धर्माचार्य) धर्मना आचार्य; धर्म पालनार तथा पलावनार साधु धर्माचार्य; धर्म पालक तथा पालन करवाने वाला साधु. A religious preceptor; an ascetic who abides by religion himself and causes others to do the same. राय० २३३; २७०; सम० ६; ठा० ३, १; ओव० १२; भग० २, १; ७, ६, १०; १४, १; १८, ७; नाया० १; ४; १३; १६; १६; पंचा० १, ४६; वव० १०, १३; १४; उवा० १, ७३; ७, १६६; प्रव० ६५०; —अनुराग. पुं० (-अनुराग) धर्माचार्य प्रत्येनो प्रेम. धर्माचार्य के प्रति प्रेम; श्रद्धा. devotion or faith in a religious preceptor. भग० १५, १;

धम्माविअ. त्रि० (ध्मापित) धमणथी ऊनुं करेल; धम्माथी धमेल. धमनी से गरम किया हुआ; धम्मन से धमा हुआ. Heated or blown by the bellows. राय० २५६;

धम्मिट्ठ. त्रि० (धर्मिष्ठ) धर्ममां तत्पर; धर्मनी ऊंडी लागणी वालो; धर्म प्रेमी. धर्म तत्पर; धर्मपरायण; धर्मवत्सल; धर्मवृत्ति वाला. Ready or devoted to religion. ओव० ४१;

धम्मिय. त्रि० (धार्मिक) धर्माचरणी; धर्मवान; धर्मसंबंधी. धर्मात्मा; धार्मिक; धर्मशील; धर्म विषयक. Religious; righteous; pertaining to religion. ठा० ३, ३; सूय० १, २, १.६; पिं० नि० २४३; राय० २५; १७०; जीवा० ३; दसा० १०, १; ओव० २७; ३०; ४१; नाया० १; भग० २. ७. २, १; ३, १; ६, ३३; ११, ११; १२, १; उवा० १, ६१; ७, २०६; कप्प० ३. ५६; —आराहणा. स्त्री० (-आराधना) धर्म संबंधी आराधना-सेवा. धार्मिक आराधना, पूजा, सेवा आदि religious worship or service. ठा० २, ४, —जण. पुं० (-जन) धर्मवंत माणस. धर्मात्मा पुरुष. a religious person; a saint पंचा० २, ५; —जाण. न० (-यान) धर्मकार्य माटे जवाने मलतुं यान-वाहन. धर्मकार्य के लिये जाते समय मिलने वाला यान-वाहन. a conveyance used for religious purposes नाया० ८, दसा० १०, १; नाया० ध०

धम्मिल्ल. पुं० (धम्मिल) केशबंध. वेणी, अंबोडो. जूडा; वेणी; अमोडा; केशगुच्छ; केशग्रंथि. A knot or braid of hair सु० च० १४, ४७;

धम्मीसर. पुं० (धर्मेश्वर) भरतक्षेत्रमां थइ गयेल गई चोवीसीना २०मा तीर्थंकरनुं नाम भरतक्षेत्र की गत चौवीसी के २० वें तीर्थंकर का नाम. Name of the 20th Tirthankara of the past cycle of Bharataksetra प्रव० २९२.

√धय. धा० I. (धेट्) पीवुं; धाववुं पीना; धाना-दूध पीना, स्तन पान करना आदि. To drink; to suck.

धयंति पिं० नि० ४११;

धय पुं० (ध्वज) ध्वज. वावटो. पताका; ध्वजा; झंडा. A flag; a pennon. भग० ७, ६; ओघ० नि० भा० ८५; कप्प० ३, ४०;

धया. स्त्री० (ध्वजा) वावटो. ध्वजा. झंडी; पताका; झंडा. A pennon; a banner. नाया० १६; सु० च० २. ४५;

√धर. धा० I, II. (धृ) धारण करवुं. धारण करना. To bear or wear.

धरेइ. जं० प० ५, १२२; ११७; नाया० १६;

निसी० १, ४७; २, ५; ५, २८;
१४, ७; उवा० ७, २१८,
धारिज्जति क० वा० उत्त० ३, २७;
धरिज्जमाण. क० वा० व० कृ० भग० ७, ६;
६, ३३, नाया० १. श्रोव० ३१;
दसा० १०, १, उवा० १, १०;
धरंत व० कृ० सु० च० २, ४६
धरित ओघ० नि० ५३२,
धरंत. ज० प० ३, ५४;

धर. त्रि० (धर धरतीति धरः) धारण करनार; धारी राखनार. धारण करने वाला, धारक, रखने वाला. One who holds, holder, wearer भग० २, १, १२, १ २५, ६; श्रोव० २१, सम० १; सम०प० २३१; उत्त० १२, १, उवा० ७. १९७; १६६; (२) जंबु द्वीपना ऐरवत क्षेत्रमा चालु अव सर्पिणीमा थयेल २० मा तीर्थंकर. जबूद्वीप के ऐरवत क्षेत्र में प्रचलित अवसर्पिणी मे उत्पन्न २० वे तीर्थंकर. the 20th Tirthankara of the aeon of decreas in the Airavata region of Jambū dvīpa सम० प० २४०, (३) छठ्ठा तीर्थंकरना पिता छठे तीर्थंकर के पिता the father of the 6th Tirthn-kara प्रव० ३२३, सम० प०२२६; (४) ए नामनो मथुरा नगरीनो राजा. इस नामका मथुरा नगरी का राजा. the king of Mathurā known by this name. नाया० १६;

धरण. पु० (धरण) दक्षिण दिशाना नागकुमारोनो इंद्र-धरणेन्द्र दक्षिण दिशा के नागकुमारों का इन्द्र. The Indra of the Nāgakumāra of the southern direction. जं०प०५, ११६; नाया० ध० २; ठा० २. ३; सम० ३२; ४५; श्रोव० ३२; पन्न० २, जीवा० ३, ४; भग० ३, १; १०, ४; (२) धरणेन्द्रनो मित्र. धरणेन्द्र का मित्र. the friend of Dharanendra. नाया० ८, (३) अंतगडसूत्रना बीजा वर्गना छठ्ठा अध्ययननुं नाम. अतगड सूत्र के दूसरे वर्ग के छठे अध्ययन का नाम. the name of the 6th chapter of the 2nd class of Antagada Sūtras.(४) अंधकवृष्णि राजानी धारणीना पुत्र के जे नेमिनाथ पासे दीक्षा लई, गुणरयण तप करी, १६ वर्षनी प्रव्रज्या पाली, एक मासनो संथारो करी, शत्रुंजय उपर सिद्ध थया. अंधकवृष्णि राजा की धारणी के पुत्र जिन्होंने नेमिनाथजी से दीक्षा ली, गुणरयण तप किया, १६ वर्ष की प्रव्रज्या पाली और एक मास का संथारा कर शत्रुंजय पर सिद्धि प्राप्त की the son of the queen Dhāranī wife of the king Andhakavrisni who was consecrated by the revered Nemināthа, performed the Gunarayana penance, remained an ascetic for 16 years and fasting for a month attained Siddhi अंत० २, ६;

*__धरण.__ न० (१) लाघण करवी. लघन करना. Fasting. प्रव० ४४२;

धरणा. स्त्री० (धरणा) धरणेन्द्रनी धरणा नामे राजधानी धरणेन्द्र की धरणा नामक राजधानी. The capital city named Dharanā of the king Dharanendra. भग० १०, ५,

धरणि स्त्री० (धरणि) पृथ्वी; धरा, भूमि. पृथ्वी, धरा; भूमि; वसु; वसुन्धरा. The earth. जं० प० भग० ७, ६; १५, १, नाया० १; पन्न० १७; सम० ११; राय० २२; ७२; जीवा० ३, ४; श्रोव० १२, उवा०

२, १०७; (२) બારમાં તીર્થંકરની મુખ્ય સાધ્વી. बारहवें तीर्थंकर की मुख्य साध्वी. the principal nun of the 12th Tīrthankara. प्रव० ३०८; सम० प० २३४; (३) અરનાથજીની દેવીનું નામ. अरनाथजी की रानी का नाम. the name of the queen of Aranāthjī. प्रव० ३०८; —य (अ) ल. न० (-तल) પૃથ્વીતલ; પૃથ્વીની સપાટી. धरातल; पृथ्वी का समतल भाग;चौपाटी.the surface of the earth. नाया० १; २; ६; ८; १६; सु० च० १, ५५; नाया० ध० जं० प० ५, ११५; —गोयर. त्रि० (-गोचर) પૃથ્વી તરફ. पृथ्वी की ओर, पृथ्वी में दिखाई देने वाला. towards the earth; visible on the earth. नाया० १६ —(णि) तल. न० (-तल) પૃથ્વીની સપાટી. धरातल; पृथ्वी का समतल भाग. the surface of the earth जं०प० ५, ११२; ४, १०३; नाया० १, ६; भग० ७, १; ११, १०; कप्प० २, १४: —(णि) तलपइट्ठाण. न० (-तलप्रतिष्ठान) ધરણીતલને વિષે રહેવું-સ્થાપિત કરવું. किसी स्थान में प्रतिष्ठित होना; पृथ्वी के किसी भागमें स्थापित होना; निवास करना. establishing oneself on the surface of the earth. दसा० ६, १;

धराणिधरा. स्त्री० (धरणीधरा) તેરમાં તીર્થંકરની મુખ્ય સાધ્વી. तेरहवे तीर्थंकर की प्रमुख साध्वी. The principal nun of the 13th Tīrthankara. सम० प० २३४,

धराणिरायहाणी. स्त्री० (धरणिराजधानी) એ નામની એક રાજધાની. इस नाम की राजधानी. A capital city of this name. नाया० ध० ३;

धरणोववाअ पुं० (धरणोपपात) એ નામનું એક કાલિક સૂત્ર. इस नामका एक कालिक सूत्र A Kālika Sūtra of this name. नंदी० ४३, वव० १०, २८;

धरा स्त्री० (धरा) તેરમા તીર્થંકરની મુખ્ય સાધ્વીનું નામ.तेरहवें तीर्थंकर की मुख्य साध्वी का नाम. The name of the principal nun of the 13th Tīrthankara प्रव० ३०८;

धरिज्जमाण व० कृ० त्रि०(ध्रियमाण) ધારણ કરાતું. धारण किया जाने वाला. That which is supported or worn. नाया० १;

धरिम न० (धरिम) ત્રાજવાથી તોલીને વેચી શકાય તેવી વસ્તુ. तराजू से तौलकर बेचा जा सकने वाली वस्तु. Things which can be sold by weighing नाया० ८; ६; १५;

धरिय त्रि० (धारित) ધારણ કરેલુ धारण किया हुआ; ओढ़ा हुआ; पहिना हुआ. Held पिं० नि० ५६८;

धरिय त्रि० (*) ઢાંકેલું; આચ્છાદિત. ढँका हुआ; आच्छादित. Covered. भग० ६, ३३;

√धरिस धा० II (धृष्) પરાભવ કરવો; ધમકારો કરવો पराभव करना. हराना; भयभीत करना; जीतना. To defeat; to rush on.

धरिसेइ. उत्त० ३२, १२;

√धरिस धा० II. (धृष्) ધાસપામવો; દુઃખ પામવું. भयभीत होना; दुःख पाना. To fear, to suffer pain.

धासइ क० वा० सूय० १, १३, ५,

धरिसणा. स्त्री० (धर्षणा) વચનથી તર છોડવું, ધિક્કારવો शाब्दिक तिरस्कार; निर्भर्त्सना, धिक्कार, झिड़कना Threa-

tening or reproaching by words. ओव० २१;

धव पुं० (धव) એ નામનું એક વૃક્ષ; ધાવડીનું ઝાડ इस नामका एक झाड़; धावड़ का वृक्ष. A kind of a tree जीवा० १, पन्न० १, ओव०

√धवल न० धा० I (धवल्) ધોળું કરવું सफेद करना. To whiten.

धवलइ सु- च० ७, १४४;

धवल. त्रि० (धवल) ધોળું સફેદ. धोला; धवल, सफद; श्वेत. White. जं० प० ५, १२२, ३, ५१, नाया० १; ८, ओव० १०; २१; ३१; अणुजो० १३१; भग० ६, ३३, प्रव० ४४७, कप्प० ४, ६२; उवा० २, १०१, —जोण्हा स्त्री० (-ज्योत्स्ना) શ્વેત ચન્દ્રિકા, ચાંદની सफेद चांदनी, श्वेत ज्योत्स्ना moonlight. नाया०१; —पक्ख. पुं० (-पक्ष) શુક્લ પક્ષ; અજવાળીયું. उजाला पक्ष या पखवाड़ा, शुक्ल पक्ष. the bright-half of a month. प्रव० १५५८; —मरीचि. स्त्री० (-मरीचि) શ્વેત કિરણ. सफेद किरण; श्वेत रश्मि. white ray; the moon. नाया० १, —वेला. स्त्री० (-वेला) સમુદ્રની ભરતી सामुद्रिक ज्वार; समुद्र का चढाव the tide of the sea नाया० ६; —हर. न० (-गृह) ધોળું ઘર. धवल गृह, सफेद घर a white house जीवा० ३, ३;

√घस धा० I (घूस्) ધસવું. એકદમ પ્રવેશ કરવો. घुसजाना. एकाएक प्रवेश करना. To enter or penetrate.

घसइ. विवा० २;

घसति भग० ६, ३३, नाया० २;

घासिया स० कृ० दसा० ६, ११;

√धा. धा० I, II (धा) ધારણ કરવું. धारण करना, रखना. To put on, to hold; to keep.

धीयए क० वा० पिं० नि० ४११;

हीयए विशे० ८२;

धाअ पुं० (धातृ) પણપન્નીં જાતના વ્યંતર દેવતાનો ઇન્દ્ર. पणपन्नी जाति के व्यंतर देवता का इन्द्र The Indra of the Vyantara gods of the Paṇapanni class. ठा० २, ३;

धाइ पुं० (धातृ) દક્ષિણતરફના પણપણ્ણિય જાતના વ્યંતર દેવતાનો ઇન્દ્ર. दक्षिण ओर के पणपन्निय जाति के व्यंतर देवता का इन्द्र Vide above. पन्न० २;

धाइत्तण. न० (धात्रीत्व) ધાવમાતાપણું. धात्रीत्व, धाय का काम. The act of nursing. पंचा० १३, २०;

धाइपिंड पुं० (धात्रीपिण्ड) ધાત્રીની પેઠે બાલકને રમાડી ખેલાવીને ભિક્ષા લેવી તે; ભિક્ષાનો એક દોષ धात्री की भांति बालक को खेला कर उसे रखकर प्राप्त की हुई भिक्षा; भिक्षा का एक दोष Obtaining alms by calling a child and amusing it like a nurse. पिं० नि० ४२७; निसी० १३, ६;

धाइयसंड पुं० (धातकीखण्ड) ધાતકી ખંડનામે બીજો દ્વીપ धातकी खण्ड नामक दूसरा द्वीप. The second great Island (continent)called Dhātakikhaṇḍa नाया० १६;

धाई स्त्री० (धात्री) ધાવ માતા; છોકરાને સાચવનારી ઉપમાતા. धाय; माता के स्थान पर बालकों की रक्षा करने वाली-उपमाता. A nurse; a wet-nurse. आया० २, १,११,६३; भग०११,११, नाया०१; पिं०नि० ४०८, अणुजो० ३ १ सु० च० १, ३१२;

धाउ पुं० (धातु) સોનું, રુપું વિગેરે ધાતુ. सोना, चांदी आदि धातु. A metal

such as gold, silver etc. पिं० नि० ४०६; निसी० १३, २८; श्रोव० ३८; सूय० १, १, १, १८; नंदी० स्थ० १४; पंचा० ५, ३६; प्रव० ७३६; (२) ગેરુ વગેરે જાતની માટી-પથ્થર. गेरु आदि जाति की मिट्टी mineral like red chalk etc नाया० ५; विशे० १६७७; (३) શરીરની અંદરના વાત, પિત, કફ વગેરે ધાતુઓ. वात, पित्त, कफ आदि शारीरिक धातु. a humour of affection of the body viz " वात, पित्त, कफ " etc. श्रोघ० नि० भा० ६१; (४) ક્રિયાવાચક શબ્દ; ક્રિયાપદ. क्रियाद्योतक पद. a verb. अणुजो० १३१; —खोभ. पुं० (-क्षोभ) ધાતુનો વિકાર; શરીરની ધાતુનું પરિવર્તન. धातु विकार; शरीर के धातु का परिवर्तन. a modification of Dhātu. पिं० नि० ४५१; —रत्त. त्रि० (-रक्त) ધાતુ ગેરુ આદિ માટીથી રંગેલ. धातु-गेरु आदि रंगीन मृतिका से रंगा हुआ. coloured by a mineral such as red chalk etc. भग० २, १;

धाउअ. त्रि० (धातुज) ધાતુથી બનેલું. ધાતુ વાળુ धातु से बना हुआ, धातु वाला Mettalic; made from a metal. अणुजो० १३१;

धाडियंत. व० कृ० त्रि० (निर्धार्यमान) પ્રેરણા કરાતી. प्रेरित; निर्धारित. Urged; decided upon पण्ह० १, ३;

धाती. स्त्री० (धात्री) ધાવમાતા. धात्री, धाय माता के स्थान पर दूध पिलाने वाली. A wet-nurse. सूय० १, ४, १, १३; पंचा० १३, १८;

धातु पुं० (धातु) ક્રિયાવાચક શબ્દ, ક્રિયાપદ. क्रियापद. A verb पण्ह० २, २; (२) ખનિજ પદાર્થ; ધાતુ. खनिज पदार्थ; धातु. a mineral substance; metal. उत्त० ३४, ७;

धाम. न० (धामन्) બલ; તેજ. बल, तेज. Power; lustre पिं० नि० ६६४;

धाय. न० (घ्रात) સુભિક્ષ अमन चैन के दिन; सम्पति संकुलत्त के दिन. The days of plenty. " खेमं धायं सिवंत्तिवा " दस० ७, ५१;

धायई. पुं० (धातकी) લવણ સમુદ્રને ફરતા ધાતકીના ઝાડથી ઓળખાતો બીજો દ્વીપ. लवण समुद्र के चारों ओर धातकी के वृत्त के नाम से परिचित दूसरा द्वीप. A 2nd island known by the name of the Dhātikī trees round the salt sea. कप्प० ६, १४८, अणुजो० १०३; (२) એક પ્રકારનું વૃક્ષ एक प्रकार का वृत्त (विशेष). a kind of tree. भग० २२, २; जीवा० ३, ४, पन्न० १;

धायईखंड पुं० (धातकीखण्ड) એ નામનો એક દ્વીપ इस नामका एक द्वीप. A (continent) of this name. ठा० २, ३; सू० प० ८; भग० ५, १, ६, २;

धायईरुक्ख पुं० (धातकीवृत्त) આંવલાનું ઝાડ જેની નીચે ૨૩મા તીર્થંકરને કેવલજ્ઞાન ઉત્પન્ન થયું હતુ. आंवले का वृत्त जिसके नीचे २३वें तीर्थंकर को केवलज्ञान उत्पन्न हुआ था. The tree of Āmvalā; under which the 23rd Tirthaṅkara attained perfect knowledge. सम० प० २३३;

धायइखंड. पुं० (धातकीखण्ड) જુઓ " धायइखड " શબ્દ. देखो " धायइखंड " शब्द. Vide " धायइखड " पन्न० १५; जीवा० ३, ४; भग० १८, ७;

√धार. धा० I, II (धृ+णिच्) ધારણ કરવું; ધરી રાખવું; પહેરવું. धारण करना. पहिनना.

To hold; to wear.
धारेइ. पिं० नि० ४११;
धारति. दस० ६, २०;
धारए. वि० सूय० २, ५, ३१;
धारिज्जा. आया०१,८, ८, २५; उत्त०१,१४;
धारेज्जा. भग० ५, ४;
धारिस्सइ. भ० वव०८, १४;
धारित्तए. हे० कृ० ओव० ३८; वव०२, २४; ८, १४; वेय०१.१६;२,२२;५, ३१;
धारिज्जमाण. क० गं० व० कृ० नाया० ८; १२, १६;
धारयंत सय० २. ५, ३३;
धारिजइ क० वा० विशे० २६६,
धारण. त्रि० (धारक) धारण करनार. धारण करने वाला.One who holds,wearer. ओव० ३८; कप्प० ८;
धारणा स्त्री० (धारणा) मतिज्ञाननो एक प्रकार; यादृदास्त; स्मृति, धारणा. मतिज्ञान का एक प्रकार; याददास्त, स्मरण शक्ति A kind of mental knowledge; memory; retentiveness. भग० ८, २; ८; १२, ५; नदा० २६; ज० प० विशे० १७८; सम० २८; ६, १; दसा० ४, ४५; ४६; क० गं० १, ५; (२) धारण नामनो व्यवहार. धारणा नामक व्यवहार. the action of retentiveness. वव० १०, ३; ठा० ५, २; ६, १: प्रव० ८६१; (३) जेना उपर आडसर रहे छे ते थांभली. वह स्तंभ जिस के ऊपर आडी छड ठहरी हुई होता है. a post having a horizontal beam over it "धारणा-जिक्रया" भग० ८, ६; प्रव० ८०८; —मइ. स्त्री० (-मति) धारण करी सणनार बुद्धि. धारक बुद्धि. retentive intelligence. ठा० ४, ४, —मइसंपदा. स्त्री० (-मतिसंपत) धारणा शक्तिरूप मति संपत्; निश्चयरूपे वस्तुने ग्रहण करवानी शक्ति धारणा शक्ति रूप मति सम्पत्ति; निश्चय पूर्वक वस्तु को ग्रहण करने का शक्ति. the wealth of intelligence in the form of a retentive power. प्रव० ५५२; दसा० ४, ३५;
धारणिज्ज. त्रि० (धारणीय) धारण करवा योग्य. धारण करने लायक. Fit to be worn or put on. भग० १५, १; निसी० ५, ६७: १४, ६;
धारणी. स्त्री० (धारणी) ११ मां तीर्थंकरनी मुख्य साध्वी ग्यारहवे तीर्थंकर की मुख्य साध्वी. The prinicipal nun of the 11th Tirthaṅkara सम० प० २३४: (२) अंधकवृष्णि राजानी राणी. अंधकवृष्णि राजा की रानी the queen of the king Andhakavrisni. अंत० १,१; (३) शिव राजानी ए नामनी देवी, राणी. इस नाम का शिव राजा की रानी. the queen of the king Śiva नाया० १,
धारअ-य. त्रि० (धारक) धारण करनार धारण करने वाला. Holder; wearer. नदा० स्थ० ३५; भग० २, १; कप्प० १, ६: प्रव० १५६५;
धारा स्त्री० (धारा) शस्त्रादिनी धार. हथियारों की धार, तज अनी. The sharp edge of weapons "तत्थ विय स धारा ओवडा" नाया० १: १४: उवा० २, ६५· (२) दूध, पाणी, तेल विगेरेनी धार दूध, पानी, तल आदि तरल पदार्थों की धारा, सेड. the flow or current of liquid substances such as milk, water, oil etc. ज० प० २, ३६; उत्त० ३४, ६; नाया० १; भग० ६, ३३, कप्प०

१, ५; क० गं०१,१२;—हय. त्रि० (-हत) पाणी वगेरेनी धारथी आहत थयेल; धारथी सिंचन पामेल. जल आदि की धारा से आहत; जल धार सिञ्चित; पानी से प्लावित. struck by a current; sprinkled by a current (of water etc.) जं० प० ५. ११५; नाया० १; १३; कप्प० १, ५;

धारावारिय. त्रि० (धारावारिक—धारा प्रधानं वारि-जलं यत्र तत्तथा) ज्यां धाराथी पाणी पडतूं होय ते, फुवारो विगेरे. जहां धारा प्रवाह से जहां पानी गिरता हो वह; फौवारा आदि. A place where the water flows in a current; a fountain etc. भग० १३, ६.—लेण पुं० (-लयन) फुवारावालुं घर. फौवारे वाला गृह. a house with a fountain. भग०१३,६;

धारि. त्रि० (धारिन्) धारण करनार. धारण करने वाला. Holder wearer; पन्न० २;

धारिआ. स्त्री० (धारिका) धरण करनारी. धरित्री; धारण करने वाली. (She) who holds or puts on. भग० ११, ११;

धारिणी. स्त्री० (धारिणी) मिथिलाना जितशत्रु राजानी राणी. मिथिला के जितशत्रु राजा की रानी. The queen of Jitaśatru the king of Mithilā. व० ३०८; जं० पे० (२) कोणीक राजानी राणीनुं नाम. कोणिक राजा की रानी का नाम. the name of the queen of the king Koṇika. ओव० ७; (३) बलराजानी राणीनु नाम. बल राजा की रानी का नाम. the name of the queen of Balarāja. नाया० ८; (४) सदगुण धारी--सदगुणी स्त्री. सदगुणों वाली महिला, आर्य स्त्री. a virtuous woman • प० १; (५) रूपी राजानी राणीनुं नाम. रूपी राजा की रानी का नाम. the name of the queen of the king Rūpi. नाया ८; नाया० ७२; (६) चंपा नगरीना जितशत्रु राजानी राणीनुं नाम. चंपा नगरी के जितशत्रु राजा की रानी का नाम. the name of the queen of Jitaśatru the king of Champā city. नाया० १२; पामोक्खा. पुं० (-प्रमुख) धारिणी नामनी मोटी राणी विगेरे. धरिणी नामक बडी रानी आदि. the chiaf queen named Dhāriṇī and others नाया० ८;

धावण. न० (धावन) दोडवुं; भागवुं. दौडना; भागना. Running; race. ओव० ३१; गच्छा० ८२;

धावणअ पुं० (धावनक) दूत. दोडनार सेवक. दूत. दौडने वाला सेवक. पुरोधावक A messenger; a runner सू०च० ४, ३२;

धावमाण व० कृ० त्रि० (धावमान) दोडतो; भागतो. दौडता हुआ; भागता हुआ; पलायमान Running. भग०१०, ३; नाया०४;

धाहा. पुं० (*) अवाज. शब्द; ध्वनी; आवाज Sound; voice; note. सु० च० ४, २१४;

धिइ. स्त्री० (धृति) धीरज; चित्तनुं स्वास्थ्य. धैर्य; चित्तकी स्थिरता; मनस्थैर्य Patience; steadiness of the mind. जं० प० ४, ४, पिं० नि० ४१५. नाया० १; ६; जीवा० ३, १; दसा० ६. १. नंदी० स्थ० ९, २; भग० ६. ३३; उत्त० ६, २१, २७, ८; ३२; ३, आया० १, ३. २, ११२; सम० ६; ३२. सु० च० ५, ८८, भत्त० १२; पंचा० ३, २७; १८, ४; उत्ता० २, ७३, ६५; (२) धृति देवी; निषध पर्वतना तिगिच्छ द्रहनी अधिष्ठात्री देवी. धृति देवी; निषध पर्वत के तिगिच्छ द्रह की अधिष्ठात्री देवी.

Dhṛtidevī, the presiding deity of the Tigichchha lake of the Nisadha mountain ठा० २, ३. (३) धृति देवीनी प्रतिमा धृति देवी की प्रतिमा the image of the goddess Dhriti. भग० ११, ११; (४) धारणा धारणा (अनुमान). guess विशे० १८८; —जुत त्रि० (-युक्त) धृति युक्त धीरजवाळो. धृतियुक्त. धैर्यवान्; धीर courageous, bold (one) having stability प्रव० ५८३. —वल न० (-वल) धीरजनुं बल. धैर्यबल; धीरजबल. the strength of courage; patience; boldness. भत्त० १४०,

धिइमंत. त्रि० (धृतिमत्) धैर्यवान्. धैर्यवान् धीर. Bold, courageous. सूय० १, ६, ४;

√**धिकार.** धा० I (धिक्+कृ) धिक्कारवो तिरस्कार करवो धिक्कारना, तिरस्कार करना To reproach, to say "fie".

धिक्कारिज्जइ क० वा० सु० च० १४, ६८,

धिक्कारिज्जमाण क० वा० व० कृ० नाया० १६

धिक्कार. पुं० (धिक्कार) तिरस्कार; धिक्कार. धिक्कार; तिरस्कार. Reproach; contempt. नाया० ७; (२) अगियारमाथी पंदरमां कुलकरना समयमां वपराती दंड नीति, धिक्कारनी शिक्षा ग्यारहवें कुलकर के समय से लेकर पंद्रहवें तक प्रचालित दण्ड नीति, धिक्कार पूर्ण शिक्षा a sort of punishment in force at the time of 11th to 15th Kulakaras, punishment by uttering condemning words such as "fie". ठा० ७, १. ज० प०

धिज्ज न० (धैर्य) धीरज धैर्य धीरज. धैर्य. Fortitude; courage. वव० ३, ६.

धिज्जीविय. न० (धिग्जीवित) धिक्कारपात्र जीवन. तिरस्कृत जीवन, धिक्कार योग्य जीवन. A contemptous or condemnable life. सूय० १, १, ५५;

धिति स्त्री० (धृति) धीरज धृति; धैर्य, धीरज. Courage. नाया० १६; सू० प० २०; निर० ४, १, सूय० २, २. ६७; अणुजो० १३०; ओव० २१; पण्ह० २, १; (२) निषध पर्वतना तिगिच्छ द्रहनी अधिष्ठात्री देवी. निषध पर्वत के तिगिच्छ द्रह की अधिष्ठात्री देवी. the presiding goddess of the Tigichchha lake on the Nisodha mountain. ज० प०

धितिकूड. पुं० (धृतिकूट) निषध पर्वतना नवकूटमानुं छठुं कूट-शिखर निषध पर्वत के नौ कूटो मे से छठा कूट-शिखर. The 6th peak out of 9 of the Nisadha mountain जं० प० ८, ८४;

धितिहर पुं० (धृतिहर) अंतगडसूत्रना छठा वर्गना छठा अध्ययननुं नाम अतगड सूत्र के छठे वर्ग के छठे अध्ययन का नाम. The name of the sixth chapter of the sixth section of the Antagada Sūtra अंत० ६, ६; (२) काकन्दी नगरी निवासी एक गाथापति, के जेणे महावीरस्वामी पासे १६ वर्षनी प्रव्रज्या पाली, विपुल पर्वत उपर सन्थारो करी सिद्धि मेळवी काकंदी नगरी निवासी एक गाथापति, जिन्होंने महावीर स्वामी के पास १६ वर्ष तक प्रव्रज्या का पालन किया और विपुल पर्वत पर संथारा करके सिद्धि पाई. a certain Gāthāpati (merchant) of Kākandī city who remained an ascetic with Mahāvīra Svāmī for sixteen years and after practicing San-

thārā on the Vipula mountain, attained salvation अंत० ६, ६;

धिद्धिक्कार पुं० (धिग्धिक्कार) धिक् શબ્દથી અતિશય તિરસ્કાર કરવો તે धिक् शब्द के द्वारा किया गया अतिशय तिरस्कार. Reproach by uttering the word "fie". विशे० २५०५;

धिद्धी अ० (धिग्धिक्) धिक्કારવાચી શબ્દ. धिक्कार वाचक शब्द. A word indicating "Fie". सु० च० ४, १६७;

धिरत्थु. अ० (धिगस्तु) ધિક્કાર હો. धिक्कार! धिक्कार!! (घृणापूर्ण भाव). Fie upon you! नाया० १६; दस० २, ७;

धी. स्त्री० (धी) ધી, બુદ્ધિ. धी; बुद्धि. Intelligence. "ता धीर धी बलेणं" भत्त० १५०;

धीमंत. त्रि० (धीमत्) બુદ્ધિવાળું. बुद्धिमान; धीमान्; अकलमन्द. Intelligent. कप्प० ५, १०३;

धीर. पुं० (धीर) ગંભીર; ધીર; ધૈર્યવાન્; મનસ્વી. गंभीर; धीर. धैर्यवान्; मनस्वी. Grave; bold; noble आया० १,२,४, ८४; १, ६, २, १८४; १, ८, ७, १; नंदी० स्थ० १८; आउ० नाया० १; भग० ६, ३३; दस०३,११;७,४,७; ४७, ६, २, २०; सूय० १,१,४,६, उत्त० १, २१; ओव०२१; भत्त० ६;१०२; पन्ना० १,३४;१०,४०; प्रव० ६१०; —करण. न० (-करण) ધીરજ સંપાદન કરવી, ધીરજવાન થવું धैर्य सम्पादन करना; धीर बनना. to get bold. सम० ६. —पुरिस. पुं० (-पुरुष) ધીરજવાન પુરૂષ. धैर्यशील पुरुष. courageous person. सम० प० २३७;

धीरत्तण. न० (धीरत्व) ધીરપણું: ધૈર્ય धैर्य; धीरता; धीरज. Courage; fortitude. आउ० ६४;

धीरय न० (धैर्य) ધીરજ धैर्य; धीरज, धीर. Courage; fortitude भत्त० १६३;

धुअ-य. त्रि० (धूत) કંપાવેલું; હલાવેલું. कंपाया हुआ; हिलाया हुआ. Shaken; made to tremble. सूय० १, ४, २, २२; सू० च० २, ५३७; (२) न० (धूयते क्षिप्यते कर्म येन तत् धूतम्) સંયમનું અનુષ્ઠાન-પાલન; જેથી કર્મ ખપે તે संयम पालन-जिससे कर्म क्षय हो. self-restraint, by which Karmas *may decrease.* सूय० १, २, २, २१; (३) મોક્ષ. मोक्ष. salvation. सूय० १, १०, १६; —आमेराम. पुं० (-अभिराम) કર્મ બાંધવામાં કુશલ. कर्मों के बांधने में पटु-कुशल. skilled in acquiring Karmas. नाया० १; —पाव. त्रि० (-पाप) જેના પાપ ક્ષીણ થયા હોય તે. जिसके पापों का क्षय हो गया हो, क्षीण पाप (व्यक्ति) (one) whose sins have decreased. आउ० —मल. त्रि० (-मल) જેણે પાપરૂપી મેલને દૂર કર્યો હોય તે जिसने पापरूपी मैल को धो डाला है; निष्पाप (व्यक्ति) sinless; one who has washed out the dirt like sins. दस०७,५७. —मोह. त्रि० (-मोह) જેણે મોહ ત્યાગ્યો હોય તે जिसने मोह को छोड़ दिया है; निर्मोही (व्यक्ति) (one) who has abandoned attachment. सूय० १, ४, २, २२; दस० ३ १३;—रय. त्रि० (रजस्) જેણે કર્મરજ દૂર કરી નાખી છે તે. जिसने कर्म रज दूर कर डाली है वह, कर्मरज रहित (व्यक्ति). (one) who has washed off the dust like Karmas. सम० प० २४०;

धुगधुग. पुं० (धुगधुग्) એક પ્રકારનો શબ્દ. एक शब्द (ध्वनि) विशेष A kind of

onomatopoetic word पण्ह० १,३;

√धुण. धा० I (धू) કંપાવવું; હલાવવું. कंपाना; हिलाना. To shake, to cause; to tremble.

धुणइ. व० दस० ४, २०; ६, ४, ३; ३

धुणाइ. आया० १, ४, ३, १३७;

धुणंति. दस० ६, ६८;

धुणे. वि० सूय० १, १०, ११; आया० १, २, ६, ६६;

धुणित्तए. हे० कृ० सूय० १, २, २, २७;

धुणिया. स० कृ० सूय० १, २, १, १४,

धुणिय सं० कृ० दस० ६, ३, १५ सु० च० ६, २७:

धुव्वए. क० वा० सु० च० ६, ८१;

धुव्वन्त क० वा० व० कृ० सु०च० २,६४६,

धुणण. न० (धूनन) કંપાવવું-હલાવવું તે थरथराना; हिलाने का कार्य Shaking, moving ओव० नि० भा० १६५,

धुत. त्रि० (धूत) દૂર કરેલ निकाला हुआ; दूर किया हुआ Removed, ousted; put aside. उत्त० ३, २०; આચારાંગ સૂત્રનું છઠ્ઠું અધ્યયન आचारांग सूत्र का छठा अध्ययन. the 6th chapter of the Āchārāṅga Sūtra सम० ६; (३) (धूयत इति धुतमष्ट प्रकारं कर्म) આઠ પ્રકારના કર્મ. आठ भाँति के कर्म. the Karmas of eight varieties दसा०६,१;—बहुल. पुं० (-बहुल) જેને ઘણા કર્મો હોય તે, બહુલ કર્મી. जिसके बहुत से कर्म हों वह, बहुल कर्मा, प्रचुर कर्मा. one whose Karmas are many; one of many activities. दसा० ६, १.

धुत्त. त्रि० (धूर्त) धुतारे; ઠગ वंचक ठग; धोखेबाज. A cheat; pickpocket. सूय० २, २, ५६; उत्त० ५, १६,

√धुत्तार. धा० I. (धूर्त) ઠગવું; ધૂતવું. ठगना, धूतना; धोखा देना. To cheat; to deceive.

धूतारसि सु० च० ४, १५२;

धुम्म. पु० (धूम्र) धुमाडो धूआँ, धूम; धूम्र. Smoke. दसा० ५, ३६; ३७; —हीण. त्रि० (-हीन) ધુંમાડાથી રહિત. धूंएं से रहित; धूम्रविहीन. free from smoke. दसा० ५, ३६; ३७;

धुय. पुं० (ध्रुव) સંયમ. संयम; वृत्तियों का निरोध. Self-restraint. सूय०१,५, २, २५;

धुर. पुं० (धुर) એ નામનો ૪૮ મો ગ્રહ. इस नाम का ४८ वा ग्रह. The 48th planet of this name. ठा० २, ३; सू० प० २०; (२) ભાર; જવાબદારી. भार, उत्तरदायित्व; जिम्मेदारी. burden; responsibility. पिं० नि० ९६;

धुरा स्त्री० (धुरा) રથ આદિની ધોંસરી. रथ, गाडी आदि की जुडी-धुरी. The yoke of a chariot etc जीवा० ३; ३; राय० १२६;

धुव. त्रि० (ध्रुव) નિશ્ચલ; સ્થિર; શાશ્વત. अडग; अटल, स्थिर. Steady; stable; eternal. क० प० १, १६; प्रव० २, ६. विशे० ३०६, ५५०; भग० १५, १; जं० प० १, १३; (२) ધ્રુવકાલ; જે વખતે જે કાર્ય કરવાનુ હોય તે સમય. ध्रुवकाल; जिस समय जो काम करना हो वह समय, उचित काल the proper time. दस० ८, १७; (३) न० મોક્ષ અને તેના સાધન. मोक्ष और उसके साधन salvation and its means. आया० १, २, ३, ८०, सूय० १, २, १, ८; —अचित्त. त्रि० (-अचित्त) શાશ્વત અને છાથી કદીપ ; ગ્રહણ ન થઇ શકે માટે

અચિત્ત એવી વર્ગણા-પુદ્દલ સમૂહ. કેટલી એક વર્ગણા એવી છે કે જે લોકમા સદાય હોઈ શકે અને જીવ જેને ગ્રહણ કરી સચિત્ત ન બનાવે માટે ધ્રુ। અચિત્ત વર્ગણા. शाश्वत और जीवद्वारा सर्वथा अग्राह्य अतएव अचित्त ऐसी वर्गणा-पुद्गल समूह; बहुतसी वर्गणाएं ऐसी हैं कि जो लोक में सदा स्थिर रह सकती है और जीव उन्हें ग्रहण कर सचित नहीं बनाता अतएव ध्रुव अचित वर्गणा an arrangement of the Pud galas or matter which though eternal cannot be accepted by the soul. There are many arrangements which can remain stable in the universe for ever and which cannot be made conscious by being accepted by the soul; hence the eternal unconscious arrangement. क० प०१, १६; —इयर. त्रि० (-इतर) નિત્ય સિવાય બીજું અનિત્ય ધ્રુવથી વિપરીત અધ્રુવ વર્ગણા नित्य का उलटा; ध्रुव का विपरीत, अनित्य, अध्रुव आदि transitory; non-eternal; unstable. विशे० ६३८; —उदइ. त्रि० (-उदयि) જેનો ઉદય વિચ્છિન્ન નથી થયો એવી કર્મ પ્રકૃતિ जिसका उदय विच्छिन्न या भ्रष्ट न हुआ हो ऐसी कर्म प्रकृति. a variety of Kārmic matter whose appearance is not lost. क० गं० ५, ६; —उदइया. स्त्री० (-उदयिका) જેનો ઉદય વિચ્છિન્ન નથી તેવી કર્મ પ્રકૃતિ जिसका उदय विच्छिन्न न हुआ हो ऐसी कर्म प्रकृति. a variety of Kārmic matter whose appearance is not lost. " अणुदुच्छिन्नो उदओ जाणं पगइणताधुवोदइया " क० गं० ५, ६: —उदया स्त्री० (-उदया) ધ્રુવોદયી પ્રકૃતિ. अवश्यही उदय को प्राप्त होने वाली ध्रुवोदयी प्रकृति a Karmic matter which is sure to appear or rise. क० गं० ५, ४, —उदीरणा. स्त्री० (-उदीरणा) અવશ્ય ભાવી ઉદીરણા. ध्रुवउदीरणा. अवश्यभावी उदीरणा. sure expectation of experiencing of Karmic influence forced to appear by means of efforts though the time for it has not matured. क० प० ४, ३१; —कम्मिअ. पुं० (कर्मिक) નિત્ય કર્માચારિ. લુહારાદિ જાતિ. नित्य कर्मचारी, लुहारादि जाति. a daily craftsman such as a smith etc. ओव० नि० १७६; —जोग पुं० (-योग) નિશ્ચલ યોગ. अटल योग; अडग योग. a steady concentration दसा० ४, १०; —जोगि. त्रि० (-योगिन्) નિશ્ચલ યોગવાળો. निश्चल या अडग योग वाला (योगी) (one) whose concentration is steady or firm. दस० १०, १, ६; —णियंत. त्रि० (-नियत) સદા એક રૂપે અવસ્થિત सदा एक ही रूपमें स्थिर विद्यमान. that which remains in the same form for ever. वव० ४, २१: —निग्गह पुं० (-निग्रह) આવશ્યક કર્મ નો નિગ્રહ કરનાર. आवश्यक कर्मों का निरोध करने वाला one who opposes the necessary duties अणुजो० २८; —पगडि. स्त्री० (-प्रकृति) પાંચ જ્ઞાનાવરણ. નવ દર્શનાવરણ, મિથ્યાત્વમોહનીય, સોલ કષાય, ભય, જુગુપ્સા, તૈજસ, કાર્મણ, વર્ણાદિ ચાર, અગુરૂલઘુ ઉપઘાત,

નિર્માણ, પાંચઅંતરાય એ ૪૭ પ્રકૃતિ અવિચ્છિન્ન હોય માટે ધ્રુવ પ્રકૃતિ કહેવાય છે. पांच ज्ञानावरण, नौ दर्शनावरण, मिथ्यात्व मोहनीय, सोलह कषाय, भय, जुगुप्सा तेजस, कर्मण, वर्णादि चार, अगुरुलघु उपघात, निर्माण, पांच अतराय ये ४७ प्रकृतियां अविछिन्न होती हैं अतएव ये 'ध्रुवप्रकृति' कहलाती हैं. the 47- Karmic natures viz 5 knowledge-obscuring, nine sight-obscuring, false faith-deluding, 16 passions, fear, aversion, Taijasa, Kārmana, 4 colours, Agurulaghu Upaghata, Nirmāṇa and 5 Antarāya; these matters occur invariably hence they are called eternal Karmic matters क० प० १, ६०; ४, ६; (२) જે પ્રકૃતિ બંધહેતુ મળ્યે અવશ્ય બધાય તેને સ્થાને બીજી પ્રકૃતિ ન બધાય તે ધ્રુવબંધી (પ્રકૃતિ) बधन के हेतु के मिलते ही जो प्रकृति स्वयं (कर्म) बंधन में फस जाती है और उसके स्थान पर दूसरे कर्म नहीं बधते वह ध्रुव बधन शील (प्रकृति). a kind of Karmic bondage which is sure to take place at its proper time and no other Karmic nature comes in its way क० गं० ५, १, २; —मग्ग. पुं० (-मार्ग) ધ્રુવ-મોક્ષ-સંયમનો માર્ગ अविचल-सत्य का मार्ग, महान सयम का पथ the path of salvation i. e. self-restraint. सूय० १, ४, १, १०, —रय. त्रि० (-रजस् -ध्रुव धुतं रज कर्म प्रबधो येन स.) કર્મના રજને-મેલને દુર કરેલ. કર્મમલ રહિત जिसने कर्म मल को धो डाला है वह-कर्म मल रहित (व्यक्ति). one who has washed off the dirt of Karam. ओघ० नि० ७६८; —वन्न त्रि० (-वर्ण -ध्रुवो वर्णो यशो यस्य स:) અટલ કીર્તિ; જેની કીર્તિ સ્થિર હોવ તે. अटल कीर्ति; अमर कीर्ति वाला. (one) whose fame is stable or immortal. आया० १, ७, ८, २३; —संकम. पुं० (संक्रम) ધ્રુવ સત્તાવાળી પ્રકૃતિનું સંક્રમણ-સજાતીય પ્રકૃત્યાન્તરમાં પ્રવેશ ध्रुव सत्तावाली प्रकृति का संक्रमण-सजातीय प्रकृत्यान्तरमें प्रवेश. transportation of the Karmic matter whose strength is eternal i. e. entering into another matter of its class. क० प० २, ७२; —संतकम्मिगा. स्त्री० (-सत्कर्मिका ध्रुव सत्कर्म यासां ताः ध्रुव सत्कर्मिकाः) કર્મની ૧૫૮ પ્રકૃતિમાં નરકદ્વિક, મનુજદ્વિક, દેવદ્વિક, વૈક્રિય સપ્તક, આહારક સપ્તક, તીર્થંકરનામ, સમ્યકત્વ મોહનીય, સમામિથ્યાત્વમોહનીય, ઉચ્ચગોત્ર, ચાર આયુષ્ય એ અઠ્ઠાવીસ પ્રકૃતિ અધ્રુવ સત્તાની છે બાકીની ૧૩૦ પ્રકૃતિ ધ્રુવ સત્તાની છે. कर्म की १५८ प्रकृतियों में नरक द्विक, मनुजद्विक, देवद्विक, वैक्रियसप्तक, आहारक सप्तक, तीर्थंकरनाम सम्यकत्व मोहनीय, समामिथ्यात्वमोहनीय, उच्चगोत्र, व चार आयुष्य ऐसी ये २८ प्रकृति अध्रुव सत्ता की हैं शेष १३० ध्रुवसत्ता की है. a group of Dhruvasattā (having steady influence) Karmic natures out of the 158 secondry nature of Karmic natures क० प० २, ३७; —सत्ता. स्त्री० (-सत्ता) ધ્રુવ સત્તા: જેની સત્તા જીવને સર્વદા હોય પરંતુ ભવપ્રત્યયાદિક કારણિક ન હોય તે ધ્રુવસત્તા. अखण्डसत्ता,

अर्थात् जिसकी सत्ता भवप्रत्ययादिक कारणरूप न हो वह. of firm existence; whose existence is always felt by a soul, but does not result in causing an experience of the world. क०गं० ५, १; —सीलया. स्त्री० (-शीलता) १८ सहस्र शीलांग रथने धारण करवुं ते. शील के १८ सहस्र भिन्न २ अंग-रथों का धारण करना या अंगो को धारण करने की शक्ति. putting or holding in 18,000 different ways celebasy. दस० ८, ४१; —सुन्न. त्रि० (-शून्य) शाश्वत शुन्य એટલે જે કોઇ પણ કાલે અસ્તિત્વમાં ન આવે એવી દ્રવ્ય વર્ગણા. शाश्वत शून्य अर्थात् ऐसी द्रव्य वर्गणा कि जिसका किसी भी समय में अस्तित्व न हो सके an arrangement of substances which do not exist at anytime क० प० १, १६;

धुवं. अ० (ध्रुवम्) નક્કી; અવિચલપણે; ચોક્કસ. अटल; निश्चित; अविचल. Certainly; infallibly आया० १, ७, १, १६८; २, ४, १, १३२; उत्त० ७, १६; दसा० ४, ४१; प्रव० १४५२;

धुवण न (धावन) ધોવું; સાફ કરવું. धोना; साफ करना. Washing; rinsing. पिं० नि० भा० २४;

धुवबंधी. स्त्री० (ध्रुवबन्धिनि) ધ્રુવબંધી પ્રકૃતિ ध्रुव बंधन. A Karmic nature of eternal bondage. क० गं०५,७४; —नवग. न० (-नवक) ધ્રુવબંધિ નવક; વર્ણ, ગંધ, રસ. સ્પર્શ, તૈજસ, નિર્માણ, કાર્મણ, ઉપઘાત. અને અગુરૂલઘુ એ નામકર્મની ધ્રુવબંધિ નવ પ્રકૃતિનો સમૂહ. ध्रुवबंधि नवक; वर्ण,गंध स्पर्श, तैजस, कार्मण निर्माण, उपघात, और अगुरुलघु नामक कर्मों की ध्रुवबंधन शील नौ प्रकृति का समूह the aggregate of nine eternally binding Karmic matters क० गं० ५, १८; —नाम. न० (-नामन्) નામકર્મની ધ્રુવબંધી પ્રકૃતિ. नामकर्म की ध्रुव बंधन शील प्रकृति the eternal binding Karmic matter of Nāma Karma क० प० ४, ३;

धुवराहु. पुं० (ध्रुवराहु) ચન્દ્રની સાથે રહેનાર નિત્ય-રાહુ चन्द्र के साथ २ रहने वाला नित्य-राहु. The planet Rāhu which always accompanies the moon. भग० १२, ६; सू० प० २०;

धुव्व अ० (ध्रुवम्) નિશ્ચલ; સ્થિર; નિત્ય. अटल; निश्चल; स्थिर. Stable; steady; firm. निसी० ५, ७; १४, ७;

धूत. त्रि० (धूत) પૂર્વે બાંધેલ કર્મ पहिले के बंधे हुए कर्म Karmas previously bound सूय० २, २, ६५; —बहुल. त्रि० (-बहुल) પૂર્વબદ્ધ કર્મની અધિકતાવાલો. पूर्व के बद्धकर्मों की अधिकता वाला one bound fast by the previous Karmas. सूय०२, २, ६२;

धूता स्त्री० (दुहितृ) પુત્રી; કન્યા. दुहिता; लडकी, पुत्री, कन्या. Daughter. सूय० २, २, १२;

धूम. पुं० (धूम्र) ધુંમાડો; ધૂમ. धूआं धूम्र; धूम Smoke, पिं० नि० २५०; सु० च० १, १०; नाया० १; भग० ७, ६; अणुजो० १०३; उत्त० २५, ८, विशे० २०७; प्रव० ७४१; (२) ધૂમાડાની માફક સંયમને મલિન કરનાર આહારનો એક દોષ धूम्रवत् संयम में मलिनता लाने वाला आहार सम्बन्धी एक दोष A fault connected with food which blackens self rest

raint like smoke पि० नि०१; पराह० २, १; —(मं)अंधकार पुं० (-अन्धकार) धूमथी थयेल अन्धकार. धुएं के कारण उत्पन्न अँधेरा. darkness due to smoke नाया० १;—वट्टि. स्त्री० (-वर्त्ति) धुंवाडानी वाट; धुवाडाना गोटा. धुए की वत्ती; धुएं के गोटे. a smoking wick; a mass or column of smoke जं० प० ३, ४३; ५, १२०. —वराण त्रि० (-वर्ण) जेनो वर्ण-रंग धुंमाडा जेवो धूंधलो होय ते. धूएं के समान धुंधले रंग वाला; धूम्र वर्ण blackish like smoke. नाया० १; १७. —सिहा. स्त्री० (-शिखा) धूमनी शिखा. धूम शिखा. धूएं का ऊपरी भाग. a column of smoke. ठा० ४, २;

धूमकेउ. पुं० (धूमकेतु) धूमकेतु नामनो ३८ मो ग्रह. धूमकेतु नामक ३८ वा ग्रह. The 38th planet called a comet. दस० २, ६, ठा० २, ३; पराह० १, ५; पन्न० २; आव० २५; सू० प० २०;

धूमपहा. स्त्री० (धूमप्रभा) पांचमी नरकनुं नाम. पाचवें नर्क का नाम. The name of the 5th hell प्रव० १०८६;

धूमप्पभा. स्त्री० (धूमप्रभा) पाचमी नरक ज्यां धुमाडा जेवो प्रकाश होय छे. पचम नर्क भूमि जहा धुएं जैसा (अस्पष्ट) प्रकाश रहता है. The 5th hell where exists a smoky light. भग० ५, ८, ४१, १, १३० १; अणुजो० १०३; सम० १८, ठा० ७, १;

धूमप्पहा. स्त्री० (धूमप्रभा) जुओ "धूमप्पभा" शब्द. देखो "धूमप्पभा" शब्द. Vide "धूमप्पभा" अणुजो० १३४;

धूमाभा. स्त्री० (धूमाभा) ओ नामनी पाचमी नरक भूमि के ज्यां धुंवाडाथी घनघोर होय छे ते इस नामकी पांचवीं नरक भूमि, जहां नित्य घनघोर धूआं बना रहता है. The region of the 5th hell where reeking smoke abounds. उत्त० ३६, १५६;

धूमिआा-या. स्त्री० (धूमिका) धुमाडा जेवु दूरथी धुंधलुं देखाय ते; धुंवर. धुए के समान दूर से धुंधला दिखाई देने वाला पदार्थ, धुन्धर; कुहरा. An indistinctly visible object at a distance as smoke, mist. अणुजो० १२७; ठा० १०, १; भग०३, ७, जीवा० ३, ३,

धूमिय न० (धूपित) अगर वगेरे सुगंधी पदार्थनो धुप देवो ते चन्दनागर आदि सुगंधित पदार्थों से धूप देने का कार्य. Burning of incense. प्रव० ८८०;

धूम्म. पुं० (धूम्र) धुंवाडो. धूआ, धूम्र. Smoke भग० ७, १; निसी० १, ५७;

धूय-अ त्रि० (धूत) दूर करेल. दूर किया हुआ; निकाला हुआ; निस्सारित Set apart, removed; banished. दसा०३, १३; नंदी० स्थ०३; —मोह. त्रि० (-मोह) जेणे मोह तजेल होय ते विमोही; मोह रहित (व्यक्ति). (one) who has abandoned attachment. दस० ३, १३; —रय. त्रि० (-रजस्—धूत नि· सारितं रजो रागस्वभाव आत्म रजोगुणोयेन) जेणे रजोगुण तजी दीधो होय ते. जिसने रजो गुण त्याग दिया हो वह. (one) who has abandoned the Rajoguna. सूय० १, ४, २, २२; —वाय. पुं० (-वाद) कर्मने तजवा सम्बन्धी वाद-सम्भाषण. कर्म त्याग विषयक चर्चा. discussion relating the renouncing of Karmas आया० १, ६, १, १७९,

धूयत्ता. स्त्री० (दुहितृता) દીકરીપણું; પુત્રીપણું. दुहितृत्व; पुत्रीपन. The state of a daughter. भग० १२, २;

धूयरा. स्त्री० (दुहितृ) પુત્રી; પુત્રીની પુત્રી. दौहित्री, लड़की की लड़की Daughter; grand daughter. सूय० १, ४, १, १३. उत्त० २१, २;

धूया. स्त्री० (दुहितृ) દીકરી, કન્યા; પુત્રી. लड़की, दुहिता, कन्या; पुत्री. Daughter. नाया० ८, १४; १६; १८; भग० ८, ५,१२, २, नाया० ध० विवा० ३; ६; पिं०नि०३६७. ४८६; जीवा० ३; उत्त० १२, २०; सु० च० १, २७१; जं० प० आया० १, २, १, ६२; २, १, २, १२; कप्प० ५, १०३, —**पिवास** पुं० (-पिपास) જેને પુત્રીની પિપાસા છે તે जिसे कन्या प्राप्ति की अभिलाषा है वह. (one) who longs for a daughter. निर० ३, ४;

धूलि स्त्री० (धूलि) ધૂલ, રજ. धूल; रज; मिट्टी. Dust जीवा० ३, ३; भग० ७, ६; जं० प० —**बहुल.** त्रि० (-बहुल) ધુલિથી ભરેલ धूलि पूर्ण. full of dust भग०७, ६.

धूलिया स्त्री० (धूलिका) ધૂલિ. धूलि Dust नाया० २;

धूली स्त्री० (धूलि) ધૂલ; રજ धूल, रज; मिट्टी. Dust, pollen. पिं० नि० ४२२, जीवा० ३, ४;

√धूव धा०I (धूप) ધૂપદેવું. धूप देना To fumigate; to incense.

धूवेज्ज. वि० निसी० ३, १;

धूव. पुं० (धूप) ધૂપ; અગરબત્તી ચન્દન આદિ સુગંધી પદાર્થનો થતો પ્રસિદ્ધ ધૂપ. धूप; चन्दन; अगर, गुग्गल, लोबान आदि सुगंधित द्रव्यों से तयार किया हुआ धौंप्य पदार्थ Incense. जं० प० १, १३; ४, ६६; नाया० १; २; ७; ८; १६, १८; विवा० ७; राय० २८; दसा० १०, १; सु० च० २; ४६६; पन्न० २; सू० प० २०; जीवा० ३, ४, भग० ६, ३३; ११, ११; सम० प० २१०; अणुजो० १६; ओव० कप्प० ३, ३२; उवा० १, ३२; १०, २७७; —**कडुच्छुय.** पुं० (*-कडुच्छुक) ધૂપની કડછી. धूप की कडछी. a laddle for incense. जं० प० १, १३; ४, ८८; नाया० ८; —**घडिया.** स्त्री० (-घटिका) ધૂપ રખવાનું ભાજન धूप धरने का पात्र. an incense pot जीवा० ३, ४; —**घडी.** स्त्री० (-घटी) જેમાં ધૂપ ઉખેવવામા આવે તે जिसपात्र में धूप जलाई जाय वह; धूपपात्र. a vessel in which incense is burnt. राय० १११;

धूवण. न० (धूपन) ધૂપ દેવાપતે, રોગ નિવૃત્તિ માટે ધુપમા વપરાતો સુગન્ધિ યુક્ત પદાર્થ. ધૂપ દેવોતે धूपदेना; रोग निवृत्ति के लिये काम में आनेवाला धूपपदार्थ (गुगल लोवान आद) धूपदेनेका कार्य. Fumigition. नाया० १७, उत्त० ३५, ४; दसा ३, ६; उवा० १, ३२. —**विहि.** पु० (-विधि) ધૂપ દેવાની વિધિ धूप देने की विधि the process of burning incense. उवा० १, ३२,

धूवणया. स्त्री० (धूपन) લુગડાને ધૂપ દેવોતે वस्त्रों को धूप देने का कार्य The fumigation of clothes. भग० १, ६;

धूविय. त्रि० (धूपित) ધૂપાવેલુ; ધૂપ દીધેલુ. धूपादिया हुआ, धूप प्राप्त Fumigated; perfumed पिं० नि० ५६०, नाया० १; दसा० १०,१, भग० ६, ३३;

धेज्ज न० (धैर्य) ધૈર્ય; ધીરજ. धैर्य, धीरज. Courage नाया० १,

धेणु स्त्री० (धेनु) ગાય, ધેનુ गाय; धेनु;

गौ A cow. दस० ७, २५;

धेय. त्रि० (धेय) धारण करवा योग्य धारण करने के योग्य. Fit to wear or put on नाया० १;

धेवअ-य. पुं० (धैवत) नाभीथी ऊठेलो वायु दांत ने ओठना स्थानमा जे अवाज धारण करे ते स्वर, सातमानो छठो स्वर. नाभी से उत्पन्न वायु दन्त व ओष्ठ की सहायता से जो स्वर धारण करता है वह, सात स्वरों मे का छठा (धैवत) स्वर The 6th Indian musical note, wind produced from the navel· words spoken by the help of teeth and lips अणुजो १९८,

धेवत पुं० (धैवत) जुओ "धेवअ" शब्द देखो "धेवअ" शब्द Vide "धेवअ" ठा० ७ १;

धोअण न० (धावन) धोवु. साफ करवु. धोना; साफ करना Washing, rinsing अणुजो० १६.

धोत त्रि० (धौत) धोयेलु, साफ करेलु धुला हुआ, साफ-शुद्ध Washed, cleaned. नाया० १; वेय० १, ४४; ज० प० ३. ४५; —रत्त त्रि० (-रक्त) धोईने रंगेलु धोकर रंगा हुआ coloured after washing. निसी० ६, १७;

धोय-अ त्रि० (धौत) धोयेलु साफ करेलुं. धुला हुआ, साफ किया हुआ Washed; cleaned निसी० १७, ३०; पिं० नि० भा० ३४, पन्न० २, १७ भग० ६, ३, ८, ६, राय० ५५, ओव० १०. आया० १, ७, ४, २११; २, ५ १, १४४, प्रव० ६८६;

धोयण न० (धावन) धोवुं; साफ करवुं. धोना. साफ करना Washing; cleaning सूय० १, ६, १२;

धोयपोत्ती स्त्री० (धौतपोतिका) ब्राह्मणने पहेरवानुं वस्त्र. ब्राह्मणों क पहिनने का वस्त्र. A garment to be worn by a Brāhamaṇa. प्रव० ६८६;

धोरण न० (धोरण) चालवानी चतुराई. व्यवहार-पटुता, कार्य शैली. Skillness in practical life ओव० ३०.

धोरणी. स्त्री० (धोरणी) जलनी निरन्तर चालती धारा. धोरीओ. जलकी अखण्ड धारा. An everflowing current of water. सु० च० १, ३६१;

धोरेय त्रि० (धौरेय) बोजो वहन करनार; बलद वगेरे बोझा ढोने वाला, बैल आदि. A beast of burden उत्त० १४ ३५;

✓**धोव** धा० I, II (धाव) धोवुं. साफ करवु. धोना साफ करना To wash, to rinse.

धोवइति भग० ११, ११; नाया० २; १६; सूय० १, ७, २१;

धोवेति नाया० १६;

धोएज्जा. वि० निसी० १, ७;

धोवेज्जा. वि० नाया० ५;

धुवे. वि० पिं० नि० भा० ३४;

धोवित्ता सं० कृ० नाया० ६; भग० ११, ११; नाया० ध०

धोवेमाण. व० कृ० नाया० ८; भग० ६, ३.

धोयत. पिं० नि० ४६०;

धोवण न० (धावन) धोवुं, साफ करवु. धोना; साफ करना. Washing; cleaning. पण्ह० १, १, २, ४; पिं० नि० भा० २३;

न.

न. अ० (न) नहीं; ना निषेधार्थक अव्यय नहीं, निषेधात्मक अव्यय. No, negation उत्त० १, ७. अणुजो० ८; उवा० १३, १२६; नाया० १, १२, दस० ६, ७, पन्न० ५; भग०

५, ४; ६, ७; दस० ५, २, ५; ६, १८; आया० १, १, १, ३; १, ६, २, १८३; ओव० १७; सूय० १, १, १, ५; गच्छा० ७६; क० गं० १, २६; ४६; ४७;

नई. स्त्री० (नदी) નદી; ગંગા યમુના સિંધુ ઇત્યાદિ. नदी; गंगा, यमुना, सिन्धु इत्यादि. A river e.g. the Ganges, Yamunā etc. कप्प० ६, ३३; भत्त० २२२; कप्प० ६, ११६; दस० ७, ३८; पिं० नि० ५०३; नंदी० ४७; उत्त० ११, ५६; ३२, १८; आया० २, १, २, १२; (२) નદી નામવાળું દ્વીપ અને સમુદ્ર नदी नाम वाला द्वीप और समुद्र. a contiaent and an ocean of this name पन्न० १५; —**आयतन-ण.** न० (-आयतन) નદીનું સ્થાન-તટ-કિનારો વિગેરે. नदी का स्थान; तट; किनारा इत्यादि a place of a river; a bank etc. आया० २, १०, १६६; —**मह** पुं० (-मह) નદીનો મહોત્સવ नदी का महोत्सव a festivity of a river. भग० ६,३३;

नउअ-य. पुं० (नयुत) ૮૪ લાખ અયુતાંગ પ્રમાણે કાલ વિભાગ. ८४ लाख अयुतांग के बराबर एक काल विभाग. A period of time measuring 84 lacs of Ayutāṅgas. भग० ५, १; जीवा० ३, ४; अणुजो० ११५;

नउअ (य) ग. पुं० (नयुताङ्ग) ૮૪ લાખ અયુત પરિમિત કાલ વિભાગ. ८४ लाख अयुत परिमित काल विभाग. A period of time comprising 84 lacs of Ayuta of time भग० ५, १; ६, ७, अणुजो० ११५;

नइउ. स्त्री० (नवति) ૯૦; નેવું. नब्बे; ६०. Ninty; 90. सम० ९०;

नउति. स्त्री० (नवति) નેવું; नब्बे. Ninty. सू० प० १;

नउल. पुं० (नकुल) નોળીયો; એક જાતનો સર્પને મારનાર જીવ. नकुल, नोलिया; सर्पको मारने वाला जीव विशेष. A weasel; a creature which kills serpents. सूय० २, ३, २५. ओघ० नि० भा० ८४; सुत्त० च० १५, ८७; पंचा० २, २२; उत्ता० २, ८६;

नउली. स्त्री० (नकुली) નોળીઆની સ્ત્રી. नकुल -नोलीआ की स्त्री. A female weasel. (२) નકુલ સંબંધી વિદ્યા नकुल संबंधी विद्या; नकुल के विषय की विद्या a lore concerning a weasel विशे० २४५ ४;

नं. अ० (ननु) શંકા સૂચક અવ્યય. शंका सूचक अव्यय An indeclinable suggesting doubt. सु० च० ८, ७६;

नंगल. पुं०(लाङ्गल) હલ. हल A plough. दस० ७, २८; आया० २, ४, २, १३८;

नंगुलि. त्रि० (लाङ्गुलिन्) પૂંછડીવાળું જનાવર पूंछ वाला जानवर. दुमदार जानवर. (An animal) having a tail. अणुजो० १३१;

नंद. पुं० (नन्द) આવતી ચોવીસીના પ્રથમ વાસુદેવ. आवती चोवीसी के प्रथम वासुदेव. The 1st Vāsudeva of the coming cycle. सम० प० २४२, (२) આનન્દ; પ્રસન્નતા. आनन्द, प्रसन्नता joy; happiness. नाया० १; (३) લોઢાનું આસન लोहासन, लोहे का आसन an iron seat भग० ११, ११;

नदग पुं० (नन्दक) નન્દક નામના વાસુદેવનું ખડ્ગ-તલવાર. नन्दक नाम का वासुदेव का खड्ग-तलवार. A sword named Nandaka of Vāsudeva. सम० प० २३७; (२) ભરત ક્ષેત્રના ચાલુ ચોવીસીના ચોવીસમા તીર્થંકરના પુર્વના ત્રીજા ભવનું નામ. भरत क्षेत्र के वर्तमान चौवीसी के

चौवीसवें तीर्थंकर के तीसरे पूर्व भव का नाम. name of the third past life of the 24th Tīrthaṅkara of the present cycle of Bharat Ksetra. सम० प० १३०; (३) દેવનાઓને રમવાનુ-આનન્દ કરવાનું સ્થાન મેરૂ પર્વત ઉપર આવેલું નન્દન વન. देवताओं के रमने-आनन्द करने योग्य स्थान, मेरु पर्वत का नन्दन वन. the pleasure garden of the gods in Nandana forest प्रव० ६०७. उत्त० २० ३; भग० ३, १; (४) આવતી ચોવીસીના સાતમા બલદેવનુ નામ आगामी चौवीसी के सातवे बलदेव का नाम. the name of the 7th Baladeva of the coming cycle. सम० प० ३५; २४२; (५) ઓગણીસમા તીર્થંકરના ત્રીજા પૂર્વ ભવનું નામ उन्नीसवे तीर्थंकर के तीसरे पूर्वभव का नाम. nama of the third past life of the 19th Tīrthaṅkara. सम० प० २३०;

नंदणभद्द. पु० (नंदनभद्र) સભૂતિ વિજયના શિષ્ય. संभूति विजय के शिष्य A disciple of Sambhūti Vijaya कप्प० ८,

नंदमाण व० कृ० त्रि० (नन्दत्) આનન્દ પામતો; સમૃદ્ધિ પામતો. आनन्द पाता हुआ, समृद्धि पाता हुआ. Rejoicing; prosperous. तंदु०

नंदमित्त पु० (नन्दमित्र) આવતી ચોવીસીના બીજા વાસુદેવ. आगामी चौवी्ी के दूसरे वासुदेव का नाम Name of the 2nd Vāsudava of the coming cycle सम० प० २४२;

नंदवती. स्त्री० (नन्दवती) અતગડ સૂત્રના સાતમા વર્ગના બીજા અધ્યયનનું નામ अतगड सूत्र के सातवे वर्ग के दूसरे अध्ययन का नाम. Name of the 2nd chapter of the 7th section of Antagada Sūtra. (२) રાજગૃહ નગરના શ્રેણિક રાજાની રાણી કે જેણે મહાવીર સ્વામી સમીપે દીક્ષા લઇ, અગિયાર અંગનો અભ્યાસ કરી, વીસ વર્ષની પ્રવ્રજ્યા પાલી, સંથારો કરી, સિદ્ધી મેલવી राजगृह नगर के श्रेणिक राजा की रानी; कि जिसने महावीर स्वामी के समीप दीक्षा लेकर ग्यारह अगों का अभ्यास किया, बीस वर्ष की प्रवज्या पाली और अन्त में सथारा कर सिद्धि प्राप्त की. the queen of Śreṇika king of Rājagṛha, who was consecrated by Mahāvīra Svāmī, studied 11 Aṅgas, remained a nun for 20 years and attained salvation after practising Santhārā. अंत० ७, २;

नंदसेणिया स्त्री०(नन्दसेनिका) અતગડ સૂત્રના ૭મા વર્ગના ચોથા અધ્યયનનું નામ. अतगड सूत्र के सातवें वर्ग के चौथे अध्ययन का नाम. Name of the 4th chapter of the 7th section of Antagaḍa Sūtra (२) રાજગૃહ નગરના શ્રેણિક રાજાની રાણી જેણે મહાવીર સ્વામી સમીપે દીક્ષા લઇ; અગીયાર અંગનો અભ્યાસ કરી વીસ વરસની પ્રવ્રજ્યા પાલી, સથારો કરી સિદ્ધિ મેલવી. राजगृह नगर के श्रेणिक राजा की रानी जिसने महावीर स्वामी के पास दीक्षा ले ग्यारह अगो का अभ्यासकर बीस वर्ष प्रव्रज्या पाल, संथारा कर मोक्ष प्राप्त किया. the queen of the king Śrenika who got initiated from the lord Mahāvīra studied the 11 Aṅgas, practised asceticism for twelve years and obtained salvation after performing

Santhārā अंत० ७, ४;

नंदा. स्त्री० (नन्दा) અંતગડ સૂત્રના સાતમાં વર્ગના પહેલા અધ્યયનનું નામ અંતગડ सूत्र के सातवें वर्ग के पहिले अध्ययन का नाम. Name of the 1st chapter of the seventh section of Antagaḍa Sūtra. (२) રાજગૃહ નગરના શ્રેણિક રાજાની રાણી કે જેણે મહાવીર સ્વામી સમીપે દીક્ષા લઇ, અગીઆર અંગનો અભ્યાસ કરી ૨૦ વર્ષ પ્રવજ્યા પાલી સંથારો કરી સિદ્ધિ મેળવી राजगृह नगर के श्रेणिक राजा की रानी कि जिसने महावीर स्वामी से दीक्षा ले ग्यारह अंगों का अभ्यास कर २० वर्ष की प्रवज्या पाल संथारा कर मोक्ष प्राप्त किया the queen of the king Śreṇika of Rājagṛiha who was consecrated by Mahā vīra Svāmī, studied the 11 Aṅgas remained a nun for 20 years and attained salvation after Santhārā अंत० ७, १; (३) એકમ છઠ અને અગિયારસ એ ત્રણ તિથિઓનુ નામ. एकम, षष्ठी और ग्यारस इन तीन तिथियों का नाम. name given to the first, sixth and the eleventh days of either half of a lunar month. जं० प० ७, १५२; सू०प० १०; (४) ૧૦મા તીર્થંકરની માતા दसवें तीर्थंकर की माता. mother of the 10th Tīrthaṅkara. सम० प० २३०; (५) અંજનગિરિની દક્ષિણ તરફની પુષ્કરિણી-વાવનું નામ. अंजनगिरि के दक्षिण ओर की पुष्करिणी बावडी का नाम. name of Puṣkariṇī well to the south of the mount Añjanagiri. प्रव० १४६३;

नंदाचंपापविभत्ति पुं०(नन्दाचम्पाप्रविभक्ति) ૩૨ પ્રકારના નાટ્યમાનું એક. नाटकों के ३२ प्रकार में से एक One of the 32 kinds of dramas सम० ९३:

नंदापविभत्ति. स्त्री० (नन्दाप्रविभक्ति) એ નામે નાટ્ય વિધિ. इस नामकी एक नाट्य विधि विशेष. A particular dramatic mode so named राय० ६३;

नंदावत्त. पुं० न० (नन्दावर्त) એક જાતિનો સાથીઓ. एक प्रकार का स्वस्तिक साथिया. A kind of auspicious sign नाया० १: संथा० १५, जं० प० (२) ચાર ઇન્દ્રિયવાલા જીવની એક જાત. चार इन्द्रिय वाले जीव की एक जाति. a species of four sensed being. पन्न० १, उत्त० ३६; १४६; (३) દૃષ્ટિ વાદાંતર્ગત સિદ્ધશ્રેણિ પરિકર્મનો ૧૩મો ભેદ दृष्टिवादांतर्गत सिद्धश्रेणि परिकर्म का १३वां भेद. the 13th variety of the Siddha Śreṇi Parikarma occuring in Dṛṣṭivāda सम०१२. (४) સિદ્ધસેણિયા અને મનુસ્સ સેણિયા પરિકર્મનો તેરમો અને પુટ્ઠસેણી આદિ પાંચ પરિકર્મનો દશમો ભેદ. सिद्धश्रेणि के और मणुस्ससेणि के परिकर्म का तेरहवां और पुट्ठ श्रेणी आदि पांच परिकर्मों का दशवा भेद the tenth variety of the 5 Parikarmas such as Puttha Śreṇi etc and the 13th variety of Sibdha Śreṇi and Manussa Seṇi Parikarma नंदी० ५६; (५) વિચ્છેદ થયેલ બારમા દૃષ્ટિવાદ અંગના બીજા વિભાગ સૂત્રનો ૧૨મો ભેદ विच्छिन्न बारहवे दृष्टिवाद अंग के दूसरे विभाग सूत्र का १२वां भेद. the 12th section of the 2nd group of the 12th Dṛṣṭivāda Aṅga

which is lost. नंदी० ५६; (६) અઢારમા તીર્થંકરનુ લાંછન अठारहवे तीर्थंकर का लांछन. the insignia of the 13th Tirthankara प्रव० ३८२;

नंदि पु० न० (नन्दि) નદી સૂત્ર नंदी सूत्र Nandī Sūtra (a scripture) सम० ८८; विवा० १; (२) નદિ વાજિંત્રનો શબ્દ. नंदी वाजिंत्र का शब्द the sound of a particular drum निसी० १७, ३३, (३) રમત ગમત, પ્રમોદ; હર્ષ खेल, क्रीडा, प्रमोद; हर्ष play, game; amusement, joy. आया० १, २, ६, ६६, १, ३, २, १११,—**कर** त्रि० (-कर) આનન્દ દેનાર. आनन्द देनेवाला delighting. नंदी० स्थ० ३८, कप्प० ३, ५२, —**जण** त्रि० (-जन) આનંદ ઉપજાવનાર. आनन्द पैदा करनेवाला joy-producing. राय० २४५, —**मुइंग** पु० (-मृदङ्ग) વાદ્ય વિશેષ, આનંદના વખતમા વગાડાય તેવા તબલા वाद्य विशेष, आनन्द के समय बजाये जाने वाले तबले a kind of drum played upon at the times of festivities राय० ८८, —**राग** पुं० (-राग) સમૃદ્ધિથી થતો હર્ષ. समृद्धि से होने वाला हर्ष joy due to prosperity. भग० १२, ५,

नंदिआ(या)वत्त. पु० (नान्दिकावर्त) એ નામનુ સાતમા મહાશુક્ર દેવલોકનુ એક વિમાન, એની સ્થિતિ સોલ સાગરોપમની છે; એ દેવતા આઠ મહિને શ્વાસ લે છે અને ૧૬ હજાર વરસે આહાર લે છે इस नाम का सातवें महाशुक्र देवलोक का एक विमान, जिस की स्थिति सोलह सागरोपम की है; उसमें रहने वाले देवता आठ मास में श्वास लेते हैं और सोलह हजार वर्षों में आहार करते है. A celestial abode so named of the 7th Mahā Śukra Devaloka. The gods there live for 16 Sagaropamas (a period of time) breath at every 8th month and eat once in 16000 years. सम० १६, (२) એક લોકપાલનુ નામ एक लोकपाल का नाम. name of a guardian of direction. भग० ३, ८;

नंदिघोस. पुं० (नन्दिघोस) એ નામનું પાંચમાં દેવલોકનુ એક વિમાન કે જેના દેવતાનું આયુષ્ય દસ સાગરનું છે. इस नाम का पांचवें देवलोक का एक विमान कि जहां के देवता का आयुष्य दस सागरों का है. A celestial abode so named of the 5th Devaloka where the gods live for 10 Sāgaras. सम० १०; (२) બાર પ્રકારના વાજિંત્રનો અવાજ. बारह प्रकार के वाजित्रों का शब्द. a chorus of a set of twelve kinds of musical instruments. राय० १२८, उत्त० ११, १७,

नंदिणीपिउ. पुं० (नन्दिनीपितृ) મહાવીર સ્વામિના દશ શ્રાવકમાના એક महावीर स्वामी के दस श्रावकों मे से एक One of the 10 laymen disciples of Mahāvīra Svāmī उवा० १, २, ६, २६८,

नंदिपुर पुं० (नन्दिपुर) સાંડિલ દેશનુ પ્રસિદ્ધ નગર. साडिल देशका एक प्रसिद्ध नगर A famous city of Sāndila country पन्न० २,

नंदिफल न० (नन्दिफल) નંદિફલના દૃષ્ટાંતવાળુ જ્ઞાતાનુ ૧૫ મું અધ્યયન नंदिफल के दृष्टांतवाला ज्ञाता का १५ वा अध्ययन. The 15th chapter of Jñātā having an illustration of Nandi

fruit. सम० १६;

नंदिमाणग. पुं० (नन्दिमाणक) એક જાતનું પક્ષી. एक जाति का पक्षी. A species of birds. पराह० १, १;

नंदिय पुं० (नन्दिक) નંદીસૂત્ર નંદી સિદ્ધાન્ત. नंदीसूत्र; नंदी सिद्धान्त. Nandī Sūtra (a scripture). भग० ८, २;

नंदिय. त्रि० (नन्दित) આનંદ યુક્ત; સમૃદ્ધિવાન. आनन्द युक्त; समृद्धिवान. Joyful; prosperous. ज० प० ३, ४३; भग० २, १;

नंदिलखमण. पुं० (नन्दिलक्षमण) એ નામનો મંગુ સ્વામિનો એક શિષ્ય इस नाम का मगु स्वामी का एक शिष्य. A disciple so named of Mangu Svāmī. नंदी० स्थ० २६;

नंदिवद्धण. पुं० (नन्दिवर्धन) મહાવીર સ્વામીના મોટા ભાઇનું નામ. महावीर स्वामी के बडे भ्राता का नाम. Name of the elder brother of Mahāvīra Svāmī. कप्प० ५, १०३; आया० २, १५, १७७;

नंदिवद्धणा. स्त्री० (नन्दिवर्धना) અંજનગિરિ પર્વતની ઉત્તર દિશાની પુષ્કરિણી વાવડીનું નામ. अजनगिरि पर्वत के उत्तर तरफ की पुष्करिणी वावड़ी का नाम Name of Puskariṇī well to the north of the mount Añjanagiri. प्रव० १४६३.

नंदिसेण पुं० (नन्दिसेण) જંબૂદ્વીપના એરાવત ક્ષેત્રમાં ચાલુ અવસર્પિણીમાં થએલ ચોથા તીર્થંકર जंबू द्विपान्तर्गत ऐरावत क्षेत्र के वर्तमान अवसर्पिणी में उत्पन्न चौथे तीर्थंकर The 4th Tīrthaṅkara in the present aeon of decrease in Airavata Ksetra of Jambūdvīpa. सम० प० २४०; प्रव० २६८; (२) વિપાક સૂત્રનું નંદિષેણ નામનું છઠું અધ્યયન. विपाक सूत्र का नंदिषेण नामक छठा अध्ययन. the sixth chapter so named of the Vipāka Sūtra. ठा० १०, १;

नंदिसेणा स्त्री० (नन्दिसेना) પશ્ચિમ તરફના અંજનગિરિ પર્વતની પૂર્વ બાજુની પુષ્કરિણી વાવનું નામ पश्चिम तरफ के अंजनगिरि पर्वत की पूर्व दिशाकी पुष्करिणी वावड़ी का नाम. Name of Puṣkariṇī well to the east of the mount Añjanagiri of the west. प्रव० १५०२;

नंदिस्सर. पुं० (नंदीश्वर) નંદીશ્વર નામનો આઠમો દ્વીપ नंदीश्वर नाम का आठवां द्वीप. The 8th continent named Nandīśvara भग० ३, १;

नंदिस्सरवर. पुं० (नन्दिश्वरवर) એ નામનો દ્વીપ અને સમુદ્ર. इस नाम का द्वीप और समुद्र. A continent and a sea of this name सू० प० १८;

नंदी. पु० स्त्री० (नन्दी) ૨૯ ઉત્કાલિક સૂત્રમાંનુ ૧૧ મું સૂત્ર. નન્દી નામે સૂત્ર. २६ उत्कालिक सूत्रों में से ११ वा सूत्र; नन्दी नामका सूत्र. The 11th of the 29 Utkālika Sūtras, the original scripture named Nandī नंदी० ४३; विशे० १०, (२) લોભનો પર્યાય વાચક શબ્દ. लोभ का पर्याय वाचक शब्द. a synonym for greed. सम० ५२; (३) ગન્ધાર ગ્રામની પહેલી મૂર્છના. गन्धार ग्रामकी पहिली मूर्च्छना. the 1st note of the Gāndhāra gamut अणुजो० १२८; (४) આઠમા દ્વીપ અને સમુદ્રનુ નામ आठवें द्वीप और

समुद्र का नाम name of the 8th continent and the sea अणुजो० १०३; (५) પોઠિયો; આંખલો, સાંઢ. नन्दी. साढ. a bull ओघ०नि०भा०८५;(६) હર્ષ, આનન્દ. हर्ष. आनन्द joy. पराह० २, १. (७) મતિ, શ્રુત, અવધિ, મન પર્યવ અને કેવલ એ પાચ જ્ઞાન. माति, श्रुत, अवधि, मन पर्यव और केवल ये पाच ज्ञान. an aggregate of five kinds of knowledge viz Mati, Śruta, Avadhi, Manahparyava and Kevala. विशे० ७८;

नंदीचुन्नग. न० (नान्दिचूर्णक) હોઠ રંગવા નુ એક ચુર્ણ. होंठ-ओष्ट को रगने का चूर्ण. A powder to colour lips सूय० १, ४, २, ६,

नंदीभाण. न० (नन्दिभाजन) પાત્ર વિશેષ पात्र विशेष. A pot, a vessel. ओघ० नि० भा० ३२१,

नंदीमुयंग पु० (नंदीमृदग) એક જાતનું મૃદંગ-માદલ एक जात का मृदंग-मादल. A kind of drum जीवा० ३, १;

नंदीमुह. पु० (नंदीमुख) એક જાતનું પક્ષી. एक जाति का पत्ती. A species of birds. पराह०१, १;

नंदीसर पु० (नंदीश्वर) એક દ્વીપનું નામ. एक द्वीप का नाम. Name of an island. सु० च० ३, २१२, प्रव० ६०६, १५५६.—**दीव.** स्त्री० (द्वीप) નંદીશ્વર નામનો આઠમો દ્વીપ. नन्दीश्वर नामक ८ वा द्वीप. the 8th island named Nandiśvara प्रव० ६३;

नंदीसरवर. पु० (नंदीश्वरवर) એ નામનો દ્વીપ. इस नाम का द्वीप An island so named. जं० प० २, ३३, राय० ७२.

नंदुत्तरा. स्त्री० (नन्दोत्तरा) પૂર્વ તરફના અંજનગિરિ પર્વતની પૂર્વ બાજુની પુષ્કરિણિ વાવનું નામ. पूर्व दिशा के अंजनगिरि पर्वत के पूर्व ओर का पुष्करिणि बावडी का नाम. Name of Puskarinī well to the east of the mount Añjanagiri in the east. प्रव० १४६३;

नंदोत्तरा स्त्री० (नन्दोत्तरा) અંતગડ સૂત્રના ૭ માં વર્ગના ત્રીજા અધ્યયનનું નામ. अंतगड सूत्र के सातवे वर्ग के तीसरे अध्ययन का नाम. Name of the 3rd chapter of the 7th section of Antagada Sūtra. (२) રાજગૃહ નગરના શ્રેણિક રાજાની નંદોત્તરા નામની રાણી, કે જેણે મહાવીર સ્વામીપાસે દીક્ષા લઈ, અગિઆર અંગનો અભ્યાસ કરી, વીસ વરસની પ્રવ્રજ્યા પાળી, સથારો કરી સિદ્ધિ મેળવી. राजगृह नगर के श्रेणिक राजा की नंदोत्तरा नाम की रानी कि जिसने महावीर स्वामी से दीक्षा ग्रहण की, ग्यारह अंग का अभ्यास करके बीस वर्ष तक प्रव्रज्या का पालन कर संथारा करके सिद्धि प्राप्त की. a queen named Nandottarā, wife of Śreṇika the king of Rājagriha, who was consecrated by Mahāvīra Svāmī, studied the 11 Angas, remained a nun for 20 years and obtained salvation after Santhārā. अंत० ७, ३;

नकुल पु० (नकुल) નોળીયો. नवल, नकुल; नाला A weasel अणुजो० १३१;

नक्क पु० (नासिका) નાક; ઘ્રાણેન્દ્રિય. नाक; घ्राणेंद्रिय. Nose आया० २, ३, २, १२१; —(क्कं) अंतर. न० (-अंतर) નાકની [illegible] नाक के मध्यमे. in the m[illegible] a nose. विवा० १;

—च्छिन्न. त्रि० (-च्छिन्न) નાક છેદાયલો; નકટો. नाक हीन; नकटा (one) without a nose. आया० २, ४, २, १३६;

नक्ख. पुं० (नख) નખ. नख; नाखून. A nail. उवा० २, ६४, १०१;

नक्खत्त. न० (नक्षत्र) જ્યોતિઃશાસ્ત્ર પ્રસિદ્ધ ૨૮ નક્ષત્ર. ज्योतिःशास्त्र प्रसिद्ध २८ नक्षत्र. The 28 constellations known in Astronomy. भग० ३, ५; ६, ५; ११, ७; ८, ५१; ठा० १, १; सम० १; उत्त० ११, २५; २५, ११; ३६, २०६; अणुजो० १०३; पन्न० १; सु० च० २, ३५४; ओघ० नि० भा० ८०; जं० प० नाया० १; १४, १५; दसा० ६, १; प्रव० ६०४; ११६७; कप्प० १, २; जं० प० ७, १५१;

नख. पु० (नख) નખ. नख; नाखून. A nail निसी० ५, ४३;

नग. पु० (नग) પર્વત; પહાડ. पर्वत, पहाड़. A mountain. उत्त० ११, २६; १३, ६; ओव० १०, जीवा० ३, ३; प्रव० १४११;

नगर. न० (नगर) જ્યાં કર લેવામાં ન આવતા હોય તેવું ગામ वह शहर जहां पर कर नहीं लिया जाता है; गाँव. A town where no taxes are levied. भग० १, १, ३, १; ७; ७, ६; दस० ५, १, २; राय० २८३; नाया० ५; नंदी० स्थ० ४, उत्त० २, १८, ६, २८; ३०, १६; ओव० १०, क० ग० १, २२, उवा० ७, २०८; २२२; —गुत्तिय पुं० (-गुप्तिक) નગરની રક્ષા કરનાર, કોટવાલ, ફોજદાર વિગેરે. शहर का रक्षक; कोटवाल वगैरह. the guard of a town; a Kotawāla etc. राय० २१३; दसा० १०, १;—**धम्म.** पु० (-धर्म) નગરનો ધર્મ; નાગરિકના આચારવિચાર शहर का धर्म; नागरिक के आचार विचार. the religion of a town; the customs and convictions of citizens. ठा० १०; —**निद्धमण.** न० (*) નગરના જલને બહાર નિકલવાનો માર્ગ, ખાલ शहर के पानी को बाहर जाने का मार्ग; नाला the drains; gutters of a city. भग० ३, ७; —**रूव** न० (-रूप) નગરનું રૂપ દેખાવ. नगर का रूप-देखाव-दृश्य. the sight of a town. भग० ३, ६; —**रोग.** पुं० (-रोग) નગરમાં ચાલતો-પસરેલો રોગ. नगर मे फैला हुआ रोग. an epidemic भग० ३, ७; —**संठिय.** त्रि० (-संस्थित) નગરને આકારે રહેલ. शहर की आकृति में रहा हुआ. remaining in the form of a town भग० ८, २;

नगरी. स्त्री० (नगरी) નગરી નગર. नगरी; नगर; शहर. A town; a city. भग० ७, ६; उवा० २, ११६;

नगिण त्रि० (नग्न) વસ્ત્ર રહિત, નાગો. वस्त्र रहित, नग्न. Naked, nude. सूय० १, ३, १, १०; दस० ६, ६४;

नग्ग. त्रि० (नग्न) વસ્ત્રહીન; નાગો. वस्त्र हीन; नग्न. खुला. Naked; nude; bare. भग० १, ६; भत्त० १८०;

नग्ग. न० (नाग्न्य) નગ્નપણું; નિરૂપાધિપણું नग्नत्व, निरुपाधि पन. Nudity; possessionlessness. उत्त० २०, ४६; —**भाव** पुं० (-भाव) નગ્ન વૃત્તિ; સાધુ વૃત્તિ. नग्न वृत्ति, साधु वृत्ति. nudity; asceticism. भग० १, ६; ६, ३३;

नग्गिया. स्त्री० (नग्निका) વસ્ત્ર રહિત. ઉઘાડી; નાગી. वस्त्र हीन; खुली; नग्न. A nude or naked (female). विशे० २६०१;

नग्गोह पुं० (न्यग्रोध) વડનું ઝાડ. वट वृक्ष; वड का झाड. The banyan tree.

सु० च० १२, ८, पण्ह० १;

√नच्च धा० I.(नृत्) નાચવું, નાચ કરવો. नाचना; नाच करना. To dance.
णच्चइ. जं० प० नाया० ३;
णच्चन्ति. जं० प० ४, १२१;
णच्चेज्ज. वि० निसी० १७, ३२;
णच्चत ओव० ३१;
नच्चत नदा० स्थ १५; सु०च० २, २६८·
६४३. ओव० ३१; निसी०१२, ३४;
आया० २. ११, १७०, ज० प०
३, ६७,
णच्चमाण भग० १५ १;

नच्चण न० (नर्तन) નાચવું ગાનતાન કરવું नाचना, गानतान करना Dancing. ओव० ३८;

नच्चणी. स्त्री० (नर्तकी) નાચકરનારી. નટી. नाच करने वाली; नटी. A female dancer सु० च० १०, १६०;

नच्चिर त्रि० (नर्तनशील) નાચનાર नाचने वाली. A dancer सु० च० २, २८९; ३२१,

नजुतंग पुं० (नयुताङ्ग) ચોરાસી લાખ નજુત પરિમિત કાલ વિભાગ ८४ लक्ष नजुत परिमित काल विभाग A period of time measuring 84 lacs of Najutas. ज० प०

नट्ट न० (नाट्य) ૩૨ પ્રકારના નાટક પ્રયોગ. નૃત્ય ગાનાદિ; નાટક કલા. ३२ प्रकार के नाटक प्रयोग, नृत्य गानादि, नाट्यकला Staging of the 32 kinds of dramas; dancing and singing. नाया० १३. भग० ३, २, ११, १०, राय० १६, जीवा ३, ३; पन्न० २, सूय० २, २, ५५; उत्त० १३, १४, अणुजो० ६२. सु० च०२, ६०६, आया० १, ६, १, ८, २, ११, १७०; ओव० नि०४१६; कप्प० २,१२, (२) નાટક કરનાર; નાટકીઆ नाटक करने वाला. an actor भग०१४,६; ठा० ७, १;—अणीअ य न०(अनीक) નટોની સેના-સમૂહ. नट लोगों का सैन्य-समूह. An army or a host of actors. भग० १४, ६; ठा० ७, १; —कुसल. त्रि० (-कुशल) નાટ્ય પ્રયોગમાં કુશલ. नाट्य प्रयोग में कुशल. expert in acting. विवा०२:—विधि. पुं० (-विधि) નાટકની વિધિ-નિયમો. नाटक की विधि-नियम the mode or procedure of a drama. भग०१४,८; प्रव० १२४१; —विहि. पुं० (-विधि) નાટકના પ્રકાર, नाटक के प्रकार. different varieties of a drama नाया० ध० २; भग० ३, १; ११, १०, १८, १; नाया० १३; निर० ३,१; —साला स्त्री० (शाला) નાટક શાલા नाटक शाला. a theatre राय० ७७६.

नट्टग. पुं० (नर्तक) નાચ કરનાર. नाच-नृत्य करने वाला A dancer. कप्प० ५, ६१;

नट्टमालअ. पुं० (नृत्तमालक) વૈતાઢ્યની ખંડપ્રપાત ગુફાનો અધિપતિ દેવતા वैताढ्य की खंडप्रपात गुफा का अधिपति देवता. The presiding deity of the cave of Khanda Prapāta of Vaitādhya mountain. जं० प०

नट्टय. त्रि० (नर्तक) નાચનાર नृत्य करने वाला A dancer निसी० ६, २२;

नट्टिया. स्त्री० (नर्तकी) નાચકરનાર સ્ત્રી. नृत्य करने वाली स्त्री A female dancer. भग० ११, १०;

नट्ठ. त्रि० (नष्ट) નષ્ટ થયેલ; નાશ પામેલ; ખોવાયેલ. नष्ट; नाश को प्राप्त, खोया हुआ. Destroyed; lost. जं० प० २, ३६; पिं० नि० ७४, १२५; ३२१, भग० ७, ६; ६, ३३; नाया० १; निसी० १३, २७,

भग० १४६; (२) દિવસના ત્રીશ મુહુર્ત માંના સત્તરમા મુહુર્તનું નામ दिन के ३० मुहूर्तों में से १७वे मुहूर्तका नाम name of the 17th Muhūrta out of 30 of a day. सम० ३०;—चरित्त न० (-चरित्र) નષ્ટ ચરિત્ર; દુરાચારી नष्ट चरित्र; दुराचारी. loose; immoral नाया० १०;

नट्ठवंत. पुं० (नष्टवत्) એ નામનું ૨૬ મું મુહુર્ત. इस नामका २६ वां मुहूर्त. The 26th Muhūrta so named. सम० ३०;

नड पुं० (नट) નટ; નાટકીઆ. नट; नाटक का पात्र An actor. जीवा० ३, ३; अणुजो० ६२, विशे० ६७, निसी० ६, २२; पंचा० ६, ११; १७, ४३; कप्प० ६, ६६; —पेक्खा स्त्री० (-प्रेक्षा-नटा नाटकाना नाटयितारः तेषां प्रेक्षा नट प्रेक्षा) નટ લોકનું પ્રેક્ષણ કરવું-જોવું તે. नट लोगों का प्रेक्षण करना-देखना spectators of actors etc. जीवा० ३, ३;

नडिश्र. त्रि० (-) વિડંબિત; ખેદપમાડેલ विडंबित Insulted; made sorrowful नाया० ६;

नणु अ० (ननु) શંકા સૂચક અવ્યય. शंका सूचक अव्यय. An indeclinable suggesting a doubt. पि० नि० २६०; विशे० २१

नएणत्थ. अ० (नान्यत्र) શિવાય નહિ; બીજે ઠેકાણે નહિ. सिवाय नहीं; अन्य स्थान पर नहीं In no other case; nowhere else. सूय० २, ७, ६;

नत्त पुं० (नप्तृ) પુત્રીનો પુત્ર; દૌહિત્રો. पुत्री का पुत्र दौहित्र. A daughter's son. सु० च० १, ६५; पिं० नि० ४८६;

नत्तमाल पुं० (नक्तमाल) વૃક્ષ વિશેષ; ખજુર. वृक्ष विशेष. खजूर. A particular tree: date-palm. जीवा० ३, ३;

नत्तियाचास. त्रि० (नप्तृकापपास) જેને પુત્રીની પુત્રીની પિપાસા હોય તે जिसे पुत्री की पुत्री की इच्छा हो वह (One) who is desirous of a daughter's daughter. निर० ३, ४;

नत्तु पुं० (नप्तृ) દૌહિત્રો. दौहित्र. A daughter's son भग० ७, ६; —पिपासा. त्रि० (-पिपासा) જેને દૌહિત્રની પિપાસા હોય તે. जिसे दौहित्र की अभिलाषा हो वह (one) who is thirsty or eager for a daughter's son निर० ३, ४;

नत्तुश्र-य पुं० (नप्तृक) પુત્રીનો પુત્ર. पुत्री का पुत्र. A son of a daughter राय० २४५; विशे० ८६२; भग० १२, २; विवा० ३; निर० १, १;

नत्तुश्रा स्त्री० (नप्तृका) પૌત્રી; દીકરા કે દીકરીની દીકરી. पौत्री; पुत्र या पुत्री की पुत्री. A grand-daughter. गच्छा० ८५;

नत्तुई स्त्री० (नप्तृका) દીકરીની દીકરી. लडकी की लडकी; पुत्री की पुत्री. A daughter's daughter. आया० २, १५, १७७, कप्प० ६, १०३;

नत्थ त्रि० (न्यस्त) રાખેલું. रखा हुआ Deposited. (२) છોડેલું; તજેલું. छोडा हुआ; त्याग दिया हुआ abandoned, left. पिं० नि० १६५; कप्प० ४, ६८;

नत्था. स्त्री० (नस्ता) બળદ વગેરેની નાકમાં બાંધેલ દોરડી, નાથ बैल वगैरह की नाक में बांधी हुई रस्सी; नथनी. A nose-string of a bullock etc उत्त० ७, २०६;

नत्थि अ० त्रि० (नास्ति-न+अस्ति) નથી; છે નહિ. नहीं है; है नहीं Not, does not:

exist. दसा० ६, ३; दस० ६, १, ५; भग० ३, ७, ९, ४, ७, १०, ८, ६. विशे० ३२; पिं० नि० १२१, उवा० ६. १६६, ७, २००;

√नद धा० I (नद) બોલવું, શબ્દ કરવો बोलना; शब्द करना To speak; to produce a sound

नदइ. भग० ३, २;
णदइ दसा० ९, १२,
णदंति. जीवा० ३, ४; जं० प० ९, १२१;
नदइत्ता. सं० कृ० भग० ३, २;

नद पुं० (नद) શબ્દ, નાદ, ધ્વનિ. शब्द; नाद, ध्वनि. Sound, note सम० ३०, दसा० ९, १२;

नदी. स्त्री० (नदी) નદી नदी A river. भग० ५, ७, ८, ६; अणुजो० १३४. पन्न० २, पंचा० ६, २१; **—जत्तासंपत्थिय** त्रि० (-यात्रासंप्रस्थित) નદીની યાત્રાએ ચાલેલ. नदी की यात्रा के लिये चला हुआ. started for a pilgrimage to a river. निसी० ६, १३; १४; १५; १६; १७, १८,

नन्नत्थ अ० (नान्यत्र) બીજે ઠેકાણે નહિ अन्य स्थान पर नहीं Not elsewhere. भग० ३, २, वेय० १, ४२, दस० ६ ५; ८, ४, २, ३;

नपु. न० (नपुस्) નપુંસકવેદ नपुंसकवेद. Neuter inclination क० गं० १, २२, ५, ६१, **—चउ** न० (-चतुष्क) નપુંસકવેદ, મિથ્યાત્વ મોહનીય, છેવટું સંઘયણ અને હુંડસંઠાણ એ ચાર પ્રકૃતિનો સમૂહ. नपुसक वेद; मिथ्यात्वमोहिनीय, अंतिम संघयण और हुंडसठाण इन चार प्रकृतियों का समूह. an aggregate of the 4 Karmic natures viz Napunsakaveda, Mithyātvamohaniya, Chhevatū Sanghayana and Hundasanthāna क० गं० ३, ५,

नपुंस. न० (नपुंस्) નપુંસકવેદ, જેમાં સ્ત્રી અને પુરૂષ બન્નેના લક્ષણ હોય તે. नपुंसक वेद, जिस में स्त्री व पुरुष दोनों के लक्षण हो वह. Neutral inclination, (one) who has characteristics of both (a male or female) प्रव० ७०१; ७६७; क० गं० ३, ७; **—चउ** न० (-चतुष्क) જુઓ "नपुचउ" શબ્દ. देखो "नपुचउ" शब्द. vide "नपुचउ" क० गं० ३, ७, **—लिंग.** न० (-लिङ्ग) નપુંસકલિંગ नपुंसक लिंग. neuter gender. प्रव० ४७६; **—वेअ** पुं० (-वेद) નપુંસકવેદ नपुंसक वेद neuter inclination. क० गं० ४, १४.

नपुंसअ पु० (नपुंसक) નપુંસક नंपुसक An impotent उत्त० ३६, ५२; भग० ६, ३, **—वेअ** पुं० (-वेद) નપુંસકવેદ. नपुसक वेद neuter inclination प्रव० १३,

नपुंसक न० (नपुंसक) નપુંસક; નામર્દ. An eunuch, impotent. विवा० २; **—कम्म.** न० (-कर्मन्) નપુંસકનું કર્મ-કાર્ય नपुसक का कर्म-कार्य. impotency. विवा० २, **—लिंगसिद्ध.** पु० (-लिङ्गसिद्ध) શરીર નિર્વૃત્તિરૂપ નપુંસકના લિંગે સિદ્ધ થયેલ. शरीर निर्वृत्तिरूप नपुंसक के लिंग से सिद्ध (one) becoming a Siddha by the sign of impotence in the shape of bodily renouncement पन्न० १;

नपुंसग पु० (नपुंसग) નપુંસક नपुंसक. Neuter; eunuch जीवा० १; उत्त० ३६, ४६; प्रव० ७०३; क० प० २, ८४; **—वउ** स्त्री० (-वाक) નપુંસક વાચી શબ્દ नपुंसक वाची शब्द a word in the

neuter gender. पन्न० ११; —वयण न० (-वचन) નપુંસક વચન; નાન્યતર જાતિવાચક પ્રત્યય नपुंसक वचन; नपुंसक लिंग वाचक प्रत्यय. neuter gender. आया० २, ४, १, १३२; —वेअ-य. पुं० (-वेद) નપુંસક વેદ; ત્રણ વેદમાંનો એક. नपुंसक वेद; तीन वेदों में से एक. neuter inclination; one of the three inclination. उत्त०२६,५·३२,१०२; ठा० ६,१; —वेदग. पुं० (-वेदक) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपर का शब्द. vide above. भग० ८, २; —वेयग. पुं० (-वेदक) જુઓ "नपुंसकवेअ" શબ્દ. देखो "नपुंसकवेअ" शब्द vide "नपुंसकवेअ" भग०६,३; ४;

नभ न० (नभस्) આકાશ. आकाश The sky. भग० २०, २; विशे० ५७२; —अंगणतल. न०(-अंगणतल) આકાશરૂપ આંગણાનું તળીયું. आकाश रूप आगन का तला the surface of the like-sky floor. कप्प० ३,३८;

√नम. धा० I. (नम्) નમવું, નમસ્કાર કરવો. नमन करना, नमस्कार करना To bow to, to salute.

णमइ. उत्त० १, ४५;

णामिश्र. सं० कृ० क० गं० ४, १;

√नम धा० I (नम्) નમવું; નમ્ર થવું; વિનયનું સેવન કરવું. नमन करना; नम्र होना; विनय का सेवन करना. To bow; to serve with politeness.

नमंति. तंदु०

नमिमो. सु० च० १, १; २, ५७;

नमइ. क० गं० २, ३५;

नमिऊण. सं० कृ० सु० च० १,१४७; भत्त० १; प्रव० १.

नमिअ. सं० कृ० क० गं० ४, १;

नमिऊ. सु० च० १, ११८;

नममाण. व० कृ० सु०च० १, ३, ४, १९२;

√नम. धा० II. (*) નમાવવું; નીચું કરવું झुकाना; नीचा करना. To cause to bend; to lower.

नामे. प्रे० आया० १, ३, ४, १३३;

नामेइ प्रे० दस० ७, ४;

√नमस. धा० I (नमस्य) નમવું, નમન કરવું; પ્રણામ કરવું नमन करना; प्रणाम करना. To bow to; to salute.

णमंसइ-ति भग० १, १; नाया० १३, जं० प० ४, १२२, ११५; ओव० १२; भग० १, १; जीवा० ३, ४;

णमंसामि नाया० १, ५; १४;

णमंसामो ओव० २७, भग० २, ५; ५, ४; नाया० १३;

णमंसणिज्जा. त्रि० राय० २७१;

णमंसणिज्जा. त्रि० भग० १३, ६;

णमंसामि भग० २, १; ४२, १;

णमंसामो. भग० २, १, ३, १, ६, ३२,

णमंसह. आ० राय० २६;

णमंसिहिति. भग० १५, १;

णमंसिहामि सं० कृ० भग० १८, १०;

णमंसित्ता सं०कृ०भग०२, ५,१५.१;१,१;६, ३२; जं०प० नाया०१९,५;१३; १४;

णमंसित्तए हे० कृ० ओव० ४०;

णमंसमाण व० कृ० नाया० १; २; ६; भग० १, १; ५, ४; ६, ३३;

नमंसइ. भग० १, ६; ७, ६; नाया० १; सु० च० २, ५१५;

नमसे. दस० ९, १, ११;

नमसंति. ठा०३, २, भग० ३, १; दस० ६, २; १५;

नमंसइत्ता. स० कृ० नाया० ३; १६; भग० १, ६, २, १; ३, १; ५, ८;

नमंसित्ता. ठा० ३, १; २; सु० च० २, ६६; भग० २, १; ३, १; ७, ६;

नमंसण न० (नमन) નમન કરવું નમન करना. Salutation भग० २, ५, दसा० १०,१; सु० च० ३; १०६;

नमंसणिज्ज. त्रि० (नमस्य) નમસ્કાર કરવા યોગ્ય. नमस्कार करने योग्य. Fit to be saluted. श्रोव० सु० च० २, ७,

नमंसिय त्रि० (नमस्य) નમવા યોગ્ય. नमन करने योग्य. Fit to be saluted नदी० स्थ० ३;

नमि. पुं० (नमि) મિથિલા નગરીનો રાજા નમિ, કે જેને દાહજ્વર રોગ થતાં રાણીઓને ચન્દન ઘસવાનો આદેશ કર્યો ચન્દન ઘસતાં કંકણોનો બહુ અવાજ થવાલાગ્યો, તે રાજાથી સહન ન થઇ શક્યો, ત્યારે એકથી વધારે કંકણો ઉતારવાની આજ્ઞા કરી રાણીઓએ તેમ કર્યું, ત્યારે અવાજ બંધ થયો. આ ઉપરથી રાજાને વિચાર થયો કે જ્યાં અનેકતા છે ત્યાં કોલાહલ-દુઃખ છે અને એકતામાં સુખ છે માટે મારે એકાન્ત સુખ મેલવવું જોઇએ રોગ, શાન્ત થયા પછી તેણે સંસાર છોડી દીક્ષા લીધી; ચાર પ્રત્યેક બુદ્ધ માના એક પ્રત્યેક બુદ્ધ. मिथिला नगरी का राजा नमि जिसने दाहज्वर रोग हो ने पर रानियों को चन्दन घिसने का आदेश किया, चन्दन घिसते २ कंकणों की बहुत आवाज होने लगी, राजा से यह सहन नहीं हो सका, तब एक को छोड कर सारे कंकणो को निकाल देने की आज्ञा दी. रानियों ने वैसा ही किया, तब आवाज बद हुइ, इस पर से राजा को विचार उत्पन्न हुआ कि जहां पर अनेकता है वहा कोलाहल-दुःख है, व एकता मे सुख है इस लिये मुझे एकान्त सुख प्राप्त करना चाहिये. रोग शान्त हाने के पश्चात् उसने संसार को त्याग दीक्षा धारण की. चार प्रत्येकबुद्ध मे मे एक प्रत्येकबुद्ध. The king Nami of Mithilā city who fell ill of fever. The queens were ordered to prepare a paste of sandal-wood for applying. The bangles on the arms of these queens who were preparing the paste made a clinking sound which was unpleasant to the ears of the king. He ordered to remove all bangles except one on each hand which did not then produce sound. Upon this the king realised "There is confusion where there are more than one objects There is happiness in being one, so it is desirable to be alone." After his illness was over he renounced the world and entered the orders, one of the 4 Prateyaka Buddhas. उत्त० ९, २; सूय० १. ३, ४, २; (२) ચાલુ અવસર્પિણીના ૨૧મા તીર્થંકરનું નામ. वर्तमान अवसर्पिणी के २१वे तीर्थंकर का नाम. the 21st Tīrthankara of the current aeon of decrease प्रव० २६४; सम० २४; भग० २०, ८; श्राव० २, ४,

नमिर. त्रि०(नम्र) નમ્ર. વિનયી. नम्र, विनयी, मृदु. Humble, soft, obedient. सु० च० १, ३६५; २, २८६, —**मउलि.** त्रि० (-मौलि) જેનુ માથુ નમેલું હોય તે, નમ્રશીલ, જેનું મુગટ મહાત્માઓના ચરણમા નમતુ હોય તે जिसका मस्तक -सिर नीचे की तरफ झुकाहो वह; नम्रशील; जिसका मुकुट महात्माओं के चरणों में झुकता हो वह one whose head is bent;

one whose crown is lowered in the feet of sages. सु० च० ३, ११८;

नमुक्कार. पु० (नमस्कार) नमस्कार. नमस्कार. Salutation. मत्त० ५४; कप्प० १, १;

नमुक्कारसिया. स्त्री० (नमस्कारसीमा) नमस्कार गणी पाले नहीं त्यांसुधि सवारना पहोरमां बेघडी सुधी चोविहारना पच्चखाण करवा ते. नमस्कार गिन कर छोडे नहीं तब तक प्रातःकाल में दो घटिका पर्यन्त चौविहार के पच्चक्खाण करना. Performing the Chovihāra vow for 2 Ghatikās (48 minutes) until one does not observe salutation Mantra counting. आव० ६, १,

नमुदय. पु० (नमुदक) ए नामनो एक आजीविक मतनो उपासक. इस नाम का आजीविक मत का सन्यासी. An ascetic of this name. भग०७; ८; ८, ५;

नमो. अ० (नमस्) नमस्कार. नमस्कार. Salutation दसा० १, १; भग० १, १; राय० १; जं० प० नंदी० स्थ० ५;

नमोक्कार. पु० (नमस्कार) प्रणाम; नमस्कार. प्रणाम; नमस्कार Salutation; bowing अणुजो० ७६; विशे० ५; —**पुन्न.** न० (–पुण्य) नमस्कारथी थतुं पुण्य. नमस्कार से होता हुआ पुण्य. Merit accruing through salutation. ठा० ९, १;

नय–अ. त्रि० (नत) नम्र थयेल; नत. नम्र. Bent; lowered. आया०१,२, ६, १०२; नंदी० स्थ० १६;

नय. अ० (नच) नहि. नहीं. Not. दस० ८, १६;

नय–अ. पुं० (नय) एक वस्तुना अनेक धर्मोमांथी एक धर्मने मुख्य राखी अन्यने गोण राखी विचार करवो ते; जुदीजुदी अपेक्षाए पदार्थने जोवानी–समजवानी दृष्टि. एक वस्तुके अनेक धर्म में से एक धर्म को प्रधान समझ कर अन्य को गौण मानकर विचार करना; भिन्न भिन्न अपेक्षा से पदार्थ को निरीक्षण करने की समझने की दृष्टि, सात प्रकार के नय. A standpoint conceiving of a thing from one point of view as primary and others secondary विशे० ७०, ११४, पिं० नि० भा० १७ उत्त० २६, २४७, अणुजो ५६; दवा० ७, २ ६; (२) शास्त्र शास्त्र. scriptures. कप्प० १, ६; (३) मत. मत. creed भग० १, १; ६, ३३; —**जुय** त्रि०(–युत) न्याययुक्त न्याययुक्त. logical; moral, just. पंचा० २, १; —**बंभ.** न० (–ब्रह्मन्) नैगम दि सात नय पूर्वक ज्ञान–श्रुतज्ञान. नैगमादि सात नय पूर्वक ज्ञान–श्रुतज्ञान. scriptural knowledge consisting of Naigama etc 7 standpoints. चउ० ३०; —**विहि.** पु० (–विधि) नयनी रीति; नयना भेद. नयकी रीति; नय के भेद. the way or difference of morality, politics उत्त० २८, २४; प्रव० ६१७, —**सत्तग.** न० (–सप्तक) नैगम आदि सात नय. नैगम आदि सात नय. the seven standpoints viz. Naigama etc. प्रव० २८;

नयण न० (नयन) नयन. आंख आंख; चक्षु. An eye. जं० १०५, ११५; विशे० २०४, भग० ७, ६; ११, ११, १५, १, दसा० ६; ४; ७, १२; गच्छा० १२२; प्रव० ५६४; क० गं० १, ४; कप्प० २, १४, ३, ३५, ४, ६०; ४, १०६; पंचा० ३८,१६; दवा० २, १०७; (२) लई जवुं. दोरी जवुं. लेजाना; लेचलना. carrying away. विशे०

३१३७; —उदय. न० (-उदक) આંસુ. अश्रु a tear. महा० प० ३८;

नयर न० (नगर) નગર; કર વિનાનું ગામ શહર; नगर; कर हीन-रहित गांव A city; a town free from taxes. भग० २, १; ५; पिं० नि० १२७; दसा० ५, ५; प्रव० ८८६; कप्प० १, २, उवा० १, ८८, ८, २३१;

नयरी. स्त्री० (नगरी) નગરી, શહેર. नगरी शहर A city सू० प० १; ओव० भग० २, १, ५, सु० च० २, ६, विवा० ४, उवा० १, १; ३, १४६;

नयवंत त्रि० (नयवत्) નીતિવાન્. नीतिवान् Moralist. सम० ३०;

नयव्वं त्रि० (नयवत्) જુઓ "नयवंत" શબ્દ देखो "नयवत" शब्द Vide "नयवंत" दसा० ६, १०, ११,

नर पुं० (नर) મનુષ્ય; પુરૂષ मनुष्य, पुरुष A man क० गं० १, २२, ओव० २१, भग० ७, ६, दस० ५, २, ४६; ७, ५; ८, ५७; उत्त० १, ६; ६, ४८; सूय० १, १, १, ४, प्रव० ७०६, पचा० ६, ७, कप्प० ६,४४, (२) મનુષ્યગતિ નામે નામકર્મની એક પ્રકૃતિ. मनुष्यगति नामक नामकर्म की एक प्रकृति. a Karmic nature named Manuṣyagati. क० ग० १, १८, ४, २२, —अणुपुव्वी. स्त्री० (-अनुपूर्वी) મનુષ્યની અનુપૂર્વી; નામકર્મની એક પ્રકૃતિ કે જે જીવને બીજી ગતિમાથી મનુષ્યની ગતિમાં સિધ્ધે સિધ્ધું લઈ આવે मनुष्य की अनुपूर्वी; नामकर्म की एक प्रकृति जो जीव को अन्य गति में से मनुष्य की गति में सीधी ले आती है. a Karmic matter named Manusyānupūrvī which carries a soul directly to the life of a man from other life क० ग० २, ३५. —अहिव. पु (-अधिप) નરોનો અધિપ; નૃપ; રાજા. नरों का अधिपति; नृप; राजा. a king. उत्त० ६, ३२; १३, १५,—आउ न० (-आयुष्) મનુષ્યનું આયુષ્ય. मनुष्य का आयुष्य. the life or age of a man. क० गं० ३, ४; ६,— (रिं) इंद पु० (-इन्द्र) નરેન્દ્ર; રાજા. नरेंद्र, राजा. a king. सु० च० १, १२३; ३१६, उत्त० १२, २१, ओव० १२; नाया० १; दस० ७, ५३, कप्प० ४, ६२;—ईसर. पुं० (-ईश्वर) નરેશ્વર, ચક્રવર્તી; સાર્વભૌમ રાજા नरेश्वर, चक्रवर्ती, सार्वभौम राजा. a king; a suzerain. उत्त० १८, ३६; सु० च० ४, २०४, —गइ. स्त्री० (-गति) મનુષ્યગતિ मनुष्यगति. the condition of existence of man. क० ग० ४, १३, —तिग. न० (-त्रिक) મનુષ્યત્રિક; મનુષ્ય ગતિ, મનુષ્ય-આયુષ્ય અને મનુષ્યની અનુપૂર્વી એ ત્રણ પ્રકૃતિ मनुष्य गति, मनुष्य आयुष्य और मनुष्य की अनुपूर्वी ये तीन प्रकृतियां the 3 Karmic natures viz. Manuṣyagati, Manusyāyusya and Manusyānupūrvī. क० ग० २, ५, ५, १५, —दुग न० (-द्विक) મનુષ્યગતિ અને મનુષ્યની અનુપૂર્વી એ બે પ્રકૃતિ. मनुष्यगति और मनुष्य की अनुपूर्वी ये दो प्रकृतियां. the two varieties of Karmic matter viz Manusyagati and Manusyānupūrvī क० प० २, ६७: ९१, क० ग० ३, ७; —देव. पुं० (-देव) ચક્રવર્તી. चक्रवर्ती a sovereign भग० १२; ८; —नारी. स्त्री० (-नारी) નર ને નારી, પુરૂષો અને સ્ત્રીઓ नर और नारी, पुरुष और स्त्रियां. a male and female. दसा० ६, २, ७; प्रव० ७७;

—भोग. पुं० (-भोग) मनुष्यना भोग. मनुष्य के भोग. the enjoyments of men. प्रव० १३७७; —वइ. पुं० (-पति) नृपति; राजा. राजा; नृप; भूपति. a king. निर० १, १; ओघ० नि० भा० ४५; उत्त० १३, २८; भग० ११, ११; ओव०—वति. पुं० (-वति) राजा. राजा. a King पराह० १, ३;—वाहणिय. त्रि० (-वाहनीय) एक प्रकारनुं आर्य कर्म. एक प्रकार का आर्य कर्म. a kind of venerable profession. पन्न० १;—वेअ पुं० (-वेद) पुरुष वेद. पुरुष वेद male inclination. क० गं० ४, १४; —संठिय. त्रि० (-संस्थित) पुरुषना जेवा आकारवालुं. पुरुष के समान आकार वाला having a form like a human being. भग० ८, २; —सीह. पुं० (-सिंह) नरोमां सिंह समान. नरों में सिंह समान. like a lion amongst men. नाया० १६;

नरक. पुं० (नरक) नरक. नरक Hell ओव० ३४;

नरकंता. स्त्री० (नरकान्त) रम्भकवास क्षेत्रनी पूर्व तरफ लवण समुद्रमा मलती ए नामनी एक म्होटी नदी. रम्मकवास क्षेत्र के पूर्व तरफ लवण समुद्र में मिलती इस नाम की एक बडी नदी. a great river falling in the salt sea to the east of Rammakavāsa Ksetra. जं० प० ६, १२५; सम० १४,

नरग. पुं० (नरक) नरक; नरकावास. नरक; नरकावास. Hell दस० ५, २, ४८; दसा० ६, १; —पालग. त्रि० (-पालक) नरकनो रक्षक; नारकीओने कर्मनुं फल आपनार; परमाधामी. नरक का रक्षक; नारकिओं को कर्म का फल देनेवाला; परमाधामी. the protector of hell; the torturer of the hell being. राय० २४८;

नरय-अ. पुं० (नरक) नारकीओनुं निवास स्थान; रत्नप्रभा आदि सात नरक. नारकिओं का निवास स्थान; रत्नप्रभा आदि सात नरक; पाताल लोक. The abode of hell-beings; the 7 hells viz. Ratnaprabhā etc; the nether world. भत्त०१०१; क० गं० १, १३; १८, २३; प्रव० ४१; १३२४; उत्त० ३, ३; ४, २; १८, २५; सम० १; उवा० १, ८४; ८, २६३; —आउ. न० (-आयुष्) नरकनुं आयुष्य. नरक का आयुष्य. the life or age of hell. क० गं० १, ५७; —उवट्ट. त्रि० (-उद्वृत्त) नरकमांथी नीकळेल. नरक में से निकला हुआ. coming out of hell. प्रव० ४२; —तिग. न० (-त्रिक) नरकगति, नरकनुं आयुष्य अने नरकानुपुर्वी ए त्रण प्रकृति नरक गति, नरक का आयुष्य और नरकानुपूर्वी ये तीन प्रकृतिया. the three Karmic natures viz. Narakagati, hell-age and Narakānupūrvī. क० गं० २, ४; —दंसि. त्रि० (-दर्शिन्) नरक निदानने जाणनार नरक निदान को जाननेवाला. one who knows hell cause. "जे मार दंसि से नरयदंसि से तिरिय दंसि" आया० १, ३, ४, १२१; —दुग. न० (-द्विक) नरकगति अने नरकानुपुर्वी ए बे प्रकृति नरकगति और नरकानुपूर्वी ये दोनों प्रकृति. the two varieties viz. Narakagati and Narkānupūrvī of Karmic matter. प्रव० १३०२; —वियणा. स्त्री० (-वेदना) नरकनी वेदना नरक की वेदना the anguish of hell. भत्त० १११;

नरयविभत्ति. स्त्री० (नरकविभक्ति) સૂયગડાંગના પાંચમાં અધ્યયનનું નામ. सूयगडांग के पांचवें अध्ययन का नाम. Name of the 5th chapter of Sūyagadānga. सूय०१,५, १, २५; सम० २३,

नरिंद. पु०न० (नरेन्द्र) એ નામનું પાંચમા દેવલોકનું એક વિમાન કે જેમાં વસના દેવોનું ૧૨ સાગરનું આયુષ્ય છે. इस नाम का पांचवें देवलोक का एक विमान जिसमें रहने वाले देवों का १२ सागर का आयुष्य है a celestial abode of the 5th Devaloka so named Its gods live for 12 Sāgaras. सम० १२,

नरिंदकंत पुं० (नरेन्द्रकान्त) એ નામનું પાંચમા દેવલોકનું વિમાન કે જેમાં વસતા દેવોનુ આયુષ્ય ૧૨ સાગરનુ છે. इस नामका पाचवें देवलोक का विमान कि जिस मे रहने वाले देवता का आयुष्य १२ सागर का है. A celestial abode of the 5th Devaloka so named. Its gods live for 12 Sāgaras. सम० १२,

नरिंदुत्तरवडिंसग. पुं० (नरेन्द्रोत्तरावतसक) એ નામનુ પાંચમા દેવલોકનુ એક વિમાન કે જેમા વસતા દેવતાનુ આયુષ્ય ૧૨ સાગરોપમનુ છે. इस नाम का पावचें देवलोक का एक विमान जिसमें रहनेवाले देवका आयुष्य १२ सागरोपम का है A celestial abode of the 5th Devaloka so named The duration of the life of gods residing therein is 12 Sāgaropamas (a period of time). सम० १२;

नरीसरत्तण. न०(नरेश्वरत्व) રાજાપણું राजापन; नृपत्व. Kingship पचा० ६, १७;

नल पुं० (नल) તૃણ વિશેષ; નળી तृण विशेष. A kind of grass or reed; pipe; tube भग० २१, ५; ओघ० नि० ७७१; पिं० नि० ३८३; ओव० १६, —**वण.** न० (-वन) નલ-નડીનુ વન नल का वन; बरू का वन a forest of Nala; a forest of Baru ओव०१६;

नलकूवर. पु० (नलकूवर) વૈશ્રમણ દેવનો પુત્ર એક દેવ; અતિ લાલિત્યવાન્ એક દેવ. वैश्रमण देव का पुत्र; एक देव, अति लालित्यवान् एक देव. A god; son of Vaiśramaṇa god; a very charming god. उत्त० २२, ४१; अंत० ३, ८;

नलिण. पुं० न० (नलिन) કમલ. कमल. A Lotus. सूय०२,३,१८, प्रव० १११४; (२) ૮૪ લાખ પઉમાગ પરિમિત કાલ વિભાગ. ८४ लक्ष पउमाग परिमित काल विभाग. a period of time measuring 84 lacs of Paumānga (३) એ નામનુ આઠમા દેવલોકનુ એક વિમાન, જેની સ્થિતિ અઢાર સાગરોપમની છે, એના દેવતા નવ મહિને શ્વાસોચ્છાસ લે છે, અને અઢાર હજાર વર્ષે ક્ષુધા લાગે છે. इस नाम का आठवें देवलोक का एक विमान जिसकी स्थिति अठारह सागरोपम की है, इस के देवता नौ मास में श्वासोश्वास लेते हैं और उन्हे अठारह सहस्र वर्षों में क्षुधा लगती है. a celestial abode of the 8th Devaloka, its duration is 18 Sāgaropamas, its gods breathe at every 9th month and feel hungry once in 18000 years सम० १८;

नलिणंग. पुं० (नलिनाङ्ग) ચોરાશી લાખ નલિન પરિમિત કાલ વિભાગ ८४ लक्ष नलिन परिमित काल विभाग. A period of time measuridg 84 lacs of Nalina जं०प०

नलिणगुम्म पुं० (नलिनगुल्म) આઠમા

देवलोकनुं एक विमान के जेनी स्थिति अढार सागरोपमनी छे, एना देवता नव महिने श्वास ले छे अने अढार हजार वर्षे क्षुधा लागे छे. आठवें देवलोकका एक विमान जिस की स्थिति अठारह सागरोपम की है इस के देवता नौ महिने में श्वास लेते हैं और उन्हें अठारह हजार वर्षों में क्षुधा लगती है. A celestial abode of the 8th Devaloka whose duration is 18 Sāgaropamas; its gods breathe every 9th month and feel hungry once in 18000 years. सम० १८;

नलिणा. स्त्री० (नलिना) नलिना नामनी महाविदेहनी एक विजय. नलिना नामकी महा विदेह की एक विजय. A Vijaya (territory) named Nalinā of Mahāvideha ठा० २, ३; (२) जम्बू वृक्षना अग्नी खुणाना वनखण्डनी एक वावडीनुं नाम. जम्बूद्वीप के अग्नि कोन के वनखंड की एक बावडी का नाम. name of a well in a forest of Jambūdvīpa to the south-east. जं० प०

नलिणावई. स्त्री० (नलिनावती) महाविदेहनी एक विजय. महा विदेहकी एक विजय. A Vijaya (territory) of Mahā Videha. ठा० २, ३;

नलिणी. स्त्री० (नलिनी) कमलिनी; कमलिनी (A female) lotus. भग० २२, ५; अणु० जो० १६; नाया० १;

नलिन. पुं० (नलिन) नलिन राजा के जे आवती चोवीसीना प्रथम तीर्थंकर महापद्मनी पासे दीक्षा लेशे. नलिन राजा जो आगामी चौविसीके प्रथम तीर्थंकर महापद्मसे दीक्षा लेगे The king Nalina who will be consecrated by the 1st Tirthaṅkara Mahāpadma to come in the coming cycle. ठा० ८, १;

नलिनगुम्म. पुं० (नलिनगुल्म) जुओ उपलो शब्द, देखो ऊपरका शब्द. Vide above. ठा० ८, १;

नालिय. न० (नलिन) एक जातनी वनस्पति. एक प्रकार की वनस्पति. A kind of vegetation. भग० ११, ८;

नव. त्रि० (नवन्) नव; ९ नी संख्या. नौ; ९ की संख्या. Nine; 9. नवदह. प० च० कप्प० ४, ६६; पिं० नि० ४३; भग० ७, १; ८, ८; नाया० ५; पन्न० ४; अणुजो० १३१; विशे० ३४८; क० गं० १, ३; १७, ३१; उवा० ७, २२६, २२७; — (वं) अंग. न० (-अंग) नव अंग; शरीरना अवयवो. नौ अंग nine limbs; nine constituents. विवा० २; —नवइ. स्त्री० (-नवति) नवाणुं; ९९ नी संख्या. निन्नानवे ९९ की संख्या. ninety-nine; 99. क० गं० २, ३१; —पय. न० (-पद) जीवादि नव पदार्थ. जीवादि नौ पदार्थ the 9 categories viz soul etc प्रव० ६८८; १२०३; —पुव्वि पुं० (-पूर्विन्) नव पूर्वना जाणनार. नौ पूर्व का ज्ञाता. versed in the 9 Pūrvas. चउ० ३३; —बंधग. त्रि० (-बन्धक) दर्शनावरणीयनी नव प्रकृतिने बांधनार. दर्शनावरणीय की नौ प्रकृतियों को बांधने वाला. that which binds the 9 natures of sight-obscuring Karmas. क० गं० ६, ९; —भाग. पुं० (-भाग) एक वस्तुना नव भाग. एक वस्तु के नौ हिस्से. nine parts of an object. प्रव ८५८; —मास. पुं० (-मास) नव महीना नौ महीने. nine months. दसा ६, २; —सय. न० (-शत) एकसो

ने नव. एक सो और नौ. 109; one hundred and nine. क॰ ग॰३, १०; —हत्थपमाण त्रि॰ (-हस्तप्रमाण) નવ હાથ પ્રમાણનું. नौ हाथ के परिमाण का. measuring 9 arms. प्रव॰ ३८०;

नव. त्रि॰ (नव) નવું; સારૂં; રૂપાળું; નૂતન. नया; अच्छा; सुन्दर; नूतन. New; good; beautiful; fresh. निसी॰ ३, २२: ओव॰ ३४; दसा॰ १, १३; भग॰ ३. १, २. राय॰ ६०; २५७; पन्न॰ २; विशे॰ १७६०; सू॰ प॰ १; सु॰ च॰ १, १; दस॰ ६, ६८; प्रव॰ ७१२; ज॰ प॰ ४, ११५; ७, ११३; —मल्लिवामंडव. पुं॰ (-मालिकामंडप) નવીન માલતીનો મંડપ नवीन मालती का मडप. a bower of fresh jasmine राय॰ १३७, —माला. स्त्री॰ (-माला) નવી (જુઈની) માલા. नयी (जुई का) माला a fresh garland (of jasmine.) भत्त॰ ११६; —हेम. न॰ (-हेमन्) નવીન સોનું. नया सोना. new gold. कप्प॰ २, १३;

नवअ. त्रि॰ (नवक) નવ. नौ. Nine. पंचा॰ १७, ३०;

नवकार. पुं॰ (नमस्कार) નવકારનો પાઠ. नवकार का पाठ. The lesson of salu tation. प्रव॰ ६२; (२) પંચ પરમેષ્ઠિને નમસ્કાર કરવો તે. पंच परमेष्ठि को नमस्कार करना. saluting the five Paramesthis. पंचा॰ १, ४२;

नवग. न॰ (नवक) નવનો સમૂહ. नौ का समूह.. An aggregate of nine क॰ ग॰ १, ४२;

नवगनिवेस पुं॰ (नवकनिवेश) નવીન સ્થાન. नवीन स्थान. A new place निसी॰ ५, ३६;

नवणीय न॰ (नवनीत) માખણ मक्खन. Butter. माया॰ २, १, ४, २४; पिं॰ नि॰ २८२; ५४६; ओघ॰ नि॰ ४ ६; उत्त॰ ३४, १६; कप्प॰ ९, १७; प्रव॰ २०६;

नवतय. न॰ (नवत) ઉનનું વસ્ત્ર વિશેષ. ऊनी वस्त्र विशेष Woolen garment. नाया॰ १;

नवनवमिया. स्त्री॰ (नवनवमिका) ८१ દિવસોમાં થતી ૪૦૫ દાતની એક ભિક્ષુ પડિમા–અભિગ્રહ વિશેષ, કે જેમાં નવનવ દિવસે એક એક દાન વધારવામાં આવે તે. ८१ दिन में ४०५ दात की एक भिक्षु पडिमा- अभिग्रह विशेष, जिस में नौ नौ दिन में एक एक दात बढाई जाय. A particular vow of an ascetic of accepting 405 Dātas (a measure) of food in 81 days. In this, one Dāta is increased every ninth day. सम॰ ८१; वव॰ ६, ३६; अंत॰ ८, ५;

नवनीअ. न॰ (नवनीत) માખણ. मक्खन. Butter. कप्प॰ ३, ३२;

***नवनीया** स्त्री॰ (नवनीका) ગુલ્મ જાતનું એક ઝાડ गुल्म जाति का एक वृक्ष. A particular bush. पन्न॰ १;

नवम त्रि॰ (नवम) નવમું. नौवां. Ninth. पन्न॰ ४; १०, भग॰ २, १; ५, ७; ७; ८; ८, १; उत्त॰ २६, ४; पंचा॰ १८, ५, उवा॰ १, ७१; ९, २६७;

नवमल्लइ. पुं॰(नवमल्लकिन्) નવમલ્લ જાતના ચેરા રાજાના પક્ષના રાજા, કે જે મહાવીર સ્વામીના પરમ ભક્ત હતા नवमल्ल जाति के चेरा राजा के पक्ष के राजा जो महावीर स्वामी का परम भक्त था A king, an ally of the king Cherā of Navamalla class, who was a great devotee of Mahāvīra

Svāmi. भग० ७, ६;

नवमा. स्त्री० (नवमी) નવમી; નોમ. नौमी; नवमी. The ninth date of a lunar month. दसा० ६, २;

नवमालिश्रा. स्त्री० (नवमालिका) નવમાલિકાની વેલ. नवमालिका की बेल. A creeper. कप्प० ३, ३१;

नवमिश्रा-या. स्त्री० (नवमिका) પશ્ચિમ દિશાના રુચક પર્વત પર વસનારી આઠ દિશા કુમારીમાંની છઠ્ઠી. पश्चिम दिशा के रुचक पर्वत पर रहने वाली आठ दिशाकुमारी में मे छठी. The 6th Disākumārī out of 8 residing on the Ruchaka mount in the west. जं० प० સૌધર્મેન્દ્રની ત્રીજી પટ્ટરાણી. सौधर्मेन्द्र की तीसरी पट्टरानी. the 3rd chief queen of Saudharmendra भग० ४, २; (३) સત્પુરૂષની બીજી અગ્રમહિષી. सत्पुरुष की दूसरी अग्रमहिषी. the 2nd chief queen of Satpuruṣa. भग० १०, ५;

नवमी स्त्री०(नवमी) નોમ તિથિ. नवमी तिथि. The 9th date of a lunar month. जं० प० ७, १५३;

नवयश्र. पुं० (नवतक्त) ઉનનું વસ્ત્ર વિશેષ. ऊन का वस्त्र विशेष. A woolen garment. प्रव० ६८५;

नवरं श्र. (*) વિશેષતા સૂચક અવ્યય. विशेषता सूचक अव्यय. Indeclinable suggesting a peculiarity भग० २, ७; ६, ३; नाया० ५; प्रव० ७०६; ६२३; क० प० २, ११०; उवा० ३, १४७; ७, २३०; क० गं० ३, ११;

नवरि. श्र. (*) કેવલ; માત્ર. केवल; मात्र Only. सु० च० ६, ४०; पिं० नि० २४०; गच्छा० २३;

नवलेच्छुइ. पुं० (नवलेच्छकिन्) નવલેચ્છકિ જાતિનો રાજા. नवलेच्छकि जाति का राजा. The king of the Navalechchhaki class. भग० ७, ६;

नवविह. त्रि० (नवविध) નવ પ્રકારનું. नौ प्रकार का. Of nine kinds. उत्त० ३३, ११; प्रव० ५३३;

नवहा. श्र. (नवधा) નવ પ્રકારે; નવ રીતે. नौ प्रकार में; नौ रीति से. In nine ways. विशे० ४५६;

नवि. श्र० (नत्र) નહીં; નિષેધ સૂચક. नहीं; निषेध सूचक. No; nagation. सु० च० २, ३३;

नाविय. त्रि० (नव्य) નૂતન; નવું. नूतन, नया; नवीन. Fresh; new. आया० २, १०; १६६; निसी० ३, ७७;

√नस्स. धा० I. (नश्) નાશ પામવો. नष्ट होना, नाश को प्राप्त होना. To be destroyed.

नासिज्जा. वि० पिं० नि० ५०६;

नासिह. श्रा० विशे० २४८१;

नस्समाण. व० कृ० त्रि० (नश्यत्) નષ્ટ થતું. नष्ट होता हुआ. Being destroyed. सु० च० १०, ६२; उवा० ७, २१६;

नस्सर. त्रि० (नश्वर) નાશ થનાર. नष्ट होनेवाला. Destructible सु० च० १३, ५०;

नह. न० (नभस्) આકાશ आकाश. The sky. उत्त० १४, ३६; २८, ६; पराह० १, ३; विशे० १८११; दस० ७, ५२; भग० २०, २; सु० च० १५, २६; कप्प० ३, ३५; ५, १११; — (पं) श्रंगन. न० (-श्रङ्गण) આકાશનો એક ભાગ. आकाश का एक भाग. a portion of the sky. सु०च० २, ६३३; —तल. न० (-तल) નભસ્તલ. नभस्तल. the surface of the sky.

अणुजो० १५४;—यल. न०(तल) નભસ્તલ નभस्तल. the sky. सु० च० २, ३३८; भग० ११, ११; कप्प० ३, ३५;

नह. पुं० (नख) નખ. नख. A nail. ओघ०नि० २८; नाया० १, पिं० नि० भा० ५०; भग० १, ७, ३, २; ५, २, ४, ७, ६; सम० ६१; ३४; सु० च० २, ३१; कप्प० ६, ४३; ३,३५, प्रव०४३६; – च्छेयणअ. न० (-च्छेदनक) નખને છેદનાર, નરેણી. नख को छेदने वाला (शस्त्र) an instrument to pare nails आया० २, ७, १, १५७; —मल पुं० (–मल) નખનો મલ-મેલ. नख का मैल. dirt of a nail. निसी० ३, ६४;

नहत्त. न० (नखत्व) નખપણું नखत्व. The state of a nail भग० ३, ४;

नहर पु० (नखर) નખ नाखून. A nail. सू० च० ८, ८६;

नहि. त्रि० (नखिन्) નખ વાળું જાનવર. नाखून वाला जानवर. An animal having nails. अणुजो० १३१;

नहु. अ० (नैव) નહિ नहीं No नाया०६,

नाअ पुं० (न्याय) સન્માર્ગ; મુમુક્ષુ જનોનો આચાર. सन्मार्ग; मुमुक्षु जनों का आचार The right path, good conduct. आया० १, २, ६, १००; (२) પદાર્થનું સ્વરૂપ જણાવનાર ન્યાય-કાટો. पदार्थ के स्वरूप को जताने वाला न्याय-कांटा the balance or rule which suggests the real nature of things. विशे० २४८३, (३) યોગ્ય; ઉચિત. योग्य, उचित. proper. अणुजो० २८, (४) આવશ્યકસૂત્રનું પર્યાયવાચક નામ आवश्यक सूत्र का पर्यायवाचक नाम a synonym for Āvaśyaka Sūtra विशे० ८७२;

नाइ अ० (नैव न ड.નિષેધાર્થક અવ્યય नहीं; निषेधार्थक अव्यय. Not; negation. भग० ३, २;

नाइ स्त्री० (ज्ञाति) જ્ઞાતિ; કુટુંબ ज्ञाति; कुटुंब; जाति. A caste; family. उवा० १, ८; ५२; उत्त० १, ३६; आया० १, ६, ४, १६३; प्रव० १२१६; भग० ३, २; कप्प० ५, १०२;

नाइअ. त्रि० (नादित) શબ્દ-અવાજ કરતાં ગીતાદિ. शब्द–आवाज करते हुए गीतादि. Sounded. जं०प०५, ११२; जीवा०३, १; नाया० १३;

नाइं अ० (नञ्) નિષેધ; નહી. निषेध; नहीं. Negation; no. उवा० २, ११३;

नाइदूरं. अ० (नातिदूरम्) અતિ દૂર નહીં. बहुत दूर नहीं. Not far off भग० १, १; राय० ७४; पिं० नि० भा० १४;

नाइवंत. त्रि० (ज्ञातिवत्) જ્ઞાતિવાન્. ज्ञातिवान्. Having a caste उत्त० ३,१८;

नाग पु० (नाग) સર્પ, નાગ, પુરૂ. सर्प; नाग, पुरु. A serpent. दस० ९, ४; भग० १२, ८; राय० ६२; आया० २, १, २, १२, पचा० ७, ३८; प्रव० ३२७; (२) હાથી, ગજ. हाथी, गज an elephant. दस० २, १०; दसा० १०, ३, उत्त० २, ११; १३, ३०, ३२, ८६, (३) નાગકુમાર; ભવનપતિ દેવતાની એક જાતિ नागकुमार, भवनपति देवता की एक जाति. Nāgakumāra; a class of Bhavanapati gods. भग० १, ५; २, ५; ६, ५; नंदी० ५४; सम० ३४; उत्त० ३६, २०४; अणुजो० २०, १०३, कप्प० ८; (४) અનીયસાદિ ૭ ભાઇનો પિતા; સુલસાનો પતિ. अनीयसादि छः भाइयों का पिता, सुलसा का पति father of the 6 brothers Anīyasā etc.; husband of Sulasā अंत० ३, १;

(५) ११ કરણુમાંનું એક કરણ, જે અમાવસ્યાની રાત્રીએ સ્થિર રહે છે. एक करण, कि जो अमावस्या की रात्रि को स्थिर रहता है; ११ करणों मेंसे एक. one of the 11 Karaṇas which is steady on the Amāvasyā night विशे० ३३५०; जं० प० ७, १५३; (६) અંજન પર્વતના સિદ્ધાયતનના ત્રીજા દ્વારનું નામ. જે પશ્ચિમમાં છે, તે સોલ યોજન ઉંચુ અને આઠ યોજનના વિસ્તારમાં છે अंजन पर्वत के सिद्धायतन के तीसरे द्वार का नाम जो पश्चिम दिशा में है वह १६ योजन ऊंचा और ८ योजन के विस्तार मे है. name of the 3rd door of Siddhāyatana on the Añjana mount, which is towards the south. It is 16 Yojanas high and 8 Yojanas wide (Yojana=8 miles). जीवा० ३, ४; (७) નાગદ્વારના અધિપતિ દેવનું નામ. नागद्वार के अधिपति देव का नाम name of the presiding deity of Nāga Dvāra जीवा० ३, ४; (८) એ નામનો એક છોડ; નાગકેસર. इस नाम का एक पौधा; नागकेसर a plant named Nāgakesara कप्प० ३, ३७; पन्न० १; जीवा० ३, ४; —(गिं)इंद. पुं० (-इन्द्र) નાગકુમાર દેવતાનો ઈન્દ્ર नागकुमार देवता का स्वामी; नागकुमार देवता का इन्द्र. the lord or Indra of the Nāgakumāra gods. सम० ४४;—घर. न० (-गृह) નાગનું ઘર. नाग का गृह. a house of Nāga नाया० २; —**पडिमा**. स्त्री० (-प्रतिमा) નાગ દેવતાની પ્રતિમા-મૂર્તિ नाग देवता की प्रतिमा-मूर्ति an image of Nāga god. नाया० २; राय० १६६, —**बाण**. पुं० (-बाण) એક જાતનું બાણ કે જે છુટ્યા પછી નાગની પેઠે મનુષ્યને પાશ રૂપે વીંટાઇ શરીરમાં પ્રવેશ કરેછે. एक प्रकार का बाण, जो छूटने के बाद मनुष्य को पाश रूप से लिपट कर शरीर में प्रवेश करता है. a kind of arrow which being shot entwines a man like a a noose and then enters the body. जीवा० ३, ३; —वण. न (-वन) નાગ નામનાં ઝાડનું વન. नाग नाम के वृक्षों का वन. a forest of Nāga trees अणुजो० १३१; —वर. पुं० (-वर) મોટો હાથી. बड़ा हाथी-हस्ती. a big elephant. दसा० १०, ३;

नागकुमार. पुं० (नागकुमार) ભવનપતિ દેવતાની એક જાત. भवनपति देवता की एक जाति. A class of Bhavanapati gods पन्न० १; भग० १६, १४; प्रव० ११४३; —(रिं) इंद. पुं० (-इन्द्र) નાગકુમારોનો ઇંદ્ર. नागकुमारों का इन्द्र. the Indra of Nāgakumāras भग० ३, १; —राया. पुं० (राजन्) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपर का शब्द. vide above भग० ३, १;

नागकुमारी स्त्री० (नागकुमारी) નાગકુમારની દેવી-રાણી. नागकुमार की देवी-रानी. the queen of Nāgakumāra. भग० ३, १, ७;

नागघरय न० (नागगृहक) એ નામનું અયોધ્યાની પાસે આવેલું એક દેવસ્થાન, કે જેમાં નાગની પ્રતિમા હતી. इस नाम का अयोध्या के समीप आया हुआ एक देवस्थान कि जिसमे नाग की प्रतिमा थी. A temple so named near Ayodhyā which had an image of a serpent. नाया० ८.

नागदंत पुं० (नागदन्त) હાથીના દાંતના

आकारवाळी खींटी. हाथी के दांत के आकार वाली खूंटी A peg like a tusk. राय० १०६;

नागपरियावणिया स्त्री० (नागपरियापनिका) ७२ सूत्रमांनुं एक. ७२ सूत्रों में से एक. One of the 72 Sūtras. वव०१०,२६;

नागपरियावलिया. स्त्री० (नागपर्यावलिका) ए नामनुं कालिक सूत्र. इस नाम का कालिक सूत्र. A Kālika Sūtra of this name नंदी ४३;

नागपव्वअ. पुं० (नागपर्वत) ए नामनो सीतोदा नदीने किनारे आवेलो एक पर्वत सीतोदा नदी के किनारे आया हुआ इस नाम का एक पर्वत. A mountain on the bank of Sītodā river. ठा० ८, १;

नागमंडलपविभत्ति पु० (नागमंडलप्रविभक्ति) नाग मंडलनी विशेष रचना युक्त नाटक. नागमंडल की विशेष रचना युक्त नाटक. A drama having a special composition of Nāgamaṇḍala राय० ६२;

नागमित्त. पुं० (नागमित्र) आर्यमहागिरिना शिष्य. आर्यमहागिरि के शिष्य. A disciple of Āryamahāgiri. कप्प० ८;

नागरपविभत्ति. पुं० (नागरप्रविभक्ति) नगर संबंधी विशेष रचनावाळुं नाटक नगर संबंधी विशेष रचना युक्त नाटक. A drama specially arranged for the city. राय० ६३;

नागरुक्ख. पुं० (नागवृक्ष) महोरगदेवनी सभा आगळनुं झाड महोरग देव की सभा के समीप का नागवृक्ष. A Nāga tree near the assembly of Mahoraga god (२) नागकेसरनुं झाड. नागकेसर का वृक्ष. Nāgakesara tree. ठा० ८, १;

नागलया. स्त्री० (नागलता) ताम्बुलनी वेल; नागर वेल. तांबुल की बेल; पान की बेल, नागर वेल. The betel-leaf-creeper जीवा० ३, ३; पन्न० १;

नागवीहि. स्त्री० (नागवीथि) शुक्र ग्रहनी गति विशेष. शुक्र ग्रह की गति विशेष. A particular movement of the planet Venus. ठा० ६, १;

नाडइज्ज त्रि० (नाटकीय) नाटक संबंधी. नाटक संबन्धी. Dramaturgical. (२) नाटकना पात्र. नाटक के पात्र. the dramatis personæ. कप्प० ५, १०१; भग० ११, ११;

नाडग न० (नाटक) बत्रीश प्रकारना नाटक. ३२ प्रकार के नाटक. Dramas of 32 kinds. (२) नाट्य शास्त्र. भरत आदि के रचे हुए नाट्य शास्त्र science of drama compiled by Bharata etc. अणुजो० ४१; भग० ११, ११; पिं० नि० ४;

नाडय. न० (नाटक) नाटक. नाटक. A drama. नाया० १; भग० ६, ३३; सु० च० १, १; पंचा० ६; ११; —**विहि.** पुं० (-विधि) नाटक विधि. नाटक विधि. dramatization. प्रव० १२४१;

नाडिया स्त्री० (नाडिका) २४ मिनिट प्रमाण काल; घडी २४ मिनिट प्रमाण काल, घटिका. A period of time equal to 24 minutes, Ghatikā. तंदु०

नाण न० (ज्ञान) ज्ञान; समजण; बोध; पांच प्रकारना ज्ञान. ज्ञान; समझ; बोध; पांच प्रकार के ज्ञान. Knowledge; understanding; kowledge of five varieties. " नाणेसुहोज्जा " भग० ६, ३१; " नाणमेगग्गचित्त " दस० ६, ४, २, ३; क० गं० १, ३; ४; २,

१२; उवा० १, ७४; पिं० नि०६०; अणुजो० १; १३१; ओव० सम० १; ठा० १, १; दस० ४, १०; ६, १; १०, १, ८; भग० १, ४; ३; ४, ६; ८, २; राय० २१५; विशे० ३, ५०; २६७२; नंदी० स्थ० १०; सु० च० १, १३६; गच्छा० २०; प्रव० ३; भत्त० ६३;८३; (२) જ્ઞાનાવરણીયની પ્રકૃતિ; મતિ જ્ઞાનાવરણીયાદિ. ज्ञानावरणीय प्रकृति; मतिज्ञानावरणीयादि. the knowledge-obscuring Karma; intellect obscuring etc. प्रव० १०३१; —(णं) अंतर न० (-अंतर) જ્ઞાન જ્ઞાન વચ્ચેનું અંતર-ભેદ. ज्ञान ज्ञान के बीच का अन्तर भेद. the difference amongst various knowledge. भग० १, ३; क० प० १, ४८; —(णं) अंतराय. पुं० (-अन्तराय) જ્ઞાનમાં અંતરાય પાડવી; જ્ઞાનાવરણીય કર્મ બાન્ધવાનો એક હેતુ. ज्ञान में विघ्न डालना an obstruction in knowledge भग० ८, ६; क० गं० ५, ६; —अंतरायदसग न० (-अंतरायदशक) જ્ઞાનાવરણીયની પાંચ પ્રકૃતિ અને અંતરાયકર્મની પાંચ-એ બે મલીને દશ પ્રકૃતિ ज्ञानावरणीय की ५ प्रकृतियां और अन्तरायकर्म की ५ ये दो मिलकर दस प्रकृतियां. 10 varieties viz. 5 of knowledge-obscuring and 5 of obstructing Karmas प्रव० १३०१; —आयार. पुं० (-आचार) કાલે ભણવું, વિનયસહિત ભણવું વગેરે આઠ પ્રકારનો જ્ઞાનનો આચાર. समय पर पढना, विनय सहित पढना वगैरह आठ प्रकार का आचार. the 8 regulations or observances viz to read at a proper time, to read with politeness etc प्रव०११०; —उप्पत्ति. स्त्री० (-उत्पत्ति) જ્ઞાનની પ્રાપ્તિ. ज्ञान की प्राप्ति. acquisition of knowledge. पंचा०१६,१२; —उवगअ त्रि०(-उपगत) જ્ઞાનથી યુક્ત. ज्ञान से युक्त. possessed of knowledge. उत्त० २१; २३; —उवयोग. पुं० (-उपयोग) જ્ઞાનનો ઉપયોગ; વિશેષ ઉપયોગ ज्ञान का उपयोग; विशेष उपयोग. the special use of knowledge. प्रव० ३१७, —ग्गहण. न० (-ग्रहण) જ્ઞાનનું ગ્રહણ કરવું ज्ञानग्रहण. acceptance of knowledge. प्रव० १६३; —दंसण न० (-दर्शन) જ્ઞાન અને દર્શન. ज्ञान और दर्शन. knowledge and right belief. आव० १, १; —दंसणसंपन्न. त्रि० (-दर्शनसम्पन्न) જ્ઞાન દર્શન યુક્ત. ज्ञान दर्शनयुक्त. one possessed of knowledge and right belief. दस० ६; १; —दंसणसन्निय. त्रि० (-दर्शनसंज्ञित) જ્ઞાન દર્શનરૂપ સંજ્ઞાને પામેલ; જ્ઞાની ज्ञान दर्शन रूप संज्ञा को पाया हुआ; ज्ञानी an enlightened person. उत्त० १६; ६५; —नअ. पुं० (-नय) જ્ઞાનરૂપી નય દૃષ્ટિ, જે વડે સર્વ વસ્તુ જ્ઞાનને જ આધીન છે એમ સમજી શકાય છે. ज्ञानरूपी नय दृष्टि, जिस से सब वस्तुएं ज्ञान के ही आधीन हैं ऐसा समझा जा सकता है. an intellectual sight by which it can be understood that all things are dependent on knowledge. विशे० ३५६३, —निण्हवणया. स्त्री० (-निह्नव) જ્ઞાની-જ્ઞાન આપનારનો ઉપકાર ન માનવો તે, જ્ઞાનાવરણીય કર્મ બાંધવાનો એક હેતુ ज्ञान देने वाले का उपकार न मानना. showing ingratitude to one who has given

knowledge भग० ८, ६; —पडिणी-यया. स्त्री० (-प्रत्यनीकता) જ્ઞાનથી પ્રતિકૂલ વર્તવું તે. જ્ઞાનાવરણીય કર્મ બાંધવાનો એક હેતુ. ज्ञान प्रतिकूलता. hostility or opposition to knowledge. भग० ८, ६; —प्पदोस. पुं० (-प्रदोष) જ્ઞાન ઉપર દ્વેષ રાખવો તે. જ્ઞાનાવરણીય કર્મ બાંધવાનો એક હેતુ. ज्ञान से द्वेष aversion to knowledge. भग०८, ६;—बुद्ध त्रि० (-बुद्ध) જ્ઞાન રૂપે બોધ પામેલ. ज्ञान रूपी बोध पाया हुआ (one) who is enlightened by knowledge ठा० ३, २; —ब्भट्ठ त्रि० (-भ्रष्ट) જ્ઞાનથી ભ્રષ્ટ ज्ञान से भ्रष्ट deprived; fallen from knowledge. आया० १, ६, ४, १६०; —लद्धि. स्त्री० (-लब्धि) જ્ઞાનની પ્રાપ્તિ ज्ञान की प्राप्ति. attainment of knowledge भग० ८, २; —वसिय. त्रि० (-वश्य) જ્ઞાનને આધીન ज्ञानाधीन. dependent on knowledge भत्त० ३; —विग्घदसग न० (-विघ्नदशक) જ્ઞાનાવરણીયની પાંચ અને વિઘ્ન-અન્તરાય કર્મની પાંચ પ્રકૃતિ બે મળીને દશ પ્રકૃતિ. ज्ञानावरणीय की पांच और विघ्न-अन्तराय कर्म की पाच प्रकृतिया, दोनों मिलाकर दस प्रकृतियां. the ten varieties viz 5 of knowledge obscuring and five of obstructing Karmas. क० गं० २, १२; —विराहणा स्त्री० (-विराधना) સૂત્ર વગેરેના જ્ઞાનનું ખંડન કરવું તે. सूत्र इत्यादि के ज्ञान का खंडन करना. opposing or refuting the knowledge of Sūtra etc समं० ३; आव० ४,७. —विसंवादणजोग पुं० (-विसंवादनयोग) જ્ઞાનમાં યોગને વિષમભાવે પ્રવર્તાવવાતે, જ્ઞાનાવરણીય કર્મ બાંધવાનો એક હેતુ. ज्ञानावरणीय कर्म बांधने का एक हेतु a source or cause of the bondage of knowledge obscuring Karma. भग० ८, ६; —संपन्नया स्त्री० (-संपन्नता) જ્ઞાનની પૂર્ણતા. ज्ञानकी पूर्णता. the perfection of knowledge. उत्त० २६, २;

नाणट्ठ त्रि० (नानार्थ) અનેક અર્થવાળું. अनेक अर्थ वाला. Having different meanings; homonymous. पिं० नि० १३०;

नाणत्त न० (नानात्व) વિવિધપણું. विविधता. Difference, diversity. पिं० नि० १२६, विशे० ६६; ५४०; राय० २६०; भग० ३, ७; ५, ८; प्रव० ७५१; ६२२; क० प० ४, ४३, उवा० ६, २७१;

नाणप्पवाय पुं० (ज्ञानप्रवाद) જ્ઞાન વિષયક વિચાર જેમાં છે તે પાંચમો પૂર્વ. ज्ञान विषयक विचार वाला पाचवा पूर्व. The 5th Pūrva which contains a topic of knowledge. नंदी० ५६; सम० १४;

नाणप्पवायपुव्व पुं० (ज्ञानप्रवादपूर्व) જ્ઞાનપ્રવાદ નામે ચઉદ પૂર્વમાંનો એક પૂર્વ-શાસ્ત્ર ज्ञानप्रवाद नामक १४ पूर्वों मे से एक पूर्व-शास्त्र A Pūrva (scriptures) out of 14 named Jñānapravāda. प्रव० ७२०;

नाणवि त्रि० (ज्ञानवित्) જ્ઞાનવાન્; યથાર્થપણે પદાર્થને જાણનાર ज्ञानवान्; यथार्थ रीति से पदार्थ को जाननेवाला Learned; one who knows an object rightly आया० १, ३, १, १०७,

नाणा. अ० (नाना) અનેક રૂપ, વિવિધ પ્રકાર. अनेक रूप, विविध प्रकार Different forms पंचा० १६, २४, उवा० ७,

२०६; कप्प० ३. ३६; ४६; भग० २, ५; दस० १, ५; उत्त० ११, २६; सूय० १; ६; क० प० १, १०; —गुणवुड्ढी. स्त्री० (-गुणवृद्धि) નાના પ્રકારના દ્વિગુણ વૃધ્ધિના સ્થાનક. अनेक प्रकार के द्विगुण वृद्धि के स्थानक. stages of different double development. क० प० १,५४; —पिंडरय. पुं० (-पिण्डरत) નાના પ્રકારના પિણ્ડ-આહારમાં-ભિક્ષાવૃત્તિમાં સંતુષ્ટ. नाना प्रकार के पिंड-आहार-भिक्षावृत्ति में संतुष्ट. satisfied in different food offered in alms. दस० १,५; —भव. पुं० (-भव) નાના-જુદા જુદા પ્રકારના ભવ अनेक-भिन्न२ प्रकार के भव different births प्रव० ८४५;

णाणावरण. न० (ज्ञानावरण) જ્ઞાનાવરણીય કર્મ. ज्ञानावरणीय कर्म. Knowledge-obscuring Karma. प्रव० १२६३, भग० ६, ३; उत्त० ३३, ४. क० गं० ६, ७;

णाणणिज्ज. न० (ज्ञानावरणीय) જ્ઞાનને ઢાંકનાર કર્મ. ज्ञान को ढांकने वाला कर्म. Knowledge-obscuring Karma भग० ६६;

णाणाविह त्रि० (नानाविध) અનેક પ્રકારના अनेक प्रकार के. Of various kinds. सु० च० २, ३५४; निर० ५. १; सू० प० १, १, १, २६;

णाणि. त्रि० (ज्ञानिन्) જ્ઞાનવાન્; જ્ઞાની. ज्ञानी; ज्ञानवान्. Learned, scholar ज० प० ५, ११२; भग० ८, २; अणुजो० १३१, आया० १, ३, २, ११४; उत्त० ६, १८, २८, ५; सु० च० २, ८३;

णाति. स्त्री० (ज्ञाति) જ્ઞાતિનો માણસ ज्ञाति का मनुष्य. Caste-fellow. सूय० १, ३, १, १६;

णाभि पुं० (नाभि) નાભિ, ડુંટી नाभि, ढुंठी. Navel. अणुजो० १२८; आया० २, ४, २, १३८; भग० ३,१; राय० १६४; क० गं० १, ५०; (२) શ્રીઋષભદેવના પિતા; નાભિરાજા; श्री ऋषभदेव के पित; नाभिराजा. The father of Śrī Ṛisabhadeva; Nābhi Rājā. कप्प० १,२०६,प्रव० ३२३; विशे० ३१६७; सम० प० २२६; ज० प० (३) પૈડાની નાભી-તુંબ. पहियों की नाभि-तुंब. nave of a wheel. भग० ३, १, ५, ६; दस० ७, २८; —प्पभव. त्रि० (-प्रभव) નાભિથી ઉત્પન્ન થયેલુ. नाभि से उत्पन्न. born from a navel. प्रव० १३८६;

णाम. न० (नामन्) નામ, અભિધાન; સંજ્ઞા. नाम, अभिधान; संज्ञा. A name अणुजो० ७०; १३१. भग० २, ४; विशे० २४; ६४४; पन्न० १, ११; नंदी० स्थ० २३; नाया० २; १४; सू० प० १; प्रव० ३, क० गं० १, ३, २३; ५, ७६; क० प० १, ४०; (२) જીવને નરકગતિ વગેરે પર્યાયોને ભોગવવા માટે પ્રેરણા કરે એવા આઠકર્મોમાનુ છઠ્ઠું કર્મ. जीव को नरक गति वगैरह पर्यायों को भोगने के लिये प्रेरणा करने वाला आठ कर्मों में से छठा कर्म. the 6th Karma of the 8 which urges a soul to endure hell etc (३) કોમલ આમંત્રણ રૂપ. आमन्त्रण का कोमल रूप. a form of polite address विशे० ११८; (४) ગુણ હોય કે ન હોય છતા અમુક ગુણ દર્શક નામ પાડવું તે, નામ નિક્ષેપ. गुण हो या न हो परन्तु अमुक गुण दर्शक नाम धारण कराना वह नाम निक्षेप attributing a connotative name whether the object denoted has those attributes or not. अणुजो० ८, पिं० नि० ५; ओव० (५) અ० સંભાવનાર્થમાં વપરાતુ અવ્યય. संभावना अर्थ में प्रयुक्त अव्यय an indeclinable used for "possibility". भग० २, १;

५, ९; वव॰ १०, ४; जं॰ प॰ ५, ११५;—**अणुपुव्वी**. पुं॰ (-अनुपूर्वी) नामनो क्रम. नामका क्रम. a serial order of names. अणुजो॰ ७१;—**कम्म** न॰ (-कर्मन्) नामकर्म; आठ प्रकारना कर्मांनो छठो प्रकार जे वडे जीव नाम वगेरे उपाधिओ प्राप्त करेछे नाम कर्म; आठ प्रकार के कर्मों में से छठा प्रकार जिससे जीव नाम वगैरह उपाधियों को प्राप्त करता है Nāma-Karma; the 6th out of the 8 varieties of Karmas by which a soul acquires a name etc उत्त॰ ३३, ३; —**करण** न॰ (-करण) ए नामनो एक संस्कार जेमां नाम पाडवानी क्रिया करवामां आवेछे इस नामका एक संस्कार जिस में नाम धारण कराने की क्रिया की जाती है the ceremony of naming a child भग॰ ११, ११, —**गहण**. न॰ (-ग्रहण) नाम लेवुं; नामनो उच्चार करवो नाम लेना, नामका उच्चारण करना. repeating a name. गच्छा॰ ३७; ७२; —**जिण**. पुं॰ (-जिन) नाम मात्रे करी जिन. नाम ही से जिन. Jina by name alone. प्रव॰ ८८; —**ठाण** न॰ (-स्थान) नाम कर्मना प्रकृति स्थानक नाम कर्म के प्रकृति स्थानक the stages of Nāma Karma क॰ प॰ ७, १४; —**पच्चयग**. पुं॰ (-प्रत्ययक) नामकर्मनी प्रकृति रूप उदारिकादि शरीरना निमित्त रूप रसपरमाणुओनी वर्गणानो समूह -स्पर्धक. नाम कर्म की प्रकृतिरूप-उदारिकादि शरीर के निमित्त रूप रसपरमाणुओं की वर्गणा का समूह-स्पर्धक. an aggregate of the taste molecules which cause a physical body; a variety of Nāma Karma. क॰ प॰ १, २३; —**सम**. त्रि॰ (-सम) पोताना नाम जेवुं अपने नाम के समान. like one's name विशे॰ ८५३;

नामं. अ॰ (नामन्) नामे; नामवालो. नाम वाला; नामक. Named. भग॰ २५, १; नाया॰ १०;

नामगोय. न॰ (नामगोत्र) नाम अने गोत्र; कर्मना आठ प्रकारमांनो छठो अने सातमो प्रकार. नाम और गोत्र, कर्म के आठ प्रकारों में से छठा और सातवा प्रकार. Name and family-origin; the sixth and seventh variety of the 8 kinds of Karmas. प्रव॰ १२५४, दसा॰ ५, ४०;

नामधिज्ज. न॰ (नामधेय) नाम; नामनी स्थापना. नाम की स्थापना; नाम. A name; nomenclature. नाया॰ १, २; दस॰ ७, १७; कप्प॰ ४, ८०; ५, १०३,

नामधेज्ज. त्रि॰ (नामधेय) जुओ उपलो शब्द. देखो ऊपर का शब्द. Vide above जं॰ प॰ भग॰ ६, ५; ८; १०, १; सू॰ प॰ १०,

नामधेय. त्रि॰ (नामधेय) संज्ञा; नाम. नाम; संज्ञा Name. सम॰ १; आव॰ ६, ११; कप्प॰ २, १५;

नामअ-य. अ॰ (नामक) संभावना अर्थे वपरातुं अव्यय सभावना अर्थ में प्रयुक्त अव्यय. An indeclinable used in the sense of "possibility." भग॰ ३, १; नाया॰ १०, १२; १६; दसा॰ ६, १;

नामिय. त्रि॰ (नामित) नमावेलुं. झुकाया हुआ. Bent. पंचा॰ १६, ३६;

नामुदय पु॰ (नामोदक) ए नामना एक अन्यतीर्थि विद्वान. इस नाम का एक अन्यतीर्थी विद्वान्. An ascetic of this name. भग॰ ७, ६, (२) गोशालानो एक श्रावक

गोशाला का एक श्रावक. a layman disciple of Gośālā. भग० ८, ५;

नाय-श्र. त्रि० (ज्ञात) જાણેલું; સમજાયેલ. जाना हुआ; समझा हुआ. Understood; known. सु० च० २, ४७५; ४, १६३; दस० ९,२;२२; भत्त० १४, (२) ઉદાહરણ; દૃષ્ટાંત. उदाहरण; दृष्टान्त. an illustration. विशे० १३५८; उत्त० ३१, १४, पिं० नि०४३५; सूय० २,१, ११; (३) મહાવીર સ્વામીનો વંશ; જ્ઞાત નામનું કુલ. महावीर स्वामी का वंश; ज्ञात नामक वंश. the family of MahāvīraSvāmī named Jñāta. आया०२,१५,१७६; कप्प०२, २०; (४) છઠ્ઠા અંગસૂત્રનું નામ. छठे अंगसूत्र का नाम. the name of 6th Aṅga Sūtra उत्त० ३१, १४; (५) त्रि० (નાયક) કર્મનો નેતા-આત્મા. कर्म का नेता-आत्मा. soul; the leader of Karmas. भग० २०, २; (६) નાત, જ્ઞાતિ. ज्ञाति; जाति caste. प्रव० ८३६; कप्प० ५, १०३; निर० ३, ३, आउ० ६;

नायश्र. पुं० (ज्ञातक) જ્ઞાતકુલમાં ઉત્પન્ન થયેલ-મહાવીર સ્વામી. ज्ञातकुल में उत्पन्न —महावीर स्वामी. Mahāvīra Svāmī born in Jñāta lineage. उत्त० ३६, २६६; (२) त्रि० નાતનો; જાતિનો. ज्ञातिका; जाति का of one's caste. दसा०६,२;

नायकुल. न० (ज्ञातकुल) એક વિખ્યાત ક્ષત્રિય કુલ. एक प्रख्यात क्षत्रिय कुल A famous Kṣatriya family. उवा० १, ६६; ६९; (२) પિતૃકુલ. पितृकुल. ancestors. वव० ७, २०;

नायकुलवासिणी स्त्री० (ज्ञात कुलवासिनी) પિતાને ઘેર રહેનારી. पिता के गृह में रहने वाली. (A female) who lives in her father's house. वव० ७, २०;

नायग. त्रि० (नायक) નાયક; સ્વામી. नायक; स्वामी; मालिक. A leader; a master; a lord. जं० प० ५, ११२; सम० १; भग० ७,६; सु०च०१ २६४; प्रव०६६०; भत्त०७३;

नायग. त्रि० (ज्ञातक) જાણીતો; પરિચિત. परिचित; पहिचानवाला. Acquinted; known. सूय० २, २, २८;

नायपुत्त. पुं० (ज्ञातपुत्र) જ્ઞાત નામે કુલમાં ઉત્પન્ન થએલ શ્રી વર્ધમાન સ્વામી. ज्ञात नामक कुलमें उत्पन्न श्री वर्धमान स्वामी Śrī Vardhamāna Svāmī born in the Jñāta lineage दस० ५, २,४६, ६; १८; सूय० ११, १, २७; १, २, ३, २२; आया० १, ८, ७, १२. भग० ७, ६; कप्प० ५, १०४; —वयण. न० (—वचन) મહાવીર સ્વામીનું વચન. महावीर स्वामी का वचन. the words of Mahāvīra Svāmī. दस० १०, १, ५;

नायव्व. त्रि० (ज्ञातव्य) જાણવા યોગ્ય. जानने योग्य Worth knowing उत्त० २८, १८; पिं० नि० भा० ४५; प्रव० १०४; ६०३; क० गं० ६, ५, १;

नायसंड. न० (ज्ञातखण्ड) મહાવીર સ્વામીએ જે વનમાં દીક્ષા લીધી તે વનનું નામ. महावीर स्वामी ने जिस वन मे दीक्षा ली उस वन का नाम. The forest where Mahāvīra Svāmī was initiated आया० २, १५, १७९;

नायाधम्मकहा. स्त्री० (ज्ञाताधर्मकथा) જ્ઞાતા ધર્મ કથા એ નામનું ધર્મકથારૂપ છઠ્ઠું અંગ સૂત્ર ज्ञाता धर्म कथा; ज्ञाता धर्मकथा नामक धर्म कथा रूप छठा अंगसूत्र. The Jñātādharma Kathā; the 6th Aṅga Sūtra in the form of religious stories named Jñātā Dharma Kathā नंदी० ४४; अणुजो० ४२; सम०

१; उवा० १, २;

नायार. पुं० (ज्ञातृ) જાણનાર; આત્મા जाननेवाला; आत्मा One who knows; a soul. विशे० १८६४, नदी० ४५; पंचा० ७६;

नारंग. न० (नारंग) નારંગી ફલ नारंगी फल. An orange. सु० च० ११, २४,

नारय पुं० (नारक) નરકનો જીવ नरक का जीव. A hell-being. क० गं० ४३६; पन्न० २६; विशे० ३४४; भत्त० १०५, प्रव० ६७६;

नारय. पुं० (नारद) જંબુદ્વીપના ભરતખંડમાં થનાર ૨૧ મા તીર્થંકરના પૂર્વ ભવનું નામ जंबूद्वीपान्तर्गत भरतखण्ड में होनहार २१ वें तीर्थङ्कर के पूर्व भव का नाम. Name of the previous birth of the 21st Tirthankara to be born in Bharatashanda of Jambūdvīpa सम० ६, २४१;—जीव. पुं० (-जीव) નારદનો જીવ. नारद का जीव. the soul of Nārada.प्रव०४७४,

नाराय. पुं० (नाराच) બાણ, શર बाण; शर. An arrow उत्त० ६, २२; जीवा० ३, १; क० गं० १, ३८; उवा० १, ७६; (२) મર્કટ બંધ; એક જાતનું હાડનું બન્ધારણ. मर्कट बंध; एक जातिका अस्थियों का ढांचा a particular form -structure of bones. सम० प० २२६; ओव०१०; पन्न० २३. क० गं० १, ३६; —संघयण. न० (-संहनन) એક પ્રકારનું શરીરનું બંધારણ. एक प्रकार की शरीर की रचना. a kind of physical constitution. ठा० १, १, जीवा० १;

नारायण. पु० (नारायण) लक्ष्मण અપર નામક નારાયણ નામના વાસુદેવ लक्ष्मण अपर नामक नारायण नाम के वासुदेव Vāsudeva named Nārāyaṇa otherwise called Laksamna. प्रव० ५१८; १२२६;

नारिकान्ता स्त्री० (नारीकान्ता) રમ્યક-વાસ ક્ષેત્રની એક નદી; નીલવંત પર્વતના કેશરી દ્રહના ઉત્તર તોરણેથી નીકળી રમ્યક-વાસ ક્ષેત્રમાં વ્હેતી એક મહાનદી. रम्यक-वास क्षेत्र की एक नदी; नीलवन्त पर्वत के केशरी द्रह के उत्तर तोरण से निकल कर रम्यकवास क्षेत्रमें वहती हुई एक महा नदी A great river flowing in Ramyakavāsa Ksetra rising from the north of the lake Keśarī on the Nilavanta mount. ठा० २, ३; सम० १४;

नारिय. त्रि० (अनार्य) મ્લેચ્છ; અનાર્ય. म्लेच्छ, अनार्य. A non Āryan. सूय० १, ३, १, १४;

नारी स्त्री० (नारी) નારી; સ્ત્રી. नारी, स्त्री. A female उत्त० ८, १६; सु० च० १३८, दस० २, ६;

नारीकूड पुं० (नारीकूट) નીલવંત પર્વતના નવકૂટમાંનું છઠ્ઠું શિખર. नीलवंत पर्वत के नौ कूटों में से छठा शिखर The 6th out of the 9 summits of Nilavanta mountain जं० प०

नाल. पु० (नाल) કમલનો દાંડો. कमल की दंडी. Lotus stem. पिं० नि० ५१६; (२) પાણી જવાનો રસ્તે पानी वहने का रास्ता-मार्ग. A drain. नदी० स्थ०७.

नालं अ० (नालम्) અસમર્થ असमर्थ Unable. भग० ६, ३३, दस०५. १,७८.

नालंद पु०(नालंद) એ નામનો રાજગૃહ નગરનો એક મહોલ્લો, નાલંદા પાડો; જ્યાં મહાવીર સ્વામીએ ૧૪ ચોમાસા કર્યાં હતા. इस नाम का राजगृह नगरका एक मुहल्ला. नालंदा पाड़ा

जहां पर महावीर स्वामी ने चौदह चातुर्मास किये थे. A street so named in Rājagriha city where Mahāvīra Svāmī passed 14 monsoons. कप्प० ५, १२१;

नालंदइज्ज. न० (नालंदीय) સૂયગડાંગ સૂત્રના બીજા શ્રુતસ્કંધના સાતમા અધ્યયનનું નામ, જેમાં નાલંદાના રહેવાસી લેપ ગાથાપતિની ઉદકશાલામાં ઉદક પેઢાલપુત્ર અને ગૌતમ સ્વામીનો શ્રાવકનાં પચ્ચખાણ સંબંધી સંવાદ છે. सूयगडांग सूत्र के दूसरे श्रुतस्कंध के ७ वें अध्ययन का नाम, जिस में नालंदा के रहने वाले लेप गाथापति की उदक शाला में उदक पेढालपुत्र और गौतम स्वामी का श्रावक के पच्चखाण संबंधी संवाद है. Name of the 7th chapter of the 2nd Śrutaskandha of Sūyagḍāṅga Sūtra treating of the discussion held between Peḍhāla Putra and Gautama Svāmī सूय० २, ७, ४०;

नालग. न० (नालक) લસણની દાંડલી. लहसुन का डंठल. A stem of garlic. आया० २, ७, २, १६०;

नालिएरी. स्त्री० (नालिकेर) નાલિએરનું ઝાડ. नारियल का वृक्ष. Cocoanut tree. पन्न० १; जं० प० भग० ८, ३;

नालिंदा. स्त्री० (नालिन्दा) રાજગૃહની એક શેરી; નાલંદા પાડો. राजगृह की एक गली; नालंदा पाडा. A lane of Rājagriha. भग० १५. १;

नालियर. पुं० (नालिकेर) નાલીયેર. नारियल. Cocoanut. जीवा० १; (२) पुं० દ્વીપ વિશેષ; એક બેટનું નામ. एक द्वीप का नाम. a particular island. क० गं० १, १६;

नालियरीय पुं० (नालिकेर) નાલિયેરીનું વૃક્ષ. नारियल का वृक्ष. A cocoanut tree. भग० २२, १;

नालिया. स्त्री० (नालिका) માપવાનું એક સાધન; ધનુષ્ય-ચાર હાથ પ્રમાણ માપ. एक नापने का साधन; धनुष्य-चार हाथ के प्रमाण का नाप. A means of measuring; a measure = 4 arms. दस० ५, २; १८; भग० ६, ७; सम० ९६; अणुजो० १३३; जं० प० (२) કાલ માપવાનું એક સાધન; ઘડી. काल-समय नापने का एक साधन; घड़ी. a measure of time. अणुजो० ६८; विशे० ६२७; (३) શરીર કરતાં ચાર આંગળ વધારે લાંબી લાકડી शरीर से चार अंगुल अधिक लम्बी लकडी a stick 4 fingers longer than a body. आया० १, ६, ३, ५; ओघ० नि० ३६; (४) દ્યૂતની સર્વ કલા द्यूत की सर्व कला. all the arts of gambling. दस० ३, ४; (५) વાંસની નળી. बांस की नली. a bamboo tube. भग० २, ५; (६) વનસ્પતિ વિશેષ. वनस्पति विशेष. a particular vegetation. भग० ११, ५;

नाली. स्त्री० (नाडी) ઘટિકા; ઘડી घटिका; घड़ी; ६० पल का समय. A period of time equal to 24 minutes. प्रव० ६७६; जीवा० ३, १;

***नावण.** न० (स्नापन) સ્નાન કરવું તે स्नान करना; न्हाना. Bathing पण्ह० १, ३;

नावा. स्त्री० (नौ) નાવ; હોડી; નૌકા. नाव; नौका. A boat. दस० ७, २७; ३८; भग० १, ६; अणुजो० १३१; आया० २, ४, २, १३८; पिं० नि० ३३०; उवा० ७, २१८; —**पुड.** पुं० (-पुट) નાવના આકારે કરેલ હથેલીનો આકાર; ધોબો. नाव की आकृति जैसा बनाया हुआ हथेली का आकार; अंजलि. a form of a palm of hand like

the shape of a boat. निसी॰ ४, ७६; —बंध. पुं॰ (-बन्ध) હોડીની પેઠે બંધ સાંધવુ તે नाव के समान बन्ध जोडना tying of knots like a boat ओघ॰ नि॰ ४०२; —(व) संठिय. त्रि॰ (-संस्थित) નાવાના સંઠાણ-આકારનું नाव के आकार का. having a shape like that of a boat. प्रव॰ ५३६;

नाविश्र पुं॰ (नाविक) ખલાસી; નાવ ચલાવનાર नाव चलानेवाला; नाविक A boats man. भग॰ ५, ४, अणुजो॰ १३१; उत्त॰ २३, ७३.

नास. पुं॰ (न्यास) થાપણ; નિક્ષેપ. निक्षेप, धरोहर Deposit विशे॰ ८४९; पचा॰ १, ११; —हरण न॰ (-हरण) થાપણ ઓલવવી તે धरोहर का हरण करना removing of deposit पचा॰ १, ११;

नास पुं॰ (नाश) નાશ; વિનાશ विनाश; नाश Destruction उत्त॰ २, २७; —विरह. पु॰ (-विरह) મૃત્યુનો વિરહ કાલ, અમુક વખત સુધી કોઈ મરે નહી તે मृत्यु का विरह काल; अमुक काल तक किसी की मृत्यु का न होना the separation time of death; that time in which one cannot die. प्रव॰ ४१.

नासग. पुं॰ (नाशक) નાશ કરનાર नाश करने वाला Destroyer. नदी॰ स्थ॰१०;

नासण. न॰ (नाशन) નાશ કરવો તે. नाश करना. Destroying सु॰ च॰ ३, ७१: (२) પલાયન, નાશીજવું તે पलायन, भाग जाना. running away प्रव॰४४०; ६४५, आया॰ नि॰ १, ६, १, २३४;

नासणा. स्त्री॰ (नाशन) વિનાશ. विनाश Destruction. क॰ गं॰ १, ५६;

नासा. स्त्री॰ (नासा) નાસિકા; નાક. नाक, नासिका. Nose. ओघ॰ नि॰ ७१२; अणुजो॰ १२८, भग॰ ७, ६; नाया॰ १; उवा॰ १, ५४; —अरिस. न॰ (-अर्शस्) નાકનો એકરોગ; નાકનો મસો. नाक का मसा; नाक का एक रोग. an ulser in a nose; a kind of nose disease. विशे॰ २०८;

नासि. त्रि॰ (नाशिन्) નાશવન્ત नाशवन्त. Destructible. विशे॰ १६८१; ३१५४;

नासिका स्त्री॰ (नासिका) નાસિકા; નાક नासिका, नाक Nose. राय॰१६४,नाया॰८;

नासिय. न॰ (नष्ट) નષ્ટ થયેલ नष्ट. Destroyed. भग॰ ४२, १;

नासिया. स्त्री॰ (नासिका) નાક. नासिका, नाक. Nose प्रव॰ ४३९;

नाह पु॰ (नाथ) સ્વામી; માલિક; નાયક. स्वामी; मालिक, नायक Master; leader, chief. राय॰ २३, ओव॰ १२; सम॰ १; सु॰ च॰ १, १०३; पचा॰ ११, ११;

नाहि अ॰ (नाहि) નહિ. नहीं. No. भग॰ ३, २,

नाहि स्त्री॰ (नाभि) ડુંટી. नाभि The navel. सु॰ च॰ १, ४६, उवा॰ २; ६४; —मंडल. न॰ (-मण्डल) નાભિમંડલ. नाभिमडल the navel प्रव॰ २५५;

नाहिय पुं॰ (नास्तिक) નાસ્તિક नास्तिक An atheist. "नाहियवाइं पृच्छे" दस॰ नि॰ १, ७८, ८०; गच्छा॰ ८२; —दिट्ठि. त्रि॰ (-दृष्टि) નાસ્તિકદૃષ્ટિ વાલો. नास्तिक दृष्टि वाला (one) of atheistic point of view. दसा॰ ६, १. —पण्ण त्रि॰ (-प्रज्ञ) જ્ઞાની છતા જેની બુદ્ધિ નાસ્તિક હોય તે. ज्ञानी होने पर भी नास्तिक बुद्धिवाला (one) who is an atheist though learned. दसा॰ ६, ३; —वाद पु॰ (-वाद) નાસ્તિકવાદ नास्तिक वाद. atheism.

गच्छा० ८२; —वादि. त्रि० (-वादिन्) નાસ્તિકવાદિન્; નાસ્તિક મતવાલો. नास्तिक वादी, नास्तिक मत वाला. an atheist; belonging to atheism. दसा० ६,३;

निश्रंब. पुं० (नितम्ब) પર્વતનો ઉપરનો ભાગ. पर्वत के ऊपर का हिस्सा. The upper part of a mountain. श्रोघ० नि० ४०;

निश्रग. त्रि० (निजक) પોતાનું. निज का. Ones' own. कप्प० ६, १६१; —परिवार. पुं० (-परिवार) પોતાનો પરિવાર. निज का परिवार. one's own family. जं० प० २, ३३;

निश्रट्टि. न० (निवृत्ति) આઠમું નિયટ્ટિ બાદર ગુણસ્થાનક. श्राठवां नियट्टि बादर गुणस्थानक. The 8th Niyatti Bādara spiritual stage. क० गं० २, २;

निश्रम. पुं० (नियम) નિશ્ચય निश्चय; नियम. Resolution; rule. प्रव० ५३१; गच्छा० २६;

निश्रमिश्र. त्रि० (नियमित) નિર્માણ કરેલ, રચેલ. निर्माण किया हुश्रा; रचा हुश्रा. Created; produced. क० गं० ६, ६३;

निश्रय त्रि० (नियत) નિત્ય; શાશ્વત; સ્થિર. नित्य; शाश्वत; स्थिर. Eternal; steady; everlasting चउ० २०;

निश्रलिश्र. त्रि० (निगडित) બંધનથી બાંધેલ. बन्धन से बधा हुश्रा. Bound; imprisoned. प्रव० २५४;

निद्दश्र. त्रि० (नित्य) નિત્ય; સ્થિર. नित्य; स्थिर; वह जिस का कभी विनाश न हो. Steady; eternal. सूय० १, १, ४, ६; श्रोघ० नि० १०५; श्राया० १, ४, १, १२६; (२) न० દરરોજ; પ્રતિદિન. प्रतिदिन; नित्य. daily; always. श्राया० २, १, १, ६;

√**निउंज.** धा० II. (नि+युज्) જોડવું, નિયોજન કરવું; સંલગ્ન કરવું. जोड़ना. नियोजन करना; संलग्न करना. To join; to unite; to attach.

निउंजेसि. सु० च० १, ३४३;

निश्रोट्टुं. हे० कृ० उत्त० ३६, ६;

निउंजमाण. व० कृ० सूय० १, १०, ५;

निउण त्रि० (निपुण) ચતુર; પ્રવીણ; ડાહ્યા चतुर; प्रवीण; स्याना Wise; clever; skilful. दस० ६, ९, पिं० नि० २७०; सु० च० १, १; जीवा० ३,१; भग० ६,३३; नाया० १; कप्प० ४, ६१; २, १४; पंचा० ११,२०; ३, ३१; गच्छा० ७; ७८; उवा० ७, २१६; —उवचिश्र. त्रि० (उपचित) ચતુર પુરૂષે રચેલુ, બનાવેલુ. चतुर पुरुष द्वारा बनाया हुश्रा. made or arranged by a wise man. जं० प० ५, ११५; कप्प० २, १४;

निउत्त. त्रि० (नियुक्त) ગોઠવેલ; યોજેલ. जुटाया हुश्रा, योजित. Arranged; appointed. विशे० ३८८; उत्त० २६, १०.

निउय पुं० (निगोद) નિગોદીઆ જીવનું શરીર. अनन्तकायी निगोदिए जीव का शरीर. A body of multi-bodied Nigodiya soul. जीवा० ६;

निउरंब. न० (निकुरम्ब) સમૂહ; જથ્થો. समूह; जथ्था. Host; group पण्ह० १, ४, भत्त० १५;

निउरंबभूय. त्रि० (निकुरम्बभूत) સમૂહ-ઘટારૂપે એકત્ર થયેલ. समूह-घटा रूप से एकत्रित. Grouped; accumulated. नाया० २; ११;

निश्रोग पुं० (नियोग) આજ્ઞા, હુકમ. श्राज्ञा, निर्देश. Order; command. (२) નિયમ नियम regulation विशे० १३८५; १८७६; मया० ८८; (३) વ્યાપાર.

व्यापार. business. जं० प० ३, ६७; पंचा० ४, २१;

निश्रोय. पु० (निगोद) અનંતકાય જીવ. अनन्त काय जीव Many bodied-soul. भग० २५, ५;

निश्रोयग. पुं० (*निगोदक) નિગોદીયા જીવનું શરીર. निगोदिए जीव का शरीर. A body of Nigoda being (vegetable kingdom many-bodied soul). भग० २५, ५;

नित. त्रि० (नीत) લઇ જવામાં આવેલ ले जाया हुआ. Carried सूय० १, १,२,१६;

√निंद. धा० I. (निन्द्) નિંદવું; નિંદા કરવી. निन्दा करना. To censure.

निंदति. सूय० २, १८, १७;

निंदाति. अंत० ६, ३;

√निंद. धा० I. (निन्द्) નિન્દા કરવી. निन्दा करना. To censure, to blame.

णिंदइ. सूय० २, २, २०;

णिंदंति. नाया० ८;

णिंदिज्जमाण. क० वा०व०कृ० नाया०८,१६;

निंदेज्जा. वि० वेय० ४, २५;

निंद. आ० दस० ४;

निंदह आ० भग० ५, ४, ११, १२;

निंदिहिति भ० भग० १५, १;

निंदित्तए. हे० कृ० ठा० २, १;

निंदित्ता सं० कृ० भग० ५, ६; आया० २, १५, १७८;

निंदेता. ठा० ३, १;

निंदिज्जमाण. क० वा० व० कृ० भग० ३, १;

निंदणया. स्त्री० (निन्दना) આત્માની સાક્ષિયે પોતના દોષોની નિન્દા કરી પશ્ચાત્તાપ કરવો તે. आत्मा की साक्षी से अपने दोषों की निंदा कर पश्चात्ताप करना Repenting after censuring one's own fault, keeping the soul as a witness. उत्त० २६, २;

निंदणा. स्त्री० (निन्दना) નિંદા; દોષ નિરીક્ષણ; પશ્ચાત્તાપ. अपने ही दोषों का निरीक्षण, पश्चात्ताप. Repentance; seeing one's fault. राय० २५५; विशे० ३०२; अणुजो० ५८;

निंदा. स्त्री० (निन्दा) નિન્દા. निन्दा. Censure. उत्त० ३६, ६;

निंदुय त्रि० (निंदुत) જન્મતાં મરેલ; મૃત જન્મેલ. जन्म धारण करते ही मृत्यु प्राप्त,जन्म से ही मृतक. Born dead विवा० २,

निंब पुं० (निम्ब) લીંબડો. निम्ब. Nīma tree उत्त० ३४, १०, श्रोघ० नि० ७७०; पन्न० १; भग० ८, ३; —रस. पुं० (-रस) લીંબડાનો રસ. निम्ब का रस. the juice of Nīma tree. क० गं० ५, ६५;

निंबअ (निम्बक) એ નામનો માણસ. इस नाम का मनुष्य. A man so named. अणुजो० १३१;

निंबकरय. पुं० (निम्बकरज) એ નામનું એક ઝાડ. इस नामका एक वृक्ष. A tree so named. पन्न० १;

निंबु पु० (निम्ब) એ નામનું વૃક્ષ; લીંબડો इस नाम का वृक्ष; निम्ब A tree named Nīma जीवा० १;

निकर. पुं० (निकर) સમૂહ. समूह. A group. जं० प०; श्रोव० कप्प० ३, ४६;

निकरण. न० (निकरण-मिकरण निकार शारीर मानस दुःखोत्पादनम्) કોઇને પણ શારીરિક યા માનસિક દુઃખ ઉત્પન્ન કરવુ તે किसीको भी शारीरिक या मानसिक दुःख देना. Causing physical or mental affliction to anyone. आया० १, २, ६, ८७; (२) કારણ कारण. reason; cause. भग० ७, ७;

निकरणया. स्त्री० (निकरणता) શારીરિક અને

માનસિક દુઃખની ઉત્પત્તિ. शारीरिक और मानसिक दुःखकी उत्पत्ति. The origin of physical and mental affliction. आया० १, २, ६, ६७;

निकरणा. स्त्री० (निकरण) નિર્ણય; નિશ્ચય. निर्णय, निश्चय. Resolution; decision. आया० १, १, ३, २६;

निकस. पुं० (निकष) સોનું ઘસવાની કસોટી सुवर्ण को घिसने की कसौटी. Touch-stone. अणुजो० १४७;

निकसाअ. पुं० (निष्कषाय) જંબૂદ્વીપના ભરત ખંડમાં થનાર ૧૩મા તીર્થંકર जम्बू द्वीपान्तर्गत भरतखंड में होनेवाले १३वे तीर्थंकर. The 13th Tīrthankara to be born in Bharata Khaṇḍa of Jambūdvīpa. सम० प० २४१; प्रव० ४७०;

√**निका.** धा० I. (नि + कच्) કઠિન કરવું कठिण करना, कडा बनाना. To harden
निकाइ. भग० १, १,
निकाइसु. सूय० ५, १, १८;

निकाअ. पुं० (निकाय) સમૂહ; જથ્થો समूह; जथ्था A group; a host अणुजो० ५७; ओघ० नि० ७४७; पिं० नि० २,

√**निकाअ** धा० I. (नि + कच्) આમંત્રણ આપવું, નિમંત્રણ દેવું निमंत्रण देना To invite
निकायए. सम० १२,

निकाइअ–य त्रि० (निकाचित) નિર્યુક્તિ, હેતુ, ઉદાહરણાદિ દ્વારા વ્યવસ્થાપિત કરેલ. निर्युक्ति, हेतु, उदाहरणादि द्वारा व्यवस्थापित. Established by an appropriate passage from a scripture, cause and illustration etc. " सूयगडे अज्झयणे धम्मंपि निकाइतं " सूय० नि० १, ६, १०२; नंदी० ४५; पराह० १, ५: (२) અત્યંત ગાઢ અધ્યવસાય વડે બાંધેલ કર્મ કે જે ફલરૂપે ભોગવ્યા વિના નાશ થાય નહિં તે. अत्यन्त गाढ़ अध्यवसाय से बांधे हुए वे कर्म जिनको फल रूप से भुगते विना कालान्तर मे भी नाश नहीं होता. a very strong bondage of Karmas due to energetic activity, which can not be sét aside unless it is endured in full विशे० २५१३;

निकाइया. स्त्री० (निकाचना) કર્મનો નિકાચિત બન્ધ कर्म का निकाचित वध. A very strong bond of Karmas क० प० ५, ७२;

निकाम. न० (निकाम) અત્યન્ત, અતિશય. अत्यन्त, अतिशय. Too much. (२) નિશ્ચય. निश्चय. decision. सूय० १, १०, ८; **—कामीण.** पुं० (-कामीन — निकाममत्यर्थं प्रार्थयते यः स निकामकामीन) આહાર ઉપકરણ આદિની અત્યંત ઇચ્છા રાખનાર आहार उपकरण आदि की अत्यन्त इच्छा रखनेवाला. (one) too much desirous of getting means of livelihood सूय० १, १०, ५, ८; **—चारि.** त्रि० (-चारिन् —निकाममत्यर्थं चरति तच्छीलश्च निकामचारी) આધાકર્માદિ નિમિત્તે અત્યન્ત ફરનાર आधाकर्मादि निमित्त अत्यन्त फिरने वाला. (one) moving about too much for receiving faulty food etc. सूय० १, १०, ५;

निकाय. अ० (निकाच्य) વ્યવસ્થાપન કરીને. व्यवस्थापन करके. Having arranged. आया० १, ४, २, १३३;

निकायणा. स्त्री० (निकाचना) આઠમાંનું કોઈ પણ કરણ પ્રવર્તી ન શકે એવી અવ-

સ્થામાં કર્મ ને સ્થાપવાતે. आठ में से कोई भी करण प्रवर्त न सके ऐसी अवस्था में कर्म को स्थापन करना. Establishing Karmas in such a state that no means out of the 8 can urge them. क० प० १, २;

√**निकुट्ट.** धा० II. (नि + कुट) કુટવું; મારવું. मारना; पीटना. To beat; to strike.

निकुट्टेइ. उवा० २, ११०;

निकुट्टेमि. उवा० २, १०८.

निकुरंबभूय. त्रि० (निकुरम्बभूत) ઉપદ્રવથી રહિત. उपद्रव रहित. Free from trouble. भग० १३६; १५, १;

निकेत. न० (निकेत) આશ્રય; સ્થાન; ઉપાશ્રય. आश्रय; स्थान; उपाश्रय. Abode; residence. उत्त० ३२, ३:

निक्क. त्रि० (॰) નિર્મલ. मलसे रहित. Free from dust; clear. नाया० १,

निक्कंकड. त्रि० (निष्कंटक) કટક રહિત; વિઘ્નરહિત. निष्कंटक; विघ्नरहित. Free from obstructions. भग० २, ८; पन्न० २;

निक्कंखिय. त्रि० (निष्कांक्षित) આકાંક્ષા-અભિલાષા વિનાનું. आकांक्षा-अभिलाषा हीन Free from desires भग० २, ५; पन्न० १; उत्त० २८, ३१; प्रव० ७०; २६६; पचा० १६, २४;

निक्कटक. त्रि० (निष्कण्टक) અડચણ-વિઘ્ન રહિત विघ्न रहित. वे रोक टोक. निर्विघ्न Free from obstructions. गाणि० ४:

निक्कप. त्रि० (निष्कम्प) અચલ; સ્થિર. अचल स्थिर. Steady, still. सु० च० ३, १.

निक्कम न० (निष्कर्मन्) કર્મ રહિત-મોક્ષ. कर्म रहित; मोक्ष. Without actions; salvation आया० १, ४, ३, १३६;

—**दंसि.** त्रि० (-दर्शिन्) સર્વ કર્મ રહિત; આત્માને જોનાર; આત્મજ્ઞ. सर्व कर्म रहित; आत्मा को देखने वाला; आत्मज्ञ. free from all actions; (one) who sees the soul. आया० १, ३, २, ४;

निक्कमण. न० (निष्क्रमण) નીકળવું. निकलना. Departing. भग० ६, ३३;

निक्कल. त्रि० (निष्कल) કલાહીન. कला हीन. Artless. सु० च० १, १;

निक्कसाय. पुं० (निष्कषाय) જુઓ " निक-साय " શબ્દ. देखो " निक्कसाय " शब्द. Vide " निकसाय " सम० प० २४१; प्रव० २६६;

निक्कारण. न० (निष्कारण) કારણવિના. निष्कारण; कारण रहित Without reason or cause. पिं० नि० ५१६; सु० च० २, ६४; प्रव० १०६;

निक्कारणअ. त्रि० (निष्कारणक) કારણ વિનાનો. कारण रहित. Without cause. विशे० १८०६;

निक्कारणओ. अ० (निष्कारणतस्) કારણ વિના. कारण रहित Without cause. विशे० ६७;

निक्कालेउं. अ० (निष्काश्य) કાઢીને निकाल कर. Having removed. सु० च० १, १६७,

निक्किट्ठ त्रि० (नि कृष्ट) અધમ; નીચ अधम, नीच. Low, vulgar. विवा० ३.

निक्किरिअ. त्रि० (निष्क्रिय) ક્રિયા રહિત; અક્રિય क्रिया रहित, अक्रिय Inactive विशे० १९५४;

निक्किविया स्त्री० (नि कृपता) નિર્દયતા निर्दयता; क्रूरता Cruelty प्रव० ६५२.

निक्खंत. त्रि० (निष्कान्त) નીકળેલ; બહાર આવેલ; સંસારથી ભાગેલ; દીક્ષિત થયેલ.

निकला हुआ; संसार से निकल भागा हुआ; दीक्षित. Consecrated; deported. दस॰ ८, ६१; वव॰ ८, १२; सूय॰ १, ८, २४; आया॰१, १, १, १६; १, ६, ४, ११; अणुजो॰ १७; उत्त॰ १८, १६; २५, ४२; वेय॰१, ३८; भग॰ ८, ६; सु॰च॰ ३,२१४;

√निक्खम. धा॰ I, II. (निर्+क्रम्) नीકળવું; દીક્ષાલેવી. निकलना; दीक्षा लेना. To depart; to be initiated.

निक्खमइ. भग॰ २, १; सू॰ प॰ १;
निक्खमेइ. निसी॰ ८, १४;
निक्खमे. वि॰ दस॰ ५, २, ४;
निक्खम. आ॰ उत्त॰ २५, ३८;
निक्खमितए हे॰ कृ॰ वेय॰ १, ४७; दसा॰ ७, १; वय॰ ८, ५;
निक्खमाण. व॰ कृ॰ सम॰ ८२;
निक्खमंत. आया॰ १, ६, ४, १८८; उत्त॰ ३२, ५०;
निक्खम्म. सं॰ कृ॰ आया॰ १, २, २, ७५; १, ५, ६, १६६; दस॰ १०, १, १. २०;

निक्खम. पुं॰ (निष्क्रम) નીકળવું તે; દીક્ષા લેવી निकलना; दीक्षा लेना. Departing, entering an order. उत्त॰ २५, ३८; —अभिसेअ. पुं॰ (-अभिषेक) દીક્ષા મહોત્સવ. संसार को त्यागने के समय होने वाला उत्सव; दीक्षा महोत्सव. a festivity at the time of renouncing the world विवा॰ १;

निक्खमण. न॰ (निष्क्रमण) ચાલી નીકળવું; સંસાર છોડી દીક્ષા લેવી. चल पडना; संसार त्याग कर दीक्षा लेना. Starting out; renouncing the world and entering an order. राय॰ ८५; अंत॰ ५, १; गणि॰ २२; जीवा॰ ३, ३; पण्ह॰ २, ३, कप्प॰ २, १६, ६, १०६; प्रव॰ ९; —प्पउग. पुं॰ (-प्रयोग) દીક્ષાનો પ્રયોગ. दीक्षा का प्रयोग. the application of initiation. भग॰ ६, ३३; —मह. पुं॰ (-मह) દીક્ષાનો ઉત્સવ. दीक्षा के समय का उत्सव. a festivity at the time of initiation. भग॰ ३, १; —महिमा. पुं॰ (-महिमन्) દીક્ષાની મહિમા-ગૌરવ. दीक्षा का गौरव. the glory of initiation. भग॰ १६, २;

निक्खमिउमण. पुं॰ (निष्क्रान्तुमनस्) નીકળવાની ઇચ્છાવાળો. निकलने की इच्छा वाला; जाने की इच्छा वाला. One desirous of departing. विशे॰ २६८८;

निक्खित्त. त्रि॰ (निक्षिप्त) એષણાના દશ દોષમાંનો ત્રીજો દોષ જે સચિત્ત વસ્તુ ઉપર રાખેલી વસ્તુ લેવાથી લાગે છે. एषणा के १० दोषों में से तीसरा दोष कि जो सचित्त वस्तुपर रक्खी हुई वस्तु लेने से लगता है. The 3rd of 10 flaws of Esaṇā which accrues through accepting a thing placed on a conscious object. (२) મુકેલ; રાખેલ. रक्खा हुआ. deposited; kept. सूय॰ २, ७, १३; पिं॰ नि॰ ५२०; भग॰ ७, १; १७, २; दस॰ ५, १, ५६; ६१; नाया॰ १; पंचा॰ १३, २६; प्रव॰ ५७६; —चरअ. पुं॰ (-चरक) રાંધવાના વાસણમાંથી બહાર કહાડેલ હોય તેજ લેવું એવો અભિગ્રહ કરનાર. रसोई के पात्र में से बाहर निकाल कर रक्खा हो वही लेना ऐसा अभिग्रह वाला. (one) who has taken the vow of accepting that alone which is kept out of a cooking utensil. पण्ह॰ २; १, आव॰ १६; —भर.

त्रि० (-भर) કુટુંબ વિગેરે ઉપર કાર્યનો ભાર મુકી છુટો થયેલો. कुटुम्ब वगैरह के ऊपर कार्य का बोझ रख कर अलग होने वाला. (one) who has separated, placing the burden of work on a family. पंचा० १०, ३०;

निक्खित्तसत्थ. पुं० (निक्षिप्तशस्त्र) એરવત ક્ષેત્રમાં ચાલુ અવસર્પિણીમાં થયેલ બારમાં તીર્થંકર ऐरावत क्षेत्र में वर्तमान अवसर्पिणी में हुए बारहवें तीर्थंकर. The 12th Tirthaṅkara born in the current aeon of decrease. सम० प० २४०;

√**निक्खिव.** धा० I. (नि+क्षिप्) ફેંકવું; તજીદેવું, નીચે મુકવું. फेंकना; त्याग देना; नीचे रखना. To throw; to abandon; to put down.

निक्खिवइ. निसी० १६, २०; जं० प० ५, १२३;

निक्खिवेज्जा. वि० उत्त० २४, १४;

निक्खिवे. वि० अणुजो० ८; आया० १, ४, १, १२७;

निक्खिव. आ० वव० ४, १३;

निक्खिविस्सामि. भ० अणुजो० ७;

निक्खिवित्तु. स० कृ० दस० ५, १, ४२;

निक्खिवमाण. व० कृ० भग० ७, १७;

निक्खेवमाण. व० कृ० भग० ३, ३;

√**निक्खिलप्प.** धा० I (नि+क्षिप) જુઓ "निक्खिव" શબ્દ देखो "निक्खिव" शब्द. Vide "निक्खिव"

निक्खिलप्पइ. पिं० नि० ३४०.

निक्खिव. पु० (निक्षेप) સ્થાપન કરવું. મુકવું स्थापन करना. रखना. Establishing; putting. उत्त० १२, २;

निक्खिवण. न० (निक्षेपन) મુકવુ; ફેંકવું. रखना; फेंकना Placing; throwing पंचा० १, ३२;

निक्खुड. पु० (निष्कुट) ઘરની પાસેનું વન; मकान के समीपका बन. A forest near a house. विशे० १५३८; (२) ગોરખ વગેરે સ્થાન ड्योढी वगैरह स्थान; गोखडा. a balcony; entrance. पन्न० २; (३) ભરત આદિ ક્ષેત્રનો એક વિભાગ-ખંડ. भरत आदि क्षेत्र का एक विभाग-खंड. a territory in Bharata etc. regions. जं० प० ४, ११५;

निक्खेतव्व. त्रि० (निक्षेप्तव्य) છોડવા યોગ્ય; નિક્ષેપ કરવા યોગ્ય. त्यागने योग्य; निक्षेप करने योग्य. Fit to be abandoned; to be set aside. विशे० ६५७;

निक्खेव. पु० (निक्षेप्) થાપણ; રાખેલું ધન पूंजी, एकत्र करके रक्खा हुआ धन. Capital; accumulated wealth पराह० १, २; भग० १२, १०; १५, १; १८, ३, पिं० नि० २, ओघ० नि० ७१०; विशे० ६१२; उवा० १, ६०; ७, २३०; (२) નિક્ષેપ, કર્મ દલિઆનો નિક્ષેપ કરવો તે. निक्षेप; कर्म दल का निक्षेप करना. putting down of the bond of Karmas क० प० ३, २; (३) શબ્દાર્થ વ્યાપાર, નામ, સ્થાપના, દ્રવ્ય અને ભાવ એ ચાર પ્રકારના નિક્ષેપ. शब्दार्थ व्यापार; नाम, स्थापना, द्रव्य और भाव आदि चार प्रकार के निक्षेप. the use of meaning of words; Nikṣepa of 4 kinds. अणुजो० ८; ५६; (४) અણુજોગદ્વાર સૂત્રનો બીજો ભેદ. अणुजोग द्वार सूत्र का द्वितीय भेद the 2nd variety of Aṇujogadvāra Sūtra अणुजो० १५४; (५) મુકવુ તે रखना. placing. प्रव० ५२२; ६४३;

निक्खेवअ. पुं० (निक्षेपक) નિગમન ઉપ-

સંહાર. निगमन; उपसंहार. Conclusion. भग० ६, ३४; २४, १;

निक्खेवण. न० (निक्षेपण) મૂકવું; રાખવું. रखना. Placing. ओव० १७; कप्प० ५; ११६;

निक्खेवणया स्त्री० (निक्षेपणा) જુઓ "निक्खेवणा" શબ્દ. देखो "निक्खेवणा" शब्द. Vide "निक्खेवणा" उवा० १, ४६;

निक्खेवणा. स्त्री० (निक्षेपणा) સ્થાપન કરવું તે; રાખવું-મુકવું તે. स्थापना करना; रखना. Establishing; posting; keeping. भग० २, १; २०, २;

√**निगच्छ.** धा० I. (नि+गम्) જવું; ચાલવું. जाना, चलना. To go; to walk

निगच्छइ. विवा० १; सूय० १, १, १, १०;

निगच्छइत्ता. सं० कृ० भग० २, ५;

निगच्छित्तित्ता. सं० कृ० भग० ३, १;

निगच्छमाण. व० कृ० निसी० ६, ८;

√**निगरह.** धा० I. (नि+गृह्) નિગ્રહ કરવો; દમન કરવું निग्रह करना; दमन करना. To restrain; to subdue.

निगरहाइ. उत्त० २८; ३५;

निगम. पुं० (निगम) જેમાં વ્યાપારી વધારે રહેતા હોય તે નગર; વ્યાપારીઓનું નિવાસ સ્થાન. जिसमें व्यापारी अधिक रहते हों वह नगर; व्यापारियों का निवासस्थान. A town where a majority of merchants live; the abode of merchants. राय० २५३; भग० १, १; उत्त० ३०, १६; सूय० २, २, १३; वेय० १, ६, (२) વૈશ્ય; વ્યાપારી. वैश्य, व्यापारी a merchant. नाया० २; सम० ३०, ओव० कप्प० ४, ६२;

निगर. पुं० (निकर) સમૂહ; જથ્થો समूह; जत्था. A group. अणुजो० ५७; नाया० १; उवा० २, १०७;

निगरित. त्रि० (निकरित) સજ્જ કરેલ. सज्ज किया हुआ; एकत्रित Made ready; equipped. जं० प०

निगरिय. त्रि० (निगलित) શોધિત; ગાળીને શુધ્ધ કરેલ. शोधित; छान कर शुद्ध किया हुआ. Purified by filtering पण्ह० १, ४;

निगाइअ. पुं० (निकाचित) ભોગવ્યા વિના બીજીરીતે છુટે નહી તેવો મજબૂત કર્મબન્ધ. मजबूत कर्मबन्ध, जिस के फल विना उदय हुए रहते ही नहीं, यानी जिसका पराभव तपश्चर्या आदि से नहीं हो सकता इस प्रकार का कर्मबध. A firm bondage of Karmas which cannot be otherwise cut off than enduring it. ठा० ४; २:

निगाम. न० (निकाम) અત્યંત, ઘણુ; અતિશય; હદ ઉપરાંત. अत्यन्त; बहुत, अतिशय; हद्द से ज़ियादा. Too much; excessive. दस० ४, २६; आव० ४, ४; —**साइ** त्रि० (-शायिन्) ઇચ્છા પૂર્વક ઘણીજ નિદ્રા લેનાર. इच्छा पूर्वक अत्यन्त निद्रा लेने वाला. one who sleeps soundly at his will. दस० ४, २६, —**सिज्जा.** स्त्री० (-शय्या)પ્રમાણ ઉપરાંતની સય્યા-પથારી प्रमाण से अधिक बडी शय्या-बिछाना. a bed more than the measure. आव० ४, ४;

निगिज्झिय सं० कृ० अ० (निगृह्य)ગ્રહણ કરીને; પકડીને. ग्रहण कर के. पकड़ कर. Having accepted or caught. कप्प० ६, ३२; वव० ६, ७;

निगिट्ठ. त्रि० (निकृष्ट) અધમ; નીચ. अधम; नीच Low; mean. सु० च० ८, १७१;

निगिण त्रि० (नग्न) નગ્ન; નાગો. नग्न; नगा, वस्त्र हीन. Nude; naked आया० २, २, ३, १७;

√निगिण. धा० I. (नि+गृह्) પકડવુ ગ્રહણ કરવું. पकड़ना; ग्रहण करना. To catch; to accept

निगिण्हइ. भग० ७, ६;

निगिण्हिइ. भग० ६, ३३;

निगिण्हइत्ता. सं० कृ० भग० ७, ६; ६, ३३;

निगेण्हेइत्ता. भग० ६, ३३.

निगुंज. पुं० (निकुञ्ज) લતાનો માંડવો. लता का मंडप A bower of creepers. सु० च० ६, ३०; ओघ० नि० ४०;

निगुहिय. त्रि० (निगुहित) ઢાંકેલું, છુપાવેલું; ढंकाहुआ, छिपायाहुआ. Covered; concealed पंचा० १५, २१;

निगूढ. त्रि० (निगूढ) ગુપ્ત; નહિં દેખાય તેવું. गुप्त, अदृश्य. Secret; invisible कप्प० ३, ३५,

√निगूह. धा० I. (नि+गूह) ઢાંકવું; બંધ રાખવું ढाकना; बंद रखना. To cover; to conceal.

निगूहे. वि० दस० ८, ३२;

निगोअय पुं० (निगोद) અનંતકાય જીવ. अनन्तकाय जीव A many bodied soul भग० १७, ६. प्रव० १४१८, क० प० २, ६४, **—जीव.** पुं० (-जीव) નિગોદના જીવ. निगोद के जीव. the souls of a Nigoda (a particular vegetable kingdom) क० ग० ४, ८८;

निगोअ-य. त्रि० (निगोदक) નિગોદ, સૂક્ષ્મ બાદર અનન્તકાયના શરીર. सूक्ष्म बादर अनन्त काय के शरीर. A vegetable kingdom in which one body contains infinite souls. क० गं० ४, ८५,

निग्गअ-य. त्रि० (निर्गत) નીકળેલ; દૂર થયેલ. निकला हुआ; दूर गया हुआ. Departed; gone far away. दस० ५. ७; अणुत्त० १, १; भग० २, १; निर० २, १; निसी० ६, १०; उत्त० २७, १२; नाया० १, २, प्रव० ४६०;**—जस.** त्रि० (-यशस्) જેનો યશ નાશ પામ્યો હોય તે. जिसका यश नष्ट हुआ हो वह, नष्टकीर्ति. (one) whose fame is lost विवा० ३;

निग्गइ. पुं० (निर्गति) એ નામનો એક પ્રત્યેક બુદ્ધ, કે જેને આંબાની પલટાયેલી દશા જોઇ વૈરાગ્ય થયો તે. इस नामका एक प्रत्येक बुद्ध कि जिसको आम्रफल की पलटी हुई दशा को देखने से वैराग्य उत्पन्न हुआ. A Pratyeka Buddha so named who became an ascetic at seeing the changed state of a mango. उत्त० १८, ४५;

निग्गंथ. पुं० (निर्ग्रन्थ) પરિગ્રહની અથવા રાગદ્વેષની ગ્રંથિ-ગાંઠ રહિત; સાધુ. परिग्रह अथवा रागद्वेष की ग्रन्थि-गठान रहित; सर्वस्व त्याग करने वाला साधु. Possessionless or passionless ascetic. निर० ३, ४, वव० ७, १, २०; ११; १६; दसा० ५,६; १०, १, दस० ३, १; ६, ४, भग० १, ६; २, १, ७, १; २५, ३, राय० ७८; वेय० १, १, ३७; सूय० २, ७, ३, आया० २, ५, १, १४१, ओव० १५; पिं० नि० १४५; ४४५, पण्ह० २, ३; उवा० २, १०२; ६, १७५, कप्प० ४, १२६; प्रव० २१; ७२६, **—निस्सा** स्त्री० (-निश्रा) સાધુની નિશ્રા. साधु की निश्रा. the support of an ascetic वव०७, १२; १३; **—पावयण.** न० (-प्रावचन) નિર્ગ્રન્થ વીતરાગના પ્રકૃષ્ટ વચન, જૈન આગમ. निर्ग्रन्थ-वीतराग के प्रकृष्ट वचन; जैन आगम. the Jaina

sacred scriptures. भग० २, १;

निग्गंथ. त्रि० (नैर्ग्रन्थ) નિર્ગ્રન્થ સંબંધી (ધર્મ–પ્રવચન વગેરે.) निर्ग्रंथ संबंधी (धर्म-प्रवचन वगैरह). Related to one possession-less ascetic. उवा० १, १२; ७, २२२;

निग्गंथत्त. न० (निर्ग्रन्थत्व) નિર્ગ્રંથપણું. निर्ग्रंथत्व. The state of being an ascetic. प्रव० २३;

निग्गंथी. स्त्री० (निर्ग्रन्थी) સાધ્વી; આર્યા. साध्वी; आर्या. A possessionless female ascetic; a venerable lady वव० ३, १२; ४, १२; ३, २०; ७, १; १६; वेय० १, १, ४८; भग० ७, १; ८, ६; नाया० १; आया० २, ५, १, १४१; निसी० ८, ११; कप्प० ६, १२१; उवा० २. ११६, ६, १७६;

निग्गत. त्रि० (निर्गत) નીકળેલું; દૂર થયેલું. निकला हुआ, दूर गया हुआ. Departed. सू० प० १; सम० ६;

निग्गम. पुं० (निर्गम) નિકળવું તે निकलना; निकास. Departure; exit. विवा० ३; पंचा० ६, २१; प्रव० ७२७, ७९६; कप्प० ४, ६२; कप्प० ८:

निग्गमण. न० (निर्गमन) નીકળવું તે. निकलना. Departure. प्रव० १०७;७८६;

निग्गमन. न० (निर्गमन) ઉત્પત્તિ. उत्पत्ति. Origin. विशे० २३००;

निग्गय. त्रि० (निर्गत) જુઓ "निग्गत" શબ્દ. देखो "निग्गत" शब्द. Vide "निग्गत" उवा० २, ६२; ३, १२७;

√**निग्गह.** धा० I. (नि + गृह्) ઢાંકવું; દબાવવું; છુપાવવું. ढांकना; दबाना; छिपाना. To conceal; to subdue.

निग्गहेज्जा. वि० दसा० ६, ८;

निग्गंहिऊं. हे० कृ० सु० च० १, ३५१;

निग्गह. पुं० (निग्रह) દંડ; શિક્ષા; દમન. दंड; शिक्षा; दमन. Confinement; punishment; subduing. भत्त० १६१; पण्ह० १, ३; उवा० १, ५८; गच्छा० ७१; (२) પરાજય; વાદીને યુક્તિ છલથી પકડવો તે. पराजय; वादी को युक्ति छल से पकड़ना. Defeat; overtaking a disputant by a plausible argument. ठा० १; —ट्ठाण. न० (-स्थान) એક પ્રકારનું વાદિનો પરાજય કરવાનું સ્થાન–વચન ચાતુરી. एक प्रकार का वादी को पराजित करने का स्थान–वाक्–चातुर्य. a flaw in reasoning by which a disputant is vanquished ठा० १:

निग्गुण. त्रि० (निर्गुण) ગુણ વિનાનો; મૂર્ખ. गुण हीन; मूर्ख Worthless; devoid of merits. दसा० ६, ४; विशे० ११६८; भग० ७, ६; पण्ह० १, २;

निग्गुन्न. त्रि० (निर्गुण) ગુણ હીન. गुण-हीन. Devoid of merits, attributes. भत्त० १४;

निग्गोह. पुं० (न्यग्रोध) નિગોહ પરિમંડલ સંઠાણ. निगोह परिमंडल संठाण. A particular physical constitution, broad in the upper and narrow in the lower portion like a banyan tree. क० गं० १, ४०; (२) વડનું ઝાડ. वड का झाड. a banyan tree. भग० १, १;

निग्गोहमंडल न० (न्यग्रोधमण्डल) જેનો નાભિ ઉપરનો ભાગ શાસ્ત્રમાં કહેલા પ્રમાણ જેવું હોય તે ૭ સંઠાણમાંનું એક. जिस का नाभि के ऊपर का भाग- शास्त्र में कहे हुए प्रमाण से अधिक न हो वैसा याने पहिले प्रकार के संस्थान के लक्षण वाला शरीर. (One) whose portion of body above

the navel is as described in the scriptures; one of the 6 physical constitutions. अणुजो॰ ११८;

निग्गोहवण. न॰ (न्यग्रोधवन) વડનાં ઝાડોનું વન. बड के वृक्षों का बन. A forest of banyan trees. भग॰ १, १;

निग्घाअ-य. पुं॰ (निर्घात) કર્મનો નાશ. कर्म का नाश. The destruction of Karmas. सूय॰ १, १५, २२; निसी॰ १, १०; (२) ગર્જનાનો કડાકો. गर्जना का प्रचण्ड शब्द. roaring sound. जीवा॰ ३, ३; पण्ह॰ १, ३; ठा॰ १०, १; प्रव॰ १४७१;

निग्घाडण. न॰ (निर्घाटन) કાઢવું; બહાર કરવુ; બહિષ્કાર निकालना; बाहर निकाल देना, वहिष्कार. Expelling; excommunicating. पण्ह॰ १,१;गच्छा॰६५;

निग्घायण. न॰ (निर्घातन) મારવું. નાશ કરવો તે. मारना, नाश करना Killing; slaying ओव॰ १, ५; अणुजो॰ १३०;

निग्घिण. त्रि॰ (निर्घृण) નિર્દય; ઘાતકી निर्दय, घातकी Cruel, treacherous. पण्ह॰ १, १; ६; प्रव॰ १५६६; ठा॰ १, १;

निग्घिणता. स्त्री॰ (निर्घृणता) નિર્દયપણું निर्दयता, क्रूरता. Cruelty पंचा॰ १०, २७;

निग्घोस. पुं॰ (निर्घोष) આવાજ, શબ્દ. आवाज, शब्द. Sound, note. जं॰ प॰ ३, ५२, आया॰ २, ५, १, १४६; सम॰ प॰ २३८, सु॰ च॰ २, २०३; भग॰ १६, ५;

निघंटु. पुं॰ (निघंटु) એ નામનો વૈદકનો ગ્રન્થ इस नामका वैद्यक का एक ग्रन्थ. A medical vocabulary. भग॰ २,१; कप्प॰ १, ६,

निघस. पुं॰ (निकष) કસ; કસોટી. कस, कसौटी A touch stone. राय॰ ५४, जीवा॰ ३, ४; भग॰ १, १; उवा॰ १, ७६;

निघाडिय. त्रि॰ (निर्घाटित) કાઢેલું. निकाला हुआ. Cast out. पण्ह॰ १, ३;

निघातयंत. व॰ कृ॰ त्रि॰ (निर्घातयत्) કઢાવતો. निकलवाता हुआ. Causing to expel or removing out. निसी॰ १, १०;

निचय-अ. पुं॰ (निचय) સમૂહ; જથ્થો. समूह; जत्था. A group; a host पिं॰ नि॰ २; राय॰ ५७; (२)કર્મદલની રચના. कर्मदल की रचना. an arrangement of strata of Karmas. क॰ गं॰ १, ३८,

निचिय. त्रि॰ (निचित) પુષ્ટ, મજબૂત, નિવડ. पुष्ट; मजबूत. Fat; strong जीवा॰ ३; ३; ओव॰ १०, भग॰ १, १;

निच्च. त्रि॰ (नित्य) નિત્ય; સ્થિર; અવિનાશી. नित्य,स्थिर,अविनाशी. Always; steady; indestructible विशे॰ ३२, ६७; ४५७, ओव॰ २१; प्रव॰ १२०४; क॰ प॰ १, ४५; २, ७६; (२) अ॰ નિરંતર; હમેશા: સદા. निरन्तर; हमेशा; सदा. constant; always; ever सु॰ च॰ १, ३५५; पन्न॰ २,उत्त॰ १, ४४; दस॰ ६, २३;८,३; १०,१, १, भग॰ १,१, क॰ गं॰ १,१६०, भत्त॰ ६६, ६४;—**उउआ.** स्त्री॰(-ऋतुका) નિત્ય ઋતુકાલવાલી नित्य ऋतु काल वाली. always in menses. ठा॰५.२; —**उग्घाड** त्रि॰ (-उद्घाट) નિત્ય ઉઘડેલ नित्य खुला हुआ. ever open. विशे॰ ४६७, —(च्चु)-**उज्जुत्त** त्रि॰ (-उद्युक्त) નિત્ય તૈયાર नित्य तयार. ever ready. भग॰ ७, ६; —**उयग** त्रि॰ (-उदक) જેમા હમેશ પાણી રહેતુ હોય તે; અગાધ જલ વાલુ जिस में हमेशा पानी रहता हो वह, अगाध जल वाला that which contains water always; having deep

waters. कप्प० ६, ११; —(च्चु)-उविग्ग. त्रि० (-उद्विग्न) નિત્ય ખિન્ન રહેનાર. नित्य खिन्न रहनेवाला; हमेशा उदास रहने वाला. always gloomy or sorrowful. दस०५,२,३६; —भत्त. न० (-भक्त) હમેશાં જમવું તે. हमेशा भोजन करना. always eating. प्रव०४६०; —भत्तिय. पुं० (-भक्तिक) હમેશાં એક વખત ખાનાર સાધુ. हमेशा एक ही समय भोजन करने वाला साधु. an ascetic who always eats once. कप्प० ६, २०; —संदण. त्रि० (-स्यन्दन) હમેશા વહેતો. हमेशा बहता हुआ. ever-flowing. कप्प० ६, ११; —संति. स्त्री० (-स्मृति) નિરંતર સ્મરણ. निरन्तर स्मरण. a constant memory. पंचा० १,३६; —हियठिअप्प. पुं० (-हितास्थितात्मन्) જેનું મન નિરંતર આત્મહિત કરવામાં લાગેલું હોય તે. जिसका मन निरतर आत्म हित करने में लगा हुवा हो वह. (one) whose mind is intent upon benifitting the soul. दस० १०, १, २१;

निच्चं. अ० (नित्यम्) નિત્ય. नित्य. Always. नदी०.स्थ० ६; दसा० ७, १;

निच्चमंडिया. स्त्री० (नित्यमंडिता) જંબુ સુદર્શનાનું નામ. जम्बू सुदर्शना का नाम. Name of Jambū Sudarśanā. जीवा० ३, ४;

निच्चल. त्रि० (निश्चल) સ્થિર; મજબૂત. स्थिर; मजबूत. Steady; firm. ओघ० नि० ६, १०६; अंत० ६, ३; राय० ३४; कप्प० ४, ९१; उवा० ७, २११;

निच्चसो. अ० (नित्यशः) નિત્ય; રોજ. नित्य; हमेशा; प्रतिदिन. Daily; always उत्त० १६, १४;

निच्चालोग. पुं० (नित्यालोक) નિત્યાલોક નામનો ગ્રહ. नित्यालोक नामका ग्रह. A planet Nityāloka. ठा० २, ३;

निच्चिट्ठ. त्रि० (निश्चेष्ट) ચેષ્ટા રહિત. चेष्टा रहित. Motionless. निर० १, १; सु० च० १, १७६;

निच्चुज्जोय. पुं० (नित्योद्योत) એ નામનો ગ્રહ. इस नाम का ग्रह. A planet of this name. ठा० २, ३;

निच्चेट्ठा. त्रि० (निश्चेष्ट) જુઓ 'निच्चिट्ठ' શબ્દ. देखो "निच्चिट्ठ" शब्द. Vide. "निच्चिट्ठ" प्रव० ६३५;

निच्छइअ. त्रि० (नैश्चयिक) નિશ્ચય નયથી વાત કહેનાર; પરમાર્થ દૃષ્ટિવાળો. निश्चय नय से बात कहने वाला; परमार्थ दृष्टिवाला. (One) who speaks decisively. विशे० ३५८६; भग० १८, ६; मत्त० ३, ४;

निच्छलंत. व० कृ० त्रि० (निस्खलत्) પડતો; ઠેશ ખાતો. गिरता हुआ; ठोकर खाता हुआ. Stumbling; falling सु० च० २, ५०६;

निच्छय. पुं० (निश्चय) નિશ્ચય; દૃઢ વિચાર; તત્વનિર્ણય; ખાત્રી. निश्चय; दृढ विचार; तत्त्व-निर्णय; विश्वास. Resolution; determination; faith; conclusion. सु० च० ७, १२८; पिं नि० भा० १०, १६; ओव० १६; उवा० १, ५; (२) નિશ્ચયનય. निश्चयनय. a convincing stand-point. पंचा० १६, ५०; —त्थ. पुं० (-अर्थ) નિશ્ચયાર્થ. निश्चयार्थ. a determined purpose. सूय० १, १, २, १६; —नय. पुं० (-नय) નિશ્ચય નય; વસ્તુને પરમાર્થથી જોવાની એક દૃષ્ટિ. निश्चय नय; वस्तु को परमार्थ से देखने की एक दृष्टि. the stand-ponit of viewing a thing in its reality. पिं० नि० १०५;

निच्छुयओ. अ. (निश्चयतस्) વાસ્તવ રીતે; પરમાર્થથી. वास्तविक रीति से; परमार्थ से. Really; truthfully. विशे० २८५; गच्छा० ८६;

√निच्छल. धा० I. (नि + छल्) છલ વિનાનો વ્યવહાર રાખવો; બહાર કાઢી દેખાડવું. छल रहित व्यवहार रखना; बहार निकालकर दिखलाना. To be straight-forward, to show by taking out.

निछलइ निसी० १, ८;

निछलंत. व० कृ० निसी० १, ८;

निच्छाया स्त्री० (निच्छाया) છાયા રહિત. छाया रहित. Without shade. भग० ६, ३३;

निच्छिउं. सं० कृ० अ० (निश्चित्य) નિશ્ચય કરીને निश्चय करके. Having decided सु० च० १, ३१६;

निच्छिऊण सं० कृ० अ० (निश्चित्य) નિશ્ચય કરીને निश्चय करके. Having resolved. सु० च० १, १९३;

निच्छिएण. त्रि० (निच्छिन्न) બીજાથી જૂદું કરેલ. दूसरे से पृथक् किया हुआ. Separated by other. विशे० २७३;

निच्छिएण. त्रि० (निस्तीर्ण) તરી પાર પામેલ. तैर कर पार पाया हुआ. (One) who has crossed. प्रव० ३०४; **—भवसमुद्द.** त्रि० (-भवसमुद्र) સંસાર સમુદ્ર તરી પાર પામેલ. संसार समुद्र को तैर कर पार पाया हुआ (one) who has crossed this ocean-like world प्रव० ३०६;

निच्छिद्द त्रि० (निश्छिद्र) જેમાં છિદ્ર ન હોય તે. जिस में छिद्र न हो वह. Without holes. भग० ७, १; सु० च० ६, ७५,

निच्छिय. त्रि० (निश्चित) નિશ્ચય કરેલ निश्चय किया हुआ; निश्चित Resolved; decided. सम० ११; **—मरणावत्थ.** त्रि० (-मरणावस्थ) જેણે મૃત્યુ દશાનો નિશ્ચય થયો છે તે. जिस को मृत्यु दशा का निश्चय हुआ हो वह. (one) who has decided that his death is coming. भत्त० १४;

निच्छीर. त्रि० (नि.क्षीर) દૂધ રહિત. दूध रहित. Milkless. प्रव० २४६; पन्न०१०, अणुजो० १४६;

निच्छुढ. त्रि० (*) કાઢી નાખેલું; વિખેરેલું. निकाल दिया हुआ; बिखेर दिया हुआ. Cast away; scattered. पण्ह० १, ३; पन्न० ३६;

√निच्छुभ. धा० I. (नि+क्षिप्) ફેંકવું. फेंकना. To throw.

निच्छुभइ. भग० १, ७; पन्न० ३५. तंदु०

निच्छुभए. विशे० ११७०;

निच्छुभ. पुं० (निच्छोभ) જુઓ "निच्छुभण" શબ્દ. देखो " निच्छुभण " शब्द. Vide. " निच्छुभण " पिं० नि० ३७३;

निच्छुभण. न० (निक्षोभन) સમુદાય માંથી દૂર કરવો; બહિષ્કાર કરવો. समुदाय में से दूर करना; बहिष्कार करना. Excommunicating. पिं० नि० ४८६; पिं० नि० ३७३;

निच्छुय. त्रि० (निच्छुत) સુખ સમાધિયુક્ત सुख समाधियुक्त. Possessed of happy contemplation भग० १२, १;

निच्छूढ. न० (निष्ठ्यूत) થૂંકવું. थूकना. Spitting. विशे० ५०१; नंदी० ३८; विवा० २; (२) નિક્ષિપ્ત; વિખરાયેલું; ફેલાવેલું निक्षिप्त, बिखरा हुआ; फैला हुआ scattered; stretched. पन्न० ३६;

निच्छोडणा. स्त्री० (निच्छोटना) હલકાઈ કરવી. हलकापन करना. Causing lightness. राय० २६६;

निच्छोडिअ त्रि० (निच्छोटित) લુંછી નાખેલું. पोंछ दिया हुआ. Wiped. पिं० नि० २७६;

निज. त्रि० (निज) પોતાનું. निजका; निजी. One's own. वव० ७, ३;

निजवग्ग. पुं० (निर्यामक) પાર પહોંચાડનાર; આરાધના કરનાર; આરાધક. पार पहुंचाने वाला; आराधना करने वाला; आराधक. (One) who conveys across; a devotee. ओघ० नि० २८;

√निजुंज. धा० I. (नि+युज्) જોડવું. जोडना. To join.

निजुंजए वि० दस० ८, ३५;

निजुत्त. त्रि० (नियुक्त) બરાબર ગોઠવેલું. बराबर व्यवस्थित किया हुआ; ठीक जमाया हुआ. Well, properly arranged. ओव० २३;

निज्जरट्ठ. न० (निर्जरार्थ) કર્મક્ષયને માટે. कर्म-क्षय के लिये. For the destruction of Karmas. दस० ६, ४, २, ३; प्रव० १०२;

निज्जरट्ठि. त्रि० (निर्जरार्थिन्) કર્મનો ક્ષય કરવાની ઇચ્છાવાલો. कर्मों के क्षय की इच्छा वाला. (One) desirous of destroying the Karmas. दस० ६, ४, २, ३;

निज्झरण. न० (निर्जरण) ઝરવું. झरना; Oozing; trickling राय० २२४;

निज्जरणा. स्त्री० (निर्जरण) કર્મની નિર્જરા. कर्म की निर्जरा. The decay or destruction of Karmas. क० गं० १, १५;

निज्जरत्थ न० (निर्जरार्थ) કર્મ ખપાવવા માટે. कर्म का क्षय करने के लिये. For the purpose of destroying Karmas. विशे० १६;

निज्जरा. स्त्री० (निर्जरा) એક દેશથી કર્મને દૂર કરવા તે; નવ તત્વમાંનું સાતમું તત્વ. कर्म क्षय; कर्मों को दूर करना; नौ तत्वों में से सातवां तत्व. Decay or destruction of Karmas; the 7th amongst 9 realities. पराह० २, १; भग० २, ५; ७, ३; ८, ६; उत्त० २८, १४; सम० ५; सू० प० २, ४, १२; ओघ० नि० भा० १४१; पिं० नि० ६७१; प्रव० ६८; ६८०; गच्छा० ४१; क० प० ७, ६६; —अपेहि. त्रि० (-अपेक्षिन्) નિર્જરાને ઇચ્છનાર. निर्जरा को चाहने वाला. (one) desirous of causing decay of Karmas आया० १, ८, ७, ५; उत्त० २, ३७;—करण न० (-करण) નિર્જરા કરવી તે निर्जरा करना. the act of causing decay of Karmas क० प० ७, ५५;

निज्जरिय त्रि० (निर्जीर्ण) નિર્જરા કરેલ. निर्जरा किया हुआ Destroyed; decayed. भग० ३, ३;

निज्जवग पुं० (निर्यापक) સંથારો નિર્વાહ કરાવનાર; સંથારો કરેલો હોય તેને સદુપદેશથી દૃઢ કરનાર. संथारे का निर्वाह कराने वाला; संथारा किया हुआ हो उसको सदुपदेश से दृढ करने वाला. (One) who advises other to be firm in observing Santhārā. भत्त० ४३;

निज्जवणा. स्त्री० (निर्यापना) નિર્ગમનરૂપે પ્રરૂપણા; જેમ ધૂમ હોવાથી અગ્નિની સ્થાપના निर्गमन रूप से प्ररूपणा; जैसे धूम होनेसे अग्नि की स्थापना. The conclusive statement e. g. to establish that there is fire on

the mountain by the presence of smoke thereon. विशे० २०३२;

निज्जवय. पुं० (निर्यापक) જે સર્વ પાલન કરી શકે એવા પ્રકારે પ્રાયશ્ચિત્ત આપનાર. जिन्हें सब पालन कर सकें ऐसे प्रायश्चित्त देने वाला. One who prescribes such an expiation which all can undertake. भग० २५, ७;

निज्जहित. व० कृ० त्रि० (परित्यजत्) ત્યાગ કરતું. त्याग करता हुआ. Abandoning पिं० नि० ६६१;

निज्जाण. न० (निर्याण) રાજા વગેરેને નિકળવાનો માર્ગ. राजा इत्यादि के निकलने का राजमार्ग. A road for kings etc. सू० प० ४; निसी० ८, २; (२) કર્મથી છુટવું તે; સંસારથી નિકળવું તે कर्म से छूटना; ससार से निकलना freedom from Karmas; salvation. आव० ४, ८; —कहा. स्त्री० (-कथा) રાજાની નગરથી નીકળવાની ધામધૂમની વાત-વર્ણન. राजा के नगर से निकलते-रवाना होते समय की धूमधाम की वात-वर्णन. a story of the procession at the time of the departure of a king. ठा० ४, २; —गिह. न० (-गृह) નીકળવાનું ઘર. निकलने का मकान the house of departure. निसी० ८, २; —मग्ग. पुं० (-मार्ग) નીકળવાનો રસ્તો निकलने का मार्ग exit जं० प० ५, ११७, ११८; राय० ७१; नाया १; (२) કર્મથી છુટવાનો માર્ગ. कर्म से छूटने का मार्ग. the path to be free from Karmas आव० ४, ८;

निज्जामय त्रि० (निर्यामक) મુખ્ય ખલાસી. जहाज को चलाने वाला; नाविक; मुख्य पुरुष; The captain of a ship. विशे० ११४५; २६५६; भत्त० १८; (२) સંથારો કરનારની પરિચર્યા-સેવા કરનાર સાધુ. संथारा करने वाले की परिचर्या-सेवा करने वाला साधु an ascetic who serves (one) who is performing self death. प्रव० १७; ६३७;

निज्जावग. पुं० (नियमिक) જુઓ "निज्जवग" શબ્દ देखो "निज्जवग" शब्द. Vide "निज्जवग" सथा० १०८;

निज्जावियार. त्रि० (निर्यापयितृ) નિર્વાહ કરનાર; પાર પાડનાર. निर्वाह करनेवाला; पार लगाने वाला Sustainer; (one) who conveys across. प्रव० ५५२;

निज्जिऊण अ० (निर्जित्य) જીતીને. जीत कर Having conquered. सु० च० २, ३८२;

निज्जिन्न. त्रि० (निर्जीर्ण) દૂર કરેલ; નિર્જરેલુ. दूर किया हुआ; त्याग किया हुआ. Cast aside; abandoned. उत्त० २६, ७१; कप्प० २, १७;

निज्जिय त्रि० (निर्जित) જીતેલ. जीता हुआ. Conquered उत्त० ३३, ३५; ओव०

निज्जीव पु० (निर्जीव) જીવ ન હોય તેવી રીતે નિશ્ચેષ્ટ બની મુવેલા જેવો દેખાવ કરવાની કલા. प्राण न हों ऐसे निश्चेष्ट बन कर मृतक सा दिखाने की कला. The art of showing oneself like a dead man नाया० १; ओव०

निज्जुति. स्त्री० (निर्युक्ति) સૂત્રના અર્થની વિશેષરૂપે યુક્તિ લગાડી ઘટના કરવી તે; નિક્ષેપ ઉપોદ્ઘાત અને સૂત્રસ્પર્શિક એમ ત્રણ પ્રકારની નિર્યુક્તિ. सूत्र के अर्थ की विशेष रूप से युक्ति लगाकर घटना करना, निक्षेप, उपोद्घात और सूत्रस्पर्शिक इस तरह ३ प्रकार की निर्युक्ति The explanation of the meaning of a Sūtra

by bringing out its special propriety; three kinds of Niryukti. अणुजो० १४९; सम० प० १६८; भग० २५, ३; पिं० नि० १; विशे० १०७०; (२) સૂત્રના અર્થની યુક્તિ દર્શાવનાર વાક્ય વા ગ્રન્થ. सूत्र के अर्थ की युक्ति दर्शाने वाला वाक्य वा ग्रंथ. a sentence or book showing the propriety of the meaning of a Sūtra. ओघ० नि० १; नंदी० ४५;

निज्जूढ. त्रि० (निर्यूढ) શાસ્ત્રમાંથી સારાંશ તારવી કાઢેલ शास्त्र से सारांश छांट कर निकाला हुआ. Extracted; selected purport from a scripture. भग० १, ६; (२) અમનોજ્ઞ अमनोज्ञ. not beautiful. ओघ० नि० ५४८;

निज्जूहण. न० (निर्यूहन) ગચ્છ બ્હાર મુકવું તે. गच्छके बाहर रखना. Excommunicating from an order. प्रव० १६१;

निज्जूहणा. स्त्री० (निर्यूहणा) વિશેષ રચના. विशेष रचना Special arrangement. विशे० ५५१; (२) નક્કી કરવું. निश्चित करना. resolving. ओघ० नि० भा० २६६;

निज्जूहियव्वय. त्रि० (निर्यूहितव्य) નિષેધ કરવા જેવું. निषेध करने योग्य. Fit to be prohibited or contradicted. वेय० ४, २५;

निज्जोग. पुं० (निर्योग) ઉપકરણ. उपकरण Means; instrument. पिं० नि० भा० २६;

निज्जोय पुं० (निर्योग) યોજવું તે. योजना. Arrangement. भग० ६, ३३;

निज्झर. पुं० (निर्झर) પાણીનાં ઝરણ. जल के झरने-प्रवाह. Currents or springs of water. अणुजो० १३०; भग० ५, ७; जं० प० १, १०;

निज्झाइ. त्रि० (निर्ध्यायिन्) વારંવાર જોવાની ટેવવાળું. बारबार देखने की आदत वाला. (One) who habitually sees often. आया० १, ५, ४, १५७;

निज्झाइत्तार. त्रि० (निर्ध्यातृ) ધ્યાન કરનાર; એકાગ્રપણે ચિંતવન કરનાર. ध्यान धरनेवाला; एकाग्रतासे चिंतवन करनेवाला. Concentrator; contemplator. सम० ६; उत्त० १६, ४;

निज्झायमाण. व० कृ० त्रि० (निर्ध्यायमान) ધ્યાન કરતો. ध्यान धरता हुआ ध्यानस्थ. (One) contemplating or concentrating. भग० १०; १;

निज्झोसइत्तार. त्रि० (निर्झोषयितृ) કર્મનો ક્ષય કરનાર. कर्म का क्षय करनेवाला. The destroyer of Karma. आया० १, ३, ३, ११७;

निट्टविअ. त्रि० (निष्ठापित) દૂર કરેલ; ક્ષય કરેલ. दूर किया हुआ; क्षय किया हुआ. Set aside; destroyed. प्रव० २१६; गच्छा० ४२;

√**निट्ठा.** धा० I (नि+स्था) સમાપ્તિને પામવું समाप्ति को प्राप्त होना. To come to an end or completion. निट्ठार. विशे० ६२७;

निट्ठा. स्त्री० (निष्ठा) ભક્તિ. भक्ति. Devotion सु० च० १, १७८; (२) સિદ્ધિ; સમાપ્તિ सिद्धि; समाप्ति. completion; accomplishment. क० गं० २, ७; (३) નિશ્ચયકારી ભાષા. निश्चयकारी भाषा. a decisive speech. आया० २, ४, १, १३२; —जणिय. त्रि० (-जनित) સમાપ્તિથી થયેલ. समाप्ति से बना हुआ. produced from completion. क० प० ७, ५५; —भासि. त्रि० (-भाषिन्)

निश्चय कारी वचन બોલનાર निश्चयात्मक वचन बोलने वाला. (one) who speaks after deciding. आया० २, ४, १, १३२;

निट्ठाण न० (निष्ठान) દહિં વગેરે ખાદ્ય વસ્તુ दहीं आदि खाद्य पदार्थ. Eatables e g curds etc. दस० ८, २२;

निट्ठाण त्रि० (नि स्थान) સ્થાન રહિત स्थान रहित Without a place विवा० ३;

निट्ठाणग. न० (निष्ठानक) જુઓ "निट्ठाण" શબ્દ. देखा "निट्ठाण" शब्द Vide. "निट्ठाण" पराह० २, ५,

निट्ठिक त्रि० (नैष्ठिक) ધર્મની પરાકાષ્ઠા યુક્ત. सर्व धर्म पर्यंत वर्ति; धर्म की पराकाष्ठा को प्राप्त किया हुआ. (One) reaching the highest point in religion पराह० २, ३;

निट्ठिय त्रि० (निष्ठित) નિષ્ઠા પામેલ; સમાપ્ત કરેલ निष्ठा पाया हुआ; समाप्त किया हुआ. Firm; devoted to; completed (२) સિદ્ધ કરેલ. નિપજાવેલ. सिद्ध किया हुआ, पैदा किया हुआ. produced. आया० १, ५, ६, १६८; ओव० ४३; जं० प० वेय० ७, १६, नव० ६, १; (३) સારી રીતે રધાયેલુ. बराबर बना हुआ; अच्छी तरहसे पका हुआ. well cooked, prepared, completed पिं० नि० १६१,१७०, राय०२७५. नव० १,२३; भग० ६, १. ७. —कड त्रि० (-कृत) નિષ્ઠા પામે તેવી રીતે કરેલ. अच्छी तरह से किया हुआ well done पिं० नि० १७१, —ट्ठ त्रि० (-अर्थ) જેનુ પ્રયોજન સિદ્ધ થયુ છે તે. ઇષ્ટાર્થની સિદ્ધિ મેળવનાર जिसका प्रयोजन सिद्ध हुआ है वह; इष्टार्थ की सिद्धि को प्राप्त करने वाला (one) whose desires or purposes are fulfilled. भग० २, १; आया० १, ६, ४, १९३;

निट्ठीवण न० (निष्ठीवन) થૂંકવું. थूंकना. Spitting प्रव० ४३८,

निट्ठुर. त्रि० (निष्ठुर) ધીઠાઇ કરનાર; ક્રૂર. ढिठाई करने वाला; निष्ठुर; क्रूर. Cruel; obstinate, haughty. निसी० ८, ५;

निडाल. न० (ललाट) ભાલ; કપાલ. भाल; कपाल. Forehead: भग० ३, १, सु० च० १, ३७१, ७, १२०; पग्ग० १, ३; निर० १, १; उवा० २, ९४; ९९;

निराग. त्रि० (निम्न) નીચે: ગભીર; ઉંડુ. नीचा. गंभीर; गहरा Low; deep सू० प० १०; —उराणय. त्रि० (-उन्नत) ઉંચુ નીચુ. ऊंचा नीचा high and low. भग० ७, ६;

निराहग. पुं० (निन्हावक) તત્વને છુપાવનાર; निन्हव तत्वको छिपाने वाला,' निन्हव. A heretic ओघ० नि० भा० ४०.

निराहय. त्रि० (निन्हवक) તત્વને છુપાવનાર; निन्हव तत्वको छिपाने वाला, निन्हव A heretic, (one) who conceals the truth. ओव० ४१,

√निराहव. धा० I (नि+न्हव) છુપાવવુ, સતાડવુ. छिपाना; गुप्त रखना. To conceal, to hide

निराहविज्ज वि० उत्त० १, ११:

निराहव. पुं० (निन्हव) જૈન દર્શનથી અધિક અથવા વિપરીત વદનાર: સત્ય બાતને છુપાવનાર. जैन दर्शन से अधिक अथवा विपरीत बोलने वाला; सत्य बातको गुप्त रखने वाला. A Heretic, (one) who opposes Jainism or conceals the truth. विशे० २२९७;

नितिक. त्रि० (नैत्यिक) નિત્યનુ: રોજનું.

दैनिक; नित्यका; हमेशाका. Daily, diurnal. पराह० २, ५;

नित्त. न० (नेत्र) नेत्र; આંખ. नेत्र; आंख. An eye. आया० १, ४, ३, १३८;

नित्तुस. त्रि० (निस्तुष) નિર્મલ; ફોતરા-વિનાનું. निर्मल; छिलके रहित. Pure; without husk or chaff. पराह० २, ४;

नित्तेज. त्रि० (निस्तेजस्) તેજ વિનાનું. तेज रहित; निस्तेज. Lack-lustre; lustreless. विवा० २;

नित्तेय. त्रि० (निस्तेजस्) તેજહીન; ઝાંખું. तेज हीन; निस्तेज. Lack-lustre; splendourless. निर० १, १; भग० ६, ३३;

नित्थरियव्व. त्रि० (निस्तरितव्य) પાલન કરવા જેવુ. पालन करने योग्य. Fit to be fulfilled. सु० च० ४, ३१२;

नित्थारणा. स्त्री० (निस्तारणा) ધારેલ કામને પાર પાડવું તે. सोचे हुए कार्य को पार लगाना. Completing an act which is thought over: fulfilment. जं० प०

नित्थारिय. त्रि० (निस्तारित) કાઢેલું, બહાર કરેલું. निकाला हुआ; बाहर किया हुआ; प्रकट किया हुआ. Cast out; revealed; thrown away. भग० २, १;

√**निदंस** धा० II. (नि+दृश) દેખાડવુ. दिखाना. To show

निदंसइ. भव० १६, ६;

निदंसिज्जस्संति. क० वा० भ० सम० प० १७०;

निदंसिअ. त्रि० (निदर्शित) દેખાડેલું; બતાવેલું. दिखलाया हुआ; बताया हुआ. Shown; related. अणुजो० १६;

निदा. स्त्री० (निदा) સમજણપૂર્વક વેદના વેદવી તે. ज्ञान पूर्वक सहन की जाने वाला एक प्रकार की वेदना. Sensing of a feeling with understanding. भग० १६, ५; पन्न० ३५;

निदाअ. अ० (निदाय) લઈને; ગ્રહણ કરીને; પ્રાપ્ત કરીને. लेकर; ग्रहण करके; प्राप्त करके. Accepting; taking. सूय० २, ४, ४;

निदाण. न० (निदान) કારણ; મૂલ. कारण; मूल. Reason; origin. विशे० १०५३;

निदाय. पुं० (निदाघ) ઉન્હાળો. गरमी का मौसम; ग्रीष्म ऋतु. The summer season. जं० प० ७, १५२; ओघ० नि० भा० २३७; जीवा० ३, १;

निद्दमुक्ख. पु० (निद्रामोक्ष) ઉઠવું; નિદ્રા છોડવી તે; જાગવું તે. उठना; निद्रा का त्याग करना; जागना. To wake up. उत्त० २६, १८;

निद्दय. त्रि० (निर्दय) દયા વિનાનો. दया रहित. Cruel. पिं० नि० ३६०;

निद्दारसण. न० (निदर्शन) દાખલો; દૃષ્ટાંત. उदाहरण; दृष्टांत. Illustration. पिं० नि० १७६;

निद्दा. स्त्री० (निद्रा) નિદ્રા; ઉંઘ; દર્શનાવરણીય કર્મની એક પ્રકૃતિ. निद्रा; सामान्य निद्रा; दर्शनावरणीय कर्म की एक प्रकृति. Sleep; ordinary sleep; a variety of sight-obscuring Karma. सम० ६; सु० च० ३, १८४; उत्त० १७, ३, ३३, ५; अणुजो० १२७; दस० ८, ४२; क० गं० १, ११; ४, १३; ६, १२; प्रव० ४६७, १२६८; कप्प० ४, ३६; —(द्द) दुग. न० (-द्विक) નિદ્રા અને પ્રચલા. निद्रा और प्रचला. sleep and drowziness. क० प० २, ३२; क० गं० २, ६; २०; —पंचग न० (-पञ्चक) નિદ્રા, નિદ્રાનિદ્રા, પ્રચલા, પ્રચલાપ્રચલા, થિણદ્ધિ નિદ્રા એ પાંચ નિદ્રા. निद्रा, निद्रानिद्रा, प्रचला, प्रचला-प्रचला, थिणद्धि निद्रा ये पांच निद्राएं. sleep

deep sleep, drowziness and drowziness and Thinadhi Nidrā क० प० ४, ५१; —पयला. स्त्री० (-प्रचला) निद्रा અને પ્રચલા; સુખે જાગે તે નિદ્રા અને બેઠા બેઠા ઉંઘે તે પ્રચલા. निद्रा व प्रचला; सुख मे जागृत रहना वह निद्रा और बैठे २ ऊंघना वह प्रचला. sleep and drowziness. क०प० ४, १८, ७०; प्रव० १२६८;

√**निद्दाअ-य.** धा० I. (निद्रा) નિદ્રા કરવી; ઉંઘવું. निद्रा लेना; सोना. To sleep.

निद्दाएज्ज. विधि० भग० ५, ४;

निद्दायित्तए हे० कृ० वेय० १, १६;

निद्दायमाण. व० कृ० भग० ५, ४; दसा० ७, १;

निद्दानिद्दा. स्त्री० (निद्रानिद्रा) ગાઢ નિદ્રા; દર્શનાવરણીય કર્મની એક પ્રકૃતિ अति गाढ निद्रा; दर्शनावरणीय कर्म की एक प्रकृति. A deep sleep; a variety of sight-obscuring Karma उत्त० ३३, ५. ठा० ६, १; अणुजो० १२७; सम० ६; क० ग० १, ११,

निद्दारित त्रि० (निर्दारित) ફાડેલ; વિદારેલ फाडा हुआ; विदारित. Torn; rent पराह० १, ३;

निद्दिट्ठ. त्रि० (निर्दिष्ट) કહેલું, બતાવેલું. कहा हुआ, बताया हुआ Pointed out; related. कप्प० २, १५, प्रव० ८३; विशे० १३; ४८; १५११; (२) पुं० પહેલી નરકનો મેરુથી દક્ષિણ તરફનો એક નરકાવાસો. (२) पुं० प्रथम नरक के मेरु स दक्षिण तरफ का एक नर्कावासा. a hellish-abode to the south of Meru of the 1st hell ठा० ६, १;

निद्दुक्ख. त्रि० (निर्दुःख) દુખ રહિત दुःख रहित. Free from sorrow. प्रव० १४७७;

निद्देस. पुं० (निर्देश) નિર્દેશ; આજ્ઞા. निर्देश; आज्ञा. Command; order. (२) બતાવવું. बताना showing. भग० ३, १; ७; अणुजो० १२९; आया० १, ५, ६, १६९; ठा० ८, १; विशे० ९७५; १५२६; —वत्ति. त्रि० (-वर्तिन्) આજ્ઞાકારી, તાબેદાર. आज्ञाकारी; ताबेदार, obedient; servant. दस० ६, २, १५, २४;

निद्दोस. त्रि० (निर्दोष) દોષ રહિત, શુદ્ધ; નિર્મલ. दोष रहित, शुद्ध, निर्मल. Faultless; pure. अणुजो० १२८; ठा० ७, १;

निद्ध. त्रि० (स्निग्ध) ચિકણું; ચિકાસવાળુ चिकना; चिकनाहटवाला Smooth. (२) पुं० સ્નેહ; ચિકાશ स्नेह, चिकनापन love कप्प० ३, ३४; ४, ६५; क० प० २, ८९, ४, ५०, प्रव० १४१; आया० १,५,६, १७०. २, १, ५, २६; भग० ८, ६; विशे० ३०८; दसा० ३, ६१; पिं० नि० १८८; जीवा० १, उत्त० ३३, ४; ३६, २०; सम० ३३, सु० च० ३, १२४, भत्त० १५७, —सम. त्रि० (-सम) સ્નિગ્ધ-સ્પર્શની બરાબર स्निग्ध-स्पर्श के समान like oily touch. क०प० २, ८६,

निद्धंत त्रि० (निध्मात) અગ્નિમાં નાખી શોધેલ अग्नि मे डालकर शुद्ध किया हुआ. अग्निप्लुत; जलाया हुआ Burnt; reduced to ashes; purified in fire. उत्त० २५, २१;

निद्धंधसत्त न० (*) નિર્દય પણું. निर्दयता, क्रूरता. Cruelty सु० च० १३, ७७.

निद्धमण. पुं० (निर्धमन) નાળી, ખાળ મોરી. नाली, मोरी Gutter, cess pool जीवा० ३, ३; ओघ० नि० ४६६; पन्न० १; कप्प० ४, ८८,

निद्धया स्त्री०(स्निग्धता) સ્નિગ્ધતા; ચીકાશ. स्निग्धता; चिकनाहट Oiliness. भग० ८, ९; नाया० १०;

निद्धाइत्ता. सं०कृ०अ० (निर्द्धाव्य) નીકળીને; દોડીને. निकलकर; दौड़कर. Having come out; run out. भग० ७, ६;

निद्धूम. त्रि० (निर्धूम) ધૂમાડા વગરનું. धुएं से रहित. Smokeless. ओव० १०;

निद्धूमग. त्रि० (निर्धूमक) ધુમાડાથી રહિત. धुए से रहित. Smokeless. विशे० २०६४;

निद्धूय त्रि० (निर्द्धूत) દૂર કરેલ. दूर किया हुआ Shaken off ओव०

निद्धोय. त्रि० (निर्धौत) ધોઇ નાખેલ. धो डाला हुआ. Washed. क० प० १, १;

निधण. न० (निधन) મૃત્યુ; અવસાન मृत्यु; मौत. Death पण्ह० १, १, २; पन्न० १,

निधण त्रि० (निर्धन) ધન રહિત. निर्धन, धन हीन. Poor, penniless. विवा० ३,

निधत्त. न० (निधत्त) ઉદ્વર્તન અને અપવર્તન સિવાય કોઈ કારણથી ફેરફાર ન થાય એવી રીતે કર્મને બાંધવુ તે; કર્મના બંધનો એક પ્રકાર. उद्वर्तन व अपवर्तन के सिवाय अन्य किसी भी कारण से विकार न हो इस प्रकार कर्म का बन्धन करना; कर्म बंधन का एक प्रकार. Binding of Karmas in such a manner that they do not change except by Udvartana and Apavartana. ठा० ८, २; ८, १;

√निधा धा० I. (नि+धा) ધારણ કરવું. धारण करना. To bear, to put on.

निहे. दस० १०, १; ८;

निहावए. प्रे० त्रि० दस० १०, १, ८,

निनाद. पुं०(निनाद) શબ્દ. शब्द. Sound ओघ० नि० ८६; भग० ७, ६;

निन्न. त्रि० (निम्न) નીચું. नीचा. Lower; following. उत्त० १२, १२; दसा०६, १;

निन्नअ. त्रि० (निम्नक) નિચલો. नीचे का Lower. विवा० ३;

निन्नगा. स्त्री० (निम्नगा) નદી. नदी A river. पण्ह० २, ४;

निन्नय. पुं० (निर्णय) નિશ્ચય; સંશયનો અભાવ निश्चय; संशय का अभाव. Decision; resolution विशे० ३१७;

निन्नया. स्त्री० (निम्नगा) નદી. नदी A river. विशे० १०२७; भत्त०११६;

√निन्हव धा० I (नि+न्हव) ગોપવવું; છુપાવવું. गुप्त रखना; छिपाना. To hide; to conceal.

निन्हवे. वि० दस० ८, ३२;

निन्हवण. न० (निन्हव) ગોપવવું; છુપાવવું. गुप्त रखना. छिपाना. Concealment; hiding विवा० २;

निपच्चक्खाण. त्रि० (निष्प्रत्याख्यान) જેને કોઇ જાતનું પચ્ચક્ખાણ-ત્યાગ નથી તે जिस को किसी तरह का पच्चक्खाण-त्याग नहीं है वह One who has no vows. भग० ७, ६; दसा० ६, ४. —**पोसहोववास.** त्रि० (-पौषधोपवास) જેનો કોઈ જાતનો ત્યાગ નથી તેમ જે કદી પોષો કે ઉપવાસ કરતો નથી તે जिस को किसी तरह का त्याग नहीं है, अर्थात् जो कभी पोषा या उपवास नहीं करता है वह. one who has no vows such as fasting etc भग०७, ६; दसा० ६, ४;

√निपड. धा०I. (नि + पत्) પડવું. पडना. To fall.

निवडइ. उत्त० १०, १;

निवडंत. व० कृ० सु० च० १, २७२;

√नि-पड. धा० I. (नि+पत्) પડવું पडना.

To fall.

निवयंति. राय० १८३;

निवइंसु. भू० आया० १, ५, ३३.

निवयमाण. व० कृ० भग० ५, ४

√नि-पड. धा० I. (नि+पत्) પ્રાણાતિ-પાત-હિંસા કરવી. प्राणातिपात-हिंसा करना. To kill; to injure.

निवातएज्जा. प्रे० विधि० सूय० १, ७, ६;

√नि-पड. धा० I (नि-पत्+णिच्) હિંસા કરવી; મારવું. हिंसा करना; मारना. To kill; to injure

निवायए. प्रे० सूय० १, १, १, ३:

निवायएज्जा प्रे० व सूय० १, ७, ६;

निपातिणी स्त्री० (निपातिनी) સન્મુખ પડતી શિલા. सन्मुख गिरती हुई (शिला). (A stone) falling in front. "सिलाहि हम्मान्ति निपातिणीहिं" सूय० १, ५, २,६;

निपुण त्रि० (निपुण) ચતુર, નિપુણ. चतुर; निपुण. Clever, adept भग० १६, ३;

निपूर पुं० (निपूर) નંદી વૃક્ષ; પીપલની એક જાત. नंदी वृक्ष. पीपल की एक जाति The Nandī tree; a species of Pipal tree आया० २, १, ८, ४५;

निप्पंक. त्रि० (निष्पङ्क) કલંક કે ડાઘવિનાનું, શુદ્ધ. कलंक या दाग रहित; शुद्ध. Stainless; pure. जं० प० भग० २, ८,

निप्पकंप. त्रि० (निष्प्रकम्प) નિશ્ચલ; સ્થિર. निश्चल; स्थिर. Steady, motionless पराह० २, ५; सम० २१, ओव० २१;

निप्पगल त्रि० (निष्प्रगल) બીલકુલ ન ટપકે તેવું. बिलकुल न टिपकने वाला. That which cannot ooze out at all. ओघ० नि० भा० ३४;

निप्पच्चक्खाण त्रि० (निष्प्रत्याख्यान) પ્રત્યાખ્યાનથી રહિત. प्रत्याख्यान से रहित Free from a vow. भग० ७, ९;

निप्पच्चवाय. त्रि० (निष्प्रत्यवाय) વિઘ્ન રહિત. विघ्नरहित Free from obstructions. भत्त० २४;

निप्पट्ठ त्रि० (नि.पृष्ट) જેમાં ફરી પુછવાનું ન રહે તેવું; અતિસ્પષ્ટ. जिसमें पुनः पूछने का न रहे ऐसा; अतिस्पष्ट. Very clear; lucid. उवा० ६, १७४; ७, २१६;

निप्पडिकम्म. त्रि० (निःप्रातिकर्मन्) પ્રતિકર્મ-સંભાલ-સારવાર-ચિકિત્સા વિનાનું. प्रतिकर्म-संभाल-चिकित्सा हीन. Without remedy. प्रव० ६३०; —**सरीर.** त्रि० (-शरीर) શુશ્રૂષા-સારસંભાલ વિનાનું શરીર છે જેનું તે. शुश्रूषा-सालसम्हाल हीन शरीर वाला. (one) whose body is without nursing. प्रव० ५३०;

निप्पडिकम्मया. स्त्री० (निष्प्रतिकर्मता) ઉપાયનો અભાવ; ચિકિત્સાદિનો અભાવ; શુશ્રૂષા ન કરવી તે. उपाय का अभाव; चिकित्सादि का अभाव; शुश्रूषा का न करना. Want of treatment or administration. उत्त० १६.७६; सम० ३२;

निप्पडियार. त्रि० (निष्प्रतिकार) પ્રતિકાર-ઉપાય રહિત. निरुपाय. Without remedy. पराह० १, १;

निप्पडिवयण. त्रि० (निष्प्रतिवचन) જે ઉત્તર ન આપી શકે તે. उत्तर न दे सकने वाला. (One) who cannot reply सम० ३४;

निप्पत्ति. स्त्री० (निष्पत्ति) સિદ્ધિ. सिद्धि. Attainment. प्रव० ६०७, १२३७, पचा० १८, २२;

निप्पन्न. त्रि० (निष्पन्न) તૈયાર થયેલું; બનાવેલું. तैयार, बनाया हुआ Made ready; created. प्रव० ५१०; कप्प० ४, ६६;

निप्परिग्गह. त्रि० (निष्परिग्रह) પરિગ્રહ

रहित. परिग्रह रहित. Possessionless. "निन्नेहानिप्परिग्गहा" उत्त० १४; ४६;

निप्पाइऊण. अ० (निष्पाद्य) કરીને; બનાવીને. करके; बनाकर. Having done; produced. सु० च० १, १८५;

निप्पाण. त्रि० (निष्प्राण) પ્રાણથી રહિત; મરેલ. प्राण राहित; मृत. Lifeless; dead. निर० १, १,

निप्पाव. न० (निष्पाव) ધાન્ય વિશેષ; ચોળા. चौला-धान्य विशेष Pea; a kind of corn. भग० ६, १०; प्रव० १०१६;

निप्पाविय. त्रि० (निष्प्रावित) તૈયાર કરેલું. तैयार किया हुआ. Prepared. जीवा० ३, ३;

निप्पिट्ठ त्रि० (निष्पिष्ट) સારી રીતે વાટેલું. अच्छी तरहसे पीसा हुआ Well pounded. पिं० नि० ६२;

निप्पिवास. त्रि० (निष्पिपासा) પિપાસા-તૃષ્ણા રહિત; નિષ્કામ. નિસ્પૃહી. पिपासा-तृष्णा राहित; निष्काम; निःस्पृही. Free from thirst, desires; disinterested. उत्त० १६, ४४; पराह० १, १.

निप्पिह. त्रि० (निःस्पृह) નિસ્પૃહ; પૃચ્છા રહિત निःस्पृह; इच्छा रहित. Free from desires. गच्छा० ५७;

निप्पुलाअ. पु० (निष्पुलाक) જંબૂદ્વીપના ભરતખંડમા થનાર १४ મા તીર્થંકરનું નામ. जंबूद्वीप के भरतखंडमें होनेवाले १४ वें तीर्थंकर The 14th Tīrthankara to be born in Bharatakhanda of Jambūdvīpa. सम० प० २४१, प्रव० २६६;

निप्फंद त्रि० (निष्पन्द) અંગના ફરકવા વિનાનો, હલન ચલનાદિ ક્રિયા રહિત स्पद-अंगकी अस्थिरता रहित; शान्त Motionless, still "तहिं तहिं निचलं निप्फंद" नाया० ४; अंत० ६, ३; कप्प० ४, ६१; उवा० ७, २१६;

निप्फरण. त्रि० (निष्पन्न) ઉત્પન્ન થયેલ. उत्पन्न. Born अणुजो० १३०; १३२; १३३;

निप्फत्ति. स्त्री० (निष्पत्ति) ઉત્પત્તિ. उत्पत्ति. Origin. विशे० ७; भत्त० ७६; पंचा० १४, ३;

निप्फन्न. त्रि० (निष्पन्न) તૈયાર થએલ. तैयार. Ready. पिं० नि० भा० १; ओघ० नि० ६८१;

निप्फाइय. त्रि० (निष्पादित) ઉત્પન્ન કરેલ उत्पन्न किया हुआ. Produced "निप्फाईया य सीसा" आया० नि० १, ८, १, २७०; —**निप्फन्न.** न० (-निष्पन्न) સારી રીતે તૈયાર કરેલ. अच्छी तरहसे तैयार किया हुआ prepared well. पिं० नि० २३१;

निप्फायग. त्रि० (निष्पादक) બનાવનાર; ઉત્પન્ન કરનાર बनाने वाला; उत्पन्न करने वाला. Producer; creator. विशे० ४८३;

निप्फाव पु० (निष्पाव) ધાન્ય વિશેષ, વાલ. धान्य विशेष, वाल A particular seed. दसा० ६, ४, जं० प० सूय० २, २, ६३. भग० ६. ७; २१, २; (२) માસાના ત્રીજા ભાગ જેટલું એક તોલ. मासा के तीसरे हिस्से जितना एक वजन a third part of a Masā (a particular weight.) अणुजो० १३३;

निप्फावय. पुं० (निष्पावक) વાલ; ધાન્ય વિશેષ वाल; धान्य विशेष. A kind of pulse. जं० प०

निप्फेडण न० (निष्फोटन) હેરાનગતિ. सताप. आफत. Distress. गणि० ६,

√**निबंध** धा० I. (नि+बन्ध्) બાંધવું. बांधना To tie

निबंधई. उत्त० २९, ४;

√निबंध. धा० I (नि+बन्ध्) બાંધવું. बांधना. To bind.

निबज्झंति. सु० च० २, ३२४;

निबंध. पुं०(निबंध) નિશ્ચય. निश्चय. Resolution. (२) આગ્રહ. आग्रह persuasion. ओघ० नि० भा० ६०; विशे० १८७७;

√निबिडीकुण. धा० I. (निबिड+कृ) મજબૂત કરવું दृढ करना To harden. "आजिबिडं निबिडं करोतीति"

निबिडी कुणइ. सु० च० ७, ७८;

निबोलिज्जमाण. व० कृ० त्रि० (निबुड्यमान) ડુબતો. डूबता हुआ. Drowning. पराह० १, ३;

निब्बंध पुं० (निर्बन्ध) આગ્રહ. आग्रह Persuasion. पिं० नि० ३६९.

निब्बुड. त्रि० (निर्ब्रूडित) પાણીમાં ડુબેલ जलमें डूबा हुआ Drowned. पिं० नि० ५०५;

निब्भंछणा स्त्री० (निर्भर्त्सना) ડરામણી; તિરસ્કાર. डर दिखाना; तिरस्कारयुक्त वचन. Frightening; reproaching. राय० २६६;

निब्भंजण न० (निर्भञ्जन) પુરી પક્વાન વગેરે તળી લીધા પછી અવશેષ રહેલ, બચેલ ઘી; દગ્ધ धृत. पूरी पक्वान इत्यादि को भूंजने के बाद शेष बचा हुआ घी; दग्ध घृत. Boiled ghee which remains after something is fried in it. प्रव० २३१;

निब्भच्छण. न० (निर्भर्त्सन) તિરસ્કાર કરવો; ડરાવવું तिरस्कार करना; डराना. Reproaching; insulting पराह० १, ३; पिं० नि० २१०, गच्छा० ४४;

निब्भय त्रि० (निर्भय) ભયરહિત; ભય વિનાનું. भय रहित; निर्भय. Fearless; dauntless. विशे० २५३६; सु० च० ५, ४०; विवा० २;

निब्भर त्रि० (निर्भर) વ્યાપ્ત. व्याप्त. Occupied. भत्त० ११८;

निब्भाइत्ता. स० कृ० (निभाळयित्वा) જોઈને. देखकर. Having seen भग० १५, १;

निब्भिज्जमाण. व० कृ०त्रि० (निर्भिद्यमान्) અતિશયપણે ભેદાતુ अत्यन्त भिदा हुआ; विशेष रूपसे छिन्न. Pierced excessively. जीवा० ३, ४;

निबद्ध त्रि० (निबद्ध) બાંધેલું; રચેલું; ગોઠવેલું. बधा हुआ; रचा हुआ; जमाया हुआ. Tied; arranged. नंदी० ४५; पिं० नि० ३३१; राय० ९५; क० गं० १, ३६; सम० प० १६९;

निभ त्रि० (निभ) સમાન; તુલ્ય; બરાબર. समान; तुल्य, बराबर. Like; similar to; equal to. उत्त०३४, ४: ओव० १०; राय० ६६;

निभिदिज्जमाण त्रि० (निर्भिद्यमान) ભેદાતુ. भेदित होता हुआ. Being divided. राय० ५६;

√निमंत धा० I (नि+मन्त्र्) નિમંત્રણ કરવું. निमत्रण करना; बुलाना. To invite.

निमंतए. ओघ० नि० ५२५; दस० ५, १, ३७;

निमंतिज्जा वि० आया० १, ७, १, १६७;

निमंतयंत. व० कृ० उत्त० १४, ११;

निमंतेमाणा आया० २, १, ३, २१;

निमंतण. न० (निमंत्रण) નિમંત્રણ; આમંત્રણ; નોતરૂં. निमन्त्रण; आमन्त्रण; न्यौता Invitation. उत्त० २, ३८; प्रव० १३०; पिं० नि० १७९; —वत्थ. न०(-वस्त्र)निमंत्रित थयेलुं वस्त्र. निमंत्रित वस्त्र. an invited garment. निसी० १५, ३४;

निमंतणा. स्त्री॰ (निमंत्रणा) આમંત્રણ. आमन्त्रण. Invitation. प्रव॰ ७६७; पंचा॰ १२, २;

निमंतिश्र. त्रि॰ (निमन्त्रित) નિમંત્રણ દીધેલ; નોતરેલ. निमंत्रित; निमंत्रण दिया हुआ. Invited. सु॰ च॰ ७, २७८;

निमग्ग. त्रि॰ (निमग्न) ડુબેલ डूबा हुआ. Plunged; sunk. सु॰ च॰ १, ३६६; पराह॰ १, ३;

निमग्गजला. स्त्री॰ (निमग्नजला) તિમિસ ગુફાને મધ્યભાગે આવેલી એક નદી, કે જેના પાણીમાં પડતી કલેવર વગેરે વસ્તુ ડુબી જાય છે. तिमिस गुफा के मध्यभाग में आई हुई एक नदी कि जिस के जल में गिरती हुई शव आदि वस्तु डूब जाती है. A river in the middle of Timisa cave in which any object thrown such as a corpse etc. sinks. जं॰ प॰

√निमज्ज. धा॰ I. (नि+मज्ज) ડૂબવુ. डूबना. To plunge in water.

निमज्जंति. पराह॰ २, २;

निमज्जिउ हे॰ कृ॰ उत्त॰ ३२, १०५;

निमज्जक. त्रि॰ (निमज्जक) સ્નાન કરતાં પાણીમાં ડુબકી મારી થોડો વખત પડી રહેનાર તાપસ, તાપસની એક જાત. स्नान करते हुए पानी में डुबकी मार कुछ समय तक भीतर रहने वाला तापस, तापस की एक जाति. An ascetic who dives for a time inside water at the time of bathing; a class of ascetics. श्राव॰ ३८;

निमज्जणमण. त्रि॰ (निमज्जनमनस्) ડૂબવાની ઇચ્છાવાલો. डूबने की इच्छा वाला. One desirous of plunging in water. सु॰ च॰ २, १८३;

√निमिज्ज. धा॰ I. (नि+मस्ज्) પલાળવું; પાણીમાં મસલવું. भिगोना; पानी में मलना. To plunge in water; to rub in water.

निमिज्जइ. क॰ वा॰ उवा॰ ७, १६७;

निमित्त न॰ (निमित्त) કારણ; હેતુ कारण; हेतु. Reason; cause विशे॰ ५६; २०६६; निसी॰ १०, ७; पिं॰ नि॰ ३१२; भग॰ ३, ३; भत्त॰ ३६; पंचा॰ १३, १८; प्रव॰ ५७४, प्रव॰ ६५१, (२) શુભાશુભ સૂચક નિમિત્ત શાસ્ત્ર; શુકન આદિ ચિન્હથી શુભાશુભ ફલની કલ્પના. शुभाशुभ सूचक निमित्त शास्त्र; शकुन आदि चिन्ह से शुभाशुभ फल की कल्पना. Science of omens; augury. उत्त॰ १७, १८; पराह॰ २, १; सूय॰ १, १२, ६; विशे॰ २१६३; पिं॰ नि॰ ४०८; ४३५. गणि॰ ७०; दस॰ ८, ५१;—**आजीवया.** स्त्री॰ (-आजीविका) નિમિત્તશાસ્ત્રથી આજીવિકા ચલાવવી તે निमित्तशास्त्र से आजीविका का चलाना maintaining oneself on augury. ठा॰ ४, ४; —**कहण.** न॰ (-कथन) ભાવી સુખ, દુઃખ, શુભ, અશુભ વગેરે કહેવાં તે. भावी सुख, दुःख, शुभ अशुभ इत्यादि का कथन करना. informing future happiness etc. प्रा॰ ६५३. —**पिंड.** पुं॰ (-पिण्ड) નિમિત્ત ભાખીને ભિક્ષા લેવામાં આવે તે निमित्त कह कर ली जाने वाली भिक्षा. accepting alms by giving some reason. निसी॰ १३, ६२; —**वादि.** त्रि॰ (-वादिन्) સૃષ્ટિના નિમિત્ત રૂપે ઇશ્વરને માનનાર. सृष्टि के निमित्तरूप से ईश्वर को मानने वाला. One who comprehends God as the creator of the world ठा॰ ८, १;

निमित्तिश्र पुं॰ (नैमित्तिक) નિમિત્તશાસ્ત્રથી

भूत भविष्य जाणनार. निमित्त शास्त्र से भूत भविष्य को जानने वाला. augurer. वव० ३, ८;

निमिस. न० (निमिष) आंखनो पलकारो. निमेष; पलक. Twinking or twinkling of an eye. गच्छा० ६०;

निमीलिय. त्रि० (निमीलित) आंख बंध करेल; आंख मींचेल. आंख बंद किया हुआ; आंख मींचा हुआ. (One) who has shut his eyes. जीवा० ३, १;

निम्मंस. त्रि० (निर्मांस) मांस रहित; दुबळुं. मांस रहित; दुर्बल Without flesh; weak. निर० १, १; विवा० २; पिं० नि० ४२६; नाया० १; भग० २, १;

निम्नगामिणी. स्त्री० (निम्नगामिनी) नीचे जनार नदी. नीचे की ओर बहने वाली नदी. A descending river. सु० १;

निम्मच्छिय न० (निर्मक्षिक) माखी न होय तेवु एकान्त स्थान. मक्खियों से रहित एकान्त स्थान. A lonely place free from flies विशे० २०६४

निम्मद्दग त्रि० (निमर्दक) मर्दन करनार. मर्दन करने वाला. (One) who massages पण्ह० १, ३;

निम्मद्दव त्रि० (निर्मार्दव) मृदुपणाथी रहित; कठण. मृदुता से रहित; कठिन. Rude; harsh; hard. पण्ह० १, १;

निम्मम. त्रि० (निर्मम) ममता–आसक्ति रहित. ममता–आसक्ति रहित. Without attachment, pity. सूय० १, ५, ६; उत्त० १२, २०; जं० प० पन्न० १; पण्ह० २,५; (२) जंबुद्वीपना भरतखंडमां थनार १५ मा तीर्थंकरनुं नाम. जंबूद्वीप के भरतखंड में होनेवाला १५वें तीर्थंकर. 15th would be Tirthankara of the Bharata region of Jambūdvipa. जं० प०

५, ११२; सम० प० २४१;

निम्ममत्त. न० (निर्ममत्व) ममता रहितपणुं. ममताहीनता. Compassionlessness. उत्त० १६, २४; (२) भरत क्षेत्रमां थवाना पंदरमा तीर्थंकरनुं नाम. भरत क्षेत्र में होनेवाले पंद्रहवे तीर्थंकर का नाम. the name of the 15th Tirthankara to be born in Bharata Ksetra. प्रव० ४७१;

निम्मल. त्रि० (निर्मल) मळ रहित; शुद्ध. मल रहित; शुद्ध Dirtless; pure. भग० २, ८; ६, ५; जं० प० ५, १२२; ७, १६६; नंदी० स्थ० ६; ओव० १०; २२; पन्न० २; कप्प० ३, ४१; (२) पांचमां देवलोकमांनो निर्मल नामनो एक पाथडो. पांचवें देवलोक का निर्मल नामक एक प्रस्तर. a layer named Nirmala in the 5th Devaloka. ठा० ६, १;

निम्मलयर. त्रि० (निर्मलतर) बहुज निर्मल. अत्यन्त निर्मल. Very clear. ओव० २, ५;

निम्मल्ल. न० (निर्माल्य) देवपूजामां अर्पण करेल पुष्पादि. देवपूजा में अर्पण किये हुए पुष्पादि Flowers etc. offered in the worship of a god पिं० नि० १०८;

निम्मवइत्तार. त्रि० (निर्मापयितृ) बनाववनार–धान्य आदि नीपजवनार बनाने वाला–धान्य आदि उत्पन्न करने वाला. Creator; producer of corn etc ठा० ४, ४;

निम्मवण न० (निर्मापण) बनाववुं, निपजाववुं. बनाना. Creating; making. सु० च० ६, १०३;

निम्मविय. त्रि० (निर्मापित) बनावेल. बनाया हुआ. Made; produced. सु०

one's own place. सु० च० १, २२८; —भासा. स्त्री० (-भाषा) પોતાની ભાષા. अपनी भाषा. one's language. प्रव० ४४६; —भूमिगा. स्त्री० (-भूमिका) પોતાની પદવી; પોતાનું સ્થાન. अपनी पदवी; अपना स्थान. one's position. पंचा० ५, ४४; —सरण. न० (-स्मरण) પોતાનું સ્મરણ. अपना स्मरण; खुद की याद. one's remembrance. भत्त० १; —सामत्थ न० (-सामर्थ्य) પોતાનું સામર્થ્ય. अपना सामर्थ्य; आत्म-शक्ति. one's power. प्रव० १५६६;

नियइ. स्त्री० (निकृति) માયા; કપટ. माया; कपट; छल. Fraud; illusion; deceit. पराह० १, ३; (२) ભાવી; દૈવની ઇચ્છા. भावी; दैव की इच्छा. chance; will of God. पराह० १, ३; प्रव० १२०४;

नियइपव्वय. पुं० (नियतिपर्वत) સૂર્યાભ વિમાનના વનખંડમાંનો એક પર્વત, કે જ્યાં દેવતા નિત્ય મૂલરૂપે તેમજ વૈક્રેય શરીરે ક્રીડા કરેછે सूर्याभ विमान के वन खंड का एक पर्वत जहाँ देवता नित्य मूलरूप से तथा वैक्रिय शरीर से क्रीडा करते हैं A mountain of the forest region of the Sūryābha celestial abode where gods sport about in their original form as well as with physical body of a fluid nature. राय० १३५;

नियंटिय. त्रि० (नियंत्रित) પચ્ચખાણના દશ પ્રકારમાંનો એક; નિયત સમયમાં કરવાનું તપ કારણસર ન બનતાં કાલાન્તરે કરવાની પ્રતિજ્ઞા લેવી તે पच्चखाण के दश प्रकार में से एक; नियत समय पर किये जाने वाले तप के कारण वश न होने पर उसे कालांतर में करने की प्रतिज्ञा लेना One of the 10 Pachchakhāṇas (vows) to vow to perform a penance at a future date which for some reason cannot be practised in time. भग० ७, २; प्रव० १८७;—पच्चक्खाण. न० (-प्रत्याख्यान) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपर का शब्द. vide above. प्रव० १८२;

नियंठ. पुं० (निर्ग्रन्थ) પરિગ્રહ ન રાખનાર; સાધુ. परिग्रह न रखने वाला; साधु. An ascetic; one who does not keep Parigraha (wordly objects) भग० २, १; ५; ७, १०; उत्त० १२, १६; सूय० २, ७, ५; प्रव० ७३३;

नियंठिठपुत्त. पुं० (निर्ग्रन्थीपुत्र) મહાવીર સ્વામીનો એક શિષ્ય. महावीर स्वामी का एक शिष्य. A disciple of Mahāvīra Svāmī. भग० ५, ८;

नियंतिय-अ. त्रि० (नियंत्रित) સ્વાધીન કરેલ; નિયમમાં રાખેલ. स्वायत्तीकृत; स्वाधीन किया हुआ; नियम में रखा हुआ. Mastered; made one's own; regulated. आया० २, १, ३, १५;

नियंब त्रि० (नितम्ब) પર્વતનું શિખર. पर्वत का शिखर. Summit of a mountain. विशे० २०७;

√**नियंस.** धा० I. (नि + वस्) પહેરાવવું. पहिनाना. To cause to wear.

नियंसेइत्ता. सं० कृ० भग० १५, १;

नियंसेइ. भग० १५, १;

नियंसावहि. क० वा० सु० च० २, ४६६;

नियंसण न० (निवसन) પહેરવાનું વસ્ત્ર. पहिनने का वस्त्र. A garment. राय० ८१;

नियंसणी. स्त्री० (निवसनी) સાધ્વીને કેડથી માંડી અર્ધજાંઘ સુધી પહેરવાનું વસ્ત્ર, તે

અંતર્નિવસની અને પગની ઘુંટી સુધીનું વસ્ત્ર તે બહિર્નિવસની. साध्वीकी कमरसे लेकर आधी जांघ तक पहिनने का वस्त्र-अंतर्निवसनी और पैर के घुटने तक का वस्त्र-बहिर्निवसनी. An inner garment to be worn by a nun reaching the thighs from the waist, and an outer garment reaching the knees. ओघ० नि० ६७५;

नियग. त्रि० (निजक) પોતાનું; આપણું. अपना; निजका; खुदका. One's own. भग० ३, १; ६, ३३; निसी० २, २५; कप्प० ३, ३५; ४, १०२; क० प० २, ६७; ७, ३६; क० प० २, ८०; उवा० १, ८; —गई. स्त्री० (-गति) પોતાની ગતિ. अपनी गति; आत्मगति. one's gait, condition. क० प० ४, ६७; —ट्ठिइ. स्त्री० (-स्थिति) પોતાની સ્થિતિ. अपनी स्थिति-आत्मस्थिति. one's position or state. क० प० ४, ६४; —वरण. पुं० (-वर्ण) પોત પોતાના શરીરની કાંતિ अपने २ शरीर की कांति. the beauty of the respective bodies. पंचा० २, २१;

√**नियच्छ.** धा० I. (नियच्छ) જવું. जाना. To go. (२) પ્રાપ્ત કરવું. प्राप्त करना. to obtain. (३) નિશ્ચય કરવો निश्चय करना. to resolve.

नियच्छइ. दस० ६, १, ४;

नियच्छंति. ६, २, १४; आया० १, ३, ३, ११७;

√**नियट्ट.** धा० I. (नि+वृत्) નિવૃત્ત થવું. निवृत्त होना; निपटना. To finish, to be free.

नियट्टइ. सूय० २, २, २०;

नियट्टंति. आया० १, ६, ४, १६१;

नियट्टमाण. आया० १, ६, ४; १९०;

नियट्टि. स्त्री० (निवृत्ति) નિયટ્ટિબાદરનામે આઠમું ગુણસ્થાનક. नियट्टिबादर नामक ८ वां गुणस्थानक. The 8th spiritual stage named Niyaṭṭi Bādara. प्रव० १३१६; क० प० २, ८०;

नियड. न० (निकट) સમીપ; પાસે; નજીક. समीप, पास; निकट. Near; vicinity; close at hand. सु० च० २, ४६६;

नियड. पुं० (निगड) નિગડ; હાથકડી. निगड; बेडी; हथकडी. Fetters; chains; handcuffs. सु० च० ३, १४६; प्रव० २४६;

नियडि. स्त्री० (निकृति) ગૂઢકપટ; છલ; માયા. गूढकपट; छल; माया. A secret fraud. "दुवाई नियडी सढी" दस० ६, २, ३; भग० १२, ५; सम० ५२; तंदु० राय० २०८; प्रव० ११५;

नियडिय. त्रि० (निगडित) બાંધેલું; જકડેલું. बांधा हुआ; जकडा हुआ. Fettered; chained. सु० च० ३, १४९;

नियडिल्ल. त्रि० (निकृतिमत्) કપટી; છળ કરનાર. कपटी; छली. Deceitful; hypocritical. दस० ३४, २५।

नियडिल्लया. स्त्री० (निकृति) માયા; છળ; કપટ माया; छल; कपट Fraud; deceit. भग० ८, ६;

नियति. स्त्री० (निकृति) કપટ. कपट. Deceit. पराह० १,२; —भाव. पुं० (-नियतिभाव) નિત્યપણું. नित्यता; नियति. Eternity. "सव्वेवि सव्वहा भावा नियतिभावमागया" सूय० १,१, २, १६;

√**नियत्त.** धा० I. (नि + वृत्) પાછું ફરવું; અટકવું. पीछे फिरना; अटकना;. To turn back; to return.

नियत्तइ. ओघ० नि० २६;

नियत्तिज्ज. वि० उत्त० २४, २१;
नियत्तमाण. क० प० ४, ७८;

नियत्त. त्रि० (निवृत्त) निवृत्ति पामेल. निवृत्ति पाया हुआ; निवृत्त. (One) who is free-has finished. उत्त० १४,४१; भग० ६, ३३; पंचा० ६, २०;

नियत्तण. न० (निवर्तन) निवर्तन. अटकाववुं निवर्तन, अटकाना Returning; hinderance. उत्त० २४, २६; (२) जमीननुं एक माप-भरप. जमीन का एक माप- भरप. A measure of land. उवा० १, १६;

नियत्तणिय त्रि० (निवर्तनिक) निवर्तन-जमीन मापवानुं एक प्राचीन साधन, तत्परिमित; निवर्तन प्रमाणे निवर्तन-भूमि नापने का एक प्राचीन साधन, तत्परिमित-उसके परिमाण का. निवर्तन के प्रमाण से. Measured by an ancient measure of land. भग० ३, २;

नियत्त. स्त्री० (निवृत्ति) निवृत्ति; निवृत्त थवुं; पाछा वळवु. निवृत्ति; निवृत्त होना; पीछे फिरना. Completion: returning "असंजमे नियत्तिंत्तच संजमेय पवत्तण" उत्त० ३१, २,

नियत्तिय त्रि० (निवृत्त) निवृत्ति पामेल. निवृत्ति पाया हुआ. निवृत्त. (One)who has returned; accomplished. दस० ५, १, १३; ५, २, १२;

नियत्थ. त्रि० (न्यस्त) छोडेलुं; मूकेलुं छोडा हुआ; त्यक्त. Abandoned; cast away. राय० ८१;

नियत्थ. त्रि० (निवसित) पहेरेलुं; ओढेलुं. पहिना हुआ; ओढा हुआ. Worn; put-on. भग० ११, ६; पराह० १, ३; विशे० २६०७;

नियनिय. त्रि० (निजनिज) पोतपोतानुं अपना अपना, निजी. One's own पंचा० २, १२;

√नियम. धा० I. (नि+यम) कराववुं. कराना. To cause to do.

नियमे. वि० आया० २, १३,१७२;

नियम पुं० (नियम) व्रत; तपश्चर्यादि नियम; टेक. नियम, व्रत; तपश्चर्यादि नियम. टेक; सङ्कल्प A vow; a penance; a promise· a rule. भग० १, १, ४; २, १; १०; ५, ४; ८; ६, ४; ८, २; ओव० १६; जं० प० ७, १३५; आया० १, २, ३, ७६; पंचा० २, ४०, ३, ४; १७, २६; प्रव० ११६०; ६६५, क० गं० २, १३; ५,१०;५, २५, (२) अवश्यपणुं; व्याप्ति आवश्यकता, व्याप्ति necessity, necessary connection. ओव० १६; पिं० नि० ४, १३७; विशे० २१५७; ओघ० नि० ५२८, (३) नियम; कानून. नियम; कानून; कायदा; नीति. Regulation; law; rule. नंदी० स्थ० ६. —पज्जंत. न० (-पर्यन्त) नियम-मर्यादा पर्यंत. नियमपर्यंत; मर्यादा तक upto a limit. प्रव० २१६; —सेवि. त्रि० (-सेविन्) नियमनु सेवन करनार. नियम पालक; संयमी. one who abides by a rule; self-restrained प्रव० ८८८;

नियमण. न० (नियमन) गोठवणु; व्यवस्था व्यवस्था; नियमन; प्रबन्ध. Arrangement; control. क० गं० १, ४८;

नियय-अ त्रि० (निजक) पोतानु. अपना; निजका. One's own. पंचा० १०, ३३; विशे० ५८; उत्त० १२, ८; भग० ११, ११; नाया० १६; —त्थुत्ति. स्त्री० (-अर्थोक्ति) पोताना अभिप्रायनुं अन्यने प्रतिपादन करवुं ते. अपने अभिप्राय का दूसरे से प्रतिपादन करना making one's own desires

known to others. विशे० १००; —मरण. न० (-मरण) पोतानुं मरणु. अपनी मृत्यु. the death of one self. प्रव०१०६१;—सुय. पुं० (-सुत) पोतानो पुत्र. अपना पुत्र; आत्मज. one's son. भत्त० ११३;

नियय-अ. त्रि० (नियत) नियमबद्ध. नियमबद्ध; नियत. Regulated; prescribed विशे०७३; ओघ० नि० ४३३; उवा०२, १६३; ७, २००; (२) कायमनुं; शाश्वत; हमेशनुं. नित्य का; शाश्वत; कायम का. steady; eternal.जं०प० पिं०नि० २२०; (३) निश्चित; नक्की करेल निश्चित; ठहरा हुआ. resolved; decided. विशे०८०; — अनियय. त्रि० (-अनियत) अवश्य थनार नहि; नियतानियत; कंईक चोकस अने कंईक अचोकस. अनिश्चित; नियतानियत; कहीं ठीक कहीं ठीक नहीं undecided; partially decided "नियया नियय संतं अयाणंता अबुद्धिया" सूय०१,१,२,४; —भाअ. पुं० (-भाग) चोकस नक्की करेलो भाग. निश्चित.ठहरा हुआ भाग. the settled part or division. आया० २, १, १, ९;

नियर. पुं० (निकर) समूह. समूह; झुंड. Group. विशे० ६; कप्प० ४, ६०;

नियल. पुं० (निगड) बेडी; जंजीर; पगे बांधवानी सांकळ. बेड़ी; शृंखला; जंजीर; पैरों में बांधने की सांकल Fetters; chains. पण्ह० १,३; २ ५; सूय० २, २, २, ६३; विवा० ६; पिं० नि० ५७३; —बंधण. न० (-बन्धन) निगड-बेडीनुं बन्धन. बेड़ीका बंधन. bond of chains निर० १, १; दसा० ६, ४;

नियल्ल. पुं० (निपल) ए नामनो ग्रह. इस नामका ग्रह विशेष. A constellation of this name. ठा० २, ३;

नियसिय. त्रि० (निवसित) धारण करेल. धारण किया हुआ. Worn. सु० च० २, २, ३३५;

निया. स्त्री० (निदा) अधर्म तरीके जाणवा छतां कोइना प्राण लेवा ते; जाणी बुझीने करवामां आवती हिंसा. अधर्म पहिचानते हुए भी किसी की हत्या करना; समझबूझकर की जाने वाली हिंसा. Injury knowingly inflicted; a deliberate harm. पिं० नि० १०३;

नियाइय. त्रि० (निकाचन) मजबूत; दृढ. मजबूत; दृढ. Strong; powerful. ओघ० नि० भा० ३६;

नियाग. न०(नियाग-नित्यामन्त्रितस्यपिण्डस्य ग्रहणं नित्यं तस्यना मन्त्रितस्य) जे आमन्त्रण करे त्यांथी भिक्षा लेवी ते; नित्यपिंड. जो आमंत्रित करे उसीके यहाँ की भिक्षा का लेना; नित्यपिंड. Accepting alms from one who invites. दस० ३, २; ६, ४९; उत्त० २०, ४७; (२) पुं० मोक्ष; मुक्ति. मोक्ष; मुक्ति; गति. Salvation; emancipation. उत्त०१, ६;

नियाण. न० (निदान) कारण; हेतु. कारण हेतु. Source; cause. पिं० नि० ४५६; विवा० ९; पंचा० ४, ३०; ३६; ४४; १६; (२) तपना फलनी अगाउथी मागणी करवी ते; नियाणुं; त्रण शल्यमांनुं एक. तप के फल की पहिले से ही याचना करना-पूर्व याचना; नियाणा; तीन शल्यों में से एक. begging of the fruit of a penance in the very beginning; one of the three Śalyas. दसा० १०, ३; ओघ० नि० ८०५; उत्त० २३, ९; भत० ४०; —करण. न० (-करण) नियाणुं करवुं नियाणा करना. begging

beforehand the fruit of a penance. वव० १४; —मरण. न० (-मरण) ભોગ વગેરેની માંગણી કરી મૃત્યુ પામવુ તે. भोग आदि की याचना करके मृत्यु को प्राप्त होना dying after begging for sexual enjoyment. ठा० २, ४, —सल्ल न० (-शल्य) ઇન્દ્રાદિકની પદવીને માટે સકામ તપ કરવુ તે; આત્માના વિકાસ માર્ગનુ શલ્ય વિઘ્ન. इन्द्रादि की पदवी के लिए की जाने वाली सकाम तपस्या; आत्मा के विकासमार्ग का शल्य -विघ्न. performing a penance with a desire of obtaining the position of Indra; an obstruction in the evolution of the soul. सम० ३; भत्त० ५६; १३५; आव० ४, ७;

णियमित्ता. सं० कृ० अ० (नियम्य) નિયમમાં રાખીને. नियम में रखकर. Having controlled; regulated "उवसग्गा णियमित्ता आमोक्खाए परिव्वए" सूय० १, ३, ३, २१;

णियाय. पुं० (निकाग) મોક્ષ માર્ગ. मोक्ष मार्ग. The path of salvation. आया० १, १, ३, १८; —ट्ठि. त्रि० (-अर्थिन्) મોક્ષ માર્ગને ઇચ્છનાર. मोक्ष मार्ग का इच्छुक; मुमुक्षु (one) who desires salvation. सूय० १,१, १, २०;

णियुद्ध. न० (नियुद्ध) મ્હોટું યુદ્ધ કરવાની કલા. विशाल युद्ध की कला. A science of fighting a great battle. ओव० ४०;

णियोग. पुं० (नियोग) નિયોગ, અવશ્ય ભાવ; નક્કી नियोग; ठीक; निश्चित; आनिवार्यता. Order; exact; decided. भग० ७,४;

निरइ. पुं० (निर्ऋति) જ્યેષ્ઠા અને મૂલ નક્ષત્રનો સ્વામી ज्येष्ठा और मूल नक्षत्रों का स्वामी. The lord of the Jyeṣtha and Mūla constellations ज० प० ७; १५७; अणुजो० १३१; ठा० २, ३,

निरइयार. त्रि० (निरतिचार) અતિચાર-રહિત (વ્રતાદિ). अतिचार-दोष रहित. (व्रतादि) Without a fault or transgression (fast etc.) प्रव० ३१२;

निरओवग. त्रि० (निरयोपग) નરકાદિ દુર્ગતિમાં ફરનાર. नरकादि दुर्गति में चक्कर लगाने वाला. (One) who wanders about in wretched conditions such as the hell etc. विशे० २५६६;

निरंकुस त्रि० (निरकुश) નિરંકુશ: સ્વતંત્ર; સ્વછંદી. निरंकुश, निडर; स्वतंत्र. Independent, free; fearless; unruly. अणुजो० २१;

निरंगण. त्रि० (निरङ्गण) રંગ રાગ રહિત; સ્વચ્છ. रंगराग रहित; स्वच्छ; शुद्ध. Colourless; clean. ओव० १७,

निरंगणया स्त्री० (नीरागता) રાગ દ્વેષનો અભાવ राग द्वेष का अभाव-कर्मा. Absence of love and hatred भग० ७, १;

निरंजण त्रि० (निरञ्जन) અંજન-ડાઘ રહિત. अजन-दाग रहित. Spotless. ज० प० कप्प० ४, ११६; —उज्जो. पुं० (-उद्योत) નિરંજન-સિદ્ધ ભગવાનનો ઉદ્યોત-પ્રકાશ निरंजन-सिद्ध भगवान् का उद्योत-प्रकाश The lustre of Siddha Bhagavāna. भत्त० १६८;

निरंजन. त्रि० (निरञ्जन) રંગ રાગ દ્વેષથી રહિત रंग हीन; राग द्वेष विहीन. Colour-

less; passionless. पण्ह० २, ५;

निरंतर. अ० (निरन्तर) હમેશ; પ્રતિક્ષણ હમેશા; નિરન્તર; प्रतिक्षण. Always; for ever; every moment. भग० ६, ३२; क० प० १, ४५; प्रव० ४०७; ४८५;

निरंतरिय. त्रि० (निरन्तरित) સાંધ કે ફાટ વિનાનું. संधिहीन, अंतरहीन. Jointless, without interval. राय० १०५;

निरंभा. स्त्री० (निरम्भा) વૈરોચનેન્દ્રની ચોથી અગ્ર મહિષી. वैरोचनेन्द्र की चौथी अग्र-महिषी. The 4th principal queen of Vairochanaindra. भग० १०, ५;

निरक्कय. त्रि० (निराकृत) દૂર કરેલ; ત્યાગેલ दूर किया हुआ; त्यागा हुआ. Banished; abandoned; insulted. पण्ह० १, ३;

निरक्किय त्रि० (निराकृत) દૂરકરેલ; ત્યાગેલ. दूर कियाहुआ; त्यक्त. Abandoned; set apart उत्त० ६, ४६;

निरट्ठ. त्रि० (निरर्थक) અર્થ - પ્રયોજન વિનાનું; નિરર્થક. अर्थहीन, बेमतलब. Useless; unprofitable "निरट्ठसोया परि-तावमेइ" उत्त० २०, ५०; उत्त० १, ८; २५;

निरट्ठग त्रि० (निरर्थक) અર્થ વિનાનું; નકામું. अर्थहीन, निष्काम. Useless; unprofitable. "निरट्ठगम्मि विरमो मेहुणा ओ सुसं-वुडो" उत्त० २, ४२;

निरणत्त. न० (नीरणत्व) રણ રહિત પણું. रणहीनता. Absence of fighting दसा० ४, ६७;

निरणुकंप. त्रि० (निरनुकम्प) દયા વિનાનું; નિર્દય; ક્રૂર મનનું. निर्दय; निष्ठुर; क्रूर. Cruel; pitiless. अणुजो० २१;

निरणुकंपत्त. (निरनुकम्पत्व) નિર્દયપણું निर्दयता; क्रूरता. Cruelty; barbarity. प्रव० ६५२,

निरणुताविं. त्रि० (निरनुतापिन्) પશ્ચાત્તાપ ન કરનાર. पश्चात्ताप न करनेवाला. (One) who does not repent. प्रव० १६००;

निरतियार. त्रि० (निरतिचार) શંકા કાંક્ષાદિ અતિચાર દોષ રહિત. शंका कांक्षादि अतिचार-दोषहीन. Free from the faults of suspicion, expectation etc. पंचा० १०, ५;

निरतिसअ. पुं० (निरतिशय) કેવલજ્ઞાના દિના અતિશય રહિત. केवलज्ञानादि के अति-शय से हीन. (One) devoid of the supernatural powers of perfect knowledge विशे० २४६६;

निरत्थय. त्रि० (निरर्थक) અર્થવિનાનું; નકામું. निरर्थक, व्यर्थ; निरुपयोगी. Useless; unprofitable. पण्ह० १, २; गच्छा० १३५;

निरत्थिय. त्रि० (निरर्थक) નકામું. व्यर्थ; बे काम Useless. विशे० १४७३;

निरभिसंग. त्रि० (निरभिष्वङ्ग) પ્રતિબંધ-વિનાનું; આસક્તિવિનાનું प्रतिबंध-आसक्ति रहित. Free; passionless; without attachment. पंचा० १४, २८;

निरभिसंगत्त. न० (निरभिष्वङ्गत्व) સંગ રહિતપણું. असक्तता; विराग; निःसंगता. The state of being passionless. पंचा० ५, १८;

निरभिस्संग. त्रि० (निरभिष्वङ्ग) નિઃસ્પૃહ; ઇચ્છાવિનાનો. निःस्पृह; निरिच्छ; निष्काम. Desireless; unselfish. पंचा० २, ३४; ११, ५;

निर-य. त्रि० (निरजस्) રજવિનાનું. रज रहित. Dustless; free from the Rajoguna दसा० ५, ४१;

निरय. त्रि० (निरत) કાર્યમાં રત-તત્પર. कार्य रत; कार्य तत्पर; काम में लगा हुआ. Ready; attentive to an act.

भग० १, ५; ७, ६; (२) पुं० पांचमां देवलोकनो निरत नामनो पाथडो. पांचवें देवलोक का निरत नामक प्रस्तर A layer named Nıata of the 5th Devaloka. ठा० ६, १;

निरय. पुं० (निरय) नरक. नरक. The hell. जं० प० भग० २, ३; श्रोव० २१; श्रणुजो० १२७; भत्त० ५७; क०गं० १, ३२; क० प० २, १०४; **—श्रणुपुव्वी.** स्त्री० (-श्रनुपूर्वी) नरकानुपूर्वी नामे नामकर्मनी એક પ્રકૃતિ.. नरकानुपूर्वी नामक नामकर्म की एक प्रकृति A vaıiety of Karmic matter named Narakānupūrvī. क० गं० २, १४; **—श्राउ** न० (-श्रायुष्) नरकनुं आयुष्य नरक का श्रायुष्य-नारकी-जीवन. hellısh lıfe. क० ग० २, २७; **—श्रावास** पुं० (-श्रावास) नरकनो निवास; नरकावासा. नरक का रहना; नरक निवास. dwelling in the hell. भग० १, ५; ६, ५; जीवा० ३, १; **—गइ.** स्त्री० (-गति) नरकनी गति. नरक की गति. the state of the hell. भग० १, १०' ठा० ५, ३; क० प० ४, ३२; क० गं० ४, १३; **—गतिया** स्त्री० (-गतिका) नरकनी गति. नरक की गति. the condition of the hell. भग० ८, २. **—तिग.** न० (-त्रिक) नरकगति, नरकनुं आयुष्य अने नरकानुपूर्वी એ ત્રણ પ્રકૃતિ. नरक गति, नरक का श्रायुष्य श्रौर नरकानुपूर्वी ये तीन प्रकृतियां. the 3 varieties of the Karmic nautre viz NarakaGati, Narakāyuṣya and Narakānupūrvī. क० गं० ५, ६६; **—दुग.** न० (-द्विक) नरकगति अने नरकानुपूर्वी. नरक गति श्रौर नरकानुपूर्वी-दो प्रकृतियां. the two varieties of the Karmic nature viz. Naraka-

gati and Narakānupūrvī क० गं० ५, ६१; क० प० २, ६६; ८०; **—नव.** न० (-नवक) नरक त्रिक, सूक्ष्मत्रिक अने विकलत्रिक એ નવ નામકર્મની પ્રકૃતિનો સમૂહ. नरक त्रिक, सूक्ष्मत्रिक श्रौर विकलत्रिक इन नौ नामकर्म की प्रकृतियों का समूह. an aggregate of the nine varieties of Karmic nature viz a Narakatrika, a Sūksmatrika and a Vıkalatrika. क० गं० ३, २३; **—बार.** न० (-द्वादशक) नरकत्रिक, सूक्ष्मत्रिक, विकलत्रिक, એકેદ્રિયજાતિ, સ્થાવર અને આતપ એ બાર પ્રકૃતિનો સમૂહ. नरकत्रिक, सूक्ष्मत्रिक, विकलत्रिक, एकेंद्रियजाति, स्थावर श्रौर श्रातप इन बारह प्रकृतियों का समूह. a group of the 12 Karmic natures viz. Narakatrika, Sūksmatrika, Vikalatrika, one-sensed beings, immovables and heat. क० ग० ३, २३; **—भवत्थ** त्रि० (-भवस्थ) नरकरूप भवमां रहेनार. नरकरूप भव में रहने वाला; नरक योनि. dwelling in the hell भग० ८, २; **—पाल.** पुं० (-पाल) नरकने पाळनार; यम पुरुष; परमाधामी देव. नरक की रक्षा करने वाला; यमपुरुष; परमधामी देव. the protector of the hell भग० ३, ७; **—सोल.** न० (-षोडश) नरकगतिथी मांडी छेवटु संघयणपर्यन्त नामकर्मनी १६ प्रकृतिनो समूह. नरकगती से लगा कर श्रन्तिम संघयण पर्यंत नामकर्म की १६ प्रकृतियोंका समूह. an aggregate of the 16 varieties of Nāmakarma. क० गं० ३, ४;

निरयाविभत्ति स्त्री० (निरयविभक्ति) એ

नामनुं सुयगडांगसूत्रनुं पांचमुं अध्ययन. सूयगडांग सूत्र का इस नामका पांचवां अध्ययन. The 5th chapter of this name of the Sūyagaḍāṅga Sūtra. सम० १६;

निरयावलिया. स्त्री० (निरयावलिका) ए नामनुं एक-कालिक सूत्र इस नामका एक कालिक सूत्र. A Kālika Sūtra of this name. नंदी० ४३;

निरवकंख. त्रि० (निरवकांक्ष) आकांक्षा इच्छा विनानुं; निःस्पृह निराकांक्ष; निरिच्छ; निस्पृह. Desireless; disinterested. उत्त० ३०, ९; आव० २१; कप्प० ५, ११८;

निरवचय. त्रि (निरपचय) हानिथी रहित. हानि से रहित; हानि शून्य; निरापद. Harmless: without danger. भग० ५, ८;

निरवज्ज. त्रि० (निरवद्य) निरवद्य; निर्दोष. निरवद्य; अनिन्दनीय; निर्दोष Faultless; without censure. सु० च० ४, ६; भत्त० १२;

निरवयक्ख. त्रि० (निरपेक्ष) आकांक्षाथी रहित. आकांक्षा-अपेक्षा रहित. Disinterested. भग० ३, ३३;

निरवसेस त्रि० (निरवशेष) सघलुं; संपूर्ण. सब, सम्पूर्ण; सारा. All; whole. अणुजो० ८, भग० २, १०; ३, १; ६, २; ७, २; विशे० ३८८; पचा० १, २३; १५, २८; प्रव० १८७; उवा० ४, १२४;

निरवाय. त्रि० (निरपाय) दोष रहित; विघ्नविनानुं दोष रहित; विघ्न विहीन Faultless; harmless. विशे० १०२३;

निरविक्ख. त्रि० (निरपेक्ष) कोई जातनी अपेक्षाविनानो. किसी भी प्रकार की अपेक्षा न रखनेवाला. Without any expectation. भत्त० १४७;

निरवेक्ख. त्रि० (निरपेक्ष) अपेक्षा-गरज विनानुं. अपेक्षा-गरज हीन. Unselfish. "निरवेक्खो परिव्वए" सूय० १, ६, ७; सु० च० ११, १; उत्त० ६, ११; विशे० २५; ७०; भत्त० ४७; पचा० ४, ७;

निरवेक्खा. स्त्री० (निरपेक्षा) निःस्पृहा; इच्छा नहिं ते. नि.स्पृह; निरिच्छ. Desireless. पंचा० २, ६;

निरसण. न० (निरशन) भोजननो अभाव. भोजन का अभाव; उपवास; निरशन. Absence of food; fast. सु० च० ११, २०;

निरस्साअ-य. त्रि० (निरास्वाद) स्वाद विनानुं मोलुं; फीकुं. निःस्वाद. बेस्वाद; फीका. Tasteless. उत्त० १६, ३७; नाया० १;

निरहंकार. त्रि० (निरहंकार) अहंकार रहित; निरभिमानी निरभिमानी; अहंकारशून्य. Free from pride; humble. "निरहंकारो निस्संगो" उत्त० १६, ९०; ३५, २१; जं० प० "निम्ममो निरहंकारो" सूय० १, ६; ६;

निराहिगरण. त्रि० (निराधिकरण) बहुमहोटा आरंभ विनानुं. बहुत बडे आरंभ हीन. Without a grand beginning. पंचा० १६, २२:

निराउअ. त्रि० (निरायुष्) आयुष्य विनानुं; आयुष्य कर्मनो क्षय करेल आयुष्यहीन; आयुष्य कर्म का क्षय-नाश किया हुआ. Lifeless; one (whose) life Karmas are destroyed अणुजो० १२७; भग० ५, ३;

निराकिच्चा. स० कृ० अ० (निराकृत्य) निराकरण करीने; दूर करीने. निराकरण करके; दूर करके; निकाल करके. Having set aside; abandoned; banished सूय० १, ११, १२;

निरागरण. पुं० (निराकरण) ખુલાસો; નિરાકરણ. खुलासा; निराकरण; फैसला; निकाल. Explanation; decision पंचा० १७, १४;

निरागार. त्रि० (निराकार) આકાર રહિત. आकार रहित, निराकार. Formless. विशे० २६; (२) त्रि० (निरागार) આગાર-છુટ રહિત. आगार-छूट रहित. Without any option. आउ० १८;

निरातंक. त्रि० (निरातङ्क) નિરોગી निरोगी; दुःख-पीड़ा रहित. Healthy. जं० प०

निरामगंध. त्रि० (निरामगन्ध-निर्गताश्चाम गन्धा यस्मात्स: आमगन्ध) મુલોત્તર ગુણની ખણ્ડનાના દોષથી રહિત. आमगन्ध-मूलोत्तर गुण की खण्डिता के दोष से रहित Free from Amagandha. " निरामगंधो परिव्वए " आया० १, २, ५, ८७;

निरामय. त्रि० (निरामय) રોગ-પીડાથી રહિત. रोग-पीड़ा से रहित; निरोग; स्वस्थ. Healthy; free from a disease सम० ३४.

निरामिस. त्रि० (निरामिष-आमिषा विषया-स्तेनिर्गता यस्मादिति) વિષય રૂપ આમિષથી રહિત; વિષય વાસનાથી નિવૃત્તિ પામેલ. विषय रूप आमिष से रहित; विषय वासना हीन-निवृत्ति पाया हुआ. (One) who is free from sexual or worldly desires. " आमिसं सव्व मुज्झिता विहरिस्सामो निरामिसा " उत्त० १४, ४१;

निरायंक त्रि० (निरातङ्क) રોગ વિનાનું; નિરોગી. रोग हीन; निरोगी. Healthy. ओव० १०;

निरायव. त्रि० (निरातप) તડકાથી રહિત. धूप रहित; निरातप; घामशून्य; छाया पूर्ण. Free from heat पिं० नि० १७५,

निरारंभ. त्रि० (निरारम्भ) આરંભ-પાપ ક્રિયા ન કરનાર. आरंभ-पाप क्रिया न करने वाला; आरंभ शून्य (One) who does not commit sins; sinless " धम्मारामे निरारंभे उवसंते मुणी चरे " उत्त० २, १५;

निरालंबण. न० (निरालम्बन) આલોક અને પરલોકની આશંસાથી રહિત; નિષ્કામ. इह लोक व परलोक की आशंसा से रहित. निष्काम Desireless; free from the desires of this or the other world. " इम्मिमेलोइ परतये दोसुवि नविज्झइ बंधण जस्सकिंचिवि सेहु निरालंबणे" आया० २, ४, १, १२; २, १६, १२, (२) આલમ્બન-આધાર વિનાનું. निरालम्ब, निराधार, आश्रय विहीन Supportless, alone; helpless ओव० १७; कप्प० ४, ११६,

निरालंबणया स्त्री० (निरालम्बनता) કોઇનો પણ આધાર ન હોવાપણું. निरावलम्बनता, निराश्रयता. The state of being supportless. ठा० ४, ३, आया० १, ५, ६, १६७; ओव० १७,

निरालय. त्रि० (निरालय) ઘર વિનાનું; રહેઠાણની જરૂર વિનાનો. घरबार विहीन; निवासस्थान की आवश्यकता से रहित. Homeless; ओव० १७;

निरालोय. त्रि० (निरालोक) પ્રકાશથી રહિત. प्रकाश शून्य Devoid of light, invisible. भग० ७, ६;

निरावकंखिन. त्रि० (निरावकाङ्क्षिन्) આકાંક્ષાથી રહિત; નિસ્પૃહ. आकांक्षा-इच्छा रहित. Desireless. सूय० १, १०, २४;

निरावरण. त्रि० (निरावरण) આવરણ-કર્મ રહિત, ઉઘાડું; ખુલ્લું. आवरण-कर्म रहित; खुला, अनाच्छादित Free from

Karmas; open; uncovered. अणुजो० १२७; ओव० ४०; भग० १, ३१; कप्प० १, १;

निरास. त्रि० (निराश) આશાથી રહિત. निराश; नाउम्मेद Hopeless. दस० १, ४, २, ३;

निरासव. त्रि० (निराश्रव) આશ્રવ વિનાનું; પાપ રહિત. निराश्रव; पाप शून्य. Sinless "पावकम्मानिरासवे" उत्त० ३०; ६;

निरासंस. त्रि० (निराशंस) આ લોક અને પરલોકની આશંસા-ઇચ્છા રહિત. इहलोक व परलोक की इच्छा से शून्य. Free from the desire of this or the other world. "निरासंसे उवरयेहुणा चरे" आया० २, ४, १, १; २, १६, ६;

निरिंधण त्रि० (निरिंधन) ઇંધન રહિત. इंधन रहित. Fuelless दसा० ५, ३६, ३७;

निरिंधणा. स्त्री० (निरिन्धनता) ઇંધન-કાષ્ઠ સમુહથી રહિત પણું. निरिंधनता; इंधन-हीनता. The state of being without fuel. भग० ७, १;

निरिक्खणा. स्त्री० (निरीक्षणा) પડિલેહણ. જોવું-તપાસવું તે पडिलेहण; देखना; निरीक्षण करना; जांच करना. Care; examination; circumspection जं० प० ७, १६६; ओघ० नि० ६२;

निरिक्खिअ. त्रि० (निरीक्षित) જોયેલું; તપાસેલું. निरीक्षित; जाँचा हुआ; देखा हुआ. Tested; seen. तंदु० —**विरइ.** स्त्री० (-विरति) દૃષ્ટિને નિયમમાં રાખવી તે दृष्टि नियमन; नेत्रों का संयमन. control of the sight प्रव० ६७;

निरिया. स्त्री० (निरिका) કન્દ વિશેષ कन्द विशेष A kind of bulbous root. भग० ७, ३;

निरुअ. त्रि० (नीरुज) રોગ વિનાનું. रोग रहित; निरोग. Diseaseless; healthy. विशे० १५८५; २१२७;

निरुइ. स्त्री० (निर्ऋति) મૂલ નક્ષત્રનો અધિષ્ઠાતા દેવતા. मूल नक्षत्र का अधिष्ठाता देवता. The presiding god of the Mūla constellation. जं०७०७,१७१;

√**निरुंभ.** धा० II. (नि+रुध्) નિરોધ કરવો. निरोध करना; रोकना. To check; to obstruct.

निरुंभइ. उत्त० २६, ४; ओव० ४३;

निरुंभिता. सं० कृ० दसा० ४, २४; सूय० १, ४, २, २०; ओव० ४३;

निरुंभण. न० (निरुन्धन) રોકવું; અટકાવવું તે. रोकना अटकाना; निरोध Hinderance; obstruction ओघ० नि० २०६; पण्ह० १, १;

निरुआर. त्रि० (निरुद्धार) જેનો પુરિષોત્સર્ગ-મલત્યાગ કરવાનો માર્ગ બન્ધ હોય તે वह जिसका पुरिषोत्सर्ग मलत्याग करने का मार्ग बंद हो. One whose rectum is stopped or clogged पण्ह० १, ३;

निरुच्छाह. त्रि० (निरुत्साह) ઉત્સાહથી રહિત उत्साहहीन; निरुत्साह Inactive; devoid of energy. भग० ७, ६; गच्छा० ४;

निरुज. त्रि० (नीरुज) રોગ વિનાનું. रोग रहित. Diseaseless. पंचा० १६, २८;

निरुजसिह. पु० (नीरुजाशिख-रुजा रोगास्तषा मभावो निरुजं तदेव प्रधान फल विवक्षया शिखेव शिखा यत्रासौ तथा) તપ વિશેષ કે જે કૃષ્ણપક્ષમાં કરાયછે, આઠ ઉપવાસ અને પારણે આયંબિલરૂપ તપનો એક પ્રકાર. कृष्णपक्ष में किया जाने वाला तप विशेष; आठ उपवास और पारणों का आयंबिल रूप

तप का एक प्रकार; A particular austerity to be practised in the black-half of a month; one of the austerities.प्रव० १५५६;

निरुट्ठाइ. त्रि० (निरुत्थायिन्) વારંવાર ઉઠ-બેઠ ન કરનાર. बारंबार उठबैठ न करने वाला. (One) who does not stand and sit often. "अब्भुट्ठाइंनिरुट्ठाइं" उत्त० १, ३०;

निरुत्त. न० (निरुक्त) નિરુક્ત શાસ્ત્ર; શબ્દની વ્યુત્પત્તિકરનાર શાસ્ત્ર निरुक्त शास्त्र; शब्दों की व्युत्पति करने-बतलाने वाला शास्त्र. A treatise on the derivation of words. विशे० २; भग० २, १; कप्प० १, १०;

निरुत्ति. स्त्री० (निरुक्ति) વ્યુત્પત્તિ; વિગ્રહ. व्युत्पत्ति; विग्रह. Derivation; etymological interpretation. अणुजो० १५६;

निरुत्तिअ. त्रि० (निरुक्तिज) વ્યુત્પત્તિથી બનેલું व्युत्पत्ति से बना हुआ, व्युत्पत्ति निर्मित. A derivative. अणुजो० १३१;

निरुद्ध. त्रि० (निरुद्ध) આચ્છાદિત કરેલ. आच्छादित कियाहुआ Covered "किरियावस्सति निरुद्धपन्ना" सूय० १, १२; ८; भग० २, १; (२) ટુંકુ; સ્વલ્પ छोटा; थोड़ा; कम; स्वल्प a little; less. "इम निरुद्धा उयंसवेहाए" आया० १, ४, ३, १३६; नाया० १; विवा० ४,ठा० ४, १;(३) જલચર; જીવવિશેષ जलचर; जीव विशेष a particular aquatic animal कप्प० ३, ४३. —आउय. न० (-आयुष्क) થોડા આઉખા વાલો थोड़ा वय-उमर वाला. short-lived. 'इमं णिरुद्धाउय संवेहाए' आया० १, ४, ३, १३६, —पएण. त्रि० (-प्रज्ञ) કર્મના આવરણથી જેનું જ્ઞાન ઢંકાઇ ગયુ છે તે. कर्मों के आवरण से आच्छादित ज्ञान वाला. (one) whose knowledge is obscured by Karmas सूय० १, १२, ८; —परियाअ. पुं० (-पर्याय) ઘણાં વર્ષની પ્રવ્રજ્યા છોડી દઇને ફરી પ્રવ્રજ્યા લેવી તે. बहुत वर्षों की प्रव्रज्या को छोड़कर फिर से प्रव्रज्या का ग्रहण करना. entering again the order left after attending it for a long time. वव० ३, ६; —भव. त्रि० (-भव) જેણે સંસારનો પ્રચાર રોક્યો હોય તે. संसार के प्रचार को रोकने वाला.one who has checked the tie of the world. भग० २, १;

निरुद्धग. त्रि० (निरुद्धक)સ્વલ્પ; થોડું. स्वल्प; थोड़ा. A little; less. सूय० १,१४, २३;

निरुवहअ. त्रि० (निरुपहत) રોગાદિથી હણાયેલ નહીં. रोगादि से विमुक्त, रोगादि से अपीड़ित. Free from disease etc. प्रव० १४२६;

निरुवकंखि. त्रि० (निरुपकांक्षिन्) આકાંક્ષા રહિત. आकांक्षा-इच्छा शून्य. Desireless जं० प०

निरुवक्कम. त्रि० (निरुपक्रम) ઉપક્રમરહિત. उपक्रम शून्य. Without a commencement पंचा० ३, १५;

निरुवक्कमाउय त्रि० (निरूपक्रमायुष्क) ઠાણાંગ સૂત્રના સાતમા ઠાણામાં કહેલ અધ્યવસાય શસ્ત્ર આદિ સાત કારણથી આયુષ્ય ખંડિત ન થયું હોય તે "નિરૂપક્રમાયુષ્ક". ठाणांग सूत्र के सातवें ठाणे में कहे हुए अध्यवसाय शस्त्रादि सात कारणों से अखण्डित आयुष्य वाला " निरूपक्रमायुष्क " (One) whose life is not disturbed by the 7 reasons des-

cribed in the 7th section of the Thāṇāṅga Sūtra. पन्न० ६;

निरुवक्किट्ठ. त्रि० (निरुपक्लिष्ट) रोगादिथी रहित. निरामय; रोग रहित. Diseaseless. भग० ६, ७; अणुजो० ११८;

निरुवगारि. त्रि० (निरूपकारिन्) ઉપકાર ન કરનાર. उपकार न करने वाला. Ungrateful. विशे० १४४७;

निरुवचय. त्रि० (निरुपचय) ઉપચય-વૃદ્ધિ રહિત. उपचय-वृद्धि रहित. Free from excess. भग० ५, ६;

निरुवचरित. त्रि० (निरूपचरित) કલ્પનામાં ન આવે તેવું; ઉપચાર રહિત कल्पनातीत; उपचार रहित. Incomprehensible; without formality. पंचा० ६, १०;

निरुवट्ठाण. त्रि० (निरुपस्थान-निर्गतमुपस्थानं उद्यमो येषां ते निरुपस्थानाः) સર્વજ્ઞ પ્રણીત સદાચાર અનુષ્ઠાન રહિત. सर्वज्ञ प्रणीत सदाचारों के अनुष्ठान से शून्य. One devoid of the rules of right conduct laid down by Sarvajña (omniscient). " आणाए एगे निरुवट्ठाणा " आया० १. ५, ६, १६६;

निरुवम. त्रि० (निरुपम) અતિ સુંદર; અનુપમ अति सुन्दर; अनुपम. Peerless; very handsome. जीवा० ३, ३; ओव० १०; सु० च० १, ४०; भग० ६, ३३; पण्ह० ४, ३८, क० गं० ३, ६०;

निरुवलेव. त्रि० (निरुपलेप) નિર્લેપ; લેપ રહિત. निर्लेप; लेप राहित; कर्म शून्य. Stainless; free from desires जं० प० २, ३१; ओव० १०; सम० ३४, कप्प० ५, ११६;

निरुवसग्ग. त्रि० (निरुपसर्ग) ઉપસર્ગ રહિત; નિરૂપદ્રવ. उपसर्ग हीन; निरुपद्रव. Free from obstructions उवा० १, ११४; १०, २७४; भत्त० ४;

निरुवसग्गय. त्रि० (निरुपसर्गक) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपर का शब्द. Vide above. उवा० १०, २७७;

निरुवहय. त्रि० (निरुपहत) ઉપદ્રવ-રોગ રહિત. उपद्रव या रोग रहित. Free from calamity or disease. भग० ७, १; १८, १०; जीवा० ३, ३;

√निरुह. धा० II. (नि+रुह्) રોકવું; રૂંધવું. रोकना; निरोध करना. To check; to hinder.

निरुहेहि. आया० विवा० १;

√निरूव. धा० II (नि+रूप्) નિરૂપણ કરવું; વિચારવું. निरूपण करना; विचारना. To define; to determine.

निरुवइ. स० च० १, २६५;

निरूविय. त्रि० (निरूपित) નિરૂપણ કરેલ. निरूपण-विचारणा कियाहुआ. Determined; defined प्रव० ११८;

निरूवियव्व. त्रि० (निरूपयितव्य) વિચારવા યોગ્ય; તપાસવા લાયક. विचारणीय; निरूपणीय. Fit to be determined or ascertained. पंचा० ३, ३१; ११, २०;

निरेय. त्रि० (निरेज) કંપ-ગભરામણ રહિત कंप-घबराहट से खाली; कंप शून्य Free from tremour; steady. भग० ५, ७; २५, ४;

निरेयण. न० (निरेजन) કંપ ન હોવો તે; નિશ્ચલ પણું. निष्कम्पत्व; निश्चलता. Steadyness; stillness ओव० ४३; कप्प० ४, ६१;

निरोयअ त्रि० (नीरोगक) રોગરહિત; નિરોગી. रोगहीन; निरोगी. Diseaseless; healthy. ओव०

निरोव. पुं० (*) આજ્ઞા; હુકમ. आज्ञा; हुक्म; आदेश. Order; command. सु० च०

१०, १८७;

निरोह. पुं० (निरोध) અટકાવ; રોકાણ. घटकाव; रोक, प्रतिबंध; रुकावट. Hinderance. (२) તાપ; ગરમી. ताप; गर्मी, heat. तडु० भाया० १, ८, ७, १६; ओघ० १६, उत्त० ७, २६; (३) અશેષ કર્મનો ક્ષય. अशेष कर्म का क्षय. destruction of all Karmas. "एएसु या सति निरोह माहु" सूय० १, १४, १६;

√णिर्-कस. धा० I. (निर्+कृष्) બહાર નીકળવું; હાંકી કાઢવું बाहर निकलना; निकाल देना. To turn out; to drive out.

णिक्कसिज्जइ. भा० वा० उत्त० १, ४;

णिक्कसे वि० सूय० १, १४, ४;

णिक्कासिज्जत. उत्त० १, ४;

√णिर्-कम. धा० I, II. (नि+क्रम्) નિકળવું; બહાર નીકળવું निकलना; बाहर निकलना. To step out; to come out.

णिक्खमंति. नाया० ८;

णिक्खमामि. नाया० ८;

णिक्खमे उत्त० १, ११;

णिक्खमिस्सामि. नाया० ८;

णिक्खमित्ता. सं० कृ० नाया० ११;

णिक्खम्म. सं० कृ० सूय० १, ७, २६;

णिक्खममाण स० कृ० व० कृ० नाया० ८; सं० प० ७, १३१; १३२; १४२;

णिक्खमित्तए. हे० कृ० वेय० ५, १५;

√निर्-गच्छ. धा० I (नि+गम) નીકળવું. निकलना. To go.

निग्गच्छइ. भग० २, १; ३, १; उवा० १; ४; ८, २६४;

निग्गच्छउ. आ० अंत० ६, ३;

निग्गच्छइत्ता. सं० कृ० भग० २, १;

निग्गच्छित्ता भग० ३, १;

√निर्-घड धा० I. (निर+घट्) બહાર કાઢવું बाहर निकाल देना. To expell

निग्घाडिज्जइ. गच्छा० ८७;

√णिर्-चर धा० I (निर्+चर्) યથા પ્રકારનું અનુષ્ઠાન કરવું; નિયમ પાલન પુર:સર વિચરવું. यथाविध अनुष्ठान करना, नियम पालन पुरःसर विचरना. To act strictly according to prescribed rules; to act with strict observance of rules.

णिच्चरइ सूय० २, २, २०,

√णिर्-च्छुभ. धा० I (नि+क्षुभ्) બહાર કાઢવું. बाहर निकालना. To push out; to drive out.

णिच्छुभंति. नाया० ७; ८;

णिच्छुभावेइ प्रे० नाया० ८; १६; विवा० २;

णिच्छुभइ. नाया० १८;

√णिर्-च्छोड धा० I. (नि+छुट्) અપમાન કરવું; તિરસ્કાર કરવો; ડોકી ઝાલી બહાર કાઢવું. अपमान करना; तिरस्कार करना; गरदन पकड कर बाहर निकालना. To insult; to show contempt towards; to push out by seizing the neck,

णिच्छोडइ. ठा० ५, १;

णिच्छोडेइ. भग० १५, १. नाया० १८;

णिच्छोडालि. नाया० १६;

णिच्छोडेहिंति. भग० १५, १;

णिच्छोडेत्ता. सं० कृ० भग० १५, १;

√निर्-च्छोड धा० II. (निर्+छोड्) તરછોડવું; તિરસ્કાર કરવો. तिरस्कार करना. To insult

निच्छोडेज्जा. उवा० ७, २००;

√निर्-च्छो. धा० II. (निर् + च्छ)પાણીમાં ડુબાવવું. पाणी में डुबाना. To dip in water; to cause to sink in water.

णिच्छोलोमि नाया० ८;

√निर्-जय. धा० I. (निर्+यत्) લેવું, દેવું; પાછું આપવું. लेना, देना; वापिस देना. To take; to give; to return.

णिज्जाएइ. नाया० १; ७;

णिज्जाएमि. नाया० ७;

णिज्जाइस्ससि. नाया० ७;

णिज्जाउ. नाया० १६;

णिज्जाएत्ता. सं० कृ० नाया० १;

णिज्जाएत्तए. हे० कृ० नाया० ७;

√निर्-जर. धा० I, II. (निर्+जर्) નિર્જરા કરવી; કર્મ દલને આત્મ પ્રદેશથી ખંખેરવા. निर्जरा करना; कर्मदल को आत्म प्रदेशसे झटक डालना To cause Karmic matter to fall off from the soul.

णिज्जरेहति. भग० १, ३; १४, ७; १६, ४;

णिज्जरति. ठा० ४, १;

णिज्जरेसु. ठा० ४, १; पन्न० १४;

णिज्जरमाण. भग० १८, ३;

√निर्-जर. धा० I, II. (निर्+जॄ) ઝરવું; ખંખેરવું; ત્યાગ કરવો. झटकारना; त्याग करना. To cast away; to throw off; to abandon.

निज्जरइ ठा० २, २; भग० ७, १;

निज्जरंति पन्न० १४; भग० ७, ३;

निज्जरेंति. भग० ७, ३;

निज्जरिस्संति भ० पन्न० १४; भग० ७, ३;

निज्जरसु भू० भग० ७, ३;

निज्जरिज्जइ. क० वा० उत्त० ३०, ६;

निज्जरिज्जमाण क०वा०व०कृ० भग०१,१०;

√निर्-जा. धा० I. (निर् + या) નીકળવું; અન્દરથી બહાર જવું. निकलना; भीतर से बाहर जाना. To come out; to get out. (२) નીચે જવું; ડૂબવું. नीचे जाना; डूबना. to get down; to sink.

णिज्जाति. ठा० २, ४;

णिज्जामि. नाया० ६;

निज्जाहिति. भग० १५, १;

णिज्जाइस्सामि. दसा० १०, १;

णिज्जायमाण. विवा० ६;

√निर्-जा. धा० I (निर् + या) નિકળવું; પ્રયાણ કરવું. निकलना; प्रयाण करना. To depart; to come out; to march.

निज्जाइ-ति. नाया० १, ४, ३, १३६; उत्त० ८, ६; दसा० १०, ३;

निज्जाअंतु. आ० ओव० ३०;

निज्जाइस्सामि. भ० ओव० २६;

निज्जायमाण व० कृ० दसा० १०, ३;

√निर्-जा धा० I (निर् + या) જવું; નીકળવું. जाना; निकलना. To go out; to come out.

णिज्जायंति. भग० २, ५;

णिज्जायमाण नाया० १२, १४;

√निर्-जूह धा० I. (निर्+यूह्) બહાર કાઢવું बाहर निकालना. To expell.

निज्जूहिति. भग० १५, १;

निज्जूहित्ता. सं० कृ० भग० १५, १;

निज्जूहिया. सं० कृ० उत्त० ३५, २०;

√निर्-झा. धा० I (निर्+ध्यै) ધ્યાન કરવું; વિચાર કરવો ध्यान धरना; विचार करना. To meditate; to think.

निज्झाए. दस० ८, ५५;

निज्झाइत्ता. सं० कृ० आया० १, १, ६.५०;

√निर्-तर धा० I (निर् + तॄ) પાર પાડવું; અન્ત આણવો. पूरा करना; समाप्त करना. To complete to finish.

नित्थरेज्जा वि० पराह० २, २;

√निर्-त्थर धा० I. (निर्+स्तॄ) નિસ્તાર કરવો. निस्तार करना. To cross; to finish.

नित्थरइ. गच्छा० ६७;

√निर्-त्थर. धा॰ II. (निर+तृ) પાર પામવું पार पाना To cross.

निथारेइ. उवा॰ ७,२१८;

√निर्-दह. धा॰ I. (निर्+दह्) બાલવું. जलाना. To burn.

निद्दहे वि॰ गच्छा॰ ६;

√निर्-दिस धा॰ I (निर+दिश्) નિર્દેશ કરવો; જણાવવુ निर्देश करना; जताना. To point out.

निद्दिसे वि॰ दस॰ ७, १०; ६,२२.

√निर्-धूण धा॰ I (निर् + धूञ्) કંપાવવું, દૂર કરવુ. कंपायमान करना; दूर करना. To shake, to set apart.

निध्दूणे. वि॰ उत्त॰ ३, ११, दस॰ ७, ५७;

√निर्-ने. धा॰ II (निर्+ नी) લઈ જવું. ले जाना. To take away.

नीणेह. उवा॰ ३, १३२; ७, १६४;

नीणेमि उवा॰ २, १०२; ३, १२६; ५, १५६; ७, २२७;

नीणेत्ता. ३, १३८; ७, २३०;

√निर्-पज्ज. धा॰ I. (निर्+पद्) ઉત્પન્ન થવું; બનવું. उत्पन्न होना; बनना. To be born; to be made.

निप्फज्जइ अणुजो॰ १३४;

निप्फजए सू॰ प॰ जं॰ प॰ ७, १५१;

√निर्-पील. धा॰ I (निर्+पीड्) પીડવું; કષ્ટ દેવું. सताना; कष्ट देना. To trouble, to distress.

निप्पीलए वि॰ आया॰ १, ४, ४, १३७;

√निर्-भच्छ. धा॰ II (निर्+भर्त्स्) નિભ્રંછવુ: વખોડવું. निर्भर्त्सना करना; अपमान युक्त शब्द बोलना. To reproach; to insult.

निब्भच्छेज्जा. उवा॰ ७, २००;

निब्भच्छिऊण. सं॰ कृ॰ सु॰ च॰ ३, १४६;

√निर्-वत्त धा॰ II. (निर् + वृत्त-णिच्) નિપજાવવું. निपजाना; पैदा करना. To produce.

निव्वतेइ. उत्त॰ २६, ३;

√निर्-वत्त. धा॰ I. (निर्+वृत्) કરવું. करना To do.

निव्वत्ते पराह॰ १, १;

√निर्-वत्त. धा॰ I. (नि+वृत्+णिच्) કરવુ; બનાવવું. करना; बनाना. To do; to make.

निव्वत्तयइ. पिं॰ नि॰ १७४;

निव्वत्तावेइ. क॰ व॰ सु॰ च॰ २, ३५४;

√निर्-वह. धा॰ II. (निर्+वह्) નિર્વાહ કરવો; નિર્વહન કરવું; સંયમ પાલવો. निर्वाह करना; संयम पालन करना; गुजारा करना. To sustain; to observe self-restraint.

निव्वहे. वि॰ सूय॰ १, ३, २३;

√निर्-वा. धा॰ I. (निर्+वा) બુઝાવવું; ઓલવી નાખવું. बुझाना; ठंडा करना. To extinguish.

निव्वावेज्जा. प्रे॰ वि॰ दस॰ ४;

निव्वावंत. व॰ कृ॰ चउ॰ १९;

√निर्-वा धा॰ II. (निर्+वा) ઓલવવું; બુઝાવવું. बुझाना; शान्त-ठंडा करना. To extinguish; to appease.

निव्ववेइ. आ॰ जं॰ प॰

निव्ववंत. सु॰ च॰ १०, १८३;

√निर्-विज्ज. धा॰ I (निर्+विद्)ઉદાસીન થવું. उदासीन होना; निर्वेद प्राप्त करना. To be neutral; to experience sorrow.

निव्विज्जइ. विशे॰ १४५६; आया॰ १, २, ४, ८९;

√निर्-विद. धा॰ I. (निर्+विद्) નિવૃત્તિ કરવી निवृत्ति करना; मुँह फेर लेना. To return; to desist from.

निव्विन्दए. दस॰ ४, १६;

√निर्-विद. धा॰ II. (निर्+विद्)जुगुप्सा करवी; निन्दा; खेद पामवो. जुगुप्सा-निन्दा करना; दुखी होना. To censure; to be sorrowful.

निव्विदेज्ज. सूय॰ १, २, ३, १२;

√निर्-सर. धा॰ I. (निर्+सृ) नीकळी भागवुं. निकल भागना. To move out.

निस्सरइ. दस॰ २, ४;

निस्सरंति. जं॰ प॰ ५, ११२;

√निर्-सस. धा॰ I. (निर्+श्वस्) श्वास लेवो; निःश्वास मुकवो. सांस लेना; उसांस लेना; निःश्वास छोडना. To sigh.

नीससंति. पन्न॰ ७, भग॰ १; ३४; सम॰१;

नीससमाण. भग॰ ९, ३४; १५, १;

नीससिऊण. सु॰ च॰ १, २७७;

√निर्-हर. धा॰ I. (निर्+हृ) बहार काढवुं; अग्नि संस्कार करवो. बाहर निकाल अग्नि संस्कार करना. To turn out; to cremate.

नीहरंति. उत्त॰ १८, १५;

नीहरिज्ज. वि॰ आया॰ १२, १३, १७२; भग॰ ५, ४;

नीहरित्तए. हे॰ कृ॰ भग॰ ५, ४;

नीहरंत. व॰ कृ॰ पिं॰ नि॰ ५१५;

नीहरिउं. सु॰ च॰ ६, ३३;

निलंछण. न॰ (निर्लाञ्छन) वाछरडा; पाडा वगेरेने खासी करवा ते. बछडे या पाडे आदि को खस्सी करने का कार्य. Emasculation; castration of a male calf etc. उवा॰ १, ५१; —कम्म. न॰ (-कर्म) वृषभआदिने लांछन रहित-नपुंसक बनाववानो-खासी करवानो धंधो. वृषभ-बैल आदि को लांछन रहित-नपुंसक बनाने-या खस्सी करने का धंधा. the profession of castrating a bull etc. भग॰ ८, ५;

निलज्ज. त्रि॰ (निर्लज्ज) लज्जारहित, बेशरम. निर्लज्ज; बेशरम; बेहया Shameless; impudent. पण्ह॰ १, २;

निलय. पुं॰ (निलय) घर. घर, गृह; सदन; आलय. House; shelter तंदु॰ पण्ह॰ २, ५; विशे॰ १८७१;

निलाड. न॰ (ललाट) कपाल. कपाल; ललाट. Forehead. राय॰ ११३; विवा॰ २; प्रव॰ ७६, —देस. पुं॰ (-देश) ललाट-कपालनो भाग. ललाट प्रदेश ललाट-भाल-प्रदेश forehead प्रव॰ ७६;

√निलुक्क. धा॰ I (नि+गुप) छुपावुं; सन्ताई रहेवुं. छिपाना; छिपे रहना To hide; to conceal.

निलुक्कंति. अंत॰ ६, ३;

निल्लंछण. न॰ (निर्लाञ्छन) गोदला पाडा वगेरे समारवा ते. बछड़ों पाडों आदि को निर्लाछन करने का कर्म. Castration of bulls etc. प्रव॰ २६८;

निल्लज्ज. त्रि॰ (निर्लज्ज) लज्जाहीन निर्लज्ज; लज्जाहीन; बेहया. Shameless. भग॰ ७, ६;

निल्लालिय. त्रि॰ (निर्लालित) लप लप करतुं; बहार नीकळेल. लप लपाता हुआ; बाहर निकलता हुआ. Coming out quickly or with a bustle. कप्प॰ ३, ३५; उवा॰ २, ९५;

√नि-ल्लिय धा॰ I. (नि+ली) नाश पामवो नाश होना To be destroyed.

निलीयंति भग॰ ५, ६;

निल्लेव त्रि॰ (निर्लेप) लेपथी रहित. लेप-बंधन-कर्म से शून्य. Stainless. भग॰ ६, ७; १५, १; अणुजो॰ १३१; जीवा॰ ३,२:

निल्लेवण. न॰ (निर्लेपन) लेपन न करवु ते

लेप शून्यता, निर्लेपन State of un-anointing or smearing. भग० ७,४,

निल्लेवा स्त्री० (निर्लेपिका) જેનો લેપ ન લગે એવા વાલ ચણા વગેરે લેવા તે; ગોચરીનો એક પ્રકાર. जिनका लेप न लगे ऐसे बाल चने आदि का स्वीकार; गोचरी का एक प्रकार Accepting peas, gram etc by which nothing is smeared, a variety of Gocharī (accepting food as alms) प्रव० ७४८;

निव. पुं० (नृप) નૃપ; રાજા. नृप; राजा, A king. उत्त० १८, ८; सु० च० १, २७; विशे० ६३४; २३८६; पिं० नि० २१६; पंचा० १८, २८; प्रव० ७५३; **—भारिया.** स्त्री० (-भार्या) રાજાની સ્ત્રી; રાણી रानी; राजपत्नी; महिषी. a queen प्रव० ७६३;

निवइ पुं० (नृपति) રાજા राजा, भूपाल; नरेश्वर. A king. जं० प० ३, ४५; प्रव० १२१६; **—जोग** त्रि० (-योग) રાજાને યોગ્ય. राजा के योग्य. fit for a king. प्रव० १४३०;

निवट्टिम त्रि० (निर्वर्तित) નીપજેલ; તૈયાર થયેલ. निपजा हुआ; उत्पन्न; तैयार बना हुआ. Produced; made ready. आया० २, ४, २, १३८;

निवडण. न० (निपतन) પડવું. गिरन, निपतन. Falling. भग० ३, ७,

निवडिअ. त्रि० (निपतित) પડી ગયેલ. गिरा हुआ, पतित Fallen. विशे० २५४५;

निवण्ण त्रि० (निष्पन्न) તૈયાર થયેલું तैयार बना हुआ Made ready. भग० ३, १;

निवति पुं० (नृपति) રાજા; પ્રજાપાલક. राजा; भूपाल; नरपाल; प्रजापाल A king विशे० २३८३;

निवत्त त्रि०(निवृत्त) ઉત્પન્ન થયેલ. उत्पन्न किया हुआ Produced. नाया० १६; दसा० ६, ४;

निवत्तण न०(निवर्त्तन) યોગસ્થાનોનો કંડક વિશેષ योगस्थानों का कंडक विशेष. An obstruction in the stages of concentration. क० प० १, ६६;

निवत्तिअ. त्रि० (निवर्तित) નિપજેલ; નિષ્પન્ન થએલ निपजा हुआ: उत्पन्न; निष्पन्न. Produced, created "अणाभोगनिवत्तिओ आहारो" प्रव० ११६८;

निवन्न. त्रि० (निर्वर्ण) વર્ણ-રંગથી રહિત. वर्ण-रंग-हीन, बेरंग Colourless. भग० ३, २;

निवय. पुं० (निपात) ઉપરથી પડવું તે. ऊपर से गिरना; निपात. Falling from above. राय० ६५;

√निवर धा० II. (नि+वृ) રોકવું; વારવું. रोकना, निवारण करना. To stop; to check.

निवारेइ प्रे० आया० १, ९, ३, ४; विशे० ११०;

निवारिस्सं. प्रे० भ० सु० च० १, ३४६;

निवारेउं. हे० कृ० उत्त० ३५, ५;

√निवस. धा० II. (नि+वस्) રહેવું; વાસ કરવો. रहना; निवास करना. To dwell; to reside

निवसेइ. सु० च० १, १२६;

निवसंति पिं० नि० ४०३;

निवसण. न० (निवसन) વસ્ત્ર, કપડા वस्त्र, कपडे; पट; वसन. A garment, dress. अणुजो० १३१;

निवइ. त्रि० (निपातिन्-निपतन वा निपातः सोऽस्या स्तीति निपाती) નીચે પડનાર; સંયમથી વિમુખ થઈ અસયમમાં પડનાર नीचे गिरनेवाला, सयम बिमुख होकर असयम में गिरने वाला. Falling bellow; one falling into an unrestrained

life being opposed to self-restraint. "जेणो पुव्वुट्ठाई णो पच्छा निवाई" आया० १, ५, ३, १५२;

निवाइय. त्रि० (निपातित) પડેલું. गिरा हुआ; निपातित. Made to fall; felled. भग० ७, ६;

निवाडित. त्रि० (निपातित) ઉપરથી નીચે પાડેલું. ऊपर से नीचे गिराया हुआ. Felled from above. अंत० ३, ८;

निवात. पुं० (निपात) ચ, વા, અહ, ઇત્યાદિ અવ્યય સમૂહ. च, वा, अह, इत्यादि अव्यय समूह. Indeclinables e. g. च, वा, etc. पराह० २, २;

निवाय-अ. पुं० (निपात) પડવું; નીચે સરકવું તે. पड़ना; नीचेकी ओर सरकना; गिरना; पतन. Falling; moving below. उत्त० २, ३६; पिं० नि० ३९७; सु० च० २, ५८०; ४, ३; भग० ७, ६;

निवाय. त्रि० (निर्वात) પવન વિનાનો પ્રદેશ. निर्वात स्थल; वायु शून्य प्रदेश. Place sheltered from wind. आया० २, २, ३, ११०; राय० २५४;

निवायण. न० (निपातन) જુઓ 'निवाय' શબ્દ. देखो 'निवाय' शब्द. Vide 'निवाय', विशे० २३;

निवारण. न० (निवारण) નિવારવું તે; પાછું વાલવું તે. निवारण करना; पीछे फेरना. Checking or turning back. पंचा० ७, ३८;

निवारणा. स्त्री० (निवारणा) રોકાણ; અટકાયત. रुकावट; अटकाव; निवारणा. Hinderance; obstruction. प्रव० ५२५;

निवास. पुं० (निवास) રહેઠાણ; સ્થાન; વસવું. निवास स्थान; रहना; बसना. Residence; dwelling place. उत्त० ३२, १३;

निविट्ठ. त्रि० (निविष्ठ) આસક્ત. आसक्त; लीन; तत्पर. Attached; prompt; ready. "परिग्गहे निविट्ठाणं" सूय० १, ६, ३; प्रव० ८८६; (२) મેળવેલ. प्राप्त; मिलाया हुआ. acquired. "काम गहिया निवय निविट्ठा " आया० १, ४, २; १३१; सूय० नाया० (३) જીવના પ્રદેશ. जीव के प्रदेश. molecules of soul. भग० १३, ७; (४) તીવ્ર અનુભાવથી ઉત્પન્ન થયેલ કર્મનો રહેલો અંશ. तीव्र अनुभाव द्वारा उत्पन्न कर्म का शेष भाग the residue of Karmas produced by a strong dignity. पन्न० २; (५) બેઠેલું; સ્થિત થયેલું; સ્થાપન કરેલું. बैठा हुआ; स्थित; स्थापित. seated; sitting; posted. भग० ३, २; १२, ४; ओघ० नि० ३१२;

निविण्ण. त्रि० (निर्विण्ण) નિર્વેદ-ઉદાસીનતા પામેલ. निर्वेद-उदासीनता-प्राप्त. Sorrowful; gloomy. नाया० ४; —**ओसह-भेसज्ज.** त्रि० (-औषधभेषज्य) ઓસડ વેસડથી નિવૃત્તિ પામેલ. औषधि-दवा दारू से उदासीन. Indifferent to medicines. विवा० १;

निविवित्तिअ. त्रि० (निर्वृत्तिक) સદા નિવૃત્ત થઈ તપ કરનાર. सदा निवृत्त होकर तप करने वाला. One who practises penances having always completed his duties. पराह० २, १; भत्त० १०६;

√निविस. धा० II. (नि+विश्) ન્યાસ કરવો; સ્થાપવું; રાખવું; મુકવું. न्यास करना; स्थापना करना; रखना. To deposit: to place.

निवेसेइ ओव० १२:

निवेसेउं. सं० कृ० सु० च० २, १७४;

√निविस धा० I. (नि+विश्) બેસવું; સ્થાપન કરવું. बैठना; स्थापन करना. To

sit; to post.
निवेसइ. उत्त० २७, ४;
निवेसयंति दस० ६, ३, १३;
निवेसए. वि० सूय० २, ५, १२;
निवेसइत्ता. सं० कृ० उत्त० ३२, १४;
निवेसंत. प्रव० १५६;

निवज्झमाण. व० कृ० त्रि० (नीयमान) લઈ જવાતું ले जाया जाता हुआ Being carried. आया० २, ११, १७०;

निवुट्ठ त्रि० (निवृष्ट) વૃષ્ટિ કરેલ. बरसा हुआ, निवृष्ट. Rained; showered. "पवुट्ठो देवात्ति वा निवुट्ठो देवात्तिवा णोवए" आया० २, ४, १, १३५;

निवुडमाण. त्रि० (निब्रुडत्) જન્મ મરણ આદિ રૂપ જલમાં બુડતો. जन्म मरण रूप जल में डूबता हुआ. (One) who is sinking in the water of life and death. नवा० ७, २१८;

निवेइय. त्रि० (निवेदित) નિવેદન કરેલ; જણાવેલ. निवेदित; प्रार्थित; सूचित. Related; requested; suggested. सु० च० १, २८०; २, ४७४; ६, ६३;

√निवेइ. धा० I. (नि+विद्-णिच्) નિવેદન કરવું; જાહેર કરવું; જણાવવું. निवेदन करना; जताना; प्रकट करना; जाहिर करना. To inform; to make known.
निवेइज्जासि. ओव० १२;

√निवेद. धा० I. (नि+विद्) જણાવવું. प्रकट करना; जतलाना; निवेदन करना. To reveal; to show.
निवेइय. विवा० २;

निवेदणा. स्त्री० (निवेदना) નૈવેદ્ય; દેવનાની પાસે ઉપહાર તરીકે અન્નાદિ ધરવામાં આવે તે नैवेद्य; उपहार रूप में देवता के सन्मुख रखा जाने वाला अन्नादि Food offered to the gods. जं० प०

निवेय. पुं० (निर्वेद) વૈરાગ્ય. वैराग्य; विरक्ति. Renunciation. दसा० १०, ५;

निवेयण. न० (निवेदन) નિવેદન; જણાવવું. निवेदन; प्रार्थना; विनंती. Information; request. जीवा० ३, ३; निसी० ११,२६;

निवेस. पुं० (निवेश) ઉતારો; ઘર; રહેઠાણ. ठहरने की जगह; घर; आश्रम Home; shelter; place of resort. जं० प० ३५८; ओघ० नि० २६१; (२)લાભ; ફાયદો. लाभ; फायदा. profit; use. ओघ० नि० ५३०; (३) સ્થાપન; ગોઠવણ स्थापन; प्रतिष्ठा; नियत्ति. arrangement; establishment. प्रव० १२३३;

निवेसण. न० (निवेशन) એક બારણેથી જવાય અવાય તેવા બેત્રણ ઘરોની ખડકી. एक ही दरवाजे से जिन घरों में जाना आना होता है ऐसे दो तीन घरों का समूह. A group of houses which have one common door of passage. आया० १, ५, ४, १५७; पिं० नि० ३३४;

निवेसिय-अ. त्रि० (निवेशित) સ્થાપન કરેલ; રાખેલ. स्थापित; रखा हुआ; प्रतिष्ठित. Established; kept. सु० च० १, ६५; ओव० नाया० २;

निव्वइअ. त्रि० (*) ઉપર પડવાથી ઝેરનું પરિણામ હોય તે. वह जिसके ऊपर गिरने से विषका परिणाम हो-विष पैदा हो. That which produces a poisonous effect by falling over. ठा० ६, १;

निव्वाट्टिय. त्रि० (निवर्तित) કરેલ. किया हुआ; कृत; सम्पादित. Done; achieved. "असंथरातिवा बहुनिवाट्टिमसाविवा बहु संभूयातिवा" आया० २, ४, २; १३८;

निव्वण. त्रि० (निर्व्रण)છિદ્ર રહિત; અખંડ. छेद रहित; अखंड; घावहीन Without

holes or wounds; plain. ओघ० नि० २७; ६८७; पण्ह० २, १; (२) નિરતિચાર; દોષ રહિત. निरतिचार; दोष से रहित. Faultless; blameless. पण्ह० २, ५; भत्त० १३५; —गुण. पुं० (-गुण) શલ્ય રહિત ગુણ. शल्य रहित गुण; दोष रहित गुण. An attribute free from an obstruction or flaw. भत्त० १३५;

निव्वत्तिय. त्रि० (निर्वर्तित) ઉત્પન્ન કરેલ. उत्पन्न किया हुआ. Produced; created. पन्न० २८;

निव्वत्त. त्रि० (निर्वृत्त) નિષ્પન્ન થયેલ. निष्पन्न; बना हुआ; सम्पादित. Created; completed. जं० प० ३,४४; भग० ६,३३,

निव्वत्तणा स्त्री० (निर्वर्तना) ઉત્પન્ન કરવું તે. उत्पत्ति; पैदाइश; निष्पन्नता. Birth; production; origin. पन्न० १५; —अहिगरण. न० (अधिकरण) નવા શસ્ત્રાદિ બનાવવાથી લાગતી ક્રિયા. नए शस्त्र बनानेपर लगने वाली क्रिया–दोष.•a fault accruing through the composing of new weapons. भग० ३, ३;

निव्वत्तय. त्रि० (निर्वर्तक) ઉત્પન્ન કરનાર. पैदा करने वाला; जन्मदाता. Creator; producer. विशे० ११४२;

निव्वत्ति. स्त्री० (निर्वृत्ति) ઉત્પત્તિ. उत्पत्ति; पैदाइश; जन्म. Birth; origin; production. पन्न० २;

निव्वत्तिय. त्रि० (निर्वर्तित) બનાવેલું; કરેલું. बनाया हुआ; किया हुआ. Made; done. भग० ५, ६; ७, ६;

निव्वयण त्रि० (निर्वचन) વચન રહિત; મુંગો. वचन रहित; मूक; गूंगा. Speechless; dumb. विशे० १७२१; क० प० ५, १२;

निव्वहण. न० (निर्वाहन) પૂર્વાપર સંગતિ લગાડી શાસ્ત્રીય અર્થનો નિર્વાહ કરવો તે; આચાર્ય સંપદાનો એક પ્રકાર. पूर्वापर संगति–संदर्भ लगाकर शास्त्रीय अर्थका निर्वहन –प्रतिपादन; आचार्य संपदा का एक प्रकार. Expostulation of the scriptural meaning by referring to context. प्रव० ५५२;

निव्वाअ. त्रि० (निर्वात) વાયુ રહિત સ્થાન. वायु शून्य स्थान; निर्वात प्रदेश. A region free from wind. विवा० २;

निव्वाघाय—अ. त्रि० (निर्व्याघात) વ્યાઘાત પીડા–વિઘ્નથી રહિત व्याघात–पीडा विघ्नादि से रहित. Without obstruction or pain. क० प० ३, ३; राय० २८९; भग १, १; ६; २, १; ७, १; ८, ३१; विवा० २; दसा० १०, १७, पन्न० २; २; कप्प० १, १; ५, ११९;

निव्वाघाइम. त्रि० (निर्व्याघातवत) જેને કંઈ પણ વિઘ્ન ન હોય તે. वह जिसे कुछ भी विघ्न न हो; विघ्न विहीन Free from all obstructions or troubles. ओव० १६;

निव्वाघाइय. त्रि० (निर्व्याघातिक) વ્યાઘાત વિઘ્ન વિનાનું. विघ्न रहित; व्याघात शून्य. Free from obstruction जं० प० १६९;

निव्वाण. न० (निर्वाण) મોક્ષ; મુક્તિ. मोक्ष; मुक्ति; सुगति. Salvation दस० ५, २, ३३; पिं० नि० ६६; दसा० ५, २७; विशे० २६२१; ३१८५; दस० ४, २, ३२; पण्ह० २, १; उत्त० ३, १२; २३, ८२; २८, ३०; सु० च० ३, १८३; सूय० १, १, २, २७; भत्त० ६६; प्रव० ८; ४६३; कप्प० ५, ११६; उवा० ७, २१८; —गमणट्ठाण. न० (-गमनस्थान) મોક્ષે

જવાનુ સ્થાન; જે સ્થલે તીર્થંકરો મોક્ષગયા હોય તે સ્થલ मोक्ष को जाने का स्थान; वह स्थल जहा तीर्थंकर मोक्ष को गये हो the place of salvation; the place where the Tīrthaṅkaras have attained salvation प्रव०८; —गय. त्रि० (-गत) મોક્ષ પામેલ મુક્ત. मोक्ष प्राप्त. emancipated. सम० प० २४०, —भावि. त्रि० (-भाविन्) ભવિષ્યમા મોક્ષે જનાર પ્રાણી; ભવ્ય. भविष्य मे मोक्ष को जाने वाला प्राणी; भव्य. one who is to attain salvation. विशे० ४४५; —मग्ग. पुं० (-मार्ग) મોક્ષનો માર્ગ. मोक्ष का मार्ग; मुक्तिपथ. the path of salvation. आव० ४, ८; —महावाड. पु० (-महावाट) નિર્વાણરૂપ ગાયોનું સ્થાન વિશેષ. निर्वाणरूप गायों का स्थान विशेष a particular place of the cows in the shape of salvation. " निव्वाणमहावाडं साहत्थि सपाविइ "उत्त० ७, २१८; —सुह. न० (-सुख) નિર્વાણ સુખ; મોક્ષનું સુખ. निर्वाण सुख; मोक्ष सुख; ब्रह्मानंद. the happiness of salvation. भत्त० ४७, —सेट्ठ त्रि० (-श्रेष्ठ) મોક્ષ આપવામાં પ્રધાન. मोक्ष देने में श्रेष्ठ best in giving salvation. सू० १, ६, २४;

निव्वाणसामि. पु० (निर्वाणस्वामिन्) એરવત ક્ષેત્રમાં ભાવિ ૭ મા તીર્થંકર ऐरवत क्षेत्र में होने वाले ७ वे तीर्थंकर The seventh Tīrthaṅkara to come in the Airavata region. प्रव० ३०१;

निव्वाणि पुं० (निर्वाणिन्) ગઇ ચોવીસીમાં ભરત ક્ષેત્રમાં થયેલ બીજા તીર્થંકરનું નામ गत चोबीसी में भरत क्षेत्र में उत्पन्न दूसरे तीर्थंकर का नाम The name of the second Tīrthaṅkara born in Bharata Kṣetra in the last Chaubīsī (cycle). प्रव० २९०,

निव्वाणी. स्त्री० (निर्वाणी) સોલમા તીર્થંકર શાંતિનાથની શાસન દેવી. सोलहवें तीर्थंकर शान्तिनाथ की शासन देवी. The commanding diety of the 16th Tīrthankara Śāntinātha. प्रव० ३७८; (२) સમાધિ समाधि. concentration; contemplation. नंदी० स्थ० ४१,

निव्वावअ. त्रि० (निर्वापक) અગ્નિ આદિને ઓલવનાર. अग्नि आदि को बुझाने वाला. Extinguisher सूय० १, ७, ६;

निव्वावकहा स्त्री० (निर्वापकथा) નિર્વાપ-પકવાન વિગેરેની કથા निर्वाप-पक्वान्न आदि की कथा A chat about food etc. ठा० ४, २;

निव्वावार. त्रि० (निर्व्यापार) વ્યાપાર-આરંભ રહિત. व्यापारशून्य; आरम्भहीन. Inactive; without operation. " चत्तपुत्तकलत्तस्स निव्वावारस्स भिक्खुणो " उत्त० ६, १५,

निव्वाविय त्रि० (निर्वापित) શાન્ત કરેલ; બુઝાવેલ. शान्त किया हुआ; बुझाया हुआ. Extinguished; pacified. दस० ५, १, ६३; भग० ६, ३३; भत्त० ४२;

निव्वाहण. न० (निर्वाहण) નિર્વાહણ કરવો. निर्वाहण करना. Subsistence उत्त० २५, १०;

निव्विइअ त्रि० (निर्विकृतिक) ઘૃતાદિ વિકૃતિને તજનાર; નીવિ તપ કરનાર; घृतादि विकृति को छोड़ने वाला, नीवि नामक तप करने वाला. (One) who gives up taking Ghee etc, (one) who performs an austerity named

Nīvi. ઠા० ५,१;

निव्विगइय. न० (निर्विकृतिक) नीवि नाभनुं तप; જેમાં દુધ વગેરે વિગયનો ત્યાગ કરવામાં આવે છે તેવું તપ. नीवि नामक तप; वह तप जिसमें दूध आदि विगयों का त्याग किया जाता है. An austerity named Nīvi in which one has to abstain from taking materials e. g. milk etc. प्रव० ७६१, १५२३; आव० ६, ७:

निव्विगप्प. त्रि० (निर्विकल्प) વિકલ્પ રહિત. विकल्पशून्य; निर्विकल्प. Free from classes, kinds, alternatives or conditions. गच्छा० ४४;

निव्विगार. त्रि० (निर्विकार) વિકારથી રહિત; એક રૂપે રહેનાર. विकारशून्य; निर्विकार; सदा एकही रूप मे रहने वाला; स्थिर. Free from change; existing in one form. वव० ३, १३;

निव्विग्घ. न० (निर्विघ्न) વિઘ્નનો અભાવ विघ्न का अभाव; निर्विघ्न; विघ्नहीन. Absence of obstruction. गच्छा० ४४;

निव्विज्ज. त्रि० (निर्विद्य) વિદ્યા વિનાનો; મૂર્ખ. विद्याहीन; मूर्ख; अपढ. Foolish; illiterate; stupid. उत्त० ११, २;

निव्विट्ठ त्रि० (निर्विष्ट) ભેળવેલું. मिलाया हुआ; मिश्रित. Mixed. पिं० नि० ३७०:
—**काइय.** त्रि० (-कायिक) પરિહાર વિશુદ્ધિ ચારિત્રને પૂર્ણ કરનાર. परिहार विशुद्धि चारित्र को पूरा करने वाला. (one) who achieves a pure and absolutely non-injurious conduct. पन्न० १;

निव्विएण. त्रि० (निर्विण्ण) ખિન્ન થયેલ; ઉદાસ બનેલ. खिन्न; उदास चित्त. Gloomy; sad. राय० २६५;

निव्वियतिगिच्छ. त्रि० (निर्विचिकित्स्य) કર્મના ફલમાં સંદેહ ન કરનાર. कर्मफल के विषय में शंका रहित-निःशंक (One) doubtless about the result of Karmas भग० २, ५; पन्न० १; वेय० ५, ६; उत्त० २८, ३१; पंचा० १५, २४;

निव्वितिगिच्छा. स्त्री० (निर्विचिकित्सा) સંશયનો અભાવ. संशयहीनता, निःशंकता. Absence of doubt or suspicion. प्रव० २६८;

निव्वित्ति. स्त्री० (निर्वृत्ति) નિષ્પત્તિ; સિદ્ધિ. निष्पत्ति; सिद्धि, सफलता; पूर्ति. Production; accomplishment; achievement; fulfilment अणुजो० १३२;

निव्विन्न. त्रि० (निर्विण्ण) નિર્વેદ વૈરાગ્ય પામેલ. निर्वेद-वैराग्य प्राप्त; विरागी One indifferent from the world. उत्त० १४, २;

निव्वियार. त्रि० (निर्विकार) વિકાર રહિત; શુદ્ધ विकार रहित; शुद्ध. Fine; unchanged. विशे० ६६; संथा० ४४;

निव्विसय. त्रि० (निर्वेशक-निष्पूर्वस्य विशेरूपभोगार्थत्वात्) ઉપભોગ કરનાર. उपभोग करने वाला. (One) who enjoys. पिं० नि० ११६;

निव्विसय. पुं० (निर्विषय) દેશપારની શિક્ષા विदेश की या देशपार की शिक्षा. A foreign education. राय० २५५; पिं० नि० २८१; पराह० १, ३; (२) त्रि० न જાણી શકાય એવું. अज्ञेय, जो न जाना जा सके. unknowable; incomprehensible. पंचा० १२, २०;

निव्विसेस. त्रि० (निर्विशेष) વિશેષતા રહિત; સામાન્ય રૂપ. विशेषता रहित, सामान्य; साधारण; निर्विशिष्ट. Ordinary; without any peculiarity. तंदु० विशे० ७६४;

पण्ह० २, ५; —भाव. पुं० (-भाव) સામાન્ય ભાવ. सामान्य भाव. State of being ordinary. विशे० १५५;

निव्वी. स्त्री० (*) નીવી નામનું એક તપ. नीवी नामक एक तप. An austerity named Nīvī. प्रव० २०५;

निव्वुत्र. त्रि० (निर्वृत) નિર્વાણ પદ પામેલ निर्वाण पद प्राप्त; मुक्त Emancipated. प्रव० ३६०;

निव्वुइ. स्त्री० (निर्वृत्ति) છુટકારો; મોક્ષ. छुटकारा; मोक्ष, मुक्ति. Freedom, emancipation. जं० प० ६, ११६; चउ० ६३; सु० च० १, ६६; नदी० स्थ० २२; विशे० ३१८५; भत्त० २; —सुह. न० (-सुख) મોક્ષનું સુખ. मोक्ष सुख. The happiness of salvation. नाया० ४,

निव्वुइकरी. स्त्री० (निवृत्तिकरी) ૧૮ મા તીર્થંકરની પ્રવ્રજ્યા પાલખીનું નામ १८ वें तीर्थंकरकी प्रव्रज्या पालखीका नाम. The name of the ascetic Palanquin of the 18th. Tīrthaṅkara. सम० प० २३१;

निव्वुड. त्रि० (निर्वृत्त) નિર્વાણ પદ પામેલ. निर्वाण पद प्राप्त; मुक्त. Emancipated. "णिव्वुड वितिमो" कप्प० ५, ११६; भग० ५, ४; आया० १, ४, ३, १३६, —दंसण. न० (-दर्शन) નિર્વાણ પદ પામેલનું દર્શન. કેવલ દર્શન. The sight of one emancipated; perfect philosophy. भग० ६, १०;

निव्वुड्ड. त्रि० (निर्मूडित) ડૂબી ગયેલ. डूबा हुआ. Drowned. नाया०८, —भंडसार. त्रि० (-भाण्डसार) ડૂબી ગયા છે સમુદ્રમાં ભાણ્ડસાર પદાર્થ જેના તે. वह जिसके भाण्डसार पदार्थ समुद्र में डूब गये हों. (one) whose wealth and cargo are plunged in the sea. नाया० ६;

निव्वुड्डि. स्त्री० (निर्वृद्धि) અપચય-હાનિ अपचय-हानि-पाचन न होनेसे उत्पन्न हानि. Waste; loss. " दोएह गब्भत्थाण निव्वुड्डि पण्णत्ता " ठा० २, ३; ३, २; सू० प० १२,

निव्वुति. स्त्री० (निवृत्ति) મોક્ષ સુખ. मोक्ष सुख, मुक्ति सुख. The happiness of salvation. राय० ५०;

निव्वेग पुं० (निर्वेद) સસારથી વિરક્ત થવુ તે. ससार विरक्तता—उदासीनता Indifference towards the world. भग० १७, ३;

निव्वे (य). पु० (निर्वेद) ઉદાસીનતા; વૈરાગ્ય. उदासीनता; वैराग्य. Renunciation; indifference. उत्त० २६, ६; अणुजो० १३०; आया० १, ४, १, १२७, प्रव० ६५०,

निव्वेयण. त्रि० (निर्वेदन) જ્ઞાતા અજ્ઞાતા રૂપી વેદના વિનાનો. ज्ञाता अज्ञाता रूप वेदना विहीन. (One) free from the sensation of non-volition अणुजो० १२७,

निव्वोदग. न० (नीव्रोदक) નેવાનું પાણી. नेवतोंका पानी. Water oozing out from the eaves. पिं० नि० भा० १२;

निसंत. त्रि० (निशमित) સાંભળેલ. सुना-हुआ, श्रुत पूर्व. Heard भग० २, ३२, ११, ११;

निसंत. पु० (निशान्त) નિશા-રાત્રિનું અવસાન; પ્રાતઃકાળ. निशा-रात्रि की समाप्ति, प्रातःकाल. The end of night; morning. दस० ६, २, १४; उवा० १, ५८, (२) न० તદ્દન; સપૂર્ણપણે बिलकुल; नितान्त, सपूर्णतया. All; complete. जं० प० ५, ११५;

निसक्किय. सं. कृ. अ० (निषिच्य) લાકડું હલાવી અગ્નિનો નિષેક કરીને. लकड़ी हिलाकर एव अग्नि का निषेक करके. Having thrown out fire by shaking the wood. आया० २, १, ७, ३८;

निसग्ग. पु० (निसर्ग) સ્વભાવ. स्वभाव. Nature. उत्त० २८, १७; पिं० नि० ८६; प्रव० ६५७; (२) ગુરુનો ઉપદેશ સાંભળ્યા વિના પૂર્વ સંસ્કારથી સમ્યક્ત્વ ઉપજે તે; સમ્યક્ત્વનો એક પ્રકાર. वह सम्यक्त्व जो गुरुके उपदेशके श्रवण विना ही उत्पन्न होता हो; सम्यक्त्वका एक प्रकार. That right belief which is produced even without a preceptor's advice. पन्न० १; —रुइ. स्त्री० (-रुचि) સહજ રુચિ-શ્રદ્ધા; કોઈનો ઉપદેશ સાંભળ્યા વિના પોતાની મેળે ધર્મરુચિ થાય તે. सहज रुचि-श्रद्धा, विना किसीका उपदेश सुने अपने आप ही धर्मरुचि का होना. Natural inclination or faith; a faith born without the advice of any one प्रव० ६६४;

निसग्गओ अ० (निसर्गतस्) સ્વભાવથી. स्वभावसे, निसर्गतया. Naturally. विशे० २६७५;

निसज्जा. स्त्री० (निषद्या) બેસવાનું સ્થાન. बैठनेका स्थान की जगह. A place to sit, seat दस० ६, ८, (२) રજોહરણની દાંડી ઉપર વસ્ત્રનું વેષ્ટન; નેસથીઓ. रजोहरकी दण्डीपरके वस्त्रका वेष्टन. A covering of cloth for the stick of Rajohara. पिं० नि० भा० २८;

निसट्ठ. त्रि० ( ) ઘણું; વધારે. बहुत; अधिक. Profuse; excessive. ओघ० नि० ८७;

निसट्ठ. त्रि० (निसृष्ट) દીધેલ; આપેલ. दिया हुआ; प्रदत्त. Given. " सव्वजणाए निसट्ठे ते भुंजइ " आया० २, १, ५, ८६; नाया० १; बेय० २, १६; पण्ह० १, ३; (२) ફેંકેલ. फेंका हुआ. Thrown. भग० ७, १०;

निसढ. पु० (निषध) હરિવાસ ક્ષેત્ર અને મહાવિદેહ ક્ષેત્રની વચ્ચે આવેલ એક પર્વત; નિષઢ નામનો પર્વત. हरिवास क्षेत्र और महाविदेह क्षेत्रके बीच आया हुआ एक पर्वत; निषध नामक पर्वत. A mountain of this name coming between the Harivāsa kṣetra and mahāvideha kṣetra सम० ७; (२) એ નામનો એક યાદવ કુમાર; કૃષ્ણ મહારાજનો પુત્ર. इस नामका एक यादव कुमार, कृष्ण महाराजका पुत्र. A yādava prince so named; the son of the lord Kṛṣna. पण्ह० १, ४; निर० ५, १,

निसरण्ण. त्रि० (निषण्ण) બેઠેલ. (२) નિવૃત્તિ પામેલ; निवृत्त बैठा हुआ, (२) निवृत्तिप्राप्त, निर्वृत Seated; free. आया० १, ३, २, ११४, कप्प० ४, ६२;

निसन्न त्रि० (निषण्ण) બેઠેલું; સ્થિર થયેલું. बैठा हुआ; स्थिर बना हुआ. Seated; made steady. प्रव० ४६१; ५४५, ओव० ३६; सु० च० २, ४१, ज० प०

√नि-सम. धा० I. (नि+शम्) સાંભળવું. सुनना; श्रवण करना. To hear. गच्छा० ४०;

निसामंत सम० ३४;

निसामेहि. विशे० १५६२,

निसामित्तए हे. कृ. भग० २, १,

निसामेत्ता. सं. कृ. उत्त० ६, ८;

निसामित व. कृ. सु० च २, ५८४;

निसामेह. क व. भग० २, ५; ११, ६; उवा० १, ७६;

निसामेत्तए. क. वा. हे. कृ. भग० ७, १०, उवा० ७, २०२;

निसमिऊण. स. कृ. अ० (निशम्य) સાંભળીને. सुनकरके Having heard सु० च० १, २८६,

निसम्म स. कृ. अ० (निशम्य) સાંભળીને, જાણીને सुनकर के, जानकर के. Having heard or known. आया० १, ६, ४, १८८, २, ४, १, १३२, भग० १, ७, २, १, ५, ३, १, ५, ८, नाया० १, राय० ३६ उत्त० १०, ३१; ठा० ३, १. उवा० १, १२ ७, २१०, —**भासि.** त्रि० (–भाषिन्) વિચારીને બોલનાર. विचारकर बोलनेवाला, विवेकीवक्ता. A thoughtful speaker आया० २, ५, २, १४०,

✓**निसर** धा० I. (निर्+सृ) દૂર કરવું, ફેંકી દેવું दूर करना, फेंकदेना. To cast away; to throw.

निसरइ नाया० १,

निसरित्तए हे. कृ राय० २५७,

निसरइत्ता स. कृ नाया० १,

निसह पु० (निषध) મહાવિદેહની સીમા કરનાર એક પર્વત. महाविदेहको सीमित करनेवाला एक पर्वत. A mountain forming a boundry of Mahā-Videha. सूय० १, ६, १५;

निसा. स्त्री० (∴) શિલા, પત્થર. शिला, पत्थर; पाषाण. A stone दस० ५, १. ४५, उवा० १, ६४;

निसा. स्त्री० (निशा) રાત્રિ. रात्रि, रात. Night. जीवा० ३, १. कप्प० ३, ३८, प्रव० १५८१, —**अइयार.** पु० (–अतिचार) રાત્રે જે અતિચાર-દોષ લાગ્યા હોય તે. रात्रिमें लगेहुए अतिचार दोष. A fault incurred at night. प्रव० १८०, —**यर** त्रि० (–चर) રાક્ષસ, પિશાચ વગેરે. राक्षस पिशाच आदि. Demon; ghost etc. प्रव० ७६४; —**वसाण.** न० (–अवसान) રાત્રિનું અવસાન; પ્રાતઃકાળ. रात्रिका अवसान, प्रात:काल. The end of night; morning. सु० च० ४, १६६; —**सोहग.** पु० (–शोभक) રાતને શોભાવનાર (ચંદ્ર). रातको सुशोभित करनेवाला–चंद्र That which beautifies the night *i. e.* the moon कप्प० ३, ३८,

निसाअ. पुं० (निषाद) એ નામનો સ્વર; સાત સ્વરમાંનો સાતમો. इस नामका एक स्वर, सात स्वरोंमेंसे अन्तिम स्वर. A musical note of this name; the 7th note. अणुजो० १२८,

निसाए. स. कृ. अ० (निश्राय) નિશ્રાએ, આશ્રીને. आश्रय लेकर. Having taken a support. ज० प०

निसापाहाण. न० (निशापाषाण) ઉપરવટો આદિ દલન શિલા. पत्थर पर पदार्थ पीसने-बांटनेके काममें लीई जानेवाला लुढ़िया-लोढ़ा. A stone to pound things on a slab. उवा० २, ९४;

निसामण. न० (निशामन) સાંભળવું. सुनना. Hearing. पिं० नि० ५२८,

निसामण. न० (निशामन) સાંભળવું. सुनना. Hearing. सु० च० १, ३०६,

निसामिअ. त्रि० (निशामित) સાંભળેલ. सुना हुआ. Heard. सु० च० १, २७६;

निसाय. त्रि० (निशात) તીક્ષ્ણ. तीक्ष्ण, तेज. Sharp. सु० च० २, ५४५,

निसाय. पु० (निषाद) સાતમો નિષાદ નામનો સ્વર. निषाद नामक सातवा स्वर. The 7th musical note of this name. अणुजो० १२८,

निसालोढ. पुं० (निशालोष्ट) शिलापुत्र; पीसवानो पत्थर. शिलापुत्र, पीसनेका पत्थर, लोढ़ा; लुढ़िया. A stone to pound things on a slab उवा० २, ६४;

निसिञ्ज त्रि० (निषण्ण) બેઠેલું. बैठा हुआ. Seated. ओघ० नि० १०६;

निसिजागरण. न० (निशाजागरण) રાત્રે જાગવું તે. रातका जागरण A night-watch. प्रव० २६;

निसिज्जा स्त्री० (निषद्या) બેસવાનું સ્થાન. बैठनेकी जगह. A seat. दस० ६, ५५, उत्त० १७, ७; ओव०

निसिट्ठ. त्रि० (निसृष्ट) દૂર કરેલ दूरकिया हुआ. Set aside. भग० ३, २; १२, ४; पिं० नि० ३८४, वव० ६, १;

निसिद्ध. त्रि० (निषिद्ध) નિષેધ કરાયેલ. निषिद्ध; मना कियाहुआ. Prohibited. विशे० ४३१; **—जोग.** त्रि० (-योग) ખરાબ વ્યાપાર-અશુભ યોગને જેણે રોક્યા છે તે. खराब-कु-व्यापार अथवा अशुभ योगोंको रोकनेवाला. That which wards off evil deeds or omens पंचा० १२, २२; —(अ)-प्प (-आत्मन्) સાવદ્ય યોગથી નિવૃત્ત થયેલો આત્મા. सावद्ययोग निवृत्त आत्मा. A soul having completed Sāvadya yoga. पंचा० १२, २५;

निसिभत्त. न० (निशाभक्त) રાત્રિ ભોજન. रात्रिभोजन; निशा भोजन-भुक्त. A night-meal. ओघ० नि० ७८७; विशे० १२४०; भत्त० १४०; पंचा० १५, ३०; **—नियत्ति.** स्त्री० (-निवृत्ति) રાત્રિ ભોજનથી નિવૃત્તિ. रात्रि भोजनसे निवृत्ति, रात्रिके भोजनसे निया-जाना-उसे कर चुकना. Finishing a night meal. भत्त० १४०;

निसिय. त्रि० (निशित) તીક્ષ્ણ. तीक्ष्ण; तेज. Sharp. पण्ह० १, १; सु० च० १, ५२;

निसिय. त्रि० (निश्रित) ધારણ કરેલ धृत; धारण किया हुआ. Put on; worn. सु० च० १, ५०;

निसिय. त्रि० (न्यस्त) રાખેલ. रखाहुआ. Kept. सु० च० ६, ६४,

निसियर. त्रि० (निशिचर) ચોર. (२) રાક્ષસાદિ चोर. (२) राक्षसादि. A thief; demon etc. ओघ० नि० भा० १८४;

√**निसिर.** धा० I. (नि+सृज्) દૂર કરવું. दूर करना. To spurn.

निसिरइ. भग० १, ८; ३, १, २,

निसिरे. वि० उत्त० ३२, २१; दस० ८, ४६;

निसिरिज्जमाण. क. वा. व. कृ. भग० २, ८, ८, ७,

निसिरण न० (निसर्जन) નીકળવું તે निकलना; निकलने-बाहर-आनेका कार्य; बहिरागमन. Egress; exit विशे० ३६६;

निसीइत्तार. त्रि० (निषीदयितृ-निषत्तृ) બેસનાર. बैठनेवाला. (one) who sits. सम० ३६;

निसीइयव्व. त्रि० (निषत्तव्य) બેસવું જોઈએ. बैठना चाहिए. Should sit. भग० २, १;

√**निसीद.** धा० I. (नि+षद्) બેસવું. बैठना. To sit.

निसिज्जाइ. दस० ६, २, २०;

निसिज्ज. सं. कृ. पण्ह० २, १;

निसिइत्ता. सं. कृ. दसा० २, ३; ४, ५; ६; ७; ८, ६;

निसियमाण. क. वा. व. कृ भग० ३, ३;

√**निसीद.** धा० I. (नि+षद्) બેસવું. बैठना. To sit.

निसीयइ. ओव० १२; भग० २, १; सु० च० २, २७७;

निसीयंति. भग० ११, ११, जं० प०

√निसीद. धा० I. (नि+षद्) સુવું; શયન કરવું. सोना; शयन करना. To sleep.
निवज्जिज्जा. विधि० आया० १, ७, ७, १३,
निसीइज्जा. वि० दस० ८, ५, उत्त० १, २१;
निसीए. वि दस० ८, ५;
निसीएज्ज. वि. पन्न० ३६;
निसीइस्सामो. भ. भग० १०, ३,
निसीइत्तए. हे कृ भग० ७, १०;
निसीइत्ता स० कृ० दसा० ३, ३२, ३३;
निसीइयत्ता. नाया० १;
निसीयावेइ. क. वा. भग० ६, ३३;
निसीयावेज्ज. क. वा. वि० निसी० ७, १६;
निसीयावेत्ता. क. वा. सं. कृ भग० ६, ३३;
निसियावए. क. वा. पिच० सु० च० २, ६०२;
निसियाविति. क. वा. सु० च० २, १७०;

निसीदण. (निशीदन) બેસવું તે. वैठक, वैठनेका कार्य, निषीदन Sitting. ओव० २०,

निसीयण न० (निशीदन) બેસવું वैठना. Sitting. पिं० नि० भा० १५, ओघ० नि० ७१०; भा० १६२, उत्त० २४२४, प्रव० १०७; ५२२; १३२;

निसीयावण. न० (निषादन) બેસાડવું. बिठाना, बिठलाना. To cause to sit. वेय० ४, २६;

निसीह. पु० (निशीथ) અર્ધ રાત્રિનો સમય, મધ્યરાત आधीरातका समय, मध्यरात्रि midnight. सु० च० १, ४५; राय० २५१, विशे० ३३५६, पिं० नि० ३२६; (२) એ નામનું એક કાલિક સૂત્ર. इस नामका एक कालिक सूत्र. A kālika sūtra of this name. नंदी० ४३;

निसीहिगा. स्त्री० (नैषेधिकी) ધર્મ સ્થાનકે જતાં સંસારના કર્મની નિષેધ સૂચવનાર 'નિસીહિ' શબ્દ બોલવો તે; સામાચારીનો એક પ્રકાર. धर्म स्थानकमें जातेहुए सांसारिक कर्मोंका निषेध बतलानेवाला-सूचक 'निसीहि' शब्दका उच्चारण, सामाचारीका एक प्रकार. Reciting the word 'निसीहि' suggestive of checking the worldly activities when visiting a religious place. पिं० नि० ३३६;

निसीहिया स्त्री० (नैषेधिकी) બેઠક. બેસવાનો પરિસહ. वैठक; वैठनेका परिसह-कष्ट. Seat; the suffering caused by sitting. भग० ८, ८; सम० २१; प्रव० ६६२; ६६५; (२) પાપકાર્ય નિષેધવાને 'નિસીહિ' શબ્દ કહેવો તે. पाप कार्यका निषेध करनेके लिए निसीहि शब्दका उच्चारण. The recital of the word "निसीहि" to check a sinful act. भग० २५, ७; उत्त० २६, २; आव० ३, १, दसा० २, १६, १७,

निसीहिया-(आ) स्त्री० (नैषेधिकी) કાર્ય નિષેધનુ સ્મરણ કરવા બોલાતો શબ્દ, સામાચારીનો બીજો પ્રકાર. कार्य निषेधका स्मरण करनेके लिए बोलाजानेवाला शब्द, सामाचारीका दूसरा प्रकार. A word spoken to cause one to remember a negation; the 2nd variety of Sāmāchārī पचा० १२, २, दसा० २, १६; १७, भग० २५, ७, उत्त० २६, २;
—भंजण. न० (-भञ्जन) ધર્મસ્થાનમા જતાં 'નિસીહિ' એ શબ્દ ન બોલવો તે. धर्मस्थानमें जाते हुए 'निसीहि इस शब्दका न बोलना. Non-uttering of the word 'निसीहि' when going to a religious place. प्रव० ४४०, (२) સ્વાધ્યાયનુ સ્થાન. स्वाध्यायका स्थान-स्थल-भूमि. A place of scriptural study. दस० ५, २, २; अणुजो० १६, राय० ११३; आया० २, ६,

२, १६४; —परिसह पु० (-परिषह) સ્વાધ્યાય ભૂમિમાં બેસી રહેવાનું કષ્ટ સહન કરવું તે. स्वाध्याय भूमिमें बैठ रहनेका कष्ट सहन. Enduring of the suffering of sitting in a place for religious study. सम० २२;

√निसुंभ. धा० I. (नि+पत्-णिच्) નીચે પાડવું. नीचे गिराना. To cause to fall below.

निसुंभंति—सूय० नि० १, ५, १, ७०;

निसुंभ. पुं० (निशुम्भ) પાંચમા પ્રતિવાસુદેવ. पांचवें प्रतिवासुदेव. The 5th prativāsudeva. प्रव० १२२७;

√निसुण.—धा० I. (नि+श्रु) સાંભળવું. सुनना; श्रवण करना. To hear.

निसुणाहुं. भा० सु० च० १, २२१;

निसुणंत. व. कृ. सु० च० २, ४१३;

निसुणिज्जंत. क वा. व कृ. सु० च० २, २००;

निसूरण. त्रि० (निषूदन) મારનાર, નાશક. मारनेवाला; घातक, नाशक. Slayer; destroyer. उत्त० १८, ४२;

निसेवणिज्ज. त्रि० (निषेवणीय) સેવા કરવા યોગ્ય. सेव्य; सेवा करने योग्य. To be served. सु० च० २, ८८;

निस्संक त्रि० (निश्शङ्क) શંકા રહિત. शंका रहित, निस्सन्देह Free from doubt or fear. प्रव० ६०५; गच्छा० ४६,

निस्संकिय(अ). त्रि० (निःशङ्कित) શંકા વિનાનો. शंका विहीन, संदेह शून्य. Fearless; without doubt. दस० ५, १, ५६; ७, १०, पिं० नि० ४६३; पन्न० १, ओव० २७; भग० २, ५; पचा० १५, २४; प्रव० २७०; २६६; (२) દેવ, ગુરુ, ધર્મ પ્રત્યે શંકાનો અભાવ; સમકિતના આઠ આચારમાંનો પ્રથમ આચાર. देव, गुरु और धर्म प्रति शंकाका अभाव, समक्तिके आठ आचारोंमेंसे पहिला आचार. Absence of doubt concerning god, preceptor and religion; the 1st right conduct of the 8. उत्त० २८, ३१;

निस्संग. त्रि० (निःसङ्ग) સંગ રહિત; એકલો. संग रहित, अकेला; निःसंग; एकाकी. Indifferent; alone. विशे० २५६७,

निस्संगया. स्त्री० (निःसङ्गता) એકલાપણું. अकेलापन, एकाकिता. State of being unattached. भग० ७, १;

निस्संचिया. अ० (निषिच्य) સીંચીને; ધોઇને. सींच करके; धो करके. Having sprinkled or washed. दस० ५, १, ६३;

निस्संद. पु० (निष्यन्द) સાર; રસ; તત્ત્વરૂપ પદાર્થ. सार; रस, तत्त्वरूप-पदार्थ. Sum and substance; flow; juice; sap. चउ० २८, पण्ह० १, १;

निस्संस. त्रि० (नृशंस) ઘાતકી; ક્રૂર. घातकी, क्रूर; कठोर; निर्दय. Cruel; treacherous. उत्त० ३४, २२, पण्ह० १, १;

निस्संसइय. त्रि० (निःसंशयिक) શંકાથી રહિત. निःशंक, संशयहीन. Free from doubt. नाया० २;

निस्सकड. त्रि० (निश्राकृत) કોઇની નેશ્રાએ, અપેક્ષા રાખી કરેલ. किसीके आश्रय-सम्बन्धकी इच्छा रखकर कियाहुआ. Done with the expectation of any body's support. प्रव० ६६६;

निस्सग्गरुइ. स्त्री० (निसर्गरुचि) સ્વાભાવિક રીતે ઉત્પન્નથતી ધર્મરુચિ; સમ્યક્ત્વનો એક પ્રકાર. स्वभावसेही उत्पन्न होनेवाली धर्मरुचि; सम्यक्-

त्वका एक प्रकार. Natural taste for religion, a variety of right-belief. उत्त० २८, १६,

निस्सन्न. त्रि० (निषण्ण) બેઠેલ बैठाहुआ, आसीन. Seated. राय० १५४,

√**नि-स्सय** धा० I (नि+श्रि) બેસવું. बैठना. To sit.

निस्सए वि० दस० ८, ४५,

निस्सल्ल त्रि० (निःशल्य) માયાઆદિ ત્રણ શલ્યથી રહિત. माया आदि तीन शल्योंसे शून्य-रहित. Free from a blemish such as deceit. उत्त० २६, ४१; सम० ६, भत्त० १३५, ५६;

निस्सा स्त्री० (निश्रा) નિશ્રા-આધાર; અવલંબન; આશ્રય. आधार; अवलम्बन; आश्रय, सहाय. Support; help, prop. वव० ४, ५, ६, ८, ६; निसी० १२, ४७; दसा० १०, २, सूय० २, १, ४५; भग० ३, २,

निस्सामन्नता स्त्री० (निःसामान्यता) સામાન્યનો અભાવ. असमता; सामान्यका-या समताका अभाव An absence of generality. विशे० ३२;

निस्साय पु० (निश्राय) નિશ્રાય. आश्रय लेकर, आधार रखकर Having taken a support भग० ७, ६,

निस्सार त्रि० (निःसार) સાર વિનાનું, ખાલી सारहीन, निःसार, निरर्थक, खोटवाला. Empty; useless, unsubstantial. आया० १, ३, २, ११४, ओघ० नि० ७३६, भग० ६, ३३; सम० ६, गच्छा० २३,

निस्सारय. त्रि० (निस्सार) સાર રહિત. सारहीन, तत्वशून्य Unsubstantial; pithless "निस्सारए होइ जहा पलाए" सूय० १, ७, २६;

निस्सारिय. त्रि० (निःसारित) બહાર કાઢેલું. बाहर निकालाहुआ. Expelled or turned out सूय० १, १४, ३;

निस्सास पु० (निःश्वास) નિશ્વાસ; શ્વાસ લેવો તે. निःश्वास, श्वास, उसास. Breath. "सव्वेसमुस्सास निस्सासा" भग० १६, ११; भग० २, १, ६, ३३, पन्न० १, सम० ३४;

निस्सासय. त्रि० (निःश्वासक) નીચે શ્વાસ લેનાર नीचे श्वास लेनेवाला (one) who breathes. भग० ११, १,

निस्सिअ-य. त्रि० (निःश्रित) આશ્રિત રહેલ. आश्रित, आश्रयमें रहाहुआ Supported. दसा० ६, १३; उत्त० ८, १०; ३५ ११; सम० ४०, आया० १, १, ४, ३७; राय० २७२, (२) અવગ્રહાદિ ચતુષ્ટય अवग्रहादि चतुष्टय A group of 4 Avagrahas etc. (perception). विशे० १६६; (३) વસ્તુને અન્યથારૂપે ગ્રહણ કરવું તે. वस्तुका अन्यथा ग्रहण. Accepting a thing in another shape. विशे० ३१०,

निस्सिंघिय. न० (निःशिङ्घित) વા સંચરવું, પાદવું તે वायुसरण; पादना, गुदा मार्गसे दूषित अपान-वायुका छोड़ना Passing of the wind. विशे० ५०१, नदी० ३८,

निस्सिंचमाण व कृ त्रि० (निस्सिञ्चत्) છાંટતો-સિંચતો. छीटताहुआ; सिंचन करता हुआ Sprinkling, showering. "उस्सिंचमाणे वा निस्सिंचमाणे वा आमज्जमाणे वा पमज्जमाणे वा." आया० २, १, ६, ३५,

निस्सील. त्रि० (निःशील) શીલ-સદાચારથી રહીત. शील-सदाचारसे रहित, शीलहीन, निःशील. Rude; bad conducted. भग० ७, ६, ६, दसा० ६, ४, विशे० ३२८६,

निस्सुह. त्रि० (निःसुख) સુખ રહિત; દુઃખી. सुखहीन, दुःखी. Unhappy. विशे० २००२;

निस्सेज्जा. स्त्री० (निषद्या) સ્ત્રીઓને રહેવાનું સ્થાન; સ્ત્રી સાથે બેસવાનું સ્થાન. अन्तःपुर; स्त्रियोंके रहनेका स्थान-उनके साथ बैठनेकी जगह. A harem; a place to sit with ladies. सम० १८; सूय० १, ४, १, १६; (२) રજોહરણના દાંડા ઉપર બાંધવાનું વસ્ત્ર; નેસથીઓ. रजोहरणकी दंडी पर बांधा जानेवाला वस्त्र; नेसथिया. The cloth tied on the stick of Rajoharaṇa. प्रव० ८६७; —जुअल. न० (-युगल) એક ઉનની અને બીજી સુતરાઉ એ બે નિષદ્યા-નેસથિયા-રજોહરણના દાંડા ઉપર બાંધવાનું વસ્ત્ર. ऊनी और सूती दो तरहकी निषद्या-नेसथिया-रजोहरणकी दंडी पर बांधनेका वस्त्र. A wollen and a cotton cloth to be tied to the stick of Rajoharaṇa. प्रव० ८६७;

निस्सेणि. स्त्री० (निःश्रेणि) નીસરણી. निसैनी; निसरनी; सीढ़ी. A ladder. पण्ह० १, १, आया० २, १, ७, ३७; दस० ५, १, ६७, पिं० नि० ३६२;

निस्सेय(अ)स. न० (निःश्रेयस) કલ્યાણ; મોક્ષ. कल्याण, मोक्ष. Bliss; salvation. ओव० २७; भग० २, १; राय० २५; उत्त० २२, १६;

निस्सेयसिय. त्रि० (निःश्रेयसिक) મોક્ષ-કલ્યાણને ઇચ્છનાર. मोक्ष या कल्याणकी इच्छा करने वाला; मुमुक्षु. One who desires salvation भग० ३, १;

निस्सेस. न० (निःश्रेयस) કલ્યાણ. कल्याण. Bliss. आया० १, ७, ४, २१५; उत्त० ८, ३; भग० ३, १;

निस्सेस. त्रि० (निःशेष) સમસ્ત; બધું. समस्त, सम्पूर्ण, सारा All; everything. राय० २५; दसा० ४, ७५, ८०; प्रव० ६२;

निस्सोणिय. त्रि० (निःशोणित) રુધિર વિનાનું. रुधिर रहित; रक्तहीन; बेखून Bloodless नाया० १;

√**निह.** धा० I. (गुह्) છુપાવવું; ઢાંકવું. छिपाना; ढँकना-ढांकना. To hide, to cover. **निहे.** आया० १, ४, १, १२७,

निह. न० (निह) નારકીને મારવાનું સ્થાન. नारकीको मारनेका स्थान. A place to kill a hell-being. सूय० १, ५, २, ११; (२) पु० (कषायैः कर्मभिः परिषहोपसर्गैर्वा निहन्यत इति निहः) રાગી; સ્નેહવાન્. रागी; प्रेमी, स्नेहवान्; अनुरागी. A lover. आया० १, २, ३, ८१, (३) માયાવી; કપટી. मायावी; छली, कपटी. Deceitful; fraudulent. आया० १, २, ३, ८१;

निहअ. त्रि० (निभृत) નિશ્ચલ; સ્થિર, શાન્ત. निश्चल; स्थिर; शान्त. Steady; still. दसा० ६, ३;

निहट्टु. स कृ. अ० (निहत्य) સ્થાપીને. स्थापना करके Having established. नाया० १६; आया० २, १, १०, ५८,

√**निहण.** धा० I. (नि+हन्) મારવું. मारना; हत्या करना; प्राण लेना. To slay.
निहणाहि. आ० भग० ६, ३३;
निहणिंसु. आया० १, ६, ३, १२;

निहण. न० (निधन) મરણ; મૃત્યુ. मरण, मृत्यु; मौत; देहान्त Death. ओघ० नि० ७७५; गच्छा० ४७;

निहत्त. स्त्री० (निधत्त) ઉદ્વર્તના અને અપવર્તના શિવાય બાકીના ૭ કરણો પ્રવર્તી ન શકે એવી અવસ્થામાં કર્મને સ્થાપવા તે. जब उद्वर्तना और अपवर्तनाके अतिरिक्तशेष छ करण न प्रवर्त सकें ऐसी दशामें (कीगई) कर्मकी स्थापना. Establishing karmas in such a

that the 6 Karaṇas with the exception of Udvartanā and Apavartanā cannot proceed. भग० ६, ८; पन्न० ६;

निहत्ति. न० (निधत्ति) જુઓ " निहत्त " શબ્દ. देखो " निहत्त " शब्द. Vide " निहत्त " क० प० १, २, ५, ७२;

निहय. त्रि० (निहत) મરેલ; હણેલ. मारा हुआ; घात किया हुआ. Killed. जं०प०५, ११३; राय० ३५: सु०च०१, १; भत्त०१५३;

√निहर. धा० II (नि+हृ) હરણ કરવું; બહાર કાઢવું. हरण करना; बाहर निकालना; ले जाना. To carry away.

निहरेइ. निसी० ७, २७; २८;

निहरेज्ज. वि० निसी० ३, ३५; ५६;

निहरितए. हे० कृ० वव० ८, ६; दसा० ७, १;

निहा. स्त्री० (निभा-निहा) કાન્તિ; પ્રભા कांति; तेज, प्रभा, द्युति; आभा. Lustre; brightness. नंदी० स्थ० ३१; (२) માયા, કપટ. माया, कपट, छल. illusion, fraud. सूय० १, ८, १८,

निहाण. न० (निधान) સમૂહ; ભંડાર; ખજાનો. समूह, भंडार; खजाना; घर Collection; treasury. पग्ह० १, ५; विशे० ५५७; जीवा० ३, ३; भग० ३, ७; कप्प० ४, ८८, उवा० १, ४; १०, २७३;

निहार. पुं० (निहार) મલ ત્યાગ मल त्याग. Vioding stools. प्रव० ४४७; राय० २७०;

√निहाल. धा० I, II. (नि+भाल) જોવું; દેખવું. देखना; निरीक्षण करना; अवलोकन करना. To see; to observe.

निहालेइ. सु० च० २, ४४;

निहालइ. गच्छा० १४;

निहालवुं. सं० कृ० गच्छा० १५;

निहि. पुं० (निधि) કોષ; ખજાનો. कोष; खजाना; भंडार. Treasury. जं० प० ७, १७३; भग० ३, ७; अणुजो० १०३; पंचा० ७, २५; १४, ४०; प्रव० ४८; ६५४;

निहिय. त्रि० (निहित) મૂકેલું; ધારણ કરેલું. रखा हुआ; स्थापित, धारण किया हुआ. Kept; established; worn. पंचा० १०, ३३; प्रव० १००६;

निहुअ. त्रि० (निभृत) શાન્ત-સ્થિર કરેલ; વિરમી ગયેલ. शांत-स्थिर किया हुआ; विशेष रमा हुआ; मग्न. Calm, still; stopped दस० ६, २, ३; सु० च० ८, १५८; पग्ह० २, ३; गच्छा० ७३; —इंदिय. त्रि० (-इन्द्रिय) જેની ઇન્દ્રિય શાન્ત હોય તે शान्त-स्थिर-इन्द्रियों वाला; सयमी. (one) whose senses are calm. दस० १०, १, १०; —प्प. त्रि० (-आत्मन्) સ્થિર ચિત્તવાલા મનુષ્ય. स्थिर चित्तवाला मनुष्य, स्थितप्रज्ञ. steady-minded. दस० ६, २. —सहाव. त्रि०(-स्वभाव) ગંભીર સ્વભાવ વાળો; નિશ્ચલ. गंभीर स्वभाव वाला, निश्चल; अटल. calm; steady. गच्छा० ७३;

निहुत्थिभगा. स्त्री० (निहुत्थिभगा) એ નામની એક વનસ્પતિ. एक वनस्पति विशेष A vegetation of this name. पन्न० १;

निहुय त्रि० (*) કંઈ પણ ન કરનાર; નિરૂપયોગી. कुछ भी न करने वाला; निठल्ला; निरुपयोगी. Useless, good-for-nothing; one doing nothing. विशे० २६१७;

निन्हग. न० (निन्हक) સત્ય વસ્તુને છુપાવી અસત્ય કહેનાર. सत्य बात को छिपाकर असत्य कहने वाला. (One) who tells a lie having concealed the truth. पिं० नि० १४६;

√ **निन्हव.** धा॰ I. (नि+न्हु) ઢાંકવું; ગુપ્ત રાખવું. ढांकना; छिपाना; गुप्त रखना. To cover; to hide.

निन्हवे. विधि॰ दस॰ ८, ३२;

निन्हव. पुं॰ (निन्हव) ખરી બાત છુપાવવી તે. सच्ची वात का गोपन-छिपाना. Hiding the truth. क॰ गं॰ १, ५४;

निन्हवण. न॰ (निन्हवन) ઢાંકવું; છુપાવવું. ढाकना; छिपाना; गुप्त रखना. Covering; hiding; concealment. विवा॰ १; प्रव॰ २६६;

√ **नी.** धा॰ I. (*) જવું; નિકલવું. जाना; निकलना To go.

नीइ. विशे॰ २१८;

नीउ. विशे॰ २२२;

नीअगोअ. न॰ (नीचगोत्र) હલકું કુલ. नीच कुल; हलका गोत्र. A low family-origin. आया॰ १, २, ३, ७७, क॰ गं॰ ५, ८५;

नीइ. स्त्री॰ (नीति) નીતિ; વ્યવહાર વિધિ. नीति; व्यवहार विधि. Politics; propriety. विशे॰ ३३६५; —**कोविय.** पुं॰ (-कोविद्) લોકનીતિ-વ્યવહારમા ચતુર लोकनीति या लोक व्यवहार में दत्त-निपुण. (one) versed in politics or decorum. " सिक्खिए नीइकोविए " उत्त॰ २१, ६;

नीणिय. त्रि॰ (*) બહાર કાઢેલું. बाहर निकाला हुआ. (One) turned out. श्रोघ॰ नि॰१ ४५;

नीत त्रि॰ (नीत) કહેલું; કથન કરેલું. कहा हुआ; कथित. Said; reported. पन्न॰ १५;

नीति. स्त्री॰ (नीति) ન્યાય. न्याय. Justice; politics. पचा॰ १६, ३०;

नीम. पुं॰ (नीप) ફલ વિશેષ फल विशेष. A kind of fruit. दस॰ ५, २, २१;

नीय. त्रि॰ (नीत) લઈ જવામાં આવેલ. ले जाया गया हुआ; नीत. Carried. पिं॰ नि॰ ३४२;

नीय. त्रि॰ (-नीच) નીચું; હેઠું. नीचा; अधम. Low. (२) તુચ્છ; હલકું. तुच्छ; क्षुद्र; हलका. mean. पिं॰नि॰२९३; भग॰२, ५; ३, १; नाया॰ १६; दस॰ ९, २, १७; प्रव॰ १२७३; क॰ प॰ ४, ८६, ६, २४; (३) નીચ ગોત્ર; ગોત્ર કર્મની એક પ્રકૃતિ. नीच गोत्र; गोत्र कर्म की एक प्रकृति. a low family-origion; a nature of Gotra-Karma. उवा॰ १, ७७; ७८; क॰ गं॰ १, ५२; —**कम्मबंध.** पुं॰ (-कर्मबंध) નીચ-અશુભ-ગોત્રનું કર્મબંધન. अशुभ गोत्र का कर्म-बंधन. the Karmic bond of an undesirable family-origin. पंचा॰ १७, २३; —**कुल** न॰ (-कुल) હલકું કુલ. नीच कुल; क्षुद्रवंश; अधमगोत्र. a low family. दस॰ ५, २, २५; —**गोय** न॰ (-गोत्र) એ નામની એક કર્મ પ્રકૃતિ કે જેના ઉદયથી જીવ નીચ કુલ પામે છે. वह कर्म प्रकृति कि जिसके उदय से प्राणि को नीच कुल प्राप्त होता है. a variety of Karmic nature at whose appearance one gets a low birth. उत्त॰३३,१४; —**दुवार.** न॰ (-द्वार) નીચું બારણું. नीचा दरवाजा-द्वार. a low door. पंचा॰ १३, ११; —**वंध.** पुं॰ (-बन्ध) નીચ-અશુભ કર્મનો બંધ. नीच-अशुभ कर्म का बंध. the bond of evil deeds. क॰ प॰ २, ९३;

नीयगमा. स्त्री॰ (नीचगमा) નીચની સાથે જનારી (સ્ત્રી). नीच के साथ जाने वाली (स्त्री); नीचगा (A female) going

with a low man. भत्त० ११६;

नीयत्तण. न० (नीचत्व) नीचपणुं. नीचता; क्षुद्रता Meanness दस० ६, ३, ३;

नीया स्त्री० (नीचा) चार इंद्रिय वाला जीवनी एक जात. चार इन्द्रिय वाले जीव की एक जाति. A class of four sensed living beings. उत्त० ३६, १४७:

नीयागोय न० (नीचगोत्र) हलकुं कुल. नीच कुल. A low family. (२) गोत्र कर्मनी एक प्रकृति गोत्र कर्म की एक प्रकृति. a variety of Gotra Karma. ठा० २,४, क० प० १, ६३;

नीयवत्ति त्रि० (नीचवर्तिन्) नीचे आसने बेसनार; नम्र स्वभाववालो. नीचे आसन पर बैठने वाला, नम्र स्वभाव वाला. Humble; one sitting on a low seat. उत्त० ११, १०,

नीयवित्ति त्रि० (नीचवर्तिन्) मन, वचन, कायाने नीचा-नम्र राखनार; नम्र, अनुद्धत. मन, वचन और काया को नम्र रखने वाला; नम्र, अनुद्धत (One) who humbles the mind, speech and body; meek. उत्त० ३४ २७:

नीर. न० (नीर) पाणी. पानी; जल. Water भत्त० १५:

नीरअ-य त्रि० (नीरजस्) रज-धूल विनानुं. रज-धूलहीन. Dustless. अणुजो० १३६; पन्न० २, भग० २, ८; ६, ७, दस० ३, १४; सम० प० २११; जं० प० उत्त० ९, ५८, १८, ५३, दस० ४, २४,

नील त्रि० (नील) नील रंगवाळुं; नीलुं. नीले रंग वाला, नीला Blue उवा० २, ९६, ७, २२९; उत्त० ३६, १६; भग० २, १ १२, ६; पन्न० १; दस० ७, ३४; राय० २८६; ठा० १, १, ओव० आया० १, ५,६, १७०; जीवा० ३, १, सम० प० २३८, प्रव० ०.०; कप्प० ३, ४०; ६, ४५; (२) न० नीलवर्णनामे नामकर्मनी एक प्रकृति के जेना उदयथी जीव नीलो रंग पामे छे नामकर्म की नील वर्ण नामक वह प्रकृति कि जिसके उदय से प्राणीको नीला रंग प्राप्त होता है. a variety of Nāmakarma named Nīlavarṇa at whose appearance a living being obtains blue colour. क० गं० १, ४०; **—असोग.** पुं० (-अशोक) नीलो अशोक; नीलुं आशोपालवनु झाड. नीला अशोक; अशोकपल्लव का नीला वृक्ष. blue Aśoka tree. उत्त० ३४, ५; **—लेसा.** स्त्री० (-लेश्या) नीलवर्णना कर्म पुद्गलने योगे थता आत्माना मलिन परिणाम; छ लेश्यामांनी बीजी लेश्या. नील वर्ण के कर्म पुद्गलों के योग से होने वाले आत्मा के मलिन परिणाम, छः लेश्याओंमें की दूसरी लेश्या. the dirty results accruing through the conjunction of the blue coloured Karmic atoms, the 2nd of the 6 thought-tints ओव० ४, ७; जीवा० १; प्रव० ११७३; **—लेस्सा.** स्त्री० (-लेश्या) जुओ उपलो शब्द. देखो ऊपर का शब्द. vide above. भग० १, १. २५, ६; १३, ४; **—वण्ण.** पुं० (-वर्ण) नीलो वर्ण. नीला रंग. the blue colour. सम० ३२;

नीलकंठ. पुं० (नीलकण्ठ) धरणेन्द्रना पाडाना लश्करनो अधिपति. धरणेंद्र के पाडों की सेना का नायक. The general of the army of buffaloes of Dharaṇendra. ठा० ५, १;

नीलकूड पुं० (नीलकूट) नीलवंत पर्वतना नवकूटमानुं बीजुं शिखर. नीलवंत पर्वत के

नवकूटों में से दूसरा शिखर. The 2nd peak of the 9 of the Nilavanta mountain. जं० प०

नीलमिग. पुं० (नीलमृग) નીલાવર્ણનો મૃગ. नीले रंग का हरिण. A blue deer. आया० २, ५, १, १४५;

नीलमिय. पुं० (नीलमृग) નીલો મૃગ. नील-मृग. A blue deer. निसी० ७, ११;

नीलय. त्रि० (नीलक) નીલ વર્ણવાળું. नीले रंग वाला. Blue. भग० १२, ६; **—पोग्गलत्ता.** स्त्री० (-पुद्गलता) નીલા રંગના પુદ્ગલની સ્થિતિ. नीले रंग के पुद्गल की स्थिति. the existence of blue coloured atoms. भग० ६, ४;

नीलवंत. पुं० (नीलवत्) મેરૂથી ઉત્તર તરફનો વર્ષધર પર્વત; મહાવિદેહની ઉત્તર સરહદ ઉપરનો પર્વત. मेरु की उत्तर ओर का वर्षधर पर्वत; महाविदेह की उत्तरी सीमा वाला पहाड़. The mount Varsadhara to the north of Meru; the northern mountain of Mahāvideha. उत्त० ११, २८; सम० ७; **—कूड.** पुं० (-कूट) નીલવંત પર્વતનું શિખર. नीलवंत पर्वत का शिखर. A peak of the mountain Nilavanta. ठा० २, ३; जं० प०

नीला. स्त्री० (नीला) એ નામની નદી. एक नदी का नाम. A particular river. ठा० ५, ३; (२) નીલલેશ્યા; નીલા રંગના કર્મસ્કંધના યોગથી થતા જીવના તેવા પરિણામ. नीललेश्या; नीलवर्ण कर्म-स्कंध के योग से होने वाले जीव के तद्रूप परिणाम. blue thought-tint; the blue changes ocurring in a soul due to contact with blue Karmic matter. क०गं०४,१६; उत्त०३४,३;

नीलाभास. पुं० (नीलाभास) એ નામનો ગ્રહ; ૮૮ મહાગ્રહમાંનો એક.एक ग्रह विशेष; ८८ महाग्रहों में से एक A planet of this name; one of the 88 planets. ठा० २, ३;

नीलि. पुं० (नीलिन्) લીલ; શેવાલ. नील; शेवाल. Blue; moss. जं०प० राय० ५७;

नीलिय. त्रि० (नीलक) નીલા રંગવાળું; નીલું; આર્દ્ર. नीले रंग वाला; नीला; आर्द्र. Blue; raw. आया० २, ४, २, १३८;

नीलिरस. पुं० (नीलिरस) નીલનો રંગ. नील का रंग. Indigo-colour; पंचा० १५, ७;

नीलुप्पल. न० (नीलोत्पल) નીલ કમલ. नीलकमल; कुवलय. Blue-lotus. ठा० २, ४; ओव० (२) એકવીશમા તીર્થંકરનું લાંછન. इक्कीसवें तीर्थंकर का लांछन. the symbol of the 21st Tirthankara. प्रव० ३८२; **—कयमेल्ल.** त्रि० (-कृताऽऽपीड) નીલોત્પલ કમલનું બનાવેલ છે શેખર-મુગટ જેણે તે. (वह)जिसने नीलोत्पल कमल का शेखर-मुकुट बनाया हो. (one) who has made a crown of blue-lotuses. उवा० ७, २०६;

नीव. पुं० (नीव) વૃક્ષ વિશેષ. वृक्ष विशेष. A particular tree. नाया० १; ४;

नीवार. पुं० (नीवार) ખડ ધાન્યની એક જાત. એક જાતનું ધાન્ય खड-धान्यकी एक जाति; नीवार धान्य; धान्य विशेष. A wild corn. " इच्चेयणं निमंतेति नीवारेण व सूयरं " सूय० १, ३, २, १६;

नीसंक. त्रि० (निःशङ्क) શંકા રહિત. शंका रहित, निःसंशय. Fearless; without doubt. सु० च० २, २१; आया० १, ५, ५, १६२;

नीसंद. पुं० (निष्यन्द) સાર; તત્વ. सार;

तत्व. Essence; reality; jist. क० गं० ६,१; (२) રસના ટીપા. रस की बून्दें–टिपके. drops of juice. भत्त० १६; (३) પરસેવો; પસીનો पसीना; स्वेद; घाम. sweat; perspiration. सु० च० २, ७२;

नीसवत्र त्रि० (निःश्रावक) કર્મની નિર્જરા કરનાર. कर्म की निर्जरा करने वाला. (One) who brings about the decay of Karmas. विशे० २७४६;

नीसवमाण. व० कृ० त्रि० (निश्रावयत्) કર્મની નિર્જરા કરતો कर्म की निर्जरा करता हुआ (One) who is bringing about the decay of Karmas. विशे० २७४६;

नीससिअ. न० (निःश्वसित) નીચો શ્વાસ મુકવો તે. नीचे की ओर श्वास को छोडना. Letting down breathe. नंदी० ३८; विशे० ५०१;

नीसा. स्त्री० (निश्रा) નિશ્રા; અપેક્ષા; આશ્રય; निश्रा; अपेक्षा, आश्रय. Expectation; support. जं० प० २, ३६; भग० ३, २; पिं० नि० १४५; कप्प० ५, २१;

नीसास. पु० (निःश्वास) નીચો શ્વાસ; નિસાસો. नीचा श्वास; निसासा; निःश्वास. A low breathe. अणुजो० १३८; भग० १, ९; ६, ७; जं० प० नाया० १;

नीसेस. न० (निःश्रेयस्) કલ્યાણ. कल्याण; श्रेय. Salvation; highest good. सम० १;

नीसेस. त्रि० (निःशेष) સમસ્ત; સંપૂર્ણ. समस्त, संपूर्ण; सारा; सब. All; every thing. दस० ५, १, ८६; ६, २, २; सु० च० १, ४३; —कम्ममुक्क. त्रि० (–कर्ममुक्त) સર્વ કર્મથી મુકાયેલું. सर्व कर्मों से मुक्त. free from all Karmas. पंचा० २, ४३;

नीणहु. सं० कृ० अ० (निर्हृत्य) કાઢીને. निकाल कर; बाहर लाकर. Having removed or turned out. " परि भाइत्ता नीहट्टु दल इज्जा" आया० २; ६, २, १५४;

नीहड. त्रि० (निर्हृत) બહાર કાઢેલ. बाहर निकाला हुआ. Turned or taken out. आया० २, १, १, ६;

नीहरण. न० (निर्हरण) અગ્નિસંસ્કાર. अग्निसंस्कार; दाह क्रिया. Cremation. भग० १५, १;

नीहार. पु० (निर्हार) દેહચિન્તા; વડીનીત. देहचिंता. The care of the body. ओघ० नि० ५१९; सम० ३४; प्रव० १६५;

नीहारि. पु० (निर्हारि) જે સંથારો પૂર્ણ થયા પછી શરીરનું નિહરણ ન થાય તેવી જગ્યાએ સંથારો કરવો તે; સંથારાનો એક પ્રકાર ऐसे स्थान पर संथारा करना कि जहाँ पर संथारे के पूर्ण होने पर भी शरीर का निर्हरण–अग्निसंस्कार न हो; संथारे का एक प्रकार. Fasting in such a place that even after the close of Santhārā (self-starvation) the body cannot be cremated. उत्त० ३०, १३;

नीहारिम. न० (निर्हारिम) મૃત્યુ પછી અગ્નિસંસ્કાર થઇ શકે તેવી જગ્યાએ સંથારો કરવો તે मृत्यु के अनन्तर अग्नि संस्कार होसके ऐसे स्थान पर किया गया संथारा; संथारा विशेष. A Santhārā (self-starvation) practised in such a place that proper cremation could be done after death भग० २, १;

नीहास त्रि० (निर्हास) હાસ્ય વિનાનું; દર્પ વગરનું. हास्य विहीन, हर्षशून्य. (One) without laughter; gloomy. उत्त० २२, २८;

नु. अ० (नु) વિતર્ક અર્થમાં વપરાતો શબ્દ. वितर्क के लिये उपयोग में लाया जाने वाला शब्द (वितर्कें नु). An indeclinable particle used for doubting. दस० २, ०१;

नूण. त्रि० (न्यून) ન્યૂન; ઓછું. कम; थोड़ा; न्यून. Less; short पिं० नि० १००;

नूणं. अ० (नूनम्) ખરેખર; નક્કી. सचमुच; वस्तुतः; ठीक ठीक; निश्चय पूर्वक. Verily; really. सु० च० १,५३; २,४४३; गच्छा० १३३; उवा० २, ११८; ७, १६२;

नूम पुं० न० (नूम) કર્મ कर्म. Action. (२) માયા; સત્યને છુપાવવું माया; सत्य का गोपन; छल. deceit; fraud. श्राया० १, ८, ७, २४; पराह० १, २;

नूमगिह. न० (निम्नगृह) નીચેનું ભોંયતળીઆનું ઘર नीचे का घर; भोयरा; तलघर. A lower house; a cellar. श्राया० २, ३, ३, १२७;

√ने धा० II. (नी) લઇ જવું. ले जाना. To take away; to carry.

नेइ. पिं० नि० १००; उत्त० २६, १६; क० गं० २, ८,

नेया वि० पिं० नि० ३५०;

नेउया. स० कृ० पिं० नि० ११६;

नेत व० कृ० पिं० नि० ३८०;

√ने धा० II. (नी) દોરવું; લઇ જવું. ले जाना; राह बताना To lead; to carry.

नेइ. जं० प० ५, १६२;

नज्जाहि. सूय० १, २, १, १८,

√ने धा० I (नी) નિકળવું. निकलना To come out; to depart.

निंति. विशे० १५४२;

नित. व० कृ० पिं० नि० ३५५;

नेश्राइम. त्रि० (नैयायिक) ન્યાય અનુસાર ચાલનાર. न्यायानुसार चलने वाला. (One) who acts according to moral principles. सम० ३०;

नेउणिय. न० (नैपुणिक) અનુપ્રવાદપૂર્વનો અમુક ભાગ. अनुप्रवादपूर्व का अमुक भाग. A particular portion of Anupravādpūrva. विशे० २३६०;

नेउर. न० (नूपुर) ઝાંઝર. नूपुर; बिछिए; झांझर Anklet. पिं० नि० १८१; भग० ६, ३३;

नेगम. पुं० (नैगम) એક વસ્તુને સામાન્ય વિશેષ વગેરે અનેક રીતે જુદી પાડનાર નય; સાત નયમાંનો પ્રથમ નય. एक पदार्थ को सामान्य विशेषादि अनेक भांति से पृथक् करने वाला नय; सात प्रकार के नयों में से पहिला नय. A stand-point which analyses an object generally or particularly; one of the 7 stand-points. ठा० ७, १; अणुजो० १४; १४८; विशे० १५०५. प्रव० ८५४; (२) જ્યાં વૈશ્ય રહેતા હોય તેવું સ્થાન-ગામ. वह स्थान या ग्राम जहां वेश्यों की बस्ती हो. a place where merchants live आया० १, ७, ६, २२२; —ववहार पुं० (-व्यवहार) નૈગમ નય તથા વ્યવહાર નય; સાતમાંની બે પ્રકારની દૃષ્ટિ. नैगम नय तथा व्यवहार नयः सात में से दो प्रकार का दृष्टि the analysing and the judicial or professional stand point; a twofold stand point out of the seven. विशे० ३७;

नेगुरण. न० (नैगुण्य) નિર્ગુણ પણું; ગુણનો અભાવ. निर्गुणता; गुण का अभाव The state of absence of attributes. भत्त० १६३;

नेग्गंथ. त्रि० (नैर्ग्रन्थ्य) નિર્ગ્રન્થ-અર્હત્ સંબંધી. निर्ग्रंथ-अर्हत् सम्बन्धी. Pertaining to Arhat. विशे० २६२१;

नेच्छइय. त्रि० (नैश्चयिक) નિશ્ચય દૃષ્ટિએ વિચાર કરનાર. निश्चय दृष्टि से विचार करने वाला. (One) who thinks resolutely. विशे० २८२; **—नय.** पुं० (-नय) નિશ્ચયાત્મક-દૃષ્ટિ. निश्चयात्मक-दृढ-दृष्टि. a resolute, decisive standpoint. विशे० ४१४;

नेट्टर. पुं० (नेट्टर) નેટ્ટર નામનો એક દેશ. नेट्टर नामक एक देश. A country of this name. (२) त्रि० તે દેશમાં રહેનાર. उस देश का निवासी. the inhabitant of this country पराह० १, १;

नेतार. पुं० (नेतार-नेतृ) નાયક; અગ્રેસર. नायक; अग्रेसर; नेता; पुरस्कर्त्ता; अग्रगराय; अगुआ. A leader; a fore-runner. दसा० ६, १६; सू० प० १;

नेत्त. न० (नेत्र) આંખ, નયન. आंख, नेत्र, नयन. An eye. पन्न० १५; उवा० २,६४,

नेद्दर. पुं० (नेद्दर) એ નામનો એક દેશ. एक देश विशेष. A country of this name (२) તે દેશમાં રહેનાર. उस देश का निवासी. an inhabitant of that country. पन्न० १;

नेम. न० (नियम) કામ. काम. Work; a rule. पिं० नि० ७०;

नेमि. पुं० (नेमि) શ્રી નેમીનાથ; ૨૨ મા તીર્થંકર. श्री नेमीनाथ; २२वें तीर्थंकर. Neminātha; the 22nd Tirthaṅkara. सम० २४; प्रव० २६४; (२) પૈડાનો ઘેરાવો. पहिये का चक्कर-परिधि. the circumference of a wheel. जं० प० ३, ४८, **—मंडल** न० (-मण्डल) રથ આદિના પૈડાનો ઘેરાવો रथ आदि के चक्र-पहिये का घेरा. a rim; periphery. जं० प० ३, ४८;

नेमिजंतकम्म न० (नेमियन्त्रकर्मन्) ગાડાના પૈડાને ફરતો લોઢાનો પાટો. गाड़ी के पाहिये पर लगा हुआ लोहे का पाटा; पाटा. Iron rim round a cart-wheel. राय० १२६;

नेमित्तिअ. त्रि० (नैमित्तिक) નિમિત્તને જાણનાર; જ્યોતિષી निमत्तज्ञ; ज्योतिषी. Astrologer. अणुजो० १४६;

नेमित्तियत्त न० (नैमित्तिकत्व) નૈમિત્તિકપણું. नैमित्तिकता. The quality or action of an astrologer विशे० १७०४;

नेमीसर. पुं० (नेमीश्वर) ભરત ક્ષેત્રના ગઇ ચોવીશીના ૧૬ મા તીર્થંકર. भरत क्षत्र की गत चौवीसी के १६ वें तीर्थंकर. The 16th Tirthaṅkara of the past Chaubīsī (cycle) in Bharata Kṣetra प्रव० २९१;

नेम्म न० (*) મૂલધન; મૂડી. मूलधन; पूंजी Capital. पराह० १, ५;

नेम्मा. स्त्री० (नेमा) જગતીની વેદિકાનો અગ્ર-ઉપરનો ભાગ जगती की वेदिका का ऊपरी भाग. The upper portion of the platform of Jagatī (wall). जीवा० ३, ४;

नेय. त्रि० (ज्ञेय) જાણવા યોગ્ય. जानने योग्य; ज्ञेय; ज्ञातव्य Knowable; comprehensible. विशे० ७८; २१३; सु० च० ३, २५१; प्रव० ८१; ६५; क० गं० १; ३५; ३, २५; उवा० १०, २७७;

नेयव्व. त्रि० (नेतव्य) પહોંચાડવા યોગ્ય; લઇજવા યોગ્ય. पहुचाने-लेजाने योग्य. Fit to be carried. भग० १, ६;

नेयव्व. त्रि० (ज्ञातव्य) જાણવા યોગ્ય.

जानने योग्य; ज्ञातव्य. Fit to be known. भग० १, ७, ३, ३; ६; २१, ६; उवा० १०; २८४;

नेयाउय. पुं० (नैयायिक) न्याय संपन्न. न्याय सम्पन्न. Logician; (one) behaving properly. सूय० १, ८, ११;

नेयार. त्रि० (नेतृ) अग्रेसर; नायक. अगुआ; नायक; नेता. A leader. सम० ३०;

नेरइय. त्रि० (नैरयिक) नरकमां रहेनार जीव नारकी जीव; नरकमें रहने वाला प्राणी. A hell being. दस० ४; नाया० १७; भग० १, १; २, १; ३, ४; ४, ६; ५, ५; ६; ७, ६, उत्त० २६; ४, पिं० नि० भा० ४६; सम० १; दसा० ६, १; प्रव० ४१; १०६१; ११८०; १३६६; उवा० ८, २६६; २६७; —**आउय.** त्रि० (-आयुष्क) नारकीनुं आयुष्य. नारकी-नरकनिवासी का आयुष्य. the life of hell beings. भग० १, ३; ८; ५, ३; ७, ६; —**आउ.** न० (-आयु) नारकीनुं आयुष्य; आयुष्य कर्मनी एक प्रकृति. नरकनिवासी की आयुर्ष्य; आयुष्य कर्म की एक प्रकृति. the life of hell beings; a variety of Āyuṣya Karma. उत्त० ३३, १२; —**भाव.** पुं० (-भाव) नारकीपणुं. नारकी पन. the state of hellish beings. भग० १८, १; —**लोअ.** पुं० (-लोक) नारकीओनुं स्थान; नरक. नारकियों का स्थान; नरक; निरय. the hell. भग० ५, ६;

नेरइयत्त न० (नैरयिकत्व) नारकी पणुं. नारकी पन. The state of being a hellish being. भग० ८, ६; २०, ३; उवा० ८, २६६; २६७;

नेरइयत्ता. स्त्री० (नैरयिकता) नारकीपणुं. नारकित्व; नारकीपन. The state of being a hellish being. भग० ६, ५;

नेरई. स्त्री० (नैर्ऋती) नैऋत्य खुणानी दिशा. नैऋत्य कोन की दिशा. The south-west quarter. भग० १०, १;

नेरुत्त. पुं० (नैरुक्त) शब्दना स्वरूपने जाणनार. शब्द के स्वरूप का ज्ञाता. (One) who knows the forms of words. विशे० २४;

नेल. पुं० (नैल) नीलीनो विकार; नील रंग. नील का विकार; नीला रंग. Blue colour. भग० १, १;

नेलओ पुं० (नेलक) कांची नगरीनो प्राचीन सिक्को कांची नगरी की प्राचीन मुद्रा-सिक्का. An ancient coin of Kāñchi city. प्रव० ८०६;

नेलवंत. पुं० (नीलवत्) एक द्रहनुं नाम. एक द्रह-स्रोत का नाम; द्रह विशेष. The name of a lake. जीवा० ३, ४;

नेव. अ० (नैव) निषेधार्थक अव्यय. निषेधवाचक अव्यय. A negative particle. "नेवट्ठो" भग० १, ५; दस० ४; ८, ४;

नेवं. अ० (नैवम्) एम-ए प्रकारे नहीं. इस प्रकार-यों नहीं. Not this way; not so. भग० ७, १४; विशे० १६६;

नेवत्थ. न० (नेपथ्य) पोषाक; वेष. वेष; पहिराव; पोषाक. Dress. पण्ह० १, ३; ४; राय० ७०; भग० ६, ३३; विशे० २५८७; जं० प० ५, ११७; —**कहा.** स्त्री० (-कथा) पोषाक संबंधी वातचीत. वेष-भूषा सम्बन्धी चर्चा. a chat about dress. ठा० ४, २;

नेव्वाण. न० (निर्वाण) मोक्ष. मोक्ष; मुक्ति. Salvation. पंचा० ३, २६; —**अंग.** न० (-अङ्ग) मोक्षनुं कारण. मोक्ष का कारण. the cause of salvation.

पंचा० ३, २६;

नेसग्गिय. त्रि० (नैसर्गिक) સ્વાભાવિક. स्वाभाविक; सहज, नैसर्गिक Natural. सु० च० १, १०६;

नैसज्जिअ. त्रि० (नैषधिक) પલાંઠી વાળી બેસનાર. आलखी पालखी मारकर-आसन लगाकर-बैठने वाला. (One) sitting cross legged or folding his legs. ओव० १६;

नेसप्प. पु० (नैसर्प) ચક્રવર્તીના નવનિધાનમાંનું એક કે જેમા ગ્રામ નગરાદિનો સમાવેશ થાયછે. चक्रवर्ती के नव निधानों में से एक निधान, जिसमें ग्राम, नगर आदि का समावेश होता है. One of the nine books or treasures of a Chakravartī (a sovereign) which treat about villages towns etc. प्रव० १२३२, ठा० ६, १;

नेह पुं० (स्नेह) સ્નેહ; રાગ; પ્રીતિ. स्नेह; अनुराग, प्रीति. Affection; attachment. विशे० १६२७; उत्त० १३, १५, २३, ४३, (२) ઘી, તેલ આદિ ચીકાશવાળા પદાર્થ. घी, तैल आदि स्निग्ध-चिकने पदार्थ. oily or greasy objects e. g ghee oil etc. पिं० नि० ५४; (३) કર્મ પુદ્ગલમા પડતો રસ. कर्मपुद्गल में गिरने वाला रस. an essence or fluid falling in Karmic atoms. क० प० १, २२; —**अणुरागरत्त** त्रि० (-अनुरागरक्त) સ્નેહથી બંધાયેલ; અનુરાગી स्नेहबद्ध; अनुरक्त. attached; affectionate. निर० १, १; —**अवगाढ.** त्रि०(-अवगाढ) સ્નેહ ઘી વગેરેથી વ્યાપ્ત. स्निग्ध पदार्थों से व्याप्त; स्नेहपूर्ण-पूरित lubricated; oily; affectionate. प्रव० १४१; —**तुपियगत.** त्रि० (-स्नपितगात्र) જેનું શરીર સેવાથી ભીંજાયેલ હોય તે. वह, जिसका शरीर परोपकार के कार्यों मे ओतप्रोत लीन है. one whose body is wet with obliging others विवा० २.—**प्पच्चय.** त्रि० (-प्रत्यय) સ્નેહ રસ છે નિમિત્ત જેમાં તે. स्नेह रस के निमित्त वाला, स्नेहार्थी; स्नेह-नैमित्तिक that which has affection for its cause क० प० १, २२; —**वज्जिय.** त्रि० (-वार्जित) સ્નેહ રહિત, લુખ્ખું स्नेहरहित; रूखा; अस्निग्ध. coarse; without affection or oil. प्रव० १४१;

नो. अ० (नो) નિષેધાર્થક અવ્યય. निषेध बोधक अव्यय. A negative particle. वव० १, २३; सम० ६; आया० १, १, ३, २६; २, १, ३, १५; वेय० १, १; नाया०१; भग० ३, ४, राय० ५१,गच्छा० ७६; उवा० १, १२; ८, २६२.

नोआगमओ. अ० (नोआगमतः) દેશથી કે સર્વથી આગમ-જ્ઞાનસ્વરૂપના અભાવને આશ્રીને. अंशत.-देशत' या सर्वथा आगम ज्ञानस्वरूप के अभाव से सम्बन्ध रखकर-का आश्रय लेकर. Relating to the absence of scriptural knowledge in part or whole. अणुजो० १२;

नोइंदिय-अ. पु० न० (नोइन्द्रिय) કેવલજ્ઞાન અને કેવલ-દર્શન યુક્ત જીવ કે જેને ઇન્દ્રિયનું પ્રયોજન નથી રહ્યું. केवल-ज्ञान और केवल-दर्शन युक्त प्राणी, जिसे इन्द्रियों से कुछ प्रयोजन नहीं रहा. A soul having perfect knowledge and feelings, for whom the senses have no use. जीवा० १;(२) મન. मन. the mind. नंदी० २६; —**धारणा.** स्त्री० (-धारणा) મનથી વસ્તુનો નિર્ણય કરવો.

मन द्वारा वस्तु निर्णय. a decision of an object by the mind. भग० ८, १;

नोकसाअ. पुं० (नोकषाय) હાસ્ય, રતિ, અરતિ, દુગંછા, સ્ત્રી વેદ, પુરૂષ વેદ, નપુંસક વેદ, ભય અને શોક, એ નવ મોહનીયની પ્રકૃતિ. हास्य, रति, अरति, शोक, दुगंछा, स्त्री वेद, पुरुष वेद, और नपुंसक वेद, ये नव मोहनीय की प्रकृतियां. The nine deluding Karmic-natures viz; laughter, attachment, non-attachment, sorrow, dislike, female-male-and neutral-inclinations. क० गं० १,१७; ५, १४; क० प० ७, १६; —छक्क. न० (-षट्क) કષાય નહી પણ કષાય ની સમીપે રહેનાર એવા હાસ્ય, રતિ, અરતિ, ભય, શોક, અને દુગંછા એ છઃ પ્રકૃતિ. कषाय न होने पर भी कषाय के निकट रहने वाली हास्य, रति, अरति, भय, शोक, व दुगंछा नामक छः प्रकृति. the six Karmic-natures which are not passions but still are close to them viz. laughter, attachment, non-attachment, fear, sorrow, and Dugañchā. —संदोह. पुं० (-सन्दोह) હાસ્યાદિ નવ પ્રકૃતિનો સંદોહ—સમૂહ. हास्यादि नव प्रकृति का संदोह-समूह. an aggregate of the nine Karmic natures viz. laughter etc. प्रव० १२७१;

नोकसायज. न० (नोकषायज) નોકષાય મોહનીય હાસ્ય, રતિ, અરતિ, ભય, શોક, દુગંછા, સ્ત્રી વેદ, પુરૂષ વેદ, નપુંસક વેદ, એ નવ પ્રકૃતિનો સમુદાય. नव कषाय मोहनीय; हास्य, रति, अरति, भय, शोक, दुगंछा स्त्री वेद, पुरुष वेद, नपुंसक वेद, इन नव प्रकृतियों का समूह. An aggregate of 9 passion-deluding Karmic natures viz, laughter, attachment; non-attachment, fear, sorrow, dislike, female-male and neutral-inclinations. उत्त० ३३, ११;

नोपज्जत्तगनोअपज्जत्तग. न० (नोपर्याप्ताऽपर्याप्त) પર્યાપ્ત નહી, તેમ અપર્યાપ્ત નહી એવા સિદ્ધ ભગવાન્. न पर्याप्त और न अपर्याप्त ऐसे सिद्ध भगवान्. Neither sufficient nor insufficient; a Siddha Bhagvāna (liberated soul). "नोपज्जत्तओ नोतो अपज्जत्तयो बंधइ" भग० ६, ३;

नोपरित्तनोअपरित्त. पुं० (नोपरित्तनोऽपरित्त) સિદ્ધ ભગવાન્. सिद्ध भगवान्. A Siddha Bhagvāna जीवा० १०; भग० ६, ३;

नोभवसिद्धिअनोअभवसिद्धिअ पुं० (नभवसिद्धिकाभवसिद्धिक) ભવ્ય નહી તેમ અભવ્ય નહી એવા જીવ; સિદ્ધ ભગવાન્. न तो भव्य हो व न अभव्य हो ऐसे जीव-सिद्ध भगवान्. A soul which is neither emancipated nor bound: a Siddha Bhagvāna भग० ६, ३, ४; ८, २; जीवा० १०;

नोभिउर. त्रि० (नोभिदुर) ભેદાય નહી તેવું. अभेद्य; जो न भेदा जा सके. Inseparable; that which cannot be cut. ठा० २, ३;

नोमालिया. स्त्री० (नवमालिका) સુગંધી ફૂલ વાળું નેવર નામનું વૃક્ષ. सुगन्धित पुष्प वाला नेवर-नवमालिका नामक वृक्ष. A tree named Nevara having fragrant flowers जं० प०

नोसंजयनोअसंजय. पुं० (नसंयतासंयत)

संयम के असंयम जेने नथी एवा सिद्ध-भगवान्. जिन्हें नतो सयम है न असंयम ही ऐसे सिद्ध भगवान्. A Siddha Bhagavāna who is neither self-restrained nor otherwise. भग० ६, ३, ४;

नोसरिणनोअसरिण. पुं० (नोसंज्ञयसंज्ञिन्) संज्ञी नही तेम असंज्ञी नहीं एवा सिद्ध भगवान्. संज्ञी व असंज्ञी दोनों से परे-सिद्धि भगवान्. A Siddha Bhagvāna who is neither rational nor irrational. भग० ८, २;

नोसद्द. पुं० (नोशब्द) नकार वाचक शब्द निषेध बोधक शब्द A negative particle विशे० ४८;

नोसन्निनोअसन्नि. पुं० (नोसंज्ञयसंज्ञिन्) संज्ञी के असंज्ञीपणा रहित सिद्ध भगवान्. संज्ञी या असंज्ञीपन से रहित सिद्ध भगवान् Siddha Bhagavāna who is free from the state of being rational or irrational जीवा० १; भग० ६, ३,४;

नोसम्मावादि. त्रि० (नोसम्यग्वादिन्) सम्यक्‌वादि न होय ते; मिथ्या दृष्टि. वह जो सम्यक्‌वादि न हो; मिथ्या दृष्टि (One) who is false; (one) not possessed of truthfulness. दसा० ६, ३;

नोसुहुनोबादर पुं० (नोसूक्ष्मबादर) सूक्ष्म के बादरपणा रहित सिद्ध भगवान् सूक्ष्मता या बादरता रहित सिद्ध भगवान्. A Siddha Bhagavāna who is neither minute nor gross. भग० ८, २; जीवा० १०;

√ण्णा. धा० I. (ज्ञा) जाणवुं. ज्ञात होना; जानना. To be known; to know.

णज्जइ-ति. क० वा० नाया० २; ७; ६; १४; १६; जं० प०

√ण्णा. धा० I. (ज्ञा) जाणवुं. जानना. To know or understand.

णाहिसि. सूय० १, २, १, ८;

√ण्णा. धा० I. (ज्ञा) जाणवुं. जानना. To know.

णाहिसि. सूय० १, २, १, ८;
नाहिइ. विशे० १०१३; दस० ४, १०;
नाहिंति. भ० सूय० १, १, ३, १०;
नाउं. सं० कृ० सु० च० १, २१४; विशे० ८२९;
नाउंण. नाया० ६;
नच्चा. सं० कृ० दस० ५, १, १५; ७, १६; ८, ३४; ५०; उत्त० १, ४१; आया० १, ७, ३, २०७; १, ८, ७, १; सूय० १, २, ३, १५, निसी० १०, २०;

√ण्णा. धा० I. (ज्ञा) जाणवुं; समजवुं. जानना; समझना. To know; to understand.

नज्जइ विशे० २३१; विवा०१,पिं०नि०४३८;
नज्जए. विशे० ४८५;

ण्हवण. न० (स्नपन) न्हावुं; स्नान करवुं ते. नहाना; स्नान. Bathing. प्रव० ११२;

√ण्हा. धा० I. (स्ना) न्हावुं; स्नान करवुं. नहाना; स्नान करना. To bathe.

ण्हाइ-ति. नाया० १३; १६;
ण्हायइ. नाया० १३;
ण्हाणइ जीवा० ३, ४;
ण्हायंति. नाया० १३;
ण्हाउं. पिं० नि० ३७६;
ण्हायमाण. व० कृ० नाया० १३;
ण्हावेइ. प्रे० नाया० १; १६;
ण्हावेइ. प्रे० जं० प० २, ३३;

पुहावेन्ति. प्रे० भग० ६, ३३;
पुहायोन्ति. प्रे० भग० १५, १;
पुहायेइ. प्रे० भग० १५, १;
पुहाहेत्ता. प्रे० सं० कृ० भग० १५, १;
पुहावेत्ता. प्रे० सं० कृ० नाया० १; ५; भग० ६, ३३;

प.

√पश्र. धा० I. (पच्) પકાવવું; રાંધવું. पकाना; रांधना; रसोई बनाना. To cook

पए. वि० दस० १०, १, ४; उत्त० २, २; ३५, १०;

पश्र. पुं० न० (पद) પગ. पद; पैर; पांव; चरण. A Foot or feet. भत्त० ४६; दस० २, १; नाया० १; (२) વાક્યનો અંગ. वाक्यांश; वाक्यका अंग-भाग. a part of a sentence. प्रव० ७६;

पश्र. न० (पयस्) દુધ. दूध; दुग्ध; पय. Milk. पिं० नि० १३१;

√प-अण. धा० I. (प्र+अन्) શ્વાસ લેવો. श्वास लेना. To breathe.

पाणमंति. सम० १; भग० १, १; २, १; ६, ३४; पन्न० ७;

पाणममाण. व० कृ० भग० ६, ३४;

√प-अत्थ. धा० I. II. (प्र+अर्थ) યાચના કરવી; પ્રાર્થના કરવી. मांगना; प्रार्थना करना. To beg; to request; to pray.

पत्थेइ. भग० २, ५; उत्त० २८; ३३; दसा० १०, १;

पत्थए. दस० ६, ६१;

पत्थंति. ओव० ११;

पत्थति. उत्त० ६. ४२;

पत्थसि. सु० च० १, १७; ७;

पत्थए. वि० सूय० १, २, १, १६; दस० ५, २, २३; ८, १०; २८;

पत्थेउं. हे० कृ० आउ० ५१;

पत्थमाण. व० कृ० सु० च० १, १४२;

पत्थेमाण. व० कृ० उत्त० ६, ५३; विवा० १;

पश्रलिश्र. त्रि० (प्रचलित) ચાલેલું; કંપેલું. चला हुआ; कम्पित. Moved; shaken; in force. ओव० १२;

√प श्र व. धा० I. (प्र+आप्) મેળવવું; પ્રાપ્ત કરવું. मिलाना; प्राप्त करना. To obtain; to secure. (२) પાળવું; પાર ઉતારવુ. पालना; पार उतारना. पूरा करना. to fulfil; to observe; to cross or to finish.

पाउणति. सूय० २, ६, ४२;

पाउणइ. भग० १, ६; ६, ३३; नाया० ध० पन्न० ३६;

पाउणंति. ओव० ३८;

पाउणेज्जा. वि० दसा० ७, १२; भग० ६,५; १४, ७, ८; वव० ५, २१;

पाउणिहित्ति. भ० भग० १५, १;

पाउणित्ता. सं० कृ० भग० २, १; २, १; ३, १२; नाया० १; ५; ८; १२; १४; १५; १६; अणुत्त० १, १; विवा० १; दसा० १० ११; जं०प०मन०४२,५४;

पाउणिहितित्ता. सं० कृ० भग० १५, १;

पइ. अ० (प्रति) સામે; ઉલટું. सम्मुख; विरुद्ध; सामने. Infront of, opposite to; क० गं० १, २२; उत्त० २, २४; विशे० ८६; सु० च०३, ५७;

पइ. पुं० (पति) સ્વામી; અધિપતિ प्रभु; मालिक, स्वामी; अधिपति. Lord; master. ओव० २३; अणुजो० १२८; उत्त० १४, ३६; विशे० १४९२; २३२५; भत्त० ११५;

√ प-इक्ख. धा० I. (प्र+ईक्ष्) જોવું. देखना. To see; to look; to inspect
पिच्छइ. सु० च० १, ४६; दस० ८, २०;
पिच्छसि. सु० च० १, २३५;
पिच्छेह. नाया० १६;
पिच्छित्तए ओव० ३८;
पिच्छत. सु० च० २, ११६;
पिच्छिऊण. सु० च० १, ५१;

√ प-इक्ख धा० I. (प्र+ईक्ष्) જોવું; નિરીક્ષણ કરવું देखना; निरीक्षण करना. To see; to isnpect; to observe.
पेच्छंति. विशे० ३४५;
पेच्छामि. नाया० ९;
पेच्छिमो. पिं० नि० २४०;
पेच्छिऊण सं० कृ० विशे० ५७;
पेच्छिओ हे० कृ० नाया० ८;
पेच्छंत. व० कृ० नाया० ८;
पेच्छमाण व० कृ० नाया० १, १३;
पेच्छिज्जमाण. क० वा० व० कृ० भग० ९; ओव० ३२;

√ प-इक्ख. धा० I, II (प्र+ईक्ष्) જોવું; દ્રષ્ટિ કરવી. देखना; नजर डालना; दृष्टिपात करना. To see; to look at; to have a glance.
पेहाए आया० १, ८, १, २१;
पेहेइ-ति. दस० ६, ४, १; सूय० १,३,३,१;
पेहइति. पन्न० १५;
पेहे वि० उत्त० २, २७; २४, ७;
पेहि-आ. सूय० ९, ३, ६;
पेहाए सं० कृ० भग० १८, ८, उत्त० १, २७; आया० १, २, १, ६३; निसी० ६, ११, २४; दस० ७, ३६;
पेहिया. सूय० १, २, १, ३;
पेहमाण व० कृ० नाया० ३. ८; आया० १, ८, ४, ७; दसा० ६, २; दस० ५, १, ३; पन्न० १५;

√ प-इक्ख धा० I. (प्र+ईक्ष्) જોવું. देखना. To see.
पिक्खिज्जइ. क० वा० सु० च० २, ८;

पइक्खण. न० (प्रतिक्षण-क्षणं क्षणं प्रतिवर्त्तत इति) ક્ષણે ક્ષણે; દરેક ક્ષણે प्रतिक्षण; पल पल में Every second; every minute. क० गं० ५, ५५; सु० च० ५, ३६; विशे० ६९;

पइट्ठ त्रि० (प्रकृष्ट) શ્રેષ્ઠ; પ્રધાન; ઉત્તમ. श्रेष्ठ; प्रधान; उत्तम. Excellent; superior; best नाया० १;

पइट्ठ. त्रि० (प्रविष्ट) અન્દર પેઠેલું, अन्दर घुसा हुआ; प्रविष्ट. Thrust into; entered into; got through. पिं० नि० २१५; आव० ६, ११;

पइट्ठ पुं० (प्रतिष्ठ) સાતમા તીર્થંકરના પિતાનું નામ. सातवें तीर्थंकर के पिता का नाम. Name of the father of seventh Tirthankara. सम० प० २२६; प्रव० ३२१;

पइट्ठा. स्त्री० (प्रतिष्ठा) આધાર; જેને આશ્રયે શાન્તિથી રહી શકાય તે. वह आधार जिसके आश्रय में शान्तता पूर्वक रहा जा सके. A support. (२) સંસાર પરિભ્રમણથી નિવૃત્તિરૂપ અવસ્થાન. संसार परिभ्रमण से निवृत्ति मुक्ति रूप अवस्थान. a support in the form of salvation from rebirth. जं० प० ५, ११५; ७, १५१ ओव० भग० ६, ५; सूय० १, ११, २३; नंदी० ३३; भत्त० ३१; कप्प० २, १५;

पइट्ठाण. न० (प्रतिष्ठान) અવસ્થાન; સ્થિતિ; આધાર. अवस्थान; स्थिति; आधार. A support; an establishment; stand जं० प० ४, १२१; अणुओ० १२८; भग० २, ७; ७,१; नाया० ६; दसा० ६, १; जीवा० ३, ४; (२) પાયો; ભીત-

સીડી વિગેરેનું મૂલ. नींव; पाया; दीवार-सीढी-जीना आदि की नींव Foundation; basis. राय० ४५; १०५; प्रव० ६४४; जीवा० ३, ४;

पइट्ठावञ. त्रि० (प्रतिष्ठापक) વ્યવસ્થા કરનાર; વ્યવસ્થાપક. व्यवस्थापक; व्यवस्था प्रबन्ध करने वाला. A manager. ओव० १०; नाया० १८;

पइट्ठावण. न० (प्रतिष्ठापन) સ્થાપન કરવું; પ્રતિષ્ઠા કરવી તે स्थापना; प्रतिष्ठापन. The act of establishing; establishment; bringing into existance. पंचा० ७, ४५; ८, १६;

पइट्ठिअ-य त्रि० (प्रतिष्ठित) પ્રતિષ્ઠા પામેલ; સ્થિતિ કરેલ. प्रतिष्ठा पाया हुआ; स्थापित Established: made to exist. उत्त० ३६, ५६; ठा० ३, ३; सम० २१; भग० १, ६; ६, ५; नाया० १; उवा० २, १०१; कप्प० ३, ४०; गच्छा० २; दसा० २, १८; निसी० १४, ७५; पन्न० १४; पंचा० ३, २७; कप्प० ३, ५५; प्रव० ४६३; (२) ભાદરવા મહિનાનું લોકોત્તર નામ. भाद्रपद मास का लोकोत्तर नाम. an extraordinary name of the month Bhādrapada जं० प०

पइण्ण त्रि० (प्रकीर्ण) ફેલાયેલું; વિખરાયેલું. फैला हुआ; बिखरा हुआ; प्रसारित. Scattered; spread. नाया० २; ३;

पइण्णग. न० (प्रकीर्णक) પ્રકીર્ણક છુટક શાસ્ત્ર-પન્નના. प्रकीर्णक-छुट्टे-इधर उधर के शास्त्र आदि; पइन्ना. Stray scriptures; a collection of scriptures. उत्त० २८, ६३; पन्न० १;

पइण्णा. स्त्री० (प्रतिज्ञा) પ્રતિજ્ઞા-ટેક. प्रतिज्ञा-टेक A vow. (२) પચ્ચખાણ. पच्चखाण a determination. उत्त० ६, १०; विशे० १२६५; ओव० नि० ५६; राय० २४४; (२) નિષ્ઠા; શ્રદ્ધા. निष्ठा; श्रद्धा; विश्वास. Belief; devotion; confidence. राय० २८६;

पइदिण. न० (प्रतिदिन) દરરોજ; હમેશા. प्रतिदिन; दररोज; सदा. Daily; ever; every day. नाया० १०; सु० च० १, १३२; २११, ३३२; पिं० नि० ३४६;

पइदियह न० (प्रतिदिवस) દરરોજ; હમેશા. प्रतिदिन; हमेशा. Daily; every day. पंचा० २, ३७;

पइद्दार. न० (प्रतिद्वार) દ્વાર દ્વાર પ્રત્યે. घरघर; प्रतिद्वार. From door to door. विशे० ६५६;

पइन्न. त्रि० (प्रकीर्ण) જુઓ "पइण्ण" શબ્દ. देखो "पइण्ण" शब्द. Vide. 'पइण्ण' नंदा०४३; —तव. न० (-तपस्) શ્રેણિ અને અનુક્રમ વિના છુટક જવ, મધ્યજવ ચંદ્ર-પ્રતિમા વગેરે યથા શક્તિ કરવામાં આવતું તપ श्रेणि एवं अनुक्रम के बिनाही फुटकर रीतिसे- जव, मध्यजव, चन्द्रप्रतिमा आदि यथाशक्ति किया जाने वाला तप. A penance, such as Java, Madhyajava etc. undertaken according to one's strength without any serial order. उत्त० ३०, १०;—वाइ.त्रि० (-वादिन्) ગમે તેવો પ્રલાપ કરનાર; અસંબદ્ધ બોલનાર. मनमानी बकनेवाला; असबद्ध प्रलापी. a prattler, a babbler. उत्त० ११, ६;

पइन्न. त्रि० (प्रतीर्ण) જન્મથી પાળેલું. जन्मतः पाला हुआ. Protected or observed from the very birth. पण्ह० २, १;

पइन्ना. स्त्री० (प्रतिज्ञा) પ્રતિજ્ઞા; સંકલ્પ. प्रतिज्ञा; प्रण; सकल्प. A vow; a firm

determination; an oath; a solemn promise. भत्त० २६; सु० च० ८, ३०७;

पइभय. न० (प्रतिभय) સામો ભય-ભયનો પડછાયો. सम्मुख भय; भय की प्रतिच्छाया. A shadow of fear; fear in opposition. नाया० २; ओव० २१;

पइमारुय. पुं० (प्रतिमारुत-प्रतिकूलो मारुतः प्रतिमारुत.) પ્રતિકૂલ વાયુ-પવન. प्रतिकूल वायु-पवन. An unfavourable wind. नाया० १;

पइरिक्क. त्रि० (प्रतिरिक्त) એકાંતવાળું; સ્ત્રી, પશુ વગેરે વસતિ વિનાનું (સ્થાન). एकांत वाला; स्त्री, पशु आदि की बस्तीसे शून्य. A seclusion; a deserted place; a place devoid of beasts, men and women etc. उत्त० २,२३;३५,६; जीवा० ३, ३; कप्प० ४, ६५; (२) ઘણું; વધારે. बहुत, अधिक; प्रचुर. ample; abundant; plenty ओघ० नि० १४५;

पइल्ल. पु० (पैल) બાવનમા ગ્રહનું નામ. बावनवे ग्रह का नाम Name of the fifty second constellation. "दो विसंधी दो नियल्ला दो पइल्ला" ठा० २, ३; सू० प० २०; (२) त्रि० જેને રાફીનો રોગ થયો હોય તે. वह जिसे राफी का रोग हुआ हो. (one) suffering from "Rāfi" पराह० २, ५;

पइवत्थु न० (प्रतिवस्तु) દરેક વસ્તુ प्रतिवस्तु; हरएक पदार्थ वस्तु Every thing; each commodity. विशे० ७४;

पइविसिट्ठय. त्रि० (प्रतिविशिष्टक) વિશિષ્ટ; સહિત; યુક્ત. विशिष्ट; सहित; युक्त Special; with; attached to. उवा० ७, २०६;

पइविसेस पुं० (प्रतिविशेष) ભિન્નતા-ભેદ; તારતમ્ય. भिन्नता; भेद-तारतम्य. Difference; comparison. अणुजो० ११;

पइव्वया. स्त्री० (प्रतिव्रता-पतिं व्रतयति-तमेवानुगच्छामीति नियमं करोति) પ્રતિવ્રતા ધર્મ પાલનારી સ્ત્રી. प्रतिव्रता धर्म पालनेवाली स्त्री; प्रतिव्रता; साध्वी. A chaste; faithful woman. नाया० १६;

पइसमय. न० (प्रतिसमय) દરેક સમયે; સદા. प्रतिसमय; सदा; हमेशा. Every time; always; ever. कं० गं० ५, ८१; विशे० ७१; सु० च० १, ३६०; —उप्पराग. त्रि० (-उत्पन्न) સમયે સમયે ઉત્પન્ન થતું; નવું નવું. समय समयपर होनेवाला; नया नया. occurring ocassionally-newly. विशे० ४२०;

पईण त्रि० (प्रतीचीन) પશ્ચિમ દિશાનું. पश्चिम दिशा-पाश्चात्य. Belonging to the west; western. भग० १५, १;

पईव. पुं० (प्रदीप) દીપક; દીવો. दीपक; दीया. A light; a lamp. भग० ८, ६; दस० ६, ३५; पिं० नि० भा० १; विशे० १७; २४४, वेय० २, ७; राय० २३; उत्त० २३, ६; ३४, ७; सम० १; नंदी० १०; कप्प० ३, ३९; (२) પ્રદીપકુમાર; ભવનપતિ દેવતાની એક જાત प्रदीपकुमार; भवनपति देवता की एक जाात. Pradīpa Kumāra, a class of Bhavanapati gods. नाया० १६;

पउअ. पु० (प्रयुत) ચોરાશી લાખ અયુતનો- એક 'પ્રયુતાંગ કાલ' અને 'ચોરાશી લાખ' પ્રયુતાંગ પ્રમાણે એક 'પ્રયુત કાલ વિભાગ' 'चौरासी लक्ष अयुत-एक प्रयुतांग काल एवं चौरासी लक्ष प्रयुतांग प्रमाण से एक काल विभाग. A period of time equal to 84 lacs of Prayutānga Prayutānga 84 lacs of Ayuta.

भग० २५, ५; अणुजो० ११५; ठा० २, ४; जीवा० ३, ४; जं० प० २, १८;

पउअंग. पुं० (प्रयुतांग) ચોરાશી લાખ અયુતનો એક પ્રયુતાંગ; કાલનું એક માપ. चौरासी लक्ष अयुतका एक प्रयुतांग; काल का एक माप. A Prayutānga equal to 84 lacs of Ayutas; a measure of time. अणुजो० ११५; ठा० २, ४; भग० ५, १;

√प-उंछ धा० I. (प+उंच्छ्) લુછવું; લુગ્છવું. लूंछना; संवारना. To comb.

पुंछइ. निसी० ४, ७४; उत्रा० २, ६४;
पुंछे आ० दस० ८, ७;

√पउंज. धा० I. (प्र+युंज्) યોજવું; પ્રયોગ કરવો; અજમાવવું. योजना करना; प्रयोग करना; आजमाना. To arrange; to experiment; to test.

पउंजइ. भग० ३, २, १६, ५; ओघ० नि० ७५९; जं० प० ५, १२२; ११५;
पउंज्जइ. नाया० ६; उवा० ८, २५५;
पउंजति नाया० १; नाया० ८; उत्त० ८, १३; ओव० ३३; जं० प० ५, ११२;
पउंजामि. सु० च० १०, ११४; नाया० ८;
पउंजिज्ज वि० उत्त० २४, १३;
पउजे वि० दस० ८, ४१; वव० ७, १८; दसा० ६, ४;
पउंजय. आ० दसा० १०, ७;
पउंजइत्ता. सं० कृ० भग० ३, २; १६, ५; नाया० ६;
पउंजतित्ता. सं० कृ० नाया० ८;
पउंजिउं. स० कृ० सु० च० १, २२४;
पउंजित्ता. सं० कृ० भग० १९, १; जं० प० ५, ११५; ११२, १२२;
पउंजेहिंति. भग० १५, १;
पउंजमाण. व० कृ० भग० ६, ३३; ओव० ३१;

पउंजियव्व. त्रि० (प्रयुक्तव्य) યોજવું; ઘટાવવું. योजना करना; प्रयोग करना; जमाना–बनाना. Arranging; experimentation. राय० २७७; पंचा० १२, ८; क० गं० ६, ३५;

√प-उक्ख. धा० I. (प्र+उक्ष्) પાણી છાંટવું. पानी छींटना; जल प्रोक्षण. To sprinkle water.

पोक्खेइ. भग० ११, ६;

पउज्ज. त्रि० (प्रयोज्य) પ્રેરણા કરવા યોગ્ય; યોજવા લાયક. प्रेरणा करने के योग्य; योजना के योग्य. Fit to be urged, arranged. विशे० ३३८४;

पउट्ट. पुं० (परिवर्त) પરિવર્તન; એક શરીરમાંથી બીજા શરીરમાં પ્રવેશ કરવો તે. परिवर्तन; एक शरीर में से दूसरे शरीर में प्रवेश करना Change; transmigration. भग० १५, १;

पउट्ठ. पुं० (प्रकोष्ठ) હાથનો પોચો; કોણીથી પોચા સુધીનો ભાગ. हाथ का पहुंचा; मणिबन्ध, कलाई; प्रकोष्ठ; कुहनी से पहुंचे पर्यन्त भाग The wrist. ओव० १०; भग० ११, ११; जीवा० ३, ३; कप्प० ३, ३९; जं० प० ७, १६६;

पउट्ठ. त्रि० (प्रदुष्ट) ખરાબ; દુષ્ટ. दुष्ट; अधम; खराब. Bad; worse. प्रव० १५१;

√पउण. ना० धा० I. (प्रगुण) વિશેષગુણ–ફાયદો કરવો. विशेषगुण पहुंचाना–फायदा करना. To cause special profit or benefit.

पउणइ. विशे० ८६५;

पउण. त्रि० (प्रगुण) પ્રકૃષ્ટ–શ્રેષ્ઠ ગુણ વાળું. प्रकृष्ट गुण वाला; उत्तम गुणी–सद्गुणी. (One) having best merits or qualities. सु० च० १, १०२; पिं० नि० ३०८;

पउत. न० (प्रयुत) જુઓ " पउअ " શબ્દ. देखो " पउअ " शब्द. Vide " पउअ " भग० ५, १;

पउत्त. त्रि० (प्रयुक्त) જોડેલુ; યોજેલુ, અજમાવેલુ प्रयुक्त; योजना किया हुआ; आजमाया हुआ. Experimented; used; taken experience of. जीवा० ३, ३; भत्त० ८३; उवा० ७, १८२; २०४;

पउत्ति. स्त्री० (प्रयुक्ति) પ્રયુક્તિ; પ્રકટવાત. प्रयुक्ति; प्रकट बात; प्रसिद्ध वार्ता. An open fact नाया० २,

पउत्थ. त्रि० (*प्रोषित) ક્રોધથી તપ્ત થયેલ; રીસાઇને ભાગી ગયેલ क्रोध से गरम बना हुआः घुस्सा खाकर भागा हुआ. Hot with anger, (one) who has run away being enraged. विशे० २०६५, **—वइया.** स्त्री० (-पतिका) જેનો પતિ-ધણી પરદેશ ગયો છે તેવી વિયોગિની સ્ત્રી. वह विरहिणी स्त्री जिसका पात परदेश गया हुआ है. a lady whose husband has gone on a long journey. ओघ० नि० भा० २२२; विशे० २०६६;

पउप्पअ. पुं० (प्रपौत्र) પુત્રના પુત્રનો પુત્ર, પડપોતરો. लडके के लडके का लड़का, प्रपौत्र; पोता-ती. a great grand son. (२) શિષ્યાનુશિષ્ય शिष्यानुशिष्य a generation of disciples. " तेणं कालेणं तेणं समयेणं विमलस्स अरहओ पउप्पए धम्मघोसे नामं अणगारे " भग० ११, ११; १५, १,

पउम. न० (पद्म) સૂર્યવિકાશી કમલ. सूर्यविकासी कमल. A lotus जं० प० ५, ११५; आया० २, २, १, ६७; ओव० १०, सूय० २, ३, १८; नाया० १; ४, ६; १३; उवा० १, ३०; भग० ६, ७; ६, ३३; ११, ६; २५, ५; ओघ० नि० भा० ५६; ओघ० नि० ६८९; सु० च० १, ३७; दस० ५, २, १४; नंदी० स्थ० ८; राय० ४२; पन्न० १; १५; जीवा० ३, १; निर० २, १; (२) પદ્મ નામનો દ્વીપ અને સમુદ્ર. पद्म नामक द्वीप और समुद्र a continent and an ocean so named. पन्न० १५; (३) પદ્મ નામની વેદિકા, જે દ્વીપ અને સમુદ્રની ચારે તરફ હોય છે. पद्म नामक एक वेदिका जो द्वीप तथा समुद्रों के चारों बाजू होती है. a raised portion of land so named round a continent or a sea भग० २, ८; ३, २; (४) ચોરાશી લાખ ઉત્પલ કાલનો એક પદ્માંગ, એવા ચોરાસી લાખ પદ્માંગનો એક પદ્મ; કાલનું એક માપ. चौरासी लाख उत्पल काल का एक पद्मांग और चौरासी लाख पद्मांग का एक पद्म; एक काल-माप. a duration of time equal to 84 lacs of Padmāngas. ठा० २, ४; अणुजो० ११५; भग० ५, १; जीवा० ३,४, जं० प० (५) રમ્યકવાસ ક્ષેત્રના વૈતાઢ્ય પર્વતનો અધિષ્ઠાતા દેવતા. रम्यकवास क्षेत्र के वैताढ्य पर्वत का अधिष्ठाता देवता. the presiding deity of the RamyakvāsaKsetra of the Vaitāḍhya mountain. ठा० २, ३, (६) પદ્મ નામનો રાજા કે જે આવતી ચોવીસીના પ્રથમ તીર્થંકર મહાપદ્મની પાસે દીક્ષા લેશે पद्म नामक राजा जो आगामी चौवीसी के प्रथम तीर्थंकर महापद्म से दीक्षा लेंगे. the king named Padma who will be consecrated by the first Tīrthaṅkara in the coming Chaubīsī. ठा० ८, १; (७) પદ્મ-જમ્બૂદ્વીપના ભરત ક્ષેત્રમાં આવતી

ઉત્સર્પિણીમાં થનાર આઠમા ચક્રવર્તી. पद्म-जंबूद्वीप के भरत क्षेत्र में आगामी उत्सर्पिणी में होने वाले आठवें चक्रवर्ती. the 8th Chakravarti to come in the coming æon of increase in the Bharata Ksetra of Jambūdvīpa. (८) પદ્મ-પાંચમા તીર્થંકરને સર્વ પ્રથમ ભિક્ષા આપનાર. पद्म-पांचवें तीर्थंकर को सर्व प्रथम भिक्षा देने वाला. (one) who gave alms first of all to the 5th Tīrthaṅkara. सम० प० २४२; (९) પદ્મ-આવતી ચોવીશીના આઠમા બલદેવનું નામ. पद्म-आगामी चौवीसी के आठवें बलदेव का नाम. name of the 8th Baladeva of the coming Chaubīsī. सम० प० २४२; (१०) સાતમા દેવલોકનું પદ્મ નામે વિમાન, જેની સ્થિતિ સત્તર સાગરોપમની છે, એ દેવતા સાડા આઠ માસે શ્વાસોચ્છ્વાસ લે છે અને સત્તર હજાર વર્ષે ક્ષુધા-ભૂખ લાગે છે. सातवें देवलोक का पद्म नामक विमान; इसकी स्थिति सत्रह सागरोपम की है; यह देवता साडे आठ महिनों में श्वासोच्छ्वास लेते हैं, इन्हें सत्रह हजार वर्षों में भूख लगती है. a celestial abode so named, of the 7th Devaloka; the duration of the life of its gods is seventeen Sāgaropams; (a period of time), they breathe at every $8\frac{1}{2}$ months and feel hungry once in 17,000 years. सम० प० २४२, (११) પદ્મ-આઠમા દેવલોકનું એક વિમાન, એની સ્થિતિ અઢાર સાગરોપમની છે, એ દેવતા નવ મહિને શ્વાસોચ્છ્વાસ લે છે અને અઢાર હજાર વર્ષે ક્ષુધા-ભૂખ લાગે છે. आठवें देवलोक का एक विमान, इसकी स्थिति अठारह सागरोपम की है; ये देवता नो महिने में श्वासोच्छ्वास लेते हैं, इन्हें अठारह हजार वर्षों में क्षुधा लगती है. a celestial abode of the 8th Devaloka; the life of its gods is 18 Sāgaropamas (a period of time),they breathe at every nine months and feel hungry once in 18,000 years सम० १८;

—उप्पल. न० (-उत्पल) પદ્મ-કમલ. पद्म; कमल; पंकज. a lotus. नाया० ८; सम० ३४; कप्प० ३, ३; —चुण्ण. पु० (-चूर्ण) કમલનું ચૂર્ણ. कमलचूर्ण, कमलका चूरन. powder of lotus. निसी० १, ६;

—द्दह पुं० (-द्रह) ચુલહિમવંત પર્વત ઉપરનો પદ્મ નામે એક દ્રહ. चुल्लहिमवंत पर्वत पर का एक पद्म नामक द्रह-झील a lake named Padma on the Chula Himavanta mount. कप्प० ३, ३५; सम० १०००; जं० प० ४, १२०,

—पत्त. न० (-पत्र) કમલની પાંખડી कमल दल; कमल पत्र. a lotus leaf. राय० ४६; जं० प०५, ११६; (२) पुं० પદ્મ નામે પિતા. पद्म नामक पिता. a father named Padma. नाया० ध० ६;

—रय. न० (-रजस) કમલની રજ-પરાગ. कमल की केसर; पद्मपराग; कमलरज pollen; filament of lotus. नाया० १, —लया. स्त्री० (-लता) કમલની વેલ. कमल लता; कमल की वेल. a lotus-creeper भग० १४, ६; नाया० १; ८; राय० ९१; पन्न० १; ओव० जं० प० ५, ११६; —वास. पुं० (-वर्ष) પદ્મ-કમલનો વરસાદ पद्म-कमलों की वर्षा a shower of lotuses. भग० १५, १;

—सर न० (-सरस्) કમલ યુક્ત સરોવર;

કમલ વાળું તલાવ. कमल युक्त सरोवर; पद्म पूरित सर; कमल वाला तालाब. a lake or pond abounding in lotus-flowers. भग० ११,११; १५,१; १६, ६; नाया० १; ८; विशे० ३४०५; सु० कप्प० १, ४; च० २, ४७; **—सीहासण.** न० (-सिंहासन) પદ્મ નામે સિંહાસન. पद्म नामक सिंहासन. a throne named Padma. नाया० ध० ९; **—हत्थगय** त्रि० (-हस्तगत) જેના હાથમાં કમલ રહેલ છે તે वह जिसके हाथ में कमल है, पद्म-हस्त (one) who has a lotus in his hands जं० प० ३, ४३;

पउमंग. न० (पद्माङ्ग) ૮૪ લાખ ઉત્પલનો એક પદ્માંગ કાલનું એક માપ ८४लाख उत्पलों का एक पद्माङ्ग; काल का माप विशेष. A measure of time; 84 lacs of Utpalas make a Padmāṅga. भग० ५, १, २५, ५, ठा० २, ४; अणुजो० ११५, ज० प०

पउमग. पु० (पद्मक) કેસર. केसर. Filaments of a flower दस० ६, ६४;

पउमगुम्म पु० (पद्मगुल्म) પદ્મગુલ્મ નામે રાજા કે જે આવતી ચોવીસીના પહેલા તીર્થંકર મહાપદ્મની પાસે દીક્ષા લેશે पद्मगुल्म नामक राजा जो आगामी चौवीसी के प्रथम तीर्थंकर महापद्म से दीक्षा लेगा. A king named Padmagulma who will be consecrated by the first Tīrthankara of the coming Chaubīsī. ठा० ८, १; (२) એ નામનું એક વિમાન. इस नामका एक विमान. a celestial abode of this name उत्त० १३, १; सम० १८,

पउमणाभ. पुं० (पद्मनाभ) ધાતકીખંડની અમરકંકા રાજધાનીનો રાજા કે જે દ્રૌપદીને ઉપાડી ગયો હતો. द्रौपदी का हरण करने वाला धातकीखंड की अमरकंका राजधानी का राजा. The king so named of the capital city Amarakaṅkā of Dhātakīkhaṇḍa who abducted Draupadī. नाया० १६;

पउमणाह. पुं० (पद्मनाभ) જુઓ "पउमणाभ" શબ્દ. देखो "पउमणाभ" शब्द. Vide "पउमणाभ" नाया० १६;

पउमद्धय पुं० (पद्मध्वज) પદ્મધ્વજ નામનો રાજા કે જે આવતી ચોવીસીના પહેલા મહાપદ્મ તીર્થંકર પાસે દીક્ષા લેશે. आगामी चौवीसी के प्रथम महापद्म तीर्थंकर से दीक्षा लेने वाला पद्मध्वज नामक राजा. A king named Padmadhvaja who will be consecrated by the 1st Tīrthankara named Mahāpadma of the coming Chaubīsī. ठा० ८, १;

पउमनाह. पुं० (पद्मनाभ) ભરત ક્ષેત્રના આવતી ચોવીસીના પહેલા તીર્થંકરનું નામ. भरत क्षेत्र की आगामी चौबीसी के पहिले तीर्थंकर का नाम. Name of the 1st Tīrthankara of the coming Chaubīsī in Bharata Ksetra. प्रव० २१५, ४६४;

पउमप्पह. पु० (पद्मप्रभ) છઠ્ઠા તીર્થંકરનું નામ. छठे तीर्थंकर का नाम. Name of the 6th Tīrthankara. अणुजो० ११६; सम० २४; ठा० २, ४; उवा० २, २; प्रव० २९३; कप्प० ६, २००;

पउमप्पहा. स्त्री० (पद्मप्रभा) જમ્બૂવૃક્ષના ઈશાન ખુણાના વનમાં પચાસ જોજન ઉપર આવેલી એક પુષ્કરિણી વાવનું નામ जम्बू वृक्ष के ईशान्य कोन के वन में पचास योजन पर आने वाली एक पुष्करिणी-कमल दल

वाली बावड़ी का नाम. A Puṣkariṇi well coming, at a distance of 50 Yojanas in a forest to the north-east of the Jambū Vrikṣa; जं० प०

पउमराय. पुं० (पद्मराग) લાલરંગનો મણિ. लालरंग की मणि; पद्मराग. A ruby. प्रव० १६६८;

पउमवडिंसयविमाण. न० (पद्मावितंसक-विमान) એ નામનું વિમાન. विमान विशेष. A particular celestial abode. नाया० भ० ६;

पउमवरवेइआ-या स्त्री० (पद्मवरवेदिका) વનખંડ-શ્રેણી વગેરેની સીમા ઉપરની વેદી કે જેના સ્તંભ વગેરેમાં પદ્મ-કમલ કોતરેલ છે वनखण्ड-श्रेणि आदि की सीमापर स्थित एक वेदी जिसके स्तंभ आदि में कमल खुदे हुए हैं. That platform situated at the borders of the out skirts of a forest on whose posts etc. lotuses are engraved भग० ६, ३; जं० प० १, ६;

पउमसिरी. स्त्री० (पद्मश्री) પદ્મશ્રી-આઠમા ચક્રવર્તીની સ્ત્રી (રત્ન). पद्मश्री-आठवें चक्रवर्ती की स्त्री (रत्न). Padmaśrī queen of the 8th Chakravartī. सम० प० २३४;

पउमा स्त्री० (पद्मा) પદ્માદેવી पद्मादेवी The goddess Padmā. नाया० ४; नाया० ध० ५, ६; प्रव० ३०८, (२) રાક્ષસના ઇંદ્ર ભીમની પહેલી પટ્ટરાણી राक्षसों के इन्द्र भीम की पहिली पटरानी the 1st chief queen of Bhīma, the Indra of Rākṣasas. ठा० ४, १; भग० १०, ५; (३) વનસ્પતિ વિશેષ. वनस्पति विशेष a particular vegetation. (४) પદ્માવતી નામે વીસમા તીર્થંકરની માતા. बीसवें तीर्थंकर की पद्मावती नामक माता. mother of the 20th Tirthaṅkara. सम० ५; २३४; (५) ચૌદમાં તીર્થંકરની મુખ્ય સાધ્વી. चौदहवें तीर्थंकर की मुख्य साध्वी. the chief nun of the 14th Tirthaṅkara. सम० प० २३४; (६) જમ્બૂદ્વીપના જંબૂવૃક્ષના ઈશાન ખુણામાંના વનમાં પચાશ જોજન ઉપર આવેલી એક વાવનું નામ. जम्बूद्वीपस्थ जम्बूवृक्ष के ईशान्य कोन वाले वन में पचास योजनपर आने वाली एक बावड़ी-वापिका विशेष. a well coming towards the north-east of the Jambū Vrikṣa situated in the Jambūdvipa at a distance of 50 Yojanas. जं० प० (७) એ નામની શાખા. शाखा विशेष a branch of this name कप्प० ८;

पउमावई स्त्री० (पद्मावती) અંતગડ સૂત્રના પાંચમાં વર્ગના પ્રથમ અધ્યયનનું નામ. अनगड सूत्र के पांचवें वर्ग के प्रथम अध्ययन का नाम. name of the 1st chapter of the 5th Antagaḍa Sūtra. अंत० ५, १; (२) કૃષ્ણ મહારાજની એક પટ્ટરાણી કે જે નેમનાથ પ્રભુના બોધથી વિરક્ત થઇ યક્ષિણી આર્યાની પાસે દીક્ષા લઇ અગીયાર અંગનો અભ્યાસ કરી વીસ વરસની પ્રવ્રજ્યા પાળી એક માસનો સંથારો કરી મોક્ષે ગયા. कृष्णमहाराजकी पटरानी जिन्होंने नेमिनाथ प्रभु के बोध से विरक्त होकर यक्षिणी आर्या से दीक्षा ली एवं ग्यारह अंगों का अभ्यास कर बीस वर्षकी प्रव्रज्या पाल तथा एक मासका संथारा करके मोक्ष प्राप्त किया. the chief queen of Kriṣṇa Mahārāja who being advised

by the Lord Neminātha was consecrated by Yaksiṇī Āryā, studied the eleven Aṅgas, remained a nun for 20 years and attained salvation after a month's self starvation. अत० ५, १; ठा० ८, १; (३) પશ્ચિમ દિશાના રૂચક પર્વતપર વસનારી આઠ દિશાકુમારીમાંની ચોથી. पश्चिम दिशा के रुचक पर्वत पर निवास करने वाली आठ दिशाकुमारियों मे से चोथी. the 4th of the 8 Diśā Kumāris residing on the mount Ruchaka in the west. जं०प० १, ११४; (४) કોણિક રાજાની પટ્ટરાણી कोणिक राजा की पटरानी. the chief queen of the king Konika. निर० १, १; (५) મહાપદ્મ રાજાની પદ્માવતી દેવી महापद्मराजा की पद्मावती देवी. the queen Padmāvatī of Mahāpadma king. नाया० १६; विवा० ५; (६) રાક્ષસના ભીમેંદ્રની બીજી પટ્ટરાણી. राक्षसों के भीमेंद्र की दूसरी पटरानी. the 2nd chief queen of Bhīmendra of the Rāksasas. भग० १५, ५; (७) ઉદાયન રાજાની દેવીનું નામ उदायन राजा की देवी-रानी का नाम. name of the queen of the king Udāyana. भग० १३, ६; (८) કનકરથ રાજાની દેવી कनकरथ राजा की देवी queen of the king Kanakaratha. नाया० १४, (६) મહારાજા શેલકની પટ્ટરાણી महाराजा शेलक की पटरानी-महिषी. the chief queen of Mahārajā Śelaka नाया० ५, (१०) હિરણ્યનાભ રાજાની પુત્રી, જેના સ્વયંવરમાં રામ, કેશવ અને બીજા રાજકુમારો વચ્ચે લઢાઈ થઇ હતી. हिरण्यनाभ राजा की कन्या, जिसके स्वयंवरमे राम, केशव तथा अन्य राजकुमारोंके बीच युद्ध हुआ था. daughter of the king Hiranyanābha at whose choice-marriage a fight took place between Rāma, Keśava and other kings etc. पराह० १, ४; (११) પ્રતિબુદ્ધ રાજાની રાણી प्रतिबुद्ध राजा की रानी. the queen of the king Pratibuddha. नाया० ८; (१२) પદ્માવતી દેવી, પાર્શ્વનાથજીની દેવીનું નામ. पद्मावती देवी, पार्श्वनाथजी की देवी का नाम. the wife of Pārśvanāthjī नाया० १४; नाया० ध० ६, प्रव० ३७८, (१३) વીશમા તીર્થંકરની માતા बीसवें तीर्थंकर की माता. mother of the 20th Tīrthaṅkara. प्रव० ३२२;

पउमासण. न० (पद्मासन-पद्ममिव-पद्माकारमासनम्) એ નામનું એક આસન; પદ્માસને બેસવું તે. एक आसन विशेष; पद्मासन नामक बैठक-आसन. A particular kind of posture in sitting. भग० ११, ११; जीवा० ३; राय० १३६,

पउमिणी. स्त्री० (पद्मिनी) કમલિની; ધોલી પોયણી. कमलिनी, कुमुदिनी, श्वेतपद्मिनी. A white lotus. कप्प० ३, ४२,

पउमुत्तर पुं० (पद्मोत्तर) ૯ મા ચક્રવર્તીના પિતા ६ वे चक्रवर्ती के पिता. Father of the 9th Chakravartī सम० प० २३४; (२) સાકરની એક જાત. शक्कर की एक जाति. a sort of sugar नाया० १७,

पउमुत्तरकूड पुं० (पद्मोत्तरकूट) ભદ્રસાલ વનના આઠ દિગ્હસ્તિકૂટમાંનું પહેલું કૂટ-શિખર. भद्रसाल वनके आठ दिग्हस्तिकूटों में

से पहिला कूट-शिखर. The 1st peak of the 8 Dighasti-peaks of the Bhadrasāla forest. जं० प०

पउमुत्तरा. स्त्री० (पद्मोत्तरा) એક જાતની મીઠાઈ. मिठाई विशेष. A kind of sweet. जीवा० ३, ३; पन्न० १७; जं० प०

पउर. त्रि० (प्रचुर) પ્રચુર; ઘણું; વિશેષ. प्रचुर; बहुत; प्रभूत; अधिक; विशेष. Too much; profuse; excessive; more. जं० प० ५, ११५; २, २५; भग० १; १; ७, ६; १२, १; नाया० १; ५; ८; १७; अणुजो० १४७; ओव० २१; उत्त० ८, १; ३२, ११; सूय० २७, २; नंदी० स्थ० १५; राय० २८६; —गोयर न० (-गोचर) મ્હોટું-ઘણું ગોચર-ગાયોને ઘાસ ચરવાનું ક્ષેત્ર. गायों के चरने का विस्तृत क्षेत्र-मैदान; विशाल गोचर भूमि. a big pasturage. नाया० १७;—तणपाणिय. त्रि०(-तृणपानीय) ઘણું ઘાસ અને પાણી જેમાં હોય તે. प्रचुर घास व पानी वाला; घास पानी से संपन्न-संकुल. (that) which has plenty of grass and water. विवा० ७;

पउर. त्रि० (पौर) શહેરી; શહેરમાં રહેનાર नगरनिवासी; नागर; नागरिक. A citizen. सु० च० ३, १०९; —महल्लय त्रि० (-महत्) પૌરલોકોનો માનનીય; શહેરનો મ્હોટો માણસ. नगरनिवासियों का पूज्य-सन्माननीय (व्यक्ति); शहर का प्रतिष्ठित पुरुष; श्रेष्ठ नागरिक (one) venerable to the citizens, an eminent citizen. सु० च० ४, १६७;

√प-उ-लंङ. धा० II. (प्र+उत्+लंघ्) ઉલ્લંઘી જવું. उल्लंघन करना; लांघना. To transgress; to cross.

पोल्लेइ. नाया० १;

पउरयर. त्रि० (प्रचुरतर) અતિ ઘણું. अत्यधिक. Very much. सु० च० २, ६८;

पउल. पुं० न० (पौल) વનસ્પતિ વિશેષ. वनस्पति विशेष. A particular vegetation. भग० २३; ५;

पउलण. न० (प्रज्वलन) પોંવાં વગેરે સેકવા તે. पोहे आदि का भूंजना-सेकना. Roasting or baking of ears of corn etc. पण्ह० १, १;

पउलिय. त्रि० (प्रज्वलित-पक्क) અગ્નિ ઉપર પાકેલ अग्नि पर पका हुआ; अग्निपक्व. Cooked over a fire. उवा० १, ५१;

पउस. पुं० (*प्रकुश) પઉસ નામનો દેશ पउस नामक देश. A country so named (२) त्रि० પઉસ દેશમાં રહેનાર. पउस देश के निवासी. its inhabitants. पन्न० १;

पउस. पुं० (प्रद्वेष) રોષ; દ્વેષ. रोष; द्वेष. Anger, hatred. सूय० १, ३, १, १८; नाया० ८;

पउसिया. स्त्री० (प्रकुशिका) પઉસ દેશમાં જન્મેલી દાસી. पउस देश में उत्पन्न दासी. A maid-servant born in Pausa country. ओव० ३३;

पए. अ० (प्रगे) સવારમાં; પ્રભાતમાં सवेरे; प्रातःकाल. In the morning. ओघ० नि० भा० ४७;

√प-एस. धा० I, II. (प्र+इष्) મોકલવું; કામમાં જોડવું. भेजना; काम में लगाना. To send; to use.

पेसए सु० च० ६६;

पेसेइ. विवा० ३; नाया० १६;

पेसंति. सूय० १, ४, २, ४;

पेसिज्जऊ. आ० सु० च० १५, १८२;

पेमाय सूय० १, २, २६;

पएस. पुं० (प्रदेश) જેના બે વિભાગ થઈ શકે નહી એવો વસ્તુનો સૂક્ષ્મમા સૂક્ષ્મ અંશ. जिसके दो विभाग न हो सके ऐसा वस्तु का सूक्ष्मातिसूक्ष्म अंश. An indivisible unit of a substance. अणुजो० ४८; १३२; १४३; ठा० १, १; भग०१, ७; ६; ४, १०; १२, ६, २५, ३, ४; ५, ४; नंदी० १८; जं० प० ५, ११६; ओव० उत्त० १३, १६; सम० ४, क० प० १, ६, विशे०३३७, (२) જીવના અસંખ્યાત પ્રદેશમાના છેલ્લા પ્રદેશમા જીવ સત્તા માનનાર એક નિહ્નવ. जीव के असंख्य प्रदेशों में से अन्तिम प्रदेश मे जीव-सत्ता को मानने वाला एक निन्हव-नास्तिक, a heretic who maintains that soul exists in the last of the innumerable living molecules. क०ग०१,२, विशे०२३००; (३) જમીનનો વિભાગ भूमि-खंड; स्थल-विभाग. a portion of land. भग० ३, २, नाया ६, पिं० नि० ५५, सु० च० २, ५; वव० ८, १; निसी० ६, १२, सू० प० १, पंचा० १२,४५, वेय० ४, १३, क० प० २, ६०, ७३, (४) યોગ્ય સ્થાન उचित स्थान. योग्य स्थल a proper place. पंचा० ७, १०, (५) કર્મનો પ્રદેશ બન્ધ. कर्म का प्रदेश बन्ध a partial bondage of Karmic molecules क० ग० ५, ६६, **—अणंतश्र** पु० (-अनन्तक) પ્રદેશની અપેક્ષાએ અનન્ત प्रदेश की अपेक्षा-तुलना में अनन्त infinite in point of particles. ठा०५,३, **—उक्कोस.** पुं० (-उत्कर्ष) પ્રદેશ બંધનો ઉત્કર્ષ, ઉત્કૃષ્ટ પ્રદેશ બન્ધ प्रदेश बंध का उत्कर्ष, उत्कृष्ट प्रदेश बंध the highest bondage of Karmic molecules क० गं० ५, ८६; **—उवोगाढ.** त्रि० (-अवगाढ) આકાશ પ્રદેશને અવગાહી રહેલ आकाश प्रदेश को छिपाए हुए-ढके हुए. covering the space of sky. भग० ५, ७; २५, २; **—कम्म.** न० (-कर्मन्) કર્મપ્રદેશનો આત્મ પ્રદેશની સાથે ક્ષીરનીરવત્ સંબંધ થાય તે कर्म प्रदेश का आत्म-प्रदेश के साथ क्षीरनीरवत् सम्बन्ध का होना a harmonious blending of Karmic particles with that of the soul. भग० १, ४, **—घण.** न० (-घन) પ્રદેશ ઘન; નિશ્છિદ્ર-નક્કર પ્રદેશરૂપે આત્માની સ્થિતિ થાય તે; સિદ્ધ જીવોનું સંસ્થાન प्रदेश-घन, सिद्ध जीवों का संस्थान the solid state of the emancipated beings, the existence of the soul in the form of a solid state which has no holes. प्रव० ४६०; **—छेयण** न० (-च्छेदन) પ્રદેશરૂપે બુદ્ધિથી વિભાગ કલ્પવો તે प्रदेश रूप में बुद्धि द्वारा विभाग कल्पना-विभाग की कल्पना करना an imaginary partition according to the unit of space or Karmic particle ठा० ४, ३, **—ग्ग** न० (-अग्र) પ્રદેશ પરમાણુનું પરિમાણ. प्रदेश परमाणुका परिमाण the measure of an atom of unit of space or Karmic particle. उत्त० ३३, १७; **—जेट्ठ.** त्रि० (-ज्येष्ठ) પ્રદેશવડે મોટું, વધારે પ્રદેશવાળું. प्रदेश से बड़ा; अधिक प्रदेश वाला large or big in space क० प० ८, ८२, **—ट्ठया** स्त्री० (-अर्थता) પ્રદેશાર્થપણું, પ્રદેશની અપેક્ષા. प्रदशार्थता;प्रदेश की अपेक्षा the state in expectation or capacity of occupying the

space. भग० २५, ३; नाया० ५; —नामनिहत्ताउअ. न० (-नामनिधत्तायुष्क) પ્રદેશરૂપ નામકર્મની સાથે આયુષ્યના પુદ્ગલનો બંધ થાય તે. प्रदेश रूप नामकर्म के साथ आयुष्य-पुद्गलों का बंधन. the bondage of life-molecules with NāmaKarma in the form of a unit of space or particle. भग०६, ८; —बंध. पुं० (-बन्ध) પ્રદેશરૂપે કર્મનો બંધ. प्रदेश रूपी कर्मबन्ध. a bondage of Karmic-molecules. ठा० ४, २; क० गं० ५, २१; —वुड्ढि. स्त्री० (-वृद्धि) પ્રદેશની વૃદ્ધિ. प्रदश की वृद्धि-बढती. an increase in space. प्रव० ६१०; —हाणि. स्त्री० (-हानि) પ્રદેશની હાનિ-ન્યૂનતા. प्रदश की हानि-कमी. a decrease in space. प्रव० ६१०;

पएसअ. पुं० (प्रदेशक) પ્રકૃષ્ટ ઉપદેશ કરનાર; સારી રીતે દેખાડનાર. प्रकृष्ट उपदेशक; उत्तम रीति से बतलाने-समझाने वाला. A sound adviser or counsellor. विशे०१०२५;

पएसि. पुं० (प्रदेशिन्) અર્ધકેકય દેશનો રાજા કે જેને કેશીસ્વામીએ પ્રતિબોધ પમાડ્યો હતો. अर्ध केकय देश का वह राजा जिसे केशीस्वामी ने प्रबुद्ध किया था-ज्ञान प्राप्त कराया था. The king of Ardhakaikaya country who was enlightened by Kesī Svāmī. राय० २०७,

पएसिणी. स्त्री० (प्रदेशिनी) પહેલી આંગળી; અંગુઠા પાસેની આંગળી. पहिली अंगुली; अँगुठे के पास वाली अंगुली; तर्जनी या प्रदेशिनी. The index-finger. पिं० नि० ४६८;

पएसिय. त्रि० (प्रदेशिक) પ્રદેશવાળો; प्रदेश वाला. Spatial. भग० ५, ७; २०, ५; २५, २;

पओअ. पुं० (पयोद) વાદળું. बादल; पयोद; पयोधर. A cloud. दस० ७, ५२;

पओअ. पुं०(प्रतोद) ચાબુક; કોરડો. चाबुक; कोड़ा. A whip. दस० ६, २, १९; —धारअ. पुं० (-धारक) ચાબુકને ધારણ કરનાર. चाबुक वाला; चाबुक रखने वाला. (one) with a whip. दसा० १०, १; —लट्ठि. स्त्री० (-यष्टि) ચાબુકની લાકડી-દાંડી. चाबुक की लकडी-दंडी. stick attached to a whip दसा० १०, १;

पओअण. न० (प्रयोजन) પ્રયોજન; નિમિત્ત; કારણ; હેતુ प्रयोजन; मतलब; निमित्त; कारण. Reason; cause. भग० ११, ११; १२, १; नाया० ३; उत्त० ३२, १०५; विशे० २; ४१; अणुजो० ७५, १३२; कप्प० ९, ४७;

पओग. पु० (प्रयोग) ઉપાય; સાધન. उपाय; साधन. Means; remedy नाया० ६; ठा० ३, १; क० प० २, १; ४, २६; उत्त० ३२, ३१; सम० १३; ओव० ओघ० नि० ७४६; जं० प०; सूय० २, ७, २; पंचा० १, २८; ६, १०; १०, २६; उवा० १, ४७; (२) હીલચાલ; વ્યાપાર પ્રવૃત્તિ; हलचल; व्यापार; प्रवृत्ति. movement; action. (३) પ્રજ્ઞાપનાના સોલમાં પદનું નામ, જેમા સત્ય-મન-પ્રયોગ આદિ પંદર યોગોનું કથન છે. प्रज्ञापना के सोलहवें पद का नाम; जिस मे सत्य-मन-प्रयोग आदि पन्द्रह योगों का कथन है. the name of the 16th chapter of Prajñāpanā Sūtra; a chapter dealing with the 15 activities viz. truth, mind etc. पन्न० १; (४) મન-વચન-કાયાના યોગદ્વારા પુદ્ગલનું ગ્રહણ કરવું તે. मन-वचन-काया के योग से पुद्गल का ग्रहण. accepting

of a matter through a conjunction of the mind, speech and body. भग० १, ३; २, ५; ८, १; नाया० १२; पन्न० १६, क० प० १, २३, —गइ. स्त्री० (-गति) પંદર યોગોની ગતિ-પ્રવૃત્તિ. पन्द्रह योगों की गति-प्रवृत्ति the activity of the Yoga (concentration) of 15 kinds. भग० ८,७; पन्न० १६; —पच्चयग. पुं० (-प्रत्ययक) યોગ નિમિત્ત રૂપ, રસ અવિભાગની વર્ગણાનો સમૂહ. योग निमित्त रूप, रस अविभाग की वर्गणा का समूह. an aggregate of the order of indivisible form, taste, etc for the sake of Yoga. क०प० १,२३, —परिणाम. पुं० (-परिणाम) યોગ દ્વારા પરિણમેલ પુદ્ગલ. योग द्वारा परिणत पुद्गल an atom matured by Yoga भग० ८, १; —बंध. पुं० (-बन्ध) જીવના પ્રયોગથી થતો બન્ધ. जीव के प्रयोग से होने वाला बन्ध. a bondage due to the activity of soul ठा० ३, १; भग० ८, ६; १८, ३. २०, ७ —मरण. न० (-मरण) નિયાણું કરી મરવું તે. नियाणा करके मृत्युपाना; नियाण मरण. dying after making a prospective resolution. प्रव० २६६; —वीससा. स्त्री० (-विस्रसा) પુદ્ગલનો પ્રયોગ અને સ્વાભાવિક બન્ધ. पुद्गल का प्रयोग व स्वाभाविक बन्ध the activity of an atom and its natural bond. नाया० १२; भग० १८, ३; —संपया स्त्री० (-संपत्) પ્રકૃષ્ટ યોગ રૂપી સંપત્-સંપત્તિ प्रकृष्ट योगरूपी संपत्ति wealth consisting of a good Yoga (concentration) दसा० ४, ७, ८; ६;

पओगपद. पुं० (प्रयोगपद) પ્રજ્ઞાપના સૂત્રના સોળમા પદનું નામ. प्रज्ञापना सूत्र के सोलहवें पद का नाम. Name of the 16th Pada of Prajñāpanā Sūtra. भग० ८, ७; १५, १,

पओगमइ. स्त्री० (प्रयोगमति) વાદ વિવાદ પ્રસંગે મતિનો તર્ક રૂપે ઉપયોગ કરવો તે. वाद विवाद के अवसर पर बुद्धि का तर्क रूप में प्रयोग करना. The logical use of intellect at the time of discussion. प्रव० ५४६, —संपया. स्त्री० (-संपत्) વાદ વિવાદ પ્રસંગે મતિની સ્ફૂર્તિ થાય તે; આચાર્યની ચોસઠ સંપદામાંની એક. वाद विवाद के अवसरपर होने वाली मति की स्फुरणा; आचार्य की चौंसठ संपदाओं में से एक संपदा the flash of intelligence at the time of discussion; one of the 64 rich possessions of a preceptor. दसा० ४, ५३; प्रव० ५४६,

पओद. पुं० (प्रतोद) ચાબુક. चाबुक. a whip; (२) લાકડી. लकड़ी a stick. ओव० ३०;

पओस. पुं० (प्रद्वेष) દ્વેષ; ઈર્ષ્યા, અદેખાઈ; વૈર. द्वेष; ईर्ष्या; जलन; वैर. Hatred; jealousy; enmity. ठा० ४, ४, उत्त० ३२, २६; ३४, २३; सु० च० २, १३८; विशे० ३००६; प्रव० ६४७; क० गं० १, ५४; पिं० नि० ३६१; पचा० ३, ४८;

पओस. पुं० (प्रदोष) રાત્રિનો પહેલો ભાગ; સાંજનો સમય. रात्रि का प्रथम भाग; संध्या काल The first part of a night; evening time उत्त० २६, १९; ठा० ४, २; पचा० २, २३,

पओहर. पुं० (पयोधर) સ્તન; થાદેલો. स्तन; थन The breast. सु० च० १, ३०४; जं० प०

पंक. पुं० (पङ्क-पच्यते व्याप्यते-क्लिश्यतेऽनेन) કાદવ; કીચડ; ગારો. कीचड; गारा; पंक. Mud; mire. उत्त० १, ८८; २, १७, १३, ३०; सूय० २, २, ६४; अणुजो० १०३; श्रोव० ३८; ४०; भग० १, ५; ९, ३३; नाया० १; निर्सा० ३, ७०; ७६; पिं० नि० ३३२, प्रव० ८४२; पन्न० १६; जीवा० ३, ३; —आयय्ण. न० (-आयतन) કાદવ વાળી જગ્યા. कीचड वाला स्थान; दलदल. a bog; a mire; a marsh. आया० २, १०, १६६; —गय. त्रि० (-गत) કાદવમાં ગયેલું-રહેલું. कीचड में गया हुआ-रहा हुआ. gone or existing in the mud. निसी० १८, २१; —बहुल त्रि० (-बहुल) ઘણા કાદવવાળું. अधिक कीचड वाला. very muddy. जं० प० २, ३५; भग० ७, ५; (२) पुं० રત્નપ્રભાના ત્રણ કાણ્ડમાંનો બીજો કાંડ, જ્યાં ઘણો કાદવ છે. रत्नप्रभा के तीन काण्डों में से दूसरा कांड जहाँ अत्यधिक कीचड है. the 2nd Kāṇḍa (portion) out of the 3 of Ratnaprabhā which is very muddy. सम० ८४; दसा० ६, १, —बहुलकंड. पुं० (-बहुलकाण्ड) ઘણા કાદવ વાળો પહેલી નરકનો બીજો કાંડ पहिले नरक का अत्यधिक कीच पूर्ण दूसरा काण्ड. the 2nd Kāṇḍa of the 1st hell which is very miry जीवा० ३, १; —रय न० (-रजस्) કાદવની રજ-રજકણ कीचड की रज-के रजकण stain or particles of mud. नाया० १;

पंकत्ता. स्त्री० (पंकता) કાદવપણું कीचना; पकना; दलदलापन; कीचड़पन. Muddyness. दसा० ७, १;

पंकप्पभा. स्त्री० (पंकप्रभा) ચોથી નરક. चौथा नरक. The 4th hell. अणुजो० १०३; सम० ४१; भग० ५, ८, प्रव० ४८८; पन्न० १, ठा० ७, १;

पंकप्पहा स्त्री० (पङ्कप्रभा) જુઓ "पंकप्पभा" શબ્દ. देखो "पंकप्पभा" शब्द Vide "पंकप्पभा" अणुजो ११४, प्रव० १०८६;

पंकय. न० (पंकज) કમલ कमल; पद्म; सरोज A lotus पंचा० ११, ४६;

पंकवई. स्त्री० (पंकवती) પંકવતી નામની નદી; મહાવિદેહની બાર અન્તર નદીમાંની એક. पंकवती नामक नदी; महाविदेह के बारः नदियों में से एक A river named Paṅkavatī; one of the 12 interior rivers of Mahā Videha ठा० २, ३;

पंका. स्त्री० (पंका) ચોથી નરકનું નામ. चौथे नरक का नाम. Name of the 4th hell. क० गं० ३, ५;

पंकाभा. स्त्री० (पंकाभा) ચોથી નરકનું નામ. चौथे नरक का नाम. Name of the 4th hell. उत्त० ३६, १५६;

पंकावती स्त्री० (पंकावती) મંગલાવર્ત વિજયની પૂર્વ સરહદ ઉપરની નદી. मंगलावर्त्त विजय की पूर्वीय सीमावाली नदी. A river on the eastern border of Maṅgalāvarta territory जं० प० —कुंड पुं० (-कुंड) જેમાં પંકાવતી નદીનો દરેડો પડે છે તે કુંડ. वह कुंड जिसमें पंकावती नदी की धारा गिरती है. the tank into which a current of the river Paṅkāvatī falls. जं० प० —दीव. पुं० (-द्वीप) પંકાવતી નદીના કુંડમાંનો દ્વીપ. पंकावती नदी के कुंड में का द्वीप. an island with a tank of the Paṅkāvatī river. जं० प०

पंकिय. त्रि० (पंकित-पंक संजातोयस्य) કાદવવાળું. कचिड़वाला; कीचपूर्ण. Muddy. भग० ६, ३,

पंख. पु० (पक्ष) પાંખ. पक्ष; पंख A wing. उत्त० १४, ३०; —**सण.** न० (-आसन) બેપડખે ઉંચું અને વચમાં ઢલતું આસન. आसन विशेष जो दोनों ओरसे ऊँचा और बीच में ढालू हो. a seat which is low in the middle and lifted on both the sides राय० १३६;

पंखि. पुं० (पक्षिन्) પક્ષી. पक्षी, विहंग A bird जीवा० १; —**जाइ.** स्त्री० (-जाति) પક્ષીની જાતિ. पक्षी की जाति. a class of birds. निसी० ७, २९;

पंगण. न० (प्राङ्गण) ઘરનું આગણુ घर का आगन Outer-yard of a house. सु० च० १३, ०१;

पंगु. त्रि० (पंगु) પાંગળો; પગ વિનાનો. पगु; पांगला, विना पैर का; लंगड़ा A lame man प्रव० ८०२;

पगुल त्रि० (पंगुल) પાગલો, પગ વિનાનો; લંગડો. लगड़ा, लूला, टूटे पैर का A lame man; crippled. भत्त० १२२; पण्ह० १, १; गच्छा० ६७, (२) પક્ષી વિશેષ. पक्षी विशेष. a particular bird पण्ह० १, १;

पंच त्रि० (पञ्चन्) પાચ-પાંચની સખ્યા. पाच-पांच की संख्या Five; 5 सम० ५; उत्त० १, ४७; ९, ३६; अणुजो० १; सूय० १, १, १, ७; भग० १, १, ५, ६; २, १; ५, १०, ७, २;६; १८, ७, २०, ८; २३, ५, २४, ६; ३१, १; नाया० १; ५, ८; १२; १५; १६, १८, दसा० ७, १, दस० १०, १, ५, पन्न० १, ४; वव० १०, ३, विवा० १; नंदी० स्थ० ७, विशे० ५, १८७; पिं० नि० भा० १५; उवा० १, ६५, निसी० २०, २०; २२, सू० प० १; १०; नाया० ध० २; ओव० क० गं० १, ३०; ३, १६; उवा० १, १६; अणुत्त० १, १०; नाया० ५; वव० १०, १; विवा० ३; निर० ५, १; जं० प० ५, ११५; —**अंग** न० (-अंग) બે હાથ બે પગ અને મસ્તક એ પાંચ અંગ. पंचांग-दो हाथ, दो पांव और मस्तिष्क. the 5 limbs viz. 2 hands, 2 legs and a head. पंचा० ३, १७, —**अंगुली.** स्त्री० (-अंगुलि) પાંચ આંગલી; હાથનો પંજો पांच अगुली. हाथ का पंजा five fingers; palm; paw. सम० प० २१०; —**अंगुलितल** न० (-अङ्गुलितल) હાથનો પંજો; હાથથી પાડેલો થાપો. हाथ का पजा; हथेली. impression made by a palm नाया० ८, जीवा० ३, ४; राय० ५९; —**अणुव्वइय.** न० (-अनुव्रतिक) ગૃહસ્થ (શ્રાવક)ના પાચ અણુવ્રત ધારણ કરનાર गृहस्थ (श्रावक) के पांच अनुव्रतों को धारण करने वाला. a layman who observes five minor vows. नाया० ५; १२; १३; १४; विवा० १; निर० ३, ३; उवा० १, १२; ५८; —**अणुव्वय.** न० (-अनुव्रत) શ્રાવકના પાંચ અણુવ્રત-મહાવ્રતની અપેક્ષાએ ન્હાનાં વ્રત. श्रावक के पांच अनुव्रत-महाव्रत से अपेक्षा कृत छोटा व्रत. the five minor vows of a layman. नाया० ५; —**असीइ.** स्त्री० (-अशीति) પચ્ચાશી; ૮૫. पच्चासी; ८५ the number eighty-five. सम० ८५; नंदी० ४५; —**अह.** पु० न० (-अहन्) પાંચ દિવસ पांच दिन. five days. वव० ८, ४; —**आसवसंवर.** पुं० (-आश्रवसंवृत) આશ્રવના પાચ દ્વારોને રોકનાર-બન્ધ કરનાર (मुनि) आश्रव के पाच द्वारों को रोकने वाला (मुनि).

(an ascetic) who shuts the five doors of the inflow of Karmic-matter. दस० १०, १, ५; —उंवार. स्त्री० (-उदुम्बरी) વડ, પીપળો, પીપલી, ઉંબર તથા અંજિરની એ પાંચ જાતના ફળોનો સમૂહ. वद, पीपल, औदुम्बर आदि पांच प्रकार के फलों का समूह. a collection of five species of fruits viz. banyan, Pīpala, Udumbara etc. प्रव० २४७; —उत्तर. त्रि० (-उत्तर) જેના ઉત્તર પદમાં પાંચ છે તે; પાંચે કરી અધિક. पाच से अधिक; पंचोत्तर; वह जिसके उत्तर पद में पांच का अंक है. having five more or at the end. जं० प० ४, ८०; ७, १३३; —ऊण. त्रि० (-ऊन) પાંચ ઓછા. पांच कम. less by five भग० १, ६; निसी० २०, ४१; —गामसय. न०(-ग्रामशत)પાંચસો ગામ. पांच सौ ग्राम-गांव. 500 villages. विवा० १; —ग्गिताव.पुं० (-अग्नितापं) ચારે તરફ અગ્નિ અને ઉપર સૂર્યનો તાપ તે પંચાગ્નિ તાપ. पंचाग्नि ताप, जिसमें चारों ओर अग्निताप और ऊपर से सूर्य का ताप रहता है. an austerity in which a penetant is surrounded by fire on four sides and the heat of the sun above. निर० ३, ३; भग० ११, ६; ओव० —जम. पुं० (-यम) અહિંસા, સત્ય, અદત્તાદાન, બ્રહ્મચર્ય અને અપરિગ્રહ એ પાંચ યમવ્રત अहिंसा, सत्य, अदत्तादान, ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह रूप पांच यम the 5 vows viz. non-injury, truth, charity, continence and not begging. नाया० ५; —जाम. पुं० (-याम) પાંચ-યામ-મહાવ્રત पांच याम-महाव्रत. five Yāma-great vows. भग० २०, ७; सम० २५; —णियम. पुं० (-नियम) શૌચ, સન્તોષ, તપ, સ્વાધ્યાય, અને ઈશ્વર પ્રણિધાન એ પાંચ નિયમ. शौच, सन्तोष, तप, स्वाध्याय और ईश्वर प्रणिधान रूप पंच नियम. the 5 rules viz. purity, contentment, austerity, religious study and meditation on god. नाया० ५; —तणु. स्त्री०(-तनु) ઉદારિક આદિ પાંચ શરીર. उदारिक आदि पांच शरीर. five bodies viz. physical etc. क० प० १, १७;—त्थिकाय. पुं० (-अस्तिकाय) પાંચ અસ્તિકાય દ્રવ્ય, ધર્માસ્તિકાય, અધર્માસ્તિકાય, આકાશાસ્તિકાય, પુદ્ગલાસ્તિકાય અને જીવાસ્તિકાય એ પાંચ અસ્તિકાય દ્રવ્ય. पांच अस्तिकाय द्रव्य; धर्मास्तिकाय, अधर्मास्तिकाय, आकाशास्तिकाय, पुद्गलास्तिकाय, और जीवास्तिकाय रूप पंचास्तिकाय. five embodied substances viz Dharmāstikāya, Adharmāstikāya, Ākāśāstikāya, Pudgalāstikāya and Jīvāstikāya, etc. प्रव० ६१२; विशे० ४४६; भग० १८, ७; —दिव्व न० (-दिव्य) વસુધારા-સોના મ્હોરની વૃષ્ટિ, પાંચવર્ણી ફૂલની વૃષ્ટિ. વસ્ત્રની વૃષ્ટિ. આકાશમાં દેવ દુંદુભિ અને અહોદાનં મહાદાનં એવો ધ્વનિ-એ પાંચ દિવ્ય. वसुधारा-सुवर्ण मुद्राओं की वृष्टि, पंचवर्णी फूलों की वर्षा, वस्त्रों की वर्षा, आकाश में देव दुंदुभि और अहोदानं महादानं अर्थ की ध्वनि आदि पाच दिव्य. the five devine occurrences viz shower of gold-coins, shower of five coloured flowers, a rain of clothings, a sound of divine drums and

bravo etc. विवा० २; १; —दिसि. अ (-दिश्) छ માંની પાંચ દિશા. छः दिशाओं में से पांच दिशाएं. 5 of the 6 directions. भग० २, १; —दोस. पुं० (-दोष) પાંચ દૂષણ. पांच दूषण; पंच दोष. the 5 faults. प्रव० ५४०; —धणुसय-अ. त्रि० (-धनुःशत) પાચસો ધનુષ. पांच सौ धनुष. five hundred bows प्रव० ३७९; ४१२; —धनुहसय. न० (-धनु.शत) પાંચ સો ધનુષ. पांच सौ धनुष. 500 bows. भग० २४, १, —धाई. स्त्री० (-धात्री) ક્ષીર ધાત્રી, મજ્જણ ધાત્રી, મણ્ડનધાત્રી, અંક-ધાત્રી, ખીલાવણધાત્રી, એ પાંચ ધાવમાતા. क्षीर धात्री, मज्जन धात्री, मण्डन धात्री, अंक धात्री, व क्रीडा धात्री ये पंच धात्री-माता-धायें. the 5 nurses or mothers viz. one who supplies milk, one who gives bath, one who adorns, one who fondles and one who teaches. नाया० १६; राय० २८८; —धाईपरिग्गहिय. त्रि० (-धात्रिपरिगृहीत) પાંચ ધાવમાતાએ સ્વીકા-રેલ. पंच धात्रियों-धायों का स्वीकारा हुआ. accepted by the five mothers or nurses. विवा० ५; —नवइ स्त्री० (-नवति) પંચાણુ; ૯૫. पंचानवें. ninety-five; 95 सु० च० ३, १२०; —नियंठ पुं० (-निर्ग्रन्थ) પુલાક, બકુશ, કુસીલ, નિર્ગ્રન્થ, સ્નાતક, એ પાંચ નિર્ગ્રન્થ. पुलाक, बकुश, निर्ग्रंथ, कुसील, स्नातक नामक पांच निर्ग्रंथ. the 5 possession-less saint viz Pulāka, Bakuśa, Kusīla, Nirgrantha and Snātaka. प्रव० ७२६; —पएसिय. पुं० (-प्रदेशिक) પાંચ પ્રદેશવાળો સ્કન્ધ पांच प्रदेश वाला स्कंध. a molecule of five units. भग० ५, ७; २०, ५; २५, ६; —पंडव पुं० (-पाण्डव) યુધિષ્ઠિર, ભીમ, અર્જુન, નકુલ અને સહદેવ એ પાંચ પાંડવ. युधिष्ठिर, भीम, अर्जुन, नकुल तथा सहदेव नामक पंचपाण्डव. the five Pāṇḍavas viz. Yudhiṣṭhira, Bhīma, Arjuna, Nakula and Sahadeva. नाया० १६; —पदेसोगाढ़. त्रि० (-प्रदेशाव-गाढ) આકાશના પાંચ પ્રદેશને અવગાહી રહેલ. आकाश के पंचप्रदेशों को घेरे हुए. encompassing the 5 spaces of the sky. भग० २५, ३; —परमेट्ठिमंत. पुं० (-परमेष्ठिमन्त्र) પંચ પરમેષ્ઠી-મંત્ર; 'નમો અરિહંતાણ' વગેરે પાંચ પદ. पंच पर-मेष्ठी मंत्र; 'नमो अरिहंताणं,' आदि पांच पद. the five Parmesthī charms e. g. "नमो अरिहंताणम्" etc प्रव० ७६; —प्पयार पुं० (-प्रकार) પાચ પ્રકાર. पाच प्रकार five varieties. प्रव० १२४८; —भिंगार. पुं० (-भृङ्गार) પાંચ ઝારી-કલશ વિશેષ. पंच कलश विशेष particular five pots. जीवा० ३, ३; —मंगल. न० (-मङ्गल) પાંચ મંગલ-શુભ. पंच मंगल-शुभ. five good omens प्रव० १५८४; —महभूतिअ. त्रि० (-महाभौतिक) પાંચ મહાભૂત શિવાય જુદો આત્મા નથી એમ માનનાર નાસ્તિક વિશેષ. नास्तिक विशेष जो पंच महा भूतों के अतिरिक्त भिन्न आत्मा की स्थिति को नहीं मानता an atheist who does not recognise the soul apart from the five elements सूय० २, १, २०; —महव्वय. न० (-महा-व्रत) અહિંસા, સત્ય, અસ્તેય, બ્રહ્મચર્ય અપરિગ્રહ, એ પાંચ મહાવ્રત. अहिंसा, सत्य,

अस्तेय, ब्रह्मचर्य, तथा अपरिग्रह ये पांच महाव्रत. the 5 great vows viz. non-injury, truth, non-stealing, continence and non-possession of worldly effects. नाया० ३; ५; १४; भग० ५, ६; आव० १, ४, भत्त० ५५; —**महावीर.** पुं० (-महावीर) બલદેવ પ્રમુખ પાંચ મહાવીર-મહા સુભટ. वलदेव आदि पांच महावीर, महा सुभट. the five great warriors viz Baladeva etc. नाया० १६; —**मास.** पु० (-मास) પાંચ મહિના પાંચ महिने-मास five months. दसा० ६, २; —**मासिय.** त्रि० (-मासिक) પાંચ માસનું. पांच महिनों का; पच मासिक. of five months. निसी० २०, १२, ४१; वव० १, ३; —**मुट्ठिय** न० (-मौष्ठिक) માથાની ચાર બાજુએ ચાર અને એક વચ્ચે એમ પાંચ મુષ્ટિ-ચપટીથી લોચ કરવો તે. सिर के चारों ओर चार और बीच में एक इस प्रकार पांच चिमटियों द्वारा किया जानेवाला केश-लुंचन plucking of hair in 4 pinches on the 4 sides of the head and 1 in the middle (२) त्रि० પાંચ મુઠ્ઠીમાં આવે તેટલું. पंच-मुष्टि मात्र; पाच मुट्ठियों में समाने योग्य five-handful. आया० २, १५, १७६, अंत० ५, १; निर० ३, ४; —**मुट्ठियलोय** पुं० (-मौष्ठिकलोच) જુઓ 'પંચમુટ્ઠિય' શબ્દ. देखो 'पंचमुट्ठिय' शब्द. vide 'पंचमुट्ठिय' भग० ६, ३३; १६, ५; नाया० १; ५, ८, १४; १६; —**रत्त.** न० (-रात्र) પાંચ રાત્રી. पंच रात्रि, पाचरात. five nights. प्रव० ६२९, —**रय.** त्रि० (-रत) પાંચ મહાવ્રત પાળવામાં રત-તત્પર पांच महाव्रत पालने में तत्पर. devoted to observe the five full vows. "चरे मुणी पंचरए तिगुत्तो" दस० ६, ३, १४; —**रस.** पुं० (-रस) તિક્ત્તો, કડવો કસાયલો, ખાટો અને મીઠો એ પાંચ રસ तीखा, कडवा, कसैला, खट्टा और मीठा ये पंच-रस the 5 tastes viz pungent, bitter, astringent, sour and sweet. प्रव० १२८६; क० गं० ५, ७८, —**राअ.** न० (-रात्र—पंचानां रात्रीणां समाहारः) પાંચરાત-રાત્રી. पांच रात. an aggregate of 5 nights. निसी० ६, ७; आया० २, ५, १, १४९, —**राइअ.** त्रि० (-रात्रिक) પાંચ રાત રહેનાર; પાંચ દિવસ સુધી નિવાસ કરનાર. पांच रात रहनेवाला; पांच दिन तक निवास करने वाला. (one) who stays for 5 nights or days. ओव० —**लइआ** त्रि० (-लतिका) પાંચ કાતલી વાળું. पांच चीर वाला having 5 slices जं० प० ३, ५३,—**वरण.** त्रि० (-वर्ण) પંચરંગી पचरंगी; पंचवर्णी; पांच रंग वाला. five-coloured जीवा० ३, ३: राय० ६०, —**वन्न** पुं० (-वर्ण) કાળો, નીલો રાતો, પીળો અને ધોળો એ પાંચ વર્ણ-રંગ. काला, नीला, लाल, पीला और सफेद ये पाच रंग-वर्ण. the 5 colours viz. black, blue, red, yellow and white क० गं० ५, ७८; —**वासपरियाअ.** त्रि० (-वर्षपर्याय) પાંચ વર્ષની દીક્ષાવાળો. पाच वर्षों की दीक्षा वाला. (one) of 5 years of consecration. वव० ३, ५; ७, १६; १०, २१, २२; २३, २४; —**संवच्छरिय** त्रि० (-सांवत्सरिक) પાંચ વર્ષનું. पांच वर्षों का; पंच वार्षिक. of 5 years जं० प० ७, १५१; सम० ६१; —**सट्ठि** स्त्री०

(-षष्टि) પાંસઠ; ૬૫. पैंसठ; ६५. 65; sixty five. क० गं० ६, ३०; —सत्तरि. स्त्री० (-सप्तति) પચોતેર पचहत्तर, ७५. seventy five. भग० २०,५; —सालि. पुं० (-शालि) પાંચ શાલ-અખંડ ચોખા. पांच साल-अखंड चावल. five unhusked rice. नाया० ७, —सिं क्खिअ. त्रि० (-शिक्षित) પ્રાણાતિપાત વિરમણાદિ પાંચ મહાવ્રત રૂપ શિક્ષાથી શિક્ષિત થયેલ. प्राणातिपात विरमणादि पांच महाव्रत रूप शिक्षाओं द्वारा शिक्षित (one) who is taught by the discipline in the form of the 5 full vows viz Prānātipāta Viramana etc उत्त० २३, १२, —सिह. त्रि० (-शिख) પંચશિખ-જેના બાલમોવાળા ઉતારવામાં આવ્યા નથી તે. पंच शिख-वह जिसके जमाल-बाल उतारे नहीं गए हैं (one) whose birth hair are not shaved सूय० १, ७, १०, —सीइ स्त्री० (-अशीति) પંચાસી; ૮૫ पच्चासी, ८५. eighty five. क० गं० ६, २९;

पंचंगुलिया. स्त्री० (पञ्चांगुलिका) એ નામની એક વેલ લતા एक लता विशेष. A particular creeper पन्न० १,

पंचगसंजोअ न० (पञ्चकसंयोग) પાંચ ભાવનો સંયોગ જોડાણ પાંચ भावों का संयोग जोड. Union of five sentiments अणुजो० १२७,

पंचजरण पुं० (पञ्चजन्य) કૃષ્ણવાસુદેવનો પાંચજન્ય નામનો શંખ. कृष्णवासुदेव का पंचजन्य नामक शंख The conch named Pañchajanya of Krisna Vāsudeva नाया० ५, १६; सु० च० १५, १४६.

पंचत्त. न० (पञ्चत्व-पंचानामिंद्रियादिभूतानां भावः) મરણ; મૃત્યુ. मृत्यु; मौत; मरण. Death सु० च० १, १६१:

पंचदस. त्रि० (पञ्चदश) પંદર पन्द्रह, १५. Fifteen. नाया० १;

पंचपुल. न० (पचपुल) મત્સ્ય બન્ધન વિશેષ. मत्स्य बन्धन विशेष. A particular net to catch fish. विवा० ८;

पंचम. त्रि० (पंचम—पंचानापूरण -पचानां स्वराणा वा पूरणः) પાંચમું. पाचवा; पंचम Fifth जं० प० ७, १५०; नाया० १, ५; १६, १८, नाया० ध० भग० २, १, ५, १; १८, १०; २४, १६; २५, ६; सम० ८, पन्न० ३, दस० ४; विवा० ६; कप्प० २, ३०; ८, उवा० १, ७१, दसा० ६, २. (२) पुं० નાભિથી ઉઠેલ વાયુ નાસિકા સ્થાનમાં જે ખાસ ધ્વનિધારણ કરે તે; સાત સ્વરમાંનો પાંચમો સ્વર. नाभि से उठने वाली वायु द्वारा नासिका स्थान में उत्पन्न विशेष ध्वनि; सात स्वरों मे से पाचवा स्वर the fifth of 7 musical notes, the wind which takes its rise from the navel and produces a note in the nose. अणुजो० १२८, ठा० ७, १, —पुढवी. स्त्री० (-पृथ्वी) પાંચમી પૃથ્વી; પાંચમી નરક. पांचवी पृथ्वी, पांचवा नरक the 5th earth, the 5th hell. जीवा० २,

पंचमय त्रि० (पंचमक) પાંચમો. पाचवा. Fifth नाया० ७;

पचमासिया. स्त्री० (पचमासिकी) ભિક્ખુની પાંચમી પડિમા કે જેમાં એક માસ પર્યન્ત અન્નપાણીની પાંચ પાંચ દાત કલ્પે भिक्षुकी पाचवीं पाडमा जिसमें एक महिने तक अन्न जल के पांच पांच दात (ग्रास) ग्रहण किये

जाते हैं. The fifth vow of an ascetic in which he accepts 5 Dātas (a measure) of food and water for a month. सम० १२; दसा० ७, १;

पंचमिश्रा. स्त्री० (पंचमिका) પાંચમી; પાંચમા નંબરની. पाचवीं; पांचवीं संख्या की. Fifth. अणुजो० १२८;

पंचमी. स्त्री० (पंचमी) પાંચમી તિથિ; પાંચમ. पंचमी; पांचवीं तिथि. The fifth date. (२) પાંચમી વિભક્તિ. पांचवीं विभक्ति. अपादान the ablative. भग० १, ५; सम० १०; अणुजो० १२६; विशे० ६६६; जं० प० ७, १५२; १५३;

पंचय. न० (पचक) પંચક, પાંચનો સમુહ. पंचक; पाच का समूह. An aggregate of five भग० २०, १०; पन्न० २३;

पंचवरणा स्त्री० (पंचवर्णा) ચૌદમા તીર્થંકરની પ્રવજ્યા પાલખીનું નામ चौदहवें तीर्थंकर की प्रव्रज्या पालकी का नाम. Name of the ascetic-palanquin of the 14th Tīrthankara. जं० प० ५, ११६; ११७; १, ११; सम० प० २३१;

पंचवाइया. स्त्री० (पंचवादिका) પંચ-લોઇ જીવ વિશેષ. पचवादिका जीव विशेष. A particular kind of being जीवा० १:

पंचवार. न० (पंचवार) પાંચ વખત पाच समय बार-वक्त. Five times. प्रव० २३;

पंचविह. त्रि० (पञ्चविध) પાંચ પ્રકારનું. पाच प्रकार का, पचविध. Of five varieties. उत्त० ३३, ४; अणुजो० १३२; वव० १०, ३; नाया० प्रव० ६४८; क० गं० ६, २४; —**बंधग.** त्रि० (-बन्धक) કર્મની પાંચ પ્રકૃતિનો બન્ધક-બાંધનાર. कर्म की पांच प्रकृति का बंधक-बांधने वाला that which binds the nature of 5 Karmic matters. क० गं० ६,१८;

पंचहत्तरि. त्रि० (पचसप्तति) પંચોતેર. पचहत्तर. Seventy five. कप्प० १, २;

पंचहा. अ० (पञ्चधा) પાંચ પ્રકારે. पञ्चधा; पांच तरह-प्रकार से. In five ways. क० प० १, २५; प्रव० ६१; पंचा० १, ११; ११, २; भग० १२, ४; विशे० ४७०;

पंचाणउत्र. त्रि०. (पंचनवत) પંચાણું; ૯૫. पंच्चानवे; ९५. Ninety-five. क० गं० ६, २२;

पंचाणउइ. स्त्री० (पंचनवति) પંચાણું. पंचानवे; ९५. Ninety-five. सम० ९५;

पंचाणण पुं० (पञ्चानन) સિંહ, વાઘ. सिंह; बाघ; शेर. A lion. सु० च० २, ६६; ८, ८८;

पंचाल. पु० (पाञ्चाल-पंचाला· क्षत्रियास्तेषां निवासो यत्र) પાંચાલ દેશ-આર્ય દેશ માંનો નવમો. पांचाल देश-नवा आर्य देश. The Pāñchāla country; the nineth of the Ārya countries. उत्त० १३, १३; नाया० ८, १६; पन्न० १; —**अहिवइ.** पुं० (-अधिपति) પાંચાલ દેશનો રાજા. पांचाल देश का राजा. a king of the Pāñchāla country. नाया० ८; —**जणवय.** पुं० (-जनपद) પાંચાલ નામક દેશ पाचाल नामक देश. a country named Pāñchāla. नाया० ८,

पंचास. स्त्री० (पचाशत्) પચાસ. पचास; ५०. Fifty सम० ५०;

पंचासव. पु० (पंचाश्रव) પ્રાણાતિપાત; મૃષાવાદ, અદત્તાદાન, મૈથુન અને પરિગ્રહ પાંચ આશ્રવ કર્મ આવવાના દ્વાર. प्राणातिपात, मृषावाद, अदत्तादान, मैथुन तथा परिग्रह रूप आश्रव-कर्म के आने के पांच द्वार. The five inlets of the inflow of Kar-

mic matter viz. Prāṇātipata, Mṛisavāda, Adattādāna, Maithuna and Parigraha. प्रव० ५६२; —आसत्त त्रि० (-आसक्त) પ્રાણાતિપાત વગેરે પાચ આશ્રવ તેમાં આસક્ત. प्राणातिपात आदि पंचाश्रवों में आसक्त. adicted to the 5 inflows of Karmic matters viz. Prānātipāta etc प्रव० १२०; —विरमण न० (-विरमण) પ્રાણાતિપાત વગેરે પાંચ આશ્રવથી વિરમવું તે. प्राणातिपात आदि पंचाश्रवों से विरक्ति. freedom from the 5 inflows of Karmic matters viz. the Prānātipāta etc प्रव० ५६२,

पंचिंदिय-अ. त्रि० (पंचेन्द्रिय-पंच-इन्द्रियाणि यस्य) જેને આંખ, કાન, નાક, જિહ્વા અને શરીર એ પાચ ઇંદ્રિય હોય તે आख, कान, नाक, जिव्हा और शरीर इन पाचों इन्द्रियों वाला. (One) having five senses viz the eyes, ears, nose, tongue and body. भग० १, १, ३, २, १; १०, ६, ४; ७, २, ८, १. दसा० ५, २३; पन्न० १, सम० १, १३; उत्त० ३६, १२६, नाया० १; ७, जीवा० १; पिं० नि० भा० ६, दस० ४; ७, २१; कप्प० १, ६, २, १४, (२) न० આખ, નાક, કાન, જીભ અને સ્પર્શ એ પાચ ઇંદ્રિય आख, नाक, कान, जीभ और स्पर्श नामक पचेन्द्रिय. the five senses viz the eyes, nose, ears, tongue and touch. प्रव०५६२; —काय पु० (-काय) પાચ ઇંદ્રિયવાળા જીવનું શરીર पचेन्द्रिय जीव का शरीर. the body of a being of 5 senses उत्त०१०,१३, —जातिनाम. न० (-जातिनामन्) પચેન્દ્રિયની જાતિ તથા નામ. पचेंद्रिय की जाति तथा नाम. the class and name of five-sensed beings सम० २८; —तिरिक्खजोणिय. त्रि० (-तिर्यक्योनिक) તિર્યંચ-પંચેન્દ્રિય જીવ. तिर्यंच-पचेन्द्रिय जीव. sub-human beings-a five-sensed being. भग० १, १; ३. ६, ४. ७, २; २४; १२, २६, ११; —निग्गह. पु० (-निग्रह) પાચ ઇંદ્રિયોને વશ કરવી તે. पंचेन्द्रिय दमन निग्रह. the subjugation of the 5 senses प्रव० ५६२. —रूव. न० (-रूप) પંચેન્દ્રિય જીવનુ રૂપ. पंचेन्द्रिय जीव का रूप. the form of a five-sensed being. भग० १२, ६; —वह पुं० (-वध) પાંચ ઇંદ્રિયવાળા જીવનો વધ पचेंद्रिय जीव का वध-हत्या. killing of a five-sensed being. भग० ८,६, —सरीर न० (-शरीर) પચેન્દ્રિય જીવનુ શરીર. पंचेन्द्रिय जीव का शरीर. a body of a five-sensed being. नाया० १६;

पंचेंद्रियत्त. न० (पंचेन्द्रियत्व) પંચેન્દ્રિયપણું; ઇન્દ્રિયોની પરિપૂર્ણતા. पचेन्द्रियता; इन्द्रियों की परिपूर्णता. The state of having the 5 senses, the perfection of the senses. उत्त० १०, १८;

पंचेंदियया. स्त्री० (पचेन्द्रियता) પચેન્દ્રિયપણુ पाच इन्द्रियों का भाव; पंचेन्द्रियता The existence or quality of the five senses. उत्त० १०, १७,

पजर न० (पजर) પીંજરૂ, પાંજરૂ. पींजरा; पजर. A cage उत्त० १४, ४१, २२, १४; सम० प० २१३, ओघ० नि० ४४८; जिवा० ३, ४; पन्न० २, सूय० १ १, २, २२, ज० प० ३, ५६; —दीव. पुं० (-दीप) ફાનસ સહિત દીવો. फानस युक्त दीपक.

a lamp with a cover. भग० ११, ११;

पंजरग. पुं० (पंजरक) પાંજરૂ. पींजरा. A cage. भग० ६, ५;

पंजलि. पुं० (प्रांजलि) કરપુટ; અંજલિ; ખોવો. करपुट; अंजलि; प्रांजलि; हस्तपुट. A folded hand. ओव० २२; नाया० ८; सम० प० २३२; उत्त० २५, १३; उवा० २, ११३; —उड. पुं० (-पुट) બે હાથ જોડી મસ્તકે લગાડવા તે दोनों हाथों को मिलाकर सिर से लगाना. placing of folded hands on the head; a form of salutation उत्त० १, २२; २७, १७; नाया० १, ८, ९; १६; भग० १, १; ६, ३६; जीवा० ३, ४; विवा० ३; जं० प० ५, १२१; —गड त्रि० (-कृत) જેણે બે હાથ જોડ્યા છે તે. वह जिसने दोनों हाथ जोड रक्खे हैं; कृतांजली. (one) who has folded his hands. उत्त० १, २२; —पंजली-होउं. अ० (-प्रांजलीभूय) બે હાથ જોડી મસ્તકે લગાડીને. कृतांजली होकर; दोनों हाथों से अंजली बना सिर को लगाकर. having placed the folded hands on the head. उत्त० २५, १३;

पंडअ पु० (पण्डक-पंडतेनिष्फलत्वं प्राप्नोति) નપુંસક; પાવૈયો. नपुंसक; हिजडा. An impotent; eunuch ठा० ३, ४; वेय० ४, ४; प्रव०; ८००;

पंडग. पुं० (पण्डक) નામર્દ; નપુંસક. नामर्द; नपुंसक; हिजडा Impotent; eunuch. नाया० ५; भग० १८,१०; ओव० १६; सम० ६; दस० ७, १२; तंडु० (२) न० મેરૂ પર્વતની ચૂલિકા-શિખર ઉપરનું વન मेरुपर्वत की चूलिका-शिखर पर का बन the forest on the top of the mount Meru. ठा० २, ३; सूय० ६, १०; जीवा० ३, ४; पन्न० २१; (३) પાખંડ; પાપ. पाखण्ड; पाप. sin; hypocrasy. राय० २०७; —वण. न० (-वन) મેરૂના શિખર ઉપરનું વન. मेरु के शिखर पर का वन. a forest on the summit of the mount Meru. जं० प० ५, ११७; १२०; भग० ६, ३१; १०, ६; जं० प० प्रव० ६०७;

पंडव. पुं० (पाण्डव) પાંડુ રાજાના પુત્રો; પાંચ પાંડવો. पांडु राजा के पुत्र; पंचपाण्डव. The sons of the king Pāṇḍu; 5 Pāṇḍavas अंत० ५, १; नाया० १६;

पंडिअ. न० (पाण्डित्य) પંડિતાઇ. पंडिताई; पाण्डित्य. Scholarliness; learning. सु० च० १, ३४५;

पंडिय. पुं० (पण्डित-पण्डा तत्वानुगा बुद्धिर्विद्यते यस्यासौ) પંડિત; ડાહ્યો; વિચક્ષણ પંડિત; बुद्धिमान्; विचक्षण. A scholar; a learned or intellectual person. भग० १. ६; २, १; ७, २, ८, १८,८; दस० २, ११; ५, २, २६; ६, ४. १; सूय० १,१, १, ११. आव० ४०; उत्त० १, ९, ५. ३ आया० १, २, १, ७०; पण्ह० २, २; नाया० १; प्रव० ६४७; पंचा० १६, ३८; (२) સર્વવિરતિ શ્રમણ; સાધુ. सर्वथा विरक्त श्रमण; साधु. an ascetic who has renounced every thing. भग० १७, २; —मरण. न० (-मरण) પંડિત ભાવ સહિત સમાધિ પરિણામે મરણ થાય તે. पंडित भाव सहित समाधि परिणाम में (प्राप्त) मृत्यु. peaceful death. सम० १७; ठा० ३. ४; भग० १३, ७; —वीरिय. न० (-वीर्य) પંડિત વીર્ય; જ્ઞાન સહિત શક્તિ. पंडितवीर्य, ज्ञान युक्त बल. the prowess of an intellectual person. अणुजो० १२७; भग०

१, ४; ८, २; —वीरियलद्धिया. स्त्री॰ (–वीर्यलब्धिका) પંડિત વીર્યની પ્રાપ્તિ. पंडित वीर्य की प्राप्ति. the attainment of the prowess of learning. भग॰ ८, २;

पंडियत्त न॰ (पंडितत्व) પંડિતપણું. पंडिताई; पांडित्य. Learning; scholarliness भग॰ १, ६; ७, ८;

पंडियमाण. त्रि॰ (पण्डितंमन्य–आत्मानं पंडितंमन्यते यः) પણ્ડિત નહિં છતાં પોતાને પણ્ડિત તરીકે માનનાર पंडितम्मन्य; आडम्बरी पण्डित; झूठ मूठ पंडित कहलानेवाला. (One) who considers himself a learned man. ओघ नि॰ भा॰ २७;

पंडियमाणि. त्रि॰ (पण्डितमानिन्) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपर का शब्द. Vide. above. उत्त॰ ६, ११; सूय॰१, १, २, ४;

पंडिया स्त्री॰ (पण्डिता) વિદુષી–ભણેલી સ્ત્રી. विदुषी–शिक्षित महिला-स्त्री A learned female. (२) પાપથી સર્વથા નિવૃત્ત થયેલ (સાધ્વી) पाप से सर्वथा निवृत्त साध्वी a nun; one totally free from sin. नाया॰ ३; भग॰ ६, ३३; विवा॰ २:

पंडु. त्रि॰ (पाण्डु) ફીકું; સફેદ પડી ગયેલું. फीका; सफेद; पाण्डु Pale ओव॰ पिं॰ नि॰ ५१७; —मत्तिय . स्त्री॰ (-मृत्तिका) કંઇ પીળી અને કંઇ સફેદ મિટ્ટી ભૂરી मिट्टी, कहीं पीली और कहीं सफेद ऐसी मिट्टी. pale earth, yellowish earth पन्न॰ १;

पंडुअ. पुं॰ (पाण्डुक) ચક્રવર્તીના નવ નિધાનમાંનો એક કે જેમાં ધાન્ય વગેરેની ઉત્પત્તિ તથા માન ઉન્માન વગેરેનો પ્રવેશ થાય છે चक्रवर्ती के नव निधानों में से एक निधान, जिसमें धान्य आदि की उत्पत्ति तथा मानोन्मान प्रभृति का समावेश होता है. One of the 9 treasures of a Chakravartī which deals with the production of corns etc. and weights. "गणियस्सस॰यियाणं माणुम्माणस्सज पमाणं च। धन्नस्सयबीयाणं उप्पत्ती पंडुएभणिया ॥ १ ॥" ठा॰ ६, १; जं॰ प॰ प्रव॰ १२३२;

पंडुकंबलसिला. स्त्री॰ (पाण्डुकंबलशिला) મેરૂની ચૂલિકાની દક્ષિણે પડંગવનને દક્ષિણ છેડે અર્ધચંદ્રાકારે પાંચસો જોજનની લાંબી અને અઢીસો જોજન પહોળી મેરૂ પર્વત ઉપરની એક શિલા કે જેના ઉપર ભરતના તીર્થંકરોનો જન્માભિષેક કરવામા આવે છે. मेरु पर्वत के ऊपर की एक शिला जिस पर भरत के तीर्थंकरों का जन्माभिषेक किया जाता है और जो मेरु की चूलिका के दक्षिण, पडगवन के दक्षिण छोर पर अर्धचन्द्राकार रूप में पाचसौ योजन लम्बी और ढाई सौ योजन चौडी है. A stone-slab on the mount Meru on which is celebrated the birth-festival of the Tīrthankaras of Bharata (a country) It is in the shape of a half moon and is 500 Yojanas high and 250 Yojanas broad (1 Yojana = 8 miles) lying to the south of the Chūlikā (summit) of the mount Meru and towards the southern extremity of the Paḍaṅga forest ठा॰ २, ३; जं॰ प॰

पंडुभद्द. पुं॰ (पंडुभद्र) સંભૂતિ વિજયના શિષ્ય. संभूति विजय के शिष्य. A disciple of Sambhūti Vijaya. कप्प॰८;

पंडुमहुरा. स्त्री० (पाण्डुमथुरा) કૃષ્ણવાસુદેવ તરફથી દેશવટો મળ્યા બાદ પાંડવોએ દક્ષિણ સમુદ્રને કાંઠે વસાવેલી એક નગરી; પાણ્ડવોની રાજધાની कृष्ण वासुदेवकी ओर से देश निर्वासन के बाद पाडवों द्वारा समुद्र तट पर बसाई हुई एक नगरी; पांडवोंकी राजधानी. The capital of the Pāṇḍavas: a city on the sea-shore populated by Pāṇdavas after they were exiled by Krisṇa Vāsudeva. नाया० ८; १६; अंत० ४, १;

पडुयअ. त्रि० (पांडुक) કંઈક પીળું અને કંઈક સફેદ; ઝાડના પાકેલ પાંદડાના રંગવાળું कुछ पीला और कुछ सफेद ऐसे अर्ध पके हुए रंग वाला; भूरे रंग का A pale white; whitish yellow. उत्त० १०, १.

पंडुर. त्रि० (पाण्डुर) ધોળું; શ્વેત; સફેદ. श्वेत; सफेद; धौला. White; whitish उत्त० ३५, ४; भग० २, १; अणुजो० १६; ओव० १०; नाया० १, ३; जीवा० ३, ३; सम० ३४; कप्प० ३, ३३, —तल. न० (—तल) જેનું ભોંયતળીયું સફેદ હોય તેવું ઘર सफेद फर्शवाला मकान. a house with a white floor जीवा० ३, ३;

पंडुरंग पु० (पाण्डुराङ्ग) એ નામનો દક્ષિણમાં થયેલ એક પરિવ્રાજક, કે જે શરીરને ભસ્મ લગાડી સફેદ રાખતા एक दाक्षिणी परिव्राजक जो शरीर पर भस्म का लेप कर उसे श्वेत रखते थे. An ascetic of the south who would smear his body with ashes अणुजो० २०; १५; नाया० १५;

पंडुरंग त्रि० (पाण्डुरक) ધોળી-સફેદ ઝાંઈ વાળું. सफेद झांई वाला. Whitish; yellowish white उत्त० १०, २१;

पंडुरतर. त्रि० (पाण्डुरतर) ધોળામાં ધોળું. अत्यन्त सफेद; श्वेततर; अधिक धौला. Very white भग० ११, ११,

पंडुराय पुं०(पाण्डुराजन्) પાણ્ડુરાજા पांडुराजा The king Pāṇḍu. नाया० १६;

पंडुरोग. पुं० (पाण्डुरोग) પાંડુરોગ-જેથી શરીર પીળું થઈ જાય તેવો એક રોગ पांडुरोग-एक रोग विशेष जिसके कारण सारा शरीर पीला हो जाता है. Jaundice. प्रव० १३९०; भग० ३, ७; जं० प० ३; तंडु०

पंडुल्लइयमुह. त्रि० (पाण्डुरकितमुख) ફીક્કા મુખવાળું; નિસ્તેજ મોઢાવાળું. पीलेफीके मुख वाला; निस्तेज मुख वाला Having a pale or lack-lustre face. निर० १, १; विवा० २;

पंडुवद्धाणया स्त्री० (पाण्डुवर्द्धानिका) એ નામની શાખા एक शाखा विशेष. A branch of this name कप्प० ८;

पंडुसिला. स्त्री० (पाण्डुशिला) મેરૂ પર્વતની ચૂલિકાની પૂર્વ દિશે અર્ધ ચન્દ્રાકારે પાંચસો જોજન લાંબી અને અઢીસો જોજન પહોળી એક અભિષેક શિલા કે જેના ઉપર પૂર્વ મહાવિદેહના તીર્થંકરોનો જન્માભિષેક કરવામાં આવે છે. एक अभिषेक शिला जिस पर पूर्व महाविदेह के तीर्थंकरों का जन्माभिषेक किया जाता है और जो मेरु पर्वत की चूलिका के पूर्व अर्धचन्द्राकार में पांचसो योजन लम्बी और ढाईसौ योजन ऊंची है. A stone slab on which is celebrated the birth-ceremony of the Tirthankara of Mahāvideha. It is situated to the east of the Chūlikā of the mount Meru, it is shaped like the half-moon and is 500 Yojanas long and 250 Yojanas

board (1 Yojana = 8 miles) जं० प०

पंडुसेण. पुं० (पांडुसेन) પાંડુસેનનામે પાંડવ કુમાર. पांडुसेन नामक पांडव कुमार. A Pāṇḍava prince named Pāṇdusena नाया० १६;

पंत. त्रि० (प्रान्त) તુચ્છ; નઠારૂં, ખરાબ, હલકું; રસ વિનાનું तुच्छ; खराब, क्षुद्र; रसहीन; अधम. Mean; wretched, insipid, low. उत्त० ८, १२; १२, ४, १५, ४, आया० १, २, ६, ६६, १, ५ ३; १५५, भग० ३, २; दस० ५, २, ३४, ओघ० नि० भा० ३६, पिं० नि० ४८६, (२) જમતા બાકી રહેલ ખોરાક उच्छिष्ट, भोजन करते हुए शेष रहा हुआ अन्न. remnents or fragments of food. भग० ६, ३३; नाया० ५, १६, दसा० ५२८, (३) પંત-ધર્મભ્રષ્ટ થયેલ धर्मभ्रष्ट, धर्मस्खलित-च्युत-पतित fallen from religion or duty. पिं० नि० ४१४, (४) ખરાબ લક્ષણ. कुलक्षण; दुर्लक्षण; बुरे चिन्ह bad signs or characteristics. नाया० १६; (५) અપશબ્દ ગાળ. अपशब्द. गाली. an abuse. नाया० १,८; —आहार पुं० (-आहार) હલકો ખોરાક, તુચ્છ આહાર. हलका-गरीब भोजन; तुच्छ आहार a coarse meal. ठा० ५, १; ओव० १६; —कुल न० (-कुल) અધમ-નીચ કુલ. अधम-नीच कुल low family. दसा० १०, १०; कप्प० २, १६, —चरअ त्रि० (-चरक) તુચ્છ કે વધેલા આહારની ગવેષણા કરનાર; અભિગ્રહ વિશેષ ધારી સાધુ. तुच्छ या अवशेष आहार की गवेषणा करनवाला; विशिष्ट अवग्रहधारी साधु. an ascetic who observes the vow of accepting fragments of coarse or surplus food. ठा० ५, १; पराह० २, १; —जीवि० त्रि० (-जीविन्) તુચ્છ આહાર કરી જીવનાર. तुच्छ-रूखा सूखा भोजन खाकर जीने वाला. (one) who lives on coarse food. ठा० ५, १;

पंतावण. न० (प्रताडन) ચાબુકથી મારવું તે. चाबुकसे मारना; चाबुक मार. Whipping. ओघ० नि० भा० २१८;

पंत्ति. स्त्री० (पंक्ति-पच्यतेव्यक्तीक्रियतेऽनेन विशेषेण इति) પંક્તિ; શ્રેણી; હાર. पक्ति; कतार, श्रेणि; हार; माला. A row; a line; a garland. भग० ५, ७; १३, ६; नाया० १, ८; १३, पिं० नि० ३४५; जीवा० ३, ३;

पंथ. पुं० (पथिन्—पथति गच्छतिजन अत्र) રસ્તો; માર્ગ. रास्ता, मार्ग; पथ. A path, a road. ठा० ४, २, उत्त० २, ५, पिं० नि० भा० १२, वेय० ४, २६; —कुट्टण पुं० (-कुट्टन) વાટપાડુ. રસ્તે લુટનાર लुटेरा, डकैत, रास्ते में लूटने वाला a robber; a dacoit नाया० १८.

पथकोट्ट त्रि० (पथकुट्ट) વાટપાડુ; રસ્તે લુટનાર. रास्ते में लूटने वाला; लुटेरा; डकैत. A robber; plunderer. विवा० १, ३;

पंथग. पुं० (पन्थक) પંથકનામે શેલક રાજાના એક મંત્રી, કે જેણે રાજાની સાથે દીક્ષા લીધી હતી, શેલગરાજર્ષિ શિથિલ થઈ ગયા હતા, તોપણ તેનો વિનય સાચવી છેવટ ગુરૂને ઠેકાણે લાવ્યા. पथक नामक शेलक राजाका एक मंत्री; जिसने राजा के साथ दीक्षा ली थी और यद्यपि शेलक राजर्षि शिथिल हो गया था तथापि उसके विनय की रक्षा कर के अन्ततः उसन स्थित किया. A minister named Panthaka of

the king Śelaka. He was consecrated with the king The king became lax when the minister brought him to a position of a preceptor by protecting his character नाया० ५;

पंथदास. पुं० (पन्थदास) धन्ना शेठनो पंथ नामनो दास; धन्नासेठ का पंथ नामक दास. A servant so named of Dhannā Śeṭha. नाया० २;

पंथय. पुं० (पन्थक) जुओ ' पंथग ' शब्द. देखो ' पंथग ' शब्द. vide 'पंथग' नाया० ५; (२) धन्नाशेठनो एक दास. धन्ना सेठ का एक दास. a servant of Dhannā Śetha नाया० २; **—पामोक्ख.** त्रि० (-प्रमुख) पंथक प्रमुख; पंथक वगेरे. पंथक प्रमुख; पंथकादि. Panthaka etc. नाया० ५;

पंथिय. पुं० (पान्थिक -पन्थानं गच्छतीति) वटेमार्गु; मुसाफिर. बटोही; पथिक; राहगीर; मुसाफिर A way-farer; a traveller. नाया० ८; १३; ओघ० नि० भा० ८०;

√पंस. धा० II (*) मेलु करवुं मैला करना. To make dirty.

पंसेइ विशे० २०२५;

पंसु. पुं० (पांशु) धूळ, रेती धूल; रेत; मिट्टी. Dust; sand. उत्त० १२, ६; सूय० १, २, १, १५; भग० ७, ६; सु० च० ४, २७, जीवा० ३, ३; जं० प० प्रव० १४६७, **—खार.** पुं० (-क्षार) लवण; मीठुं. लवण. निमक; क्षार. salt. दस० ३, ८;

पंसुलिया. स्त्री० (पार्शुका) पांसळी. पसली. A rib. पण्ह० १, ३; प्रव० १३८३;

पंसुवुट्ठि. स्त्री० (पांशुवृष्टि) धूळनी वृष्टि उपरथी शुभाशुभ जाणवानी विद्या. धूल की वृष्टि पर से शुभाशुभ जानने की विद्या A science of knowing omens by a shower of dust. सूय० २, २, २७; (२) धूळनी वृष्टि. धूल की वृष्टि. a shower of dust भग० ३, ७;

पंकथक. पुं० (प्रकन्थक) उत्तम जातनो एक घोडो; घोडानी एक उत्तम जात. उत्तम जाति का एक अश्व-घोडा विशेष. A horse of a good breed. ठा० ४, ३;

√प-कंप धा० I. (प्र+कम्प्) धूजवुं; कंपवुं धूजना; कांपना. To tremble; to quake.

पकम्पइ. सु० च० २, १८०;

पकम्पमाण. प्रव० २६१;

पकम्प. पुं० (प्रकम्प) धूजारो. कम्प; थरथराहट; धूजनी. Trembling. सु० च० २, ५५;

√प-कट. धा० II. (प्र+कट्) प्रकट करवुं जाहेर करवुं. प्रकट करना, विदित करना; ख्यात करना. To reveal; to publish; to expose.

पयडेमि सु० च० १, ५६;

पयडसु आ० सु० च० २, ६०७;

पयडेउं. सं० कृ० सु० च० १५; १२७;

पयडंत. व० कृ० सु० च० १, १६६;

पयडिज्जइ. क० वा० सु० च० २, ४४६;

√प-कड्ढ. धा० I. (प्र+कृष्) खेंचवुं. खींचना; आकर्षण करना. To draw; to attract.

पकड्ढइ. जं० प० ५, ११७;

पकड्ढिज्जमाण. ओव० १०; भग० १, १; १६, ५; जं० प० ५, ११७;

√प-कथ धा० I. (प्र+कत्थ्) हेलना करवी; निन्दवुं. अवहेलना करना; निन्दा करना. To upbraid; to censure

पकथे. वि० आया० १, ६, ४, १९१;

पकप्प. सं० कृ० आया० १, ६, २, १८३;

√प-कप्प. धा० I. (प्र+क्लृप्) કલ્પવું; ઉત્પન્ન કરવું; રચવું. कल्पना करना; उत्पन्न करना; रचना. To guess; to create; to arrange.

पकप्पिन्ति. आया० १, ४, १, १२८. १, ६, ४, १६१;

पकप्पयामो. सूय० २, ६, ५२;

पकप्पिय. त्रि० (प्रकल्पित) કલ્પેલું, બનાવેલું कल्पित; बनाया हुआ. Guessed; made. सु० च० ३, १७;

√प-कर. धा० I, II. (प्र+कृञ्) કરવું. करना. To do.

पकरइ. पिं० नि० १०१; भग० १, १;

पकरेइ. भग० १, ८; ६१०; २, २, ३, १; ५, ३; ६, ५ ८; ७, ६; ८; ३०, १;

पकरंति. उत्त० १, १३; दसा० ६, १; भग० ५, ६;

पकरेंति भग० १४, १; २५, ८; ३०, १; ३४, १, जं प० ७, १४१;

पकरेज्जा. वि० भग० २४, २०;

पकरेह. आ० भग० ३, १;

पकरेत्तए हे० कृ० भग० ८, १;

पकरेइत्ता सं० कृ० भग० १५, १;

पकरेमाण व० कृ० भग० १, ३; ३, २; ५, ३; पन्न० ६;

पकरावेत्तए क० वा० हे० कृ० भग० ३, १;

पकिज्जइ. क० वा० सम० ३४;

पकरण. न० (प्रकरण) પ્રકૃષ્ટપણે કરવુ; રચવું. प्रकृष्ट रीति से करना; उत्तमता से करना-रचना-बनाना. Doing well or arranging. भग० १, ६;

पकरणया. स्त्री० (प्रकरण) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपर का शब्द. Vide above. भग० १, १०;

पकाम त्रि० (प्रकाम) અતિશય, ઘણું अतिशय, अधिक; बहुत; प्रचुर Too much; excessive. ओव० १६; भग० ७, १; ७; ६, ३३; नाया० १; १६; —रसभोई. त्रि० (-रसभोजिन्) અત્યંત સ્નિગ્ધરસનો આહાર કરનાર. अत्यन्त स्निग्ध रस का भोजन करने वाला. (one) who eats excessive fatty and oily food भग० २५, ७;

√पकास धा० II. (प्र+काश्) પ્રકાશ કરવો प्रकाश-उजेला करना. To shine; to enlighten.

पकासेइ. भग० ६, ५;

√प-कास. धा० II. (प्र+काश्) પ્રકાશવુ; પ્રકાશ કરવો. प्रकाश करना; उजेला करना. To shine; to enlighten.

पयासेइ. गच्छा० २७;

पयासेह. आ० सु० च० ४, १६४;

पयासितुं. सं० कृ० सु० च० ४, २३०;

पकिरण. त्रि० (प्रकीर्ण) વિખેરેલું. बिखेरा हुआ; इधर उधर फैला हुआ; प्रकीर्ण. Scattered; cast asunder. पण्ह० २, ५;

पकिन्न. त्रि० (प्रकीर्ण) વિખરેલું; વેરેલું. बिखरा हुआ; गिराहुआ; फैलाहुआ. Scattered; dispersed उत्त० १२, १३;

पकीलेउं. सं० कृ० अ० (प्रक्रीड्य) ક્રીડા કરીને. क्रीड़ा-रमण या खेल करके. Having played or amused. सु० च० ६, ३२;

√पकुव्व. धा० I. (प्र+कृ) સારી રીતે કરવું उत्तमतासे करना. To do well.

पकुव्वइ. उत्त० २७, ११; दसा० ६, २; दस० ५, २, ३२; ६, २, १६;

पकुव्वंत. व० कृ० सु० च० १, २३५;

पक्कुव्वमाण. व० कृ० आया० १, २, २, ८०;

पक्कुव्वनो. ठा० ए० सूय० १, ७, १७;

पक्कुव्वअ-य त्रि० (प्रकारक) प्रायश्चित्त લઇ અત્યંત શુદ્ધિ મેળવનાર. प्रायश्चित्त ले कर पूर्ण शुद्धि प्राप्त करने वाला. (One) who attains perfect purity by expiation. भग० २५, ७, ठा० ८, १;

पक्क त्रि० (पक्व- पच्यतेस्म यत्) પકવેલ; પાકેલ; રાંધેલ. पका; पकाहुआ; सीजाहुआ. Ripe; cooked; boiled. नाया० ७; आया० २, ४, २, १३८; उत्त० १९, ४६;-५७, ३४, १३; दस० ७, ३२; वेय० १, ३; पन्न० १७; भग० १४, ७; —घय न० (-घृत) ઔષધી નાખી પકાવેલ ઘી औषधि डालकर पकाया हुआ घी. clarified butter boiled with medicines. प्रव० २३१; —महुर त्रि० (-मधुर) પાકવાથી મધુર બનેલ. पकने के कारण मीठा लगने वाला. sweet on account of being cooked or ripe. ठा० ४, १;

पक्कण. पु० (पक्कण) એ નામનો એક અનાર્ય દેશ. इस नामका एक अनार्य देश A non-Āryan country so named प्रव० १५९७ (२) त्रि० તે દેશમાં રહેનાર. उस देश का निवासी an inhabitant of that country. पन्न० १;

पक्कणिय. त्रि० (पक्कणिक) પક્વણ દેશવાસી. पक्वण देश निवासी. An inhabitant of Pakvaṇa country पण्ह० १,१;

पक्कणी स्त्री० (पक्कणी) પક્વણ નામના અનાર્ય દેશમાં જન્મેલી દાસી. पक्वण नामक अनार्य देश में उत्पन्न दासी-सेविका. A maid-servant born in Pakvaṇa country. ओव० ३३; नाया० १; जं० प०

√**पक्कम.** धा० I. (प्र+क्रम्) ચાલવું; ગતિ કરવી चलना; प्रगति करना. To move; to walk; to proceed

पक्कमइ उत्त० ३, १३; भग० १५, १;

पक्कमंति. उत्त० २७, १४; २८, ३६;

पक्कमे. वि० सूय० १, २, १, ११; दसा० ३, १३;

पक्कम न० (प्रक्रम) પરાક્રમ; ઉદ્યોગ; પ્રયોગ કરવો તે पराक्रम; उद्योग; प्रयोग-प्रयोगकर्म Valour; industry; experimentation. नाया० १६;

पक्कमणी. स्त्री० (प्रक्रामणी) ફેર લાવવાની વિદ્યા. मस्तक भ्रमण कराने का विद्या. A science or art of causing giddy. सूय० २ २; २७;

पक्काम. त्रि० (पक्काम) થોડું કાચું, અને થોડું પાકું; કાચું પાકું. अधपका; अर्धपक्व; कचा-पका Half ripe. ओव० नि० भा० १४२;

पक्किट्टगा. स्त्री० (पक्केष्टका) પાકી ઈંટ. पकाई हुई ईंट. A burnt brick. जं० प० ७, १४१;

पक्कीलिय. त्रि० (प्र-क्रीडित) ક્રીડા કરેલ; क्रीडित; क्रीडा किया हुआ; खेला हुआ. Played; amused with. नाया० १; ५; ८; भग० ११, ११, १४, ८; जीवा० ३, ४; राय० २३१; कप्प० ४, ६६; ५, १०१;

पक्केलय. त्रि० (पक्क+क) અગ્નિથી પાકેલ; પરિપક્વ થયેલ आमिपक्व; अग्निद्वारा परिपक्व किया हुआ. Cooked in fire. उवा० ७, २००;

पक्ख. पुं० (पक्ष-पक्ष्यतेचन्द्रस्यपर्वदशानां आपूरणं क्षयो वा येन) પખવાડીયું; પન્દર દિવસ. पक्ष; पखवाडा; पन्द्रह दिन. A

fortnight. उत्त० ५,२२, २६; १४; ठा० २, ४, अणुजो० ११५; १३०; १३७; भग० १, ५, १; ६, ७, १२, ६; २५, ५; नाया० ३; ८; सु० च० २, ३९, जं० प० ७; १५२; सू० प० ८, विशे० ६०६; नंदी० १२; प्रव० ११६६; गच्छा० ३, १०५; क० गं० ५, ३६, कप्प० १, २, २, ३०, (२) પાર્શ્વ; પડખુ, બાજુ पार्श्व, बाजू, बगल, समीप. side, vicinity. ओव० ३८, उत्त० १, १८; प्रव० १२६, (३) પક્ષ; વર્ગ. पक्ष, वर्ग. a side; a party; a flank. उत्त० १२, ११; गच्छा० ३२, (४) પાખ, પીંછું पंख, पक्ष. wing, pinions. उत्त० २७, १४, जीवा० ३, ४, नाया० ३; तडु० निसी० ७, २६, (५) स्त्री० ઘરની છત (છાજ)ની પાખ घर की छत. roof of a house राय० १०७; (६) હેતુ અને સાધ્યનો આશ્રય; અનુમિતિનુ એક અગ, જેમ " पर्वतो वन्हिमान् धूमत्वात्" અત્રે પર્વત પક્ષ, અગ્નિ સાધ્ય અને ધૂમ હેતુ છે. हेतु और साध्यका आश्रय, अनुमिति का अंग विशेष; यथा "पर्वतो वन्हिमान् धूमत्वात्" यहा पर्वत पक्ष, अग्नि साध्य और धूम हेतु है. the support of the middle and the major term; a premise of a syllogism e. g. in the pro position the mountain has fire, the smoke being seen there, the "mountain" is the Pakṣa, the "fire" is the major term and 'smoke" is the middle term विशे० २८२४; —अंतर. न० (-अन्तर—अन्यः पक्ष. पक्षान्तरं) પક્ષાન્તર, બીજુ પક્ષ. पक्षान्तर, दूसरा पक्ष another side of an argument. विशे० १६०८, —उड. पुं० (-पुट) પાખ-પીછાનો પુટ-સ પુટ. पक्षों या पंखों का पुट. a fold of wings or feathers. सु० च० २, ५३७, —पडिक्कमण. न० (-प्रतिक्रमण) પાક્ષિક પ્રતિક્રમણ पाक्षिक प्रतिक्रमण a fortnightly confession. प्रव० १८२; —पिंड. पुं० (-पिण्ड) બે ભુજાથી પલાઠી બાધવી તે, શરીરને સ કોચી પિંડ રૂપે બનાવી બે ભુજાવડે બાધવુ તે. दोनों भुजाओं का परस्पर बन्धन, पिंड रूप में सिकुडे हुए संकुचित शरीर का दोनों भुजाओं द्वारा बन्धन. an embrace by the two arms, embracing a body which is contracted in a lump. उत्त० १, १६; —बाहा स्त्री० (-बाहु) ઘરની પાખમા આડસરનો બહાર નીકળતો ભાગ. घर की बाजू में अडसर का बाहर निकला हुआ भाग. the projecting eaves of a house राय० १०७; —वाय पु० (-वात) પીછાનો પવન. पंखों की हवा, पक्ष वात-पवन. a breeze of wings. नाया० ३,

पक्खअ पु० (पक्षक) પખો, વિંજણો. पंखा; विजना. A fan. कप्प० ३, ३६;

पक्खआ. अ० (पक्षतस्) પડખો; જોડાજોડ. जोडाजोड; पक्ष से, बाजू से. Closely. दस० ८, ४६,

√पक्खंद. धा० I. (प्र+स्कन्द्) પડીજવું; ગતિ કરવી. गिरना, गात करना. To fall; to move.

पक्खदइ. दस० २, ६;

पक्खद. पु० (प्रस्कन्द) ગતિ કરવી; જવુ. गति करना; चलना, जाना. Moving; walking पराह० १, ५; (२) કુદી પડી મરવુ તે. कूद कर मरना death due

to a fall. निसी० ११, ४१;

पक्खंदोलग. पुं० (पक्ष्यान्दोलक) જેના ઉપર બેસી પક્ષીઓ હિચકા ખાય તે; પક્ષીઓનો હીચકો. पक्षियों का बैठकर झूलने का साधन; पक्षियों का झूला. A swing for birds. जीवा० ३; राय० १३५;

पक्खग. त्रि० (पक्षग) એક પખવાડીયું રહેનાર; પખવાડીયાની સ્થિતિવાળુ. एक पक्ष तक रहने वाला, पक्ष-पखवाडे की स्थिति वाला. That which remains for a fortnight. क० गं० १, १८;

पक्खलंत. त्रि० (प्रस्खलत्) સ્ખલના પામતુ; પડતું. स्खलित होता हुआ; गिरता हुआ. Stumbling; falling. दस० ५, १, ५;

पक्खलमाण. व० कृ० त्रि० (प्रस्खलत्) સ્ખલના પામતો. स्खलित-च्युत-भ्रष्ट होता हुआ. Falling, stumbling. वेय० ६, ७;

पक्खलिय त्रि० (प्रस्खलित) સ્ખલિત થએલું; પડેલું. स्खलित, च्युत; भ्रष्ट; पतित; गिरा हुआ. Stumbled; fallen. degenerated. पण्ह० १, ३;

√**पक्खाल.** धा० II. (प्र+क्षाल्) ધોવું; સાફ કરવું. धोना, साफ करना To wash; to cleanse

पक्खालेइ नाया० १; भग० ६, ३३;
पक्खालइत्ता. भग० ३, १; ६, ३३. नाया० १;
पक्खालेत्ता भग० ३, १;
पक्खालिज्जइ क० वा० नाया० ५;
पक्खालिज्जमाण. क० वा० व० कृ० नाया० ५;

पक्खाल. न० (प्रक्षालन) ધોવું તે. धोने का कार्य; धोना; प्रक्षालन Washing; cleansing. नाया० १;

पक्खालण. न० (प्रक्षालन) ધોવું; સાફ કરવું. धोना; साफ करना. Washing; cleansing. ओव० ३८; वव०

पक्खालण. न० (प्रक्षालन) ધોવું; સાફ કરવું. धोना; साफ करना. Washing. अणुजो० १८.

पक्खालिअ. त्रि० (प्रक्षालित) ધોએલું; સાફ કરેલું. धोया हुआ; साफ किया हुआ. Washed; cleansed. ओव० ३८;

पक्खासण न० (पक्षासन) પક્ષીના આકાર જેવુ આસન-પક્ષાસન. पक्षी के आकार जैसा आसन-पक्षासन. A posture in the form of a bird. भग० ११, ११;

पक्खि. पुं० (पक्षिन्) આકાશમાં ઉડનાર ખેચર પ્રાણી; પક્ષી. आकाश में उडने वाला पक्षी; खग; विहग. A bird ओव० १७; अणुजो० ६३१; १३४; भग० ७, १; १५, १, ३१, १; विशे० ५७२; उत्त० ३२, १०; सु० च० २, १०; दस० ७, २२; विशे० ५७२; भत्त० १४१; प्रव० ६७६, ११०५;

—**जाइअ** पुं० (-जातीय) પક્ષી જાતિનું. पक्षी की जाति का. belonging to the class of birds. वेय० ५, १३. —**संघ** पुं० (-संघ) પક્ષિઓનો સંઘ-ટોળું पक्षी-समूह; खग-वृन्द. a bevy of birds. जं० प० २, ३६; नाया० १; भग० ७, ६;

पक्खित्त. त्रि० (प्रक्षिप्त) નાખેલું; ફેંકેલું. डाला हुआ; फेंका हुआ. Thrown away; interpolated. अणुजो० १४३; भग० ३, ३; १; ८, ६; नाया० १४, १६; निर० १, १; पंचा० ४, ४७; पन्न० १२; नंदी० ३५; दस० ६, १;

पक्खिप्पमाण. व० कृ० त्रि० (प्रक्षिप्यमाण) નાખવામાં આવતું; ફેંકાતુ. त्यागने में आने वाला; फेंका जाने वाला. Being thrown away or abandoned अणुजो० १५०; भग० ८, ६; नाया० २; ८;

पक्खिय. त्रि० (पाक्षिक-पक्षेभवःपाक्षिकः) પખવાડીઆમાં થએલું; પખવાડીઆનું. पक्ष के

सम्बंध का; पाक्षिक. Fortnightly. (२) પાખી; પૂનમ અને અમાવસ્યા. पौर्णिमा तथा अमावस्या; पक्खी-पक्षीय. the last day of a fortnight गच्छा० ११८; भग० १२, १, २४, १; ओघ० नि० १०; प्रव० १८३; निसी० २०, २१; २८; (३) જેના પક્ષમાં ઘણામાણસો હોય તે; મોટા કુટુમ્બ વાળો. बहु कुटुम्बा; वह जिसके पक्ष में बहुत से लोग हो (one) having a big family; having many people on his side. प्रव० १४७७; **—पोसह.** न० (-पौषध) પાક્ષિક પૌષધ, પાખીને દિવસે પોસો કરવો તે. पाक्षिक पौषध; पक्खी के दिन किया जाने वाला पौषध a fortnightly vow consisting of a fast भग० १२, १; **—पोसहिअ** त्रि० (-पौषधिक) પાક્ષિકપોષો કરનાર. पाक्षिक पौषध करने वाला (one) who observes a fast on a fortnight. दसा० ५, २८,

√**पक्खिव.** धा० I,II. (प्र+क्षिप्) ફેંકવું. फेंकना To throw away.

पक्खिवइति. नाया० १; २; ७, ८; १४; १६; १८; वव० ६, ४५; भग० १५, १; उवा० ४, १५३; निर० ३, ३.

पक्खिवेइ. भग० ११, ६;

पक्खिवति नाया० २; ७; जं० प० ५,११४;

पक्खिवामि नाया० १६;

पक्खिवेज्जा. वि० नाया० ६; भग० ३, ३; ६, १; ८, ६; १२, ७,

पक्खिविज्जा. वि० भग० ११, १०;

पक्खिवह आ० नाया० २;

पक्खिवइत्ता. स० कृ० नाया० ७; १४; १८; भग० ६, ३३;

पक्खिवित्तु हे० कृ० भग० १४, ८;

पक्खिवेमाण. व० कृ० नाया० ८;

पक्खिवमाण व० कृ० नाया० ८;

पक्खिवाविइ. प्र० नाया० १२;

पक्खावेइ प्र० विवा० ६;

पक्खिवविमि. राय० २५;

पक्खेवेइत्ता. स० कृ० भग० ११, ६;

पक्खिवावेइत्ता प्रे० सं० कृ० नाया० १२;

पक्खिवावेत्तइ. हे० कृ० नाया० ३;

पक्खिवावेत्तए. व० कृ० नाया० १२;

पक्खिप्पइ. क० वा० जं० प० ३, ४५;

पक्खिवणया स्त्री० (प्रक्षेपणा) ફેંકવું તે. फेंकने का कार्य; प्रक्षेपण. Throwing-away, interpolation. भग० १४, २;

पक्खिविराल. पु० (पक्षिविराल) બિલાડા જેવો પક્ષી વિશેષ. बिलाव जैसा पक्षी विशेष. A particular bird like a cat. पन्न० १;

पक्खिविरालय. पुं० (पक्षिविरालक) બિલાડા જેવો પક્ષી વિશેષ बिलाव जैसा पक्षी विशेष. A particular bird like a cat. भग० १३, ६;

पक्खुडिअ त्रि० (प्रक्रोशित) ગાળો દીધેલ; વખોડેલ. गालियां दिया हुआ; निर्भर्त्सित; कोसों तक खदेडा हुआ. Rebuked; abused सु० च० ४, २२६;

पक्खुभिअ-य. त्रि० (प्रक्षुभित) ક્ષોભ પામેલ; વ્યાકુલ બનેલ क्षुब्ध; व्याकुल; क्षुभित. Agitated; sad. ओव० २१; २७, नाया० ८;

पक्खेव. पु० (प्रक्षेप) ફેંકવું; નાખવું. फेंकना; डालना Throwing away; placing (२) કોલીઓ. ग्रास. a mouthful. नाया० १५; क० गं० २, १७; प्रव० ६३४; १३४८; उवा० १, ५४, **—आहार** पु० (-आहार) કોલીએ કોલીએ ખાવુ તે; કોલીગે ખાવા યોગ્ય આહાર. एक एक ग्रास-कोर लेकर खाना, ग्रास रूप मे खाने योग्य

आहार. eating in mouthfuls. भग० १, १; पन्न० २८; प्रव० ११६४;

√**पक्खोड** धा० I. (प्र+स्फुट्) ફાટવું. स्फुटित होना; खिलना; खुलना; फटना. To open; to bloom; to jerk

पक्खोडिज्जा वि० दस० ४;

पक्खोडाविज्जा. क० वा० वि० दस० ४;

पक्खोड पु० (प्रस्फोट) પખોડા; પડિલેહણનો એક પ્રકાર प्रस्फोट; पडिलेहण विशेष A particular inspection of clothings प्रव० ६६;

पगइ स्त्री० (प्रकृति) કર્મનો સ્વભાવ, જેમ કે જ્ઞાનાવરણીયનો સ્વભાવ જ્ઞાનને રોકવાનો, દર્શનાવરણીયનો દર્શનને અટકાવવાનો એમ આઠ કર્મનો જુદો જુદો સ્વભાવ તે પ્રકૃતિ कर्म का स्वभाव जिस भाँति ज्ञानावरणीय का स्वभाव ज्ञान को रोकना, दर्शनावरणीय का स्वभाव दर्शन को अटकाना आदि इसी प्रकार आठों कर्मों का भिन्न भिन्न स्वभाव. Nature of Karmic matter viz knowledge obscuring which checks knowledge; sight obscuring which obscures sight etc सम० ४; भग० १, १; ३; ६; ३. ३; दस० ६, १, ३, जं० प० जीवा० ३, ३; विशे० २३, २४६४, क० प० २, ६६; क० गं० १, २; ६; २; प्रव० २, २. (२) પ્રજા; લોક. प्रजा; लोक; प्रकृति; रिआया. subjects; ryot कप्प० ५, ११३, (३) શરીર કે મનનું બંધારણ; તાસીર. शरीर या मनका स्वभाव; तासीर. the nature or disposition of the mind or body. नाया० १; भग० ६, ३१; ११, ६; —**उवसंतया**. स्त्री० (-उपशान्तता) સ્વભાવથી ક્રોધાદિની ઉપશાન્તતા-ઉપશમ स्वभाव से क्रोधादिका निग्रह-उपशम the subjugation of anger etc. by nature. जं०प०५, २, २१; भग० ९, ३१. —**ठाण**. न० (-स्थान) કર્મ પ્રકૃતિના સ્થાનક कर्म प्रकृति के स्थानक. the stages of Karmic natures. क० गं० ६,८; प्रव० २८; —**बंध**. पुं० (-बन्ध) કર્મનો પ્રકૃતિ-સ્વભાવરૂપે બન્ધ થાય તે, જેમ કર્મની કોઈ પ્રકૃતિનો જ્ઞાન અટકાવવાના સ્વભાવરૂપે, કોઈનો દર્શન અટકાવવાના સ્વભાવરૂપે બંધ થાય છે તે. कर्मका प्राकृतिक-स्वाभाविक बन्धन. the natural bond of Karmas. ठा० ४, २; क० प० १, २४; —**भद्दय**. त्रि० (-भद्रक) સ્વભાવથી ભદ્રિક, સરલ. स्वभावत. सरल-भद्रिक; प्रकृत्या सरल naturally simple. भग० ३, १. नाया० १; —**भद्दया**. स्त्री० (-भद्रता) સ્વભાવથી ભદ્રિકપણું; સરળતાવાળો સ્વભાવ. स्वाभाविक सरलता, सरलता पूर्ण स्वभाव. natural simplicity जं० प० २, २४; भग० ८, ९; ११, ६; —**विणियया**. स्त्री० (-विनीतता) સ્વભાવથી વિનયીપણું; નમ્ર સ્વભાવ. स्वाभाविक विनय; नम्र स्वभाव; सहज विनीतता. natural humility or politeness भग० ८, ६; —**वेद** त्रि० (-वेदिन्) કર્મ પ્રકૃતિને વેદનાર कर्म प्रकृति का अनुभव करने वाला -भोगने वाला. (one) who experiences the nature of Karmic matter क० प० ४, ७६; —**संकम** पुं० (-संक्रम) કર્મની એક પ્રકૃતિમાં બીજી પ્રકૃતિનો પરિણામ થાય તે. कर्म की एक प्रकृतिमें दूसरी प्रकृति का होने वाला परिणाम; कर्म-प्रकृति-संक्रमण. a transformation of one Karma Prakriti. into another ठा० ४,२;— **सब्भाव**. पु० (-सद्भाव) કર્મ પ્રકૃતિનો સદ્ભાવ.

कर्म प्रकृतिका सद्भाव. the existence of the nature of Karmic क० ग० ६, ७५; —सुन्दर. त्रि० (-सुन्दर) સ્વભાવથી સુન્દર. स्वभावसे सुन्दर; सहज सुन्दर. naturally handsome. भत्त० ६५; —सोम. त्रि० (-सौम्य) પ્રકૃતિ-સ્વભાવે સૌમ્યતાવાળો; શાંત સ્વભાવી स्वभावसे सौम्य-शान्त; प्रकृत्या शान्त. naturally calm or still प्रव० १३७०,

पगंठग. पु० (प्रकण्टक) એક જાતનો બાજોઠ, બાજોઠને આકારે ચોખુણો ઓટલો. एक बाजुट विशेष; बाजुट के आकार का चौखुटा चौतरा-वेदी. A kind of small desk or seat, a square platform जीवा० ३; राय० ११४, (२) અરીસાની પીઠનો ચોકઠો दर्पण की चौखट mirror-frame राय० ११८;

पगड त्रि० (प्रकृत) કરેલું, બાન્ધેલું, ઉત્પન્ન કીધેલું किया हुआ बाधा हुआ उत्पन्न किया हुआ. Made bound, produced आया० १, ३ २, १११; दस० ५, १, ४६; ८, ५२;

पगड त्रि० (प्रकट) પ્રસિદ્ધ; જાહેર. प्रसिद्ध; प्रख्यात; जाहिर; प्रकट Famous; noted. उत्त० १३, ८; पंचा० २, ६,

पगडि. स्त्री० (प्रकृति) જુઓ "पगइ" શબ્દ देखो 'पगइ' शब्द. Vide "पगइ" भग० १, १. १, पन्न० १४; २३; पचा० १६ ४१;

पगडिय त्रि० (प्रकटित) પ્રગટ થયેલ; ખુલ્લું પડેલ; જાહેર થયેલ. प्रकटित प्रसिद्ध; ख्यात Published, famous पन्न० २: तडु०

पगडीकम्म. न० (प्रकृतिकर्मन्) પ્રકૃતિરૂપે બન્ધાયેલ કર્મ. प्रकृति के रूप मे बधे हुए कर्म. Karma bound in the shape of Prakriti (nature). ठा० ४, ४;

पगड्ड. पुं० (प्रगर्त-प्रकृष्टोगर्तः) મોટી ખાડ; ખાડો गहरा खड्डा; गंभीर गर्त A deep ditch or pit. आया० २, १०; १६६;

पगढिज्जमाण. व० कृ० त्रि० (प्रगृह्यमाण) દોરાતુ, લઇ જવામાં આવતુ. ले जाया जाने वाला, खदेडाता हुआ. Being carried away, being pursued. विवा० १;

पगणिय. सं० कृ० अ० (प्रगणय्य) ગણીને; ગણત્રી કરીને. गिनकर; गिनता करके. Having counted आया० २,१,१,७;

पगति. स्त्री० (प्रकृति) જુઓ "पगइ" શબ્દ देखो 'पगइ" शब्द Vide. "पगइ" भग० ६, ३१, ओव० ३४;

पगप्प. पु० (प्रकल्प) આચાર; સદાચાર. आचार; सदाचार. Conduct, good-conduct. आया० १, ७,५, २१७, (२) સાધુનો આચાર બતાવનાર શાસ્ત્ર. साधु का आचार बताने वाला शास्त्र. a scripture regulating the conduct of an ascetic उत्त० ३१, १८;

पगप्पइत्ता. स० कृ० अ० (प्रकल्प्य) તૈયાર કરીને. तयार कर के. Having prepared सूय० २, ६, ३७,

√**पगब्भ** धा० I. (प्र+गल्भ्) धृष्टता કરવી, બડાઈ કરવી; મગરૂર થવુ. धृष्टता करना; (आत्म) प्रशसा करना; गर्वा बनना. To be haughty; to praise oneself.

पगब्भइ उत्त० ५, ७; आया० १, ४, ३, १५४; सूय० १, २, २, २१;

पगब्भ. त्रि० (प्रगल्भ) धीर; પ્રૌઢ. धीर; प्रौढ Grave; sedate भग० ९, ३३; नदी० स्थ० ३६, जीवा० ३, ३;

पगब्भिअ. त्रि० (प्रगल्भित) મગરૂર, ધીઠો. गर्विष्ठ; धृष्ट; ढीठ Haughty; obsti-

nate. सूय० १, १, १, १३;

पगब्भित्तार. त्रि० (प्रकर्तयितृ) કાતરનાર. कतरने वाला; काटने वाला. A cutter. सूय० १, ८, ५;

पगय-अ. त्रि० (प्रकृत) ચાલતું; પ્રસ્તુત. प्रस्तुत; प्रकृत; विद्यमान. Current; on-hand; present. विशे० ४४२: ८३७; पिं० नि० ६१; १४८; २६०; कप्प० २, ७८; ६, २०; पचा० १३, १७; प्रव० १४७७;

पगरण. न० (प्रकरण) પ્રકરણ ગ્રન્થો; સૂત્રમાં કહેલ વિષયને વિસ્તારથી કહેનાર ગ્રંથ प्रकरण ग्रंथ; सूत्रमें कहे हुए विषयका विस्तार पूर्वक कथन करने वाले ग्रंथ. Explanatory books; books which explain the topics dealt with in Sūtras विशे० १११५;

पगरिअ. त्रि० (प्रगलित) કોઢી; શરીરે ગળી ગયેલ. कुष्टी; कोढ़ी; गलित शरीर वाला. A leper. पिं० नि० ५७२;

पगरिस. पुं० (प्रकर्ष) અધિકતા. अधिकता; उत्कर्ष. Excellence; profusion. सु० च० २; ५१६; ४, ८;

पगलंत. व० कृ० त्रि० (प्रगलत्) ઝરતું; ગળતું. गलता हुआ; चूता हुआ; झरता हुआ. Oozing; trickling; flowing out. भग० ६, ३३; नाया० १; ८; नंदी० स्थ० १४; विवा० ७, पराह० १, १; तंदु०

पगलिय. त्रि० (प्रगलित) ઝરી ગયેલ; ગળી ગયેલ. गला हुआ; चूआ हुआ Trickled. पराह० १, ३;

पगाढ. त्रि० (प्रगाढ) तीव्र; કઠણ; तीक्ष्ण. तीव्र; कठोर; तीक्ष्ण; अत्यधिक कड़ा. Sharp; piercing; very hard (२) અત્યન્ત; ઘણું. अत्यंत; अधिक; बहुत; घना. much; plenty. उत्त० ५, १२; सूय० २, २, ६७; भग० ६, ३३; नाया० १९; राय० २८३;

पगाम. त्रि० (प्रकाम) અતિશય; ઘણું. अतिशय; प्रचुर; बहुत. Too much; profuse. उत्त० ३२, १०; पिं० नि० ६४४; नाया० १; **—रसभोइ.** त्रि० (-रसभोजिन्) જુઓ " पकामरसभोइ " શબ્દ. देखो "पकामरसभोइ" शब्द. vide. 'पकामरसभोइ" वव० ८, १५;

पगामसो. अ० (प्रकामशः) બહુવાર; ઘણીવાર. अनेकधा; बहुतबार; कईबार. Many times; often. उत्त० १७, ३;

पगामाए. अ० (प्रकामतस्) અત્યંત; ઘણું. अत्यन्त; बहुत. Too much; excessive. आया० १, ८, २, ५;

पगार. पुं० (प्रकार) પ્રકાર; ભેદ. प्रकार; भेद; जाति Variety; class; difference पंचा० १०, ४५; १६, ३३; नाया० १; भग० २०, २; विशे० ४०३; राय० २०१; **—अंतर** पुं० (-अन्तर) બીજો ઉપાય; બીજો પ્રકાર दूसरा उपाय; दूसरा प्रकार-रीति. another means; another variety. पंचा० ६, २५;

पगास पुं० (प्रकाश) પ્રકાશ, તેજ; ઉદ્યોત. प्रकाश, तेज; उजेला. Light; brightness. जं० प० ७, १६६; कप्प० ३, ३६; ४, ६०; पचा० १५; ३५; अणुजो० १६; १३०; ओव०; भग० २, १; ६, ३२; नाया० १, उवा० २, ६५; ६; (२) ખુલ્લું. खुला. ventilated; open; known. पिं० नि० २१८, (३) સરખું; તુલ્ય; સમાન. समान; तुल्य; सरीखा. similar to; like. भग० १४, ६; राय० २०६; नाया० १; ५; ८; ६; (४) ક્રોધ; ગુસ્સો. क्रोध; गुस्सा; रोष anger. सूय० १, २, २, २१;

पगासणा. स्त्री० (प्रकाशन) પ્રકાશિત કરવું; પ્રગટ કરવું प्रकाशित करना; प्रकट करना;

प्रकट करनेका कार्य. Publishing; publication; revealing; enlightening. सूय० १, १४, १६; उत्त० ३२, २;

पगासमाण व० कृ० त्रि० (प्रकाशयत) પ્રકાશ કરતું प्रकाश करता हुआ Revealing, publishing; enlightening. भग० १५, १;

पगासिया. स्त्री० (प्रकाशिका) પ્રકાશ કરનારી. प्रकाश करने वाली. That which enlightens सम० १०;

पगिज्झिय सं० कृ० अ० (प्रगृह्य) ગ્રહણ કરીને. ग्रहण करके; स्वीकृत्य. Having accepted or received. आया० २, १, ६, ३२; भग० ३, १; ६, ३१; १५, १; ओव० ४०; वेय० ५, २२; विवा० ६; निर० ३, ३,

पगिट्ठ. त्रि० (प्रकृष्ट) મજબૂત; પુષ્ટ; ઉત્તમ. मजबूत, पुष्ट; दृढ, उत्तम Muscular; strong; best. सु० च० २, ६३८; विशे० १८७४; **—फल.** न० (-फल) ઉત્કૃષ્ટ ફલ. उत्तम फल-परिणाम. a good result or end नाया० ८;

√पगिण्ह धा I. (प्र+ग्रह्) લેવુ; પકડવુ; ગ્રહણ કરવુ लेना; पकडना; ग्रहण करना To accept, to catch.

पगिण्हामि. भग० ३, २;

पगिण्हेउं. हे० कृ० सु० च० १, २८३.

पगिण्हित्ता सं० कृ० भग० ३, २.

पगे अ० (प्रगे) પ્રભાતમા, સવારમાં सवेरे; प्रातःकाल; सुबह के समय In the morning. पिं० नि० ४६६.

पग्गह पुं० (प्रग्रह) પકડવુ તે; ગ્રહણ કરવુ पकडने या ग्रहण करने का काय; प्रग्रहण, स्वीकरण. Catching, accepting भग० २, ५; ओव० २० (२) રાસ; દોરડી रस्सी, रास, दोरी a cord, a rope. नाया० ३; उवा० ७, २०६; **—उवग्गहिय.** त्रि० (-उपगृहीत)· રાસ-દોરડાંથી ગ્રહણ કરેલ. रस्सीसे पकडा हुआ; गृहीत. caught by a rope. भग० ६, ३३; नाया० ३;

पग्गहित्त. सं० कृ० अ० (प्रगृह्य) ગ્રહણ કરીને ग्रहण करके; स्वीकृत्य. Having accepted. जं० प०

पग्गहिय. त्रि० (प्रगृहीत) લીધેલું; ગ્રહણ કરેલું. लिया हुआ; ग्रहण किया हुआ. Accepted, taken. भग० २, १; नाया० १; ५; उवा० १, ७२;

पग्गहियतरग. त्रि० (प्रगृहीततरक) અત્યન્ત ગ્રહણ કરેલ विशेष रूप से ग्रहण किया हुआ; स्वीकृततर. Especially accepted. आया० २, ७, ८, ११;

पग्गहिया स्त्री० (प्रगृहीता) પિણ્ડૈષણાના સાત પ્રકારમાંનો છઠ્ઠો પ્રકાર; જે આહાર ગૃહસ્થે પોતાના વાસણમાં ખાવા માટે લીધો છે, તેમાંથી સાધુને વ્હોરાવે તે सात भांति की पिंडैषणा का छठा प्रकार; जिस आहारको गृहस्थने अपने भोजन के पात्र में रख लिया है उस में से साधुको व्होराना-भिक्षामें देना. The 6th variety of the 7 kinds of Piṇḍaiṣaṇā; giving of food to an ascetic, which is placed by a householder in his dish. प्रव० ७४५,

पचंगमण न० (प्रचंक्रमण) ગુંઠણ કે ઢિંચણવડે જમીન ઉપર ઘસડાઇને ચાલવું તે. घुटनों के बल जमीन पर चलना; घुटने टेक कर चलना Moving on the knees. राय० २८८; (२) બાલક જમીન ઉપર ગુંઠણભર ચાલવા શીખે ત્યારે કરવામાં આવે તે સંસ્કાર. जिस समय बालक घुटना टेक कर चलना सीखता है उस समय किया जानेवाला सस्कार-प्रचंक्रमण. a ceremony per-

formed at the time when a child learns to walk on knees. राय० २८८;

पचंडमाण. व० कृ० त्रि० (प्रचण्डयत्) વિસ્તાર કરતું. विस्तार करते हुए; फैलाते हुए. Extending. जीवा० ३, ४;

√प-चर. धा० I. (प्र+चर्) પ્રચાર કરવો. प्रचार करना; फैलाना. To publish; to expand.

पयरइ. नंदी० स्थ० १३;

पयरंति. सु० च० २, ६००;

√प-चल. धा० II (प्र+चल्) ચલાયમાન કરવુ. चलायमान करना, कंपाना; चचल करना. To move; to make un steady; to cause to shake.

पचालेइ-ति प्रे० भ० १५, १; १७, १;

पचालेमाण. व० कृ० भग० ६, ३४; १७,१;

√प-चल धा० I (प्र+चल्) બેઠાં બેઠા નિદ્રા લેવા ઝોકા ખાવા. ऊघना; बैठ २ नींद लेना; नींद के झोंके खाना To drowse.

पयालेज्ज. प्रे० दसा० ७, ८;

पयलाएज्ज वि० जीवा० ३, १; भग० ५, ४;

पयलाइत्तए हे० कृ० वेय० १, १६,

पयलाइया सं० कृ० सूय० २, ३, २५,

पयलायमाण. व० कृ० दसा० ७, १, भग० ५, ४;

पवलिअ. त्रि० (प्रचलित) ચલાયમાન થયેલ कम्पित; चालित; चलायमान या चचल बना हुआ. Made unsteady or caused to tremble. जं० प० ५, ११५; कप्प० २, १४;

पच्चअ. त्रि० (प्रत्यय) જ્ઞાન. ज्ञान. Knowledge. (२) નિમિત્ત. निमित्त. reason. विशे० १७५; (३) पुं० વિશ્વાસ, ભરૂસો. विश्वास; भरोसा. faith; belief नाया० १;

पच्चइअ. वि० (प्रत्ययिक) પ્રત્યય-ઇન્દ્રિય અને અનિન્દ્રિય રૂપ નિમિત્તથી ઉપજતું. प्रत्यय-इंद्रिय तथा अनिन्द्रिय रूप निमित्त से उत्पन्न होने वाला. Produced by means of the senses or otherwise. ठा० ३, ३; (२) ખાત્રીદાર; વિશ્વાસનેપાત્ર. भरोसे का; विश्वासपात्र trustworthy. राय० २५३;

पच्चंग. न० (प्रत्यङ्ग) અવયવના નેત્ર, નખ વગેરે ઉપાંગ. शरीर के अवयवों के उपाग यथा नेत्र, नख आदि. Minor organs of the body e. g the eyes, nails etc. "अंगपच्चंगसंठाणं चारुल्लवियपेहियं" दस० ८, ५८; उत्त० १६, ४२८;

पच्चंत. पुं० (प्रत्यन्त) પાસે, નજીક. पासमें निकट; समीप. Near; in the vicinity of. पि० नि० १६६; (२) त्रि० અત્યન્ત નીચ; અન્ત્યજ. अत्यज; अत्यन्त नीच. an untouchable. आया० २, ४, २, १७०;

पच्चंतिग. त्रि० (प्रात्यन्तिक) સીમાડે આવેલ, પ્રાંત ભાગમાં રહેલ. सीमापर आया हुआ; प्रांत भाग में रहता हुआ; प्रांतवासी. Brimful, (one) who has come to the boundry. आया० २, ३, १, ११५;

पच्चंतिय. पुं० (प्रात्यन्तिक) પર્વતની સમીપનો પ્રદેશ. पर्वत के पासका प्रदेश; पर्वत प्रान्तीय प्रदेश. A land near a mountain. निसी० १६, २६,

पच्चक्ख. त्रि० (प्रत्यक्ष-प्रतिगतमक्षियत्र-अक्षिविषयं वा) આત્માને ઇન્દ્રિયોની મદદ વિના પદાર્થના સાક્ષાત્ યોગથી થતુ જ્ઞાન-તેના બે પ્રકાર ઇન્દ્રિયપ્રત્યક્ષ અને નોઇન્દ્રિય-પ્રત્યક્ષ, સાંવ્યવહારિક પ્રત્યક્ષ તે ઇંદ્રિયપ્રત્યક્ષ

અને અવધિમનઃપર્યવ તથા કેવલજ્ઞાન તે નોઇન્દ્રિયપ્રત્યક્ષ आत्मा को इन्द्रियों की सहायता के बिना पदार्थों के प्रत्यक्ष योग से होने वाले ज्ञान के दो प्रकार १ इन्द्रियप्रत्यक्ष २ नो-इन्द्रियप्रत्यक्ष, साव्यवहारिक प्रत्यक्ष अर्थात् इन्द्रियप्रत्यक्ष और अवधिमनःपर्यव एव केवल ज्ञान अर्थात् नो-इन्द्रियप्रत्यक्ष. The two varieties of perceptual knowledge produced without the aid of the senses to the soul, by the direct perception of objects viz Indriya Pratyaksa and No-Indriya Pratyaksa. अणुजो० १४६; सम० १०; भग० ५, ४, ६, ३३; १४, १; नाया० ४, ८; १२, विशे० ८८, ठा० २, १; ४, ३, सु० च० २, ४७५, दस० ५, २, २८, पगह० १, ३; वव० ७, ४, भत्त० १५६, पचा० १४, ४२; प्रव० ६०३; नदी० २; —**उवयार** पु० (-उपचार) પ્રત્યક્ષનો ઉપચાર. प्रत्यक्ष का उपचार. the procedure or formality of perceptual knowledge. विशे० ४७१, —**दिट्ठ** पुं० (-दृष्ट) પ્રત્યક્ષ દૃષ્ટ-જોયેલ प्रत्यक्ष देखा हुआ-दृष्ट. seen directly. प्रव० ६२६, —**वयण** न० (-वचन) પ્રત્યક્ષ વચન, દ્રષ્ટિગોચર-સન્મુખ રહેલું જેમકે આ દેવદત્ત છે. प्रत्यक्ष वचन, दृष्टिगोचर-सामने स्थित, यथा-यह देवदत्त है. words related to an object present before the speaker e. g "this is Devadatta" आया० २, ४, १, १३२;

पच्चक्खओ. अ० (प्रत्यक्षतम्) સાક્ષાત્. પ્રત્યક્ષ. साक्षात्; प्रत्यक्ष. Directly visible, immediate. दस० ९, ३, ९;

पच्चक्खं. अ० (प्रत्यक्षम्) રૂબરૂ; નજર આગલ. समक्ष, नजर के सामने, रूबरू. Infront, personally पिं०नि० ४६१;

पच्चक्खाएयव्व त्रि० (प्रत्याख्यातव्य) પચ્ચખાણ કરવા યોગ્ય; તજવા યોગ્ય पच्चखाण करने योग्य; त्याग करने या छोडने योग्य. Fit to be abandoned or renounced नाया० ८,

पच्चक्खाण न० (प्रत्याख्यान) શ્રાવકનું દશમું વ્રત श्रावक का दसवा व्रत; The 10th vow of a layman. (२) પાપના ત્યાગની પ્રતિજ્ઞા, સાવદ્ય યોગની નિવૃત્તિ पाप के त्याग की प्रतिज्ञा-संकल्प, सावद्ययोग की निवृत्ति the vow of abandoning sins उत्त० २६, २६, २६, २; भग० १, ८, २, ५, ६, ४; ७, २, ८, ८; १७, ३, २५, ६, दसा० ६, २; पन्न० २०, नाया० ५; ८, राय० २२६, नदी० ४३; विशे० १२६४; ३५०१, प्रव० २, भत्त० १५८; क० गं० १, १७, पंचा० १, ४२,४३; ४, १; उवा० १, ६६; (३) આવશ્યકના છઠા અધ્યયનનું નામ. आवश्यक के छठे अध्ययन का नाम. name of the 6th chapter of Āvasyaka अणुजो० ५६; (४) પ્રત્યાખ્યાન સબંધી હકીકત, વાલો નવમો પૂર્વ-શાસ્ત્ર. प्रत्याख्यान विषयक वर्णन वाला नवा पूर्व-शास्त्र the 9th Pūrva (scripture) dealing with renouncement. सम० १४; —**अपच्चक्खाणि** त्रि० (-अप्रत्याख्यानिन्) દેશવિરતિ શ્રાવક; જેને અમુક વસ્તુનું પ્રત્યાખ્યાન-નિયમ છે અને અમુક નિયમ નથી તે; કંઇક નિવૃત્તિ અને કંઇક અનિવૃત્તિ જેને છે તે. देश विरति श्रावक, वह जिसे अमुक वस्तु का प्रत्याख्यान नियम है और अमुक का नहीं, वह जिसे कहीं निवृत्ति और कहीं अनिवृत्ति है.

a layman with partial vows; one who has abandoned a particular thing; one who is partially free. भग०·६, ४; —कुसल. त्रि० (-कुशल) પચ્ચક્ખાણ કરવામાં કુશલ. प्रत्याख्यान-पच्चक्खाण करने में कुशल-दक्ष. adept in renouncing or abandoning. प्रव० १३४२;

पच्चक्खाणकिरिया. स्त्री० (प्रत्याख्यानक्रिया) સૂયગડાંગ સૂત્રના બીજા શ્રુતસ્કંધના ચોથા અધ્યયનનું નામ કે જેમાં સંયતિપણું-વિરતિપણું અને કર્મના પચ્ચખાણ કેવી રીતે પ્રાપ્ત થાય છે તે વિષે શિષ્ય ગુરૂનો સંવાદ છે. सूयगडांग सूत्र के दूसरे श्रुतस्कंध के चौथे अध्ययन का नाम जिसमें संयति-विरतिपन तथा पापकर्म के प्रत्याख्यान क्योंकर प्राप्त होते हैं इस विषय मे गुरु शिष्य का संवाद है. Name of the 4th chapter of the 2nd Śrutaskandha of Sūyagadānga Sūtra which contains a conversation between a preceptor and a disciple on the cause of the occurrence of self restraint, freedom, and abandoning of sins. सूय० २४, ११, सम० २३;

पच्चक्खाणग न० (प्रत्याख्यानक) બાળકની રક્ષા માટે રાખવામાં આવતી બાધા. बालक के रक्षणार्थ रखी जाने वाली बाधा. A privilege or option for the protection of a child. राय० २८८;

पच्चक्खाणप्पवाय. पुं० (प्रत्याख्यानप्रवाद) પ્રત્યાખ્યાનના અધિકારવાળો ૧૪ પૂર્વમાંનો નવમો પૂર્વ. प्रत्याख्यान के अधिकार मे युक्त १४ पूर्वो में से नवा पूर्व. The 9th Pūrva of the 14 which deals with the topic of Pratyākhyāna. नंदी० ५६;

पच्चक्खाणावरण. न० (प्रत्याख्यानावरण) જે અસર વધારેમાં વધારે ચાર મહિના સુધી રહે છે અને જે સર્વ વિરતિપણું પ્રાપ્ત થવા દે નહિ તે કષાય; કષાયના ચાર પ્રકારમાંનો ત્રીજો પ્રકાર. वह कषाय जिसका प्रभाव अधिक से अधिक ४ मास तक रहता है और जो सर्व विरति प्राप्त नहीं होने देता, चार प्रकार के कषायों में से तीसरा. The 3rd of the 4 passions whose influence lasts with a force for four months and allows not to adopt the full vows. विशे० १२३६; ठा० ४, १; पन्न० १४;

पच्चक्खाणि. त्रि० (प्रत्याख्यानिन्) ત્યાગી; પચ્ચક્ખાણ કરનાર. त्यागी; पच्चक्खाण करने वाला. One who renounces or abandons. भग० ६, ४; ७, २; पिं० नि० भा० २२;

पच्चक्खाणी. स्त्री० (प्रत्याक्ख्यानी) યાચકને ના ન કહેનારી ભાષા. याचक को मना-निषेध-नहीं कहने वाली भाषा. A speech of not negating the request of a mendicant. पन्न०११; भग० १०, ३; प्रव० ६०१;

पच्चक्खाय. न० (प्रत्याख्यात) નિયમ લીધેલું; પ્રતિજ્ઞા કરેલી; ત્યાગ કરેલું. प्रतिज्ञा किया हुआ; नियम बद्ध; त्याग किया हुआ. One who has taken a vow of abandonment. दस० ४; भग० ७, १६; १७, २; नाया० १; १२; १३; पन्न० ११; भत्त० ५१;

पच्चक्खि. पुं० (प्रत्यक्षिन्) પ્રત્યક્ષ કેવલ જ્ઞાનને ધરનાર; કેવલી. प्रत्यक्ष केवल ज्ञान को धारण करने वाला, केवली. One who

possesses omniscience. प्रव०८६३;

पञ्चच्छिम. पुं० (पश्चिम) પશ્ચિમ દિશા પશ્ચિમ દિશા The western direction. भग० ६, ५; —**उत्तरा** स्त्री० (-त्तउरा—पश्चिमस्या उतरस्या अन्तराले मध्ये या दिक् सा) વાયવ્ય ખુણો. પશ્ચિમ અને ઉત્તરની વચ્ચેની દિશા-ખુણો. वायव्य कोण; पश्चिम तथा उत्तर के बीच की विदिशा कोण north-west direction. भग० १०. १; —**दिसा.** स्त्री० (-दिशा) પશ્ચિમ (આથમણી) દિશા पश्चिम दिशा; सूर्य के अस्त होने की दिशा. the west. निर० ३, ३,

पच्चच्छिमा स्त्री० (पश्चिमा) પશ્ચિમ દિશા. पश्चिम दिशा. The west. भग० ३, ७; ५, १, ४, ६, ३३; १०, १; १२, ६;

पच्चच्छिमिल्ल. न० (पाश्चात्य) પશ્ચિમ દિશા સંબંધી; પશ્ચિમનું पश्चिम दिशा के सम्बन्ध का· पश्चिमी, पाश्चात्य. Western; occidental भग० १६, ८; ३४, १;

पच्चणुब्भवमाण व० कृ० त्रि० (प्रत्यनुभवत्) અનુભવ-ભોગવટો કરતુ. अनुभव प्राप्त करता हुआ: भोगता हुआ. Experiencing. जं० प० १, ६, उवा० १. ६; ओव० ठा० २, ३. भग० ३; १; ७, ८; ६, ३३, १२, ६, १५, १; १९, ३, नाया० १, २; ३; १२; १७; निर० १, १; दसा० ६, १; पन्न० २; राय० २४७;

पच्चत्थाभिमुह. त्रि० (पश्चात्याभिमुख) પશ્ચિમ દિશાની સન્મુખ. पश्चिम दिशा के सामने. In front of the western direction. भग० ११, १०;

पच्चत्थिग पुं० (प्रत्यर्थिक-प्रत्यर्थयने वैरायिति) પ્રતિપક્ષી; દુશ્મન. प्रतिपक्षी; विपक्षी. शत्रु; विरोधी An enemy of the opposite party पिं० नि० ४४७;

पच्चत्थिम. पुं० (पश्चिम) પશ્ચિમ વિભાગ. पश्चिम विभाग. Western region. उवा० १, ७४; ८, २५३; नाया० ८; १९; जीवा० ३, १, वेय० १, ४९; जं० प० ५, ११४, ३, ४८; ४, १०४; पन्न० ३;

पच्चत्थिमा. स्त्री० (पश्चिमा) પશ્ચિમ દિશા. पश्चिम दिशा. The west. आया० १, १, १, २;

पच्चत्थिमिल्ल. त्रि० (पाश्चिमात्य) પશ્ચિમ દિશા તરફનું; પશ્ચિમનું. पश्चिमीय; पाश्चिमात्य, पश्चिम ओर का. Western; occidental. पन्न० १६; भग० ३४, १; नाया० ६; जं० प० —**वणसंड.** पुं० (-वनखण्ड) પશ્ચિમદિશાનુ વન. पश्चिम दिशा का वन, पश्चिमी वन. western forest. नाया० १३;

पच्चत्थुय. त्रि० (प्रत्यास्तृत) બિછાવેલુ, बिछाया हुआ; Spread. (२) ઢાંકેલું. ढंका हुआ. covered. नाया० १;

पच्चप्पण. न० (प्रत्यर्पण) સમર્પણ; પાછુ સોંપી દેવુ તે समर्पण; वापिस लौटाना. Giving back; returning; (२) નિવેદન કરવું-જણાવવું તે. निवेदन. informing; making known. विशे० ३०४६, ३५७१;

पच्चमाण. व० कृ० त्रि० (पच्यमान) વિપાક; પાકવાની-અવસ્થાને પ્રાપ્ત થતું. विपाक, पकनेव ला, परिपक्व अवस्था को प्राप्त होता हुआ. Ripening; maturing उत्त० ६, ६; ३२,२०;

पच्चय. पुं० (प्रत्यय) વિશ્વાસ; ભરૂસો. विश्वास भरोसा; प्रतीति. Confidence; trust. उत्त० २३, ३२: पण्ह० १, २; भग० १, ६; क० प० ४, ४३; (२) હેતુ· કારણ; નિમિત્ત हेतु; कारण; निमित्त;

प्रयोजन cause; reason; ocassion. पिं० नि० १७३; भग० २, ३; ३, ३; उत्त० ३२, १०५; (३) વિભક્તિ વગેરેના પ્રત્યય. विभक्ति आदि के प्रत्यय. a termination; an affix. विशे० २३; —करण न० (-करण) વિશ્વાસ ઉપજાવવો. विश्वास उत्पन्न करना creating confidence. नाया० १४;

पच्चवत्थाण. न० (प्रत्यवस्थान) શંકાનું સમાધાન કરવું તે. शंका समाधान; शंका समाधान करने का कार्य. Clearing of a doubt. विशे० १००७.

पच्चवाय. पुं० (प्रत्यवाय) દોષ; ગેર લાભ. दोष, अनुचित लाभ. A blemish; a fault; improper benefit. आया० २, १, ३, १५, पंचा० ७, ३६; (२) विघ्न; અન્તરાય. विघ्न; रुकावट, अन्तराय obstruction; hinderence पचा० ३, ४३; उत्त० १०३; पिं० नि० ५७७,

पच्चवाय पुं० (प्रत्युपाय) ઉપાય, ઇલાજ. उपाय; इलाज, तदबीर Remedy; means. कप्प० ९,०६.

पच्चवेक्खमाण. व० कृ० त्रि० (प्रत्यवेक्षमाण) પાછુ જોતુ; અપેક્ષા રાખતુ. पीछे की ओर देखता हुआ; अपेक्षा रखता हुआ Looking back; expecting भग० ११, ६;

पच्चा अ० (प्रेत्य) મરીને; પરભવમાં. परलोक में, परत्र; मृत्यु के अनन्तर Having died; after death. दसा० ६,१२;

पच्चा. स्त्री० (प्रत्या) લોકપાલ તથા ચન્દ્ર સૂર્યની બાહ્ય પરિષદા— ભા लोकपाल तथा चन्द्र सूर्य की बाह्य परिषद्-सभा The external assembly of Lokapāla and the sun and moon. ठा० ३, २;

पच्चाइक्खमाण. व० कृ० त्रि० (प्रत्याचक्षमाण) જવાબ આપતું; ઉત્તર આપતું. उत्तर देता हुआ; जवाब देता हुआ Replying; answering. भग० ८, ५;

पच्चाउट्टणया. न० (प्रत्यावर्तन) પાછું ફરવું; આવર્તન કરવું. पीछे लौटना; आवर्तन-पुनरावृत्ति करना. Returning; revising नंदी० ३२;

पच्चागई. स्त्री० (प्रत्यागति) ગોચરીની નવ વીથીમાંની બીજી વીથિ; જતાં એક પંક્તિમા ભિક્ષા લઇ વળતાં ઘરોની બીજી પંક્તિમા ભિક્ષા લે તે. गोचरी की नौ वीथियों में से दूसरी वीथि. जाते हुए एक पंक्ति-पट्टी में भिक्षा ग्रहण कर लौटते समय घरों की दूसरी पंक्ति से भिक्षा ग्रहण करना The 2nd Vithī of the 9 of Gochari; accepting alms from another street while returning, the one previously passed through. प्रव० ७५२;

पच्चागय. त्रि० (प्रत्यागत) પાછું આવેલું लौटा हुआ; पीछा आया हुआ. Come back; returned सु० च० १, २६०;

पच्चाजाय. त्रि० (प्रत्याजात) ઉત્પન્નથયેલ; જન્મેલ उत्पन्न; जन्मा हुआ Born; produced. भग० ७, ९;

***पच्चापिच्चिअ.** न० (*) પલ્વજ નામના ઘાસને કુટીને બનાવેલું રજોહરણ पल्वज नामक घास को कूटकर बनाया हुआ रजोहरण. A Rajoharaṇa (a ort of brush) made from pounding grass called Palvaja. ठा० ५, ३;

पच्चामित्त पुं० (प्रत्यमित्र) પડોશનો દુશ્મન; સીમાડાનો પ્રતિપક્ષી. पड़ोस का दुश्मन; सीमाप्रांत का प्रतिपक्षी; पार्श्व-शत्रु. A neighbouring enemy; an enemy on the border land. ओव० (२) પ્રથમ મિત્ર થઇ પછી દુશ્મન થયેલ હોય તે. पहिले मित्र रहकर फिर दुश्मन बना

हुआ a friend turned into an enemy. जं० प० नाया० २, जीवा० ३, ३;

पच्चामित्तत्ता स्त्री० (प्रत्यमित्रता) દુશ્મનપણું. शत्रुता; दुश्मनाई Enmity, hostility. भग० १२, ७;

पच्चायग त्रि० (प्रत्यायक) જણાવનાર बतलाने वाला; ज्ञान कराने वाला. (One) who shows or makes known. विशे० १७१.

पच्चायाअ-य. त्रि० (प्रत्याजात) જન્મ પામેલ, અવતરેલ जन्मप्राप्त; अवतरित; उद्भूत Born; descended; produced (२) પુનર્જન્મ. पुनर्जन्म re-birth जं० प० भग० ७, ८, ११, ११, १५, १; नाया० १, ८. १६, १६.

पच्चावट्ट पुं० (प्रत्यावर्त्त) આવર્તનની સામે આવર્તન, ચક્ર સ્હામે ચક્ર. आवर्तन के सन्मुख आवर्तन, प्रत्यावर्तन; प्रतिचक्र-एक चक्र के सम्मुख दूसरा चक्र An Āvartana in front of another Āvartana (a form of salutation), a circle in front of another जं० प०

पच्चावड्ड पु० (प्रत्यावर्त्त) જુઓ "पच्चावट्ट" શબ્દ. देखो "पच्चावट्ट" शब्द Vide "पच्चावट्ट" राय० ४९; जीवा० ३,

पच्चासन्नत्त. न० (प्रत्यासन्नत्व) સમીપપણું समीपता; निकटता; आसन्नत्व Vicinity, nearness विशे० २६२;

पच्चासि त्रि० (प्रत्याशिन्) બીજી વાર ખાનાર. दूसरी वार खाने वाला (One) who eats a second time. आया० १. ३, ५, ६८,

पच्चुत्तर. पुं० (प्रत्युत्तर) ઉત્તર, જવાબ उत्तर, जवाब. A reply, answer. सु० च० १, २७६;

पच्चुत्थय. त्रि० (प्रत्यवस्तृत) વસ્ત્રથી ઢાંકેલું; બિછાવેલું वस्त्र से ढका हुआ; बिछाया हुआ. Covered by a cloth. strewn. भग० ११, ११; नाया० १७,

पच्चुत्थुय. त्रि० (प्रत्यावस्तृत) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो ऊपरका शब्द. Vide above. जीवा० ३, ४,

पच्चुप्पराग त्रि० (प्रत्युत्पन्न) વર્તમાન કાલનુ; ચાલતા સમયનુ वर्तमानकालिक, प्रचलितकाल का Current, of modern times. अणुजो० ४२, उत्त० ७, ८, नाया० ८; भग० २, १; दस० ७, ८; कप्प० २, २०; जं० प० ५,११५; ११२, (२) ઋજુસૂત્ર નામનો નય ऋजुसूत्र नामक नय. an ethical work named Ṛju Sūtra. विशे० ३१६१;

पच्चुरस. न० (प्रत्युरस) છાતિ સ્હામે-સન્મુખ. वक्षस्थल-छाति के सन्मुख-सामने. In front of the chest, in front पिं० नि० २३३;

पच्चूस न० (प्रत्यूष) પ્રાતઃકાલ; પરોઢીઉ. प्रातःकाल, सवेरा, भोर Dawn; morning. भग० ११,११; नाया०१; ठा० ४, २; सु० च० ७, ८७; जीवा० ३, ४,—**काल-समय** पुं० (-काल-समय) પ્રભાતનો અવસર प्रभात समय, सवेरे का अवसर morning time. कप्प० ४, ५७,

पच्चोअ (य) ड न० (प्रत्यवतट) નદીના કાંઠા પાસેની ભેખડ. नदी तीर के समीप की जमीन. The earth near the bank of a river. जीवा० ३, ४; जं० प० राय० १३३, (२) ઢાંકેલ ढंका हुआ. covered राय० १२०;

पच्चोणियत्त. त्रि० (प्रत्यवनिवृत्त) ઉંચે જઈ પાછું નીચે પડતું ऊंचा चढकर फिर नीचे गिरता हुआ Falling below after

ascending a height. ओव० २१;

पच्चोणि. न० (*) સન્મુખ આગમન; સામૈયું કરવું તે. स्वागत करना; अगवानी के लिए सामने जाना. Welcoming; coming out to greet. सु०च०१०६, १८५; पिं० नि० भा० ४२;

पच्छत्र. पुं० (प्रच्छद) પછેડી; ઓછાડ. पछेवड; ढांकने का वस्त्र A covering garment. पराह० २ ४;

पच्छणा. स्त्री० (प्रतक्षण) થોડી થોડી ચામડી તાછવી-છેદવી તે. थोड़ा थोड़ा चमड़ा काट २ कर छेदन करना. Piercing after cutting the skin little by little. 'तच्छयाहि य पच्छणाहि य सिरावेहेहि य' नाया० १३, पराह० २, ४;

पच्छरण. त्रि० (प्रच्छन्न) ગુપ્ત; છાનું. गुप्त; छिपा हुआ; प्रच्छन्न Hidden; secret. नाया० ४; भग० १५, १; विवा०१;—पडिसेवि. त्रि० (-प्रतिसेविन्) છાની રીતે પાપકર્મ સેવનાર. गुप्त रातिमे पापकर्म करने वाला. a secret sinner ठा०४,१;

पच्छद्ध. त्रि० (पश्चादर्ध-उत्तरार्ध) ઉત્તરાર્ધ; પાછલો અર્ધભાગ. उत्तरार्ध; पीछेका आधा भाग-खंड The latter half. विशे० १०६८;

पच्छन्न. त्रि० (प्रछन्न) ગુપ્ત; નજરે ન દેખાય એવું. गुप्त; आंखों से ओझल; अदृष्ट Hidden; invisible. आव० ६, २; आया० १, ६, १, १७२ सम० ३४; सूय० १, १४, २६; सु० च० ४, १६७; —काल. पुं० (-काल) પ્રચ્છન્ન કાલ; વાદળા વગેરેથી ઢંકાએલ દિવસ प्रच्छन्न काल; बादल आदि से घिरा हुआ दिन. a cloudy day. आव० ६, २;

पच्छय. पुं० (प्रच्छद) જુઓ " पच्छद " શબ્દ देखो " पच्छद " शब्द Vide. " पच्छद " ओव० ३०; पराह० २, ४;

पच्छा. अ० (पश्चात्) પછી; પાછળથી. फिर; पीछेसे. After; later. ठा० ३, १. सम० ८; अणुजो० १६; सूय० १, १, ३, १२; उत्त० २, ४१; १०, ३३; ओव० ४२; भग० १, ६; २, १; ३, १३; ७, ६; १७, ६; १९, ३; नाया० १; ५; ६; ८; १४; १८; दस० ४, २८; ५. १, ६१; ६, २, १; पिं० नि० भा० ३३; पिं० नि० १८७; विशे० निर० ३, ३; ८; पन्न० १७; राय० ७७; दसा० ३, ११; विवा० १. वव० १, १६;२, २५; वेय० ५, ६; गच्छा० १३; कप्प० ६, ३३; भत्त० ४६; क० प० २, ६६; ४, ४१; पंचा० ५, ३८; उवा० ७,१६७; प्रव० १३२; —अणुताव. पुं० (-अनुताप) પસ્તાવો; પશ્ચાતાપ, पश्चात्ताप; पछतावा; अनुताप. repentance; penitence उत्त० २६, ६, राय० २७३; —आउत्त. त्रि० (-आयुक्त) સાધુ વ્હોરવા આવ્યા પછી ચૂલા ઉપરથી હેઠે ઉતારેલ હોય તે साधु के भिक्षा मागने के आने के बाद चूल्हे पर से नीचे उतारा हुआ (कुछ भी पदार्थ) anything taken down from an oven after the arrival of an ascetic to beg food. दसा० ६, २; वव० ६, ४; पचा० १०, ३७; —उववन्नग. त्रि० (-उपपन्नक) પાછળથી ઉત્પન્ન થએલ पीछे मे उत्पन्न; बाद में जन्म लेने वाला born or produced after. भग० १, २; —कड. त्रि० (-कृत) નિરાકરણ કરેલું; निराकरण-खुलासा किया हुआ explained or set aside. पराह० १, २; (२) સાધુનો વેષ ઉતારી ગૃહસ્થ બન્યો હોય તે. साधुका वेष त्यागकर गृहस्थ बना हुआ. (one) who has become a householder after removing

the garb of an ascetic. पिं० नि० ८१; वव० १, ३७; (३) પસાર થયેલ. અતીત થયેલ. बीत चुका हुआ. past. भग० १, ·२; ५, १, सू० प० १०; —कम्म. न० (-कर्मन्) સાધુ સાધ્વીને આહાર વ્હોરાવી તે નિમિત્તે સચેત પાણીથી વાસણ વગેરે ધોવે તે પશ્ચાત્કર્મ દોષ, આહાર સંબંધી એક દોષ. साधु साध्वी को आहार-व्होरा कर तदर्थ सचेत जल से बर्तन वगैरह धोने के कारण लगने वाला पश्चात्कर्म दोष; आहार सम्बन्धी एक दोष. a sin due to washing of utensils etc. with water full of living beings; having given food to a monk or a nun; a fault connected with food आया० ४, ५; दस० ५, १, ३५; ६, ५२; पगह० २, ५; —गय. त्रि० (-पश्चाद्गत) પાછળ ગયેલું. पीछे गया हुआ; फिरा हुआ: लौटा हुआ gone afterwards, returned. नाया० २; —गुपुव्वी. स्त्री० (-अनुपूर्वी) પાછલથી-છેલ્લેથી અનુક્રમ ગણવો તે. पीछे या अन्तिम भाग से क्रम पूर्वक गिनना. counting consecutively from below. क० गं० ४, ४६; —वाय पुं० (-वात) પશ્ચિમનો અનુકૂલ વાયુ. पश्चिम दिशा की अनुकूल वायु. a favourable western wind. " जयाणं सामुद्दगा ईसिं पुरेवाया पच्छावाया मंदावाया महावाया " नाया० ११; —संथव पु० (-सस्तव) પાછળથી પરિચિત થયેલના ગુણોનો સંસ્તવન-કીર્તન-કરવું તે पीछे से परिचित के गुणों का कीर्तन. praising the merits of people acquainted afterwards प्रव० ५७५, निसी० २, ३८; —संथुय. त्रि० (-संस्तुत) પાછલથી પરિચિત થયેલ; સ્ત્રી, સાસુ, સસરા વગેરે पीछे से-बाद में पहिचाने हुए, स्त्री, सास, ससुर आदि. acquainted afterwards e. g. a wife, a mother or father-in-law. आया० २, १, १०, ५६; भग० १७, ६; निसी० २, ३४;

पच्छाइय. त्रि० (प्रच्छादित) ઢાંકેલુ. ढंका हुआ Covered सु० च० १, ४४,

पच्छाग. पु० (प्रच्छादक-प्रच्छाद्यतेऽनेनेति) પછેડી-બદન ઉપર ઓઢવાનુ વસ્ત્ર, સાધુના ચૌદ ઉપકરણમાનુ એક. पछेवड; शरीर पर ओढने का वस्त्र; साधु के चौदह उपकरणों में से एक. An upper covering garment, one of the fourteen possessions of an ascetic. प्रव० ४६६; ओघ० नि० ६६६;

पच्छाग. त्रि० (पश्चात्क) પાછલું. पिछला. Last ओघ० नि० ७२५,

पच्छाताव पु० (पश्चात्ताप) પશ્તાવો. પશ્ચાત્તાપ पश्चात्ताप Remorse; repentance पचा० ११; ४८;

पच्छादण. न० (प्रच्छादन) ઢાંકવુ તે. प्रच्छादन, ढांकना Covering up भग० १५, १;

पच्छापुर. अ० (पश्चात्पुरस्) આગળ પાછળ. आगे पीछे To and fro; backwards and forward. सु० च० २, २०;

पच्छायण. न० (प्रच्छादन) છત ઉપરનુ એક આચ્છાદનનું પટ. छत को ढाकने का एक वस्त्र; छत. A cloth to cover an open roof. प्रव० ५४५; राय० १०८;

पच्छायणा-णी. (प्रच्छादना-नी) ચાદર; પછેડી. चादर; पछेवड. An upper garment, a covering cloth. भग० १४, २; ओघ० नि० भा० ३१६;

पच्छायइत्ता. सं० कृ० अ० (प्रच्छाद्य)

ढांकीने; छुपावीने. ढंक कर; छिपा कर. Having covered or concealed. उत्त० १२, ८,

पच्छायाव. पुं० (पश्चात्ताप) पश्चात्ताप; पस्तावो. पश्चात्ताप; पछतावा Penitence; remorse. सु० च० १२,६६; भत्त०१६;

पच्छावि. अ० (पश्चादपि) पछीपण; पाछळथी पण फिर से भी; पीछे से भी. Even later or afterwards. भग० ३, २०

पच्छित्त. न० (प्रायश्चित्त) जेथी पापनो नाश थाय तेवुं तप. वह तप जिसमें पाप प्रक्षालन हो. An expiatory austerity ओघ० नि० भा० १७४; प्रव० ७४१; गच्छा० ३७; ७४, पंचा० १६,३१; **—करण** न० (-करण) करेला दोषने धोवा माटे सुकृत करवु ते. प्रायश्चित्त लेवु ते किये हुए दोष को मिटाने के लिये पुण्य कर्मों का करना; प्रायश्चित्त ग्रहण करना expiation to wipe away the sins committed. सम० ३२;

पच्छिम. त्रि० (पश्चिम) पाछलुं; पाछलनु. पिछला; बादका. Latter, last अणुजो० ४६; भग० १, ३; ७, १; २४, २२; २३; निसी० १२, ३६; १९, ६; प्रव० ६५४; कप्प० ६, १७४; क० प० ५, ३२; उवा० २, ११०; **—काल.** पुं० (-काल) पाछलो वखत; संलेखणानो समय, अन्तकाल पिछला समय; संलेखणा का समय, अंतकाल. the last or ending time, last time of conferring sins. ओघ० नि० ५१८; **—जाम** पुं० (-याम) छेल्लो पहोर. पाछलो पहोर अन्तिम प्रहर; पिछला प्रहर. the last quarter of a day or night ठा० ३, २; **—संलेहणा.** स्त्री० (-संलेखना) छेल्ले वखतनी संलेखना; अंतवखते कषायादि टाळवा ते. अन्तिम समय की संलेखना; अन्तिम समय में कषायादि का दूरीकरण. abandoning or setting aside of passions etc. at the last time. आउ० ६;

पच्छिमओ. अ० (पश्चिमतस्) पाछल; पाछलथी, पीछे से; पीछे, बाद में. Afterwards; later प्रव० ७५;

पच्छिमग. त्रि० (पश्चिमक) जुओ 'पच्छिम' शब्द देखो "पच्छिम" शब्द Vide "पच्छिम" पन्न०; १७, भग० ९, ३२; २०, ८; २४, १२;

पच्छिया. स्त्री० (*) वांसनी छाबडी; चंगेरी. बांसकी छबड़ा. A bamboo basket. अनु० ६, ३;

पच्छिल्लय त्रि० (पाश्चात्य) पाछलनुं पश्चिम तरफ का; पीछे का Latter; occidental भग० १३,६; २०,१०; २४, १२, २०;

√ **प-च्छोल.** धा० II. (प्र + चाल्) थपेटा मारवा; धोवुं चपेट लगाना, धोना To slap, to wash.

पच्छोलेइ. भग० ३, २,

पच्छोलन्ति जं० प० ५, १२१;

पच्छोलेइत्ता. सं० कृ० भग० ३, २;

पच्छोलेत. व० कृ० निसी० १, ७;

पजंपमाण व० कृ० त्रि० (प्रजल्पत्) बोलतुं; बबडाट करतुं. बकबक करता हुआ; बड़बड़ाता हुआ; जलपता हुआ. Murmuring; grumbling; prattling. राय० २८८,

पजंपावण. न० (प्रजल्पकारण) बालक बोलता शीखे ते वखते संस्कार करवामां आवे ते. बालक के बोलना सीखने के समय किया जाने वाला संस्कार. A ceremony performed at the time when a

child learns to speak. भग० ११, ११;

पजंपिय. न० (प्रजल्पित) બોલવું તે, ભાષણ. भाषण, बोलना, कथन. Anything spoken; speech श्रंत० ३, ८;

पजण. त्रि० (प्रजन-प्रजायते इति) ઉત્પન્ન કરનાર. उत्पन्न करने वाला. Producer; creator "ब्रह्ममपजणे" राय० २०७;

पजणण. न० (प्रजनन-प्रजायतेऽनेन इति) પુરૂષ ચિન્હ; જનનેન્દ્રિય पुरुष चिन्ह; जननेन्द्रिय. The male genital organ; penis, urethra. श्रोघ० नि० ७२२;

√**प-जहा.** धा० I (प्र+हा) તજવું; છોડવું त्यागना, छोड़ना; तजना. To abandon, to release.

पयहिज्ज वि० सूय० १, २, २, ११;
पयहिऊण. सं० कृ० श्रणुजो० १३०;
पयहिय सं० कृ० गच्छा० २४,
पयहाए कृ० वा० उत्त० ३२, १०५;

√**प-जा** धा० I (प्र+जन्) પ્રસૂતિ થવી; જન્મવું. प्रसूति होना; पैदा होना. To deliver; to give brith to.

पयामि. विवा० ७;
पयाहिति. श्रोव० ४० भग० १५, १;
पयाहिमि. भग० ११, ११; नाया० १;
पयायामि कृ० व० नाया० २, १४;
पयाएज्जासि कृ० वा० श्रा० नाया० २;

√**प्रजा** धा० I (प्र+जन्+जा) પ્રસવવું; प्रसव होना, जन्म लेना. To be born:; to be delivered.

पजामि. विवा० ७;
पजाएस्सामि विवा० ६;

पजीवण न० (प्रजीवन) પ્રકૃષ્ટ જીવિકા; સારી રીતે જીવન-નિર્વાહ-થાય તેટલું દ્રવ્ય. प्रकृष्ट जीविका; उत्तमतया जीवन निर्वाह के लिये पर्याप्त द्रव्य A good livelihood, sufficient materials for the upkeep of the body. पिं० नि० ४७८,

पजुत. पुं० (प्रयुत) ८४ લાખ પ્રયુતાંગ પરિમિત કાલ. ८४ लाख प्रयुतांग परिमित काल. A period of time equal to 84 lacs of Prayutāngas. जं० प०

पजुतंग. पु० (प्रयुताङ्ग) ८४ લાખ અયુતાંગ પરિમિત કાલ ८४ लाख श्रयुताग परिमित काल A period of time equal to 84 lacs of Ayutāngas. जं० प०

पज्ज. न० (पद्य) પદ્ય; વૃત્ત; છંદોબદ્ધ પદ. पद्य, वृत्त, छंद; छंदोबद्ध पद. Metre; verse. जीवा० ३, ४; ठा० ४, ४; राय० १३१;

पज्ज. न० (पाद्य) પગ ધોવાનું પાણી. पैर धोने का पानी, पाद्य. The water to wash feet. नाया० १६;

पज्जश्र पुं० (पर्याय) સર્વતઃ લાભ-પ્રાપ્તિ. सर्वत. लाभ, सब श्रोर से प्राप्ति. Income or profit from all sources विशे० ८३, (२) પરિપાટી, સમય-પ્રસ્તાવ. पारिपाटी; पद्धति; समय-प्रस्ताव custom; resolution उत्त० ३५, १६;

पज्जंत. पुं० (पर्यन्त) અન્ત-છેડો श्रन्त; छोर, श्राखिर, श्रवसान. Extremity; end; border. भग० ६, ३३; विशे० ३८७; प्रव० ७९, ६१२, पचा० १५, ३०;

पज्जंतश्र त्रि० (पर्यन्तक) છેવટનું, છેલ્લું. श्रन्तिम; श्राखिर का. Last; ending विशे० १३;

पज्जग. पुं० (प्रार्यक) પિતામહનો પિતા, પરદાદો. प्रपितामह; परदादा. A great-grand-father. नाया० ८;

पज्जगण पुं० (पर्जन्य) વરસાદ वर्षा; बरसात. Rain. भग० १४, २;

पज्जत्त. पुं० (पर्याप्त) જેણે આહાર આદિ પર્યાપ્તિ બાંધીને પૂરી કરીછે તેવો જીવ. जीव विशेष जिसने आहारादि पर्याप्ति बांधकर पूर्ण की है. The soul which has fully developed the food characteristics in the womb. उत्त० ३६, ७०; ओव० ४१; ४२, विशे० ४१०; पन्न० १; ओघ० नि० भा० ५४. नंदी० १७, क० गं० १, २६; ८९; क० प० १, ६४; प्रव० १२६५; (२) संपूर्ण; પૂરું सम्पूर्ण; समाप्त; पूर्ण. complete, finish; sufficient भग० १, ७; ५, ४; ६, ३; १५, १; २४, २०; ३३, १; पिं० नि० १२८, सु० च० ८, ५१. पराह० २, १; प्रव० ११८८; १५७८; उवा० १, ७६; (३) પન્નવણા સૂત્રનાં ત્રીજા પદનાં સત્તરમા દ્વારનું નામ पन्नवणा सूत्र के तीसरे पद के सत्रहवें द्वार का नाम. name of the 17th Drāra of the 3rd Pada of Pannavaṇā Sūtra पन्न० ३; —अमण. त्रि० (–अमनस्क) પર્યાપ્તિ-અસંજ્ઞી; જેણે પર્યાપ્તિ બાંધી પૂરી કરી છે પણ જેને મન નથી તે. पर्याप्ति-असंज्ञी; वह जिसने पर्याप्ति बांधकर पूरी की है परन्तु जो अमनस्क-मनहीन है. an irrational soul which has developed all the characteristics except mind. क० गं० ६, ३६; —जहन्न. त्रि० (–जघन्य) પજ્જત્ત-પર્યાપ્ત સૂક્ષ્મનિગોદનું જઘન્ય-ન્હાનામાં નાનું યોગ સ્થાન. पज्जत्त-पर्याप्त-सूक्ष्मनिगोद का जघन्य-छोटे से छोटा योग स्थान. the least degree of vibratory thought-activity of Sūkṣma Nigoda क० प० १, १२; —देव. पुं० (–देव) દેવતાનો પર્યાપ્તો; પર્યાપ્તિ બાંધી પૂરી કરેલ દેવતા देवता का पर्याप्ता; पर्याप्ति बांध पूर्ण किया हुआ देवता. a god who has fully developed the characteristics which he is going to assume in an incarnation. क० प० ४, ६१; —नाम. न० (–नामन्) પર્યાપ્તિ નામ, નામકર્મની એક પ્રકૃતિ. पर्याप्ति नाम; नामकर्म की एक प्रकृति Paryāpti Nāma; a nature of Nāmakarma. सम० २८; —भाव. पुं० (–भाव) પૂર્ણતાનો ભાવ. पूर्णता का भाव; सम्पूर्णत्व. completion; sufficiency. भग० ३, १; —संखेज्ज. त्रि० (–संख्येय) સંખ્યાત વર્ષના આયુષ્યવાળો પર્યાપ્ત જીવ. संख्यात वर्षों की आयुवाला पर्याप्त जीव. a Paryāpta soul of numerable age. भग० २४, १२;

पज्जत्तअ-य. पुं० (पर्याप्तक) જુઓ 'पज्जत' શબ્દ. देखो "पज्जत" शब्द Vide "पज्जत" भग० ६, ३; २४, १; ३४, १; सम० १४;

पज्जत्तग. पुं० (पर्याप्तक) જુઓ "पज्जत" શબ્દ. देखो "पज्जत" शब्द. Vide "पज्जत" भग० ८, १; १९, ३, २५, १; ठा० २, १; पन्न० १. २३; दसा० ५, २३; अणुजो० १३४; कप्प० ५, १४१; —सन्नि. त्रि० (–संज्ञिन्) પર્યાપ્તા સંજ્ઞી; જેણે પર્યાપ્તિ પૂરી કરી છે એવો સંજ્ઞી જીવ. पर्याप्त संज्ञी, वह संज्ञी जीव जिसने पर्याप्ति पूर्ण की है. a rational soul which has acquired Paryāpti. क० गं० ६, ३८;

पज्जत्ति. स्त्री० (पर्याप्ति) સંપૂર્ણતા; છ પ્રકારની પર્યાપ્તિ. सम्पूर्णता; छः प्रकार की पर्याप्ति. Completion; Paryāpti of 6 kinds. भग० ६, ४; १८१; नाया० ८०; राय० १०१; क० गं० १, ४९; —भाव. पुं० (–भाव) જુઓ "पज्जतभाव" શબ્દ.

देखो "पज्जतभाव" शब्द. vide "पज्जत-भाव" भग० २, १२; १६, ५, राय० १७१;

पज्जत्तिया स्त्री० (पर्याप्तिका) જેનું સ્વરૂપ સારી રીતે સમજવામાં આવે તે ભાષા. वह भाषा जिसका रूप अच्छी तरह समझा जाता है A language whose forms can be well understood. पन्न० ११.

पज्जय. पुं० (पर्याय) લબ્ધિ અપર્યાપ્તા-સૂક્ષ્મ નિગોદજીવને ઉત્પત્તિ સમયે જે મતિશ્રુત અજ્ઞાનનો અંશ હોય તેને બીજે સમય જે વૃદ્ધિ થાય તે પર્યાયશ્રુત. लब्धि अपर्याप्ति-सूक्ष्मनिगोदजीवकी उत्पत्ति के समय उस में मतिश्रुत अज्ञान का जो अंश हो उसके दूसरे समय उसमें जो वृद्धि हो वह पर्याय श्रुत The increase of a portion of intellectual or scriptural ignorance at the second time which exists at the time of the birth of a Labdhi Aparyāpti Sūksma Nigoda soul. क०गं० १, ७;
—**समास** पुं० (-समास) પર્યાયશ્રુતનો સમુદાય पर्यायश्रुत का समुदाय an aggregate of Paryāya Śruta. क० नं० १, ७;

पज्जय. पुं० (प्रार्यक-प्र+आर्य+क) પ્રપિતામહ, બાપનો દાદો प्रपितामह, पिताके दादा Great-grand-father नाया० १; भग० ६, ३३; दस० ७, १८, अत० ६, ३;
—**आगय.** त्रि० (-आगत) બાપ દાદાઓની પરંપરાથી આવેલું परम्परागत; बाप दादाओं के समय से चला आया हुआ ancestral; hereditary; नाया० १;

पज्जयण. न० (पर्ययन) સર્વતઃ વસ્તુપરિચ્છેદરૂપ જ્ઞાન सर्वतः वस्तुपरिच्छेदरूप ज्ञान. Knowledge in the form of a full perception of an object. विशे० ८३,

पज्जरअ. पुं० (पर्जरक) પહેલી નરકનો મેરૂથી દક્ષિણ તરફનો નરકાવાસો. मेरु से दक्षिण ओर का पहिली नरक का नरकावास A hellish abode of the 1st hell towards the south of Meru. ठा० ६, १;

√**प-ज्जल.** धा० I. (प्र+ज्वल्) બળવું; પ્રકાશવું. जलना; प्रकाश करना To burn; to shine
पज्जलइ. सु० च० ४, २११;
पज्जलंत. व० कृ० सु० च० १, ३४४;

√**पज्जल.** धा० II. (प्र+ज्वल्) સળગાવવું. सिलगाना; सुलगाना-जलाना To kindle.
पज्जालेइ. प्रे० नाया० १८,
पज्जालेज्जा. वि० दस० ४;
पज्जालेइत्ता. सं० कृ० नाया० १८;
पज्जालिय. स० कृ० दस० ५, १; ६३;
पज्जालाविज्जा. कृ० वा० वि० दस० ४,

पज्जल. त्रि० (प्रज्वलत्) પ્રકાશતું; સળગતું. प्रकाश करता हुआ; सिलगता हुआ Burning, kindling. नाया० १;

पज्जलंत. व० कृ० त्रि० (प्रज्वलत्) દીપતું; ઝળહળતું. जलता हुआ; झगमग करता हुआ, दीप्यमान Burning, shining. कप्प० ३, ३६, ३९;

पज्जलण. न० (प्रज्वलन) વધારે સળગવું खूब सुलगना; अधिक जोरसे जलना. Burning fiercely. उत्त० १४, १०;

पज्जालिय-अ. त्रि० (प्रज्वलित) સળગી ઉઠેલું. सिलगा हुआ; जलता हुआ. Enkindled. (२) જાગૃત થયેલું. जगा हुआ. awakened. उत्त० २३, ५०; सु० च० ४, २१०; राय०-६६; गच्छा० ४६;

पज्जव. पुं० (पर्यव) દ્રવ્ય અને ગુણનું રૂપાન્તર થવું-એક અવસ્થામાંથી બીજી અવસ્થામાં જવું તે. द्रव्य और गुणका रूपान्तर होना; एक अवस्था से दूसरी अवस्था में जाना Modification of qualities and substances. उत्त० २८, ५; २९, ६, ३०, १४; सम० प० १६९; भग० १, ६६; २, १०; १६, ७; २५, ३५; राय० १२८, जं० प० अणुजो० १४६; दसा० ५ ३२३३; पन्न० ३; (२) વિશેષતા; વ્યક્તિત્વ. विशेषता; व्यक्तित्व. individuality. आया० १, ३, १, १०९; जं० प० २, ३६; (३) પર્યાય, એક વસ્તુના ભિન્ન ૨ નામો; એકાર્થવાચક ભિન્ન ભિન્ન શબ્દો पर्याय, एक वस्तु के भिन्न भिन्न नाम, एकार्थवाची भिन्न भिन्न शब्द synonyms. पिं० नि० ६५; नंदी० ८५; भग० १८, ४, अणुजो० ४२; —क्खर. न० (-अक्षर) સર્વ આકાશ પ્રદેશને અનંત ગુણા કરીએ એટલા એક એક આકાશ પ્રદેશના અગુરૂલઘુ પર્યાય છે, તે 'પજ્જવક્ખર'. सर्व आकाश प्रदेश को अनन्त गुणा करें इतने एक एक आकाश प्रदेश के अगुरुलघु पर्याय हैं वे 'पज्जवक्खर' there are as many not heavy-light modifications of each unit of space as are equal to an infinite multiplication of all units of space. नंदी० ४०. —जाअ त्रि० (-जात) જ્ઞાન વગેરે પર્યાયની ઉત્પત્તિવાળું. ज्ञानादि पर्यायका उत्पत्तिवाला. having the birth of modifications e g. knowledge etc. ठा० १, १; —नय. पुं० (-नय) પર્યાયાસ્તિક (પર્યાયને વિષય કરનાર) નય. पर्यायास्तिक नय a model standpoint. विशे ७५; —लीढ. त्रि० (-लीढ) અવસ્થાન્તર રૂપ પર્યાયથી ચવાએલ; પુરાતની; જુનું થએલું. अवस्थान्तर रूप पर्याय से च्युत; पुरातन; जीर्ण dilapidated or worn out by a transforming modification प्रव० ८५७;

पज्जवट्ठिय. त्रि० (पर्यवस्थित) અવસ્થાએ પહોંચેલું; પાર પામેલું. अवस्था प्राप्त: पार पहुंचा हुआ. Reaching a limit. पन्न० १६;

पज्जवण. न० (पर्यवन) સર્વથા વેદવું-જાણવું તે. सर्वथा ज्ञान-सब प्रकार का ज्ञान. Experiencing in all ways विशे० ८३;

पज्जवसाण. न० (पर्यवसान) છેડો; અન્ત. पर्यवसान; अन्त; छोर. Extremity; end. जं० प० ७, १३३; १३४; ओव० ४०; नाया० १; ८; भग० २, ५; ६, ८; ११, ९; १७, ३ १८, १०; २४, १; जीवा० १; सू० प० १; १०; आव० ४, ८, क० प० १, ४२; कप्प० ७, २१०;

पज्जवसिय. त्रि० (पर्यवसित) અન્તવાળું; છેડાવાળું. अन्तयुक्त; छोरसहित Having an end; limited भग० १३, ४; १८, ४; (२) શેષ રહેલ; બાકી વધેલ. शेष रहा हुआ; बाकी बचा हुआ residue; remainder. भग० ४१, १;

पज्जाय पुं० (पर्याय) સમાન અર્થ જેમ ઘટ કલશ વગેરે समान अर्थ यथा घट, कलश आदि. Synonyms e g. a pot, a jar etc विशे० २५. (२) અનુક્રમ. अनुक्रम; एक एक; सिलसिला. serial order. विशे० २०५३; (३) વસ્તુની ઉત્તરોત્તર અવસ્થા; રૂપાંતર. वस्तु की उत्तरोत्तर अवस्था; रूपांतर modification of a thing. प्रव० ६८७; विशे० ५४; (४) સાધુપણું, શ્રાવકપણું વગેરે અવસ્થા. साधुता, श्रावकता आदि अवस्था. condi-

tions e.g. asceticism, laity etc. प्रव० ७६१. —वायग. पुं० (-वाचक) સમાન અર્થવાળો શબ્દ समान अर्थवाला शब्द. a synonym विशे० ७७; —वोच्छेअ. पु० (-व्यवच्छेद) અનુક્રમે સાધુપણાના પર્યાયનો વિચ્છેદ કરવો તે, પ્રાયશ્ચિત્તનો એક પ્રકાર. अनुक्रमसे साधुता के पर्याय का विच्छेद; प्रायश्चित का एक प्रकार. a form of expiation, serially the striking out of the modifications of asceticism प्रव० ७६१,

पज्जिआ. स्त्री० (प्रार्यिका) બાપની કે માની મોટી મા पिता या माता की दादी मा Grandmother of a father or mother दस० ७, १५,

पज्जिज्जमाण. त्रि० (पाय्यमान) પીવરાવવામાં આવતું. पिलाया जानेवाला That which is given to drink. सूय० १, ५, १, २४.

पज्जुन्न. पु० (प्रद्युम्न) કૃષ્ણ વાસુદેવની રૂકમણી રાણીનો પુત્ર, કે જે નેમનાથ પ્રભુ પાસે દીક્ષા લઈ બાર અંગનો અભ્યાસ કરી સોળ વરસની પ્રવ્રજ્યા પાલી શત્રુંજય ઉપર એક માસનો સંથારો કરી પરમપદ પામ્યા. कृष्णवासुदेवकी रुक्मिणी रानी का पुत्र जिसने नेमिनाथ प्रभु से दीक्षा लेकर बारह अगों का अभ्यास किया और सोलह वर्षकी प्रव्रज्याका पालन कर, शत्रुंजय पर एक मास का संथारा कर के परमपद प्राप्त किया The son of the queen Rikmiṇī wife of Kṛṣṇa Vāsudeva He was consecrated by the Lord Nemi Nātha, studied the 12 Aṅgas, remained an ascetic for 16 years and attained salvation after selfstarvation for a month. अंत० ४, ६; नाया० ५; १६; पगह० १, ४; निर० ५, १; (२) અંતગડ સૂત્રના ચોથા વર્ગના છઠ્ઠા અધ્યયનનું નામ. अंतगड सूत्रके चौथे वर्ग के छठे अध्ययन का नाम. name of the 6th chapter of the 4th class of Antagada Sūtra अंत० ४, ६; (३) પ્રદ્યુમ્ન નામનો મેઘ; કે જે એક વખત વરસે તો તેનો એક હજાર વરસ સુધી ત્રેહ ચાલે प्रद्युम्न नामक मेघ जिसके एक बार बरसने मे एक सहस्र वर्ष पर्यंत उसकी धारा बहती रहता है a cloud named Pradyumna which causes a current to flow for 1000 years if it rains once. ठा० ४, ४;

पज्जुवट्ठिय-अ त्रि० (पर्युपस्थित) ઉદ્યત થએલ; તૈયાર થએલ. उद्यत, तत्पर: तैयार बना हुआ Ready, prepared उत्त० ६, ६१;

पज्जुवासण न० (पर्युपासन) સેવા; ભક્તિ. सेवा; भक्ति; उपासना. Service; devotion. पचा० १०, ३४,

पज्जुवासणया. स्त्री० (पर्युपासना) સેવા ભકિત કરવી તે सेवा भक्ति या उपासना कार्य. Service: devotion. भग० १४, ३; ओव० २०; २७;

पज्जुवासणा स्त्री० (पर्युपासना) સેવા, ભકિત सेवा; भक्ति Service. devotion ओव० २०; भग० २, ५; ६, ३३; दसा० १०, १; पंचा० १, ३७;

पज्जुवासणिज्ज. त्रि० (पर्युपासनीय) પર્યુપાસના-સેવા ભકિત કરવા યોગ્ય पर्युपासनीय; सेवा भक्ति करने योग्य. Fit to be served or adored ओव० नाया० २; १६; सू० प० १०;

पज्जुवासणीअ. त्रि० (पर्युपासनीय) જુઓ 'पज्जुवासणिज्ज' શબ્દ. दखो 'पज्जुवासणिज्ज' शब्द. Vide. 'पज्जुवासणिज्ज' जीवा० ३, ४;

पज्जुसण. न० (पर्युषण) વર્ષાકાલમાં સાધુએ એક સ્થાને નિવાસ કરવો તે. वर्षाकाल मे साधु का एक स्थान मे निवसन-वास. Residence in a place, of an ascetic during the monsoon. प्रव० ६५८; —कप्प. पुं० (-कल्प) પર્યુષણ કલ્પ; વર્ષા કાલમા સાધુએ એક સ્થાનકે નિવાસ કરવો, સંવત્સરી પ્રતિક્રમણ કરવું, લોચ કરવો, વસ્ત્રાદિક વ્હોરવાં નહીં વગેરે पर्युषण कल्प-श्राचार; वर्षाऋतु में साधु को एक स्थान में रहना, सवत्सरी प्रतिक्रमण करना, लोच आदि करना तथा वस्त्रादि भिक्षा में न लेना आदि कल्प. Monsoon-rules i. e. prescribed rules which one has to observe during the rainy season e. g. an ascetic should remain in one place, should observe annual confession called Pratikramaṇa, should root out the hair and should not beg for clothes etc. प्रव० ६५८;

पज्जुण्ण पुं० (प्रद्युम्न) કૃષ્ણની રાણી રુકમણીનો પુત્ર; જુઓ " पज्जुन्न " શબ્દ. कृष्ण की रानी रुक्मिणी का पुत्र; देखो "पज्जुन्न" शब्द. Vide " पज्जुन्न " The son of the queen Rukmiṇī. अत० १, १;

पज्जेमाण. व० कृ० त्रि० (पाययत्) પાણી પાતું. पानी पिलाता हुआ. (One) giving water to drink. ज० प०

पज्जोतित. त्रि० (प्रद्योतित) પ્રગટ કરેલ. प्रकट किया हुआ; दीपित. Revealed; illumined. सूय० २, १, २६;

पज्जोय पुं० (प्रद्योत) ઉદ્યોત; પ્રકાશ. उजेला; प्रकाश. Light. सूय० १, ४, २, ५; राय० २३; (२) છઠ્ઠા તીર્થંકરના ૧ લા ગણધર छठे तीर्थंकर के पहिले गणधर. the 1st Gaṇadhara of the 6th Tirthaṅkara. प्रव० ३०५; —गर. त्रि० (-कर) પ્રકાશ કરનાર; તેજ આપનાર. प्रकाशक; प्रकाश करने वाला; तेज प्रदान करने वाला. one that shines, illuminer. सम० १;

पज्जोसवण. न० (पर्युषण) પર્યુષણ પર્વ ભાદરવા સુદ પાંચમનો દિવસ. पर्युषण पर्व; भाद्रपद शुक्ला पचमी का दिन The chief day of Paryuṣaṇa; the 5th date of the bright half of Bhādrapada month निसी० २, ५०;

पज्जोसवणा स्त्री० (पर्युषणा) જુઓ "पज्जुसणकप्प " શબ્દ देखो "पज्जुसणकप्प" शब्द. Vide " पज्जुसणकप्प " कप्प० ६, ५७; प्रव० ६६४; —कप्प. पु० (-कल्प) જુઓ " पज्जुसणकप्प " શબ્દ. दखो "पज्जुसणकप्प" शब्द. vide. "पज्जुसणकप्प' प्रव० ६६४;

पज्जोसविय त्रि० (पर्युषित) પજ્જુસણ કલ્પ-પર્યુષણમાં કરવાનું વિધાન કરેલ-આચરેલ पर्युषण कल्प; पर्युषण में कर्तव्य विधानों का आचरण किया हुआ. That which is to be practised in Paryuṣaṇa. वव० ५, १२; निसी० १०, ४६; कप्प० ६, ९;

पज्झाय. न० (प्रध्यात) પ્રિયજનનું અતિશય ચિન્તન કરવું તે. प्रियजनों का अत्यधिक चिन्तन. An excessive contemplation of dear ones अणुजो० १३;

पट. पुं० (पट) વસ્ત્ર; લુગડું. वस्त्र, कपडा; पट. A cloth; a garment भग० ७, ९, १२, १०; प्रव० ५३७;

पट्ट. पुं० (पट्ट) દુપટ્ટા, પછેડી दुपट्टा; पछेवड. A garment, an upper garment भग० ११, ११, पिं० नि० भा० २८, राय० ४७, १६२; जीवा० ३, ३. प्रव० २५९, क० गं० १, ३९; (२) ધાતુનાં પતરાં धातु के पतरे metal-sheets जीवा० ३, ४. (३) સાધ્વીનું એક ઉપકરણ, અવગ્રહાનન્તકને ધરી રાખવા માટે સાધ્વીની કેડ ઉપર બાંધવાનો એક પટ્ટો. साध्वीका एक उपकरण; अवग्रहानन्तक को रखने के लिए साध्वी की कमर पर बांधनेका एक पट्टा a belonging of a nun, a girdle to lift up an inner garment. ओघ० नि० भा० ३१४; नाया० ८, (४) કીડાની લાળનું સૂત્ર कीडों की लार का सूत; रेशम silk. अणुजो० ३७; (५) કવચ ઉપર બાંધવાનો પટ્ટો कवच पर बांधने का पट्टा a belt to be tied on an armour. भग० ७, ६; निसी० ७, ८, जं० प० ५, ११७, राय०५५, ३, ४५, ४७; (६) લેખની તખતી लेख की पट्टी-तख्ता. a slate or board for writing. पन्न० १७, (७) પટ્ટસૂત્રના બનેલ પટોલા पट सूत के बने हुए आसन a board or seat made of silk thread आया० २, ५, १, १४५; —**कार** पुं० (-कार) શાલવી; વણકર. सालवी; जुलाहा; कपडा बुनने वाला a weaver. अणुजो० १३१;

पट्ट(दं)सुय. पुं० (पट्टांशुक) અંગુછો, શરીર લુંછવાનો ટુવાલ अगवस्त्र; अंगौछा, दुवाल. A towel. सु० च० ७, ८१;

पट्टग. पुं० (पट्टक) આસન વિશેષ. पाट, आसन विशेष. A board used as a seat जीवा० ३, ३;

पट्टण. न० (पत्तन) મોટું શહેર, જ્યાં અનેક દેશથી વેચવાની વસ્તુઓ આવતી જતી હોય તે નગર विशाल नगर, जहां नाना देशों से अनेक पदार्थ विक्रयार्थ आते हों. A big town, where things are brought from different places for selling. ओव० २१; ३२; सम० ४८; अणुजो० १३१; भग० १, १; ३, ७; ७, ६, नाया० १६; सूय० २, २, १३; सु० च० १४, ७. पराह० १, २; वेय० १, ६; कप्प० ४, ६४, ८८; उवा०७, २१८; प्रव० १२३३; जं० प० ३, ५२; उत्त० ३०, १६, आया० १, ७, ६, २२२; ठा० २, ४; (२) રત્ન-ભૂમિ; સ્થાન વિશેષ. रत्नभूमि; स्थान विशेष. Ratna Bhūmi; a particular place. जीवा० ३, ३; —**उग्गय.** त्रि० (-उद्गत) શહેરમાંથી બહાર નીકળેલું. शहर से बाहर निकला हुआ. coming out from a city. भग० ११, ११;

पट्टय. न० (पट्टक) ન્હાવાનો પાટલો. स्नान करने का पाट-आसन. A wooden seat for bathing. नाया० ८; १४; १६, उवा० ६, १६४; विवा० ९,

पट्टिया स्त्री० (पट्टिका) લાકડાની પટ્ટી-પાટલી. लकडी की पट्टी-पटरी. Strip, a wooden board. जीवा० ३, ४, राय० १०७, (२) ધનુષની પટ્ટી धनुष्य की पट्टी. the strip of a bow. जं० प० ३, ५२; ५६. नाया० २;

पट्टिस पुं० (पट्टिश) નાલ; એક જાતનું અસ્ત્ર. नाल, एक अस्त्र विशेष A kind of missile उत्त०१६, ५५. पराह०१,३.

पट्ठ. त्रि० (पृष्ट) વાગ્મી-વાચાળ; પંડિત. वाग्मी; वाचाल, पंडित A talkative;

a fluent speaker; a learned man. जीवा० ३, १; नाया० १; राय० ३३; (२) પૂછાયેલું पूछा हुआ; पृष्ट. asked; enquired. कप्प० ४, ६१;

पट्ठ. न० (पृष्ठ) પીઠ; વાંસાનો ભાગ. પાઠ; पीछे का भाग. Back. आया० २, १०, १६६; नाया० १; ६;

√पट्ठव. धा० II. (प्र+स्था-णि) પ્રસ્થાપન કરવું. प्रतिष्ठा करना; आरोपण करना. To establish, to fix.

पट्ठवेज्जा. वि० वव० १०, ३;

पट्ठवित्ता. सं० कृ० ठा० ५, १; दस० ५, १, ६३;

पट्ठविंसु. भग० २६, १; २;

पट्ठावेज्जा. वि० क० वा० ओघ० नि० भा० ३०;

पट्ठवअ त्रि० (प्रस्थापक) સ્થાપન કરનાર. संस्थापक; स्थापन करने वाला. (One) who establishes. (२) અવધિજ્ઞાનનો પ્રારંભ કરનાર. अवधिज्ञान का प्रारंभ करने वाला. (one) who begins to attain a limited knowledge विशे० ६२७;

पट्ठवग. पुं० (प्रस्थापक) પ્રસ્થાપના કરનાર प्रस्थापना करने वाला, संस्थापक. Establisher. क० प० ५, ३२;

पट्ठवण. न० (प्रस्थापन) આરંભ. आरंभ. Beginning. अणुजो० ३,

पट्ठवणा. स्त्री० (प्रस्थापना) કલ્પના. कल्पना; प्रतिष्ठा. Imagining; establishment. निसी० २०, १०; जीवा० ३, १; वव० १, १६, १०, ३; दसा० ६, २;

पट्ठविअ-य त्रि० (प्रस्थापित) સ્થાપેલું; કરવા માંડેલું. स्थापित; स्थापन किया हुआ. Established; undertaken ठा० ५, २; सूय० २, ६, २; वेय० ४, २५; सु० च० ६, १३६; वव० १, १६; निसी० २०; १०; भग० १, ७; १२, ४;

पट्ठविया. स्त्री० (प्रस्थापिता) અપરાધનું પ્રાયશ્ચિત શરૂ કરવું તે; આરોપણા પ્રાયશ્ચિતનો એક પ્રકાર अपराध के प्रायश्चित्त का प्रारंभ; आरोपणा प्रायश्चित्त का एक प्रकार. Beginning of an expiation for a fault; a kind of Āropaṇā expiation. ठा० ५, २;

पट्ठवे (वि) यव्व त्रि० (प्रस्थापयितव्य) પ્રસ્થાપન કરવા યોગ્ય. प्रतिष्ठा-प्रस्थापन करने योग्य. Fit to be instituted वव० २, ७; वेय० ५, ४१,

पट्ठिय-अ. त्रि० (प्रस्थित) પ્રયાણ કરેલ. प्रयाण किया हुआ; रवाना हो चुका हुआ; प्रस्थित. Departed, going forth. उत्त० २०, ३७; २७, ४; ओघ० नि० भा० ८१; सु० च० २, ६३८; वव० ३, १३; गच्छा० १०५,

पट्ठीवंस. पुं० (पृष्ठीवंश) આડસર अडसाकल. A cross chain प्रव० ८७;

√पड. धा० I (पत्) પતન થવું; પડી જવું. पतन होना, गिरजाना. To fall, to degenerate.

पडइ. भग० ३, २; नाया० १७ दस० ६, ६६; विशे० ६२६; उत्त० २७, ४;

पडंति. उत्त० १८, २५; सम० २५; सूय० १, ५, १, १३; भग० १२, १०; नाया० १; ६;

पडइत्ता सं० कृ० नाया० १६;

पडंत. व० कृ० उत्त० १४, २१; १६, ४०; प्रव० ७८५;

पडिज्जमाण क० वा० व० कृ० नाया० १६;

पाडेइ. प्रे० नाया० ७; ६; १६; १८, भग० ११, ६; १६, ३; निर० ३, ३; राय० २६४; विवा० १, ६; गच्छा० २६;

पाडेन्ति जं० प० ५, ११४;
पाडेसि. नाया० १; ६;
पाडेह. नाया० १६;
पाडेइत्ता. सं० कृ० नाया० ७; १८; भग० ११, ६; १६; ३;

पड. पुं० (पट) वस्त्र; લુગડું. वस्त्र, कपडा. A cloth; a garment. जं० प० ३, ६१; अणुजो० २१; १३१; १३३; ओव० १४; भग० ५, ४, ८, १०; पिं० नि० २८; १३२; विशे० ३२४; नाया० १; क० गं० १, ६; **—आरंभ.** पुं० (-आरंभ) વસ્ત્ર (વણવા) નો આરંભ. वस्त्र-कपडा (बुनने) का आरंभ. action of weaving a cloth. विशे० ४२१; **—उवगारि.** त्रि० (-उपकारिन्-पटैर्वस्त्रैरुपकर्तु-शीलमस्येति) વસ્ત્રથી ઉપકાર કરનાર. वस्त्रद्वारा उपकार करने वाला. (one) who favours by garments. विशे० २०३; **—कारक** पुं० (-कारक) લુગડા વણનારો; વણકર. वस्त्र बुनने वाला; जुलाहा, वस्त्रकार. a weaver. पण्ह० १, २;

पडसाडग. पुं० (पटशाटक) નીચે પહેરવાનું વસ્ત્ર, ધોતીયુ. शरीर के नीचे के भाग में पहिनने का वस्त्र; धोती. a loose loin cloth or garment; a Dhoti. भग० १५,१; राय०२५१; जं० प० **—साडय.** पुं० (-शाटक) જુઓ " पडसाडग " શબ્દ. देखो " पडसाडग " शब्द. vide " पडसाडग " जं० प०२,३३; नाया० १, भग०६, ३३; **—साड(डि)या.** स्त्री० (-शाटिका) સાડી; પછેડી. साडी, सारी, पछेवड. a Sārī. नाया०८; अणुजो०१३८, अंत०३,८;

***पडंगा** स्त्री० (*) છડી; લાકડી. छडी, लकडी; वेंत, डण्डा. A stick; a cane. सु० च० १२, ५६;

पडग. पुं० (पटक) પટ, વસ્ત્ર पट. वस्त्र; कपडा A cloth; a garment. नाया० २; १६;

पडण. न० (पतन) પડીજવું; પડવું. गिरना; पडन ; भ्रष्ट होना; पतन. Falling; degeneration. भग० २, १; ६, ३३; नाया० १; ८; आया० २, १०, १६६; पिं० नि० ५८२; जीवा० ३३; ओघ० नि० २२४; विशे० १२५६;

पडल. न० (पटल) પટલ, સમૂહ, જથ્થો. पटल, समूह, झुंड; वृन्द. A group, a host. भग० ७, ६७; पण्ह० १, १; जं० प० सु० च० १, ४६; दसा० ६, १; उवा० ७, २१८, (२) પડ; થર. थर; परता, पुट. a layer. जीवा० ३, १; (३) ગુચ્છ. गुच्छ; गुच्छा. a cluster. राय० ३५; (४) પડલો, ગોચરી વખતે પાત્ર ટાંકવાનું એક વસ્ત્ર-ખણ્ડ पडला; गोचरी के समय पात्र को ढंकने का एक वस्त्र-खण्ड. a piece of cloth to cover a pot at the time of begging food. ओघ० नि० २८८; ६६८; राय० १२०, जीवा० ३,४, प्रव० ४६८;

पडलग न० (पटलक) ફૂલ વગેરે ઢાંકવાનો પડલો, આચ્છાદન વસ્ત્ર. पुष्प आदि ढाकने का पटल-ढंकना; आच्छादन वस्त्र. A cloth to cover flowers etc. जं० प० ५, १२०, राय० १२२;

पडह. पु० (पटह) મોટો ઢોલ; પડગમ. बडा ढोल; नक़ारा; पटह, पडगम. A big drum ओव० ३१; भग० ५, ४; जीवा० ३, १; पन्न० ३३; जं० प० राय० ८८; सु० च० २, ५८७:**—सद्द.** पुं० (-शब्द) ઢોલ નગારાનો શબ્દ. ढोल, नक्कारे का शब्द. the sound of a drum. निसी० १७, ३३;

पडहग. पुं० (पटहक) ઢોલ; વાજીંત્ર વિશેષ.

ढोल; वाद्य विशेष. A drum; a kind of musical instrument. विशे॰ ७०६;

पडाग-गा. स्त्री॰ (पताका) ધ્વજા; વાવટો. ध्वजा, पताका; झंडा. A banner; a flag. नाया॰ १; ५; ८; १६; जं॰ प॰ ५, ११७; ७, १५६; राय॰६८;पन्न॰ १; २, सु॰ प॰१०; भग॰ ३, ४,५; ७,६; ९, ३३;ओव॰ विवा॰ २; ओघ॰ नि॰भा॰ ८५; नंदी॰ स्थ॰ ६, जीवा॰ १, सु॰ च॰ १, २४; (२) ચિન્હવાલો પટ્ટો. चिन्ह वाला पट्टा. a belt with a sign भत्त॰ ८०; १५०; नाया॰ ८, (३) એક જાતનો સર્પ. सर्प विशेष. a kind of serpent. पन्न॰ १; —**अइपडागा.** स्त्री॰(-अतिपताका)ઉપરા ઉપરી ધ્વજા, ધ્વજા ઉપર ધ્વજા. ध्वजा के ऊपर ध्वजा; बहुतसी ध्वजाए. a banner above banner. ओव॰ नाया॰ १; (२) મચ્છની એક જાત मछली की एक जाति विशेष. a kind of fish विवा॰ ८; —**समाण.** त्रि॰ (-समान) ઉડતી ધ્વજાના સરખો; નાનાવિધ દેશના સાધુને જાણી ખુશી થનાર. उडती हुई पताका के समान; नाना प्रकार के-अनेक-देशों के साधुओं से परिचय पाकर प्रसन्न होने वाला. like a flowing banner; (one) who is pleased to know the ascetics of different places ठा॰ ४, ३;

पडि. अ॰ (प्रति) દરેક. हरएक; प्रत्येक. Each; every. (२) પ્રત્યે. प्रति; सामने. towards. (३) પ્રતિપક્ષી. प्रतिपक्षी; विपक्षी; विरुद्ध पक्षवाला enemy; hostile. पन्न॰ २; १५;

पडि. त्रि॰ (पटिन्) પટવાળું; વસ્ત્રવાળું. पटवाला; वस्त्र वाला. (One) with a garment or clothing. अणुजो॰ १३१;

√**पडिआइक्ख.** धा॰ I. (प्रति+आ+ख्या) પચ્ચક્ખાણ કરવું; પ્રતિજ્ઞા લેવી. पच्चक्खाण करना; प्रतिज्ञा लेना, प्रण करना. To undertake a vow or promise.

पडिआइक्खित्तए हे॰ कृ॰ दसा॰ २, ८, ६;

√**पडि-आ-इक्ख.** धा॰ II. (प्रति+आ+ख्या॰) નિષેધ કરવો; પચ્ચખાણ કરવાં; ત્યાગ કરવો. निषेध करना; पच्चक्खाण करना; त्याग करना. To take a vow; to give up as in a vow.

पडियाइक्खेइ. निसी॰ ८, ११; १०, ४४;

पडियाइक्खिए वि॰ विवा॰ १:

√**पडि-आ-पड.** धा॰ I. (प्रति+आ+पत्) પડવું. गिरना; पडना. To fall down.

पडिआयंति. विशे॰ १३०६;

पडियावएज्जा वि॰ वेय॰ ५, ११;

√**पडि-आ-पा.** धा॰ I. (प्रति+आ+पा) પાન કરવું; પીવું. पान करना; पीना. To drink.

पडिआयइ दस॰ १०, १, १;

√**पडिइक्ख.** धा॰I. (प्रति+ईक्ष्) રાહજોવી નિરીક્ષણકરવું. प्रतीक्षा करना, बाट जोहना; रास्ता देखना; निरीक्षण करना To wait for; to expect; to inspect

पडिक्ख. आया॰ सु॰ च॰ ६, ७७;

√**पडि-इच्छ.** धा॰ I. (प्रति + इच्छ्) સ્વીકારવું; કબૂલ કરવું. स्वीकार करना; मंजूर करना To accept; to admit.

पिडीच्छइ. निसी॰ ४, २६, ५, ८; ६; १०; ११, उवा॰ २, १०५;

पडिच्छइति. ज॰प॰ भग॰ ११, ११; नाया॰ १; ५; ७; ८; १५; निसी॰ १५,२७;

पडिच्छामि. उवा॰ २, १०२;

पडिच्छेज्जा. दस॰ ५, १, ३८;

पडिच्छइत्ता. भग॰ ६, ३३; ११, ११, १५, १; नाया॰ १; ८; १५, १७;

पडिच्छंति. जं० प० ५, ११४;
पडिच्छतु भग० ६, ३३; नाया० १; १४; नाया० ध० जं० प० ३, ५०;
पडिच्छित्ता. नाया० ६,
पटीच्छित्तए. वव० ५, १८;
पडिच्छित्तए. भग० २५, ७;
पडिच्छमाण. भग० ११, ११; नाया० १;
पडिच्छावेमाण. भग० ११, ११; नाया० १;

पडिउच्चारेयव्व. त्रि० (प्रत्युच्चरितव्य) સ્હામું બોલવુ सामने बोलना; जवाब देना. A retort भग० १२, १०; उवा० २, ११८;

पडिएक. अ० (प्रत्येक) દરેક; પ્રત્યેક. हर एक; प्रत्येक. Everyone. ओव० २६;

पडिएक्कय. अ० (प्रत्येकक) પ્રત્યેક, દરેક. हरएक; प्रत्येक; एक एक. Each; individually नाया० ध०

√पडि-ओ-चर धा० II. (प्रति+उप+चर्) પ્રત્યુપચાર કરવો; સેવા કરવી. प्रत्युपचार करना; सेवा शुश्रुषा करना. To serve or wait upon.
पडोयारेति. भग० १५, १;
पडोयारेओ हे० कृ० भग० १५, १;
पडोयारिज्जमाण. क० वा० व० कृ० भग० १५, १;

√पडिकप्प. धा० I, II. (प्रति + क्लृप्) સજ્જ કરવું, તૈયાર કરવુ. सजाना; तैयार करना. To equip; to prepare.
पडिकप्पइ ओव० ३०;
पडिकप्पति. भग० ७, ६;
पडिकप्पेहि. ओव० २६; जं० प० ३, ४४;
पडिकप्पेह. भग० ७, ९; नाया० १६;
पडिकप्पह. जं० प०
पडिकप्पावेइ. क० वा० नाया० ८;
पडिकप्पावेइत्ता. सं० कृ० नाया० ८;

पडिकप्पिअ. त्रि० (प्रतिकल्पित) સજ્જ કરેલ; તૈયાર કરેલ. सजाया हुआ; तैयार किया हुआ. Equipped; prepared. ओव० ३०; विवा० २;

पडिकम्म. न० (प्रतिकर्मन्) સંકલનાદિ ગણિત. संकलनादि गणित. Arithmetic such as addition etc. ठा० ४, ३; (२) વૈદું; ચિકિત્સા. चिकित्सा; वैद्यकोपचार; औषधोपचार-इलाज. treatment; remedy. पगह० २, १; निसी० १३, ३७; ४१;

√पडि-कर. धा० II. (प्रति+कृ+णि) પ્રતિકાર કરવો; બદલો વાળવો. प्रतिकार करना; बदला लेना; विरोध करना. To take revenge; to oppose.
पडियारेह. प्रे० भग० १५; १;

पडिकुक्कुड. पुं० (प्रतिकुर्कुट) પ્રતિપક્ષી કુકડો प्रतिपक्षी मुर्गा-कुक्कुट. A hostile cock विशे० ३०४;

पडिकुट्ठ त्रि० (प्रति-क्रुष्ट) સમાજનો તિરસ્કાર પામેલ; નિષિદ્ધ; નિંદ્ય. समाज द्वारा तिरस्कृत, निषिद्ध; निन्द्य. Insulted or censured by a society. पगह० २, ३; दस० ५, १, १७; पिं० नि० २५२; ३४२; महा० प० ८; पचा० १७, १८, ४, ४१;

√पडिकूल धा० II (प्रति+कूल) વિપરીત કરવું. विपरीत कार्य करना. To do in an opposite manner.
पडिकूलेइ. उत्त० २७, ११; क० गं० १,५३;

पडिकूल. त्रि० (प्रतिकूल) ઉલટું; વિપરીત. उलटा, विपरीत; विरुद्ध. Opposite; hostile. उत्त० १२, १६; नाया० १; ११; राय० २५२; २६७;

पडिकोह. पुं० (प्रतिक्रोध) ક્રોધની સ્હામે ક્રોધ કરવો. क्रोध पर क्रोध करना; किसी के गुस्सा होने पर स्वयं भी गुस्सा होना.

Getting angry when another gets angry. दस० ६, ५८;

पडिक्कंत. त्रि० (प्रतिक्रांत) પ્રતિક્રમણ કરેલ, પાપથી પાછો વળેલ; દોષથી નિવર્તેલ. प्रतिक्रमण किया हुआ; पाप से, पाप कर्म-से पीछा फिरा हुआ; दोष से निवृत्त. (One) who has repented, turned back from sins; free from faults. भग० २, १; ३, १; ४; ५, ६; ७, ६; ८, ५; १५, १; २०, ६; नाया० १, ५; १४; १६; दस० ४; उवा० २, ६६;

√पडिक्कम. धा० I, II. (प्रति+क्रम्) પ્રતિક્રમણ કરવું; પાછું ચાલવું; પાપથી પાછું વળવું; પાપથી નિવર્તવું. प्रतिक्रमण करना; पीछे चलना; पाप से पीछे फिरना; पाप से हटना. To repent; to come back; to recede from sins.

पडिक्कमइ. सु० च० १४, ८१; वव० १,२६; नाया० १६; भग० २, ५; ८, ९, दस० ४; उवा० १, ८६;
पडिक्कमेइ. सूय० २, २, २०;
पडिक्कमए पिं० नि० २१७;
पडिक्कमंति. नाया० १६;
पडिक्कमामि. आउ० ११;
पडिक्कमे. वि० उत्त० १, ३१; दस० ५, २, ४;
पडिक्कमेज्जा. वि० वेय० ४, २५;
पडिक्कामिस्सामि. भ० भग० १०, २;
पडिक्कामिउं हे० कृ० नाया० ५;
पडिक्कामित्तए. हे० कृ० ठा० २, १;
पडिक्कामित्ता. सं० कृ० आया० २, १५, १७८; उत्त० २६, ४०;
पडिक्कमइत्ता सं० कृ० नाया० १६; भग० १२, १;
पडिक्कममाण. व० कृ० नाया० ५; भग० ८, ५;

पडिक्कम. पुं० (प्रतिक्रम) શરીરની વિભૂષા આદિ ક્રિયા. शारीरिक विभूषा-सजावट आदि क्रिया. Adornment of the body. भग० २५, ७;

पडिक्कमण. न० (प्रतिक्रमण) અતિચાર દોષથી પાછા ફરવું-નિવર્તવું; પ્રતિક્રમણ કરવુ; પાપની આલોચના; દોષ નિવારણ. अतिचार दोष से पीछे फिरना-हटना; प्रतिक्रमण करना; पाप की आलोचना करना; दोषों को दूर हटाना. Turning back from the fault of transgressing a vow; repenting; criticism of sins. प्रव० २; आव० १, १; ४, ८; पंचा० १६, २; उत्त० २६, २; ओव० २०; अणुजो० ५६; भग० २५, ५; नंदी० ४३; पण्ह० २, १, **—अइयार.** पुं० (-अतिचार) પ્રતિક્રમણનો અતિચાર દોષ. प्रतिक्रमण का अतिचार दोष. a fault connected with Pratikramaṇa or confession. प्रव० २; **—करण.** न० (-करण) પ્રતિક્રમણ કરવું તે પ્રતિક્રમણ; प्रतिक्रमण करने का कार्य. the act of repentance or self-analysis. प्रव० ५६८;

पडिक्कामियव्व त्रि० (प्रतिक्रान्तव्य) પાછા હઠવા યોગ્ય; નિવર્તવા યોગ્ય पीछे फिरने योग्य; परावर्तन-निवर्तन योग्य. Fit to recede; to turn back. ओघ० नि० ७६६;

√पडिक्कोस. धा० I. (प्रति+क्रुश्) આક્ષેપ પૂર્વક બોલવું. आक्षेप पूर्वक बोलना. To speak ironically.

पडिक्कोसइ. सूय० २, ७, ६;

पडिगय-अ. त्रि० (प्रतिगत) પાછું ગયેલું. पीछा फिरा-गया हुआ. Gone back. जं० प० १, १; सू० प० १; कप्प० २, २७;

भग० १, १; २, १; ५; ३, १; २; ७, १०; १८, १०; नाया० १; २; ६; ८; १३; १६; १६; अणुजो० १०१; दसा० ४, ७; राय० २२४; जं० प० उवा० २, १११;

√पडिग्गह. धा० I. (प्रति+ग्रह्) ગ્રહણ કરવુ; સ્વીકાર કરવું. ग्रहण करना. स्विकार करना. To accept; to receive.

पडिग्गहेज्जा. वि० भग० ८, ६; उव.० १, ७६;

पडिग्गाहिज्जा वि० आया० २, २, ३, ६६;

पडिग्गाहिज. वि० दस० ६, ४८,

पडिग्गहेत्ता. सं० कृ० नाया० १६; भग० ३, १;

पडिग्गाहित्ता. सं० कृ० सम० २१;

पडिग्गहित्तए. हे० कृ० ओव० ३८;

√पडिग्गह. धा० II. (प्रति+ग्रह्) ગ્રહણ કરવું; સ્વીકાર કરવું. ग्रहण करना; स्वीकार करना To accept, to admit.

पडिग्गहेइ. भग० ३, १;

पडिग्गाहिज. दस० ८, ६;

पडिग्गाहित्ता. सं० कृ० भग० ७, १;

पडिग्गहेत्ता. सं० कृ० भग० ७, १;

पडिग्गाहिज्जमाण. क० वा० व० कृ० भग० ८, ७;

पडिग्गहेज्जमाण. क० वा० व० कृ० भग० ८, ७;

पडिग्गह. न० (पतद्ग्रह-प्रतिग्रह) ઉપરથી પડતી વસ્તુને ગ્રહણ કરનાર; સાધુનાં પાત્ર; પાતરા ऊपर से गिरती हुई वस्तु को पकडने या ग्रहण करने वाला; साधु के पात्र. That which accepts or receives a thing falling from above; a mendicant's bowl. नाया० १; ५; १६; भग० २, ५; ५, ४; आया० १, ७, १, १६७; ओघ० नि० ३६; ६७२; दस० ४; ५, २, १; वव० २, २७; वेय० १, ३७; ३, १३; पण्ह० २, ५; निसी० ६, ४; १४, ५; ४०; १८, ५, राय० २२६; गच्छा० ६१; क० प० २, २; कप्प० ५, ११५; उवा० १,
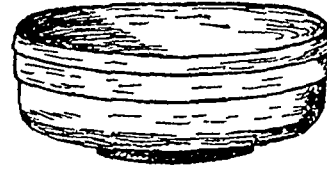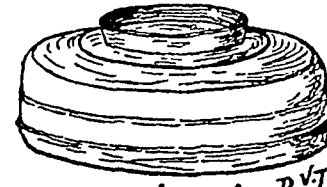
५८; (२) સિદ્ધસેણિઆ અને મણુસ્સસેણિઆ પરિકર્મનો ૧૧ મો ભેદ અને પુટ્ઠસેણિ આદિ પાંચ પરિકર્મનો આઠમો ભેદ. सिद्धसेणिआ तथा मणुस्ससेणिआ परिकर्म का ग्यारहवा भेद और पुट्ठसेणिआदि पांच परिकर्म का आठवा प्रकार-भेद. the 11th variety of the Siddha Seṇiā and Maṇussa Seṇiā Parikarma and the 8th of the five Parikarmas Puttha Seṇiā etc. सम० १२; नंदी० ५६; —घर. त्रि० (-धर) પડિગ્ગહ-કાષ્ઠ પાત્રને ધારણ કરનાર. पडिग्गह काष्ठपात्र को धारण करने वाला. (one) who holds a wooden bowl or pot. आव० ४, ८; प्रव० ५००; —धारि. त्रि० (-धारिन्) પાત્રને ધારણ કરનાર. पात्र को धारण करने वाला; पात्रधारी

one who holds a bowl वव० ६, ४३; —सुद्ध. पुं० (-शुद्ध) शुद्धपात्र; शुद्ध લેનાર. शुद्धपात्र; शुद्ध ग्रहण करनेवाला. a pure bowl (one) who accepts pure things. भग० १५,१; विवा० १;

पडिग्गहग. न० (पतद्ग्रहक) કાષ્ઠપાત્ર; પાતરા. काष्ठपात्र; पात्र विशेष. A wooden bowl. भग० ८, ७; प्रव० ६३२;

पडिग्गहय. न० (पतद्ग्रहक-प्रतिग्रहक) પાત્ર; પાતરા. पात्र; साधुओं का लकडी का भाजन विशेष. A bowl; a wooden pot. भग० ५, ४;

√पडिग्गाह. धा० II. (प्रति+ग्रह्) ગ્રહણ કરવું; સ્વીકારવુ. ग्रहण करना; स्वीकार करना. To accept; to take.

पडिग्गाहेइ. नाया० १६;

पडिग्गाहिज्जा. वि० आया० २, १, १, १;

पडिग्गाहेज्जा. वि० वेय० ५, १;

पडिग्गाहिज्ज. वि० दस० ५, १, २७;

पडिग्गाहित्ता. सं० कृ० दसा० २, २२,

पडिग्गाहित्तए. हे० कृ० वव० २, २७, ८, १४; १०, १; दसा० ७, १; वेय० १, १;

पडिग्गाहिअ त्रि० (प्रतिगृहीत) ગ્રહણ કરેલ. ग्रहण कियाहुआ; गृहीत, स्वीकृत. Accepted; taken; admitted. वेय० ४, १३;

पडिघाअ. पु० (प्रतिघात) વિનાશ. विनाश. Destruction. (२) પ્રતિબંધ; નિરોધ प्रतिबन्ध; निरोध. obstruction. hinderance. उत्त० ६,५४; भग० ३, २; आया० १, १, १, ११; ठा० ३, ४; विशे० २०७; जं० प० ७, १३६;

पडिचंद. पुं० (प्रतिचन्द्र) સામ સામે બેચંદ્ર દેખાય તે; ઉત્પાત સૂચવનાર બીજા ચન્દ્ર દેખાય તે. आमने सामने दो चंद्रमा का दिखाई देना; उत्पात सूचक दूसरे चंद्र का दर्शन Appearing of two moons opposite to each other, an omenous sight of a 2nd moon. अणुजो० १२७; भग० ३, ७; जीवा० ३, ३;

√पडिचर. धा० I. (प्रति+चर्) સામે ચાલવું. सामने चलना. To go in front. (२) સેવા કરવી. सेवा करना. to serve.

पडियरए. पिं० नि० ५१७;

पडिचरति. सू० प० १;

पडियरसि. उत्त० १८, २१;

पडिआरिउं. ओघ० नि० भा० २८;

पडिअरिय. दस० ६, ३, १५;

पडिचार पु० (प्रतिचार) ગોઠવણ; વ્યવસ્થા प्रबन्ध, व्यवस्था. Arrangement; management नाया० १; १३;

√पडिचिट्ठ धा० I. (प्रति+स्था) સ્થિર થવું. स्थिर होना. To be steady.

पडिचिट्ठ. नाया० ८;

√पडिचोय. धा० I (प्रति+चुद्) પ્રેરણા કરવી. प्रेरणा करना. To urge.

पडिचोएंति. भग० १५, १;

पडिचोएइ. आ० भग० १४, १;

पडिचोएउं. हे० कृ० भग० १५, १;

पडिचोएज्जमाण. णि० व० कृ० १५, १;

पडिचोयणा. स्त्री० (प्रतिचोदना) ઉપદેશ; પ્રેરણા उपदेश; प्रेरणा Advice; exhortation. भग० १५, १;

पडिच्चमक्ख. पुं० न० (प्रतीत्य+म्रक्ष) કોઇ વસ્તુની ચીકાસ લાગે તે આશ્રીને. किसी वस्तु की स्निग्धता का आश्रय लेकर. Taking the support of the oiliness of anything. ओव० ६, ६;

पडिच्छग. पु० (प्रतीच्छक) પોતાના ગુરૂની આજ્ઞા લઈ સૂત્રના અર્થ ગ્રહણ કરવાને આચાર્ય સાથે રહેનાર સાધુ, જ્ઞાન લેવાને અભિલાષી गुरु की आज्ञा प्राप्तकर सूत्रार्थ

समझने के उद्देश से आचार्य के साथ रहने वाला साधु; ज्ञानप्राप्ति का अभिलाषी. A monk who is permitted by his Guru to live with him with a view to understand the meaning of a Sūtra (scripture) ओव० विशे० १४७५; ओघ० नि० १३४, नंदी० स्थ० ४२;

पडिच्छण. न० (प्रतीच्छन) બીજા ગણમાં જઈ સૂત્રાર્થ ગ્રહણ કરવા તે दूसरे गण में जाकर सूत्रार्थ का ग्रहण करना. The act of receiving a scriptural meaning in another brotherhood. ओघ० नि० भा० ३५;

पडिच्छन्न. त्रि० (प्रतिछन्न) ઢંકાએલું. ढकाहुआ; आच्छादित; वेष्टित. Covered कप्प० ३, ३२, उत्त० १, ३५, दस० ५, १, ८३, भग० २, १;

पडिच्छमाण. त्रि० (प्रतीच्छत्) સૂત્રાર્થ ગ્રહણ કરતો. सूत्रार्थ ग्रहण करता हुआ Accepting the meaning of a Sūtra (scripture.) ओव० ३२;

पडिच्छयण. न० (प्रतिच्छादन) આચ્છાદન; ઢાંકણ આच्छादन. A cover, a lid भग० ११, ११; नाया० १; राय० १६२;

पडिच्छायण. न० (प्रतिच्छादन) આચ્છાદન; ઢાંકણું. आच्छादन, ढक्कन. A cover, a lid राय० ६, २; सू० प० २०;

पडिच्छिय. त्रि० (प्रतीप्सित) ગ્રહણ કરેલ ग्रहीत, स्वीकृत,ग्रहण कियाहुआ. Accepted; taken. भग० २, १; ६, ३३; १८, २; ४१, ३२; नाया०१,१२, सु० च० ३,१८, कप्प० २, १२; नाया० ध० उवा० १, ५८;

पडिच्छियव्व. त्रि० (प्रतीष्टव्य) ઈચ્છવાયોગ્ય. इच्छा करने योग्य. Desirable. सु० च० ४, ३१०;

पडिच्छीण. पुं० (प्रतिच्छीन) ઉમેદવાર; ઇંતેજાર प्रतीक्षक, उम्मेदवार; अभिलाषी. A candidate; a waiter. गच्छा० १२७;

√**पडिजागर.** धा० I. (प्रति + जागृ) જાગવું; જાગતું રહેવું. जागना; जागते रहना. To be awake; to lie awake.

पडिजागरिज्जा. दस० ६, ३, १,
पडिजागरेमाण. राय० ७१;
पडिजागरमाण. भग० ११, ११; १२, १; वव० ६, २०; नाया० १; १; विवा० १, उवा० ८, २३८;

पडिजागर न० (प्रतिजागरण) ઉજાગરો; જાગતા રહેવું. उजागरा; जागरण; जागते रहने का कार्य. A watch; wakefulness; a vigil. नाया० १;

पडिजागरण. न० (प्रतिजागरण) ગિલાનની વૈયાવચ્ચ કરવી તે दुःखीकी सेवा शुश्रूषा. Services given to an afflicted through pity. प्रव० १५५६;—**नियम.** पुं० (-नियम) પ્રતિજાગરણા-ગિલાનની વૈયાવચ્ચરૂપ નિયમ-અભિગ્રહ. प्रतिजागरणा –दुःखी की सेवा शुश्रूषा करने का संकल्प. the vow of serving the afflicted प्रव० १५५६;

पडिणाविया. स्त्री० (प्रतिनौका) સામે આવતી નાવા-હોડી. सामने आती हुई नौका, नाव, डोंगी. A boat coming in front निसी० १८, १०;

पडिणिकास. त्रि० (प्रतिनिकाश) સદૃશ; સરખું सदृश, समान; एकसा. Similar to, like. जं० प०

√**पडिणिगच्छ.** धा० I. (प्रति+नि+गम्) પાછા વળવું. पीछे फिरना. To return.

पडिणिगच्छइ. उवा० १, १६; ७, २१२;

पडिणिगय्य. त्रि० (प्रतिनिर्गत) नीકળેલું, નીકળી ગયેલું निकला हुआ; निकल गया हुआ; बीता हुआ. Gone out; past नाया० १४;

पडिणिज्जाइयव्व. त्रि० (प्रतिनिर्यातव्य) પાછુ આપવા યોગ્ય पीछे देने योग्य; फिर से देने लायक. Fit to be returned. वव० ८, ११; वेय० ४,५;

पडिणिभ. त्रि० (प्रतिनिभ) વાદીના ઉપન્યાસતુલ્ય ઉપન્યાસકરી પ્રતિવાદી ઉત્તર આપે તે वादीके उपन्यासवत् उपन्यास करके प्रतिवादी का उत्तर देना. The reply given by a disputant similar in suggestion to one made by an opponent. ठा० ४, ३;

पडिणियत्त. त्रि० (प्रतिनिवृत्त) પાછા હઠેલ. पीछे फिरे हुए; लौटे हुए; प्रत्यागत. Returned; receded. नाया० १४; १६; विवा० ९, ज० प० ३, ४२; उवा० २, ११६;

√**पडिणिर्-क्कम.** धा० I. (प्रति+निर्+क्रम्) બહાર જવું; પ્રયાણ કરવુ; નીકળવું. बाहर जाना; प्रयाण करना; निकलना. To go out; to travel.

पडिणिक्खमइति. ओव० ११; २८; नाया० १; १४; १६; उवा० १, १०; ५८;
पडिणिक्खमति नाया० १; ३;
पडिणिक्खमामि. भग० १५; १;
पडिणिक्खमामो. नाया० १६;
पडिणिक्खमिस्सामि. भ० नाया० १;
पडिणिक्खमइत्ता. स० कृ० नाया० १, २, १६, भग० ९, ३३;
पडिणिक्खमंतित्ता. स० कृ० नाया० १; ५;
पडिणिक्खमामित्ता सं० कृ० भग० १५, १;
पडिणिक्खंत व० कृ० नाया० १३;
पडिणिक्खमाण व० कृ० भग० १५, १;

पडिणिर्-जा. धा० II. (प्रति + निर्+या) પાછું આપવું; પાછું મોકલવું. पीछे देना: पीछे भेजदेना; लौटा देना. To give back; to send back; to return.

पडिणिज्जाएसि. नाया० ७;
पडिणिज्जाएज्जामि. नाया० ७;
पडिणिज्जाएमि. नाया० ७,

पडिणियत्त धा० I. (प्रति+नि+वृत्) પાછા વળવુ. पीछे फिरना; लौटना. To turn back.

पडिणियत्तइ. भग० २०, ६;
पडिणियत्तए. नाया० १६;
पडिणियत्तएइत्ता. सं० कृ० नाया० १९;
पडिणियत्तइत्ता. स० कृ० भग० २०, ६;
पडिणियत्तए. हे० कृ० नाया० १८;
पडिणियत्तमाण. व० कृ० भग० १५, १; २०, ६; प्रव० ६०६;

पडिणिसंत. त्रि० (प्रतिनिश्रान्त) સારીરીતે વિશ્રામ પામેલુ. पूर्ण तया विश्रामित; खूब आराम पाया हुआ. Well or sufficiently reposed; rested नाया० ४; ८; १२; १८;

पडिणीय. त्रि० (प्रत्यनीक-प्रतिगतोऽनीकंयुद्धं) દુશ્મનાઇ રાખનાર; ઉપદ્રવ કરનાર શત્રું. दुश्मनाई रखने वाला; शत्रु; उपद्रव मचाने वाला, वरी. An enemy; harasser. (२) નિંદક. निंदक censurer नाया० २; भग० ८, १; ८; ठा० ३, ४, उत्त० १, ३; १७; ओव० ४१; जीवा० ३, ३; पिं०नि० ५६६; ज० प० २, २४; प्रव० १५२, क० गं० १, ५६; गच्छा० ११५; —**भाषा.** स्त्री० (-भाषा) અપકારી-વિરોધી ભાષા. अपकारी-विरोधी भाषा. a hostile speech. दस० ६, ३; ६;

पडिणीयत्तण. न० (प्रत्यनीकत्व) શત્રુતા; વેરાપણું. शत्रुता; वैर; दुश्मनाई. Enmity, hostility क० ग० १, ५४;

पडिणीयत्ता. (प्रत्यनीकता) વિરોધિપણું. विरोधिता; प्रतिपक्षता; विपक्षित्व. Enmity. भग० १२, ७;

√**पडितप्प.** धा० I. (प्रति+तृप्) સંતોષ ઉપજાવવો; તૃપ્તિ કરવી; સેવા કરવી. संतुष्ट करना; तृप्ति करना, सेवा करना To satisfy; to serve.

पडितप्पइ. उत्त० १७, ५; सम० ३०;

पडितप्पंति. सूय० २, २, ५५;

पडितप्पह. ओघ० नि० ५३५,

√**पडितव.** धा० I. (प्रति+तप्) તપવું, ખીજાવું.: तपना; खीजना; चिढना; सताप करना. To be hot, to vex, to be teased.

पडितवइ. निसी० १०, ४५;

पडितवेज्जा. वि० वव० ७, ४;

√**पडि-थंभ.** धा० I. (प्रति + स्तब्घ्) સ્તબ્ધ બનવું; અભિમાની થવું स्तब्ध होना; गर्व करना; अभिमान करना To be steady; to be haughty, to be proud.

पडिथद्धा. उत्त० १२, ५;

√**पडिदंस.** धा० II. (प्रति+दश्+णि) દેખાડવું; બતાવવું. दिखलाना; बतलाना. To show; to point out.

पडिदंसेइ. सम० ३३; भग० २, ५; ७, १०; उवा० १, ८६; नाया० १६, १६; नाया० ध०

पडिदसेंति. नाया० १६,

पडिदसइत्ता सं० कृ० भग० ७, १०;

पडिदंसेइत्ता स० कृ० नाया० १६;

पडिदायव्व त्रि० (प्रतिदातव्य) પાછું આપવા લાયક. पीछा देने योग्य; लौटाने योग्य. Fit to be returned. वेय० ३, २४;

पडिदुगंछि त्रि० (प्रतिजुगुप्सिन्) પરિહાર-ત્યાગ કરનાર. परिहार-त्याग करने वाला. (One) who abandons. सूय० १, २, २, २०,

पडिदुवार न० (प्रतिद्वार) મ્હોટા દરવાજા પાસેનો બીજો નાનો-દરવાજો वड़े फाटक के पास का दूसरा छोटा द्वार-दरवाजा. A wicket-gate. ओव० सम० प० २१०; भग० ११, ११; नाया० ५;

पडिद्दार. न० (प्रतिद्वार) દ્વાર દ્વાર પ્રત્યે; દરેક બારણે. दरदर; घरघर. From door to door. पञ्ह० २;

पडिनिग्गास. त्रि० (प्रतिनिकाश) સરખું; સમાન. सरीखा; सदृश; समान. Similar to; like. जीवा० ३, ४;

पडिनियत्त. त्रि० (प्रतिनिवृत्त) પાછું વળેલ; નિવૃત્ત થયેલ. पीछा लौटा हुआ; निवृत्ति प्राप्त Turned back; (one) who has finished भग० १२, १; विशे० १२१२; वव० १०, १; ज० प०

√**पडिनिर्-कम्म** धा० I. (प्रति+निर्+क्रम्) નિકલવું. निकलना. To come out.

पडिनिक्खमइ. भग० २, ५; ७, ६; ज० प० ५, ११५;

पडिनिक्खमंति. राय० ३६;

पडिनिक्खमइत्ता. स० कृ० भग० २, १; ५:

पडिनिक्खममाण. व० कृ० भग० ७, ६;

√**पडिनिवत्त** धा० I (प्रति+नि+वृत्) વિરમવું; પાછા હઠવું विरमण करना; पीछे हटना To cease; to retreat.

पडिनियत्तइ ओव० ४२; भग० ६, ५;

पडिनियत्तंति. भग० ३, २;

पडिनियत्तित्ता. सं० कृ० ओव० ४२; भग० ६, ५;

पडिनियत्तमाण. व० कृ० भग० ८, ६;

पडिनिवेस. पुं० (प्रतिनिवेश) અત્યન્ત દ્વેષ. अत्यन्त द्वेष. Excessive hatred.

विशे० २२६६;

पडिनीश्र. पुं० (प्रत्यनीय) પ્રતિપક્ષી; વિરોધી. प्रतिपक्षी, विरोधी, विपक्षी. An enemy; an opponent. सू० प० २०;

पडिन्नत. त्रि० (प्रतिज्ञप्त) પ્રતિજ્ઞા કરેલ. प्रण किया हुआ; कृतसंकल्प. (One) who has made a promise or a vow. (२) આદેશ કરેલ; आदेशित; आज्ञा किया हुआ. Ordered, commanded आया० २, ७, ५, २१७;

पडिपंथिया. स्त्री० (प्रतिपंथिता) પ્રતિકૂલતા; વિદ્વેષિપણું. प्रतिकूलता; विद्वेषिता; विरोधिता. Opposition, hostility; harted सूय० १, ३, १; ६;

√पडिपज्ज. धा० I. (प्रति+पद्) સ્વીકારવું; ગ્રહણ કરવું. स्वीकार करना; ग्रहण करना To accept, to admit.

पडिवज्जइ-ति भग० ५, १, ६, ३३; नाया० १; ८; १२, १४; १६: दसा० १०, ३; सूय० २, २, २०; उवा० १, ५८; श्रंत० ६, ३;

पडिविज्जिज्जइ सु० च० २, ४४६; उवा० १, ५८;

पडिवज्जंति. दसा० १०, ११;

पडिवज्जसि. नाया० १;

पडिवज्जेज. वि० विशे ४२८;

पडिवज्जेज्जा. वि० वेय० ४, २५;

पडिवज्जाहि आ० नाया० १६; उवा० १, ५८;

पडिवज्जह. आ० उवा० १, ८५;

पडिवज्जिहिति. भ० भग० १५, १;

पडिवज्जिस्सामि भ० विवा० १; उवा० १, १२; ७, २१०; भग० ८, ६;

पडिवज्जिसु. जं० प० २, ३४;

पडिवज्जिऊण. सं० कृ० सु० च० १, १२२,

पडिवज्जित्ता. सं० कृ० आया० २, १५, १७८; नाया० ७; ८;

पडिवज्जइत्ता. स० कृ० भग० १८, १०; नाया० १६;

पडिवज्जिश्र-य. सं० कृ० दस० १०, १, १२, उत्त० ५, १५;

पडिवज्जित्तए हे० कृ० नाया० १४; वव० १, ३७; पन्न० २०;

पडिवज्जंत व० कृ० विशे० ४१०;

पडिवज्जमाण. व० कृ० दस० ९, १, २; प्रव० ६१७; ६३४;

√पडिपड. धा० (प्रति+पत्) કુદવું. कूदना; फांदना. To jump (२) સંયમથી પડી જવું. संयम से गिरना-स्खलित-च्युत-भ्रष्ट होना to fall from self-restraint

पडियवंति. राय० १८३:

पडिवयमाण व० कृ० आया० १, ६, ४, १६३;

पडिपन्न. त्रि (प्रतिपन्न) યુક્ત; સહિત. युक्त; समन्न; सहित. Together with; attached to नंदी० ६;

पडिपह. त्रि० (प्रतिपथ) અવળો માર્ગ; ઉલટો રસ્તો. अडखड मार्ग, उलटा रस्ता. दुर्गम पथ. An opposite or difficult road. आया० २, १, ५, २७; निसी० १०, ४२;

पडिपहिश्र. त्रि० (प्रतिपथिक) પથે ચાલતા મુસાફરની સામાહે જઈ ચોરી કરનાર रास्ता चलते हुए पथिक के सामने पहुंच कर चोरी करने वाला-लुटेरा. A way-layer. सूय० २, २, १८;

पडिपाद पु० (प्रतिपाद) પાયા નીચે રાખવાનો-પડવાયો. पाया पैर के नीचे रखने का प्रतिपाद-पाया. A foot stool. जीवा० ३;

पडिपिल्लिश्र त्रि० (प्रतिपीडित) પીડેલ. पीड़ित, दुःखित. Troubled; distressed. चउ० २७,

पडिपिल्लिय. त्रि० (प्रतिप्रेरित) પ્રેરણા કરેલ. प्रेरणा किया हुआ; प्रेरित. Urged; impelled. भत्त० ११४;

√**पडिपिह.** धा० II. (प्रति+पिधू) ઢાંકવું; ढाकना; मुंह बंद करना. To cover up.
पडिपिहेइ. निसी० १८, १६;
पडिपेहित्ता. सं० कृ० सूय० २, २, ५१;

√**पडिपुच्छ.** धा० I. (प्रति+पृच्छ्) પુચ્છવું; પ્રશ્ન કરવો; સવાલ કરવો. पूछना; प्रश्न करना; सवाल करना; जिज्ञासा करना. To ask; to question; to enquire.
पडिपुच्छति. ओव० २१;
पडिपुच्छउ उवा० १, ६८;
पडिपुच्छिऊण. सं० कृ० दस० ५, १, १६;
पडिपुच्छिज्जइ. क० वा० भग० २५, ४;

पडिपुच्छणवा. स्त्री० (प्रतिपृच्छन) પૂછવું તે पूछने–प्रश्न करने का कार्य. Questioning or enquiring. राय० २५; ओव०

पडिपुच्छणा स्त्री० (प्रतिपृच्छना) ગુરૂની અનુજ્ઞાથી એક કામ કરતા વચ્ચે પોતાને માટે કે બીજા સાધુઓને માટે કંઇ બીજું કામ નીકલે તે વખતે પણ પુનઃ ગુરૂને પુછી સંમતિ લઇનેજ કરવુ તે, સામાચારીનો ચોથો પ્રકાર गुरु की अनुज्ञा से एक काम करते हुए बीच में अपना या अन्य किसी साधु का कोई काम आपडे तो ऐसे समय फिर से गुरु की आज्ञा प्राप्तकर काम का करना; सामाचारी का चौथा प्रकार Doing of a work by taking permission of a Guru in case some work of an ascetic or one's own props up in the middle while one is doing a work permitted by a Guru; the fourth variety of Sāmāchārī. भग० ६, ३३, २५, ७; उत्त० २६, २; ठा० ४, ३; (२) સંદેહ ઉપને પ્રશ્ન પુછવો તે; ગુર્વાદિક પાસેથી ખુલાસો મેળવવા પ્રશ્ન કરવો તે. संदेह निवृत्ति के लिये प्रश्न करना; गुरु आदि से खुलासा प्राप्त करने के लिए प्रश्न करना. questioning in order to clear a doubt; a question put to a preceptor etc. for explanation etc. ओव० २०;

पडिपुच्छणिज्ज. त्रि० (प्रतिपृच्छनीय) વારંવાર પુછવા યોગ્ય. बार बार पूछने के योग्य. Fit to be asked oftener. नाया० १; ७;

पडिपुच्छा. स्त्री० (प्रतिपृच्छा) ખબર પુછવી તે. खबर समाचार पूछना. Enquiring a message. पंचा० १२, २; गच्छा० ३८; (२) ગુરૂએ એક વાર મના કરી હોય તે કાર્ય માટે ફરીથી ગુરૂને શિષ્યે પુછવું તે; દશ સામાચારીમાંની સાતમી સામાચારી. किसी कार्य के लिये एक बार मना कर देने पर शिष्य का गुरु को उस कार्य के लिये पुनः प्रश्न करना; दश सामाचारी में से सातवीं सामाचारी. asking by a disciple once again of a Guru about a work which is once forbidden, the 7th good rule out of ten. प्रव० ७६७; ७७३;

पडिपूजिय. त्रि० (प्रतिपूजित) પૂજેલું; અર્ચેલું. पूजित; अर्चित; पूजाहुआ Adored; worshipped. नाया० १;

पडिपुराण त्रि० (प्रति-पूर्ण) સમ્પૂર્ણ; પુરેપુરૂં. सम्पूर्ण; पूरंपूर पूरा. Complete; full. कप्प० १, ११, ३, ३८; भग० २, १५१; ३, १; ६, ३१; ११, ११; १४, ६; २५, ६; ३३, १; नाया० १; २; ३; ४; ७, ८; १०; १४; १६; अणुजो० १३; १५०; सम० प० २३६; जीवा० ३, १; जं० प० ५, १२१; २, २०; ओव० उत्त० ८, १६; ६,

४६; आया० १, ५, ५, १६०; राय० ३, २; दस० ८, ४६; उवा०२, १०१;—**अलंकार** पुं० (-अलंकार) संपूर्ण अलंकार-घरेणां. सम्पूर्ण अलंकार-भूषण-गहने-जेहवर. all ornaments. भग० ६, ३३; —**पोसह** न० (-पौषध) सम्पूर्ण पौषध-पोषो; परिपूर्ण अहोरात्र पर्यन्त पोषधव्रतमां रहेवुं ते सम्पूर्ण पौषध-पोषा; परिपूर्ण अहोरात्र पर्यन्त पाषधव्रत में स्थित रहना. a complete regular fast i. e. one of 24 hours and observed in a particular way. दसा० ६, २;

पडिपुन्न. त्रि० (प्रतिपूर्ण) जुओ "पडिपुराण" शब्द देखो " पडिपुराण " शब्द. Vide " पडिपुराण ' उत्त० ३२,१; दस० ६, ४, २, ३; सु० च० १; ६५; आव० ४, ८; कप्प० ३, ३५; ३०६;

√**पडिबंध.** धा० I. (प्रति+बन्ध्) प्रतिबंध करवो; रोकवुं; घेरीवळवुं. प्रतिबन्ध करना; राकना; अटकाना, घेर लेना. To check; to stop; to besiege.

पडिबंधइ. सूय० १, ३, २, १०;

पडिबंध. पुं० (प्रतिबन्ध) प्रतिबंध; विलम्ब; अटकायत; रोकाण. प्रतिबंध; विलम्ब; अटकावः रोक. A check; stoppage; delay. भग० १, ६; २, १; ५, ६; ६, ३२; ३३; १८, २; नाया० १; ७; ८; हाया० ध० पिं० नि० ४६; निर० ३, ४; पराह० १; ५; राय० २२३; २७६; ओव०१७; सूय० २, ७, ४०; उवा० १, १२; ७७; ७, २१०;(२) हठ; आग्रह. हठ; आग्रह. persuasion; obstinacy. सु०च० २,४५०; प्रव०६२६; पंचा० १७, १६; कप्प० ५, १७७; (३) विलम्बे काम करनार; आळसु; धीमो. देर लगाकर काम करने वाला, आलसी, शिथिल. a sluggard; a slow worker ओघ० नि० भा० १३३;

पडिबद्ध. त्रि० (प्रतिबद्ध) बांधेलुं. बंधा हुआ. Bound. (२) पोतानुं करी राखेलुं. अपना बनाकर रखा हुआ. mabe one's own. भग० १, ७; ७, ३; नाया० १; उवा० १,५१; वेय० १, २६; ५, २२; विवा० १; (३) ६८; मजबूत. दृढ; मजबूत; strong; tight. पंचा० १, २२; ४, ३७; १३, ४१; सूय० २, २, ५५; गच्छा० १०; प्रव० ६२४;

पडिबाहिर त्रि० (प्रतिबाह्य) अधिकारथी बहार-अनधिकारी; अधिकार से परे-अनधिकारी. Unauthorised; सम० ३०; दसा० ६, ११;

पडिबिंबिज्जंत. त्रि० (प्रतिबिम्ब्यमान) प्रतिबिम्ब पामतुं. प्रतिबिम्ब प्राप्त करता हुआ; झलकता हुआ. Being reflected; glittering. सु० च० १५, २२३;

√**पडिबुज्झ.** धा० I. (प्रति+बुद्ध) जागवुं; ऊंघमांथी उठवुं. जागना; नींद से उठना. To wake up; to get up from sleep; to realise the self.

पडिबुज्झंति. नाया० १; भग० ११, ११; १६, ६;

पडिबुज्झ. आज्ञा० आया० १, ७, ८,२४;

पडिबुज्झमाण. व० कृ० ओव० ३२;

√**पडिबुज्झ.** धा० II (प्रति-बुद्ध) प्रतिबोध-उपदेश पामवुं; प्रतिबोध-उपदेश प्राप्त करना. To be advised. (२) जागृत थवुं; चेतवु. जागृत होना; चेतना. to be awaken; to be roused.

पडिबोहेइ. प्रे० नाया० १; भग० ११, १०;

पडिबोहइज्जा. वि० दस० ६, १, ८;

पडिबोहेइत्ता. सं० कृ० भग० ११, ११;

पडिबोहित्ता. नाया० १;

पडिबुद्ध त्रि० (प्रतिबुद्ध) जागृत थयेल; ऊंघमांथी उठेल. उठा हुआ; जगा हुआ; नींद

छोडकर उठा हुआ.; प्रतिबुद्ध Roused; got up from sleep; awakened नाया० १; ८, १६; भग० ११, ११; १६, ६; उत्त० ४, ६; अणुजो० १३०; कप्प० १, ४; सु० च० २, ६८; ४, १६६;

पडिबुद्धि. पुं० (प्रतिबुद्धि) પ્રતિબુદ્ધિ નામનો અયોધ્યાનો પ્રાચીન રાજા. प्रतिबुद्धि नामक अयोध्या का प्राचीन राजा. An ancient king of Ayodhyā named Pratibuddhi नाया० ८;

पडिबोध पुं० (प्रतिबोध) જાગવું તે जागरण; प्रतिबोध. Awakening जं० प० ५, ११५; प्रव० ९०; **—कालिय** त्रि० (-कालिक) જાગતી વખતનું. जागृत अवस्था का of the rising time.

पडिबोहिय. त्रि० (प्रतिबोधित) જાગૃત કરેલ; જગાડેલ. जगाया हुआ; जागृत किया हुआ. Roused; awakened. नाया० १; ३;

पडिबोहिया. स्त्री० (प्रतिबोधिका) જગાડનારી, દાસી. जगाने वाली दासी. A maid servant who roused. विवा० २;

पडिभंड पुं० (प्रतिभाण्ड) વેચવાનું કરિયાણુ માલ. बेचने का किराना माल-फुटकर वस्तुएं. Commodities to be sold. नाया० ८; १५;

पडिभग्ग. त्रि० (प्रतिभग्न) હારી ગયેલ; થકી ગયેલ हारा हुआ, थका हुआ Defeated; exhausted ओघ० नि०५३३; क० प० ८, २३;

√पडिभण. धा० I. (प्रति+भण) પ્રત્યુત્તર આપવો. प्रत्युत्तर देना; जबाब देना To reply

पडिभणई. उवा० ४, १५३;

पडिभणना. स्त्री० (प्रतिभणन) સામો જવાબ દેવો તે. सामने जबाब देना. Retorting. प्रव० १४४;

पडिभणित्तार. पुं० (प्रतिभणितृ) સામે બોલનાર. सन्मुख-सामने बोलने वाला An opponent; one who replies in front सम० ३३.

√पडि-भा. धा० I. (प्रति+भा) ભાસવું; જણાવું. भास होना; मालूम होना, दिखलाई देना. To feel; to be known or visible.

पडिहाइ. सु० च० ४, १८४; विशे० ११६; २२७३;

√पडिभास. धा० I. (प्रति + भाष्) સામે બોલવું, જવાબ દેવો सामने बोलना; जबाब देना. To reply; to give a retort.

पडिभासंति. सूय० १, ३, १, १६;

पडिमट्ठाइ. पुं० (प्रतिमास्थायिन्) પડિમા-બારમી ભિક્ખુની પડિમા અંગીકાર કરી રહેનાર (સાધુ) पडिमा-भिक्षु की १२वीं पडिमा धारण करके रहने वाला (साधु) An ascetic who undertakes the 12th vow of a monk ठा० ५, १;

पडिमट्ठाइअ पुं० (प्रतिमास्थायिक) પડિમાધારિ સાધુ. प्रतिमा-पडिमा धारण करने वाला साधु An ascetic with a particulat vow. पराह० २, १;

पडिमट्ठाविया. स्त्री० (प्रतिमास्थायिका) ભિક્ખુની બાર પડિમા આદરનારી (સ્ત્રી) भिक्खु-भिक्षु की बारह पडिमा का आदर करने वाली (स्त्री). A (female) who respects the 12 vows of a monk " नो कप्पइ निग्गंथीए पडिमट्ठावियाए होतए " वेय० ५, २३;

√पडि-मा. धा० I. (प्रति+मा) માપ કરવું; કિમ્મત કરવી. मापना; कीमत ठहराना. To measure; to value.

पडिमिणिज्जइ. क० वा० अणुजो० १३३;

पडिमा. स्त्री॰ (प्रतिमा) અભિગ્રહ વિશેષ; શ્રાવકની અગીયાર અને સાધુની બાર પડિમા વગેરે. अभिग्रह विशेष; श्रावक की ग्यारह और साधु की बारह पडिमा आदि. A particular vow e. g. the 11 vows of a layman and 12 of a monk. उत्त॰ २, ४३; ३१, ६; आया॰ २, ५, १, १४३; ओव॰ १६; सम॰ ११; ६१; ठा॰ १, १; उवा॰ १०, २७०; भग॰ २, १; ६, १; ओघ॰ नि॰ भा॰३; अंत॰ ६, ३; नंदी॰ ५१; वव॰ १, २४; ६, ४१; दसा॰ ५, ३३; नाया॰ ८; दस॰ १०, १, १२; प्रव॰ ५७०; पंचा॰ १८, २; (२) ફોટો-મૂર્તિ; આકાર. चित्र; आकृति; मूर्ति a photo; an image; form. सु॰ च॰ १, ३२७; २, ७०; ५, ४८; अंत॰ ३, ८; नाया॰ ८; जं॰ प॰ जीवा॰ ३, ४; विशे॰ २३६५; प्रव॰ ६७०; पंचा॰ १०, १; कप्प॰ ४, १०३; —ट्ठिय. त्रि॰ (-स्थित) કાઉસગરૂપ પ્રતિમા વિશે રહેલ. काउसग्गरूप प्रतिमा में स्थित. devoted to a particular posture of meditation. प्रव॰ १००१;

पडिमाण. न॰ (प्रतिमान) પ્રતિમાન; પૈસા વગેરેથી વસ્તુની કિંમત કરવી તે. प्रतिमान; मोल; पैसे आदि से पदार्थ का मोल करना. Valuation. अणुजो॰ १३२;

पडिमोय-अ त्रि॰ (प्रतिमोचक) મુક્ત કરાવનાર; છોડાવનાર. मुक्त कराने वाला; छुडाने वाला; मुक्तिदाता Emancipator; (one) who sets free आया॰ १, २, ६, १०२;

पडिय-अ. त्रि॰ (पतित) પડેલું; પડીગયેલું. गिरा हुआ, गिर पडा हुआ; भ्रष्ट. Fallen; degenerated भग॰ ७, ६; ६, ३३; १५,१; नाया॰ १; २; ७; १४; पिं॰ नि॰ ११६; ३१८; ओव॰ ३८; विवा॰ १; सु॰ च॰ १, ७४; २७७; पराह॰ २, ३; भत्त॰ ८६; प्रव॰ ६८६; नाया॰ ध॰ —विभंग. त्रि॰ (-विभङ्ग) જેનું વિભંગજ્ઞાન નષ્ટ થયું છે તે नष्ट-विभंगज्ञान वाला. (one) whose wrong visual knowledge is destroyed. भग॰ ११, ६;

पडियच. सं॰ कृ॰ अ॰ (प्रतीत्य) જાણી-સમજીને; પ્રતીતિ કરીને. जान बूझकर; प्रतीति-विश्वास करके. Having known; believed. सूय॰ १, ६, २७;

पडियत्तए. हे॰ कृ॰ अ॰ (प्रतिवर्तितुम्) પાછા વળવાને. पीछे लौटने के लिये; वापिस फिरने के उद्देश से For returning. वेय॰ ३, ३०;

पडियमित्त न॰ (पतितमात्र) પડતાંવેંત. पडते के साथही. Just while falling. पिं॰ नि॰ भा॰ १८;

पडियरग. पुं॰ (प्रतिचरक) સેવા કરનાર; વૈયાવચ્ચ કરનાર. सेवा करने वाला; सेवक; उपचारक; वैयावच्च करनेवाला. An attendant; a servant; (one) who performs Vaiyâvachcha (care of an ascetic etc.) पिं॰. नि॰ १८८;

पडियरण. न॰ (प्रतिचरण) નિરૂપણ કરવું; આલોચના કરવી તે. निरूपण करना; आलोचना. Expostulation; criticism. ओघ॰ नि॰ ८३;

पडिया स्त्री॰ (प्रतिज्ञा) ટેક; ધારણા; પ્રતિજ્ઞા. टेक; प्रण; प्रतिज्ञा; सिद्धान्त; संकल्प. A vow; a resolution. निसी॰ ३, ५;

पडिया. स्त्री॰ (पटिका) છાબને ઢાંકવાનું વસ્ત્ર. छबडी छाब को ढंकने का वस्त्र. A cloth to cover a basket अंत॰ ६, ३;

पडियाइक्खिय. त्रि॰ (प्रत्याख्यात) પચ્ચખાણ કરેલ; ત્યાગ કરેલ. पच्चक्खाण किया

हुआ; त्यक्त; त्यागा हुआ That which is abandoned or renounced. नाया० १; भग० २, १;३,२; उवा० ८,२५१.

पडियाखित्त. त्रि० (प्रत्याक्षिप्त) निषेध करेलुं. निषेधित; मना किया हुआ. Prohibited; forbidden. निसी० ३, १३;

पडियागय. त्रि० (प्रत्यागत) પાછા આવેલ. पीछा आया हुआ; लौटा हुआ; प्रत्यागत. (One) come back, returned. निसी० ३, ५;

पडियाणअ. न० (पटतानक) ઘોડાના પલાણુની નીચેનું વસ્ત્ર; પડછી घोड़े की पलान के नीचे का वस्त्र. पाथन्या A cloth below the saddle of a horse. " अहिलाणेहिय पडियाणएहिय अंकणाहिय वेलप्पहारेहिय " नाया० १७,

पडियाणिय. न० (पटतानिक) थिगडुं. पैवंद; थेगला; जोड. A patch. निसी० १, ४८;

पडियार. पुं० (प्रतिकार) પૂર્વ કર્મનો બદલો; પૂર્વકર્મ વિપાક-અનુભવ; ઉપાય; પ્રતિક્રિયા. पूर्वकर्म का बदल; पूर्वकर्म विपाक-अनुभव; उपाय; प्रतिक्रिया The result or requital of previous actions; experience; means; revenge विशे० २००५; सूय० १, ३, १, ६; सु० च० ४, २४४; पंचा० ५, २२;

पडियार. त्रि० (प्रतिचार) અંગ વ્યાપાર, શરીરની હલન ચલન ક્રિયા-અંગચેષ્ટા. शारीरिक हल चल, अंग व्यापार-चेष्टा. Movement of the body or limbs (२) પ્રતિકાર; સેવા प्रतिकार; सेवा requital; service, भग० १५, १; आया०१, ७, ८, १२; —णिविरण. त्रि० (-निर्विण्ण) ઉપાય-સેવા કરવાથી ખેદ પામેલ. उपय- सेवा करने से खेद प्राप्त-खिन्न gloomy or exhausted through service. विवा० ८;

पडियारग. पुं० (प्रतिचारक) પરિવાર; સેવક વર્ગ. परिवार; सेवक वर्ग; परिजन. Attendants. विवा० १;

पडियारिया. स्त्री० (प्रतिचारिका) દાસી. दासी; लौंडी, चेरी. A maid-servant. निर० १, १;

पडिरह. पुं० (प्रतिरथ) રથની-સ્હામે રથ. रथ के सम्मुख दूसरा रथ; प्रतिरथ. An opposing chariot भग० ७, ६;

पडिरूव. त्रि० (प्रतिरूप-प्रतिगतं नवं नवं रूपमिति) સુંદર દેખાવવાળું; જોનારને ક્ષણે ૨ નવુ લાગે તેવું सुन्दर दृश्य वाला; देखने वाले को पल २ में नया दीखने वाला. A picturesque scene; that which is fresh at every moment जं० प० ५, ११५; १, ४; १, १२; नाया० १; २; १३. भग० ११; ११, १८, ५; राय० ४५; पराह० २, २; जीवा० ३, ३, जं० प० उवा० २, ११२; ओव० (२) પ્રતિબિમ્બ પડે તેવી સ્વચ્છ વસ્તુ प्रतिबिंब पडने योग्य निर्मल वस्तु a reflecting object. कप्प० ५, १०४; ७, २१०; भग० २, ५, नाया० १; ५; ६; (३) મળતો આકાર. मिलता हुआ रूप; सदृशता; एकरूपता a resembling form नाया० ८, (४) ઉત્તર તરફના ભૂત દેવતાના બીજા ઇન્દ્રનુ નામ. उत्तर ओर के भूत देवता के २ रे इन्द्र का नाम name of the 2nd Indra of the Bhuta gods of the north. भग० ३, ८; १०, ५, पन्न० २; ठा० २, ३; (५) માતા અને પિતા બેના કુલને લાયક. माता -पिता दोनों के कुल के योग्य. proper for both families of parents. उत्त० २३, १६; दसा० १०, ३, (६)

श्रेष्ठ पद्धति-जुना वखतथी चाली आवती रीत. श्रेष्ठ पद्धति; परम्परागत प्रथा-रीति-रूढि an ancient hence good custom. उत्त० १, ३१; (७) नमुनो.. नमूना. a sample. सूय० २, ६, २५; —कायसंफासणया स्त्री० (-कायसस्पर्शन) जेम रुचे तेम शरीरनं स्पर्श करवो ते. शरीर का मनचाहा स्पर्श. touching of the body in a manner which is pleasing. दसा० ४, ९७;

पडिरूवग. न० (प्रतिरूपक) प्रतिबिम्ब. प्रतिबिम्ब; परछाई. Reflection. जं० प० ५, ११६; ४, ७३; भग० ७, ६; उवा० १, ४७, (२) त्रि० नमुनो, तेना जेवुं. नमूना, तद्वत्; उसके समान a sample; similar to it. उवा० १, ८७;

पडिरूवन्नु. त्रि० (प्रतिरूपज्ञ) योग्य विनय-मर्यादा जाणनार; उचित प्रतिपत्ति जाणनार. योग्य विनय-मर्यादा जानने वाला; उचित प्रतिपत्ति-शिष्टाचार का वेत्ता. (One) who knows proper manners, formalities, decorum. उत्त० २३, १५;

पडिरूवया स्त्री० (प्रतिरूपता) स्थविर कल्पादि सरखु रूप-वेष, अधिक उपकरण आदिनो परिहार-त्याग. स्थविर कल्पादिवत् रूप-वेष; अधिक उपकरणादि का परिहार-त्याग A form like a number of an order of saints; renouncing of many belongings. उत्त० २६, २,

पडिरूवय. त्रि० (प्रतिरूपक) सरखा रूप-वाळुं समान रूप वाला Similar in form. भग० १५, १;

पडिरूवा. स्त्री० (प्रतिरूपा) चालु अवसर्पिणीना चोथा कुलकरनी स्त्री. चालू अवसर्पिणी के चौथे कुलकर की स्त्री. Wife of the 4th Kulkara in the current æon of decrease. सम० प० २२६;

पडिलंभ. पुं० (प्रतिलम्भ) प्राप्ति; आहारादिकनो लाभ. प्राप्ति. आहारादिक की प्राप्ति-लाभ-लब्धि. Attainment; getting of food etc. सूय० २, ५, ३२;

पडिलद्ध. त्रि० (प्रतिलब्ध) मेळवेल; प्राप्त करेल. मिलाया हुआ; प्राप्त किया हुआ. Attained; acquired नाया० १; भग० १२, १; —सम्मत्त. त्रि० (-सम्यक्त्व) जेणे सम्यक्त्व मेळव्युं छे ते सम्यक्त्ववाला. (one) who has attained right-belief. भग०१२,१;

√पडिलभ धा० I. (प्रति+लभ्) मेळववुं; प्राप्त करवुं. मिलाना; प्राप्त करना To acquire; to get

पडिलभामि भग० १२, १:

पडिलभे. वि० उत्त० १, ७;

पडिलाभेइ प्रे० सम० प० २३२; नाया० १८; १६;

पडिलाभेज्जा वि० राय० २७७;

पडिलाभिस्सामि. भ० भग० १५, १;

पडिलाभेइत्ता. सं० कृ० नाया० १४; १६;

पडिलाभेत्ता सं० कृ० भग० ५, ६;

पडिलाभित्ता. सं० कृ० भग० ५, ६;

पडिलाभेमाण व० कृ० भग० ७, १; ९, १०; ८, ६; नाया० ५; १२; १४, उवा० १, ६८, ६, १६३;

पडिलाभमाण व० कृ० भग० २, ५;

पडिलाभिय त्रि० (प्रतिलाभित) आहार पाणी व्होरावेल; साधु-मुनिने निर्दोष आहारादि आपेल आहार पानी प्रद[illegible] -मुनि को निर्दोष आहार आदि [illegible] (One) who has r[illegible]

etc; (one) who has given pure food to a saint, monk etc. विवा० १; पिं० नि० ४०४; भग० १५, १;

√पडिलेह. धा० I, II. (प्रति+लिख्) પડિલેહણ કરવું; વસ્ત્ર પાત્રાદિક વિધિપૂર્વક જોવાં-તપાસવાં. पडिलेहण करना; वस्त्र पात्रादि को विधिवत् देखना-जाचना To take proper care of dress and utensils etc. (२) વિચારવું; આલોચન કરવું. विचार करना; आलोचना करना. to think; to analyse.

पडिलेहइ-ति. उत्त० १७, ६; भग० २, १; ५; १२, १; नाया० १; १६; उवा० १, ६६;

पडिलेहइ. निसी० २, ५६; भग० १५, १; नाया० १६;

पडिलेहए. वि० दस० ५, १, ३७;

पडिलेहेज्जा. दस० ८, १७;

पडिलेहित्तए. हे० कृ० दसा० ७, १;

पडिलेहित्ता. सं० कृ० वव० ७, १७; दस० ६, २, २१; नाया० १; भग० २, १; ५; ८, ६; उत्त० २४, १४; २६, ८; २०; आया० १, १,६,५०;

पडिलेहइत्ता. सं० कृ० नाया० १; १६; भग० १५, १;

पडिलेहइत्ता. सं० कृ० नाया० १; १६; भग० १२, १;

पडिलेहाए. सं० कृ० दस० ६, ५५; आया० १, २, ६, ६७;

पडिलेहिया. सं० कृ० सूय० १, ११, ६; दसा० ५, १, ८१;

पडिलेहिय. सं० कृ० दस० ४; उवा० १, ५५;

पडिलेहिए. सं० कृ० सूय० २, ७, ३७;

पडिलेहमाण. व० कृ० आया० २, १, ३, १५;

पडिलेहण. न० (प्रतिलेखन) જુઓ "पडिलेह" શબ્દ. देखो "पडिलेह" शब्द. Vide. "पडिलेह" उत्त० २६, २९; ओघ० नि० भा० ३; प्रव० ५७०; ५६८;

पडिलेहणा. स्त्री० (प्रतिलेखना) જુઓ "पडिलेहण" શબ્દ. देखो "पडिलेहण" शब्द. Vide. "पडिलेहण" पराह० २, १;

—पमाअ. पुं० (-प्रमाद) વસ્ત્ર, પાત્ર, વગેરેનુ પડિલેહણ કરવામાં પ્રમાદ કરવો તે. वस्त्र, पात्र आदि का निरीक्षण करने में प्रमाद-असावधानी (करना). negligence in taking proper care of dress etc. ठा० ६, १;

पडिलेहणिया. स्त्री० (प्रतिलेखनिका) જુઓ "पडिलेह" શબ્દ. देखो "पडिलेह" शब्द. Vide "पडिलेह" ओघ०नि० भा० १७४;

पडिलेहा. स्त्री० (प्रतिलेखा) જુઓ "पडिलेह" શબ્દ. देखो "पडिलेह" शब्द. Vide 'पडिलेह." उत्त० १७, ६; २६, १६; ओघ० नि० ६२; ९७; कप्प० ६, ६०:

पडिलेहित्ता. त्रि० (प्रतिलेखयितृ) પડિલેહણ કરનાર. पडिलेहण करने वाला; निरीक्षण करने वाला. (One) who properly inspects dress etc ; an inspector. दस० ४, ५८;

पडिलेहिय त्रि० (प्रतिलेखित) પડિલેહણ કરેલ पडिलेहण किया हुआ; आलोचित. Inspected; circumspected. उवा० १, ५५; पचा० १०, १६:

पडिलेहियव्व. त्रि० (प्रतिलेखितव्य) પડિલેહણ કરવા યોગ્ય. पडिलेहण करने के योग्य. Fit to be inspected or taken care of. कप्प० ९, ४५;

पडिलोम. त्रि० (प्रतिलोम) વિરુદ્ધ; પ્રતિકૂલ; ઉલટું. विरुद्ध; प्रातिकूल; उलटा; विपरीत. Opposite; hostile; ini-

mical राय० २५२; दसा० ९, ११; विशे० १३०५; सम० ३०; भग० १, ५; नाया० १; ६; ओघ० नि० ३६; प्रव० १०५२; वव० १०, १; जं० प० क० प० १, ५६, कप्प० ५, ११९;

पडिलोमइत्ता. सं० कृ० अ० (प्रतिलोमयित्वा) પ્રતિકૂલ કરીને; પ્રતિપક્ષી બનાવીને. प्रतिकूल करके; प्रतिपक्षी बनाकर. Having made an opponent or adversary. ठा० ६, १;

पडिलोम-पडिलोमेण. अ० (प्रतिलोम-प्रतिलोमेन) ઉલટે ઉલટું उलट उलट; विपरीत. Opposite; contrary. राय० २६७;

पडिलोमग. त्रि० (प्रतिलोमक) વિપરીત; પ્રતિકૂલ विपरीत; विरुद्ध; प्रतिकूल Hostile; inverted; adverse. भग० ९, ३२;

पडिवंसग. पुं० (प्रतिवंशक) પાંજરાની વચ્ચે ફરતી ગોઠવેલી વાંસની કાંબડી. पींजरे के बीचमें बिठाई हुई फिरती बासकी कांमडी A moving bamboo stick fixed inside a cage (२) ઉભા વાંસ ઉપર આડા ગોઠવેલ વાંસ खडे बास पर रखा हुआ आडा बांस. a horizontal bamboo placed on vertical bamboos. जीवा० ३, ४, राय० १०७;

पडिवक्ख. पुं० (प्रतिपक्ष) સ્હામોપક્ષ; પ્રતિપક્ષ. प्रतिपक्ष; सामनेवाला पक्ष; विपक्ष An adverse or hostile party. ठा० ४, १; विशे० ३१; पिं० नि० भा० २; चउ० २६; पंचा० १, ३६; सु० च० १, ३२६; ८, ३५; पन्न० ५; —पअ न० (-पद) ઉલટા ગુણવાળું પદ; પ્રતિપક્ષી અર્થવાળું પદ. उलटे गुण वाला पद; प्रतिपक्षी अर्थवाला शब्द a wor of opposite or adverse sense of merit अणुजो० १३१;

√पडिवच. धा० I (प्रतिवच्) કહેવું; સામું બોલવું. कहना; सामने बोलना. To speak; to retort

पडिवक्खामि. भ० सूय० १, ११ ६;

पडिवज्जमाणय. त्रि० (प्रतिपद्यमानक) ગ્રહણ કરતો; સ્વીકારતો. ग्रहण करता हुआ; स्वीकार करता हुआ Accepting; admitting. भग० ८, ८; २५, ६; ७;

पडिवज्जिम. त्रि० (*प्रतिपन्न) ગ્રહણ કરેલ; સ્વીકારેલ. ग्रहीत; स्वीकृत. Accepted; admitted सु० च० १, १६६; नाया० ७;

पडिवज्जियव्व त्रि० (प्रतिपत्तव्य) સ્વીકારવા ગોગ્ય. स्वीकार करने योग्य; ग्राह्य. ग्रहण करने के योग्य. Fit to be accepted; taken. उत्त० ३२, ९;

पडिवज्जेयव्व त्रि० (प्रतिपत्तव्य) જુઓ "पडिवज्जियव्व" શબ્દ. देखो "पडिवज्जियव्व" शब्द. Vide. "पडिवज्जियव्व" उवा० १, ८६;

पडिवडिय त्रि० (प्रतिपातिन) ચાલી ગયેલ. पुनः गिरा हुआ, भ्रष्ट चलित Fallen; degraded भग० ११, ९;

पडिवएण. त्रि० (प्रतिपन्न) પ્રાપ્ત થયેલું. प्राप्त; मिला हुआ. Acquired; obtained. भग० २, १; ५, १; १०, २; नाया० १; ५; ८; १२; आया० १, १, ३, १८; १, ४, २, १३३; ओव० १५; वव० ६, ४१; १०, १;

पडिवएणग. त्रि० (प्रतिपन्नक) સ્વીકારેલ; ગ્રહણ કરેલ स्वीकृत; ग्रहीत. Accepted; taken. भग० १, ८; नाया० १९;

पडिवएणय. त्रि० (प्रतिपन्नक) જુઓ "पडिवएणग" શબ્દ देखो "पडिवएणग" शब्द Vide. 'पडिवएणग' भग० ६, १;

पडिवत्ति. स्त्री० (प्रतिपत्ति) પ્રણામ-વન્દના આદિ વિનય વિધિ; સેવા ભક્તિ. प्रणाम-वन्दना आदि विनय विधि; सेवा-भक्ति. Service, attendance, salutation etc. उत्त० २३,१६; अणुजो० ५८. नया० ८; चउ० १; विशे० ६०३; (२) અંગીકાર; સ્વીકાર. अंगीकार; स्वीकार. acceptance; admission उवा० २, ११३; उत्त० २६, ८; (३) દ્રવ્યાદિક પદાર્થ પરત્વે મતાન્તર. द्रव्यादिक पदार्थ विषयक मतान्तर another theory or opinion about substances etc सम० प० १६८; सू० प० १; (४) અનુભવથી થતી પ્રતીતિ-નિશ્ચય. अनुभव द्वारा प्राप्त प्रतीति-निश्चय-विश्वास. confidence due to experience; faith विशे० २३०; क० गं० १, ७; (५) કરણી; કૃત્ય करनी; कृत्य; कार्य, काम action; deed. " कस्सका विणाय पडिवत्ती पउंजिव्वा " राय० २७७, पंचा० १, ४; ६, २६; (६) પ્રકાર; ભેદ. प्रकार, भेद; जाति variety; class, kind ओघ० नि० २६०; (७) જીવાદિ-દ્વાર, પ્રકરણ जीवादिद्वार; प्रकरण. an entrance or access to a soul; a topic. क० गं० १, ७; (८) ઉપપત્તિ; યુક્તિ ઘટના उपपत्ति, युक्ति, घटना reasoning; argument नंदी० ४१, (९) પ્રાપ્તિ, લાભ प्राप्ति, लाभ. acquisition; profit. पंचा० ६, २; प्रव०५५४, —**समास** पु० न० (-समास) શ્રુતજ્ઞાનનો એક પ્રકાર, ગતિ આદિ બે ચાર દ્વારથી થતુ જીવાદિ પદાર્થનું જ્ઞાન श्रुत ज्ञान का एक प्रकार, गति आदि दो चार द्वारों से प्राप्त जीवादि पदार्थ का ज्ञान. a variety of scriptural knowledge; knowledge of substances like soul etc. through two or more means like condition etc. क० गं० १, ७;

पडिवत्तिय. पुं० (प्रतिपत्तिक) સમ્યકત્વથી પડીને વળી બીજી વાર સમ્યકત્વ પામનાર જીવ सम्यक्त्व से भ्रष्ट होकर पुनः दूसरी बार सम्यक्त्व प्राप्त करने वाला जीव. A soul which again attains right belief after once falling from it. पन्न० ३:

पडिवन्न. त्रि० (प्रतिपन्न) સ્વીકારેલ; અંગીકાર કરેલ. स्वीकृत; अंगीकृत. Accepted; admitted उवा० २, ११३; (२) પ્રાપ્ત થયેલ, પામેલ प्राप्त; पाया हुआ; मिला हुआ. Obtained; got; received. भत्त० १६०,

पडिवया. स्त्री० (प्रतिपद्) પડવો; એકમ. प्रतिपदा; पडवा; एकम्. The 1st date of a lunar fortnight. प्रव० १५७०; पंचा० १६, १६;

√पडिवह धा० I. (प्रति+वह्) વહન કરવુ; નિર્વાહ કરવો वहन करना; सहना. निर्वाह-गुजर करना. To carry; to endure; to subsist.

पडिवहति नाया० ५;

पडिवय. पुं० (प्रतिपथ) આડો રસ્તો; ઉલટો માર્ગ उलटा रास्ता; बेढब मार्ग. A cross-way; an opposite way. उत्त० ७७, ६;

पडिवय. स्त्री० (प्रतिपद्-प्रतिपद्यतेउपक्रम्यते-ऽनयेति) પડવો, એકમ. प्रतिपदा एकम्. The 1st date of a lunar fortnight. सू० प० १०; जं० प० ७, १५२;

पडिवाश्र. पु० (प्रतिपात) અવધિજ્ઞાનનો હ્રાસ-ઘટાડો થાય તે. अवधिज्ञान का ह्रास-घटी-कमी. Decrease of a limited

knowledge. विशे० ७१०;

पडिवाइ. त्रि० (प्रतिपातिन्) પડવાના સ્વભાવ વાળું; આવીને જતુ રહે તેવું; અવધિ જ્ઞાનનો એક ભેદ. गिरने के स्वभाववाला; पतनशील; आकरके जानेवाला; अवधि ज्ञान का एक भेद. Having a tendency to fall; passing; a variety of limited knowledge. ठा० २, १; नंदी० ९; पन्न० १; ३३; क० गं० १. ८;

पडिवाय. पुं० (प्रतिपाद्) પડવાયો; પલંગ આદિના પાયા નીચે રાખવાનો લાકડાનો કકડો. टेका; पलंग आदि के पायों के नीचे रखने का लकडी का टुकडा. A prop; a block of wood kept under the legs of a cot. राय० १६१;

पडिवालेमाण व० कृ० त्रि० (प्रतिपालयत्) જોતું; રાહ જોતુ. देखताहुआ; राह जोहता हुआ Waiting; expecting. नाया० ३; ८; १६; विवा० ३;

पडिवासुदेव. पुं० (प्रतिवासुदेव) જે ત્રણ ખંડનું રાજ્ય કરતાં વાસુદેવને હાથે મરે ને તેનું રાજ્ય વાસુદેવ કરે તે પ્રતિવાસુદેવ जो तीनो खंडों का राज्य करने वाले को मारकर उसके स्थान पर राज्य करे वह प्रतिवासुदेव. Prati Vāsudeva; (one) who rules the three continents after slaying the ruling Vāsudeva. जीवा० ३, ४; प्रव० ४८;

पडिविज्जा स्त्री०(प्रतिविद्या) વિદ્યાની સ્હામે વિદ્યા–મારણ મોહન વગેરેની સ્હામે તેવી વિદ્યા ચલાવવી તે. प्रतिविद्या-प्रतियोगी विद्या-मारण, मोहन आदि के सामने उसी प्रकार की विरुद्ध विद्या का प्रयोग. A retaliating black magic. पि० नि० ४६७;

√**पडिविद्धंस.** धा० II. (प्रति + वि+ध्वस) વિનાશ કરવો; ધ્વંસ કરવો. विनाश करना; नाश करना; ध्वंस करना. To destroy; to annihilate.

पडिविद्धंसेइ. सूय० २, २, २०;

पडिविरय. त्रि० (प्रतिविरत) સાવદ્યયોગથી નિવૃત્ત થયેલ. सावद्य योगसे निवृत्त; सावद्य योग से विरत. Ceasing from Sāvadya (involving sin) contemplation. सम० ३० दसा० ६, १७; १०. ७; वव० ३, १३;

पडिविसज्ज. धा० II. (प्रति+वि+सृज्) રજા આપવી; વિદાય કરવું आज्ञा देना; विदा देना, छुट्टी मजूर करना; रवाना करना; भेजना. To permit; to grant leave; to bid farewell.

पडिविसज्जेइ. ओव० २८; नाया० १; ३; ७; ८; १४; १६; भग० ११, ११; जं० प० ३, ४३; ५१;

पडिविसज्जे आ० दसा० १०; १;

पडिविसज्जेइत्ता. स० कृ० नाया० ८; भग० ११, ११;

पडिविसज्जित्ता. निर० १, १;

पडिविसज्जिय. त्रि० (प्रतिविसर्जित) વિદાય કરેલ. विदा किया हुआ; भेजा हुआ. Despatched, sent away. नाया० १;

पडिविसेस. त्रि० (प्रतिविशेष) વિશેષ-અધિક. सविशेष-अतिशय. Extraordinary; special. विशे० ५२;

पाडवुत्तया. स्त्री० (प्रत्युक्तता) પ્રત્યુત્તર. प्रत्युत्तर; जवाब. A reply; an answer. भग० ११, ११;

पाडिवूह. न० (प्रतिव्यूह) શત્રુની સ્હામે લશ્કર ગોઠવવાની કલા. शत्रु के सन्मुख सेना को सजाने की युक्ति-कला. The art of arranging an army in front of an enemy नाया० १;

पडिसंखिय स० कृ० अ० (प्रतिसंक्षिप्य) जुओ: " पडिसंखिविया " शब्द. देखो " पडिसंखिविया " शब्द. Vide. " पडि-संखिविया " भग० १६, ३;

पडिसंखिविया. सं० कृ० अ० (प्रतिसंक्षिप्य) मुट्ठीमां संक्षेप करीने; मुट्ठीमां लइने-राखीने. मुट्ठी में दवाकर-रखकर-लेकर. Contracting or keeping in a fist. भग० १४, ७,

√पडिसंजल. धा० I. (प्रति+सम्+ज्वल्) क्रोधनुं उद्दीपन करवुं. क्रोध भड़काना, गुस्से का तरह देना To excite anger.

पडिसंजलिज्जासि क० वा० आया० १, ४, ३, १३६,

पडिसंत त्रि० (प्रतिशान्त) शांत थयेल. शान्ति प्राप्त; शान्त Calmed; pacified जं० प० ५, ११५;

√पडिसंधा. धा० I (प्रति+सम्+धा) योजवुं; साधवुं. योजना करना; साधना; जोड़ना. To arrange; to join

पडिसंधए. उत्त० २७, १; महा० प० ७;

पडिसंधायज्जा. वि० भग० १४, ८;

पडिसंधाय. सं०कृ० सूय० २, २, २६'

पडिसंलीण. त्रि० (प्रतिसंलीन) इंद्रियोने नियममां राखी एकान्तमां रहेलुं; इंद्रियादिकनो निग्रह करनार. इन्द्रियोंका वश मे रखकर एकान्त में रहा हुआ; इन्द्रिय निग्रह करने वाला, एकान्त वासी-जितेन्द्रिय. One living alone having controlled his senses; (one) who controls his senses. उत्त० ११, १३; दस० ३, १२; ठा० ४, २; ५, २;

पडिसंलीणया. स्त्री० (प्रतिसंलीन) प्रतिसंलीन तप; इन्द्रियना विषयो अने कषायोनो लय करवो. प्रतिसंलीन तप, इन्द्रियोंके विषयों तथा कषायों का क्षय करना-मिटाना. An austerity of self-restraint; the annihilation of the objects of the senses and passions. भग० २५, ७, आव० १६; ठा० ६, १;

√पडिसंवेद. धा० II (प्रति+सम्+विद्) अनुभव करवो; भोगववुं. अनुभव करना; भोगना. To experience.

पडिसंवेदेइ. आया० १, १, १, ६; भग० १, ७, ५, ६; ७, ६; १८, ५;

पडिसंवेदयइ-ति भग० ५, ३; दस० १०, ४;

पडिसंवेदएइ. नाया० १५;

पडिसंवेदति. सूय० २, १, ४०;

पडिसंवेदेति. भग० १०, ३; २०, १;

पडिसंवेदेमो. भग० १६, ३; २०, १;

√पडिसंसाध. धा० I. (प्रति+सम्+साध्) सत्कार करवो सत्कार करना; आदर करना To welcome; to show respect or hospitality.

पडिसंसाहेहि. आ० नाया० १४;

पडिसंसाहणया स्त्री० (प्रति संसाधन) पछवाडे चालवुं; उलंघीने न जवुं ते. पीछे २ चलना, लाघकर के न जाना Following; going without transgressing. भग० २५, ७; ओव० २०;

√पडिसंहर. धा० I (प्रति+सम्+हृ) संकोचवुं, एकत्र करवुं; पाछुं खेंची लेवुं. सकोचना; एकत्र करना, पीछे की ओर खींच-लेना. To contract; to gather up, to drag back

पडिसंहरेज्जा. वि० सूय० १, ७, २०;

√पडि-सं-हर. धा० I. (प्रति+सम्+हृ) पाछुं खेंची लेवुं; संकेलवुं. पीछेकी ओर खींच लेना; सकलन-संकुचन करना. To draw back; to contract.

पडिसाहरइ-ति. ओव० १२; जीवा० ३,

४; नाया० ८; सम० ८; भग० ३, १; २; १५, १:

पडिसाहरंति. सूय० २, २, ८१; जं० प० ३, ६१;

पडिसमाहरे. विधि० दस० ८, ४५;

पडिसाहरामि. भग० ३, २;

पडिसाहरिया. जं० प० भग० १४, ७; १६, ३;

पडिसाहरित्ता. स० कृ० भग० ३, २;

पाडिसाहरेत्ता. सं०कृ० राय० ६६;

पडिसाहरित्तए. हे० कृ० भग० ११, १०;

पडिसाहरमाण. व० कृ० राय० ७२; जं० प० ५, ११७;

पडिसाडिय. त्रि० (प्रतिशटित) ખરી પડેલું. गिरकर पडा हुआ; गिरा हुआ; खिरा हुआ. Fallen off. भग० ११, ९; १६, ४; नाया० ६; ११; पिं० नि० ५१७;

पडिसत्तु. पुं० (प्रतिशत्रु) પ્રતિ પક્ષી; દુશ્મન. विपक्षी; दुश्मन; शत्रु; वैरी. An adversary; an enemy. भग० ५, ५:

√पडिसर. धा० II. (प्रति + सृ) શિક્ષા કરવી. शिक्षा करना, दण्ड देना. To punish. (२) નિન્દા કરવી निंदा करना. to censure.

पडिसारेंति भग० १५, १;

पडिसारेह आ० भग० १५, १;

पडिसारेओ. हे० कृ० भग० १५. १;

पविसारिज्जमाण. व० कृ० भग० १५, १;

पडिसाडण. न० (प्रतिशाटन) પરિશાટન નામનું કરણ; ઔદારિક શરીરને છોડતાં છેલ્લા સમયમાં સર્વથા તે પુદ્ગલોનો ત્યાગ કરવો તે औदारिक शरीर को छोडते हुए अन्तिम समय मे पुद्गलों का एकान्त त्याग. A wholesale renouncement of the molecules at the end while leaving off a physical body. विशे० ३३१६;

√पडिसाड. धा० I. (प्रति+शाट्) આમ તેમ પાડવું; નીચે હેરવું કરવું. ज्यों त्यों जिधर उधर गिराना: नीचे गिराना, खिराना, बिखेरना. To scatter; to cause to fall below.

पडिसाडिज्ज वि० दस० ५, १, २८;

पडिसाडित्तए. हे० कृ० भग० ६, १;

पडिसारणा. स्त्री० (प्रतिस्मारणा) બીજાના મતની નિન્દા કરવી તે. दूसरों के मत की निन्दा. Act of censuring another's creed भग० १५, १:

पडिसाहरण. न० (प्रतिसंहार) સંકેલી લેવું; પાછું ખેંચી લેવું. संकलन करलेना: पीछे समेट-खींच लेना. Gathering up; dragging back: retracting. पिं० नि० ४६६; भग० ३, २; १५, १;

पडिसिद्ध त्रि० (प्रतिषिद्ध) નિષેધ કરેલું. निषिद्ध; मनाकियाहुआ. Prohibitted; forbidden पंचा० ६. ३१: भत्त०१०४;

पडिसुइ पुं० (प्रतिश्रुति) પ્રતિશ્રુતિ-જંબૂદ્વીપના ઐરવત ક્ષેત્રમાં આગામી ઉત્સર્પિણીમાં થનાર ૯ મા કુલકર प्रतिश्रुति-आगामी उत्सर्पिणी में जम्बूद्वीप के ऐरवत क्षेत्र में होने वाले ६वें कुलकर. Pratiśruti, the 9th Kulakar to be born in the Airavata region of Jambū Dvīpa सम० प० २४१:

√पडिसुण. धा० II. (प्रति + श्रु) સાંભળવું; લક્ષ્યમાં લેવું; કબૂલ કરવું. सुनना; ध्यान देना; स्वीकार करना. To accept; to hear; to notice.

पडिसुणेइ-ति. ओव० ३०; भग० १; ३३; नाया० १; ५; ८; १२; १४; १६; निसी० ६, ५; राय० २८;

पडिसुणंति. ओव० ३१; भग० २, ५; ३,

१ ७, ९ १०; १२, १; नाया० १; ८; १७; दसा० १०, १;

पडिसुणंति नाया० ३, राय० २८,

पडिसुणेमि. नाया० ७; भग० १५, १;

पडिसुणेह. दस० ६. २, २०; दसा० १०, १;

पडिसुणेज्जा. दसा० १०, ३;

पडिसुणित्तए. हे० कृ० दसा० १०, ३;

पडिसुणेइत्ता. स० कृ० भग० ७, ६; नाया० १; ३; ५; ७; ८; १२; १४; १६; जं० प० ५, १२०;

पडिसुणेत्ता. स० कृ० दसा० १०, १; भग० ७, ६, १०; ११, ११;

पडिसुणित्ता. स० कृ० भग० २, ५. दसा० १०, १,

पडिसुणंतित्ता स० कृ० भग० ३, १;

पडिसुणेतित्ता. भग० १५, १;

पडिसुणमाण. व० कृ० पिं० नि० १८२;

पडिसुरण न० (प्रतिश्रवण) निमंत्रणनो स्वीकार. निमंत्रण की स्वीकृति. Acceptance of an invitation पिं० नि० ६५; ११६

पडिसुणित्तार. त्रि० (प्रतिश्रोतृ) सांभळनार. श्राता, सुनने वाला A hearer; audience दसा० ३ १०; २१;

पडिसुत्ति. पुं० (प्रतिश्रुति) बीजा कुलगरनु नाम. दूसरे कुलकर का नाम. Name of the 2nd Kulakara जं० प०

पडिसुय. पुं० (प्रतिश्रुत) प्रतिध्वनि; पडघो. प्रतिध्वनि; गुंज Echo राय० ४०, (२) त्रि० सांभळेलुं सुना हुआ. heard नाया० ५;

पडिसूर. पुं० (प्रतिसूर्य) सूर्यनी सामे बीजो सूर्य देखाय ते; सूर्य प्रतिबिंब सूर्य के सामने दूसरे सूर्य का दिखाई देना, सूर्य की परछाई-प्रतिबिम्ब The reflection of the sun, the image of another sun seen infront of the sun. अणुजो० १२७; भग० ३, ७; जीवा० ३, ३;

पडिसेग. पुं० (प्रतिषेक) नाकनी अंदरनुं आवरण. नासिका के भीतर का आवरण. A nasal membrane; (२) नखनी नीचेनो भाग नख के नीचे का भाग. lower portion of a nail राय० १६४;

पडिसेज्जा. स्त्री० (प्रतिशय्या) उत्तर शय्या. उत्तर शय्या-बिछौना A death bed. भग० ११, ११;

पडिसेय. पुं० (प्रतिषेक) नखनी नीचेनो भाग. नख के नीचे का भाग. Lower portion of a nail. जीवा० ३, ४,

√**पडिसेव**. धा० I (प्रति+सेव्) सेववु; सेवन करवु; सेवन करना. To enjoy; to take

पडिसेवे वि० आया० १, ८, ४, ५; वव० १, १६, ३, १२ १३,

पडिसेवेज्जा. वि० भग० २५, ६;

पडिसेवमाण. व० कृ० सम० २१; सूय० २, ६, ८; भग० २५, ६; दसा० २, ३;

पडिसेवित्ता. सं० कृ० भग० १०, २; वव० १, १; ३७; निसी० २०, १०; ११;

पडिसेवण. न० (प्रतिसेवन) सेवन करवुं सेववुं. सेवन करना; काम में लाना. Enjoying; using; taking. पिं० नि० ६५, वेय० ५, १; १३;

पडिसेवणा. स्त्री० न० (प्रतिसेवन) दोषनुं सेवन, संयममां दोष लगाडवा ते दोषों का सेवन; संयम को दूषित करने का कार्य Incurring of a fault; contaminating self-restraint. ठा० ४, १; भग० २५, ५; ६; ७; प्रव० ७३६;—**कुसील** पुं० (-कुशील) दोष लगाडवाथी

थयेल कुशील; નિયંઠાનો એક પ્રકાર. दोष लगाने के कारण उत्पन्न कुशील; नियंठा का एक प्रकार. degraded through incurring fault by a saint; a variety of Niyantha. भग० २५, ६;

पडिसेवय. पुं० (प्रतिसेवक) સંયમનો વિરોધક; દોષનું સેવન કરનાર. संयम का विरोधी; दोषों का सेवन करने वाला. An opponent of self-restraint; (one) who incurs faults. भग० २५, ६७;

पडिसेवा. स्त्री० (प्रतिसेवा) આધાકર્મી આહારાદિનું સેવન કરવારૂપી દોષ લગાવવો તે; સંયમની વિરાધના. आहारादि के सेवन रूपी दोषों का लगाना; संयम की विराधना-भंग. Accruing of a fault due to an enjoyment of food etc., which involves sin; transgression of self-restraint. " मूलुत्तर गुणविसया पडिसेवा सेवए पुलाए य " प्रव० ७३६; पिं० नि० ११२;

पडिसेवि. त्रि० (प्रतिसेविन्) દોષનો સેવનાર. दोषों का सेवन करने वाला. (One) who enjoys a fault. उत्त० ३६, २६४; वव० २, २२;

पडिसेविय. त्रि० (प्रतिसेवित) સેવન કરેલ; ભોગવેલ. सेवन किया हुआ; सहा हुआ; भोगा हुआ. Enjoyed; endured. भग० ८, ६; राय० २६३; जं० प० कप्प० ५, १२०;

√पडिसेह. धा० I, II. (प्रति + षिध्) પ્રતિષેધ-નિષેધ કરવો; અટકાવવું; રોકવું. प्रतिषेध-निषेध-मना करना; अटकाना; रोकना. To prohibit; to check; to stop.

पडिसेहए. उत्त० २५, ६;

पडिसेहेइ नाया० १६; १८;

पडिसेहंति. सूय० १, ११, २०; नाया० ८;

पडिसेहए. वि० दस० ६, २, ४;

पडिसेहित्था. भग० ७, ६;

पडिसेहित्ता. सं० कृ० नाया० १६; निसी० ३, ६;

पडिसेहेइत्ता. सं० कृ० नाया० १८;

पडिसेहउं. सं० कृ० विशे० ३११७;

पडिसेहित्तए. हे० कृ० विवा० ७; जं० प० २, ५८;

पडिसेहिज्जइ. क० वा० विवा० ५;

पडिसेह. पुं० (प्रतिषेध) નિષેધ; મનાઈ. निषेध; मनाई; नाहीं. Prohibition; negation. भग० ४०, १; पिं० नि० भा० ३२; पिं० नि० ५०७; जीवा० १; पन्न० ६; प्रव० ६४; ४८६; ११६१; पंचा० २, २७; ४, ३७; ५, २०; ११, ८;

पडिसेहअ. त्रि० (प्रतिषेधक) પ્રતિષેધ કરનાર; રોકનાર. प्रतिषेध करने वाला; मना करने वाला; रोकने वाला. Prohibitor; preventive. जं० प०

पडिसेहिय. त्रि० (प्रतिषिद्ध) પ્રતિષેધ કરેલ; મનાઈ કરેલ. प्रतिषिद्ध; निषिद्ध; मना किया हुआ; निवारित Forbidden; prohibitted; negated. दस० ५, २, १३; नाया० १६; १८; उत्त० १९, ११; प्रव० ११८८;

पडिसेहि-हे-यव्व त्रि० (प्रतिषिद्धव्य) મનાઈ કરવા યોગ્ય; નિષેધ કરવા યોગ્ય. निषेध-योग्य; निवारण-योग्य. मना करने के लायक. Fit to be prohibitted; set aside. भग० १, ३; २, १०; ५, ७; ६, ३; ४; २४, २०;

पडिसोय. न० (प्रतिश्रोत्र) કાનની સન્મુખ. कान-कर्ण के सामने Before the ear. भग० ६, ३३;

पडिसोय. न० (प्रतिस्रोतस्) સ્હામું પૂર; પ્રવાહની સ્હામે. सामने का बहाव-बहाव के सामने; प्रवाह के विरुद्ध. An opposite current; opposite to a current. भग० ५, ७; अणुजो० १३४; नाया० १; उत्त० १४, ३३;—**गामि.** त्रि० (-गामिन्) પ્રવાહ સામે-સામે પૂરે ચાલનાર. प्रवाह के विरुद्ध-सामने की तरफ जाने वाला. (one) who goes against a current. " खुब्भो व हंसो पडिसोयगामि " उत्त० १४, ३३; —**चारि.** त्रि० (-चारिन्) પાણીના પ્રવાહ સામે ચાલનાર. पानी के प्रवाह के सामने जाने-चलने वाला. (one) who walks or swims against a current of water. ठा० ४, ४;

पडिस्सुअ. त्रि० (प्रतिकृत) સ્વીકારેલું; કબૂલ કરેલું स्वीकृत; कबूल-मंजूर किया हुआ. Accepted; admitted. जं० प० २, २७; उत्त० २६, ६;

√**पडिहण** धा० I, II. (प्रति+हन्) હણવું; મારવું; અટકાવવું. हनन करना; मारना; अटकाना. To slay; to check.

पडिहणइ-ति. भग० १६, ५; १८, ७; ८;
पाडिहणेइ. सु० च० ३, ६;
पडिहणंति. भग० ८, ७;
पडिहणइत्ता. सं० कृ० भग० १८, ७८;
पडिहणित्तए हे० कृ० भग० ७, ६;
पडिहणेत्ता. सं० कृ० भग० ८, ७;
पडिहाणित्ता. सं० कृ० दसा० ३. २५;

√**पडिहण.** धा० I. (प्रति+हन्) જુઓ " पडिहण " ધાતુ. देखो " पडिहण " धातु. Vide. " पडिहण "

पडिहम्मंति. जीवा० ३, ४;
पडिहम्मिहिति. नाया० १;
पडिहम्मिस्सइ. भग० ११, ११;

पडिहणण. न० (प्रतिहनन) અટકાવવું તે; निषेध. अटकाव; निषेध. Hinderance; prohibition. ओघ० नि० ११०;

पडिहत्थ. त्रि० (*) પરિપૂર્ણ; ભરેલું; ઘણું જ. परिपूर्ण; भरा हुआ; अधिक पूर्ण. Full; filled up; excessive. राय० ८१; ११६; जं० प०

पडिहत्थग. त्रि० (प्रतिहस्तक) ભરેલું. भरा हुआ; पूर्ण. Full; complete. जीवा० ३;

पडिहय. त्रि० (प्रतिहत) પાછા હઠાડેલ; સ્ખલના પમાડેલ. पीछे हटाए हुए. स्खलित -स्थान भ्रष्ट किये हुए. Turned back; stumbled; fallen. जं० प० ३, ५३; उत्त० ३६, ५६; भग० ७, २; १५, १; १७, २; नाया० ८; दस० ४; प्रव० ४६३; आव० ४, ८;

पडिहाण. पुं० (प्रतिधान) ચિત્તની એકાગ્રતા. चित्त की एकाग्रता. Concentration. उवा० १, ५३;

पडिहाणवंत. त्रि० (प्रतिभानवत्) પ્રતિભા-ઉત્પાતકી આદિ બુદ્ધિવાળો. प्रतिभा-उत्पात-की बुद्धि वाला. Ready-witted; intelligent. सूय० १, १३, १३;

पडिहाणवंत. त्रि० (प्रणिधानवत्) એકાગ્ર ચિત્તવાળું एकाग्र चित्त वाला. (One) concentrated. उत्त० १६, १४;

पडिहाय. पुं० (प्रतिघात) પ્રતિઘાત-પ્રતિબન્ધ; અટકાયત. प्रतिघात; प्रतिबन्ध; अटकाव; रुकावट. An obstruction; hinderance; a counter blow. ठा० ५, १;

पडिहार. पुं० (प्रतिहार) દ્વારપાલ. द्वारपाल; ड्यौढीवान; प्रतिहारी. A door-keeper. नाया० ५; सु० च० २, ७;

पाडिहारिया. स्त्री० (प्रतिहारिका) દાસી. दासी; परिचारिका. A maid-servant; an attendant. भग० ११, ११;

पडीण. पुं० स्त्री० (प्रतीचीन) પશ્ચિમી પ્રદેશ; પશ્ચિમ-દિશા. पश्चिमी प्रदेश; पश्चिम-दिशा. Western region; the west. आया० १, ६, ५, १६४; भग० ५, १; १०, १, २५, ३; नाया० ५; राय० १०२; जं० प० जीवा० १; दसा० ६, ३४; सू० प० १; जं० प० १, १०; —अभिमुह. त्रि० (-अभिमुख) પશ્ચિમની સન્મુખ. पश्चिमकी ओर. infront of western direction. दसा० ७, १; —आयंत. त्रि० (-आयत) પૂર્વ પશ્ચિમે લાંબું. पूर्व पश्चिम लम्बा-आयत. enlongated towards the east and west. भग० १६, ६; —वाअ. पुं० (-वात) પશ્ચિમનો વાયુ-પવન. पश्चिमी वायु-पवन. a western wind. ठा० ५, ३; ७, १;

पडु. त्रि० (पटु) હોંશિયાર; ચતુર; ચાલાક. होशियार; चतुर; चालाक. Skilful; adept; clever. जं० प० ५, ११५; ओव० ३२; भग० ६, ३३; नाया० ८; सु० च० २, ५८७; क० प० २, ६५; कप्प० २, १३; ३, ४३; पन्न० २; —पडह. पुं० (-पटह) સુંદર ઢોલ. सुंदर ढोल. a beautiful drum. कप्प० २, १३;

पडुक्खेव. पुं० (प्रत्युत्क्षेप) ઢોલક, ઝાંસા વગેરે ગાયનોપયોગી વાદ્યનો શબ્દ. ढोलक, मजीरे आदि गायनोपयोगी वाद्यों का शब्द. The notes of a drum or copper-musical instruments (२:) નાચનારીના પગનો ઠમકો. नर्तिका के पदका प्रहार; नाचने वाली के पैरों की ठुमक. the steps of a dancer अणुजो० १२८;

पडुच्च. सं० कृ० अ० (प्रतीत्य) આશ્રીને; આશરો લઇને; અવલંબીને; અપેક્ષાએ. आश्रय लेकर; आधार से; अपेक्षा से. Having taken a shelter or support. उत्त० ३६, ७६; सम० १४; अणुजो० ३; ठा० ४, १; सूय० १, ५, १, ४; भग० १, १९; ३, ३; ५, २; ६, ३; ७, ३७८; ८, ७, १०; १२, ५; १३, ४; १६, १; १८. ८; २५, २६; विशे० ५३८; पिं० नि० १३४; १५८; निसी० ८, १४; दसा० ७, १; नंदी० ४२; जं० प० पन्न० २; ८; ११; प्रव० ८९८;

*पडुच्छि. स्त्री० (पारिहट्टि) પારેઠ-પાંકડ ગાય ભેંસ. वाम्क गाय या भैंस. A barren cow or she-buffalo. ओघ० नि० ८७;

पडुपएण. त्रि० (प्रत्युत्पन्न) વિદ્યમાન; વર્તમાનકાલનું. विद्यमान; साम्प्रत समय का; आधुनिक. Extant; present; modern. जं० प० ७, १३७; भग० १, १४; ८, ५८६; १४, ४; पन्न० ११, निसी० १०, ७; (२) ગુણાકાર કરેલ. गुणित. multiplied. पन्न० १२; —णंदि. त्रि० (-नंदिन्) જે મળે તેના ઉપર આનંદ માનનાર. जो कुछ मिल जाय उसी पर संतोष मनाने वाला. (one) who is contented with what he gets. ठा० ४, २; —विणासिअ. त्रि० (-विनाशक) વર્તમાન કાલે પ્રાપ્ત વસ્તુનો નાશ કરનાર. वर्तमान समय में प्राप्त वस्तु का नाश करने वाला. (one) who destroys things got in the present. ठा० २, ४;

पडुपन्न. त्रि० (प्रत्युत्पन्न) જુઓ "पडुपएण" શબ્દ. देखो "पडुपएण" शब्द. Vide. "पडुपएण" उत्त० २९, १२; आया० १, ४, १, १२६; ओघ० नि० ५२; उवा० ७, १८७; —वयण. न० (-वचन) ચાલુ કાળનું વચન; વર્તમાન-કાળ વાચક-વિભક્તિ પ્રત્યય. साम्प्रत-वर्तमान काल का वचन; वर्तमान-काल वाचक-विभक्ति प्रत्यय. a word of the present or mo-

dern times; a present-tense termination or conjugational sign. ठा० ३,४; आया० २, ४, १, १३२;

पडुप्पवाइय. त्रि० (प्रत्युपवादित) વાજીંત્ર વગાડેલ. बाजा बजाया हुआ. (One) who has played upon musical instruments. जं० प० ७, १४०; आया० २, ११; १७०; निसी० १२, ३२;

पडुप्पपमाण त्रि० (प्रत्युत्पद्यमान) ગુણતા ગુણતા. गुणा करते करते; अधिकाधिक उत्पन्न करते हुए. Multiplying and multiplying. जीवा० ३, ४;

पडुयर. त्रि० (पटुतर) અતિશય ચતુર. अतिशय चतुर. Very clever; wiser. विशे० ३३८;

पडुया. स्त्री० (पटुता) ચતુરાઈ; હોશિયારી. दक्षता; चतुराई, होशियारी Wisdom; cleverness; dexterity. विशे०५१४,

पडोआर. पुं० (प्रत्यवचार) પરિપાલન; સેવા-ચાકરી. परिपालन; सेवा, चाकरी, नौकरी. Nursing; service, attendance. ओघ० नि० भा० ३८;

पडोछन्न. त्रि० (प्रत्यवच्छन्न) ઢંકાએલું. ढंका हुआ. Covered. "अट्ठविहकम्मतमपडलपडोच्छन्ने" उवा० ७, २१८;

पडोयाआर. पुं० (प्रत्यवतार) સમાવતાર; સમાવેશ કરવો, લાગુ પાડવુ. समावतार; समावेश करना; लागू करना. A descent; amalgamation; utilizing. जं० प० १, ११; ओव० २०; सू० प० १६; जीवा० ३, ३; (२) આવિર્ભાવ. आविर्भाव; उत्पत्ति. birth; existence. जं० प० (३) પાત્રના ઉપકરણ. पात्र के उपकरण-साधन. resources such as pots. पिं० नि० भा० २८; (४) સ્વરૂપ स्वरूप; आकार. form जीवा० ३, ३; (५) ઘનોદધિ વગેરેનું વલય જે રત્નપ્રભા વગેરે પૃથ્વીની સર્વ દિશા અને વિદિશામાં વ્યવસ્થિત છે. घनोदधि आदि का वलय, जो रत्नप्रभादि पृथ्वी की सर्व दिशाओं और विदिशाओं में व्यवस्थित है. the girdle of Ghanodadhi which is encircling all the directions and angular directions of the earth Ratnaprabhā etc पन्न० ३०;

पडोयार पुं० (प्रत्युपचार) ધર્મનો ઉપચાર; ઉપાય. धर्म का उपचार-उपाय. The means or decorum of religion भग० १५; १;

पडोल. पुं० (पटोल) પરવરનો ગુચ્છો. परवर(ल)का गुच्छा. A cluster of Paravara (a kind of fruit). पन्न० १;

पडोला. स्त्री० (पटोला) કડવા પરવરની વેલ. कड़वे परवल की बेल-लता. A creeper of bitter Paravara (a species of cucumber). पन्न० १;

√पढ. धा० I. (पठ्) ભણવું, અભ્યાસ કરવો. पढना; अभ्यास करना. To read; to study.

पढइ. सु० च० ४, ६;
पढउ. सु० च० १४, ८२;
पढअ. व० कृ० विशे० ८८२;
पढिज्जइ. क० वा० विशे० १०;

पढण. न० (पठन) પઠન કરવું; ભણવુ. पढना; अभ्यास करना. Reading; studying पंचा० १५, २८, विशे० १३८४; सु० च० १, ३१६;

पढम. त्रि० (प्रथम-प्रथते प्रसिद्धो भवतिवा) પહેલું; પ્રથમનું. पहिला; प्रथम. First; foremost. जं० प० ७, १३२; २, ३०; २७; क० गं० १, ३४, २, २७; ३, १७; उत्ता० १, ७०; दसा० १, १, ६, २; ७, १;

आया० २, ४, १, १३२; सम० ८; ३७; ठा० १, १; उत्त० ५, ४;२६, १८; अणुजो० ५६, १२९; ओव० २२; भग० १, १; २, १५; ३, २; ५, १;५;७, १; १२;३;१८, १; २२, ५; २५, १६१६; ३५, ६; नाया० १; ७; ८; १४; १६; १६; दस० ४; ६, ६; विशे० १०; निसी० १०, ४५५३; १२, ३६; विवा० १, नंदी० स्थ० २०; वेय० ३, १५; ४, ११; १२; निर० १, १; प्रव० ५८२; ८६७; कप्प० १, १; ४, ६६; ७, २१०; ८;

—अंतिमदुग. न० (-अन्तिमद्विक) પહેલા બે અને છેલ્લા બે ગુણગણા. पूर्व के दो और अन्तिम दो गुणगण. first two and last two Guṇagaṇā or groups of qualities. क०गं० ४, २६;

—अपढम. त्रि० (-अप्रथम) પ્રથમ સમય અને અપ્રથમ સમયનું. प्रथम तथा अप्रथम समयका. of the 1st and last time. भग० ३५, ७;

—उद्देसगमअ. पुं० (-उद्देशगमक) પહેલા ઉદ્દેશનો ગમો-અધિકાર. पहिले उद्देशका गम-अधिकार the description of the 1st Uddeśa. निसी० ६, ५; २०, १०; भग० २५, २;

—करण. न० (-करण) ત્રણ કરણ પૈકી યથાપ્રવૃત્તિ નામનું પ્રથમ કરણ-ઉપયોગ વિના કર્મસ્થિતિનો ક્ષય થવા પામે જેમ નદીમાં પડેલ પત્થર પાણીના પ્રવાહથી આડો અવળો ભટકવાથી કોઇક ઘાટમાં (ગોળાકાર વિગેરે) આવે છે પણ પત્થરને કાંઇ ભાન નથી તેમ જીવાત્મા વિના ઉપયોગ કર્મને ખપાવતાં ગ્રંથિભેદ સુધી આવી પહોંચે પરંતુ ગ્રંથિ ભેદ કરે નહિ તે. तीन करणों में से यथाप्रवृत्ति नामक प्रथम करण-उपयोग के अभाव में भी कर्म-स्थिति का क्षय प्राप्त करने वाला, यथा नदी में पड़ा हुआ पत्थर पानी के प्रवाह से ऊपर नीचे गिरता हुआ किसी न किसी-गोलादि आकृति को धारण कर लेता है परंतु इसका पत्थर को कोई विचार ज्ञान नहीं रहता वैसेही वह जीवात्मा जो उपयोग विनाही कर्मों का क्षय करता हुआ ग्रंथिभेदपर्यंत तो आ पहुंचे परतु ग्रंथिभेद न कर सके. the 1st Karana named Yathāpravṛitti out of the 3 Karaṇas (thought-activity); that which may be destroying the existence of Karmas in the absence of any utility e.g. a stone falling in a river being rolled hither and thither by the current assumes any shape such as circular etc. but it does not know itself, similarly a soul without utility destroying the Karmas may come to Granthi-Bheda but may not sever the knot. पंचा० ३, २८; विशे० १२०७;

—कसाय. पुं० (-कषाय) પ્રથમ કષાય; અનંતાનુબંધી કષાય. प्रथम कषाय; अनंतानुबन्धी कषाय. the first passion; ever-feeding passions. क० प० २, ४२; ७, २; क० गं० ६, ७७;

—चउ. त्रि० (-चतुर्) પ્રથમની ચાર (લેશ્યા). पहिली चार लेश्या. the first four thought-tints. क० गं० ४, १०;

—चरिम. त्रि० (-चरम) પહેલું તથા છેલ્લું. प्रथम तथा अन्तिम. first and last. भग० ३५, ८;

—जहन्न. त्रि० (-जघन्य) પ્રથમની જઘન્ય સ્થિતિ. पहिली जघन्य स्थिति. the first last or lowest stage. क० प० १, ८९;

—जाम. पुं० (-याम) પહેલો પહોર. पहिला प्रहर. the 1st quarter of

a day. ठा० ३, २; प्रव०८६८; —ठाणि. त्रि० (-स्थानिन्) અવ્યુત્પન્ન બુદ્ધિવાલું. अव्युत्पन्न बुद्धिवाला; वह जिसकी बुद्धि व्युत्पन्न-जागृत नहीं हुई हो. of an undeveloped; intelligence. पंचा० १६, ६; —ट्ठिई. स्त्री० (-स्थिति) પહેલી સ્થિતિ. पूर्व स्थिति. the first condition. क० प० ४, ३६; —तिगुण. न० (-त्रिगुण) પ્રથમ ત્રણ ગુણસ્થાન. प्रथम तीन गुणस्थान. the 1st three spiritual stages. क० गं० ५, १०; —तिपल्ल. पुं० (-त्रिपल्य) પહેલા ત્રણ પલ્ય. पहिले तीन पल्य. the first three sacks of corn or measures. क० गं० ४, ८०; —तिलेसा. स्त्री० (-त्रिलेश्या) પહેલી ત્રણ લેશ્યા. पहिली तीन लेश्या. the first 3 thought-tints. क० गं० ४, २६; —पाउस पुं० (-प्रावृष्) પહેલી ચોમાસાની ઋતુ. पहिली बरसात; वर्षाऋतु. the first monsoon or rain. विवा० १; —पुढवी स्त्री० (-पृथिवी) પહેલી નરકની પૃથ્વી. पहिली नरक की पृथ्वी. the first region of the hell. जीवा० ३, १; —प्पहराणीय. त्रि० (-प्रहरानीत) પ્રથમ પહોરે આણેલું. प्रथम प्रहर में लाया हुआ. brought in 1st quarter of a day. प्रव० ८२०; —बन्ध पुं० (-बन्ध) પહેલો સ્થિતિ-બન્ધ. पहिला स्थिति-बन्ध. the first bond of existance. क० प० १, ५६; —बिअ. त्रि० (-द्वितीय) પ્રથમ અને બીજું. पहिला और दूसरा. 1st and 2nd. क० गं० ४, ६; —वग्गणा. स्त्री० (-वर्गणा) પહેલી વર્ગણા. पहिली वर्गणा. the first class, arrangement. क०प० १, ३०; —सम त्रि० (-सम) પહેલા કણ્ડક તુલ્ય. पहिले कण्डक के समान. like the 1st Kaṇḍaka. क० प० १; ३४; —समय. पुं० (-समय) પહેલો સમય. पहिला समय; पूर्व काल. the first time. ठा० २, १; भग० ७, १०; क० प० १, १४; ६, १६; —सुत्त. न० (-सूत्र) પહેલું સૂત્ર पहिली-प्रथम सूत्र. the 1st Sūtra. पंचा० ११, १३;

पढमग. त्रि० (प्रथमक) પહેલો. पहिला; प्रथम. First. विशे० ७५;

पढमता. स्त्री० (प्रथमता) પ્રથમપણું. प्रथम; प्रथमता. First; firstly. पंचा० १२; ४६;

पढमया. स्त्री० (प्रथमता) પહેલાપણું. प्रथम; प्रथमता First; firstly. "तप्पढमयाए" भग० १, ७; ६, ३३; उवा० १, १३; कप्प० ३, ३३;

पढमा. स्त्री० (प्रथमा) પહેલી તિથિ; પડવો. पहिली तिथि; प्रतिपदा. First day of both the fortnights of a Hindu month भग० १२, ६;

पढमालिआ. स्त्री० (प्रथमाल्विका) ભિક્ષા-પહેલી ભિક્ષા. भिक्षा-पहिली भिक्षा. Begging of alms for the first time. ओघ० नि० भा० ४७; प्रव० ८१५;

पढमिल्ल. त्रि० (प्राथमिक) પહેલાનું. पहिले का. First; elementary. भग० २, ३; ५, ६; २४, १२; क० प ०६, १०;

पढमिल्लय. त्रि० (प्राथमिक) જુઓ "पढमिल्ल" શબ્દ देखो "पढमिल्ल" शब्द. Vide "पढमिल्ल" भग० ७, २;

पढमिल्लुअ. त्रि० (प्राथमिक) જુઓ "पढमिल्ल" શબ્દ. देखो "पढमिल्ल" शब्द. Vide. "पढमिल्ल" विशे० १२२६;

पढिअ. त्रि० (पठित) ભણેલું. पढा हुआ. Learnt; read. पंचा० १७, ३०;

पण. त्रि० (पञ्चन्) પાંચ; સંખ્યાવાચક શબ્દ. पांच; संख्यावाचक शब्द. The number five; 5 भग० ६, ८; सु०च० १, १; क० गं० १, ३; ४१; २; ९; १०; २६; ३०; ३१; ५, ६१; **—तालीस.** स्त्री० (-चत्वारिंशत्) પિસતાલીસ; ૪૫ पैंतालीस; ४५. forty-five; 45 ओव० २०; **—तीस.** स्त्री० (-त्रिंशत्) પાંત્રીસ; ૩૫. पैंतीस; ३५. thirty-five; 35. नाया० ८; भग० २, ६; १३, ४; ओव० १०; सम० ३५; सु० च० ९; १३८; **—निद्दा.** स्त्री० (-निद्रा) નિદ્રા, નિદ્રાનિદ્રા, પ્રચલા, પ્રચલાપ્રચલા અને થિણદ્ધિનિદ્રા એ પાંચ નિદ્રા. पांच तरह की नींद. Nidrā (sleep) of 5 kinds viz Nidrā, (sleep) Nidrā-Nidrā, (deep-sleep) Prachalā, (drowsiness) Prachalā-Prachalā, (heavy drowsiness) and Thiṇaddhi Nidrā (double sleep). क० गं० १, ६; **—पन्न.** स्त्री० (-पञ्चाशत्) પચ્ચાવન; ૫૫. पचपन; ५५. fifty-five; 55. भग० १३, ६; २०, ५; नाया० ८; सम० ५५; पन्न० ४; क० गं० ४, ५७; **—याल.** स्त्री० (-चत्वारिंशत्) ૪૫; પિસતાલીસની સંખ્યા. पैंतालीस; ४५. the number forty-five; 45. क० गं०.२, २७; **—यालीस.** स्त्री० (-चत्वारिंशत्) પિસતાલીસ; ૪૫. पैंतालीस; ४५. forty-five; 45. ओव० ४३; सम० ४५; उत्त० ३६,५८; भग० २, १; ११,१०; २५, ३७, पन्न० १; ४; जं० प० ३, ४७; १, ८; **—वरण.** स्त्री० (-पञ्चाशत्) પંચાવન; ૫૫. पचपन; ५५. fifty-five; 55. भग० २, ८; क० गं० २, २०; **—वन्न.** स्त्री० (-वर्ण) પંચરંગી; પાંચ રંગ વાળું. पंचरंगी; पांच रंगवाला. of five colours; (one) having five colours. सु० च० २, ६००; प्रव० १२८६; **—विग्घ.** न० (-विघ्न) પાંચ પ્રકારનું અંતરાય કર્મ. पांच प्रकार के अंतराय कर्म. five kinds of Karma in the form of obstacles or hinderances. क० गं० ५, ३५; **—वीस.** स्त्री० (-विंश) પચીસ; ૨૫. पचीस; २५. twenty-five; 25. उत्त० ३१, १७; भग० २, ८, १२, ७, १३, १; २०, ५; नाया० ८; पिं० नि० ५२०; सु० च० ८, २४; पन्न० २; ४; जं० प० क० गं० २, ५; ६, ६०; **—सट्ठि** स्त्री० (-षष्टि) પાંસઠ; ૬૫. पैंसठ; ६५. sixty-five; 65. सम० ६५; नाया० ८, क० गं० ६, ५३; १, ३०; **—सीइ.** स्त्री०(-अशीति) પંચાસી; ૮૫. पच्चासी; ८५ eighty-five; 85. क० गं० २, ३१;

पण. न० (पण) એ નામનું નવમાં દેવલોકનું એક વિમાન, એ દેવતાની સ્થિતિ ઓગણીશ સાગરોપમની છે, એ દેવતા સાડાનવ મહિને શ્વાસોચ્છ્વાસ લે છે અને ઓગણીશ હજાર વર્ષે ક્ષુધા-ભૂખ લાગે છે. नवें देवलोक के एक विमान का नाम जिसकी आयु १६ सागरोपम की है, यह देवता साढे नव मास में श्वासोच्छ्वास लेते हैं और इन्हें १६ हजार वर्षों मे क्षुधा लगती है. A celestial abode of the ninth Devaloka of this name, the state or condition of this deity is of the nineteen Sāgaropmas this deity breathes every nine and a half months and feels

hungry after 19 thousand years. सम० १९;

पणइणी. स्त्री० (प्रणयिनी) પ્રેમળ સ્ત્રી; વલ્લભા. प्यारी स्त्रीः प्राणवल्लभा; प्रिया. A loving wife; a beloved. सू० च० १, ६१; २, १६;

पणग. त्रि० (पञ्चक) પાંચ. पञ्चक; पांच, The group of five. प्रव० ६२३; ६६८; विशे० २०७८; क० गं० ६८; पंचा० १६; ८७;

पणग पुं० (पनक) ફુગી; લીલફૂલ; છારી. फफूंद; फूलन. A flower of moss; fungus. उत्त० ३६, १०३; सूय० २, ३, १८; सम० २१; आया० १, ७, ६, २२२; ओघ० नि० ३७४; विशे० ५८८; नंदी० १२; वेय० ४, २६; दस० ८, १५; निसी० ३, ६६, ७, २१; पन्न० १; आव० ४, ३; कप्प० ६, ४६; (२) ઢીલો કાદવ; કીચડ. पतला कीच-कीचड़; दलदल. mud, mire. जं० प० —**बहुला.** स्त्री० (-बहुला) ઘણા કાદવવાળી ભૂમિ. बहुत कीचवाली भूमि. marshy or muddy place. भग० ७, ५; —**मट्टिया.** स्त्री० (-मृत्तिका) પણગ-અત્યંત સૂક્ષ્મ રજરૂપ માટીના જીવ. अत्यंत सूक्ष्म रजरूप मिट्टीके जीव a being in the from of very fine particle of earth. उत्त० ३६, ७२; —**मत्तिया.** स्त्री० (-मृत्तिका) ચિકણી માટી. चिकनी मिट्टी soft and sticky earth. पन्न १;

पणच्चिय. त्रि० (प्रनर्तित) નૃત્ય કરેલ. नाचा हुआ Danced. सु० च० ४, २२४;

पणट्ठ त्रि० (प्रणष्ट) નાશ પામેલું. नाश प्राप्तः नष्ट Destroyed; ruined उत्त० ४, ५; नाया० १; जं० प० ३, ४२; —**संधि.** पुं० (-सन्धि) જેના પાંદડાંની વચલી સાંધાંની દાંડી દેખાતી નથી એવી જાતની વનસ્પતિ. वनस्पति विशेष कि जिसके पत्तों के बीच की नस नजर नहीं आती. a kind of vegetation whose central vein of the leaves is not visible. पन्न० १;

पणत्ति. स्त्री० (प्रज्ञप्ति) ધર્મનાથજીની દેવીનું નામ. धर्मनाथजी की देवी का नाम. Name of the wife of Dharmanāthaji. प्रव० ३७८;

पणपरिणिअ. पुं० (पंचप्राज्ञिक) કુતૂહલપ્રિય-વ્યન્તરદેવની એક જાત. कुतूहल प्रिय व्यंतर-देव की एक जाति. A kind of infernal gods fond of curiosities. जं० प० ७, १४७; ओव० २४;

पणपन्निय. पुं० (पञ्चप्रज्ञिक) વાણવ્યન્તર દેવતાની ૧૬ જાતમાંની દશમી જાત वाण-व्यन्तर देवता की १६ जातियों में से दशमी जाति. The tenth of the sixteen species of infernal gods. पराह० १, ४; प्रव० ११४५;

पणमिय-अ त्रि० (प्रणत) નમેલું; નીચે વળી ગયેલું नत; नमा हुआ; नीचे की ओर झुका हुआ Bowed down; bent down. ओव० अणुजो० १३०; भग० १, १;

पणय. पुं० (पनक) લીલફૂલ; ફુગ. फफूंद; लीलन-फूलन; वर्षाऋतु में जमीन पर व अन्य कई वस्तुओं पर प्रायः जो हरे रंग की फफूंद जमने वाली; एक प्रकार की वनस्पति. A flower of moss; fungus. जं० प० २, ३६; पन्न० १; जीवा० ३, ३; पिं० नि० भा० २५;

पणय त्रि० (प्रणत) અતિનમ્ર; વિનીત. अतिनम्र, विनीत. Humble; modest; polite आया० १, १, ३, २०, १, ६, २, १८३; नाया० ७; —**आसण.** न० (-आसन) નમેલું-નીચું આસન; માંચી

वगेरे. नीचा आसन; खाट माची आदि. a low or bent seat. भग० ११, ११; राय० १३६;

पणय. पुं० (प्रणय) સ્નેહ; પ્રેમ. स्नेह; प्रेम. Affection; friendship. भग० ७, ६; नाया० ६; जं० प० ७, १३२; —**अंजलि.** पुं० (-अञ्जलि) પ્રણય-પ્રેમપૂર્વક અંજલિ-હાથ જોડવા તે. प्रणय-प्रेम पूर्वक हाथ जोडना; folding of hands through love or affection. सु० च० १, २८६; —**खिज्जिय.** न० (-खेदित) પ્રણય-સ્નેહ છતાં ખેદ-રોષ દર્શાવવો તે. स्नेह के होते हुए क्रोध का दर्शाना. distracted or jilted in love. नाया०९;

पणरस. त्रि० (पञ्चदश) પંદર. पंद्रह. Fifteen; 15. वव० १०, ३०; ३१; ३२; —**वासपरियाग.** त्रि० (-वर्षपर्यायक) પંદર વર્ષની પ્રવ્રજ્યાવાળો. पंद्रह वर्षों की प्रव्रज्यावाला. an ascetic who observes a vow for 15 years. वव० १०, ३०; ३१; ३२;

पणरसम. पु० (पञ्चदशम) પંદરમો. पंद्रहवां. Fifteenth. भग० १५. १; नाया० १५; १६; वव० १०, ३०, ३१, ३५; ३२;

पणरसिआ. स्त्री० (पञ्चदशी) પૂનમ. पौर्णिमा. Fifteenth day of the bright half of a lunar month वव०१०,२;

पणव पुं० (पणव) ભાન્ડ લોકોનું વાજીત્ર; ઢોલ. भांडों का बाजा; ढोल. A musical instrument of a buffoon; a drum. भग० ५, ४; ओव० ३१; जीवा० ३, १; पराह० २, ५; जं० प० ५, ११२; राय० ८८;

पणवणिणय पुं० (पञ्चप्राज्ञिक) જુઓ "पणप्पणिय" शब्द. देखो "पणप्पणिय" शब्द. Vide. " पण पणिय " पन्न० २;

पणविह. त्रि० (पंचविध) પાંચ પ્રકારનું. पांच प्रकार का. Of five kinds or varieties. क० गं० १, ३;

पणस. पुं० (पनस) ફણસનું વૃક્ષ; ઝાડ. फनस का वृक्ष A jack-fruit tree. जीवा० ३, ४;

√**पणाम.** धा० I. (प्र+नम्) નમાવવું. नमाना. To bend. (२) અર્પણ કરવું. अर्पण करना. to offer.

पणामइ. सु० च० २, ३५५;

पणामए. उत्त० १६, ८०;

पणामेहि. आ० नाया० १६;

पणामेहित्ता. सं० कृ० नाया० १६;

पणाम. पुं० (प्रणाम) પ્રણામ; નમસ્કાર. प्रणाम; वंदन; नमस्कार. A bow; salutation. भग० ३, १; नाया० २; ८; ९; १६; विशे० १; प्रव० ६६; कप्प० २, २७; जं० प० ५, ११७;

पणामअ. त्रि० (प्रणामक) દુર્ગતિ તરફ નમાડનાર શબ્દાદિ પાંચ વિષય. दुर्गति की ओर झुकाने वाले शब्दादि पांच विषय. The five objects viz. sound etc. leading towards a bad or evil state. सूय० १, २, २,२७;

पणायक. पुं० (प्रणायक) નાયક; દોરનાર. नायक; अगुआ; मुखिया. A leader; a chief. पराह० २, १;

पणालि. पुं० (प्रणालि) શરીર જેવડી ઉંચી લાકડી. शरीर के प्रमाण की ऊंची लकडी. A stick of the height of a body. पराह० १, ३;

पणासिअ. त्रि० (प्रणाशित) નાશ કરેલું. नाश किया हुआ; नष्ट. Destroyed; ruined. नाया० १; भग० ११,११; कप्प० २, ३२;

पणिंदि. पुं० (पञ्चेन्द्रिय) પાચ ઇંદ્રિય વાળા જીવ. पाच इन्द्रिय वाला जीव. A five-sensed living being क० ग० १, ३३, ८९; २, ६, २३, ३, १३; ४, २२;

पणिंदिश्र. पु० (पञ्चेन्द्रिय) પાંચ ઇંદ્રિયવાલા જીવ. पाच इन्द्रियवाला जीव. A five-sensed living being क० गं० २, ३३, ५, ६७;

पणिज्जण न० (प्रणयन) વધ્ય ભૂમિ તરફ લઈ જવું તે वधस्थान का ओर लेजाना. Taking or leading to a slaughter house पगह० १, १;

√पणि-धा. धा० I. (प्र+नि+धा) પ્રણિધાન-બુદ્ધિમા ધારણ કરવી; એકાગ્રતા કરવી मन मे सकल्प करना, एकाग्रता करना. To concentrate, to pay close attention to. (२) અપેક્ષા રાખવી. अपेक्षा रखना. to expect; to hope.

पणिहाय. उवा० ७, १९२, भग० १३, ४, १५, १; नाया० १०; जीवा० ३, सू० प० १; ज० प० पन्न० १७;

पणिधाय. सं० कृ० अ० (प्रणिधाय) શરીર આદિને વશ કરીને. शरीर आदि को वश में करके Having controlled the body etc. दस० ९, ४५, (२) મર્યાદિત કરીને. मर्यादित करके having bound ed or limited. ज० प० ७, १३४;

पणिधित्ता. सं० कृ० अ० (प्रणिधाय) વહન કરીને वहन करके Having carried. जीवा० ३, ४,

पणिय. न० (पगय) વ્યાપાર, સોદો; ક્રય-વિક્રય. व्यापार; सौदा, क्रय-विक्रय. Trade; bargain; (२) વ્યાપારની વસ્તુ, કરિયાણું. व्यापार की वस्तुएँ; किराना. trading commodities. दस० ७, ४५; जं० प० श्रोव० १६; नाया० ३; ६, १५; भग० १५, १; पगह० २, ४; जीवा० ३, ३; राय० २७३;

—**श्रट्ठ.** पुं० (-अर्थ) કરીઆણા માટે किराने के लिए. for the sake of grocery. दस० ७, ४५; (२) પોતે સંકટ વેઠી પોતાનો સ્વાર્થ સિદ્ધ કરનાર. स्वय सकटों को सहन करके स्वार्थ को सिद्ध करने वाला. (one) who accomplishes one's own object after suffering difficulties. दस० ७, ३७;

—**गिह.** न० (-गृह) કરીયાણાનુ ઘર-દુકાન पंसारी की दूकान. shop, a grocery निसी० ८, ८; दसा० १०, १;

—**भडग** न० (-भाण्डक) ઘી તેલ વગેરે માલ. घी, तैल आदि पदार्थ trading articles, e.g. ghee, oil, etc. नाया० १५.

—**भूमि.** स्त्री० (-भूमि) કરીયાણાની ભૂમિ-સ્થાન किराना माल वेचने की जगह. a market; a place for buying and selling. कप्प० ५, १२१; भग० १५, १;

—**साला.** स्त्री० (-शाला) કરીયાણાનું હાટ-દુકાન. किराना माल बेचने वालों का बाजार-की दूकान a market; a grocer's shop. आया० १, ६, २, २, दसा० १०, १; निसी० ८, ८; १५, १६; २१, २२; २३; नाया० २;

पणिय. त्रि० (प्रणीत) સરસ; રસદાર. सरस, रसदार. Tasteful; juicy. पगह० २, ४;

पणिवइय. त्रि० (प्रणिपतित) નમેલું. नमा-हुआ; नत Bowed or bent down. जं० प० ३, ६१, नंदी० स्थ० ४२, नाया० १६;

√प-णि-वड. धा० I (प्र+नि+पत्) નમન કરવુ नमन करना. To bow; to salute.

पणिवयामि जं० प० ३, ४५;

पणिवयंत. प्रव० १६६;

पणिवाय पुं० (प्रणिपात) દંડવત્: પ્રણામ दण्डवत्-प्रणाम. A bow made by stretching one's body like a stick; prostration. सु० च० १, ३७१; प्रव० ६७; पंचा० २, १७; —**दंडय** पु० (-दण्डक) પ્રણિપાત-નમસ્કારનો દંડક પાઠ; 'નમોત્થુણં'નો પાઠ. नमस्कार का दंडक पाठ; 'नमोत्थुणं' का पाठ. the lesson of the scripture in the form of salutation; recitation of 'नमोत्थुणं'. प्रव० १७७;

पणिहाण न० (प्रणिधान) મન વગેરે યોગોની એકાગ્રતા मन आदि योगों की एकाग्रता Concentration of the mind etc ठा० ३, १; भग० १०, ५; १८, ७; भत्त० ७८; पंचा० ३, १७; १६, २५; उवा० ४, १६; —**तिय**. न० (-त्रिक) મન-પ્રણિધાન, વચનપ્રણિધાન, અને કાયપ્રણિધાન એ ત્રણ પ્રણિધાન. तीन प्रणिधान; मन प्रणिधान, वचनप्रणिधान और कायप्रणिधान. concentration of three kinds viz. of the mind, body and speech प्रव० ७१;

पणिहि. पु० (प्रणिधि) મનની વિશિષ્ટ એકાગ્રતા. मनकी विशिष्ट एकाग्रता. A special concentration of the mind. सम० ३२; पण्ह० १, ३; (२) માયા; કપટ माया; कपट. deceit; illusion दसा० ६, ७;

पणिहिअ-य. त्रि० (प्रणिहित) અસન્માર્ગથી હઠીને સન્માર્ગમાં વ્યવસ્થિત થયેલ. कुपथ छोडकर सन्मार्ग ग्रहण किया हुआ. (One) who having given up the wrong path, has taken or resorted to a right one उत्त० २९, ११; आया० १, ६, २, १८३; भग० ३, २;

पणिहिअ. त्रि० (प्रणिधिक) લોકોને છેતરવાને માટે વેષ બદલાવી કપટ-માયા કરનાર. लोगों को ठगने के लिए वेष बदलने वाला. A juggler; (one) who deceives others by changing his dress. दसा० ९, ७;

पणीत. त्रि० (प्रणीत) કરેલું; રચેલું. किया हुआ; रचा हुआ. Composed; written. पंचा० ७ २४;

पणीय. त्रि० (प्रणीत) પ્રરૂપેલું; પ્રકાશેલું; રચેલું. प्ररूपित; प्रकाशित; रचा हुआ; Published; composed. सूय० २, १, २६; सु० च० १, ३७८; अणुजो० ४२; दस० ५, २, ४१; जीवा० १; प्रव० ५६५; (२) રસભર; જેમા ઘી વગેરેના બિન્દુ ટપકે તેવું રસદાર. रसभरा; जिसमें से घी आदि के बिन्दु टपकते हों ऐसा रसभरा. succulent; juicy. उत्त० १६, ६; ३; २६; भग० ३, ४; ५, ४, नाया० १६; पिं० नि० ६४४. ओघ० नि०१५०; निसी० ६, २२;(३) પ્રકર્ષે કરી દોરવાયેલ. विशेषता से प्रेरित well led. आया० १, ४, २, १३१;

परस. त्रि० (प्ररस) પુષ્કલ ઘી વાલો આહાર; સરસ આહાર. प्रचुर घी युक्त आहार; पौष्टिक भोजन. A food or diet prepared with much ghee; fatty food. ओव० १९; भग० २५, ७; —**भोइ** त्रि० (-भोजिन्) ઘી વિગેરે રસ ટપકતુ સરસ ભોજન કરનાર. सरस भोजन करने वाला. (one) who takes such kind of food from which ghee etc. is oozing or dropping सम० ६; —**भोयन** न० (-भोजन) સુન્દર રસવાલું ભોજન. अच्छे रसवाला भोजन; सरस भोजन. food or diet full of flavour or taste. दस० ८, ५७;

पणुन्न त्रि० (प्रनुन्न) પ્રેરણા કરેલ, પ્રેરાયેલ. प्रेरित; प्रेरणा किया हुआ Inspired; instigated, impelled. आया० १,५, १, १६२,

√पणुल्ल. धा० I. (प्र+नुद्) પ્રેરણા કરવી. प्रेरणा करना To inspire; to instigate.

पणुल्लयामो उत्त० १२, ४२;

पणुल्लिज्जा. वि० दस० ५, १, १८;

पणुल्ल. सं० कृ० सूय० १, ८, १०;

पणुल्लेमाण. व० कृ० नंदी० १०;

पणुवीस. स्त्री० (पंचविंश) પચીશ; ૨૫ पचीस; २५. Twenty-five; 25. नंदी० ४५;

पणुवीसइम. त्रि० (पंचविंशतितम) પચીશનું. पचीसवां. Twenty-fifth विशे० ३३२०;

पणोली. स्त्री० (प्रणोदी) તાજણાની લાકડી चाबुक की लकडी A stick for beating (the bullocks etc.). पराह० १, ३;

पणोल्लिय. त्रि० (प्रणोदित) પ્રેરણા કરેલ. प्रेरित. Driven; inspired; goaded. ओव० २१; पराह० १, ३;

पएण न० (पण्य) વાણિજ્ય. वाणिज्य; व्यापार Trade. (२) ક્રય વિક્રયની વસ્તુ. क्रय-विक्रयकी वस्तु articles for trade सूय० २, ६, १६; नाया० ६;

पएणा पुं० (प्राज्ञ-प्रज्ञाविद्यतेऽस्येति) ડાહ્યા, બુદ્ધિમાન્ अक्लमंद; बुद्धिमान्. An intellectual or talented person. उत्त० १५ २, दसा० ६, ४, पंचा० १७, ४३,

पएण. त्रि० (पञ्चन्) પાંચ पांच; ५. Five; 5. विशे० ६६६;

पएणग. पुं० (पन्नग) સર્પ, નાગ. सर्प; नाग. A serpent; a snake. जीवा० ३, ४; भग० १५, १;

पएणगभूय. त्रि० (पन्नगभूत) સર્પ જેવું બનેલું. सर्प के समान बना हुआ Made like a serpent नाया० १६; १४;

पएणट्ठि स्त्री० (पञ्चषष्टि) પાંસઠ; ૬૫. पैंसठ; ६५ Sixty-five; 65. " पएणट्ठिंच सहस्साइं " भग० १३, ६; जं० प० ७, १४६;

पएणत्त त्रि० (प्रज्ञप्त) કહેલું; પ્રરૂપેલું. कहा हुआ; आदेशित, प्ररूपित. Ordered; expounded. जं० प० ५, ११४, ६, १२५; ७, १३३; १४६, १५२; उवा० १, २; ५१; ६१; नाया० १; ५; ६; ८; १०, १६; १६; अणुजो० १, १३४; ओव० भग० १, १२; १०; २, १; ७, १, १३, १; २५, ५; उत्त० ८, ८; वेय० ४, २; सू० प० १; जं० प० राय० ४५, दसा० ३, ११; ६, १, २; पन्न० पंचा० ८, ४३; ५, १६; ओव० ४, ७; १;

पएणत्तय पुं० (प्रज्ञप्तक) ફરમાવેલું; કહેલું. आदेशित; आज्ञापित Ordered; commanded. भग० १३, २;

पएणत्ति स्त्री० (प्रज्ञप्ति) નિરૂપણ; પ્રરૂપણા; ઉપદેશ निरूपण; प्ररूपणा; उपदेश. Order; advice. (२) પાંચમું અંગસૂત્ર; ભગવતી સૂત્ર. पांचवा अंगसूत्र, भगवती सूत्र the fifth Aṅga Sūtra; Bhagavatī Sūtra. (३) જંબૂદ્વીપ-પન્નતિ વગેરે સૂત્રો. जंबूद्वीप पन्नति वगैरह सूत्र the Sūtras called Jambū Dvīpa Pannati etc. भग० ४२, २; नाया० १६; सू० प० २०; उवा० ६, १६६; १६६;

—**कुसल.** पुं० (-कुशल) પ્રજ્ઞપ્તિ સૂત્રોમાં કુશલ प्रज्ञप्ति सूत्रों मे प्रवीण expert in Prajñapti Sūtras वव० ३, ३;

—**क्खेवणी.** स्त्री० (-आक्षेपणी) પ્રજ્ઞપ્તિ

–સન્દિગ્ધ માણુસને મધુર વચને કરી બોધ આપવા રૂપ આકર્ષક કથા. सन्दिग्ध मनुष्य को उपदेश देने वाली मीठे वचनयुक्त आकर्षक कथा. an attractive story giving sweet advice to a sceptre. ठा० ४, २; (२) જમ્બૂદ્વીપ-પન્નતિ વગેરે પન્નતિ સૂત્રનું કથારૂપે વાચન. जंबूद्वीप पन्नति वगैरह पन्नति सूत्रों का कथारूप में पठन. reading of Jambū Dvipa Pannati Sūtras etc. in the form of narratives. ठा० ४, २;

पएणरस त्रि० (पंचदशन्) પન્દર; ૧૫. पंद्रह; १५. Fifteen; 15. जं० प० ४, ८४; भग० ५, १; ६, ७; ८, ५; ६, ३१; १३, १; २०, ५८; २५, १; ३१, १; सू० प० १; पन्न० १; पंचा० १६, १६; उवा० १, ५१; —भाग. पुं० (-भाग) પન્દરમો ભાગ. पंद्रहवां भाग. fifteenth part or-divison. भग० १२, ६;

पएणरसम. त्रि० (पञ्चदशम) પન્દરમું. पन्द्रहवां. Fifteenth. भग० २०, ५; उवा० १, ६६; १०, २७६;

पएणरसी. स्त्री० (पंचदशी) પૂનમ पौर्णिमा. The 15th day of the bright half of a lunar month. जं० प० ७, १५२; विशे० ३४०७;

पएणवग. त्रि० (प्रज्ञापक) જણાવનાર; ગુરૂ. ज्ञान देने वाला; गुरु. A master; a preceptor विशे० ५४६; जं० प० ३, ५४;

पएणवण. न० (प्रज्ञापन) પ્રતિપાદન કરવું प्रतिपादन करना. Exposition; explanation: description. नाया० १; १६; भग० ५, २; २५, ५;

पएणवणा. स्त्री० (प्रज्ञापना) પ્રરૂપણા; નિરૂપણ निरूपण; कथन. Explanation; description. भग० ५, २; १, ३३; ओघ० नि० भा० ६२; सूय० १, १, २, ११; अणुजो० १३६; पन्न० १; उवा० ७, २२२; (२) ૧૨ ઉપાંગપૈકી ચોથું ઉપાંગ સૂત્ર; ૨૯ ઉત્કાલિક સૂત્રમાંનું ૮ મું. बारह उपांग सूत्रों में से चौथा सूत्र; २९ उत्कालिक सूत्रों में से ८ वां सूत्र. the 4th Upāṅga Sūtra out of twelve; the 8th Utkālika Sūtra out of 29. भग० १, १; ४, ६; १०; ६, १; ७, २; १६, ३; विशे० ५५५; नंदी० ४३; पन्न० १; (३) વિનંતી; અરજ. प्रार्थना; अर्ज; विनय. a request; a petition. पंचा० १७, ३१; —गम. पुं (-गम) પ્રજ્ઞાપના નામે સૂત્રનો ગમો-પાઠ. प्रज्ञापना नामक सूत्र का पाठ. a lesson of Prajñāpanā Sūtra भग १, १; —पद. न० (-पद) પ્રજ્ઞાપના સૂત્રનું પદ-પ્રકરણ प्रज्ञापना सूत्रका पद-प्रकरण. a chapter from the Prajñāpanā Sūtra. भग० १५, १;

पएणवणिज्ज. त्रि० (प्रज्ञापनीय) જણાવવા યોગ્ય. मालूम कराने योग्य; खुलासा करने योग्य. Worthy of imparting knowledge to or enlightening विशे० १४१; ५४६; पंचा० ३, ६; १२, ६; ११, २२, १५, २२;

पएणवणी. स्त्री० (प्रज्ञापनी) વિનયવાન્ શિષ્યને ઉપદેશ દેવામાં વપરાતી ભાષા. विनयवान् शिष्य को उपदेश देने की भाषा. A language used in advising a humble or modest disciple. भग० १; ३, पन्न० ११;

पएणविय. त्रि० (प्रज्ञापित) સામાન્યથી કહેલું. साधारणतया कहा हुआ. Generally spoken; ordered in general. अणुजो० १६;

पराणवीस. स्त्री० (पंचविंश) પચીશ; ૨૫. पचीस; २५. Twenty-five: 25 भग० १, ५; विशे० ६०६;

पराणा. स्त्री० (प्रज्ञा) બુદ્ધિ बुद्धि; अक्ल. Talent; intellect. ज० प० ५, ११८; उत्त० २, ३२; ८, १६; भग० १, ३; १९ ३; २०, १; (२) ત્રિકાલિક જ્ઞાન-સમજણ. त्रिकालिक ज्ञान. knowledge of 3 times viz. past, present and future. राय० २४४; —परिसह. पुं० (-परिषह) પ્રજ્ઞા-બુદ્ધિની મન્દતાનો પરિષહ. बुद्धि की मंदता का परिषह दुःख Sorrow experienced through dullness of intellect. सम० २२; भग० ८, ८;

पराणा. स्त्री० (पंचाशत्) પચાસ. पचास. Fifty; 50 पन्न० २; भग० १, ५;

पराणाण. न० (प्रज्ञान) સદસદ્વિવેક. सदसद्विवेक. Knowledge of right and wrong; intuition. आया० १, ४, १, १२६;

पराणास. स्त्री० (पंचाशत्) પચાસ; ૫૦. पचास; ५०. Fifty; 50. भग० २, ८; ३, ७; १३, ६; २३, ५; २७, ७; पन्न० ४; नाया० धं० ८; जीवा० ३, १; जं० प० २, ३१;

पराह. पुं० (प्रश्न) પ્રશ્ન; સવાલ. प्रश्न; सवाल. A question; querry; doubt. उत्त० ५, १; ओव० २१; विशे० ६८०;

पराहव. पुं० (प्रस्रव) ટપકવું; ઝરવું टपकना; झरना. Oozing; dropping. पिं० नि० ४८७;

पराहव. पुं० (प्रह्नव) એ નામનો એક અનાર્ય દેશ एक अनार्य देश का नाम. An uncivilised country of this name. (२) त्रि० તે દેશનો રહેવાસી उस देशका निवासी. a resident of the country of this name. भग० ३, २; पराह० १, १;

पराहवरा. न० (प्रज्ञापन) જણાવવું તે; નિરૂપણ. प्रज्ञापन; निरूपण. Explanation making known. विवा० २३;

पराहविश्रा स्त्री० (प्रह्नविका) પ્રણ્હવ દેશમાં જન્મેલી દાસી. प्रराहव देश में उत्पन्न दासी. A female-servant born in the country called Pranhava. ओव० ३३;

पराहावागरण. न० (प्रश्नव्याकरण) પ્રશ્નવ્યાકરણ નામનું દશમું અંગસૂત્ર. प्रश्न व्याकरण नामक दसवां अंगसूत्र. The tenth Aṅga Sūtra viz Prasna Vyākaraṇa. अणुजो० ४२, सम० १; विवा १; नंदी० ४४;

पिराह. पु० (पार्ष्णि) પગનો પાની. चरणामृत. The holy water got from the washing of the feet of idols etc. सु० च० १२, ५१; पराह० १, ३;

पिराहया. स्त्री० (पार्ष्णिका) પગનો પાની. चरणामृत. The holy water got from the washing of the feet of idols etc प्रव० २५७;

पतंगवीहिया. स्त्री० (पतंगवीथिका) પતંગીયાની ગતિ પ્રમાણે અનિયમિતપણે ક્રમવિના ગોચરી કરવી તે; ગોચરીનો એક પ્રકાર. पतिंग की चाल के समान अनियमित एवं क्रमहीन गोचरी; गोचरी का एक प्रकार. A kind of begging alms without any order like kite. ठा० ६, १;

√**पतणतण** ना० धा० I. (*प्र+स्तन्) ખૂબ જોરથી ગાજવું; ગર્જના કરવી खूब जोरसे गर्जना करना. To cry aloud; to roar

पतणतणायंत. भग० १५,१; जं०प० २,३८;

पतणु त्रि० (प्रतनु) ઝીણું, પાતલું-સૂક્ષ્મ. पतला; सूक्ष्म. Slender; minute; thin. जं० प० ३, ५८; श्रोव० ३८;

पतरग. पुं० (प्रतरक) સોના-રૂપાને અંતરડામાં ખેંચી બનાવેલ ઝીણા તાર. यन्त्र में खींच कर बनाये हुए सोना-चांदी के पतले तार. Machine-made thin wires of gold, silver etc. जीवा० ३, ४;

√प-तव. धा० I. (प्र+तप्) તપવું. तपना. To shine vigourously.

पयवंति. जं० प० ५, १२१;

पयाविज्जा. प्रे० वि० दस० ४;

√प-ताड. धा I. (*प्र+ताड्) મારવું. मारना. To beat severely.

पंतावे. पिं० नि० ३२५;

पति. पुं० (पति) પતિ; ભર્તાર; સ્વામી-ધણી. पति; स्वामी; मालिक. Husband; master; owner. नाया० १६;

√पति-श्रप्पिण. धा० I (प्रति+अर्प्) પાછું સોંપવું; પાછું અર્પણ કરવું. पीछे-वापिस देना; लौटाना. To return; to repay.

पच्चप्पियइ. श्रोव० ३०; नाया० १; निर्मा० १, ३६; दसा० १०, १;

पच्चप्पियंति. भग० ७, ६; ६, ३३; नाया० १; ५; ८; १३; १५; १६; राय० ३७; भत्त० २६; उवा० ७, २०७; जं० प० ५, ११६; ११२;

पच्चप्पियेज्जा. वि० पन्न० ३६;

पच्चप्पियाहि. श्रा० नाया० १६; श्रोव० २१; राय० ४; जं० प० ५, १२३; ११५;

पच्चप्पियाह. श्रा० भग० ७, ९; ६; ३३; ११, ११; नाया० १; ८; १५; १३; १६; नाया० ध० उवा० ७, २०६; जं० प० ५, ११२;

पच्चप्पिणेह. श्रा० राय० २८;

पच्चप्पिणइस्सामि. व० कृ० निसी० ५, १५;

पच्चप्पिणित्ता. सं० कृ० नाया० ५; वव० ८, ८;

पच्चप्पिणंत. व० कृ० निसी० १, ३६;

√पति-अभि-जाण. धा० I. (प्रति+अभि+ज्ञा) પૂર્વ અનુભવેલી વસ્તુને કાલાન્તરે જોતાં ઓળખી કાઢવાનું જ્ઞાન થવું. पहिले देखी हुई वस्तुको कुछ समय बाद फिर देखने मे पहिचान लेना. To recognise a thing seen after a long time.

पच्चभिजाणइ. भग० ६ ३३;

पच्चभिजाणंति. भग० ५, ६;

पच्चभिजाणेज्जा. वि० श्रणुजो० १४७;

√पति-अव-रुभ. धा०I. (प्रति+अव+रुह्) હેઠે ઉતરવું. नीचे उतरना. To descend; to alight.

पच्चोरुभइ. भग० १५, १;

पच्चोरुभित्ता. सं० कृ० भग० ३, १२;

पच्चोरुभइत्ता. सं० कृ० भग० १५, १;

पच्चोरुभत्तिता. सं० कृ० भग० १५, १;

√पति-श्रा-क्खा. धा० I. (प्रति+श्रा+ख्या) તજી દેવું; પ્રત્યાખ્યાન કરવું छोड देना; प्रत्याख्यान करना. To abandon; to renounce.

पच्चक्खाइ-ति. ठा० २, १; नाया० १; ८; भग० १, ८; ८, ५; उवा० १, १३; ४३; ८, २३५;

पच्चक्खंति. नाया० १६;

पच्चक्खाएमि. महा० प० २;

पच्चक्खामि. भग० २, १; ७, ६; नाया० १; १३; उवा० १, १६; ४२;

पच्चक्खाइत्ता. सं० कृ० नाया० २;

पच्चक्खंत. व० कृ० सूय २, ७, ६;

पच्चक्खमाण. व. कृ. सूय० भग० ८, ५;

पच्चक्खाएमाण. व० कृ० उवा० १, २२;

√पति-श्रा-गच्छ. धा० I (प्रति+श्रा+गम्) પાછા આવવું पीछे आना. To return; to come back.
पच्चागच्छंति सूय० २, १, १५;

√पति-श्रा-या. धा० I. (प्रति+श्रा+या) ફરી અવતરવું-જન્મવું. फिर से अवतार लेना-जन्म लेना To take re birth or re-incarnation.
पच्चायाइ-ति. ठा० ३, ३; दसा० १०, ३; भग० २, १; १५, १; सूय० २, २, २०; नंदी० ४०;
पच्चायंति. श्रोव० ३४; सूय० २. ७, ६; जं० प० ६, १२४;
पच्चायाहिति. श्रोव० ४०; भग० १४, ८; १५, १:
पच्चाइस्सइ. भग० १५, १, विवा० १;
पच्चाइस्संति. विवा० ५;
पच्चायंत. व० कृ० दसा० ६, ४;

√पति-इ. धा० I. (प्रति+इ) પ્રતીતિ કરવી; વિશ્વાસ રાખવો प्रतीति करना; विश्वास रखना. To trust; to believe.
पत्तियइ भग० ३, १; ६, ३३: नाया० १२; १६;
पत्तियंति. भग० ६, ३३; नाया० १५;
पत्तियसि. भग० १५, १;
पत्तियामि. नाया० १; ८; १४; नाया० ध० सूय० २, ७, ३८; भग० १, ६; २, १; ६, ३३; राय० २२२;
पत्तिएज्जा. वि० पन्न० २०;
पत्तियाहि. श्रा० भग० १, ६;
पत्तियाइत्ता. सं० कृ० उत्त० २६, १;
पत्तियमाण. व० कृ० जीवा० १;

√पति-उ-गच्छ. धा० I. (प्रति+उत्+गम्) સ્હામે જવું सामने जाना. To face; to encounter.
पच्चुगच्छइ-ति. नाया० ५; १६; भग० २, १;
पच्चुगच्छइत्ता. सं० कृ० भग० २, १;

√पति-उ-सर. धा० I. (प्रति+उत्+सृ) ખસવું; ઉતરવું. खिसकना; उतरना. To move; to alight.
पच्चुसरइ विवा० ७,

√पति-उद्-तर. धा० I (प्रति+उत्+तृ) પાર ઉતરવું, તરવું. पार उतरना; तरना. To cross; to go to the other end or bank.
पच्चुत्तरति राय० १७३;
पच्चुत्तरंति. नाया० ६, निर० ३, ३,

√पति-उद्-नम धा० I.(प्रति+उत्+नम्) થોડુંક નમવું, પ્રણામ કરવો. कुछ झुकना; प्रणाम करना To bend a little, to bow down.
पच्चुण्णामति. श्रोव० १२;
पच्चुण्णमइ नाया० २; जं० प० ५, ११५,
पच्चुण्णामइ. नाया० ध०

√पति-उद्-हर. धा० I. (प्रति+उत्+हृ) ઉદ્ધાર કરવો उद्धार करना. To save; rescue (from hell etc.)
पच्चुद्धरिस्सामि भ० नाया० १;
पच्चुद्धरित्ता. सं० कृ० दसा० ४, ६३;
पच्चुद्धरित्तए. हे० कृ० जीवा० ३; १;

√पति-उव-इक्ख. धा० I, II. (प्रति+उप+ईक्ष्) નિરીક્ષણ કરવું; તપાસી જોવું; વિચાર કરવો. निरीक्षण करना; परीक्षा करना; विचार करना. To scrutinise; to examine; to think
पच्चुवेक्खइ श्रोव० ३०;
पच्चुवेक्खइ दसा० १०, १:
पच्चुवेक्खह. श्रा० भग० ७, १०;
पच्चुवेक्खमाण. व० कृ० राय० २०६; भग० १३, ६;

√पति-उव-गच्छ. धा० I. (प्रति+उप+गम्-गच्छ) સામે જવું सामने जाना To oppose; to encounter.
पच्चवगच्छंति. भग० ५, ४;

√पति-ओ-रुह. धा० I, II (प्रति+अव+रुह्) હેઠે ઉતરવું; નીચે આવવું नीचे उतरना; नीचे आना. To descend; to get down.
पच्चोरुहेइ. ओव० १२; नाया० १४;
पच्चोरुहइ. ति० ओव० ३२; भग० २, १; ७, ६; ६, ३३; जं० प० ५, ११५; ११७; नाया० १; २; १६; १६; नाया० ध० दसा० १०, १; राय० २२; जं० प० उवा० ७, २०८; निर० ३, ३;
पच्चोरुहंति. ओव० २७; भग० २, १; नाया० २; ५; ८; जं० प० ५, ११२;
पच्चोरुहइत्ता. सं० कृ० भग० २, १; ३, १; ७, ६; ६, ३३; नाया० १;
पच्चोरुहेइत्ता. सं० कृ० नाया० १४;

√पति-ओ-वय. धा० I (प्रति+अव+पत्) નીચે પડવું. नीचे गिरना. To fall down.
पच्चोवयमाण व० कृ० भग० ५, ६; १७, १;

√पति-ओ-सक्क. धा० I, II. (प्रति+अव+सृह्) ખસવું; પાછું હઠવું. सरकना; पीछे हटना. To move back; to recede.
पच्चोसक्कइ. भग० २, १; १२, ८; १४, १; नाया० ८; १६; जं० प० ३, ४३; ५३; राय० १६०; जं०प० उवा० २, १०१; ८. २५६;
पच्चोसक्केइ. नाया० ४; १४;
पच्चोसक्किहिति. भग० १५, १;
पच्चोसक्कित्या. जं० प० ३, ५३;
पच्चोसक्कितए. हे० कृ० दसा० ७, १;
पच्चोसक्केइत्ता. सं० कृ० नाया० ४, १४,
पच्चोसक्कइत्ता सं० कृ० भग० २, १; १५; १; नाया० १६;
पच्चोसक्कंत. व० कृ० नाया० ८;
पच्चोसक्कमाण व० कृ० भग० १५, १;
पच्चोसक्किहितित्ता. भग० १५, १;

पतिक्कंत. त्रि० (प्रतिक्रान्त) પ્રવેશ કરેલ. प्रवेश किया हुआ Entered; transgressed भग० ११, ११;

पतिट्ठा. स्त्री० (प्रतिष्ठा) આબરૂ; ખ્યાતિ; પ્રતિષ્ઠા. इज्जत; प्रसिद्धि; प्रतिष्ठा; मान Good name; reputation; credit. ओघ० नि० ६८७; राय० २६५:

पतिट्ठाण न० (प्रतिष्ठान) ત્રાણ; શરણ; રક્ષણ કારક. रक्षण करने वाला-बचाने वाला. Protector; saviour; defender. पराह० १, ३;

पतिट्ठिय. त्रि० (प्रतिष्ठित) પ્રતિષ્ઠા પામેલું. प्रतिष्ठा-मान पाया हुआ. Established; famous भग० १४, १;

पतिरणा. स्त्री० (प्रतिज्ञा) પ્રતિજ્ઞા; ટેક. प्रतिज्ञा; टेक A promise; a vow. ओव० ४०;

पतिबोहण पु० (प्रतिबोधन) જ્ઞાન દેવું; જણાવવું તે ज्ञान देना; बोध देना. Imparting of knowledge; enlightening. राय० ४०,

पतिभयकर. त्रि० (प्रतिभयङ्कर) સામો ભય ઉત્પન્ન કરે તેવું. प्रत्यक्ष भय उत्पन्न करने वाला Very dreadful or terrorising. सम० ११;

पतिभाग. पुं० (प्रतिभाग) સમાન; પ્રતિરૂપ. समान; एकसा; प्रतिरूप. Similar; likewise. भग० २५, ६:

पतिरिक्क. त्रि० (प्रतिरिक्त) ખાલી; શૂન્ય. शून्य; खाली. Vacant; empty. भग०

१०, ११;

पतिरिक्कतर. त्रि० (प्रतिरिक्त-तर) જુઓ "पतिरिक्क" શબ્દ. देखो "पतिरिक्क" शब्द. Vide. "पतिरिक्क" भग० १३, ४,

पतुरण न० (प्रतुन्न) ઝાડની છાલના વસ્ત્રની એક જાત. वृक्षकी छालके वस्त्रकी एक जाति-प्रकार. A kind of a bark-cloth of a tree. आया० २, ५, १, १४५; निसी० ७, ११;

पतोदय. त्रि० (पतदुदय) ઉંચે તથા નીચે જતુ; ઉડતુ. ऊंचा नीचा जाने वाला; उड़ता हुआ. Flying up and down. भग० ३, ४,

पत्त. न० (पत्र) પાંદડું-પાન. पत्ता; पान. A leaf. प्रव० ४३८; ६६२; कप्प० ३, ३४; ३५; गच्छा० १४; ५७; ओव० उत्त० ३४, १८; नाया० १; ४; ९; ११; १३; १४; भग० १, १; २, १; ५, ६; ७, ९; ३, ७; ११, ११; १८, जं० प० २, ३८; ५, ११२; ७; २१, ६; दस० ४; नंदी० स्थ०८; जीवा० १; पन्न० १, २; जं० प० राय० २६; ५७; अणुजो० १३३; पिं० नि० भा० ४५; दस० ४, ६, ३८; २, ८, ९; १; निसी० ५, ४४; १७, २८; विवा० १; (२) પાંખ. पंख. a wing; a feather. उत्त० ६, १६; नाया० १; पन्न० १७; (३) પુસ્તકના પૃષ્ટ-પાનાં. पुस्तक के पृष्ट pages or leaves of a book. प्रव० ६७४, विशे० १२४; —**आहारग.** पुं० (-आहारक) વૃક્ષના પાંદડા ખાઇને જીવનાર જંતુ; પાંદડાનો જીવડો; તેઇંદ્રિય જીવ વિશેષ वृक्ष के पत्ते खाकर जीने वाला जन्तु; तीन इन्द्रिय-वाला जीव. an insect living on leaves of a tree; a three-sensed living being. भग० ११, ६; निर० ३, ३; पन्न० १;—**ऊसिय.** त्रि० (-उच्छ्रित) પત્ર-પુસ્તકના પાના વડે કંઇક ઉંચાઇવાળુ; પુસ્તકનો એક પ્રકાર. एक प्रकार की पुस्तक. a variety of a book. "तणुपत्तूसिय रूवो होइ छिवाडीवुहोवेति" प्रव० ६७४; —**च्छेज्ज.** न० (-च्छेद्य) બાણથી પાંદડું વિંધવાની કલા. तीर से पत्ते को बींधने की कला. the art or skill of piercing the leaves with an arrow. ओव० ४०; नाया० १; निसी० १२, ३०; —**च्छेज्जक.** त्रि० (-च्छेद्यक) ઝાડનો પાંદડાં જમીન ઉપર પાડનારનું કામ वृक्ष के पत्तों को जमीन पर पटकने वाले का काम. the work of a man of dropping down the leaves of a tree आया० २, १२, १७१; —**पुड.** पुं० (-पुट) પાંદડાનો દડિયો; દુનો. दोना; पत्तों का द्रोण. a cup of leaves to hold ghee etc नाया० १७; —**विंटिय.** पुं० (-वृन्तक) પાંદડાને આશ્રી રહેનાર; ત્રણ ઇન્દ્રિયવાલા જીવની એક જાત. पत्तों के सहारे रहने वाला; तीन इन्द्रिय वाले जीव की एक जाति. a kind of three-sensed living being. पन्न० १; —**भंग** पुं० (-भंग) પાંદડાનો ભગ-ખડ-ભાગ. पत्तों का टूटा हुआ भाग. a broken part of a leaf. दस० ४; निसी० १७, २८; —**भार.** पुं०(-भार) પાંદડાંનો ભાર. पत्तों का गट्ठा-भार. burden or bundle of leaves. भग० ८, ६; —**भोयण.** न० (-भोजन) પાંદડાંનું ભોજન. पत्तों का भोजन. food or diet of leaves. दसा० २, १६; —**मालिया.** स्त्री० (-मालिका) પાંદડાંની માલા. पत्तों की माला. a garland of leaves. निसी० ७, १; —**रासि.**

पुं० (-राशि) પાંદડાંનો ઢગલો. पत्तों का ढेर. a heap of leaves. भग० ८, ६; १५, १; —**सगडिया-इ.** स्त्री० (-शकटिका) સુકાં પાંદડાની ગાડી. सूखे पत्तों की गाडी a cart full of dried leaves. नाया० १; भग० २, १; —**साग.** न० (-शाक) પાંદડાંનું શાક. पत्तों का शाक a vegetable of leaves. प्रव०१३६; —**हारअ** त्रि० (-हारक) પાંદડા ઉપાડનાર-સારનાર. पत्ते निकालने वाला-उठाने वाला (one) who removes the leaves. अणुजो० १३१;

पत्त. त्रि० (प्राप्त) પામેલું; પ્રાપ્ત કરેલ. पाया हुआ; प्राप्त किया हुआ. Obtained; got; secured. प्रव० २१४; १२०७; क० ग० २, १; ३४; भत्त० ३८; ८७; जं० प० ३, ४५; ठा० ३. ३; उत्त० ५, १५; ७, ३; नाया० १; २; ७, ८; ६; १२; १४, १६; १७; भग० १८, १; पिं० नि० ५०८; नंदी० स्थ० ३२; वेय० ३, १५; ४, ६१०; ५, ११३; ओव० १०; राय० ७८; निर० ४, १; भग०३, १; ५, ४; ७, १; ६; ६;१८, १; २५, ७, विशे० २०५; सु० च० १, ७३; दस० ६, २, ६; वव०५, १७; उवा० १,८६; —**ओमोयरिया.** स्त्री० (-अवमोदरिका) ઉણોદરી તપનો એક પ્રકાર કે જેમાં હમેશના ખોરાક કરતા લગભગ અર્દ્ધભાગ ઓછો લેવામા આવે उणोदरी तप का एक प्रकार जिसमें मामूली आहार की अपेक्षा आधा भोजन किया जाता है. a kind of Unodarī penance in which half of the usual food is taken वव० ८, १५; —**जाल.** त्रि० (-ज्वाल) જ્વાલા-અગ્નિની આંચને પ્રાપ્ત થયેલ. ज्वाला-अग्नि की आंच में पडा हुआ. fallen into flames or tongues of fire. पिं०नि० ५४१; —**ट्ठ.** त्रि० (-अर्थ) ઘણું ભણેલ; અર્થ-રહસ્ય પ્રાપ્ત કરેલ. बहुत पढा हुआ; अर्थ या रहस्य का ज्ञाता. very learned; (one) who has digested the sense or essence. सु० च० ४, ३१८; नाया० ६; —**वंच्छिय.** त्रि० (-वांच्छित) મેલવેલ છે ઇચ્છિલ વસ્તુ જેણે તે. इच्छित पदार्थ को प्राप्त करने वाला. (one) who has secured the desired object. प्रव० १४४५; —**समय.** पुं० (-समय) મળેલો વખત -અવસર. प्राप्तावसर-मौका. an occasion; chance. नाया० ६;

पत्त. न० (पात्र) પાત્ર; વાસણ. पात्र; बर्तन. A vessel; a pot. भग० २, १; विशे० २५८३, ओघ० नि० ६६८: (२) પાત્ર-ગુણવાન્; સુપાત્ર. पात्र-गुणी; सुपात्र. meritorious; virtuous; deserving. नाया० १६; ठा० १, १; (३) પાત્ર-નાટકનો ખેલ ભજવનાર; એકટર. पात्र-नाटक का पात्र-नट. an actor; (one) who takes part in a dramatic performance. सु०च० १, १; —**बुद्धि.** स्त्री० (-बुद्धि) આ જ્ઞાન રૂપ ગુણરત્નનું પાત્ર છે એવી બુદ્ધિ કરવી તે. यह ज्ञानरूप गुण-रत्न का पात्र है ऐसा विचार. thinking that this one is an object in the form of knowledge. पंचा० ६, ६;

पत्तअ. त्रि० (पत्रक) ગેય-ગીતનો એક પ્રકાર ગીત; गीत का एक प्रकार. A song; a kind of song. ठा० ४, ४; (२) न० પાતરૂં; પાંદડું. पत्ता a leaf. उत्त० १०, १;

पत्तइय. त्रि० (पत्रकित) જેમાં નાનાં પાંદડાં,

આવ્યા છે તે. कोमल पत्तियों वाला (वृक्ष). (A tree) having sprouts or tender leaves नाया० ७,

पत्तकालग. पुं० (पत्रकालक) આલંભિકા નગરીની બ્હારનો એક ચૈત્ય आलंभिका नगरी के बाहर का एक चैत्य. A Chaitya (memorial) outside the city of Ālambhikā. भग० १५, १,

पत्तग. न० (पत्रक) પુસ્તકના પાના. पुस्तक के पृष्ठ Pages or leaves of a book. राय० १६६; विशे० १२४;

पत्तग. न० (पात्रक) પાત્ર; ભાજન; વાસણ પાત્ર, वर्तन. A vessel; a pot. प्रव० ५०६, भग०१५, १; —ट्ठवण. न० (-स्थापन) જેના ઉપર પાત્ર રખાય તે पात्रों को रखने का स्थान anything over which vessels are placed प्रव० ५०६; —धुयण. न० (-धोवन) પાત્રાનુ ધોણ; આહાર કર્યા પછી પાત્ર ધોવા તે. पात्र का धोवन, आहार करने के पश्चात् पात्र धोने से निकला हुआ धोवन. the water obtained from washing the vessels after taking food. प्रव० ७७५;

पत्तत्ता. स्त्री० (पत्रता) પાંદડાપણું पत्तो की दशा. A leafy state सूय० २, ३, ५.

पत्तय न० (पत्रक) તાડપત્ર; પાનાં ताड पत्र; पत्ता. Leaf of the palm tree; a leaf अणुजो०३३, भग०११,१,

पत्तरक. पुं० (प्रतरक) આભરણ વિશેષ. आभूषण विशेष. A kind of ornament. पराह० २, ४;

पत्तल न० (पत्रल) પાપણ पत्तल; पत्रावलि. A number of leaves pinned together so as to serve the purpose of a dish. ओव० १०; २३; जं० प० ७, १६६;

पत्तल. त्रि० (पत्रवत्) પાંદડાવાળું पत्तों वाला Leafy. पिं० नि० २१४;

पत्ताबंध. पु० (पात्रबन्ध) પાતરા બાંધવાનો ચોરસ વસ્ત્ર ખંડ-ઝોળી. पात्र बांधने का चौरस वस्त्र-झोली A square cloth to tie bowels; wallet. प्रव० ४६८; ओघ० नि० ६६८,

पत्तामोड. न० (पत्रामोट-मोटितपत्र) ડાળીને વાળી-નીચે નમાડી ત્રુટેલ પાદડાં डाली को नीचे झुकाकर तोड़े हुए पत्ते. Leaves plucked by bending a branch. अत० ३, ८, भग० ११, ६;

पत्तिअ. न० (प्रीतिक) પ્રીતિ ઉપજાવનાર વચન. प्रीति पैदा करने वाले वचन. Words which excite love (२) પ્રેમ; પ્રીતિ प्रेम; प्रीति. love; affection. उत्त० १, ४१,

पत्तिअ न० (पत्रक) પાનુ; પૃષ્ઠ. पन्ना; पृष्ठ; पेज Page; leaf कप्प० ३, ३६;

पत्तिइय. त्रि० (प्रत्ययित) પ્રતીતિ ભરેલુ; વિશ્વાસ જનક. भरोसे वाला; विश्वास जनक; प्रतीति वाला. (One) confided; trusted भग० १, ६;

पत्तिय न० (प्रत्यय) નિમિત્ત; કારણ, હેતુ. निमित्त, कारण, हेतु. Ocassion, reason, cause. भग० २, ५, ३, १२; १३, ६; १४, २, नाया० १६,

पत्तिय त्रि० (प्रतीत) પ્રસિદ્ધ; પ્રખ્યાત प्रसिद्ध; विख्यात Famous; noted. (२) प्रतीति રાખેલ. विश्वस्त confident. नाया० १२, सूय० २, ७,३८, वव० २, २१; २४, ३, ६: वेय० ५, ५; उवा० १, १२;

पत्तिय त्रि० (पत्रिल-पात्राणिसंजातानियस्य) પાંદડા વાળું. पत्तों वाला. Leafy. नाया०

१७; ११; १३; १५; भग० ७, ३; १५, १; राय० २७६;

पत्ती. स्त्री० (पत्नी) સ્ત્રી; પત્ની. પરણેલાણી. स्त्री; पत्नी. Wife; mistress. उत्त० १२, २४; १४, ३;

पत्ती. स्त्री० (पात्री) પાત્રી-પ્યાલો કટોરી प्याला. A cup. भग० ११, ११; उवा० १, ७०;

पत्तेअ. न० (प्रत्येक) દરેક; પ્રત્યેક. हरएक; प्रत्येक. Everyone; each. जं० प० ५, ११२; ११६; ११३; क० गं० ४, ८५; ६, ५;

पत्तेग. न० (प्रत्येक) નામકર્મની આઠ પ્રત્યેક પ્રકૃતિ; ઉપઘાત નામ વિગેરે. नामकर्म की आठ प्रत्येक प्रकृति; उपघात नाम आदि. Every natre of the eight of Nāmakarma. क० प० ४, ५१;

पत्तेगतणु. त्रि० (प्रत्येकतनु) પ્રત્યેક શરીર; જેને એક જીવ દીઠ એક શરીર હોય તે. एक शरीरी-एक आत्मा पीछे एक शरीर वाला. A body having one soul. क०प०१; २०;

पत्तेय. न० (प्रत्येक-एकमेकंप्रतीति) દરેક; એકેએક. हरएक; प्रत्येक. Every. पवा० १२, ३; १५, १६; कप्प० ४, ६८; क० गं० १, २६; २५; ५०; सूय० १, १, १, ११; आया० १, १, ६, ५०; १, २, १, ६८; १, ४, २, १३३; ठा० ४, २; ओव० २१; नाया० १; ५; ८; १६; भग० ११, ११; १६; ३; दस० १०, १; १८; सू० प० १; पन्न० २३; निसी० ४, ७६, सु० च० २, ६४०; ३, १५०; पिं० नि० ५०; १४७; जीवा० ३,४; विशे० प्रव०१९; १८१; ६१०; ७६८; २०१; राय० ६८; १५२; जं० प० (२) નામકર્મની એક પ્રકૃતિ કે જેના ઉદયથી જીવ પ્રત્યેક શરીર-એક જીવ દીઠ એક શરીર પામે છે. नामकर्म की एक प्रकृति कि जिसके उदय में जीव एक जीव पीछे एक शरीर पाता है. a variety or nature of Karmic matter by the rise of which a living being obtains one body. पन्न० २३; (३) પ્રત્યેક વનસ્પતિ વગેરે प्रत्येक वनस्पति आदि. vegetation etc. having one soul. जीवा० ३, ४; —आहार. पुं० (-आहार) દરેકનો ભિન્ન ૨ આહાર. प्रत्येक का भिन्न २ आहार. different food of different beings. भग० १६, ३; २०, १;—तणु. पुं० (-तनु) પ્રત્યેક શરીરી જીવ; એક જીવ દીઠ એક શરીર. प्रत्येक शरीर जीव; एक जीव पीछे एक शरीरी. a body having one soul. क० गं० १, ५०; —पय. न० (-पद) પ્રત્યેક પદ; દરેક પદ. हरएक पद. every word. प्रव० १३४८; —परिणाम. पुं० (-परिणाम) દરેકે દરેક જીવનો પરિણામ. प्रत्येक जीवका परिणाम. the result of every life. भग० २, १; —परूवणा. स्त्री० (-प्ररूपणा) પ્રત્યેકની પ્રરૂપણા વિવેચના. प्रत्येक की टीका. a criticism of everyone. "पत्तेयपरूवणं वोच्छं" प्रव० ७६८; —शरीर. न० (-शरीर) પ્રત્યેક શરીર; જીવ દીઠ એકેક શરીર. प्रत्येक शरीर. a constitution in which one body contains one soul. भग०१६, ३; सम० २८; जीवा०१; पन्न०१;

पत्तेकबुद्ध पुं० (प्रत्येकबुद्ध) પ્રત્યેક બુદ્ધ; કોઇ વસ્તુના નિમિત્તથી જેને બોધ થયો હોય તે; કરકંડુ આદિ મહાપુરૂષ. प्रत्येक बुद्ध; किसी वस्तुके निमित्त मे प्राप्त ज्ञान वाला; करकंडु आदि महापुरुष. Led to salvation by one's own intuition;

(one) who attains knowledge by means of anything; Mahā Puruśa like Karkandu etc. भग० २५, ६; पिं० निं० १५२, नंदी० २०; पन्न० १; —मुणि. पुं० (-मुनि) પ્રત્યેક બુદ્ધિ મુનિ; કોઇ વસ્તુની પ્રતીતિ થતાં બોધ પામેલ સાધુ; કરકંડુ આદિ મુનિ प्रत्येक बुद्ध मुनि, किसी वस्तु की प्रतीति होनेसे प्राप्त ज्ञान वाला साधु; करकंडु आदि मुनि. an emancipated-through his own intuition; an ascetic who attains knowledge by fully knowing one thing, sages like Karkandu etc. प्रव० ५२७; —सिद्ध. पुं० (-सिद्ध) પ્રત્યેક બુદ્ધ થઇને મોક્ષ ગયા હોય તે; સિદ્ધના પંદર ભેદમાનો એક ભેદ. प्रत्येक बुद्ध होकर मोक्ष प्राप्त करने वाला; सिद्ध के पन्द्रह भेदों में से एक भेद he who attains salvation by becoming a Buddha; one of the fifteen kinds of Siddhas पन्न० १;

पत्तोवश्र पुं० (पत्रोपग) ઘણા પાદડાંવાળું ઝાડ बहुत से पत्तों वाला झाड; घना वृक्ष. A thickly foliaged tree. ठा० ४, ३; निसी० ३, ७१,

पत्थ. त्रि० (पथ्य) હિતકારક; પ્રકૃતિને માફક આવે તેવુ. लाभदायक; प्रकृति के अनुकूल. Wholesome; which suits one's nature. पिं० नि० ६४६; भग० ५, १; ११, ११; नाया० १; १२; विशे० १६०६, कप्प० ४, ९५; जं० प० ४, ७४; —कामय. त्रि० (-कामुक) પથ્ય-આનંદદાયક વસ્તુની કામનાવાળું. पथ्य-आनंद दायक पदार्थ की लालसा वाला. one greedy of wholesome objects. भग० ३, १; १५, १;

पत्थ. पुं० (प्रस्थ) પાથો; બત્રીશ પસલી પ્રમાણનો એક માપ; દ્રોણનો ચોથો ભાગ; એક શેર माप विशेष; बत्तीस पसली प्रमाणका एक माप, द्रोणका चौथा भाग-एक सेर. A particular measure; one seer; one-fourth of a Drona (a particular measure). श्रोव० ३८; अणुजो० १३२; श्रोघ० नि० ७१३; (२) શિખર; ટોચ. शिखर; चोटी. top; peak. प्रव० ५१७, १३६९;

पत्थंतर त्रि० (प्रस्तरान्तर) પથ્થર પથ્થર વચ્ચેનું અન્તર-તફાવત જેમ કાંકરો અને ચિંતામણિ રત્ન. पत्थर पत्थर का भेद-फरक जैसे कंकर और चिन्तामणि रत्न. The difference between stones e. g. between a pebble and the gem Chintāmaṇi. ठा० ४, १;

पत्थग. पुं० (प्रस्थक) મગધ દેશ પ્રસિદ્ધ એક જાતનો માપ; પાથો; પાલી. मगध देश में प्रसिद्ध एक माप विशेष. A particular measure of the Magadha country. अणुजो० १४८;

पत्थड. न० (प्रस्तट). પાથડો; પડ. थर; प्रस्तर; पुट. Layer. अणुजो० १३४; जीवा० ३, .४; पन्न० २; प्रव० १४१४; जं० प०

पत्थड. त्रि० (प्रस्तृत) પાથરેલું, ફેલાયેલું. बिछाया हुआ; फैलाया हुआ. Stretched or spread. राय० १०८; पन्न० २; —उदय. न० (-उदक) પથરાયલું-ઢોળાયલું-પાણી. ठुकरा-ढोला हुआ पानी. water, thrown or spilled. भग० ६, ८;

पत्थणया. स्त्री० (प्रार्थना) માગણી; યાચના કરવી તે माँग; याचना करना. Demand;

begging (२) લોભનું પર્યાય નામ. लोभका दूसरा नाम. a synonym for greed. भग० १२, ५,

पत्थणा. स्त्री० (प्रार्थना) દીનતા પૂર્વક યાચવું તે; પ્રાર્થના, માગણી. दीनतापूर्वक याचना, प्रार्थना, माँग. Begging with supplication. सु० च० १, १२४; २, ४५१; ७, ६३; पग्ह० १, ३; २, १; पंचा० ४, ३०; ३६; १६, ४३;

पत्थणिज्ज. त्रि० (प्रार्थनीय) પ્રાર્થના કરવા યોગ્ય प्रार्थना करने योग्य. Fit for praying. दसा० १०, ५; भत्त० १३६;

पत्थ-य. पु० (प्रस्थक) માપ વિશેષ. माप विशेष. A particular measure. विशे० १४००; राय० २७२; तडु०

पत्थय. त्रि० (प्रार्थक) પ્રાર્થના કરનાર; માગી લેનાર. प्रार्थना करने वाला; माँगने वाला; याचक (One) who prays; (one) who begs भग० ३, २,

पत्थयण. न० (पथ्यदन) ભાતુ; ટીમણ-નાસ્તો नास्ता, फलाहार; कलेवा Breakfast, refreshment. भग० १५, १, नाया० १५, राय० २७३, संथा० १६,

पत्थर. पुं० (प्रस्तर-प्रस्तृणाति आच्छादयति भूमिं) પાષાણ, પથ્થર पाषाण, पत्थर Stone. ओव० २१; नाया० १. पग्ह० १,३,

पत्थाण. न० (प्रस्थान) ગમન; યાત્રા. यात्रा. गमन; प्रस्थान Journey; departure भग० ११, ६. पग्ह० १, ३,

पत्थार पु० (प्रस्तार) વસ્ત્રનો એક વિભાગ वस्त्र का एक भाग A portion of a garment. वेय० ३, १४, (२) પ્રાયશ્ચિત્ત રચના વિશેષ. प्रायश्चित्त की रचना विशेष. a particular expiatory arrangement ठा० ६, ४; वेय० ६; २, (३) નાશ; મરણ. नाश; मृत्यु destruction; death. पिं० नि० ५०१;

पत्थारेत्ता. सं० कृ० अ० (प्रस्तीर्य) પ્રાયશ્ચિત્ત કરીને. प्रायश्चित्त लेकर. Having expiated वेय० ६, ३;

पत्थाव पुं० (प्रस्ताव-प्रस्तूयते इति) સંબંધ; વિષય. सम्बन्ध; विषय. Relation; subject (२) અવસર. मौका. opportunity. सु० च० १, ३६७; २, ३६१; पचा० ८. ११;

पत्थिज्जमाण. त्रि० (प्रार्थ्यमान) પ્રાર્થના કરાતું. प्रार्थना कराता हुआ. (One) prayed to. ओव० ३२,

पत्थिय-अ. त्रि० (प्रार्थित) પ્રાર્થના કરેલું; ઇચ્છેલું प्रार्थना किया हुआ; इच्छित. Prayed for; desired. जं० प० ३, ५३; भग० २, १; ३, २; ६, ३३; ११, ६; नाया० १; ४; १२; १३; १४; १६, सु० च० ११, ४७; अंत० ३,८, जीवा० ३, ४; ओव० ३३; उवा० २, ६५; कप्प० २, १६; ४. ८६;

पत्थिय. त्रि० (प्रस्थित) વિદાય થયેલું. प्रस्थान किया हुआ Departed. सु० च० १, ३८६;

पत्थियअ पुं० (प्रस्थितक) વિનયથી પ્રયાણ કરેલ-ભ્રષ્ટ થયેલ. વિનય વિનાનો શિષ્ય अविनीत-भ्रष्ट शिष्य A rude or obstinate disciple. विशे० १४४७;

पत्थिया स्त्री० (प्रस्थिका) છાબડી; ટોપલી. छाब, टोकरी Basket ओघ० नि० ४७६.

—**पिडअ.** पुं० (-पिटक) કાવડની બે બાજુની વાસની છાબડી-ટોપલી. कावड के दोनो बाजू की बास की छाब-टोकरी. Bamboo baskets at the 2 ends of a pole विवा० ३, राय० २५८;

पत्थिव. पु० (पार्थिव) રાજા. राजा; नृप. King. उत्त० ६, ३२४१; १८, ११; नाया० १६, सु० च० २, ६६२;

पत्थुय. त्रि० (प्रस्तुत) ચાલું; ચાલતું. चालू; वर्तमान. (Subject) under consideration; on hand पंचा० १८, २५;

पत्थेयव्व. त्रि० (प्रार्थयितव्य) પ્રાર્થના કરવી प्राथना करना. Entreating; praying. भत्त० १४६;

पथ पु० (पथिन्) માર્ગ; રસ્તો. मार्ग, रास्ता Road; path अणुजो० १३३, पिं० नि० भा० ५१;

पथिय. पुं० (पथिक) મુસાફર. मुसाफिर. Traveller. भग० ३, २;

पद. न० (पद) પદ વાક્યનું એક અંગ; શબ્દ. पद–वाक्य का एक अंग; शब्द Word. सम० १८; अणुजो० १३; भग० ५, ८, ८, १; २०, ७, २२, ५; २५, २, (२) જીવ અજીવ આદિ પદાર્થ जीव अजीव आदि पदार्थ. objects such as Jīva; Ajīva etc पन्न० १; (३) જીવાદિ પદાર્થનાં વર્ણનવાળું પ્રકરણ-અધ્યાય. जीवादि पदार्थ के वर्णन वाला प्रकरण–अध्याय. a chapter describing the categories such as life etc. भग० ८, १; पन्न० २८; (४) પગ. पैर. foot. निसी० १, ११, (५) સ્થાન; ઠેકાણું. स्थान; ठिकाना. place; resort. भग० २६, १; **—बद्ध** स्त्री० (-बद्ध) વિશિષ્ટ પદ રચનાથી રચેલ. विशेष पद–रचना द्वारा रचित composed of a particular combination of words. अणुजो० १२८; **—मग्ग** पुं० (-मार्ग) પદ (પગ) નો માર્ગ; પગરસ્તો पैदल रास्ता; पगदंडी. a foot-path. निसी० १, ११, **—सम.** न० (-सम) જે પદ જે સ્વરમાં ગાવું જોઇએ તેજ સ્વરમાં ગાવું તે जो पद जिस स्वर में गाना चाहिये उसे उसी स्वर में गाना. singing of a song in its proper tone. अणुजो० १२८;

√प-दंस. धा० I. (प्र+दृश्-णिजन्त) દેખાડવુ दिखाना; बताना. To show.

पदंसंति विशे० ६८२,

पयंसिउं. हे० कु० सु० च० ७, ३१;

पदंसिय. त्रि० (प्रदर्शित) દેખાડેલું. बताया हुआ. Shown. सु० च० २, २०;

पदत्थ. पु० (पदार्थ) જીવાદિ પદાર્થ-તત્ત્વ जीवादि पदार्थ–तत्व. Category like life etc. पंचा० २, ३४, **—रसिग.** त्रि० (-रसिक) જીવાદિ પદાર્થમાં પ્રીતિ વાળો. जीवादि पदार्थ में प्रीति रखने वाला. (one) who has attachment for the objects like life etc. पंचा० २, ३४;

√प-दा. धा० I.(प्र + दा) આપવુ, દેવુ. देना; प्रदान करना To give; to hand over.

पयच्छइ. राय० २४०;

पयच्छामि. नाया० १;

पयच्छामो. भग० ६,३३; ११,११; नाया० १;

पादेज्जा. वि० आया० १, ७; १, १९७,

पदाण. न० (प्रदान) આપવું; દેવું તે. देना; प्रदान करना. Handing over; giving ओव० १६; पंचा० ७, २१: **—काल.** पुं० (-काल) સાધુને દાન આપવાનો અવસર. साधु को दान देने का अवसर. a time for giving alms to an ascetic. पंचा० १३, ४१;

पदाहिणा. स्त्री० (प्रदक्षिणा) પ્રદક્ષિણા કરવી તે. प्रदक्षिणा देना, परिक्रमा करना Circum ambulation जीवा० ३, ४;

पदिद्ध. त्रि० (प्रदिग्ध) ચોપડેલ; ભભરાવેલ. चुपड़ा हुआ, लगाया हुआ; जलाया हुआ. Besmeared; scalded. सूय० १, ५, १, २३;

√प-दिप्प. धा० I. (प्र+दीप्) પ્રદીપ્ત થવું. प्रदीप्त होना; तेजपूर्वक जलना. To glow; to burn brightly.

पदिप्पए. अणुजो० १५४;

पदिप्पमाण व० कृ० सम० प० २३८;

√प-दिस. धा० I. (प्र+दृश्) દેખવું; જોવું. देखना. To see; to observe.

पदीसए. क० वा० पन्न० १;

पदि(दे)स्सा. सं० कृ० भग० १८; ८;

पदिसा. स्त्री० (प्रदिश) વિદિશા-અગ્ની, નૈઋતિ વગેરે ખુણા. विदिशा-आग्नेय, नैऋत्यादि कोण. An intermediate point of directions e. g. south-east; south-west etc. आया० १, १, ६, ५०;

√पदीव. धा० II. (प्र+दीप्) પ્રકાશ કરવો. प्रकाश करना; उजेला करना. To illumine.

पदी(दी)वेज्जा. वि० भग० १३, ४;

पदीव. पुं० (प्रदीप) દીવો. दीया; दीपक. Lamp. भग० ७, ७; ८, ६; —चंपअ. पुं० (-चम्पक) દીવાનું ઢાકણું. दीये का ढक्कन. a covering of a lamp. भग० ८, ६; —लेस्सा. स्त्री० (-लेश्या) દીવાની જ્યોતિ; જોત. दीये की ज्योति. light of a lamp; light. भग० १३, ३;

पदीवग. पुं० (प्रदीपक) મ્હોટો દીવો; મસાલ. बडा दीया; मशाल. A big lamp, a bonfire; a torch. राय० २७१;

पदुग्ग. पुं० (प्रदुर्ग) કોટ-કિલ્લો; ગઢ. किला; दुर्ग; गढ़ A castle; a fort. आया० २, १०, १६६;

पदुट्ठ त्रि० (प्रदुष्ट) દૂષિત; દ્વેષપૂર્ણ. दूषित; द्वेषपूर्ण. Polluted, full of hatred. उत्त० ३२, ३३; ओघ० नि० १३३;

√प-दुस. धा० (प्र-दुष्) દૂષિત કરવું; દ્વેષ કરવો. दूषित करना; द्वेष करना. To pollute; to hate.

पउसए. वि० उत्त० २, ११;

पउसेज्जा वि० ओव० नि० भा० २६;

पउस्संति. सूय० १, १, २, २६;

पदेस. पुं० (प्रदेश) સૂક્ષ્મમાં સૂક્ષ્મ અંશ; પ્રદેશ; અવિભાગી અંશ. सूक्ष्मातिसूक्ष्म अंश; प्रदेश; अविभाज्य अंश A minutest particle, an indivisible portion. (२) જગ્યા; સ્થાન. स्थान; जगह. place. जं० प० ६, १२४; भग० २, १०; ८, ७; पन्न० १, २२; —ट्ठया. स्त्री० (-अर्थता) પ્રદેશની અપેક્ષા. प्रदेश की अपेक्षा. incomparision to Pradeśa. भग० १८, १०; २५, ३; ४; पन्न० ३; —कम्म. न० (-कर्मन्) પ્રદેશ રૂપે બન્ધાયેલ કર્મ; કર્મના પ્રદેશ-પુદ્ગલ વિભાગ. प्रदेशरूप में बंधे हुए कर्म; कर्म-प्रदेश-पुद्गल विभाग. Karma bound in the form of Pradeśa; a division of the atoms of Pradeśa of Karma. ठा० ४, ४; —नामानिहत्ताउय. पुं० न० (-नामनिधत्तायुष्क) એક જાતનો આયુષ્કર્મનો બન્ધ; પ્રદેશરૂપ નામકર્મની સાથે આયુષ્ય કર્મનો નિધત્ત-બંધ થાય તે एक प्रकार का आयुष्य का कर्मबंध; प्रदेश रूप नामकर्म के साथ आयुष्य का होने वाला निधत्त बंध. a kind of life-bondage; an affixed bondage of the life-actions with Nāma Karma in the form of Pradeśa. पन्न० ६;

पदेसिअ. त्रि० (प्रदर्शित) બતાવેલ; દર્શાવેલ. बतलाया हुआ; दर्शित. Shown; pointed out. आया० १, ६, ३, १८७;

पदेसिय. त्रि० (प्रदेशिक) પ્રદેશવાળો; પ્રદેશના સમૂહથી બનેલ સ્કંધ વગેરે. प्रदेश वाला; प्रदेश के समूह से बने हुए स्कंध आदि. Having magnitude; a Skandha (molecule) made by an aggregate of Pradeśa. भग० १२, ४,

पदोस पुं० (प्रदोष) દ્વેષ, ખાર, દોષ द्वेष; ईर्ष्या; दोष. Aversion; hatred; jealousy; fault भग० २५, ७; सूय० १, १. ३, ११; उत्त० ८, २. अत० ३, ८. (२) પ્રાત કાલ અને સાય કાલ प्रातःकाल व सायंकाल. morning and evening. जीवा० ३, ४;

पद्धंसाभाव. पुं० (प्रध्वंसाभाव) વસ્તુનો ધ્વસ થવાથી થતો અભાવ-નાશ ध्वंस के कारण होने वाला वस्तु का अभाव. वस्तु-नाश के कारण होने वाला अभाव. The absence of a thing after its destruction विशे०१८३७,

√पधार. धा० I. (प्र+धृ) ધારણુ કરવુ. धारण करना; पहिनना. To put on.

पधारइ. दसा० १०, १, ज० प० ५, १२३;

पधारेज्जा. ओव० २०;

पधारेमाण. निसी० १६, २४;

पधारेमाण. पंन्न० ३४,

पधारेत्ता सं० कृ० भग० ५. ६;

√प-धाव. धा० I, II. (प्र+धाव्) દોડવુ दौडना. To run.

पहावइ उत्त० २७, ६; सूय० १, ३, २, ६,

पहावए. ओघ० नि० भा० १२४,

पहावेइ. सु० च० २, ४०६,

√पधूव. धा० I. (प्र+धूप्) ધૂપ દેવો; તપાવવુ धूप देना; तपाना. To show sun light; to heat

पधूवेज्ज वि० निसी० ३, ३१;

पधूमिय. त्रि० (प्रधूपित) ધૂપથી સુવાસિત કરેલુ. धूप द्वारा सुवासित किया हुआ. Made fragrant by incense; incensed. कप्प० ९, २;

√पधोव धा० I. (प्र+धाव्) ધોવું; પખાળવુ धोना. To wash

पधोएज्ज. निसी० २, २१;

पधोइज्ज. आया० २, १, ६, ३३;

पधोअंत. निसी० १, ७;

√प-नच्च. धा० I. (प्र+नृत्) નૃત્ય કરવું; નાચવુ. नृत्य करना; नाचना. To dance.

पणच्चमाण. व० कृ० नाया० ८; .

√पनम. धा० I, II. (प्र+नम्) નમવુ; નમસ્કાર કરવો. नमना; नत होना; नमस्कार करना To bow; to salute.

पणमइ. सु० च० ४, ८१;

पणमेइ. नाया० १६;

पणमंति. तंदु०

पणामिमो भग० ४२, १,

पणमह. आ० सु० च० १, १;

पणमिज्जंत. क० वा० व० कृ० सु०च०३,८४;

पणमित्ता. सं० कृ० विशे० ३२१३;

√प-नस्स. धा० I. (प्र+णश्) નાશ પામવુ नाश पाना. To be destroyed.

पणस्सइ. पिं० नि० ४६८; दसा० ५, ३६; ३७;

पणासेज्जा वि० विशे० १०६,

पणासेई णि० दसा० ८, ३८;

पणासंति. गच्छा० २८;

पणासंतु भग० ४२, १;

√प-ने. धा० I. (प्र+नी) લઇ જવું ले जाना. To carry away.

पणिज्जंत क० वा० व० कृ० पण्ह० १, ३;

पन्न. त्रि० (प्राज्ञ) પ્રજ્ઞાવાન્; પંડિત. प्रज्ञा-वान्; पंडित. Intelligent; learned. उत्त० १, २८;

पन्नग. पुं० (पन्नग) સર્પ. सर्प; सांप. Ser-

pent सूय० २, १, ५६; भग० ७, १; —द्ध. न० (-अर्ध) सर्पनो अर्धो भाग. सर्प का आधा भाग the half of a serpent. (नागदन्ता) "अद्दे पन्नगद्ध· रुवा पन्नगद्ध संठाण संठिया" राय० १०९;

पन्नत्त. त्रि० (प्रज्ञप्त) कहेलुं; फरमावेलुं. कहा हुआ; कथित. Said, told. पिं० नि० ७७, दसा० १, ३; २, १; ७, १; उत्त० २८, २, ठा० १, १; सम० १, दस० ६, ४, १; वव० १०, ३; कप्प० ५, ११७;

पन्नत्तरि. स्त्री० (पञ्चसप्तति) पंचोतेर; ७५. पचहत्तर; ७५. Seventy-five सम० ७५; क० गं० ६, २१;

पन्नत्तार त्रि० (प्रज्ञप्तृ) प्ररूपणा करनार. ज्ञात करनेवाला; जतलाने वाला; प्ररूपणा करने वाला (One) who makes known. सूय० २, १; १४;

पन्नत्ति. स्त्री० (प्रज्ञप्ति) जणाववुं ते; निरूपण. बतलाना; प्रदर्शन, निरूपण To make known or understood. निर० ३, ४;

पन्नरस. त्रि० (पंचदशन्-पंचभिरधिकादश) पन्दर; १५. पन्द्रह; १५ Fifteen. सम० १५; उत्त० ११, १०; भग० १, ५; १९, ४; नंदी० १८; —भेअ पुं० (-भेद) सिद्धना पंदर भेद सिद्ध के पन्द्रह भेद The 15 kinds of Siddhas प्रव० १०,

पन्नरसम. त्रि० (पंचदशम) पन्दरमुं पन्द्रहवां. Fifteenth. भग० २, १, ठा० ६, १;

पन्नरसी स्त्री० (पंचदशी) पूनम. पौर्णिमा; पूनम A Day of full moon कप्प० ५, १२३,

√**पं-न्नव.** धा० I, II (प्र+ज्ञप्) खुलासो करी विगत वार कहेवुं सविस्तर वर्णन करना खुलासा करके कहना. To speak in details.

पण्णवइ. भग० ३, १;

पण्णवेइ-ति. ओव० २७; भग० ७, १०; ८, २; १६, ६; उवा० ५, २६१;

पण्णविंति. आया० १, ४, १, १२६; जं० प० ७, १७८;

पण्णवेंति. भग० १, ६; २, ५; ५, ३; २०, ८;

पण्णवेमि. भग० २, ५; ७, १०; नाया० ८;

पण्णवेज्ज. त्रि० भग० ६, ३१;

√**पन्नव.** धा० I. (प्र+ज्ञा+णिच्) फरमाववुं. आज्ञा देना. To order.

पन्नविंति. सूय० २, २, २३;

पन्नविंसु सूय० २, २, २३;

पन्नवसु. भू० सु० च० २, ४३६;

पन्नविस्संति. सूय० २, २, २३;

पन्नवइस्सामो. सूय० २, १, १४;

पन्नवइत्ता. सं० कृ० ठा० ३, १;

पन्नवेमाण. व० कृ० आया० १, ७, १, १९६; प्रव० १२१;

पण्णवइंसु. भू० भग० ८, ७;

पण्णवित्तए. हे० कृ० नाया० १;

पण्णवेमाण. व० कृ० भग० ३, १; ६, ३३; नाया० १; ५; ८; ओव० ३८.

पण्णविज्जइ क० वा० अणुजो० १३९;

पण्णविज्जति क० वा० सम० प० १७०;

पण्णवयंति. क० वा० भग० २, ८;

पन्नवंत त्रि० (प्रज्ञावत्) बुद्धिमान्; मेधावी बुद्धिमान्; मेधावी Intelligent. उत्त० २४, १०; दस० ७, १;

पन्नवग. पुं० (प्रज्ञापक) प्रश्नना खुलासो करनार-आचार्य. प्रश्न का निराकरण करने वाला-आचार्य. A preceptor who answers a question. सूय० २, ४, २;

पन्नवणा. स्त्री० (प्रज्ञापना) ए नामनुं एक उपांग सूत्र-आगम. इस नाम का एक उपांग सूत्र-आगम. An Upāṅga Sūtra of this name. अणुजो० ४२;

(२) નિરૂપણ કરવુ; કહેવું निरूपण करना, कथन करना. descuibing, relating. पिं० नि० २६१;

पन्नवणी. स्त्री० (प्रज्ञापना) શિષ્યવર્ગને ઉપદેશ દેવો તે; ઉપદેશ આપવાની ભાષાનો એક પ્રકાર शिष्य वर्ग को उपदेश देने का कार्य; उपदेश देने की भाषा, भाषा विशेष. Advice to a group of disciples, the language used in advice: a kind of speech प्रव० ६०१:

पन्नविश्र. त्रि० (प्रज्ञापित) જણાવેલુ; સમજાવેલું प्रदर्शित, जतलाया हुआ. समझाया हुआ. Made known or manifest. उत्त० २६; ७२,

पन्नवीस स्त्री० (पञ्चविंश) પચ્ચીસ; ૨૫. पच्चीस, २५. Twenty-five. जं० प० ७, १४८; क० गं० ६, ३३,

पन्नहत्तरि स्त्री० (पंचसप्तति) પચોત્તર; ૭૫ पचहत्तर, ७५. Seventy-five आया० २, १५. १७६.

√प-न्ना. धा० I (प्र+ज्ञा) જાણવુ जानना To know.

पएणायइ. क० वा० ५, ६; ७, १; १२, २,
पएणायन्ति. भग० १, ८,
पएणायए क० वा० भग० ५, ९; जं० प० ७, १६२;

पन्ना स्त्री० (प्रज्ञा) માણસની દશ દશાઓ પૈકી પાંચમી અવસ્થા: ૪૧ થી ૫૦ વર્ષ સુધીની માણસના સમજણવાળી અવસ્થા. मनुष्यकी दस अवस्थाओं मे स ५वीं अवस्था; ४१ से ५० वर्ष पर्यन्तकी मनुष्यकी सुज्ञावस्था. The fifth state out of ten of a man; the period between 41 and 50 of good understanding प्रव० ६६३; (२) બુદ્ધિ; ડહાપણ. बुद्धि; दानापन; चतुराई. intelligence; wisdom. उत्त० १३, ३३: सूय० १, १, ४, ५; विशे० ३६६. तंडु० —छेयण. न० (-छेदन) પ્રજ્ઞા-બુદ્ધિરૂપી શસ્ત્ર. प्रज्ञा-बुद्धि रूपी शस्त्र a weapon in the from of knowledge क० प० १, ६· —मय पुं० (-मद) બુદ્ધિનો મદ. बुद्धि का मद-गर्व. pride of knowledge. सूय० १, १३, १५;

पन्नाण न० (प्रज्ञान-प्रज्ञायंत इति) પદાર્થનુ સારી રીતે જાણવું તે पदार्थ का सम्यक् ज्ञान. Full knowledge of a thing. आया० १, ६, ३, १८६,

पन्नाणमंत त्रि० (प्रज्ञानवत् प्रज्ञानमस्त्यस्येति) સદસદ્વિવેકવાન્; જ્ઞાની. सदसद्विवेकशील, ज्ञानी. A conscientious person; wise man आया० १, ४, ३, १३८. १, ६, ४, १८८;

पन्नास स्त्री० (पञ्चाशत्) પચાસ, ૫૦. पचास, ५० Fifty. भग० २, ८; ६, २,

पन्हय पुं० (प्रस्नव) થાનમાંથી ઉભરાતુ દૂધ; હર્ષથી સ્ત્રીને દૂધનો પાનો ચડે તે स्तनोंसे उभराता हुआ. हर्षावेश के कारण स्त्रीके स्तनों से दूध का उभरना The outflow ot milk through joy from the breasts or udders अंत० ३, ८;

√प-न्हा धा० I. (प्र+स्ना-प्रस्नाति यमतीत्यर्थ) મૈથુન સેવવું; રતિ ક્રીડા કરવી. मैथुन करना; रति क्रीडा करना. To copulate

पएहायंति वव० ६, १६·

पपंच पुं० (प्रपंच) આડમ્બર, ડોળ. आडम्बर; ढोंग: पाखण्ड. Vain show; vanity (२) ઠગાઇ ठगी cheating. विशे० १६०८;

√प-पज्ज. धा० I. (प्र+पद्) પ્રતિપાદન કરવું प्रतिपादन करना To maintain

पवाजिही. सु० च० १. ११७;
पवजाश्र. व० कृ० विशे० १६६;
√प-पड. धा० I. (प्र+पत्) પડવું. पड़ना; गिरना. To fall.
पवडइ. भग० १, ६;
पवडेज्ज. वि० वेय० ४, २६; दसा० ७, ८;
पवडे. आ० दसा० ६, १;
पवडंत व० कृ० दस० ५, १, ५. नाया० १; पिं० नि० १०२,
पवाडेइ. प्रे० भग० १७, १;
पवाडेमाण प्रे० व० कृ० भग० ६. ३४; १७, १;
√प-पील धा० I. (प्र+पीड्) પીડા કરવી पीडा देना To give pain.
पवीलिज्जा. वि० दस० ४;
पवीलाविज्जा वि०दस ० ४.
पपुत्त. पुं० (प्रपौत्र-प्रकर्षेणपौत्र) પરપોતરો; પુત્રના પુત્રનો પુત્ર. प्रपौत्र; पोतेका लडका. A great-grandson विशे० ८६२,
पप्प. स० कृ० अ० (प्राप्य) મેળવીને. मिलाकर, प्राप्त करके Having obtained. आया० १, २, ३, ८०; उत्त० ३६, ६, भग० १६, ८; विशे० ५२१; ओघ० नि० ६६०; पन्न० १६, १७, क० गं० २२७,
पप्पग. पुं० (पर्पक) એક જાતનુ ઘાસ, વનસ્પતિ વિશેષ. एक जाति का घास, वनस्पति विशेष A kind of grass; a particular vegetation. सूय० २, २, ७;
पप्पड. पुं० (पर्पट) પાપડ पापड. A thin paper-like dried cake. प्रव० ४४०;
पप्पडमोदय पुं० (पर्पटमोदक) મિષ્ટાન્ન વિશેષ मिष्टान्न विशेष; एक विशेष मिठाई. A kind of sweet meat. पन्न०१७; जं० प०
पप्पडिया स्त्री० (पर्पटिका) પાપડ, વડી વગેરે ખાદ્ય પદાર્થો. पापड, वटी आदि खाद्य पदार्थ. Etables like thin dried cakes etc पिं० नि० ५५६;
पप्पुय. त्रि० (प्रप्लुत) ભીંજાએલ. भींगा हुआ; गीला Wet पण्ह०१, १; नाया०८;
पप्फड पुं० (पर्पट) પાપડ. पापड; पपडी; थर. Layer, a thin cake. जीवा०३,३;
पप्फुय. त्रि० (प्रप्लुत) વિકાસ પામેલ. विकास प्राप्त. Evolved. भग० ६, ३३; (२) વહેતું; ટપકતુ. बहता हुआ; टपकता हुआ. Flowing, dropping. अंत० ३, ८;
√पप्फाड धा० II. (प्र+स्फुट्) ફોડવું; દૂર કરવું; ઝાટકવું. फोडना; दूर करना; झटकना. To break, to throw apart, to shake.
पप्फोडइ. भग० १५, १;
पप्फोड. वि० उत्त० २६, २४,
पप्फोडउण. स० कृ० आउ० ६३;
पप्फोडंत. व० कृ० सथा० १०६;
पप्फोडेमाण. व० कृ० वव० ६, ७;
पप्फोडण न० (प्रस्फोटन) વિસ્તારવું. विस्तृत करना Spreading (२) ઝાટકવું. झटकना winnowing पण्ह० २, १;
पप्फोडणा स्त्री० (प्रस्फोटना) પડિલેહણ વખતે વસ્ત્રને ઝાટકવુ તે; પડિલેહણના એક દોષનુ નામ. पडिलेहण के समय वस्त्र को झटकने का कार्य; पडिलेहण के एक दोष का नाम. Shaking of a garment at the time of Padilehana; a name of a fault of Padilehana. उत्त० २६ २६; ओघ० नि० १६३;
पप्फोडणी. स्त्री० (प्रस्फोटन) જુઓ 'पप्फोडणा' શબ્દ देखो ' पप्फोडणा ' शब्द. Vide. "पप्फोडणा" ठा० ६, १;

पवंध. पुं० (प्रबन्ध) निरन्तर विकथा करवी ते; स्त्री कथा भत्त कथा, देश कथा अने राज कथा ए चार विकथानी प्रवृत्ति निरन्तर विकथन; स्त्री कथा, भत्त(र्त)कथा, देश कथा तथा राज कथा आद चार प्रकार की कथाओं की प्रवृत्ति Telling stories incessantly, the relating of stories of 4 kinds viz talk about women, talk about food, talk about country and talk about politics. "पवंध च पकुव्वइ" उत्त० ११, ७; (२) रचना. निर्माण रचना, बनावट. निर्माण creation, production; arrangement सु० च० १, ३,

पवंधण न० (प्रबन्धन) प्रबन्ध करवो; व्यवस्था करवी. प्रबन्ध करना, व्यवस्था करना Arranging, ordering सम० १२,

पवंधिय स० कृ० अ० (प्रबध्य) प्रकृष्ट पणे बांधीने उत्तम रीति से बाधकर; अच्छी तरह से बाधकर Having tied well क० प० २, ५२,

पवाहा स्त्री० (प्रवाधा) विशेष पीडा विशेष अति तीव्र पीडा. Acute pain नाया० ४, ५,

पवोहय त्रि० (प्रबोधक) प्रबोध करनार. प्रबोध कर्ता. Enlightener. विशे० १७३,

पवोहिउं हे० कृ० अ० (प्रबोधयितुम्) समजाववाने समझाने के लिये For the sake of enlightening सु० च० १, १८६,

पब्भट्ठ त्रि० (प्रभ्रष्ट) भ्रष्ट. पतित थयेल भ्रष्ट, पतित, गिरा हुआ. Fallen, sinful. भग० ६, ३३; उत्त० ८, १४, सूय० १, ४, १, १६, नाया० १, ८, भत्त० ६५,१२२;

पब्भार पुं० (प्राग्भार) पर्वतनो कांइक नमी गयेलो भाग-शिखर. पर्वतका कुछ कुछ नमा हुआ भाग-शिखर A peak bent on one side. नाया० १, ५, भग० ३, २; ५, ७; संत्था० १०६; जं० प० अणुजो० १३४, नंदी० ४७ पन्न० २, (२) समूह समूह; वृन्द; झुंड group (३) एक जातनो कारीगर. एक कारीगर विशेष a kind of craftsman पन्न० १:

पब्भारगश्र. त्रि० (प्राग्भारगत) नमेलुं. नमा हुआ, नत Bent दसा० ७, ११;

पब्भारा स्त्री० (प्राग्भारा) माणसनी १० दशाओ मानी आठमी दशा, ७१थी ८० वरस सुधीनी माणसनी अवस्था के जेमां चामडीए करचली पडे छे अने शरीर नमी जेवडु वले छे मनुष्य की दस दशाओ मे से आठवीं दशा; मनुष्य की ७१ से ८० वर्ष तक की अवस्था जिसमें देह पर झुर्रिया पड़ने लगती हैं और शरीर झुक जाता है. The 8th stage of the 10 of a man; the period between 71st and 80th years of a man when his skin gets crabbed and the body bends on one side. तंदु०

पभ. पुं० (प्रभ) हरिकान्त अने हरिसह इन्द्रना लोकपालनु नाम हरिकान्त और हरिसह इन्द्र के लोकपाल का नाम. The name of the Lokapāla of Harikānta and Harisaha Indras. ठा० ४, १; भग० ३, ८, उवा० ३, १४४; (२) प्रभा-कान्ति प्रभा-काति lustre भग० ११, ११

पभंकर. पु० (प्रभङ्कर) प्रभंकर नामे त्रीजा देवलोकनु एक विमान. प्रभंकर नामक तीसरे देवलोक का एक विमान A celestial abode of the third Devaloka named Prabhaṅkara सम० ३: (२) ए नामनु पांचमा देवलोकनुं एक

विमान पाचवे देवलोक का एक विमान. a celestial abode of the fifth Devaloka named Prabhankara समं० ८; (३) લોકાંતિક દેવતાનું એક વિમાન लोकान्तिक देवता का एक विमान a celestial abode of the Lokāntika gods भग० ६, ५. (४) એ નામનો એક ગ્રહ. एक ग्रह का नाम. a planet of this name. ठा० २, ३; सू० प० २०;

पभंकर. पुं० (प्रभाकर) તેજ આપનાર; પ્રકાશ કરનાર प्रकाश देने वाला; तेज प्रदान करने वाला Enlightener; giver of lustre उत्त० २३, ७५;

पभंकरा. स्त्री. (प्रभंकरा) જ્યોતિષીના ઇન્દ્ર, ચન્દ્રમા તથા સૂર્યની ચોથી પટ્ટરાણીનું નામ ज्योतिषी के इन्द्र, चन्द्रमा तथा सूर्य की चौथी पट्टरानी का नाम The name of the 4th chief queen of the Indra of planets—the Moon and Sun according to astronomy. ठा० ४, १; भग० १०, ५; जीवा० ४, १. सू० प० १८, नाया० ध० ७; (२) વચ્છગાવતી વિજયની મુખ્ય રાજધાની-નગરી. वच्छगावती विजय की मुख्य राजधानी the capital city of Vacchagāvatī division. ठा० २, ३; जं० प० ७, १७०;

पभंगुर त्रि० (प्रभंगुर) ક્ષણમાં નાશ પામે તેવું-ક્ષણ ભંગુર क्षणभंगुर; क्षणस्थायी; क्षणध्वंसी; पलभर में नष्ट होनेवाला Transitory in a moment. आया० १, ६, १, १७८; १, ७, ३, २०८;

पभंजण पुं० (प्रभंजन) પ્રભંજન નામે વાયુકુમાર જાતિના દેવતાનો ઇન્દ્ર प्रभंजन नामक वायुकुमार जाति के देवता का इन्द्र Indra named Prabhañjana of the class of Vāyukumāra gods. ठा० २, ३; समं० ४६ भग० ३, ८; पन्न० २; (२) પાતાલ કલશીના અધિષ્ઠાતા એક દેવનું નામ. पाताल कलशीके अधिष्ठाता एक देव का नाम. a so called presiding deity of Pātālakalaśa जीवा० ३; ४; प्रव० १५८८;

पभकंत पुं० (प्रभकान्त) જુઓ "पभंकर" શબ્દ. देखो "पभंकर" शब्द. Vide "पभंकर" ठा० ४, १; भग० ३, ८;

पभणिय. त्रि० (प्रभणित) કહેલું. कहा हुआ; कथित. Said. नाया० २;

√पभव धा० I. (प्र+भू) ઉત્પન્ન થવું. उत्पन्न होना To be born (२) સમર્થ થવું. समर्थ होना to be able.

पभवइ-ति विशे० १६०; पन्न० ११;

पभवत व० कृ० सु० च० ३, ५४;

पभाविइत्ताणि सं० कृ० भग० ५ ६;

पभव. पुं० (प्रभव) ઉત્પત્તિ; કારણ. उत्पत्ति; कारण Origin; cause. पिं० नि० ८६; विशे० १०८; १०५५; नंदी० स्थ० २; २३; पंचा० १३, ४; (२) પ્રભવસ્વામી કે જેણે પાંચસો ચોર સહિત જમ્બૂ સ્વામી સાથે દીક્ષા લીધી. प्रभवस्वामी-जिन्होंने पांचसौ चोरों के साथ जंबूस्वामी से दीक्षा ली Prabhava Svāmī who accepted initiation with five hundred thieves from Jambū Svāmī. कप्प० ८;

पभविसु. त्रि० (प्रभविष्णु) થવાની ઇચ્છા વાળું होने-बनने की इच्छा वाला. One desirous of becoming. सु० च० १०; १८६;

पभा स्त्री० (प्रभा) કાન્તિ; જ્યોતિ; તેજ. कान्ति; ज्योति; तेज. Lustre, brilliance; splendour. उत्त० ५, २७; २८, १२; ३४, ५; ओव० २२; नाया० १; १०;

भग० २, ,१; १४, ६; सूय० १८; राय० ४६, जं० प० विशे० ७७३:

पभाइय. त्रि० (प्राभातिक) પ્રાતઃકાલ સમ્બન્ધી; સવારનું. प्रातःकालीन; सवेरे के समय का. Related to the morning अणुत्त० ३. १;

पभाकर. पुं० (प्रभाकर) એ નામનું ત્રીજા દેવલોકનુ એક વિમાન इस नाम का तीसरे देवलोक का एक विमान A celestial abode of this name of the third Devaloka मम० ३,

पभाय न० (प्रभात) પ્રભાત-પ્રાતઃકાલ. प्रभात, प्रातःकाल; सवेरा. Morning. उत्त० २०, ३४; नाया० १, सू० च० ४, १४३; अणुजो० १६; पिं० नि० २१३;

पभाव पुं० (प्रभाव) મહિમા; પ્રતાપ. महिमा; प्रताप, प्रभाव Influence; majesty नाया० १४, उत्त० ३२, १०४, भग० ३,१; २; नंदी० स्थ० २८; भत्त० १६५, पंचा० ४, ३३; प्रव० १२७४;

पभावई स्त्री० (प्रभावती) ઓગણીશમા તીર્થંકરની માતાનુ નામ. उन्नीसवें तीर्थंकर की माता का नाम. The name of the nineteenth Tirthankara. सम०प० २३० नाया० ८; प्रव० ३२२; (२) બલરાજાની રાણીનું નામ बलराजा की रानी का नाम the name of the queen of Balarājā भग० ११. ११, (३) ઉદાયન રાજાની દેવીનુ નામ उदायन राजा की देवी का नाम. the name of the wife of Udāyana king. भग० १३, ६.

पभावणा स्त्री० (प्रभावना) શાસન ઉન્નતિના જે જે કારણો હોય તેનુ પ્રવર્તન કરવુ તે, જ્ઞાન, દર્શન, ચારિત્રના સાધનોની લ્હેણી કરવી તે, સમકિતના આઠ આચારમાંનો છેલ્લો આચાર. शासनोन्नति के लिये आवश्यक कारणों का प्रवर्तन; ज्ञान, दर्शन, चारित्र के साधनों की प्रभावना करना; समकित के आठ आचारों में से अन्तिम-आचार. Propagation of religious cause. पचा० ७, २४; ६, २; १५,२४, प्रव० ३१३; ६४०, उत्त० २८, ३१; पन्न० १,

√**पभास.** धा० I,II (प्र-भास्) પ્રકાશવુ દીપવું प्रकाश करना, दीप्त करना. To enlighten; to shine.

पभासई. ठा०२,२; दस० ६, १, ' ', विशे० १२६; राय० १२०;

पभासेइ. भग० १, ६; सम० ३४;

पभासंति. भग० ९, २; १४, ६; जं० प० ७, १२६;

पभासिंति. जीवा० ३, ४;

पभासिस्संति. भ० भग० ९, २; जं० प० ७, १२६;

पभासिंसु भू० भग० ६, २; जं०प०७,१२६;

पभासेंसुवा भू० सू० प० १६:

पभासमाण. व० कृ० भग० ३, २; कप्प० ३, ४१,

पभासेमाण व० कृ० ओव० २२; भग० २, ५; उवा० २, ११२;

पभासयंत व० कृ० कप्प० ३, ४५;

√**पभास** धा०I (प्र+भाष्) બોલવું; કહેવુ. बोलना, कहना; भाषण करना To speak; to relate.

पहासत्ति. विशे० ३६०२,

पभासे. आ० उत्त० १२,१६;

पभास पुं० (प्रभास) પ્રભાસ-બારમા દેવલોકનું એક વિમાન; એની સ્થિતિ બાવીશ સાગરોપમની છે; એ દેવતા અગીયારમે મહીને શ્વાસોચ્છ્વાસ લે છે એને બાવીસ હજાર વર્ષે ક્ષુધા-ભૂખ લાગે છે. प्रभास- बारहवें देवलोक का एक विमान; इसकी

स्थिति २२ सागरोपम की है, यह देवता ११वें महिने श्वासोच्छ्वास लेते हैं और इन्हें बाईस सहस्र वर्षों में भूख लगती है A celestial abode of the twelfth Devaloka, where the duration of life is twelve Sāgaropamas (a period of time), here the gods breathe every 11 month and feel hungry and thirsty at every twenty-two thousand years सम० २२; (२) લવણ સમુદ્ર અને સિંધુ નદીના સંગમ સ્થાને પ્રભાસનામે દેવતાના આવાસરૂપ એક તીર્થ કે જ્યાં ચક્રવર્તી અઠ્ઠમ તપ કરે लवण समुद्र और सिंधु नदी के संगम पर प्रभास नामक देवता के निवास स्थान वाला एक तीर्थ जहां चक्रवर्ती अष्टम तप करते हैं. a place of pilgrimage at the mouth of the river Sindhu where Chakravartī performs penances and which is the abode of a god named Prabhāsa. ठा० ३, १: जीवा० ३, जं० प० ६, १२५; (३) ત્રીજા, ચોથા દેવલોકનું એક વિમાન तीसरे व चौथे देवलोक का एक विमान. a celestial abode of the third and fourth Devalokas. सम० ७. (४) મહાવીર પ્રભુના એક ગણધરનું નામ. महावीर प्रभु के एक गणधर का नाम. the name of a Gaṇadhara of the lord Mahāvīra. सम० ११; (५) ઐરણ્યવય ક્ષેત્રના વૃન્તવૈતાઢ્યનો અધિષ્ઠાતા દેવતા. ऐरण्यवय क्षेत्र के वृन्तवैताढ्य का अधिष्ठाता देवता. the presiding deity of the Vrintavaitāḍhya of Airaṇyavaya region. ठा० २, ३;

पभासतित्थकुमार. पुं० (प्रभासतीर्थकुमार) પ્રભાસ તીર્થનો અધિપતિ દેવતા प्रभास तीर्थ का अधिपति देवता. The presiding deity of Prabhāsa Tīrtha. जं० प० ३. ५०;

पभिइ. अ० (प्रभृति) શરૂઆત; આદિ; વગેરે. आरंभ; आदि, वगैरह Etc.; so forth नाया० १, २; ५; ७, ८, १२; १३; १४, १५, १६; आया० १, ६, २, १८३; पिं० नि० भा० ४७; सु० च० ४, १०१; भग० ६, ३३; प्रव० ११६०, उवा० १, ५८;

पभिन्ति. अ० (प्रभृति) વગેરે. वगैरह; आदि; प्रभृति. Etc. भग० १५, १; अणुजो० १६; पंचा० १७, २०;

पभीअ. त्रि० (प्रभीत) બહુ બીધેલ; ભય પામેલ बहुत डरा हुआ; अति भयभीत. Very much afraid; terrified. उत्त० ५, ११,

पभु. पुं० (प्रभु) સમર્થ, દેવાધિદેવ; તીર્થંકર. समर्थ, देवाधिदेव; तीर्थंकर Lord, omnipotent, the highest god; Tīrthankara भग० १, ७; २, ५; ३, १; २, ५, ४; ६, ६; ७, ७, १५, १. १८, १०; पिं० नि० ३६६, जीवा० ३, १; सू० प० १८, जं० प० ५, ११२; ३, ५२; उवा० ७, २१६;

पभूत. त्रि० (प्रभूत) ઉદ્ભવેલ; ઉત્પન્ન થયેલ. उत्पन्न; जन्मा हुआ. Born; produced. ओव० २१; (२) અતિશય; ઘણું. अतिशय; बहुतसा; प्रचुर; अधिक too much; excessive. उत्त० २०, २; सम० ३४; सूय० २, ६, ३८; भग० १, १, २, ५; सु० च० २, ५६३; जीवा० ३, ३; राय० २७; प्रव० १२४५; (३) પ્રમાદાદિનું પરિણામ; અતીત અનાગતાદિ વિષયક કર્મ પરિણામ

प्रमादादि का परिणाम; अतीत अनागतादि विषयक कर्म परिणाम the result of idleness etc आया० १, ५, ४, १५६;

पमेय. पुं० (प्रमेद) પ્રકાર; ભેદ. प्रकार; तरह; भेद; जाति. A kind; variety प्रव० ४८०,

√पमज्ज. धा० I, II (प्र+मृज्) સાફ કરવું. साफ करना, शुद्ध करना. To clear up

पमज्जइ-ति जीवा० ३, ४, नाया० १, २, भग० २, ५; १२, १; जं० प० ३, ४४, गच्छा० ७६; उवा० १, ६६; ७७, विवा० ७,

पमज्जेइ. नाया० १६,

पमज्जिज्ज वि० उत्त० २४, १४;

पमज्जेज्ज वि० निसी० ४, ५७,

पमज्जेज्जा वि० निसी० ३, १६;

पमज्जित्तु सं० कृ० दस० ८, ५,

पमज्जइत्ता. सं० कृ० नाया० १, ८, भग० २, ५: १२, १;

पमज्जेइत्ता स० कृ० नाया० १६;

पमज्जिय सं० कृ० ओव० नि० ६५३, दस० ४, आया० १, ७, ६, २२२; उवा० १, ५५;

पमज्जेमाण व० कृ० आया० २, १, ६, ३५, वव० ६, ७,

पमज्जंत व० कृ० प्रव० ५२३,

पमज्जण न० (प्रमार्जन) પૂંજવું; સાફ કરવુ. पूंजना; साफ करना, मार्जन करना. Brushing, clearing पण्ह० २, १; पंचा० २, १३; —ट्ठ पुं० (-अर्थ) પ્રમાર્જનને માટે. प्रमार्जनार्थ; साफ करने-प्रमार्जन के लिये. for brushing. प्रव० ५२२;

पमज्जणया. स्त्री० (प्रमार्जन) પૂંજવુ, શુદ્ધ કરવું, માર્જન કરવુ. पूजना, शुद्ध करना, मार्जन करना; झाडना. Brushing; purifying, cleaning. ठा० २, १,

पमज्जणा. स्त्री० (प्रमार्जना) વાસીદુ વાળવું તે. झाडू निकालना; झाड़ बुहार करना Sweeping; rinsing. प्रव० ६०१; कप्प० ९, ६०;

पमत्त. त्रि० (प्रमत्त) પ્રમાદ યુક્ત; પ્રમાદી. प्रमादयुक्त, असावधान; प्रमादी Careless; idle. उत्त० ३४, २१; आया० १, ४, १, १२०, नाया० १; २; ५, भग० ३, ३; ८, १; ६; १४, ३, नदी० १७, पिं० नि० १०६; राय० ४०; वेय० ४, २, प्रव० १२४; क० प० ४, ४; जं० प० ५, ११५, (२) પ્રમત્ત સયતિ; છઠા ગુણઠાણા વાળો. प्रमत्त संयति; छठे गुण स्थान वाला an ascetic who has reached the sixth spiritual stage क० गं० ५, ६६, २, २: १७; २४; ७; —विरत त्रि० (-विरत) પ્રમત્ત સયતિ-છટ્ઠા ગુણઠાણા વાળો. प्रमत्त यति-छठे गुणस्थान वाला. an ascetic who has reached the sixth spiritual stage क० प० ५, ५७; —विहारि. त्रि० (-विहारिन्) પાચ પ્રકારના પ્રમાદને સેવનાર पाच प्रकार के प्रमादों का सेवन करने वाला (one) who dallies with the carelessness of five kinds. नाया०५; —संजय पुं० (-सयत) કઈંક પ્રમાદ જેને રહેલો છે તેવા છટ્ઠા ગુણસ્થાનવર્તી સાધુ. अवशिष्ट प्रमाद; छठे गुणस्थान वाला साधु an ascetic who has reached the sixth spiritual stage, (one) in whom some carelessness has remained. भग० १, १, २; सम० १४;

√पमत्थ. धा० I. (प्र+मथ्) જલદીથી બાલી ભસ્મ કરવુ. जल्दी से जलाकर भस्म करना. To reduce to ashes by

burning quickly.

पमत्थइ. आया० १, ४, ३, १३५;

पमद्दवण. न० (प्रमद्दवन) मલ્લદત્ત નામના યુવરાજનું પ્રમદવન નામે એક ઉદ્યાન. मल्लदत्त नामक युवराज का प्रमदवन नामक उद्यान An orchard named Pramada vana belonging to the prince Malladatta नाया० ८;

पमद्दा. स्त्री० (प्रमदा) જુવાન સ્ત્રી युवा स्त्री; प्रमदा. A young lady. पराह० १,४;

पमद्द. पुं० (प्रमर्द) સંઘટ્ટન, મર્દન. संघट्टन; मर्दन. Contact; rubbing. सू० प० १०, जं० प० ७, १५६;

पमद्दण. न० (प्रमर्दन) મર્દન કરવું; પીસવું; મંથન કરવું. मर्दन करना; मथना; पीसना. Rubbing; churning; grinding (२) હરાવવું; પરાજય કરવો हराना; पराजित करना. defeating. ओव० १६; सम० ६, पिं० नि० १०३; जीवा० ३, १; राय० ३३;

पमद्दमाण. त्रि० (प्रमृद्नत्) વિખરતુ; છુટું પાડતુ. खुलता हुआ; शिथिल; ढीला. That which is loosening or disengaging. पिं० नि० ५७४,

पमद्दि त्रि० (प्रमर्दिन) મર્દન કરનાર; પીડનાર. मर्दन करने वाला, पीडा पहुचाने वाला. Squeezer, one who troubles. ओव० ४०,

पमयवण. न० (प्रमदवन) तेतलीपुर નગરની બહારનુ એક વન. तेतलीपुर नगर के बाहर का एक वन A forest on the outskirts of Tetalīpura city नाया० १४;

पमया. स्त्री० (प्रमदा) જુઓ " पमदा " શબ્દ. देखो " पमदा " शब्द. Vide " पमदा " विशे० २३७२; तद०

√प-मर. धा० II. (प्र+मृड्+णिच्) મારી નાખવું. मार डालना. To kill.

पमारेहिति. प्रे० भवि० भग० १५, १;

पमाइ. त्रि० (प्रमादिन्) આળસુ. आलसी; सुस्त. Sluggard; lazy. ओघ० नि० भा० १६५; आया० १, ३, १, १०६;

पमाइयव्व त्रि० (प्रमादितव्य) પ્રમાદ કરવો. प्रमाद करना; असावध होना, ध्यान न देना. Heedlessness. भग० २, १;

पमाण न० (प्रमाण) પ્રત્યક્ષ પરોક્ષ આદિ પ્રમાણ; પ્રમાણ-યથાર્થ બોધજનક જ્ઞાન; યુક્તિસિદ્ધ જ્ઞાન. प्रत्यक्ष परोक्ष आदि प्रमाण; युक्तिसिद्ध ज्ञान A mode of proof or evidence like, direct, heresay etc. पंचा० १३, ४८; प्रव० २०१; १४०५; कप्प० ३, ३५; ५, १०७. ६, १८; क० गं० ६, ५१; उत्त० २८, २४; सूय० २, २, ८१; अणुजो० ७०; १३१; विशे० ६४६; भग० १, ३; २, ८; ५, ४; ६, राय० २४४; पन्न० १; सु० च० १, २६६; उवा० १, ४९; (२) હાથ, ગજ, વગેરેનું માપ-માન; હદ. हाथ, गज, चार आदिका माप-परिमाण, सीमा a measure by arm or yard; limit. ठा० २, ४; ओव० १०; सम० प० १६८, नाया० १ ३; जं० प० ७, १६२; १३५; २, २०, ३६; ६, १२५; भग० ७, १; ११, ११; वव० २, २२; प्रव० १११५; पन्न० १२; ३०; राय० २७; ६३; अणुजो० १३२; (३) આહારની મર્યાદા. आहार की मर्यादा. limit of food. पिं० नि० १; (४) હેતુ; કારણ. हेतु, कारण; निमित्त. reason; cause. सू० प० ४; (५) ન્યાય શાસ્ત્ર. न्याय शास्त्र; तर्कशास्त्र. logic. सु० च० ४, ६; —अइक्कंत त्रि० (-अतिक्रान्त) પ્રમાણને ઉલ્લંઘી ગયેલ. प्रमाण का उल्लंघन किया हुआ.

a tresspasser. नाया० ५; भग० ७, ९; ६, ३३;—अइरित्त. त्रि० (-अतिरिक्त) પ્રમાણુથી વધારે. प्रमाण से अधिक. inordinate. निसी० १६, २५; —अईय. त्रि० (-अतीत) પ્રમાણ-હદ ઉલંઘી ગયેલ. प्रमाण-सीमा का उल्लंघन किया हुआ-सीमोल्लंघन करने वाला. a transgressor; a tresspasser प्रव० ८२२;—अंतर. न० (-अन्तर) પ્રમાણુ પ્રમાણુ વચ્ચે તફાવત હોવાથી શું સાચું અને શું ખોટું એવી શંકા પડે તે. प्रमाणों में भेद होने के कारण कौनसी बात सच है और कौनसी झूठ इस विषय में पडने वाली शंका; प्रमाण भेद के कारण सत्य और असत्य निर्णय मे पडनेवाली शंका. doubt as to which is true or false of two opposite proofs. भग० १, ३; —काल. पुं० (-काल) પ્રમાણરૂપ કાલ; માસ, ઋતુ, અયન, શતવર્ષ, પલ્યોપમ વગેરે નક્કી કરેલ કાળ. प्रमाणित काल; मास, ऋतु, अयन, शतवर्ष, पल्योपम आदि निश्चित काल. the fixed time viz. month, season, solstice, hundred years, Palyopama etc.; a big measure of time. भग० ११, ११; ठा० ४, १; विशे० २०६८; —पक्ख. पुं० (-पक्ष) પ્રમાણરૂપ પખવાડિયું; અજવાલીયું અને અન્ધારીયું. प्रमाणरूप पखवाडा-पक्ष; शुक्लपक्ष तथा कृष्णपक्ष. a fortnight; the bright and the dark half of a month. कप्प० ३, ३८; —पत्त. त्रि० (-प्राप्त) પ્રમાણને પામેલ. प्रमाण प्राप्त; प्रमाणित. obtained by authority or measure. वव० ८, १५; —संवच्छर. पुं० (-संवत्सर) નક્ષત્ર સંવત્સર, ચન્દ્ર સંવત્સર, ઋતુ સંવત્સર, આદિત્ય સંવત્સર, અને અભિવર્ધિત સંવત્સર એ પાંચ સવત્સરનો સમુદાય, જે વડે યુગનું માપ દર્શાવાય છે. नक्षत्र संवत्सर, चंद्रसंवत्सर, ऋतु संवत्सर, आदित्य संवत्सर और अभिवर्धित संवत्सर इन पांच संवत्सरों का समुदाय जिसके द्वारा युग-काल मापा जाता है. an aggregate of the five epochs viz. Nakṣatra Saṃvatsara, Chandra Saṃvatsara, Ṛitu-Saṃvatsara, Āditya Samvatsara and Abhivardhita Saṃvatsara-which reveal the measure of a big Yuga. ठा० ५,३, जं० प० ७, १५१; सू० प० १०;

पमाणंगुल. पुं० (प्रमाणांगुल) પ્રમાણાંગુલ-મહાવીર સ્વામિની એક હજાર આત્માંગુલ પ્રમાણ ભરપ, આ અંગુલથી પૃથ્વી વિમાન વિગેરે દરેક શાશ્વત પદાર્થોનું માપ કરવામા આવ્યુ છે, પ્રમાણાંગુલથી ભરેલ એક જોજનમાં આત્માંગુલની ભરપના ચાર હજાર ગાઉ સમાય છે. प्रमाणांगुल-महावीर स्वामी का एक सहस्र आत्मांगुल प्रमाण, इस अंगुलद्वारा पृथ्वी, विमान आदि प्रत्येक शाश्वत पदार्थोंका माप किया गया है; प्रमाणांगुल युक्त एक योजन में आत्मांगुल के चार हजार कोसोंका समावेश होता है. Pramānāṅgula; a unit of measure equal to one thousandth part of Atmāṅgula of the lord Mahāvīra; all the eternal things viz. the earth, celestial abodes etc. are measured with this unit of measure one lacs Yojanas of Pramāṇāṅgulas are equal to 8000 miles of Ātmāṅgula. अणुजो० १३४, विशे०

३४१;

पमाणभूश्र. त्रि० (प्रमाणभूत) પ્રમાણભૂત; પ્રમાણરૂપ. प्रमाणभूत; प्रमाणरूप. Authoritative; standard; normative. नाया० १; ७; गच्छा० ६४;

पमाणमेत्त. त्रि० (प्रमाणमात्र) પ્રમાણ જેટલું જ. परिमाण-प्रमाणानुरूप. Only according to measure or authority. जं० प० २, ३६; ओव० १६;

पमाणियठाण. न० (प्रामाणिकस्थान) માપ કરવાની જગ્યા. माप करने-तौलने का स्थान. A place for measuring. निसी० १२, ३०; ३२;

√पमाद. धा० I. (प्र+मद्) પ્રમાદ કરવો. प्रमाद करना; असावधान होना. To be heedless.

पमायए. उत्त० १०, १;

पमायंत. व० कृ० सु० च० १, १२०;

पमाद. पुं० (प्रमाद) મદ, વિષય, કષાય, નિદ્રા, અને વિકથા એ પાંચ પ્રમાદ. मद, विषय, कषाय, निद्रा तथा विकथा आदि पांच प्रमाद. The five-fold carelessness viz. pride, lust, passion, sleep and prattle. सम० ५; आया० १, ३, ३, ११९; १, ६, ४, १५; ओव० २१; ४०; नाया० ७; १०; भग० १, २; ३, ३; १६, १; २५, ७; ओघ० नि० भा० ४५; ओघ० नि० ६५५; उत्त० १०, १५; दस० ५, २; ४२; ६, १६;

पमाय. पुं० (प्रमाद) પ્રમાદ-ગફલત; આશ્રવનું ત્રીજું સ્થાન. प्रमाद; असावधानी; बेफिक्री; गफलत; आश्रव का तीसरा स्थान. Laziness; negligence; the 3rd resource of Āśrava. भग० २, ३; ८, ९; १, ३३; —दोस. पुं० (-दोष) પ્રમાદરૂપી દોષ. प्रमादरूपी दोष. a fault in the form of laziness. गच्छा० ३६; —पच्चय. पुं० (-प्रत्यय) પ્રમાદ જેનું કારણ-લક્ષણ છે તેવું. प्रमाद के कारण-लक्षण वाला. that whose characteristic is laziness. भग० २, ३; ८, ६; —परवस. त्रि० (-परवश) પ્રમાદને વશ. प्रमाद वश; अज्ञान वश. subdued by idleness. प्रव० ८१७; —वसग. त्रि० (-वशग) પ્રમાદને વશ થયેલ. प्रमादी; अज्ञानी. (one) subordinate to idleness. गच्छा० १६;

पमायप्पमाय. न० (प्रमादाप्रमाद) ૨૯ ઉત્કાલિક સૂત્રમાંનું ૧૦મું. २६ उत्कालिक सूत्रों में से १० वां. The tenth of the 29 Utkālika Sūtras. नंदी० ४३;

√पमिला. धा० I. (प्र+म्लै) ઝાંખું પડવું; કરમાઈ જવું. कुम्हलाना; मलीन होना. To fade away.

पमिलाइ. भग० ६, ७;

पमिलायइ. ठा० ३, १;

पमुइय. त्रि० (प्रमुदित) ખુશાલી યુક્ત; ખુશી થયેલ. खुश; प्रसन्न; सुखी. Happy. ओव० १०; नाया० १; ५; ८; भग० १, १; ११, ११; १४, ८; सु० च० १, ७७; जीवा० ३; सू० प० १; राय० १३१; कप्प० ४, ९६; ५, १०१; —अंत. त्रि० (-अन्तर्) હર્ષિત ચિત્ત વાલો. हर्षित हृदय वाला. happy-minded. कप्प० ३, ४२; —कर. त्रि० (-कर) આનન્દ કરનાર. आनन्द करने वाला; आनन्द देने वाला; आमोद प्रद one who makes happy. "समयाइं पमुइयकरायं" वव० ३, ६;

पमुक्ख. त्रि० (प्रमुख्य) અગ્રેસર. अग्रेसर; नायक; नेता. Leader. प्रव० १४२७;

√पमुंच. धा० I. (प्र+मुच्) મૂકવું; છોડી-

देवुं. छोडना; त्याग देना. To leave off; to release.

पमुक्खासि. भवि० आया० १, ३, १, १०८;
पमुंचमाण. व० कृ० नाया० १; ६;
पमुत्तुणं. सं० कृ० आउ० ३२;

पमुह. त्रि० (प्रमुख) આગેવાન; પ્રધાન; नेता; अगुआ. Chief. क० गं० १, ३४; प्रव० १२०६; पंचा० २, २२; ८, ३५; ओव० २६; सम० १३; जीवा० ३, २; (२) पुं० પ્રમુખ નામનો ૪૯ મો ગ્રહ. प्रमुख नामक ४६ वां ग्रह. the forty-ninth planet named Pramukha. ठा० २, ३; सू० प० २०;

पमुहरि. त्रि० (प्रमुखरिन्) વાચાલ; ઘણું બોલનાર. वाचाल; अत्यधिक बोलने वाला; बकवादी. Talkative; loquacious उत्त० १७, ११;

पमेइल. पुं० (प्रमेद्य) ઘણા મેદવાળું; જાડું. मोटा; स्थूल; अधिक मेद वाला. Fat; thick. दस० ७, २२;

पमोक्ख. पुं० (प्रमोक्ष) ઉત્તર પક્ષ; જવાબ. प्रति-उत्तर; जवाब. Retort; reply. उत्त० २५, १३; (२) મોક્ષ; કર્મથી છુટકારો. मोक्ष-कर्म से मुक्ति. emancipation; freedom from Karma. उत्त० ३२, १; भग० २, १;५; आया० १, २, ६, १०२;

√पमोद. धा० I. (प्र+मुद्) હર્ષ પામવો; ખુશી થવું. हर्षित होना; खुश होना To get pleased; to be happy .

पमोयंति. उत्त० १४, ४२;

पमोद. पुं० (प्रमोद) આનંદ. आनन्द; खुशी. Happiness; joy. पण्ह० २, १;

पमोय. पुं० (प्रमोद) મહોત્સવ; આનંદ. महोत्सव; आनन्द. Festivity; happiness विवा० ३; जं० प० ३, ६८;

पम्ह. पुं० (पक्ष्मन्) કમલનો તન્તુ; પદ્મકેશર. कमल तन्तु; पद्मकेशर Lotus-filament. उवा० १, ७६; ओव० २६; पन्न० २; (२) પાંચમા દેવલોકનું એક વિમાન. पांचवें देवलोक का एक विमान. a celestial abode of the fifth Devaloka. सम० ६; (३) પુભ; લુગડાનો પુંભ. पुम्बा; बत्ती; पूनी; पक्ष्म. a bunch of cotton fibre; a fillet made of a piece of cloth. अणुजो० १३८; (४) છેડો. छोर; अन्त. extremity. ओघ० नि० भा० ३२२; (५) પશ્ચિમ મહાવિદેહના દક્ષિણ ખાંડવાની મેરૂ તરફથી પહેલી વિજય. पश्चिमीय महाविदेह के दक्षिण प्रदेश की मेरु पर्वत वाली पहिली विजय. the first part towards the Meru mountain in the southern region of the west Mahāvideha. जं० प० (६) એ વિજયનો રાજા. इस विजय का राजा. the king of this part. जं० प०

पम्हंतर. पुं० (पक्ष्मांतर) પુમ્હ પુમ્હમાં અંતર; છુટું છુટું પુભડું. पलक-पक्ष्म के बीच का अन्तर. The interval between a hair. ठा० ४, १;

पम्हकंत. पुं० (पक्ष्मकान्त) એ નામનું પાંચમા દેવલોકનું એક વિમાન. पांचवें देवलोक का एक विमान. A celestial abode of this name of the 5th Devaloka. सम० ६;

पम्हकूड. पुं० (पक्ष्मकूट) એ નામનું પાંચમા દેવલોકનું એક વિમાન. पांचवें देवलोक का एक विमान. A celestial abode of the fifth Devaloka of this name. सम० ६; (२) सीता

મહાનદીના ઉત્તર કાંઠા ઉપરનો એક વખારા પર્વત. सीता महा नदी के उत्तरी तीर वाला एक वखारा पर्वत. a Vakhārā mountain over the northern bank of the great river Sitā. ठा० ४, २; (२) વિદ્યુત્પ્રભ-વખારા પર્વત ઉપરના નવકૂટમાંનું ચોથું કૂટ-શિખર. विद्युत्प्रभ-वखारा पर्वत पर के नवकूटों में से चौथा कूट-शिखर. the fourth peak of the nine peaks of Vakhārā mountain. जं० प०

पम्हगंध पुं०(पद्मगन्ध) દેવકુરૂ, ઉત્તરકુરૂ ક્ષેત્રના માણસોની એક જાત. देवकुरु,-उत्तरकुरु क्षेत्र के मनुष्यों की एक जाति. A class of men of Devakuru and Uttara-Kuru. जं० प० ४, ६७; जीवा० ३, ४; (२) પદ્મના જેવી ગન્ધ. पद्म की सुगंध के समान सुगंध. fragrance resembling that of a lotus. भग० ६, ७;

पम्हगावई. स्त्री० (पद्मकावती) પદ્મકાવતી નામની મહાવિદેહની એક વિજય. पद्मकावती नामक महाविदेह की एक विजय. A part of Mahā Videha known as Padmakāvatī ठा० २, ३;

पम्हगोर. त्रि० (पद्मगौर) ધોળા પદ્મ જેવું શ્વેત. श्वेत कमल के समान सफेद. White as the white lotus. भग० १, १;

पम्हज्झय. पुं० (पद्मध्वज) એ નામનું પાંચમા દેવલોકનું એક વિમાન. पांचवें देवलोक का एक विमान. A celestial abode of the fifth Devaloka of this name. सम० ६;

पम्हट्ठ. त्रि० (प्रस्मृत) ભૂલી ગયેલ. विस्मृत; भूला हुआ. Forgotten. (२) પડી ગયેલ. गिरा हुआ; पतित. fallen. पराह० २, ३;

पम्हप्पभ. पुं० (पद्मप्रभ) એ નામનું પાંચમા દેવલોકનું એક વિમાન. पांचवें देवलोक का एक विमान. A celestial abode of the 5th Devaloka of this name. सम० ६;

पम्हय. न० (पद्मक) પદ્મ; કમલ. पद्म. Lotus. जीवा० ३, ३;

पम्हल त्रि० (पद्मल) પુમ્છ વાળું; રુંછલ વાળું (વસ્ત્ર વિશેષ). बाल वाला वस्त्र विशेष; ऊनी वस्त्र. A wooly garment. नाया० १; २; १६; भग० ६, ३३; जीवा० ३, ४; ओव० ३१; जं० प० ५, १२२; कप्प० ४, ६२; —सुकुमाल. पुं० (-सुकुमार) કુમળું-નાજુક વસ્ત્ર. कोमल-नाजुक-मुलायम वस्त्र. delicate or soft garment. नाया० १६; भग० १५, १;

पम्हलग. त्रि० (पक्ष्मलक) સુંવાળું; લીસું. सुन्दर; मनोहर केश वाला; सुहावना. Shaggy; smooth. विवा० ७:

पम्हलेस्स. पुं० (पद्मलेश्य) એ નામનું પાંચમા દેવલોકનું એક વિમાન. पाचवें देवलोक का एक विमान. A celestial abode of the fifth Devaloka. सम० ६;

पम्हलेस्सा. स्त्री० (पद्मलेश्या) કમળગર્ભ જેવા સફેદ પુદ્ગલના સંસર્ગથી થતા આત્માના ઉજ્વલ પરિણામ; પદ્મલેશ્યા; ૭ લેશ્યામાંની પાંચમી લેશ્યા. कमलगर्भके समान श्वेत पुद्गलों के संसर्ग से होने वाले आत्मा के उज्वल परिणाम; पद्म लेश्या; पांचवीं लेश्या. A luminous presentation to the soul by a contact with the atoms, white as the interior of a lotus; pink thought-tint the fifth of the 6 thought-tints भग० १, १; २५, ६; २६, १; ४१,

२१; उत्त० ३४, ८; पन्न० १७; सम० ६; आव० ४, ७; प्रव० ११७४;

पम्हयरण. पुं० (पद्मवर्ण) એ નામનુ પાચમા દેવલોકનું એક વિમાન. पाचवें देवलोक का एक विमान A celestial abode of the fifth Devaloka. सम० ९;

पम्हसिंग. पु० (पद्मशृंग) એ નામનું પાચમા દેવલોકનું એક વિમાન पाचवें देवलोक का एक विमान. A celestial abode of the fifth Devaloka. सम० ९;

पम्हसिद्ध. पु० (पद्मसिद्ध) પાચમા દેવલોકનું એક વિમાન पाचवे देवलोक का एक विमान A celestial abode of the fifth Devaloka सम० ९;

पम्हा स्त्री० (पद्मा) પદ્મા નામની મહાવિદેહની એક વિજય पद्मा नामक महाविदेह का एक विजय A part named Padmā of Mahā Videha ठा०२, ३; (२) છ લેશ્યામાની પાચમી લેશ્યા छ लेश्याओं मे से पाचवीं लेश्या. the fifth thought-tint out of six. क० ग० ३, २२; ४, १६; उत्त० ३४, ३;

पम्हाण त्रि० (प्रम्लान) ગ્લાની પામેલ; કરમાયેલ. कुम्हलाया हुआ, उदास; थका हुआ; मलीन. Faded; exhausted. अणुजो० १३०;

पम्हावई. स्त्री० (पद्मावती) મહાવિદેહની સીતા મહાનદીને જમણે કાંઠે આવેલી રમ્યગા વિજયની પદ્માવતીનામની મુખ્ય નગરી. महाविदेह की सीतामहानदी के दक्षिण किनारे पर स्थित रम्यगाविजय की पद्मावती नामक राजधानी-प्रमुख नगरी. The capital city named Padmāvatī of Ramyagāvijaya situated on the right banks of the great river Sītā in Mahā Videha. ठा० २, ३; (२) પશ્ચિમ-મહાવિદેહના દક્ષિણ ખાંડવાની ચોથી વિજય. पश्चिमीय महाविदेह के दक्षिण प्रदेश की चौथी विजय. the fourth part of the southern regions of the west Mahā Videha. जं० प०

पम्हावत्त न० (पद्मावर्त) એ નામનું પાંચમાં દેવલોકનું એક વિમાન. पाचवें देवलोक के एक विमान का नाम. A celestial abode of the fifth Devaloka of this name सम० ६;

पम्हुट्ठदिसाभाय. पुं० (प्रस्मृतदिग्भाग) ભૂલી જવાયલી દિશાનું ભાન भूला हुआ दिशा-ज्ञान. The forgotten knowledge of the quarters. नाया० १८;

पम्हुत्तरवडिंसग न० (पद्मोत्तरावतंसक) આ નામનુ પાચમા દેવલોકનું એક વિમાન. ५वें देवलोक का एक विमान. A celestial abode of the fifth Devaloka of this name. सम० ६;

पम्हुसण न० (अपस्मरण) ભૂલી જવું તે. भूल जाना; विस्मरण. Forgetfulness. पंचा० १५, ११;

√पय. धा० I. (पच्) રાંધવુ; પકાવવું. रांधना; पकाना. To cook, to bake.

पयंति. सूय० १, ५, १, १०;

पयह. आ० आया० १, ७, २, २०४; सूय० २, १, १७,

पयं. व० कृ० सूय० २, १, २४;

पयंत व० कृ० कप्प० ३, ४६;

पयावए. प्रे० उत्त० २, २; दस० १०, १, ४,

पयावेमाण. सूय० २, १, २४;

पय न० (पद) પગ; પગલું. पैर; पॉव; पद. Foot. जं० प० ५, ११५; ओव०

१२; उत्त० ४, ७; २६, १३; पिं० नि० ७५; १८२, भग० ६, ३; नाया० २; निसी० ६, ८; सु० च० १, ३१८; प्रव० ५८७; पंचा० १८, १०; कप्प० २, १४; (२) પદ-વિભક્તિ સહિત નામ. पद-विभक्तियुक्त नाम. a substantive with terminations पराह० २,२; ठा०१, १: आया० १, ५, ६, १७०; उत्त० १, २६; अणुजो० १६; ७३, १३१; १४९; विशे० १५८८; भग० १, ६; २, १; राय० ८७; (३) ભાંગો; પ્રકાર. प्रकार; भिन्नता; भाग. a variety. उत्त० २६, २८; (४) સ્થાન; સંયમના સ્થાનક. स्थान; संयम के स्थानक. place; a division of self-restraint. दस० ६, ४, २३; नंदी० स्थ० ३२; पराह० १, ४; पन्न० १२; (५) પદનું જ્ઞાન; શ્રુત જ્ઞાનનો એક પ્રકાર. पद का ज्ञान,एक प्रकार का श्रुतज्ञान. the knowledge of words; a variety of scriptural knowledge. क० गं० १; ७; (६) શ્લોક કે ગાથાનું એક ચરણ શ્લોક-पद्य अथवा गाथा का एक चरण. a quarter of a verse or prose. भग० १, ६; —अट्ठोत्तरसहस्स न० (-अष्टोत्तरसहस्र) એક હજાર અને આઠ પદ. एक सहस्र और आठ पद one thousand and eight words प्रव० १८५; —अणुसारि. पुं० (-अनुसारिन्) પદાનુસાર લબ્ધિવાળો, સૂત્રનું એક પદ ભણવાથી પોતાની પ્રજ્ઞાવડે ઘણા સૂત્ર પદને ગ્રહણ કરવાની લબ્ધિવાળો જીવાત્મા पदानुसार लब्धिवाला; वह जीवात्मा-मनुष्य जो सूत्र के एक पद को पढकर अपनी प्रज्ञा के योगसे बहुत से पदों को ग्रहण कर सके-समझ सके. (one) having knowledge according to words; the soul which has the intelligence of understanding many words in a Sūtra after having mastered one word of a Sūtra. प्रव० १५०८; पराह० २, १; विशे० ७८१; ओव०—चंकमण. न० (-चंक्रमण) પગે ચાલવું તે. पैरसे चलने का कार्य; पैदल जाना. walking on foot भग० ११, ११;—पंकय. न० (-पङ्कज) ચરણ કમલ. चरण कमल. the lotus-feet. भत्त०३५; —पमाण. न० (-प्रमाण) પદનું પ્રમાણ. पद का प्रमाण. the measure of feet; authority of a word प्रव० ७१८; —पास. पुं० (-पाश) પગ બાંધવાનો પાશલો पैर बांधने का फंदा-पाश. a trap to entangle feet. सूय० १,१, २, ८; —पीडिय. त्रि० (-पीडित) પગથી કચરેલું. पैरों द्वारा रौंदा हुआ trodden by feet नाया० १; —बद्ध. न०(-बद्ध) છન્દો બદ્ધ કાવ્ય. छन्दो बद्ध काव्य. metrical poem. जीवा० ३, ४; राय० १३१; —मग्ग. पुं० (-मार्ग) પગનો રસ્તો-પગરસ્તો. पैदल रास्ता; पगडंडी. foot-path नाया० १८; —वियार. पुं० (-विचार) પગે ચાલવું તે. पैर से चलना, पैदल चलना-जाना-गमन करना. walking on foot. प्रव० ७८३; —संखा स्त्री० (-संख्या) પદની સંખ્યા पदों की संख्या. numeration of words. प्रव० ७१८, —समास. न० (-समास) પદના સમુદાયનુ એકથી વધારે પદોનું જ્ઞાન; શ્રુત જ્ઞાનનો એક પ્રકાર. पद समास अर्थात् पदों के समुदाय का ज्ञान; श्रुत ज्ञान का एक प्रकार. the knowledge of a group of words. क० गं० १, ७; —सुमरण. न० (-स्मरण)

पदनुं स्मरण. पद का स्मरण. recollection of a word etc. भत्त० ८८, —हीण. त्रि० (-हीन) पदे हीन-ओछुं. पद हीन. पद से रहित-न्यून omission of a word, sentence etc. आउ० ४, ७;

पय. न० (पयस्) दुध दूध. Milk (२) पाणी. पानी Water उत्त० ११,१६, पिं० नि० ५१८; विशे० ६८; नाया० २;

पय. त्रि० (प्रद) आपनार; देनार दाता, देने वाला. Giver. विशे० ३२२८;

पयअ. त्रि० (प्रयत) प्रयत्नवान् प्रयत्नवान्. Diligent. (२) सोपयोगी; उपयोग-लक्ष सहित, उपाय सहित, लक्ष्ययुक्त. circumspect. उत्त०१,२७, ओघ०नि०५२५; (३) व्यन्तरदेवनी एक जात. व्यन्तरदेव की एक जाति. a class of the Vyantara gods. ओव० २४, ठा० २, ३;

पयइ. स्त्री० (प्रकृति) वात-पित्तादि प्रकृति. वात-पित्तादि प्रकृति. The humours of the body viz. wind, bile etc. विशे० १७०३, (२) कर्म-प्रकृति; कर्मनो स्वभाव. कर्मप्रकृति; कर्म का स्वभाव. Karmic nature or matter. नाया० ५; क० ग० १, २; ५८; —बंध. पुं० (-बन्ध) प्रकृतिनो बन्ध प्रकृति का बन्धन. the bond of nature. क०गं० ५, २१; —भद्दय त्रि० (-भद्रक) स्वभावथी भद्रिक, भद्रिक स्वभाववालुं. स्वभाव से भद्र, भद्र-उत्तम-स्वभाव वाला. of a good or simple nature नाया० १६;

पयंग पुं० (पतंग-पत्रमिव अंगं यस्य) पतंगीयो; उडता जंतुनी एक जात पतिंगा. उड़नेवाला जतु विशेष. A moth; a kind of flying insect उत्त० ३, ४, १२, २७; ३२, २४, ३६, १४५; दस० ४; नाया० १७, पन्न० १, (२) पतग नामे व्यन्तर देवतानी एक जात. पतंग नामक व्यन्तर देवता की एक जाति. a class of the Vyantara gods of the Patanga class प्रव० ११४५; पगह० १, ४; पन्न० २;

पयंगवीहिया. स्त्री० (पतंगवीथिका) जुओ "पतगवीहिया" शब्द. देखो "पतंगवीहिया" शब्द. Vide. "पतंगवीहिया" उत्त० ३०, १६, दसा० ७, १;

पयंगवीही. स्त्री० (पतङ्गवीथी) जुओ "पतंगवीहिया" शब्द. देखो "पतंगवीहिया" शब्द. Vide "पतंगवीहिया" प्रव० ७५२;

पयंड त्रि० (प्रचण्ड) प्रचंड; भयंकर. प्रचंड; भयंकर; घोर. Horrible; terrible. नाया० १; पगह० १, १; सु० च० १, ३४६;

पयंथिअ. त्रि० (प्रजल्पित) कहेलुं. कहा हुआ; कथित. Spoken सु० च० १, ५६;

पयंपिर. त्रि० (प्रजल्पितृ) कहेनार. कहने वाला. Speaker. सु० च० २, ५७६,

पयक्खिणा. स्त्री० (प्रदक्षिणा) प्रदक्षिणा देवी ते. परिक्रमा देना, प्रदक्षिणा देने का कार्य. Circumambulation. नाया० १७; —अणुकुल. त्रि० (-अनुकूल) प्रदक्षिणाने अनुकूल. प्रदक्षिणा के अनुकूल. suited to circum-ambulation नाया० १७;

पयग. न० (पदक) पदक, रत्नावलि तपनी स्थापना-चित्रनो एक अवयव. पदक, रत्नावलि तप की स्थापना-चित्र का एक अवयव. A kind of austerity known as Ratnāvali, a portion of a picture. प्रव० १५४०;

पयगवइ. पुं० (पतगपति) पतग जातना व्यन्तर देवतानो बीजो इन्द्र. पतग जाति

के व्यंतर देवता का दूसरा इन्द्र. The second Indra of the Vyantara gods of the Pataga class. ठा० २, ३; पन्न० २;

पयचुल्ल. न० (*) માછલાંને બાંધવાની એક જાતની જાળ. मछलियों को पकडने की जाल विशेष. A kind of net to catch fish. विवा० ८;

पयट्ट. त्रि० (प्रवृत्त) પ્રવર્તેલું. प्रवर्तित आरंभित. Urged; commenced. पंचा० १६, ५०;

पयट्टअ. त्रि० (प्रकर्षक) પ્રકર્ષ–ઉત્કર્ષ કરનાર. प्रकर्ष–उत्कर्ष करने वाला. (One) who elevates. पराह० १, १;

पयट्टिअ त्रि० (प्रवर्तित) પ્રવૃત્ત થયેલ. प्रवृत; किया हुआ, चलाया हुआ. (One) urged. प्रव० ६१४; उत्त० ४, २; सु०च० २, ६०६;

पयट्टियव्व. न० (प्रवर्तितव्य) યત્ન કરલે વો; પ્રવર્તવું. प्रयत्न करना, प्रवृत्ति करना. Impelling; attempting. पंचा० ९, ४०;

पयड. त्रि० (प्रकट) પ્રત્યક્ષ; પ્રગટ; સ્પષ્ટ. प्रत्यक्ष; प्रकट; स्पष्ट. Directly sensed; clear. पंचा० ३, २८; प्रव० ११५;

पयडि. स्त्री०(प्रकृति) કર્મનો સ્વભાવ; કર્મની પ્રકૃતિ. कर्म का स्वभाव; कर्म की प्रकृति The nature of Karma प्रव० १२८४; क० गं० १, २८; २, २४; ५, ६६; नंदी० स्थ० ३०; अणुजो० १२७; उत्त०३३, ६; विशे० ४४४; —ट्ठाण न० (-स्थान) કર્મ પ્રકૃતિનાં સ્થાનક. कर्मप्रकृति के स्थानक the different divisions of Karmic nature. क० ग०६, १५; —भेअ पुं० (-भेद) કર્મની પ્રકૃતિના ભેદ. कर्म की प्रकृति के भेद. a variety of Karmic nature. क० गं० ५, ६५; —सत्त. पुं० स्त्री० (-सत्ता) કર્મ પ્રકૃતિની સત્તા. कर्म प्रकृति की सत्ता-शक्ति. the power of Karmic nature क० गं० ६, २;

पयडिय. त्रि० (प्रकटित) પ્રગટ કરેલું. प्रकट किया हुआ; प्रकटित. Revealed. नाया० १; ८; सु० च० १, २४;

पयण. न० (पचन) રાંધવું તે. पाक, पकाने का काम. Cooking. नाया० ५; उत्त० १२, ६; ३५, १०; पराह० १, १; —पयावण. न० (-पाचन) રાંધવું અને રંધાવવું. पकाना तथा पकवाना; भोजन बनाना तथा बनवाना. cooking and getting cooked. दस० ६, ४;

पयण. न० (पतन) પતન–પડવું તે. पतन; गिरना. Falling. विशे० १८५६;

पयणग. पुं० (पचनक) તપેલું; રાંધવાનું વાસણ. तपेली: भोजन बनाने का वर्तन विशेष A cooking basin. जीवा० ३;

पयणु त्रि० (प्रतनु) સૂક્ષ્મ; પાતળું; દુબળું. सूक्ष्म, दुबला, पतला. Minute; thin. आया० १, ८, ७, २; उत्त० ३४,२९; भग० ३, ४; ५, ६; ३, ३१; पंचा० ६. ४२;

पयणुअ त्रि० (प्रतनुक) ઝીણું; સૂક્ષ્મ सूक्ष्म: महीन, उम्दा; बारीक. Minute; fine. आया० १, ६. ३, १८६;

√**पयणुतणय.** ना० धा० I. (प्र+स्तन्) જોરથી ગાજવું; કડાકા કરવા जोरसे गर्जना करना, कड़कना. To roar; to thunder. पयणुतणायंति. राय० ३६;

पयत त्रि० (प्रयत) પ્રવૃત્ત થયેલ. प्रवृत्त: निमग्न. Engaged. पराह० १, ३; उवा० १, ७२;

पयति. स्त्री० (प्रकृति) પ્રકૃતિ; સ્વભાવ. प्रकृति; स्वभाव; तासीर. Nature. पंचा० २, ५;

पयत्त पु० (प्रयत्न) પુરૂષાર્થ; મહેનત; પ્રયત્ન पुरुषार्थ; मिहनत; प्रयत्न. Effort;

attempt; diligence. प्रव० ६४७; भत्त० ६७; १५१; पंचा० १, ३४; ३५; ४, ३२; ७, २६; १६, ३२; नाया० १; ५; ८; भग० ३, २; विशे० ३७२; सु० च० ४, ३१२; पिं० नि० ११०; (२) કંઠ, તાળું વગેરે સ્થાનનો વ્યાપાર. कंठ, तालु आदि स्थानों की क्रिया. the activity of the organs i. e. throat palate etc. विशे० ५४७; —छिन्न. त्रि० (-छिन्न) મહેનતથી કાપેલ; બહુ પ્રયત્ને છેદાએલ कष्ट से काटा हुआ, प्रयत्न पूर्वक छेदा हुआ cut by a great effort. दस० ७, ४२; —पक्क. त्रि० (-पक्व) પ્રયત્નથી પાકેલ, પકાવેલ. प्रयत्नपूर्वक पकाया हुआ. matured by effort. दस० ७, ४२; —लट्ठ. त्रि० (-लष्ट) મહેનતથી સુંદર બનેલ. मिहनत द्वारा सुन्दर बना हुआ. made beautiful industriously दस० ७, ४२;

पयत्त. त्रि० (प्रवृत्त) કામમાં લાગેલું; ઉદ્યમવંત. काम में लगा हुआ; उद्यम शील. Industrious. ज० प० ५, ११५; नाया० ६; १३; भत्त० २, १; ३, १;

पयत्त. न० (पदात्त) ગેયના ચાર પ્રકારમાંનો બીજો પ્રકાર; પાદલબ્ધ-ચરણ બદ્ધ ગીત. चार प्रकार के गान में से दूसरे प्रकार का गाना, पादलब्ध-चरण बद्ध गीत. The second variety of the four varieties of songs; versified song. राय० ९६; जं० प०

पयत्तओ. अ० (प्रयत्नतस्) પ્રયત્નથી. प्रयत्नपूर्वक, परिश्रम द्वारा. With effort प्रव० ९९८;

पयत्तज. त्रि० (प्रयत्नज) પ્રયાસથી ઉત્પન્ન થયેલ. परिश्रमपूर्वक प्राप्त-उत्पन्न. Produced through effort. विशे० २८२५;

पयत्ताय. न० (पदत्रात) ગીત વિશેષ. गीत. विशेष. A particular song. राय० १३१;

पयत्थ. पुं० (पदार्थ) વસ્તુ. वस्तु; चीज. Substance. विशे० ४४;

पयन्न. न० (प्रकीर्णक) પઇન્ના-શાસ્ત્ર વિશેષ. पइन्ना-शास्त्र विशेष. A particular minor scripture; book known as Painnā. प्रव० ६७०;

पयर. पुं० न० (प्रतर) આકાશ પ્રદેશની લાંબી અને પહોળી પંક્તિ आकाश प्रदेश की लम्बी और चौडी पंक्ति. A long and broad space of the sky. (२) થર; પડ. प्रस्तर; थर; पुट. layer; stratum. भग० १३, ४; ३४, १; विशे० ५९०; पन्न० १; अणुजो० १३४; ओघ० नि० २८८; क० गं० ५, ६७; (३) પતરૂં. पतरा. a sheet of metal. कप्प० ३, ४४; —आयत. न० (-आयत) પ્રતરરૂપે આયત સંઠાણ प्रस्तररूप आयत संठाण. a kind of physical structure भग० २५, ३; —परिमंडल. न० (-परिमंडल) પ્રતરરૂપે પરિમણ્ડલ સંસ્થાન. प्रस्तराकार परिमंडल संस्थान. a kind of circular lairy structure. भग० २५, ३; —भेद. पुं० (-भेद) પ્રતરરૂપે ભેદ; કોઇ વસ્તુને ભેદતાં તેના પડ ઉખડે તે. प्रस्तराकार भेद; किसी वस्तुको अलग करते समय जुदे होनेवाले उसके थर. the coming out of layers in breaking a thing. पन्न० ११; —रज्जु. पुं० (-रज्जु) જેની લંબાઇ તથા પહોળાઇ હોય અને જાડાઇ ન હોય તે

રાજપરિમાણ. वह राज परिमाण जिसकी लंबाई चौडाई तो रहती है परन्तु मोटाई नहीं होती. a surface measure of field. प्रव० ६२१; —वट्ट. न० (–वृत्त) પ્રતર વૃત્તરૂપ વાટલો સંઠાણ. प्रस्तराकार वृत संठाण. a circular shape of a layer. भग० २५, ३;

पयर. पुं० (प्रकर) સમૂહ. समूह; निकर; झुण्ड. Collection. कप्प० ३, ३४; ३६;

पयरग. पुं० (प्रतरग) એક જાતનો સોનાનો દાગીનો. सुवर्ण अलंकार विशेष. A kind of golden ornament. जीवा० ३, ३; जं० प० ५, ११६; नाया० १; राय० ११०; भग० २५, ३; (२) ઘોડાનો શણગાર. घोडे की सजावट–का शृंगार. a decoration of horse. जं० प० (३) પત્ર; પાખડી. पत्र; पंखडी. a bud; a pestle. जीवा० ३, ४;

पयरतव. न० (प्रतरतपस्) શ્રેણીને શ્રેણી ગુણી કરતાં પ્રતરથાય દાખલા તરીકે ચાર કોષ્ટકની શ્રેણી હોયતો ૧૬ કોષ્ટકનું પ્રતરથાય જેમકે ક્રમથી એક, બે, ત્રણ, ચાર વગેરે અહીં બતાવ્યા પ્રમાણે ઉપવાસ કરવા તે પ્રતર તપ. श्रेणी बद्ध गुणा करने पर प्राप्त होने वाला प्रस्तर, उदाहरणार्थ, यदि चार कोष्टक की श्रेणी हो तो १६ कोष्टक का प्रस्तर होगा यथा यहां बतलाये हुए १, २, ३, ४ आदि

१	२	३	४
२	३	४	१
३	४	१	२
४	१	२	३

क्रम से किया जाने वाला प्रतर तप. The arrangement of numbers in this diagram according to permutation; fasting according to the serial order of the figures as shown in the diagram.

1	2	8	4
2	3	4	1
3	4	1	2
4	1	2	3

This is known as Pratara penance. उत्त० ३०, १०;

पयलपयला. स्त्री० (प्रचलाप्रचला) ચાલતાં ચાલતાં ઉંઘવું તે; દર્શનાવરણીય કર્મનો એક પ્રકાર; चलते फिरते आने वाली एक तरह की निद्रा; दर्शनावरणीय कर्म का एक प्रकार. A heavy drowsiness while walking; a variety of sight-obscuring Karma. क० गं० १, ११;

पयला. स्त्री० (प्रचला) દર્શનાવરણીયની એક પ્રકૃતિ કે જેના ઉદયથી બેઠા ૨ પણ નિદ્રા આવે તે; નિદ્રાનો એક પ્રકાર. दर्शनावरणीय की एक प्रकृति जिसके कारण बैठे २ नींद आने लगे; निद्रा विशेष. Drowsiness; a variety of sight-obscuring Karma at whose onset a man sleeps while sitting; a kind of sleep क० गं० १, ११; ५, ६२; दसा० ६, १; पन्न० २३; उत्त० ३३; ५; ठा० ६, १; अणुजो० १२७; सम० ६;

पयलाइय पुं० (प्रचलादिक) સર્પની એક જાત. सर्प विशेष. A kind of serpent. पन्न० १;

पयलापयला. स्त्री० (प्रचलाप्रचला) બલદની પેઠે ચાલતાં ચાલતાં ઉંઘ આવે તે; દર્શનાવરણીય કર્મની એક પ્રકૃતિ. बैल के समान मस्त चाल से चलते चलत आने वाली गाढ निद्रा; दर्शनावरणीय कर्म की एक प्रकृति.

A heavy drowsiness (as in the case of a bullock while walking); a variety of sight-obscuring Karma. पन्न० २३; उत्त० ३३, ५; ठा० ६, १; अणुजो० १२७;

पयालिय. त्रि० (प्रगलित) ઝરેલું. झरा हुआ; गला हुआ. Trickled. नाया० १;

पयालिय त्रि० (प्रचलित) ચલાયમાન થયેલ. प्रचलित; चला हुआ. Shaken. नाया० ८;

पयालिअ. त्रि० (प्रदलित) નાશ કરેલું; ચૂર્ણ કરેલું. नष्ट किया हुआ, चूर चूर किया हुआ. Destroyed; pulverised. कप्प० ३, ३६;

पयाविभाग. पुं० (पदविभाग) પદવિભાગ નામે સામાચારી; સામાચારીનો એક પ્રકાર. पदविभाग नामक सामाचारी; सामाचारी का एक प्रकार. A Sāmāchārī of this name; a class of Samāchārī. प्रव० २३; विशे० २०४०;

पया स्त्री० (प्रजा) રૈયત; પ્રજા. प्रजा; रैयत; प्रकृति. Ryot; subjects. (२) સંતતિ, પરિવાર. सन्तति; परिवार. progeny; family. उत्त० ३, २; आया० १, ३, २, ११४; सूय० १, २, २, २२; १, १०, ३; ज० प० २, ३०; पंचा० ७, ३७; —हिअ. न० (-हित) પ્રજાનું હિત. प्रजा का हित. the welfare of the subject. कप्प० ७, २१०;

पयाअ-य. त्रि० (प्रयात) ગયેલ; વિસ્તરેલ. गया हुआ; विस्तृत, फैला हुआ. Departed; spread. भग० ११, १०; आया० २, ४, २, १३८; —साहा. स्त्री० (-शाखा) વિસ્તરેલ શાખા; વૃક્ષની ડાલી वृक्षकी फैली हुई शाखा. an extended branch of a tree. दस० ७, ३१;

पयाण. न० (प्रतान) વિસ્તારપૂર્વક સ્વપ્નદર્શન; સ્વપ્નના પાંચ પ્રકારમાંનો બીજો પ્રકાર. विस्तृत स्वप्न दर्शन; स्वप्न के पांच प्रकार में से दूसरा प्रकार. Dreaming at length; the second variety of the 5 varieties of dreams. भग० १६, ६;

पयाण न० (प्रदान) આપવું; સોંપવું. देना; सौंपना; जिम्मे करना. Handing over. ओव०; ४०; पंचा० १, १८; उवा० १, ४३;

पयाण. न० (प्रयाण) જવું; પ્રયાણ કરવું. जाना; प्रयाण-प्रस्थान करना. Departure. प्रव० ६३७;

पयात त्रि० (प्रजात) પ્રસવ થયેલ; જન્મ પામેલ. प्रसूत; उत्पन्न, जन्म प्राप्त. Born; produced. नाया० १; २; ८; १४; भग० ११, १०; ११; १५, १;

पयायार. पुं० (प्रदातृ) ઘણો ઉદાર; દાતા. अति उदार; औदर दानी. Very noble or munificent विशे० ३४४५;

पयार. पुं० (प्रचार) પ્રવર્તન, પ્રવૃત્તિ. प्रवर्तन; प्रवृत्ति; प्रचार. Activity; promulgation. ओव० १६; नाया० १; भग० ७, ६; २५, ७; सु० च० १, ३१८;

पयार. पुं० (प्रकार) પ્રકાર-રીતિ; ભેદ. प्रकार; रीति; भेद. Kind; variety. प्रव० ८४६; नाया० १; सम० ६; अणुजो० १२८;

पयारण. न० (प्रतारण) ઠગાઈ; છેતરવું તે. ठगी; धोखाबाजी; विश्वासघातकता. Deceiving; cheating. पंचा० ३, ३६;

पयाव. पुं० (प्रताप) પ્રતાપ; તેજ. प्रताप; तेज; शौर्य. Majesty; lustre; valour. सु० च० १, ३४; दस० ६, ३५;

पयावइ न० (प्रजापति) ૧૯માં મુહુર્તનું નામ. १९वें मुहूर्त का नाम. The name of the nineteenth Muhūrta. सू०

प० १०; जं० प० ७, १५७; (२) રોહિણી નક્ષત્રનો અધિષ્ઠાતા દેવતા. रोहिणी नक्षत्र का अधिष्ठाता देवता. the presiding diety of the Rohiṇī planet. अणुजो० १३१; (३) કૃત્તિકા નક્ષત્રનો સ્વામી-દેવતા. कृत्तिका नक्षत्र का स्वामी-अधिपति देवता. the deity of the Krittikā planet. ठा० २, ३; (४) પહેલા વાસુદેવ અને બલદેવના પિતાનું નામ. पहिले वासुदेव तथा बलदेव के पिता का नाम. the name of the father of the first Vāsudeva and Baladeva. सम० प० २३५;

पयावण. न० (प्रतापन) તપાવવું गरम करना; तपाना. Heating. पिं० नि० ३४;

पयावण. न० (पाचन) બીજા પાસે રસોઇ કરાવવી તે. दूसरे से भोजन बनवाना Cooking of food by another. उत्त० ३५, १०; सूय० २, २, ६२; पगह० १, १;

पयास. पुं० (प्रकाश) પ્રકાશ; અજવાળું. प्रकाश; उजेला. Light. (२) પ્રગટ; ખુલ્લું. प्रकट, खुला. open; revealed. विशे० ५१०; २८१७; सु० च० ३, ८५; **—यर.** त्रि० (-कर) પ્રકાશ કરનાર. प्रकाश करने वाला, उजेला देने वाला. publisher; illuminer. आउ० २,७;

पयास. पुं० (प्रयास) પ્રયત્ન; ઉદ્યમ. प्रयत्न; उद्यम; परिश्रम. Effort; industry. पंचा० ६, ३;

पयासणिज्ज. त्रि० (प्रकाशनीय) પ્રકાશ કરવા યોગ્ય. प्रकाश करने योग्य. Fit to be illumined. विशे० ३४७;

पयासय. त्रि० (प्रकाशक) પ્રકાશ કરનાર. प्रकाशित करने वाला; प्रकाशक. Publisher, enlighter. प्रव० ७०१;

पयासरूव. न० (प्रकाशरूप) પ્રકાશમાન સ્વરૂપ. प्रकाशमान स्वरूप. Luminous. क० गं० १;

पयासिय. त्रि० (प्रकाशित) પ્રકાશિત થયેલ; प्रकाशित; प्रकटित-प्रसिद्धि पाया हुआ. Published; done. सम० ५;

पयाहिण. त्रि० (प्रदक्षिण) જમણી તરફનું; જમણી બાજુ વળતું. दाहिनी ओर घूमता हुआ. Of the right side; turning towards the right. जं०प०५, ११२; ७, १४०; ओव० १०; **—आवत्त.** त्रि० (-आवर्त) જમણી તરફ જેનો આવર્ત્ત (વળ) હોય તે. दाहिनी ओर के घुमाव वाला. (one) having a bend on the right side. पंचा० १४, ३२; भग० १, १; जीवा० ३, ३;

पयाहिणा. स्त्री० (प्रदक्षिणा) પ્રદક્ષિણા; ફરવું; આવર્તન દેવું તે. प्रदक्षिणा; चक्कर लगाने या परिक्रमा देने का कार्य. The act of going round; circumambulation. भग० १, १; २, १; ३, १; ४१, ३२; नाया० १; ८; १३; १६; राय० २६; प्रव० ६६; कप्प० ४ ६६; उवा० १, १; ७, १६०, पंचा० २, २२; ओव० २२;

पयाहिणीकरेउं. सं० कृ० अ० (प्रदक्षिणीकृत्य) પ્રદક્ષિણા દઇને प्रदक्षिणा देकर; परिक्रम्य. Having gone round. सु० च० १, ३६३;

पयोग. पुं० (प्रयोग) ઉપાય; સાધન. उपाय; साधन. Means; instrument. (२) જીવનો વ્યાપાર. जीव का व्यापार activity of a living being or a soul. पयोगसा. तृ०ए० राय० २८६; भग० ५, २; भग० ६, १; ३; (२) વાદ વિવાદ કરવો તે. वाद विवाद करना; वाद विवाद. debating. ठा० ८, १; **—परिणय.** त्रि०

(-परिणत) પ્રયોગથી-જીવવ્યાપારથી પરિણામ પામેલ. प्रयोग द्वारा-जीवव्यापार द्वारा परिणमित. one attaining maturity by the activity of a soul. भग० ८, १; —संपया. स्त्री० (-सम्पत्) વાદ કરવાની સંપદ-શક્તિ. वाद शक्ति; वाद विवाद करने की सामर्थ्य. the power to debate. ठा० ८, १;

पयोघर. पुं० (पयोधर) સ્તન. स्तन. Breast. (२) બાદળ मेघ a cloud. जीवा० ३, ३;

पयोयण. न० (प्रयोजन) કારણ; વ્યાપાર कारण; व्यापार. Cause; reason. पराह० २, १; नाया० १६.

पयोहर. पुं० (पयोधर) જુઓ "पयोधर" શબ્દ देखो "पयोधर" शब्द. Vide. "पयोधर." नाया० १;

पर त्रि० (पर) અન્ય; બીજું; પોતાસિવાયનું; પારકુ अन्य, दूसरा, अपनेसे भिन्न; पराया Another; second; not one's own; stranger. उत्त० १, १६; २, १०; २०; ओव० ३८, भग० १, ६; २, ५; ५, २; ७, १; ६, ३३; नाया० १; २; ३; ७, दस० ५, २, २७; ६, १५; ३८; ४०; ८, ६२; ९, ४, २३; दसा० ६, १; ४; वेय० १ ३३, ६; निसी० १, ४७; २, २८, ११, १४; पिं० नि० १०४; ११४; १७३; १८६, पन्न० १, १४; उवा० १, ४४; ५७; क० प० ४, २३, गच्छा० ११३, क० गं० १, ५४; २, २३, ३, ६; २०; पचा० ६, १: १६, १; (२) पुं० શત્રુ; દુશ્મન शत्रु, दुश्मन; वैरी. an enemy. भग० १, ७; (३) ઉપરાન્ત; વધારે उपरात; अधिक, विशेष more. निसी० १, ४७, ४६, (४) પરલોક. परलोक; परत्र. the other world ठा० ४, ३, (५) મોક્ષ. मोक्ष Salvation. विशे० २६८१; (६) ઉત્કૃષ્ટ. उत्कृष्ट, श्रेष्ठ; उत्तम. best. नाया० १, (७) તત્પર; સાવધાન. तत्पर; उद्यत; सावधान. ready; cautious. पराह० १, २, (८) न० એક જાતનુ ઘાસ. एक प्रकार का घास. a kind of grass. पराह० २, ३; —अंतकर. त्रि० (-अन्तकर) બીજાને ઉપદેશ આપી તેના ભવનો અન્ત લાવનાર-અર્થાત્ પારકાને મોક્ષે પહોંચાડનાર. दूसरों को उपदेशद्वारा मुक्ति प्राप्त करानेवाला. one who makes others to attain salvation by advising them. ठा० ४, २; —अणीय. न० (-अनीक) શત્રુનુ લશ્કર. शत्रुसेना; दुश्मनकी फौज. an enemy's army. भग० १, ७; —अणुकंपअ. त्रि० (-अनुकम्पक) પારકાનું હિત ચાહનાર; દયાળુ. दूसरों का भला चाहने वाला; दयालु; परोपकारी. compassionate over others. ठा० ४, ४; —अणुमय. त्रि० (-अनुमत) બીજાને અભિપ્રેત-ઇષ્ટ. दूसरों द्वारा इच्छित; परानुमत-प्रिय desired or appreciated by another विशे० ६५; —अहिगरणि. त्रि० (-अधिकरणिन्) પરના ઉપર અધિકાર કરનાર दूसरों का अधिकारी. an officer over others. भग० १६, १; —अहीण त्रि० (-अधीन) પરતંત્ર; ગુરુને આધીન परतंत्र; गुरु के आधीन. dependent, subordinate to a preceptor. विशे० ५५७; ८३८; —आगार. न० (-आगार) પારકું ઘર; ગૃહસ્થીનું ઘર दूसरे का घर another's house; the house of a householder. दस० ८, १६; —आरंभ. त्रि० (-आरम्भ) પોતે આરમ્ભ ન કરે પણ બીજાની પાસે જીવોની હિંસા કરાવે તે;

પરારમ્ભી. परारभी–वह जो स्वयं तो आरंभ न करे परन्तु दूसरों से हिंसा करावे. one who does not kill himself but causes others to kill. भग० १, १, —आहुत्त. त्रि० (-अभिमुख) બીજી તરફ મોઢું રાખી બીજાની સાથે વાતચીતમાં વળગેલ. दूसरी ओर मुंह फेर कर दूसरों के साथ बातचीत में लगा हुआ (one) engaged in conversing with others while turning one's face to the other side "वक्खित्तपराहुत्ते पमत्तेमाकयाइ आलोए" ओघ० नि० ५१४; प्रव० १२४; —उवक्कम. पुं० (-उपक्रम) પારકો ઉપક્રમ-પ્રયત્ન दूसरे का प्रयत्न–उपक्रम. the effort of another. भग० २०; १०; —उवघाइणी. स्त्री० (-उपघातिनी) પરનો નાશ કરનારી (ભાષા). दूसरों का नाश करने वाली (भाषा). language that des troys others दस० ७, ५४; —कड. त्रि० (-कृत) પરને માટે કરેલું, સાધુ માટે કરેલું નહિ. दूसरों के लिए किया हुआ, साधुओं के लिए नहीं done for others; not done for an ascetic. उत्त० १, ३४, भग० १, ६; १७, ४, —कम्म. न० (-कर्मन्) બીજાનાં કર્મ; બીજાના માટે કરેલા કર્મ. दूसरों के कर्म; दूसरों के लिए किए गए कर्म. acts of others; acts done for others. जं० प० ७, १६६, ५, ११८; भग० ३, ५; २०, १०; २५, ८; पिं० नि० १०६; १०८; —कसाय. पुं० (-कषाय) બીજાનો કષાય–ક્રોધાદિ. दूसरे का कषाय-क्रोधादि. the passion, anger etc. of the others. मच्छा० ६७; —किरिया. स्त्री० (-क्रिया) પર–સાધુ શિવાય–ગૃહસ્થની ક્રિયા–ચેષ્ટા. पर–साधु के सिवाय–गृहस्थ की क्रिया–चेष्टा. the affairs of a householder. आया० २, १३, १७२; पिं० नि० १०८; —गाम. न० (-ग्राम) બીજાનુ ગામ. दूसरे का ग्राम –गांव. another's village. पंचा० १३, १३; —घर. न० (-गृह) પારકુ ઘર; ગૃહસ્થનું ઘર पराये का घर, गृहस्थ का घर. another's house: house of a householder. दस० ५, २, २७; प्रव० २७६; —घरप्पवेस. पुं० (-गृहप्रवेश) પારકા ઘરમા પ્રવેશ કરવો તે; ભિક્ષા માટે ફરવુ दूसरों के घरों मे भिक्षा के लिये प्रवेश करना–घुसना. to enter other's house or to wander for begging. ठा० ६, १; —चक्क. न० (-चक्र) પરશત્રુની સેના; શત્રુની સેનાનાં ભયજનક કાર્ય. पर-शत्रुकी सेना; शत्रु सेना के भीषण–भयोत्पादक कार्य. an enemy's army; havoc caused by an enemy's army. सम० ३४; नाया० ९; —छंद. न० (-च्छन्दस्) પારકો છન્દો; બીજાનો અભિપ્રાય. दूसरे की इच्छा–अभिप्राय, छंद. the wish of another. ओव० २०; —छंदाणुवत्तिय त्रि० (-च्छन्दोनुऽवर्तिक) પારકાના અભિપ્રાયને અનુસરનાર. दूसरों के अभिप्राय का अनुकरण करने वाला. (one) who follows the wishes of others. ठा० ४, ४; भग० २५, ७; —जूरणया. स्त्री० (-*जूरणता) બીજાને રોવરાવવું; ઝુરણા કરાવવી તે. दूसरों को रुलाना; दूसरों का झुराना–याद में दुखी करना causing others to weep or pine. भग० ७, ६; —(ऽ)ट्ठ. पुं० (-अर्थ) પરને અર્થે; બીજાને માટે. दूसरों के लिये; परार्थ. for another; for

the sake of another. उत्त० १, २५; दस० ६, १२; ६, २, १३; भत्त० १; —ठाण. न० (-स्थान) પારકું સ્થાન; ઠેકાણું. पराया स्थान-जगह-ठिकाना. a strange place. भग० २५, ४, ६; क० प० २, ६३; —तिगिच्छिश्र. त्रि० (-चिकित्सक) પારકાની ચિકિત્સા જાણે પણ પોતાની જાણે નહિ તે. दूसरों की चिकित्सा कर सकेन पर भी अपनी चिकित्सा न कर सकने वाला. (one) who heals others but not himself ठा० ४, ४; —त्थ. त्रि० (-अर्थ) પરલોકના સુખની ઇચ્છાવાળો. पारलौकिक सुख का इच्छुक. (one) desirous of paradise ठा० ४, ३; (२) पु० મોક્ષ માટે. मोक्ष के लिये for salvation. विशे० २६८१; —दत्त. त्रि० (-दत्त) બીજાએ આપેલું. दूसरोंद्वारा दिया हुआ. bestowed by another. आया० २, ७, १, १५५; —दार. पुं० (-दार) પારકી સ્ત્રી दूसरेकी-पराये की पत्नी-स्त्री another's wife. पंचा०१,१५; —दाराप्रसंगि पुं० (-दाराप्रसंगिन्) પરસ્ત્રી લંપટ. परस्त्री लंपट; व्यभिचारी. an adulterer. नाया० १८; —दुक्खणया. स्त्री० (-दुःखनता—दुःखदान) બીજાને દુઃખ દેવું તે. दूसरों का पीडन; परपीडन. troubling another. भग० ७, ६; ८, ९; —धण. न० (-धन—परेषां धनम्) પારકું ધન. पराया धन; बिरानी दौलत. another's wealth. विशे० ४१; भत्त० १०२; —धम्मिय. त्रि० (-धार्मिक—परस्यधर्मस्तत्रकुशल.) અસમાન ધર્મવાળું; પરધર્મી. असमान धर्मवाला; परधर्मी; विधर्मी. possessing another characteristic or religion वेय० ४, ३; —निमित्त. न० (-निमित्तरञ्चतन्निमित्तंच) બીજું નિમિત્ત, કારણ. दूसरा निमित्त; अन्य कारण. another reason or cause. विशे० ६४; —पइट्ठिश्र त्रि० (-प्रतिष्ठित) બીજાના આશ્રયથી પ્રતિષ્ઠા પામેલ-ઉત્પન્ન થયેલ. दूसरों के आश्रय द्वारा प्रतिष्ठा प्राप्त-उत्पन्न. one stationed or produced by the help of others. ठा० २, ४; ४, १; —पक्ख. पुं० (-पक्ष-परश्चासौपक्षश्च) અન્ય પક્ષ-ગૃહસ્થ વર્ગ. अन्यपक्ष-गृहस्थ वर्ग. the other side; the class of householders. पिं० नि० ६५; —पक्खक्खमण. त्रि० (-पक्षक्षमण) બીજા પક્ષને સહનાર परपक्ष को सहन करने वाला (one) bearing the other side. नाया० ११; —परियावणया. स्त्री० (-परितापना) બીજાને સંતાપવું તે, પરને દુઃખ આપવુ તે. परपीडन, दूसरों को दुःख देना. troubling another. भग० ७, ६; —परिवाइय. त्रि० (-परिवादक) બીજાનું વાંકુ બોલનાર; નિન્દક. दूसरे की बुराई करने वाला, परनिन्दक. a back biter; a reviler. ओव० ४१; —परिवाद. पुं० (-परिवाद) પારકી નિન્દા. पराई निन्दा; दूसरों की बुराई. another's censure. नाया० १; —परिवाय-श्र पुं०(-परिवाद) પારકી નિંદા કરવી તે. दूसरों की निन्दा करने का कार्य; परनिन्दा. censuring others. सम० ५२; ओव० ३६; भग० १, ६६; १२, ५; पन्न० २२; कप्प० ५, ११७, प्रव० १३६६; —पाणपरियावण. न० (-प्राणपरितापन) બીજા પ્રાણીને સંતાપવું-દુઃખ દેવું તે दूसरे प्राणि को पीडा पहुँचाने का कार्य, परपीडन. troubling other beings दसा० ६, ४; —पाय. न० (-पात्र) પારકું

पात्र. दूसरे का पात्री-वर्तन. another's utensil निसी० ३, ८२; —पासंडपडिमा. स्त्री० (-पाषण्डप्रतिमा) અન્ય ધર્મીનો સંપ્રદાય. विधर्मी का संप्रदाय-पंथ. a sect of another religion. वव० १, ३५; —पिट्टणया. स्त्री० (-पिट्टनतासारण) બીજાને પિટવું મારવું તે. दूसरों को मारने का कार्य. beating another. भग०७,६; —पुट्ठ. पुं०(-पुष्ट-परण-काकेनपुष्टःपालितः) કોયલ. कोकिल; परभृत; कोयल. cuckoo. राय० ५०; पन्न० १७; —प्पयोग. पुं० (-प्रयोग) પારકાનો પ્રયોગ વ્યાપાર પ્રવૃત્તિ. दूसरे का प्रयोग-व्यापार-प्रवृत्ति. the industry of another भग०३, ४५; १६, १; १७, ३; २०, १०; २५, ८; ३२, १; —प्पवित्त. त्रि० (-प्रवृत्त) બીજાને માટે કરેલું-બનેલું दूसरों के लिये किया हुआ, बना हुआ; made for another. उत्त० १२, ६; —बल न० (-बल) પર શત્રુનું લશ્કર. दूसरे की-शत्रु की सेना; दुश्मन की फौज an enemy's army. विवा० ५; —बोहण. न० (-बोधन) બીજાને બોધ આપવો તે. दूसरों को उपदेश देने-सिखाने का कार्य; परोपदेश. giving of counsel to another विशे० १७२; —भव. पुं० (-भव) બીજો ભવ; જન્માન્તર दूसरा जन्म, जन्मान्तर. another life भग० २; नाया० १३, —भाववंकणया. स्त्री० (-भाववक्रता) જુઠું લખી પારકાને છેતરવુ તે. मिथ्या बात लिख कर किसी को ठगना. deceiving another by writing falsely. ठा० २, १; —मत्त न० (-अमत्र) પરનુ-ગૃહસ્થનું ભાજન-વાસણ. परायेका-गृहस्थ का पात्र-वर्तन. a utensil of another or of a householder. सूय० १, ६, २; —मय. न० (-मत) બીજાનો મત-માન્યતા. दूसरों का मत-सिद्धान्त. the principle of another. विशे० ३१५; —लाभेहा. स्त्री० (-लाभेहा) બીજા પાસેથી લાભની ઇચ્છા કરવી તે. दूसरे से-पराये से लाभ प्राप्ति की इच्छा. desiring profit from other's. प्रव० ८२३; —वत्थ. न० (-वस्त्र) પારકું વસ્ત્ર. पराया वस्त्र. another's garment. निसी० १२, ६; —ववएस. पुं० (-व्यपदेश) પોતાનું છતાં સાધુની પાસે બીજાનું છે એમ કહેવું. अपना होते हुए भी साधुसे यह कहना कि यह दूसरे का है. telling an ascetic that a thing belongs to another although it is one's own. पंचा० १, ३२; —वस त्रि० (-वश —परस्य परेषां वा वशः) પરાધીન; પરવશ परतन्त्र; पराधीन. dependent; subordinate. नाया० १६; नाया० ध० तंदु० —वागरण. न० (-व्याकरण—व्याक्रियन्ते सदुपदेशत्वेन स्फुटीक्रियन्ते मोचोपयोगिवचोतिचयाद्वति) પારકો ઉપદેશ; બીજાનું કથન. परोपदेश; दूसरे को दिया हुआ बोध-ज्ञान. an advice to another. आया० १, १, १, ४; (२) तीर्थंकरના આગમ तीर्थंकर के आगम trustworthy affirmation of Tīrthankara. आया० १, ५, ६, १६७; —वाय. पुं० (-वाद) બૌદ્ધાદિના સિદ્ધાન્તનો વાદ; પર મતની યુક્તિ પ્રયુક્તિ. बौद्धादिके सिद्धान्तों का वाद; परधर्म की युक्ति प्रयुक्ति the discussion of other's doctrines such as of the Bauddhas. ओव० १६;—विह्मयजणण. त्रि० (-विस्मयजनन) અન્યને વિસ્મય પમાડનારૂં दूसरों को आश्च-

र्य करानेवाला. Exciting wonder in others, creating wonder in the mind of another person. —**वेयावच्चकम्मपडिमा.** स्त्री० (—वैयावृत्य कर्मप्रतिमा) બીજાની સેવાભક્તિ કરવા આહારાદિ લાવી દેવાનો અભિગ્રહ ધારણ કરવો તે दूसरेकी वेयावच्च करनेके लीये आहार पानी लेआनेका अभिग्रह करना. A vow of service, a vow to serve other saints by bringing food etc for them सम० ६१, -**सक्खिय.** त्रि० (साक्षिक) બીજાની સાક્ષીવાળું दूसरेकी साक्षीयुक्त Having been witnessed by any other person; having an eye-witness, having a testimony of another person. ओ० नि० ७६४, —**समय** पु० (-समय) અન્યદર્શન, જૈનેતર સિદ્ધાંત. जैन शिवायके दर्शन, बौद्धादिकका शास्त्र A non-jain religion; a non-jain philosophy भग० १६, ६; नंदी० ६६; —**सोयणया.** स्त्री० (-शोचना) બીજાને શોચ કરાવવો તે औरोंको दिलगीर करना Making others sorry, grieving others. भग० ७, ६; —**हड.** न० (-हृत भवेत्त) બીજાની વસ્તુ હરવી-ચોરવી તે. दूसरे का माल हरना Robbing a person of something, plundering or stealing something belonging to another person. पण्ह० १, ३;

परं. अ० (परम्) પરંતુ, કિંતુ. पर. But. (२) ઉપરાંત. बाद Except. (३) ફક્ત. केवल Only नाया० ८; १३, १४; वव० १, ५; १३, दस० ६, १, ५, निसी० १६, १०;

परंगमण. न० (परगमन) બીજાનો હાથ પકડી બાળક ચાલતાં શીખે તે. दूसरे का हाथ पकड़ बालक चलता है वो. Learning to walk by a child with the support of another person. (२) બાળક ચાલતાં શીખે તે વખતે ઉત્સવાદિ કરવામા આવે તે, ગમન સસ્કાર. बालक के प्रथम गमन समयमें उत्सवादि करनेमें आता है वो. The ceremoney to be performed at the time when a child learns to walk with someone's support राय० ५० २८८,

परंतम. त्रि० (परतम) બીજાના ઉપર તમો ભાવ રાખનાર. दूसरो के पर तामस भाव रखनेवाला. Angry with others ठा० ४, २,

परंदम. त्रि० (परदम) બીજાનું દમન કરનાર दूसरे को दमन करनेवाला An oppressor, a tyrant, one who oppresses others उत्त० ७, ६, ठा० ४, २;

परंपर. त्रि० (परम्पर) અનંતર નહી તે, એકાદ સમય કે પ્રદેશના આંતરાવાળું समय या प्रदेशसें व्यवहित. Something divided by time or space (A thing having some distance with some other thing an event succeeding another event with some difference of time) भग० ५, ४, १३, १, ३०, ६; ३४, १, (२) पु० વિચ્છેદ ગયેલ બા-

२सा दृष्टिवाद अगना ખીજા વિભાગ સૂત્રનો છઠ્ઠો ભેદ. विच्छिन्न हुवा वारवा दृष्टिवाद अग का दूसरा विभाग जो सूत्र उसका छट्टा भेद The sixth division of the second chapter of one of the 12 Aṅgas or sūtras, called the Drushtivāda sūtra which is not existing at present. नदी० ५६; (३) स्त्री० અનુક્રમ, પરિપાટી. परपरा. Succession or following respectively. भग० ५, ३, ४; —आगम पुं० (—आगम) શિષ્યાનુશિષ્ય પરંપરાથી આવેલ આગમ. शिष्यानुशिष्य परपगसे आयाहुवा आगम. A philosophy or a scripture handed over from preceptor to pupil, a shāstra handed over by a preceptor to his pupil and then by him to his pupil and so on. भग० ५, ४; —आघाय. पु० (—आघात) એક પછી બીજાને અનુક્રમપૂર્વક તાડન કરવું તે. अनुक्रमसे ताड्न करना. Giving a blow or punishing, beating, or striking others one by one. भग० ६, १; —आहारग. त्रि० (—आहारक) એક સમય વીત્યા પછી બીજે ત્રીજે આદિ સમયે આહાર લેનાર. एक समय व्यवहित समयमें आहार लेनेवाला. One who takes food periodically; i. e. one who does not take his or its food just after the birth but after one or two periods (a period being an indivisible part of time). भग० २६, ७, ३३, ७; —उववराणग. त्रि० (—उपपन्नक) એક સમય વીત્યા પછી બીજા ત્રીજા આદિ સમયોમાં ઉત્પન્ન થયેલ. प्रथम समय बाद दूसरा तीसरा आदि समयमें उत्पन्न हुवे. Born or created after one "Samaya" or more (A samaya means an indivisible period of time). भग० १३, १; १४, १; २६, ३; ३३, ३; —ओगाढग. त्रि० (—अवगाढक) એક સમયથી વધારે સમય સુધી આકાશ પ્રદેશને અવગાહી રહેલ. दो तीन आदि समय पर्यन्त आकाश प्रदेशको अवगाह कर रहनेवाला. One who stays or exists by touching space for more than one "Samaya". भग० १, ६; १३, १; २६, ४, ३३, ५; ठा० २, २; —खेत्तोवगाढ. त्रि० (—क्षेत्रावगाढ) એક પ્રદેશ મુકયા બાદ બીજા ત્રીજા આદિ આકાશ પ્રદેશને અવગાહીને રહેલ. द्वितीय तृतीय आदि आकाश प्रदेशको अवगाह कर रहनेवाला. One who exists or stays by touching the second or third or any other division of space. भग० ६, १०; —गंठिया. स्त्री० (—ग्रन्थिका) પરિપાટીપૂર્વક આપેલી ગાંઠ. अनुक्रमसे दीहुइ गांठ. Knots in succession भग० ५, ३; —गय. त्रि० (—गत) સસાર પરપરાથી નીકળી ગયેલ ससार प्रवाहसे छुटा हुवा. One who has made himself free from the cycle of births and deaths;

one who has attained salvation. भग० २, १: —पज्जत्तग. त्रि० (पर्याप्तक) એક સમય વીત્યા પછી બીજે ત્રીજે આદિ સમયે પર્યાપ્ત થયેલ. दुसरे तीसरे आदि समयमें पर्याप्त बनाहुवा. One who has attained a full development of the charactoristics of the body into which his soul is to incarnate, after second or third "Samaya." भग० २६, ९; ३३, ९; —परूढ. त्रि० (-प्ररूढ) પરંપરાથી રૂઢ થએલુ. परपरासे आयाहुआ. Conventional. भग० ११, ११; —बंध. पु० (-बन्ध) એક સમયથી વધારે સમયનો થયેલ બંધ. द्वि त्रि आदि समयका वन्ध. A relation of soul and "karma" taking place after more than one "Samaya" भग० २०, ७, —सिद्ध. पु० (-सिद्ध) એક સમય પહેલાં બીજા ત્રીજા આદિ સમયમાં થયેલ સિદ્ધ ભગવાન્. दो तीन आदि समयसें सिद्धिपद पाये हुवे. One who attains salvation during the second or the third "Samaya" नदी० २०, पन्न० १, ठा० २, १; भग० २५, ४;

परंपरा. स्त्री० (परम्परा) નિરવચ્છિન્ન પ્રવાહ, ચાલુ પરિપાટી. अखड़ित प्रवाह. A continuous following; a continuous custom. नाया० ४; सम० ६, पिं० नि० १८५;

परंभर. त्रि० (परभर) બીજાનું ભરણ પોષણ કરનાર. अन्यका भरण पोषण करने वाला. One who supports another person; one who maintains others. ठा० ४, ३,

परंमुह त्रि० (पराङ्मुख) વિમુખ; વિરૂદ્ધ; વિપરીત उलटा मुख करनेवाला, प्रतिपक्षी. Opposite, Contradictory; an antagonist; an opponent. नाया० १४; भग० ६, ३३, दस० ६, ३, ६, विवा० १; सूय० १, ३, ४, ६; विशे० २२७२; ओघ० नि० ४८;

परकीय. त्रि० (परकीय) પારકું परसबधी; दुसरेका Belonging to another person. विशे० ४१;

परकंत. न० (पराक्रान्त भावे क्तः) પરાક્રમ; પુરૂષાર્થ. प्रयत्न, उद्यम. Exploit or valour; manly effort सूय० १, ८, २२;

√पर+क्कम. धा. I. (परा+क्रम्) પરાક્રમ કરવુ, પ્રયત્ન કરવો. पराक्रम करना, प्रयत्न करना. To try; to make an effort; to venture

परक्कमिज्जासि. आया० १, ६, ४, १९३,

परक्कमेज्जा. दसा० १०, ३;

परक्कमिज्जा. दस० ८, ४१,

परक्कममाण. दसा० १०, ८;

परक्कम पु० (पराक्रम) સામર્થ્ય, મર્દાનગી; ઈષ્ટ કાર્યસાધક બલ पौरुष, शक्ति Manliness, strength to succeed. नाया० १, ८, १६, भग० १, ३, १७, २; पन्न० २३; दस० ५, १, ४, सूय० २, ७, ७, ठा० १, ४, अणुजो० १३०, उत्त० ६, २१, २६, १;

परक्कमियव्व. त्रि० (पराक्रमितव्य) પરાક્રમ કરવા યોગ્ય. पराक्रम करने योग्य. What ought to be tried; what ought to be ventured; worth aimning at. भग० ६, ३३;

परग. पुं० (परक) જેનાથી ફૂલ ગુથાય તેવા તૃણ વિશેષ. फूल गुथनेका एक जातिका तृण. A kind of straw; a kind of grassy fibres to wreathe a garland of flowers सूय० २, २, ७; आया० २, २, ३, २०; (२) ધાન્ય વિશેષ; બટી धान्यकी एक जाति. A kind of corn. सूय० २, २, ११; (३) ઘાસનું ભાજન વિશેષ, તૃણ વિશેષની બનેલ છાબ. एक जातिका तृणका भाजन A straw-plate. आया० २, १, ११, ६२; २, १, १, १००; जीवा० ३;

परग्घ. त्रि० (परार्घ्य) મોઘું; બહુ મુલું बहोत किम्मती. Extremely valuable, very costly दस० ७, ४३,

परज्झ त्रि० (परध्य=पराधीन) પરવશ; પરતંત્ર. पराधीन, परवश. Dependent. उत्त० ४, १३;

परतंत त्रि० (परतन्त्र) પરાધીન परवश. Dependent. सु० च० ११, ५४, विशे० १८६७;

परत्थ. अ० (परत्र) પરલોકમાં. अन्य लोकमें. In another world. (२) અન્ય સ્થળે. दूसरे स्थलमें. At any other place. सूय० १, ७, ४; उत्त० १, १५,

परम. त्रि० (परम) ઉત્કૃષ્ટ; વધારેમાં વધારે. सबसे अधिक. Highest or greatest. भग० २, १, ३, १; १४, १, १६, ५, नाया० १; ६; १६; जीवा० ३; दस० ६, २, २; (२) શ્રેષ્ઠ, उत्तम, अच्छा. Best. उत्त० २, २६; (३) અત્યંત; ઘણું. बहोत, ज्यादा. Most considerable. ओव० ११; सम० १५; पण्ह० १, ३; (४) મોક્ષ. मुक्ति. Salvation. उत्त० ३, १; (५) પ્રધાન; મુખ્ય. प्रधान, अग्रेसर Chief or principal. दस० ६, ३, ८; (६) સંયમ; ચારિત્ર. Character; a higher type of asceticism. सूय० १, ६, ६, राय० २२५; —**अंग** न० (अङ्ग) મોક્ષનું અંગ-સાધન. मुक्तिका कारण A way to salvation; a key to success to attain the highest bliss. उत्त० ३, १. —**आउय.** न० (-आयुष्य) ઉત્કૃષ્ટ આઉખુ. परम आयुष्य A longest life. विवा० १; नाया० १; —**आउस.** त्रि० (-आयुष्) ઉત્કૃષ્ટ આયુષ્યવાળો. परम आयुष्यवान्. A person or being of long age; a person or a being living a longest life. भग० ७, ६, —**आणंद.** पु० (-आनन्द) ઉત્કૃષ્ટ સુખ. बहोत आनंद. The highest bliss; greatest happiness नाया० १५; —**आहोहिय.** न० (-अधोऽवधिक) ઉત્કૃષ્ટ અવધિજ્ઞાન વિશેષ. परम अवधिज्ञान विशेष A kind or a class of the highest visual knowledge. भग० ७, ६; १४, १०; १८, ८; —**ओहि.** न० (-अवधि) પરમ અવધિજ્ઞાન. उत्कृष्ट अवधिज्ञान. The highest type of the highest

visual knowledge. प्रव० ७००; —ओहिन्नाण. न० (-अवधिज्ञान) પરમ ઉત્કૃષ્ટ અવધિજ્ઞાન. परमोत्कृष्ट अवधिज्ञान. too high visual knowledge. विशे० ५६८; ६८६; —ओहिअ. न० (-अवाधिक) શ્રેષ્ઠ અવધિજ્ઞાન श्रेष्ठ अवधिज्ञान. the high visual knowledge. भग० १, ४; —किरह. त्रि० (-कृष्ण) બહુ કાલું. बहुत काला. jet-black. भग० १, ५; ६, ५;—(म) ग्गसूर. पुं० (-अग्रशूर) ખાસ-મુખ્ય યોદ્ધો; વીરોનો અગ્રેસર. प्रमुख योद्धा; वीर नायक. the van guard. दस० ६, ३, ८; —तत्त. न० (-तत्व) પરમ તત્વ. परम तत्व. the highest reality. भत्त० ५३; —दंसि. त्रि० (-दर्शिन्) મોક્ષ અથવા મોક્ષનુ કારણ જે સયમ, તેનો જાણનાર-જોનાર मोक्ष का कारण-संयमको जानने तथा देखने वाला (one) who knows " Restraint " which is Salvation or a cause of it. आया० १, ३, २, ११९, —दुच्चर. त्रि० (-दुश्चर) અત્યન્ત કઠિન; દુષ્કર. अत्यन्त कठिन, दुष्कर. very difficult. दस० ६, ५; —दुरभिगंध त्रि० (-दुरभिगंध) અત્યંત દુર્ગન્ધ વાલું अत्यन्त दुर्गन्ध वाला. possessing bad smell दसा० ६, १; —निरुद्ध. त्रि० (-निरुद्ध) પરમ સૂક્ષ્મ; ઝીણામાં ઝીણું. परम सूक्ष्म; अत्यधिक महीन. minutest. तदु० —पय. न० (-पद) પરમપદ, મોક્ષ. मोक्ष; परमपद. salvation. कप्प० ४, १०८; पंचा० ४, २३;—बंभ न०(-ब्रह्मन्) પરમ જ્ઞાન; કેવલ જ્ઞાન; પ્રકૃષ્ટ જ્ઞાન. परम ज्ञान; पूर्ण ज्ञान; प्रकृष्ट ज्ञान. perfect knowledge. चउ० २६; —भूसण. न० (-भूषण) શ્રેષ્ઠ અલંકાર. उत्तमा भूषण; श्रेष्ठ अलंकार-गहना-जेहवर. a high ornament. प्रव०१५६०;—मंत, पुं०(-मन्त्र) શ્રેષ્ઠ મંત્ર. श्रेष्ठ मंत्र. a high charm or incantation. पंचा० ४, २८; —मुत्ति. स्त्री० (-मुक्ति) ઉત્તમ મુક્તિ; શ્રેષ્ઠ મોક્ષ. उत्तम मुक्ति. a high salvation. पंचा०२,४३; —संखिज्ज न० (-संख्येय) ઉત્કૃષ્ટ સંખ્યેય. उत्कृष्ट संख्येय. highest numerable. क० गं० ४, ८०; —सिद्धि. स्त्री० (-सिद्धि) ઉત્તમ મુક્તિ श्रेष्ट मुक्ति. a good emancipation. पंचा०३, १४;—सुह. त्रि० (-शुभ) ઘણું પવિત્ર; મંગલકારી. अति पवित्र; शुभ; कल्याणप्रद; मंगलकारी. very fine; auspicious नाया० ८; —सूइ. त्रि० (-शुचिभूत)અત્યન્ત પવિત્ર થએલ अति पूत; अत्यन्त पवित्र बना हुआ-किया हुआ. very much purified. भग० ६, ३३; ११, ६; नाया० १; ८; १२; १६; विवा० ३; —सोमणस. न० (-सौमनस्य) ચિત્તનું અત્યન્ત શાંતપણું. tranquillity of the mind. कप्प० १, ४; —सोमणसिय. त्रि० (सौमनस्य) ઉત્કૃષ્ટ સૌમનસ્ય; મનની ઉચ્ચ વૃતિવાળું. उत्कृष्ट सौमनस्य; मन की उत्कृष्ट वृत्ति वाला. magnanimous; noble minded. नाया० १,

परमट्ठ. पुं० (परमार्थ) મોક્ષ; મુક્તિ. मोक्ष, मुक्ति. Salvatation; emancipation. भग० २, ५; १५, १; सूय० १, ६, ६; राय० २२५;

परमराण. न० (परमान्न) દૂધપાક. दूधपाक. Milk pudding. भग० १५, १, पचा० १६, १०;

परमत्थ. पुं० (परमार्थ) પરમ તત્વ; જીવાદિ નવ તત્વ. परम तत्व; जीवादि नव तत्व.

The highest reality; the nine principles vz. Jīva etc. पन्न० १; उत्त० २८, २८; गच्छा० ४३; (२) પરમાર્થ; પરોપકાર. परहित; परोपकार. gratitude. सु० च० १, ३७८; —विउ. पु० (-विद्) પંડિત. (તત્વવેત્તા). परिडत (तत्ववेत्ता). learned man. सु० च० १, ३१७; —सेवण. स्त्री० (-सेवना) પરમાર્થસેવના. परमार्थ सेवन. the enjoying of the highest truth. प्रव० ६४२;

परमत्थश्रो. श्र० (परमार्थतस्) વાસ્તવિક રીતે; વસ્તુતઃ; ખરી રીતે. वस्तुतः; वास्तविक रीत्या; सचमुच. Truely speaking; really; as a matter of fact. विशे० ६६; भत्त० ५;

परमप्प. पुं० (परमात्मन्) પરમાત્મા; ઇશ્વર. परमात्मा; ईश्वर. God; Almighty. सु० च० ३, ११;

परमहंस. पुं० (परमहंस-परम. श्रेष्ठः हंसः सोहमित्यात्मागस्यासौ) પરમહંસ; પરિવ્રાજકનો એક પ્રકાર. परमहंस सन्यासी; परिव्राजक विशेष. A great Sanyāsi; a class of ascetics. श्रोव० ३८;

परमाणु. पुं० (परमाणु) બન્ધથી છુટો પડેલો પુદ્ગલનો નિર્વિભાજ્ય અંશ કે જેના બે ભાગ થઈ શકે નહિં તેમ કલ્પી પણ શકાય નહિ, જે અગ્નિથી બળે નહિ, શસ્ત્રથી છેદાય નહિ, તેવો બારીક અંશ. पुद्गलका वह अश जो अविभाज्य है, कल्पनातीत है, अदह्य है, अच्छेद्य है और सूक्ष्मातिसूक्ष्म है. Atom; an indivisible portion of matter which cannot be discerened burned or cut. ठा० १, १; अणुजो० ७४; १३४, उत्त० ३६, १०; भग० १, ९; २, १०; ६, ७; जं० प० —पोग्गल. पुं० (-पुद्गल) પુદ્ગલનો ઘણો સૂક્ષ્મમાં સૂક્ષ્મ ભાગ. पुद्गलका सूक्ष्मातिसूक्ष्म अंश. minutest division of matter. भग० १, १०; १०, १; १२, ४; १६, ८; १८, ६; २०, ५; २५, ४; पन्न० १; राय० २७०;

परमायत. त्रि० (परमायत) પરમ – ઉત્કૃષ્ટ; આયત – દીર્ઘ; પરમાયત–મોક્ષ. परमोत्कृष्ट मुक्ति Highest; salavtion. सूय० १, २, ३, १५;

परमावतीगंगा. स्त्री० (परमावतीगंगा) સાત અવંતી ગંગા પરિમિત એક પરમાવતી ગગા; ગોશાલાની મતે કાલમાન વિશેષ. सात अवन्तीगंगा के परिमाण की एक परमावती गंगा; गोशाला के मतानुसार एक कालमान विशेष. According to Gośālā, a measure of time. भग० १५, १;

परमाहम्म. पुं० (परमाधर्म) પરમાધામી; નારકીને દુઃખ દેનાર. परमाधामी; नारकी को दुःख देने वाला. one of the highest abode; the chastiser of the hell-beings. प्रव० ४१;

परमाहम्मि पुं० (परमाधर्मिक्) પરમાધામી; નારકીને દુઃખ દેનાર દેવતાની એક જાત. नारकी को दुःख देनेवाली देवता की एक जाति. The class of gods who punish the hell-beings. प्रव० १०८८;

परमाहम्मिश्र-य. पुं० (परमाधार्मिक) નારકીના જીવોને શિક્ષા આપનાર એક દેવનાનો વર્ગ; પરમાધામી દેવ. नारकी जीवों को शिक्षा देने वाला देवता का एक वर्ग; परमाधामी देव. A class of gods who punish the hell-beings. उत्त० ३१, १२; सम० १५; श्राव० ४, ७;

परमाहम्मिश्र-य. पुं० (परमधार्मिक—परम सुख तद्धर्मोयस्यस.) પરમ સુખને ચાહનાર. परमानन्दका इच्छुक (one) desirous of bliss. "**सव्वेपाणा परमाहम्मिया**" दस० ४;

परय. अ० (परतस्) બીજાથી; પારકાથી. दूसरे से; परायेसे From another "**अहो ठविज्जंति सय परय सद्दा**" प्रव० १२०३,

परलोइअ. त्रि० (परलोकस्येदम्-पारलौकिक) પરલોકસમ્બન્ધી, પારલૌકિક. पारलौकिक, परलोकविषयक Pertaining to the other worlds. आया० २, ११, १७०; सम० ६; दसा० ६, २७,

परलोग. पुं० (परलोक) પરલોક, આવતો ભવ. परलोक, आनेवाला जन्म-भव The other world; the coming life. पिं० नि० २६५; कप्प० ५, ११८, भत्त० १०५, उवा० १, ५७, —**अट्ठया.** स्त्री० (-अर्थता) પરલોકની અપેક્ષા. परलोककी अपेक्षा. Expectation of the other world. दस० ६, ४, २-३, —**पडिबद्ध.** त्रि० (-प्रतिबद्ध) પરલોકના ભોગ વગેરેમાં ગુથાયેલ. परलोकके उपभोगमें तल्लीन (one) entangled in the enjoyments of the other worlds ठा० ४, ४, —**भश्र.** न० (-भय) પરજાતિ-તિર્યંચ દેવ વગેરેથી ઉપજતું ભય परजातितिर्यञ्च, देव आदिसे (के कारण) होनेवाला भय-डर Fear produced by another class of animals, gods etc. सम० ७, ठा० ७, १,

परलोय. पुं० (परश्चासौलोकश्च-परलोक) પરલોક,-જન્માન્તર. परलोक-परभ-जन्मान्तर The other world; another life. दसा० ६, ३, नाया० १; २; ७, १५; १६, भग० २, १, प्रव० ५२; २६६; पचा० १, २; —**आसंसा.** स्त्री० (-आशंसा) પરલોકની આશા. परलोककी आशा. Hope of the other worlds. प्रव० २६६; —**गइ.** स्त्री० (-गति) પરલોક જવું તે. परलोकगमन-गति To reach the other worlds. प्रव०५२; —**हिय.** न० (-हित) પરલોકનુ હિત કરનાર. परलोकका हितावह Beneficial for the other world. पंचा० १, २;

परवग्घ. पुं० (परव्याघ्र) મ્હોટા વાઘના ચામડાનુ બનેલ વસ્ત્ર વિશેષ. बडे वाघके चर्मसे बनाहुआ वस्त्र विशेष A particular garment made from the skin of a big tiger निसी० ७, ११;

परसंतग. त्रि० (परसत्क) જુઓ "પરસતિઅ" ३७८. देखो "परसतिअ" vide "परसतिअ" पराह० १, ३;

परसंतिअ. त्रि० (परसत्क) પારકુ; બીજાનુ. पराया, दूसरेका. Another's पिं० नि० ३७८,

परसु. पुं० (परशु) કુહાડો: ફરશી નામનુ હથીયાર. कुल्हाड़ी, परसा, पशु, शस्त्रो विशेष An axe; hatchet. नाया० १, १८, उत्त० १६, ६७, अणुजो० १४८, भग० ६, ३३, १६, ४; राय० २६३. —**ग्गाह.** त्रि० (-ग्राह) ફરસી લઇને ચાલનાર. परशुधर (one) walking with an axe. ज० प० ३, ६७, —**नियत्त.** त्रि० (-निवृत्त) કુહાડેથી કાપેલુ कुल्हाडीसे काटा हुआ Cut by an axe. विवा० २; —**हत्थ.** त्रि० (-हस्त) કુહાડો છે હાથમાં જેને એવુ परशुधर, कुल्हाड़ी वाला. (One) having an axe in his hand. निर० १, १,

परस्सर. पुं० (पराशर) ગેંડુ, પંચેંદ્રિય તિર્યંચની એક જાત. गैंडा. पचेन्द्रिय तिर्यचकी एक जाति. Rhinoceros, a kind of five sensed living beings. जीवा० ३, ३; भग० ७, ६; पन्न० १, ११;

परहत्थ. पुं० (परहस्त) પારકો-બીજાનો હાથ. पराया हाथ; दूसरेका हाथ. Other's hand. भग० ३, ३; **—पाणाइवाय.** पुं० (-प्राणातिपात) પારકાને હાથે પોતાની અથવા પારકાની હિંસા કરવી તે. दूसरेके हाथसे अपनी या दूसरेकी हिंसा करनेका कार्य. Killing of one's self or other by the hands of another person. ठा० २, १;

परहम्मिय. पुं० (परमाधार्मिक) અંબ, અંબરીસ, વગેરે પન્દર જાતના પરમાધામી દેવતા. अम्ब; अम्बरीस आदि पन्द्रह जाति के परमाधर्मी देवता. The gods of fifteen kinds named Amba, Ambarīsa etc. सूय० १, ५, १, ६;

परहुत. पुं० (परभृत) કોયલ कोकिल, कोयल Cuckoo कप्प० ४६, ०;

परहुय-अ. पुं० (परभृत) કોયલ. कोकिल, Cuckoo नाया० १; जं० प० ३, ४५;

√**परा-अय.** धा० (परा+अय्) દોડીને ભાગી જવું; પલાયન. दौड़कर भाग जाना; पलायन करना. To run away.

पलायइ. उत्त० २७, ७;

पलाएउ. हे कृ सु० च० २, ५४७,

पलायमाण. व कृ भग० ३, २;

पराइअ. त्रि० (पराजित) પરાજય પામેલ; હારેલ. पराजित, विजित. Defeated. उत्त० ३२, १२; ओव०

पराघाय-अ. पुं० (पराघात) વાસના વિશેષ वासना विशेष A particular inclination. विशे० ३५१, (२) નામ કર્મની એક પ્રકૃતિ કે જેના ઉદયથી જીવ પોતે આઘાત ન પામે અને બીજા તેને જોતાંવેત જ દબાઇ જાય તે. नाम कर्मकी एक प्रकृति जिसके उदयसे जीव स्वयतो घातको प्राप्त नहीं परन्तु दुसरेके देखते ही दवजाय-सहमाजोंय. A variety of Nāmakarma at whose appearance a life becomes inuvulnerable and the others become submissive to it at its mere sight. पन्न० २३, **—नाम** न० (-नामन्) પરાઘાત નામે નામકર્મની એક પ્રકૃતિ. पराघात नामक नामकर्मकी एक प्रकृति A variety of Nāmakarma named Parāghata. सम० २८;

√**परा-जय.** धा० १. (परा+जि) પરાજય કરવો-હરાવવું. हराना, पराजित करना. To defeat.

पराजइत्था. भग० ७, ६;

पराइज्जइ. क. वा. भग० १, ८,

पराजयित्तए हे. कृ भग० ७, ६;

पराजिणित्तार. त्रि० (पराजेतृ) પરાજય કરનાર. पराजय करनेवाला; विजेता. Victor. ठा. ४,२;

पराजिय-अ. त्रि० (पराजित) હારેલુ. पराजित; हाराहुआ. Defeated. उत्त० १३, १; भग० १६, ६;

पराभव. पुं० (पराभव) પરાભવ; પરાજય, તિરસ્કાર. पराभव, अपमान, तिरस्कार, Defeat, insult. विवा० १;

पराभिओगत्तण. न० (पराभियोगत्व) પરતંત્રપણું. परतन्त्रता Dependence सत्था० ६५;

पराभूअ. त्रि० (पराभूत) પરાભવ પામેલ. पराभवप्राप्त, विजित Defeated. नाया० १८,

परामुट्ठ. त्रि० (परामृष्ट) પરામર્શ કરેલ. (२) સ્પર્શ કરેલ. परामर्श किया हुआ, स्पर्श किया हुआ Considered; touched. पण्ह० १, ३;

√**परा-मुस.** धा० (परा+मृश्) સ્પર્શ કરવો. स्पर्श करना, छुना. To touch.

परामुसइ. भग० ३, २, ५, ६; ७, ६; १५, १, १८, १;

परामुसंति. भग० १५, १, नाया० २; १६; १८; विवा० १, जं० प० ३, ४३;

परामुसेज्जा. वि० दसा० ७, १, वेय० ५, १३.
परामुसइत्ता. स. कृ भग. ३, २, ७, ६; १८, ३, नाया० १६; १८,
परामुसिय. स कृ. भग० ५, ४,

परायग. त्रि० (परकीय) પરાયું; બીજાનુ, પારકુ पराया; दूसरेका, अन्यका, परकीय Another's; belonging to the other person, stranger's. भग० ८, ३; ४,

परायग. त्रि० (परायण) તત્પર; સાવધાન तत्पर, तैयार, सावधान Ready; Cautious. पराह० १, ३, नाया० २, क० ग० १, ६१;

√ **परा-वत्त.** धा० (परा+वृत्) પાછું વળવું. पीछे लौटना To turn back.
परावत्तेइ-ति. भग० ७, ६, ६, ३१; जं० प०; राय० २३६;
परावत्तेहि. आ० राय० २३६;

परासर. पु० (पराशर) પરાશર નામના બ્રાહ્મણ સંન્યાસી. पराशर नामक ब्राह्मण सन्यासी A Brahmana Sānyasi of this name. ओव० ३८, भग० ३, ५,

परिअच्छिय. त्रि० (परिकच्छित) પ્હેરેલ, ધારણ કરેલ. पहिनाहुआ, धारणकियाहुआ. Worn; put on. जं० प० ५, ११७,

परिअट्टअ. त्रि० (परिवर्तक) પ્રવર્તક; અગ્રેસર. प्रवर्तक, अग्रेसर, अगुआ, जन्मदाता. A guide, fore-runner ओव० १०;

परिअट्टणा. स्त्री० (परिवर्तन) સૂત્રાર્થનુ પર્યાલોચન કરવું, ચર્ચા કરવી. सूत्रार्थका पर्यालोचन करना, चोलणा प्रचोलणा-चर्चा करना To discuss or examine the meaning of Sūtras ओव० २०; अणुजो० १३,

परिअडण न० (पर्यटन) પરિભ્રમણ; રખડપટી. परिभ्रमण, भटकना Wandering भत्त ६६;

परिअरबंध. पु० (परिकरबन्ध) કમ્મર કસીને બાંધવી, લગોટી વાળવી, કચ્છોટો બાધવો વગેરે. कमरको कस कर बांधना, लंगोट कसना, कच्छ बांधना. Girding fast the waist; to fasten a piece of cloth across the private parts. अणुजो० १३१;

परिआअंतगडभूमि. स्त्री० (पर्यायान्तकृद्भूमि) તીર્થંકરની કેવલિ અવસ્થા દરમ્યાન અતગડ-મોક્ષ ગામી જીવોની પરંપરાની મર્યાદા. तिर्थंकरकी केवली अवस्थाके मध्य अंतगड मोक्ष गामी जीवोंकी पारम्परिक मर्यादा A limit of serial of order of lives which attain Amtagada Salvation during the interval in which a Tīrthamkara reaches the perfect state. जं० प०

परिआइत्ता. स० कृ० अ० (पर्यादाय-स्वीकृत्य) સ્વીકારીને; ગ્રહણ કરીને. स्वीकार करके, ग्रहण करके. Having accepted or received ठा० ३, १, भग० ३, ४, ६, ६,

परिआग. पु० (पर्याय) અવસ્થા, દશા. अवस्था, दशा. State; Condition. जं० प०

√ **परि-आ-दा** धा० (परि+आ+दा) ગ્રહણ કરવુ, લેવું ग्रहण करना, स्वीकारना To accept.
परियाइयइ भग० ३, १; ७, १;
परियापति. राय० २६,
परियादियइ. भग० १५, १, जं० प० ३, ५०;
परियादियंति. भग० ११, १२, २५, २; जं प० ३, ६८,
परियादियइत्ता. स० कृ० भग० २४, १;
परियादियंतित्ता. सं० कृ० भग० ११, १२;
परियाइत्ता. स० कृ० भग० ३, ४; ६, ६; ७, ६; १४, ५; १६, ५; २५, २; पन्न० १६;
परियाएत्तए हे० कृ० नाया० ६; भग० १६, ५,

√ **परि-आ-पज्ज.** धा० (परि+आ+पद्) મૂર્ચ્છા પામવી; બેભાન થવું. (૨) પરિણમાવવું; રૂપાન્તર કરવું. (૩) પડવું. (૪) અંદર પેસવું. (૫) પીડા થવી. (૬) નાશ પામવું मूर्च्छित होना, बेहोश होना. (२) परिणमित होना; रूपान्तर करना. (३) अन्दर घुसना. (४) पीडा होना; नाश पाना. To faint; to become senseless; to transform; to fall; to force inside.

परियावज्जंति. आया० १, १, ४, ३७;
परियावज्जेज्ज. वि० अणुजो० १३४,
परियावज्जेज्जा वि० भग० ५, ७, १८, ८, वेय० ५, १२; ६, ३;
परियावज्ज. वि० दसा० ७, १;
परियाविज्जमाण. व. कृ. सूय० २, १, ८८;

परिआय. पु० (पर्याय) પ્રવ્રજ્યા આદિ અવસ્થા. प्रवज्या आदि अवस्था. The state of asceticism etc. जं० प० २, ३१, ओव० १४; नदी० ५०;—**जिट्ठ** त्रि० (-ज्येष्ठ) દીક્ષામાં જ્યેષ્ઠ-મ્હોટો. दीक्षा क्रमसे ज्येष्ठ. Older in concecration. दस० ६, ३, ३; —**ठाण.** न० (-स्थान) સર્વ વિરતિ રૂપ દીક્ષાનુ સ્થાન. सर्व विरति रूप दीक्षाका स्थान The Sthāna of concecration in form of renunciation of all. दस० ८, ६१;

परिआल. पुं० (परिवार) પરિવાર, દાસદાસી અને સમ્બન્ધિજન. परिवार, दासदासी और सम्बन्धीवर्ग. Family; retinue. जं० प० ५, ११५; ओव० ३३;

परिआवण. न० (परितापन) દુઃખ ઉપજાવવું. दुःख उपजाना, दुःख पैदा करना Producing pain गच्छा० ८१;

√ **परि-आ-सव** धा० (परि+आ+स्रु) રાતવાસી રાખવું. रातवासी रखना. A thing kept overnight. **परियासवेइ.** निसी० ११, २७,

√ **परि-इ.** धा० (परि+इण्) ભમવું; ફરવું. भ्रमण करना; घूमना, फिरना. To revolve; to turn. **परियंति.** उत्त० २७, १३;

√ **परि-इक्ख.** धा० (परि+ईक्ष्) ચારે તરફ જોવું, પરીક્ષા કરવી. चारों ओर देखना, परीक्षा करना. To look on all sides; to test **परिक्खेइ.** सु० च० ६, २६;
परिक्खए. गच्छा० ८,

परिउड. त्रि० (परिवृत) ઘેરાએલું; વીંટાએલું. घिराहुआ; परिवृत; परिवेष्टित. surrounded; wound. निर० १, १;

√ **परि-उव-आस.** धा० I. II. (परि+उप+आस्) ઉપાસના કરવી; સેવા કરવી. उपासना करना, सेवा करना. To meditate, to serve.
पज्जुवासेइ. भग० ३, १, ७, १०; सु० च० ११, ४३;
पज्जुवासइ-ति. राय० ७४; नाया० १; ५, १३; १६; १६; उवा० १, ६; ५६; २, ११६; जं० प० ५, ११८,
पज्जुवासंति. ओव० २२; नाया० ८; ६; १६;
पज्जुवासिंति. सु० च० २, ६००;
पज्जुवासामि. नाया० १४;
पज्जुवासामो. भग० २, १; ५; ३, १; नाया० १३; राय० ३०;
पज्जुवासेज्ज. जं० प० २, ३१;
पज्जुवासेज्जा. वि० भग० १२, ६, वव० १०, १; राय० २७,
पज्जुवासेहि. आ० नाया० १४;
पज्जुवासित्ता. सं० कृ० भग० २, १;
पज्जुवासेत्ता. सं० कृ० भग० २, १, ५, ६; ठा० ३, १;
पज्जुवासित्तए. हे० कृ० ओव० ४०; नाया० ध०
पज्जुवासमाण. व० कृ० भग० १, १, २, १; ५; ३, १; ६, १, १०, ४; नाया० १; ६;

परिएस. पु० (परिवेष) મણ્ડલ, સૂર્ય કે ચંદ્રને ફરતુ કુંડાળુ થાય તે. मण्डल; सूर्य या चंद्रके चारों ओर दिखाई पडनेवाला मण्डल. a circular disc; a round moving halo surrounding the Sun or Moon. जीवा० ३, ४,

परिएसिज्जमाण. त्रि० (परिवेष्यमान) પીરસવામાં આવતું परोसनमें आनेवाला; परोसा जानेवाला. That which is served. आया० २, १, २, १०;

√ **परि-ओ-सव.** धा० (प्रति+अव+वस्) પર્યુષણ કલ્પનું આચરવું. पर्युषण कल्प का आचरण करना To observe the religious days known as Paryusana

पज्जोसवेइ. निसी० १०, ४८;

पज्जोसवित्तए हे० कृ० वेय० ५, ४२;

परि-कंख. धा० (परि+कांक्षा) ઇચ્છવુ (२) રાહ જોવી. इच्छा करना; बाट जोहना to desire; to expect; to await.

परिकंखए. उत्त० ७, २,

परिकच्छिय. त्रि० (परिकच्छित) પહેરેલું, ધારણ કરેલું पहिना हुआ; धारणकिया हुआ worn; put on. राय० ७०;

परिकट्टिय. त्रि० (परिकर्षित) પિંડો કરેલ. पिंडित, चिटीया हुआ. Forming a lump; vexed. २३६;

परिकत्थ. धा० (परि+कथ्) આત્મશ્લાઘા કરવી आत्म प्रशसा करना. To praise oneself.

परिकत्थइ. दसा० ६, २२,

√ **परि-कप्प.** धा० (परि+क्लृप्) સજ્જ કરવું; સન્નદ્ધ-તૈયાર કરવું. सजाना, सन्नद्ध-तैयार करना. To make ready; to prepare.

परिकप्पेइ. भा० नाया० १;

परिकप्पिय. त्रि० (परिकल्पित) તૈયાર કરેલું; શણગારેલું, જોડેલું. (२) કાપેલું. तैयार किया हुआ, शृंगारित; जोड़ाहुआ; (२) काटाहुआ Prepared; adorned; joined, cut. पण्ह० १, ३,

परिकम्म न० (परिकर्मन्) અંગ સંસ્કાર, શરીર સુશ્રૂષા, अग सरकार-सुधार, शरीर सुश्रूषा Nursing of the body, (२) વસ્તુ સંસ્કાર; વસ્તુમાં કંઇપણ વિશેષતા ઉત્પન્ન કરવી તે (२) वस्तु संस्कार, पदार्थमें कुछतोभी विशेषता का उत्पन्न करना. refining an object, creating some speciality in an object. अणुजो० ६१, विशे० ६२३; ओघ० नि० ३२७, सत्था० १०६, सूय० १, ३, २, ७, ओव० प्रव० ६३१; (३) રોગનો ઉપાય, ચિકિત્સા. (३) रोगका उपाय, चिकित्सा healing, curing. उत्त० १६, ७७, (४) બારમા દૃષ્ટિવાદ અંગના પાંચ વિભાગમાંનો પ્રથમ વિભાગ કે જે બીજા ચાર વિભાગ ભણવાની લાયકાત ઉત્પન્ન કરે છે. (४) बारहवें द्रष्टिवाद अगके पांच विभागोंमें से प्रथम विभाग-जो अन्य चार विभागका अध्ययन करनेके योग्य बनाता है 1st division of the five divisions of the twelfth Drstiāvda Amga, a study of which produces fitness. सम० १२; ठा० ४, १, नंदी० ५६; महा प० ६४,

—विशोधि स्त्री० (विशोधि) પરિકર્મ-શરીર શુશ્રૂષા રૂપ શુદ્ધિ परिकर्म शुद्धि, शरीर शुश्रूषारूप शुद्धि. Purity in the form of nursing of the body. ठा० ५, ३;

परिकम्मिय. त्रि० (परिकर्मित) શરીર સસ્કાર કરેલ शारीरिक सरकार किया हुआ One having ordinary accompaniments. विशे० १६६,

परिकर. पु० (परिकर) ભેઠ-કેડ બાંધવી તે. कमरबांधना; कटीबद्ध होना Girding. ज० ५०

परिकलिय त्रि० (परिकलित) અલંકૃત. अलकृत, सजायाहुआ Adorned. नाया० ८; १६;

√**परि-कह**. धा० (परि+कथ्) કહેવું, બોલવું. कहना, बोलना. To speak; to tell.
परिकहेइ ओव० ३४; भग० २, १; १६, ५; नाया० ५; ८; ९; १२; १४; १६; १९; उवा० ७, २०३;
परिकहेंति. भग० २, ५;
परिकहेहि. आ० भग० १५, १;
परिकहित्तए. हे० कृ० भग० ५, ८;
परिकहंत व कृ सु० च० ८, १३५;
परिकहिज्जामो. क० वा. नाया० १४;

परिकहा. स्त्री० (परिकथा) વિકથા. विकथा; कल्पित गोष्टी. a fiction पिं० नि० १२६;

परिकहिय. त्रि० (परिकथित) કહેલું कथित, कहाहुआ. Said. भग० १५, १;

परिकिराण त्रि० (परिकीर्ण) ચારે બાજુથી ઘેરાએલ; વ્યાપ્ત चारों ओरसे व्याप्त; चारों वाजूसे घिरा हुआ Surrounded on all sides; occupied. "चेइया चक्कवाल परिकिराणा" उवा० ७, २०८; उत्त० ११, १८, नाया० ८, नाया० ध०

परिकिलंत. त्रि० (परिक्लान्त) ગ્લાનિ પામેલ; થાકી ગએલું. थकाहुआ; परिक्लान्त. Exhausted; tired. राय० २५८,

√**परि-किलेस**. धा० १ (परि+क्लिश्) દુઃખ પામવું. दुःख पाना; To suffer pain
परिकिलेसति ठा० १, १;
परिकिलेसंति. ओव० ३८
परिकिलिस्संति. ओव० ३४, राय० २३९.
परिकिलेसइत्ता सं कृ भग० १, १;

परिकिलेस. पु० (परिक्लेश) ક્લેશ પામવો; દુઃખ પામવુ તે. क्लेश पाना; दुःख सहना. Suffering misery or pain. सूय० २, २, ६२; उत्त० ११, १८; नाया० ८; नाया० ध० भग० ९, ३३; दसा० ६, १४;

परिकुंठिय त्रि० (परिकुण्ठित) થાકી ગયેલ બુદ્ધિવાળો. कुण्ठित-शिथिल-बुद्धिवाला. one whose intelligence is exhausted विशे० १८३;

परिकुविय. पु० (परिकुपित) કોપેલું. क्रोधित, गुस्सेसे भराहुआ. enraged. भग० ७, ९; नाया० ८, ९;

परिकन्त. त्रि० (परिक्रान्त) સંયમ સંબંધી પરાક્રમ-ઉદ્યમ-કરેલ. संयम सम्बन्धी पराक्रम कियाहुआ Prowess concerning restraint. सूय० १, ३, ४, १५;

√**परि-क्कम** धा० (परि+क्रम्) પરાક્રમ કરવું. (२)પાછા હઠવું. (३) પર્યટન કરવુ. पराक्रम करना. (२) पीछे हटना. (३) पर्यटन-भ्रमण करना. To show valour: to recede; to roam.
परिक्कमे. वि दस० ५, १, ७; ८१;
परिक्कमिज्जासि. आ. आया० १, २, ६, ९८;
परिक्कम्म. स० कृ० सूय० १, ४, १, २;
परिक्कममाण. व० कृ० भग० ७, १;
परिक्कमंत. व. कृ. आया० १, ६, ३, १८५;

परिक्कम. पु० (परिक्रम) ફલોત્પાદક પુરૂષાર્થ; પરાક્રમ. फलोत्पादक-सफल-पुरुषार्थ. valour; prowess ओव० ३८,

परिक्कामिज्जमाण. त्रि० (परिक्राम्यमाण) વારવાર કરાતુ. वारवार किया जानेवाला. Frequently done भग० ६, ३;

परिक्कमियव्व. त्रि० (परिक्रमितव्य) પુરૂષાર્થ કરવો. पुरुषार्थ करना, पराकमं प्रकट करना. fit for displaying valour. नाया० १; ५;

परिक्कमिय. त्रि० (परिक्रमित) પરાક્રમ કરેલું. कृतपराक्रम, कृतपुरुषार्थ. valour being dispayled. भग० ११, ११;

परिक्खण. न० (परीक्षण) પરીક્ષા કરવી; બારીકાઇથી જોવું. परीक्षा करना; देखना. Examination; noticing. प्रव० ४४०;

—श्रट्ठ न० (–अर्थ) પરીક્ષા માટે. परीक्षार्थ, जॉचकेलिए For examination. नाया० ७,

परिक्खभासि. त्रि० (परीक्ष्यभाषिन्) વિચારીને બોલનાર. विचारपूर्वक बोलनेवाला. one who speaks after thinking दस० ७, ५७,

परिक्खय. पु० (परिक्षय) સર્વ પ્રકારે ક્ષય सर्वथा क्षय, हरतरहसे पतन Decay in all manner. भग० ७, १;

परिक्खा स्त्री० (परीक्षा) તપાસ परीक्षा; जॉच. Examination, enquiry. पचा १४, ४२;

परिक्खित्त. त्रि० (परिक्षिप्त) ઘેરાયલું, વિંટાયેલું घिराहुआ, परिवृत्त. wound; circumscribed. ओव० २७, भग० ७, ६; ६, ३३; नाया० १; ३; ५, १६; १८; अंत० ३, १; राय० ४४; १२८, २१३; जं० प० ५, ११५, निर० १, १; विवा० ६, उवा० १, १०; २, ११६;

√परि-क्खिव. धा० (परि+क्षिप्) ફેંકવું, ફેંકીદેવું फेंकना. To throw away. **परिक्खिवेज्जा.** वि० भग० ७, १, जीवा० ३, १;

परिक्खेयव्व. त्रि० (परीक्षितव्य) પરીક્ષા કરવા યોગ્ય. परीक्षा करनेके योग्य. Fit for examination. प्रव० १३४५,

परिक्खेव पु० (परिक्षेप) પરિધિ, ઘેરાવો. (२) નગરને ફરતી ખાઈ. परिधि, घेरा, (२) नगरके चारों ओरकी खाई Circumference, a ditch surrounding the city. जं० प० १३०; ७, १३२, १३५; १४७, १, ११, अणुजो० १३३; ठा० १, १, भग० २, १-३-६, ६, ५, ६, ३; १६, ८, २०, ६, नाया० ६; सू० प० १, १६; पन्न० २, जीवा० ३, २; जं० प०

परिक्खेवि त्रि० (परिक्षेपिन्) ગુર્વાદિકનો તિરસ્કાર કરનાર गुरु आदिका तिरस्कार करनेवाला. One who insults preceptor etc उत्त० ११, ८;

परिखा स्त्री० (परिखा) ખાઈ. खाई a moat, ditch भग० ५, ७;

परिगय-अ. त्रि० (परिगत व्याप्त. व्याप्त, व्यस्त. Occupied. ओव०; भग० ८, २, ६, ३३, १५, १, नाया० १, ५; उवा० ७, १६०,

परिगलण. न० (परिगालन) પાણી-દુધ-વગેરે ગળવું તે पानी-दुध आदिका घूर्ना-गलना. straining of water, milk etc. पण्ह० १, १,

परिगायमाण त्रि० (परिगायमान) ગાન કરતુ. गातेहुए, गाता हुआ. Singing जं० प० ५, ११२; ११३;

√परि-गिराह. धा० (परि+ग्रह्) લેવુ, ગ્રહણ કરવું. लेना, ग्रहण करना. To accept, to receive.

परिगिराहइ नाया० १; १३,

परिगिरिहत्ता. नाया० १;

परिगिज्झ स० कृ० सूय० १, १, २, १, उत्त० १, ४३; आया० १, २, ३, ८०, दस० ८, ३३, ६, ३, २· सु० च० २, ३;

परिगिज्झमाण. व० कृ० नाया० १,

परिगीयमाण. व० कृ० त्रि० (परिगीयमान) હમેશાં ગવાતુ सदा गाया जानेवाला Sung often नाया० १,

परिगुणण. न० (परिगुणन) સ્વાધ્યાય, શાસ્ત્ર વિચાર स्वाध्याय, शास्त्रविचार Religious study. ओघ० नि० भा० ६२,

परिग्गह पु० (परिग्रह) જમીન, ઘરબાર, સોનું, રૂપુ વગેરે દ્રવ્ય ઉપર આસક્તિ-મુર્ચ્છા, પાંચમુ પાપ સ્થાનક जर जमीन विषयक आशक्ति, पाचवा पाप स्थानक attachment to mammon, the fifth Pāpasthānaka जं० प० २, २५, ठा० १, १, ओव० ३४, भग० १, ६-६, ७,

१-२; १८, ७; नाया० १; ५; १३; सम० ४; उत्त० २, १६; ३२, २८; आया० १, २, ५, ८८; १, ३, २, ११३; १, ६, ४, १६३; ओघ० नि० ७८७, दस० ४; ६, २१; पन्न० २२; —वेरमण. न० (-विरमण) પરિગ્રહની નિવૃત્તિ. परिग्रहकी निवृत्ति. The end of Parigraha. ठा० १, १;—सराणा. स्त्री० (-सञ्ज्ञा) પરિગ્રહની અભિલાષા; તૃષ્ણા, ધનની વાસના; ચાર સંજ્ઞામાંની એક. परिग्रहकी अभिलाषा; धन लालसा, चार सञ्ज्ञाओंमेंसे एक A desire for Parigraha; a desire for wealth; One of the four desires. ठा० ४, ४; भग० ७, ८; ११, १; १२, ५; २०, ७; २४, १; २६, १; पन्न० ८, —सन्ना. स्त्री० (-संज्ञा) પરિગ્રહ સંજ્ઞા. परिग्रह संज्ञा. The name of Parigraha आव० ४, ७,

परिग्गहिय-अ. त्रि० (परिगृहीत) સ્વીકારેલ; ગ્રહણ કરેલ स्वीकृत; गृहीत. Accepted. जं० प० ५, ११२; ११५; १२१; ओव० ११; ३०, आया० १, ७, ४, २११, अणुत्त० ३, १; दसा० १०, १; भग० २, १; ३, १; ५, ७, ७, ६; ११, ११; नाया० १, ५; ८; १३; १४; १६; पन्न० ४; राय० २८, ४४; उवा० १, ४८, विवा० ३; आव० ४, ५;—तालियंट. त्रि० (-तालवृन्त) જેણે પંખો ગ્રહણ કર્યો છે તે. पखा लियाहुआ; वह जिसने पखा लेरखाहै One who has taken a fan. दसा० १०, ३;

परिग्गहिया. स्त्री० (पारिग्रहिकी) પરિગ્રહની ક્રિયા· પરિગ્રહ રાખવાથી લાગતી ક્રિયા. परिग्रह रखनेकेकारण लगनेवाली क्रिया. The Act of Parigraha; an action accruing through Parigraha. ठा० ४, ४; भग० १, २; ५, ६; पन्न० १७,

√परि-घट्ट. धा० (परि+घट्ट) ચેષ્ટા કરવી. चेष्टा करना; हलचल करना To move. परिघट्टेइ क० वा० निसी० १, ४०; जं० प० ५, ११७;

परिघट्ठ. त्रि० (परिघृष्ट) ખૂબ ઘસેલું; खूब घिसा हुआ-अतिमर्दित, Well rubbed. राय० ६६;

परिघासिय. त्रि० (परिग्रसित) ખરડાયલું; લેપાયલું लिपटाहुआ; लगाहुआ;. Rubbed; smeared आया० २, १, १, १;

परिघासेउं. हे० कृ० अ० (परिघासयितुम्) ખવરાવવાને; ભોજન કરાવવાને. भोजन करानेके लिए; खिलानेके लिए. For causing to eat. आया० १, ७, २, २०३;

परिघित्तव्व. त्रि० (परिगृहीतव्य) પોતાનું કરી રાખવું; તાબામાં રાખવું. स्वाधीन रखना; स्वाधिकारमें रखना. making one's own; controling. आया० १, ४, १, १२६,

परिघोलेमाण. व० कृ० त्रि० (परिघूर्णत्) ફરતું; ભ્રમણ કરતુ फिरता हुआ, भ्रमण करता हुआ moving; turning. नंदी० ८६; नाया० ४,

√परि-चर. धा० (परि+चर्) સંચાર કરવો. संचार करना; घूमना. To roam.

परिचरइ. सू० प० १;

परियारेइ. प्रे० ठा० २, २; दसा० १०, ६;

परियारेमाण. भग० ३, १; १२, ६;

परिचारग. त्रि० (परिचारक) વ્યભિચારી. व्यभिचारी Adulterous. पगह० १, २;

परिचारणा स्त्री० (परिचारणा) પ્રજ્ઞાપના સૂત્રના એક પદનું નામ. प्रज्ञापना सूत्रके एक पदका नाम. The name of a verse in the Pragnapanā Sūtra. भग० १३, ३;

परिचिंतिउं हे० कृ० अ० (परिचिन्तयितुम्) વિચારવાને. विचार करनेके लिए. For considering. सु० च० १, ५१;

परिचिय त्रि० (परिचित) પરિચય-સમાગમમાં આવેલ; ઓળખિતું. परिचित, जानपहिचानवाला.

acquainted; known. पण्ह० १, ४, विशे० १६८; सु० च० १, १११; —सुस्र. त्रि०(-श्रुत) सर्व सूत्रने जाणनार सब सूत्रों का ज्ञाता. One who knows all Sūtras दसा० ४, १५;

√परिचुंब. धा. I. (परि+चुम्ब्) चुम्बन करवु. चूमना, चुम्बन करना To kiss

परिचुंबेज्ज वि० निसी० ७, ३१;

परिचुंबिज्जमाण. क० वा० व० कृ० राय० २८६;

परिच्चत्त. त्रि० (परित्यक्त) तजेलुं; छोडेलुं त्यक्त, छोड़ा हुआ, तजा हुआ. abandoned; released. ओव० ३८, उत्त० १४, ३८; सु० च० १, ५५; पंचा० ११, १४, विशे० २३८३, —संग. त्रि० (-सङ्ग) जेणे संग तज्यो छे ते निरासक्त; निःसंग One who has abandoned attachment भत्त० १२८;

√परिच्चय. धा० I. (परि+त्यज्) तजी देवु छोड़ देना. To abandon

परिच्चयइ. उत्त० ६, ३; नाया० ८;

परिच्चयसि उवा० ४, १४८,

परिच्चत्तए हे० कृ० नाया० ८;

परिच्चज्ज स० कृ० उत्त० १७, १८;

परिच्चयमाण व० कृ० भग० ७, ७,

परिच्चाइ त्रि० (परित्यागिन्) त्याग करनार. त्याग करनेवाला, छोड़नेवाला One who abandons. उत्त० १७, १७,

परिच्चाय-अ. पु० (परित्याग) त्याग; परिहार त्याग; परिहार. abandoning. नंदी० ५०, उत्त० २६, २; सम० ६; अणुजो० १३०, प्रव० ७६०, पचा० १८, ३२,

परिच्छअ. पु० (परीक्षक) परीक्षा करनार; कुशल. परीक्षक; कुशल. Examiner; skilful. ज० प०

परिच्छण्ण. त्रि० (परिच्छन्न) ढंकायलु. ढका-हुआ. Covered. नाया० १;

परिच्छा. स्त्री० (परीक्षा) विचारणा, परीक्षा करवी. विचारणा; परीक्षा करना. Examination, test ओघ० नि० भा० ३१, विशे० ८४८,

परिच्छिदिउं. हे० कृ० अ० (परिच्छेत्तुम्) कापवाने. काटनेके लिए, छेदनार्थ. To cut off सु० च० १ ३५३;

परिच्छेअ. त्रि० (परिच्छेक) लघु; ना ; हलकुं. छोटा, हलका; क्षुद्र, लघु. Small; light ओव० ३०,

परिच्छेज्ज. त्रि० (परिच्छेद्य) परखीने वेचाय तेवु. परीक्षा करनेके बाद वेचने योग्य. That which can be sold after scrutiny. विवा० २,

परिच्छेय. पु० (परिच्छेद) जुदु पाडवुं (२) निर्णय. अलग करना, जुदा-पृथक् करना. (२) निर्णय. separation; conclusion. विशे० १८५२;

परिजण. पु० (परिजन) सम्बन्धि माणसो, परिवार; नोकर-दास, दासी वगेरे सम्बन्धी वर्ग; परिवार, दासदासी वगैरा. Relatives, members of a family भग० ६, ३३; १८, २, ओव० ४०, नाया० १, ४; ७, ६, १४, दसा० ४, १०४, उवा० १, ८; वेय० २, १६;

परिजविय. स० कृ० अ० (परियाप्य) पृथक्-जुदु करीने पृथक् करके, अलग-अलग करके. Having separated. सूय० २, २, ४०; निसी० ३, ६;

√परिजाण. धा० I. II. (परि+ज्ञा) जाणवु; समजवुं. जानना, समझना. To know, to understand.

परियाणाइ. नाया० १२, १४, भग० ३, १; उवा० ८, २४७,

परियाणेइ. नाया० १,

परिजाणइ. नाया० ५, १६; भग० ६, ३३; राय० ७८; २२७, उवा० ७, २१५; विवा० ६;
परिजाणेइ. नाया० १,
परियाणंति. नाया० १, ६; १४, भग० ३, २;
परिजाणंति. नाया० १; २;
परिजाणामि. भग० १५, १; सहा० १० १०;
परिजाणाहि आ० नाया० १४;
परिजाणह. आ० नाया० १,
परियाणह भग० ३, १; नाया० ६;
परिजाणिया. स० कृ०-सूय० १, १, १, १;

परिजाण न० (परिज्ञान) જાણવું તે, સંપૂર્ણ માહિતી મેળવવી તે. ज्ञान प्राप्त, सम्पूर्णज्ञानकी प्राप्ति. An understanding; acquirement of full information. पचा० ७, १८,

परिजाणियव्व. त्रि० (परिज्ञातव्य) ज्ञ प्रतिज्ञाथी જાણી પ્રત્યાખ્યાન પ્રતિજ્ઞાથી પરિહરવા યોગ્ય. आया० १, १. १, ७;

परिजित. त्रि० (परिचित) તરત ઉપસ્થિત થાય તેવું, પરિચિત. शीघ्रही उपस्थित होनेवाला; परिचित A thing with which one is familiar; known. अणुजो० १३.

परिजिय. त्रि० (परिचित) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो उपरका शब्द. vide above. विशे० ८५१.

परिजुण्ण. त्रि० (परिजीर्ण) જુનુ થયેલું; ઘસાયેલ. जीर्ण, घिसाहुआ; पुराना. old; Scoured. आया० १, १, २, १४; १, ६, २, १८५;

परिजुन्न. त्रि० (परिजीर्ण) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो उपरका शब्द vide above. आया० १, ७, ४, २१२; उत्त० २, १२;

√परिजूर धा० I (परि+जॄ) જીર્ણથવું; શરીરની હાની થવી. जीर्णहोना, शरीरक्षय; बूढाहोना. To get old.
परिजूरइ. उत्त० १०, २१,

परिज्जअ. पु० (पर्यंजक) રાહુના પુદ્ગલના પંદર પ્રકારમાંનો એક. राहुके पुद्गलोंके पन्द्रह प्रकारोंमेंसे एक प्रकार. One of the fifteen varieties of atoms of Rāhu. सू० १० २०;

परिझुसिय. त्रि० (परिजुष्ति) સેવા કરાયેલ. परिसेवित. One served. भग० २५, ७,

परिझुसियसंपन्न त्रि० (परिजुषितसम्पन्न) રાતવાસી રાખવાથી નિપજેલ-દહિં વગેરે. रातभर वासी रखनेके कारण उत्पन्न-दहीं आदि Produced by keeping over-night like curd etc, ठा० ४, २;

√परिट्ठव. धा० I (परि+ष्ठा) પરઠવવુ; તજવું; યતનાથી નાખવું सावधानतापूर्वक त्याग करना. To throw or abandon with care.
परिट्ठवेइ. नाया० २; उवा० ७, २००;
परिट्ठवेंति. नाया० १६;
परिट्ठवंति ठा० ४, ३;
परिट्ठवेमि. नाया० २,
परिट्ठविज्ज दस० ८, १८,
परिट्ठविज्जा आया० २, १, १, १, १, ७, ४, २१२;
परिट्ठवेज्जा. वि० उवा० ७, २००;
परिट्ठवेहि. आ नाया० १६;
परिट्ठविंत्तए हे. कृ वेय० १, १६;
परिट्ठप्प स कृ. उत्त० १४, ६; दस० ५, १, ८१,
परिट्ठवेत्ता. सं. कृ. नाया० १६,
परिठावित्ता स. कृ वेय० ४, २४;

परिट्ठवण. न० (परिष्ठापन) આગમને અનુસારે સમ્યક્ પ્રકારે પરઠવવું તે. आगमानुसार सम्यक्रीत्या सावधानीसे-अन्नादिका परित्याग करना. Properly throwing of food etc with care according

to the Scriptures. प्रव० २४, ५६३; ५७६;

परिट्ठविज्जमाण. त्रि० (क वा. व. कृ.) स्थापन કરાતું. स्थापन कियाहुआ Being placed. वेय० ४, २५;

परिट्ठवियव्व. त्रि० (परिस्थापयितव्य) પરઠવવું सावधानीसे फैंकाया-त्यागा जानेवाला. That which is to be thrown with care. भग० ८, ६; वेय० ४, ११, १२, १३;

परिट्ठावण न० (परिष्ठापन) પરઠવવુ; ત્યાગ કરવો તે उचित सावधानीसे त्याग करना. abandoning or throwing with proper care. कप्प० ५, ११६,

परिट्ठावणिया. स्त्री० (परिष्ठापनिका) પરઠવવા-નાખી દેવાની વિધિ सावधानतया त्यागने या डालदेनेकी विधि The mode of abandoning with proper care. आव० ४, ५; ६, ४, ओव० —**आगार** पु० (-आगार) લાવેલ આહારાદિ બીજાને પરઠવવા પડતા હોય તો અમુક વ્રતમાં તે આહારાદિ વાપરવાનો આગાર-મોકળ वह स्थान जहांपर दूसरोंद्वारा लाये हुए आहारका सग्रह कियाजाताहै और उनके द्वारा फैंकदिया जानेपर दूसरोंद्वारा काममें लायाजाता है. a place for storing food, etc to be used in a particular vow when it is brought by another and is to be thrown away. आव० ६, ४;

परिट्ठाविय. त्रि० (परिष्ठापित) પરઠવાવેલુ. अच्छी तरहसे रखवायाहुआ; सुस्थापित करवायाहुआ. well left आव० ४, ५;

परिड्ढि स्त्री० (पर्द्धि) પારકી ઋદ્ધિ. पराथी समृद्धि, दूसरेका उत्कर्ष. The prosperity of another. भग० ३, ४; १०, ३; २०, १०; २५, ८,

परिणइ. स्त्री० (परिणति) પરિણામ. परिणाम, फल, नतीजा. Result. सु० च० ३, १५७, —**मन्न** त्रि० (-मय) પરિણામમય; પરિણામ સ્વરૂપ. परिणाममय; परिणाम-फल स्वरूप. Possessing fulness. विशे० ५४;

परिणत. त्रि० (परिणत) વૃદ્ધિ પામેલું. वृद्धिप्राप्त; बढ़ाहुआ. well grown. नाया० १; राय० ३२,

परिणद्ध त्रि० (परिणद्ध) વિંટાયલુ; ઘેરાયલું. घिराहुआ, आवृत्त. wound up; circumscribed. नाया० ८, ६; उवा० २, ६५;

परिणय. त्रि० (परिणत) પરિણામ પામેલ. परिणत; फलप्राप्त. one that is full grown आया० २, १, ७, ४१, उत्त० ३४, १३, ५८, भग० १, १; ५, ७, ६; ७, ६; ८, १; १६, ५, २०, ३; नाया० १, १६, दस० ५, १, ७७, पन्न० १; ओव० १०; ओघ० नि० १२, पि० नि० १०६; २०७, कप्प० ३, ५३; पचा० ७, ३३; क० प० ४, ७६; —**वय** त्रि० (-वयस्) વૃદ્ધ; પરિપક્વ અવસ્થાવાળો. वृद्ध, परिपक्व अवस्थावाला. aged; of a mature age. नाया० १; ६; भग० ६, ३३; —**वायणा** स्त्री० (-वाचना) બીજી-પરિણત નામે વાચના; એકવાર આપેલ પાઠ પરિણામ પામ્યા પછી-આવડ્યા પછી બીજી વાંચણી આપવી તે. परिणत नामक दूसरी शिक्षाविधि, एक वारके पाठपर पूर्ण आधिपत्य पाजाने पर दूसरे पाठका देना. way of teaching after the lesson is fully mastered at first. प्रव० ५५२;

परिणयमित्त न० (परिणतमात्र) પરિણામમાત્ર परिणाममात्र only result. विवा० ८,

परिणयापरिणय पु० (परिणतापरिणत) વિચ્છેદ ગયેલ બારમા દૃષ્ટિવાદ અંગના બીજા વિભાગ સૂત્રનો બીજો ભેદ. विच्छेद प्राप्त वारहवें दृष्टिवाद अंगके दूसरे विभाग सूत्रका दूसरा

भेद. Separated; the second variety of the second Vibhaga Sūtra of the twelvth Drastivāda नंदी० ५६;

परिणाम. पु० (परिणाम) અવસ્થાંતર; રૂપાંતર; ફલ अवस्थांतर; रूपांतर; फल. another state; result. जं० प० ७, १६१; ३, ५०; भग० ५, ६, ६, ८; ७, ६; ८, ६; ११, ११; १४, ३; १५, १; १६, ३; २५, ६, ७; उत्त० ३४, २-२०, विशे० १५०, ८२३; पन्न० १; १३; १७, श्रोव० १०; ३४; अंत० ३, ८; दस० ८, ५६; क० प० १, ४, प्रव० ४०; पचा० ४, २५; भत्त० ५, उवा० १, ७४; (२) છેવટનો નિર્ણય अन्तिम; निर्णय The final result. क० गं० ४, ६८; विशे० ४७; (३) ભાવ; મનની સ્થિતિ. मानसिक स्थिति; भाव Sentiment; disposition नाया० १; ८, १४; भग० ४, १०; (४) પરિણામિક ભાવ, ૭ ભાવમાંનો એક. परिणामिक भाव; छ भावोंमेंसे एक. a disposition of fruitfulness; one of the six Bhāvas. क० गं० ४, ७०; —**ठाण.** न० (-स्थान) પરિણામનું સ્થાન. परिणामका स्थान. A place of result. क० प० ५, ६; —**पच्चय** पु० (-प्रत्यय) પરિણામરૂપ પ્રત્યય-નિમિત્ત परिणामरूप प्रत्यय-निमित्त, फल निमित्त. क० प० ५, ३०; —**भेय** पु० (-भेद) પરિણામના ભેદ. परिणामके भेद. a variety of end. पचा० १, ५; —**विसुद्धि.** स्त्री० (-विशुद्धि) પરિણામની વિશુદ્ધિ. परिणामकी विशुद्धि-पवित्रता. The purity of the end. भत्त० १६६;

परिणामश्रो. श्र० (परिणामतः) પરિણામથી परिणामसे; फलसे. From the result. भग० १२, २;

परिणामिश्रा-या. स्त्री० (परिणामिका) અવસ્થાને અનુસાર ઉત્પન્ન થતી બુદ્ધિ. अवस्थानुसार उत्पन्न होनेवाली बुद्धि Intelligence produced according to age. नंदी० २६; भग० १२, ५; नाया० १;

परिणामिय. त्रि० (परिणामित) પરિણત-પરિપક્વ થયેલું, પરિણામવાળું. परिणत; पक्काहुआ; परिणामवाला; फलप्रद. Ripe; mature, bearing result. भग० ५, २; ७, १०; १४, ७; श्रोघ० नि० ७६०.

परिणाह. पुं० (परिणाह) પરિધિ; ઘેરાવો; વિસ્તાર. परिधि; घेरा; विस्तार. Circumference; extent ठा० २, ३; जं० प०

परिणिंदिया. स्त्री० (परिनिंदिता) જેમાં વારંવાર ઘાસ નીંદવામાં આવે તેવી કૃષિ. वह खेती जिसमें बारर घांस निंदाईकी आवश्यकता होतीहो. agriculture which requires weeding often. ठा० ४, ४;

परिणिट्ठा. स्त्री० (परिनिष्टा) પરિનિષ્ઠા; પરિપૂર્ણતા. परिनिस्ठा; पूर्णभक्ति; परिपूर्णता. Devotedness; fullness विशे० ५६५;

परिणिट्ठाण. न० (परिनिष्ठान) અવસાન; છેડો. अवसान; अन्त; छोर. End; extremity. विशे० ६२६;

परिणिट्ठिय. त्रि० (परिनिष्ठित) પરાકાષ્ઠાએ પહોચેલ; પૂર્ણતા મેળવેલ. पराकाष्ठाको पहुंचा हुआ; पूर्णता प्राप्त. One reaching the highest point or the completion. पंचा० १२, १४; नाया० ८;

√**परिणिव्‍वा.** धा० I (परि+निर्+वा) સંતાપને છોડી શીતળ થવું; નિર્વાણપદ પામવુ. संतापको त्यागकर शान्त होना, निर्वाणपद पाना. To be calm after leaving off sorrow; to attain salvation.

परिणिव्वायंति. श्रोव० ३४;

परिणिव्वाइंति. भग० १५, १; जं० प०

परिणिव्वाहिति. भवि० ओव० ४०, भग० २, १;
परिणिव्वाहिंति. भवि० नाया० १,
परिणिव्वविय. स. कृ वेय० ५, ५;

परिणिवय. पु० (परिनिपात) त्रिछु कुदवु तिरछा कूदना To jump obliquely. राय० ६५;

परिणिव्वाण. न० (परिनिर्वाण) सर्वथा दुःखनो लय, मोक्ष. दु खका एकान्तिक लय, मोक्ष Utter dissolution of pain: salvation ओव० ३४, ज० प० —**महिम.** पु० (—महिमन्) तीर्थंकर देवना निर्वाण समयनो महोत्सव तीर्थकर देवके निर्वाणावसर पर किया जानेवाला महोत्सव a festivity at the time of the salvation of a Tirthamakara. ज० प० २, ३३; भग० ३, १; १४, २; नाया० ८; —**वत्तिय.** त्रि० (—वृत्तिक) साधुना अवसान—देहत्याग निमित्ते काउसग्ग वगेरे करवामा आवे ते. साधुके अवसान—देहत्यागके उपलक्ष्यमें कार्योत्सर्ग आदिका किया-जाना. a form of meditation practised at the death of an ascetic नाया० १; १६;

परिणिव्वुअ. त्रि० (परिनिर्वृत) सर्व प्रकारनां दुःखथी तद्दन निवृत्ति पामेल; मोक्ष पामेल सर्व विध दुःखोंसे एकान्त निवृत्ति प्राप्त; मोक्ष प्राप्त One free from all pain; emancipated. कप्प० १, १, ओव० ३४; अणुजो० १२७, ज० प०

परिणिव्वुड. त्रि० (परिनिर्वृत्त) जुओ "परिणिव्वुअ" शब्द देखो "परिणिव्वुअ" vide "परिणिव्वुअ" ज० प० २, ३१. दसा० ३, १५;

परिणणा. स्त्री० (परिज्ञा) समजण, ज्ञान समझ, ज्ञान. Understanding; knowledge (२) समजणपूर्वक त्याग—पच्चखाण. समझ-विचारपूर्ण त्याग—पच्चक्खाण. abandoning after a careful consideration. आया० १, १, १, १०; १, १, २, १५;

परिणणाय. स० कृ० अ० (परिज्ञाय) समजण पूर्वक त्यागवृत्ति जाणीने; पच्चकखाण करीने. विवेकपूर्ण त्यागवृत्तिद्वारा पच्चक्खाण करके. Having vowed according to judicial renouncement. भग० १, ६, उत्त० ४, ७, १६, ८, आया० १, १, ४, ३५;

परिणणाय. त्रि० (परिज्ञात) प्रतिज्ञा करेल प्रतिज्ञा कियाहुआ, कृत—सकल्प; कृत निश्चय One who has made a Vow (२) समजीने त्याग करेल. समझ बूझकर छोड़ाहुआ. One abandoning after a careful consideration दस० ३, ११; उत्त० २, १६; दसा० ६, २; वव० ८, ११; सूय० १, ७, १२; आया० १, १, १, १३, —**कम्म.** त्रि० (—कर्मन) त्याग करेल छे कर्म—आरंभ समारंभ जेणे ते. आरभ समारभ-कर्मका त्याग करनेवाला One who has abandoned karma. ठा० ४, ३; —**गिहावास.** त्रि० (—गृहावास) जाणी—समजीने तज्यो छे गृहस्थाश्रम जेणे एवो. जानबूझकर गृहस्थाश्रमको छोड़नेवाला. One who renounces the household after considering much ठा० ४, ३,

परितंत. त्रि० (परितान्त) थाकी गयेलुं. थका हुआ; क्लान्त, परिश्रान्त Tired. नाया० ४; ८, ६, १३; १६, १८, विवा० १; राय० २६३, उवा० २, १०१, ७, २७२;

√परितप्प. धा० I. (परि+तृप्) विनय, आहार, उपधि आदि वडे प्रत्युपकार करवो. विनय, आहार, उपधि आदिके द्वारा उपकार करना. To oblige another by showing modesty or giving food and

other objects of religion.

परितप्पइ. दसा० ६, २०; २१;

परितप्पण. न० (परिताप) પરિતાપ-દુઃખ પામવું. परिताप पाना; सतप्त होना; दुःख-सताप. Distress

"**परितप्पणत्ताए**" सूय० २, ४, ६; दसा० ६, १; ४,

परितलिअ. त्रि० (परितलित) તેલમાં તળેલું. तेलमें तलाहुआ. Fried in oil. ओव० नि० ८८,

√परितव. धा० I. (परि+तप्) પરિતાપ પામવો; (२) સતાપ ઉપજાવવો. परिताप पाना; सतप्तहोना. to get pain.

परितावेइ. प्रे० भग० ५, ६; १५, १;

परियावेइ. उत्त० ३२, २७;

परितावं-वेंति. आया० १, १, २, १४; १, १, ६, ५१; पन्न० ३६;

परितावेह. भग० ८, ७;

परितप्पमाण. क० वा० व० कृ० उत्त० १४, १०;

परितावेत्ता. सं० कृ० भग० १५, १;

परिताव. पु० (परिताप) પીડા; સન્તાપ. पीड़ा, सन्ताप; कष्ट. Pain; distress. ओव० २०, प्रव० १०७४, (२) બફારો. અકળા મણ. उष्णता; हूफ; गर्मी, आकुलता. Heat. ओव० ३८;

परितावणया. स्त्री० (परितापन) પરિતાપ-પીડા. परिताप; सताप, पीड़ा Pain भग० ८, ६;

परितावणिया. स्त्री० (परितापनिका) બીજાને પરિતાપ-દુઃખ ઉપજાવવાથી લાગતો ક્રિયા. दुसरोंके दुःखी करनेके कारण लगनेवाला दोष बन्ध. A fault accruing through troubling another. आव० ४, ७,

परिताविय. त्रि० (परितापित) પરિતાપ-પીડા પામેલુ प्राप्तसताप; दुःखी; सतप्त. Distressed. भग० १५, १;

परितावेयव्व. त्रि० (परितापयितव्य) સંતાપ ઉપજાવવા લાયક. सताप उत्पन्न करनेके योग्य. Fit to be afflicted. सूय० २, १,४८,

√परि-तिप्प. धा० I (परि + तेप्) દુઃખ દેવું. (२) તૃપ્તિ કરવી. (३) તૃપ્ત થવું. दुख देना; तृप्ति करना; तृप्त होना. To torment; to satisfy; to be satisfied.

परितिप्पइ. आया० १, २, ५, ९३;

परितिप्पाइ. सूय० २, १, ३१;

परितिप्पंति. सूय० २, २, ५५;

परितिप्पामि. सूय० २, १, ३१;

परितोस. पु० (परितोष) સન્તોષ; આનન્દ. सन्तोष, आनन्द, तुष्टि. Contentment; happiness. पचा० ७, २२; सु० च० २, ४ ६६;

परित्त. त्रि० (परीत) સંખ્યાત; ગણત્રીમા આવે તે; પરિમિત. सख्यात; परिमित; गिनतिमें आने योग्य. Counted; which can be counted; measured. भग० ५, ६; विशे० ६५१; जीवा० ३; सम० १० १६८, प्रव० ६००; नंदी० ४५; दसा० ४, ६३; (२) પરસ્પર નિરપેક્ષ; ભિન્નભિન્ન. परस्पर निरपेक्ष; अलग२; भिन्न२. mutually independent; separate. विशे० १३५०; भग० ५, ६; ६, ३; (३) પ્રત્યેક વનસ્પતિ. प्रत्येक वनस्पति every vegetation जीवा० १, ओव० नि० ४१; पिं० नि० ५३४; पन्न० ११; (४) પન્નવણાના ત્રીજા પદના સોળમા દ્વારનુ નામ. पन्नवणाके तीसरे पदके सोलहवें द्वारका नाम. पन्न० ३; (५) શુક્લપક્ષી; અલ્પસંસારી शुक्लपक्ष सम्बन्धी, अल्पसंसारी. of the bright half of a month; an Alpa Samsāri जीवा० १०; पन्न० ३; (६) ભ્રષ્ટ; રહિત. भ्रष्ट; रहित; पतित. Fallen; devoid of. सूय० २, ६, १८; (७) અલ્પ; થોડું. अल्प; थोडा; कम. little. भग० १, ६; ६, ३; १५, १;

—**अणंतय.** न० (-अनन्तक) અનન્તતના નવ ભેદમાંનો એક. नव प्रकारके अनन्तोंमेंसे एक. One of the nine kinds of Anantas अणुजो० १५० —**अणंतलहु;**

त्रि० (-अनन्तलघु) જઘન્ય પરિત્ત અનન્ત; અનતના નવ પ્રકારમાંનો એક. नव प्रकारके अनन्तोंमेंसे एक, जघन्य Lowest, one of the nine varieties of Anant. क० जं० ४, ८६; —असखेज्जअ. पु० (-असख्येयक) અસખ્યાતના નવ ભેદમાંનો એક नव प्रकारके असंख्यातोंमेंसे एक One of the nine varieties of Asamkhyāta. अणुजो० १४६, —कायसंजुत्त. त्रि० (-कायसयुक्त) પ્રત્યેક વનસ્પતિકાય સયુક્ત प्रत्येक वनस्पति कायसयुक्त United with every form of vegetation. निसी० १२, ४, —जीव. पु० (-जीव) પ્રત્યેક શરીરી જીવ, જીવદીઠ એકેક શરીરવાળા જીવ. प्रत्येक शरीरी जीव Beings with one body each पन्न० १, —तिग. न० (-त्रिक) પ્રત્યેક નામ, સ્થિરનામ અને શુભનામ એ નામ કર્મની ત્રણ પ્રકૃતિ प्रत्येक त्रिक अर्थात् १ प्रत्येक नाम कर्म. २ स्थिर नाम कर्म और ३ शुभ नाम कर्म. The three varieties of Nāmkarma viz Pratyeka Nāma, Sthira Nāma and Subha Nāma क० ग० २, २१, —संसार. पुं० (ससार) જેને થોડોજ કાળ સસારમાં પરિભ્રમણ કરવાનુ હોય તે; અલ્પ સસારી थोड़े समयतक ससारमें भ्रमण करनेवाला, अल्प संसारी. One who has to wander through this world only for a short time; an Alpa Samsari उत्त० ३६, २५८, —संसारि. त्रि० (ससारिन्) અલ્પ સસારી अल्प संसारी One who has to wander through this world only for a short time. भग० ३, १, राय० ७६,

परित्ताण. न० (परित्राण) રક્ષણ; શરણ चारों ओरकी रक्षा, शरण Protectionon all sides, refuge. सूय० १, १, २, ६,

परित्तास. पु० (परित्रास) ત્રાસ, ખેદ. त्रास; खेद, दुख Trouble; sorrow. भग० ११, ११, नाया० १; ज० प०

परिदाह. पु० (परिदाह) બળતરા. (२) બફારો. ऊष्णता, गर्मी; दाह, हूफ Heat, warmth. भग० १, १, उत्त० २, ८,

√**परिदेव.** धा० I. (परि+देव्) શોક કરવો; વિલાપ કરવો, પશ્ચાતાપ કરવો. शोक-विलाप या पश्चाताप करना To be sorry, to cry, to repent.

परिदेवते-ती. सूय० १, २, ३, ७,

परिदेवए. वि० उत्त० २, ८;

परिदेवइज्जा. वि० दस० ६, ३, ४,

परिदेवणया. स्त्री० (परिदेवन) જેની તેની આગળ દુઃખ પ્રકાશવુ, રોદણાં રોવા તે. जिसकिसीके आगे अपना दुखडा गाना-दुख प्रकट करना To cry before every one ठा० ४, १, भग० २५, ७,

परिदेविय. न० (परिदेवित=भावे क्त) પ્રલાપ કરવો प्रलाप करना, चिल्लाना; बकना To cry. पण्ह० १, १,

√**परि-धा.** धा० I (परि+धा) ધારણ કરવુ; પહેરવુ. धारण करना, पहिनना To put on, to wear.

परिहेइ. भग० ३, २, सु० च० ८, ६८, जीवा० ३, ४,

परिहिइ. भग० ६, ३३,

परिहिंति. नाया० १६,

परिहिस्सामि. आया० १, ६, ३, १८५,

परिहित्ता. स कृ भग० ३, २, ६, ३३;

परिहित्ता. स कृ सूय० १, ४, १, २५;

परिहावेइ. सु० च० ४, ७६.

परिहावेउं स कृ. सु० च० ४, ८३.

परिहावेमाण. व कृ नाया० १,

√**परिधाव.** धा० (परि+धाव्) દોડવુ. दौड़ना, धाना; भागना To run

परिधावंति भग० ३, १; नाया ८; जं० प० ५, १२१;

परिधावमाण. व. कृ. नाया० १; १८;

परिधावित्था. भग० ७, ६;

परिधाविंतित्ता. स कृ. भग० ३, १;

√परिनम. धा० I. (परि+नम्) પરિણામ પામવું; એક અવસ્થામાંથી બીજી અવસ્થામાં દાખલ થવું. परिणमित होना; एक अवस्थासे दूसरी अवस्थामें प्रवेश करना. To obtain a result; To change from one state to another.

परिणाम(मे)इ. भग० १, १-३; ३, ३; ५, ७; ७, १०; १२, ५; १४, ४; १७, ३; ओव० ३४, सम० प. ६६; नाया० १६; राय० २६६; पन्न० १६; विवा० १; ठा० २, २;

परिणामेइ. प्रे० भग० ६, ६;

परिणामेंति. भग० १, २; १६, ३;

परिणामेज्ज. वि. भग० ६, ५;

परिणामेत्तए. हे. कृ भग० ३, ४; भग० ६, ६; ७, ६;

परिणामेत्ता. स. कृ भग० ३, ४;

परिणामेमाण व कृ नाया० ८, भग० १७, ३;

परिणामिज्जमाण. क वा व कृ भग० १, ७,

परिनिट्ठिय. त्रि० (परिनिष्ठित) નિષ્ઠા પામેલ; પુરુ થયેલું. प्राप्त निष्ठ; पूर्ण; समाप्त. Confident; finished ओव० ३८; उत्त० २, ३०; प्रव० ७७१; —अट्ठकम्मभर. त्रि० (-अष्टकर्मभार) દૂર કરેલ છે આઠ કર્મનો ભાર જેણે તે. आठो कर्मके भार को दूर करनेवाला. One who has removed the weight of the eight Karmas प्रव० ३६३;

√परिनिर्-वा. धा० I. II. (परि+निर्+वा) દુઃખને સર્વથા શાંત કરવું; શાંતિ મેળવવી; મોક્ષ મેળવવો. दु:खको सर्वथा शान्त करना; शान्ति प्राप्त करना; मोक्ष प्राप्त करना To allay all pain; To attain peace or emancipation

परिनिव्वेइ उत्त० १२, २०;

परिनिव्वायंति. उत्त० २६, १; पन्न० ६;

परिनिव्वाइस्संति. सम० १; आया० २, १५, १७८;

परिनिव्वाण. पुं० (परिनिर्वाण) દુઃખનો સર્વથા નાશ; મોક્ષ. दुःखका सर्वथा-एकान्त-नाश; मोक्ष annihilation of all pain; salvation. जं. प, २, ३३; ठा० १, १; आया० १, १, ६, ५०; राय० ६५; —मग्ग. पुं० (-मार्ग) નિર્વાણનો માર્ગ;મોક્ષ માર્ગ; મુક્તિનો રસ્તો. निर्वाणपथ; मोक्ष मार्ग; मुक्तिका रास्ता. The path of Salvation or emancipation. दसा० १; ११; —वत्तिय. त्रि० (-प्रत्यय) જુઓ 'પરિણિવ્વાણવત્તિય' શબ્દ देखो 'परिणिव्वाणवत्तिय' vide (परिणिव्वाणवत्तिय) भग० २, १;

परिनिव्वुड त्रि० (परिनिर्वृत) સકલ સન્તાપ રહિત; નિર્વાણ પદ પામેલ. सर्व सन्ताप शून्य; निर्वाण प्राप्त. Free from all miseries; one that has attained salvation. भग० २, १; उत्त० ५, २८, १४, ५३; ३५, २७, जं० प० ३, ७०;

परिनिव्वुय. त्रि० (परिनिर्वृत) સર્વથા દુઃખનો નાશ કરેલ; નિર્વાણ પદ પ્રાપ્ત કરેલ. सर्वथा दुःखोंको नाश किया हुआ; निर्वाण पद प्राप्त. One who has destroyed pain in every way: One that has attained salvation. भग० १, ६; विशे० ५८; ठा० १, १; उत्त० १०, ३६; ३६, २६६;

√परिने. धा० I. (परि+नी) વિવાહ કરવો; પરણવું. विवाह करना; ब्याह करना, पाणिग्रहण करना; परिणय करना. To marry.

परिणेइ सु० च० १, २८६; पचा० १, ३६;

परिणेहि. सु० च० १, २८१;

परिन्न. त्रि० (परिज्ञ) વિશેષ જાણનાર. विशेषज्ञ. one knowing the peculiarities. आया० १, ५, ६, १७०;

परिन्ना. स्त्री० (परिज्ञा) પ્રત્યાખ્યાન; ત્યાગ. प्रत्याख्यान, त्याग. abandoning. ओघ० नि० ६२६,

परिन्नाय स० कृ० अ० (परिज्ञाय) જાણીને, સમજીને जानकर समझकर Having understood or known आया० १, २, ३, ८०, १, ६, २ १८३ १८४, सूय० १, १, ४, २;

परिन्नाय-अ त्रि० (परिज्ञात) સમજણપૂર્વક પચ્ચખાણ કરેલ. समझबूझकर-विवेकपूर्वककृत प्रत्याख्यान. Sensible पिं० नि० २८१, ओघ० नि० ८०७,

√परिप-ईर. धा० I (परि+प्र+इर्) પ્રેરણા કરવી. प्रेरणा करना To urge.

परिपिल्लइ. सु० च० ३, १६६,

परिपिंडिय त्रि० (परिपिण्डित) એકત્ર થયેલું, એકઠું થયેલ एकत्रित. सग्रहीत. accumulated, gathered पिं० नि० ४६६; ४६५, प्रव० १५०. **—वयण** न० (-वचन) ઉતાવળે બોલવાથી અસ્પષ્ટ-સંકીર્ણ થયેલ વચન जल्दी २ बोलनेके कारण अस्पष्ट बोलेजाने वाले वचन Indistinct speech due to speaking humidly प्रव० १५७,

परिपिहिय त्रि० (परिपिहित) ઢાંકેલું. ढका-हुआ Covered. आया० २,.१, ५, २८,

परिपीलइत्ता स कृ अ० (परिपीड्य) પીડા કરીને; નાશ કરીને दु ख पहुँचाकर, नष्ट करके. Having vexed or squeezed. पन्न० २८, जीवा० १,

परिपीलिय त्रि० (परिपीडित) પીડા પામેલું. पीडा पायाहुआ, दु खित. vexed भग० ७, ६,

परिपीलियाण स कृ अ० (परिपीड्य) પીડા કરીને दु खदेकर, पीड़ा पहुँचाकर Having vexed. आया० २, १, ८, ४३,

परिपुच्छणया स्त्री० (परिपृच्छना) ગુરૂને પ્રશ્નાદિ પુછવા તે गुरुसे प्रश्न आदिका पूछना. questions asked of a preceptor ज० प० ७, १६६, उत्त० २६, २,

परिपुराण. त्रि० (परिपूर्ण) સંપૂર્ણ. सम्पूर्ण, समस्त, सकल Complete ज० प० ७, १६६,

परिपुयावइत्ता (परिप्लुतयित्वा) રસભર ભોજનની લાલચ આપીને मिष्टान्न भोजन-खानेकी-इच्छासे दीक्षाका ग्रहण. Seducing through the offer of delicious dishes ठा० ४, ४;

परिपूणग. पुं० (परिपूर्णक) સુઘરીનો માળો पक्षी विशेषका घोंसला. A bird's nest. विशे० १४५४, नदीस्य० ४४,

परिपूय-अ त्रि० (परिपूत) વસ્ત્રથી ગળેલું; છાણેલું, वस्त्रद्वारा गाला-छानाहुआ. Strained or filtered with a piece of cloth. ओव० ३८, जीवा० ३, ४,

परिपेरंत. पु० (परिपर्यन्त) ચારેબાજુ चारों ओर all sides नाया० ४, १३, १६, १७, अत० ६, ३, विवा० ३,

परिप्फुड त्रि० (परिस्फोटक) નાશક. વિનાશ કરનાર. नाशक, घातक, विनाशक Destroyer. कप्प० ३, ३६

परिफासिय. त्रि० (परिस्पृष्ट) ચોતરફથી સ્પર્શ પામેલ चारो ओरसे स्पृष्ट-छुआ हुआ Touched on all sides दस० ५, १, ७२,

परिवूहणता. स्त्री० (परिबृंहण) વૃદ્ધિ, આબાદી वृद्धि आबादी. Prosperity; Populousness सूय० २, २, ६,

√परि-भज धा० II (परि+भज्) વ્હેંચવું, ભાગ પાડવો बाटना, विभाग करना To distribute, to divide

परिभाइज्जमाण. क. वा व कृ. गच्छ० ५६;

परिभाइत्ता. स कृ. आया० २, ६, २, १५४, २, १५, १७६, गच्छ० २२३,

परिभाएइ. निसी० २, ३, ४, ५, ६, ७;
परिभाएह. आ० आया० २, १, ५, २६,
परिभाएउं हे. कृ. नाया० १; भग० ११, ११;
परिभाएत्ता. ज० प०
परिभाएत्तुं. भग० ६, ३३;
परिभाएमाण. व. कृ. भग० ३, १. १२, १; नाया० १. ८, १३, १६; विवा० २;
परिभायन्त. व कृ आया० २. ११. १७०, निसी० १२, ३४;
परिभाइज्जमाण. क वा. व. कृ राय० ५६,
परभाइत्ता. सं. कृ आया० २, ६, २. १५४, २, १५, १७६, राय० २२३;

परिभट्ठ. त्रि० (परिभ्रष्ट) भ्रष्ट थयेल. भ्रष्ट; पतित Fallen. वव० ५, १५, ८, ११; भग० ७, ६;

परिभममाण. त्रि० (परिभ्रमत्) भ्रमण करतुं भ्रमण करता हुआ; घूमता हुआ one wandering. नाया० १८,

√परिभम. धा० I. (परि + भ्रम्) भमवु घूमना, भ्रमण करना. To wander
परिभमइ. नाया० १७;
परिभमउ आ सु० च० २, १३८;
परिभमंत. व कृ नाया० १;

√परिभव. धा० I (परि + भू) पराभव करवो. पराभव करना, हराना To defeat.
परिभवइ सूय० १, २, २, २, २, २, १७,
परिभवंति. भग० १६, ६, नाया० १६;
परिभवे. वि दस० ८, ३०,
परिभवमाण. व कृ. नाया० २, भग० १५, १;

परिभव. पु० (परिभव) अपमान, पराजय. अपमान, पराजय. तिरस्कार. Insult, defeat. ओव० २१, पण्ह० २, २, नदी० स्व० ४७,

परिभवणा. स्त्री० (परिभवन) पराभव पराभव; पराजय. तिरस्कार. Defeat ओव० ४०, राय० २६४,

परिभवणिज्ज. त्रि० (परिभवनीय) तिरस्कार पामवा लायक. तिरस्कार्य; गर्ह्य Fit for insult नाया० ३;

√परिभस्स. धा० I (परि+भ्रश्) भ्रष्ट थवुं. पतित थवुं. भ्रष्ट होना, पतित होना. To fall off; to degenerate.
परिभस्सइ. उत्त० ३, ६; दस० ६, ५३.

परिभायंतिया. स्त्री० (परिभाजयन्तिका) पर्वना दिवसोमां स्वजन वर्गमां खाजा, मिठाई वगेरे भाग पाडी वहेंची आपनार स्त्री. त्योहार पर्व के अवसर पर स्वजनोंमें खाजा मिठाई आदि पदार्थोंको बांटने, अलग बांटनेवाली स्त्री - महिला–गृहिणी a female who distributes amongst her relations sweets like khāja etc. in the Parva days नाया० ७,

परिभायण. न० (परिभाजन) भाग पाडी वहेंचवु. भाग करके बांटना. To distribute after dividing. पि० नि० १६३;

परिभावणीय. त्रि० (परिभावनीय) विचारवा योग्य. विचारणीय worth consideration पचा० ८, ४३;

√परिभास. धा० II.. (परि + भाष्) बोलवु, कथन करवु बोलना, कथन करना. To speak; (२) निंदा करवी. निन्दा करना to describe; to censure.
परिभासेइ. सूय० २, ७, ३६; उत्त० १८, २०,

परिभासअ. त्रि० (परिभाषक) सामु बोलनार; गुरुनी सामे थनार सामने बोलनेवाला; गुरुके सन्मुख होनेवाला, गुरुसे चिढ़नेवाला. Speaking in an insulting tone उत्त० १७, १०,

परिभासा स्त्री० (परिभाषा) सांकेतिक भाषा. (२) ए नामनी दंडनीति, अपराधीने शिक्षा करवानी भाषा सांकेतिक भाषा, इस नामकी दण्ड नीति विशेष, अपराधीको दंड देनेकी भाषा Symbolic language; the science of Ethics of this name, sentence. ठा० ७, १,

परिभिंदिय. स० कृ० अ० (परिभिद्य) भेदीने भेद करके, छेद करके Having penetrated. निसी० ५ ६७.

✓**परिभुंज.** धा० I. (परि+भुज्) ભોજન કરવુ, ખાવું (૨) ભોગવવું, ઉપભોગ કરવો भोजन करना, खाना; उपभोग करना. To eat; to enjoy.

परिभुंजइ. नाया० ३, निसी० २, ६, ५, २६
परिभुंजित्ता. स कृ. भग० ५,६
परिभोत्तु हे कृ भग० ११, ११,
परिभुंजे-माण. नाया० १, २, १६; भग० ३, १, ६, ३, १२, १, राय० २८६
परिभुंजन्त आया० २, ११, १७०;
परिभुज्जइ क वा पिं० नि० ५६,
परिभुज्जमाण. क. वा. व कृ. जीवा० ३, १, नाया० १; भग० १५, १; कप्प० ३, ४२,

परिभुत्त. त्रि० (परिभुक्त) ભોગવેલ. भुक्त, भोगाहुआ. Enjoyed. दस० ५, १, ८२; आया० २, १, १, ६, वेय० १, ४४; ३, ४, कप्प० ६, २, आव० ४, ५,

परिभूय. त्रि० (परिभूत) તિરસ્કાર પામેલુ तिरस्कृत. परिभूत. Defeated. सु० च० १५, ६०, नाया० १६;

परिभोग. पु० (परिभोग) ભોગવટો; ઉપભોગ. भोग, उपभोग Enjoyment. पिं० नि० भा० ३०, ३४; ५०, ज० प० उत्त० २४, ११, नाया० १४, १६; गच्छा० ८८, पन्ना० १, २४, ८, ६; १२, २३; उवा० १, २२;

परिभोगत्ता स्त्री० (परिभोग+त्ता) ઉપભોગપણુ उपभोगावस्था; उपभोगिता State of enjoyment. ज० प० ७, १७३, २, २४, भग० १८, ४, २५, २;

परिमंडल. पु० (परिमण्डल) વલયાકાર-બલોયાના જેવો આકાર, પાચ સંઠાણુમાંનુ એક. मण्डलाकृति, आवर्त्तरूप, वलयाकृति, पाच संठाणोंमेंसे एक. circular, round. जं० प० ५, ११५; ११२; ठा० १, १; ७, १, आया० १,५,६,१७०, उत्त० ३६, ३१; भग० ८१-१०, १४, ७; १६, ६, २५, २; नाया० १, जीवा० ३, १, पन्न० १, ११, **-संठाण** न० (-सस्थान) વલય-બલોયાની આકૃતિ; પાચ સંઠાણમાંનુ એક वलयाकृति; पांच संठाणोंमेंसे एक circle, ring भग० १६, ६,

परिमंडिय. त्रि० (परिमण्डित) અલંકૃત: શણુગારેલુ अलङ्कृत, भूषित, सजायाहुआ adorned; decorated ओव०; नाया० १; ज० प० ५, ११७, ७, १६६ ३, ५७, राय० ५६, ७०;

परिमज्जित्ता स० कृ० अ० (परिमार्ज्य) ચારે તરફ સાફ કરીને आसमंतात् साफ करके, चारों ओरसे शुद्ध करके clearing on all sides. भग० ८, ६;

परिमद्दंत. व० कृ० त्रि० (परिमर्दयत्) મર્દન કરાવતો. मर्दन करवाताहुआ one massaged निसी० १, १४,

परिमद्दण. न० (परिमर्दन) મર્દન કરવુ. मर्दन करना, दबाना. to rub, to shampoo नाया० १,

परिमद्दन न० (परिमर्दन) ચોળવુ, મસળવુ मालिश करना घिसना. to rub, to massage. कप्प० ४, ६१,

परिमल. पु० (परिमल) સુગન્ધ; સુવાસ सुगन्ध, सुवास. fragrance, odour पण्ह १, ५;

परिमाण न० (परिमाण) માપ; માન माप, मान, तौल measure; standard. (२) સખ્યા; ગણત્રી सख्या, गिनती number. नाया० १; भग० ६, ७, ७, २, १६, ६, २३, १, २४, १६, ३१, १; ३५, १; क० गं० ५, ८५; उवा० १, १७; ४२, **-कड** त्रि० (-कृत) માપેલુ; પરિમાણ કરેલું मापाहुआ; परिमाण कियाहुआ measured. भग० ७, २, प्रव० १०००;

परिमाणवंत. न० (परिमाणवत्) પરિમાણવાળું પચ્ચખાણ; દશ પ્રકારના પચ્ચખાણમાનુ એક. परिमाणवाला पच्चक्खाण; दशविध पच्चक्खाणों मेंसे एक. a limited vow; one of the ten vows. प्रव० १८७;

परिमास पु० (परिमर्श) સ્પર્શ स्पर्श. touch नाया० ६;

परिमिश्र-य त्रि० (परिमित) માપેલ: પરિચ્છિન્ન. मापाहुआ, मित; परिच्छिन्न सीमित measured· limited. दस० ८, ३४; प्रव० ८८३ ओव०

परिमित. त्रि० (परिमित) માપ-મર્યાદા સહિત, પરિછિન્ન परिमित. सीमित; मर्यादित limited. भग० १२, २. —**पिंडवाइग्र.** त्रि० (-पिण्डपातिक) માપ સહિત આહાર લેનાર. परिमित आहार करनेवाला, नियमित अल्पाहारी. One who eats with a measure ओव० १८· पगह० २, १ ठा० ५, १

✓**परिमिला.** धा० I (परि+म्ला) કરમાઇ જવુ-સુકાઇ જવુ. कुम्हला जाना: सूख जाना म्लान होना to fade

परिमिलायंति. सु० च० २, १८५;

✓**परिमुंच.** धा० I. (परि+मुच्) મુકી દેવુ; ત્યાગ કરવો. छोड़ना, त्याग करना. to give up. to abandon

परिमुच्चइ क वा. उत्त० ६, २२.

परिमुक्क. त्रि० (परिमुक्त) છોડેલુ. छोड़ाहुआ त्यक्त मुक्त. released; let loose सु० च० १, १८४,

✓**परिमुस.** धा० I. (परि+मृश्) સ્પર્શ કરવો. स्पर्श करना. to touch.

परिमुसंति. भग० १८, ७,

परिमोक्ख. पु० (परिमोक्ष) પરિત્યાગ. परित्याग. abandoning. सूय० १, १२, १०;

परियंत. पु० (पर्यन्त) છેડો; અન્ત પ્રદેશ. छोर; अन्तिम प्रदेश: अन्त. Limit; extremity. सूय० २, १, १५;

परियट्ट. पु० (परिवर्त) પરિવર્તન; બદલવુ તે. परिवर्त्तन; फेरबदल. Change: alteration. आया० २, १, २, १०; तदु० प्रव० १०५३.

परियट्टण. न० (परिवर्त्तन) અદલ બદલ કરવું फेरबदल करना. परिवर्त्तन होना To change: to exchange. पिं० नि० ३२४, (२) ભમવુ: ભટકવુ भ्रमण करना: भटकना. to roam; to wander. नदी० ५६· पगह० १, १:

पडियट्टणाया स्त्री० (परिवर्तन) મનન કરવું; ઉહાપોહ-વિચારણા કરવી તે. मनन करना; उहापोह या विचारणा करना. meditation. thinking of pros and cons उत्त० २६, २.

परियट्टणा. स्त्री० (परिवर्तना) કરેલો અભ્યાસ પાછો સભારવો તે; ધર્મ ચર્ચા કરવી તે कृत अभ्यासका फिरसे स्मरण, धर्मचर्चा revision, religious discussion. ठा० ४, १ भग० २५, ७ नाया० १ पिं० नि० ३२४ पगह० १, १. नदी० ५६. उत्त० २६, २ (२) એક પડખે ફેરવવુ एक ओर घूमना-घुमाना. turning to a side आव० ४, ४.

परियट्टयागह. पु० (परिवृतकाग्रह) રાજાના શરીર ઉપરથી ઉતરેલા વસ્ત્ર તથા આભરણ લેનાર राजाके शरीर परसे उतरेहुए वस्त्राभूषण ग्रहण करनेवाले One who accepts the ornaments and dress worn by a king. निसी० ६, २४,

परियट्टिअ. पु० (परिवर्तित) સાધુ નિમિત્તે આહારાદિનો અદલો બદલો કરી આપવાથી લાગતો એક દોષ; સોળ ઉદ્દ્ગમનમાનો ૧૦ મો દોષ. आहारादिका अदला बदला कर साधुके निमित्त देनेमें लगनेवाला दोष, १६ उद्गमदोषोंमेंसे १० वां दोष a fault connected with giving of food etc. to an ascetic after changing पि० नि० ६३;

परियडण. न० (पर्यटन) ભટકવું અટન કરવું તે. भटकना, घूमना, सफर-यात्रा करना to roam, to travel. भत्त० ६५,

परियड्ढिय. त्रि० (परिकृष्ट) ખેંચાએલું खिंचा-हुआ. drawn, extended. मु० च० २, १३,

परियण. पु० (परिजन) દાસ પુરૂષ, નોકર વર્ગ. सेवक, नौकर, चाकर Servants, employees. उत्त० ६, ४, नाया० १, २, ८, १४; भग० ३, १, ६, ३३. विवा० ३, सु० च० १, १०८, ४, १६२; कप्प० ५, १०२, नाया० ध०

परियत्त. पु० (परिवर्त) ચક્ર, પૈડું चक्र, पहिया circle, discus, wheel. पण्ह० १, ३;

परियर; पु० (परिकर) ભેઠ, કેડ ઉપર નાણીને વસ્ત્ર બાંધવું તે. कटिबन्धन, कमरबन्ध loin-cloth; belt. पण्ह० १, ३. राय० ८१ २६३;

परियरिय. त्रि० (परिकरित) યુક્ત युक्त सहित including; attached to सु० च० १, १४६,

परियल्ल. पु० (परिवर्त) આંટો વિંટવું તે. आंटी देना; लपेटना घेरना Winding, circumscribing ओघ० नि० ७०६

परियस्सओ अ० (परिपार्श्वतस्) પડખેથી, પાસે, સમીપ पास समीप, पडौसमें near, in the vicinity भग० १४, १

परियाअ. पुं० (पर्याय) રૂપાન્તર બીજી અવસ્થા रूपान्तर. दूसरी अवस्था transformation, change. सूय० १, १, ३, ६, ओव० उवा० १०, २७७. (२) દીક્ષારૂપ પર્યાય. શ્રમણપણું. સાધુનો ભાવ दीक्षारूप पर्याय, श्रमणता साधुता consecration asceticism. सम० ५३. भग० ३, १. आया० १, ६, २, १८४,

परियाइणया. स्त्री० (पर्यादान) ચોતરફથી ગ્રહણ કરવું તે. चारों ओरसे ग्रहण करना-स्वीकारना accepting from all sides पन्न० ३४,

परियाग. पु० (पर्याय) પર્યાય, મનોગત ભાવ. पर्याय मनोगतभाव Sentiment, idea राय० २६३, उवा० १, २२. (२) પર્યાય, દશા State, condition. विवा० १, कप्प० ५, १४६ भग० १, ६, नाया० १ (३) પ્રવ્રજ્યા, શ્રમણાદિપણું. प्रव्रज्या, श्रमणता asceticism. भग० २५, ७ राय० २६४ नाया० ५, अणुत्त० १, १

परियाग. पु० (परिपाक) ફળ. પરિણામ फल, परिणाम fruit, result आया० १, ६, १, १७२

परियागय. त्रि० (पर्यागत) વ્યાપેલું व्याप्त. फैला हुआ Full, immanent, inherent उत्त० ५, २१, नाया० ३ ७, भग० १२, ४, पन्न० १६,

परियागिय. न० (परित्रायित) રક્ષણ-શરણનું સ્થાન रक्षण स्थान, त्राणभूमि, आश्रयस्थान refuge, shelter सूय० १, १, २, ७,

परियात. त्रि० (परियात) પામેલ प्राप्त मिलाहुआ Obtained, got. भग० १४, ७.

परियाय. पु० (पर्याय) દીક્ષા આદિ અવસ્થા दीक्षा आदि अवस्था a stage of consecration etc भग० ३, १, ७, ६. १४, ६, १५, १ १६, ८ नाया० ८; १२. निर०

३, १; —अंतगडभूमि. (–अन्तकृद्भूमि) तीर्थंकरने केवलज्ञान रूप पर्याय उत्पन्न थया पछी निरवच्छिन्नपणे साधु परंपरा मोक्ष जाय त्यां सुधीनी काल मर्यादा. तीर्थंकरको केवलज्ञान रूप पर्याय उत्पन्न होनेके बाद निरवच्छिन्नतया साधु परम्परा मोक्ष प्राप्त करे तब तककी काल मर्यादा. A period of time in which ascetics get salvation continuously after a Tīrthaṃkar reaches kevala jñāna (Perfect knowledge). कप्प० ५, १४५; —थेर. पुं० (–स्थविर) वीस वर्ष उपरांतनी दीक्षावाळा साधु; प्रवज्याए स्थविर वीस वर्षके उपरान्त बादकी दीक्षावाला साधु. ascetic; an ascetic after twenty years of consecration ठा० ३, २, वव० १०, १६;

परियार. पुं० (परिचार) शब्दादि विषयोनो उपभोग करवो ते; विषयविकार, मैथुनसेवन. शब्दादि विषयोंका उपभोग, विषयविकार, मैथुनसेवन. Sexual enjoyment; epicurianism पन्न० ३४, भग० १०, ५; (२) म्यान कोश–म्यान. खड्ग–कोश, म्यान scabbard. पण्ह० १, १; —इड्ढि स्त्री० (–ऋद्धि) शब्दादि दिव्य विषयनी ऋद्धि–सामग्री. शब्दादि दिव्य विषयकी समृद्धि–सामग्री Prosperity of divine objects like sound etc. भग० १०, ५;

परियार. पुं० (परिवार) परिवार, कुटुम्ब. परिवार, कुटुम्ब Family. भग० ७, ६; १६, ५; सू० प० १८, जीवा० ४, १;

परियारअ. त्रि० (परिचारक) मांदा माणसनी चाकरी करनार; सारवार करनार. रुग्ण मनुष्यकी परिचर्या करनेवाला; शुश्रूषक an attendant on a sick person ठा० ४, ४;

परियारणा. स्त्री० (परिचारणा) मैथुन सेवन; विषयभोग मैथुन सेवन, विषयविभोग. Sexual enjoyment ठा० ३, १; आया० २, १, ३, १५; पन्न० ३४,

परियाल. पुं० (परिवार) पोतानी पाछळ चालनार नोकर दास वगेरे. अपने पीछे चलने वालेनौकर चाकर–सेवका–दि. attendants; retinue. ओव० १३; नाया० १; ८, १६, भग० ६, ३३, राय० २७८.

परियाव पुं० (परिताप) सताप. पीडा, वेदना सताप पीड़ा; वेदना. Distress, pain. उत० २, २; आया० १, २, १, ६२; १, ३, २, ११३; पिं० नि० ५८४; दस० ६, २, १४,

परियावज्जण न० (पर्यापादन) कोहाई जवुं, सडवुं; बगडवुं ते. सड़जाना, बू–करनेलगना, बिगड़जाना. becoming sour or decomposed. पिं० नि० २८०;

परियावणया. स्त्री० (परितापनता) कोईने दुःख देवुं ते. परपीडन Troubling, harassing. भग० ३. ३ ७, ६; १२, २, १५, १,

परियावण्ण. त्रि० (पर्यापन्न) विस्मृत थयेलु विस्मृत भूलाहुआ. Forgotten. (२) तजेलु त्यक्त, छोडाहुआ abandoned. वेय० ३, २६; (३) खुब पाकेलु. खूब पकाहुआ; सुन्दर पकाहुआ-परिपक्व well matured; ripened. पन्न० १७, (४) व्याप्त. व्याप्त pervaded (५) पूर्ण. पूर्ण Full, filled. पन्न० २.

परियावन्न. त्रि० (पर्यापन्न) एक परिणामने छोडी बीजा परिणामने पामेल. परिवर्तन, एक परिणामको त्यागकर दूसरे परिणामको प्राप्त transformed, changed. प्रव० १४८३;

परियावसह. पुं० (पर्यावसथ) भिक्षुकोनो मठ. भिक्षुकोंका मठ–निवासस्थान. hermitage, monastery. आया० २, १, ८, ४४; २, २, २, ७७, निसी० ३, १,

परियाविय त्रि० (परितापित) પરિતાપના-દુઃખ ઉપજાવેલ दुःखित, संतप्त. distressed; harassed भग० १६, ३ आव० ४, ३,

परियावेयव्व. त्रि० (परितापयितव्य) દુઃખ દેવા યોગ્ય, પરિતાપ આપવા યોગ્ય परिपीडन योग्य, दुःखदने योग्य. Fit to be harassed or distressed आया० १, ४, १, १२६,

परिरंभिऊण. स० कृ० अ० (परिरभ्य) આલિંગન દઈને आलिंगन देकर छातीसे लगाकर. having embraced. सु० च० ३, १२८,

परिरक्खिअ-य. त्रि० (परिरक्षित) રક્ષણ કરેલ, સાચવેલ रक्षित, बचायाहुआ Protected उत्त० १८, ७६, सु० च० २, १७५,

परिरय पु० (परिरय) ઘેરાવો घेरा, वृत्त. extent, circumference प्रव० १०३३ उत्त० ३६, ५८, भग० ६, ७, जं० प० ७, १३२, १४७, (२) વેગ वेग, गति Speed ओघ० नि० भा० २६, (३) ફેરનો માર્ગ, આડો રસ્તો चक्करदार रास्ता, घुमाववाला रास्ता. circuitous way ओघ० ११२,

परिरायंत. त्रि० (परिराजमान) ચારે તરફથી પ્રકાશતુ चारो ओरसे प्रकाशमान. Shining on all sides कप्प० ३, ४१,

परिलित. त्रि० (परिलीयमान) લયલીન થતુ लयलीनता, तल्लीनता, तद्रूपता, एकात्मकता harmonizing, blending in tune पराह० १, ३. ओघ०

परिली. स्त्री० (परिली) વાદ્ય વિશેષ वाद्य विशेष, एक प्रकारका बाजा a sort of musical instrument. राय० ८६, निसी० १७, ३५ जीवा० ३, ३,

परिवंदण न० (परिवन्दन) પ્રશંસા, સ્તુતિ प्रशंसा श्लाघा, स्तुति Eulogy, praise आया० १, १, १, ११,

परिवंदिज्जमाण. त्रि० (परिवन्द्यमान) વન્દન કરાતું वन्द्यमान, प्रार्थ्यमान, वन्दना कियाजाता हुआ. Being bowed, saluted or prayed to. राय० २८६,

√**परिवज्ज.** धा० I (परि+वर्ज्) તજવુ त्यागना, छोडना, तजना To avoid, to abandon

परिवज्जए वि० दस० ५, १, ४ १२, ६, ५६. उत्त० १, १२, सूय० १, १, ४, ४.

परिवज्जित्तु. स कृ उत्त० २४, १०,

परिवज्जियाण व कृ आया० १, ८, १, १६

परिवज्जण. न० (परिवर्जन) તજવું, છોડવું त्यागना, छोडना abandoning; avoiding उत्त० ३०, २६, पचा० १०, ११,

परिवज्जिय. त्रि० (परिवर्जित) વર્જિત કરેલુ मनाकियाहुआ, निषिद्ध, वर्जित Prohibited forbidden. भग० ३, २ ७, ६, नाया० ५, ८, १६, सु० च० २, ३३ कप्प० ३, ४१, उवा० २, ६५,

परिवट्टण न० (परिवर्तन) વારંવાર શરીરનુ ઉદ્વર્તન કરવુ वार २ शरीरका उद्वर्तन करना anointing the body oftener (२) ગુણાકારરૂપે સામગ્રીની વૃદ્ધિ. गुणाकारवत् सामग्रीकी वृद्धि an increase of materials like multiplication आया० १, २, १, ६२,

परिवडिय. त्रि० (परिपतित) પડેલુ, ભ્રષ્ટ થયેલ पतित, भ्रष्ट Fallen, degenerated भग० ११, १२, पचा० ३, २४,

√**परिवड्ढ** धा० I. (परि+वृध्) વધવુ, વૃદ્ધિ પામવી बढना, वृद्धिपाना, उन्नति-बढती होना To increase, to wake progress

परिवड्ढइ. नाया० १६, विशे० ४६६,

परिवड्ढंति. नाया० १०,

परिवड्ढिउं सु० च० २, ३६६,

परिवड्ढमाण. व कृ भग० ११, ११, नाया० १०, निर० ३, १, जं० प० ४, ८४,

परिवड्डय. त्रि० (परिवर्द्धक) વૃદ્ધિ કરનાર वृद्धि करनेवाला, बढ़ानेवाला Enlarger; increaser. नाया० १;

परिवड्डिय. त्रि० (परिवर्धित) વધેલ; વૃદ્ધિ પામેલ. बढ़ाहुआ, वृद्धिप्राप्त, परिवर्धित increased. progressed. enlarged. नाया० ८,

√**परि-वत्त** धा० ३ (परि+वृत) ભટકવું. ફરવું. भटकना; फिरना. To roam; to wander (२) સ્વાધ્યાય કરવો, પર્યાલોચન કરવું. स्वाध्याय करना, पर्यालोचना करना to study religious book (३) અવલા રૂવાટીએ અભ્યંગન કરવું. उलटी ओरसे तेल मर्दन करना–रक्तकी गतिके विरुद्ध मालिश करना rubbing of oil in the opposite manner

परिवट्टेइ निसी० १, ६,
परिवत्तइ सूय० १, २, २, २,
परियत्तेइ. नाया० ३.
परियट्टेइ निसी० ५, ११, १४ २ १६, ३,
परियत्तंति नाया० ४,
परियट्टंति. ओव० २१,
परियट्टिस्सइ. नाया० ७,
परियट्टिय. स. कृ. निसी० १४, ३
परिवट्टंत. निसी० १, ६,
परिवत्तयंत. सूय० १, ५, १, १५,

परिवत्त. पु० (परिवर्त) આવર્ત, ભમરી. आवर्त, भँवर a whirlpool; an eddy. ओव० २१, विवा० १.

परिवत्ति स्त्री० (परिवृत्ति) પરિવર્તન. અદલબદલ परिवर्तन, फेरबदल Exchange, transference. क० प० ५, ६२,

परिवत्तिय. त्रि० (परिवर्तित) બદલાએલુ बदला हुआ परिवर्तित changed; transferred सु० च० १, ३५३,

परिवत्थिअ त्रि० (परिवस्थित) વીંટાએલુ, ઢંકાએલુ घिराहुआ, लिपटाहुआ, ढँकाहुआ. wound up; entwined: covered. ओव० ३०.

परिवयंत. व० कृ० त्रि० (परिव्रजत्) ચાલતુ, જતુ. चलताहुआ. जाताहुआ. going; walking. ज० प० ५, १२१, दस० २, ४;

√**परिवव.** धा० I (परि+वप्) વાવવુ बोना: बीज वपन करना. to sow.

परिवावेज्जा. प्रे० वि० नाया० ७,

√**परिवस.** धा० I. (परि+वस्) વસવું. રહેવું, નિવાસ કરવો बसना: रहना. निवास करना. To reside; to dwell

परिवसइ ओव० भग० २, १ १५, १, १८, १० नाया० ५; ६, १३, १६, १८, उवा० १, ३८, ३, १२७, ज० प० ७, १७७,
परिवसंति नाया० ३; ४, ८, १६. १७, भग० २, ५, ३, १, पन्न० २, ज० प०
परिवसामो. नाया० ८; १७, अंत० ६, १५,
परिवसेज्जा. वि० भग० १२, ७,
परिवसह आ० अंत० ६, १५
परिवसित्तए हे० कृ० नाया० ८;
परिवसावेइ. प्रे० नाया० १२,
परिवासेइ. प्रे० नाया० १२,
परिवसावेइत्ता. स० कृ० नाया० १२,

परिवसण. न० (परिवसन) નિવાસ, રહેઠાણ निवास, रहनेकास्थान a residence; dwelling. भग० ११, ६, ज० प०

परिवसिय त्रि० (पर्युषित) સુખપૂર્વક રહેલ सुखपूर्वक रहाहुआ (one) living happily. नाया० ८,

√**परिवह.** धा० II. (परि+वह्) ઉપાડી ફરવુ; વહેવુ उठाकर लेजाना, वहन करना, सहना. To pilfer, to carry, to endure.

परिवहइ. नाया० १; २, ८;
परिवहंति. भग० ३, १, ६, ६; जं० प० ७, १६६,

परिवहेज्जा वि० ठा० ३, १,

परिवहह प्रा० नाया० १, ८, भग० ६, ३३;

परिवहित्तए हे० कृ० वव० ८-१३-१४; राय० २५८,

परिवदंत. व० कृ० पिं० नि० ३५६,

परिवाअ. पु० (परिवाद) અપવાદ નિન્દા अपवाद; निन्दा. A slander, a censure प्रव० ६२८, ठा० १, १, विशे० १४५७,

परिवाइणी स्त्री० (परिवादिनी) તંત્રી, વીણા वीणा, तंत्री a lute. जीवा० ३. ३.

परिवाटी. स्त्री० (परिपाटी) પદ્ધતિ; અનુક્રમ पद्धति, परिपाटी; चाल, रीति. अनुक्रम a way; usage; custom सम० २२,

परिवाडी स्त्री० (परिपाटी) અનુક્રમ, પરિપાટી; રીતિ, પદ્ધતિ; વ્યવસ્થા अनुक्रम; परिपाटी, रीति; पद्धति, व्यवस्था. Serial order; tradition, usage, custom, way. ज० प० ७, १५७, भग० १, ३; ३, ५, ५५, ६, ५ २०, ५, २८, ३, नाया० अणुजो १३१; पिं० नि० २८६, विशे० १६१, ६१७, अंत० ८, १, संत्था० २, राय० १०६; प्रव० १०५२, (२) તપની શ્રેણી, તપનુ ગણિત કરવાને બનેલ યંત્ર-કે કોષ્ટકની સિદ્ધિપંક્તિ. तपकी श्रेणी, तप सम्बन्धी गणितके लिए बनाहुआ यंत्र अथवा कोष्टककी सिद्धिपंक्ति. An order of austerities, A Siddhi row of a table related to the arithmentic of austerities भग० ३, ७, नाया ८; (३) જમણવાર, જમવા બેઠેલ માણસોની પંક્તિ ज्योनार, भोजनार्थ बैठेहुए मनुष्योंकी कतार-पंक्ति a feast; a row of men sitting to dine. उत्त० १, ३२.

परिवादिणी. स्त्री० (परिवादिनी) વીણા; સતાર. वीणा, सितार; वाद्यविशेष a lute; a satar (a stringed musical instrument) पण्ह० २, ५;

परिवायणी स्त्री० (परिवादिनी) સાત તારવાળી વીણા. सात तारोंवाली वीणा a lute of seven wires ज० प० राय० ८८.

परिवार. पु० (परिवार) કુટુમ્બ કબીલો, સ્વજન. परिवार. कुटुम्बीजन, स्वजन Family; retinue, relations. भग० २, ५; ८. ३, १, ६, ५ ६, २. नाया० ८, ज० प०, राय० १८,

परिवारण. न० (परिवारण) રોકવું रोकना. stopping पण्ह० १, १.

परिवारयंत व. कृ त्रि० (परिवारयत्) પરિવાર વધારતો परिवारकी वृद्धि करताहुआ Increasing the retinue. उत्त० १३, १४,

परिवारिअ-य. त्रि० (परिवारित) ઘેરાએલ. વીંટાએલ, વ્યાપ્ત घिराहुआ, लिपटाहुआ, व्याप्त surrounded, wound up, full उत्त० १४, २१; सम० प० २१०, नाया० १; पन्न० २,

परिवारिया. सं कृ. अ० (परिवार्य) ઘેરીલઈને घेरकर; घेरा डालकर Having beseiged or surrounded. सूय० १, ३, २, २,

परिवाविया स्त्री० (परिवापिता) વાવેલુ ઉખેડી પાછું રોપવાથી ઉગે તે-શાલી વગેરેની કૃષિ. शाली आदि धान्यकी कृषि-जिनके बोचे हुए अकुरोंको उखाड़कर फिरसे रोपना-जमाना पड़ता है. Cultivation of rice etc. which require transplantation. ठा० ४, ४,

√**परिवित्तस.** धा० I (परि+वि+त्रस) ત્રાસ પામવો; બીવુ त्रासपाना; डरना, भयखाना To be distressed or troubled.

परिवित्तसिज्जा. वि० आया० १, ६, ५, १६५,

परिविति स्त्री० (परिवृत्ति) જુઓ 'परिवत्ति' શબ્દ देखो 'परिवत्ति' शब्द Vide परिवत्ति क० प० ५, ३४.

√परिविद्धंस. धा० I. (परि + वि + ध्वस्) ध्वंस करवो; नाश करवो. ध्वंस करना; नाश करना. To destroy; to annihilate
परिविद्धंसंति. भग० ६, ३;
परिविद्धंसेज्जा. वि० भग० ६, ७
परिविद्धंसइत्ता स० कृ० जीवा० १.
परिविद्धत्थ. त्रि० (परिविध्वस्त) विनाश-ध्वंस पामेल विनष्ट; ध्वस्त. नाश किया हुआ De-stroyed; ruined. सूय० २, ३, २, भग० १६, ४,
√परिविसज्ज धा० I. (परि+वि+सृज्) विसर्जन करवु. विसर्जन करना, आदरपूर्वक त्याग करना. To dismiss; to give leave
परिविसज्जइ नाया० ८,
परिविसिट्ठ. त्रि० (परिविशिष्ट) विशिष्ट; युक्त. विशिष्ट, अधिकयुक्त. Especial; particu larised भग० ६, ३३.
परिविस्स. स कृ अ० (परिवेष्य) पिरसीने. जमाडीने परोसकर; जिमाकर; भोजन कराकर, Having served food; having given food उत्त० १४, ६
परिवुड. त्रि० (परिवृत) व्याप्त, वीटाएलु; घेराएल व्याप्त, घिराहुआ, लपटाहुआ Full; surrounded; wound up. ज. प ५, ११७, ११५, नाया० ५, १४, भग० ५, ६, ७, ६; १२, २. सू० च० २, उवा० ७, २०८, ५८६; नदी० स्थ० ८, प्रव० ३६३
परिवुड्ढ त्रि० (परिवृद्ध) पुष्ट; वृद्धि पामेल, बलवान पुष्ट, वृद्धियुक्त, बलवान Fat, strong, increased दस० ७, २२,
परिवुड्ढि. स्त्री० (परिवृद्धि) वधारो; वृद्धि. अधिकता, वृद्धि, बढती. Excess; increase ज० प० ४, ६४, क० प० १, ६,
परिवुसिअ. त्रि० (पर्युषित) संयममां उद्यत विहारी; संयमतत्पर संयममें तत्पर विहारी; संयमशील Devoted to self-restraint आया० १, ६, ७ १८३; (२) वसेल, निवास करेल. बसाहुआ, निवास कियाहुआ. Resident; inhabitant निसी० ६, १२:
परिवूढ त्रि० (परिवृढ) समर्थ; शक्तिवान समर्थ. शक्तिमान Able; strong. उत्त० ७, २,
परिवेढिय त्रि० (परिवेष्टित) चारे तरफ वींटाएल. चारों ओरसे घिराहुआ. Surrounded on all sides नाया० १६, भग० ७, ६, ८, १०, १६, ६, निसी० ३, ६; १६, २४; नं० १०
√परिवेस धा. II. (परि+विष्) पीरसवुं परोसना. To serve food.
परिवेसेइ. नाया० २, १६;
परिवेसेइत्ता स कृ नाया० २,
परिवेसेमाण. व कृ. नाया० ८,
परिवेस. पु० (परिवेष) चंद्र सूर्यने फरतु कुंडाळु थाय छे ते चन्द्र सूर्यके चारों ओर दिखाई देनेवाला आभापूर्ण मंडल. A revolving lustrous halo round the Moon and Sun. जीवा० ३, ३,
परिवेसंतिया. स्त्री० (परिवेषयन्तिका) घरना माणसोने पीरसनारी-जमाडनारी स्त्री. घरके लोगोंको परोसकर जिमाने-भोजन-करानेवाली स्त्री a female who serves food to the members of a family नाया० ७,
परिवेसण. न० (परिवेषण) पीरसवु ते. परोसनेका कार्य. Serving of food. पिं० नि० ४५. ११६: ४४५;
√परिव्वअ धा० II. (परि+व्रज्) विचरवु. विहरवु विचरण करना, विहार करना To roam; to play. (२) संयम निर्वाह करवो. संयम निर्वाह करना. To accomplish self-restraint

परिव्वए वि उत्त० २, १६, आया० १, ५, २, ५, ८७, १, ६, २, १८३; सूय० १, १, ४, ३;

परिव्वएज्जासि वि. सूय० १, १, ४, १३, २, ५, २३,

परिव्वाइया स्त्री० (परिव्राजिका) સન્યાસણ. सन्यासिनी a female ascetic सूय० २, ७, १६, नाया० ८, आया० १, १, ३, १५,

परिव्वायश्र. पु० (परिव्राजक) સન્યાસી, તપસ્વી सन्यासिन्-तपस्वी an ascetic आया० १, १, ३, १५, कप्प० १, ६,

परिव्वायग. पु० (परिव्राजक) સન્યાસી सन्यासी, परिव्राजक an ascetic सूय० २, ७ १६, नाया० १, ५, ८, भग० २, १, ११, १२, १४, ८, पन्न० २०, अणुजो० १३१, सु० च० ८, १३८, —**आवसह** पुं० (-आवसथ) સન્યાસીનો મઠ. सन्यासीओंका मठ a monastary भग० ११, १२, —**धम्म** पु० (-धर्म) સન્યાસીનો ધર્મ. सन्यासीका धर्म The duty or religion of an ascetic नाया० ५, ८,

परिसंकमाण. व० कृ० त्रि० (परिशङ्कमान) ગુણ દોષની દરકાર રાખતો, બેદરકાર ન બનતો. गुणदोषकी दरकार-अपेक्षा-रखनेवाला अनपेक्ष न होनेवाला. (one) expecting or attending to virtue and vice, not uninterested. उत्त० ४, ७,

परिसंखा स्त्री० (परिसंख्या) મર્યાદા, હદ मर्यादा; हद, सीमा. Limit, boundary. आउ० ५; (२) જ્ઞાન. ज्ञान Knowledge. दस० ७, १,

परिसंठिय. त्रि० (परिसंस्थित) સારી રીતે સ્થિર રહેલુ उत्तमतया कायम रहाहुआ, प्रतिष्ठापित well established प्रव० १५६३,

परिसंत. त्रि० (परिश्रान्त) થાકી ગયેલુ थका हुआ. नाया० १४,

परिसंभित्तार. त्रि० (परिसभेतृ) ભેદ પાડનાર. भेद करनेवाला, खण्ड करनेवाला One who differentiates or breaks सम० ३३,

परिसक्किर. त्रि० (परिष्वक्किन) વિસ્તાર પામવાના સ્વભાવવાળુ. विस्तारशील. Extensible. "वायवस विपुलगगण चवलपरिसक्किरेसु" नाया० १,

√परिसड. धा० I. (परि+शट्) સડી જવુ; કોહાઇ જવુ. सड्जाना, वास देने लगना. To get rot, to decay. (२) ઉપયોગી થવુ; કામમાં આવવું उपयोगी होना, काममें आना. To be useful; to be serviceable.

परिसडइ. आया० २, १, ६, ५४,

परिसडंति. ठा० २, ३,

√परिसड. धा० II. (परि+शट्) ફેંકી દેવુ, ઉડાડી મુકવુ, ધક્કેલી દેવુ. (२) લેવરાવવુ. (३) નાશ કરવો (४) પાડવુ; ખખેરવુ. फेंक देना, धक्का देदेना (२) लिवाना, (३) नाश करना (४) गिराना, खखरना. To throw away, to push; to pour out; to cause to take, to fell; to shake

परिसाडेइ-ति. निसी० १, ५६, नाया० १, भग० ३, १, राय० २६, ३२;

परिसाडंति. आया० २, १५, १७६;

परिसाडइत्ता. स कृ जीवा० १; पन्न० २८. भग० ३, १;

परिसाडंत व. कृ निसी० १, ५६;

परिसडित. त्रि० (परिशटित) સડી ગયેલ; પડી ગયેલ. सडाहुआ, पतित, भ्रष्ट. Rotten, fallen. निर० ३, ३. —**कंदमूल** न० (-कन्दमूल) સડયા પડયા કંદમૂલ. सड़े पिड़े कन्दमूल. Rotten roots. निर० ३, ३,

परिसडिय. त्रि० (परिशटित) સડી ગયેલું. सड़ाहुवा Rotten. ओव० ३८, नाया० १;

भग० ७, ६, राय० २५८; ज०प० —रज्जु. स्त्री० (-रज्जु) सडी गयेली दोरडी सडीहुई रस्सी. a rotton rope. नाया० ८;

√**परिसप्प.** धा० I. (परि+सृप्) सरकी सरकीने चालवुं. रेंगते हुए-सरकते २ चलना. To crawl.

परिसप्पंति. सूय० १, ३ २, ११;

परिसप्प पुं० (परिसर्प) पेटभर के छातीभर चालनार प्राणी; सर्पादि पेट या छातीके बल रेंगनेवाले सर्प आदि A reptile e. g. a serpent etc. उत्त० ३६, १७८; भग० ८, १, जीवा० १, पन्न० १;

परिसप्पिणी. स्त्री० (परिसर्पिणी) छातीभर चालनार तिर्यंचणी; नागण वगेरे. छातीके बल चलनेवाली तिर्यंच पत्नी-नागिन आदि a female reptile. जीवा० १;

परिसमाणीय. त्रि० (परिसमानीत) सम्पूर्ण करेलुं. सम्पूर्ण-सम्पन्न. समाप्त कियाहुआ. Finished. विशे० १०१२;

परिसमाविय. त्रि० (परिसमापित) परिपूर्ण करेल परिपूर्ण कियाहुआ. Fulfilled. विशे० ३६०२;

परिसर. पुं० (परिसर) अष्टापद जनावर. अष्टापद जानवर आठ पैरोंवाला पशु. An octoped. आया० २ १, ५, २७,

परिसरित्तए. हे. कृ. अ० (परिस्मर्तुम्) सभारवाने. सस्मरण करनेके हेतुसे; स्मृत्यर्थ. For rememberance. वव० ५, १८,

परिसह. पुं० (परिषह) अचित्तु आवी पडतुं कष्ट; उपसर्ग. भूख तरस वगेरे बावीस परिषह सहन करवा ते. अकस्मात् आगिरनेवाली विपत्ति. उपसर्ग, भूख, प्यास आदि २२ परिसहोंका सहन an accidental misery, *vis major*, trouble, endurance of 22 miseries e. g. hunger, thirst etc. ओव० १६; सम० २२; राय० २६४, कप्प० ५, १०३; प्रव० १६ ६६४; भग० १५६; —उवसग्ग. पुं० (-उपसर्ग) मानुषिक अने दैविक आपत्ति; मनुष्य तिर्यंचकृत परिषह अने देवकृत उपसर्ग. मानुषिक तथा दैविक आपत्ति, मनुष्य तिर्यंचकृत परिषह तथा देवकृत उपसर्ग Human and divine calamity. दसा० १०, ३; —वत्तिय. पुं० (-प्रत्यय) परिषहनुं कारण-निमित्त. परिषहका कारण-निमित्त. The cause of calamity. भग० २ ७;

परिसा स्त्री० (परिषद्) प्रखदा; सभा; श्रोताओनो समूह; कचेरी. सभा; श्रोतृसमाज; कचहरी. परिषद् an assembly; audience, a court. ओव० ३४, ठा० ३, १, सूय० १, ४, १, १८, अणुत० ३ १, उत्त० २३, २१, २५, १२; भग० १, १; २, १; ३, १, १०; ७, १०; १४, २; १५, १, नाया० १: २: ५ ८. १३; १६; दसा० ३, २७-२८-२६-३०: ४, ४६; ५, ७; ६, ४; ६, १०, १०, ११; सू० प० १, १८; विशे० १०५६, २३५५, नंदी० स्थ० ४६. जीवा० ३, ४; निसी० ६, ११; सु० च० ३, ३८६, ८, ४२; ज० प० ५, ११५; राय० ६५, कप्प० २, १३, ५, १०७, प्रव० १३१. ८६२; गच्छा० १२८; उवा० १, ६, ११; ८, २३५, २५८, दस० ४; —उववरणय. त्रि० (-उपपन्नक) सभामां उत्पन्न थयेल सभामें उत्पन्न Born in an assembly. भग० ३, ३; —मज्झ. न० (-मध्य) सभानी मध्ये; सभानी अंदर. सभाके बीच, सभामध्य. सभामें. In the midst of an assembly. निसी० १४, ४८;

परिसाइ. त्रि० (परिस्राविन) जेमांथी सहेज साज पाणी झरतुं होय एवुं कचुं. वह झरना जिसमेंसे स्वभावसेही सरलतया पानी झर रहाहो. a raw thing from which a little water oozes out. ठा० ४, ४;

परिसाड पु० (परिशाट) विनाश करवो ते विनाश कार्य Destruction. (२) पाडवुं, पटकवुं गिराना; पटकदिया To let fall पिं० नि० ५००, पन्न० १

परिसाडण. न० (परिशाटन) गर्भपात करवो, गर्भनु पाडवु गर्भपात करना, गर्भ गिराना abortion. पिं० नि० ५११,

परिसाडणिया स्त्री० (परिशाटनिका=परिशाटन) रस्तामा वेहेरातु–ढोळातु होय तेवी रीते आहारादि लइ आववा ते रास्तेमें गिरता हुआ आवे इस भाँति–ऐसे परिभागमें आहारादिका लाना Bringing of food in a manner in which it falls out आव० ४, ५,

परिसाडि. स्त्री० (परिशाटि) वेरावु, ढोळावु. ढुलना, गिरना, बिखरना Falling down, scattering. पिं० नि० ५५२,

परिसामंत. पु० (परिसमत) पर्यन्तवर्ति प्रदेश, अंतभाग (२) चारे तरफ अन्तिम प्रदेश, पर्यन्त भाग (२) चारों ओर The boundary, the extremity, on all sides जीवा० ३; १, भग० १३. ४,

परिसामिय. त्रि० (परिश्यामित) काळु थयेलु काला बनाहुआ, कृष्ण कियाहुआ Blackened नाया० १,

परिसाविय. त्रि० (पर्युषित) वासी राखेल बासी रखाहुआ kept stale निसी० ११. २८,

परिसावियाण. स० कृ अ० (परिस्राव्य) गाळीने, गळीने. गालकर, छानकर, गलकर, चूकर straining, oozing out आया० २, १, ८, ४३,

√परिसिंच धा I. (परि+सिच्) सिंचवु, पाणी रेडवु सींचना, पानी देना, छिटकना. To sprinkle; to water.

परिसिंचेज्जा. वि० उत्त० २, ६,

परिसिंचमाण. व. कृ नाया० १, भग० ८, ३३, १५, १, कप्प० ३, ४६,

परिसिट्ठ. त्रि० (परिशिष्ट) बाकी रहेलुं, वधारानु शेष बचाहुआ, अवशिष्ट Remainder; residue आया० २, २, ३, ८०,

परिसीसक न० (परिशीर्षक) आटा वगेरेथी बनावेलो माथानो आकार आटे आदिकी बनाई हुई सिरकी आकृति An image of a head made of flour etc. पराह० १, २.

परिसुक्क. त्रि० (परिशुष्क) सुकेलु सूखाहुआ. शुष्क. Dried. उत्त० २, ५. विवा० २;

√परिसुज्झ. धा. I (परि+शुध्) निर्मळ थवु निर्मल होना, पवित्र होना To be pure or clean.

परिसुज्झइ–ंति. उत्त० २८, ३५, दसा० ५, ३.

परिसुराण. त्रि० (परिशून्य) सर्वथा शून्य. सर्वथा शून्य, नितान्त सूना. Vacant in all manners विशे० २५६,

परिसुद्ध त्रि० (परिशुद्ध) शुद्ध; निर्दोष शुद्ध, अति निर्दोष–पवित्र Pure, clean; faultless. भत्त० १०७. पंचा० १, ३३, २, २८, ३. १. ४, ४०; ६, ४६,

परिसेय. पु० (परिषेक) पाणी छांटवु ते पानी छिटकना Sprinkling of water. पिं० नि० भा २३,

परिसेस. पु० (परिशेष) बाकी रहेलु, अवशेष बाकी बचाहुआ, अवशेष Remainder, residue. विशे० २७५, क० गं० ६, ७२,

परिसोढव्व. त्रि० (परिसोढव्य) सहन करवु सहन करना–नेके योग्य Endurable. विशे० ३००४,

परिसोसिय. त्रि० (परिशोषित) सुकवी नाखेलु. सुखायाहुआ. Dried. उत्त० १२, ४, नाया० १,

परिसोहिय. त्रि० (परिशोधित) विशेष शोधेलु. विशेष रूपसे शोधाहुआ especially purified. जीवा० ३, ४,

परिस्संत. त्रि० (परिश्रान्त) અતિશય થાકેલ; શ્રમિત થયેલ अत्यन्तश्रान्त; थकाहुआ. much exhausted, tired नाया० १; ६; ओव० ३१, सु० च० १२, ८, कप्प० ४, ६१;

परिस्सम. पु० (परिश्रम) પરિશ્રમ; થાક. परिश्रम; थकावट. Exhaustion; weariness. ओव० ३१; नाया० १, १३; विसे० ११६६, ओघ० नि० ५२१. भग० १४३; कप्प० ४, ६१;

परिस्सव. पु० (परिस्रव) કર્મ તજવાના સ્થાન; કર્મ છોડવાના હેતુ. कर्म तजने-त्यागनेके स्थान, कर्म त्यागके हेतु. The stage or reason of abandoning karmas. आया० १, ४, २, १३०;

परिस्सवमाण. व. कृ. त्रि० (परिस्रवत्) વહેતો. वहताहुआ. Flowing. विवा० १,

परिहत्थ. त्रि० (   ) હુશીયાર; નિપુણ. होशियार, चतुर, निपुण. wise, adept; skilful. ओव० ३१, (२) ઘણુ, ઝાઝું. much more. नाया० १३. जीवा० ३, १. (३) ભરેલું; ભરપુર. भराहुआ, परिपूर्ण, भरपूर Full; complete. कप्प० ३, ४२,

√परिहर. धा० II. (परि+हृन्) પરિહાર કરવો, તજવું (२) પહેરવું, ધારણ કરવું (३) ભોગવવું. परिहार करना, छोड़ना. (२) पहिनना, धारण करना. (३) भुगताना; सहन करवाना. To renounce; to avoid. (2) to wear. (3) to endure, to suffer.

परिहरेइ निसी० १२, १४-१५;

परिहरंति. दस० ६, २०-३६,

परिहरे. वि उत्त० १, २४;

परिहर. आ. भत्त० ६७;

परिहरतु. भग० २५, ७.

परिहरित्तए. हे कृ वेय० १, १६-३७, ३, २४,

√परिहर. धा० I. (परि+हृणि) ઉપભોગ કરવો. (२) તજવું. उपभोग करना. (२) तजना; त्यागना. To enjoy, to renounce, to abandon.

परिहारयति. जीवा० ३, १;

परिहारित्तए. हे० कृ० वव० ७, १७,

परिहरण. न० (परिहरण) દૂર કરવું. (२) પરિભોગ. दूर करना. (२) परिभोग. To set aside; extent. विशे० २६१७; पिं० नि० १८८; —**अरिह.** त्रि० (-अर्ह) ભોગવવા યોગ્ય भोगने योग्य; योग्य. Fit to be enjoyed. वेय० ३, २६, ४, २४, वव० ७, १७; —**विसोहि** स्त्री० (-विशोधि) પરિહરણ-તપ વિશેષની શુદ્ધિ परिहरण तप विशेषकी शुद्धि Purity due to Pariharana (a kind of austerity). ठा० ५, २;

परिहरणा. स्त्री० (परिहरण स्त्रीत्व प्राकृत्वात्) જુઓ 'પરિહરણ' શબ્દ. देखो 'परीहरण' शब्द. Vide 'परीहरण' पिं० नि० १६७,

परिहरिय. त्रि० (परिहृत) તજેલું; છોડેલુ त्यक्त; छोड़ाहुआ Abandoned; left off. भग० १५, १; सु० च० १, २७२;

परिहरियव्व. त्रि० (परिहर्तव्य) તજવા લાયક. (२) ઉપભોગને યોગ્ય छोड़ने योग्य, त्याज्य (२) उपभोग योग्य Fit to be avoided; fit to be enjoyed. भग० २८, २; पराह० २, १; प्रव० ६४७, पचा० ७, १६;

√परिहा. धा० I. (परि+हा) ઘટવું, ઓછું થવું घटना; कम होना. To decrease; to lessen

परिहाइ—नंदी० १३;

√परिहा धा० I. (परि+हा) ધ્વંસ થવો; ઓછું થવું. ध्वंस होना; नाश होना; क्षति होना. To be destroyed or ruined.

परिहायइ-ति. सूय० १, २, २, १९; भग० २४, १,

परिहायंते—विं० नि० ४५,
परिहायंत—व० कृ० ३६, ५६,
परिहायमाण—व० कृ० भग० ६, ३१, ११, ११, नाया० १०, १३, निर० ३, २, पन्न० २,

परिहा. स्त्री० (परिखा) નીચે સાંકડી અને ઉપર પહોળી ખોદેલી ખાઇ नीचेसे सँकडी और उपरकी ओर चौड़ी खुदी हुई खाई a ditch broad at the mouth and narrow at the bottom अणुजो० १३४ भग० ८, ६. सु० च० २ ७, पन्न० २, ज० प०

परिहाण न० (परिधान) વસ્ત્રાદિક પહેરવા તે, વસ્ત્ર, પોષાક. वस्त्रधारण, वस्त्र, पोषाक. a garment, a dress सु० च० २, ३२७, पन्न० २,

परिहाणि. स्त्री० (परिहानि) હાનિ, ઘટાડો. हानि, घाटा, नुकसान. Loss, decrease. पन्न० २, ज० प० २, २६ पचा० १, ४८,

परिहार. पु० (परिहार) માસ, લઘુમાસાદિ પ્રાયશ્ચિત-તપ વિશેષ. मास, लघुमासादि प्रायश्चित्त-तप विशेष a particular austerity. वेय० २, ४, ३, २४, ४, २६, विशे० १२७२, वव० १, २२-२३, ७, १७, ८, ५, क० ग० ३, १८, ४, १५ ४४, (२) ત્યજવું તે, ત્યાગ छोड़ना, त्याग. abandoning, divorce पंचा० १६, २१. —**ठाण.** न० (-स्थान) પ્રાયશ્ચિત્તનુ ઠેકાણું. प्रायश्चित्त स्थल The place of expiation. वेय० १, ३६, वव० १, १-२० ६, १६, निसी० २०, १०-११ —**पत्त.** त्रि० (-प्राप्त) પ્રાયશ્ચિત્તને પામેલ. प्राप्त प्रायश्चित्त expiated. वव० २, २२,

परिहारग. पु० (परिहारक) પાપ કર્મને દૂર કરનાર મુનિ पाप कर्मको दूर करने वाले मुनि. a sage who spurns sins. भग० २५, ७.

परिहारविशुद्ध. न० (परिहारविशुद्ध) પરિહાર વિશુદ્ધ ચારિત્ર, ચારિત્રના પાંચ પ્રકારમાનો ત્રીજો પ્રકાર, જે ચારિત્રમા નવ સાધુ એક મડળરૂપે રહી અઢાર મહિના સુધી વારા ફરતી તપ કરે છે તે તપ વિશેષ परिहार विशुद्ध चारित्र, चारित्रका तीसरा प्रकार, जिस चारित्रमें नव साधु कपडलरूप में रहकर अ-ढारह मासपर्यन्त अनुक्रमसे तप करते हैं वह तप विशेष a life purified by a particular austerity the 3rd variety of conducts out of five, an austerity in which nine ascetics form a group and perform austerity turn by turn for 18 months. ओव० २०,

परिहारविसुद्धि. पु० (परिहारविशुद्धिन्) પરિહાર વિશુધ્ધ ચારિત્રવાન સાધુ परिहार विशुद्ध चारित्रवाला साधु. An ascetic performing a particular penance चउ० ३३, पन्न० १,

परिहारविसुद्धिय. न० (परिहारविशुद्धिक) પરિહાર વિશુદ્ધ નામે એક અઢાર મહીનાનુ તપ છે, તે તપને યોગ્ય નવ સાધુઓનુ એક મણ્ડલ વારાફરતી તપ કરે. ગ્રીષ્મ ઋતુમાં જઘન્ય એક ઉપવાસ મધ્યમ છઠ્ઠ અને ઉત્કૃષ્ટ અઠ્ઠમ, શીયાળામા છઠ્ઠ, અઠ્ઠમ અને ચાર ઉપવાસ, ચોમાસામા અઠ્ઠમ, ચાર અને પાચ ઉપવાસ કરે, પારણે આયબિલ કરે, પ્રથમ ચાર સાધુ છ માસ સુધી ઉપર પ્ર-માણે તપ કરે બીજા સેવામા રહે, પછી બીજા ચાર છ મહિના સુધી અને પછી એક સાધુ છ માસ સુધી તપ કરે એમ અઢાર મહિને પરિહાર તપ પૂર્ણ થાય તેથી જે વિશુદ્ધિ થાય તે વિશુદ્ધિ દશામા જે ચારિત્ર હોય તેનુ નામ "પરિહારવિશુદ્ધિય" ચારિત્ર, ચારિત્રનો ત્રીજો પ્રકાર परिहार वि-

शुद्ध नामक अठारह महिनेका एक तप. यह तप नौ योग्य साधुओंके एक मडलद्वारा अनुक्रमसे किया जाताहै, ग्रिष्मऋतुमें एक उपास जघन्य, छठ मध्यम और अठम उत्कृष्ट, जाडेके दिनोंमे छठ, आठम और चार उपवास, वर्षाऋतुमें चार आठम तथा पांच उपवास करते हैं पारणावसरपर आयम्बिल करते है। प्रथमतः चार साधु छ मास पर्यन्त उपरोक्त विधिमें तप करते हैं और शेष उनकी सेवामें उपस्थित रहतेहै फिर दूसरे ४ छ मास पर्यन्त और फिर एक साधु छ मास तक इस प्रकार अठार महिनोंमें यह व्रत पूर्ण होता हैं। इससे जो विशुद्धि होती हैं और जो चारित्र तयार होता है उसे "परिहारविशुद्धिय" चारित्र कहतेहै; यह चारित्रका तीसरा प्रकार हैं An austerity so named entending upto 18 months, this is performed by 9 saints turn by turn. पचा० ११, ३; उत्त० २८, ३२; भग० ८, २; २५, ६-७,

परिहारिश्र-य. पु० (पारिहारिक) દોષનો પરિહાર કરી શુદ્ધ આહાર લેનાર સાધુ. दोषका परिहार करके शुद्ध आहार ग्रहण करनेवाला साधु an ascetic who accepts pure food avoiding all faults. आया० २, १, १, ४, निसी० २, ४०; विशे० १२७२, वव० १, २२. प्रव० ६१०.

परिहारिय. त्रि० (परिहार्य) પરિહરવા-તજવા યોગ્ય. परिहार करने या त्यागने योग्य Fit to be avoided or abandoned वव० ७, १८,

परिहास. पु० (परिहास) હાસ્ય, મશ્કરી हास्य; उपहास, मश्करी मजाक. Laughter; a joke सूय० १ १४, १६,

परिहि. पु० (परिधि) ઘેરાવો. घेरा, परिधि Circumference प्रव० १४१७,

परिहिश्र-य. त्रि० (परिहित) ધારણ કરેલું; પહેરેલું धारण कियाहुआ, पहिनाहुआ worn; put on. ज. प. ३, ५८; सूय० २, २, ५५; ओव० ११, २२; भग० २, ५, ६, ३३; ११, १२; नाया० १, २, ५; ८, १६, सू० प० १, पन्न० २; नाया० ध उवा० २, ११२.

परिहीण. त्रि० (परिहीन) હીણું; ઓછું. हीन, क्षुद्र, हलका Less; light. ज प ५, ११५, प्रव० ६७७,

परिहीन. त्रि० (परिहीन) રહિત; હીન. रहित. हीन. Destitute of, devoid of. राय० ३६,

परीसह. पु० (परीषह) સાધુઓએ સહન કરવાનું ભૂખ, તરસ વગેરેનું કષ્ટ. साधुओंको सहन करने योग्य भूख, प्यास आदिका कष्ट. an affliction of hunger, thirst etc. fit to be borne by saints ओव० ३६, उत्त० २, १-१४, सम० ६; २२, भग० १, ६; २, १, ८, ८, नाया० १; दस० ३ १३; १०, १, १४, राय० २१५;

परुक्ख. न० (परोक्ष) ઇન્દ્રિયોની સહાયતાથી થતું જ્ઞાન, પરોક્ષજ્ઞાન. इन्द्रियोकी सहायतासे होनेवाला ज्ञान; परोक्षज्ञान. a knowledge produced by the help of the senses, perceptual knowledge. नदी० २४; सु० च० ५, ७१, **—वयण.** न० (-वचन) નજર બહારનું કંઇ બતાવવાનુ વચન; જેમકે-તે-દેવદત્ત. दृष्टिसे परे किसी पदार्थका निर्देश-यथावह-देवदत्त a word indicating an object beyond sight *e. g.* that Devadutta etc. आया० २, ४, १, १३२;

परुण्ण त्रि० (प्ररुदित) રોએલું, રૂદન કરેલ रोयाहुआ; रुदित; रुदन कियाहुआ (one) who has cried; wept. भग० १५,१,

परूस. त्रि० (परुष) કઠિન; કર્કશ. कठिन; कर्कश; कठोर Hard; cruel. सूय० १, २, २, ५;

परूढ. त्रि० (प्ररूड) ઉગેલું; વધેલું उगाहुआ; बढाहुआ. grown; thriving. भग० ७, ६, पण्ह० १, ३; ओव० ३८, —**मूल** त्रि० (-मूल) મજબૂત થયું છે મૂલ જેનું તે. दृढ-मजबूत मूलवाला, दृढमूल firmly rooted. भत्त० ५३,

√परूव धा० I II. (प्र+रूप्) નિરૂપણ કરવું निरूपण करना. To expound

परूवेइ ज प ७, १७८, ओव० २७, ४०; भग० ८, २. १६, ६, उवा० ८, २६२.

परूवइ. भग० ३, १,

परूवेति भग० १, ६; २, ५, ५, ३-४,

परूविंति आया० १, ४, १, १२६;

परूवेमि भग० २, ५, ७, ६.

परूवेज्ज वि. भग० ६, ३१,

परूवेह आ भग० १५, १;

परूवि(वे)स्सं. भ विशे० १७६, ४४३,

परूवित्ता सं कृ ठा० ३, १,

परूवेमाण. व कृ भग० ३, १, ६, ३३; ११, १२, नाया० ८, ओव० ३८,

परूविंत. व. कृ. गच्छा० २४,

परूविज्जंति. क वा लभ. व० १७०,

परूवणया. स्त्री० (प्ररूपण) વિચારપૂર્વક કથન, પ્રરૂપણા. विचारपूर्ण कथन, प्ररूपणा Expounding, explanation सम० २; विशे० ४०७,

परूवणा स्त्री० (प्ररूपणा) પરૂપણા કરવી प्ररूपणा करना. Explanation. अणुजो० ७३ १३८, भग० २५, ३; पिं० नि० ३,

परूविय. त्रि० (प्ररूपित) નિરૂપણ કરેલ. निरूपित Enplained. अणुजो० १६;

परेज्जं. अ० ( ) પરમ દિવસે. परसोंके दिन. Day before yesterday or after tomorrow. पिं० नि० २४१;

परोइय. न० (प्ररोदित) રુદન કરવું. रोना. विलाप करना; आँसू बहाना. crying; weeping विशे० १७५४;

परोक्ख. न० (परोक्ष) ઇન્દ્રિય અને મનની સહાયથી જે જ્ઞાન થાય તે; પરોક્ષ જ્ઞાન; પ્રત્યક્ષ નહી તે. इन्द्रिय तथा मनके योगसे होनेवाला परोक्ष ज्ञान Knowledge produced by the union of the mind and senses. ठा० २, १, विशे० ८८, ५६७; नदी० २, प्रव० ६०३; वव० ७, ४;

परोक्खत्त. न० (परोक्षत्व) પરોક્ષપણું. परोक्षता The state of direct perception विशे० ८५,

परोप्पर. पु० त्रि० (परस्पर) પરસ્પર; અન્યોન્ય. परस्पर; अन्योन्य, एक दूसरेके सम्बन्धका, आपसका. Mutual; one another. भग० ८, १०; १२, १०, सु० च० ५, ८, पन्न० २२; ज० प० १, १४; क० प० २, ३;

परोप्परओ अ० (परस्परतस्) એકબીજાથી. एकदूसरेसे. From one another. विशे० ७२;

परोहड. न० (✱) અજાણ્યુ ભોયરૂ उजेला भोंयरा-तलघर. An unknown cellar ओघ० नि० ४१७,

पल. न० (पल) એક પ્રકારનુ વજન, तोल एक तोल-माप विशेष A measure. अंत० ६, ३, प्रव० १३८४, (२) દશમા દેવલોકનુ એક વિમાન, એની સ્થિતિ વીસ સાગરોપમની છે, એના દેવતા દશમે મહિને શ્વાસોચ્છ્વાસ લે છે, એને વીસ હજાર વરસે ક્ષુધા લાગે છે (२) दसवें देवलोकका एक विमान, इसकी स्थिति वीस सागरोपमकी है, इसके देवता दसवें महिने श्वासोच्छ्वास लेते है. इन्हे वीस सहस्र वर्षोंमें भूख लगती है. A celestial abode of the 10th Devaloka; its gods live for

20 Sāgaropamas (a measure of time), breathe once at the 10th month and feel hungry once in 20000 years. सम० २०, (३) मास. मांस, गोश्त, श्रामिष. Flesh श्रोव० १०;

पलंडु. पु० (प्लाण्डु) डुंगळी, प्याज प्याज; कांदा. Onion. उत्त० ३६, ६७, भग० ८, ५, निं०नि० १६४, पन्न० १;

पलंव. पु० (प्रलम्ब) लुम्ब-लटकतां फूळोनो झुमखो लुम्ब-लुम्बकोका भुमका. A hanging bunch आया० २, १, ८, ४५; उत्त० ५, १, ७०, उवा० २, १०१; (२) डणसलो aulas of corn. आया० २, १, १, ३; (३) त्रि० दीर्घ, लाम्बु दीर्घ, लम्बा. Lengthy. ज. प. ५, ११५; ७, १६६, नाया० १; दसा० १०, १, पन्न० २, ज० प० राय० ८०; (४) न० फूल फल. A fruit. ठा०४, १; (५) पडिलेहवाना वस्त्रोना खुणा लंबावव- खेंचवाथी लागतो दोष, पडिलेहणना दोषनो एक प्रकार पडिलेहके वस्त्रोके कोणको लम्बा करना-खींचनसे लगता हुआ दोष, पडिलेहणका दोष विशेष A fault due to stretching the corners of a cloth which is to be especially cared for, a fault of Padilehanā. उत्त० २६, २७, (६) महा शुक्र देवलोकनु एक विमान; एनी स्थिति सोळ सागरोपमनी छे; ए देवता आठ महिने श्वासोच्छ्वास ले छे एने सोळ हजार वर्षे क्षुधा लागे छे. महाशुक्र देवलोकका एक विमान, यह देवता आठवें महिने श्वासोच्छ्वास लेते है तया इन्हे सोलह सहस्र वर्षोंमे भूख लगती है. A celestial abode of Mahā Śukradevaloka. Its gods breathe at the 8th month and feel hungry once in 16000 years. सम० १६: (७) झुमणु, एक जातनुं घरेणुं. भुमका; एक आभूषण विशेष. An ear ornament. श्रोव० २२; पण्ह० १, ४; (८) प्रलम्ब नामे आठमुं मुहूर्त. प्रलव नामक आठवाँ मुहूर्त. The 8th Muhūrta named Pralamba. सम० ३०; (९) प्रलम्ब नामनो ग्रह प्रलम्ब नामक ग्रह A planet so named. ठा० २, ३, सु० प० २०, **-कुक्खि.** स्त्री० (-कुक्षि) लटकतो पेटनो भाग. पेटका लटकताहु भाग. The suspending portion of a belly. नाया० ८, **—वनमालधर** त्रि० (-वनमालाधर) पग सुधी लांबी पांचवर्णा पुष्पनी मालाने धारण करनार. पैरोतक लम्बी पंचवर्णी पुष्पोंकी मालाको धारण करनेवाला. One who puts on a garland of five sorts of flowers reaching the feet. कप्प० २, १३,

पलंवमाण. त्रि० (प्रलम्बमान) लंबातु; लटकतु. लम्बा होता हुआ, लटकता हुआ. Hanging, lengthening ज० प० ५, ११५, श्रोव० १२, राय० ६४; दसा० १०, १; कप्प० २, १४; ४, ६२,

पलंवसुत्त. न० (प्रलम्बसूत्र) झुमणु. झुम्मन, भुमका. An ornament. निसी० ७, ८,

पलंवित्तए. हे० कृ ग्र. (प्रलम्बयितुम्) लटकाववाने, लटकानेके लिए To suspend or hang. दसा० ७, १,

पलंविय. त्रि० (प्रलम्बित) लटकावेल. लटकायाहुआ. Suspended. वेय० ५, २२;

पलंविर. त्रि० (प्रलम्बशील) घणुं लांबुं. अति लम्बा. Very long. सु० च० १, १४२;

पलज्जण. त्रि० (प्ररक्त) रंजन थयेल; अनुरागवाळो रजित, अनुरक्त Coloured; attached श्रोव० ४१,

पलल. न० (पलल) તલનો છુંદો, તલવટ Pounded Tila seeds. पिं० नि० १६५; पराह० २, ५,

पललिय. न० (प्रललित) વિશેષ ક્રીડા. क्रीडा विशेष A particular play. नाया० १,

पलविय. न० (प्रलपित) અર્થ રહિત બકવું તે. अर्थहीन प्रलाप Meaningless talk. पराह० १, १,

पलसइआ स्त्री० (पलशतिका) એક સો પળની એક તુલા एक सौ पलकी एक तुला. A balance of 100 Palas. अणुजो० १३३;

पलाइय. त्रि० (पलायित) ભાગી ગયેલ. भगा हुआ, पलायित Run away. दस० ४,

पलाण. न० (पलायन) નાશી જવું તે. भाग जाना; पलायन. Run away. ओघ० नि० ४६७, सु० च० १, २६४,

पलायण न० (पलायन) નાસવું, ભાગવું भागना; पलायन करना. Running. ओघ० नि० भा० २६; उत्त० १४, २७, नाया० ३; पिं० नि० १२५,

पलाल न० (पलाल) પરાળ, ઘઉ વગેરેનો ભુસો. सूकला, गेहू आदिका भूसा Chaff, husk; straw आया० २, ७, २, १६१, अणुजो० १३१, उत्त० २३, १७, राय० २६६, पचा० ८, ४५, —**पीढय** पु० (-पीठक) પરાળની બેઠક सूकलेकी बैठक a straw seat निसी० १२, ६, —**भार.** पु० (-भार) પરાળનો ભાર सूकले-भूसका भार. a bundle of straw भग० ८, ६.

पलालग. न० (पलालक) પરાળનું પાથરણું सूकले-भूसेका बिछौना. a straw-bed. आया० २, २, ३, १००,

पलाव. पु० (प्रलाप) નિરર્થક બોલવું તે. निरर्थक बकवाद. a jargon. ठा० ७, १,

पलावय. त्रि० (प्रलापक) પ્રલાપ-બકવાદ કરનાર. प्रलापी, बकवादी a prattler; a babbler. भग० १५, १,

पलावि त्रि० (प्रलापिन्) પ્રલાપ-બબડાટ કરનાર प्रलाप करनेवाला, बकवादी a prattler. भग० १५, १, पराह० १, २;

पलास. पु० (पलाश) ખાખરાનું ઝાડ. खाखरेका-पलासका-वृक्ष. The Palāśa tree. अणुजो० १३१, भग० ११, ३, २२, २, नाया० ४, पन्न० १, कप्प० ३, ३६; (२) દિશાકુમાર દેવતાનું ચૈત્યવૃક્ષ. दिशाकुमार देवताका चैत्यवृक्ष a memorial tree of the Diśā Kumāra god. ठा० १०, १, (३) પલાશ નામનો દેવતા. पलाश नामक देवता. A god so named भग० ३, ७, (४) પત્ર; પાંદડું. पत्र, पत्ता, पन्ना, पान a leaf. आया० १, ६, १, १७२, निसी० ५, १३;

पलासअ. पुं० (पलाशक) ખાખરાને નામે પાડેલું કોઇનું નામ. पलाशके नामपर रखाहुआ किसीका नाम-पलाश नामवाला An individual named Palāśa. अणुजो० १३१,

पलासकूड. न० (पलाशकूट) ભદ્રસાલ વનના આઠ દિગ્હસ્તિ કૂટમાંનું છઠ્ઠું કૂટ-શિખર भद्रसाल वनके आठ दिग्हस्ति कूटोंमेंसे छठा कूट. The 6th peak of the 8 Dig-hasti peaks of the Bhadrasāla ज० प०

पलासग. पु० (पलाशक) માત્રીયો; માતરૂ-લઘુનીત કરવાનું ભાજન. A vessel to make वव० २, २७,

पलिअंक पु० (पल्यङ्क-पर्यङ्क) પલંગ, पलग, पर्यक. A cot; a beadstead. सम० १८, ज० प० ७, १५६; १, १६,

√पलि-इ. धा० I. (परि+इण्) ચારે તરફથી પામવું. चारों ओरसे पाना To receive from all sides.

पलिंति. सूय० १, १, ४, ६.

√**पलिउंच** धा० I. (परि-कुञ्च्) અપલાપ કરવો; ખરી વાત છુપાવવી. अपलाप करना, दोष छिपाना. To hide a fault; to tell a lie.

पलिउंचंति. उत्त० २७, १३;

पलिउंचयंति सूय० १, १३, ४,

पलिउंचिय. निसी० २०, १,

पलिउंचग. त्रि० (परिकुञ्चक) બીજાને છેતરનાર. दूसरोंको धोखा देनेवाला; विश्वासघातक परवंचक. One who deceives another. उत्त० ३४, २५,

पलिउंचण न० (परिकुञ्चन-परिकुञ्च्यते आत्मा वक्रतां प्राप्यते येन) માયા; કપટ; माया; कपट; छल Deceit, fraud; illusion सूय० १, ६, ११,

पलिउंचणया स्त्री० (प्रतिकुञ्चनता) દંભ, માયા दंभ; माया Hypocrasy; fraud. भग० १२, ५

पलिउंचणा. स्त्री० (परिकुञ्चना) માયા, કપટ. माया, कपट वंचना. Deceit; fraud; cheating. ठा० ४, १,

पलिउज्जिय. त्रि० (परियोगिक) વિશેષ જાણનાર, વિશેષજ્ઞ विशेषज्ञ A connossiour भग० २, ५,

पलिओवम न० (पल्योपम) એક જોજન (ચાર ગાઉ) નો લાંબો પહોળો કુવો બારીક વાલાગ્રથી ઠાસી ઠાસીને ભર્યા પછી સો સો વર્ષે એકેક ખણ્ડ કહાડતાં જેટલા વખતમાં કુવો તદ્દન ખાલી થાય તેટલો વખત; કુવાની ઉપમાએ ગણાતો કાળ. कूपकी उपमासे गिना जानेवाला काल. A period of time counted according to a simile of a well *viz.* that time which is required to completely empty a well which is one yojana (8 miles) long and wide by removing one hair after every 100 years when it is filled up closely by the ends of hair जं० प० १, १५; ओव० ३८, अणुजो० ११५, १३६; ठा० २, ३-४, सम० १; भग० ३, ७, ५, ८; ६, ७, १८, ८, २४, १; २५ ५; ४०, ३; नाया० २, १२; नाया० ध० १०; विवा० ४२६; नंदी० १८, नि० ३, १, जीवा० १; जं० प० व्या० १, ६२, प्रव० ३८, —**ठिइ** स्त्री० (-स्थिति) પલ્યોપમની સ્થિતિ. पल्योपमकी स्थिति. The duration of Palyopama (a period of time) भग० १, १:

पलिकुंचणया. स्त्री० (परिकुञ्चन+ता) માયા. माया, वचना. deceit: fraud; illusion. सम० ५२;

पलिगोव. पु० (परिगोप) કાદવ-કીચડ. कीचड़ दलदल. mine; bog. (२) લોભ लोभ. greed सूय० १, २, २,११.

पलिच्छण्ण. त्रि० (परिच्छन्न) ઢાંકેલું ढँकाहुआ covered. भग० ७, ७.

पलिच्छिंदिय. सं० कृ० अ० (परिच्छिद्य) રાગાદિ બન્ધન છેદીને रागादि बन्धनोंको मिटाकर- छेदकर Breaking off the bonds of love etc. आया० १, ३, २, १११; २, ४, ३, १३६: २, ५, १, १५०, निसी० ५, ६७,

पलिच्छिन्न त्रि० (परिच्छिन्न) માપેલું; હદવાળું मापाहुआ, सीमित. measured, limited. आया० १, ४, ३, १३८; (२) પરિવારયુક્ત परिवारवाला Having a family. वव० ४ २४;

पलिगाग. पु० (प्रलीनक) પીંજરું पींजरा, पजर a cage. सू० प० १०,

पलित. न० (पलित) સફેદ વાળ, ધોળો કેશ. श्वेत केश, सफेद वाल white hair सू० प० १८,

पलितोवम. पु० (पल्योपम) જુઓ "પલિઓવમ" શબ્દ देखो "पलिग्रोवम" शब्द Vide "પલિઓવમ" શબ્દ. सु० प० ८,

पलित्त त्रि० (प्रदीप्त) દીપાયમાન; બળતુ दीप्यमान, प्रदीप्त, जलता हुआ Burning, blazing; enlightened. उत्त० १६, २२: भग० २, १; ६, ३३, १८, २, नाया० १, विशे० ११५२, जीवा० ३, ३.

पलिपाग. पु० (परिपाक) પરિપાક, નિષ્પત્તિ. परिपाक, परिणाम; निष्पत्ति. Result. final fruit. सूय० २, ३, २१,

पलिभाग. पु० (प्रतिभाग) ભાગનો ભાગ, અંશનો અંશ. सूक्ष्मभाग-अंश. A minute part or division. पन्न० १२, १५, (२) ઉપલો ભાગ, સપાટી सतह. ऊपरीहिस्सा. Upper surface ज० प०

पलिभागि. त्रि० (परिभागिन्) સદશ; સરખુ. सदश, सरीखा; समान Similar to; like. पन्न० २३;

पलिभिंदियाणं. स० कृ० अ० (परिभिद्य) ભેદ પાડીને भेद करके Differentiating सूय० १, ४, २, २.

√पलिमंथ धा० I. (परि+मथ्) બાંધવુ; લપેટવુ. बाधना, लपेटना To bind, to wind

पलिमंथए. उत्त० ६, २१,

पलिमंथ. पु० (परिमन्थ) હાનિ, નુકશાન हानी, नुकसान. Loss; deprivation (२) વિઘ્ન, અંતરાય. विघ्न, अन्तराय, व्यत्यय Obstruction; hinderance ओघ० नि० २८८, विशे० १४५७, सूय० १, ६, १२,

पलिमंथग पु० (परिमन्थक) કાળા ચણા काले चने a Black gram सूय० २, २, ६३; ठा० ५ ३, भग० ६, ७, २१, २, पन्न० १;

पलिमंथु. पु० (परिमथु) પ્રતિપક્ષી· ઘાતક प्रतिपक्षी विपक्षी, घातक adversary, treacherous enemy ठा० ६, १ वेय० ६, १६,

√पलिमद्द. धा० I (परि+मर्द्) મર્દન કરવુ: શરીરે તેલ વિગેરે ચોપડવુ मर्दन करना, शरीर पर तैल आदिकी मालिश करना to Rub, to massage with oil etc.

पलिमद्दये. वि निसी० १, ४,

पलिमद्दिज्ज. वि आया० २, १३, १७२

पलिमद्देज्ज. वि. निसी० ३, १७, ६, ४,

पलिमोडग्र. पु० (परिमोटक) વાંસની ગાંઠ ઉપરનો ચક્રાકાર ભાગ. वांसकी गाठका चक्राकार भाग a circular part over the knot in a bamboo. पन्न० १,

पलिय-अ. न० (पलित) નિન્દનીય કર્મ; અશુભ કૃત્ય. निन्द्य कर्म, अशुभ कृत्य. a censurable or wicked deed. आया० १, ६, २, १८३. १, ६, ४, १६१; (२) જ્ઞાનાવરણીયાદિ આઠ કર્મ. ज्ञानावरणीयादि आठ कर्म. The eight knowledge—obscuring Karmas. आया० १, ४, ३, १३४, (३) ધોળા કેશ. केश, वाल, कच Hair ज० प० २, ३६, भग० ७, ६, विशे० ३४०१, जीवा० ३, ३, सूय० २, १, ४२, (४) રોગ. रोग disease निसी० ३, ३४,

पलिय. न० (पल्य) જુઓ "પલિઓવમ" શબ્દ देखो "पलिग्रोवम" शब्द. Vide "પલિઓવમ" શબ્દ उत्त० ३४, ३५. भग० ४, १: विशे० २०३६, उवा० १०, २७७, पचा० १०, ६;

—असंखंस. पु० (-असंख्यांश) પલ્યોપમનો અસંખ્યાતમો ભાગ पल्योपमका असंख्यातवाँ भाग-अति सूक्ष्मांश. an innumerable

portion or division of Palyopama (a period of time). क० गं० ५, ३४, ८४; —चउभाग. पु० (-चतुर्भाग) પલ્યોપમનો ચોથો ભાગ पल्योपमका चौथा भाग. The 4th part of Palyopama (a period of time). प्रव० ४३३; —पुहुत्त. न० (-पृथक्त्व) પલ્યોપમની બેથી નવ સુધીની સંખ્યા; બેથી નવ પલ્યોપમ સુધી. पल्योपमकी दोसेनौ तककी संख्या. दोसेनौ पल्योपम पर्यन्त. Four two to nine Palyopamas (period of time). पंचा० १, ६;

पलियंक. पु० (पर्यङ्क) પલંગ. (२) ખાટલો पलंग; (२) खटिया a cot; a beadstead. भग० ३, ५, ५, ६; ७, ६; दस० ६, ८-५४; सू० प० १०; (२) પલાંઠી વાળવી. पलाठी मारना; आसनसे बैठना. Sitting with folded legs. जीवा० ३; निसी० ७, २४, (३) પદ્માસન. पद्मासन a particular posture in sitting. कप्प० ५, १४६, —निसरणा. त्रि० (-निषण्ण) પદ્માસને બેઠેલું पद्मासनसे बैठाहुआ. (one) sitting in a particular posture. भग० २, १;

पलियंकअ. पुं० (पर्यङ्कक) જુઓ "પલિયંક" શબ્દ देखो "पलियंक" शब्द. Vide "पलियंक" शब्द. दस० ३, ५,

पलियंका. स्त्री० (पर्यङ्का) પલાંઠીવાળી બેસવું. आसन लगाकर-आलथी पालथी-मारकर बैठना Sitting by folding the legs. ठा० ५, १;

पलियंत. पु० (पर्यन्त) અંત, છેડો. (२) સીમાડા ઉપર આવેલ પ્રદેશ. अंत; छोर. सीमा प्रान्त. end; extremity, boundary. सूय० १, ३, १, १५, —कर. त्रि० (-कर) કર્મોનો અંત કરનાર; સંસારનો વિલય કરનાર. कर्मोका अंत करनेवाला, संसारका विलय करनेवाला. That which destroys karmas or brings an end of birth etc. आया० १, ३, ४, १२१;

पलियंतं. अ० (पल्यान्तर्) પલ્યોપમની અંદર. पल्योपमके अंदर. Within a Palyopama (a period of time.) सूय० १, २, १, १०;

पलियट्ट. पुं० (परिवर्त्त) અનંતી ઉત્સર્પિણી અને અવસર્પિણી પરિમિત કાલ વિશેષ; પુદ્ગલ પરાવર્તન. अनंती उत्सर्पिणी और अवसर्पिणी परिमित काल विशेष, पुद्गल परावर्त्तन. A particular period of time measured by Ananti Utsarpinī (aeon of increase) and Avasarpinī (aeon of decrease) विशे० २०३६;

पलियस्सओ. अ० (परिपार्श्वतस) પાસે; આજુબાજુ आसपास; चारोंओर, पार्श्वभागमें. Near; sideways. भग० ६, ५,

√**पलिविद्धंस** धा० I. (परि+वि+ध्वंसु) ધ્વંસ કરવો, નાશ કરવો. ध्वंस करना, नाश करना. To destroy; to demolish.

पलिविध्धंसिज्जा-वि. अणुजो० १३६,

√**पलि-स्सय.** धा० I. (परि+ष्वि) અડકવું, સ્પર્શ કરવો. (२) આશ્રય કરવો. छूना; स्पर्श करना. (२) आश्रय लेना. To touch, to take shelter.

पलिस्सपज्जा. वि० निसी० ७, ३१;

पलिस्सपज्ज. वि० वेय० ४, ६, १०;

पलिमंथ. पु० (पलिमन्थ) સંયમનું વિઘ્ન. संयममें-का-विघ्न. An obstruction in self restraint. "वमणजणा पलीमंथ" सूय० १, ६, १२;

पलीवग त्रि० (प्रदीपक) બાળનાર; प्रज्वलितकरनेवाला, जलनेवाला. (one) who burns or enlightens पराह० १, १,

पलीवण न० (प्रदीपन) સળગવું; બળવું सुलगना, जलना kindling, burning. सम० ११, ओघ० नि० ३७४,

पलुट्ट. त्रि० (पर्यस्त) વ્યાપ્ત; ભરપૂર. व्याप्त, फैलाहुआ, पूरित. Full, occupied. सु० च० १, ३६;

पलुट्टंत. व० कृ० त्रि० ( ) દીપતું, ચમકતું दीप्यमान, चमकताहुआ. Shining; glittering. सु० च० १, ३१,

पलेमाण. व० कृ० त्रि० (प्रलीयमान) લીન થતો, એકરૂપ થઈ જતો. लीन होताहुआ, एकरूप होताहुआ Blending, harmonizing आया० १, ४, १, १२८,

पलोइ त्रि० (प्रलोकिन्) અવલોકન કરનાર, જોનાર अवलोकन कर्ता, दर्शक, देखनेवाला. (one) who sees; an observer. ओव० ४१;

√पलोक धा० I (प्र+लोक्) જોવું, દેખવું. देखना; विलोकन करना To see; to observe

पलोएइ. सु० च० २, ४२,

पलोयइ. सु० च० १, ३२३,

पलोअंति अणुजो० १३०.

पलोइज्जा वि० दस० ५, १, २३;

पलोयमाण. भग० १५, १,

√पलोट्ट धा० I. (प्र+लोट्) પરિવર્તન કરવું, ઉથલાવવું परिवर्तन करना, उथेलना, उलटाना. To change, to turn up

पलोट्टइ. भग० १, ६,

पलोभित्ता स कृ अ० (प्रलोभयित्वा) લોભાવીને; લલચાવીને लुभाकर, लालच बतलाकर. alluring, tempting. उत्त० ८, १८,

पलोयण. न० (प्रलोकन) જોવું તે देखना; अवलोकन observation ओघ० नि० भा० ५२; ६२; दस० ५, १, २३, पचा० २,२८;

पलोयणा. स्त्री० (प्रलोकना) જોવું તે. विलोकन, दर्शन, देखनेका कार्य. observation seeing निसी० ३, १४, भग० २, ५

पल्ल. पु० (पल्य) પાલો, પાલાને આકારે કુવો पाला, बाध, बाधके आकारका कूप a tank; a well like a tank (२) ધાન્ય રાખવાનો કોઠો, કોઠાર धान्यागार, कोठार a store for grain, grannary. भग० ६, ७, ठा० ३, २, अणुजो० १३६; नाया० ७, ज० प० क० ग० ४, ७६, क० प० २, ३५, प्रव० १०३३, (३) પલ્યોપમ, કાલમાન વિશેષ पल्योपम, कालमान विशेष Palyopama, a period of time क० प० १, १०; ७३, २, ६१; क० ग० ५, ३३, **—अंतर.** न० (-अन्तर) બીજા કોઠાર दूसरे कोठार-भंडार another store-house. नाया० ७, **—असंखियभाग.** पुं० (-असंख्यभाग) પલ્યોપમનો અસંખ્યાતમો ભાગ पल्योपमका असंख्यातवाँ भाग an innumerable division of a Palyopama (a period of time). क० प० १, १०, **—आउत्त.** त्रि० (आगुप्त) પાલામાં નાખેલ, કોઠારમાં મુકેલ. कोठेमें रखाहुआ, आगार स्थित Stored in a grannary or store room. ठा० ३, २, भग० ६, ५, नेय० २, ३; **—आगार** पु० (-आकार) ધાન્ય નાખવાના પાલાનો આકાર धान्य डालने-एकत्रित करनेके बाधका आकार The size or form of a store house of grain प्रव० १४६६, **—तिग.** न० (-त्रिक) ત્રણ પલ્યોપમ तीन पल्योपम. Three Palyopamas (a

period of time) क० ग० ५, ३३; क० प० १, ७३; —भाग. पु० (-भाग) પલ્યોપમનો અંશ ભાગ. पल्योपमका भाग विशेष a (particular) portion of a Palyopama (a period of time). क० प० २, ६१,

पल्लंक. पु० (पल्यङ्क) પલંગ; पलग; पर्यंक a cot; a beadstead भग० ११, ११, सु० च० २, ३६; प्रव० २४१,

पल्लंग. पु० (पल्यङ्क) જુઓ 'પલ્લંક' શબ્દ. देखो 'पल्लक' शब्द Vide 'पल्लंक' ज० प० ४, ७७,

पल्लंघण न० (प्रलघन) ઓળંગવું. उल्लंघन करना, लांघना. Transgressing; crossing उत्त० २४, २४; भग० २५, ७,

पल्लंघेत्तए हे० कृ० अ० (प्रलघितुम्) ઓળંગવાને. लांघनेके हेतुसे. For transgressing or crossing भग० ३, ४, १४, ५,

पल्लग. पु० (पल्लक) પાલો; લાટ દેશ પ્રસિદ્ધ અનાજ માપવાનું પાત્ર. पाला, लाटदेश प्रसिद्ध धान्य मापनेका पात्र विशेष. a pot for measuring corn famous in Lāta country. (२) ભવનપતિના અવધિજ્ઞાનનો આકાર. भवनपतिके अवधिज्ञानका आकार. The form of the limited knowledge of Bhavanapati. विशे० ७०६; पन्न० ३३,

पल्लल. न० (पल्वल) નાનું તળાવ, તળાવડી तलैया. पल्वल a pond; a puddle निसी० १२, २१, भग० ५, ७, नाया० १, प्रन्न० २;

पल्लव पु० (पल्लव) નવા પાંદડા. नव पल्लव, नये पत्ते. Sprouts. नाया० १, सम० ३४; ओव० विशे० ८५५, जीवा० ३, ४, गय० १५५,

पल्लविय पु० (पल्लवित) નવપલ્લવ, નવા અંકુરવાળું नवपल्लव, नये अकुरवाला. Fresh sprouts; or having fresh sprouts नाया० १;

पल्लविया. स्त्री० (पल्लविका) પલ્લવ દેશમાં ઉત્પન્ન થયેલી દાસી. पल्हव देशोत्पन्नचेरी-दासी. a maid-servant born in Palhava country. नाया० १;

√प-ल्लिय. धा० I. (प्र+ली) સારા સ્વભાવવાળા થવું. उत्तम स्वभाववाले बनना. To become good-natured.

पले. विधि० सूय० १, २ २, २२;

पल्ली स्त्री० (पल्ली) ચોરોને રહેવાનું સ્થાન चोरोंके रहनेका स्थान A den of thieves उत्त० ३०, १६; पिं० नि० ११८; प्रव० ६२८,

पल्लीण. त्रि० (प्रलीन) લીન થયેલું. लीन; तल्लीन. completely absorbed in or blending with भग० २५, ७;

पल्लोय. पु० ( ) બે ઇન્દ્રિય જીવ વિશેષ द्वीन्द्रियवाला जीव विशेष a two sensed being. उत्त० ३६, १२८,

पल्हत्थ. त्रि० (पर्यस्त) મુકેલ; રાખેલ रखाहुआ, स्थापित Placed, established. ज० प० ३, ५६. गय० २६३. कप्प० ४, ६२ सूय० २, २, १६

पल्हत्थिया. स्त्री० (पर्यस्तिका) આસન વિશેષ, પલાંઠી; વસ્ત્રથી કે ભુજાથી બન્ને ઘુટણ બાંધવા તે. आसन विशेष, पालखी; वस्त्र या भुजाद्वारा दोनों घुटनोंका बांधना A particular seat, folding of legs, tying of both knees by cloth or hands. नाया० १६. भग० ३, ५; उत्त० १ १६, प्रव० ४४२,

पल्हव. पु० (पल्हव) પલ્હવ નામનો એક દેશ पल्हव देश विशेष. a country so named. (२) त्रि० તે દેશના રહીશ पल्हव देश निवासी. an inhabitant of that country पण्ह० १, १; पन्न० १,

पल्हवि पु० (पल्हवि) હાથીની પીઠ ઉપર નાખવાની ઝુલ. हाथीकी पीठ पर डाले जानी वाली To be put on the back of an elephant. प्रव० ६८५;

पल्हविश्रा-या. स्त्री० (पल्हविका) પલ્હવદેશની ઉત્પન્ન થયેલી દાસી पल्हव देशोत्पन्न दासी. A maid servant born in Palhava country. भग० ६, ३३; ज० प०

पल्हाश्र पु० (प्रल्हाद) પ્રલ્હાદ-આવતી ચોવીસીના પાચમા પ્રતિવાસુદેવ. प्रल्हाद, आगामी चौवीसीके पांचवें प्रतिवासुदेव The 5th Prati Vāsudeva of the coming chaubīsī. (२) આનંદ. सम० प० २४२, भत्त० १५४;

पल्हायण. न० (प्रह्लादन) ખુશી થવું. खुश होना; प्रसन्न होना. Pleasing. उत्त० २८, १७;

पल्हायणिज्ज. त्रि० (प्रह्लादनीय) હર્ષ ઉપજાવે તેવું हर्षोत्पादक; आमोदप्रद. That which would produce joy. ओव० ३१; नाया० १; जीवा० ३, ३; पन्न० १७, ज० प० कप्प० ४, ६१, भत्त० १५७,

√पव. धा० I. (प्लु) (१) પડવું; (२) કુદકો મારવો. गिरना (२) कूदना, उडी मारना To fall down, to jump.

पवंति. जीवा० ३४;

पवेज्ज. वि० सूय० १, १, २, ८,

पवंगम पु० (प्लवगम) વાનર. बानर, बन्दर A monkey. सु० च० १५, १०३,

पवंच पु० (प्रपञ्च) પ્રપંચ; વિસ્તાર. प्रपंच, विस्तार; बखेडा. Fuss; extension, prolixity. भग० २, १; आया० १, ३, ३, १२०; सम० ६, (२) વિકલ્પ; ભેદ विकल्प; भेद Alternative, variety. आया० १, ३, ३, १२०; (३) ક્લેશ; કુટિલતા. क्लेश, कुटिलता. Distress; crookedness. ओघ० नि० १७, पन्न० २; (४) સંસાર संसार, दुनिया. The world. "गिप्रूपकम्मणा पवंचुवेइ" सूय० १, ७, ३०;

पवंचश्र. न० (प्रपचक) લુચ્ચાઇ, ઠગાઇ. लुचापन, ठगी, धोखेबाजपन Cunningness; fraud. ओघ० नि० २२०;

पवंचण न० (प्रपञ्चन) ઠગવું તે ठगीकार्य. वञ्चकता. Cheating; defrauding. पण्ह० १, १,

पवंचा. स्त्री० (प्रपञ्चा) માણસની દશ દશાઓ પૈકી સાતમી દશા; ૬૧ થી ૭૦ વરસ સુધીની અવસ્થા કે જેમા શરીરબળ ઘટતાં મનનો પ્રપંચ વધે છે. मनुष्य दस दशाओंमेंसे ७ वीं दशा; ६१ से ७० वर्ष पर्यन्तकी अवस्था जिसमें शारीरिक बल चयके साथही साथ मानसिक प्रपचकी वृद्धि होती है The 7th stage of a man out of the ten *viz.* from 61 to 70 years when bodily strength decreases but the extension of the mind increases. तडु०

पवग. पु० (प्लवक) વાનરની પેઠે કુદનાર. बन्दरके समान छलागे मारनेवाला. (one) Jumping like a pog ओव० अणुजो० ६२; जीवा० ३, ३; ज० प० निसी० ६, २२ कप्प० ५, ६६;

पवगपविभत्ति. पु० (पवर्गप्रविभक्ति) ૩૨ નાટકમાંનું એક. ३२ नाटकोंमेंसे एक One of the 32 dramas राय० ६४,

√प-वच्च. धा० I. (प्र+वच्) બોલવું; કહેવું बोलना, कहना. To speak; to say

पवुच्चइ. आया० १, १, ४, ३४, १, २, ६, १००, ठा० २, ४, भग० २, ८, ५, ८, ६, ४-७, १०, १, १३, ४;

पवोच्छिहिइ. भ० विगे० २६१७,

√प-वच्च. धा० I. (प्र+वच्) બયાન કરવું, વર્ણન કરવું. वर्णन करना, बयान करना. To describe.

पवक्खामि. भवि० उत्त० २६, १; ३४, १; पिं० नि० ११३,

पवज्जियव्व. त्रि० (प्रपत्तव्य) સ્વીકારવું. स्वीकारना, मंजुर करना. Admitting. विशे० १८७४,

पवट्टमाण. व. कृ. त्रि० (प्रवर्तमान) પ્રવર્તતું; પ્રવૃત્ત થતું. प्रवृत्तहोताहुआ. Proceeding उत्त० २४, २१,

पवडण. न० (प्रपतन) પડી જવું गिरजाना, विशेपपतन Falling. ठा० ४, ४.

पवडणया. स्त्री० (प्रपतन+ता) પડવું. पतन; गिरना Falling down. पन्न० १६,

√**पवड्ढ.** धा० I. (प्र+वृध्) વધવું. बढ़ना; अधिक वृद्धि होना. To increase.

पवड्ढइ. उत्त० ८, १७,.

पवड्ढए. सु० च० १ ३०४,

पवड्ढंति. दस० ६, २, १२;

पवड्ढमाण. व० कृ० दस० ८, ४०; ६, २, १२; नाया० १३, पन्न० ३३,

पवड्ढण. न० (प्रवर्धन) વૃદ્ધિહેતુ; વૃદ્ધિકારક. वृद्धिका हेतु-निमित्त; वृद्धिकारक, बढ़ती. The cause of growth; that which would increase सूय० १, १, २, २४;

पवण न० (प्लवन) કુદવું. कूदना. To jump. जीवा० ३, १,

पवण. पु० (पवन) પવન; વાયુ. पवन, हवा, वायु. Wind उवा० २, १०२; कप्प० ३, ४३, क० प० ४, ४०; प्रव० ४५५, ७६३, अणुजो० १३१, क० ग० ४, ३६; नाया० ५, (२) પવનકુમાર, ભવનપતિની એક જાત. Pavana Kumāra, a class of Bhavanapati gods. ओव० २३; पण्ह० १, ४;

पवण्ण. त्रि० (प्रपन्न) પામેલું. प्राप्त, पायाहुआ. Obtained, received. प० चा० १८, २६,

√**पवत्त.** धा० I. (प्र+वृत्) પ્રવર્તવું; વર્તન કરવું. प्रवृत्त होना, वर्तन करना, फैलना, व्यवहारमें लाना. To proceed; to extend, to move.

पवत्तइ अणुजो० २, भग० १३, ४, २५, ३-८,

पवत्तंति. भग० १३, ४,

पवत्तेज्जा. वि विशे० १२६

पवत्तेहि आ० नाया० ८;

पवत्तमाण. व. कृ पचा० ७, ७,

पवत्त. त्रि० (प्रवृत्त) પ્રવૃત્ત થયેલ. प्रवृत्त, तत्पर, उद्यत. Proceeded, ready, prompt. विवा० ३, नाया० १६; गच्छा० १०२;(२) બીજાઓને જ્ઞાનાદિકમાં પ્રવર્તાવનાર. दुसरोंको ज्ञानादि सन्मार्गपर लगानेवाला. One who brings others to the right path of knowledge etc. कप्प० ६, ४६;

√**प-वत्त.** धा० II. (प्र+वृत्) પ્રવર્તન કરવું. प्रवर्त्तन करना. To proceed.

पयट्टेइ. सू० च० २, ३५२;

पयट्टंति सु० च० २, ४०६;

पयट्टसु. आ० सु० च० २, ६६४,

पयट्टमाण. पचा० २, ३२;

पवत्तण. न० (प्रवर्तन) પ્રવૃતિ; ઉદ્યમ. प्रवृत्ति, उद्यम. Industry, movement. उत्त० ३१, २,

पवत्तय पु० (प्रवर्तक) પ્રવર્તાવનાર, પ્રવૃત્તિ કરાવનાર. प्रवर्तक; जन्मदाता. One who originates or causes to pro ceed. राय० २०८, गच्छा १०, पचा० ६, ४२, (२) દીર્ઘ સ્વરથી આરભાય તેવો એક રાગ दीर्घस्वरसे आरंभ किया जानेवाला सुर-राग-विशेष. A musical tone to be begun with a loud tone. जीवा० ३, ४;

पवत्ति स्त्री० (प्रवृत्ति) વૃતાન્ત, હીલચાલ वृतान्त; हालचाल; गति, रुचि. News, movement; tendency नाया० १६,

पवत्ति. पु० (प्रवर्तिन्) સાધુઓને સંયમ પ્રવૃતિમાં જોડનાર, પ્રવર્તક. साधुओंको सयमप्रवृत्तिमें लगानेवाला, सयम प्रवर्तक (one) Who causes saints to stick to self-restraint. प्रव० १०२; वेय० ४, १५; क० प० ५, ७३;

पवत्तिणी स्त्री० (प्रवर्त्तिनी) પ્રવૃત્તિ કરાવનાર સાધ્વી, મુખ્ય આર્યા. प्रवृत्ति करानेवाली–प्रवर्तिनी साध्वी; प्रमुख आर्या A chief nun who causes others to stick to self-restraint. पत्र० ४, ३१०;

पवत्तिय. त्रि० (प्रवर्तित) પ્રવૃત થયલ प्रवृत्त–प्रसरित Proceeded, extended. सम० ७४, उत्त० २०, १७;

पवत्थ. न० (प्रवस्त्र) આસન ઉપર બિછાવેલુ વસ્ત્ર; ઓચ્છાડ; ચાદર आसनपर बिछायाहुआ वस्त्र, उवस्त्र, चद्दर. A bed sheet, cloth spread over a seat. नाया० ८,

√पवद. धा० I (प्र+वद्) બોલવુ. बोलना To speak.

पवएज्जा. वि० वव० २, २२,

पवदमाण व. कृ त्रि० (प्रवदमान) પ્રવાદ કરતુ; બોલતુ प्रवाद करताहुआ, बोलताहुआ. Speaking, slandering. आया० १, १, ४, ३६,

पवन. पु० (पवन) જુઓ "પવણ" શબ્દ देखो "पवण" शब्द vide "पवण" शब्द. पिं० नि० भा० १, -

पवन्न. त्रि० (प्रपन्न) પ્રાપ્ત થયેલ, મેળવેલ प्राप्त, मिलाहुआ, मिलायाहुआ Received, got. उत्त० १४, २,

पवमाण. व कृ. त्रि० (प्लवमान) કુદતુ, ઠેકતુ. कूदताहुआ. Jumping. भग० २५, ८-१२, ३१, १;

पवय-अ. त्रि० (प्लवक) કુદનાર. कुदनेवाला, कुदक्कर. One who jumps भग० २५, ८-१२, ३१, १,

पवयण. न० (प्रवचन) આગમ, શાસ્ત્ર; સર્વજ્ઞ વચન (આચારાગાદિ સૂત્રો–સિદ્ધાન્ત.) आगम, शास्त्र, सर्वज्ञ वचन (आचारागादि सूत्र–सिद्धान्त) Scriptures; the words of an omniscient. ओव० १०, उत्त० २४, ३; भग० २०, ८, नाया० ८, विशे० १, १३७३, २६२१, दस० २, १२, पराह० १, १; पन्न० १, सू० प० २०; प्रव० ८२३; क० प० ५, २५; पिं नि १३८, (णं)—**अंतर.** न० (–अन्तर) શાસ્ત્ર શાસ્ત્ર વચ્ચે અતર–ફેરફાર–તફાવત. दो शास्त्रों बीचका अंतर–भेद The difference between two scriptures. भग० १, ३; —**उड्डाहकर.** त्रि० (–उड्डाहकर) શાસ્ત્રને કલક લગાડનાર शास्त्रको कलकित करनेवाला One who stigmatises a scripture. गच्छा० ५५, —**कुसल.** त्रि० (–कुशल) પ્રવચનમા કુશળ प्रवचनपटु. Adept in scriptural sermon. वव० ३, ३; —**खिसा.** स्त्री० (–खिंसा) જિન શાસનની નિદા કરવી તે. जिनशास्त्रका निन्दन–की निन्दा करना. Censuring the commands of Jina. पंचा० ४, १२, —**णीति** स्त्री० (–नीति) શાસ્ત્રનો ન્યાય शास्त्रका न्याय The stand point of ethics of scriptures. पंचा० ६, १४, —**देवी.** स्त्री० (–देवी) શ્રુતદેવી, શાસનદેવી श्रुतदेवी, शासनदेवी. The scriptural goddess; the commanding diety. भग० ४२, १, —**माया.** स्त्री० (–मातृ) આચારાગાદિ સૂત્રના આધારભૂત સઘની માતા; આઠ પ્રવચન માતા, પાચ સમિતિ અને ત્રણ ગુપ્તિ. आचारागादि सूत्रके आधारभूत सघकी माता; आठ प्रवचन

माता; पांच समिति और तीन गुप्ति The mother of the Sangha which is the main prop of the Sutras namely Acharang etc; the eight Pravachana Mātās. भग० १, ४, २५, ६-७, पिं० नि० ६२; सम० ८, —सार. पु० (-सार) સિદ્ધાન્તનો સાર, આગમ રહસ્ય. सिद्धान्तका सार, आगम रहस्य. The essence of a creed or scripture. नाया० ६, भत्त० ५४, १४८,

पवर. त्रि० (प्रवर) શ્રેષ્ઠ; પ્રધાન. श्रेष्ठ, प्रधान. Best, chief. उत्त० ११, १६; ओव० नाया० १, २, ३. ८, १६, भग २, ५, ७, ६. ६, ३३, ११, ११, १२, १, ४२, १, विशे० २२६२, दसा० १०, १, सु० च० २७, सु० प० २०; पन्न० २; राय० २७, ६६, उवा० २. ११३; पचा० ३, ११, ६, ३०; कप्प० १, २; ५, १०२, प्रव० १२३६, ज. प ५, ११२, ११३; ३, ४५, —पुंडरिअ. न० (-पुण्डरीक) શ્રેષ્ઠ શ્વેત કમલ श्रेष्ट श्वेत कमल Best white lotus. कप्प० १, २,

पवरा. स्त्री० (प्रवरा) વાસુપૂજ્યપ્રભુની દેવીનુ નામ. वासुपुज्यप्रभुकी देवीका नाम Name of the wife of the lord Vāsupūjya. प्रव० ३७८,

√पवह. धा० I, (प्र+वह्) નીકળવુ. निकलना. To flow out

पवहंति भग० १३, ४.

पवाहिंति प्रे० भग० २०, ८

पवाहित्ता. स० कृ० भग० २०, ८,

पवह पुं० (प्रवाह) નદીનો પ્રવાહ; વહેન. नदीका प्रवाह, धारा Current of a river. भग० १, ३; १३, ४; जं० प०

पवहण. न० (प्रवहण) જહાજ, વહાણ. जहाज; पोत A ship, a boat. नाया० ३; ८; १४, सु० च० १५, ५०, जीवा० ३, ३;

पवा. स्त्री० (प्रपा) જલાશય. (२) પાણીનું પર્વ. जलाशय (२) जलपर्व. A watering place अणुजो० १६, १३४; ओव० १६; आया० १८, २, २; भग० १८, १०; नाया० २; १८, दसा० १०, १; पराह० १, १: राय० ३३, कप्प० ४, ८८;

पवाअ. पु० (प्रवाद) આચાર્ય-ગુરૂનો ઉપદેશ आचार्योपदेश, गुरुकी सीख. The advice of a preceptor. आया० १, ५, ६, १६७, (२) છલ, મિષ, બુરાઈ. छल, कपट, बुराई Fraud; deceit; slander. सु० च० ४, १८७; सूय० १, ४, १, २६;

पवाइअ त्रि० (प्रवादित) વગાડેલું; બજાવેલુ. बजायाहुआ, प्रवादित. Played upon. ओव० ३१, नाया० ८, पन्न० २, जं० प० ५, ११२, कप्प० ५, १०१;

पवाइय. पु० (प्रवादुक) પ્રતિવાદી, પરધર્મી प्रतिवादी, विपक्षी, विधर्मी. A defendant; a disputant of another religion. आया० १, ४, २, १३३;

पवात. पु० (प्रपात) ઠેસ વાગે ને પડી જવાય તેવુ સ્થાન. धक्का लगतेही जहाँ गिरनेका भय हो ऐसा स्थान, झरना. A steep precipice. सम० २५; निर० ५, १; जं० प०

पवादि त्रि० (प्रवादिन) અન્યતીર્થી, જૈન ધર્મની સામે વાદ કરનાર. अन्यतीर्थी; जैन धर्मके सामने-विपक्षमें वाद करनेवाला. (one) Belonging to another religion, an opponent of Jaina religion उत्त० ४, १३;

पवाय. पु० (प्रवात) વિશેષ પવન. (२) त्रि० પવનવાળુ સ્થાન. जोरका पवन. (२) पवनवाला स्थान. A strong wind; a windy place. आया० २, १, २, १३; २, २ ३, ११०; नाया० ८, पिं० नि० ३२,

पवाय. पु० (प्रपात) પાણીનો દરેડો. पानीका झरना; वहस्थान जहाँ ऊँचेसे पानी गिरता हो- A water-fall. विवा० ३; पराह० १६; जं० प० नाया० ५;

पवायअ. पुं० (प्रवाचक) શાસ્ત્રનું પ્રવચન-વ્યાખ્યાન કરનાર. शास्त्रीय प्रवचन-व्याख्यान करनेवाला. One who delivers a scriptural sermon विशे० १०६२,

पवाल. पुं० (प्रवाल) પરવાળું, એક જાતનું ઝવેરાત प्रवाल, मूगा Coral अणुजो० १३३, सूय० २, १, ३६, उत० ३६, ७४, भग० ३, १, ८, ५ नाया० १, १८, जीवा० ३, ३; दसा० ६, ४, जं० प० २, ३८, कप्प० ३, ४५; ओव० (२) કોમળ પાંદડુ, પાંદડાની ટીસી. किसलय, कोमल पत्ता. A sprout, tender leaf. ओव० भग० ७, ६; २१, ६, आया० २, १, ८, ४५, दस० ५, २, १६; पराह० २, १, जीवा० १. सु० प० १०, पन० १, राय० १५५, जं० प० ७, १५१, **—भोयण.** न० (—भोजन) પ્રવાલ-નવા પાંદડાનુ ભોજન. प्रवाल-नये पत्तोंका भोजन. Food of tender leaves. सम० २१; दसा० २, १६,

पवास. पुं० (प्रवास) પ્રવાસ, મુસાફરી. प्रवास, मुसाफिरी; यात्रा. Travelling, journey सु० च० १, १०७,

पवासिय त्रि० (प्रवासित) પરદેશ ગયેલુ, પ્રવાસ કરેલ. विदेश गयाहुआ, प्रवासी A traveller. भत्त० १४५;

पवासिय त्रि० (प्रवृष्ट) વરસેલ. वरसाहुआ. That which has rained. नाया० १,

पवाह. पुं० (प्रवाह) પાણીનો પ્રવાહ. पानीका प्रवाह. A current of water. भग० ३, ७, सु० च० १, २४, जीवा० ३, ३,

पवाहमाण. व० कृ० त्रि० (प्रवाहयत्) વહેતુ. बहताहुआ. Flowing. भग० ५, ४;

पविइण्ण. त्रि० (प्रविकीर्ण) વ્યાપ્ત. व्याप्त, विकीर्ण, फैलाहुआ. Occupied; full; scattered. ओव०

पविउं हे० कृ० अ० (प्लवितुम्) ઉડવાને; કુદવાને उडनेकेलिए, कूदनेके उद्देशसे To jump. सूय० १, १४, २;

√पविकत्थ. धा. I (प्र+वि+कत्थ्) આત્મશ્લાઘા કરવી आत्मश्लाघा-प्रशसा करना To praise oneself.

पविकत्थइ. सम० ३०

पविक्खरमाण व कृ त्रि० (प्रविकीरत्) વિખાતુ, વિખરાતુ. बिखरताहुआ, गिरताहुआ; फैलताहुआ Scattering; falling भग० ३, २, जीवा० ३, १;

पविज्जल. त्रि० (प्रपिच्छिल) કીચડવાળુ कीचड़पूर्ण, दलदलवाला. Muddy; slimy. सूर्य १, ५, २, १६;

पविट्ठ. त्रि० (प्रविष्ट) સમાઈગયેલ, અતર્ભૂત, દાખલ થયેલ. समाविष्ट; अतर्भूत; प्रविष्ट Entered; penetrated अणुजो० ३, आया० २, १, १, २; उत्त० २, २६; भग० ३, २, ७, ७; ८, ६; ६, ३१, पिंनि० भा० ३, दस० ५, १, १६, जीवा० ३, १, पन० १, क० प० ७, ४४, उवा० २, १०१;

पवितक्किय. न० (प्रवितर्कित) તર્ક-વિચાર, આશકા. तर्क; विचार, आशका. Inference; an expectation. उत्त० २३, १४,

√पवित्त. ना० धा० II (पवित्र) પવિત્ર કરવુ. पवित्र-पावन-करना To purify

पवित्तेमि सु० च० ७, १४६,

पवित्तीकाउं. सु० च० १०, २०४;

पवित्तयंत. सु० च० ३, ४०;

पवित्त. त्रि० (पवित्र) વિશુદ્ધ; પવિત્ર. विशुद्ध; पवित्र. Pure, holy. पराह० २, १,

पवित्त. त्रि० (प्रवृत्त) કાર્ય કરવા પ્રવર્તેલુ. कार्य करनेको तत्पर, कार्य प्रवृत्त Proceeding or ready to do a work पंचा० १२, ३२;

पवित्तअ-य. न० (पवित्रक) તાંબાની વીંટી; પવિત્રી. ताम्बेकी अगूठी; पवित्री. A copper ring. ओव० ३८, ३९; भग० २, १; नाया० ५.

पवित्ति पु० (प्रवर्तिन्) સાધુઓને વૈયાવચ્ચ આદિ કાર્યમાં પ્રવૃતિ કરાવનાર સાધુ; પ્રવર્તક પદવી ધારી મુનિ. साधुओंको वैयावच आदि सेवा कार्यमें प्रवृत्त करानेवाला साधु, प्रवर्तक पदवीधर मुनी. A sage who exhorts saints to attend to others, a saint entitled as Pravartaka. नाया० २, १, १०, ५६; ठा० ४, ३; पण्ह० २, ३; पन्न० १६;

पवित्ति. स्त्री० (प्रवृत्ति) પ્રવૃત્તિ, હીલચાલ; સમાચાર. प्रवृत्ति, गति; हालचल; समाचार Movement; tendency; news सु० च० १, १८; पिं० नि० ५१२; ओव० ११; भग० १५, १; पया० ४, २६; ८, १३; १४, १३; १६, ४१;

पवित्तिणी. स्त्री० (प्रवर्तिनी) સાધ્વીઓને સંયમમાં પ્રવર્તાવનાર સાધ્વી, પ્રવર્તિની સાધ્વી. साध्वियोंको संयमकी ओर झुकानेवाली-प्रवर्तिनी-साध्वी. A nun who exhorts other nuns to proceed in self-restraint वेय० १, ३६, वव० ५, १-१३, भग० ८, ६; सु० च० ३, २००;

पवित्तिता. स्त्री० (प्रवर्तिता) પ્રવર્તકપણું. प्रवर्तकता. The state of a Pravartaka (exhorter) वव० ३, ७,

√पवित्थर. धा० I (प्र+वि+स्तृ) વિસ્તારવું विस्तार करना. To extend.

पवित्थरति. ज० प०

पवित्थरमाण. व० कृ० भग० ६, ५,

पवित्थर. पुं० (प्रविस्तर) ઘરવખરી; પરિગ્રહ. परिग्रह. Belongings सूय० २, २, ६२, पण्ह० १, ५; उवा० १, ४; १७; ६, २६८,

—**विधि.** पु० (-विधि) ઘરવખરીના વિધિ-મર્યાદા બાંધવી તે. The limitation of property. दसा० ६, ४;

पवित्थरिअ. त्रि० (प्रविस्तीर्ण) ફેલાયલું; વિસ્તાર પામેલું. फैलाहुआ; विस्तृत, प्राप्त विस्तार Extended; extensive. सु० च० २, १९४;

√पविद्धंस. धा० I. (प्र+वि+ध्वस्) ધ્વંસ કરવો; નાશ કરવો. ध्वंस करना, नाश करना. To destroy; to demolish.

पविद्धंसइ. ठा० ३, १;

पविद्ध. त्रि० (प्रविद्ध) વ્યવસ્થા વિના વંદના કરવી તે; વંદનાના ૩૨ દોષમાંનો ત્રીજો પ્રવિદ્ધ નામે દોષ अव्यवस्थित रूपसे वंदना करनेका कार्य; ३२ दोषोंमेंसे तीसरा प्रविद्ध नामके दोष Saluting without order; the 3rd fault out of the 32 connected with salutation. प्रव० १५०,

पविद्धत्थ. त्रि० (प्रविध्वस्त) ધ્વંસ પામેલ, નષ્ટ થએલ. प्रध्वंसित; नष्ट, नाश कियाहुआ. Destroyed; ruined; demolished. जीवा० ३, १;

√पविने. धा० I II (प्र+वि+नी) દૂર કરવું दूर करना. To set aside.

पविणइ. दसा० १०, १,

पविणेइ. भग० १, ६,

√पविने. धा० II. (प्र+वि+नी) ખસેડવું; દૂર કરવું खसेड़ना, खिसकाना, दूर करना. To chase; to set rside.

पवीणेइ. ओव० ३०;

पवोणीत्ता. स कृ ओव० ३०;

पविभत्त. त्रि० (प्रविभक्त) મુકરર કરેલું; વહેંચેલું. कायम कियाहुआ, स्थापित कियाहुआ. बांटाहुआ Arranged; distributed. ज. प. १, १०; पन्न० १६, क० प० ५, ६६,

पविभत्ति स्त्री (प्रविभक्ति) વિભાગ; પૃથક્કરણ. विभाग; पृथक्करण A division, distribution. उत्त० २, १,

पविमोयण न० (प्रविमोचन) મૂકવું, રાખવું रखना, स्थापन करना Keeping, placing. ओव०

पवियक्खण. त्रि० (प्रविचक्षण) પ્રવીણ, હુશીયાર प्रवीण, दक्ष, चतुर Skilful, adept उत्त० ६, ६२; दस० २, ११,

पवियरित्तए हे कृ अ (प्रविचरितुम्) હરવા ફરવાને. हिरफिरने-घूमनेकेलिए For the purpose of roaming. राय० २,

पवियार. पु० (प्रविचार) મૈથુન. मैथुन, सम्भोग Coition. प्रव० ६३;

पवियारणा. न० (प्रविचारणा) હરવું ફરવું चलना फिरना, विचरण करना Roaming about पिं० नि० ६५०, (२) પન્નવણા સૂત્રના ૩૪ મા પદનું નામ કે જેમાં પ્રવિચારણા વિષય સેવનનું વર્ણન છે. (२) पन्नवणा सूत्रके ३४ वें पदका नाम जिसमें प्रविचारणा-विषय सेवनका वर्णन है. Name of the 34th Pada of Pannavanā Sūtra which deals with sexual enjoyment पन्न० १,

पवियासिय. त्रि० (प्रविकाशित) ખીલેલું विकसित; प्रफुल्लित, खिला हुआ. Blossomed; open सु० च० २, ४४,

पविरल त्रि० (प्रविरल) થોડું (२) સાન્તર थोड़ा, विरला, (२) सान्तर A little; with a gap, few. नाया० ४, ५; ८, भग० ७, ६; १५ १; १६, ४, सु० च० १३, ६, जीवा० ३, ३; राय० २६, २५८, **—मणुस्स.** पु० (-मनुष्य) થોડાં માણસો विरले मनुष्य. A few men नाया० ८, १२.

पविरल्लिय. त्रि० ( ) વિસ્તારવાળું विस्तृत; विस्तीर्ण, फैलाववाला. extensive पगह० १, ५,

पविरायमाण व कृ त्रि० (प्रविराजमान) શોભતું विशेष रूपसे शोभा पाताहुआ. Displaying beauty. नदी० स्थ० १५,

पविलीण त्रि० (प्रविलीन) લીન થયેલું. ગળેલું लीन, लयपायाहुआ, गलाहुआ absorbed in; soaked in. जिवा० ३, १,

√पविस धा० I. II. (प्र+विश्) પ્રવેશ કરવો; દાખલ થવું. प्रवेश करना, दाखिल होना To enter, to penetrate

पविसइ निसी० ६, ४,

पविसेइ. निसी० ८, १४,

पविसंति भग० २०, १,

पविसेइ नाया० ८,

पविसे आया० १, ८, ४, ६,

पविसिस्सामि. सूय० २, ४, ४,

पविसित्तए हे० कृ० वव० ८, ५, दसा० ७, १, वेय० १, ४७, ५, १५-४२,

पविसेउं हे० कृ० प्रव० १२६

पविसित्तु. स० कृ० दस० ८, १८,

पविसित्ता स० कृ० दस० ५, १,

पविसइत्ता. स० कृ० भग० ११, ११,

पविसंत व० कृ० सु० च० १, १००. २, ४३, ज० प० ३, ६५,

पविसमाण व० कृ० सम० ८२ नाया० ३, ज० प० ७, १३१, १४६,

√पविस. धा० II (प्र+विश्-णि) દાખલ થવું, પ્રવેશ કરવો. प्रविष्ट होना, अन्दर जाना. To enter, to penetrate

पवेसेइ-ति. प्रे० नाया० ८, सु० च० ४,१४८.

पवेसेहि. आ० सु० च० २, ४५६

पवेसमाण. व० कृ० भग० ६, ३२.

पविसण न० (प्रवेशन) દાખલ થવું તે

प्रवेश; दाखिल होनेका कार्य; दाखला. Entrance. पिं० नि० ८०;

√पवि-सव. धा० I (प्र+वि+सू) ઉત્પન્ન કરવું. उत्पन्न करना. पैदा करना. To give birth to.

पविसुइत्ता. गा० कृ० सूय० २, २, ६५;

पविसिठ. त्रि० (प्रविशिष्ट) બીજા કરતાં વધારે વિશેષતાવાળુ. दूसरों अधिक विशेषताएँ रखनेवाला. Special; extraordinary. भग० ६, ३३. राय० ७०;

पविसिय. त्रि० (प्रवेशित) અન્દર દાખલ કરેલુ भीतर प्रवेश कियाहुआ (one) entering inside. प्रव० ७५३;

पविसियंगी. स्त्री० (प्रवेशितांगी) જેના અંગમાં દેવતાનો પ્રવેશ છે તેવી સ્ત્રી. वह स्त्री जिसके अग-शरीर-में देवता-प्रवेश-वास हैं. A woman haunted by a god. नाया० १,

पवीइअ. त्रि० (प्रवीजित) વીંજેલુ पखा किया हुआ, पवन डुलायाहुआ Fanned. ओव० ३१; भग० ६, ३३;

पवीण. त्रि० (प्रवीण) ચતુર; બુદ્ધિમાન્ चतुर, बुद्धिमान् Clever, proficient. सु० च० १, ३७५;

पवीणया. स्त्री० (प्रवीणता) ચતુરાઈ चतुराई, दक्षता. Proficiency: skilfulness. सु० च० ८, ३०१

पवूढ. त्रि० (प्रव्यूढ) નીકળેલું. निकलाहुआ. Coming out. भग० १५, १. ज० प० ३, ६५, ५५;

पवेइय. त्रि० (प्रवेदित) જણાવેલ; નિવેદન કરેલ, દર્શાવેલ. जताया हुआ; निवेदित, दर्शित, विज्ञापित Notified; pointed out; said. भग १, ३; २ ६; उत्त० २, १; ४६; १३, १३, २६, ४; २६, १; दस० ४; आया० १, १, १, १०; १, १, २, १५; १, १, ३, २५; १, ६, ३, १८५; १, ७, २, २०४; सूय० १, २, १, १४; क० प० ६, २३;

√पवेद. धा० II. (प्र+विद्-णि) નિવેદન કરવું. निवेदन करना. To request.

पवेदेइ. निसी० १३, २७;

पवेदेमि. सूय० २, १, ११;

√पवेव. धा० I. (प्र+वेपृ) કંપવું; ધ્રુજવું कांपना, घूजना. To shake; to tremble.

पवेवंति. आया० १, ६, २, १३;

पवेविय. त्रि० (प्रवेपित) કંપાયમાન થયેલ; ધ્રુજેલ. कंपित, उद्वेलित; धूजा-थरथर काँपाहुआ (one) trembling, quaking. पण्ह० १, १; भग० ६, ३३,

—अंगमंग. त्रि० (-अङ्गोपाङ्ग) જેનાં અંગોપાંગ ધ્રુજેલ છે તે. वह जिसके अग-प्रत्यग कम्पित हो चुके हैं. One whose limbs and minor limbs have trembled. भग० ६, ३३.

पवेस पु० (प्रवेश) પ્રવેશ કરવો प्रवेश करना. Entering. ओव० ४०; नाया० १६; भग० १, ६; २, १-५; वेय० १, १०; पण्ह० २, ३; सु० च० १, ३७, ज० प० पचा० ५, २१, ८, १६;

पवेसअ त्रि० (प्रवेशक) પ્રવેશ કરનાર प्रवेशक; दाखिल होनेवाला (one) Who enters. भग० २०, १०;

पवेसणग पु० (प्रवेशनक) પ્રવેશ કરવો प्रवेश करना. Entering. भग० २०, १०;

पवेसणय-अ पु० (प्रवेशनक) પ્રવેશ કરવો તે प्रवेश करनेका कार्य-विधि. Entrance भग० ८, १. ६, ३२; १३, ४;

पवेसणया. स्त्री० (प्रवेशन) પ્રથમ પ્રવેશ, ઉત્પતિ. प्रथम प्रवेश; उत्पत्ति. The first entrance; origin. क० प० १, ४१;

पव्व. न० (पर्व) વાંસ શેરડી આદિની ગાંઠ. वास, ईख आदीकी गाठ Knot of a bamboo, sugar-cane etc भग० ५, ७, २२, ६; पन्न० १, (२) તહેવારનો દીવસ पर्व त्यौहारका दिन A festival day. पिं० नि० ५०३; (३) પક્ષ, પખવાડીયું पक्ष, पखवाड़ A fortnight सू० प० १०, ज० प० ५, ११७, ७, १५१, (४) પરબડી, પાણીનું પર્વ पानीका पर्व A watering place. आया० २, २, २, ८०; (५) પર્વતની મેખલા. पर्वत मेखला. The saddle of a mountain. सूय० १, ६, १२; (६) કોણી, ઘુટણ વગેરે હાડકાનો સાંધો कुहनी घुटने आदिकी हड्डियोंकी सधि-जोड The joints *e. g.* of elbow, knee etc. ठा० २, ३, उत्त० २, ३, जीवा० ३, ३, (७) આંગળીનો વેઢો A portion of a finger. ओघ० नि० ४८६, विशे० ३४८७,

पव्वइय. त्रि० (प्रव्रजित) પ્રવ્રજ્યા-દીક્ષા લીધેલ प्रव्रज्या लिया हुआ, गृहीत प्रव्रज्या An ascetic, (one) who is turned a recluse ओव० १४, उत्त० १०, २६, नाया० १, २, ३, ५, ७, ८, ६, १०; ११; १४, १५, १६; १८, १६, नाया० ध० १०, सम० १६; अणुजो० १३०, भग० ३, १, ७, १०; १३, ६, दस० ४, १८, ६, १६, ६, २, १२; उवा० १, १२, ७, २१०, सूय० १, १, १, १६,

पव्वंग पु० (पर्वांग) અઢાર છિદ્રવાળું વાદ્ય વિશેષ अठारह छिद्रवाला वाद्य विशेष A musical instrument with 18 holes. ज० प०

पव्वग. पु० (पर्वग-क) ગાંઠવાળી વનસ્પતિ गँठीली वनस्पति A knotty vegetation. भग० ७, ६, २१, ६; जीवा० १, पन्न० १, राय० ८६,

पव्वज्जा. स्त्री० (प्रव्रज्या) દીક્ષા, પ્રવ્રજ્યા दीक्षा; प्रव्रज्या. Consecration; entering a religious order. उत्त० ६, ६, ठा० ४, ४, सु० च० १५, ८५, विशे० ७, पिं० नि० ५०५, नाया० ३; १४; १६, भग० ३, १, १५, १, नदी० ५०, भत्त० ८, २५, पंचा० १०, ३६, १७; २६,

पव्वणी स्त्री० (पार्वणी) પર્વતિથી पर्वतिथि A festival day नाया० १, २, भग० ६, ३३,

पव्वत पु० (पर्वत) પર્વત; પહાડ. पर्वत, भुधर, पहाड A mountain अणुजो० १२७,

पव्वति पुं० (पर्वतिन) કાશ્યપ ગોત્રની શાખાનો પુરૂપ काश्यप गोत्रकी शाखाका पुरुष. A man of the branch of Kāśyapa family-origin. ठा० ७, १;

√**पव्वय.** धा. I. (प्र+व्रज्) દીક્ષા લેવી दीक्षा लेना To enter into a religious order.

पव्वयामि नाया० १, ५; ८, १२; १६, भग० १३, ६; १६, ५, १८, २, नाया० ध

पव्वयामो भग० १८, २, नाया० ५, ८, १६,

पव्वएज्जा. ठा० २, १;

पव्वयाहि. नाया० ५, १२, १६,

पव्वयह. नाया० ५, ८, १६,

पव्वइहिंति भवि० भग० १५, १,

पव्वइस्ससि भवि० नाया० १, २,

पव्वइहिसि. भग० ६, ३३,

पव्वइस्सामि. नाया० १, १६,

पव्वइस्सामो. ओव० २७, नाया० १२,

पव्वइय. स कृ. भग० ३, १,

पव्वइत्तए हे. कृ. ओव० ४०; नाया० १, ५, १२, १४; १६, भग० २, १; ३, १; ६, ३३; ११, ६, १५, १, १८, ७; सूय० २, ७, १०, विवा० १; अंत० ५, १, दसा० ८, १,

पव्वयंत व कृ. उत्त० ६, ५; नाया० ५,
पव्वावेइ. प्रे० भग० २, १; १८, २. नाया० १; नाया० ध० निसी० १, ३३;
पव्यावेज्ज. प्रे० भग० ६, ३१;
पव्वावेह. नाया० ८;
पव्वावेइत्ता. प्रे० स. कृ भग० ६, ३३;
पव्वाविउं. प्रे० भग० १८, २;
पव्वावित्तए. प्रे० वेय० ४, ४, ठा० २, १, वव० ७, ६,
पव्वावंत. निसी० ११, ३३;

पव्व-य पु० (पर्वत) પહાડ; ડુંગર; પર્વત. पहाड; पर्वत. A mountain. ज० प० २, ३३; ३, ४१; ५, ११४; ६, १२५, ७, १४०; ओव० ३०; ठा० २, ३; सम० ७; उत्त० ६, ४८, सू० प० ८, निर० ५, १, नाया० १; ५, १६; भग० १, ८, २, १-८, ३, २; ५, १, ६, ५; १५, १; १६, ६; दस० ७, २६, ६, १, ८, सूय० २, २, ८; निसी० १२, २२; सु० च० २, १७६, जीवा० ३, ३; ज० प० —**आउय.** त्रि० (-आयुष्क) પર્વતના જેટલા આયુષ્યવાળો. पर्वत समान आयुष्यवाला. (one) having an age like a mountain. ज. प० ५, ११४, उवा० १, ७४, ८, २५३; भत्त० २८; क० गं० ७, १६; कप्प० ३, ५२; —**ग्ग.** न० (-अग्र .) પહાડની ટોચ. पहाड़की चोटी. A summit of a mount. दसा० ६, १; —**दुग्ग** पु० (-दुर्ग) પર્વતનો કિલ્લો, પવત ઉપર કિલ્લો. पहाडी किला, पहाड पर बनाहुआ किला. A mountain-stronghold. प्रव० १४६७, —**मह.** पु० (-मह) પર્વતનો ઉત્સવ. पार्वतीय उत्सव. A mountain festivity. भग० ६, ३३, —**राय** पु० (-राज) પર્વતનો રાજા મેરૂ પર્વત पर्वतोंका राजा मेरु पर्वत. The king of the mountains, the Meru mount. ज० प० ७, १४०, —**विदुग्ग.** पु० (-विदुर्ग) પર્વતોનો સમૂહ पर्वत समूह A group of mountains भग० १, ८, निर० १२, २२; —**संठिय.** त्रि० (-संस्थित) પર્વતને આકારે રહેલ पर्वताकारस्थित. Remaining in the form of a mountain. भग० ८, २; —**समिय.** त्रि० (समिक) પર્વત સમાન पर्वतके समान. Like a mountain. ज० प० १, १२,

पव्वयअ पु० (प्रव्रतक) પ્રવતક-બીજા વાસુદેવના ત્રીજા પૂર્વ ભવનુ નામ प्रव्रतक-दूसरे वासुदेवके तीसरे पूर्व भवका नाम. Name of the 3rd previous life of the 2nd Vāsudeva. सम० ५-२३६,

पव्वराहु. पु० (पर्वराहु) સૂર્ય તથા ચંદ્રનું ગ્રહણ કરનાર એક ગ્રહ सूर्य चन्द्रको ग्रसनेवाला एक ग्रह A planet which preys upon the sun and moon. भग० १२, ६; सू० प० २०;

✓**पव्वह.** धा० I. (प्र+व्यथ्) પીડા ઉપજાવવી. पीड़ा उत्पन्न करना To afflict
पव्वहंति. भग० ३, १,
पव्वहेज्जा. वि० सूय० १, १४, ६;
पव्वहिज्जमाण नाया० १६;

पव्वहण. न० (प्रव्यथन) ભય ઉત્પન્ન કરવો; વ્યથા કરવી. भय उत्पन्न करना; व्यथा होना, पीड़न Causing pain or fear. ओव० ४०; राय० २६४,

पव्वहिय. त्रि० (प्रव्यथित) પ્રબલ વ્યથા-પીડા પામેલ; દુઃખી થયેલ प्रबलव्यथासे पीडित, दुःखप्राप्त. Distressed; troubled. आया० १, १, २, १४; १, २, ६, ६७,

पव्वा. स्त्री० (पर्वा) સૂર્યની બાહ્ય પરિષદ્. सूर्यकी बाह्य परिषद् The external assembly of tho Sun. जं. प. ७, १५१, जीवा० ३, ४;

पव्वाइया स्त्री० (प्रव्राजिका) તપસ્વિની સ્ત્રી, સન્યાસણ. तपस्विनी स्त्री, सन्यासिनी. A nun. मु० च० ४, १३५,

पव्वाण. त्रि० (प्रम्लान) કરમાએલું, જરા મુઝાએલું. कुम्हलायाहुआ, कुछ २ सूखाहुआ Faded, dried up. ओघ० नि० ४४८,

पव्वात. त्रि० (प्रम्लान) જુઓ "પવ્વાણ" શબ્દ. देखो "पव्वाण" शब्द. Vide 'पव्वाण'. अणुत्त० ३, १,

पव्वाय. त्रि० (प्रम्लान) જુઓ "પવ્વાણ" શબ્દ देखो "पव्वाण" शब्द. Vide 'पव्वाण' पिं० नि० भा० ४४,

पव्वावणा स्त्री० (प्रव्राजन) દીક્ષા આપવી તે दीक्षा देनेका कार्य Initiation. ठा० ४, ३, वव० १०, १३, १४, प्रव० २५, **—अंतेवासि.** त्रि० (-अन्तेवासिन्) દીક્ષા ગ્રહણ કરેલ શિષ્ય, દીક્ષિત दिक्षित शिष्य A consecrated, disciple. ठा० ४, ३, वव० १०, १३-१४, **—अणरिह** त्रि० (-अनर्ह) દીક્ષા આપવાને યોગ્ય નહિ તે दीक्षाके लिए अयोग्य व्यक्ति Not fit for consecration. प्रव० २५, **—आयरिअ.** पु० (-आचार्य) દીક્ષા આપનાર ગુરુ दीक्षा देनेवाला गुरु-आचार्य A preceptor who initiates ठा० ४, ३, वव० १०, १२,

पव्वाविय. त्रि० (प्रव्राजित) પ્રવજ્યા આપેલ; દીક્ષિત કરેલ प्रव्रज्या दियाहुआ, दीक्षित. (one) consecrated. भग० २, १, १५, १, नाया० १; नाया० ध० पचा० १०, ४८,

पव्वाहरंत त्रि० (प्रव्याहरत्) પ્રકર્ષે કરી વ્યાખ્યાન આપતાં. उत्तपरीतिसे व्याख्यान देतेहुए Lecturing well. वव्वाहरओ-प० ए० सम० ३४,

✓**पव्विह.** धा० I (") ફેંકવું फेंकना. To throw

पव्विहिति भग० १६, १,

पव्विहमाण. व० कृ० भग० १६, १,

पव्वीसग. पु० (पव्वीसक) વાદ્ય વિશેષ. वाद्य विशेष. A kind of musical instrument. पण्ह० १, ४,

पसइ. स्त्री० (प्रसृति) હથેળીમા માય તેટલું માન, પસલી हथेली प्रमाण. That which can be contained in the palm; a rib अणुजो० १३२, तडु० प्रव० ५१८;

पसंग पु० (प्रसङ्ग) અવસર; તક अवसर, सन्धि A chance, an opportunity. ओव० २१, ओघ० नि० भा० ३००, पिं० नि० १११, १८७, पण्ह० १, ४, पचा० ३, १६, ६, ५०, ८, १५, आव० ४, ७,

पसंत त्रि० (प्रशान्त) શાંત, ઉપશમેલ शान्त, उपशमित. Tranquil; pacified जं० प० ५, ११३, ओव०, अणुजो० १३०; उत्त० ३४, २६, भग० २५, ७, सु० च० ३, २, दस० १०, १, १०; राय० ३५, प्रव० १२५, कप्प० ५, ११६; **—चित्त.** न० (-चित्त) શાંત મન शान्त मन A calm mind. पचा० २, २, **—चित्तमाणस** त्रि० (-चित्तमानस) જેનું ચિત્ત અને મન રાગ દ્વેષાદિકથી શાન્ત થયું હોય તે राग षादिसे निवृत्त चित्तवाला. (one) whose mind is free from love and hatred सम० ३४; **—जीवि.** त्रि० (-जीविन्) શાંતિપૂર્વક જીવનાર. शान्तिपूर्वक जीनेवाला. (one) who lives peacefully. भग० ६, ३३;

पसंधण न० (प्रसन्धन) સતતપણે પ્રવર્તવું. सतत प्रवर्तन Moving or proceeding always. पिं० नि० ४६०,

✓**पसंस** धा० I (प्र+शस्) વખાણ કરવાં, કહેવું. वर्णन करना, कहना, प्रशसा करना. To praise, to eulogise.

पसंसइ. सूय० २, २, २०; निसी० ११, ३१-४२;

पसंसंति. सूय० १, ११, २०;

पसंसंत. व. कृ. सूय० १, १, २, २३, सु० च० २, ६४३; १५, ५५;

पसंस. पु० (प्रशंस) લોભ. लोभ Greed. सूय० १, २, २, २६;

पसंसण. न० (प्रशंसन) પ્રશંસા કરવી તે प्रशंसन, तारीफ-स्तुति करनेका कार्य. Eulogy; praise. दस० ७, ५५;

पसंसणिज्ज. त्रि० (प्रशंसनीय) પ્રશંસા કરવા યોગ્ય. प्रशंसनीय, स्तुत्य. Praiseworthy; laudable. तंडु०

पसंसा. स्त्री० (प्रशंसा) પ્રશંસા; વખાણ; શ્લાઘા. प्रशंसा; स्तुति, बखान, श्लाघा. Praise; eulogy उत्त० १५, ५; पिं० नि० ११७; सु० च० १, ३७७, प्रव० ६४७. उवा० १, ४४;

पसंसिअ. त्रि० (प्रशंसित) વખાણ કરેલ; સ્તુતિ કરેલ. प्रशंसित, कृतस्तुति. Praised; eulogised उत्त० १४, ३८, आया० १, २, ४, ८५. १, २, ५, ६३;

√पसज्ज धा० I. (प्र+सञ्ज्) તત્પર રહેવું; આસક્ત થવું. तत्पर रहना, उद्यत रहना, आसक्त होना. To be ready, prompt, to be attached to.

पसज्जसि. उत्त० १८, ११, सु० च० ४, २८६.

पसज्ज सं० कृ० सूय० २, ६, ३०,

पसढ. त्रि० (प्रशठ) શઠ, અતિ લુચ્ચો. शठ, दुष्ट, अत्यन्त लुचा A knave, a wicked fellow. सूय० २, ४, ३, (२) જોરાવરીથી મેળવેલુ शक्तिद्वारा मिलायाहुआ. Forcibly obtained. दस० ५, १, ७२,

पसण्ण न० (प्रसन्न) મદ્યવિશેષ मद्य विशेष A sort of wine. विवा० २, नाया० १६. (२) સુંદર, સ્વચ્છ, નિર્મળ. सुन्दर, स्वच्छ, निर्मल. Beautiful; pure, clear. ओव० ३८.

पसत्त. त्रि० (प्रसक्त) પ્રસંગથી પ્રાપ્ત થયેલું. प्रसंगवश प्राप्त. Come by chance, occurring at an opportunity. ज० प० ५, ११५, विशे० १८; सू० प० २०, राय० ६५, गच्छा० १०४,

पसत्थ. त्रि० (प्रशस्त) શ્રેષ્ઠ. પ્રશંસા કરવા યોગ્ય श्रेष्ठ, प्रशंसनीय, स्तुतिपात्र Excellent; praiseworthy. उत्त० २६, २८, ३२, १२; अणुजो० ६६, ओव० भग० १, ७-६, ३, १, ६, १, ६, ३१, ११, ११, २४, १; नाया० १, ८; पिं० नि० ५६; विशे० ५०७, जीवा० १; वेय० ६, १६; पन्न० १७, राय० ५८, सम० २८, उवा० ७, २०६. भत्त० १८, ३१, ६८, कप्प० ३, ३५; ३६; ५६: जं. प० ७, १६६, २, २०; ३, ५७, (२) વખાણાયેલ; પ્રશંસા પામેલ प्राप्तप्रशंसा; श्रुत कीर्ति; प्रशंसित Praised. eulogised. गच्छा० १२७; —**कायविणय** पु० (-कायविनय) શરીરને સ્વાધીન રાખવું તે; કાયાનો પ્રશસ્ત વિનય. शरीरको अपने आधीन रखना, कायाका प्रशस्त विनय. Controlling the body. भग० २५, ७, —**दियह.** पु० (-दिवस) સારો દિવસ सारादिन, दिनभर The whole day. पचा० ७, २०; —**दोहल** पु० (दोहद) ગર્ભિણીનો પ્રશસ્ત મનોરથ गर्भिणीका प्रशस्त मनोरथ, दोहद, अभिलाषा. An excellent desideratum नाया० ८, —**पुरिस.** पु० (पुरुष) પ્રશસ્ત-પ્રખ્યાતિ પામેલ પુરુષ. प्रख्यात व्यक्ति An eminent person गच्छा० १२७,

पसत्थार. त्रि० (प्रशस्तृ) ધર્મ શાસ્ત્ર ભણનાર; પાઠ કરનાર. धर्मशास्त्रका विद्यार्थी; धर्म शास्त्रको पढनेवाला One who studies

the scriptures. ओव० १४, २७, ठा० ३, १,

पसत्थार त्रि० (प्रशास्तृ) બુદ્ધિ બળથી શાસન કરનાર, કારભારી बुद्धिबळ द्वारा शासन करनेवाला; कारभारी A minister, one who governs by intellectual power. सूय० २ १, १३, सम० ३०, भग० ६, ३३,

पसन्न. त्रि० (प्रसन्न) સ્વચ્છ, નિર્મળ स्वच्छ, निर्मल, साफ Clear. (२) હર્ષ પામેલ. हर्षित Pleased उत्त० १, ४६, १२, ४६, १८, २०, पिं० नि० भा० १८ दस० ६, ६६, नंदी० स्थ० २६, तंडु० उवा० ८, २४०; **—मुह** त्रि० (-मुख) હાસ્યયુક્ત મુખવાળો. हास्ययुक्त मुँहवाला. Having a smiling face. सु० च० १, ३०६,

पसन्ना. स्त्री० (प्रसन्ना) એક જાતની મદિરા. मदिरा-मद्य विशेष A kind of wine. पन्न० १७; उवा० ८, २४०,

पसप्पग. त्रि० (प्रसर्पक) દેશાન્તરમાં જનાર, મુસાફરી કરનાર. देशान्तरगामी, प्रवास करने वाला A traveller. ठा० ४, ४,

√पसम धा० I (प्र+शम्) શાન્ત થવુ शान्त होना To be pacified

पसमइ. प्रव० ७१२,

पसमंत. व० कृ० प्रव० १७३;

पसम पु० (प्रशम) શાંતિ शांति, निरतब्धता Tranquility, calmness. भत्त० १३,

पसमण. न० (प्रशमन) દબાવવું, શાન્ત કરવું. दबाना, शान्त करना Pressing; appeasing, pacifying. पिं० नि० ६६३

पसमिक्ख सं० कृ० अ० (प्रसमीक्ष्य) વિચારીને, આલોચીને विचार करके, आलोचना करके. Having thought or considered. उत्त० १४, ११,

√पसर. धा० I (प्र+सृ) વિસ્તાર પામવો विस्तार पाना; फैलना. To extend; to expand

पसरइ. उत्त० २८, २२, भग० ११, ६, पन्न० १,

पसरइत्ता भग० ११, ६;

पसरंत. सु० च० १, ५६,

पसारेति. प्रे० राय० ८०,

पसारिए. वि० उत्त० १, १६,

पसारेज्ज. वि० भग० १४, १०,

पसारेज्जा वि० भग० १४, १,

पसारित्तु सं० कृ० आया० १, ८, १, २२,

पसारेत्तए. हे० कृ० भग० १६, १-५, ८,

पसारेमाण. व० कृ० नाया० १, भग० १६, ८,

पसर. पु० (प्रसर) પ્રસર-વિસ્તાર. प्रसार; विस्तार. Expansion नाया० १, गच्छा० ६६, कप्प० ३४३,

पसर. पु० (प्रसर) સફેદ ધાબાવાળુ હરણ. सफेद धब्बोंवाला हरिण. A white-spotted deer भग० ८, २, पण्ह० १, १, पन्न० १, ज० प०

पसरिअ-य त्रि० (प्रसृत) વિસ્તાર પામેલ, પસરેલ. प्राप्तविस्तार, विस्तृत, फैला हुआ Expanded, extended ओव० २१, नाया० १, पण्ह० १, ३, सु० च० ७, २८, जीवा० ३, ३,

√पसव धा० I (प्र+सू) જણવું, પ્રસવ થવો. जनना; प्रसव होना, जन्म देना. To give brith to; to deliver.

पसवइ नाया० २,

पसवंति जीवा० ३, ३;

पसवामि. सु० च० १, १६५,

पसव. पु० (प्रसव) ઉત્પત્તિ, જન્મ. उत्पन्न होना, जन्म, उत्पत्ति Birth delivery. नाया० १, २ **—काल.** पु० (-काल) પ્રસૂતિનો

समय प्रसूतिकाल, जन्मसमय. The time of delivery or birth. भग० १, ७;

पसवण न० (प्रसव) પ્રસૂતિ; જન્મ प्रसूति, जन्म; उत्पत्ति Delivery, begetting. भग० १, ७,

पसाय. पु० (प्रसाद) મહેરબાની. કૃપા. मेहरबानी, कृपा, प्रसन्नता, आशीष. Favour, kindness. उत्त० १, २०, भग० ८२, १, विशे० ६३५, ३२२८, सु० च० ४, १४७,

पसायण. न० (प्रसादन) ખુશી કરવું. खुशी करना Favouring, propitiating सु० च० १, ७६;

पसारण. न० (प्रसारण) વિસ્તાર કરવા રૂપ ક્રિયા, પાંચ કર્મમાંનું ત્રીજું કર્મ. विस्तार क्रिया, पांच कर्मोंमें तीसरा कर्म Expanding, spreading. the 3rd of the 5 karmas. ओव० ८, ४, विशे० २४६२;

पसारिश्र-य. त्रि० (प्रसारित) પસારેલ, ફેલાવેલ पसरा हुआ, फैलाया हुआ. Extended, spread भग० १८, १. उत्त० १२, २६, दस० ४; विशे० १०६८, राय० ६५, ज० प० ५, १२१.

पसासेमाण. व० कृ० त्रि० ('प्रशासमान=प्रशासत) શાસન ચલાવવું, રાજ્ય વ્યવસ્થા કરતો. शासन करता हुआ, राज्य व्यवस्था करताहुआ Governing, ruling ओव० ज० प० ३, ४२,

पसाह. धा० I. (प्र+साध) પાલન કરવું, સેવવું. (२) સાધવું, વશ કરવું पालन करना, सेवन करना. (२) साधना, वश करना. To nourish; to serve; to support, to control.

पसाहि. आ० उत्त० १३, १३,

पसाहित्ता. उत्त० १८, ४२.

पसाहेमाण नाया० १६,

पसाहण. न० (प्रसाधन) શૃંગારના સાધન, આભૂષણ વગેરે श्रृंगारके साधन. आभूषण आदि. Ornaments. embellishments भग० ११, ११, नाया० १ जीवा० ३, ४, राय० ११६, —घर. न० (-गृह) અલંકાર પહેરવા ઉતારવાનું ઘર अलंकार गृह, श्रृंगारगृह-कक्ष. A room or place for decorating oneself, a toilet-room. जीवा० ३, ४, राय० १३६,

पसाहणग. त्रि० (प्रसाधनक) શૃંગારનું સ્થાન श्रृंगार भूमि A place of decoration or sexual sports. पण्ह० २, ४,

पसाहा. स्त्री० (प्रशाखा) શાખામાંથી નીકળેલ શાખા, ડાળી. शाखामेंसे निकली शाखा, डाल, ड्याली An offshoot. राय० १५५, ओव०

पसाहिय. त्रि० (प्रसाधित) અલંકૃત કરેલ सजायाहुआ; अलंकृत Decorated, adorned. उत्त० २२, ३०, सु० च० २, ४८३;

पसाहिया स्त्री० (प्रसाधिका) શૃંગાર કરવાવાળી. श्रृंगार करनेवाली A female who looks to the toilet. भग० ११, ११;

पसिऊण स. कृ अ० (प्रसीद्य) પ્રસન્ન થઈને प्रसन्नहोकर Being pleased सु० च० १, ८३, ८, ४०,

पसिढिल. न० (प्रशिथिल) પડિલેહવાનાં વસ્ત્રાદિક મજબૂત રીતે ન પકડવાથી લાગતો દોષ; પડિલેહણના દોષનો એક પ્રકાર पडिलेहनके वस्त्रादिको सजबूतीसे न पकडे कारण लगनेवाला दोष, पडिलेहण दोष विशेष A fault due to not holding tightly the garments to be especially cared for (२) त्रि० શિથિલ, ઢીલું. शिथिल, ढीला. Loose, slack. उत्त० २६, २७, ओव० २६, भग० ६, ३३, नाया० १, ओघ० नि० २६७, पन्न० २,

पसिण. पु० (प्रश्न) પ્રશ્ન; સવાલ प्रश्न, सवाल A question. उत्त० १८, ३१; ओव० १६, भग० २, १-५, ५, ४, ११, १२, १५, १, १८, ७, नाया० १, ५, निसी० १३, १५, नदी० ५४, राय० २३५, प्रव० ६५१, उवा० ६, १७४, **—अपसिण.** पु० (-अप्रश्न) શુભ તથા અશુભ પૂછનારને તેમજ નહિ પૂછનારને કહેવું તે. शुभाशुभ प्रश्नके कर्ता एवं अकर्ता दोनोंसे कहनेका कार्य-कथन Stating to both who asks or does not ask omens प्रव० १११, ६५१, नदी० ५४, निसी० १३, १५,

पसिद्ध त्रि० (प्रसिद्ध) જાહેર, પ્રખ્યાત. प्रख्यात, प्रसिद्ध, जाहिर Famous noted पिं० नि० ६, पञ्चा० ३, १६, ३२, प्रव० ६८६,

पसिद्धि स्त्री० (प्रसिद्धि) પ્રસિદ્ધિ प्रसिद्धि Fame. (२) શંકાનું સમાધાન. शंकासमाधान. Clearance of a doubt. विशे० २८०५, प्रव० ७४०, पञ्चा० ४, ४८,

पसिस्स. पु० (प्रशिष्य) શિષ્યનો શિષ્ય शिष्यका शिष्य. A disciple of a disciple भग० ६, ३१,

√पसीद. धा० II. (प्र+सद्) પ્રસન્ન કરવું; રીઝવવું प्रसन्न करना, रिझाना, खुश करना. To please, to propitiate

पसाएइ. प्रे० उत्त० १२, ३०,

पसाअए विधि० उत्त० १, १३, ४१,

पसीय. आज्ञा० सु० च० १, ३४६,

पसु पु० (पशु) ગાય ભેંસ વગેરે પશુ गाय भैंस आदि पशु. An animal उत्त० ३, १८, ६, ५, ६, ४६, ओव० १६, सम० ६, अणुजो० १३०, भग० ३, १, ८, २, १८, १०, नाया० १, ५, दस० ७, २२, ओघ० नि० ७३६, **—जाइ.** स्त्री० (-जाति) જાનવરોની જાત पशुओंकी जाति. A class of animals. निसी० ७, २६, **—जाईअ.** त्रि० (-जातीय) પશુ જાતિનું, વાનરાદિ पशु जातिका, वानरादि Belonging to the class of animals वेय० ५, १३, **—बंध.** पु (-बन्ध) પશુ બન્ધનનો હેતુ. पशु बन्धनका हेतु The cause of the animal-boudage उत्त० २५, २८ निर० ३, २, **- भत्त** न० (-भक्त) પશુને અર્થે ભોજન पशुका भोजन Food for animals निसी० ६, ६, **—विवज्जिअ** त्रि० (-विवर्जित) પશુ રહિત. पशु विहीन Devoid of animals प्रव० ८८१,

पसुत्त त्रि० (प्रसुप्त) સુતેલું. सोया हुआ. Sleeping नाया० १६, पगह० १ ३,

पसुवइ पु० (पशुपति) શિવ, મહાદેવ शिव, शंकर, महादेव Śiva, the god Sankera. सु० च० २, १०,

पसूइ. स्त्री० (प्रसूति) પ્રસવ. ઉત્પત્તિ प्रसव, उत्पत्ति, जन्म Birth, begetting विशे० १३४८, पञ्चा० १३, ४,

पसूति. स्त्री० (प्रसूति) કોઢ વિશેષ કે જેમા નખ કાપવા છતા ચેતનાને ભાન ન થાય તેવા સ્થિતિનો કોઢ कुष्ट विशेष जिसमें नखोंके कटने परभी चेतनाको स्फूर्ति न मिले A kind of leprosy in which the leper does not feel though his nails are cut. पिं० नि० ६००,

पसूय. त्रि० (प्रसूत) પ્રસવ પામેલ, જન્મેલ. प्रसूत, जन्माहुआ Begotten, born उत्त० २३, ५१, अणुजो० १३४, नाया० ७, उवा० १४, २, दस० ७, ३५, भग० ११, ११,

पसेणइ-य. पु० (प्रसेनजित्) અંતગડસૂત્રના ૧લા-વર્ગના નવમા અધ્યયનનું નામ अंतगडसूत्रके १ ले वर्गके नव अध्ययनका नाम. Name of the 9th chapter of the 1st Varga of Antagada Sūtra

(२) અધકવ્રષ્ણિના પુત્ર નવમા દશાર કે જે નેમનાથ પ્રભુ પાસે દીક્ષા લઈ બાર વર્ષ પ્રવ્રજ્યા પાળી શેત્રુંજ્ય ઉપર એક માસનો સંથારો કરી નિર્વાણપદ પામ્યા. अंधकवृष्णिके पुत्र नवें दसार जिन्होंने नेमनाथ प्रभुसे दीक्षा ले बारह वर्ष तक प्रव्रज्या पाली और शत्रुंजय पर एक मासका संथारा करके निर्वाणपदको पहुंचे. The 9th Daśāra, the son of Andhakavṛṣṇi, who was consecrated by the lord Neminātha, remained an ascetic for 12 years and fasting on Śatrunjaya for a month attained salvation. अंत० १, ६; (३) બારમા કુલગરનું નામ. जं० प० २, २८, (४) પ્રસેનજિત્ નામે આ અવસર્પિણીના પાંચમા કુલકર. प्रसेनजित् नामक वर्तमान अवसर्पिणीके पांचवें कुलकर. The 5th Kulakara named Prasenajit of the current aeon of decrease. सम० १-२२६,

पसेणि स्त्री० (प्रश्रेणि) ઉપવર્ગ; છીપા १, ઘાંચી २, મોચી ३, ગાંછા ४, સેઈ ५, લુહાર ६, ભિસાન ७, સરાણીયા ८, નાવી ९, એ નવ જાતનો કારીગર વર્ગ. उपवर्ग; छीपे, घांची, मोची, गांछे, सईस, लोहार, नाई आदि नौ जातके कारीगर. A class of 9 artisans *viz.* a dyer; oilman; cobbler; smith; barber नाया० १. २, ८, जं० प० ५, ११६, (२) પંક્તિમાંથી નીકળેલ પંક્તિ. पंक्तिमेंसे निकली हुई पंक्ति, दूसरी पंक्ति A row drawing out from another. राय० ४६;

पसेवय. पुं० (प्रसेवक) હજામની કોથળી. नाईकी पेटी. A barber's bag. "एहाविअपसेवओव्व उरसिलवंति दोवि तस्स थणाया" उत्ता० २, ६४.

पस्स. पुं० (प्रश्न) જુઓ "પસિણ" શબ્દ. देखो "पसिण" शब्द. Vide 'पसिण'. राय० २६५;

पस्सास. (प्रश्वास) વિચ્છેદ ગયેલ બારમા દ્રષ્ટિવાદ અંગના બીજા વિભાગ-સૂત્રનો २१ મો ભેદ. विच्छेद प्राप्त बारहवें दृष्टिवाद अंगके दूसरे विभागसूत्रका २१ वां भेद The 21st variety of the 2nd part of the 12th Dṛṣṭivāda which is lost. नंदी० ५६.

पस्सि. पुं० (पश्यक) જોનાર.-મતિજ્ઞાન-१ મતિઅજ્ઞાન-२ અચક્ષુદર્શન-३ એ ત્રણ ઉપયોગ શિવાય બાકીના નવ ઉપયોગવાળો જીવ. द्रष्टा-मति ज्ञान, मति अज्ञान, अचक्षु दर्शन आदि इन तीन उपयोगोंके अतिरिक्त शेष नौ उपयोगवाला जीव An observer; a being with the nine uses excepting the three *viz.* Matignāna; Matiagnāna and Achakṣdarśana. पन्न० ३०;

पह. पुं० (पथ) રસ્તો; માર્ગ. रास्ता, मार्ग, पथ A path; a way. ओव० २७, उत्त० ६, २; १०, ३२; सूय० १, १, २, १६, नाया० १; ३; १५; भग० २, १, ५, ७, ६, ३३; १५, १; पिं० नि० ५१, २००; विवा० ३; निसी० ११, २६; नंदी० स्थ० २२; जीवा० ३, ३; सु० च० १२८; पन्न० २, १६; उत्ता० ४, १५८; वव० ७, २०-२१; गच्छा० ४८,

पहंकरा. स्त्री० (प्रभंकरा) પ્રભંકરા નામની દેવી. प्रभंकरा नामक देवी. A goddess named Prabhankarā नाया० ध० ८;

पहंजण. पुं० (प्रभञ्जन) પ્રભંજન નામના એક ઈન્દ્ર. प्रभंजन नामक इन्द्र Indra named Prabhanjāna. सम० ३२;

पहकर. पु० (प्रकर) સમૂહ; જથ્થો. समूह; झुंड. A group; a hort. ओव० भग० ६, ३३; नाया० १; पयह० १, ३; जं० प० राय० ७०; २१३; कप्प० ३, ४२;

पहट्ठ. त्रि० (प्रहृष्ट) આનન્દ પામેલ. प्राप्त आनन्द; प्रसन्न; हर्षित. Delighted, pleased. नाया० ६; जीवा० ३;

√**पहण.** धा० I. II. (प्र+हन्) મારવું. मारना, हनन करना. To slay; to kill.

पहणेइ. दसा ६, ५,

पहणइ. भग० ७, ६,

पहणाहि. आ० भग० ७, ६,

पहण आ० भग० ७, ६,

पहणित्तए. हे कृ. भग० ७, ६,

पहणंति. प्रे० सूय० १, ४, २, २,

पहणिय त्रि० (प्रहत) મારવામાં આવેલ. माराहुआ, हत. Slain; killed. सु० च० १, ४३;

पहय. त्रि० (प्रहत) હણવામાં આવેલ. हत, माराहुआ. Slain. भग० ७, ६; ६;

√**पहर** धा० I. (प्र+हृ) પ્રહાર કરવો. प्रहार करना. To strike.

पहरिज्जइ. क० वा० सु० च० १०, ५६,

पहर. पु० (प्रहर) પહોર. प्रहर, पहर. A watch (of 3 hours). सु० च० ८, १८६; —**उवरिं.** अ० (-उपरि) એક પહોરથી વધારે-ઉપર एक प्रहरसे अधिक. More than or above a watch प्रव० ८८६;

पहरण. न० (प्रहरण) આયુધ; શસ્ત્ર आयुध; शस्त्र. A weapon. ओव० ३०; भग० ७, ६; नाया० २, ८, १६, जीवा० ३, ४; विवा० २; जं० प० ३, ५२; ४, ८८; राय० १३०; प्रव० १२४०; —**रयण** न० (-रत्न) શસ્ત્ર રત્ન; શ્રેષ્ઠ હથીયાર श्रेष्ठ हथियार; उत्तम शस्त्र. The best weapon. भग० १८, ७, विवा० ३;

पहराइया. स्त्री० (पथराजिका) એક તરેહની લિપિ, ૧૮ લિપિમાંની એક. अठारह लिपियोंमेंसे एक लिपि विशेष. A kind of character; one of the 18 characters. पन्न० १,

पहव. पु० (प्रभव) ઉત્પત્તિ સ્થાન. उत्पत्तिस्थान. A birth place. सु० च० २, १६; पन्न० ११;

पहवीकरण न० (प्रह्वीकरण) અનમ્રને નમ્ર બનાવનાર. उद्धतको विनयी बनानेवाला. One who humbles the rude. विशे० ३००८;

पहसिय त्रि० (प्रहसित) હસેલું; ખુશી થયેલું. हँसाहुआ; प्रहसित, प्रसन्न. Delighted, laughed. नाया० १; ८; भग० ११, ११; जीवा० ३, ३;

पहसिर. त्रि० (प्रहसनशील) હસમુખો. हँसमुख, हास्यपूर्ण Smiling. सु० च० २, ३२७,

√**पहा** धा० I (प्र+हा) તજવું. छोडना; तजना; त्यागना. To abondon; to give up.

पहिज्ज वि० उत्त० ४, १२;

पहाय. स० कृ० उत्त० २१, २१;

पहा. स्त्री० (प्रथा) ખ્યાતિ. ख्याति; रीति, पद्धति Fame; usage जं० प०

पहा. स्त्री० (प्रभा) કાન્તિ; તેજ. कान्ति; तेज Lustre. नंदी० स्थ० १०; सु० च० १, ४६; कप्प० ३, ३४;

पहाण. न० (प्रहाण) નાશ; હાનિ. नाश; हानि; नुकसान. Destruction; loss उत्त० ३, ७, सम० १०,

पहाण. त्रि० (प्रधान) શ્રેષ્ઠ; ઉત્તમ; મુખ્ય. श्रेष्ठ, उत्तम; प्रमुख. Excellent; Chief; principal जं० प० ७, १६६; ओव० १४, १६, ४०, ठा० ४, २, भग० ७, ६; १२, ६, नाया० १; विशे० १०५२, ओघ० नि० ११४; नंदी० स्थ०

३८; सु० च० १, २८८; कप्प० ३, ५६, ५, १४६; पंचा० २, ३६; ४, ६, भत्त० ३३; (२) सांख्य मताभिमत प्रकृति; सत्व, रजस् अने तमसनी साम्यावस्था. सांख्य मताभिमत प्रकृति, सत्व, रजस् तथा तमस्की साम्यावस्था. The "matter" of the Sānkhya system of Philosophy; the equal status of Satva, Rajas and Tamas. सूय० १, १, ३, ६; —पुरिस. पु० (-पुरुष) शौर्यादि गुणोथी श्रेष्ठ. शौर्यादि गुणोंसे श्रेष्ठ. An excellent or eminent man. सम० प-२३५;

पहाणयर. त्रि० (प्रधानतर) अत्यन्त श्रेष्ठ. अत्यन्त श्रेष्ठ-उत्कृष्ट. More excellent; better. विशे० ११३१;

पहाणया. स्त्री० (प्रधानता) मुख्यपणुं मुख्यता, प्रधानता; प्रामुख्य. Eminence, prominence अणुजो० १३१;

पहाणवंत त्रि० (प्रधानवत्) संयम-समाधिवाळो. संयम समाधिवाला. One who concentrates on self-restiant उत्त० २१, २१;

पहाय. न० (प्रभात) प्रातःकाल प्रात काल, प्रभात, सवेरा. Morning. ओघ० १३, ओघ० नि० १०;

पहाया. स्त्री० (प्रभाता) वनस्पति विशेष वनस्पति विशेष. A particular vegetation. अणुत्त० ३, १;

पहार. पु० (प्रहार) प्रहार-मार, घा. पहार, मार, घाव. A stroke; a blow. नाया० १; २; ६; पगह० १, १, दस० ६, १, ८; सथा० ६८, क० प० ५, ३८, —गाढ. त्रि० (-गाढ) गाढ प्रहार; मजबूत घा. गाढ प्रहार; मजबूत गहरा घाव. A strong blow or stroke. दसा० ७, ४२;

पहाराइया. स्त्री० (प्रभाराजिका) अढार लिपिमांनी सातमी लिपि. अटारह लिपियोंमेंसे सातवीं लिपि. The 7th character of the 18. "दामालिया पहाराइयाउच्चत्तरिया" सम० १८; पन्न० १;

पहारित्थ. अ० (प्रधारितवत्) धार्युं, निश्चय कर्यो. निश्चितकिया; दृढ निर्धारण किया A thing resolved or decided ओव० ३१,

पहारित्थ त्रि० (प्रधारितवत्) जुओ 'पहारित्थ' शब्द. देखो "पहारित्थ" शब्द Vide "पहारित्थ." सूय० २, ७, ३६; "पहारित्थगमणाए" भग० ६, ३३; १२, १; १५, १; १६, ५, नाया० १, ७, ४, ८, ६; १३; १४; १६. १६; विवा० ३; जीवा० ३, ४; ज० प०

पहाव. पु० (प्रभाव) पराक्रम, माहात्म्य. पराक्रम; महात्म्य. Prowess; greatness. कप्प० २, २७,

पहाविअ-य. त्रि० (प्रधावित) दोडेल; दोट काढेल दौड़ाहुआ. (one) who runs ओव० २१; नाया० १; पगह० १, ३; सु० च० १४, ४३;

पहास. पु० (प्रभास) प्रभास नामना श्री महावीर स्वामिना अगीयारमा गणधर. श्री महावीर स्वामिके प्रभास नामक ग्यारहवें गणधर. The 11th Ganadhara named Prabhās of the lord Mahāvīra. विशे० १६७२; नदी० स्थ० २१, कप्प० ८,

पहिट्ठ. त्रि० (प्रहृष्ट) खुशी थयेल हर्षित, प्रसन्न Delighted; pleased. भग० १, १; ओव० १०; २६; सु० च० १, ५८,

पहिय. त्रि० (प्रथित) विस्तार पामेल. विस्तृत, प्रथित; फैलाहुआ. Extended; spread. ओव० ३१; ज० प० सु० च० १, ३५५;

पहिय. पु० (पथिक) मुसाफर. पथिक, यात्री, मुसाफिर. A traveller. भग० ३, २, नाया० ८; १३; पिं० नि० १६३; सु० च० २, ४०६,

पहिय. त्रि० (प्रहित) મોકલેલું भेजाहुआ. Sent, despatched. नाया० ८,

पहीण. त्रि० (प्रहीन) નષ્ટ થયેલ, હાનિ પામેલ, રહિત. नष्ट, हानि पायाहुआ, रहित. Destroyed, lost, devoid of. उत्त० ५, २५, २८, ३१, अणुजो० १२७, ठा० १, १, भग० १, १-७-६; २, १, ३, ७, ५, ६, ७, १०, ६, ३२, ११, १०; नाया० १, ५, १६, पिं० नि० ६३१, जीवा० ३, ३, कप्प० ४, ८८,

पहु. त्रि० (प्रभु) સમર્થ, શક્તિમાન્, સ્વામી समर्थ, शक्तिमान, स्वामी Able, powerful, lord ज० प० ७, १६२; ओव० ४०, उत्त० ३५, २०, आया० १, १, ७, ५५; भग० २, १, नाया० ७, १६, पिं० नि० ३६८, ५६८, विशे० १०६१, प्रव० ८०७, क० प० ५, ६७, भत्त० २६, उवा० १, ६२, —**संदिट्ठ.** त्रि० (-संदिष्ठ) ધણિએ સોંપેલ. स्वामीको सौंपीहुई Handed over by a master प्रव० ८०७,

पहुत्त. न० (प्रभुत्व) પ્રભુપણું, સમર્થપણું प्रभुता, समर्थता, स्वामित्व Mastery, lordship, authority भत्त० ६६,

पहुत्तण. न० (प्रभुत्व) મોટાપણું महत्ता, प्रभुता Supremacy भत्त० ६५,

पहुनंद. पु० (प्रभुनन्द) દશમા તીર્થંકરના ૧ લા ગણધરનું નામ दसवें तीर्थंकरके १ ले गणधरका नाम Name of the 1st Ganadhara of the 10th Tīrthankara. प्रव० ३०६,

पहेण. न० (प्रहेण) લાણું, ખાવાની વસ્તુ સબંધીને ઘેર આપવી તે लेन, लायन, खाद्य पदार्थोंको रिश्तेदारोंके घर पर देना-पहुचाना Sending of eatables to the relatives, a present of food. सूय० २, १, ५६, आया० १, २, ५, ८६, पिं० नि० ३३५, (२) વિવાહ પછી કન્યાના બાપને ઘેર ભોજન થાય તે, ગોરવ विवाहके बाद कन्याके पिताके घर होनेवाला भोजन A feast given at the house of a father of a girl after her marriage. आया० २, १, ४, २२,

पहेरक. पु० (प्रहेत्यक) આભરણ વિશેષ. आभरण विशेष A kind of ornament. पण्ह० २, ५;

पहेलिया. स्त्री० (प्रहेलिका) ગુપ્ત આશયવાળું પદ્ય. (२) તેવાં પદ્ય બનાવવાની કળા गढ अर्थवाला पद्य. (२) गूढार्थ पद्य रचनाकी चातुरा-कला A ridble; the art of making riddles, enigma. ओव० ४०, नाया० १,

√प-हो. धा० I. (प्र+भू) પહોંચવું, લંબાવું; સમર્થ થવું पहुँचाना, लम्बा करना, समर्थहोना. To reach, to lengthen, to be able

पहुप्पते. भग० १४, ७,

पहुप्पइ. विशे० ४५२, सु० च० ४, ८६,

पहुव्वंति ओघ० नि० २७१,

पहोलिर. त्रि० (प्रघूर्णक) નિસ્સામાં ઘેરાતી આંખવાળો नशेमे पूर आखोवाला. (one) whose eyes are swimming through intoxication. सु० च० ६, ४५

पहोलेत्ता. स० कृ० अ० (प्रक्षाल्य) પાણીથી ધોઇને पानीद्वारा धोकर Washing with water. आया० २, ५, १, १४६,

√पा. धा० I. (पा) પીવું पीना To drink.

पिवइ. राय० २४०,

पिबंति. भग० १५, १, नाया० २,

पिवे. दस० ५, १, ८४, ५, २, ३६;

पाइज्जा वि० आया० २, १, ५, २६,

पाहामो. भ० श्राया० २, १, ५, २६;
पिवइत्ता. सं० कृ० ठा० ३, २; भग० १५, १;
पाउं. हे० कृ० श्रोव० नि० ५८५; सु० च० ४, ३१६;
पिवित्तए. हे. कृ श्रोव० ३८.
पाइत्तए. हे कृ० श्रोव० ४०,
पाउं. हे० कृ० श्राया० १, १, ३, २७; २, १, ३, १५;

√**पा.** धा० II. (पा) पीवुं पीना पान करना. To drink.
पज्जेह. प्रे० विवा० ६.
पज्जेंति. भग० १५, १;
पज्जेतिता. सं. कृ. भग० १५, १.

पाइ. त्रि० (पातिन्) पडनार, भ्रष्ट थनार. पतनशील, भ्रष्ट होनेवाला. One who falls or degenerates पचा० ५, २०;

पाइश्र. त्रि० (पायित) पीवडावेलुं. पीलाहुवा; पासी श्रोर दुर्गन्धयुक्त स्थितिको प्राप्त. Caused to drink. उत्त० १६, ६६;

पाइक्क. पु० (पदाति) पेदल. पैदल सेना Infantry. पण्ह० १, ३;

पाइन्न. न० (प्राचीन्य) प्राचीन्य नामनु गोत्र. प्राचीन्य नामक गोत्र. A family-origin named Prachinya. नंदी० स्थ० २४;

पाइम त्रि० (पाक्य) पकाववाने योग्य. पकाने के योग्य. Fit to be cooked. दस० ७, २२;

पाइया. स्त्री० (पादिका) पग पैर, पद; पाँव Foot. वेय० ५, २२;

पाई. स्त्री० (पात्री) न्हानु पात्र; पातरी. छोटा बर्तन, लघुपात्र A small pot or bowl सूय० २, २, ८१; पन्न० १; राय० ११६;

पाई. स्त्री० (प्राची) पूर्व दिशा. पूर्व दिशा. East. दस० ६, ३४;

पाईण त्रि० (प्राचीन) पूर्व दिशा संबंधी. पूर्व दिशा विषयक Oriental. (२) स्त्री० पूर्व दिशा. पूर्व दिशा. Eastern direction. जं० प० ५, १२०; ७, १५०; १, १०; ४, ७२, भग० ५, १; १५, १; १६, ६; २५, ३; नाया० ५; जीवा १; जं० प० दसा० ७, १; राय० १०२; —**अभिमुह.** त्रि० (-अभिमुख) पूर्व दिशाने सन्मुख. पूर्वाभिमुख. Opposing the East. वव० १, ३७, —**गामिणी.** स्त्री० (—गामिनी) पूर्व दिशामां जनारी. पूर्व दिशाकी श्रोर जाने वाली Going towards the East कप्प० ५, १०७, —**जणवय** पु० (–जनपद) पूर्व देश. पूर्व देश. The eastern country भग० १५, १; —**वात.** पुं० (-वात) पूर्व दिशानो पवन. पूर्वी पवन, पूरबकी हवा. An eastern wind or breeze भग० १५, १; —**वाय.** पु० (-वात) पूर्व दिशानो वायु; पवन. पौर्वात्य वायु; पूर्वीहवा. An eastern wind. भग० ३, ७; ठा० ५, ३; ७, १; पन्न० १;

पाईणा. स्त्री० (प्राचीना) पूर्व दिशा. पूर्व दिशा. East. आया० १, १, ५, ४१; १, ६, ५, १६४; २, १, २, १३; ठा० २, २; भग० १०, १; जं० प०

पाउ. श्र० (प्रादुस्) प्रकाश; प्रगट. प्रकाश, प्रकट. Light; open. श्रणुजो० १६; नाया० १; १३; १४; १६; सूय० २, ६, ११; प्रव० ४४२; दसा० २, ६३;

√**पाउक्कर.** धा० I. (प्रादुस्+कृ) जाहेर करवुं; प्रसिद्ध करवुं. जाहिर करना; प्रकट करना. To reveal; to make famous.
पाउकरे. भू० उत्त० १८, २४;
पाउकरिस्सामि. उत्त० १८, १;
पाउकरे. सं० कृ० उत्त० ३६, २६६;
पाउकुव्वं व० कृ० सूय० २, ६, ११;

पाउकरण. न० (प्रादुष्करण) પ્રકટ કરવું તે. प्रकाशन, प्रकटन. Revealing; publishing. पचा० १३, ११;

पाउकर त्रि० (प्रादुष्कर) પ્રગટ કરનાર. प्रकाशक, प्रकटकर्ता. A publisher; one who manifests उत्त० २५, ३२,

पाउक्खालय न० (पादक्षालक) જ્યાં ગયા પછી પગ ધોવા પડે તે જગ્યા, પાયખાનું शौचस्थ आदि स्थान जहाँ जाने पर पैर धोना पडे A privy, any place which will require one to wash his feet by visiting it. भत्त० ११२,

पाउगरण. न० (प्रादुष्करण) અંધારામાંથી અજવાળે લાવેલો આહાર. अँधेरेमेंसे उजेलेमें लायाहुआ आहार. A food brought to light from darkness पण्ह० २, ५,

पाउग्ग. त्रि० (प्रायोग्य) ગ્રહણ કરવાને યોગ્ય. ग्राह्य, ग्रहणीय, Acceptable; fit to be received. भग० १२, ४; १७, ३, नाया० ८, १७, पिं० नि० १६३; १६६; ओघ० नि० ८२; क० प० १, १७, ६३, २, १११, ४१८,

पाउग्ग पु० (प्रयोग) કારણ, નિમિત્ત. कारण, प्रयोजन, निमित्त A reason, occasion. नाया० १, २;

पाउग्गहण. न० (पादग्रहण) પગે લાગવું તે, વંદન पैर छूना, वंदन करना. Touching of feet; salutation. राय० २२६,

पाउड. त्रि० (प्रावृत) ઢાંકેલું. ढकाहुआ. Covered. आया० १, २, २, ७३, सूय० १, २, २, २२,

√पाउण. धा० I (*) ઓઢવું, ઢાંકવું. ओढ़ना, ढांकना. To cover

पाउणिहिइ उवा० १, ६२;

पाउणिस्सामि. आया० १, ६, ३, १८५;

पाऊण. सं० कृ० ओघ नि० ४०,

पाउणित्ता उवा० १, ८६,

पाउप्पभा स्त्री० (प्रादु प्रभा) પ્રાત કાળની કાંતિ प्रात कालीन प्रभा The light of the morning. ज० प० ३, ६८, भग० २, १, नाया० २, दसा० ७, १,

पाउप्पभाय. त्रि० (प्रादु प्रभात) જેમાં પ્રગટ પણે પ્રભા દેખાય તેવો સમય, સવાર प्रकटरूपमें प्रभापूर्ण समय, सवेरा, प्रभात A morning, when the light is clearly seen. ओव० १३; भग० ३, १; ११, ६; नाया० १, १६; राय० २३८; कप्प० ४, ६०,

पाउब्भवण. स्त्री० (प्रादु भवन) પ્રગટ થવું. प्रकटहोना. Manifestation. भग० ३, १,

पाउब्भाव. पु० (प्रादुर्भाव) પ્રગટ થવું प्रकट होना. Arising. सम० ३४,

पाउब्भूय. त्रि० (प्रादुर्भूत) પ્રગટ થએલ, બ્હાર આવેલ प्रकटित, प्रादुर्भूत, बहार आया हुआ. Manifested; revealed; arisen भग० २, ५, ३, १, २, ५, ४, ६, ३३, १५, १, नाया० १, ५, ८, ६, १३, १६, १६, विवा० ७, दसा० १०, १, सु० च० २, १०६, राय० २२४, ओव० ३६, निर० १, १,

पाउय. त्रि० (प्रावृत) લપેટેલું, ઓઢેલું लपेटाहुआ, ओढ़ाहुआ Wound, covered up ओघ० नि० ६८,

पाउयर. पु० (प्रादुष्कर) પ્રાદુષ્કરણ નામનો આહારનો એક દોષ, અંધારામાં પડેલ વસ્તુ દીવો પ્રગટાવી સાધુને આપવાથી સાધુને લાગતો એક દોષ प्रादुष्करण नामक आहार दोष, अँधेरीमें पड़ीहुई वस्तुको दिया जलायाकर साधुको प्रदान करनेसे साधुको लगताहुआ दोष A fault of food named Prādusakarana; a fault incurred

by a saint by giving him food kept in the dark after burning a lamp. प्रव० ५७२,

पाउया-आ स्त्री० (पादुका) પાવડી; ચાખડી. पादुका, खडाऊँ A sandal. जं० प० ३, ४३, ५, ११५. ओव० १२, ३१, ३६, भग० २, १, विवा० १, पिं० नि० ५७२; नाया० ध० कप्प० २, १४, सु० च० २, ६३७, राय० २३३;

पाउरण. न० (प्रावरण) આચ્છાદન, દુપટ્ટો, વસ્ત્ર उपवस्त्र, आच्छादन, दुपट्टा, वस्त्र. A covering garment; a cloak. उत्त० १७, २, अणुजो० २१, पिं० नि० भा० २५, पराह० २, ५, प्रव० ५००; ७६१; (२) એ નામનો એક આહારનો દોષ एक आहार दोष A fault of food प्रव० ५०४, —**वज्जिय.** त्रि० (-वर्जित) પ્રાદુષ્કરણ નામના દોષથી રહિત प्रादुष्करण दोष से रहित-मुक्त. Free from the fault named Prāduṣkarana प्रव० ५०४,

√**पाउर्-एस.** धा० I. (प्रादुस्+एष्) શોધ કરવી. शोध करना, खोज करना To search; to find out

पाउरेसए विधि० आया० १, ८, ७, १७,

√**पाउर्-भव** धा० I. (प्रादु+भू) પ્રગટ થવું प्रकट होना. To arise; to become manifest.

पाउब्भवइ नाया० १२, भग० ३, १,

पाउब्भवंति भग० १८, २; नाया० ५, ८, राय० ४२, ज प. ५, ११५,

पाउब्भवामि भग० १८, १०, नाया० ८,

पाउब्भवामो. भग० ३, २, नाया० ५;

पाउब्भवह. आ० भग० १८, २, राय ३६, नाया० ५, ८,

पाउब्भवित्था जं प. ५, ११५; ओव० २२, नाया० १, ५; भग० १५, १; उवा० ४, १४६; ६, १६५;

पाउब्भविस्सइ ज. प. २, ३८.

पाउब्भवित्ताणं स कृ उवा० १. ८१,

पाउब्भवमाण. व. कृ. नाया० ५, ज प ५, ११५;

पाउब्भवंत. व. कृ. सु. च १. ७०,

पाउल्ल न० (पादुका) પાદુકા, ચાખડી पादुका, खडाऊँ A sandal. सूय० १, ४ २, १५,

पाउवगम. पु० (पादपोपगम) પાદોપગમન સથારો. पादोपगमन सथारा. A Pādopagamana (becoming steady like a tree) fasting. भत्त० ६; १६२, प्रव० ८८४;

पाउवगमण. न० (पादोपगमन) વૃક્ષની શાખાની માફક નિશ્ચેષ્ટ થઇ સ્વસ્થપણે અડગ રહી સમાધિ મરણ કરવુ તે, સથારાનો એક પ્રકાર. वृक्ष शाखावत् निश्चेष्ट हो स्वस्थतापूर्वक अचल रहकर समाधि मरण, सथारेका एक प्रकार Meeting death by concentration remaining motionless like a tree: A form of Santhārā (austerity) भग० २, १, ठा० २, ४, सत्था० ६५; सम० १७,

पाउवदाइया } **पाउवदाई.** } स्त्री० (पादोपदायिका / पादोपदात्री) પગ ધોવાનુ પાણી આપનાર દાસી पैर धोनेका पानी देनेवाली दासी A maid giving water for washing the feet. नाया० ७,

पाउस. पु० (प्रावृष्) ચોમાસું; વર્ષાઋતુ चौमासा, वर्षाऋतु, बरसात The rainy season. जं० प० ७, १५४; ठा० ६, १, भग० ७, २; ६, ३३; नाया० १, ७, ६; निर० ५, १, निसी० १०, ४५, सू० प० १२; सु० च० २, १०७, १२, ३५, —**उऊ.** पु० (-ऋतु) વર્ષાઋતુ, ચોમાસું बरसात, चौमासा. The rainy season. नाया० ६; —**सिरि.**

स्त्री० (-श्री) ચોમાસાની શોભા. वर्षा ऋतुकी छवि, बरसातकी खूबी Beauty of the rainy season. नाया० १,

पाउसिय. त्रि० (प्रातिवेश्मिक) પડોસી पड़ौसी A neighbour. सु० च० २, ५३८,

पाउसिया. स्त्री० (प्राद्वेषिकी) મત્સર અદેખાઈથી લાગતી ક્રિયા मत्सर ईर्ष्यादिके कारण लगनेवाली क्रिया An action incurred by showing jealousy. सम० ५; ठा० २, १, पन्न० २२; आव० ४, ७,

पाउसिया स्त्री० (प्रावृष्) જુઓ "પાઉસ" શબ્દ. देखो "पाउस" शब्द Vide "पाउस" नाया० १, ६,

पाए. अ० (प्रायस्) ઘણું કરીને बहुत करके, प्राय. Generally. विशे० २५,

पाएण अ० (प्रायेण) ઘણું કરીને. बहुत करके, प्रायश. Generally सु० च० ५, ६४, क० प० २, ६६;

पाओ. अ० (प्रातः) સવારનો પહોર सवेरेका प्रहर. In the morning. सूय० १, ७, १३,

पाओअर. न० (प्रादुष्कर) દીવાનો પ્રકાશ કરીને સાધુને આહારાદિ આપવાથી લાગતો એક દોષ, સોળ ઉદ્ગમમાંનો સાતમો દોષ. दिया जलाकर साधुको आहार देनेसे लगनेवाला दोष विशेष, सोलह उद्गमोंमेंसे सातवाँ दोष. A fault incurred by giving food to a saint by lighting a lamp, the 7th fault of the 16 Udgamas पिं० नि० ६२, पचा० १३, ५,

पाओकरण न० (प्रादुष्करण) ખુલ્લું કરવું. खोलना, खुला करना Exposing; revealing. पिं० न० २९८;

पाओग. त्रि० (प्रायोग्य) ઉચિત, યોગ્ય. उचित, योग्य Proper, suited भग० ३, १, विशे० ६३४,

पाओवगमण. न० (पादोपगमन) જુઓ "પાઉવગમણ" શબ્દ देखो "पाउवगमण" Vide "पाउवगमण" ओव० १६; नाया० ५, ८; भग० ३, १-२, १२, ७, २५, ७,

पओवगय. त्रि० (पादोपगत) હાલ્યા ચાલ્યા વિના એક આસને સ્થિર રહેવાની સ્થિતિને પ્રાપ્ત થયેલ अचल-स्थिर गतिको प्राप्त. Attaining a motionless position ओव० ३६, भग० ३, १, नाया० १, कप्प० ६, ५१,

पाओसिया स्त्री० (प्राद्वेषिकी) દ્વેષ કરવાથી લાગતી ક્રિયા द्वेष करनेसे लगनेवाला दोष A fault due to showing hatred भग० १, ८, ३, ३,

पांजलि. पु० (प्राञ्जलि) અંજલિ; ખોબો अञ्जलि, सम्पुट, खोबा Folding of the palms of a hand. राय० ७४,

पांडुकिय त्रि० (पाण्डुक्ति) પીળા રંગનું, ફિક્કું. पीलेरंगका, फीका Pale, yellowish नाया० १; **—मुखी** स्त्री० (-मुखी) ફીકા મુખવાળી, પાંડુવર્ણી. फीके मुखवाला; पांडुवर्णी A pale-faced (female). नाया० १,

पांसुलिया स्त्री० (पांसुलिका) પાસળી, પેટની ઉપર બન્ને બાજુએ કમાન પેઠે વળેલ હાડકાની શ્રેણી पसली, पेटके उपरी भागमें स्थित अस्थितियोंकी धनुपाकार श्रेणि The rib. मणुत्त० ३, १,

पाक पु० (पाक) પકવવું; રાંધવું તે पकाना, राधना, पाककार्य Cooking सूय० १, ४, २, ५,

पाकसासण. पु० (पाकशासन) પાક નામના શત્રુને વશ કરનાર-ઇન્દ્ર. पाक नामक शत्रुको वशमें करनेवाला-इन्द्र Indra, who over-

helmed an enemy named Pāka. पण्ह० २;

पाखिकायया. पुं० (पक्तिकायन) કૌશિકગોત્રની શાખા. कौशिकगोत्रकी शाखा. A branch of the Kauśika family-origin. (२) त्रि० તે શાખામાં ઉત્પન્ન થએલ. कौशिकगोत्रकी शाखामें उत्पन्न. Born in this branch. ठा० ७, १;

पाग. पुं० (पाक) રાંધવું; પકવવું. पकाना; रांधना; भोजन बनाना. Cooking; preparing food. जं प. ५, ११४; पिं० नि० भा० ३६; भग० ७, १ ; उवा० १, २५;

पागइअ. त्रि० (प्राकृतिक) સાધારણ પ્રજા વર્ગનો માણસ. साधारण प्रजा वर्गका मनुष्य. Ordinary; subject. ओघ० नि० ३००;

पागट्टि. त्रि० (प्रकर्षिन्) પ્રવર્તક. प्रवर्तक, जन्मदाता Originator. जं० प०

पागड. त्रि० (प्रकट) સ્પષ્ટ; ખુલ્લું. स्पष्ट; खुला; जाहिर. Clear; open; public; overt. जं० प० २, ३१; ३, ४२; ओव० १७, पण्ह० २, ५; पिं० नि० २८६; जं० प० कप्प० ३, ४३; (२) स्त्री० દૂતીનો એક ભેદ કે જે જાહેર રીતે સંદેશો પહોંચાડે. दूती विशेष जिसका कार्य प्रकट रूपसे संदेशा पहुँचाना है. A particular female messenger whose work it is to carry openly a message. पिं० नि० ४२६;

पागडण. न० (प्रकटन) જાહેર કરવું તે. प्रकटन; प्रकाशन. Publication विशे० ८१०; नंदी० १८;

पागडिय. त्रि० (प्रकटित) સ્પષ્ટ થયેલ. प्रकाशित; स्पष्ट. Published; clear. ओव० २५, २६;

पागड्डिक. त्रि० (प्रकर्षिक) આકર્ષનાર. आकर्षक. That which draws. पण्ह० १, ३;

पागब्भि. त्रि० (प्रगल्भिन्) ધીઠો. ढीठ; प्रगल्भ; साहसी. grave; sedate; adventurous. सूय० १, ५, १, ५;

पागय. त्रि० (प्राकृत) પ્રાચીન; પુરાતની. प्राचीन; पुरातन. Ancient; old. (२) સાધારણ. साधारण. Ordinary. सु० च० १, १२; १३, ३२; —जण. पुं० (—जन) સાધારણ મનુષ્ય. साधारण मनुष्य; प्राकृतजन. An ordinary person. सु० च० १३, ३२;

पागसासण. पुं० (पाकशासन) ઇન્દ્ર. इन्द्र. Indra. जं० प० ५, ११५; भग० ३, २; कप्प० २, १३;

पागसासणी. स्त्री० (पाकशासनी) ઇન્દ્રજાલ વિદ્યા. इन्द्रजाल नामक विद्या. An art of magic. सूय० २, २, २७;

पागार. पुं० (प्राकार) કોટ; કિલ્લો. कोट; किला; दुर्ग. A fort; rampart. जं० प० ७, १५६; पम० २; सू० प० १०; राय० १०३; उत्त० ६, १८; अणुजो० १३४; ओव० भग० ५, ७; ८, ६; १३, ६; नाया० १८; अंत० १, १; निसी० ८, ३; नंदी० स्य० ५०; जीवा० ३, ३; —तिगविणास. पुं० (—त्रिकन्यास) ત્રણ ગઢની રચના. तीन किलों–दुर्गोंकी रचना. An arrangement of three forts. पचा० २, १५,

पागास. पुं० (प्रकाश) પ્રકાશ. प्रकाश; उजेला. Light. भग० १५, १;

पाठ. पुं० (पाठ) પાઠ–સૂત્રનું પર્યાયવાચક નામ; મૂલપાઠ. पाठ–सूत्रका पर्यायवाचक नाम; मूलपाठ. Original reading; a synonym for Sūtra. विशे० १३७८;

पाठंतर. न० (पाठान्तर) પાઠાન્તર पाठान्तर. Another reading. भत्त० १४७;

पाढीण. पुं० (पाठीन) એક જાતનું માછલું. एक मछली विशेष. A species of fish. पण्ह० १, १;

√**पाड** धा० I (पाट्) ઉખેડી નાખવું; પાડવું उखेड़ डालना, गिराना To root out, to fell.

पाडावेइ. प्रे० सु० च० १३, ६६,

पाडण. न० (पातन) વિનાશ કરવો. विनाश करना Destroying. पिं० नि० १०४, विवा० १, निर० १, १,

पाडल त्रि० (पाटल) લાલ, રાતું लाल, रक्तवर्ण Red; rosy. (२) न० રાતા ગુલાબનું વૃક્ષ. लाल गुलाबका वृक्ष. A red rose-plant (३) ગુલાબનું ફૂલ गुलाबका फूल A rose-flower. नाया० ८, ६, १६, १७, जीवा० ३, ४, पन्न० १, तहु० जं० प० ५, १२२, निसी० ५, १३, भग० २२, ४, कप्प० ३, ३७, (४) બારમા તીર્થંકરનું ચૈત્યવૃક્ષ बारहवें तीर्थंकरका चैत्यवृक्ष A memorial tree of the 12th Tīrthankara. सम० ५-२४३. —**पुड** पुं० (-पुट) પાટલના ફૂલનો પડો. पाटलके फूलके पुट. A fold of rose flowers नाया० १७, —**रुक्खत्ता** स्त्री० (वृक्षता) પાટલવૃક્ષપણું पाटलवृक्षता. State of a rose-plant भग० १४ ८

पाडलिपुत्त न० (पाटलिपुत्र) પટણા નામનું શહેર पटना नामक नगर. A city named Patanā. अणुजो० १४८, भग० १४, ८, सत्था० ७०, प्रव० ८०५,

पाडलसंड. न० (पाटलखण्ड) પાટલીખંડ નામે એક નગર पाटलीखंड नामक नगर A city named Pātalikhanda विवा० ७

पाडिएक त्रि० (प्रत्येक) જુદું જુદું, પ્રત્યેક, દરેક भिन्न २; पृथक् २, प्रत्येक. Individually, separate, each one. नाया० १६, भग० १५, १,

पाडिक्कअ त्रि० (प्रत्येकक) પ્રત્યેક, દરેક. प्रत्येक, हरएक Each one individually ठा० १, १,

पाडित त्रि० (पातित) પાડી નાખેલ. गिराया हुआ, ढायाहुआ Felled, demolished उत्त १६, ५४;

पाडि-य. त्रि० (पातित) પાડેલું, ખંડિત કરેલ गिराया हुआ, खडित Felled, destroyed. जं० प० नाया० ७,

पाडियंतिय. न० (प्रात्यन्तिक) અભિનયના ચાર પ્રકારમાંનો બીજો પ્રકાર चार प्रकारके अभिनयमेंसे दूसरे प्रकारका अभिनय. The 2nd variety of acting out of four. राय० ६६, जीवा० ३, ४,

पाडियक्क. त्रि० (प्रत्येक) દરેક, એકેક प्रत्येक हरएक Each one; severally आया० १. ७, १, २०१, वव० ७, ४

पाडिया. स्त्री० (पाटिका) ઉત્તરીય વસ્ત્ર, સાડી. साडी, उत्तरीय वस्त्र. A Sāri, an upper garment. भग० १५, १

पाडिवअ. पुं० (प्रतिपद्) પડવો, એકમ. प्रतिपदा. एकम, पड़वो The 1st date of a lunar month ठा० ४, २, जं० प०

पाडिवया स्त्री० (प्रतिपदा) પડવો. એકમ. प्रतिपदा, एकम The 1st date of a lunar month भग० १२, ६, १५, १, नाया० १०, —**चंद.** पुं० (चन्द्र) પડવાનો ચંદ્રમા. पतिपचन्द्रमा The moon of the 1st date नाया० १०,

पाडिहारिअ त्रि० (प्रातिहारिक) સાધુથી અમુક વખત રાખી પાછું ગૃહસ્થને અપાય તેવું, પાઢીયારું. साधुके पास कुछ समयतक रखे जाने पर पुन गृहस्थको दिया जानेवाला Anything again given to a householder after being kept with a saint for some time. आया० २, २, ३. ६६, नाया० ५, वेय० २, १६;

वव० ६, १, निसी० १, ३२; गच्छ० २२६; उवा० ७, १६३; २२१; पन्न० ३६;

पाडिहेर. पु० न० (प्रातिहार्य) तीर्थंकरनो प्रभाव, तीर्थंकर भीराजे त्यां देवनाओ अशोकवृक्ष, पुष्पवृष्टि वगेरे चमत्कारिक देखाव करे ते तीर्थंकरका प्रभाव, तीर्थंकरके बैठनेके स्थान पर देवताओं द्वारा अशोक पुष्पोंकी वृष्टिरूप चमत्कारिक कार्य. The magesty of a Tīrthankara the miraculous shower of flowers on the seat of a Tīrthankara, by the gods. ओव० नाया ८, भग० १२, ८; विशे० ३०४६; भत्त० ६६, प्रव० ८;

पाडुच्चिया. स्त्री० (प्रातीतिका) બહારની વસ્તુનો આશ્રય કરવાથી લાગતી ક્રિયા–કર્મબંધ बहारकी वस्तुका आश्रय ग्रहण करनेसे लगनेवाली क्रिया–विशेष. A fault incurred through taking the support of external thing; a karmic bond. ठा० २, १,

पाडेयव्व. त्रि० (पातयितव्य) પાડવું गिराना. Fel ing नाया० ६;

पाढ. पु० (पाठ) પાઠ; અભ્યાસ पाठ; अभ्यास, सबक. A lesson. सु० च० १२, ६, (२) એ નામનો એક દેશ. देश विशेष A country so named. भग० १५, १, —**अंतर.** न० (–अन्तर) પાઠાન્તર; બીજો પાઠ पाठान्तर, दूसरा पाठ. Another reading भग० १, १;

पाढग त्रि० (पाठक)' રાજાની વંશાવળી કહેનાર. राजाकी वंशावलि कहनेवाला. A bard; who recites the geneology of kings. कप्प० ५, ६६,

पाढय. पु० (पाठक) ભણાવનાર पढ़ानेवाला; पाठक A teacher. विवा० ७, भग० ११, ११. नाया० १, पण्ह० १, ३; कप्प० ४, ६५;

पाढव. त्रि० (पार्थिव) પૃથ્વી સમ્બન્ધી, પૃથ્વી ઉપરનું. पृथ्वी विषयक. पृथ्वीपरका. Earthly; mundane उत्त० ३, १३,

पाढा. स्त्री० (पाठा) વનસ્પતિ વિશેષ वनस्पति विशेष. A species of vegeta tion. भग० २३, ३. पन्न० १,

पाढि. त्रि० (पाठिन्) પાઠ કરનાર पाठ करने वाला. A student, a reader. ओघ० नि० ७८.

पाढोआमासपय. न० (* पृथक्त्वमासपद) સિદ્ધસેણિઆ અને મણુસ્સસેણિઆ પરિકર્મનો ચોથો ભેદ અને પુટ્ઠસેણિઆ આદિ પાંચ પરિકર્મનો પહેલો ભેદ. सिद्ध सेणिआ और मणुस्स सेणिआ परिकर्मका चौथा भेद और पुट्ठसेणिआ आदि पांच परिकर्मका पहिला भेद The 4th variety of Siddha Seniā and Mannussa Seniā Parikarma and the 1st of 5 Parikarmas (a division of Scriptures) *viz* Puttha Seniā etc. नंदी० ५६.

पाण. पु० (प्राणिन्) પ્રાણી, જીવ, સત્ત્વ. प्राणी, जीव, सत्त्व. A sentient being; an animal आया० १, १, २, १५; १, ६, २, १८४; १, ६, ४, १६२, भग १, १० २, १, ३, ३; ६, ५; ७, ७, १७, २, १८, ८. २०, २, नाया० १, ओव० ३८, अणुजो० १६७. दस० ४, १; ५, १, ३, ६, १०, २४, २५, उत्त० २, ११; सूय० १, १, १, ३, दसा० ६, २; ७, १; जीवा० ३, १, पन्न० ३६, —**अणुकंपा.** स्त्री० (–अनुकम्पा) જીવની દયા जीवोंकी दया. Compassion to beings नाया० १, ०; भग० ७, ६. ८, ६, —**क्कमण.** न० (–क्रमण) પ્રાણીને કચરવા–દબાવવા તે. प्राणीका दमन Overhelming the

sentient beings. आव० ४, २· —क्खय पु० (-क्षय) प्राणिनो नाश प्राणियोंका नाश Destruction of the sentient beings. भग० ३, ७, —जाइ. स्त्री० (-जाति) भ्रमरा वगेरे जातना प्राणियो भ्रमर आदि जातिके प्राणी A class of beings *e. g* a bee etc. आया० १, ८, १, ३, —रक्खट्ठ. न० (-रक्षार्थ) जीवनी रक्षा माटे जीव रक्षार्थ प्राणीके संरक्षणके लिए. For the protection of sentient beings. प्रव० ५११. —वह पु (-वध) प्राणिनी हिंसा प्राणी हिंसा, जीव वध Destruction of sentient beings. उत्त० ८, ७, पण्ह० १, १, पचा० १, ७, १०, ८.

पाण पु० (प्राण) श्वासोच्छ्वास प्रमाण काल श्वासोच्छ्वास प्रमाण काल The time taken in breathing (२) पांच इंद्रिय, त्रण बल, श्वासोच्छ्वास अने आयुष्य-ए दश प्राणमांनो गमे ते एक पांच इन्द्रिय, तीन बल, श्वासोच्छ्वास और आयुष्य-इन दस प्राणोंमें से चाहे जौनसा एक प्राण Any of the 10 Prānas *viz.* 5 senses, three powers, breath and life भग० ५, १; ६, ६, ७, नाया० २, पिं नि २६, भा० पिं नि. १०४, विशे० २२५६, दसा० १०, ७, सु० च० १, १=४, ज प गच्छा० ७७, कप्प० ५, १२३, उवा० १, १३; २५, (३) चंडाल चंडाल An untouchable भत्त० ६६, —चाअ. पु० (-त्याग) प्राणनो त्याग करवो ते, मृत्यु. प्राणत्याग, मृत्यु, देहत्याग Death, giving up of the ghost गच्छा० ६१, —वत्तिआ स्त्री० (-वृत्तिका) जीवननो निर्वाह करवो ते. जीविकानिर्वाह, गुजरबसर. Maintenance; subsistence प्रव० ७४४, गच्छा० ५६,

पाण. न० (पान) पाणी; पेय पदार्थ, पीवानी वस्तु पानी; पेय पदार्थ. Water; any drink. ओव० १६; भग० २, १-४-५; ५, ४; ७, १, सम० ६; २१; ३३; सम० प० १६८, आया० १, ७, १, १६७; २, ११, १७०, नाया० १; ३; ५, १४, १६; दसा० ७, १, पिं नि० २५५; वेय० १, १६; ४, २५; वव० ८, ५, पण्ह० १, १; सु० च० १, १०२, दस० ४, ५ २, १०; उत्त० २, ३, सूय० १, १, ४, ११, उवा० १, ५८, १०, २७७, कप्प० ५, १०२; भत० १५४, पचा० १, १ ; ५ २८, प्रव० २२, ५८६, ६३६; ६४३: १४२६; (२) एक जातनी वनस्पति एक वनस्पति विशेष. A particular vegetation पन्न० १; —अगार. न० (-अगार) (मद्य) पीवानुं स्थान शराब पीनेका स्थान. A place for drinking नाया० २; —एसणा. स्त्री० (-एषणा) पान-जल वगेरेनी एषणा गवेषणा. जलादि पान करनेकी एषणा. A desire for gett ng a drink or water etc. आया० २, १, ११, ६२; ठा ७, १; पिं नि० ६१, प्रव ७५१; आव ४, ५; —घरिणीआ. स्त्री० (गृहिणीका) पाणीनी व्यवस्था करनारी; पाणी भरनारी दासी. पानी भरनेवाली दासी. A maid-servant kept for fetching water भग० ११, ११, —पुन्न. न० (-पुण्य) अनुकंपाथी तरस्याने पाणी आपवाथी थतु पुण्य, पुण्यना नव प्रकारमानो एक. दयापूर्वक तृषित व्यक्तिको पानी पिलानेसे लगताहुआ पुण्य, नव प्रकारके पुण्योंमेंसे एक A merit due to supplying water kindly to a thirsty, one of the nine varieties of merits ठा० ६, १, —भोयण न०

(-भोजन) પાણી તથા ખોરાક. अन्न जल. आहार पानी. Food and drink नाया॰ ५, १६, भग॰ ६, ३३, वेय॰ ४, १३; दस॰ ५, १, २७; आव॰ ४, ५, प्रव॰ ६४५, —विप्परियासिया. स्त्री॰ (-विपर्यासिका) પાણીનો વિપર્યાસ થયો હોય તે. पानीका विपर्यास. A change of water. आव॰ ४, ४; —शाला. स्त्री॰ (-शाला) પાણીયારું पानी रखनेका स्थान; पनिहारी. A watering-place. निसी॰ ६, ७,

पाणअ. न॰ (पानक) પાણી, પીવાનો પદાર્થ. जल, पीनेका पदार्थ. Water, a drink. ज॰ प॰

पाणग. न॰ (पानक) કાંજી વગેરે પીવાનો પદાર્થ. कांजी आदि पीनेके पदार्थ. A drinkable substance *e. g.* gruel etc. भग॰ १५, १; दस॰ ५, १, ५३, १०, १, ८, पिं॰ नि॰ भा॰ ३७, प्रव॰ १४२६; कप्प॰ ६, २५;

पाणघर न॰ (पानगृह) મદ્યશાલા, દારૂનું પીઠું. शराबकी दूकान, मद्यशाला A tavern. नाया॰ १८,

पाणजंभग पुं॰ (पानजृम्भक) જલને સારૂં, નરસું બનાવનાર દેવ, જંભકદેવની એક જાત जलको अच्छा या बुरा बनानेवाला देव, जभका देवकी एक जाति. A class of Jambhakā gods, a god who makes the water good or bad. भग॰ १४, ८;

पाणत. पु॰ (प्राणत) દશમા દેવલોકનું પ્રાણત નામે વિમાન, એની સ્થિતિ ઓગણીસ સાગરોપમની છે, એ દેવતા સાડા નવ મહિને શ્વાસોચ્છ્વાસ લે છે, એને ઓગણીસ હજાર વર્ષે ક્ષુધા લાગે છે दसवें देवलोकका प्राणत नामक विमान, इस विमानकी स्थिति उन्नीस सागरोपमकी है, यह देवता साढेनव महिनोंसे श्वासोच्छ्वास लेते हैं, और उन्हें उन्नीस हजार वर्षोंमें क्षुधा लगती है. A celestial abode named Pranata of the 10th Devaloka, the life of its gods is for 19 Sāgaropamas, these gods breathe once in nine and half months and feel hungry once in 19000 years सम॰ १६;

पाणप्पिय पु॰ (प्राणप्रिय) પતિ, પ્રાણથી વહાલો. पति, प्राणप्रिय A beloved, a husband सु॰ च॰ १३, १६;

पाणय-अ पुं॰ (प्राणत) પ્રાણત નામે દશમો દેવલોક प्राणत नामक दसवाँ देवलोक The 10th paradise named Prānata विशे॰ ६६६; ओव॰ २६, भग॰ ३, १, १५, १, १८, ७, नाया॰ १; जीवा॰ २, कप्प॰ ६, १५०, प्रव॰ ११४८, अणुजो॰ १०३; सम॰ ३२; (२) १० મા દેવલોકનો ઇન્દ્ર (२) दसवें देवलोकका इन्द्र उत्त॰ ३६, २०६, ठा॰ २, ३, भग॰ २४, २१, पन्न॰ १, २, —देव पुं॰ (देव) દશમા દેવલોકના દેવતા दसवें देवलोकके देवता Gods of the 10th Devaloka (paradise). भग॰ २४, २१,

पाणय. न॰ (पानक) પીવાની વસ્તુ. पेय पदार्थ A drink; a potion. प्रव॰ २१२;

पाणयग. त्रि॰ (प्राणतग) પ્રાણત દેવલોક સંબંધી. प्राणत देवलोक सम्बन्धी. Relating to the Prānata Devaloka (paradise). ज॰ प॰ ५, ११८,

पाणविहि. पु॰ (पानविधि) શરીરને અનુકૂળ કે પ્રતિકૂળ, ભારે કે હલકું, પાણી જાણવાની કળા. वह कला जिसके द्वारा पानीकी शरीर विषयक अनुकूलता या प्रतिकूलता, हलकापन या

भारी पनका पता चलता है The art by which it can be known whe her the water is suited or unsuited, light or heavy for a body ओव० ४०,

पाणह. स्त्री० (उपानह्) ખાસડુ, પગરખા. जूती, पादत्राण. A shoe. भग० ६, ३३, प्रव० ४३८,

पाणाइवाय. पु० (प्राणातिपात) પ્રાણીનો વધ કરવો તે; જીવ હિંસા. प्राणिहिंसा, जीवहत्या. Injury to beings. उत्त० १६, २५, ठा० १, १, २, १, ओव० ३४, ३६; नाया० १; ५; ६; १३, १६, भग० १, ६–८, २, १, ३, २; ७, ६; १२, ५; वेय० ६, २; दसा० २, १२–१३–१४; दस० ४, पन्न० २२; राय० २२१; प्रव० ३६; आव० ४, ७, —**किरिया.** स्त्री० (-क्रिया) પ્રાણીનો નાશ કરવાથી લાગતી ક્રિયા. प्राणीका नाश करनेसे लगनेवाली क्रिया–दोष A fault due to killing of sentient beings. सू० ५. भग० ३, ३; —**विरमण** न० (-विरमण) જીવ હિંસાથી નિવર્તવું તે, जीवहिंसासे मुक्त होना–दूर रहना. Freedom from injury to beings. (२) અહિંસા નામે પ્રથમ વ્રત. अहिंसा नामकप्रथम व्रत The 1st vow named Ahi sā (non-injury) भग० ७, ६; ठा० १, १,

पाणाउ. न० (प्राणायुर्) પ્રાણાયુ નામે બારમો પૂર્વ; જેમાં પ્રાણી અને આયુષ્યનુ વર્ણન છે. प्राणायु नामक बारहवाँ पूर्व–जिसमें प्राणी और आयुष्यका वर्णन है The 12th Pūrva named Prānāyu which deals with beings and life सम० १४; नदी० ५६:

पाणातिपात. पु० (प्राणातिपात) જીવહિંસા. जीवहिंसा. Injury to beings. पंचा० १५, ३०, —**विरमण** न० (-विरमण) જીવહિંસાની નિવૃત્તિ जीवहिंसासे निवृत्ति विरमण Turning away from injury to beings पचा० १५, ३०;

पाणाम. पु० (प्राण) નીચે શ્વાસ મુકવો તે, નિશ્વાસ. निश्वास क्रिया. Exhaling breath. भग० २, १,

पाणामा. स्त्री० (प्रणामी) પ્રાણામિકી પ્રવ્રજ્યા કે જેમાં દરેકને પ્રણામ કરવો એ મુખ્ય ધર્મ છે. प्राणामिकी प्रव्रज्या जिसमें प्रत्येकको प्रणाम करना प्रमुख कर्तव्य मानागया है. A kind of asceticism in which the chief duty is to salute all. भग० ३, १;

पाणि. पु० (प्राणिन्) પ્રાણીવર્ગ. प्राणीवर्ग. The animal class. उत्त० ३, ५; २६, २५, नाया० १२; १४, सम ३०; दसा० ६, २; सु० च० २, ५४३, गच्छा० २, क० ग० १, ४४, —**दया.** स्त्री० (-दया) પ્રાણિની દયા. प्राणियोंपर दया, जीवदया. Compassion to animals प्रव० ७४५; —**वह.** पु० (-वध) જીવોની હિંસા जीवहिंसा Injury to beings दस० ६, ११; सु० च० ३, २५२, प्रव० ४५८, ५६०; ६६१;

पाणि पु० (पाणि) હાથ हाथ The hand. ओव० १०, १६; सम० २१, उत्त० २६, २५; नाया० १, ५; ८, १६; भग० ६, ३३, ११, ११; १४, ८; १५, १, १६, ३; दसा० ६, २; कप्प० १, ८; वेय० ५, ६, वव० ६, ४३; ज० प० जीवा० ३, १, राय० ३२, —**ग्गहण.** न० (ग्रहण) પાણિગ્રહણ કરવુ, વિવાહ સસ્કાર पाणिग्रहण करना, विवाहसंस्कार. Marrying, marriage ceremony नाया० १४, १६; विवा० २, —**तल.** न० (-तल) હથેળી. हथेली. The

palm of a hand. सूय० २, ६, ३४; —पडिग्गहि. पुं० (प्रतिग्रहिन्) करपात्रमां भिक्षा लेनार साधु; जिनकल्पी करपात्रमें भिक्षा लेनेवाला साधु, जिनकल्पी. A monk who receives food in the hand; a Jinakalpi. कप्प० ६, २८; —पाद. पुं० (-पाद) हाथ पग. हाथपैर. Hands and feet. भग० २५, ७, —पाय. पुं० (-पाद) हाथ अने पग हाथ और पाँव. Hands and feet नाया० १६; १८; निर० १, १, —फास. पुं० (-स्पर्श) हाथनो स्पर्श. हाथका स्पर्श. The touch of a hand. नाया० १६; —लेहा. स्त्री० (-रेखा) हाथनी रेखा. हस्तरेखा. The lines on the palm. कप्प० ६, ४३;

पाणि. न० (-पानीय) पाणी, जल. पानी, जल. Water. नाया० १; ५; भग० १२, ७, दस० ७, ३८; (२) एक जातनी पाणीमां थती वेल-वनस्पति विशेष पानीमें उत्पन्न होनेवाली एक लता-वनस्पति विशेष. A water creeper. पन्न० १, —पिज्ज. त्रि० (-पेय) जेनु पाणी कांठेथी प्राणीओ पी शके तेवु नवाणु. ऐसा निवान-कुआ-बावड़ी-आदि जिसका पानी प्राणी किनारे परही से पी शकें. A reservoir of water so full that its water can be drunk even from its bank. दस० ७, ३८,

पाणिअ. न० (पानीय) पाणी. पानी, पेय पदार्थ, जल. Water. उत्रा० १, ४१, भत्त० ४६; १५४; प्रव० ६४०, गच्छा० ७७,

पाणिय. न० (पानीय) जल, पाणी. जल; पानी Water. उत्त० १०, २८, नाया० १, २, ८, १३, १७, १८, भग० १५, १, पगह० १, ३; प्रव० १४२६, उवा० १, ४१; —घरिय. त्रि० (-गृहिक) पाणी पानार; पाणीयारानी व्यवस्था करनार. पानी पिलानेवाला; प्याऊकी व्यवस्था करनेवाला; पानी महाराजका प्रबन्धकर्ता. (one) who supplies water; (one) who looks after a watering-place. "तएणं पाणियघरिए जियसत्तुं एवं वयासी" नाया० १२,

पाणु. पुं० (प्राणु) तंदुरस्त माणसना एक श्वासोच्छ्वास प्रमाणनो काळ, संख्याती आवलिका प्रमाणनो एक काळ विभाग. स्वस्थ पुरुषके एक श्वासोच्छ्वास प्रमाणका काल, सख्यातीय आवलिका प्रमाणका एक कालविभाग. The time taken in breathing by a healthy person, a measure of time equal to Saṅkhyati āvalikā. अणुजो० ११५,

पाणुत्तिंग. न० (प्राणोत्तिंग) कीडीआरु, कथवा वगेरे सूक्ष्म जीवो. कीड़ी, चींटी-आदि सूक्ष्म जीव. Minute insects e.g. worms, ants etc. दस० ८, १५;

पात. न० (पात्र) पातरु, भाजन. भाजन, पात्र. A pot, a vessel उत्त० ६, ८. अणुजो० १३१:

पातग. पुं० (पातक) पाप. पाप दुष्कृत Sin. पगह० १, २;

पातरास पुं० (प्रातराश) सवारनु खाणु, शीरामणु. कलेवा, सवेरेका भोजन A breakfast. सूय० २, १, ५६;

पाताल. पुं० (पाताल) समुद्र. समुद्र. A sea. सूय० १, ३, २, १२,

पाती. स्त्री० (पात्री) न्हानुं पात्र, प्यालो छोटा पात्र-प्याला A small pot or vessel, a cup. जीवा० ३, ३.

पातो. अ० (प्रातर्) प्रात काल प्रभात; प्रातःकाल. Morn. सू० प० २,

पाद. पुं० (पाद) पग. पैर, पाँव. A foot; a leg नाया १, भग० ६, ७; ११, ११;

१६, ५. २५, ७, राय० ३२, निर० ४, १, —केसरिया स्त्री० (-केशरिका) પુંજણી, ગુચ્છો, પુજ, गुच्छ. A bunch; heap वेय० ५, ३५,

पादपीठ. पु० (पादपीठ) પગ રાખવાનો બાજોઠ पैर रखनेका बाजुट. A foot-stool भग० १५ १, जीवा० ३, ४,

पादुया स्त्री० (पादुका) ચાંખડી खडाऊँ, पादुका. A sandal. राय० ६६,

पादोद्रुपय. न० (पादोद्भव) દષ્ટિવાદાન્તર્ગત સિદ્ધ શ્રેણિ પરિકર્મનો ત્રીજો ભેદ दृष्टिवादान्तर्गत सिद्ध श्रेणी परिकर्मका तीसरा भेद The 3rd variety of the Siddha Śreniparikarma (a division of scriptures) coming in Drṣtivāda. सम० १२,

पादोसिय त्रि० (प्रादोषिक) સવારનું सवेरका, प्रदोषकालिक Of morning, of twilight. ओघ० नि० ६५८,

पाभाइय. त्रि० (प्राभातिक) પ્રભાતકાળનું प्रभातकालीन Matutinal ओघ० नि० भा० ३११;

पामन्न न० (प्रामाण्य) પ્રત્યક્ષાદિ પ્રમાણમાં રહેલું પ્રમાણપણું प्रत्यक्षादि प्रमाणमें वर्तमान प्रामाणिकता Authority residing in a mode of proof *e g* direct perception etc. विशे० १४६६,

पामर त्रि० (पामर) નીચ, તુચ્છ नीच, तुच्छ, क्षुद्र A wretched or mean fellow भग० ६, ३३, —जण पु० (-जन) નીચ માણસ. नीच पुरुष. A low man. भग० ६, ३३,

√पामिच्च. धा० II. ( ) ઉધારે લેવું તે. ऋण लेना, उधार लेनेका कार्य To borrow.

पामिच्चेइ निसी० १०, २-३, १६, २,

पामिच्चिय. स. कृ. निसी० १६, २.

पामिच्च न० (प्रामित्यक) સાધુને માટે ઉછીનું લઇ વ્હોરાવવું તે, ઉદ્ગમનના ૧૬ દોષમાંનો નવમો દોષ साधुके लिये उधार लेकर व्होराना, उद्गमनका नवाँ दोष. Distributing after borrowing for a monk, the 9th fault of Udgamana ओव० ४०, ठा० ६, १, भग० ६, ३३, पिं० नि० ६२, २१६, दसा० २, ७, पगह० २, ५; आया० १, ७, २, २०२, दस० ५, १, ५५, निसी० १४, २, पंचा० १३ ५

पामुक्ख. त्रि० (प्रमुख्य) મુખ્ય, અગ્રણી मुख्य, अग्रणी, प्रधान Chief, principal, leader. विवा० ६, कप्प० ५, १३३.

पामूल. न० (पादमूल) ચરણ સમીપની જગ્યા पैरोंके पासकी जगह, चरणतल A place near the feet विशे० ३३६२, भत्त० १७,

पामोक्ख. त्रि० (प्रमुख्य) પ્રમુખ, મુખી, અગ્રેસર प्रमुख, मुखिया. अग्रेसर Chief, leader; principal नाया० ५, ८, १६, अंत० १, १, निर० ५, १, सम० ८४, भग० ११, ११, जं० प० उवा० ६, १७०,

पाय-अ. पु० (पाद) પગ. ચરણ पैर, चरण, पॉव Feet. आया० १, १, २, १६, भग० १, ७, ५, ४, ८, ३, १८, ८, नाया० १, २, ४, ५, ६, ८, १५, १६, १७, निसी० ७, २६ ११, ११ १६, २४, दसा० ६, २, ७, १, वव० ६, ७, १, १०, २, दस० ४, ८, ४५, ६, २, १७, पिं० नि० ५००, जीवा० ३, १, सु० च० १, ४३, पन्न० १७ सू० प० २०, जं० प० उत्त० १, १६, नाया० ध० (२) ચરણ-શ્લોક કે ગાથાનો ચોથો ભાગ-પદ चरण श्लोक या गाथाका चतुर्थ भाग-पद The quarter of a metre. अणुजो० १२८, १४६, (३) પલગ-ખાટ

वगेरेनो पायो पलंग-पाट आदिका पाया-पैर The leg of a cot etc. राय० ६१; १६१; —अंगुट्ठ. पुं० (अंगुष्ठ) पगनो अंगुठो पैरका अँगूठा The toe. नाया० ८; १६, —अंगुलिय. पु० (-अंगुलिक) पगनी आंगळीयो. पैरकी अँगुलियाँ. Fingers of the foot. नाया० १४, —अंडुय. न० (अन्दुक) पगनुं बंधन, पग बांधवानी सांकळ. पद बन्धन; पैर बांधनेकी जंजीर. A chain to bind feet. विवा ६, —कंचणिआ स्त्री० (कांचनिका) पग धोवा माटेनी सोनानी पात्री. पैर धोनेके लिए प्रयुक्त सोनेका पात्र A gold vessel for washing the feet. जीवा० ३, ३; —कंबल. न० (कम्बल) पाथरणुं, पगे पाथरवानो कांबळो बिछौना; पैर तले बिछानेका कम्बल. A bed; a blanket spread under feet. उत्त० १७, ७; —गमय. पु० (-गमक) पगना अधिकारवाळो अलावो Dealing with feet निसी० ३, ५७; — ग्गहण न० (-ग्रहण) पायवंदन, नमस्कार. पदवन्दन, नमस्कार; प्रणिपात Saluting; falling at the feet नाया० ५; ८ १६; अंत० ३, ८, निर० १, १, प्रव० ५२४, — चार पु० (-चार) पगेपाळा चालवुं ते Going on foot. अणुत्त० ३, १, राय० २२६; ज०प० २, ३४, —छिंदणग. न० (-छिन्नक) पग छेदवानी सजा पैर काटनेकी सजा The punishment of cutting of the legs राय० २८७, —णेउर. न० (-नूपुर) पगमां पहेरवानां झांझर पैरमें पहिरनेके झांझरिये Anklets. दसा० १०, १, —तल. न० (-तल) पगनुं तळीयुं. पैरका तलुआ · The lower surface of foot. प्रव० १३८८ —दद्दर न० (-दर्दर) पगे करी जमीनने थपेटा मारवा ते पैर द्वारा जमीन पर धबधब करना. Striking the ground with the foot. नाया० १, १६; —दद्दरय. पु० (-दर्दरक) पगथी थपेटा मारवा ते. पैर मे धबधब करनेकी क्रिया. Kicking with a foot. ज० प० ५, १२१; —पडण न० (-पतन) पगमां पडवुं, नमवु प्रणिपात; पैरोंमें पड़कर नमन करना Falling at the feet. विवा० ६, —पत्त. त्रि० (-प्राप्त) पगमां प्राप्त थयेल पैरोंमें प्राप्त, पैरोंमें आयाहुआ, शरणागत. Come resorted to the feet, taken shelter नाया० १६; —पालंब. पुं० (प्रलम्ब) पग सुधी लटकतु आभरण विशेष, झुमणुं. पैर तक लटकनेवाला गहना विशेष An ornament reaching the foot. नाया० १, —पसारण. न० (-प्रसारण) पग लाबा पहोळा करवा ते. पैरोंको लम्बे चौड़े करना-फैलाना Stretching the legs. प्रव० ४४२, —पीठ. न० (-पीठ) बाजोठ, पग राखवानु आसन बाजुट, पैर रखनेका आसन A foot stool राम० ३४, नाया० १, १६, भग० ११, ११; विवा० १; राय० २२, ६२, २३३; नाया० ध० कप्प० २, १४, —रेणु. स्त्री० (-रेणु) पगनी धूड-रज पदरज, पैरकी धूल. Dust of the foot. नाया० १, —लेहणिया. स्त्री० (-लेखनिका) पग साफ करवानु साधन वस्त्रनो कटको. पैर साफ करनेका साधन-वस्त्रका टुकड़ा A towel to wipe the feet. ओघ० नि० २६, —वंदण. न० (-वन्दन) वन्दन-पगे लागवु पैरछूना, पद वन्दन. Saluting the feet. नाया० १, —वडिय. त्रि० (-पतित) पगमां पडेलु पैरोंमें गिरा

हुआ. Fallen on the feet. नाया० २, ८, १६, विवा० ३, —**विहार.** पु० (-विहार) પગે વિહાર કરવો તે. पैदल विहार करना, पाद विचरण Wandering on foot भग० १२, १, नाया० ५, १३, १६, —**वीढ.** न० (-पीठ) જુઓ "પાયપીઠ" શબ્દ देखो " पायपीठ " Vide " पायपीठ " ओव० १०, ज० प० ३, ४३, ५, ११५, —**संजय.** पु० (सयत) કાચબાની પેઠે પગને પાપથી ગોપવી સયમમાં રાખનાર મુનિ कछुवेके समान पैरोंको पापसे बचाकर सयममें रखनेवाला मुनि A sage who contracts his feet from sin like a tortoi e and devotes them to self restraint. दस० १०, १, १५, —**साहम्म.** न० (-साधर्म्य) એક ભાગથી સમાનપણુ એક અંશે સમાન ધર્મ एकांशमें समानता, एकांशिक समान धर्म A partial common attribute. अणुजो० १४७,

पाय-अ. न० (पात्र) પાત્ર, પાતરાં. पात्र A vessel ओव० १६, ३८, पिं० नि० भा० ४६, ओघ० नि० ६६१, दस० ६, २०-२६, उत्त० ६, ८, अणुजो० १३१, प्रव० ६३२, —**केसरिया.** स्त्री० (-केसरिका) પાત્રાને પુંજવાની પુંજણી; વસ્ત્રખંડ पात्रको शुद्ध करनेका वस्त्र-खण्ड A piece of cloth to wipe vessels ओघ० नि० ६३८, प्रव० ४६८, —**चउत्थ.** त्रि० (-चतुर्थ) ત્રણ વસ્ત્ર અને ચોથુ પાત્ર ધરનાર तीन वस्त्र और चौथा पात्र धारक Three garments and the fourth vessel-bearer. आया० २, ७, ४, २११, —**ट्ठवण** न० (स्थापन) પાત્રાંની નીચે મુકવાનુ એક ચોખંડુ કપડુ पात्रके नीचे रखनेका एक चौखुटा कपड़ा. A square cloth to be placed under a vessel ओघ० नि० ६६८, प्रव० ४६८, —**निज्जोग.** पु० (-निर्योग) પાત્રાની સામગ્રી पात्र सामग्री The property consisting of vessels ओघ० नि० ६६८, पिं० नि० भा० २१, प्रव० ४६८, ८७१, —**पडिमा** स्त्री० (-प्रतिमा) પાત્રાં સબંધે પ્રતિમા-અભિગ્રહ વિશેષ पात्र विषयक प्रतिमा-अभिग्रह विशेष. A vow relating to a vessel ठा० ४, ३, —**पडिया** स्त्री० (-प्रतिज्ञा) પાત્રની પ્રતિજ્ઞા पात्रकी प्रतिज्ञा A vow of a vessel निसी० ११, ३, —**पडिलेहणिया** स्त्री० (-प्रतिलेखनिका) એક વેત અને ચાર આગળનો પાત્રાં પુંજવાનો વસ્ત્રનો કકડો एक वेंत चार अंगुलका पात्र पूँछनेका वस्त्र खण्ड. A piece of cloth of a particular measure to wipe vessels ओघ० नि० ६६४, —**पडिलेहणी.** स्त्री० (-प्रतिलेखिनी) પાત્ર પુંજવાનુ એક ઉપગરણ; કેસરિઆ, પુંજણી पात्र पोंछनेका एक उपकरण, पूंजणी. A piece of cloth to wipe a pot or vessel. प्रव० ५०६, —**बंधण.** न० (-बन्धन) પાત્રાં બાંધવાની-રાખવાની ઝોળી. पात्र रखनेकी झोली. A bag for keeping a vessel. पराह० २, ५,

पाय. अ० (प्रायस्) ઘણું કરીને बहुत करके, प्राय. Generally पचा० २, ४०,

पाय. पु० (पात) પડવુ पतन, गिरना Falling नाया० १४, पग्रा० १८, ४०,

पायए हे० कृ० अ० (पातुम्) પીવાને पीनेके लिए. To drink. भग० ६, ३३. नाया० १, आया० १, ७, ५, २१६,

पायं. अ० (प्रायस्) ઘણું કરીને बहुत करके. Generally. उत्त० ३२, १०, पिं० नि० ४४३; विशे० ८४,

पायं. अ० (प्रातर्) પ્રાતઃકાલ प्रातःकाल, सवेरा. Morning. उत्त० १२, ३६,

पायंजली. पुं० (प्रातञ्जलि) પતઞ્જલિનું બનાવેલ પુસ્તક. पतञ्जलिकृत पुस्तक A book written by Patañjali नंदी० ४१.

पायखज्ज त्रि० (पाकखाद्य) રાંધીને ખાવા યોગ્ય राधकर-पकाकर-खाने योग्य Fit to be eaten after cooking. दस० ७, ३२,

पायच्छित्त. न० (प्रायश्चित्त) પાપનો પશ્ચાત્તાપ, ગુન્હા-અપરાધની શુદ્ધિ માટે ઠરાવેલ તપ વગેરે पापका पश्चात्ताप-प्रायश्चित्त, अपराध शुद्धि के लिए निर्धारित तपादि Repentance or expiation of a sin; any austerity etc fixed for the purification of sins or faults. ठा० २, १. सम० ६; सूय० २, २, ५५; ओव० ११, २०, भग० २, ५; ७, ६, ८, ६; ६, ३३; २५, ७, नाया० १; १८, नाया० ध० पराह० १, २, वेय० ४, २५, वव० १, ३७, सू० प० २०, दसा० ६, ४, १०, ११, महा० प० ३१, २४७, उवा० ७, १६०, प्रव० २२; २७२, आव० १, ५; ४, ६७, —**करण** न० (-करण) દોષની શુદ્ધિ માટે ગુરૂએ આપેલ પ્રાયશ્ચિત્ત-તપ વિશેષનું કરવું दोष विशुद्धिके लिए आचार्य दत्त प्रायश्चित्त विधान The performance of expiation shown by a preceptor. उत्त० २६, २,

पायजाल न० (पादजाल) આભરણ વિશેષ आभरण विशेष, एक विशेष प्रकारका गहना. A particular ornament जीवा० ३, ३,

पायड त्रि० (प्रकट) પ્રગટ, ખુલ્લું. प्रकट, स्पष्ट. Overt; open. विशे० २०६५; पिं० नि० ७२;

पायत्त. न० (पादात) પદાતિ-પાયદળ લશ્કરનો સમૂહ. पैदलसेना समूह An infantry. उत्त० १८, २, ओव० ३१, सू० च० २, ६४१. जं० प० ५, १२१, ११५, —**अणीय** न० (-अनीक) પાયદળ સૈન્ય. पैदल सेना. An infantry. ठा० ५, १, ७, १; नाया० १ भग० ६, ३३; १६. ५ राय० ३७, —**अणीयाहिवइ.** पुं० (-अनीकाधिपति) પાયદળ લશ્કરના અધિપતિ पैदलसेना नायक. The commander, leader of an infantry. कप्प० २, २०, जं० प० ५, ११५,

पायपुंछण न० (पादप्रोञ्छन) પગની રજ લુછવાનું રજોહરણ पैरकी धूल पोंछनेका एक रजोहरण A piece of cloth to wipe away the dust of the feet भग० २, ५, ७, १-७, आया० १, २, ५, ८६, १, ७, १, १६७, दस० ४; ६, २०; ३६; वेय० १, ३७, ५, ३५; निसी० २, १-२, ५, १५, ओघ० नि० ५११; पराह० २, १: राय० २२६; उवा० १, ५८, कप्प० ६, ५२,

पायपुंछणय न० (पादप्रोञ्छनक) પગ લુછવાનું વસ્ત્ર, પથરણું. पैर पोंछनेका वस्त्र. A piece of cloth to wipe the feet प्रव० ६६२;

पायमूल न० (पादमूल) પર્વતની તળેટી. The base of a mountain भग० ३, २, १५, १; नाया० १, (२) પગ પાસે, હજુરમાં. पैरके पास Near the feet. सम० ३४, वेय० १, ३७-३६,

पायय त्रि० (प्राकृत) પ્રાકૃત-સાધારણ. प्राकृत-साधारण. Ordinary, common. नाया० १, (२) स्त्री० પ્રાકૃત ભાષા, લોકભાષા लोकभाषा, जन साधारणकी बोली A vernacular; language of the

people. विशे० ३५२१, —जण. पु० (–जन) સામાન્ય પુરૂષ. सामान्य व्यक्ति. A common person. नाया० १,

पायया स्त्री० (प्राकृता) પ્રાકૃત ભાષા. प्राकृत भाषा. A varnacular अणुजो० १२८,

पायया. स्त्री० (पादुका) ચાખડી, પાદુકા पादुका, खडाऊँ. A sandal भग० १५, १,

पायरास. न० (प्रातराश) સીરામણી, સવારનુ જમણ. कलेवा, सवेरेका भोजन A breakfast. नाया० १५, आया० १, २, ५, ८६; विवा० ३, राय० २१३,

पायव पुं० (पादप. पादैर्मूलै.पिबतीति) વૃક્ષ, ઝાડ. वृत्त, झाड़, पेड़. A tree. ओव० नाया० १, भग० ३, २, दस० ६, २, १२, सु० च० ३, ८०, राय० ४, ज० प० २, ३१, कप्प० ३, ५२, ५, ११३, ६, १७४,

पायस. पु० न० (पायस) ખીર, દુધપાક. खीर, दुधकी खीर A milk-pudding अणुजो० १४७, सूय० १, ४, १, १०, विशे० ८५५, पिं० नि० २०६, जीवा०३, ३,

पायसीसग. पु० (पादशीर्षक) પલંગ, કપાટ વગેરેના પાયાનો ઉપરનો ભાગ. पलंग, दरवाजा, आलमारी आदिके पायोंका ऊपरी भाग The upper portion of the bore of a bedstead, cupboard etc जीवा० ३, राय० ६१, १६१,

पायसो. अ० (प्रायशस्) ઘણુ કરીને. बहुत करके; प्राय. Generally पण्ह० १, १,

पायहंस. पु० (पादहस) એક જાતનો હંસ. एक हस विशेष. A species of royal swans. पन्न० १,

पायार पु० (प्राकार) કિલ્લો किला. A rampart, a fort नाया० ५; सु० च० १, २६,

पायाल. पु० (पाताल) લવણુસમુદ્રમા આવેલ પાતાલ કલશ, લવણુસમુદ્રને તળીયેથી પાતાલ સુધી પહોંચેલ કળશ કે જેની ઉંડાઈ વધારેમાં વધારે એક લાખ જોજનની છે. लवणसमुद्रमें आयाहुआ पाताल कलश, लवणसमुद्रके तलियेसे पाताल पर्यन्त पहुँचाहुआ कलश जिसकी ऊँचाई अधिकसे अधिक एक लाख योजनकी है. A pot of the nether world which appears in the salt sea; a pot reaching the nether world from the bottom of the salt sea whose depth at most is 1 lac yojanas (yojana=8 miles). ओव० २१, अणुजो० १२७, जीवा० ३, ४, भग० ६, ३१; पन्न० २; प्रव० ३७६, १५८५; (२) પાતાળલોક; અધોલોક. पाताल लोक, अधो लोक The nether world. नाया० १६; सु० च० १, ६७, —कलस. पु० (–कलश) લવણુસમુદ્રમાંના પાતાલ કલશા लवणसमुद्र स्थित पाताल कलश A pot of the nether world situated in the salt sea प्रव० ६४;

पायावच्च पु० (प्राजापत्य) પ્રાજાપત્ય નામે ચૌદમુ મુહૂર્ત. प्राजापत्य नामक चौदहवाँ मुहूर्त The 14th Muhūrta named Prājāpatya सम० ३०, ज० प० ७, १५२;

पायाहिणा स्त्री० (प्रदक्षिणा) પ્રદક્ષિણા કરવી, ચોતરફ ફરી વળવુ તે प्रदक्षिणा करना, चारों ओर फिरनेकी-चक्कर लगाजानेकी क्रिया Circumambulation, moving round and round उत्त० ६, ५६, ओघ० नि० ७०३; प्रव० ५१३,

पायु पु० (पायु) પુંઠ; અપાન પ્રદેશ. पुट्ठा, अपान प्रदेश The hip; the anus ठा० ६, १,

√**पार.** धा० II (पार्) પાર પામવુ पार पाना. To reach the other end.

पारेइ-ति नाया० ८, उवा० २, ११४; अंत० ६, ३;
पारेंति. नाया० ८;
पारेइत्ता. सं० कृ० नाया० १, १३;
पारेत्तए. हे० कृ० अंत० ६, ३;
पारित्तए. हे० कृ० उवा० २, ११६;

पार. पु० (पार) છેડો, અંતઃ કાંઠો. छोर; अन्त, तीर, किनारा End, extremity; bank. भग० ७, ७; ओव० १७; उत्त० १०, ३४; सूय० १, १, २, ३१, वव० ६, ४१. **—गय.** त्रि० (गत) પાર પામેલ पार पायाहुआ (one) who has reached the other end. भग० २, १, ५, ४; ७, ७, १८, ७, **—गामि.** त्रि० (गामिन्) પાર પામનાર. पार पानेवाला (one) who goes to the other end. आया० १, २, २, ७४;

पारंचिय. त्रि० (पारचित) પારચિય નામે દશમુ પ્રાયશ્ચિત્ત; સાધુને ગૃહસ્થનો વેષ પ્હેરાવી અમુક વખત રાખવો તે. पारचिय नामक दसवाँ प्रायश्चित्त, साधुको गृहस्थके भेषमें एक नियमित समय रखनेका कार्य The 10th expiation so named which requires an ascetic to remain for a certain period in the garb of a householder. ठा० ३, ४, ५, १, वेय० ४, २, प्रव० ७६३; पचा० १६, २; **—अरिह.** न० (-अर्ह) પારંચિક નામના પ્રાયશ્ચિતને યોગ્ય पारचिय नामक प्रायश्चित्तके योग्य Fit for the expiation named Pāranchika भग० २५, ७;

पारंभ. पु० (प्रारभ) આરંભ, શરૂઆત. प्रारंभ, शरुआत Beginning, Commencement प्रव० ११७२,

पारग. त्रि० (पारग) પાર પામનાર; છેડો લેનાર. पार पानेवाला. पारगत, छोरतक-चोटीतक पहुँचनेवाला. (one) who reaches the end or highest point. अणुजो० १२८; ओव० ३८, सूय० १, १४, १८;

पारगमण. न० (पारगमन) પાર પામવું તે. पारगतता; स्नातकता. Reaching the other end. विगे० १३;

पारण न० (पारण) ઉપવાસાદિ પૂર્ણ થયા પછી ખાવું તે पारणा, उपवासादिके समाप्त होनेपर अन्नग्रहण. Breaking a fast. सूय० २, ६ २८; पगह० २, ३, पंचा० १६, १०;

पारणग. न० (पारणक) જુઓ " પારણ " શબ્દ देखो ' पारण ' शब्द. Vide ' पारण.' अणुत्त० ३, १; भग० ११, ६, १५, १, नाया० १३; पिं० नि० २०६; प्रव० ६१३; उवा० १, ७७;

पारणय. न० (पारणक) જુઓ " પારણ " શબ્દ. देखो ' पारण ' शब्द. Vide ' पारण.' भग० २, ५, सु० च० ३, १५; **—विहि.** पु० (-विधि) પારણાનો વિધિ पारणा विधि, उपवास छोडनेकी विधि The procedure of breaking a fast. प्रव० १५४३;

पारणा स्त्री० (पारणा) વ્રતનું પારણું કરવું તે व्रतका छोड़ना; पारणा करना. Breaking a fast; releasing a vow. भग २, १; प्रव० १५३१;

पारतंत. न० (पारतन्त्र्य) પરતંત્રપણુ पारतन्त्र्य, परतन्त्रता, पराधीनता. Dependence. पंचा० ६, ४१, १८, २२;

पारत्त त्रि० (पारत्र) પરલોક સમ્બન્ધિ. पारलौकिक Related to the other world. ओघ० नि० ६२;

पारदारिय त्रि० (पारदारिक) પરસ્ત્રી સેવનાર; વ્યભિચારી परस्त्री सेवी, व्यभिचारी. An adulterer. विवा० ३; ६; नाया० १८;.

पारद्ध. न० (प्रारब्ध) ભાગ્ય; નસીબ. भाग्य, दैव, नसीब. Fate; lot; destiny. सु० च० १, २५,

पारद्धिय. पु० (पापर्द्धिक) પારાધી, શીકારી. पारधी; व्याधा; शिकारी A hunter; a fowler. सु० च० २, ५४५,

पारब्भमाण. व. कृ. त्रि० (पराभूयमान) પરાભવ પામતો पराभव पाताहुआ, हारता हुआ. Being defeated. ओव० ३६,

पारलोइअ-य. त्रि० (पारलौकिक) પરલોક સબંધી परलोक विषयक. Related to the other world सम० ३०, सु० च० ४, ६७, पचा० ४, १७,

पारलोग. पु० (परलोक) પરલોક. परलोक, परत्र. The other world. प्रव० १३२०;

पारय. त्रि० (पारग) પારગામી पारगामी, पारगत, सुदक्ष. (one) who has reached the other side. भग० २, १; सूय० १, २, २, ६,

पारविउ. त्रि० (पारवित्) આરપારને જાણનાર. आदि अन्तको जाननेवाला, पारज्ञ. (one) who knows this and the other end सूय० २, १, ६०,

पारस. पु० (पारस) પારસ નામનો અનાર્ય દેશ. फारस नामक अनार्य देश. A non-Āryan country named Pārasa (Persia). पराह० १, १, पन्न० १; (२) त्रि० પારસ દેશનો રહીશ. An inhabitant of that country. प्रव० १५६७,

पारसी. स्त्री० (पारसी) પારસ નામના અનાર્ય દેશમાં જન્મેલી દાસી. फारस नामक अनार्य देशमें उत्पन्न दासी A maid-servant born in Persia. नाया० १, निसी० ६, २५; ओव० ३३, भग० ६, ३३, ज० प०

पाराभोय. त्रि० (पाराभोग) સંસારનો પાર પમાડનાર संसारसे निस्तीर्ण होनेवाला, संसारका पार-अन्त प्राप्त करानेवाला. That which will make to cross the world. " पाराभोय पोसहोववास पडिविमु. " कप्प० ५, १२७,

पारायण. न० (पारायण) પાર પામવુ તે. पारप्राप्ति, पारायण Reaching the other end. विशे० ५६५,

पारावत. पु० (पारापत) પારેવો. कबूतर, कपोत. A dove. कप्प० ४, ६०;

पारावय. पु० (पारापत) કબુતર; પારેવો. कबूतर, कपोत. A pigeon; a dove. नाया० १; (२) વૃક્ષ વિશેષ. वृक्ष विशेष. A kind of tree जीवा० ३, ४,

पारासर पुं० (पाराशर) એ નામના એક ઋષિ, કે જેણે પારાશર સ્મૃતિ બનાવી છે. पाराशर स्मृतिके प्रणेता ऋषि. A sage so named who composed the Pārāśara smṛti. सूय० १, ३, ४, ३; ठा० ७, १; (२) વનનુ જાનવર. जंगली पशु. A beast. नाया० १,

पारिगिलायमाण त्रि० (परिग्लायमान) કાયર થતો, અશક્ત બનતો. कायर होताहुआ; शिथिल बनताहुआ. Becoming a coward or slow. आया० १, ७, ३, २०६;

पारिग्गहिआ. स्त्री० (पारिग्रहिकी) પરિગ્રહ-ધન-ધાન્યાદિકની મમતાથી લાગતી ક્રિયા. परिग्रह-धन्य धान्यादि विषयक आसक्ति जन्य क्रिया-दोष. A fault due to an attachment to property. ठा० २, १,

पारिच्छिज्ज न० (पारिच्छेद्य) સોનુ, હીરા-મણિ વગેરે, પરીક્ષાથી વેચાતી વસ્તુ. सुवर्ण, हीरा, माणिक आदि, परिक्षाके बाद बेचीजानेवाली वस्तु Any article which is

sold after a scrutiny e. g. gold, diamond etc. नाया० ८, ६, १५,

पारिजाणिय न० (पारियानिक) ક્રીડા નિમિત્તે વપરાતો રથ. क्रीडार्थ काममें लाया जानेवाला रथ A chariot used in sports. भग० ११, ११,

पारिजाय पु० (पारिजात) પારિજાત નામનું દેવોનું વૃક્ષ-કલ્પવૃક્ષ. पारिजात नामक देववृक्ष-कल्पवृक्ष A divine tree named Pārijāta. पन्न० १७;

पारिट्ठावणिया. स्त्री० (परिष्ठापनिका) ઝાડા પેસાબ વગેરે શાસ્ત્રોક્ત વિધિપૂર્વક પરઠવવા-નાખવા-તે પાંચમી સમિતિ. The 5th samiti (carefulness) in regard to throwing away according to prescribed rites excreta, urine etc. जं प. २, ३१, सम० ५; भग० २०, २;

पारिणामिश्र. पु० (पारिणामिक) દ્રવ્યનું પરિણમવુ અથવા પરિણામથી નિષ્પન્ન-પારિણામિક ભાવ, ૭ ભાવમાનો એક. द्रव्यकी परिणती-पारिणामिक भाव, छः भावोंमेंसे एक The maturity of substances or form of such maturity, one of the 6 qualities. अणुजो० ८८, १२७,

पारिणामिया. स्त्री० (पारिणामिकी) પાકી ઉમરે ઉત્પન્ન થતી બુદ્ધિ; બુદ્ધિનો એક પ્રકાર पकी हुई वयमें उत्पन्न होनेवाली बुद्धि, बुद्धिका एक भेद A wisdom produced in old age; a sort of intelligence. भग० १७, २, निर० १, १, ठा० ४, ४; नाया० १,

पारितावणिया स्त्री० (पारितापनिका) પરને દુખ-પીડા ઉપજાવવાથી લાગતી ક્રિયા-કર્મબંધ. दूसरोंको दुःखी करनेसे लगनेवाला-कर्मबंध. A bondge of karma incurred by troubling others. पन्न० ५;

पारितोसिय. न० (पारितोषिक) ઇનામ. पुरस्कार; इनाम. A present. सु० च० १, ३६०;

पारित्तए. हे. कृ. अ (पारयितुम्) પારણું કરવાને. पारणा करनेके लिए. To break a fast. नाया० ८, भग० १२, १,

पारित्ता. स० कृ० अ० (पारयित्वा) પાર પહોંચાડીને; પુરૂં કરીને. पार पहुँचाकर; समाप्त करके. Having crossed, finished. दस० ५, १, ६३;

पारिप्पव. पु० (पारिप्लव) એક જાતનું પક્ષી. एक प्रकारका पक्षी. A species of birds. पण्ह० १, १; पन्न० १;

पारिय. त्रि० (पारित) પારેલુ; સમાપ્ત કરેલુ. पूर्ण कियाहुआ; समाप्त कियाहुआ. Finished; completed. उत्त० २६, ४०;

पारियट्टिय. पु० (परिवर्तित) પરિવર્તિત નામનો દોષ, સાધુને માટે ગૃહસ્થે કોઇ વસ્તુ અદલ બદલ કરી ઠીકઠાક તૈયાર રાખી હોય તે લેવાથી સાધુને લાગતો એક આહારનો દોષ परिवर्तित नामक दोष, साधुके निमित्त गृहस्थने यदि कोइ वस्तु फेरबदल करके ठीक तरह सजाकर तयार रखी हो तो उसके ग्रहण करनेसे साधुको चडनेवाला आहारका एक दोष. A fault named Parivartita; a fault related to food incurred by a saint by accepting anything which has been changed by a householder and kept neatly for being given to a saint. प्रव० ५७३;

पारियल्ल. न० (परिवर्त्त) ચક્ર-પૈડાનો ઘેરાવો. पहियेका घेरा, चक्रकी परिधि. Circum-

ference or periphery of a wheel नदी० स्थ० ५,

पारियावणिया स्त्री० (पारितापनिका) જુઓ 'પારિતાવણિયા' શબ્દ देखो "पारितावणिया" शब्द. Vide "पारितावणिया" भग० १, ८, ३, ३, ठा० २, १, पन्न० २२,

पारिवासण न० (परिवासन) વાસી રાખવું बासी रखना Keeping stale food जीवा० ३,

पारिवासिय. त्रि० (परिवासित) પહેલા પહોરનું. पहिले प्रहरका Of the 1st watch. वेय० ५, ३७, निसी० ११, ४०, (२) ગત દિનનું, ગઈકાલનું, વાસી कलका, बीतहुए दिनका, बासी Stale, yesterday's भग० १५, १,

पारिहारिय. त्रि० (पारिहारिक) જેના ઘરની ભિક્ષા સાધુએ તજવી જોઈએ તે, સેજાતરીઓ વગેરે. वह जिसके घरकी भिक्षा साधुको छोड़ना चाहिए, सजातीय आदि. (one) whose alms are to be avoided by a monk, a man of the same caste. वेय० २, १२, (२) પ્રાયશ્ચિત્તને યોગ્ય, ગુન્હેગાર प्रायश्चित्तका पात्र, दोषी Fit subject for expiation, a defaulter वव० २, २७,

पारी. स्त्री० (पारी) ભાજન વિશેષ पात्र विशेष A particular vessel जीवा० ३, ३,

पारेवत पु० (पारावत) કબૂતર, પારેવો कबूतर, कपोत. A pigeon, a dove (२) પારેવાના રંગ જેવું ખાટા રસવાળું એક ફળ कपोत वर्णी खट्टे स्वादवाला एक फल A sour fruit having the colour of a pigeon. पन्न० १६ १७,

पारेवय. पु० (पारावत) જુઓ "પારેવત" શબ્દ देखो "पारेवत" शब्द Vide "पारेवत". उत्त० ३४, ६, पन्न० १; राय० ५२, पगह० १, १,

पारेवयग पु० (पारावतक) જુઓ ઉપરનો શબ્દ. देखो उपरका शब्द Vide above पगह० १, १,

√**पाल.** धा० II. (पाल्) પાલન કરવું, પોષણ કરવું, સેવવું पालन पोषण करना, सेवन करना. To nourish, to serve, to bring up

पालेइ. ठा० २, ३, नाया० १, ७, भग० २, १, उवा० १, ७०,
पालंति ओव० ३८, ज० प०
पालयामि नाया० ६,
पालेहि. आ० ओव० ३२, जीवा० ३, ४, नाया० १,
पालसु. आ० सु० च० २, ६०८,
पालइत्ता. सं० कृ० सम० ८४, उत्त० २६, १, नाया० १, ८,
पालयाहि ज० प० ३, ६७,
पालिया सं० कृ० उत्त० १ ४७, वव० ६, ३७,
पालेउं सं० कृ० सु० च० १, ३२७,
पालित्ता. सं० कृ० नाया० १,
पालेमाण व० कृ० सम० ७८, भग० ११, ११, १३, ६, १८, २, ज० प० ५, ११५, नाया० ५, १८, पन्न० २; कप्प० २, १३,
पालंत. व कृ नाया० ७, आव० १, ४, ६,
पालिज्जइ. क० वा० विशे० १०६,

पाल त्रि० (पाल पालयतिरक्षतीति) પાલનાર રક્ષણ કરનાર. पालक, रक्षक A protector. भग० ३, १,

पालअ-य. पु० (पालक) શક્રેન્દ્રના વિમાનનો વ્યવસ્થાપક દેવ शक्रेन्द्रके विमानके व्यवस्थापक देवता The managing deity of the celestial abode of Śakrendra.

भग० १६, १; जं० प० ५, ११८, ११६; ११५, (२) शक्रेन्द्रनुं विमान. शक्रेन्द्रका विमान The celestial abode of Śakrendra. ठा० ८, १, (३) त्रि० पालन करनार पालन करनेवाला. A nourisher; a protector. प्रव० १२८;

पालंगा. स्त्री० (·) એક જાતનું ફળ. एक प्रकारका फल. A kind of fruit. उवा० १, ३६;

पालंब पुं० (प्रालम्ब) ગળામાં પહેરવાની લાંબી માળા; ઝુમણું. गलेमें धारण करनेकी एक लम्बी माला, सुमरनी. A long rosary to be worn in the neck. ओव० १२, नाया० १, दसा० १०, १; जीवा० ३, ३; ४, राय० २१; १८६; जं० प० कप्प० २, १४, ४, ६२; जं० प० ५, ११५;

पालक. न० (पालक) પહેલા દેવલોકના ઇન્દ્રનું મુસાફરી વિમાન. पहिले देवलोकके इन्द्रका मुसाफिरी विमान A travelling ariel car of the Devendra of the 1st Devaloka ओव० २६,

पालक्का स्त्री० (पालक) એ નામની પ્રસિદ્ધ લીલી વનસ્પતિ. इस नामकी एक प्रसिद्ध हरि वनस्पति. A common green vegetable so named. पन्न० १;

पालणा. स्त्री० (पालना) રક્ષા કરવી તે; પાલના કરવી તે, પાલન पालन, रक्षण. Nursing, protection महा० प० ३५, पंचा० ११, ७, ५, ४,

पालणी स्त्री० (पालनी) પાલન કરનારી, રક્ષણ કરનારી, (स्त्री.) पालिका, रक्षिणा. A nurse; a (female) protector पंचा० ७, ३०,

पालन न० (पालन) પાલન-રક્ષણ पालन, रक्षण. Protection, nursing विशे० १०५;

पालि. स्त्री० (पालि) તળાવ આદિને ફરતી પાળ. तालाब आदिकी पाल. The round bank of a pond etc. अंत० ३, ८, सु० च० १०, ४२; जीवा० ३, ४; राय० २०४;

पालिअ-य. पुं० (पालित) એ નામનો એક વ્યાપારી શ્રાવક. इस नामका एक व्यापारी श्रावक. A merchant layman so named. उत्त० २१, १, (२) त्रि० પાળેલું; બચાવેલું. पालित, रक्षित. Protected; nursed. महा० प० ३५; प्रव० २१३; कप्प० २, १०१;

पालिजातय. पुं० (पारिजातक) વૃક્ષ વિશેષ वृक्ष विशेष. A particular tree. नाया० १,

पालित्त. पुं० (पादलिप्त) જેણે મરુડ રાજાને મસ્તકની પીડા મંત્રયોગથી મટાડી ધર્માનુરાગી બનાવ્યો હતો તે એક સૂરિ वे सूरिजी जिन्होंने मरुड राजाकी मस्तिष्क पीड़ाको मन्त्रबलसे दूर कर उसे धर्मानुरागी बनाया था. A Sūri (a sage) who converted the king Marunda into a lover of religion after curing his headache by the power of charm. पिं० नि० ४९८,

पालिया स्त्री० (पालिका) વનસ્પતિ વિશેષ. वनस्पति विशेष A particular vegetable जीवा० ३, ८,

पालियाअ. पुं० (पारिजात) પારિજાત વૃક્ષ कल्पवृक्ष, सुरतरु. The divine tree राय० ५३;

पालियातय. पुं० (पारिजातक) જુઓ "પાસિયાઅ" શબ્દ देखो "पासियाअ" शब्द" Vide "पासियाअ." जीवा० ३, ३,

पाली. स्त्री० (पाली) પલ્યોપમ પ્રમાણ કાલ વિભાગ. पल्योपम प्रमाण काल विभाग.

A duration of time equal to Palyopama (a measure of time उत्त० १८, २८, (२) પાણી રોકવાનો બન્ધ, પાળ. पानी रोकनेका बाँध, पाल An embankment पगह० २, ४;

पालुकिमिय. पु० (पालुकृमिक) કરમીયા; જતુ વિશેષ. किरमिया, कृमि विशेष A particular kind of worm निसी० ३, ४,

√पाव. धा० I. II (प्र+आप्) પ્રાપ્ત કરવું, મેળવવું प्राप्त करना, मिलाना. To obtain; to get; to acquire प्रव० ६८,

पावइ. अणुजो० १४६, १५०; उत्त० ३२, २४, नाया० १ ७, १३, १८, विशे० १११, दस० ६, १, १७, पन्न० २,

पावए. प्रव० ६४७,

पावेइ नाया० ७, १०,

पावंति. नाया० ४, ६, १७, १८, ओघ० नि० भा० ४५, विशे० २०६,

पाविंति. सु० च० ७, १८८, नाया० ६,

पावेमि. सु० च० ५, ७;

पावे. वि० सूय० २, ५, १२

पाविज्ज वि० प्रव० ७३४,

पावय. आ० नाया० १, १२; भग० ६, ३३,

पावेही. भवि० सु० च० ५, १०१,

पाविहिति. भग० १८, १, नाया० २,

पाविहिसि सु० च १, १३२;

पाविउं. स० कृ० विशे० २१०. सु० च० १५, २७,

पाविज्जइ क० वा० विशे० १०६.

पाव. न० (पाप) અશુભ કૃત્યથી બંધાતુ અશુભ કર્મ; પાપ; નવ તત્ત્વમાંનુ ચોથું તત્ત્વ, (२) દુષ્કૃત્ય, અશુભ કૃત્ય જીવ હિંસાદિ. दुष्कृत्य जन्य कर्मबंध, पाप; नव तत्त्वोंमेंसे चौथा तत्व, (२) दुष्कृत्य, अशुभ कृत्य जीव हिंसादि Sin, a karmic bond due to wicked deeds; an evil deed, injury etc; the 4th principle out of 9. कप्प० १, १, आव० १, ५, ४, ७, पचा० ३, ४. क० ग० १, १५; भत्त० ६२, उत्त० २८, १४, ओव० ३४, सम० १, सूय० १, १, १, १२, ठा० १, ११, नाया० २, ४, १३, भग० १, ४, २, ५, ६, १ ७, १०; २६, १; विशे० ४३, २००६, पिं० नि० १२५, दस० ४, १६, ५, २, ३५, दसा० ६, १, विवा० १, सु० च० २, १८६; राय० २२४, उवा० १, ४३, प्रव० १६००; गच्छा० ६; क० प० ४, ४७, (३) त्रि० પાપી, અધર્મી. पापी, अधर्मी A sinner; an immoral person. पगह० १ १, विव० २; (४) અશુભ. अशुभ, अमंगल inauspicious. सन० ११,

—अणुभाग पुं० (-अनुभाग) અશુભરસ. अमंगलरस. An inauspicious essence, taste. सन० ११;

—उवएस पु० (-उपदेश) પાપવાળા કાર્યનો ઉપદેશ. पापपूर्ण कार्यका उपदेश. An evil counsel, advice पचा० १, २४,

—कम्म. न० (-कर्मन्) અશુભ કર્મ. अशुभ कर्म. A wicked deed. ' पावकम्म न बंधइ " दस० ४, १, नाया० ४; १६, भग० १७, २, २६, १, २६, १; आव० ४, ८,

—किरिया. स्त्री० (-क्रिया) પાપકારી ક્રિયા पापजनक क्रिया. A sinful deed नाया० १८;

—कोव पु० (-कोप) પાપ પ્રકૃતિથી કોપ કરવો તે पापप्रकृतिसे क्रुद्ध होना. Becoming angry with a sinful disposition पगह० १, १,

—जीवि त्रि० (-जीविन्) પાપથી જીવનાર पाप द्वारा जीनेवाली. (one) who lives by sinning वव० ३, २७, पिं० नि० ६७,

—दिट्ठि. त्रि० (-दृष्टि) અશુભ દ્રષ્ટિવાળો, છિદ્રઆડી. असंगल दृष्टिवाला, छिद्रान्वेषी

Evil-eyed; (one) who looks after loop holes उत्त० १, ३८; —धम्म. पुं० (-धर्म) સાવદ્ય કાર્ય. सावद्य कार्य. A sinful deed. सूय० १, १४, २१; —पयडि. स्त्री० (-प्रकृति) પાપની ૮૨ પ્રકૃતિ. पापकी ८२ प्रकृति The 82 varieties of sins क० गं० ५, १७; प्रव० ५०; १३०३; —प्पणासण. त्रि० (-प्रनाशन) પાપને નાશ કરનાર. पापको नाश करनेवाला. A destroyer of sins. कप्प० १, १;—प्पसत्त. पुं० (-प्रसक्त) પાપ કર્મમાં આસક્ત. पापकर्ममें आसक्त. Addicted to sinful deed. नाया० १२; —फल. न० (-फल) અશુભ કર્મનું ફળ. अशुभ कर्मका फल. The fruit, result of sinful deeds भग० ७, १०; —फलविवाग पुं० (-फलविपाक) વિપાક સૂત્રનો દુઃખવિપાક રૂપ એક વિભાગ-પ્રથમ શ્રુત સ્કંધ. विपाक सूत्रका दुःखविपाकरूप एक विभाग-प्रथम श्रुतस्कंध A portion of Vipāka Sūtra named Dukha Vipāka 1st Śruta Skandha. सम० ५५; (२) પાપ ફળનો વિપાક. पाप फलका विपाक. The maturity of the fruit of sins. दसा० १०, ३; —मुक्ख. पुं० (-मोक्ष) પાપથી મુક્ત થવું पाप मुक्त होना. Emancipation from sins. आया० १, २, २, ८५; —लोगय. पुं० (-लोकक) નરકઆદિ દુર્ગતિ नारकआदि दुर्गति. Wretched state *e. g.* hell etc. सूय० १, २, ३, ६; —वड्ढण. त्रि० (-वर्धन) પાપનો હેતુ; પાપ વધારનાર. पापका हेतु; पापको बढ़ानेवाला. The cause or enlarger of sins. दस० ८, ३७; —सउण. पुं० (-शकुन) શિકારી પક્ષી; પાપી પક્ષી. शिकारी पक्षी, हिंसक पक्षी. A bird of prey. राय० २२८; —समण. पुं० (-श्रमण) દોષી-પાપી સાધુ. दोषी-पापी साधु. A guilty or sinful ascetic उत्त० १७, ३; —सियालग पुं० (-शृगालक) પાપ શીયાળીયો. पापी सियाल. A wicked jackal. नाया० ४; —सुमिण. पुं० (-स्वप्न) દુષ્ટ સ્વપ્નું. दुष्ट स्वप्न. An evil dream. नाया० १; भग० ११. ११; कप्प० ३, ५६; —सुय. न० (-श्रुत) અધર્મ પાખંડીનું શાસ્ત્ર अधर्मी पाखंडीका शास्त्र. The scripture of an atheist. सम० २६; —हियय. न० (-हृदय) પાપમય હૃદય; દુષ્ટ અન્તઃકરણ. पापपूर्ण हृदय; दुष्टान्तःकरण. A wicked heart, mind. नाया० ६;

पावंस. त्रि० (पापीयस्) પાપી; પાપ કરનાર. पापी, पाप करनेवाला. A sinner. ठा० ४, ४;

पावक. न० (पापक) અશુભ કૃત્ય; પાપ. अशुभ कृत्य; पाप A sin; a wicked deed. उत्त० १, १२;

पावग. पुं० (पावक) અગ્નિ. अग्नि. The fire. दस० ६, ३३; ८, २२; ६, १, ६; विवा० १; आव० १, ४;

पावग न० (पापक) પાપકર્મ; અશુભકૃત્ય. पापकर्म, अशुभ कृत्य. A sin; a wicked deed. ओव० ३४; उत्त० २, ४२; ६, ६; ११, ८;

पावण. त्रि० (पावन) પવિત્ર. पवित्र; शुद्ध. Holy. ओव० ३५;

पावण. न० (प्लावन) પરઠવવું, નાખી દેવું. डालदेना. To place; to throw away. पिं० नि० भा० २;

पावण. न० (प्रापण) મેળવવું. मिलाना; प्राप्त करना. Requiring; obtaining. नाया० १८;

पावणिय. पु० (प्रावचनिक) પ્રવચન વાચનાર આચાર્ય. प्रवचन बांचनेवाले आचार्य. A preceptor to read a sermon. नंदी० स्थ० ४२,

पावय. त्रि० (पापक) પાપરૂપ, નિન્દ્ય; અપયશવાળો. पापरूप, निन्दास्पद, अपयशवाला, दुष्कीर्ति Sinful, censurable; notorious आया० १, ६, ४, १६३, नाया० १७, भग० २५, ७,

पावय-अ. पु० (पावक) અગ્નિ अग्नि, आग. The fire. सु० च० १, ३६, उत्त० ३, १२,

पावय. त्रि० (प्रापक) પ્રાપ્ત કરાવનાર प्राप्त करानेवाला. (one) who causes to acquire. विशे० १३८२.

पावयण न० (प्रवचन) આગમ, સિદ્ધાન્ત, જૈનશાસન. आगम, सिद्धान्त, जैनशासन. Scriptures; a settled principle; The Jain precepts. ठा० ३, ४, ओव० १६; ३४; भग० २, १-५, ६, ३३, २०, ८, नाया० ३, ८, पण्ह० २, १, दसा० १०, १, निर० ३, ४, राय० २२२, आव० ४, ८; उवा० १, १२, ७, २१०,

(णं)—अंतर. न० (-अतर) સિદ્ધાન્ત સિદ્ધાન્ત વચ્ચે દેખાતુ અતર-ફેરફાર दो सिद्धान्तोके बीचका अन्तर. The difference between two Jaina canons भग० १, ३,

पावयणि. त्रि० (प्रवचनिन्) સિદ્ધાંતનુ પ્રતિપાદન કરનાર, તીર્થંકર ગણધર વગેરે. सिद्धान्तके प्रतिपादक, तीर्थंकर गणधर आदि The expounder of a jaina canon, a Tirthankara, ganadhara etc. भग० २०, ८, प्रव० ६४८,

पावयणिय त्रि० (प्रावचनिक) આગમવેત્તા, યુગ પ્રધાન આચાર્ય. आगमवेत्ता, युगप्रधान आचार्य. (one) versed in scriptures; a preceptor famous in an epoch. सम० ३४;

पावर. न० (प्रावर) રોમવાળુ વસ્ત્ર. रुएँदार वस्त्र, ऊनी वस्त्र A hairy or wooly garment. (२) મ્હોટો કામલો. मोटा कम्बल A thick blanket. आया० २, ५, १, १४५,

पावरण. पु० (प्रावरण) વસ્ત્ર વિશેષ; દુપટ્ટો. वस्त्र विशेष, दुपट्टा A covering garment. नाया० १७,

पावसग्र त्रि० (प्रावर्षक) ચોમાસામાં જન્મેલ. चतुर्मासमें जन्माहुआ Born in the rainy season. अणुजो० १३१;

पावा स्त्री० (पापा) સૂરસેન દેશમાં પ્રસિદ્ધ નગરી. सूरसेन देशकी प्रसिद्ध नगरी. A famous city of the Sūrasena country कप्प० ५, १२१; पन्न० १, (२) પાપણી સ્ત્રી. पापिनी स्त्री. A sinful woman नाया० ६;

पावाइ. त्रि० (प्रवादिन्) વાદ કરનાર; વાદી. वाद करनेवाला, वादी. A disputant; a plaintiff सूय० २, ६, ११;

पावाइय त्रि० (प्रवादित) વગાડેલ. बजायाहुआ. Played upon. सूय० २, २, ५५;

पावाउय. त्रि० (प्रावादुक) વાદી; વાદ કરનાર, પૂર્વપક્ષી वादी; वाद करनेवाला, पूर्वपक्षी A disputant; a plaintiff. सूय० १, १, ३, १३,

पावाउय. त्रि० (प्रावादुक) વાદ કરનાર, વાદી वादी, वाद करनेवाला A disputant, a plaintiff सूय० १, १२, १, २, २, ७६,

पावार पु० (प्रावार) વસ્ત્ર વિશેષ, દુપટ્ટો. वस्त्र विशेष, दुपट्टा. A kind of garment; a turban दस० ५, १, १६; प्रव० ६८५,

पावावल्ली. स्त्री० (पापवल्ली) એ નામની એક વેલ. इस नामकी एक लता. A creeper so named. पन्न० १;

पाविट्ठ. त्रि० (पाविष्ठ) પાપી. पापी. Sinful. सु० च० ७, २०३;

पाविय. त्रि० (प्राप्त) પ્રાપ્ત કરેલ; મેળવેલ. प्राप्त कियाहुआ, मिलायाहुआ. Obtained; acquired. नाया० ७; ६; सु० च० १, ६; ७२;

पाविया. स्त्री० (पाविका) પાપાચરણવાળી સ્ત્રી. पापिनी-कुल्टा स्त्री. A sinful woman. उत० १३, १६;

पावेस. त्रि० (प्रावेश्य) રાજસભાદિમાં પહેરવા યોગ્ય વસ્ત્ર. राजसभा आदिमें पहिरने योग्य वस्त्र. A garment fit to be worn in a royal assembly. भग० २, ५; १२, १, उवा० १, १०; २, ११६; नाया० १, २;

√**पास.** धा० I (दृश्=पश्य्) જોવું. देखना. To see.

पस्सइ. पिं० नि० ३६६,
पस्सामि. दसा० ६, २६; सम० ३०;
पस्स. आ० नाया० १, ६, ४, १६३;
पस्सह. आ० दस० ५, २, ३७;
पस्समाण. व. कृ विवा० १,

√**पास.** धा० I. II. (दृश्=पश्य) જોવું; દેખવું. देखना, अवलोकन करना To see, to look.

पासइ-ति. ओव० १२; भग० २, १; ३, १-२; ६; ५, ४, नाया० १; १६; उत्त० ३२, १०६; सूय० १, १, ४, ६; ठा० २, २; विशे० २११; पन्न० १५; ३०; उवा० १, ७४; जं. प ५, ११५; आया० १, १, ५. ४१, राय० २०;
पासेइ. नाया० ७; १४,
पासंति. ओव० २७; नाया० १; ४; ८; ६; १३; १६; भग० ५, ४; ७, १०; १४, ८; १८, ३; जं. प. ५. ११२;
पासिज्जासि. राय० २४७,
पासामि. नाया० १६; भग० ३, ६; १७, २; उवा० १, ८०;
पासेमि. भग० ११, ११;
पासामो. नाया० ८, भग० २, १; ३, २; ५, ८; १५, १; १८; ७;
पासए. वि० सूय० १, २, १, १३;
पासेज्ज. दस० ८, १२;
पासेज्जा. विधि० वेय० ४, २५; भग० १४, ८, राय० २११;
पासउ. आ० भग० ७, ६; नाया० १: नाया० ध०
पासतु. आ० राय० २३; भग० २, १; ३, २;
पास. आ० आया० १, १, २, १४; १, ६, ३, १६५; पन्न० १, ३७;
पासह. आ० राय० ७७, आया० १, ६, ४, १६३;
पासिहिति. भ० भग० १५, १,
पासिहसि. नाया० १६;
पासि(से)त्ता. सं कृ अणुजो० १६; १४७; ओव० २७; नाया० १; २; ३; ५; ८; १८; भग० ३, १; ७, ६; उवा० ३, १३२; दसा० ६, २; १०, ३; ठा० ४, १; राय० २१; ४३;
पासंतित्ता. भग० ३, १;
पासइत्ता. भग० २, १; ३, २; ७, ६-१० ६, ३३; नाया० १; २; ५; ६; १४; १६;
पासउं. स. कृ पिं० नि० ४१६;
पासिताणं. भग० ६, ५;
पासित्तए. हे. कृ. सम० १०; नाया १०;

भग० ७, ७; दसा० ५, २०-२१; २४; २५; विवा० १; राय० २६४.

पासिउं. हे. कृ. पन्न० १;

पासित्तु. भत्त० ३८;

पासञ्र. दस० ४, ६;

पासमाण. नायर० ८; भग० ६, ३३; १६, ६, जं० प० २, ३१;

पासं. विशे० ६७७,

पासंत. पिं० नि० ३६५;

पास. पु० (पाष) એ નામનો દેશ. इस नामका देश. A country so named. (२) त्रि० તે દેશમાં રહેનાર. इस देशका निवासी. An inhabitant of this country. पन्न० १;

पास. पुं० (पार्श्व) ત્રેવીશમા તીર્થંકરનું નામ तेईसवें तीर्थंकरका नाम. Name of the 23rd Tirthaṅkara. प्रव० २६४, आव० २, ४, कप्प० ६, १४६; भग० ५, ६; ६, ३२; ३३; २०, ८, अणुजो० ११६; सम० ८; २३; २४, उत्त० २३, २६, सम० ८, ठा० २, ४; नाया० ध० ६; निर० ३, १; (२) પાસે, નજીક-પડખે. पासमें, निकट, पडौसमें. Near by in the vicinity or neighbourhood "पासेठविइ" नाया० १६; सूय० १, ४, १, ३, नाया० १; १४, १७; सु० च० १, २७१; उत्त० १४, ४७, विशे० १४७१, (३) પડખુ, પાસું A side; a rib. आया० १, १, २, १६, ठा० २, ३; जीवा० ३; १; ज० प० ५, ११४; ११७; उत्त० २७, ५. पिं० नि० भा० १६; क० प० १, ४०; प्रव० ५४३, दसा० ६, ४, ओव० १०; ३१; भग० १२, ६; पिं० नि० ५८२, तंडु —**अवच्चिज्ज.** पु० (-अपत्यीय) ૨૩મા પાર્શ્વનાથ ભગવાનના અનુયાયી-શિષ્ય-પ્રશિષ્ય વગેરે. २३ वाँ पार्श्वनाथ भगवान्के अनुयायी-शिष्य-प्रशिष्य आदि. A follower of the 23rd Lord Parśvanātha. सूय० २, ७, ५; भग० १, ६; २, ५; ५, ६; ६, ३२, राय० २१४; —**ठिअ.** त्रि० (-स्थित) પાસે રહેલ. पास रहा हुआ; समीपस्थित (one) who has remained near. प्रव० ६४२; —**सूल.** न० (-शूल) પડખાનું શૂળ-પીડા. पसलीका पीड़ा. A pain of the ribs भग० ३, ७,

पास. पुं० (पाश) પાસલો, બન્ધન, શસ્ત્ર વિશેષ. पाश; फन्दा; शस्त्रविशेष A net; a noose; a trap. आया० १, ३, २, १११, उत्त० ४, २, सूय० १, ४, १, ४, जीवा० ३, ४, नाया० १७, —**ग्गाह.** पु० (-ग्राह) પાશલો લઈ ચાલનાર पाशल नामक शस्त्रधारी. (one) who goes holding a particular weapon (an axe). ज० प० ३, ६७, —**बंधण.** न० (-बन्धन) પાશલાનું બન્ધન. पाशल बन्धन. A noose or bond of.. ....नाया० १७,

पासओ. अ० (पार्श्वतस्) પડખે, નજીક पास, नजदीक, नीकट. Near; at hand. ज० प० ५, ११५, भग० ७, ७, नाया० १४, नदी० १०, राय० ७०,

पासंगिय. त्रि० (प्रासंगिक) પ્રસંગોપાત. प्रसंगोपात्त, प्रसंगवश आयाहुआ, प्रासंगिक Incidental. विशे० १३४७;

पासंड पु० (पाषंड) ધર્મને નામે ચાલતો ઢોંગ, મિથ્યા દર્શન. धर्माडम्बर, मिथ्याधर्म-दर्शन. Hypocrisy or vain show of religion, heresy अणुजो० १३१; उत्त० १७, १७, ज० प० उवा० १, ४४, (२) त्रि० પાખંડી, નાસ્તિક पाखण्डी, नास्तिक, An atheist; a heretic. ठा० १०; —**त्थ.** पुं० (-स्थ) પાખંડી; કુમતિ. पाखंडी; कुमति; दुष्ट-बुद्धि An atheist;

a heretic; impious. भग० ३, १; ६, ३१; नाया० ८; १५; अणुजो० २०; —धम्म. पु० (-धर्म) પાખંડીનો આચાર વિચાર पाखंडीका आचार विचार. The conduct etc of an unbeliever. जं०प० २, ३५, ठा० १०; —वहुल. त्रि० (-वहुल) પાખંડીઓ જ્યાં ઘણા હોય તે. वह स्थान जहां पाखंडीयोंकी प्रचुरता हो. A place where hereties are numerous. जं० प० १, १०;

पासंडि. त्रि० (पाषण्डिन्) ખોટો મત ચલાવનાર. दुष्ट पथ प्रवर्तक; पाखंडी A heretic. पिं० नि० १४३; २२१; नंदी० ४६; सु० च० ८, ५४; भत्त० १००; प्रव० ४७;

पासक न० (पाशक) પાશા ઢાળવાની કળા. पासे ढालनेकी कला. An art of moulding a dice. ओव० ४०;

पासग. न० (पाशक) ફાંસી. फांसी. A noose; hatter. नाया० १४;

पासग पु० (पश्यक) સર્વજ્ઞ તીર્થંકર. सर्वज्ञ; तीर्थंकर. Omniscient; a Tirthankara. आया० १, २, ३, ८१; १, ३, २, १२१;

पासण. न० (दर्शन) દર્શન; દેખવું. दर्शन, अवलोकन. A sight; a spectacle. पिं० नि० ८; सु० च० २, ६०; ओघ० नि० ६३;

पासणया. स्त्री (दर्शन) દેખવુ, જોવું. देखना. Seeing, noticing. नाया० १; पन्न० १; ३०; राय० २४५;

पासणा. स्त्री० (दर्शन) જોવુ તે. दर्शन; अवलोकन A sight; a spectacle; observation. विशे० ५५५, ८२२;

पासणिअ-य. पु० (प्राश्निक) શુભાશુભ પ્રશ્નોનાં ફલાફલ કહેનાર સાધુ. शुभाशुभ प्रश्नोंकि फलाफलका कथन करनेवाला साधु. An ascetic who tells the good or evil result of a question, an arbitrator. सूय० १, २, २, २८, निसी० १३, ५४;

पासत्थ. त्रि० (पाशस्थ) પાશ-કર્મબંધમાં રહેનાર સાધુ; સાધુપણાથી પતિત. पाशबद्ध-कर्मबद्ध रहनेवाला साधु, साधुत्वसे भ्रष्ट. An ascetic remaining in karmic bondage, one fallen from asceticism. सूय० १ १, २, ५; नाया० ५; १६; नाया० ध० भग० १०, ४; ओघ० नि० भा० ४८; पण्ह० २, ८;

पासत्थ. त्रि० (पार्श्वस्थ) પાસત્થો, આચાર ભ્રષ્ટ. आचार भ्रष्ट. Fallen from right conduct. निसी० ४, ३४-३५; प्रव० १०३; —विहारि. त्रि० (-विहारिन्) ચારિત્રથી ભ્રષ્ટ થવાય તેવું અનુષ્ઠાન કરનાર. ऐसा अनुष्ठान करना जिससे चारित्र भ्रष्ट हो. Doing such a thing which would spoil the character. नाया० ५; १६; भग० १०, ४; नाया०

पासवण. न० (प्रस्रवण) લઘુનીત; માતરૂ; પેશાબ. लघुशंका; मूत्र. Urine. प्रव० १५१०, ६४०, कप्प० ५, ११६; ६, ५१; आव० ४, ७, दसा० १, ५५; सूय० १, ६, १६; उत्त० २४, १५; आया० २, १, ५, २६; २, ३, २, १६५; सम० ५; ठा० ४, ३; भग० २, १-५; ६, ३३; १२, ७; २०, २; नाया० १; २; ५, ओघ० नि० २२१; वेव० १, १६; दस० ८, १८; पन्न० १,

पासवणया. स्त्री० (*) જુઓ "પાસણા" શબ્દ देखो "पासणा" शब्द Vide "पासणा." भग० ६, ३३;

पासवणापद. न० (पश्यत्तापद) પન્નવણા સૂત્રના ત્રીશમા પદનું નામ. पन्नवणा सूत्रके तीसवें पदका नाम. Name of the 3rd pada

of Pannavanā Sūtra भग० १६, ७;

पासाईय. त्रि० (प्रासादीय) મનને પ્રસન્ન કરનાર. मनको प्रसन्न करनेवाला. That which pleases the mind. सम० प० २११; नाया० ५, ६; १३; भग० १३; ६; राय० ४७; उवा० १, ७,

पासाण. पु० (पाषाण) પથ્થર. पत्थर A stone. जीवा० ३, ४; ज० प० **—घर.** न० (-गृह) પથ્થર ઘર. (૨) વનસ્પતિ વિશેષ. पत्थरका घर (२) वनस्पति विशेष. A stone-house; a species of vegetation नाया० ३;

पासाद. पुं० (प्रासाद) હવેલી, મહેલ. प्रासाद, महल. A mansion; a palace. उत्त० ६, ७; सू० प० ३, राय० २;

पासादीय. त्रि० (प्रासादीय) ચિતને પ્રસન્ન કરનાર. चित्तको प्रसन्न करनेवाला. That which delights the mind. नाया० १; ७; भग २, ५; १८, ५; ओव० निर० ५, १; जीवा० ३, २; पन्न० २; सू० प० १; ज० प० २ ३१;

पासामिअ. पुं० (पाशमृग) એ નામનો એક યક્ષ. इस नामका एक यक्ष. A yakṣa (semi-divine being) so named विवा० १०;

पासाय. पु० (प्रासाद) મહેલ, ભવન, હવેલી. महल, भवन, हवेली. A palace; a mansion. जं० प० ५, ११५; नाया० १, ५; ८; १६; भग० २, ८; ३, ७, ५, ७, ८, ६; ६, ३३; उत्त० ६, २४; १६, ३; अणुजो० १३४; दस० ५, १, ६७, सु० च० १, ६४, जीवा० ३, ३; राय० २७५; ज० प० ३, ६७, **—खंभ.** पु० (-स्तंभ) મહેલનો થાંભલો. प्रासादस्तभ; महलका थम्भ. A pillar of a palace. दस० ७,२७; **—पंत्तिया.** स्त्री० (पङ्क्तिका) મહેલોની શ્રેણી. महलोंकी कतार, प्रासादश्रेणी. A row of palaces जं. प. ४, ८८, भग० ३,७; **—वडिंसय.** पुं० (-अवतसक) દેવનાને રહેવાનો મહેલ. देवताके रहनेका महल. A palace of a god. ज प. ५, ११२; ११३, भग० २, ८; ३, ७, ११, ११, १६, ६-६; नाया० १; ८; ६, १४; १६, विवा० ६; ज० प०

पासित. त्रि० (पाशित) પાશ-ભયના સ્થાનો. पाश-भयके स्थान. The places of fear. सूय० १, १, २, ७;

पासिय. पु० (पाशित) ફલ વિશેષ. फल विशेष. A particular kind of fruit. भग० २२, २;

पासियव्व. त्रि० (द्रष्टव्य) જોવા યોગ્ય. देखने योग्य Fit to be seen. कप्प० ६, ४५;

पासिल्लय. त्रि० (पार्श्विक) પડખાભર સુનાર. पार्श्वभागमें सोनेवाला. One who sleeps on the sides दसा० ७, ८; वव० ५, १८; भग० १, ७,

पासुत्त. त्रि० (प्रसुप्त) સુતેલો; ઉંઘી ગયેલો. सोयाहुआ, निद्रित Sleeping. विसे० २२५; पिं० नि० ३३५; ४७७; अणुजो० १३०;

पाहणा. स्त्री० (उपानह्) જૂતી; મોજડી जूती, जोड़ा. A shoe. दस० ३, ४;

पाहन्न. न० (प्राधान्य) મુખ્યતા. प्रामुख्य, मुख्यता. Supremacy; eminence. पचा० ६, १३;

पाहन्न. न० (प्राधान्य) મુખ્યતા; પ્રધાનપણું. मुख्यता, प्रधानता. Supremacy; prominence; importance ओघ० नि० ७७२;

पाहाण. पु० (पाषाण) પથ્થર. पत्थर. Stone. ज० प० जीवा० २, ८४,**—चट्टा.**

पु० (हत्क) પથ્થરનો ગાલો. पत्थरका गज्रा-हत्त-चक्र. A groove; drain of stone जं० प० ५, ११४;

पाहुड. पु० (प्राभृत) અધ્યયન અને શતકની માફક પૂર્વનું એક પ્રકરણ; અધ્યાય. अध्ययन तथा शतकके समान पूर्वका एक प्रकरण; अध्याय A chapter of a Purva. सू० प० २०; अणुजो० १४६; पराह० २, ५; नंदी० ५६, क० गं० १, ७; (२) ઉપહાર; ભેટ. Present. नाया० २; ५; ८; १३; १५; १७; १८; सु० च० ६, १३६; राय० २११; जं० प० ३, ५२; (३) કલેશ; ક્રોધ. क्लेश; क्रोध. Anger; trauble. वव० ७, १०-११; वेय० १, ३३; ४, ६; ठा० ३, ४;

—समास. पु० (-समास) એકથી વધારે પાહુડાનું જ્ઞાન; શ્રુત જ્ઞાનનો એક પ્રકાર. एकसे अधिक पाहुडका ज्ञान, श्रुतज्ञान विशेष. Knowledge of more than one chapter; a particular kind of scriptural knowledge. क० गं० १, ७,

—सीलया स्त्री० (-शीलता) કલેશ કરવાનો સ્વભાવ; કકાસ પ્રિયતા. कलह प्रियता. The state of liking quarrel. ठा० ४ ४,

पाहुडपाहुड न० (प्राभृतप्राभृत) પ્રકરણમાં પ્રકરણ તે પ્રાભૃત પ્રાભૃત તેનું જ્ઞાન; શ્રુત જ્ઞાનનો એક પ્રકાર. प्रकरणमें प्रकरण समान प्राभृतप्राभृतका ज्ञान, श्रुत ज्ञानका एक प्रकार. A variety of scriptural knowledge; knowledge of a chapter inside a chapter. क० गं० १, ७;

—समास पु० (-समास) એકથી વધારે પાહુડા પાહુડાનું જ્ઞાન; શ્રુત જ્ઞાનનો એક પ્રકાર एकाधिक पाहुडापाहुडका ज्ञान; श्रुत ज्ञान विशेष. Knowledge of more than one chapter; a variety of scriptural knowledge. क० गं० १, ७;

पाहुडिया-आ. स्त्री० (प्राभृतिका) નજરાણું, ભેટ. नजराना, भेंट; उपायन. A present. वेय० २, १६; पिं० नि० ६२; (२) નાનો અધ્યાય. छोटा अध्याय. A short chapter. अणुजो० १४६; (३) પ્રાભૃત નામે ઉદ્દગમનનો છઠ્ઠો દોષ; સાધુને પ્રાહુણા તરીકે માની બક્ષીસ તરીકે આહારાદિ આપવાથી લાગતો એક દોષ उद्गमनका प्राभृत नामक छठा दोष, साधुको मिहमानरूपमें भोजन पान आदिमें भेंट करनेके कारण लगनेवाला दोष. The 6th fault named Prābhṛta of Udgamana incurred by offering food etc. to an ascetic like a guest. पंचा० १३, ५; प्रव० ५७२; ५७८;

पाहुण. पुं० (प्राघूर्ण) મેમાન; પ્રાહુણો. मिहमान, पाहुना, अतिथि A guest. पिं० नि० ४८०; प्रव० १६४; गच्छा० १२०;

—भत्त. न० (-भक्त) મેમાન માટેનું ભોજન. मिहमानोंका भोजन. Food for a guest भग० ६, ३३. निसी० ६, ६;

पाहुणग. पुं० (प्राघूर्णक) મેમાન; અભ્યાગત; પ્રાહુણો. मिहमान, अभ्यागत, पाहुना. A guest. ओव० ४०; सु० च० १, १५१,

—भत्त. न० (-भक्त) મેમાન માટે બનાવેલું ભોજન. मिहमान-अतिथिके लिए तयार कियागया भोजन Food for a guest. ओव० ४०;

पाहुणिअ. पु० (प्राघूर्णिक) ६ ઠા ગ્રહનું નામ छठे ग्रहका नाम Name of the 6th planet. ज. प. ७, १७०; सू० प० २०; ठा० २, ३;

पाहुणिज्ज. त्रि० (प्राहवणीय) પ્રકર્ષે કરી આહ્વાન કરવા યોગ્ય. प्रकृष्टतया आह्वनीय. Fit to be properly invited. ओव०

पाहेज्ज. पु० (पाथेय) ભાતુ. पथ्य, रूचनेवाला Victuals उत्त० १६, २०;

पाहेणग न० (प्रहेणक) લાડુ વગેરેનું લ્હાણું. लड्डू आदिकी लेन-लीयण A present of sweet balls etc पिं० नि० २८८,

पि. अ० (अपि) પણ, વળી. पर; और; भी; परन्तु But; also; too. (२) સંભાવના. सम्भावना Probablity उत्त० १, १३; भग० ३, २, ५, ४-५; ७, ६; २५, ७, नाया० १, ५, ७, ८, दस० ४, ११-२८; ६, २०-३६, ७, ८, ८, २४, पिं० नि० भा० ४; पन्न० ६ १७, क० गं० १, ४४, ५६; उवा० २, ६७,

पिअंगु पु० (प्रियंगु) પ્રિયંગુ, ગજપીપર प्रियंगु, गजपीपल. A kind of creeper. कप्प० ३, ३७,

पिश्रामह. पु० (पितामह) દાદા, બાપનો બાપ दादा, पिताके पिता Grand-father. अणुजो० १३१;

पिइ. पु० (पितृ) પિતા, બાપ. पिता, जनक, बाप. Father. भग० १५. १; पिं० नि० १२१, ४८५, सूय० २ २, १२, (२) પિતૃદેવતા. અશ્લેષા નક્ષત્રનો સ્વામી. पितृ देवता, अश्लेषा नक्षत्रका स्वामी Pitr god, the lord of Aśleṣā constellation. ठा० २, ३, —**पज्जय** पु० (प्रार्यक) બાપદાદા, વડવા, પૂર્વજો. बापदादे, पूर्वज, बडील Ancestors अंत ६, ३.

पिउ. पु० (पितृ) બાપ. पिता. Father. जं० प० ७ १५७, भग० ८, ५, ओव० सु० च० १, २६४. ३, २४५, नाया० ६, —**पज्जय** पु० (-प्रार्यक) જુઓ 'પિઇ-પજ્જય" શબ્દ. देखो 'पिइपज्जय" शब्द. Vide 'पिइपज्जय.' भग० ६, ३३, —**सुक्क.** पु० न० (-शुक्र) પિતાનું વીર્ય. पिताका वीर्य. The semen of a father. भग० १, ७,

पिउत्था. स्त्री० (पितृस्वसृ) ફોઈ; બાપની બહેન. फूफी, भुवा, पितृभगिनी. Father's sister. 'उदायणस्सरगणो पिउत्था" नाया० १६; भग० १२, २,

पिउमंद. पु० (पिचुमंद) લીંબડાનું ઝાડ. नीमका वृक्ष. The Nima tree निसी० ५, १४;

पिउवण. न० (पितृवन) સ્મશાન. श्मशान, मरघट. Cemetery. पण्ह० १, ३;

पिउसेणकण्हा. स्त्री० (पितृसेनकृष्णा) અંતગડસૂત્રના આઠમા વર્ગના નવમા અધ્યયનનું નામ. अंतगड़सूत्रके आठवे वर्गके नवें अध्ययनका नाम. Name of the 9th chapter of the 8th group of Antagada sūtra. अंत० ८, ६, निर० १, १, (२) શ્રેણિક રાજાની એક રાણી કે જેણે મુક્તાવલિ નામનું તપ આચરી સોળ વર્ષની પ્રવ્રજ્યા પાળી કર્મ ખપાવી સિદ્ધિ મેળવી. श्रेणिक राजाकी एक रानी जिसने मुक्तावलि नामक तप करके सोलह वर्षकी प्रव्रज्या पाली और कर्मोंका नाश करके सिद्धि प्राप्तकी. A queen of the king Śreṇika who practised Muktāvali penance, remained a nun for 16 years and attained salvation. अंत० ८, ६,

पिउस्सिया स्त्री० (पितृस्वसृ) બાપની બેન, ફોઈ. पिताकी बहिन, फूफी, भुवा. Father's sister. विवा० ३, दस० ७, १५, —**स्सियपति.** पु० (-स्वसृपति) ફુવો. फूफा. Father's sister's husband. विवा० ३,

पिंकार पु० (अपिकार) અપિકાર, અપિશબ્દ. अपिशब्द The word "अपि" ठा० १०, १

पिंग. पु० (पिङ्ग) ચાતકપક્ષી. चातक पक्षी पपीहा The chātaka bird. सूय० १, ३, ४ १ २, (२) વર્ણ-રંગ વિશેષ. वर्ण-रंग

विशेष A particular colour. सु० च० १४, २८;

पिंगच्छ त्रि० (पिंगाक्ष) પીળાં નેત્રવાળું. पीले नेत्रवाला. Having yellow eyes. सु० च० १४, २८.

पिंगल. पुं० (पिंगल) પીળો રંગ. (૨) त्रि० પીળું; કપિલ રંગનું. पीला रंग; पीला; (२) कपिल रंगका. Yellow. ओव० ३१; नाया० १; ८, अणुजो० १२८. कप्प० ३, ४६; ४, ६२, (३) પિંગલ નામનો ગ્રહ. पिंगल नामक ग्रह. A planet named Pingala ठा० २, ३. सू० प० २०; (४) પિંગલ નામનો શ્રાવક, કે જેણે ખંધક સન્યાસીને પ્રશ્નો પુછ્યા હતા. पिंगल नामक श्रावक, जिसने खधक सन्यासीसे प्रश्न पूछे थे A layman named Pingala who had questioned an ascetic named Khandhaka. भग० २, १; (५) જીવ વિશેષ. जीव विशेष A particular living being. ज० प०

पिंगलक्ख. त्रि० (पिंगलाक्ष) માંજરી આંખવાળું એક પક્ષી. मंजर आंखोवाला एक पक्षी विशेष. A bird having eyes like a cat. पग्ह० १, १; ओव० ज. प. ७, १६६;

पिंगलय-अ. पुं० (पिंगलक) ચક્રવર્તીનાં નવ નિધાનમાંનું એક કે જેમાં સર્વ પ્રકારના આભૂષણોનો સમાવેશ થાય છે. चक्रवर्तीके नव निधानोंमेंसे एक निधान जिसमें सब प्रकारके आभूषणोंका समावेश होता है One of the 9 treasures of a Chakravarti which includes ornaments of all kinds ठा० ६, १, ज० प० प्रव० १२३२, (२) રાહુના પુદ્‌ગલનો એક ભેદ. राहुके पुद्गलका एक भेद. A variety of molecules of Rāhu. सू० प० २०,

पिंगायण. पुं० (पिंगायन) કુત્સગોત્રની શાખા. कुत्सगोत्रकी शाखा. A branch of Kutsa family-origin. (२) त्रि० તે શાખામાં જન્મેલ. इस शाखामें उत्पन्न. (one) born in that branch. ठा० ७, १; (३) મઘા નક્ષત્રનું ગોત્ર. मघा नक्षत्रका गोत्र Family-origin of Magha constellation. ज. प. ७, १५६; सू० प० १०:

पिंजंत. व० कृ० त्रि० (पिंजयत्) રૂ વગેરે પિંજવું. रुईका पींजना, धुनकना. Carding. पिं० नि० ५७४,

पिंजण. न० (पिञ्जन) પીંજવું. पींजना, धुनकना. Carding. ओघ० नि० ४७४,

पिंजर. पुं० (पिञ्जर) પીત રક્તવર્ણ. पीत रक्तरंग. पीला लाल रंग Yellowish red. (२) તે વર્ણ-રંગવાળું पीतरक्त रंगवाला. Having yellowish red colour. जीवा० ३, ४; कप्प० ३, ४२;

पिंड. पुं० (पिण्ड) પિંડ પિંડ. A ball. अणुजो० ५७ ओव० विं० ६; दस० ६, ४४-४५. निसी० ११, ३०; (२) વનસ્પતિ વિશેષ; કન્દની એક જાત. वनस्पति विशेष, कन्दकी एक जाति. A species of bulbous root. जीवा० १, (३) સંચય, પરિગ્રહ. सचय; परिग्रह. Possession. पग्ह० १, ५; (४) ખોરાક; મોદકાદિ આહાર; ગ્રાસ, કોળીઓ. खुराक, मोदकादि भोज, ग्रास, कौर Food, morsel. भग० ८, ६; दस० ६, ४८, नाया० ८, पग्ह० २, ५; दसा० १, ५, उत्त० १, ३४; सम० २१; प्रव० २२; गच्छा० २१; पचा० १३, २; पिं० नि० १. (५) શરીર शरीर. Body. विशे० १५८१, पिं० नि० भा० ४६, —गुड. पुं० (-गुड) ભિલાં તથા રગનો ગોળ; કઠણ ગોળ. भेली और रवेदार गुड़, कड़ा गुड़. Hard molasses. प्रव० २२१, —गुला. स्त्री०

(-गुड) पिंडरूप करेलुं गोळ मैली स्थमें कठीन जमाहुआ गुड़. Molasses in the form of a ball. पिं० नि० २८३, —नियर पुं० (-निकर) पिंडनो जथ्थो; पितृपिंड, श्राद्धनुं भोजन. पिंडसमूह; पितृपिंड, श्राद्धका भोजन Groups of balls of rice etc offered to the manes आया० २, १, २, १२, —मह पुं० (-मह) पितृपिंड-श्राद्धनो महोत्सव पितृपिंड-श्राद्धका महोत्सव Festivity connected with the manes निसी० ८, १५; —वद्धण न० (-वर्धन) भोजननी वृद्धि. भोजनकी वृद्धि. Increase of food. भग० ११, ११, —वद्धामण न० (-वर्द्धन) बाळकना खोराकनी वृद्धि थाय ते प्रसगे सस्कार करवामां आवे ते अन्न प्राशन वृद्धि सस्कार, बालककी खुराकके बढनेपर किया जानेवाला सस्कार A ceremony performed at the time of increase of food of a child राय० २८६; —विसुद्धि स्त्री० (-विशुद्धि) आहारनी शुद्धि आहारकी शुद्धि Purity of food पचा० १५, ३१; —विसोहि स्त्री० (-विशोधि) पिण्ड विशुद्धि, आहारनी शुद्धि. पिण्ड शुद्धि; आहार शुद्धि. Purity of food. प्रव० ५७०, —विहाण. न० (विधान) आहार लेवानो विधि भोजनविधि; आहार ग्रहण करनेकी विधि Mode of taking food. पचा० १३, १, —हलिद्दा. स्त्री० (-हरिद्रा) पिंडरूप हळदर पिंडरूप हलदी, हलदीकी गाठ Turmeric in the form of a lump. भग० ७, ३,

पिंडअ पुं० (पिण्डक) पगे चोटता कीचडना पिंडा वळे तेटलो कादव; मध्यम कीचड इतना कीचकि जिसके पैरमें लगतेही लोंदेके लोंदे बनने लगे, मध्यम कीच Mud which forms into lumps when trampled upon ओघ० नि० भा० ३३, (२) मोदकादि खोराकनो पिंडो मोदक-लड्डू वगैरेकी खुराकका पिंड-समूह. A ball of sweet food etc. वेय० २, ७, (३) सग्रह सग्रह A collection. (४) समुदाय समुदाय. A host ज प. ६, १२५,

पिंडणा स्त्री० (पिण्डन) खांड वगेरे खाद्य पदार्थोनु सामान्य मिश्रण शक्कर आदि खाद्य पदार्थोंका सामान्य मिश्रण A general mixture of such eatables as sugar etc पिं० नि० २,

पिंडत्थ. पुं० (पिण्डार्थ) पद समुदायनो अर्थ, वाक्यार्थ पद समुदाय-वाक्यका अर्थ. Meaning of a sentence अणुजो० ५६; विशे० ६०४,

पिंडनिज्जुत्ति. स्त्री० (पिण्डनिर्युक्ति) जेमा पिंड एटले आहारना गुण दोष सम्बन्धि विवेचन छे ते पुस्तक. वह ग्रन्थ जिसमें आहारके गुण दोष आदिके विषयमें विवेचन किया गया है. A book on dietetics पिं० नि० १

पिंडपगइ. स्त्री० (पिण्डप्रकृति) अवान्तर भेदवाळी कर्म प्रकृति-जेम नामकर्मनी गति जाति आदि प्रकृति अवान्तर भेदवाली कर्म प्रकृति-यथा नामकर्मकी गति जाति आदि प्रकृति. A nature of karmic matter of intermediate variety. क० ग० १, २५, क० प० १, २७,

पिंडवात पुं० (पिण्डपात) भिक्षा भिक्षा Alms उत्त० ६, १७.

पिंडवाय पुं० (पिण्डपात) भिक्षा, गोचरी. भिक्षा, गोचरी. Alms आया० २, १, १, १, २, १, ६, ५०, उत्त० ३५, १६, पिं० नि० भा० ३, वेय० १, ३७, ४, २६, कप्प० ६, २६, —घायपडिया. स्त्री०

(—ग्रासप्रतिज्ञा) આહાર લેવાની પ્રતિજ્ઞા-ધારણા-નિશ્ચય. आहार लेनेकी प्रतिज्ञा-संकल्प-दृढ निश्चय. Vow of accepting food. भग० ८, ६;

पिंडालु. पुं० (पिण्डालु) કન્દ વિશેષ; પિંડાલુ. कन्द विशेष; पिंडालु; पिंडी. A species of bulbous roots. प्रव० २४२:

पिंडि. स्त्री० (पिंडि) કકડો. (२) ઝુમખો. टुकडा. (२) झुमका; लून. A piece; a cluster. जं. प. ५ ११२: सूय० २, ६, २६;

पिंडिआ. स्त्री० (पिण्डिका) છાપરું. A roof. ओव० १०:

पिंडित. त्रि० (पिण्डित) સંચય કરેલું संचित; संग्रहीत. Collected. पग्ह० १, ३:

पिंडिम. त्रि० (पिण्डिम) પિણ્ડ-જથ્થારૂપ. पिण्डरूप; समूहाकार. In the form of a group. ओव०

पिंडिय-अ. त्रि० (पिण्डित) ભેગું થયેલું; એકઠું કરેલું. एकत्रित; सम्मिचित. Collected. ओघ० नि० ५२२; विशे० २२०४; पन्न० २; १६; प्रव० १२२०; पंचा० १४, ७, अणुजो० १५६; —ट्ठ. पुं० (—अर्थ) સામાન્ય અર્થ; સમૂહરૂપે અર્થ सामान्य अर्थ; समुहरूप अर्थ. A general meaning; meaning of the whole. पिं० नि० ७२: अणुजो० १५६.

पिंडेसणा स्त्री० (पिण्डैषणा) પિણ્ડૈષણા નામનું આચારાંગ સૂત્રના બીજા શ્રુતસ્કંધનું પ્રથમ અધ્યયન पिण्डैषणा नामक आचारांग सूत्रके दूसरे श्रुतस्कंधका प्रथम अध्ययन. Name of the 1st chapter of the 2nd Sruta Skandha of Āchārāṅga named Piṇḍeṣaṇā. आया० २. ५, १, १४३; (२) પિંડ-આહારની એષણા; દોષાદોષ નિરીક્ષણ. पिंडषणा—आहारेच्छा: दोषादोष निरीक्षण. Scrutiny of food आया० २, १, ११, ६२; ठा० ७, १; पिं० नि० ६१; प्रव० ५७७;

पिंडोलअ. पुं० (पिण्डोलक) ભિક્ષા ઉપર જીવનાર; ભિક્ષુક. भिक्षावृत्ति पर गुजारा करने वाला; भिक्षुक A beggar उत्त० ५, २२,

पिंडोलग. त्रि० (पिण्डोलक) ભિક્ષા ઉપર નિર્વાહ ચલાવનાર; ભિક્ષુક. भिक्षुक; भिखारी. A beggar, one who lives on food offered. आया० १ ८, ४, ११:

पिंसुअ. पुं० (पिंशुक) ચાંચડ Mosquitoes. जं० प०

पिक्खविक्खंत. त्रि० (पश्यत्) જોતો; નિહાળતો. देखताहुआ; अवलोकन करताहुआ Seeing. गच्छा० ४;

पिच्चा. सं० कृ० अ० (प्रेत्य) પરલોકમાં જઈને. परलोकमें जाकर; मरणके अनन्तर. Having died. सूय० १, १, १, ११;

पिच्छ. न० (पिच्छ) પિચ્છું; પાંખ: મોરપીંછી. पंख; पत्र; मोरपख; पींछी; पींछ. A feather. सूय० २, २, ६; उत्त० ३४, ५; आया० १, १. ६, ५३; नाया० १; पग्ह १, १; जीवा० ३, ४; पन्न० १७; राय० ५१; उवा० ७, २१६; —मालिया. स्त्री० (—मालिका) પીંછાની માળા. पींछकी माला; पंखोंकी माला. A garland of feathers. निसी० ७, १:

पिच्छअ. पुं० (पत्रक) પાંખ. (२) પક્ષી. पत्र (२) पक्षी. Wing; a bird. "कुक्कुड पिच्छएणं डमिया यावि होत्था" निसी० १,१.

पिच्छण. न० (प्रेक्षण) જોવું; દેખવું. जोहना: देखना. Seeing. सु० च० २, ३३१;

पिच्छणिज्ज. त्रि० (प्रेक्षणीय) જોવા યોગ્ય. दर्शनीय. Fit to be seen. नाया० ११, ११: सुंत्या० २८: कप्प० ३, ३५: ४०,

पिच्छाघर. न० (प्रेक्षागृह) પ્રેક્ષકોને બેસવાનું સ્થાન. प्रेक्षकोंके बैठनेकी जगह Place for spectators to sit. ज० प० ५, ११६·

पिच्छि. पुं० (पिच्छिन्) મોર પીંછ ધરનાર એક પ્રાચીન અન્ય તીર્થિ વર્ગ. मोरपच्छधारी एक प्राचीन अन्य तीर्थी वर्ग. A class of people belonging to a non-jain order who hold peacock-feathers. ओव० ३१, ज० प० ३, ६७,

पिज्ज. पु० (प्रेमन्) પ્રેમ; સ્નેહ. प्रेम, प्रीति, स्नेह. Attachment. कप्प० ५, ११७, —**बंधण.** न० (-बन्धन) સ્નેહરૂપ બંધન प्रेम बन्धन A bond of attachment. कप्प० ५ १२६; —**दोस.** पु० (-दोष) રાગ અને દ્વેષ. रागद्वेष Attachment and hatred. ' पिज्जदोस मिच्छादंसणविजआ. ' उत्त० २६, २,

पिटक. पु० (पिटक) પેટી, મંજુષ. पेटी, सन्दूक. A box. अणुजो० ४२,

✓**पिट्ट.** धा० I (पीड्) પીડવું पीड़ादेना; दुःख देना. To trouble.

पिट्टंति सूय० २, २, ५५,

पिट्टे. आ० दसा० ६, ४;

पिट्ट न० (पेट) પેટ. पेट. Stomach. पचा० ३, १६; —**उवरि.** अ० (-उपरि) પેટ ઉપર. पेटके उपर. Over the belly. प्रव० ७४;

पिट्टण. न० (पीडन) પિટ્ટણાં પિટ્ટવાં. (२)મારવું. पिटना; मारना; ठोंकना. Striking. सूय० २, २, ६२; ओव० ४१; पि० नि० भा० ३४; दसा० ६, १-४; पण्ह० १, १,

पिट्टणता. स्त्री० (पीडनता) પિટવાપણું निष्ठुरता, पीडकता, पीटनेका स्वभाव. Cruelty; nature of beating सूय० २, ४, ६;

पिट्टावणता. स्त्री० (पिट्टण) બીજાની પાસે પિટ્ટણાં પિટ્ટાવવાં તે दूसरोंके सामने पीटने-पीटना-शोक करना आदि. Striking or causing some one to strike before others. भग० ३, ?,

पिट्ठ. पुं० (पिष्ट) લોટ, પીસેલી વસ્તુ आटा, पीसाहुआ पदार्थ. Flour. आया० २, १, ६, ३३ नाया० ३· जीवा० ३. १; ४, दसा० ५, २: निसी० ४, ५१. भग० १६, २: पन्न० १७, —**उंडी** स्त्री० (उण्डी) લોટની પીંડી आटेकी पिंड. A ball of flour. नाया० ३, —**निप्फन्न.** त्रि० (निष्पन्न) પીષ્ટ થઉં કોદ્રવા ચાવલ વગેરે ધાન્ય તથા દરાખ આદિનો સોડ કરી તેમાંથી નિકળતા રસથી નિષ્પન્ન-તૈયાર થયેલ; ગોળનો એક પ્રકાર. गुड़ विशेष, गेहु, कोंदो, चौवल आदि धान्य तथा दाख आदिको पीसकर इसमेंसे निकलनेवाले रससे पैदाहुआ गुड़ विशेष. A kind of sugar prepared out of the juice of grapes, rice, wheat etc प्रव० २२१

पिट्ठ. न० (पृष्ठ) પુંઠ, પૃષ્ઠ, પીઠ. पीठ; पृष्ट Back. ओव० १०; ३८; नाया० ६, जीवा० ३, १, पि नि०८, विवा० १, राय० ३२, उवा० २, १०१; —**करंडय.** पु० (-करण्डक) બરડાનું હાડકું. पीठदण्ड, रीढ़की हड्डी. Back bone. ज० प० २, २६; प्रव० १३८२,

पिट्ठओ. अ० (पृष्ठतस्) પછવાડેથી. પુંઠે, પીઠ તરફ. पीछेसे, पीठकी ओरसे. From the back. जं० प० ५, ११७; ३, ६७, ओव० ३१; उत्त० १, १८, २, १५, नाया० १; ८; १४, १६, १८, भग० ६, ३३; सम० ३, सूय० १, १५, १०: निसी० ८, ८१, दस० ८, ४६, दसा० १०, ३,

पिट्ठंत. न० (पृष्ठांत) અપાનદ્વાર. अपानद्वार, उपस्थ. The anus. निसी० ६, १०;

पिट्ठचंपा स्त्री० (पृष्ठचंपा) એ નામની એક નગરી. नगरी विशेष. A city so named कप्प० ५, १२१,

पिट्ठतो. अ० (पृष्टतस्) પાછળથી. पीछेसे. From behind. सूय० १, ३, २, ११, १, ३, ४, १७,

पिट्ठि. न० (पृष्ठ) વાસાનો ભાગ पीठका भाग. Portion of the back. आया० १, १, २, १६, दस० २, ३; प्रव० ८८७, क० ग० १, ३४, **—करंडग.** पु० (-करण्डक) પાંસળી. पसली Rib. जीवा० ३, ३; ज० प० **—मंस.** न० (-मांस) પુઠનું માંસ-વિષ્ટા (२) પાછળથી કોઇની નિન્દા કરવી તે; ચાડી पिशुनता; पीठ पीछे कीगई निन्दा, चुगलखोरी. Back-biting. दस० ८, ४७, पराह० १, २; **—मंसि** त्रि० (-मांसिन्) પારકી નિન્દા કરી પરના મર્મ ઉઘાડા પાડનાર. परायी निन्दा करके दूसरोंके भेदको प्रकट करनेवाला (one) who back-bites and exposes the secret of others. सूय० २, २, १८, **—मंसिअ.** त्रि० (-मांसिक) અસમાધિનુ દશમુ સ્થાનક સેવનાર, નિન્દા કરનાર. असमाधिके दसवें स्थानकका सेवक, निन्दक. A back-biter, one who incurs the fault of non-concentration at the 10th stage. सम० २०, दसा० १, ११-१२-१३;

पिठिवडिंसिया. स्त्री० (पृष्टावतंसिका) ખાંધપર બેસાડીને ફેરવવું તે; કાવડ. कंधेपर बिठलाकर ले चलनेका कार्य; कावड़ उठाना. Walking about by carrying on the shoulder. ठा० ३, १;

पिड. पु० (पिट) પેટી; પટારો. पेटी, सन्दूक, पिटारी. A box. सु० च० ८, ८०;

पिडअ. न० (पिटक) ટોપલી. टोपली A basket राय० २७१; (२) બે ચન્દ્ર તથા બે સૂર્યનું જોડલું दो चन्द्र तथा दो सूर्यका जोडा. Pairs of two moons and two suns. जीवा० ३, ४,

पिडग. पु० (पिटक) પેટી; મંજૂષા (२) નેતરનો કરંડીયો पेटी, सन्दूक (२) बेंतकी टोपली. A box. a cane-basket सम० १; नंदी० ४ ; कप्प० ८, उवा० २, ११६.

पिढर न० (पिठर) પેણી હાંડલી; તપેલી तपेली A vessel. पिं० नि० ३४. आया० २, १, ११, ६२,

·पिढरग. पु० (पिठरक) જુઓ " पिढर " શબ્દ. देखो " पिढर " शब्द Vide "पिढर." पिं० नि० ५४६;

✓पिणद्ध. धा० I. II (अपि+नह्) ધારણ કરવું; પહેરવું. धारण करना, पहिनना To wear; to put on.

पिणद्धइ. नाया० ८, विवा० ६;

पिणद्धेइ. निसी० ७, ३; राय० १८६;

पिणद्धेंति. भग० ६, ३३,

पिणद्धंति. नाया० १;

पिणद्धित्तए. हे कृ. ओव० ३८,

पिणद्धइत्ता सं. कृ नाया० ८;

पिणद्धेंतित्ता. स. कृ. भग० ६, ३३,

पिणद्ध. त्रि० (पिनद्ध) ઢાંકેલું; (२) પહેરેલું; ढँकाहुआ; (२) पहिनाहुआ. Covered, worn ओव० ३०; ३१, नाया० १, भग० ७, ६; जीवा० ३, ४; सु० च० ४, ३०८, दसा० १०, १, राय० ८६, ज० प० कप्प० ४, ६२;

पित पु० (पितृ) મઘા નક્ષત્રનો અધિષ્ટાતા દેવ; (२) પિતા. मघा नक्षत्रका अधिष्टाता देव, (२)पिता. Father, the presiding god of maghā constellation. अणुजो० १३१; भग० १५, १; **— पिंड.** पुं० (पिण्ड) પિતૃને પિણ્ડ દેવાની ક્રિયા; શ્રાદ્ધ આદિ. पितृको पिंड पहुँचानेकी क्रिया; श्राद्ध आदि, Offering rice balls to the manes. जीवा० ३, ३;

पिति. पु० (पितृ) પિતા, બાપ. पिता, जनक, बाप. Father. पंचा० १७, ३१, (२) મઘા નક્ષત્રનો અધિષ્ઠાતા દેવતા. मघा नक्षत्रका अधिष्ठाता देवता. The presiding god of maghā constellation सू० प० १०, —**अंग** न० (-अङ्ग) પિતાનું અંગ. पिताका अंग A limb, body of a father. ठा० ३, ४;

पितित्ता. स्त्री० (पितृता) પિતાપણું. पितृत्व, जनकता, पितापन. Fatherhood. भग० १२, ७,

पित्त पु० (पित्त) એક પ્રકારની શરીરની પીળી ધાતુ; પિત્ત; પિતોડુ शरीरकी एक पीली धातु, पित्त. Bile. सूय० २, २, ६; आया० १, १, ६, ५३; २, १, ५, २६, भग० १, ७. १२, ७, नाया० १, ५, ओघ० नि० भा० २८४, पराह० १, १, २, ५, पन्न० १, प्रव० ४३६; आव० १ ५; —**आसव**. पु० (-आश्रव) પિત્ત ઝરના, પિત્તનું ઉપજવું पित्तका गिरना-उत्पन्न होना Secretion of bile. भग० ६, ३३; नाया० १, ८, १८, दसा० १०, ६ —**जर** पु० (-ज्वर) પિત્તજ્વર, પિત્તનો તાવ पित्तज्वर. Bilious fever. भग० ६, ३३, १५, १, —**धारिणी.** स्त्री० (-धारिणी) પિત્તને ધારણ કરનારી નાડી-નસ. पित्त धारक नाडी-नस A vein that bears bile; bile-duct प्रव० १३६२,

पित्तिज्ज. पु० (पितृव्य) કાકો काका, चाचा, चचा. An uncle कप्प० ५, १०३,

पित्तिय. पु० (पैत्तिक) પિત્તની વ્યાધિ, ગરમીનો રોગ पित्तरोग, गरमीकी बिमारी Di sease of the bile; syphilis नाया० १. ५; ठा० ४, ४; ओव० ३६, भग० २ १, ११; ६, १८, १०;

पित्तियअ. पु० (पितृव्य) કાકો, બાપનો ભાઈ. चाचा, काका; पिताका भाई. An uncle. आया० २, १५, १७७,

√पि-धा धा० II. I. (अपि+धा) ઢાંકવું; પહેરવું ढांकना, पहिनना. To cover, to wear

पिहेइ. नाया० २, ८, ६; १२, १४, १६, भग० ३, ३,

पिहाइ. भग० ३, २,

पिहेंति. भग० १३, ४, १५, १,

पिहे. वि० सूय० १, २, २, १३,

पिहेइ. आ० नाया० ८,

पिहिस्सामि. भ आया० १, ८, २, १.

पिहाइत्ता. स कृ भग० ३, २;

पिहेत्ता. सं कृ. नाया० ८,

पिहेइत्ता स कृ नाया० ६; १४, भग० ३, ३. १३, ४,

पिहेतित्ता. स कृ भग० १५, १,

पिहित्तु स कृ पिं० नि० ४६;

पिहावेमि. क० वा. राय० २५३

पिधाण. न० (पिधान) ઢાંકણું ढक्कन A cover. राय० १०६;

पिन्नाअ. पुं० (पिण्याक) તલ વગેરેની ખોળ तिल आदिकी खोल Sediment of sesamum after the oil is extracted. सूय० २, १, १६

पिन्नाग पु० (पिन्याक) સરસવ વગેરેની ખોળ. सरसों आदिकी खोल Sediment of yellow mustard etc after the oil is extracted. सूय० २, ६, २६; दस० ५, २, २२,

पिपीलिगा. स्त्री० (पिपीलिका) કીડી. चींटी, कीड़ी. An ant. नाया० १६,

पिपीलिया-आ स्त्री० (पिपीलिका) કીડી चींटी. An ant. दस० ४, पन्न० १, कप्प० ६, ४,

पिप्परी. स्त्री (पिप्पली) ગજપિંપર. गज पीपर. Long pepper. पन्न० १,

पिप्पल. पुं० (पिप्पल) ન્હાનો અસ્તરો. छोटा उस्तरा. A small razor. पिं० नि० भा० ३७, विवा० ६;

पिप्पलश्र. पुं० (पिप्पलक) કાંટા કાઢવાનો ચીપીયો. काँटा निकालनेका चीपिया. Pinches to remove thorn (२) અસ્તરો. उस्तरा A razor, आया० २, ७. १, १५७,

पिप्पलग. न० (पिप्पलक) પીપળાના પાતરાંનું પાથરણું. पीपलके पत्तोंका बिछौना. Bed of the Pīpala tree leaves. आया० २, २, ३, १००; (२) કાતર. कातर, कतरनी, कैंची. Scissors. निसी० १, १७;

पिप्पलि. स्त्री० (पिप्पलि) પીપર पीपल. Long pepper पन्न० ५, ३०; निसी० ११, ४०, —**चूराग.** न० (-चूर्ण) પીપરનું ચૂર્ણ. पीपलका चूर्ण Powder of long pepper. निसी० ११, ४०;

पिप्पलिया. स्त्री० (पिप्पलिका) પિપર; વૃક્ષની એક જાત पीपर; वृक्ष विशेष. A species of tree भग० २१, ७; पन्न० १,

पिप्पली. स्त्री० (पिप्पली) પિપર. पीपर. Long pepper. भग० २२, ३; पन्न० पन्न० १७, सूय० २, ६, ३७; आया० २, १, ८, ४५; प्रव० १०१६;

पिप्पीसग न० (वद्धीसक) એક જાતનું વાજીંત્ર वाद्य विशेष. A kind of musical instrument आया० २, ११, १६८;

पिम्म. न० (प्रेमन) પ્રેમ, પ્રીતિ; સ્નેહ प्रेम, प्यार, प्रीति; स्नेह Love, affection विशे० १८७५; राय० २५२; भत्त० ६४;

पिय त्रि० (प्रिय) હૃદયને ગમે તેવું; પ્રિય; ઇષ્ટ, સુખકારી, પ્રીતિપાત્ર મિત્ર; પતિ हृदयंगम; प्रिय; इष्ट; सुखद; प्रीतिभाजन मित्र, या पति. Beloved; dear; desired. ओव० ११; २४; ३६; उत्त० १, १४; सूय० २, १, ३६; ठा० २, ३; भग० २, १; ७, ६; ११, ११; १३, ६; नाया० १; ६; १२; दसा० १०, १, कप्प० २, ३; ४, ८८; पन्न० १७; राय० ५१; कप्प० ३, ४८; भत० ६०; १६५; सु० च० २०; (२) पुं० વલ્લભ; પતિ. पति; प्राणप्रिया; वल्लभ; कान्त. Beloved; husband. अणुजो० १३०, —**आउय** त्रि० (-आयुस्) જેને પ્રાણ પ્રિય છે એવો; જીવવાની ઇચ્છાવાળો. जीवनमें प्रेम करनेवाला. (one) to whom life is dear. आया० १, २, ३, ८०, —**आयश्र.** त्रि० (-आत्मक) આત્મપ્રેમી. आत्मप्रेमी (one) who loves ownself. उत्त० ६, ७; —**गंधव्व.** त्रि० (-गन्धर्व) પ્રિય છે ગંધર્વ (નાટકાદિ) જેને એવો. वह जिसे गधर्व-नाटकादि प्रिय है. (one) who is fond of dramas etc. नाया० १६; —**ट्टया.** स्त्री० (-अर्थता) પ્રીતિની અપેક્ષા-હેતુ. प्रीतिकी अपेक्षा-हेतु. Cause; expectation of love. भग० ११, ११; नाया० १; १६; जं० प० ३, ४३; ६१, —**दंसण.** त्रि० (-दर्शन) જેનું દર્શન પ્રિય છે તે, સુન્દર દેખાવવાળું प्रियदर्शन; मनोरम रूपवाला (one) whose sight is beautiful. भग० ६, ३३; ११, ११; १२, ६; नाया० १; २, ५, १४, १६, निर० ५, १; सम० प० २३५, कप्प० १, ६; ३, ४७; (२) पुं० મેરુ પર્વત मेरु पर्वत The Meru mountain. सम० १६; —**धम्म.** त्रि० (-धर्म) ધર્મમાં રુચિવાળો; ધર્મપ્રેમી. धर्मप्रेमी; धर्ममें श्रद्धा रखनेवाला. (one) liking religion. भग० १२, १; उत्त० ३४, २८; ठा० ४, ३; सम० नाया० ८;

वव० १०, १०–११, ओघ० नि० ६४७; प्रव० १२०, भत्त० १६; —वालवयसय त्रि० (-बालवयस्य) પ્રિય છે બાળ મિત્ર જેને. वह जिसे वालमित्र प्यारे है, बालमित्र-प्रेमी (one) to whom a child-friend is dear नाया० ८; विवा० ५; —मण. त्रि० (-मनस्) પ્રસન્ન મનવાળો. प्रसन्नचेता; हँसमुख. Of a pleased mind. नाया० १; —विप्पयोग. पु० (-विप्रयोग) પ્રિય-પ્રેમી જનનો વિયોગ. प्रियवियोग, प्यारोंकी जुदाई. Separation of beloved. सूय० २, २, ८२,

पियअ. पु० (प्रियक) અસનનુ ઝાડ. असनका वृत्त A species of trees ओव०

पियंकर. पु० (प्रियङ्कर) પ્રિય-હિત કરનાર, હિતેચ્છુ. प्रियकर; उपकार करनेवाला; हितकर, शुभेच्छु. (one) desirous of doing good. उत्त० ११, १४;

पियंगल. पु० (प्रियङ्गल) ચાર ઇન્દ્રિયવાળો એક જીવ चार इन्द्रियवाला एक जीव A four-sensed being. पन्न० १,

पियंगु. पु० (प्रियङ्गु) એક જાતનું ફુલવાળું વૃક્ષ કે જેની નીચે ૫ પાચમા તીર્થંકરને કેવલજ્ઞાન ઉપજ્યું फूलवाला वृत्तविशेष जिसके नीचे पाँचवे तीर्थंकरको केवलज्ञान उत्पन्न हुआथा. A kind of flowering tree under which the 5th Tīrthankara attained perfect knowledge. सम० प० २३३; ठा० २, ४; ओव० जीवा० ३, ४; – सम. त्रि० (-सम) પ્રિયગુ વૃક્ષ જેવુ; નીલવર્ણું. प्रियगु वृत्तके समान, नीलवर्ण Blue colour, like the Priyangu tree. नाया० ८;

पियंगुभारिया. स्त्री० (प्रियगुभार्या) એક સ્ત્રીનુ નામ. एक स्त्रीका नाम. Name of a woman. विवा० १०;

पियंवाइ. त्रि० (प्रियवादिन्) પ્રિય-મીઠુ બોલનાર. प्रियभाषी; मधुर-मीठा बोलनेवाला. (one) who speaks sweetly. उत्त० ११, १४;

पियण. न० (पान) પીવુ; પાન કરવું. पीना, पान करना. Drinking. पिं० नि० भा० २३, पिं० नि० ५०६; सु० च० १३, ७४;

पियदंसणा. स्त्री० (प्रियदर्शना) શ્રીમહાવીર સ્વામીની પુત્રીનું નામ. श्रीमहावीर स्वामीकी पुत्रीका नाम Name of the daughter of Śrī Mahāvīra कप्प० ५, १०३; विशे० २३२५; आया० २, १५, १७७,

पियदेव पु० (पितृदेव) પિતારૂપી દેવ; પિતૃદેવ. पितृदेव, पिता स्वरूप देव. Father in the form of god. निर० १, १,

पियमित्त पु० (प्रियमित्र) પ્રિયમિત્ર-છઠ્ઠા વાસુદેવના ત્રીજા પૂર્વ ભવનુ નામ. छठे वासुदेवके तीसरे पूर्व भवका नाम-प्रियमित्र. Name of the 3rd previous life of the 6th Vāsudeva सम० प० २३६;

पिययम. त्रि० (प्रियतम) અત્યત પ્યારૂ. अत्याधिक प्रिय. Dearest. सु० च० १, ६७,

पियर. पु० (पितर=पितृ) પિતા. पिता, Father सूय० १, ३, २, ८; नाया० १, नाया० ध० भग० ५, ५, ६, ३३, १५, १, भत्त० ११५,

पियसेण. पु० (प्रियसेन) પ્રિયસેન નામનો એક રાજા प्रियसेन नामक एक राजा A king named Priyasena. विवा० २,

पिया. पु० (पिता=पितृ) પિતા पिता Father. पियाहिं-त. व० सूय० १, २, १, ३, भग ८, ५; ६, ३३; नाया० १, २, ८; ६, १४, १६; १८; जीवा० ३, ३; नाया० ध० २,

पिया. स्त्री० (प्रिया) ભાર્યા, સ્ત્રી. भार्या; पत्नी, स्त्री. Wife. निर० ४, १;

पियामह. पुं० (पितामह) દાદો. दादा; पिताके पिता. Grand father. सु० च० १, १८४, पंचा० २, १७,

पियाल. पु० (पियाल) રાયણનું વૃક્ષ કે જેની નીચે ૪ થા તીર્થંકરને કેવળ જ્ઞાન થયું. रायनका वृक्ष जिसके नीचे ४ थे तीर्थंकर केवली हुएथे. A particular tree under which the 4th Tīrthaṅkara attained perfect knowledge. सम० प० २३३; पन्न० १; (२) રાયણનુ ફળ; રાયણ. रायण फल. Fruit of the Rāyaṇa tree. भग० २२, २, दस० ५, २, २४;

पिरिपिरिया. स्त्री० (पिरिपिरिका) પિરિપિરિ શબ્દ કરતી વાંસની નળી; એક જાતનું વાજિંત્ર. पीपी शब्द करनेवाली बांसकी नली, तूती; एक तरहका बाजा. A bamboo flute. आया० २, ११, १६६; भग० ५, ४; राय० ८२;

पिरिली. स्त्री० (पिरिली) એ નામનો વનસ્પતિનો ગુચ્છો. इस नामकी वनस्पतिका गुच्छा. A cluster of vegetation so named. पन्न० १; (२) વાદ્ય વિશેષ. वाद्य विशेष. A kind of musical instrument. जं० प०

पिलंखु. पु० (प्लक्ष) પિપલો; વૃક્ષની એક જાત. पीपलका वृक्ष. The Pīpala tree. ओघ० नि० २६, भग० ८, ५;

पिलक्क पु० (पिलक) કીટ વિશેષ. कीट–कीडा विशेष. A particular insect. भग० ७, ६,

पिलक्खु. पु० (प्लक्ष) પીપળો, વૃક્ષની એક જાત पीपल–अश्वत्थ वृक्ष The Pīpala tree. भग० २२, ३, निसी० ३, ६८, ७८; —**वच्च.** पु० (वर्चस्) પીપળાનો કચરો–સુકા પાન વગેરે. पीपलका कचरा–सूखे पत्ते आदि. Dry leaves etc. of the Pīpala tree. निसी० ३, ६८–७८;

पिलग. पु० (पिलक) પક્ષી વિશેષ. पक्षी विशेष. A particular bird. जं० प० ५, ११६,

पिलय. पुं० (पिलक) કીટ વિશેષ. एक विशेष प्रकारका कीडा. A particular insect. भग० १२, ८;

पिलाग. पु० (पिटक) પાકેલ ગુમડું; ફોલ્લો पकाहुवा गूमडा. A boil सूय०१,३, ४, १०;

पिलिहा. स्त्री० (प्लीहा) કુટીના ડાબા ભાગમાં આમાશય ઉપર પાણીને વહેનારી નસોનુ મૂળ; તલ્લી; શરીરની અંદરનો એક ભાગ. नाभीकी बाईं ओर आमाशयके ऊपर पानीकी नसोंका मूल; शरीरके भीतरका एक भाग विशेष; तिल्ली. The liver. तंडु०

पिलुंखु. पुं० (प्लक्ष) પિપરનુ વૃક્ષ; પીપળો. पीपलका वृक्ष. The Pīpala tree. आया० २, १, ८, ४५;

पिलुक्ख. पु० (प्लक्ष) પીપર, પીપળો. पीपल The Pīpala tree. पन्न० १;

पिल्लण. न० (प्रेरण) પ્રેરણા કરવી તે. प्रेरणा करनेका कार्य. Urging जं० प०

पिल्लणा. स्त्री० (प्रेरणा) પ્રેરવું; પ્રેરણા કરવી. प्रेरणा करना. Urging. कप्प० ३, ३३;

पिल्लिअ. त्रि० (प्रेरित) પ્રેરણા કરેલ. प्रेरित; उत्तेजित, जाग्रतकी गई. Urged. ओघ० नि० ७६६;

पिव. अ० (इव) ઉપમા વાચક તરીકે વપરાતુ અવ્યય. उपमा वाचक अर्थमें व्यवहृत अव्यय. An indeclinable used in the sense of "Like" नाया० १; ५; १६; १८, भग० ३, २; ६, ३३; दसा० ८, ५५; गच्छा० २२;

पिवासा स्त्री० (पिपासा) પિપાસા, તરસ पिपासा, प्यास. Thirst. भग० २, १

नाया० १; ९, दस० ८, २७, जीवा० ३, १, निसी० ११, २९-३०; उत्त० २, ४, ओव० २१, दसा० १०, ३, सु० च० ३, १८३, प्रव० ६६२, (२) સ્નેહ, અનુકમ્પા. स्नेह; अनुकम्पा, दया. Attachment; affection पगह० १, १. —गय. त्रि० (-गत) પિપાસીત થયેલ प्यासा, पिपासाकुल. Thirsty नाया० ९. —परिसह. पु० (-परिषह) તૃષાનો પરિસહ. तृषा-प्यासका परिषह. Endurance of thirst. सम० २२, भग० ८, ८,

पिवासिअ. त्रि० (पिपासित) તરસ્યો; તૃષાતુર. प्यासा, तृषातुर Thirsty. उत्त० २, ५; नाया० १, भग० १६, ४; जीवा० ३, १, वेय० ४, २६; राय० २५८, उवा० २, ९५;

पिवीलिया-आ. स्त्री० (पिपीलिका) કીડી; મકોડી चींटी; कीड़ी, मकोडी. An ant. उत्त० ३, ४; ३६, १३६, विशे० १२०४;

पिसाय-अ. पु० (पिशाच) પિશાચ દેવ; વાણવ્યન્તર દેવતાની એક જાત. पिशाचदेव; वाणव्यन्तर देवकी जाति विशेष. Piśach gods, a class of Vānavyantara gods. उत्त० ३६, २०५, ओव० २४, भग० ८, १; १६, ६; २५, १२; ओघ० नि० भा० ५७, जीवा० १, पन्न० १, भत्त० ८२, प्रव० ११४४; उवा० २, ९४; —इंद. पु० (-इन्द्र) પિશાચોનો ઈંદ્ર. पिशाचोंका इन्द्र Lord of the Piśāchas (goblins). भग० १०, ५;—कुमार. पु० (-कुमार) પિશાચ કુમાર; વ્યન્તર દેવતાની એક જાત पिशाच कुमार; व्यन्तर देवताकी एक जाति Piśācha kumāra; a class of Vyantara gods. भग० ३, ८, जीवा० ३, ४, —राय. पु० (-राज) પિશાચોનો રાજા. पिशाच राज. King of the piśāchas भग० १०, ५;—रूव. न० (-रूप) પિશાચનું રૂપ पिशाचका रूप. Form of piśācha. नाया० ८, भग० २४, २०,

पिसायभूअ. त्रि० (पिशाचभूत) પિશાચ જેવો ભયાનક. पिशाचकवत् भयङ्कर. Dreadful like a piśācha. उत्त० १२, ६;

पिसित न० (पिशित) માસ. मास. आमिष. Flesh. सूय० २, ६, ३७,

पिसिय. न० (पिशित) જુઓ " પિસિત " શબ્દ. देखो " पिसित " शब्द. Vide "पिसित." पिं० नि० २७४, पचा० ५, ११; १३, ४५, प्रव० २०६;

पिसुण. त्रि० (पिशुन) ચાડીયો; ચુગલીખોર. चुगलखोर; निन्दक. A back-biter. उत्त० ५, ९; दस० ९, २, २३;

पिसुणण. न० (पैशुन्य) ચાડીયાપણું. चुगलखोरी. Back biting. भग० १, ६; पराह० १, २;

पिसुय. पु० (पिशुक) ચાંચડ; ત્રણ ઇંદ્રિયવાળો એક જીવ. तीन इन्द्रियवाला एक जीव. A three-sensed living being. जीवा० ३, ३; पन्न० १;

पिस्समाण. त्रि० (पिष्यमाण) પીસાતું, ઘસાતું पिसाताहुआ, घिसाताहुआ. Being ground; rubbed. उत्त० ३४, १७;

√पिह. धा० I. II. (स्पृह्) સ્પૃહા-ઈચ્છા કરવી. स्पृहा-ईच्छा करना. To desire

पिहति. दसा० १०, १,

पिहाइ. भग० ३, २,

पिहेइ. नाया० ९,

पिहं. अ० (पृथक्) જુદું; ભિન્ન. भिन्न; जुदा; पृथक् Different. पिं० नि० १३२,

पिहंजण. पु० (पृथग्जन) સામાન્ય માણસ साधारण मनुष्य. A common person ठा० ३, १,

पिहडग. पु० (पिठरक) બકડીઓ; રાંધવાનું મોટું વાસણ. भोजन बनानेका मोटा बरतन. A big cooking-vessel. जीवा० ३, १,

पिहडय. पुं० (पिठरक) જુઓ " પિહડગ " શબ્દ. देखो " पिहडग " शब्द Vide " पिहडग " उवा० ७, १८४.

पिहाण. न० (पिधान) ઢાંકણું, આચ્છાદન. ढक्कन; आच्छादन. A cover; a lid. ज० प० ५, १२१; विशे० १८६५, नाया० ८; जीवा० ३, ४; राय० २५३;

पिहिय-अ. न० (पिहित) ઢાંકેલું, છુપાવેલું. ढँकाहुआ, छिपायाहुआ. Covered, hidden. विशे० १२५६; भग० ६, ५; ठा० ३, १; आया० १, ६, १, ११, दस० ४, ६; ५, १, १६-४५; पिं० नि० ३४७, वेय० २ २; पंचा० १३, २६; प्रव० ५७६; १०१२; (२) એષણાના દશ દોષમાંનો ચોથો દોષ. एषणाके दस दोषोंमेंसे चौथा दोष The 4th of the ten faults of Esanā. (३) સચિત્તથી ઢાંકેલી વસ્તુ લેવાથી મુનિને લાગતો એક દોષ. सचित्तसे ढँकी वस्तुके लेनेसे मुनिको लगनेवाला एक दोष. A fault incurred by an ascetic by receiving food covered with a living thing. पिं० नि० ५२०;

पिहीकअ. त्रि० (पृथक्कृत) જુદું પાડેલું. पृथक् किया हुआ. Set apart. पिं० नि० ३६१;

पिहु. त्रि० (पृथु) વિસ્તારવાળું; પહોળું; મોટું विस्तारवाला; फैला हुआ. Extensive; vast विशे० १०७२; सु० च० १, ३२०;

पिहु. अ० (पृथक्) જુદું; ભિન્ન. जुदा, भिन्न Different. दस० ७, ३४, पन्न० ६; **उद्देस.** पुं० (-उद्देश) જુદું જુદું નામ લઈને ઉદ્દેશ કરવો તે पृथक् २ नाम लेकर कियाहुआ सम्बोधन. Addressing by separately naming things. सूय० २, १, २२, **—खज्ज.** त्रि० (-खाद्य) જુદું ખાવાનું. पृथक् खाद्य; भिन्न अलग भोजन A separate food दस० ७, ३४; **—जण.** पुं० (-जन) સાધારણ માણસ. साधारण मनुष्य. A common person. पन्न० ६,

पिहुंड. न० (-पिहुपड) એ નામનું એક નગર. इस नामका एक नगर. A city so named. उत्त० २१, २;

पिहुण. न० (*) મોરનું પીછું. मोरका पंख A pea-cock feather. आया० २, १, ७, ३६; दस० ४; **—हत्थ.** पुं० (-हस्त) મોર પીંછાનો પખો-પુંજણી, ઘણા પીછાંનો બાંધેલ ગુચ્છ. मोरके पखोंकी पूंजणी. A duster made of pea-cock feathers. आया० २, १, ७, ३६; दस० ४;

पिहुपिहु. अ० (पृथक्पृथक्) જુદું જુદું. भिन्न भिन्न, प्रथक् २. Different. प्रव० ६२६; **—संजोग.** पुं० (-सयोग) પૃથક્પૃથક્ સયોગ पृथक् पृथक् सयोग-मेल. Different combinations. प्रव० ६२६;

पिहुय. न० (पृथुक) પૌવાં. पोहे. Crushed rice. आया० २, १, १, ३;

पिहुल. त्रि० (पृथुल) પહોળું. चौड़ा, विस्तीर्ण. Vast. ओव० १०; ठा० १, १; ७, १; जीवा० ३, ३; प्रव० ६७२;

पिहो अ० (पृथक्) ભિન્ન; જુદું. भिन्न, पृथक् Different. विशे० १०;

√पी. धा० I. (पा) પાન કરવું, પીવું पान करना; पीना. To drink.

पिए. दस० १०, १, २;

पियइ अणुजो० १२८, नाया० १; १३;

पियसि. सु० च० ४, २६७;

पिआमो. निसी० ४, ६०;

पियइत्ता. सं. कृ. नाया० १,

पियमाण. व० कृ० नाया० १३;

पियावइ. क० वा० दस० १०, १, २,

पियट्ट. आ० पिं० नि० ५१६;
पिश्चा. उत्त० १७, ३;
✓**पी.** धा० I. (पा) પાન કરવું, પીવું पान करना; पीना. To drink
पीइज्ज वि० आया० २, १, १, १,
पीइ. आ० वव० २. २७.
पीतए. हे० कृ० वव० २, २७,
✓**पी.** धा० I. (पा) ધવરાવવું. दूध पिलाना, पिलाना. To feed.
पिज्जे. आ० पिं० नि० ४१२
पिज्जाहि. आ० पिं० नि० ४१३;
पिज्जंत. सु० च० २, ३८४;
पीअ. त्रि० (प्रीत) પ્રસન્ન, હર્ષિત. प्रसन्न, हर्षित, खुश. Glad; pleased. कप्प०१,५;
पीइ. स्त्री० (प्रीति) પ્રેમ; પ્રીતિ-સ્નેહ प्रेम, प्रीति-स्नेह Love; affection. दसा०१०, १; ओव० ११; २८; भग० २, १, ओघ० नि० भा० १३६; दस० ८; ३८, काप० ४, ८६, पचा० २, ३७; (२) એક જાતની લતા. एक लता विशेष. A species of creepers पन्न० १, —**कर.** त्रि० (-कर) પ્રીતિ કરનાર. प्रेम करनेवाला. A lover. प्रव० ११५०; —**कारअ-य.** त्रि० (-कारक) પ્રીતિકારક. प्रीतिकारक, प्रेमोत्पादक. Lovable. ठा० ३, १: भग० ५, ६; —**दाण** न० (-दान) પ્રીતિદાન; પારિતોષિક; ઈનામ; બક્ષીસ प्रीतिदान, पारितोषिक. A present; a reward. ज० प० ३. ४३; ४८, नाया० १, ३, ८, १६; भग० ११, ११; राय० २३३; ओव० २८, कप्प० ४, ८२; दसा० १०, १;
पीइकारिणी. स्त्री० (प्रीतिकारिणी) વીર પ્રભુની માતા ત્રિશલાનું બીજું નામ. वीर प्रभुकी माता त्रिशालाका दूसरा नाम. Another name of the mother Triśalā of Vīra Prabhu काप० ५, १०३,
पीइगम. न० (प्रीतिगम) આઠમા દેવલોકના ઈન્દ્રનું નામ आठवें देवलोकके इन्द्रका नाम. Name of the lord of the 8th heaven. ज० प० ५, ११८, ७, १६६; ओव० २६;
पीइमण. पु० (प्रीतिमनस्) સાતમા મહાશુક્ર દેવલોકના ઈન્દ્રનુ મુસાફરી વિમાન सातवें महाशुक्र देवलोकके इन्द्रकी यात्राका बिमान. A travelling aerial car of the lord of the 7th Mahā Śukra heaven. जं० प० ५, ११५; ३, ४३, ठा० ८, १; (२) त्रि० પ્રસન્ન ચિત્તવાળુ. प्रसन्न चेता, हँसमुख. Of a pleased mind. कप्प० १, ५,
पीइवद्धण. पु० (प्रीतिवर्द्धन) કાર્તક મહિનાનુ લોકોત્તર નામ. कार्तिक मासका लोकोत्तर नाम. An extraordinary name of the Hindu month of Kārtika. जं० प० ७, १५२, कप्प० ५, १२३;
पीऊस. न० (पीयूष) અમૃત, સુધા. अमृत; सुधा. Nectar. सु० च० १, १०२;
पीढ. न० (पीठ) આસન; બાજોઠ. आसन, बाजूट. A seat भग० २, ५; वेय० ५, ३२; दस० ५, १, ६७, (२) ઘોડેસ્વાર. घुड़सवार. A horseman. ठा० ५, १, ७, १; —**अणिअ.** न० (-अनीक) ઘોડેસ્વારનું સૈન્ય. अश्वानीक, अश्वारोही सैन्य. घुड़सवारोंकी फौज. Cavalry ठा० ५, १; ७, १
पीढमद्द. पु० (पीठमर्द) રાજાની નજીક બેસનાર હજુરી. राजाके पास बैठनेवाला-पारिपार्श्विक हजूरी An aid-de camp of a king. ओव० १; राय० २५३, कप्प० ४, ६२,
पीढमद्दग. पु० (पीठमर्दक) જુઓ "પીઢમદ્દ" શબ્દ. देखो "पीठमद्द" शब्द Vide "पीठमद्द." नाया० १;

पीठय-अ. पु० (पीठक) કાષ્ટમય આસન, પાટ काष्ठमय आसन, लकडीका पाट; काष्ठपीठ. A wooden board. दस० ६. ५५; ७, २८;

√**पीड.** धा० I. II. (पीड्) પીડવું; દુઃખ દેવું. पीड़ा पहुँचाना, दुःख देना. To give trouble

पीडइ. दस० ८, ३६,

पीडाइ. सय० २, १, ३१;

पीडेइ. सु० च० १४, १,

पीडामि. सूय० २, १, ३१;

पीडे. भा० दसा० ६, १,

पीडा. स्त्री० (पीडा) દુઃખ; વ્યથા. दुःख, व्यथा. Trouble; pain पिं० नि० भा० २५; गच्छा० ७५, —**सहण.** न० (-सहन) પીડા-દુઃખનું સહન કરવું તે. पीड़ा-दुःख सहन, कष्ट सहन. Enduring pain. प्रव० १३६६,

पीढ. न० (पीठ) જુઓ " પીઠ " શબ્દ. देखो " पीठ " शब्द. Vide " पीठ. " ओव० ३१, उत्त० १७, ७, आया० २, ४, २, १३८, भग० १८, १०; पिं० नि-भा० ४६, नाया० ५, राय० २२६, कप्प० ४, ६२; उवा० १, ५८, —**फलग.** न० (-फलक) બાજોઠ અને પાટીયું बाजूट और पटिया A seat and a board. प्रव० १०६;

पीढअ-य पु० (पीठक) હલેસા A foot-stool (२) પાટલો पाट, पाटला, काष्टासन. A board. आया० २. ३, १, ११६; दस० ५, १, ४५; (३) પીઠે રાખવાનુ પાટીયું. पीठकी ओर रखनेका पटिया. A board to be kept behind the back. गच्छा० १०;

पीढग. पु० (पीठक) પાટલો; બાજોઠ. पाटला; पाट, बाजूट A wooden board दस० ४;

पीढमद्द. पु० (पीटमर्द) જુઓ " પીઠમદ્દ " શબ્દ. देखो " पीठमद्द " शब्द Vide " पीठमद्द ". नाया० ८,

पीढसप्पि. त्रि० (पीठसर्पिन) બેઠાં બેઠાં ઘસડાતા ર ચાલનાર. पीठके बलरेंगकर चलनेवाला (one) who crawls on the back. आया० १, ६, १, १७२;

√**पीण.** ना० धा० I. (पीन) સ્થૂલ થવું. स्थूल होना. To become thick

पीणंति. राय० १८२,

पीणेंति. ज० प० ५, १२१;

पीण. त्रि० (पीन) સ્થૂલ; પુષ્ટ. स्थूल, पुष्ट. Thick. जं० प० २, २०; ओव० १०; नाया० १, ८; अणुत्त० ३, १; जीवा० ३, ३, ४; —**उन्नय.** त्रि० (-उन्नत) જાડું અને ઉંચું. मोटा और ऊँचा. Thick and high. सु० च० २, २७, ज० प० २, २०;

पीणग. त्रि० (पीनक) જુઓ 'પીણ' શબ્દ. देखो "पीन" शब्द Vide "पीन" जीवा० ३, ४;

पीणणिज्ज. त्रि० (प्रीणनीय) તૃપ્ત કરે તેવું; શરીરની વૃદ્ધિ કરે તેવું. तृप्तिकारक, पुष्टिकारक; पौष्टिक, वलवर्द्धक Satisfying; strengthening. ठा० ६, १; नाया० १, १२; पन्न० १७, कप्प० ४, ६१;

पीणित. त्रि० (प्रीणित) તૃપ્ત થયેલ; પ્રસન્ન થયેલ. तृप्त; प्रसन्न, सन्तुष्ट. Satisfied; pleased. उत्त० ७, २; दस० ७, २२; (२) પું० સૂર્યની સાથે ગ્રહ કે નક્ષત્રનો યોગ થાય તે सूर्यके साथ होनेवाला ग्रह या नक्षत्रका योग. Conjunction of a planet or constellation with the Sun. सू० प० १२;

पीतय. त्रि० (पीतक) પીળુ; પીળા રંગનુ. पीला, पीले रंगका. Yellow. (२) पुं०

પીળો રંગ. (२) पीला रंग. Yellow. भग० १२, ६;

पीति. स्त्री० (प्रीति) પ્રીતિ, સ્નેહ प्रीति, स्नेह. Love. जीवा० ३, ४; राय० २१,

—**दाण.** न० (–दान) ખુશાલીની બક્ષીસ प्रीतिदान, प्रेमोपहार, उत्सव पुरस्कार. Reward; a present ओव० १२, ज०प०

पीतिगम. पुं० (प्रीतिगम) સાતમા દેવલોકના ઇન્દ્રના યાન વિમાનનો વ્યવસ્થાપક દેવતા. सातवें देवलोकके इन्द्रके विमानका व्यवस्थापक देवता. The managing god of the aerial car of the lord of the 7th heaven. ज० प०

पीतिवद्धण. पु० (प्रीतिवर्धन) કાર્તિક માસનું લોકોત્તર નામ. कार्तिक मासका लोकोत्तर नाम. An extraordinary name of the Hindu month of Kārtika. सू० प० १०;

पीतिय. त्रि० (पीतक) પીળું, પીળા રંગનું. पीला; पीले रंगका. Yellow. (२) પીળો રંગ. (२) पीला रंग. Yellow. "पीतिया" हलिद्दा" भग० १८, ६;

पीय. त्रि० (पीत) પીળા વર્ણનું, પીળું. पीतवर्ण, पीला. Yellow. (२) પીળો રંગ. पीला रंग. Yellow colour. सम० प० २३६; भग० १, १, ६, ३३; नाया० १; ५; ८; १६; नाया० ध०, जीवा० ३, ४; कप्प० ३, ४०; सु० च० २, ६२, पन्न० ५; राय० ५४, —**वत्थ.** न० (–वस्त्र) પીતાંબર, પીળું વસ્ત્ર. पीताम्बर; पीला वस्त्र A yellow dress अंत० ५, १,

पीयमाण व०.कृ० त्रि० (पीयमान) પાન કરતું, પીવાતું. पियाजानेवाला, पान कियाजाता हुआ. Being drunk. विवा० १;

√**पील** धा० II. (पीड्) પીડા કરવી; દુઃખ દેવું पीडा पहुँचाना, दुःख देना. To give pain

पीलेइ उत्त० ३२, २७,

पीलिज्जा. वि० विशे० २२०;

पीलेज्ज. वि० विशे० ८६५,

पीलिज्जइ. क० वा० राय० २७६,

पीलण न० (पीडन) પીડવું, મર્દન કરવું, શેરડીની પેઠે પીલવું पीडा देने, मर्दन करना, साटेईखके समान पेलना. Troubling; crushing, squeezing. विशे० २०४३, पण्ह० १, १, तंडु० उवा० १, ५१,

पीला. स्त्री० (पीडा) પીડા, દુખ. पीडा, दुख Trouble; pain. विशे० १२६६; दस० ५, १, १०;

पीलिअ-य त्रि० (पीडित) શેરડીની પેઠે યંત્રમાં પીલેલું, નીચોવેલું. ईखके समान यत्रमें पील-वाया हुआ-निचोंडा हुआ Squeezed, crushed like a sugar-cane ओव० ३८, ठा० ५, ३, पिं० नि० भा० ४०, (२) ભિનું વસ્ત્ર નિચોવતાં જે પવન નીકળે તે, અચિત્ત વાયુ गीला वस्त्र निचोड़ते समय निक-लनेवाला पवन, अचित्तवायु Wind containing no living germs, that which comes out when a wet cloth is squeezed ठा० ५, ३,

पीलु. पु० (पीलु) પીલુનું ઝાડ. पीलूका वृक्ष. (२) न० તેનું ફળ. पीलू फल A particular tree and its fruit. भग० २२, २; पन्न० १, (३) દુધ दुध, दूध Milk पिं० नि० १३१,

पीलुअ पु० (पीलुक) પીલુના ઝાડ ઉપરથી પાડેલું કોઈ પુરૂષનું નામ. पीलू वृक्ष परसे-तद्वत्-रखाहुआ किसी पुरुषका नाम Name of man on the analogy of a particular tree. अणुजो० १३१,

पीलुक. पु० (पीलुक) વૃક્ષ વિશેષ કે જેની નીચે ૧૦મા તીર્થંકરને કેવલજ્ઞાન ઉપજ્યું. वृक्षविशेष जिसके नीचे १० वे तीर्थंकरको

केवलज्ञान प्राप्तहुआ. A particular tree under which the 10th Tirthankara attained perfect knowledge. सम० प० २३३,

पीवर. त्रि० (पीवर) જાડુ; પુષ્ટ. मोटा, पुष्ट. Thick. भग० ११, ११, श्रोव० १०; अणुजो० १३०; नाया० १; ६; जीवा० ३, ३; जं० प० कप्प० ३, ३५; गच्छ० ६०; —**कर.** पुं० (-कर) મુખ્ય-પ્રધાન કિરણ. मुख्य किरण. The chief ray. नाया० १; ६,

√**पीस.** धा० II. (पिंष्) પીસવું. દળવું. पीसना, दलना. To grind.

पीसेज्जा. वि. भग० १६, ३;

पीसन्त. पिं० नि० ५७४,

पीसिज्जमाण. क० वा० व० कृ० जं० प० ४, ८६,

पीसण. न० (पेषण) વાટવું, પીસવું. वाटना; पीसना. grinding; pounding. पिं० नि० ५८८; पगह० १, १: सूय० १. २,१, १२;

पीसणिया. स्त्री० (पेषयन्तिका) દળણું દળનારી સ્ત્રી. धान पीसनेवाली स्त्री A woman who grinds corn. नाया० ७,

√**पीह.** धा० II. (स्पृह्) ઈચ્છા કરવી. इच्छा करना To desire.

पीहेइ. उत्त० २६, ३३. नाया० ६;

पीहंति. श्रोव० ११,

पीहेज्जा. वि. ठा० ३, ३,

पीहए. वि० उत्त० २, ३६;

पुंख. पुं० (पुङ्ख) એ નામનુ પાંચમા દેવલોકનુ એક વિમાન કે જેમાં વસતા દેવોનુ ૧૨ સાગરનુ આયુષ્ય છે. इस नामका पांचवें देवलोकका एक विमान जिसके निवासी देवताओंकी आयुष्य १२ सागरकी है. A celestial abode so named of the 5th Devaloka, its gods live up to 12 Sāgaropamas. सम० १२; (२) બાણનું પુંખડું. बाणका पंख. Feather attached to an arrow. जं० प०

पुंच्छण. न० (प्रोञ्छन) લુંછવું તે. लौंछना. Plucking out. दसा० १, ५८;

पुंज पुं० (पुञ्ज) જથ્થો; ઢગલો. समूह, ढेर. पुञ्ज. A host; a heap. जं० प० ४, ६२; अणुजो० ५७; श्रोव०; भग० ६, ३३; ११, ११; १८, ६; १५, १; नाया० १; ६; १७; जीवा० ३, १; वेय० ४, २६; पिं० नि० ८२, पन्न० २; दसा० २, ६४; कप्प० ३, ३२; जं० प० राय० ३६; ६०; —**उपचार.** पुं० (-उपचार) પુષ્પોના સમૂહનો ઉપચાર-વ્યવસ્થા. पुष्प समूहकी व्यवस्था. An arrangement of a collection of flowers. नाया० १;

पुंजिय. त्रि० (पुंजित) ઢગલો કરેલ एकत्रित; सगठित Heaped up. विशे० २०६१;

पुंजीकड. त्रि० (पुञ्जीकृत) ઉચો ઢગલો કરેલ. ऊँचा ढेर-ढॅाग बनायाहुआ; समूहरूपमें एकत्रित. Heaped up. वेय० २, २;

पुंड. पुं० (पुण्ड्र) એ નામનું પાંચમા દેવલોકનુ એક વિમાન કે જેમાં વસતા દેવોનુ ૧૨ સાગરનું આયુષ્ય છે. इस नामका पांचवें देवलोकका एक विमान जिसके निवासी देवताओंकी आयु १२ सागरकी है. A celestial abode so named of the 5th Devaloka; its gods live upto 12 Sāgaropamas. सम० १२; (२) પુણ્ડક નામનો દેવ. A god named Puṇḍaka. भग० ३, ७; (३) એ નામનો એક દેશ. इस नामका एक देश. A country so named. श्रंत० ५, १; भग० १५, १; (४) ચિન્હ; ડાઘો. चिन्ह, दाग; निशान A sign. पिं० नि० भा० ४२;

पुंडरीका. स्त्री० (पुण्डरीका) ઉત્તર દિશાના રુચક પર્વતપર વસનારી આઠ દિશાકુમારિકામાંની ત્રીજી. उत्तर ओर रुचक पर्वतपर निवास करनेवाली आठ दिशाकुमारिकाओंमेंसे तीसरी. The 3rd of the 8 Diśākumārīs residing on the Ruchaka mount of the north ज० प०

पुंडरीगिणी. स्त्री० (पुण्डरीकिणी) પુષ્કલાવતી વિજયની મુખ્ય નગરી पुष्कलावती विजयकी मुख्य नगरी. The chief city of Puskalāvatī territory. जीवा० ३, ४; ठा० २, ३; नाया० १४, १६; ज० प० (२) દક્ષિણ દિશાના અંજનગિરિની ઉત્તર તરફની વાવડીનું નામ. दक्षिणी अजनगिरिके उत्तर ओरकी बावडी–वापिकाका नाम. Name of a well to the north of the southern Anjana mount प्रव० १५०१.

पुंडरीय न० (पुण्डरीक) શ્વેત કમળ श्वेत कमल White lotus ज० प० ५, ११४; आव० ६, ११; कप्प० २, १५, ३, ४२; सु० च० १५ ३५; सूय० १, ओव० नाया० १; ४, १३; जीवा० ३, १; राय० २३, (२) એ નામે આઠમા દેવલોકનું એક વિમાન, એની સ્થિતિ અઢાર સાગરોપમની છે, એ દેવતા નવ મહિને શ્વાસોચ્છ્વાસ લે છે, એને અઢાર હજાર વર્ષે ક્ષુધા લાગે છે इस नामका आठवें देवलोकका एक विमान, इसकी स्थिति १८ सागरोपम है, यह देवता नौ महिनोंमें श्वासोच्छ्वास लेते है और १८ हजार वर्षोंमें इन्हे क्षुधा लगती है. A celestial abode so named of the 8th Heaven, its gods live for 18 Sāgaropamas, breathe once in 9 months and feel hungry in 18000 years. सम० १८, कप्प० ३, ४४; (૩) સૂયગડાંગસૂત્રનુ ૧૭ મું અધ્યયન. 17th chapter of Sūyangadānga Sūtra. सूय० २३; नाया० १; (४) પુંડરીકરાજા; કુંડરિકનો ભાઈ. राजा पुंडरीक; कुंडरीकका भाई. King Pundarīka, brother of Kundarīka. नाया० १६; (५) પુંડરીક નામના ચુલ હિમવત પર્વત ઉપરનો એક દ્રહ. पुंडरिक नामक चुल हिमवत पर्वतस्थ एक द्रह. A lake named Pundarīka on the Chula Himavanta mount. ठा० २, ३; —जुवराय पु० (–युवराज) પુંડરીક નામનો યુવરાજ. पुंडरीक नामक युवराज. A prince named Pundarīka. नाया० १६; —द्दह पु० (–द्रह) જેમાંથી સુવર્ણકૂલા નદી નીકળી તે શીખરીપર્વત ઉપરનો એક દ્રહ सुवर्णकूला नदीके उद्गम स्थान शीखरीपर्वत परका एक द्रह A lake on the mount Śikharī, from which issues out the river Suvarnakūlā ज० प० सम० १०००; **पव्वय.** पु० (–पर्वत) એ નામનો પર્વત; શેત્રુંજો इस नामका पर्वत, शेत्रुंजा–शत्रुंजय. A mountain so named. नाया० ५; —**महारिसि.** पु० (–महर्षि) પુંડરીક નામના મુનિ पुंडरीक नामक मुनि. A sage named Pundarīka. नाया० १६; —**गुम्म** पु० (–गुल्म) આઠમા દેવલોકનુ એક વિમાન; એની સ્થિતિ અઢાર સાગરોપમની છે, એના દેવતા નવ મહિને શ્વાસોચ્છ્વાસ લે છે; એને અઢાર હજાર વર્ષે ક્ષુધા લાગે છે. आठवें देवलोकका एक विमान, यह अठारह सागोपम स्थितिका है, इसके देवता नौ महिने श्वासोच्छ्वास लेतेहै और अठारह सहस्र वर्षोंमें उन्हे क्षुधा लगती है. A celestial abode so named of

the 8th Heaven; its gods live for 18 Sāgaropamas, breathe once in 9 months and feel hungry in 18000 years. सम० १८;

पुंवेश्र. पु० (पुवेद) પુરૂષ વેદ. पुरुष वेद. Masculine inclination. प्रव० १३; ७०१; ७१०;

पुंवेद पुं० (पुवेद) પુરૂષ વેદ पुरुष वेद Masculine inclination. सम० २१;

पुंस. पु० (पुस्) પુરૂષવેદ, જેના ઉદયથી સ્ત્રીની અભિલાષા થાય તે. पुरुषवेद, जिसके उदयसे स्त्रीकी अभिलाषा होती है. Masculine inclination. क० ग० २, २६;

पुसकोइलग. पु० (पुंस्कोकिल) નર કોયલ. नर कोकिल. Male cuckoo. भग० १६, ६;

पुक्कती. स्त्री० (पौक्कती) પુક્કલ દેશમાં જન્મેલી સ્ત્રી. पुक्कल देशमें जन्मी हुई स्त्री. A woman born in Puskala country. भग० ६, ३३;

पुक्खर. न० (पुष्कर) કમલ. कमल Lotus. श्रोव० १०; जीवा० ३, १; पन्न० २; १५; ज० प० कप्प० ५, ११६; (२) માદલ વગેરે વાજીંત્ર ઉપર મઢેલું ચામડું. Skin fixed over a drum etc. राय० ४८; ज० प० ५, ११६; १२०; (३) કમલવાળુ તળાવ. कमलवाला तालाव. A pond having lotuses. श्रणुजो० १३१; કાલો દધિને ફરતો ત્રીજા નંબરનો પુષ્કર દ્વીપ અને તેને ફરતો ત્રીજો પુષ્કર સમુદ્ર. कालोदधिके चहुँ ओरका तीसरे नवरवाली पुष्कर द्वीप और उसको परिक्रमा देनेवाला तीसरा पुष्कर समुद्र. The third Puṣkara island surrounding kālodadhi and the 3rd sea surrounding it. भग० ५, १; प्रव० ८५; श्रणुजो० १०३; ठा० ३, १; —उद-श्र. पुं० (-उदक) પુષ્કરોદક નામનો સમુદ્ર. पुष्करोदक नामक समुद्र. A sea named Puṣkarodaka. जीवा० ३, ४, सू० १६; —पत्त. न० (-पत्र) કમલ પત્ર. कमलपत्र. A lotus-leaf. कप्प० ५, ११६; जं० प० २, ३१;

पुक्खरद्ध. न० (पुष्करार्द्ध) ત્રીજા પુષ્કર દ્વીપનો અર્ધ ભાગ; અર્દ્ધ પુષ્કર દ્વીપ. तीसरे पुष्कर द्वीपका श्राधा हिस्सा; श्रर्द्ध पुष्कर द्वीप. Half of the 3rd Puṣkara island. भग० २, ६; ६, २, विशे० ३४५;

पुक्खरवर. पु० (पुष्करवर) એ નામનો ત્રીજો દ્વીપ. इस नामका तीसरा द्वीप. The third island so named. जीवा० ३, ४; भग० ६, २; सू० प० १६; (२) પુષ્કરવર સમુદ્ર. पुष्करवर समुद्र. The sea Puṣkaravara. जीवा० ३, ४;

पुक्खरसारिया. स्त्री० (पुष्करसारिका) એક જાતની લિપિ, અઢાર લિપિમાંની એક. एक जातिकी वर्णमाला लिपि; श्रठारह लिपियोंमेंसे एक. One of the 18 kinds of script. पन्न० १;

पुक्खरिणी. स्त्री० (पुष्करिणी) વર્તુળ; ગોળ આકારે તથા જેમાં કમળ થતાં હોય એવું જળાશય-વાવ. वर्तुल; गोलाकर कमलयुक्त जलाशय. A circular well, pond having lotuses. ठा० २, ४; श्रोव० ३८; सूय० २, १, २; श्रणुजो० १३४; उत्त० ३२, ३४, प्रव० १४६२; नाया० १; २; भग० ५, ७; ८, ६; १३, ६; जीवा० ३, १; पन्न०. २; ज० प०

पुक्खल. न० (पुष्कर) કમળ. कमल. Lotus. सूय० २, १, २; २, ३, १८,

पुक्खलसंवट्टश्र. पुं० (पुष्कलसंवर्तक) એ નામનો મહામેઘ; ઉત્સર્પિણી કાળમાં બીજો આરો બેસતાં જે વરસાદ વરસે છે તે.

इस नामका महामेघ, उत्सर्पिणी कालमें दूसरे आरेके बैठतेही बरसेनेवाली बरसात–वर्षा. A huge cloud so named which sheds rain when the 2nd Ārā (part of a cycle of time) of an aeon of increase closes. भग० ५, ७, ठा० ४, ४; जं० प० ३, ३८;

पुक्खला. स्त्री० (पुष्कला) पुष्कलावती नामनी महाविदेहनी એક વિજય. पुष्कलावती नामक महाविदेहकी एक विजय. A territory of Mahāvideha named Puskalavati. ठा० २, ३;

पुक्खलावई. स्त्री० (पुष्कलावती) એ નામની મહાવિદેહની એક વિજય. एस नामकी महा विदेहकी एक विजय. A territory of Mahāvideha named Puskalāvati. ठा० २, ३; **—विजय.** पु० (-विजय) પૂર્વ મહાવિદેહમાં એ નામની વિજય છે. पूर्व महाविदेहमें इस नामकी विजय है. A territory of Mahāvideha named Puskalāvati. नाया० १४, १६,

पुक्खलावती. स्त्री० (पुष्कलावती) સીતામુખ વનની પશ્ચિમે અને એક શૈલ વખારા પર્વતની પૂર્વે બન્ને વચ્ચેનો ક્ષેત્ર વિભાગ, મહાવિદેહાન્તર્ગત એક વિજય. सीतामुख वनकी पश्चिमी दिशामें और एक शैल वखारा पर्वतकी पूर्व दिशाके इन दोनोंके बीचका क्षेत्र भाग, महाविदेहान्तर्गत एक विजय. A territory inside Mahāvideha, which is to the west of Sītā mukha forest, east of the Ek Śaila vakhārā mount and between these two. जं० प०

पुक्खलावत्त. पु० (पुष्कलावर्त) પંકાવતી નદીની પૂર્વે અને એક શૈલ વખારા પર્વતની પશ્ચિમે બન્નેની વચ્ચેનો ક્ષેત્ર વિભાગ; મહાવિદેહાન્તર્ગત એક વિજય. पंकावती नदीके पूर्व और एक शैल वखारा पर्वतकी पश्चिम दोनोंके मध्यका क्षेत्र विभाग, महाविदेहान्तर्गत एक विजय. A territory inside Mahāvideha, east of the river Pankāvati and west of the Ek Śaila Vakhārā mount and between these two. जं० प०

पुक्खलावत्तकूड. पुं० (पुष्कलावर्तकूट) એક શૈલ વખારા પર્વતના ચાર કૂટમાંનું ત્રીજું કૂટ–શિખર. एक शैल वखारा पर्वतके चार कूटों मेंसे एक तीसरा शिखर–कूट. The 3rd of the four peaks on the Ek Śaila Vakhārā mountain जं० प०

पुक्खाप्फोडिय. न० (”) શરીરની ચામડી ઉતારવી તે. खाल खींचना; शरीरकी चमड़ी उधेड़ना Flaying "इम पुक्खाप्फोडिय कोह" सूय० २, २, ६३;

पुग्गल. पु० (पुद्गल) વર્ણ, ગંધ, રસ અને સ્પર્શવાળુ પુદ્ગલ નામનું એક મૂર્ત દ્રવ્ય, ૭ દ્રવ્યમાંનું એક. वर्ण, गंध, रस और स्पर्शवाला पुद्गल नामक एक मूर्त द्रव्य है; छ द्रव्योंमेंसे एक A material molecule having colour, smell, taste and touch, one of the 6 substances. उत्त० २८, ७, अणुजो० ३१; दस० ८, ६; सू० प० ४; राय० २६, क० ग० १, ३५; कप्प० २, २६; (२) ગર્ભ; ફળનો સુંહાળો મધ્ય ભાગ गर्भ, फलके मध्यका मनोरम अंश. The interior, heart of a fruit. आया० २, १, १०, ५६; (३) લોકના સર્વ પુદ્ગલો એક જીવ જેટલા વખતમાં ભોગવી લ્યે તેટલો કાળ; પુદ્ગલ પરાવર્ત નામે કાલ વિભાગ. लोकके सर्व पुद्गलोंके एक जीव भोग परिमित काल; पुद्गल परावर्त नामक काल विभाग A period of time in which a soul endures all the

molecules of the universe. क० गं० ५, ८४; —द्ध. न० (–अर्द्ध) अर्ध पुद्गल परावर्तन. अर्ध पुद्गल परावर्तन. Change of half molecule. क० गं० ५, ८४; —परियट्ट. न० (–परिवर्त) सर्व पुद्गलोनुं परावर्तन, जेटला काळमां एक जीव करी शके तेटलो काळ; अनंतकाळ चक्र परिमित एक काळ विभाग. वह समय जिसमें सर्व पुद्गलोंका परिवर्तन एक जीव करसके, अनंतकाल चक्र परिमित एक काल विभाग. A period of time in which a soul can change all the molecules. भग० ८, ६; —विवागी. स्त्री० (–विपाकी) पुद्गलना योगथी विपाक पामनारी कर्मनी छत्रीश प्रकृतिओ. पुद्गलके योगसे विपाक प्राप्त करनेवाली कर्मकी छत्तीस प्रकृतियाँ. The 36 natures of karmic matter which mature when coming in contact with the molecules. क० गं० ५, २१;

पुश्रड. त्रि० (*) पोचुं. ढीलुं पोचा, ढीला, नरम. Loose; soft. पण्ह० १, १;

√पुच्छ. धा० I. (प्रच्छ्) पूछवुं; प्रश्न करवो. पूंछना, प्रश्न करना. To ask; to enquire.

पुच्छए पिं० नि० १६६;
पुच्छइ नाया० २, नंदी० राय० ४७, निसी० १६, ६; उवा० १, ५८;
पुच्छंति. नाया० २, भग० ५, ४; दसा० ६, २; राय० २३२;
पुच्छसि. उत्त० १८, ३२;
पुच्छामो. भग० ५, ४; नाया० ५,
पुच्छिज्जा-ज्ज. उत्त० १, २२; २६, ६; दस० ८, १४; ४४;
पुच्छ. पिं० नि० १६८;
पुच्छउज्जए. भू० पिं० नि० १६२;
पुच्छिंसु. भू० आया० १, ६, २, ११;
पुच्छिस्सामि. भ० भग० ५, ४; १८, १०;
पुच्छिस्सामो. राय० ४२;
पुच्छिस्सम् सु० च० १, २७१;
पुच्छित्ता. स. कृ. दसा० १०, १;
पुच्छइत्ता. नाया० २; १३;
पुच्छिउणं. पिं० नि० ४६६;
पुच्छिउं. हे. कृ सु० च० १, २७३;
पुच्छित्तए. हे. कृ. नाया० १; भग० २, १, ७, १०; १६, ५; १६, ७; वव० ७, १;
पुच्छमाण व. कृ. ठा० ४, २; उत्त० १, २३;
पुच्छिज्जाइ. व. कृ. भग० २६, १;
पुच्छिज्जंति. व. कृ. भग० ३५, २; पन्न० २८;

पुच्छ. न० (पुच्छ) पुंछडुं; पुंछडी. पूँछ; पुच्छ, दुम. A tail. सूय० २, २, ६; आया० १, १, ६, ५३; उत्त० २७, ४; नाया० १; जीवा० ३, ४; जं० प० निसी० ७, २६;

पुच्छअ. त्रि० (पृच्छक) पूछनार. पूंछनेवाला, प्रश्नकर्ता. An enquirer; a questioner. पिं० नि० १२६;

पुच्छणा स्त्री० (पृच्छना) प्रश्नादि पूछवा ते. प्रश्नोंका पूंछना. Enquiring. अणुजो० १३; ओव० २०; नाया० १; भग० २, ५; पण्ह० २, ३;

पुच्छणी स्त्री० (पृच्छनी) प्रश्नादि पुछवानी भाषा. प्रश्नादि पूंछनेकी भाषा Language of putting question. दसा० ७, २; ठा० ४, १; भग० १०, ३; पन्न० ११; प्रव० ६०१; (२) छत; छापरुं. छत. Roof. जीवा० ३, ४;

पुच्छा. स्त्री० (पृच्छा) परपुछ करवी; पुछवुं. छानबीन करना, पूंछना, शोध लगाना. Enquiry. जं० प० ७, १४२; ठा० ४, ३; अणुजो० १३४; नाया० ८; नाया० ध० २; भग० १,

१; ६; २ १; ५, २; ७, २, ६, ३४; २५, ३-४; पिं० नि० ५१; १६०, ३८१, विशे० २६३०; पन्न० ४; २८; सू० प० १६, निसी० १६, १०; व्वा० ३, १२७,

पुच्छिय. त्रि० (पृष्ट) પૂછેલું; પ્રશ્ન કરેલું पृष्ट, पूछाहुआ. Enquired. ओव० ४१, भग० २, १-५; पिं० नि० १३७, व्वा० ७ १८१, कप्प० ४, ७२; —ट्ठ. पु० (-अर्थ) જેણે અર્થ પુછયા હોય તે. वह जिसने अर्थ पूछा हो. (one) who has enquired a meaning. नाया० १; भग० २, ५, सूय० २, ७, ३;

पुच्छियव्व. त्रि० (पृष्टव्य) પૂછવુ पूछना Asking. भग० ६, ८; २५, ४, वव० २, २२-२३-२४;

पुज्ज. त्रि० (पूज्य) પૂજવા યોગ્ય, પૂજનીય पूज्य, पूजनीय. Adorable उत्त० १, ४७; ५, २६, विशे० ५६; ६३३, नाया० ७, दस० ६, ३, १; सु० च० ८, १२०; भत० ६६; क० ग० १, ४७;

पुट्टिल. पु० (पोट्टिल) મહાવીર સ્વામિનો એક શ્રાવક. महावीर स्वामिका एक श्रावक. A layman follower Mahāvīra Svāmī. प्रव० ४६५; —जीव पु० (-जीव) પોટ્ટિલ નામે શ્રી વીર પ્રભુનો શ્રાવક તેનો જીવ, કે જે આવતી ચોવીસીમા ચોથા સ્વયપ્રભ નામે તીર્થંકર થશે. पोट्टिल नामक श्रीवीर प्रभुके श्रावकका जीव जो आगामी चौवीसीमें चौथा स्वयप्रभ नामक तीर्थंकर होगा. A layman named Pottila- a follower of Śrī Vīra Prabhu whose soul will be born as the 4th Tīrthankara named Svayaṃ Prabha in the coming cycle प्रव० ४६५;

पुट्ठ. त्रि० (पृष्ट) પૂછેલ. पूछाहुआ; विचाराहुआ. Asked. उत्त० १, १४, दस० ८, २२, पण्ह० १, २; सु० च० १, २७, ५६; भग० ५४; पचा० १०, ३३; —लाभिय. पु० (-लाभिक) "હે સાધો, આપને શું આપું?" એમ પુછનાર દાતા આપે તોજ લેવુ એવા અભિગ્રહથી ગવેષણા કરનાર. हे साधो! आपकी क्या सेवा करूं? इसभाँति पूछनेवाला दाता यदि कुछ दे तभी ग्रहण करनेका सकल्प लेकर फिरनेवाला (one) who goes about begging food with the vow that he would accept only when the giver says "oh ascetic! what may I give you?" ओव० १६, ठा० ५, १, (२) "નિર્દોષ છે કે સદોષ છે" એમ પુછી પુછીને આહાર લેનાર. (साधु) "निर्दोष है या सदोष" इस बातका पता लगाकर आहार लेनेवाला (साधु). An ascetic who takes food asking whether it is faultless or otherwise पण्ह० २, १. —वागरणि पुं०(-व्याकरणिन) પ્રશ્નોનો ઉત્તર દેનાર. प्रश्नोंका उत्तर देनेवाला (one) who answers a question. दसा० ७, १,

पुट्ठ. त्रि० (पुष्ट) માતો; શરીરે ભરેલો, પુષ્ટ. मोटा, पुष्ट, स्थूल काय. Fat, stout उत्त० ७, २; दसा० १०, ३; नाया० ३;

पुट्ठ. त्रि० (स्पृष्ट) સ્પર્શ કરેલ; ફરસેલ. स्पृष्ट, छुआहुआ, Touched. जं० प० ६, १२४, ७, १३७, आया० १, १, ४, ३७; १, ३, ३, १२०, १, ६, २, १८४, १, ६, ४, १६१; १, ८, ७, ८; सूय० १, १, २, २५; ठा० २, ३, उत्त० २, ४; भग० १, ६; २, १, ३, ३, ५, २-४, ८, ८; १३, ४, १६, १; ६, १७, १; ४; विशे० ३३६; २५१३; दस० ७, ५; प्रव० १०५८; क० गं० ५, ८८;

पुट्ठवया. स्त्री० (प्रौष्ठपदा) પૂર્વાભાદ્રપદા તથા ઉત્તરાભાદ્રપદા નક્ષત્રનું નામ. पूर्वाभाद्रपदा तथा उत्तराभाद्रपदा नक्षत्रका नाम. Name of Pūrvā Bhādrapada and Uttrā Bhādrapadā constellation सू० प० १०;

पुट्ठसेणिश्रा. स्त्री० (पृष्ठश्रेणिका) પૃષ્ઠ શ્રેણીની ગણના; દ્રષ્ટિવાદાન્તર્ગત પરિકર્મનો એક ભાગ. पृष्ठश्रेणिकी गणना, दृष्टिवादान्तर्गत परिकर्मका एक भाग. A division of Parikarma coming in Drṣṭivāda. सम० १२; **—परिकम्म.** न० (-परिक र्न्) દ્રષ્ટિવાદના પરિકર્મનો ત્રીજો ભેદ. दृष्टिवादके परीकर्मका तीसरा भेद. The 3rd variety of Parikarma of drstivāda. नंदी० ५६;

पुट्ठा सं० कृ० श्र० (पृष्ट्वा) પૂછીને. पूछकर; विचारकर. Having asked श्राया० १, ७, २, २०४,

पुट्ठापुट्ठ. (पृष्टापृष्ट) વિચ્છેદ ગયેલા બારમા દષ્ટિવાદ અંગના બીજા વિભાગસૂત્રનો ૧૪મો ભેદ. विच्छेद प्राप्त बारहवें दृष्टिवादअंगके दूसरे विभागसूत्रका चौदहवाँ भेद. The 14th part of the 2nd Vibhāga Sūtra of the 12th Drṣṭivāda Aṅga which is lost. नंदी० ५६;

पुट्ठावत्त. न० (पुष्टावर्त) પુટ્ઠસેણિઆ પરિકર્મનો ૧૪મો ભેદ. पुट्ठसेणिश्रा परिकर्मका १४वाँ भेद. The 14th part of Putthaseniya Parikarma. नंदी० ५६;

पुट्ठि. स्त्री० (पुष्टि) પુષ્ટિ; મજબુતાઇ. पुष्टि, मजबूती. Strength; durability. विशे० २२१, पण्ह० २, १; **—कर.** त्रि० (-कर) પુષ્ટિ કરનાર. पुष्टिकर्त्ता. Tonic. गच्छा० ६२;

पुट्ठिश्रा. स्त्री० (पृष्टिजा) કુયુક્તિથી પ્રશ્ન કરતાં લાગતી પાપક્રિયા. कुयुक्तिपूर्वक प्रश्न करनेसे लगनेवाली क्रिया. Sin incurred by asking a question full of evil reason. ठा० २, १;

पुट्ठिमाइ. पु० (पुष्टिमायिन्) (१) અણુત્તરોવવાઇ સૂત્રના ત્રીજા વર્ગના સાતમા અધ્યયનનું નામ. (૨) કાકંદી નગરી નિવાસી ભદ્રાસાર્થવાહીના પુત્ર કે જે દીક્ષા લઇ છઠ્ઠ છઠ્ઠના પારણાની પ્રતિજ્ઞા લઈ ઘણા વર્ષ પ્રવ્રજ્યા પાળી એક માસનો સથારો કરી સર્વાર્થસિદ્ધ વિમાને પહોંચ્યા; ત્યાંથી એક અવતાર કરી મોક્ષે જશે. श्रणुत्तरोववाइ सूत्रके सातवें अध्ययनका नाम; काकन्दी नगरी निवासी भद्रासार्थवाहीके पुत्र जो दीक्षा लेकर छठ २ के पारणोंका सकल्प कर कई वर्षोंतक प्रव्रज्या पालनकर एक मासके सथारेके पश्चात् सर्वार्थसिद्ध विमानमें पहुँचे, वहाँसे एक अवतारके अनन्तर मोक्षको प्राप्त होंगे. Name of the 7th chapter of the 3rd group of Aṇuttarovavāyi Sūtra. Son of a merchant of Kākandī city who being initiated practised a particular penance remained an ascetic for many years and after fasting for a month was born in Sarvārtha celestial abode. Thence after one incarnation he will attain Salvation. श्रणुत्त० ३, ७;

पुड. पु० (पुट) છીપનું સપુટ. छीपका संपुट. A cavity of mother of pearl. (२) પડો. पुड; पुट, दल; फाँक. A fold; a piece. जं० प० ५, ११४; पण्ह० २, ५; जीवा० ३, ४; राय० ५६; उवा० २, ९४;

—अंतर. न० (-अन्तर) सरखे सरखी बे वस्तुना जोडलानु अन्तर. दो समान वस्तुके योगका अन्तर. A cavity between two evenly joined articles. राय० १४४;

पुडई. स्त्री० (पुटिका) ए नामनो गुच्छो; एलची. इस नामका गुच्छा; एलची. Cardamoms. पन्न० १,

पुडग. पु० (पुटक) नाकना नसकोरा. नारिकाके नथुने, नासिकापुट. Nostrils. उवा० २, ६४;

पुडपाग पु० (पुटपाक) अमुक रसनो पुट आपी अग्निमां पकवेल औषधि. अमुक रसका पुट देकर अग्निमें पकाई हुई औषधि A medicine prepared on a fire being coated with a particular juice. विवा० १;

पुडपाय पुं० (पुटपाक) जुओ "पुडपाग" शब्द. देखो "पुडपाक" शब्द. Vide "पुडपाक." नाया० १३;

पुडपुडी. स्त्री० (पुटपुटी) अगुठो तथा आंगणीथी चपटी वगाडवी ते अंगूठे या अंगुलियो द्वारा चुटकीका बजाना. Snapping the two fingers. प्रव० ४४२;

पुडभेयण. न० (पुटभेदन) नाना देशोमांथी आवेल (करीयाणु) ज्यां वेचाय ते; नगर. नाना देशोंसे आयाहुआ किराना जहां विक्ता हो वह नगर. A city market where commodities brought from different places are sold. वेय० १, ६;

पुडय. न० (पुटक) एक पात्रमां पाडेल जुदा जुदा खाना-खड. एक पात्रके भिन्न २ खाने-पुड, पुट Partitions made in a vessel. भग० ३, २. (२) नाकना नसकोरा. नाकके नथुने. Nostrils. उवा० २, ६४,

पुढवी. स्त्री० (पृथिवी) पृथ्वी; भूमि; जमीन; रत्नप्रभा वगेरे आठ पृथ्वी पृथ्वी; भूमि, जमीन; रत्नप्रभा आदि आठ पृथ्वी. The earth. अणुजो० १०३; १३४; ठा० २, ४, उत्त० ६, ४६; २६, ३०; ३६, ६६; सम० १, सूय० १, १ १, ७, आया० १, ६, १, १२; ओव० दस० ४, ८, २; १०, १, २-४, पन्न० १; १५; गच्छा० ७५; क० प० २, ७४, उवा० ६, १६४, ज० प० ७, १५१; भग० १, ५, २, १; ३; ५, ८; ७, ३-६; १५, १; १७, ७; निसी० ७, १६, १३, १, १४, ३४; १६, २०-२६; दसा० २, १५-१६; पिं० नि० भा० ६; जीवा० ३, ४; नदी० १८; सु० प० १०; राय० ४; (२) ईशानेन्द्रना लोकपाळ सोमनी पहेली पट्टराणी. ईशानेन्द्रके लोकपाल सोमकी पहिली पटरानी. The 1st principal queen of the Lokapāla Soma of Īśānendra. ठा० ४, १; (३) भगवतीसूत्रना पहेला शतकना पांचमा उद्देशानु नाम भगवती सूत्रके प्रथम शतकके पाँचवें उद्देशाका नाम. Name of the 5th Uddeśā of the 1st century of Bhagavatī Sūtra. भग० १,१; (४) भगवतीना बीजा शतकना बीजा उद्देशानुं नाम भगवतीके दूसरे शतकके दूसरे उद्देशाका नाम. Name of the 2nd Uddeśā of the 2nd century of Bhagavati Sūtra. भग०२,१,

—उद्देस. पु० (-उद्देश) पृथ्वी सबधी; जीवाभिगम सत्रनो उद्देशो. पृथ्वी सम्बन्धी जीवाभिगमसूत्रका उद्देश. An Uddeśā of Jīvābhigama Sūtra related to the earth भग० २, ३; —कम्म. न० (-कर्मन्) पृथ्वी आश्री क्रिया; जमीन खोदवी वगेरे क्रिया पृथ्वी सम्बन्धी क्रिया, जमीन खोदनेका काम आदि. Work

related to the earth *e. g.* digging etc. आया० १, १, २, १५ —काइय. पु० (-कायिक) પૃથ્વીમાં ઉત્પન્ન થયેલ જીવ. पृथ्वीमें पैदाहुए जीव. Earth-embodiment. भग० १, १; २; ५; ६, १; १७, ७; ३३, १; ठा० १, १; अणुजो० १३४, दस० ४; पन्न० १; —काइयत्त. न० (-कायिकत्व) પૃથ્વી કાયપણું. पृथ्वीकाय भाव. The state of earth embodiment. भग० ६, ५; ६, ६, १२, ४; २०, ६, —काय पु० (-काय) પૃથ્વીના જીવોનું શરીર; સચિત્ત પૃથ્વી. पृथ्वीके जीवोंका शरीर, सचित्त पृथ्वी. Body of the living beings of the earth उत्त० १०, ५, भग० ६, ५; ७, १०; १६, ३; निसी० १४, ४०; दस० ६, २७; सम० ६, आव० ४, ७, —कायसमारंभ. पु० (-कायसमारम्भ) પૃથ્વી કાયનો આરંભ. पृथ्वीकायका आरंभ. Injury to the earth-embodiment दस० ६, २६; —काल. पु० (-काल) એક જીવ પૃથ્વીમાં નિરંતરપણે-જેટલો વખત રહે તેટલો કાલ, અસંખ્યાત ઉત્સર્પિણી અવસર્પિણી પરિમિત કાલ जितने समय-काल तक एक जीव पृथ्वीपर निरंतर रूपसे रहे उतना समय-काल; असंख्यात उत्सर्पिणी अवसर्पिणी परिमित काल. A period of time during which a soul lives on the earth eternally. भग० ८, ६; —जीअ. पु० (-जीव) પૃથ્વીકાયના જીવ. पृथ्वीकायके जीव Living beings of earth-embodiment प्रव० ८१०, —जीव. पु० (-जीव) પૃથ્વીમાં રહેનાર જીવ. पृथ्वीमें रहनेवाला जीव. Living beings of the earth. दस० ५, १, ६८, —पइठिय. त्रि० (-प्रतिष्ठित) પૃથ્વીને આશરે રહેલ. पृथ्वीके सहारे रहाहुआ. Established on the earth. निसी० १७, २५; —परिणाम पुं० (-परिणाम) પૃથિવીનો વિકાર. पृथ्वीका विकार. A change of the earth. जं० प० ७, १५६; भग० ६, ५; —सत्थ. न० (-शस्त्र) પૃથ્વીરૂપ શસ્ત્ર. पृथ्वीरूप शस्त्र. A weapon in the form of the earth. आया० १, १, २, १५; —सम त्रि० (-सम) દુઃખ સુખ સહન કરવામાં પૃથિવી તુલ્ય; સહનશીલ. दुःख सुख सहन करनेमें पृथ्वीके समान; सहिष्णु. Like the earth in enduring pain or pleasure दस० १०, १, १३; —सोअ. न० (-शौच) માટીથી થતી પવિત્રતા. मिट्टीसे होनेवाली पवित्रता. Purity caused by earth. ठा० ५, ३;

पुढवीवडंसअ. न० (पृथ्व्यवतंसक) એ નામનો એક બગીચો. इस नामका एक बगीचा. A garden so named. विवा० ६;

पुढवीसिरी. स्त्री० (पृथ्वीश्री) એક સ્ત્રીનું નામ एक स्त्रीका नाम. Name of a woman. विवा० १०;

पुढवीसिला. स्त्री० (पृथ्वीशिला) શીલારૂપે લાંબો પહોળો પૃથ્વીનો પ્રદેશ. शिलारूप लम्बा चौड़ा पृथ्वी प्रदेश. A wide and long strip of land. आया० २, ७, २, १६१; दसा० ७, १, भग० ३, २; —पट्टय पु० (-पट्टक) પૃથ્વીની શીલા રૂપ પાટ. पृथ्वीकी शिलारूप पाट A wide strip of land in the form of a slab. नाया० ५; ८; ६; १४; १६; दसा० ५, ७;

पुढोभूय. त्रि० (पृथग्भूत) જુદું થયેલું. पृथक्-विलग हुआ हुआ, विलगित Separated. सु० च० १२, ३०;

पुढो. अ० (पृथक्) અનેક. अनेक Many. सूय० १, १, २, १; उत्त० ३, २; आया०

१, १, २, १४; १, १, ३, २८; (२) મ્હોટું; વિસ્તારવાળું. मोटा; विस्तृत. Big; extensive. भग० १, २, ६, ६७, —जग. त्रि० (—गत) ભિન્ન ૨ નરકાદિ સ્થાનને પામેલ. भिन्न २ नरकादि स्थान प्राप्त-पायाहुआ. (one) who has reached different hell etc. places सूय० १, २, १, ४; —वेमाया. त्रि० (—विमात्रा) અનેક પ્રકારનું. अनेक प्रकारका, विविध. Of different kinds ठा० ४, ४;

पुण अ० (पुनर्) વારવાર; ફરી, વળી. बारबार, पुन. पुन, औरभी. Again and again. अणुजो० ३; १२८; सूय० १, १, २, १; भग० १, ३–१०, ३, १, ५, ५; ६, ३१; १२, १०, १५, १, २०, ८, नाया० ७; ६; ११; ओव० २७, निसी० ६, १२; विशे० १०; वेय० २, २, पिं० नि० भा० १; पिं० नि० ८७, दस० ४, ६, २, १६, सु० च० ४, १२४, क० ग० ३, १२; २०; प्रव० ७५; —उवओग. पु० (—उपयोग) ફરીથી-કાલાન્તરે થતો ઉપયોગ. कालान्तरमें होनेवाला उपयोग A use that is to hold good at some other time. विशे० १८८,

पुणब्भव पु० (पुनर्भव) ફરી જન્મ લેવો તે, પુનર્જન્મ. पुनर्जन्म, फिरसे पैदाहोना. Taking re birth. सूय० २, २, ८१; ओघ० नि० ८०५; ओव० ४३; दस० ८, ४०, पन्न० २,

पुणरवि. अ० (पुनरपि) વળી પણ; ફરીને પણ. औरभी, पुनश्च. Also; ever again. नाया० १; ५; ८; ६; १४; १८; भग० २, १; ६, ७; ८, ६; ११, २०, ६; २४, १; दसा० १०, ८–६; उवा० ७, २१४;

पुणरुत्त. न० (पुनरुक्त) પુનરુક્તિ દોષ; ફરીથી કહેવું તે. पुनरुक्ति दोष, दुहराकर कहना. Tautologise. विशे० २२६०; सु० च० ४, २००, २५७;

पुणव्वसु. पु० (पुनर्वसु) પુનર્વસુ નામનું નક્ષત્ર. पुनर्वसु नामक नक्षत्र. A constellation named Punarvasu. जं० प० ७, १५५; सू० प० १०; सम० ५; अणुजो० १३१; ठा० २, ३, (२) દશમા તીર્થંકરને પ્રથમ ભિક્ષા આપનાર ગૃહસ્થ. दसवें तीर्थंकरको सर्व प्रथम भिक्षा देनेवाला गृहस्थ. A householder who first of all gave alms to the 10th Tirthankara. सम० प० २३२; (३) આઠમા વાસુદેવના ત્રીજા પૂર્વ ભવનું નામ आठवें वासुदेवका तीसरे पूर्व भवका नाम. Name of the 3rd previous birth of the 8th Vāsudeva सम० प० २३६;

पुणाइं अ० (पुनर्) વળી, ફરી. और; फिर; पुन. Again. उवा० २, ११६; ६, १७४,

पुणो. अ० (पुनर्) ફરીથી, બીજીવાર फिरसे, दुबारा, दूसरीबार Again. उत० १, १२–४१, नाया० १, १, १, ४, सूय० १, १, १, १५, सम० २०; नाया० १; २, ६, दस० ५, १, ६१; ६, ५३;

पुण्ण. न० (पुण्य) શુભ કરણીથી સચિત થતુ શુભ કર્મ કે જેનુ પરિણામ જીવને સુખરૂપ આવે છે, નવ તત્વમાનુ ત્રીજુ તત્વ. शुभ कार्योंद्वारा सचित शुभ कर्म जिसका परिणाम जीवके लिए सुखप्रद होता है, नौ तत्वोंमेंसे तीसरा तत्व. Merit that results from good deeds and which leads to happiness, one of the nine realities. उत्त० २८, १४, ओव० ३४, ठा० १, १; सूय० १, १, १, १२; २, ५, १२, सम० १, भग० १, ७; २, ५, नाया० १८, दस० ४, १६; ५, १, ४६; पिं० नि० २२८, विशे० २००६; राय० २२४; क० ग० १, १५, उवा० २, ६५, (२) त्रि० પુણ્યથી પામવા યોગ્ય. पुण्यद्वारा प्राप्त होने

योग्य. To be got by merits गच्छा० २५; (३) પવિત્ર; ઉત્તમ; પુણ્યશાળી. पवित्र; उत्तम, पुण्यवान. Holy, meritorious. माया० १, २, ६, ११०; जं० प० ५, ११२; ११७; पंचा० १५, २०;
—संजुअ. त्रि० (-संयुत) પુણ્યવાળુ. पुण्यात्मा; पुण्यवाला. Meritorions. पंचा० ७, ३६;

पुराग. त्रि० (पूर्ण) સમ્પૂર્ણ; સમસ્ત. सम्पूर्ण; सब; समस्त. Whole; full; all ठा० ४, ४; नाया० १; ८, १०; ११; भग० १, ६; २, २; ३, ३; ८; १३. ४, १५, १; ओघ० २३; ३१; उत्त० १२, १३; सम० ३२; ओघ० नि० भा० ८५; दसा० १०, ७, कप्प० ३, ४१; पंचा० ८, २२; उवा० २, १०७; (२) દક્ષિણ તરફના દ્વીપકુમારોના ઇન્દ્ર. दक्षिण ओरके द्वीपकुमारोंका इन्द्र. The lord of the Dvīpa Kumārs of the south. पन्न० २; (३) સ્વરની સઘળી કલાયુક્ત ગાવું તે; ગાયનનો એક ગુણ. स्वरकी समस्त कलायुक्त गायन, गायन-गानका एक गुण. A quality of singing; singing in all the terms of the musical notes. अणुजो० १२८,
—उच्छंग. त्रि० (-उत्संग) નાના પ્રકારના માલથી ભરેલ. विविध वस्तुओंसे पूर्ण. Full of different things. नाया० ८
—ओभासि त्रि० (-अवभासिन्) પૂર્ણ નહિ છતાં પૂર્ણ-ભરેલો છે એમ દેખાય તે पूर्ण नहोते हुएभी पूर्ण-भराहुआ दीखनेवाला. That which seems to be filled up. ठा० ४, ४, —कलस. पुं० (-कलश) પાણીથી ભરેલો ઘડો. पानीसे भराहुआ घड़ा. A pot full of water. पंचा० ८, २२; कप्प० ३, ४१; जं० प० ५, ११७;
—चंद. पुं० (-चन्द्र) પુરો ચંદ્ર; પુનમનો ચંદ્ર. पूर्णचन्द्र, पौर्णिमाका चंद्र. The full moon. कप्प० ३, ३८, —प्पमाण. त्रि० (-प्रमाण) પ્રમાણમાં પૂર્ણ. प्रमाणमें पूर्ण. Full in measure. भग० १, ६; ३, ३; ६, ८; —मुह त्रि० (-मुख) મોઢા સુધી ભરેલ. मुंहतक भराहुआ Full to the brim. नाया० १; ८; —सरूव. त्रि० (-स्वरूप) પૂર્ણસ્વરૂપ; સંપૂર્ણ. पूर्ण स्वरूप, संपूर्ण. A full, complete form नाया० १०;

पुराणघोस. पुं० (पूर्णघोष) જમ્બૂદ્વીપના એરવતક્ષેત્રમાં આવતી ઉત્સર્પિણીમાં થનાર ૧૧મા તીર્થંકર. जम्बूद्वीपके ऐरवतक्षेत्रमें आगामी उत्सर्पिणीमें होनेवाले ११वें तीर्थंकर. The 11th would-be Tirthaṅkara to be born in the coming aeon of increase in Airavata kṣetra of Jambūdvīpa. सम० प० २४३;

पुराणभद्द. पुं० (पूर्णभद्र) એક યક્ષ દેવતાનું નામ. एक यक्ष देवताका नाम Name of a Yakṣa god. (२) વાણવ્યંતર જાતિના યક્ષ દેવતાનો ઇન્દ્ર. वाणव्यंतर जातिके यक्ष देवताका इन्द्र. The lord of Yakṣa gods of the Vānavyantara class. ओव० ठा० २, ३; भग० ३, ७; १०, ५; १५, १; पन्न० २; दसा० १, १; २, ६२; (३) ઇક્ષુ સાગરના અધિપતિ દેવતાનુ નામ इक्षु समुद्रके अधिपति देवताका नाम. Name of the presiding deity of Ikṣu ocean. जीवा० ३, ४; (४) અનગડ સૂત્રના છઠ્ઠા વર્ગના ૧૧ મા અધ્યયનનું નામ. अंतगड सूत्रके छठे वर्गके ११ वें अध्ययनका नाम. Name of the 11th chapter of the 6th group of Antagada sūtra. अंत० ६, ११;

(५) વાણિજ્ય ગામ નિવાસી એક ગૃહસ્થ કે જેણે મહાવીર સ્વામી પાસે દીક્ષા લઈ પાંચ વર્ષની પ્રવ્રજ્યા પાળી વિપુલ પર્વત ઉપર સથારો કરી સિદ્ધિ મેળવી. वाणिज्य ग्राम निवासी एक गृहस्थ जिसने महावीर स्वामीसे दीक्षाले पाच वर्षों की प्रव्रज्या पाली, विपुल पर्वत पर संथारा किया और सिद्धि प्राप्तकी. A resident of Vānijjya village who being initiated by the lord Mahāvīra, remained an ascetic for five years and attained salvation after fasting for a mouth on the Vipula mount. अत० ६, ११, (६) ચપા નગરીના બહારનુ એક ઉદ્યાન चम्पा नगरीके वाहरका एक उद्यान A garden outside the city of Champā. अत० १, १, नाया० १, नाया० ध० ४, (७) સંભૂતિવિજયના શિષ્યનું નામ. सम्भूतिविजयके शिष्यका नाम Name of the disciple of Sambhūti Vijaya. कप्प० ८, (८) પુપ્ફિઆ સૂત્રનુ પાચમુ અધ્યયન. पुप्फिआ सूत्रका पाचवा अध्ययन The 5th chapter of Pupphiyā Sūtra. निर० ३, १, —चेइय. न० (-चैत्य) ચપા નગરી બહારનું પૂર્ણભદ્ર નામે ચત્ય-ઉદ્યાન. चपा नगरीके बाहरका पूर्णभद्र नामक चैत्य-उद्यान A memorial garden named Purṇabhadra outside the city of champā. नाया० ६; १२; १५, नाया० ध० ४;

पुराणभद्दकूड. पु० (पूर्णभद्रकूट) વેતાઢ્ય પર્વત ઉપરના નવ કૂટમાનુ છઠ્ઠું શિખર वेताढ्य पर्वत परके नौ कूटोंमेंसे छठा कूट The 6th of the 9 peaks on the Vaitāḍhya mount. ज० प० १, १२; (२) માલવત પર્વતના નવ કૂટમાંનું આઠમુ કૂટ-શિખર. मालवंत पर्वतके नौ कूटों मेंसे आठवॉ कूट. The 8th of the 9 peaks of Mālvanta. ज० प०

पुराणभद्दय. पु० (पूर्णभद्रक) ચંપા નગરીની બહારનો એક બગીચો चम्पा नगरीके बाहरका एक बगीचा. A garden outside the city of champā. भग० ६, ३३;

पुराणमासिणी. स्त्री० (पौर्णमासी) પૂનેમ. पूनम: पौर्णिमा; पूर्णिमा The last date of the bright-half of a month. दसा० ६, २; भग० २, ५, ३, ३; नाया० २; ६; राय० २२५,

पुराणमासी. स्त्री० (पौर्णमासी) પૂર્ણિમા; પૂનેમ. पूर्णिमा, पूनम. The last date of the bright-half of a month. ज० प० ७, १५१; सम० ३६; उत्त० ११, २५, जीवा० ३, ४;

पुराणरक्ख पुं० (पूर्णरक्ष) પૂર્ણરક્ષ નામે એક દેવતા पूर्णरक्ष नामक एक देवता. A god named Pūrṇarakṣa. भग० ३, ७;

पुराणसेण पु० (पूर्णसेन) અણુત્તરોવવાઈ સૂત્રના બીજા વર્ગના તેરમા અધ્યયનનું નામ. अणुत्तरोववाइ सूत्रके दूसरे वर्गके तेरहवें अध्ययनका नाम Name of the 13th chapter of the 2nd group of Aṇuttarovavāi Sūtra. अणुत्त० २, १३, (२) શ્રેણિક રાજાની ધારણીદેવીના પુત્ર કે જે દીક્ષા લઈ ૧૧ અગભણી ગુણરયણ તપ આચરી સોળ વર્ષની પ્રવ્રજ્યા પાળી વિપુલપર્વત ઉપર એક માસનો સંથારો કરી સર્વાર્થસિદ્ધ મહાવિમાને ઉત્પન્ન થયા, ત્યાથી એક અવતાર કરી મોક્ષે જશે. श्रेणिक राजाकी धारिणीदेवीके पुत्र, जिन्होंने दीक्षा लेकर ११ अगोंका अध्ययन किया, गुण-

रयण तप किया, सोलह वर्षकी प्रवज्या पाली, विपुलपर्वतपर एक मासका संथारा किया, और सर्वार्थसिद्ध महाविमानमें उत्पन्न हुए, वहाँसे एक अवतारके बाद मोक्ष प्राप्त करेंगे. Son of the queen Dhāriṇī, wife of the king Śrenika, who being initiated, practised Guṇaiayana austerity, remained an ascetic for 16 years, fasted for a month on the Vipala mountain and was born in Sarvārtha Siddha celestial abode. Thence after one incarnation he will attain salvation. अणुत्त० २, १३,

पुराणा. स्त्री० (पूर्णा) यक्षना इन्द्र पूर्णभद्रनी पट्टराणी. यक्षके इन्द्र पूर्णभद्रकी पट्टरानी. The principal queen of the lord of the Yaksa. ठा० ४, १; भग० १०, ५; नाया० ध० ५; (२) पांचम, दशम अने पुनम तथा अमावास्य ए त्रण पूर्ण तिथि. पचमी, दशमी और पूर्णिमा तथा अमावस्या ये तीन पूर्णा तिथियाँ. The three dates of a lunar month *viz.* 5th, 13th and the last. सू० प० १०;

पुराणाग. पुं० (पुन्नाग) ए नामनुं एक वृक्ष. इस नामका एक वृक्ष A tree so named. नाया० ८, भग० २२, २, पन्न० १; जं० प०

पुरिणमा. स्त्री० (पूर्णिमा) पुनेम. पूर्णिमा; पूनम. The last date of the bright half of a month. जं० प० ७, १५३; १५५; नाया० १०; भग० ११, ११, वेय० १०, २; जं० प० —**चंद.** पुं० (-चन्द्र) पुनेमनो चन्द्रमा. पूर्णचन्द्र, पूनमका चन्द्र. The moon of the last date. नाया० १०;

✓**पुन्-कर.** धा० II. I. (पूत्+कृ) पोकार करवो. पुकारना; पुकार मचाना. To shout.

पुक्करइ. सु० च० ४, २१;

पुक्कारेंति. जीवा० ३, ४; राय० १८३; जं० प० ५, १२१;

पुक्करंति. जीवा० ३, ४;

पुक्कत. पराह० १, २;

पुक्कारंत. सु० च० २, ५३३;

पुत्त. पुं० (पुत्र) पुत्र, दीकरो. पुत्र, लड़का. A son. जं० प० २, ३०; उत्त० १, ३६; ६, ३; ९, २; आया० १, २, १, ६३; २, १, २, १२; सूय० १, १, २, २८, २, २, १२; अणुजो० १२८; ओव० नाया० १, २; ५; ७, ८; ६; १२; १४; १६; १८, भग० ३, १; ७, ६; ८, ५; ९, ३३; १२, २; १६, ५; १८, २; विवा० १; ३; पिं० नि० भा० ३५; पिं० नि० ५०६; दस० ७, १८; जीवा० ३, ३; सु० च० ३, २४५; पंचा० १०, ३०; १७, ३१; भत्त० १३३; उवा० १, ६७; —**णिहि.** पुं० (-निधि) पुत्ररूप भंडार; पुत्रनिधान. पुत्ररूप कोष. 'पुत्रनिधि-आगार. Treasure in the shape of a son. ठा० ५, ३; —**पिवास.** त्रि० (-पिपास) जेने दीकरानी उत्कंठा छे तेवो; पुत्रनी पिपासावाळो. वह जिसे पुत्रकी कामना है, पुत्र कामना-इच्छावाला. (one) who is desirous of getting a son. निर० ३, ४; —**मंस.** न० (-मांस) पुत्रनुं मांस. पुत्रका मांस. Flesh of a son. ठा० ४, ४; —**मारग.** त्रि० (-मारक) पुत्रने मारनार. पुत्रघाती. One who kills a son. नाया० २; —**लाभ.** पुं० (-लाभ) दीकरानो लाभ-जन्म. पुत्रजन्म; पुत्र लाभ.

Birth of a son. भग० ११, ११, नाया० १; कस० १, ७; —विहूण. त्रि० (-विहीन) પુત્ર વિનાનું. पुत्रविहीन. Without a son. सु० च० ४, १४६, —सय. न० (-शत) સો પુત્ર. १०० पुत्र. 100 sons. क प० ७, २१०; —सोश्र. पु० (-शोक) પુત્રનો શોક. पुत्रका शोक, पुत्रशोक. Sorrow for a son. नि० १, १;

पुतंजीवग-य पु० (पुत्रजीवक) જીયાપોત્તા નામનું એક વૃક્ષ કે જેનો ઉપભોગ સંતાનની ઉત્પત્તિ માટે કરવામાં આવે છે पुत्र जीवक नामक एक वृक्ष जिसका उपयोग सन्तानोत्पत्तिके अर्थ किया जाता है. A tree named Jīyāpottā which is used for securing the brith of a son भग० २२, २; पन्न० १;

पुत्तजीव. पुं० (पुत्रजीव) પુત્રનો જીવ; ગર્ભનો જીવ. पुत्रका जीव; गर्भका जीव. The soul of a son. भग० १, ७; —फुड. त्रि० (-स्पृष्ट) ગર્ભના જીવ સાથે નાલથી જોડાયેલી (માતાની નાભિનાળ). गर्भस्थ जीवके साथ नालद्वारा जुडी हुई माताकी नाभिनाल. The umbilical cord. भग० १, ७; —रसहरणी. स्त्री० (-रसहरणी) ગર્ભની નાભિનાળ કે જે વડે ગર્ભમાં પોષણ મેળવે છે. गर्भकी नाभिनलिका जिसके द्वारा गर्भका पोषण होता हैं. The umbilical cord. भग० १, ७;

पुत्तत्त. न० (पुत्रत्व) પુત્રપણું. पुत्रत्व, पुत्रता. The state of a son. भग० २, ५;

पुत्तत्ता. स्त्री० (पुत्रता) પુત્રપણું. પુત્રભાવ. पुत्रता; पुत्रभाव Sonship. भग० ११, ११, १२, ७; १५, १; विवा० १; ५;

पुत्तय. पुं० (पुत्रक) નાનો પુત્ર, બાળક. शिशु, बालक पुत्र. A young child or son. सु० च० १, ६५;

पुत्तलिया स्त्री० (पुत्तलिका) પુતળી. पुतली A puppet सु० च० १५, २२१;

पुत्तवंत. त्रि० (पुत्रवत्) પુત્રવાળો. पुत्रवान्. Having a son सु० च० २, ६१;

पुत्ता. स्त्री० (पुत्री) દીકરી, છોડી पुत्री, कन्या, लड़की. A daughter. नाया० १, ७, ८; नि० १, १;

पुत्तिश्रा स्त्री० (पुत्रिका) દીકરી. लड़की. A daughter. अणुजो० १३०;

पुत्तिया. स्त्री० (पौत्तिका) પૌતિક, ચૌઇંદ્રિય જીવ વિશેષ. पौत्तिक, चतुरिन्द्रिय जीव विशेष. A four-sensed being उत्त० ३६, १४५, (२) મુહપતિ, મુખ વસ્ત્રિકા मुँहपत्ती, मुखवस्त्रिका, मुखपट्टी. A piece of cloth to cover the mouth. प्रव० १७६;

पुत्ती. स्त्री० (पोत्तिका) મુહપત્તી; મોપતી. मुँहपत्ती. A piece of cloth to cover the mouth. प्रव० ५०२;

पुत्ती. स्त्री० (पुत्री) પુત્રી, કન્યા पुत्री; कन्या; सुत. A daughter. सु० च० १, ६५;

पुत्थ. पुं० (पुस्त) પુતળી; ઢીંગલી. पुतली, ढेर, छोटा समूह. A puppet, a heap. पिं० नि० भा० ७, निसी० १२, २०; —कम्म. न० (कर्मन्) ઢીંગલી બનાવવાનું કર્મ. ढेर-ढींग बनानेका काम. The act of making dolls निसी० १२, २०;

पुत्थय. न० (पुस्तक) પુસ્તક पुस्तक, किताब; ग्रन्थ. A book. प्रव० १८; भत० ३१;

पुत्थिय. न० (पुस्तक) પુસ્તક; ગ્રંથ. पुस्तक; ग्रंथ, किताब. A book. सु० च० ६, ४८; गाह. त्रि० (-ग्रह) પુસ્તકને ગ્રહણ કરનાર. પુસ્તક હાથમાં લઇ ચાલનાર. पुस्तकको ग्रहण करनेवाला; पुस्तक हाथमें लेकर चलनेवाला.

(one) who holds a book. भग० ६, ३३;

पुन्न. पुं० (पूर्ण) દ્વીપકુમાર દેવતાનો ઇન્દ્ર. द्वीपकुमार देवताका इन्द्र. Lord of Dvīpa Kumāra gods. ठा० २, ३; (२) त्रि० પરિપૂર્ણ. परिपूर्ण. Full. क० प० ३, ५, कप्प० ३, ३६; ठा० २, ३. विसे० ३=५, —रूव. त्रि० (–रूप) સમ્પૂર્ણ રૂપવાન્. सम्पूर्ण रूपवान्. Of the full form. ठा० ४, ४;

पुन्न. न० (पुण्य) સુકૃત. શુભકર્મ सुकृत, शुभकर्म, पुण्यकर्म Merit. क० गं० ५, १; पिं० नि० ३७=; चउ० ३=; —खंध. पु० (–स्कन्ध) પુણ્યનો જથ્થો. पुण्य-सुकृत समूह An aggregate of merits सूय० २, ६, २६; —प्पयडि. स्त्री० (–प्रकृति) પુણ્ય-શુભ કર્મની ૪૨ પ્રકૃતિ. पुण्य-सुकृतकी ४२ प्रकृति. The 42 natures of meritorious acts. प्रव० ५०; १३००, —भाव. पु० (–भाव) પુણ્ય–સુકૃતનો ભાવ. पुण्य भाव, सुकृतता. The state of a merit. दस० १०, १, १=;

पुन्नघोस. पुं० (पुण्यघोष) એરવત ક્ષેત્રમાં ભાવિ ૨ જા તીર્થંકર. ऐरवत क्षेत्रके भावी द्वितीय तीर्थंकर. The 2nd would-be Tīrthankara in Airawata ksetra. प्रव० ३०१;

पुन्नभद्द. पु० (पूर्णभद्र) જુઓ "પુણ્ણભદ્દ" શબ્દ. देखो "पुण्णभद्द" शब्द. Vide "पुण्णभद्द". निर० १, १;

पुन्नमासी. स्त्री० (पौर्णमासी) પૂર્ણિમા. पूर्णिमा, पूनम. The last date of the bright-half of a month. सू० प० १;

पुन्नाग. पुं० (पुन्नाग) વૃક્ષની એક જાત. वृक्षकी एक जाति. Species of trees. जीवा० १, जं० प० ५, ११२; कप्प० ३, ३७; —वण न० (–वन) પુન્નાગ ઝાડનું વન. पुन्नाग वृक्षका वन. Forest of Punnāga trees. अणुजो० १३१;

पुन्निमा. स्त्री० (पूर्णिमा) પૂર્ણિમા. पूर्णिमा, पूनम. The full moon day. सु० च० २, ३३=; प्रव० १५७४;

पुप्फ. न० (पुष्प) ફુલ. पुष्प, फूल; सुमन. A flower. ओव० २२; अणुजो० १६; १४७, आया० २, ३, ३, १२६, उत्त० ३४, ६; नाया० १; २, =, ६; ११; १३, १६; भग० ३, ४–७, ६, ३३, २१, =; दस० ५, १, २१–५७; ६, २, १; जीवा० १; सु० च० २, =०; विवा० १; निसी० ४, ५४; ५, ४५; पिं० नि० भा० ४५; निर० १, १; सू० प० ४; १०; पन्न० १; जं० प० ३, ४३, गच्छा० =१; प्रव० ६६; कप्प० ३, ३२; उवा० १, ३०; (२) ઈશાનેન્દ્રના (મુસાફરી) વિમાનનો વ્યવસ્થાપક દેવતા. विमानका व्यवस्थापक देवता. The managing god of the travelling aerial car of Īsanendra. जं० प० २, ३=; ४, ६२; ५, ११=; ११३; ११५; (३) દશમા દેવલોકનું એક વિમાન; એની સ્થિતિ વીસ સાગરોપમની છે, એના દેવતા દશમે મહિને શ્વાસોચ્છ્વાસ લે છે, એને વીસ હજાર વર્ષે ક્ષુધા લાગે છે. दसवें देवलोकका एक विमान, इसकी स्थिति बीस सागरोपमकी है इसके देवता दसवें महिने स्वासोच्छ्वास लेते और बीस हजार वर्षोंमें उन्हें भूख लगती है A celestial abode of the 10th heaven; its gods live for 20 Sāgaropamas, breathe once in 10 months and feel

hungry once in 20000 years. समः २८; (४) શુભ વર્ણ અને શુભ ગંધથી યુક્ત. शुभ वर्ण और शुभ गंधसे युक्त. आया० २, १, ६, ५३, (५) ૮૬મો ગ્રહ. ८६ वें ग्रहका नाम. The 86th planet. सू० प० २०; —आराम. पु० (-आराम) ફુલવાળો બાગ; બગીચો पुष्पोद्यान, फूलबाग A garden having flowers. निर० ३, २, अंत० ६, ३, —आरुहण. न० (-आरोहण) ફુલ ચઢાવવાં તે. फूलोंका चढ़ाना. Offering flowers. जं० प० ३, ४३; ५३; विवा० ८; —आहार. पु० (-आहार) ફુલનો આહાર-ખોરાક. फूलका आहार-खुराक Food consisting of flowers भग० ११, ६, निर० ३३, —उदग्र. न० (-उदक) ફુલના રસથી મિશ્રિત થયેલ પાણી. पुष्प रस मिश्रित जल Water mixed with juice of flowers. ओव० जं० प० ५, ११४; —उदग न० (-उदक) જુઓ "पुप्फो-दअ" શબ્દ. देखो "पुप्फोदअ" शब्द. Vide "पुप्फोदअ" शब्द. नाया० १; —उवग्र. त्रि० (-उपग) ઘણાં ફુલવાળું ઝાડ; ફુલનો સમૂહ. बहुपुष्पी वृक्ष, पुष्प समूह. A tree having plenty of flowers; a cluster of flowers. ठा० ४, ३; निसी० ३, ८१. —उवयार..पु० (-उपचार) પુષ્પો વડે કરેલો ઉપચાર-પૂજા. पुष्पद्वारा कीगई पूजा-पुष्पोपचार A worship by means of flowers नाया० १६; जं० प० ७, १५६; —करंडग्र. पु० (-करडक) ફુલ રાખવાનો કરંડીઓ. फूल रखनेके करंडक. A flower-basket विवा० १; —गोलय. पु० (-गोलक) પુષ્પનો-ફુલનો દડો. पुष्पकी गेंद, फूलकी दड़ी. A ball of flowers.

प्रव० ११९६; —चंगेरि. स्त्री० (-चाङ्गेरी) ફુલ રાખવાની છાબડી. फूल रखनेकी छबड़ी-छाब. A flower-basket जं० प० ५, १२०; पन्न० ३३; —च्चणिय. त्रि० (-अर्चनीय) ફુલથી પૂજવા યોગ્ય. पुष्पद्वारा पूजनीय Fit to be worshipped by flowers. नाया० २, ६; —जाइ स्त्री० (-जाति) માલતી વગેરે પુષ્પની જાતિ. मालति आदि पुष्पजाति. A species of flowers. नाया० १; —दाण. न० (-दान) પુષ્પ-ફુલ આપવાં તે पुष्प समर्पण; फूलोंका दान Offering flowers. पचा० २, २५, —धारिणी स्त्री० (-धारिणी) પુષ્પોને ધારણ કરનારી દાસી. पुष्पोंको धारण करनेवाली-रखनेवाली दासी, पुष्पवाहिनी. A maid who bears flowers. भग० ११, ११; —पात्र. पु० (-पात) પુષ્પવૃષ્ટિ, ફુલનો વર્ષાદ कुसुम वृष्टि. प्रसूनोंकी वर्षा, फूलोंकी बरसात. A shower of flowers. पंचा० २, २५; —पूरय. न० (-पूरक) ફુલનો બનાવેલ શિખર. फूलोंका बनायाहुआ शिखर. A coronet made of flowers. नाया० १६, —फल न० (-फल) પુષ્પ-ફુલ તથા ફળ. फल फूल. Fruit and flower. जं० प० २, २२. ७, १५१ प्रव० २४८, —बालिकम्म. न० (-बालिकर्मन्) પુષ્પોથી કરાતું પૂજન કર્મ. पुष्पोंद्वारा कियाजानेवाला पूजा समारंभ. Worship done by flowers नाया० ८; —भोयण. न० (-भोजन) ફુલનું ભોજન फूलका भोजन Food consisting of flowers. दसा० २, १६; —मंडव पुं० (-मण्डप) ફુલનો માંડવો; મંડપ. फूलोंका मडप, पुष्प मडप-वितान. A bower of flowers. नाया० ८, —माला. स्त्री० (-माला) ફુલની માળા, पुष्पहार, कुसुममाला; फूलोंका

हार. A garland of flowers. जं० प० ५, ११२; —मालिया. स्त्री० (-मालिका) ફુલની માળા. फूलोंकी माला. A garland of flowers. निसी० ७, १; —वद्दल पु० (वार्दल) ફુલનુ વાદળ. फूलका. A cloud ....of flowers जं० प० ५, ११३, —वल्लि स्त्री० (-वल्लि) પુષ્પની વેલ-લતા पुष्पकी वेल-लता. A flower-creeper. नाया० १; —वास. पु० (वर्ष) ફુલનો વરસાદ फूलोंकी वर्षा A shower of flower. जं० प० ५, ११३; —संठाण न० (-सस्थान) ફુલનો આકાર. फूलक आकार. Size of a flower जं० प० ७, १३५; —सुहुम. न० (-सूक्ष्म) પુંપસૂક્ષ્મ-વડ ઉબરા વગેરેનાં ફુલ. पुष्पसूक्ष्म, वट, उदुम्बर आदिके फूल. An invisible flower like that of a banyan & fig tree. दस० ८, १५;

पुप्फअ. पु० (पुष्पक) ઈશાનેન્દ્રનું મુસાફરી વિમાન ईशानेन्द्रका यात्रा करनेका विमान-मुसाफिरी रथ. A travelling aerial car of Īśanendra. जं० प० ५, ११८, ठा० ८, १;

पुप्फअग्गि पु० (फुफुकाग्नि) છાણાનો અગ્નિ, લિંડીનો અગ્નિ कण्डेकी अग्नि Fire of cow dung cakes. जीवा० २;

पुप्फाक. न० (पुष्पक) બીજા દેવલોકના ઇન્દ્રનુ મુસાફરી કરવાનુ વિમાન. दूसरे देवलोकके इन्द्रका मुसाफिरी-प्रवास करनेका विमान. A travelling aerial car of the lord of the 2nd Devaloka. ओव० २६;

पुप्फकंत. न० (पुष्पकान्त) દશમા દેવલોકનું એક વિમાન; એની સ્થિતિ વીસ સાગરોપમની છે; એના દેવતા દશમે મહિને શ્વાસોચ્છ્વાસ લે છે, એને વીસ હજાર વર્ષે ક્ષુધા લાગે છે. दसवें देवलोकका एक विमान; इसकी स्थिति वीस सागरोपमकी हैं; इसके देवता दसवें महिने श्वासोच्छ्वास लेते है; इसे वीस हजार वर्षोंमें क्षुधा लगती है. A celestial abode of the 10th Devaloka, its gods live for 20 Sāgaropamas, breathe once in 10 months and feal hungry once in 20000 years. सम० २०;

पुप्फकेउ. पु० (पुष्पकेतु) જમ્બૂદ્વીપના ઐરાવત ક્ષેત્રમાં આવતી ઉત્સર્પિણીમાં થનાર સાતમા તીર્થંકર जम्बुद्वीपके ऐरवत क्षेत्रमें आगामी उत्सर्पिणीमें होनेवाला सातवें तीर्थंकर. The 7th Tīrthaṅkara of the coming aeon of increase in Airāvata kṣetra of Jambūdvīpa. सम० प० २४३; (२) પુષ્પકેતુ નામનો એક ગ્રહ. पुष्पकेतु नामक एक ग्रह. A planet named Puṣpaketu. ठा० २, ३;

पुप्फग न० (पुष्पक) વાસણનું તળીયું. बरतनका पेंदा. Bottom of a vessel. ओघ० नि० २६०; (२) પુષ્પ; ફુલ पुष्प; फुल, कुसुम. A flower. भग० ६, ३३;

पुप्फचूला स्त्री० (पुष्पचूला) ૨૩ મા તીર્થંકરની મુખ્ય સાધ્વી. २३वें तीर्थंकरकी प्रमुख साध्वी The chief nun of the 23rd Tīrthaṅkara सम० प० २३४; सत्था० ५६; नाया० ध० १०; प्रव० ३०६; कप्प० ६, १६१; (२) એ નામની એક સ્ત્રી. इस नामकी स्त्री. A lady so named. विवा० १;

पुप्फचूलिआ-या. स्त्री० (पुष्पचूलिका) એ નામનુ એક કાલિક સૂત્ર; અગીયારમુ ઉપાંગ સૂત્ર. इस नामका एक कालिक सूत्र; ग्यारहवाँ उपाग सूत्र. A kālika Sūtra

so named; the 11th Upānga sūtra. नंदी० ४३; निर० ४, १,

पुप्फजंभग. पु० (पुष्पजृम्भक) જંભક દેવતાની એક જાત. जभक देवताकी एक जाति A class of Jambhakā gods. भग० १४, ८;

पुप्फजाय. पु० (पुष्पध्वज) દશમા દેવલોકનું એક વિમાન, એની સ્થિતિ વીસ સાગરોપમની છે, એના દેવતા દશમે મહિને શ્વાસોચ્છ્વાસ લે છે, એને વીસ હજાર વર્ષે ક્ષુધા લાગે છે. दसवें देवलोकका एक विमान, इसकी स्थिति बीस सागरोपमकी है; इसके देवता दसवें महिने श्वासोच्छ्वास लेते है, इसे वीस सहस्र वर्षों में क्षुधा लगती है. A celestial abode of the 10th heaven; its gods live for 20 Sāgaropamas, breathe once in 10 months and feel hungry once in 20000 years. सम० २०;

पुप्फत्ता. स्त्री० (पुष्पता) ફુલપણું. पुष्पता, कुसुमता; फूलपन. The state of a flower. सूय० २, ३, ५,

पुप्फदंत. पु० (पुष्पदन्त) પુષ્પદન્ત નામે વર્તમાન ચોવીસીના નવમા તીર્થંકર. पुष्पदन्त नामक वर्तमान चोवीसीके नवें तीर्थंकर The 9th Tīrthankara named Puśpadant of the current cycle. आव० २, ३, ठा० २, ४, भग० २०, ८, (२) ઈશાનેન્દ્રના હાથીના સૈન્યનો અધિપતિ. ईशानेन्द्रके हाथीकी सैन्यका नायक Leader of the elephant-army of Īśānendra ठा० ५, १, (३) ક્ષીરવર દ્વીપના અધિપતિ દેવતાનું નામ. क्षीरवर द्वीपके अधिपति देवताका नाम Name of the presiding god of Ksīravara island. जीवा० ३, ४;

पुप्फप्पभ. पु० (पुष्पप्रभ) દશમા દેવલોકનું એક વિમાન, એની સ્થિતિ વીસ સાગરોપમની છે, એના દેવતા દશમે મહિને શ્વાસોચ્છ્વાસ લે છે, એને વીસ હજાર વર્ષે ક્ષુધા લાગે છે. दसवें देवलोकका एक विमान, इसकी स्थिति वीस सागरोपमकी है इसके देवता दसवें महिने श्वासोच्छ्वास लेते है, इसे वीस सहस्र वर्षोंमें क्षुधा लगती है A celestial abode of the 10th heaven its gods live for 20 Sāgaropamas, breathe once in 10 months and feal hungry once in 20000 years सम० २०,

पुप्फयंत. व. कृ. त्रि० (फूत्कुर्वन्) સર્પાદિની પેઠે ફુંફાડા મારતું. सर्पके समान फुफकारताहुआ Hissing like a serpent नाया० ८,

पुप्फलेस. पु० (पुष्पलेश) દશમા દેવલોકનું એક વિમાન, એની સ્થિતિ વીસ સાગરોપમની છે, એ દેવતા દશમે મહિને શ્વાસોચ્છ્વાસ લે છે, એને વીસ હજાર વર્ષે ક્ષુધા લાગેછે. दसवें देवलोकका एक विमान, इसकी स्थिति वीस सागरोपमकी है; इसके देवता दसवें महिने श्वासोच्छ्वास लेते है, इसे वीस सहस्र वर्षोंमें क्षुधा लगती है. A celestial abode of the 10th heaven, its gods live for 20 Sāgaropamas, breathe once in 10 months and feel hungry once in 20000 years. सम० २०,

पुप्फवई. स्त्री० (पुष्पवती) કિંપુરુષના ઇન્દ્ર સુપુરુષની પટ્ટરાણી. किंपुरुषके इन्द्र सुपुरुषकी पटरानी The principal queen of Supuruṣa, lord of Kīmpurusa ठा० ४, १; भग० १०, ५, नाया० ध० ५, (२) એ નામનો તુંગીયા નગરીનો એક બગીચો. इस नामका तुंगियानगरीका एक उद्यान.

A garden so named of Tuṅgiya city. भग० २, ५;

पुप्फवरणा. पुं० (पुष्पवर्ण) દશમા દેવલોકનું એક વિમાન; એની સ્થિતિ વીસ સાગરોપમની છે, એ દેવ દશમે મહિને શ્વાસોચ્છ્વાસ લે છે, એને વીસ હજાર વર્ષે ક્ષુધા લાગે છે. दसवें देवलोकका एक विमान; इसकी स्थिति वीस सागरोपमकी है, इसके देवता दसवें महिने श्वासोच्छ्वास लेते हैं, इसे वीस सहस्र वर्षोंमें क्षुधा लगती है. A celestial abode of the 10th heaven; its gods live for 20 Sāgaropamas, breathe once in 10 months and feel hungry once in 20000 years समं० २०;

पुप्फवती. स्त्री० (पुष्पवती) વીશમા તીર્થંકરની મુખ્ય સાધ્વી. वीसवें तीर्थंकरकी मुख्य साध्वी The principal nun of the 20th Tīrthankara. समं० प० २३४,

पुप्फविंटिय. पुं० (पुष्पवृन्तक) ત્રણ ઇન્દ્રિયવાળા જીવની એક જાત. तीन इन्द्रियवाले जीवकी एक जाति A species of three-sensed beings पन्न० १;

पुप्फसिग. पुं० (पुष्पशृङ्ग) દશમા દેવલોકનુ એક વિમાન; એની સ્થિતિ વીશ સાગરોપમની છે, એ દેવતા દશમે મહિને શ્વાસોચ્છ્વાસ લે છે, એને વીસ હજાર વર્ષે ક્ષુધા લાગે છે. दसवें देवलोकका एक विमान, इसकी स्थिति वीस सागरोपमकी है, इसके देवता दसवें महिने श्वासोच्छ्वास लेते हैं; इसे वीश सहस्र वर्षोंमें क्षुधा लगती है A celestial abode of the 10th heaven, its gods live for 20 Sāgaropamas, breathe once in 10 months and feel hungry once in 20000 years. समं० २०;

पुप्फसिद्ध. पुं० (पुष्पसिद्ध) દશમા દેવલોકનું એક વિમાન; એની સ્થિતિ વીસ સાગરોપમની છે, એ દેવતા દશમે મહિને શ્વાસોચ્છ્વાસ લે છે, એને વીસ હજાર વર્ષે ક્ષુધા લાગે છે. दसवें देवलोकका एक विमान, इसकी स्थिति वीस सागरोपमकी है; इसके देवता दसवें महिने श्वासोच्छ्वास लेते हैं; इसे वीस सहस्र वर्षोंमें क्षुधा लगती है. A celestial abode of the 10th heaven; its gods live for 20 Sāgaropamas, breathe once in 10 months and feel hungry once in 20000 years समं० २०;

पुप्फा. स्त्री० (पुष्पा) શિખા સુધી ભરેલ પુષ્પની ચંગેરી કે જેને આકારે નવ ગ્રૈવેયકવાસી દેવોનું અવધિજ્ઞાન છે. शिखापर्यन्त भरीहुई पुष्प जिसके आकारका ग्रैवेयक निवासी देवताओंका अवधिज्ञान है. A.........of flowers full to the brim; its form is like the limited knowledge of the gods residing in Graiveyaka. विशे० ७०६;

पुप्फावत्त. पुं० (पुष्पावर्त) પુષ્પાવર્ત નામે દશમા દેવલોકનુ એક વિમાન, એની સ્થિતિ વીસ સાગરોપમની છે, એ દેવતા દશમે મહિને શ્વાસોચ્છ્વાસ લે છે, એને વીસ હજાર વર્ષે ક્ષુધા લાગે છે. दसवें देवलोकका एक विमान; इसकी स्थिति वीस सागरोपमकी है, इसके देवता दसवें महिने श्वासोच्छ्वास लेते है, इसे वीस सहस्र वर्षोंमें क्षुधा लगती है A celestial abode of the 10th heaven; its gods live for 20 Sāgaropamas, breathe once in 10 months and feal hungry once in 20000 years समं० २०;

पुप्फिआ. स्त्री० (पुष्पिका) એ નામનું એક કાલિક સૂત્ર; દશમુ ઉપાંગ સૂત્ર. इस नामका

एक कालिक सूत्र, दसवाँ उपांग सूत्र. A kālika Sūtra so named; the 10th Upānga sūtra. नंदी ४३; निर० ३, १;

पुप्फिय. त्रि० (पुष्पित. पुष्पाणिसजातानियस्य) ફુલવાળુ, ફુલેલુ. पुष्पित, फूलाहुआ, कुसुमित Flowering. निसी० २, ४४, नाया० ११, १३, १५; भग० ७, ३; १५, १; सु० च० २, ३७२,

पुप्फुत्तर. पु० (पुष्पोत्तर) દ્રવ્ય વિશેષ, એક જાતની સાકર. द्रव्य विशेष; एक जातिकी शकर-चीनी. A kind of sugar. नाया० १७, (२) દશમા દેવલોકનું એક વિમાન दसवें देवलोकका एक विमान. A celestial abode of the 10th Devaloka. कप्प० १, २;

पुप्फुत्तरा. स्त्री० (पुष्पोत्तरा) એક જાતની મીઠાઈ. एक जातिकी मिठाई A kind of sweet. पन्न० १७, जं० प०

पुप्फुत्तरावडिंसग पु० (पुष्पोत्तरावतंसक) દશમા દેવલોકનુ એક વિમાન, એની સ્થિતિ વીસ સાગરોપમની છે; એ દેવના દશમે મહિને શ્વાસોચ્છ્વાસ લે છે, એને વીસ હજાર વર્ષે ક્ષુધા લાગે છે. दसवें देवलोकका एक विमान, इसकी स्थिति बीस सागरोपमकी है, इसके देवता दसवें महिने श्वासोच्छ्वास लेते हैं, इसे बीस सहस्र वर्षोंमें क्षुधा लगती है A celestial abode of the 10th heaven, its gods live for 20 Sāgaropamas, breathe once in 10 months and feel hungry once in 20000 years. सम० २०;

पुप्फोत्तरा. स्त्री० (पुष्पोत्तरा) જુઓ "પુપ્ફુત્તરા" શબ્દ. देखो "पुप्फुत्तरा" शब्द. Vide "पुप्फुत्तरा" शब्द जीवा० ३, ३;

पुम. पु० (पुम्) પુરૂષ, માણુસ. पुरुष; मनुष्य. A man विशे० १५०४; दस० ८, ३, १२; पन्न० ११; (२) પુરુષવેદ; પુરુષનો વિષય વિકાર. पुरुषवेद. पुरुषका विषय विकार. Masculine inclination. क० ग० २, ११; ५, ६४; —वउ. स्त्री० (–वाक्) પુલ્લિંગ, પુરુષવાચક શબ્દ. पुल्लिंग; पुरुषवाचक शब्द A word indicating masculine gender. पन्न० ११;

पुमत्त. न० (पुंस्त्व) પુરુષપણુ; પુરુષાતન. पौरुष, पुरुषता. Manliness उत्त० ३४, ३;

पुमत्तश्र न० (पुंस्त्वक) પુરુષપણુ. पुरुषार्थ. पुरुषता. Manliness. दसा० १०, ४,

पुमत्ता. स्त्री० (पुंस्ता=पुंस्त्व) પુરુષપણુ पुरुषता. Manliness. ठा० ८, १; श्रोव० ४०, दसा० १०, ३;

पुयण. पु० (*) હાથીના જેવું ગોળ પગવાળુ એક પશુ. हाथीके समान गोल पैरों वाला एक पशु. An animal having round legs like an elephant. पन्न० १;

पुयली. स्त्री० (*) પુરુષચિન્હ; લિંગ. पुरुषचिन्ह; लिंग. Penis. " अवद्ध कडूयमाणे पुयलिं पप्फोडेमाणे. ' भग० १५, १;

पुयावइत्ता. अ० (प्लावयित्वा) બીજી જગ્યાએ નસાડીને કે પૂજા મહત્વ દેખાડીને દીક્ષા આપવી તે; દીક્ષાનો એક પ્રકાર. दूसरे स्थानमें भगाकर या पूजा महत्त्व बतलाकर दीक्षा दान, दीक्षाका एक प्रकार A variety of initiation; initiating by running away in some place or showing the majesty of worship. ठा० ३, २; ४, ४;

पुर. न० (पुर) નગર; શહેર. नगर, शहर, पुर. A city. नाया० १; भग; ५, २; ११, ११, १५, १; विशे० ९०७; राय० २२२; २८२; प्रव० ६९०; उवा० २, ६४; —गम पु० (–गम) શહેરમા જવુ તે. नगरगमन. Going into a city. नाया० १५;

पुरओ अ० (पुरतम्) આગળ; સમક્ષ. सम्मुख, आगे In front ज० प० ५, ११६, ओव० १०, ३१, सम० ३३, ठा० ४, ४; उत्त० १, १८, भग० १. १, २, ३, ३, १, ७, ७, १८, ५, ८; नाया० १; ५, ७; ८, ६, १४, १६, दसा० २, २-३-४-५-६-७-८-६; ६, २; १०, १-३; दस० ५, १, ३, ८, ४६, ओघ० नि० ११७; वव० ४, १०-११, निसी० ८, ११, सु० च० १, ४६; ज० प० प्रव० ७५, ४१४, राय० ४६, ७०, १५२, उवा० १, ६६; —कड. त्रि० (-कृत) સન્મુખ કરેલ; આગળ કરેલ सन्मुख रखकर; सामने करके-रखका Having placed in front. भग० १८, ५, —पवाय पु० (-प्रपात) સન્મુખ-સામેનો ખાડો प्रपात, सन्मुख या सामनेका खड्डा A precipice in front. नाया० १४,

पुरओकाउं. अ० (पुरस्कृत्य) આગળ કરીને. आगे करके; पुरस्कृत्य. Having placed in front भग० ७, १.

पुरं. अ० (पुरस्) સમક્ષ. આગળ समक्ष, सामने, आगे. In front. ठा० ३, १, नाया० १.

पुरंगम. त्रि० (पुरोगम) આગળ ચાલનાર, અગ્રેસર अगुआ; अग्रेसर A forerunner सूय० १, ३, ३, ६;

पुरंदर. पुं० (पुरन्दर) પહેલા દેવલોકનો ઇન્દ્ર. पहिले देवलोकका इन्द्र Indra of the 1st heaven. उत्त० ११, २३; २२, ४१, भग० ३, २, १६, १; पिं० नि० १३५; पन्न० २, ज० प० ५, ११५, कप्प० २, १३;

पुरक्कार. पुं० (पुरस्कार) આગળ કરવું; મુખ્યતા આપવી. आगे करना, प्रमुखत्व प्रदान करना Placing at the head. उत्त० २४, ८, नाया० १, ५, ४, १५७;

पुरक्खड. त्रि० (पुरस्कृत) આગળ કરેલું आगे कियाहुआ, दत्त-प्रामुख्य. Placed in front. भग० १, १; ५, १; १२, ४; सू० प० ११; पचा० ३, ३०;

पुरक्खाय. त्रि० (पुराख्यात) પૂર્વે કહેલું. पूर्व कथित. Said beforehand. सूय० १, १, २, २४,

पुरच्छिम. न० (पौरस्त्य) પૂર્વ, પૂર્વ પ્રદેશ. पूर्व; पूर्व प्रदेश. The east जं० प० ३ ५०; नाया० ८, भग० ३, ७, ५, १-४, ६, ५-१०, १०, १. १२, ६; —दिसा. स्त्री० (-दिश्) પૂર્વ દિશા. पूर्वदिशा. The east निर० ३, ३; —द्ध. पु० (अर्ध) પૂર્વાર્ધ; પૂર્વ તરફનો અર્ધ ભાગ. पूर्वार्ध; पूर्वकी ओरका आधा भाग. The first half; half part of the east. नाया० १६; —बाहिर. न० (बहिस्) પૂર્વની બહાર. पूर्वके बाहर. Outside the east. भग० ६, ७;

पुरच्छिमा. स्त्री० (पूर्वा) પૂર્વ દિશા. पूर्व दिशा. The east. नाया० १, १, १, १;

पुरच्छिमिल्ल त्रि० (पौरस्त्य) પૂર્વ સમ્બન્ધિ. पूर्व सम्बन्धि; पौर्वात्य Oriental. जं० प० २, ३३, नाया० ८; १३; १८, भग० १६, ८; —वणसंड न० (-वनखण्ड) પૂર્વ દિશાનું વન. पूर्वी वन. A forest in the east. नाया० १३:

पुरत्था. अ० (पुरस्तात्) આગળ; પાસે. आगे; पास In front. (२) પૂર્વ દિશા. पूर्व दिशा. The east. सूय० १, ५, १, १; ओव० १२; —अभिमुह. त्रि० (-अभिमुख) પૂર્વ દિશાની સન્મુખ બેસનાર. पूर्वदिशाके सामने बैठनेवाला. (one) facing the east. ज० प० ५, ११५; भग० २, १; ७, ६; ६, ३३; ११, १०; नाया० १; १६; नाया० ध० कप्प० २, १५; ४, ६३;

पुरत्थिम. त्रि० (पौरस्त्य) પૂર્વ દિશા સમ્બન્ધિ. पूर्वदिशा सम्बन्धी Oriental. ठा० ३, १, नाया० १६, १६; भग० ५, १; राय० ४५, पन्न० ३; जं० प० ५, ११२, ११४ वेय० १, ४६; उवा० १, ७४, ८, २५३; —दाहिणा स्त्री० (-दक्षिणा) પૂર્વ અને દક્ષિણ દિશા; અગ્નિખુણો. पूर्व और दक्षिण दिशा, आग्नेय विदिशा-कोण. South-east भग० १०, १;

पुरत्थिमा. स्त्री० (पौरस्त्या=पूर्वा) પૂર્વ દિશા. प्राची दिशा; पूरब. The east. आया० १, १, १, २, सूय० २, १, ६;

पुरत्थिमिल्ल. त्रि० (पौरस्त्य) પૂર્વ દિશા-પૂર્વ સબંધી. पूर्व दिशा सम्बन्धी; प्राच्य, पौर्वात्य. Oriental. ज० प० ५, ११७; ११४, भग० ३४, १, नाया० १६; जीवा० ३, १; ज० प० रायं० ६७, पन्न० १६; —वणसंड. न० (-वनखण्ड) પૂર્વ દિશાનું વન पूर्व दिशाका वन. A forest in the east नाया० ६,

पुरवर. पु० (पुरवर) શ્રેષ્ઠ નગર. श्रेष्ठ नगर An excellent city. उवा० २, ६४,

पुरवरी. स्त्री० (पुरवरी) નગરી. नगरी A city. उवा० १०, २७७,

पुरा. अ० (पुरा) પૂર્વ કાલે, આગળ, પહેલાં पूर्वकाल, पहिला जमाना, प्राचीन समय Formerly. भग० २, १, ३, १; सूय० २, ६, १; उत्त० १०, ३, नाया० १; दसा० १०, ३; पिं० नि० ८२;

√पुराकर. धा० I. (पुर+कृ) આગળ કરી ચલાવવુ आगे करके चलाना. To place in front.

पुराकरंति. सूय० १, ५, २, ५;

पुराकर. त्रि० (पुराकृत) પૂર્વ ભવમાં કરેલ-બાંધેલ, આગળ સંચય કરેલ. पुराकृत, प्रालब्ध, पूर्वसंचितकर्म. Done, gathered up in the past life उत्त० १०, ३;

पुराकम्म. न० (-पुराकर्मन्) સાધુ સાધ્વી આવ્યા પહેલા સાધુ નિમિતે હાથ વાસણ સચિત્ત પાણીથી ધોવા વગેરે આરભ કરવો ने साधु साध्वीके आनेके पूर्व साधुके निमित्त हाथ एव पात्र आदिको सचित्त जलसे धोना आदि आरभ कार्य Injuring living beings by washing hands, vessels etc. for an ascetic before he comes. आव० ४, ५,

पुराकाउं. अ० (पुरस्कृत्य) આગળ ધરીને; આશ્રીને आगे रखकर, आश्रय लेकर. Having placed in front उत्त० ७, २४;

पुराण. त्रि० (पुराण) જુનુ; પ્રાચીન, પુરાતન. पुराना, प्राचीन, जूना. Old, ancient. आया० १८, ४, १३, उत्त० ८, १२, १४, १; (२) न० ભાગવત વગેરે પુરાણ શાસ્ત્ર. भागवत आदि पुराण शास्त्र Purāna works *e. g.* Bhāgavata etc अणुजो० ४१; नंदी ४१, —पावग. न० (-पापक) ચિરતન-જૂનાં પાપ કર્મ चिरतन-प्राचीन पाप कर्म. Old sinful deeds दस० ६, ४, २-३,

पुराणय. त्रि० (पुराणक) જુનુ, પુરાણું; પૂર્વનું. जूना, पुराना, पहिलेका. Old, ancient. उत्त० १६, ८,

पुरिम. त्रि० (पूर्व) આગળનું, પહેલાનુ; પૂવ કાળનું. आगेका, पहिलेका; पूर्वकालिन Of former old times. भग० ५, ३, २०, ८, २५, ८; उत्त० ३६, २५, विशे० ६४२; प्रव० ६५४; पचा० १७, १; —भव पु० (-भव) પહેલો ભવ; આગલો ભવ. पूर्वभव Previous life. भग० २५, ८;

पुरिमड्ढ न० (पूर्वार्द्ध) દિવસના પહેલા બે પહોર. दिनके पहिले दो प्रहर The first two watches of the day. (२)

દિવસના પ્રથમ બે પહોર સુધી આહારના પચ્ચખાણ કરવા તે. दिनके प्रथम दो प्रहरतक आहारके पचखाण. Abstaining from food for the first two watches of a day. पचा० ५, ८; प्रव० २०२; १५२३;.

पुरिमड्ढग. (पूर्वार्द्धक) જુઓ "पुरिमड्ढ" શબ્દ. देखो "पुरिमड्ढ" शब्द. Vide "परिमड्ढ." पिं० नि० ३३८,

पुरिमड्ढिय. पु० (पूर्वार्द्धिक) પુરિમડ્ઢ તપ કરનાર; પહેલા બે પહોર સુધીનાં પચ્ચખાણ કરનાર. पुरिमड्ढ तप करनेवाला, पहिले दो प्रहरतक पचखाण करनेवाला. One who observes Purimaddha austerity; one who fasts in the first two watches of a day. पण्ह० २, १, ठा० ५, १;

पुरिमताल. न० (पुरिमताल) એક શહેરનુ નામ કે જેમાં ષડુલુકનિન્હવ થયા તથા જેની બહાર ઋષભદેવ પ્રભુને કેવલજ્ઞાન થયું. एक शहरका नाम जिसमे षडुलुकनिन्हव हुए तथा जिसके बाहर ऋषभदेव प्रभुको केवलज्ञान मिला. Name of a city where Ṣḍuluka heretic lived and outside which the lord Ṛsabhadeva attained perfect knowledge विवा० ३; उत्त० १३, २; ओव० ३६; ठा० ७, १, जं० प० २, ३१; कप्प० ७, २१२;

पुरिमा. स्त्री० (पुरिमा) પ્રસ્ફોટક; પડિલેહણમાં વસ્ત્રને જરીક ઝાટકવું તે. प्रस्फोटक, पडिलेहणमें वस्त्रका तनिक झटकना. Jerking slightly clothes. ठा० ६, १;

पुरिल्ल त्रि० (पुरातन) આગળ થયેલા; પુરાતની. पूर्व संभूत; पुरातन. Ancient. विशे० १३२६;

पुरिस. पुं० (पुरुष) પુરૂષ; માણસ. पुरुष, मनुष्य. A man. अणुजो० १३४, ठा० ३, १, उत्त० ६, १; ८, १८, ३०, २२; ३६, ४६-५२; आया० १, १, १, ८; ओव० भग० १, ६-८; ३, ४; ६, ३; १६, ६; नाया० १; ५; ६; ६; ११; १५; दस० ६, ४; ७, १; ६, १; १०, ७; निसी० १२, ३४; विशे० १६३; दसा० ५, २, २८; नंदी० ३५; पिं० नि० ८०; सु० च० ४, २८. ५, ६१०; पन्न० १; सू० प० १; तंडु० राय० ५४; प्रव० ५७; ५५३; भत्त० ६२; १२५; कप्प० २, १५; उवा० ६, २६८; (२) સર્વ ઉપાધિ રહિત શુદ્ધ આત્મા; ઈશ્વર सर्व उपाधि रहित शुद्ध आत्मा, ईश्वर God; free from all associations. सूय० २, १, २६; विशे० ७७२; २०६०; भग० ८, ८; (३) પુરૂષવેદ-મોહનીય કર્મની એક પ્રકૃતિ કે જેના ઉદયથી પુરૂષને સ્ત્રી સાથેના ભોગની ઇચ્છા થાય છે. मोहनीय कर्मकी एक प्रकृति जिसके उदयसे पुरुषको स्त्री समोगकी इच्छा होती है. Masculine inclination; a nature of deluding karma at whose rise a man seeks to enjoy a woman. क० ग० १, २२; —**आगार.** पुं० (-आकार) પુરૂષનો આકાર-આકૃતિ. पुरुषका आकार. The form of a man. तंडु० —**आदाणीय.** त्रि० (-आदानीय) જેનું વચન સર્વ પુરૂષો માન્ય કરે તે; માનનીય. माननीय; सर्वमान्य वचनवाला. Trustworthy. सूय० १, ६, ३४; सम० ८; भग० ५, ६; ६, ३२; निर० ३, १; कप्प० ६, १४६; —**उत्तम.** त्रि० (-उत्तम) પુરૂષોમાં ઉત્તમ-શ્રેષ્ઠ. पुरुषोत्तम; पुरुष श्रेष्ठ. Best amongst men. जं० प० ५, ११५; —**उवयार.** पुं० (उपचार) પુરૂષનો ઉપચાર-સત્કાર.

पुरुषका उपचार–सत्कार. Respect for a man. विवा० २; —गुत्त न० (-गोत्र) પુરુષનુ ગોત્ર. पुरुषका गोत्र. Family-origin of a man दस० ७, २०; —च्छाया. स्त्री० (-च्छाया) પુરુષની છાયા. पुरुषकी छाया. Shadow of a man. ज० प० ७, १३३ —जाय-अ. पु० (-जात) પુરુષની જાતિ-પ્રકાર. पुरुषकी जाति-प्रकार. A class of men. भग० ८, १०; वव० १०, ४, दसा० ६, १-४; १०, ३; —जुग. पु० (-युग) એકની પાછળ બીજો, તે પુરુષજુગ કહેવાય. पुरुषयुग्म, एकके बाद दूसरे पुरुषका होना. One after the other. नाया० ८; —जेट्ठ. त्रि० (-ज्येष्ठ) પુરુષોમાં શ્રેષ્ઠ (મ્હોટો) पुरुषोंमें श्रेष्ठ-ज्येष्ठ Best amongst men. प्रव० ६५७, —णपुंसगवेदय. पु० (-नपुंसकवेदक) પુરુષ નપુંસક વેદવાળો; કૃત નપુંસક. पुरुष नपुंसक वेदवाला, कृत नपुंसक पुरुष. A man of impotent tendency. भग० ६, ३१; २५, ६; पुंडरीय. पु० (पुण्डरीक) પુરુષોમાં પુંડરીક-કમળ-સમાન. पुरुषोंमें पुण्डरीक कमलवत्. Like a lotus amongst men प्रव० ४१७; – रूव. न० (रूप) પુરુષનું રૂપ. पुरुषका रूप. The appearance of a man. भग० ३, ४, वेय० ५, ३; —लक्खण. न० (-लक्षण) પુરુષનુ લક્ષણ જાણવાની કળા. पुरुषके लक्षण जाननेकी कला. The art of knowing the characteristics of a man. नाया० १, —वगुरापरिक्खित्त. त्रि० (-वागुरापरिक्षिप्त) પુરુષવૃંદ-જન સમૂહથી વિંટાએલ. पुरुष समूहसे घिराहुआ. Surrounded by a host of men. भग० ११, ११, —वयण न० (-वचन) પુલ્લિંગ, નરજાતિ. पुल्लिंग. नरजाति. Masculine gender. नाया० २. ४, १, १३२; —वस त्रि० (-वश) પુરુષને આધીન. पुरुषाधीन. Dependent on a man. भत्त० ८२, —वेद. पु० (-वेद) પુરુષવેદ નામે મોહનીય કર્મની એક પ્રકૃતિ. पुरुषवेद नामक मोहनीय कर्मकी एक प्रकृति. A nature of deluding-karma named Puruṣaveda भग० २, ५; ८, २, २०, ७; जीवा० १, —वेदग. पु० (-वेदक) પુરુષવેદી જીવ पुरुषवेदी जीव. A being having masculine inclination. ठा० ४, ४, भग० ११, १, २४, १, ३५, १; —वेदय. पु० (-वेदक) જુઓ "પુરિસવેદગ" શબ્દ. देखो " पुरिसवेदग " शब्द Vide "पुरिसवेदग". भग० ६, ३१, २६, १; —वेय. पु० (-वेद) જુઓ "પુરિસવેદ". देखो " पुरिसवेद ". Vide "पुरिसवेद". क० प० २, ८७, प्रव० ७०७; ठा० ६, १; भग० २, ५; पन्न० २३; —वेयग. पु० (-वेदक) જુઓ "પુરુષવેદગ" શબ્દ. देखो " पुरुषवेदग". Vide. "पुरुषवेदग." भग० ६, ३-४; —वेयय. पु० (-वेदक) પુરુષવેદી જીવ. पुरुषवेदी जीव. A nature of deluding-karma named Purusaveda भग० २५, ६; —वेर. न० (-वैर) પુરુષની સાથે વેર-વિરોધ. पुरुषके साथ वैर-विरोध. Enmity with a man. भग० १, ८; ६, ३४, संकम. पु० (-सङ्क्रम) પુરુષવેદ એ પ્રકૃતિનુ સંક્રમણ કરવું તે. पुरुषवेद प्रकृतिका सङ्क्रमण. The transformation of mesculine inclination. क० प० ७, ३०, —संजलण. पु० (-सज्वलन) પુરુષવેદ અને સંજ્વલન કષાય पुरुषवेद और सज्वलन कषाय. Mesculine inclina-

tion and perfect right conduct preventing passion क० प० २, ३४, —सम. त्रि० (-सम) પુરૂષવેદ સમાન. पुरुषवेद समान. Like masculine inclination. क० प० ५, ४८, —सहस्स. पु० (-सहस्र) એક હજાર પુરૂષો. एक सहस्र पुरुष. One thousand men. नाया० ५; —सहस्सवाहिणी स्त्री० (-सहस्रवाहिनी) હજાર પુરૂષોને વહન કરનારી, શિબિકા. सहस्र पुरुषोंको वहन करने-वाली-शिविका-पालकी A palanquin that carries 1000 men. नाया० १, ५; ८, १४; भग० ६, ३३; १६, ५; —सागारिय. त्रि० (-सागारिक) શેજાંતરીઆ પુરૂષની સાથે રહેનાર. An attendant वेय० १, २५-२६-२७-२८;

पुरिसइज्ज. न० (पुरुषीय) ઉત્તરાધ્યયનના છઠ્ઠા અધ્યયનનુ અપરનામ उत्तराध्ययनके छठे अध्ययनका दूसरा नाम. Another name of the 6th chapter of Uttarādhyayana "जावंति विज्जापुरिसा इत्यादि." अणुजो० १३१;

पुरिसकारिय. न० (पुरुषकार्य) પુરૂષકાર; પરાક્રમ. पुरुषकार, पराक्रम. Manliness दस० ५, २, ६

पुरिसक्कार. पु० (पुरुषकार) પુરૂષાભિમાન, મર્દાઈ. पुरुषाभिमान, पुरुषार्थ, पौरुष Manliness; valour. सू० प० १६; उवा० १, ७३; जं० प० ७, १६६, ओव० ३८, ठा० १, १; भग० १, ३; नाया० १; ८, पन्न० २३; —परक्कम. पु० (-पराक्रम) મર્દાનગી ભરેલ પરાક્રમ-બહાદુરી. पराक्रम; शूरता; बहादुरी; पुरुषार्थ. Valour; bravery. भग० ३, ६; ७, ७; १२, ५,

पुरिसत्थ. पु० (पुरुषार्थ) પુરૂષાર્થ; મનુષ્યપણાનુ પ્રયોજન. पुरुषार्थ, मनुष्यत्वका निमित्त-प्रयोजन. Manliness. सु० च० ४, ३११;

पुरिसपुंडरीअ. पुं० (पुरुषपुण्डरीक) છઠ્ઠા વાસુદેવનુ નામ. छठे वासुदेवका नाम. Name of the 6th Vāsudeva. प्रव० १२२६.

पुरिसयार. पु० (पुरुषकार) જુઓ "પુરિસક્કાર" શબ્દ. देखो "पुरिसक्कार" शब्द Vide "पुरिसक्कार". जीवा० ४, १;

पुरिसलिंग. न० (पुरुषलिङ्ग) પુરૂષનુ ચિન્હ. पुरुषका चिह्न. Penis प्रव० ४७६; —सिद्ध. पु० (-सिद्ध) પુરૂષ લિંગે સિદ્ધ થયેલ. पुल्लिङ्गद्वारा सिद्ध Man-Siddha. पन्न० १,

पुरिसवर. पुं० (पुरुषवर) શ્રેષ્ઠ પુરૂષ श्रेष्ठ पुरुष An excellent man. आव० ६, ११, —गंधहत्थि. त्रि० (-गन्धहस्तिन) પુરૂષોમા ગંધહસ્તિની પેઠે શ્રેષ્ઠ-પ્રધાન. पुरुषोंमें गन्धहस्तिके समान श्रेष्ठ. Best amongst men like a particular elephent. भग० १, १; —पुंडरीक. पुं० (-पुण्डरीक) પુરૂષોમાં શ્રેષ્ઠ શ્વેત કમલ જેવો. पुरुषोंमें श्वेत कमलके समान श्रेष्ठ. Best amongst men like a lotus भग० १, १.

पुरिससीह पु० (पुरुषसिंह) પુરૂષોમા સિંહ સમાન. पुरुषसिंह, नरकेहरि. Like a lion amongst men. भग० १, १, कप्प० १, १५; आव० ६, ११; प्रव० १२२६; (२) પુરૂષસિંહ નામે પાંચમા વાસુદેવ. पुरुषसिंह नामक पाचवें वासुदेव सम० प० १६६;

पुरिससेण. पु० (पुरुषसेन) અણુત્તરોવવાઈ સુત્રના પ્રથમ વર્ગના ચોથા અધ્યયનનુ નામ. अणुत्तरोववाइ सूत्रके प्रथम वर्गके चौथे अध्ययनका नाम. Name the 4th chapter of the 1st group of Aṇuttarovavāi Sūtra. अणुत्त० १,

४, (२) શ્રેણિક રાજાની ધારણી રાણીના પુત્ર કે જે મહાવીર સ્વામી સમીપે દીક્ષા લઈ ૧૧ અંગભણી ગુણરયણ તપ કરી સોળ વર્ષની પ્રવ્રજ્યા પાળી વિપુલ પર્વત ઉપર એક માસનો સથારો કરી અપરાજીત નામના અનુત્તર વિમાનમાં ૩૨ સાગરને આઉખે ઉત્પન્ન થયા, ત્યાંથી એક અવતાર કરી મોક્ષ જશે श्रेणिक राजाकी धारिणी रानीके पुत्र जिन्होंने महावीर स्वामीसे दीक्षाले ११ अगोंका अध्ययन किया, गुणरयण तप किया और सोलह वर्षकी प्रव्रज्या पालन कर विपुल पर्वत पर एक मासके सथारेके पश्चात् अपराजित नामक अनुत्तर विमानमें ३२ सागरकी आयुमें उत्पन्न हुए; वहाँसे एक अवतारके पश्चात् मोक्ष प्राप्त करेंगे. Son of the queen Dhāriṇī wife of the king Śrenika, who was consecrated by the lord Mahāvīra, studied the 11 Angas, practised gunarayana austerity and remaining an ascetic for 16 years, fasted on for a month on the Vipula mountain, was born in Anuttara celestial abode having an age of 32 Sāgaropamas. Thence will he attain salvation after one incarnation अणुत्त० १,४, (३) અતગડ સૂત્રના ચોથા વર્ગના ચોથા અધ્યયનનુ નામ. अतगड सूत्रके चौथे वर्गके चौथे अध्ययनका नाम Name of the 4th chapter of the 4th group of Antagada Sūtra अत० ४, ४ (४) વાસુદેવ રાજાની ધારિણી રાણીના પુત્ર કે જે નેમનાથ પ્રભુ પાસે દીક્ષા લઇ બાર અગનો અભ્યાસ કરી સોળ વર્ષની પ્રવ્રજ્યા પાળી શત્રુંજય ઉપર એક માસનો સથારો કરી નિર્વાણપદ પામ્યા वासुदेव राजाकी धारिणी रानीके पुत्र जिन्होंने नेमनाथ प्रभुसे दीक्षित हो बारह अगोंका अभ्यास किया, सोलह वर्षकी प्रव्रज्या पाली और शत्रुंजय पर एक मासका सथारा करके निर्वाण पदको प्राप्त किया. Son of the queen Dhāriṇī wife of the king Vāsudeva, who was initiated by the lord Neminātb, studied the 12 Angas, remained an ascetic for 16 years, fasted for a month on the Śatrunjaya mount and attained salvation अत० ४, ४,

पुरिसुत्तम पु० (पुरुषोत्तम) પુરુષોમાં ઉત્તમ-શ્રેષ્ઠ पुरुषोत्तम, नरोत्तम, पुरुषश्रेष्ठ Best amongst men. सम० १, भग० १, १; दस० २, ११, राय० २३; आव० ६, ११, कप्प० २ १५, (२) પુરુષોત્તમ નામના ચોથા વાસુદેવ કે જે અનતનાથ તીર્થંકરના વખતમા થયા पुरुषोत्तम नामक चौथे वासुदेव जो अनन्तनाथ तीर्थकरके समयमें हुएथे The 4th Vāsudeva named Purusottama who was born at the time of Anantnātha Tīrthankara प्रव० १२२६, सम० ५०.

पुरीस पु० (पुरीष) વિષ્ઠા किष्टा, मैला Excretion नाया० १, ८, भग० ६, ३३, प्रव० १३८६,

पुरुस. पु० (पुरुष) પુરુષ, નર पुरुष, नर Man. नाया० १४, **—जाअ.** पु० (-जात) પુરુષ જાતિ पुरुषजाति. Male-class. दसा० ६, ४, **—नेवत्थिया.** स्त्री० (नेपथ्या) પુરુષનો વેષ-પોશાક ધારણ કરેલી. पुरुष वेश धारिणी. A lady dressed in a man's attire. विवा० ३, **—सहस्सवाहिणी** स्त्री०

(-सहस्सवाहिनी) જુઓ "પુરિસસહસ્સવાહિણી" શબ્દ. देखो "पुरिससहस्सवाहिणी" शब्द. Vide "पुरिससहस्सवाहिणी." नाया० १,

पुरे अ० (पुरस्) પ્રથમનુ; પૂર્વ જન્મનુ पूर्वका, पूर्वजन्मका. Of former times or life निसी० १२, १८,

पुरेकड. न० (पुरस्कृत) પૂર્વજન્મમાં કરેલ કર્મ पूर्वजन्म कृत कर्म. Deeds done in past lives. दस० ६, ६८, ७, ५७; ८, ६३, ६, ३, १५. उत्त० १, १५, ६;

पुरेकम्म न० (पुरःकर्मन्) સાધુને આહાર વહોરાવ્યા પહેલાં સચેત પાણીથી હાથ કે વાસણ ધોવે તેથી લાગતું કર્મ. साधुको आहार वहोरानेके पूर्व सचेत जलद्वारा हाथ या बरतन धोनेमे लगनेवाली क्रिया-दोष. An action incurred by washing the hands or vessel with living water before any food is offered to an ascetic. दस० ५, १, ३२ ६, ५२, पराह० २, ५,

पुरेक्खड त्रि० (पुरस्कृत) આગળ કરેલુ. आगे कियाहुआ, पुरस्कृत. Placed in front पन्न० १५,

पुरेसंथव. पु० (पुरःसंस्तव) દાન દીધા પહેલાં દાતાર આગળ પોતાના વખાણ કરવામાં આવે, તે એવા હેતુથી કે દાતાર સારી રીતે આપે दान देनेके पहिले दाताके सम्मुख अधिक दान मिलनेकी इच्छासे आत्म प्रशसा करना. Praising oneself before a donor with a view that he may give properly. निसी० २, ३८,

पुरेसंथुय. त्रि० (पुरःसंस्तुत) પૂર્વના પરિચિત, માબાપ, ભાઈ, બ્હેન વગેરે पूर्व परिचित, माता, पिता, भाई, बहिन आदि Acquainted of old e g parents, brother etc. आया० २, १, ४, २४; २, १, १०, ५६, निसी० २, ३६;

पुरोकाउं. स० कृ० अ० (पुरस्कृत्य) આગળ કરીને; સ્વીકારીને आगे करके, स्वीकृत्य; आगे बढ़ाकर. Having placed in front. सूय० १, १, ३, १५,

पुरोहड. न० (पुरोहृत) આગળનુ બારણુ आगेका दरवाजा. A front door. ओघ० नि० ६२२,

पुरोहिय पु० (पुरोहित) રાજાનો ગોર; પાઠક. राजपुरोहित, उपाध्याय. A king's priest उत्त० १४, ३. ठा० ७, १; ओव० विवा० ५, सु० च० १२, ४, (२) પુરોહિત-શાંતિ કર્મકારી; ચક્રવર્તીના ચૌદ રત્નમાંનો એક. शान्तिकर्मकारी-पुरोहित, चक्रवर्तीके चौदह रत्नोंमेंसे एक (one) of the 14 jewels of a chakravartī, one who performs propitiatory rites. सम० १४, पराह० १, ५; —**कम्म.** न० (-कर्मन्) પુરોહિતનુ કર્મ पुरोहितका कर्म. The act of a priest. विवा० ५; —**रयण.** न० (-रत्न) ચક્રવર્તીનાં ચૌદ રત્નોમાનુ પુરોહિત નામે ચોથુ પચેંદ્રિય રત્ન चक्रवर्तीके चौदह रत्नोंमेंसे पुरोहित नामक चौथा पचेन्द्रिय रत्न The five-sensed fourth jewel out of 14 of a chakravartī. पन्न० २०,

पुलअ पु० (पुलक) પુલકમણિ, સચિત્ત કઠિન પૃથ્વીનો એક પ્રકાર. पुलकमणि, सचित्त कठिन पृथ्विकी एक जाति. A kind of gem. उत्त० ३६, ७६, जीवा० ३, १,

पुलइय. त्रि० (पुलकित) રોમાંચ થએલ रोमाञ्चित, पुलकित Horripulated. सु० च० २, २२३,

पुलंपुल. न० (*) નિરંતર, હમેશાં. निरन्तर, सतत, हमेशा. Always ओव०

२१; पराह० १, ३, (२) त्रि० अभूत; घणुं प्रभूत; बहुत. Plantiful; much. पराह० १, ३;

पुलक. पुं० न० (पुलक) रत्न विशेष. रत्न विशेष. A particular gem. जीवा० ३, ४;

पुलग पुं० (पुलक) रत्नप्रभा पृथ्वीनो सातमो पुलककांड. रत्नप्रभा पृथ्वीका सातवाँ पुलककाण्ड. The 7th Pulaka Kāṇda of Ratnaprabhā earth. सम० प० १६४, उवा० १, ७६; (२) એક જાતનું રત્ન. एक जातिका रत्न. A kind of gem भग० १, १, नाया० १; राय० २६; कप्प० ३, ४५; (३) એક જાતનું જળચર પ્રાણી. एक जातिका जलचर प्राणी. A kind of water-animal. पन्न० १,

पुलनिप्पुलाअ. पु० (पुलाकनिष्पुलाक) સંયમને દૂષિત કરનાર દોષોથી રહિત. सयमको दूषित करनेवाले दोषसे शून्य. Devoid of faults which spoil self-restraint. दस० १०, १, १६;

पुलय. पु० (पुलक) રોમાંચ, રોમહર્ષ रोमांच; रोमहर्ष; पुलक. Horripulation. सु० च० १, ३६८; (२) એક જાતનો મણિ एक जातिका मणि. A kind of gem कप्प० २, २६; पन्न० १, राय० २६;

पुला. स्त्री० (पुरा) પાણીમાં ઉત્પન્ન થતા પોરા; બે ઇંદ્રિય જીવની એક જાત. दो इन्द्रिय जीवकी एक जाति A species of two-sensed beings. जीवा० १;

पुलाकिमि. पुं० (पुराकृमि) ગુદામાં ઉત્પન્ન થનાર કૃમિ-બે ઇંદ્રિય જીવની એક જાત. गुदा भागमें उत्पन्न होनेवाला कृमि. दो इन्द्रिय जीवकी एक जाति. A species of two-sensed beings; a thread-worm. पन्न० १;

पुलाकिमिय पुं० (पुराकृमिक) બે ઇન્દ્રિય જીવ વિશેષ. दो इन्द्रिय जीव विशेष. A particular two-sensed being भग० १५, १;

पुलाग. पुं० (पुलाक) વાલ, ચણા વગેરે નિઃસાર ધાન્ય. चने आदि निसार धान्य. Worthless corn such as beans, grams etc. उत्त० ८, १२; आया० १, ८; ४, १३; (२) પુલાક-નિયંઠો; નિયંઠાના ७ પ્રકારમાંનો એક. पुलाक नियंठ, नियंठके ६ प्रकारोंमेंसे एक One of the 6 kinds of Niyanthas. भग० २५, ६; —भत्त. न० (-भक्त) તુચ્છ-નીરસ ભોજન. तुच्छ-बेस्वाद-भोजन A tasteless food. वेय० ५, ४२;

पुलाय. पुं० (पुलाक) ભુસ્સો; ધાન્યનાં છોતરાં. भूसा, धानका छिलका. Chaff; husk. प्रव० ७३७; सूय० १, ७, २६, (२) પુલાક લબ્ધિવાન્ સાધુ જેનું ચારિત્ર ભુસા જેવું-નિસ્સાર-દોષ સહીત હોય છે पुलाक लब्धिवान् साधु जिसका चारित्र भूंसके समान-निस्सार एवं दोष पूर्ण होता है. An ascetic whose conduct is worthless like chaff. प्रव० ७००; ठा० ३, २; ५, ३; भग० २५, ६;

पुलायत्त. न० (पुलाकत्व) પુલાક નિયંઠાનો ભાવ. पुलाक नियंठका भाव. The state of Pulāka Niyantha. भग० २५, ६;

पुलिंद. पु० (पुलिन्द) પુલિન્દ નામનો એક અનાર્ય દેશ. पुलिन्द नामक एक अनार्य देश. A non-Āryan country named Pulinda. (२) त्रि० તે દેશમાં રહેનાર. उक्त देशमें रहनेवाला; इस देशका निवासी. An inhabitant of that country. भग० ३, २; ओघ० नि० ७६६; पराह० १, १; पन्न० १; प्रव० १५६८;

पुलिंदी. स्त्री० (पुलिंदी) પુલિંદ નામના અનાર્ય દેશમાં જન્મેલી દાસી. पुलिंद नामक अनार्य देशमें उत्पन्न दासी. A maid-servant born in Pulinda country ओव० ३३; भग० ६, ३३; नाया० १, जं० प०

पुलिण न० (पुलिन) કાંઠા; તીર-તટ. तीर, तट; किनारा A bank; beach. नाया० १, जीवा० ३; सू० प० २०; राय० १६२; कप्प० ३, ३२,

पुलिय. न० (पुलित) ઘોડાની એક પ્રકારની ગતિ. अश्व-घोड़ेकी चाल विशेष. A particular gait of a horse. ओव० ३१;

पुलुय पु० (पुलक) જલચર પ્રાણિની એક જાત जलचर प्राणिकी एक जाति. A species of water-animals. पगह० १, १;

पुव्व. त्रि० (पूर्व) પહેલાનું, અગાઉનું (२) પૂર્વ તરફનું. पहिलेका, अगाऊ. (२) पूर्वओरका. Of olden days, oriental. (३) पु० પૂર્વ દિગ્વિભાગ. (३) पूर्वदिशाभाग. The eastern direction कप्प० ६, ३३. ५, १०२, सम० १४; सूय० २, ६, २. ओव० आया० १. १, ४, २५, १, ४, २, १३३, उत्त० १, ४६. १६, ४६; भग० १, १, २, ३-५. ३, १-३; ५, १, ७, ६. १७ २; नाया० १: ८. १६: पिं० नि० ३३; विशे० ८ वव० १, १६; ३, १०-११; ओघ० नि० ६६२, निसी० १६, ६, दसा० ३, ११-१२-१३, सु० च० १, १६, राय० ६३, उवा० १, ६६, (४) ચોરાશી લાખ પૂર્વાંગ-અથવા સીત્તેર લાખ કરોડ અને છપ્પન હજાર કરોડ વરસ પ્રમાણનો એક કાળ વિભાગ. ૭૦૫૬૦૦૦૦૦૦૦૦૦૦ વરસ પ્રમાણે એક પૂર્વ. ८४ लाख पूर्वांग अथवा सत्तर लाख कोड़ और छप्पन सहस्र क्रोड़ वर्ष प्रमाणका एक काल विभाग. ७०५६००००००००००० वर्ष प्रमाणका एक पूर्व. A period of time equal to 70560000000000 years. अणुजो० ११५; उत्त० ३, १५; पन्न० २; जं० प० ५, ११३; ठा० २, ४; भग० ६, ७, २५, ५; (५) પૂર્વ શાસ્ત્ર; ચૌદ પૂર્વમાંનું ગમે તે એક. पूर्व शास्त्र; चौदह पूर्वोमेंसे चाहे जोनसा. A scripture; one of the 14 Pūrvas. क० गं० १, ७; कप्प० ८, भग० ११, ११; १८, २; २५, ६, नंदी० स्थ० ३५; **—अणुन्नवणा.** स्त्री० (-अनुज्ञापना) પૂર્વની આજ્ઞા. पूर्वज्ञा, पहिलेकी आज्ञा The command of a scripture वेय० ३, २५; **—अभिमुह** त्रि० (-अभिमुख) પૂર્વ તરફ મોઢું રાખેલ. पूर्व दिशाकी ओर मुँह किया हुआ. Facing the east. सु० च० ३,८६; **—अवरराहकाल.** पुं० (-अपराह्णकाल) દીવસનો આગલો અને પાછલો ભાગ. दिनका पूर्वार्द्ध और उत्तरार्द्ध. The first and the last part of a day. नाया० १, ३, ८; १६; १८; **—अवरन्ह.** न० (-अपराह्ण) દિવસનો પહેલો તથા પાછલો પહોર. दिनका पहिला और अन्तका प्रहर. The first and the last watches of a day. अंत० ३, ८; विवा० ३; नाया० १; ५; **—अहीय.** न० (-अधीत) પહેલાં ભણેલું. पहिले पढ़ाहुआ That which was read formerly. नाया० १४; प्रव० ५३०, **—आउत्त.** त्रि० (-आयुक्त) સાધુના આવ્યા પહેલાં આરંભેલુ-રાંધવા માંડેલુ અર્થાત્ સાધુને માટે નહિ કિન્તુ પોતાને માટે યોજેલું अपने लिये बनाया हुआ भोजन. Food prepared for oneself. पंचा० १०, १७, (२) પહેલાં ઉતરેલ. पहिले उतराहुआ.

Firstly descended दसा० ६, २; वव० ६, ३, ४, —**आगमण.** न० (-आगमन) આવ્યા પહેલા. आनेके पहिले. Before coming. दसा० ६, २, वव०६, ३, —**आयरिय.** पु० (-आचार्य) પૂર્વના આચાર્ય. पहिलेके आचार्य. Preceptor of old. पंचा० १४, १६; —**आलवण.** न० (-आलपन) પહેલાં બોલવું તે. पूर्व भाषण. Speaking first. प्रव० १२६,—**आहारिय.** त्रि० (-आहारित) પૂર્વ-ઉત્પતિ સમયે આહાર કરેલ पहिले-उत्पत्तिके समयपर कृताहार Eaten before *i. e.* at the time of birth. सूय० २, ३, २;—**उइय.** त्रि० (-उदित) પૂર્વે કહેલું. पूर्व कथित, पहिले कहा हुआ. Said before. विशे० २८८; पचा० १०, २०; —**उत्त.** त्रि० (-उक्त) પ્રથમ કહેલુ. पूर्वोक्त, पूर्व कथित. Said before. दस० ५, २, ३; सु० च० १, २१७; विशे० १५५: क० प० ४, ५३, ५, ५३, क० ग० ४, ६१; —**उद्दिठ.** त्रि० (-उद्दिष्ट) પૂર્વે કહેલ. पूर्वोक्त, पुराकथित, पहिले कहाहुआ. Said before. क० गं० ६, ५१; —**उवट्ठविय.** त्रि० (-उपस्थापित) પૂર્વે દીક્ષા લીધેલ. पहिलेसे दीक्षित, पूर्व दीक्षित Consecrated formerly वेय० ३, १३; —**उववरणग.** त्रि० (-उपपन्नक) પહેલાં ઉત્પન્ન થયેલ. पूर्वोत्पन्न; प्रथम ही उत्पन्न. Born first. भग० १, २; —**कम्म.** न० (कर्मन्) પૂર્વ જન્મમાં કરેલ કર્મ. पूर्वजन्म कृत कर्म Deeds done in past lives. क० प० ५, ३५; नाया० १६; दस० ३, १५; —**कीलिअ.** न० (-क्रीडित) પૂર્વે ગૃહસ્થાશ્રમમાં સ્ત્રી આદિની સાથે કરેલ ક્રીડા-કામચેષ્ટા. प्रथम गृहस्थाश्रममें स्त्री आदिके साथ कीगई कामचेष्टा आदि क्रीडा. Sexual sports with woman etc. in a married stage. सम० ६; —**कोडि** स्त्री० (-कोटि) પૂર્વ કોટિ, કરોડ પૂર્વ કાળ વિભાગ. पूर्वकोटि, करोड़ पूर्वकाल विभाग. A crore of Purvas (a period of time). भग० ३, ३ ६, ३, ८, ६; १८, ८, २४, १-२०, ३६, १, अणुजो० १४६, क० ग० ५, ३४, प्रव० ६२०; पचा० १७, ४०, ज० प० २, ३४, —**गमय** पु० (-गमक) પૂર્વ-પ્રથમનો ગયો આલાવો-સૂત્ર પાઠ. भग० ३६, ५; —**गय** न० (-गत) પૂર્વ-શાસ્ત્ર વિશેષ ગત જ્ઞાન, પૂર્વનુ જ્ઞાન शास्त्र विशेषका ज्ञान; पूर्वज्ञान. Knowledge of scriptures. प्रव० ४३७, —**गहिअ.** त्रि० (-गृहीत) પ્રથમ ગ્રહણ કરેલુ. पहिले ग्रहण कियाहुआ. Taken formerly. पचा० १२, ३४;—**चिंतित** त्रि० (-चिन्तित) અગાઉ ચિંતવેલ पूर्व चिन्तित, पहिलेसे सोचा हुआ Thought beforehand. निर० ३, ३, —**जाइ** स्त्री० (-जाति) પૂર્વ-પહેલાંનો ભવ, પૂર્વજન્મ पूर्व भव; पूर्वजन्म. Past life. नाया० १३; —**ठाण.** न० (-स्थान) ભક્ત પરિજ્ઞા અન્ન ત્યાગ-રૂપ સંથારાથી ઇંગિત મરણ કરવુ તે. भक्त परिज्ञा-अन्नत्यागरूप सथारा करके इंगित प्राप्त मृत्यु Dying of fasting. आया० १, ८, ७, २०; —**णत्थ.** त्रि० (-न्यस्त) પહેલાં મુકેલુ. पूर्वत्यक्त; पहिलेही छोड़ाहुआ. Deposited previously. ज० प० ५, ११७, नाया० १, १३; भग० ११, ११, —**तव.** न० (तपस्) પૂર્વ કોટિનું-સરાગ અવસ્થાનુ તપ. पूर्वकोटिका-सराग अवस्थाका तप. A penance of the first stage having attachment. भग० २, ५; —**तित्थयर.** पु० (-तीर्थंकर)

पूर्वना-पहेलाना ऋषभदेव स्वामी आदि तीर्थंकर. पहिलेके तीर्थंकर-ऋषभदेव आदि स्वामी. Tirthankara of former days. कप्प० १, २; २, १५; —तुल्ल. त्रि० (-तुल्य) प्रथम जेवुं; प्रथम सरखु. पहिले सरीखा; पूर्ववत् Like first; as before. क० प० १, ३३; —दक्खिणा. पु० (-दक्षिण) पूर्व अने दक्षिण, अग्नि खुणो. पूर्व और दक्षिण-आग्नेय (कोण). South-east. नाया० १; पंचा० २, १८; —दिट्ठ. त्रि० (-दिष्ट) पूर्व जन्ममां पाळेलुं. पूर्व जन्ममें पालाहुआ. Observed in past lives. नाया० १४; —दिसा. स्त्री० (-दिशा) पूर्व दिशा. पूर्व दिशा; पूरब. The east. ओघ० नि० ६६२, —दुग. न० (- द्विक) प्रथमना बे. पहिले दो. First two प्रव० १२०६. द्ध. त्रि० (-अर्ध) पूर्वार्ध; पहेलो अरधो भाग पूर्वार्ध; पहिलेका आधा हिस्सा. The first half विशे० १२५२; ३०६८, धर. पु० (-धर) चौद पूर्वने धारण करनार; पूर्वना भणनार. चौदह पूर्वको धारण करनेवाला-पूर्वाध्यायी-पूर्वका अभ्यास करनेवाले. (one) who has studied the 14 Pūrvās (scriptures). पंचा० १८, २५; —निसिद्ध. त्रि० (-निषिद्ध) पहेलां निषेध करेल. पूर्व निषिद्ध; पहिलेसे मना किया हुआ. Formerly prohibited. प्रव० ७७३; —पडिलेहिय. त्रि० (-प्रतिलेखित) पूर्वे पडिलेहण करेल-नजरे जोएल. पूर्व पडिलेहण कियाहुआ-आंखोंसे देखा; पूर्वपरीक्षित. Formerly examined, observed. वेय० १, ४२; दसा० ७, १; —पडिवण्णा. त्रि० (-प्रतिपन्न) प्रथम स्वीकारेलुं. प्रथम स्वीकृत, पहिले मंजूर कियाहुआ. Formerly admitted. नाया० १३; भग० २५, ६; —पडिवण्णय. त्रि० (-प्रतिपन्नक) प्रथम ग्रहण करेलुं. प्रथम ग्रहण कियाहुआ; पूर्वग्रहीत. Accepted first. भग० ८, ८; २५, ७; —पडिवन्न. त्रि० (-प्रतिपन्न) जुओ "पुव्वपडिवण्णय" शब्द. देखो "पुव्वपडिवण्ण" शब्द. Vide 'पुव्वपडिवण्ण." विशे० ४१०; प्रव० ६३५; —पुरिस. पुं० (-पुरुष) पूर्वना पुरुषो; अगाउना माणसो. पूर्वज, पुरखे; पहिलेके पुरुष. Ancestors. पंचा० ६, २५; —प्पयोग पुं० (-प्रयोग) पूर्व-पहेलानो प्रयोग-व्यापार. पूर्व प्रयोग, पहिलेका व्यापार. A former activity. भग० ७, १, ८, ६; —प्पवत्त. त्रि० (-प्रवृत्त) पूर्वे प्रवर्तेल-यथा प्रवृत्तिकरण; त्रण करणमांनुं एक. पूर्व प्रवृत्त-यथा प्रवृत्तिकरण, तीन कारणोंमेंसे एक. One of the three Karanas (causes) that which has proceeded formerly. क० प० ५, ११; —भाव. पु० (-भाव) पूर्वनो पर्याय; पहेलांनी दशा. पूर्वका पर्याय, पूर्वदशा. The original condition. भग० ५, २; —रत्त. न० (-रात्र) प्रथम रात्री; रात्रिनो पहेलो पहोर रात्रिका पहिला प्रहर. The first watch of a night. भग० २, १; निर० १, १; कप्प० १, २; —रत्तावरत्त. न० (-रात्रापररात्र) मध्यरात्री; अरधी रात. मध्यरात्रि, आधी रात. Mid-night. नाया० १; ५; १४, १५; भग० २, १; ३, १; ११, ६; १५, १; —रय. न० (-रत) पूर्वे गृहस्थाश्रममां भोगवेल कामभोगादि. पूर्व गृहस्थाश्रममें भोगेहुए विषयभोग आदि. Sexual sports formerly enjoyed in a married life. सम० ६; —वण्णिय. त्रि० (-वर्णित) प्रथम वर्णन करेल. पूर्व कथित-वर्णित. Described formerly. जं० प० २, २६; ७, १३५;

विसारय. त्रि० (-विशारद) १४ પૂર્વમાં પણ્ડિત १४ पूर्वों का ज्ञाता-विशारद Learned in the 14 scriptures. विशे० ५५८; —वेर. न० (-वैर) પહેલાંનું વૈર पहिलेकी शत्रुता; पूर्व वैर A former enmity. नाया० १, —संगइय. त्रि० (-सांगतिक) પહેલાનો સગી, બાલ્યાવસ્થાનો મિત્ર पहिलेका मित्र, बालमित्र, लगोटिया दोस्त A friend of childhood. भग० २, १, —संगतिय. त्रि० (सांगतिक) જુઓ "पुव्वसंगइय" શબ્દ देखो "पुव्वसंगइय". Vide "पुव्वसंगइय" नाया० १, १६; —संजम पु० (-संयम) સરાગસંયમ, સંયમની પૂર્વાવસ્થા. सरागसंयम, संयमकी पूर्वावस्था. The first stage of self-restraint. भग० २, ५, —सम त्रि० (-सम) પૂર્વ-આગળના જેવું पूर्ववत्, पहिलेके समान. As of old. क० प० १, ८, —समास. पु० (-समास) એકથી વધારે પૂર્વનું જ્ઞાન; શ્રુતજ્ઞાનનો એક પ્રકાર. एकसे अधिक पूर्वोंका ज्ञान, श्रुतज्ञानका एक प्रकार. A kind of scriptural knowledge; knowledge of more than one scripture. क० गं० १, ७, —सयसहस्स. न० (-शतसहस्र) લાખ પૂર્વ. लाख पूर्व. A lac of Purvas (period of time). प्रव० ४२१, कप्प० ७, २१०; जं० प० २, ३०, ३, ६७;

पुव्वं अ० (पूर्वम्) પ્રથમ, પહેલું. प्रथम, पहिला. First. भग० ७, १, ८, ५; नाया० १६, निसी० २, ३६;

पुव्वंग पु० (पूर्वाङ्ग) ચોરાશી લાખ વર્ષનો એક પૂર્વાંગ; કાળ વિભાગ વિશેષ. चौरासी लाख वर्षका एक पूर्वांग; काल विभाग विशेष A period of time equal to 84 lacs of years जं० प० ७, ११२; २, १८, जीवा० ३ ४, ठा० २, ४, अणुजो० ११५, १३८, भग० ५, १, ६ ७, २५, ५, जं० प० प्रव० ५६; १४००, (२) પખવાડીઆના પહેલા દિવસનું નામ पक्षके पहिले दिनका नाम. Name of the 1st date of a fortnight. जं० प० सू० प० १०; —परिमाण न० (परिमाण) પૂર્વાંગનું પરિમાણ पूर्वांगका परिमाण. A measure of a Pūrvāṅga. प्रव० ५६,

पुव्वगय. त्रि० (पूर्वगत) શ્રુત પહેલા પ્રકાશિત થવાથી પૂર્વ-ઉત્પાદાદિ १४ પૂર્વ કે જે હાલ વિચ્છેદ થઈ ગયેલ છે, દૃષ્ટિવાદ સૂત્રનો એક વિભાગ दृष्टिवाद सूत्रका एक विभाग, श्रुतके पहिले पहिल प्रकाशित होनेके पूर्वके-उत्पादादि १४ जो सम्प्रति विच्छेद प्राप्त है. A section of Dṛṣṭivāda which is lost. नाया० १६, सम० १२, ठा० ४, १, भग० १५, १, २०, ८, नंदी ५६,

पुव्वण्ह. न० (पूर्वाह्ण) દિવસના આગલા બે પહોર. दिनके पहिले दो प्रहर The first two watches of a day. अणुजो० २५, ठा० ४, २, नाया० ८; सु० च० ३, ५२; प्रव० ६५५, विशे० २०३; जं० प० २, ३१, —कालसमय. पु० (-कालसमय) સવારનો સમય, પહેલો પહોર. सवेरेका समय, पहिला प्रहर The first watch of a day. कप्प० ६, १७३; जं० प० २, ३१,

पुव्वतराग. त्रि० (पूर्वतरक) આગળનું; પહેલાનું. पहिलेका, पूर्वका. Of former times. दसा० ३, १२-१३,

पुव्वभद्दवया. स्त्री० (पूर्वभाद्रपदा) પૂર્વાભાદ્રપદ નક્ષત્ર पूर्वाभाद्रपदा नक्षत्र. The constellation Pūrvābhādrapadā जं० प० ७, १५५, —भव पु० (-भव) પૂર્વ જન્મ આગલો ભવ. पूर्व जन्म, बीता-

हुआ जन्म. Previous life. सम० प० २३०; सम० १०; नाया० ध० २; ८, राय० ६५, २०५; प्रव० ४४६; —पढिय. त्रि० (-पठित) પૂર્વ જન્મમાં ભણેલ. पूर्व जन्ममें सीखाहुआ; Studied in previous life. प्रव० ५३३. —पुच्छा. स्त्री० (-पृच्छा) પૂર્વ ભવનો પ્રશ્ન. पूर्व जन्मका प्रश्न. A question of previous birth. विवा० ३;

पुव्ववंत. न० (पूर्ववत्) પૂર્વકાલીન ચિન્હથી–લિંગથી સાધ્યનું જ્ઞાન થાય તે; અનુમાનનો એક પ્રકાર. पूर्वकालिन चिन्ह–लिंगद्वारा साध्य का ज्ञान होना, अनुमानका एक प्रकार. A variety of inference; inference by precedence. अणुजो० १५७;

पुव्वविअ. पु० (पूर्वविद्) પૂર્વના જાણનાર; પૂર્વધર–ચૌદપૂર્વી. पूर्वज्ञ, पूर्वधर–चौदहपूर्वक ज्ञाता. (one) versed in the 14 scriptures विगे० ३६०२,

पुव्वविदेह. न० (पूर्वविदेह) જમ્બૂદ્વીપના મધ્યક્ષેત્ર–મહાવિદેહનો પૂર્વાર્ધ; મેરૂથી પૂર્વ તરફનો વિભાગ जम्बुद्वीपके मध्यक्षेत्र महाविदेहका पूर्वार्ध, मेरुसे पूर्व ओरका विभाग The first half of Mahāvideha, the middle part of Jambudvīpa अणुजो० १३४; ठा० २, ३; भग० ६, ७, जीवा० २, पन्न० १६; जं० प०

पुव्वविदेहअ. त्रि० (पूर्वविदेहज) પૂર્વ મહાવિદેહ ક્ષેત્રમાં જન્મેલ पूर्व महाविदेह क्षेत्रमें उत्पन्न Born in the eastern Mahāvideha region. अणुजो० १३१,

पुव्वविदेहकूड. पु० (पूर्वविदेहकूट) નિષધ પર્વતનાં નવ કૂટમાંનુ ચોથુ કૂટ–શિખર. निषध पर्वतके नौ कूटोंमेंसे चौथा कूट. The fourth of the 9 peaks of the Nisadha mount. जं० प० (२) નીલવંત પર્વતનાં નવ કૂટમાંનુ ત્રીજુ કૂટ–શિખર नीलवंत पर्वतके नौ कूटोंमेंसे तीसरा कूट. The 3rd of the 9 peaks of the Nīlavanta mount. जं०प०

पुव्वविदेहवास. पु० (पूर्वविदेहवर्ष) પૂર્વ મહાવિદેહ ક્ષેત્ર. पूर्व महाविदेह क्षेत्र. The eastern Mahāvideha region. नाया० १८,

पुव्वसिज्जातरी. स्त्री० (पूर्वशय्यातरा) સાધુઓને ઉપાશ્રયમાં રહેવાને પહેલી આજ્ઞા આપનાર–સ્ત્રી (મહાવીર સ્વામીને પહેલ વહેલા જયંતી શ્રાવિકાએ મકાનની આજ્ઞા આપી હતી) साधुओंको उपाश्रयमें रहनेके लिए पहिली आज्ञा देनीवाली स्त्री (महावीरस्वामीको जयंती श्राविकाने पहिल पहिल मकानकी आज्ञा दीथी). A lady who first of all permitted the ascetics to reside in a place of shelter, Jayantī, a laywoman, had first so permitted the lord Mahāvīra. भग० १२, २,

पुव्वा. स्त्री० (पूर्वा) પૂર્વા ફાલ્ગુની તથા પૂર્વાભાદ્રપદ નક્ષત્ર. पूर्वा फाल्गुनी तथा पूर्वा भाद्रपदा नक्षत्र The Pūrvāphālgunī and Pūrvā Bhādrapada constellations. सू० प० १०,

पुव्वाणुपुव्विं. अ० (पूर्वानुपूर्वम्) અનુક્રમે अनुक्रमसे, क्रमश. Serially राय० २३०;

पुव्वाणुपुव्वी. स्त्री० (पूर्वानुपूर्वी) અનુક્રમ, પરિપાટી अनुक्रम, परिपाटी Serial order. ओव० १०; भग० १, १; ३, २; १६, ५; १८, १०; नाया० १; २; ५, १२, १४, दसा० १०, १, निसी० १; क्रिी० ६४३,

पुव्वाफग्गुणी. स्त्री० (पूर्वाफाल्गुनी) પૂર્વા ફાલ્ગુની નક્ષત્ર पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र. The pūrvāphālguṇī constellation. सम० २, जं० प० ७, १५५;

पुव्वाभद्दवया स्त्री० (पूर्वाभाद्रपदा) પૂર્વા-ભાદ્રપદા નક્ષત્ર. पूर्वाभाद्रपदा नक्षत्र. The Pūrva Bhādrapadā constellation. सम० २, सू० प० १०,

पुव्वायामणाया. स्त्री० (पूर्वायामनताऽपूर्वाकर्षण) પહેલા ધનુષ્યની કમાન ખેંચવી તે पूर्वमें-पहिले धनुषकी कमानका खींचना Drawing the string of the first bow ' पुव्वायामणायाएत्त विचेला " भग० १, ८,

पुव्वावर न० (पूर्वापर) પૂર્વ અને પશ્ચિમ पूर्व और पश्चिम The east and west भग० ६, ५, १५, १, पंचा० ३, ४६, (२) પૂર્વકૃત્ય-અભ્યંગન મર્દન સ્નાનાદિ, અપરકૃત્ય-વિલેપન ભોજનાદિ તે બન્ને કૃત્યસહિત. दोनों कृत्यसहित-पूर्वकृत्य-अभ्यंग स्नानादि, अपरकृत्य-विलेपन भोजन आदि सहित. Together with the prior *e. g* bathing etc. and subsequent deeds *e. g.* food etc सूय० २, २, ५५;

पुव्वासाढा. स्त्री० (पूर्वाषाढा) પૂર્વાષાઢા નક્ષત્ર. पूर्वाषाढा नक्षत्र The Pūrvāṣāḍhā constellation. जं० प० ७, १५५, ठा० २, ३, सम० ४, अणुजो० १३१,

पुव्वि. त्रि० (पूर्विन्) પૂર્વને જાણનાર. पूर्वको जाननेवाला, पूर्वज्ञ. (one) who is versed in the scriptures. कप्प०८;

पुव्विं. अ० (पूर्वम्) પ્રથમ; શરૂઆતમાં. प्रथम, आरम्भमें. Formerly; at first. भग० १, ४; ३, ३, ६, १०, ६, ३३; १०, ३; नाया० १; ८, १४, आया० १, २, १, ६४, दस० ५, १, ६१, जीवा० ३ ४, राय० १७१, दसा० ६, ३१, विशे० १६८, उवा० १, ५८;

पुव्विल्ल. त्रि० (पूर्व) પહેલાનુ, આગળનુ पहिलेका Ancient; old जं० प० ५, ११७, उत्त० २६, ८,

पुव्वी. स्त्री० (पूर्वी) અનુપૂર્વી નામે નામ કર્મની એક પ્રકૃતિ કે જે જીવને એક ગતિમાંથી બીજી ગતિમાં સિદ્ધિ રીતે લઇ જાય છે. आनुपूर्वी नाम कर्म. A migratory nature of karmic matter. क० गं० १, ४३,

पुव्वोत्तरा. स्त्री० (पूर्वोत्तरा) ઇશાન ખુણો ईशान्य कोण. North-east प्रव० ७६०.

पुस्स. पु० (पुष्य) પુષ્ય નામનુ નક્ષત્ર पुष्य नामक नक्षत्र A constellation named Pusya. विशे० ३४०८, सम० ३: अणुजो० १३१, ठा० २, ३, नाया० ८, सू० प०१०. (२) નવમા તીર્થંકરને પ્રથમ ભિક્ષા આપનાર नवें तीर्थंकरको पहिले भिक्षा देनेवाला (one) who offered alms first of all to the 9th Tīrthankara सम० प० २३२,

पुस्समाणव. पु० (पुष्यमानव) બન્દિજન, મંગળપાઠક वन्दीजन; विरदावलि गायक, मंगलपाठक. A bard ओव० ३२, नाया० ८.

पुस्सायण. पु० (पुष्यायन) રેવતી નક્ષત્રનુ ગોત્ર रेवती नक्षत्रका गोत्र The family-origin of Revatī constellation जं० प० ७, १५६, सू० प० १०;

पुहई. स्त्री० (पृथिवी) પૃથ્વી. ભૂમિ. पृथ्वी, भूमि. The earth सु० च० २, १६;

पुहुत्त न० (पृथक्त्व) બેથી માંડી નવ સુધીની સંખ્યા. दोसे लगाकर नौ तककी संख्या. From two to nine ठा० ४, १,

भग० ६, ५, २०, ५; २१, १, २५, ४-६; नंदी० १२;

पुहत्तिय. न० (पृथक्त्व) જુઓ " પુહત " શબ્દ. देखो "पुहत्त" शब्द Vide "पुहत्त" भग० १८, १,

पुढवी. स्त्री० (पृथिवी) પૃથ્વી; ભૂમિ. पृथ्वी; भुमि, धरा. The earth. अणुजो० १२८; प्रव० ४८८; (२) પશ્ચિમ દિશાના રૂચક પર્વતપર વસનારી આઠ દિશાકુમારીમાંની ત્રીજી. पश्चिम दिशाके रुचक पर्वतपर निवास करनेवाली आठ दिशाकुमारियोंमेंसे तीसरी The 3rd of the 8 Diśākumāris residing on the Ruchaka mount of the east ज० प० ५, ११४; (३) સાતમા તીર્થંકરની માતા. सातवें तीर्थंकरकी माता. Mother of the 7th Tīrthankara. प्रव० ३२१; सम० प० २३०; (४) ત્રીજા વાસુદેવની માતા. तीसरे वासुदेवकी माता. Mother of the 3rd Vāsudeva. सम० प० २३५; —**सिलापट्टय.** न० (-शिलापट्टक) પૃથ્વીમય શીલાનું પટ્ટક; પાટને આકારે મ્હોટી પૃથ્વીની શિલા. पृथ्वीमय शिलापट्ट, पाटके आकारमें विशाल पृथ्वीकी पाषाण-शिला An earthen slab. नाया० १;

पुहुत्त. न० (पृथक्त्व) બેથી નવ સુધીની સંખ્યા. दोसे लगाकर नौ तककी संख्या From two to nine पचा० १०, ६, अणुजो० १४; १३४, (२) પૃથક્પણું, જુદાપણું, અનેકતા. भिन्नता, जुदाई; अनेकता. Difference; multiplicity. ठा० १०, १; उत० २८, १३; ३६, ६४; भग० ५, ६; ८, ६; १२, ६; १७, १, १८, १, २४, २०, ओव० २०; विशे० ६०८; जीवा० ३, १, पन० १५;

पुहुत्तवितक्कसवीयारि त्रि० (पृथक्त्ववितर्कसविचारिन्) શુક્લધ્યાનનો પહેલો ભેદ. એક દ્રવ્ય આશ્રિત ઉત્પાત વ્યય અને ધ્રૌવ્યનો વિચાર કરતાં શ્રુતજ્ઞાનાનુસાર અર્થથી વ્યંજનમાં અને વ્યંજનથી અર્થમાં વિચાર સંક્રમણ કરવો તે. शुक्लध्यानका पहिला भेद; एक द्रव्य आश्रित उत्पात व्यय और ध्रौव्यका विचार करतेहुए श्रुतज्ञानानुसार अर्थमे व्यंजनमें और व्यजनमें अर्थमें किया जानेवाला विचार सक्रमण. The 1st variety of the highest form of meditation, transforming thought activity from the consonants to a meaning and *vice versa* according to scriptural knowledge while thinking about the destruction, expenditure and eternity of a particular substance भग० २५, ७,

पुहुत्तवियक्क पु० (पृथक्त्ववितर्क) શુક્લ ધ્યાનનો પહેલો ભેદ, એક દ્રવ્ય આશ્રી રહેલ પર્યાયોનો ભેદ-જુદાપણું ચિન્તવવું તે. शुक्ल ध्यानका पहिला भेद The first variety of the highest form of meditation; meditating upon the difference that lies in the modification of a substance. ओव० २०,

पूअण. न० (पूजन) પૂજન, અર્ચન. पूजा, अर्चन. Worship ज० प० ५, ११५, दस० १०, १, १७,

पूअणा. स्त्री० (पूजना) પૂજન. पूजन. Worshipping प्रव० १००,

पूइ. स्त्री० (पूति) દુર્ગંધી, સડેલુ. दुर्गन्धित, सड़ाहुआ. Foul-smelling, rotten. उत्त० ७, २६, पिं० नि० २४३, विशे०

२०८, (२) ५२; २सी तह्र. (३) જેમા આધા કર્મીની સીથ મળી હોય તેવો આહાર લેવાથી લાગતો એક દોષ. A fault incurred by taking food which has..............प्रव० ५७८, —**पिन्नाग.** पुं० (-पिण्याक) કોહી ગયેલો પિનાગ (ખોળ)...........that is rotten. आया० २, १, ८, ४६, —**मंस.** न० (मास) સડેલું માસ. सड़ाहुआ मांस. Rotten flesh पंचा० १६. १२,

पूइअ. त्रि० (पूजित) પૂજાયેલુ, પૂજા પામેલ. पूजित; प्रतिष्ठित, प्राप्त पूजा-प्रतिष्ठा. Worshipped. ज० प० ५, ११२, अणुजो० ४३; दस० ५, २, ४३, दसा० ५, २; उत्त० १, ४८,

पूइकड. त्रि० (पूतिकृत) આધા કર્મી આહારના અંશવાળુ आधा कर्मी आहारके अंशवाला. Having a portion of food of Ādhakarma. सूय० १, १, ३, १;

पूइकराणी. स्त्री० (पूतिकर्णा) કોહ્યા-સડેલા, કાનવાળી सड़ेहुए,-चरनेवाले-कानवाली. (one) whose ears are rotten. उत्त० १, ४,

पूइकम्म पु० (पूतिकर्मन्) આધા કર્મી આહારના અંશવાળુ, સાધુએ આહારમાં ટાળવાના દોષમાનો એક દોષ आधाकर्मी आहारके अंशवाला; साधुको आहारमें टालने योग्य दोषोंमेंसे एक दोष. A fault of food which an ascetic ought to avoid, having a portion of food of Ādhā karma. प्रव० ५७२, निसी० १, ५७, ओव० ४०; दस० ५, १, ५५;

पूइत्ता. स्त्री० (पूतिता) દુર્ગંધપણુ; સડવાપણુ. दुर्गन्धता; सड़न, दुर्गन्धी; बदबू. Noisesomeness. अणुजो० १३६; भग० ६, ७;

पूइय. त्रि० (पूतिक) સડેલુ; દુર્ગન્ધવાળુ. सड़ाहुआ, दुर्गन्धवाला. Rotten; foul-smelling. नाया० ८, ६, भग० ६, ३३, पिं० नि० १७४, राय० २६,

पूइय. त्रि० (पूजित) સત્કાર કરાએલુ; પૂજેલુ. सत्कारित, सम्मानित, पूजित. Worshipped, honoured. उवा० ७, १८७, २१८; नाया० १; ८; भग० ११, ११; १२, ८, ओघ० नि० ५२७; दस० ५, २, ४३, उत्त० १, ४८, कप्प० ४,.६८,

पूई. स्त्री० (पूति) એ નામનુ એક વૃક્ષ. इस नामका एक वृक्ष A tree so named. पन्न० १,

पूईकम्म. पु० (पूतिकर्मन्) જુઓ "પૂઇકમ્મ" શબ્દ. देखो " पूइकम्म " शब्द. Vide. "पूइकम्म". पिं० नि० ६२,

पूग. पुं० (पूग) સોપારીનું ઝાડ. सोपारीका वृक्ष. The Betel-nut tree. ज० प०

√पूज. धा० I. (पूज्) પૂજન કરવું; પૂજવુ. पूजना; पूजा करना. To worship.

पूयइ. सु० च० ४, ८१;

पूअंति. दस० ६, २, १५;

पूअयामि दस० ६, १, १३;

पूइज्जइ. क० वा० सु० च० ४, २६;

पूजग. त्रि० (पूजक) પૂજનાર; પૂજારો પુજારી; पूजक. A worshipper. पंचा० ४, ४४,

पूजिअ. त्रि० (पूजित) પૂજેલું; માનેલુ; માનનીય. पूजित, मान्य. Worshipped; honoured. ओव०

पूति स्त्री० (पूति) દુર્ગંધ; બદબો. दुर्गन्ध, बदबू. Stench; foul-smell. जं० प०

पूतिकम्म न० (पूतिकर्मन्) જુઓ " પૂઇકમ્મ " શબ્દ. देखो " पूइकम्म " शब्द. Vide " पूइकम्म ". पंचा० १३, ५;

पूतिय. न० (पूतिक) ફળ વિશેષ. फल विशेष. A particular fruit. भग० २२, २;

पूतिया. स्त्री० (पूतिका) રસ વિકાર; રસનું બગડવું रस विकार; रसका बिगडना. Putrefaction of a juice. (२) પરુ; રસી पीव Pus जीवा० ३, ३;

पूप. पु० (अपूप) પુડલા; માલપુવા. मालपूए. A sweet-cake. पिं० नि० ५५७,

पूय. त्रि० (पूत) પવિત્ર; શુદ્ધ થયેલ. पवित्र, पूत, शुद्ध. Purified. सु० च० १, ३१८, ओव० ३८, ४०, दस० ५, १, ८६; नाया० ७, —प्पा. पु० (-आत्मन्) શુદ્ધ-પવિત્ર આત્મા. शुद्धात्मा, पवित्रात्मा. A pure soul नाया० ५,

पूय-अ. न० (पूय) પરુ; રસી रसी; रक्ता. Pus आया० २, १, ५, २६, दस० १, ७१, विना० ७, ८, निसी० ३, ३६; सूय० १, ५, १, २३; २, २, ६६; भग० ६, ३३; १२, ७, नाया० १, ८; दसा० ६, १, पन्न० १; २. पगह० १. १; —आसव. पु० (आस्रव) વિકાર પામેલ રુધિર; પરુનું વહેવું. विकृत रुधिर; रसी-प्रदरका बहना. Flowing of pus नाया० ८; —कवल. न० (-कवल) પરુનું કવલ-કોળીઓ. पीवका कौर. A morsel of pus. विवा० ८; —पडल. न० (-पटल) પરુનો સમૂહ. पीवका समूह. A collection of pus नाया० १२, —प्पवाहि. त्रि० (-प्रवाहिन्) પરુ-રસીને વહન કરતું-વહેતું. पीवको वहन करनेवाला. That which increases the flow of pus. विवा० १,

पूय. पुं० (अपूप) પુરી, માલપુવા વગેરે. पूरी मालपूए आदि. Sweet-cake. आया० २, १, ६, ५१; प्रव० १३७५;

पूयअ. त्रि० (पूजक) પુજા-સેવા કરનાર. पूजक सेवक A worshipper. उत्त० १७, ५:

पूयण न० (पूजन) પૂજન. पूजन. Worshipping. पंचा० ६, २६; आया० १, १, १, ११; प्रव० १५०५; नि० ३, ३; उत्त० ३५, १८, —ट्ठ त्रि० (-अर्थ) પૂજા માટે. पूजाके लिए. For worshipping. दस० ५, २, ३५;

पूयणा. स्त्री० (पूजना) કામવિભૂષા. કામોદ્દીપક શણગાર. कामविभूषा, कामोद्दीपक शृंगार. A decoration of the body that excites sexual feeling. सूय० १, ३, ४, १७,

पूयणा. स्त्री० (पूतना) એ નામની એક શાકિની કે જે પોતાના જુવાન પુત્ર ઉપર આસક્ત થઈ હતી इस नामकी एक शाकिनी जो अपने युवा पुत्र पर मोहित हो गईथी. A Śākinī so named who was enamoured of her own young son. सूय० १, ३, ४, १३ (२) કૃષ્ણની વેરણ એક વિદ્યાધરી; માસી પૂતના. An enemy of Krsna; his mother's sister. पगह० १, ४;

पूयणिअ. न० (पूतनिक) વાસણ વગેરેનું તળીયું बरतन आदिका पेंदा. Bottom of a vessel. ओघ० नि० ३७४;

पूयणिज्ज. त्रि० (पूजनीय) પૂંજવા યોગ્ય. पूज्य, पूजनीय. Adorable, पंचा० ८, ४०; ओव० भग० १०, ५; नाया० १६; राय० १६०;

पूयता. स्त्री० (पूयता) રસી-પરુપણું रसी; पूयता. Pus. विवा० १;

पूयफल. न० (पूगफल) સોપારી. सुपारी. Betel-nut. सूय० १, ४, २, १२; भग० २२, १;

पूयफली. स्त्री० (पूगफली) સોપારીનું ઝાડ. सुपारीका वृक्ष Betel-nut tree. जीवा० ३, ३; पत्र० १,

पूयलिया. स्त्री० (पूपिका) પુડલા मालपुआ. Sweet-cake. प्रव० २३६;

पूयसक्कार. पु० (पूजासत्कार) પૂજન અને વસ્ત્રાદિકથી સત્કાર पूजा तथा वस्त्रादिद्वारा कृत सत्कार Honouring by worship and garments. प्रव० ८८७,

पूया-आ. स्त्री० (पूजा) પૂજા; પૂજન; વસ્ત્ર પાત્રાદિ વગેરેથી સત્કાર કરવો તે. पूजा; पूजन, वस्त्र पात्रादिद्वारा किया जानेवाला सत्कार Worship; adoration; veneration उत्त० १५, ५; ८, भग० ११; ११, १५, १; ओघ० नि० भा० ७७, पण्ह० २, १; सु० च० १, ४३, पंचा० ७, ५; ८, १८, भत्त० ३१, —भत्त. न० (-भक्त) કલાચાર્યાદિના સત્કારાર્થે નિપજાવેલું ભોજન कलाचार्य आदिके सत्कार निमित्त उत्पादित भोजन. Food prepared for honouring. वेय० २, १६, —सक्कार पु० (-सत्कार) પુજા અને સત્કાર पूजा और सत्कार समान. Worship and honour. ठा० ६, १,

पूर. धा० II. (पूर) પૂર્ણ કરવું, પુરુ પાડવુ, पूरा करना. To fulfill (२) પાલન કરવુ (२) पालना. To observe

पूरेइ. भग० १, ६, २, १; नाया० १६; पन्न० ३६; जं० प० ७, १५१,

पूरिंति. सु० च० २, १६४, ज० प० ५, ११४;

पूरइत्ता. सं० कृ० नाया० १६,

पूरित्तए. हे० कृ० आया० १, ३, २, ११३;

पूरयंत. व० कृ० नाया० ६;

पूरिज्जइ. क० वा० विरो० १०६;

पूर. पुं० (पूर) નદીનો વધેલ પ્રવાહ. नदीका बढ़ाहुआ प्रवाह Flood. सया० ७८; (२) સમૂહ. समूह. A host पण्ह० १, ३;

पूरग. त्रि० (पूरक) પુરનાર; ભરનાર. पूरक; पूर्ण करनेवाला; भरनेवाला. (one) who fulfills, fills कप्प० ३, ३८,

पूरण. पु० (पूरण) એ નામનો એક ગૃહસ્થ. इस नामका एक गृहस्थ. A householder so named भग० ३, २, उवा० १, ६६,

पूरण. पु० (पूरण) ચમરેંદ્રના પુર્વ ભવનું નામ चमरेन्द्रका पूर्व भवका नाम. Name of the previous life of Chamarendra भग० ३, २; (२) સલિલાવતી વિજયની વીતશોકા નગરીના બલ રાજાની ધારણી રાણીનો પુત્ર. सलिलावती विजयकी वीतशोका नगरीके बलराजाकी धारिणी रानीका पुत्र. Son of the queen Dhāriṇī wife of the Balarājā of Vītaśokā city in Salilāvatī territory. नाया० ८, (३) અંતગડ સૂત્રના બીજા વર્ગના સાતમા અધ્યયનનુ નામ अंतगड सूत्रके दूसरे वर्गके सातवें अध्ययनका नाम Name of the 7th chapter of the 2nd group of Antagada Sūtra. अंत० २, ७, (४) અંધકવૃષ્ણિ રાજાની ધારણી રાણીના પુત્ર કે જે નેમનાથ પ્રભુ પાસે દીક્ષા લઇ ગુણરયણ તપ કરી સોળ વર્ષની પ્રવજ્યા પાળી એક માસનો સથારો કરી શત્રુંજય ઉપર નિર્વાણપદ પામ્યા. Son of the queen Dhāriṇī, wife of the king Andhakavṛṣṇi, who being initiated by the lord Neminātha, practised Guṇarayaṇa penance, remained an ascetic for 16 years and attained salvation

after fasting for a month on the Śatrunjaya mount. श्रंत० २, ७, (५) પૂર્ણ કરવું; પાર ઉતારવું. पूर्ण करना, पार उतारना. Fulfilling; completing. विशे० १०५,

पूरय. पु० (पूरक) દુધનો ઉકાળો दुधका उफान. Swelling of the milk when boiled. पन्न० १७,

पूरिश्र त्रि० (पूरित) સમ્પૂર્ણ કરેલ, પુરુ કરેલ सम्पूर्ण कियाहुआ, समाप्त. Completed, finished. ज० प० ५, ११५; विशे० ३८५. नंदी० ३५.

पूरिम. त्रि० (पूरिम) કંઈ વસ્તુની પૂરણી કરીને બનાવેલ-માટી, ધાતુનાં પુતળાં વગેરે. कई वस्तुओंके योगमें बनायाहुआ-मिट्टी-धातु आदिके पुतले A statue made of an alloy of metals etc आया० २, १२, १७१, अणुजो० १, नाया० १३, (२) વાસની શળીમાં ફુલ પરોવીને બનાવેલ बांसकी सलीमें फूल पिरोनेके लिए बनायाहुआ. Made of flowers strung on a bamboo needle ओव० ३८, भग० ६, ३३, नाया० १ ठा० ४, ४. निसी० १२, २०, जीवा० ३, ३. ४.

पूरिमा. स्त्री० (पूरिमा) એ નામની ગન્ધાર ગ્રામની ત્રીજી મૂર્ચ્છના इस नामकी गान्धार ग्रामकी तीसरी मूर्च्छना. The 3rd intonation so named of the Gandhāra group of musical notes अणुजो० १२८; ठा० ७. १.

पूरेयव्व. त्रि० (पूरयितव्य) પૂરવા લાયક पूर्ण करने-भरनेके योग्य Fit to be filled. भग० १२, ४,

पूव. पु० (पूप) માલપુવા, પુડલા વગેરે. मालपुए. Sweet-cake. वेय० २, ७,

पूस. पुं० (पूषन्) પુષાદેવતા; રેવતી નક્ષત્રનો અધિષ્ઠાતા દેવ. पूषादेवता, रेवती नक्षत्रका अधिष्ठाता देवता. The presiding god of Revatī constellation. जं० प० ७, १५५; १५७, ठा० २, ३; अणुजो०१३१;

पूसनंद-दि. पु० (पुष्यनन्द-न्दि) પુષ્યનંદી નામે એક યુવરાજ. पुष्यनदी नामक एक युवराज. A prince named Pusya nandī. विवा० ६,

पूसफली. स्त्री० (पुष्पफली) કુષ્માંડ-કોળાની વેલડી. कद्दू-कोला-कुष्मांडकी बेल A pumpkin. भग० २२, ६, पन्न० १,

पूसमाणय पु० (पोष्यमानव) ભાટ, ચારણ ભાટ; चारण, वन्दीजन A bard. ज० प० ३, ६७; कप्प० ५, १०७;

पूसमाणव. पु० (पोष्यमानव) મણિનું એક જાતનું લક્ષણ. मणिका एक लक्षण A characteristic of a gem राय० ४६; (२) મગળપાઠક, ભાટ ચારણ વગેરે भाट चारण आदि मंगल स्तुति पाठक A bard. ज० प० ३, ६७, ५, ११६;

पूसमित्त. पुं० (पुष्पमित्र) આર્યરક્ષિત સૂરિના દુર્બલિકા પુષ્પમિત્ર નામના શિષ્ય. आर्य रक्षितसूरिके दुर्बलिकाके पुष्पमित्र नामक शिष्य A disciple named Puspamitra of .. ..विशे० २२८६;

पूसा. स्त्री० (पुष्या) મહાવીર સ્વામીના છઠ્ઠા કુડકોલિય શ્રાવકની સ્ત્રીનું નામ. महावीर स्वामीके छठे कुडकोलिय श्रावककी स्त्रीका नाम Name of the wife of the 6th layman follower of Mahāvīra Svāmī उवा० ६, १६३; १०, २७७.

पेश्रश्र पु० (पेचक) હાથીની પુછડીનો મૂળ ભાગ हाथीकी पूछका मूल भाग. The root of the tail of an elephant. ठा० ४, २,

पेइय. त्रि० (पैतृक) પિતા સમ્બંધી. पिता सम्बन्धी पैतृक. Paternal भग० १, ७, —**अंग.** पुं० न० (-अङ्ग) પિતાના અંગ, પિતા તરફથી વારસામાં મળેલ અંગ-અવયવ पिताके अंग-पिताकी ओरसे वसियतमें आयेहुए-प्राप्त अवयव. Inheritance got from a father. भग० १, ७, —**दाय.** न० (-दाय) પિતા સંબંધિ ધન. पैतृकधन, दायभाग. Paternal wealth. दसा० १०, ३.

पेंखोलमाण त्रि० (प्रेंखोलमान) ડોલતું, હીંચકતું. डोलताहुआ; झूलताहुआ Rolling; swinging नाया० १,

पेक्खणय. न० (प्रेक्षणक) ખેલ, તમાશો. खेल, तमाशा A play, a sport सु० च० ६, ४०,

पेक्खणा. स्त्री० (प्रेक्षणा) પડિલેહણનો પર્યાય શબ્દ. पडिलेहणाका पर्यायवाची शब्द. A synonym for Padilehana ओघ० नि० ६२;

पेच्च पु० (प्रेत्य) મરીને જન્માન્તરમાં જવું તે, પરભવ. प्रेत्य; परत्र, परलोक गमन. Taking another birth after dying उत्त० ४, ३, भग० १, १, विशे० १५६०, (२) મરીને Having died सु० च० १४, १, —**भव** पु० (-भव) મરીને જન્મવું; બીજો અવતાર; પુનર્જન્મ पुनर्जन्म. Rebirth ओव० २७,

पेच्चमाण व० कृ० त्रि० (आक्रमत्) આક્રમણ કરતું आक्रमण करताहुआ Attacking भग० ८, ७, १८, ८.

पेच्चा अ० (प्रेत्य) પરલોકમાં, મરીને. परलोकमें, मरनेके बाद After death. उत्त० ६, ५८; ओव० ३८, नाया० १, १, १, ३, पण्ह० २, १,

पेच्छणा स्त्री० (प्रेक्षणा) જોવું તે, નિરીક્ષણ. प्रेक्षण; दर्शन निरीक्षण Observation. भग० ३, १; पंचा० ६, ५, —**घर-ग** न० (-गृह-क) જેમાં બેસી વનના કે નાટકના દશ્યો જોઈ શકાય તેવું ઘર, પ્રેક્ષા ઘર वह मकान-या स्थान जहाँ बैठकर वन के नाटककी रंगभूमिके दृश्य देखे जासके. A theatre; a play-house. नाया० ३, राय० १३६,

पेच्छणिज्ज. त्रि० (प्रेक्षणीय) જોવા યોગ્ય. दर्शनीय Fit to be seen ज० प० २, २१, नाया० १, भग० ११, ११; जीवा० ३, ३, ओव०

पेच्छा. स्त्री० (प्रेक्षा) જોવું, નિરીક્ષણ કરવું. देखना; निरीक्षण करना Observing ओव० ३८, राय० ५७, —**मंडव.** पुं० (-मण्डप) પ્રેક્ષામંડપ-માંડવો. प्रेक्षक मंडप. A theatre. प्रव० १४६१,

पेच्छाघर न० (प्रेक्षागृह) મુખમંડપ આગળની પટશાલ, પ્રેક્ષાઘર; નાટક વગેરે જોવાનું સ્થાન. रंगभूमिके सामनेका स्थान जहाँ पर प्रेक्षकगण बैठते है. A theatre; a play house. जीवा० ३, ३; ज० प० ठा० ४, २, राय० १५२; —**मंडव** पु० (-मण्डप) પટશાલનો માંડવો. पटशाल-रंगभूमिके सामनेका मण्डप. A theatre. भग० ११, ११;

पेज्ज. त्रि० (प्रेयस्) અતિશય પ્રિય; વહાલું. अतिशय प्रिय; प्यारा Very dear. ओघ० ३६,

पेज्ज न० (पेय) પીવા લાયક-દુધ વગેરે પદાર્થ. पेय; पीनेके योग्य, दूध आदि पदार्थ That which can be drunk नाया० १७; पिं० नि० ६२४, उवा० १, ३३,

पेज्ज. पु० (प्रेमन्) પ્રેમ, સ્નેહ, રાગ. प्रेम; स्नेह, राग. Love. ठा० १, १; उत्त० ४, १३; मणुजो० १२७, नाया० १, भग० १,

६; ८; १२, ५. सूय० २, ५, १२, दसा० ६, ४; पन्न० ११; —बंध. पु० (-बन्ध) પ્રેમ-રાગ બંધન, રાગ મોહનીયનો સમ્બન્ધ प्रेम-रागबंधन, राग मोहनीयका सम्बन्ध. Bond of attachment ठा० २, ४, —बंधण न० (-बन्धन) પ્રેમનું બન્ધન प्रेमका बन्धन. Boud of love. भग० ८, ५, दसा० ६, २, —वत्तिया. स्त्री० (-वृत्तिका) પ્રેમનિમિત્તક મૂર્ચ્છા, માયા કપટાદિ લોભથી ધનાદિકની મૂર્ચ્છા प्रेम निमित्तक मूर्च्छा. माया कपट आदि लोभके कारण धनादिकी मूर्च्छाका मोह Infatuation due to attachment, infatuation of wealth through deceit, hypo crisy etc ठा० २, ४,

पेट. पु० (पेट=जठर) પેટ, ઉદર पेट, उदर Stomach. तडु. —वेयणा. स्त्री० (-वेदना) પેટપીડ, પેટનો દુખાવો. पेटकी पीड़ा Stomach-ache तडु०

पेडा. स्त्री० (पेडा) પેટી. पेटी; सन्दूक A box. तडु० (२) કોઈ સાધુ ભિક્ષા-ગોચરીને માટે પેટીને આકારે અભિગ્રહ ધારણ કરે એટલે કે પેટીને આકારે ચારે દિશામા ચારે ખુણે ગોચરી કરે તે, ભિક્ષાના અભિગ્રહનો એક પ્રકાર. A vow of begging in the form of a box *i. e* begging in all corners and directions. प्रव० ७५२; उत्त० ३०, १६, ठा० ६, १, दसा० ७, १,

पेडी. स्त्री० (पेडा) પેટી, મંજુષા. पेटी, सन्दूक A box. भग० १३, ६,

पेढ न० (पीठ) બાજોઠ (२) ઓટલો बाजूट, ओटला, वेदी A platform; a stool. नदी० स्थ० १२. ज० प० ५, ११४,

पेढाल. पु० (पेडाल) પેઢાલ નામે ભાવિ આઠમા તીર્થંકર. पेढाल नामक भावी आठवें तीर्थंकर The 8th would-be Tīrthankara named Pedhāla. प्रव० २६५; ४६७;

पेढालपुत्त पु० (पेढालपुत्र) પેઢાલ નામના વિદ્યાધરનો પુત્ર કે જેણે મહાવીર સ્વામિના શાસનમાં તીર્થંકર નામ ગોત્ર ઉપાર્જ્યું-મેળવ્યું, અને આવતી ચોવીસીમાં આઠમા તીર્થંકર થશે पेढाल नामक विद्याधरका पुत्र जिसने महावीर स्वामीके शासनमें तीर्थंकर नामक गोत्रका उपार्जन किया, और जो आगामी चौबीसीमें आठवें तीर्थंकर होंगे. Son of a Vidyādhara named Pedhāla who in the reign of the lord mahāvīra Svāmi earned the Tīrthankara family-origin and will be the 8th Tīrthan kara in the coming cycle. ठा० ६, सम० प० २४१, (२) અણુત્તરોવવાઇ સૂત્રના ત્રીજા વર્ગના આઠમા અધ્યયનનું નામ अणुत्तरोववाइ सूत्रके तीसरे वर्गके आठवें अध्ययनका नाम Name of the 8th chapter of the 3rd group of Anuttarovavāi Sūtra. अणुत्त० ३, ८, (३) કાકંદી નગરી નિવાસી ભદ્રાસાર્થવાહીના પુત્ર કે જે દીક્ષા લઇ છઠ્ઠછઠ્ઠના પારણાની પ્રતિજ્ઞા લઇ ૧૧ અંગ ભણી ઘણા વર્ષની પ્રવ્રજ્યા પાળી એક માસનો સંથારો કરી, સર્વાર્થસિદ્ધ મહાવિમાને પહોંચ્યા, ત્યાંથી એક અવતાર કરી મોક્ષે જશે. काकन्दी नगरी निवासी भद्रासार्थवाहीके पुत्र जिन्होंने दीक्षित हो छठ २ के पारणोंकी, प्रतिज्ञा ली, ११ अंगोंका अध्ययन कर बहुत वर्षोंकी प्रवज्या पाली, और जो एक मासका संथारा कर सर्वार्थसिद्ध महा विमानमें पहुँचे वहाँसे एक अवतारके बाद मोक्षको

जायगे. Son of a merchant residing at Kākandī, who being initiated, practised a vow of fasting, studied the 11 Angas, remained an ascetic for a long time, fasted for a month and reached Sarvārthsiddha great celestial abode. Thence will he attain salvation after one incarnation अणुत्त० ३, ८,

पेढिया. स्त्री० (पीठिका) માચી; માંચડી. माची. A stool सूय० २, ७, १७, (२) પેઢલી, ચોતરો, પ્લાટફાર્મ चबूतरा A platform ज० प० (३) જ્યાં ઇન્દ્રકીલિકા-કમાડ અટકાવવાનું સાધન રહેતું હોય તે સ્થાન वह स्थान जहाँ दरवाजेको अटकानेका साधन-इन्द्रकीलिका-रहती हो. The place which has a hook to support a door. जीवा० ३, ४,

पेम. न० (प्रेमन्) આસક્તિ, પ્રીતિ. आसक्ति, प्रीति. Attachment, love ओव० १०; भग० २, ५, दस० ८, २६-५६, राय० २२४; प्रव० ४५८, उवा० ७, १८१; **—अणुराग** पु० (-अनुराग) પ્રેમનો અનુરાગ प्रेमपूर्ण अनुराग Love भग० २, ५, **—अणुरागरत्त** त्रि० (-अनुरागरक्त) પ્રેમના અનુરાગે રંગાયેલ. प्रेमानुरागमें रंगा-हुआ. Enamoured. दसा० १०, ८, **—बंधण.** न० (-बन्धन) પ્રેમનું બંધન. प्रेमका बंधन. Bond of love. ज० प० २, २४,

पेयकाइय पु० (प्रेतकायिक) વ્યંતર દેવતાની એક જાત. व्यन्तर देवनाकी एक जाति. A class of Vyantara gods भग० ३, ७,

पेयदेवयकाइय. पु० (प्रेतदेवताकायिक) શક્રેન્દ્રના લોકપાળ જમની આજ્ઞા માનનાર દેવતાની એક જાત. शक्रेन्द्रके लोकपाल यमकी आज्ञा माननेवाले देवताकी जाति. A class of gods who obey Yama the lokapāl of Sakrendra. भग० ३, ७,

पेयसद्द. न० (पेयाशब्द) મ્હોટી કાહલી-વાજિત્ર વિશેષનો શબ્દ. वाद्य विशेषकी ध्वनि Sound of a particular musical instrument. निसी० १७, ३३,

पेया. स्त्री० (पेया) મ્હોટી કાહલી, વાદ્ય વિશેષ वाद्य विशेष A big musical instrument. राय० ८२;

पेयाल पु० (*) વિચાર. विचार. Thought विशे० १३६१; उवा० १, ४४, (२) પ્રમાણ, માપ. माप; परिमाण Measure. नदी० स्थ० २७,

पेयालणा स्त्री० (*) પ્રમાણ કરવું, માપવું. मापना. Measuring. पिं० नि० ६५;

पेरण न० (प्रेरण) પ્રેરણા. (२) ઠપકો प्रेरणा (२) ठपका Urging, blame. उत्त० १, २८,

पेरन्त न० (पर्यन्त) છેડો; અન્ત अन्त, छोर An extremity, end. अणुजो० १४६; ओव० ४३, नाया० १, ५, १८; विवा० ३, ज० प०

पेलव. त्रि० (पेलव) મૃદુ; કોમળ, સુવાળું. मृदु, कोमल, सुमनोहर. Soft. भग० ६, ३३; जीवा० ३, ४, राय० १८६,

पेलु. पु० (पेलु) રૂની પૂણી. रूईकी पूनी. A spindle of cotton. पिं० नि० भा० ३५;

पेलुगा. स्त्री० (पीलुका) એ નામની વનસ્પતિ, પીલુ. इस नामकी एक वनस्पति, पीलु A particular vegetation पन्न०१,

पेलश्र. पु० (प्रेरक) અણુત્તરોવવાઇ સૂત્રના ત્રીજા વર્ગનાં ચોથા અધ્યયનનું નામ. भ्रणुत्तरोववाइ सूत्रके तीसरे वर्गके चौथे भ्रध्ययनका नाम. Name of the 4th chapter of the 3rd group of Anuttarovavāi Sūtra. भ्रणुत्त० ३, ४; (२) કાકંદિ નગરી નિવાસી ભદ્રાસાર્થવાહીના પુત્ર કે જે દીક્ષા લઈ, છઠ્ઠછઠ્ઠનાં પારણાની પ્રતિજ્ઞા લઈ, ૧૧ અંગભણી ઘણાં વર્ષની પ્રવજ્યા પાળી એક માસનો સથારો કરી, સર્વાર્થસિદ્ધ વિમાને ઉત્પન્ન થયા, ' ત્યાંથી એક અવતાર કરી મોક્ષે જશે. काकन्दी नगर निवासी भद्रसार्थवाहीके पुत्र जिन्होंने दीक्षित हो, छठछठके पारणोंकी प्रतिज्ञा की, ११ भ्रगोंका भ्रध्ययन किया, बहुत वर्षोंतक प्रव्रज्या पाली भ्रौर भ्रन्तमें जो एक मासका संथारा करके सर्वार्थसिद्ध विमानमें उत्पन्न हुए, वहाँसे एक भ्रवतारके पश्चात् मोक्षको प्राप्त होंगे Son of a merchant residing at Kākandī, who being initiated, practised a vow of fasting, studied the 11 Angas, remained an ascetic for a long time, fasted for a month and reached Sarvārthsiddha great celestial abode. Thence will he attain salvation after one incarnation. भ्रणुत्त० ३, ४;

पेलणा. न० (प्रेरण) પ્રેરણા કરવી; કામ કરાવવું. प्रेरणा करना; काम करवाना. Urging; impelling. पिं० नि० ३५५; पण्ह० १, ३; भ्रोघ० नि० भा० ७५; भ्रोघ० नि० ४६३;

पेल्लिय. त्रि० (प्रेरित) ધકેલાયેલું. धकायाहुभ्रा; प्रेरित. Graded. पिं० नि० ४१८,

पेस. न० (पेस) સિંધદેશમાંના પેસ જાતના સૂક્ષ્મ ચામડીવાળા પશુના ચામડાની બનાવટનુ વસ્ત્ર. सिंध देशस्थ पेस नामक सूक्ष्म चर्मवाले पशुके चर्मकी पनावटका वस्त्र. A dress made of the thin skin of an animal known as Pesa in Sindha. भ्राया० २, ५, १, १४५;

पेस. पु० (प्रेष्य) નોકર; ચાકર. नौकर; चाकर; सेवककर्म. A servant. प्रव० १००४; सूय० २, २, ६३; उत्त० १६, २६; भ्रोघ० नि० ४६७; नाया० १४; जीवा० ३, ३; दसा० ६, ४; वव० ६, ३-८; जं० प० पचा० १, २८, १०, २६; ठा० १०, २७७, —भ्रारंभ. पुं० (-भ्रारंभ) ચાકર પાસે આરંભ કરાવવો તે. सेवकके पास-द्वारा करायाहुभ्रा भ्रारंभ. An injury caused to be done by a servant. दसा० ६, २;

पेसग. त्रि० (पेष्यक) કામ કરનાર-નોકર काम करनेवाला; नौकर; सेवक. A servant. सूय० १, २, २, ३;

पेसण. न० (प्रेषण) મોકલવુ. भेजना. Sending. नाया० ७; पचा० १, २०;

पेसण. न० (पेषण) પીસવું તે. पीसना; पीसनेका कार्य. Grinding. गच्छा० १२६;

पेसणकारी. स्त्री० (प्रेषणकारिणी) સંદેશો પહોચાડનારી દાસી. संदेश वाहक स्त्री. A female messenger. नाया० ७,

पेसणकारिया. स्त्री० (पेषणकारिका) ચન્દન વગેરે પીસનારી-ઘસનારી દાસી. चन्दन घिसनेवाली दासी. A maid who rubs sandal. नाया० १; भग० ११, ११,

पेसत्ता. (प्रेष्यता) ચાકરપણું सेवकाई, दासता. The state of a servant. भग० १२, ७,

पेसपरिन्नाश्र. त्रि० (प्रेष्यपरिज्ञात) શ્રાવકની નવમી પડિમા આદરનાર શ્રાવક કે જે નવ માસ સુધી નોકરની પાસે પણ આરંભ કે

કામકાજ કરાવે નહિ. श्रावककी नवीं पडिमाका आदर करनेवाला श्रावक जो नव मास तक नोकरानीकेसे भी काम न करवावे. A lay-man who observes the 9th vow *viz.* that he will not cause his servant to commit injury or any work for 9 months. सम० ११;

पेसल. त्रि० (पेशल) મનોજ્ઞ, સુંદર. मनोहर, सुंदर. Attractive, beautiful. उत्त० ८, १६; १२, १३, आया० १, ६, ५, १६५; सूय० १, १३, ७, जीवा० ३, ४, पन्न० १७, (२) પેસલ નામના પશુનાં ઝીણાં રુવાંની બનાવટનું વસ્ત્ર. पेसल नामक पशुके बारीक रुओं-वालोंकी बनावटका वस्त्र A garment made of the thin hair of an animal called Pesala. आया० २, १, ५, १४५,

पेसवण. न० (प्रेषण) મોકલવુ भेजना. Sending. उवा० १, ५४, प्रव० २८५,

पेसिय. त्रि० (प्रेषित) મોકલેલ. भेजाहुआ. Sent. उत्त० २७, १३;

पेसिया. स्त्री० (पेषिका) દળનારી; પીસનારી. दलने या पीसनेवाली Female grinder. भग० १६, ३;

पेसिया. स्त्री० (पेशिका) શેરડી વિગેરેની કાતળી, ચીર. ईख-सांटे आदिकी पेरी-चेरी-फांक A piece of sugar-cane etc. आया० २, ७, २, १६०, अणुजो० १,

पेसी. स्त्री० (पेशी) માંસની પેશી-કકડો. मांस पेशी-मांसका टुकडा. A piece of flesh. पिं० नि० १६३; (२) ગર્ભની ત્રીજા અઠવાડીઆની સ્થિતિ; પાણીના પરપોટામાંથી ગાંટલાની માફક માંસ પિંડરૂપે ગર્ભનો આકાર બંધાય તે. गर्भकी तीसरे सप्ताहकी स्थिति. The condition of an embryo at the 3rd week. तडु० १६,

पेसुण्ण. न० (पैशुन्य) ચાડી, ચુગલી. चुगली; पिशुनता. Backbiting. नाया० १, भग० १, ६; पन्न० २२; ओव० ३६; महा० नि० १;

पेसुन्न. न० (पैशुन्य) ચાડી चुगली. Back-biting. कप्प० ५, ११७, प्रव० १३६६;

पेस्स. पु० (प्रेष्य) નોકર; ચાકર; સેવક. नौकर; चाकर, सेवक, दास. Servant. नाया० २,

पेहण. न० (प्रेक्षण) જોવું, દેખવું. देखना; प्रेक्षण करना. Seeing; observing. पंचा० ४, ११;

पेहणया. स्त्री० (पिधान) ઢાંકવું. ढांकना. Covering. उवा० १, ५६;

पेहणिज्ज. त्रि० (प्रेक्षणीय) દેખવા યોગ્ય. देखने योग्य, दर्शनीय Fit to be seen. दसा० १०, ५,

पेहा. स्त्री० (प्रेक्षा) અનુભવથી વિચાર કરવો તે. अनुभवसे कीगई विचारणा. Thinking with experience. सम० १७; उत्त० ६, ४; निसी० १८, १८, दस० २, ४; (२) આસન શય્યાદિક જોઇ પુંજીને વાપરવા તે; સંયમના ૧૭ પ્રકારમાંનો એક. सयमके १७ प्रकारोंमेंसे एक. One of the 17 kinds of self-restraint; using a seat or bed after carefully looking at it and sweeping. प्रव० ५६३, (३) હોઠ હલાવતાં કાઉસગ્ગ કરવો તે; કાઉસગ્ગનો ૧૯ મો દોષ. होंठ-ओठ-हिलातेहुए काउस्सग्ग करण. काउस्सग्गका १६ वाँ दोष. The 19th fault of kāusagga; shaking the lips while performing kāusagga. प्रव० २५०;

पोहिय न० (प्रेचित) કટાક્ષભરી રીતે જોવું તે. कटाक्षपूर्वक प्रेक्षण-अवलोकन. Looking with amourous glances दस० ८, ५८; उत्त० ३२, १४,

पेहुण. न० (बर्हिण) મોરના પીંછાં; મોરપીછ. मोरके पंख-पींछ. Pea-cock feathers. जीवा० ३, ४, पण्ह० १, १; २, पन्न० १७; राय० ५५, भत्त० १४१. —कलाव. पुं० (-कलाप) મોરપીછાનો સમૂહ. मोरके पंखका ढेर-समूह. A heap of pea-cock feathers. नाया० ३,

पोइय. त्रि० (पोतित) નિમગ્ન, ડુબેલું, निमग्न डूबाहुआ. Plunged. ओव० नि० १२६;

पोई. पुं० (पोती) પોઈ વનસ્પતિ વિશેષ. पोई; वनस्पति विशेष. A particular vegetation. भग० २१, ६;

पोड. न० (पोण्ड) વિકાસ ન પામેલું કમળ. विकासहीन कमल. An unopen lotus. पण्ह० १, ४, विशे० १४२५;

पोडग. पुं० (पोण्डक) વનસ્પતિ વિશેષ वनस्पति विशेष A particular vegetation. जीवा० ३, ४;

पोंडरीकिणी. स्त्री० (पुण्डरीकिणी) દક્ષિણ દિશાના અંજનક પર્વતની પુણ્ડરીકિણી નામની વાવ. दक्षिण दिशाके अजनक पर्वतकी पुण्डरीकिणी नामक बावली-वापिका. A well named Pundarikinī of the Anjanaka mount of the south. ठा० ४, २;

पोंडरीय. पुं० (पुण्डरीक) સૂયગડાંગસૂત્રના બીજા શ્રુતસ્કંધનાં પહેલા અધ્યયનનું નામ, કે જેમાં પુણ્ડરિક-સફેદ કમળની ઉપમા છે. सूयगडांग सूत्रके दूसरे श्रुतस्कंधके पहिले अध्ययनका नाम जिसमें पुण्डरीक-श्वेत कमलकी उपमा दी गई है. Name of the 1st chapter of the 2nd Śrutaskandha of Sūyagadānga Sūtra which describes the simile of the white lotus. सूय० २, १, १; ६०, (२) પીછાની પાંખોવાળું પક્ષી. पंखवाला पक्षी. A bird having feathers. पन्न० १, (३) ધોળું કમળ. श्वेत कमल. White lotus ओव० ४०; सूय० २, ३, १८, पन्न० १, राय० ४८; ज० प० (४) સાતમા દેવલોકનું એક વિમાન; એની સ્થિતિ સત્તર સાગરોપમની છે; એ દેવતા સાડાઆઠ મહિને શ્વાસોચ્છ્વાસ લે છે; એને સત્તર હજાર વર્ષે ક્ષુધા લાગે છે. सातवें देवलोकका एक विमान, इसकी स्थिति सत्तर सागरोपमकी है, यह देवता साढे आठ मासमें श्वासोच्छ्वास लेते है, और इन्हे सत्तर हजार वर्षों में क्षुधा लगती है. A celestial abode of the 7th heaven; its gods live for 17 Sāgaropamas, breathe once in 8½ months and feel hungry once in 17000 years सम० १७; (५) કુંડરીક અને પુણ્ડરીકના અધિકારવાળું જ્ઞાતા સૂત્રનું ૧૯ મું અધ્યયન. कुंडरीक और पुण्डरीकके अधिकारवाला ज्ञाता सूत्रका १९वाँ अध्ययन. The 19th chapter of Gnātā Sūtra describing Kundarika and Puṇḍarika. सम० १६,

पोक्कण पुं० (पोक्कण) એ નામનો એક દેશ. इस नामका एक देश. A country so named. (२) त्रि० તે દેશમાં રહેનાર. इस देशका निवासी. An inhabitant of that country पण्ह० १, १, पन्न० १;

पोक्कारेमाण. व. कृ. त्रि० (पूत्कुर्वत्) પોકાર કરતું. पुकार मचाताहुआ. Shouting. नाया० १८;

पोक्खर. न० (पुष्कर) કમળ. कमल. The lotus. ज० प० ३, ५७, निसी० १२,२१, (२) કમળ જેવું એક વાજિંત્ર. कमलवत् एक वाद्य यंत्र. A musical instrument like a lotus. (३) તે વાજિંત્ર વગાડવાની કળા. इस बाजेकी बजानेकी कला। The art of playing on this instrument. नाया० १; **—कणियया.** स्त्री० (कर्णिका) કમળનો મધ્ય ભાગ. कमलका गर्भ-मध्यभाग. The interior of the lotus. सम० १३; **—त्थिभाय.** पु० (-अस्थिभाग) કમળનાં બીજ જ્યાં રહેતા હોય તે ભાગ. कमलका वह स्थान जहाँ उसके बीज रहते है. The place where the seeds of the lotus are lodged ज० प० ४, ७३; पन्न० १;

पोक्खरिणी. स्त्री० (पुष्करिणी) કમળવાળી વાવ. कमलवाली बावली-पुष्करिणी A well having lotuses. नाया० २, ८, ६, १२, १३, राय० १३२,

पोक्खल. न० (पुष्कर) કમળ (२) પદ્મકેશર. कमल. (२) पद्मकेशर. The lotus. आया० २, १, ८, ४७, पन्न० १, **—विभंग.** पु० (-विभङ्ग) પદ્મકન્દ पद्मकन्द The root of the lotus आया० २, १, ५, ४७

पोक्खलावतीकड. पु० (पुष्कलावतीकूट) એકશૈલવખારાપર્વતના ચાર કૂટમાંનું કૂટ-શિખર एक शैल वखारा पर्वतके चार कूटोंमेंसे एक कूट One of the 4 peaks of Ekaśailavakhārā mount. ज० प०

पोक्खलि. पु० (पुष्कलिन) શ્રાવસ્તિ નગરીનો રહીશ એક શ્રાવક, શંખજી શ્રાવકનો જોડીદાર श्राबस्ति नगरी निवासी एक श्रावक; शखजी श्रावकका साथी. A layman resident of Śrāvasti city and friend of Śankhaji layman. भग० १२, १,

पोक्खिसण. पु० (प्रोक्षिन) પાણી છાંટી ફળ ફૂલ ખાનાર તાપસનો એક વર્ગ. पानी छींट कर फल फुल खानेवाले तपस्वियोंका एक वर्ग. A class of ascetics who eat fruits and flowers after sprinkling water. निर० ३, ३,

पोग्गल पु० (पुद्गल) રૂપ-રસ-ગન્ધ અને સ્પર્શયુક્ત મૂર્તદ્રવ્ય; ૭ દ્રવ્યમાંનુ એક દ્રવ્ય. रूप, रस, गन्ध और स्पर्शयुक्त मूर्त द्रव्य; छ द्रव्योंमेंसे एक द्रव्य. A material molecule having form, taste, smell and touch, one of the six substances. ओव० ४१; अणुजो० ७४; १३२, १३४; भग० १, १-२-४, २, १; ३, १-२-४, ५, ७-६; ७, ६, १६, २, १८, ७, २०, २, २५, ४; नाया० १, १२; निसी० ७, २६; सू० प० २०, पन्न० ३; राय० २६; (२) આત્મા, જીવ. आत्मा; जीव The soul सूय० १, १३, १५; भग० ८, १०, (३) માંસ मांस, आमिष. Flesh. विशे० २३५, पिं० नि० ५४, (४) પુદ્ગલ નામના પરિવ્રાજક કે જે આલંબિકા નગરીની બાહેર રહેતા હતા पुद्गल नामक परिव्राजक जो आलम्बिक नगरीके बाहर रहते थे An ascetic named Pudgala who lived outside the city of Ālambikā. भग० ११, १२; **—उवचय.** पु० (-उपचय) પુદ્ગલનો સમૂહ. पुद्गल समूह. An aggregate of molecules भग० ६, ३; **—कय.** त्रि० (-कृत) પુદ્ગલ સ્કંધના સમૂહથી કરેલ. पुद्गल स्कन्धके समूहद्वारा कियाहुआ Made by an aggregate of molecules. विशे० ६०, **—क्खेव** पु० (-उत्क्षेप) કાંકરાદિ પુદ્ગલનું ફેંકવું. कंकर आदि पुद्गलोंका

फेंकना. Throwing of molecules such as pebbles etc. पचा० १. २८;
—त्थिकाश्र. पु० (अस्तिकाय) વર્ણ-ગંધ-રસ અને સ્પર્શવાળુ ૭ દ્રવ્યમાનું એક દ્રવ્ય, જેનો સ્વભાવ પુરણ તથા ગાલન છે, પુદ્ગલ નામનુ એક અસ્તિકાય-પ્રદેશ સમૂહરૂપ દ્રવ્ય वर्ण-रस-गंध और स्पर्शवाला छ द्रव्यमंसे द्रव्य; जिसका स्वभाव पूरण तथा है; पुद्गल नामक एक अस्तिकाय-प्रदेश समूहरूप द्रव्य. A substance made up of a group of spatial units; a material having colour, smell, taste and touch. सम० ५, अणुजो० ६७, भग० १, ६, २, १०, ७, १०, ८, १०; २० २, —परिश्रट्ट. पु० (-परिवर्त) અનન્ત અવસર્પિણી અને અનન્ત ઉત્સર્પિણી પ્રમાણે એક કાળ વિભાગ; એક જીવ જેટલા વખતમાં લોકમાના સર્વે પુદ્ગલો ઉદારિક આદિપણે ગ્રહણ કરી પરિણમાવી લ્યે તેટલો વખત अनन्त अवसर्पिणी और अनन्त उत्सर्पिणी प्रमाणका एक काल विभाग; एक जीव जितने समयमें लोकके समस्त पुद्गलोंको उदारिक आदिरूपसे ग्रहणकर परिणमित-परिणत-करले उतना समय. A period of time required by a soul for the maturity of all the molecules of the universe in the form of physical body etc. अणुजो० ११५; भग० १२, ४, २५, ५-६; जीवा० १, पन्न० १८; विशे० ४३७; प्रव० ३८, —परिणाम पु० (परिणाम) પુદ્ગલનુ પરિણમવું. पुद्गलकी परिणति-परिणाम-होना-करना. Maturity of molecules. जं० प० ७, १७६; भग० ६, ५; ८, १०; —विवागि त्रि० (विपाकिन्) પુદ્ગલના નિમિત્તે વિપાક પામનાર. पुद्गलके निमित्त विपाक पानेवाला. That which attains maturity by means of molecules. क० प० ४, ७२,

पोग्गलत्ता. स्त्री० (पुद्गलता) પુદ્ગલપણું. पुद्गलपना-ता. The state of a molecule. भग० ६, ६;

पोग्गलि. त्रि० (पुद्गलिन्) પુદ્ગલોને ભોગવનાર. पुद्गलोंको भोगनेवाला. (one) who enjoys a molecule. भग० ८, १०;

पोग्गलिश्र. त्रि० (पौद्गलिक) પુદ્ગલ સમ્બન્ધી. पुद्गल विषयक Atomic. पिं० नि० ३२४,

पोच्चड. त्रि० (*) સાર વિનાનુ सारहीन. Worthless. (२) મલિન. मलीन. Dirty. नाया० ३, (३) વ્યાપ્ત; લીન થએલ. व्याप्त; लीन. Occupied; absorbed in. नाया० ३, १२; —तणु. त्रि० (-तनु) જળ વગેરેમા લીન થએલ શરીરવાળો. जल आदिमें निमग्न शरीरवाला. (one) whose body is absorbed in water etc. नाया० ८;

पोट्ट. न० (*) પેટ; ઉદર, જઠર. पेट; उदर. Stomach. ओघ० नि० भा० ७६; जं० प० दसा० २, ६४; —रोग पु० (-रोग) પેટનો રોગ. पेटका रोग Disease of the stomach. प्रव० ८८६;

पोट्टलिश्रा. स्त्री० (पोट्टलिका) પોટલી; ગાંઠડી. पोटली; गठड़ी A bundle. जं० प० ५, ११४,

पोट्टसाल. पु० (पोट्टशाल) પોટ્ટશાલ નામનો એક પરિવ્રાજક-(તાપસ) કે જે પોતાના પેટ ઉપર લોહપટ્ટ-લોઢાનો પાટો બાંધતા-તેથી પોટ્ટશાલ નામથી જાહેર થયેલ છે. पोट्टशाल नामक एक परिव्राजक-तापस-जो अपने पेटपर लोहपट्ट-लोहेकी पट्टी बांधते थे अतएव पोट्टशाल नामसे प्रसिद्ध हुए हैं. An ascetic named Poṭṭaśāla who

wore an iron belt round his belly. विशे० २४५९;

पोट्टिल. पु० (पोट्टिल) ભગવાન્ મહાવીર સ્વામીના છઠ્ઠા પૂર્વ ભવનુ નામ, તે ભવમાં એક કરોડ વરસ પ્રવ્રજ્યા પાળી હતી. भगवान् महावीर स्वामीके छठे पूर्व भवका नाम, इस भवमें एक करोड़ वर्षकी प्रव्रज्या पाली थी. Name of the 6th previous birth of the lord Mahāvīra when he had remained an ascetic for 1 crore of years समा० प० १६६, (२) જમ્બૂદ્વીપના ભરતખડમા થનાર નવમા તીર્થંકર जम्बूद्वीपके भरतखण्डमें होनेवाले नवें तीर्थंकर The 9th Tīrthankara to be born in Bharata khanda of Jambūdvīpa. प्रव० २६६; सम० प० २४१; (३) જમ્બૂદ્વીપના ભરતખડમા થનાર ચોથા તીર્થંકરના પૂર્વ ભવનુ નામ. जम्बूद्वीपके भरतखडमें होनेवाले चौथे तीर्थंकरके पूर्वभवका नाम Name of the previous birth of the 4th Tīrthaṅkara to be born in Bharata khaṇḍa of Jambūdvīpa सम० प० २४१, (४) અણુત્તરોવવાઈ સૂત્રના ત્રીજા વર્ગનાં નવમા અધ્યયનનુ નામ अणुत्तरोववाइ सूत्रके तीसरे वर्गके नवें अध्ययनका नाम. Name of the 9th chapter of the 3rd group of Anuttarovavāī. अणुत्त० ३, ६, (५) કાકદી નગરી નિવાસી ભદ્રાસાર્થવાહીના પુત્ર કે જે દીક્ષા લઈ, છઠ્ઠ છઠ્ઠના પારણાની પ્રતિજ્ઞા લઇ, ૧૧ અગભણી ઘણા વરસની પ્રવ્રજ્યા પાળી, એક માસનો સથારો કરી સર્વાર્થસિદ્ધ વિમાને ઉત્પન્ન થયા, ત્યાંથી એક અવતાર કરી મોક્ષે જશે काकन्दी नगरी निवासी भद्रासार्थवाहीके पुत्र जिन्होंने दीक्षित हो छठ्ठछठके पारणोंकी प्रतिज्ञा की, ११ अगोंका अध्ययन कर, बहुत वर्षोंकी प्रव्रज्या पाली, फिर एक मासका सथारा कर सर्वार्थसिद्ध विमानमें उत्पन्न हुए और जो वहाँसे एक अवतारके अनन्तर मोक्षको प्राप्त करेंगे Son of a merchant residing at Kākandī, who being initiated, practised a vow of fasting, studied the 11 Angas, remained an ascetic for a long time, fasted for a month and reached Sarvārthsiddha great celestial abode. Thence will he attain salvation after one incarnation. अणुत्त० ३, ६;

पोट्टिलदेव. पुं० (पोट्टिलदेव) પોટ્ટિલ નામનો દેવ કે જે પૂર્વભવે તેતલી પ્રધાનની સ્ત્રી પોટ્ટિલા રૂપે હતો. पोट्टिल नामक देव जो पूर्व जन्ममें तेतली प्रधानकी स्त्री पोट्टिला रूपमें था. A god named Poṭṭila who in his previous birth was in the form of Poṭṭila, the wife of Tetali minister नाया० १४;

पोट्टिला. स्त्री० (पोट्टिला) તેતલી પુત્ર મત્રીની સ્ત્રીનુ નામ तेतली पुत्र मत्रीकी स्त्रीका नाम Name of the wife of Tetalī putra, a minister. नाया० १४, **—अमच्ची.** स्त्री० (-अमात्या) પોટ્ટિલા નામે અમાત્ય-મત્રીની સ્ત્રી. अमात्यकी पोट्टिला नामक स्त्री. Name of the wife of Tetalī-putra, a minister नाया० १४, **—दारिया.** स्त्री० (-दारिका) પોટ્ટિલા નામની કલાદ પુત્રી पोट्टिला नामक कलाद पुत्री-कन्या The Kalāda daughter named Pottila. नाया० १४, **—भारिया.** स्त्री० (-भार्या) પોટ્ટિલા

नामे तेतली प्रधाननी भार्या-स्त्री. पोट्टिला नामक तेतली प्रधानकी स्त्री. Name of the wife of Tetali-putra, a minister. नाया० १४; —रूव. न० (-रूप) पोट्टिला नामनी स्त्रीनुं रूप-आकार पोट्टिला नामक स्त्रीका रूप-एवं आकृति The appearance of a lady named Pottilā. नाया० १४, —समणोवासिया. स्त्री० (श्रमणोपासिका) पोट्टिला नामनी श्राविका. पोट्टिला नामक श्राविका. A laywoman named Pottilā. नाया० १४;

पोट्ठवई. स्त्री० (प्रोष्ठपदी) भादरवा महीनानी पुनम भादरवा महिनेकी पूनम-पूर्णिमा. The last date of the Hindu month Bhādrapada ज० प० ७, १६१,

पोट्ठवया. स्त्री० (प्रोष्ठपदा) भाद्रपद नक्षत्र. भाद्रपदा नक्षत्र Bhādrapada constellation. ज० प०

पोडइला. स्त्री० (") એક જાતની પર્વતની વનસ્પતિ एक जातिकी पहाड़ी वनस्पति. A species of vegetation. पन्न० १;

पोढ त्रि० (प्रौढ) પીઢ, પાકી ઉમ્મરનું वृद्ध, पकीहुई उमरका, प्रौढ वयवाला. Old. सु० च० १, ६१;

पोणइ. स्त्री० (पोणकी) ફળ વિશેષ. फल विशेष A particular fruit भग० २२, ३;

पोत. पुं० (पोत) પક્ષિનુ બચ્ચુ. पक्षीका बच्चा. Young one of a bird गच्छा० १२४, पगह० १, १; (२) વહાણ; જહાજ वाहन; जहाज. A ship. पगह० १, ३,

पोतअ. पु० (पोतज) ચર્મથી વિંટાઇને ઉત્પન્ન થાય તે, હાથી વગેરે-પોતજ પ્રાણી चर्मसे आवृत्त होकर उत्पन्न होनेवाले हाथी आदि पोतज प्राणी An animal which is born covered up by skin e. g. an elephant etc. दस० ४,

पोतग. न० (पोतक) તાડપત્ર વગેરેને સાંધીને બનાવેલુ વસ્ત્ર ताड़पत्र आदिको जोड़कर बनायाहुआ वस्त्र. A dress made of palm leaves etc. आया० २, ५, १, १४१;

पोतज. त्रि० (पोतज) જુઓ "પોતઅ" શબ્દ दखो "पोतअ" शब्द. Vide "पोतअ." ठा० ७, १,

पोत्त न० (पोत) લુગડુ; કપડું. लुगडा; कपडा; वस्त्र. A garment. अणुजो० १३०, विं० नि० ३०८;

पोत्त. पु० (पौत्र) દીકરાનો દીકરો पोता; लड़केका लड़का. A grandson. भग० १२, २;

पोत्तअ. न० (पोतक) સુતરાઉ કપડું. सूती वस्त्र Cotten cloth. वेय० २, २२;

पोत्तिय-अ. पु० (पौतिक) વસ્ત્રધારી વાનપ્રસ્થ, તાપસની એક જાત. वस्त्रधारी वानप्रस्थ; तपस्वीकी जाति. A class of ascetics who wear clothes भग० ११, ६; ओव० ३८; निर० ३, ३; (२) કપાસનું વસ્ત્ર. कपासका वस्त्र; रुईका सूती कपडा. Cotton cloth. ठा० ५, ३; (३) ચાર ઇન્દ્રિયવાળા જીવની એક જાત. चार इन्द्रियवाले जीवकी एक जाति. A species of four-sensed being. भग० १५, १, जीवा० १;

पोत्तिया. स्त्री० (पोत्तिका) મોહપત્તી; મુખવસ્ત્રિકા. मुखपट्टी. A piece of cloth to cover the mouth. नाया० १; भग० ६, ३३, पन्न० १; —**पडिलेह** पु० (-प्रतिलेख) મોહપત્તીનું પડિલેહણ કરવુ તે. मुखपट्टीकी पडिलेहण क्रिया. Examining of the piece of cloth used

in covering the mouth. प्रश्न० १७५,

पोत्ती. स्त्री० (पोती) ઓઢવાની સાડી. ओढनेकी सारी. A Sāri (upper garment) विशे० २६०१, सु० च० ८, २४२,

पोत्तुल्लय. पुं० (पुत्तलिका) પહેરવાનું વસ્ત્ર. पहिननेका वस्त्र A wearing apparel. नाया० १८,

पोत्थ न० (पुस्त) વસ્ત્ર. वस्त्र Dress, (२) પુસ્તક. (२) पुस्तक A book, (३) તાડપત્ર (३) ताड़पत्र Palm-leaf. अणुजो० १०, १४६, (४) લેપ્ય કર્મ; માટી વગેરેથી બનાવેલ પુતળાં વગેરે. लेप्यकर्म; मिट्टी आदिसे बनाये हुए पुतले-खिलौने-आदि Statues, dolls etc. made of clay. विशे० १४२५, **—कम्म** न० (-कर्मन्) વસ્ત્ર તથા પુસ્તકની બનાવટ. वस्त्र और पुस्तककी बनावट Making of cloth or a book. आया० २, १२, १७१, नाया० १३, **—कार.** त्रि० (-कार) પુસ્તકના શિલ્પ ઉપર જીવિકા ચલાવનાર शिल्पकार. An artizan अणुजो० १३१, **—रयण.** न० (-रत्न) સૂર્યાભદેવતાનું રત્ન સમાન એક પુસ્તક કે જેમા દેવનીતિ-દેવતાના કુલધર્મ સબંધી બ્યાન છે सूर्याभदेवताको रत्नवत् एक पुस्तक जिसमें देवताओंकी कुलधर्म सम्बन्धी बातोंका हाल लिखा हुआ है A jewel-like book of the Sūryābha god which deals with the ethics of the gods. राय० १६६,

पोत्थग. न० (पुस्तक) પુસ્તક, પોથી, ચોપડી पुस्तक, किताब, पोथी A book ओघ० नि० भा० १६६,

पोत्थय. न० (पुस्तक) જુઓ "પોત્થગ" શબ્દ देखो "पोत्थग" शब्द. Vide "पोत्थग." ओव० ३१, अणुजो० ३३; विशे० ८५७, जीवा० ३, प्रश्न० ६७१, **—ग्गाह.** पुं० (-ग्राह) પુસ્તક ધરનાર पुस्तक धारण करनेवाला-रखनेवाला. (one) who holds a book. ज० प० ३, ६७;

पोत्थार पुं० (पुस्तककार) લેખક, લહીયો लेखक, लिखनेवाला. A writer; a scribe. पन्न० १;

पोम्म. न० (पद्म) કમળ. कमल. The lotus उत्त० २५, २६;

पोय-अ. पु० (पोत) વહાણ. वाहन, जहाज, पोत A ship, a boat. ओव० २१. उत्त० १४, ३०, नाया० १, भग० १, ६; महा० प० ७६, विंश० ११४४, सु० च० ३, ८२, भत्त० २४, (२) મનુષ્ય, પશુ, પક્ષિ આદિનું બચ્ચું. मनुष्य, पशु, पक्षी आदिका शिशु-शावक. A young one of a man, animal, bird etc सूय० २, ३, २२, **—पइट्ठाण.** न० (-प्रतिष्ठान) વહાણને રાખવાની જગ્યા. बन्दरगाह, जहाज़के ठहरनेकी जगह A harbour, mooring. नाया० ८, **—वहण.** पुं० (-वहन) વહાણને ચલાવવું તે. जहाजका चलाना. Sailing of a ship नाया० ८, ६, १७, विवा० २, **—विवत्तिअ.** पु० (-विवर्तक) વહાણને પાછું ફેરવનાર. जहाज़को वापिस फेरने-फिरवानेवाला (one) who turns a ship. विवा० २,

पोयग. पु० (पोतक) બચ્ચું बच्चा, शिशु A young one. नाया० ३.

पोयणपुर. पु० (पोतनपुर) એ નામનું એક પ્રાચીન શહેર. इस नामका एक प्राचीन नगर. An ancient city so named. सत्था० ५६;

पोयय त्रि० (पोतज) જુઓ "પોતઅ" શબ્દ. देखो "पोतअ" शब्द. Vide. "पोतअ." भग० ७, ५; नाया० ३, ठा० ३,

२; आया० १, १ ६, ४८; सूय० १, ६, ८; जीवा० ३, २, प्रव० १२५०; उवा० ८, २४२;

पोया. स्त्री० (पोया) વાદ્ય વિશેષ. वाद्यविशेष. A particular musical instrument. भग० ५, ४;

पोयाई. स्त्री० (पोताकी) પક્ષિણી. (२) પક્ષી સમ્બન્ધી વિદ્યા. पक्षिणी (२) पक्षी सम्बन्धी विद्या. A female bird, an art pertainning to birds. विशे० २४५३;

पोयाल. पु० (पोतल) મૃગ આદિનું બચ્ચું. मृग आदि पशु शावक. A young one of a deer etc. ओघ० नि० ४४८;

पोर. न० (पर्वन्) ગાંઠ; વેઢો. गांठ, गॅठान. A knot. ओघ० नि० ७०७, सूय० २, ३, १; (२) શેરડી વગેરે. Sugar-cane etc. नाया० १७, **—परिग्गह.** त्रि० (—परिग्रह) અંગુઠાનો પર્વ અને પ્રદેશિની આંગળીનું કુણ્ડાળુ કરીએ તેમાં બરાબર સમાઇ જાય તેટલું. अंगुठेके पर्व और प्रदेशिनी अंगुलीद्वारा कियेगये आवर्तमें बराबर समाजाय इस प्रमाणका. That which can be contained in a circle made by joining the index-finger to the phalange of the thumb ओघ० नि० भा० ३२२, **—पाणग** न० (—पानक) શેરડી વગેરેનો રસ. साटेका रस. Sugar-cane juice. नाया० १७, **—बीय.** त्रि० (—बीज) જેની ગાંઠ બીજરૂપ છે, અર્થાત્ ગાંઠ વાવવાથી ઉગે તે; શેરડી વગેરે. बीज रूप गॅठानवाला यथा साटा-ईख आदि. That whose knot acts as seed *e. g* a sugar-cane etc. आया० २, १, ८, ४८; ठा० ४, १: दस० ४,

पोरग. पु० (पर्वक) શેરડી વગેરેનો સાંઠો. सांटा. A sugar-cane. भग० २१, ५; ७, जीवा० ३, १; पन्न० १;

पोरसी. स्त्री० (पौरुषी) એક પહોર સુધીનો સમય, પુરૂષ પ્રમાણ છાયા થાય તે કાળ. एक प्रहरका समय, पुरुष प्रमाण छायाकाल. A watch of a day; time required for casting a shadow as long as a man पंचा० ५, ८,

पोराण त्रि० (पुराण) જુનું; પુરાતન. जूना, पुराना. Old. कप्प० ४, ८८; सम० २०; भग० ३, १–७, २५, ७; सु० च० ११, २; दसा० १, १४; ४, ५२, ६१; जीवा० १; ३, ३, ४, निसी० ४, २३, विवा० १; ओव० पन्न० २८; राय० ४; ३०;

पोराणिय. त्रि० (पौराणिक) ઘણા કાળનું; પ્રાચીન. बहुत समयका प्राचीन; पुराना. Ancient उत्त० ६, १;

पोरिसिअ. पु० न० (पौरुषिक) પોરસી પ્રહર સબંધી પચ્ચખાણ, પોરસી ચોવિહાર. पोरसी-प्रहर सम्बन्धी पच्चखाण. An abstinence related to a watch of a day जं० प० ७, १६२; आव० ६, २;

पोरिसी स्त्री० (पौरुषी) પહોર; દિવસ અથવા રાત્રીનો ચોથો ભાગ. प्रहर, दिन या रातका चौथा भाग A watch of a day, a quarter of a day or night. विशे० २०७०; उत० २६, १२–१३; ३०, २०; भग० २, ५, ७, १, ११, ११, नाया० १४; १६; १६, विवा० १, निसी० १२, ३६; वेय० ४, ११–१२; पिं० नि० भा० १२; कप्प० ५, १०७, (२) त्रि० પુરૂપ પ્રમાણે લાંબુ. पुरुषके प्रमाणमें लम्बा. As long as a man. आया० १, ८, १, ५; सू० प० १; (३) પુરૂષની છાયા पुरुषकी छाया, छॉंट. Shadow of a man. ज० प० (४)

એક પહોરના ચોવિહારના પચ્ચખાણ કરવા તે. एक प्रहरके चोविहारका पचखाण करनेकी क्रिया. Observing a vow.......... of a watch of a day. प्रव० १८०; उवा० १, ७७, —च्छाया. स्त्री० (—च्छाया) પુરુષની છાયા. पुरुषकी छाया. Shadow of a man. सम० २७,

पोरिसीमंडल. न० (पौरुषीमण्डल) २९ ઉત્કાલિક સૂત્રમાંનું ૧૭ મું. २६ उत्कालिक सूत्रमेंसे १७ वॉ सूत्र. The 17th of the 29 Utkālik Sūtras नदी० ४३,

पोरुस. न० (पौरुष) પદાતિ-પાળાનો સમૂહ. पदाति-पैदलसेना समूह. A host of pedestrians उत्त० ३, १८, ६, ५, (२) ચાકર. नौकर, सेवक. A servant. दसा० ६, ४,

पोरेकच्च. न० (पौरकृत्य) નગર-શહેરનુ રક્ષણ કરવાની કળા. नगर रक्षणकी कला. The art of protecting a city. ओव० ४०, नाया० १,

पोरेवच्च न० (पौरपत्य) નગરનુ અધિપતિપણું; અગ્રેસરપણું. नगर नायकत्व Leading citizenship ज० प० ५, ११५, भग० १३, ६, ओव० ३२, सम० ७८, पन्न० २, कप्प० २, १३;

पोलास पु० (पोलास) પોલાસપુર નગર. पोलासपुर नामक नगर. A city called Polāsapura उवा० १०, २७७,

पोलासपुर. न० (पोलासपुर) જ્યાં દેવકીજીનો જન્મ થયો હતો તે નગર. देवकीजीके जन्म स्थानवाला नगर. A city where Devakiji was born. अंत० ३, ८; उवा० ७, १८०,

पोलिंदी. स्त्री० (पुलिन्दी) એક જાતની લિપિ. एक जातिकी लिपि. A kind of script. पन्न० १;

पोल्ल. त्रि० (पोल=शुषिर) ખાલી; શૂન્ય; પોલું. खाली; शून्य, रहित. Empty, vacant. उत्त० २०, ४२; —रुक्ख. पुं० (—वृक्ष) પોલું વૃક્ષ. पोला-खोखला वृक्ष. A hollow tree. नाया० १;

पोल्लाड. त्रि० (*) પોલુ, ગર્ભ વગરનુ. पोला; गर्भ रहित. Empty. ओघ० नि० ७३५;

पोवलइ. पुं० (*) એ નામનો કન્દ. इस नामका कन्द. A bulbous root so named. पन्न० १;

√पोस. धा० II. (पुष्) પોષણ કરવું, પોષવું. पोषण करना, पालना. To nourish; to rear.

पोसेंति आया० १, २, १, ६६;

पोसेज्जा. वि. उत्त० ७, १;

पोसिज्जा. वि आया० १, २, १, ६६; नाया० २;

पोसाहि. आ. सूय० १, २, १, १६,

पोस. पु० (पोष्य) મળદ્વાર; પુંઠનો ભાગ, અપાન પ્રદેશ. मलद्वार; अपान प्रदेश, गुदा भाग. The anus. आव० १०; ओघ० नि० ५५६; जीवा० ३, ३; ज० प०

पोस. पु० (पौष) પોસ મહિનો. पौष मास The Hindu month of Pausa. उत्त० २६; १३; सम० १८; २६; भग० १८, १०, नाया० ५; ओघ० नि० २८३, (२) વિષય પોષવાનું સ્થળ. विषय सेवनकी जगह. A place of sexual enjoyment. निसी० ६, १०; —पुरिणमा. स्त्री० (—पूर्णिमा) પોષ માસની પુનેમ. पौष मासकी पूर्णिमा. The last date of the Hindu month of Pausa भग० ११, ११; —सुद्ध पुं० (—शुद्ध) પોષ સુદી पौष सुदी; पौष शुक्ल. The bright-half of the Hindu month of Pauṣa नाया० ८;

पोसश्र पु० (पोस्क)·જનનેન્દ્રિય, ઉપસ્થ जननेन्द्रिय, उपस्थ. The male generating organ. ठा० ६, १,

पोसण. न० (पोषण) પોષણ કરવુ તે. पोषण कार्य. Nourishing. सूय० १, २, १, १६; भग० ११, ११. (२) અપાન પ્રદેશ. अपान प्रदेश The anus. ज० प०

पोसणया. स्त्री० (पोषण) પોષણ કરવુ. पोषण करना. Nourishing. उवा० १, ५१.

पोसय न० (पोसक) અપાન પ્રદેશ अपान प्रदेश The anus. नाया० २, २, ३, १०६;

पोसह पु० न० (पौषध) પૌષધ-શ્રાવકનું અગીયારમુ વ્રત-પોષો-એક અહોરાત્ર સુધી સર્વ સાવદ્યક્રિયા તજી ખાનપાન વિના ધર્મ સ્થાનમાં વિધિપુર્વક રહેવુ તે. पौषध-श्रावकका ११ वाँ व्रत-एक दिनरात तक सर्व सावद्य क्रिया छोडकर निराहार रूपसे धर्म स्थानमें विधिपूर्वक निवास. The 11th vow of a layman in which he has to abondon all sinful activities for a day and has to remain in a religious place fasting. पंचा० १, २६, १०, ३; कप्प० ५, १२७, प्रव० २८६, ठा० २, १; उवा० ५, २२, ६, ४२; आया० २, १, २, १०; नाया० १; १३; भग० २, ५, १२, १, पगह० १, २, नंदी० ५१, पन्न० २०; राय० २२५, उवा० १, ६६; —**उववास.** पु० (-उपवास) પોષધવ્રત અને ઉપવાસ. पोषध व्रत और उपवास. The vow of Posadha and fasting कप्प० ५, १२७, ओव० ३४, भग० २, ५. ७, २; ६, ८, ८; १२, ८, नाया० ८, दसा० ६, २; —**उववासनिरश्र.** त्रि० (-उपवासनिरत) શ્રાવકની ચોથી પડિમા ધરનાર શ્રાવક, કે જે પાછલી ત્રણ પડિમા સહિત આઠમ વગેરે પર્વને દિને ચાર મહિના સુધી પોષધ કરે. श्रावककी चौथी पडिमा धारक श्रावक जो पिछली तीन पडिमा सहित अष्टमी आदि पर्वके दिन चार मास तक पोषध (व्रत) करे A layman who observes the 4th vow who observing the last three vows observes the 4th vow for four months on particular dates सम० ११; —**पडिमा.** स्त्री० (-प्रतिमा) શ્રાવકની ચોથી પડિમા. श्रावककी चौथी पडिमा The 4th vow of a layman. प्रव० ६६४, —**विहि.** पु० (-विधि) શ્રાવકના અગીયારમા વ્રતની વિધિ, પોષાની વિધિ श्रावकके ग्यारहवें व्रतकी विधि, पोषाविधि. The mode of Posa or the 11th vow of a layman आउ० ५; —**साला.** स्त्री० (-शाला) પોષધ ક્રિયા કરવાની શાળા-સ્થાન. पोषध क्रिया करनेका स्थान A place for observing Posadha. नाया० १; १३; १६; भग० १२, १; अंत० ३, ८, ज० प०

पोसहिय. त्रि० (पौषधिक) પોષધ કરનાર पौषध (व्रत) करनेवाला (one) who observes Posadha. ज० प० ३ ४८, नाया० १, भग० १२, १; उवा० १, ६६,

पोसिय. त्रि० (पोषित) પાળી પોષી ઉછેરેલ. पाल पोषकर बड़ा कियाहुआ. Reared, brought up. उत्त० २७, १४,

पोसी. स्त्री० (पौषी) પોષ માસની પુનેમ. पौष मासकी पूर्णिमा; पौषी पूनम. The last date of the Hindu month of Pausa. ज० प० ७, १६१,

पोह. पु० (*) છાણનો પોદળો. A heap of cow-dung-cakes पिं० नि० २४५,

पोहत्त. न० (पृथुत्व) જાડાપણું, વિસ્તાર मोटाई; विस्तार. Thickness. भग० २, ४; पन्न० १५,

पोहत्तिय. न० (पृथक्त्व) અનેકપણું. अनेकत्व; भिन्नत्व. Difference, multiplicity. भग० १, २; ५, ४, १२, ४, १८, १,

✓**प्फाल** धा० I. ( ) ફાડવું; ચીરવું. फाड़ना, चीरना. To rend, To tear

फालिंति. नाया० १४.

फाले. वि० दसा० ६, ५,

✓**प्फोड.** धा० I. (स्फुट्) ફોડવું. फोड़ना. To break

फोडंति. नाया० ८.

फोडयंत व. कृ नाया० १,

फोडमाण. व कृ. भग० ३, २;

फ

✓**फंद** धा० I. II (स्पन्द्) થોડુંક ચાલવું, ચલાયમાન થવું, સૂક્ષ્મગતિ કરવી धड़कना, चंचल होना, सूक्ष्म गति करना To throb; to quiver, to palpitate.

फंदइ भग० ३, २, राय० २६६,

फंदेइ. नाया० ३,

फंदंति. उत्त० १४, ४५,

फंदंत. व. कृ. सूय० १, ४, १, ८,

फंदण न० (स्पंदन) ચલન, ચાલવું. धड़कन, चलन; चलना Throbbing; palpitation विशे० १८४६,

फंदिय. त्रि० (स्पन्दित) થોડુંક ચાલેલ, ચેષ્ટા કરેલ कुछ २ चलाहुआ, चेष्टित, धड़क २ कियाहुआ. Throbbed, quivered. जीवा० ३, ३, ४,

✓**फंस.** धा० I. (* प्सा) કલંક લગાડવું. कलंक लगाना. To stigmatise

फंसेज्ज. पिं० नि० ५०८;

फग्गु. स्त्री० (फल्गु) બીજા તીર્થંકરની પ્રથમ સાધ્વી दूसरे तीर्थंकरकी प्रथम साध्वी The 1st nun of the 2nd Tīrthankara. सम० प० २३४, प्रव० ३०६;

फग्गुण. पु० (फाल्गुन) ફાગણ મહિનો, ફાલ્ગુન માસ. फाल्गुन मास, फागन महिना. The Hindu month of Fālguna. उत्त० २६, १५, सम० २८, सु० च० ३, ५२; जं० प० २, ३१; नाया० ५, ओघ० नि० २८५; कप्प० ७, २१२; —**सुद्द** पुं० (-शुद्ध) ફાલ્ગુન સુદ-શુક્લ પક્ષ फाल्गुन शुक्ल (पक्ष) The bright-half of the Fālguna month. नाया० ८,

फग्गुणी स्त्री० (फाल्गुनी) પૂર્વા ફાલ્ગુની તથા ઉત્તરા ફાલ્ગુની નક્ષત્ર पूर्वा फाल्गुनी और उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र. The constellations Purvā and Uttarā Fālguni ठा० २, ३, सू० प० १०, (२) ફાગણ મહિનાની પુનેમ फाल्गुन मासकी पूर्णिमा जं० प० ७, १६१, (३) સાલિણીપિયા નામના શ્રાવકની સ્ત્રી. सालिणीपिया नामक श्रावककी स्त्री. Wife of a layman named Sālinīpiyā. उवा० १०, २७३;

फग्गुमित्त पु० (फल्गुमित्र) એક મુનિનું નામ एक मुनिका नाम. Name of a sage कप्प० ८,

फडाडोव. पु० (फटाटोप) ફેણ વિસ્તારવી તે; ફેણ ચડાવવી તે फन विस्तरण, फेन

उणाना. Spreading or causing foam. भग० १५, १; नाया० ६;

फड्ड न० (फड्डक) આત્માની જ્ઞાન જ્યોતિને બ્હાર નિકળવાનુ સ્થાન-જેમ વસ્ત્રાદિકની જાળીવતી વીંટાયેલ દીપક પોતાનો પ્રકાશ છિદ્રાદિદ્વારા બાહેર પાડી શકે છે, એટલે કે પ્રકાશને નિકળવાનુ સ્થાન જેમ વસ્ત્રની જાળી છે તેમ અવધિજ્ઞાનને પ્રગટવાના સ્થળને "ફડુક" કહે છે. आत्माकी ज्ञान ज्योतिको बाहर निकलनेका स्थान-जिस भाँति वस्त्रादिकी जालद्वारा घिराहुआ दिपक स्वप्रकाशको छिद्रादिद्वारा बाहर पहुँचा सकता है, अर्थात् प्रकाशके बाहर फैलनेका स्थान जिस तरह वस्त्रकी जालमेंसे है तथैव अवधिज्ञानको प्रकट करनेके स्थलको "फड्डक" कहते है. The outlet of the light of knowledge of a soul, just as a lamp throws a ray out of any hole in a cloth surrounding it so the outlet of a limited knowledge is called "फड्डक". विशे० ७३८; (२) કાદવનો પિંડો. मिट्टीका गोला; कीचका गोला. A ball of clay or mud. पिं० नि० २५३;

फड्डग. पु० (स्पर्धक) આકાશ પ્રદેશની એક શ્રેણિના અસંખ્યાતમા ભાગ જેટલી વર્ગણાનો એક સ્પર્દ્ધક થાય છે. आकाश प्रदेशकी एक श्रेणिके असंख्यातवें भागके बराबर वर्गणाकी स्पर्द्धक होती है. A group of class of an innumerable portion of a row of a unit of space occupied by an atom. क० प० १, ५; २२; ३१; २, ४४; ३, ७; ५, ४६; —दुग. न० (-द्विक) બે સ્પર્દ્ધક. दो स्पर्द्धक Two Spardhakas. क० प० ७, ४६; —निंस. पुं० (-निर्देश) સ્પર્દ્ધક-પરમાણુ વર્ગણાના સમૂહનો નિર્દેશ-કથન स्पर्द्धक-परमाणु वर्गणाके समूहका निर्देश-कथन A description of Spardhaka. क० प० २, ४४;

फड्डय. न० (स्पर्धक) તીવ્ર મન્દ વગેરે ભેદ યુક્ત રસ વિશેષ; રસવર્ગણાનો જથ્થો. तीव्र मन्द आदि भेद युक्त रस विशेष, रसवर्गणाका समूह. A group of collection of taste; a particular taste having sharp or dull varieties. विशे० २८८५; (२) કટકો; કકડો. टुकडा. A piece. ओघ० नि० भा० १११;

फड्डाफड्डि. अ० (फड्डाफड्डि) ગુલ્મનો એક ભાગ ફડુક; એક ગણાવચ્છેદકની સરદારી નીચે રહેલ સાધુઓ ભેગા થઇને મંડળીમાં ગોઠવાઈ રહે તે गुल्मका एक भाग फड्डक; एक गणावच्छेदककी सदारीके आधीन रहनेवाले साधुओंका एकत्रित होकर मण्डलबद्ध होना. A subdivision of a fraternity; the living of monks in a group under the rule of a Ganāvachchedaka (an officer). ओघ० २१;

फण. पु० (फण) સર્પની ફેણ. सर्पका फेन-फन. The hood of a serpent. पन्न० २; भत्त० १०६;

फणग. न० (फणक) કાંસકી; ફણી. फणी. A comb. उत्त० २२, ३०;

फणस. पु० (पनस) ફનસનું ઝાડ. (२) ફનસનુ ફળ. फानस वृक्ष. (२) फानस फल. A bread-fruit tree. जीवा० १; पन्न० १; १७; ओव० भग० २२, ३; पंचा० ५, ३६;

फणा. स्त्री० (फणा) સર્પની ફેણ सर्पका फन. Hood of a serpent. सु० च० १, ५;

फणि पुं० (फणिन्) सर्प; तेवीशमा तीर्थंकरनु लांछन-चिन्ह. सर्प, तेईसवें तीर्थंकरका लाञ्छन-चिन्ह A serpent; the symbol of the 23rd Tīrthankara. (२) सर्प सर्प; साप A serpent. प्रव० ३८२;

फणिंद पुं० (फणीन्द्र) फेणवाळो सर्प. फणवाला सर्प. Best among serpents. भत्त० १४६,

फणिवइ. पुं० (फणिपति) शेषनाग. शेषनाग. The Śesa serpent सु० च० २, ७,

फणिह. पुं० (फणिह) माथाना वाळ ओळवानु साधन, कागसी. कागसी; कङ्घी, सिरके वालोंको साफ करने और जेमानेका साधन विशेष. A comb. अणुजो० १८,

फणुज्जय पुं० (फणोद्यत) ए नामनी एक हरित वनस्पति. इस नामकी एक हरी वनस्पति A green vegetation so named. पन्न० १,

फणेज्जा. स्त्री० (फणेज्जा) वनस्पति विशेष. वनस्पति विशेष. A particular vegetation. भग० २१, ८,

फरय. न० (फलक) ढाल. ढाल. A shield. सु० च० १३, ११;

फरसु. पुं० (परशु) फरसी; कोदाळी परसा, कुल्हाड़ी. An axe. विवा० ६; —**निहत्त.** त्रि० (-निहत्त) फरशीथी कपायेल. परसेसे कटाहुआ. Chopped by an axe. विवा० ८,

फरसुराम. पुं० (परशुराम) परशुराम नामना एक ऋषि. परशुराम नामक एक ऋषि A Rsi named Paraśurāma. भत्त० १५३;

फरिस. पुं० (स्पर्श) स्पर्श. स्पर्श, छूत Touch. नाया० १, १७, दसा० ६, ४, ओव० आया० १, १, ७, ५८, गच्छा० ८३. क० प० ७, ३७,

फरिसण. न० (स्पर्शन) स्पर्शेन्द्रिय स्पर्शेन्द्रिय The sense of touch. विशे० २०५,

फरिहा. स्त्री० (परिखा) खाई. खाई, गर्त. A ditch, a moat. विवा० ३, —**उदय.** न० (-उदक) खाईनु पाणी खाईका पानी. Water of a moat. नाया० १२,

फरुफुरंत व. कृ त्रि० (पोस्फुर्यमाण) बहु तरफडतुं. अत्यधिक तड़फडाताहुआ. Fluttering a great deal. पिं० नि० ५८०;

फरुस. त्रि० (परुष) कर्कश, कठिन. कर्कश, कठिन, कठोर. Harsh, difficult; cruel. नाया० १, ८, ८, भग० ७, ६; निसी० १०, ३; १३, ११; ठा० ६, १, आया० १, ८, ३, १३, ओव० २०; ओघ० नि० ७३६, उत्त० १, २७, ज० प० जीवा० ३, १; गच्छा० ५४, प्रव० १३३५; उवा० २, ६४, (२) पुं० कठिन स्पर्श. कठिन स्पर्श. A rough, hard touch. नाया० ८, (३) न० निष्ठुर भाषण, कठोर वचन निष्ठुर भाषण, कठोर वात. Harsh or cruel speech. दस० ५, २, २६, ७, ११, निसी० २, १८, सूय० १, १३, २, —**वयण.** न० (-वचन) कर्कश वचन कठोर वचन. Harsh word. वेव० ६, १,

फरुसग. पुं० ( ) कुभार. कुभार, कुम्हार, पात्रकार A potter. विशे० २३५,

फरुसया. स्त्री० (परुषता) कर्कशपणु; कठिनपणु. कर्कशता, कठिनता. Harshness, stiffness. आया० १, ३, १, १०८,

फल. न० (फल) वृक्षादिना फळ. वृक्षादिके फल. Fruit. भग० २, ५, ८, ३, १-८-७, ११, ८, २१, ६, दस० ५, २, २४, ७, ३२, ८, १०, दसा० ६, ७, पन्न० १, उत्त० १२, १८, पिं० नि० भा० ४५ पिं० नि० ५४, १६१, १७२, ज० प० २, ३८;

ओव० विवा० १, निसी० ५, ४६, सू० प० १०, नंदी० १६, नाया० १, ५; ८; ११, १३; १५; १६, प्रव० १४२५; भत्त० ७२; उवा० १, २४, (२) પરિણામ परिणाम-नतीजा. Result. दस० ४, ११, (३) કંઈપણ વસ્તુની પ્રાપ્તિ. किसीभी वस्तुकी प्राप्ति. Attainment of any object. विगे० २; (४) કાર્ય. कार्य A deed. विशे० ६४; (५) સારાંશ साराश, निष्कर्ष. The purport. भग० ७, १०; —**आहार.** त्रि० (-आहार) ફળનો આહાર કરનાર, ફળાહારી. फलभोजी, फलाहारी. (one) who lives on fruits. निर० ३, ३; भग० ११, ६; —**उद्देस.** पुं० (-उद्देश) ફળનો ઉદ્દેશ फलका उद्देश A chapter or purpose of fruits. भग० ३२, ६; —**उवगय.** त्रि० (-उपगत) ઘણાં ફળ વાળુ (ઝાડ.) घने फलवाला वृक्ष (tree) having numerous fruits. ठा० ४, २; —**उवचय** पु० (-उपचय) ફળનો ઉપચય-એકઠાં કરવાં તે. फलसमह. A collection or accumulation of fruits. निसी० ३, ८१; —**भोयण.** न० (-भोजन) ફળનું ભોજન. फलका भोजन. Fruit diet. दसा० २, १६-२०, भग० ६, ३३; सम० २१, नाया० १; —**मंथु.** न० (-मन्थु) બોર વગેરે ફળનો ભુકો-ચૂર્ણ बेर आदि फलोंका चूर्ण. A powder of plum-seeds, stones. दस० ५, २, २४; —**मालिया.** स्त्री० (-मालिका) ફળની માળા. फलोंकी माला. A garland of fruits. निसी० ७, १; —**वित्ति.** स्त्री० (-वृत्ति) ફળથી આજીવિકા ચલાવવી તે. फलद्वारा वृत्तिनिर्वाह. Living on fruits. नाया० १; —**वित्तिविसेस.** पु० (-वृत्ति विशेष) ફળથી નિર્વાહ કરવાનો એક પ્રકાર. फलद्वारा जीविका निर्वाहका एक प्रकार. A sort of maintenance of life on fruits. ज० प० १, १२; दसा० ६, ४, विवा० १; कप्प० १, ७६; —**विवाग.** पु० (-विपाक) ફળ-સુખ દુઃખાદિરૂપે કર્મનો વિપાક-પરિણામ. फल-सुख, दुःखादिरूप कर्म विपाक-परिणाम. The result of action in the form of happiness or misery. भग० ८, ३२, —**सिद्धि.** स्त्री० (-सिद्धि) ફળનો લાભ, ફળપ્રાપ્તિ, फलका लाभ; फलप्राप्ति. The acquisition of fruits. पंचा० ६, ७, —**हर.** पुं० (-भर) ફળનો ભાર. फलका भार A load of fruits. पंचा० १६, ३६;

फलग. पु० (फलक) પાટીયું. पाटिया, पट्टी. A board पराह० १, १; राय० १२, २२६, नाया० ५, दस० ४, ५, १, ६७, दसा० ४, ६०, वेय० ५, ३२; जं० प० ३, ५६, पिं० नि० भा० ४६, जीवा० ३, ४, सूय० १, ५, १, १४, उत्त० १७, ७, प्रव० ६७४, उवा० १, ५८, ओव० (२) પટ્ટો. पट्टा A belt. भग० २, ४, (३) અરિસાનો કાચ. दर्पण. A mirror. (४) શસ્ત્ર વિશેષ; ઢાલ. शस्त्र विशेष; ढाल. A shield. नाया० ६; (५) પલંગ. पलंग. A cot. भग० १८, १०; —**खंड.** पु० (-खंड) પાટિયાનો ખડ-કકડો. पटियेका टुकड़ा. A piece of wooden board. नाया० ६; —**गाह.** त्रि० (-ग्राह) પાટીયું હાથમાં લઈ ચાલનાર. पटिया हाथमें लेकर चलनेवाला. One who holds a board in his hands. ज० प० ३, ६७,

फलजंभग पु० (फलजृम्भक) ફલજભકા; જંભકા દેવતાની એક જાત. फलजंभका;

जभक देवताकी एक जाति. A class of gods; Falajambhakā भग० १४, ८,

फलत्ता. स्त्री० (फलता) ફળપણું फलता. Fruitfulness. सू० प० २, ३, ५;

फलबिंटिय. पु० (फलवृन्तक) ત્રણ ઇન્દ્રિય વાળા જીવની એક જાત तीन इन्द्रियवाले जीवकी एक जाति. A class of three-sensed beings पन्न० १,

फलय न० (फलक) પાટિયુ पटिया. A plank. ओघ० नि० १०२, विवा० ३, राय० ४५, विशे० १०८८, नाया० १८, —**खंड.** पु० (खड) પાટીયાનો એક ખડ-કકડો. पटियेका एक टुकड़ा A piece of a plank. नाया० ६,

फलवती. स्त्री० (फलवती) ફળવાળી फल वाली. (female) having fruits. पचा० ४, २;

फलह. न० (फलक) મોટુ પાટીયુ मोटा पटिया. A big plank. भग० १, ६, —**अंतर.** पु० (-अंतर) વહાણનાં પાટીયાંનુ અન્તર. जहाज़के पटियेका अन्तर A gap or interval between the planks in a ship. नाया० ६, —**खंड.** न० (-खड) પાટીયાનો પટ્ટો, ખંડ. पटियेका टुकड़ा-भाग Part of a plank नाया० ६,

फलिअ(य) न० (स्फटिक) સ્ફટિક મણિ, એક જાતનો પારદર્શક પત્થર स्फटिक मणि, एक जातिका पारदर्शक पत्थर A crystal. ओव० १०, —**रयण** न० (-रत्न) સ્ફટિક રત્ન स्फटिक रत्न Crystal stone भग० ३, २,

फलिय. पु० (फलित=फलानि सञ्जातान्यस्य) ફળોથી યુક્ત, ફળેલુ. फलयुक्त, फलाहुआ. Bearing fruits. नाया० ११; १५, भग० ७, ३; १५, १,

फलिह. न० (फलिह) માથાના વાળ ઓળવાની કાંસકી सिरके बालोंको सजाने-ओलनेकी कङ्घी. A comb सूय० १, ४, २, ११,

फलिह पु० (परिघ) ભોગળ, બારણાને અટકાવવાનો દાંડો. दरवाजेको अटकानेकी दण्डी A bar to lock up doors. दस० ५, २, ८, ७, २७, पगह० १, ४, राय० २२५, ओव० १०, जीवा० ३, १, (२) સ્ફટિક જેવું સ્વચ્છ અંતઃકરણ. स्फटिक वत् स्वच्छ अन्तःकरण. A soul clear like a crystal भग० २, ५, राय० २२५,

फलिह. न० (फलक) પાટીયુ; બાંકડો. पटिया. A plank. नाया० २, ४, २, १३८, —**उवहड.** त्रि० (-उपहृत) લાકડાના પાટીયા ઉપર નાંખીને લાવેલી વસ્તુ लकड़ीके पटियेपर डालकर लाई हुई वस्तु A thing brought on a board. वव० ६, ४४-४५,

फलिह. पु० (स्फटिक) સ્ફટિક નામનું રત્ન, કઠિન પૃથ્વીનો એક પ્રકાર. स्फटिक नामक रत्न, कठिन पृथ्वीकी एक जाति. Crystal, quartz. पन्न० १, नाया० १, सु० च० १, १२५, ८, ६४, जीवा० ३, १, उत्त० ३६, ७६, राय० २६, विशे० १७४४; कप्प० २, २६, गच्छा० ८८, (२) આકાશ आकाश Sky or space. भग० २०, २, (३) સ્ફટિકના જેવુ નિર્મળ અન્તઃકરણ. स्फटिकवत् निर्मल अन्तःकरण A soul clear like a crystal. राय० २२५, (४) નાસ્તો વગેરે नास्ता-कलेवा-आदि. breakfast ठा० ३३, —**कूड** पुं० (-कूट) ગંધમાદન પર્વતના સાત કૂટમાંનુ પાંચમુ કૂટ-શિખર गन्धमादन पर्वतके सात कूटोंमेंसे पाचवाँ कूट. The 5th of the 7 peaks of Gandhamādana

mount. ज० प० —**रयणामय**. त्रि० (-रत्नमय) સ્ફટિક રત્નમય; સ્ફટિક મણિનું બનેલું. स्फटिक रत्नमय; स्फटिक मणिका बनाहुआ. Made of crystal; crystalline. भग० ३, २;

फलिहमय. पु० (स्फटिकमय) સ્ફટિક રત્નમય (ગ્રહોનાં વિમાન). स्फटिक रत्नमय (ग्रह विमान). Crystalline; a celestial abode of the planets. भग० १६, ७;

फलिहवडंसय. पु० (स्फटिकावतंसक) એ નામનુ ઈશાન દેવલોકના ઇન્દ્રનું એક વિમાન. इस नामका ईशान देवलोकके इन्द्रका एक विमान. An ariel car so named of the Indra of Īśāna devaloka. भग० ४, १;

फलिहा. स्त्री० (परिघा) અર્ગલા; આગલીયો. अर्गला; आगल. A bar. पराह० १, १;

फलिहा. स्त्री० (परिखा) ખાઈ. खाई. A ditch. ओव० सम० प० २१०; निसी० १२, २१; १७, ३७; —**उवगूढ**. त्रि० (उपगूढ) ખાઈથી યુક્ત. खाई युक्त. Having a moat. नाया० १८;

फाइ. स्त्री० (स्फाति) વૃદ્ધિ; વધારો. वृद्धि; बढ़ती. Progress; increase. (२) કીર્તિ; પ્રસિદ્ધિ. कीर्ति, प्रसिद्धि. Fame. ओघ० नि० २६४; —**कय**. त्रि० (-कृत) પ્રસિદ્ધિમાં લાવેલું. प्रसिद्धि कियाहुआ; प्रकाशित. Famed; published. विशे० २५०७,

फागुण. पु० (फाल्गुन) ફાલ્ગુન માસ. फाल्गुन मास. The Hindu month of Fālguna. भग० १८, १०;

फाडिअ. त्रि० (स्फोटित) ફાટેલું; ચીરેલું फटाहुआ; चीराहुआ. Torn; rent. ओव० ३८,

फाडेउ. स. कृ. अ० (स्फोटयित्वा) ફાડીને; ચીરીને. फाड़कर; चीरकर Having rent, torn. सु० च० ६, १४०;

फाणि(अ)य. न० (फाणित) ઢીલો ગોળ. ढीला गुड़. Treacle. आया० २, १, ४, २४; दस० ५, १, ७१; ६, १८; पन० १५; पिं० नि० २२६, ६२५; निसी० १३, ३६; ओव० ३८, प्रव० २२३; (२) કવાથ; ઉકાળેલ રસ. क्वाथ, उकालाहुआ रस. A boiled juice; decoction. पन० १७; —**गुल**. पु० (गुड) ઢીલો ગોળ. ढीला पतला-गुड़. Treacle. भग० १८, ६;

फारुसिय. न० (पारुष्य) મર્મભેદક વાક્ય, કઠોર ભાષા. मर्मभेदक वाक्य; कठोर वाक्य. A harsh speech, speech which touches a vital part. आया० १, ६, ४, १८८;

फाल. न० (फाल) પાટીયું. पटिया. A plank. संथा० ८४; उवा० २, ६४; नाया० ८,

फालण. न० (स्फोटन) ફોડવું; કાપવું; ચીરવું फोड़ना; काटना; चीरना. Cutting; breaking. पराह० १, १;

फालण. न० (स्फालन) જુઓ ઉપલો શબ્દ. Vide above. सम० ११;

फालिअ(य). पुं० (स्फाटिक) સ્ફટિક રત્ન. स्फटिक मणि. Crystal. नाया० १२; ज० प० कप्प० ३, ४०; —**वणाभ** न० (वर्णाभ) સ્ફટિક રત્નની સમાન સુંદર. स्फटिक मणि समान सुन्दर. Beautiful like a crystal. नाया० १२;

फालिअ-य. त्रि० (स्फोटित) ફાડેલું; ચીરેલું. फाडाहुआ, चीराहुआ. Torn; rent. पिं० नि० ३२१; राय०२६१; उत्त० १६, ५४, जं० प० ७, १६६;

फालिय. न० (फालिक) વસ્ત્રનુ ફાલ-પનાપને કકડો. वस्त्रका फाल-पनेवार टुकडा. A piece of cloth widthwise. निसी० १, ५१; (२) ફલાલીન; એક પ્રકારનું વસ્ત્ર. फलालीन, एक प्रकारका वस्त्र. Flannel. आया० २, ५, १, १४५;

फालियामय. त्रि० (स्फटिकमय) સ્ફટિક મણિવાળુ સ્ફટિકમણિ युक्त. Crystalline जं० प० ७, १६५, सम० ३४,

फालिह. पु० (स्फटिक) સ્ફટિક રત્ન વિશેષ स्फटिक रत्न विशेष. Crystal stone नाया० १, सु० च० ३, ७७,

फालिहामय त्रि० (स्फटिकमय) સ્ફટિક રત્નમય स्फटिक मणिमय Crystalline. भग० १, १,

√फास. धा० II. (स्पृश्) સ્પર્શ કરવો (२) પાલન કરવુ. स्पर्श करना. (२) पालन करना. To touch; to observe. नाया० १; उत्त० ५, २३, उवा० १, ७०;

फासेइ भग० २, १, दस० १०, १, ५,

फासित्ता. सं० कृ० भग० २, १, नाया० १,

फासेत्ता स० कृ० उवा० २, १२४;

फालिया. स० कृ० वव० ६, ३७,

फासइत्ता. स० कृ० उत्त० १, २८, १;

फासयंत. व० कृ० भग० २५, ७,

फासंत व० कृ० आव० ४, ८,

फास. पु० (स्पर्श) સ્પર્શ, અડકવુ તે. स्पर्श, छूत, छीना Touching. उत्त० ५, २३; २८, १२; ओव० ठा० १, १, २, १, सू० प० २०; दस० ८, २६, नाया० १, राय० ४३, सु० च० १, २६५, भग० १ १, २, ५, सूय० २, १, ४२, आया० १, ६, २, १८४, प्रव० ५६७, ६४७, १०५५, आव० ४, ७, क० प० १, २७, क० गं० १, २४, ४१, २, ३१, जं० प० ५, ११६, ७, १७५, (२) સ્પર્શ-ત્વગિન્દ્રિયનો વિષય; શીત, ઉષ્ણ, સ્નિગ્ધ, લુક્ખ, કર્કશ, કોમલ, લઘુ, ગુરુ એ આઠ સ્પર્શ शीत, उष्ण, स्निग्ध, रू-त्त-खा, कर्कश, कोमल, लघु, गुरु ये आठ स्पर्श The tactual feeling of 8 kinds *viz* cold, hot, oily, rough, hard, soft, light and heavy भग० १, १; २, ३, ५, ७, ७, ७, ८, ८, १६, ३; २०, ५; पन्न० १, १५, २३, ओघ० नि० २६७; उत्त० १, ३३, ४, ११, ३२, ७४; ३४, २, सम० ५, नाया० १२; (३) દશ મશકાદિનો પરિસહ मच्छर डास आदिका परिषह The affliction due to mosquitoes etc. सूय० १, ४, २, २१, १, ११, ३७, (४) સ્પર્શેન્દ્રિયના વિષયનો ક્ષયોપશમ. स्पर्शेन्द्रियके विषयका क्षयोपशम The control of the tactual sense पन्न० २, (५) ગુરુ શિષ્યનો સબંધ गुरु शिष्यका सम्बन्ध. The relation between a disciple and a teacher. विशे० २६०६; (६) સ્પર્શ નામનો ગ્રહ स्पर्श नामक ग्रह A planet named Sparsa. ठा० २, ३, (७) શરીરની ચામડી शरीरकी चमड़ी-काचाम-चर्म Skin of the body पन्न० १५, (८) દુ:ખનું આવવુ. दु:खागमन The approach of distress. आया० १, १, १, ६; **—करण.** न० (-करण) સ્પર્શ કરવો તે. स्पर्शकरण; छूनका कार्य Touching भग० १६, ६; **—णिव्वत्ति.** स्त्री० (-निर्वृत्ति) સ્પર્શની નિર્વૃતિ-ઉત્પત્તિ स्पर्शकी निर्वृत्ति-उत्पति The origin of tactual feeling भग० १६, ६, **—नाम** न० (-नामन्) સ્પર્શનામ; નામકર્મની એક પ્રકૃતિ. स्पर्श नाम, नामकर्मकी एक प्रकृति. A variety of Nāma karma matter. सम० २८, **—परिणाम.** त्रि० (-परिणाम) કઠિનનુ કોમળ થવુ અને કોમળનુ કઠિન થવું તે, સ્પર્શનુ પરિણમવું. कठिनका कोमल और कोमलका कठिन होना, स्पर्शका परिणाम The transformation of touch *viz.* hardening of a soft thing

and vice versa. ठा० ४, १, भग० ८, १-१०, —परियारग. पु० (-परिचारक) સ્પર્શમાત્રથી વિષય સેવન કરી વિકાર શમાવનાર स्पर्शमात्र द्वारा विषय सेवन करके विकारका शमन करनेवाला. (one) who subdues the passions by enjoying the objects through touch only. ठा० २, ४, —परियारणा. स्त्री० (-परिचारणा) સ્પર્શથી મૈથુન કરવું તે. स्पर्श मैथुन विधि. A kind of tactual sensual enjoyment ठा० ५, १, —बल. न० (-बल) સ્પર્શ કરવાની શક્તિ; સ્પર્શેન્દ્રિયનું સામર્થ્ય. स्पर्श करनेकी शक्ति. स्पर्शेन्द्रियका सामर्थ्य. The tactual power; the power of the sense of touch. उत्त० १०, २५ —सह. त्रि० (-सह) ડંશ મશકાદિ પરિષહ સહન કરનાર. मच्छर डांस आदिका परिषह सहन करनेवाला. (one) who endures the biting of mosquitoes, gad flies etc. कप्प० ५,११६.

फासग्र. त्रि० (स्पर्शक) સ્પર્શ-અનુષ્ઠાન કરનાર; સેવના કરનાર स्पर्श-अनुष्ठान करनेवाला, सेवन करनेवाला. One who enjoys the sense of touch only. उत्त० १०, २०,

फासग्रो. ग्र० (स्पर्शत) સ્પર્શથી, અડકીને स्पर्शद्वारा-से, छूनेसे From touching. भग० ८, १, १८, १०, उत्त० ३६, १५,

फासण. न० (स्पर्शन) સ્પર્શઇંદ્રિય, પાંચ ઇંદ્રિયમાંની એક स्पर्शेन्द्रिय, पाच इन्द्रियोंमेंसे एक The sense of touch; one of the 5 senses प्रव० ५६७; —काल पु० (-काल) સ્પર્શનાનો કાળ-વખત स्पर्शनाका काल-समय. The time of Sparśanā. क० प० १, ४६;

फासमंत. त्रि० (स्पर्शवत) સ્પર્શવાળું. स्पर्शवान्. Tactual भग० २, १, १०; २०, ५;

फासिंदिय(ग्र). न० (स्पर्शेन्द्रिय) સ્પર્શેન્દ્રિય; શીત ઉષ્ણ જાણવાની શક્તિવાળી ત્વગિન્દ્રિય स्पर्शेन्द्रिय; शीत उष्ण जाननेकी शक्तिवाली त्वगिन्द्रिय The feeling of touch, the organ of touch which feels the sensation of cold and heat. नंदी० ४, ग्रोव० १६, भग० १, १, २, १, ८, १, २४, १, १२, नाया० ५, १७; सम० ६; ग्रणुजो० १२७; भग० १४६; —उवउत्त त्रि० (-उपयुक्त) સ્પર્શેન્દ્રિયના ઉપભોગવાળું. स्पर्शेन्द्रियका उपयोगवाला. Having the use of the sense of touch भग० १२, १, —निग्गह पु० (-निग्रह) સ્પર્શેન્દ્રિયને કાબુમાં રાખવી તે स्पर्शेन्द्रियका शमन-नयम-दमन. Controlling of the organ of touch. उत्त० २६, २; —मुंड त्रि० (-मुण्ड) સ્પર્શેન્દ્રિયનો નિગ્રહ કરનાર. स्पर्शेन्द्रियका निग्रह करनेवाला. (one) who controls the organ of touch. ठा० ५, ३, —लद्धि. स्त्री० (-लब्धि) સ્પર્શેન્દ્રિયની પ્રાપ્તિ. स्पर्शेन्द्रियकी प्राप्ति. The attainment of the sense of touch भग० ८, २, —लद्धिया स्त्री० (-लब्धिका) સ્પર્શેન્દ્રિયની પ્રાપ્તિ स्पर्शेन्द्रियकी प्राप्ति. The attainment of the sense of touch भग० ८, २;

फासिंदियत्त न० (स्पर्शेन्द्रियत्व) સ્પર્શ ઇન્દ્રીપણું स्पर्शेन्द्रियत्व-स्पर्शेन्द्रिकका भाव. The state of the sense of touch. भग० ३, ४, २५, २;

फासिय. त्रि० (स्पृष्ट) સ્પર્શ કરેલ स्पर्श कियाहुआ, छूआहुआ Touched. प्रव २१३,

फासुय. न० (प्रासुक) જીવ રહિત અચેત; નિર્દોષ जड जीवरहित, अचेत, निर्दोष Inert; unconscious; faultless दस० ५, १, २०–८२, ८, १८, पिं० नि० १०७, १७७; भग० १, ६; २. ५; ५, ६, ७, १, ८, १; १८, १०; ठा० ४, २, उत्त० १, ३४, नाया० ५, १३, १६; १६, पगह० २, १, वेय० ४, ११-१२, राय० २२५, गच्छा० ६८, प्रव० ३१, ६३१, ८८८; उवा० १, ५८, **—एसणिज्ज.** त्रि० (-एषणीय) અચિત્ત અને નિર્દોષ-આહારાદિ अचित्त और निर्दोष-आहारादि. A food which is lifeless and faultless. उवा० ७, १६४, **—विहार** पु० (-विहार) ગ્રામાદિથી દૂર શુદ્ધ વસતિ–ધર્મશાળા. ग्रामादिसे दूर शुद्ध वस्ती-धर्मशाला. An inn or monastery away from a village etc नाया० ५, भग० १८, १०,

फिट्ट. पु० (*) માર્ગ; રસ્તો. पथ, मार्ग, रास्ता A path, a road. सु० च० ८, २५०,

फिडिअ त्रि० ( ) છૂટું પડેલ. पृथक् २ कियाहुआ, बिखराहुआ. Scattered, spread. ओव० नि० २६, ओव० १४; (२) ભૂલું પડેલ, ભ્રષ્ટ થયેલ, પતિત. भूलाहुआ; भ्रष्ट, पतित. Forgotten; degraded. fallen ओव० नि० ७,

फिप्फिस. पु० (*) ઉદરની અંદરનો અવયવ, ફેફસા. उदरके भीतरका अवयव, फुप्फुस The lung. पगह० १, १, तंडु०

फुंफुमा. स्त्री० (*) છાણાંનો અગ્નિ. करिषाग्नि-छानोंकी आग. A fire of dried cow-dung. क० ग० १, २२,

फुक्कणास. त्रि० (फोक्कनास) જુઓ "ફુક્કનાસ" શબ્દ. देखो "फुक्कनास" शब्द Vide "फुक्कनास" उत्त० १२, ६,

फुक्कनास. त्रि० (फोक्कनास) જેના નાકની ટોચ લાંબી અને ઉંચી હોય તે; લાંબા અને ઉંચા નાકવાળો. ऊंची और लम्बी नासिकाग्रवाला (one) having an aquiline nose उत्त० १२, ६;

फुग्गफुग्ग त्रि० ( ) અલગ અલગ-પરસ્પર છુટા છુટા રોમવાળો. बिखरेहुए-विरल-रोमवाला. (one) having thin and scattered hair उवा० २, ६४;

फुटित. त्रि० (स्फुटित) ફાટેલું; ચીરાઇ ગયેલું कटाहुआ, चीराहुआ, फूटाहुआ. Torn, rent, cut जीवा० ३, १,

फुट्ट. धा० I. (स्फुट्) ફુટવું, તુટવું. फूटना, टूटना. To break

फुट्टइ. नंदी० ४७,

फुट्टउ. ज० प० ५, १२३,

फुट्टंत. व० कृ० नाया० ६;

फुट्टमाण. व कृ नाया० १, भग० ६; ३३; ज० प० ३, ६७,

फुट्ट. त्रि० (स्फुटित) ફુટેલું. फूटाहुआ; अंकुरित. Broken; sprouted. नाया० ८; उवा० २, ६४; **—सिर.** न० (-शिरस्) ફુટેલું માથું. फूटाहुआ सिर. A fractured head. नाया० ८, भग० ७, ६; ज० प० ३, ३६, **—हडाहडसीस.** त्रि० (-हताहतशीर्ष) જેનું માથું ફુટી ગયું હોય તે. जाते घाते सिर फूटाहुआ (one) whose head is fractured in a fray. विवा० १; नाया० १६;

√फुड. धा० I. (स्फुट्) ફુટવું. फूटना. To burst, to break. ज० प० ५, १२३;

फुडिही. सु० च० २, ३१०;

फुडित्ता. स० कृ० ठा० २, ४,

फुडंत. व० कृ० भग० ३, २;

फुड. त्रि० (स्फुट) સ્ફુટ, પ્રકટ. स्फुट; प्रकट Clear, plain; (२) ઉઘડેલું; વિકસેલું. खिलाहुआ; विकसित. revealed, blooming. विशे० २२६; भग० ३, १: १५, १, नाया० १६; पिं० नि० ७२; राय० २७३; क० गं० ४, ७६; पंचा० ६, ४४; उवा० २, १०७; सु० च० १, ६१; (३) સૂત્રથી સ્પષ્ટ કહેવાએલું હોય તે. सूत्रद्वारा स्पष्ट कहाहुआ-कियाहुआ. Made clear or explained by a Sūtra. विशे० ३१२१; (४) पु० અવ્યક્ત શબ્દ अव्यक्त शब्द An indistinct word. नाया० ६; —वयण. न० (-वचन) સ્પષ્ટ વચન. स्पष्ट वचन. A clear word प्रव० ५५१;

फुड. त्रि० (स्पृष्ट) સ્પર્શ કરેલ; અડેલ. स्पर्श कियाहुआ; अटकाहुआ, छुआहुआ. Touched. भग० ६, १०, ७, १-३; ८, ३; १८, ७-१०; २०, २; ओव० ४२; पन्न० १५; ३६; विशे० ३७८, सु० च० १, ६१; (२) સુખાદિ ભોગવેલ. सुखादिका उपभोग कियाहुआ (one) who has enjoyed pleasures etc. भग० १, १;

फुडण. न० (स्फोटन) ફુટવું; ચીરાવું फूटना; चीरना. Breaking, bursting; rending. पण्ह० १, १,

फुडत्त. न० (स्पष्टत्व) સ્પષ્ટપણું स्पष्टता. Clearness. क० गं० ५, ८०;

फुडा. स्त्री० (स्फुटा) મહોરગના ઇન્દ્ર અતિકાયની ચોથી પટરાણી. महोरगके इन्द्र अतिकायकी चौथी पटरानी. The 4th principal queen of Atikāya, the Indra of Mahoraga. भग० १०, ५; ठा० ४, १,

फुडाइया. स्त्री० (स्फुटीकृता) એક દેવીનું નામ. एक देवीका नाम. Name of a goddess. नाया० ध० ५;

फुडिय. त्रि० (स्फुटित) ફાટેલ; ફુટેલ. फटा हुआ, फूटाहुआ. Rent; broken; blooming. ओघ० नि० ७३६; भग० ७, १-६; पन्न० ११; ज० प०

√फुम. धा० I. (वीज्) ફુંક મારવી. फूंक मारना, मुंहसे हवा काढना. To blow.

फुमेज्जा. वि० दस० ४; निसी० ३, २१;

फुमिज्ज. वि० आया० २, १, ७, ३६;

फुमावेज्जा. क. वा. वि० दस० ४;

फुमिज्जंत. क. वा. व. कृ. राय० ८६;

√फुर. धा० I. II. (स्फुर्) ફરકવું, ચલન થવું. फडकना; स्फुरण होना; चचल होना. To throb; to palpitate; to quiver.

फुरइ. नाया० १७,

फुरेइ. सु० च० १, १०८;

फुरित्ता. ठा० २, ४,

फुरंत. सुय० १, ५, १, १५; नाया० १; सु० च० १, ५; नंदी० १६; भत्त० १६८,

फुरण. न० (स्फुरण) ફરકવું. फडकना. Throbbing. विशे० २३३;

फुल्ल त्रि० (फुल्ल) વિકસિત; વિકાસ પામેલ; ઉઘડેલું; ખીલેલું. विकसित, विकासप्राप्त, खिला हुआ. Blooming; blossoming. नाया० १३; भग० ३, २; सु० च० १, ६५; अणुजो० १६; १३१, ओव० १३; राय० ४६; जीवा० ३, १; पचा० ६, २६; कप्प० ४, ६०; —उप्पल. पुं० न० (-उत्पल) વિકસિત કમળ. विकसित कमल. A blooming lotus. भग० २, १, नाया० १; ८;

फुल्लग. पुं० (फुल्लक) સીસ ફુલ. शीशफूल. A particular flower. जीवा० ३, ३;

फुल्लावलि. स्त्री० (पुष्पावलि) ખીલેલા ફુલની પંક્તિ विकसित पुष्प पंक्ति. A row of

blooming flowers. जं० प० ५, ११६;

फुल्लिंग. पु० (स्फुलिंग) અગ્નિના તણખા अग्निकी चिनगारी. A spark. नाया० १; भग० ३, २;

√**फुस.** धा० II. (स्पृश्) અડકવું, સ્પર્શ કરવો. छूना; स्पर्श करना. To touch

फुसइ. भग० १, ६; २, १०, ५, ७, २५, ६, विशे० ४३२; ओव० ३४,

फुसंति. आया० १, ६, ३, १८१, अणुजो० ८४, पन्न० ११; पिं० नि० २५६, नाया० १, उत्त० १०, २७,

फुसिज्ज वि० आया० २, १३, १७२,

फुसंतु. आ. भग० २, १, १५, १, ओव० ३६;

फुसिय. स. कृ क० ग० ५, ८७,

फुसित्ता. स. कृ ठा० २, ४, भग० २, १०, पन्न० १५,

फुसमाण. व. कृ. पन्न० १६, भग० १, ६, ५, ७,

फुसंत व. कृ. ओघ० नि० ३५. उत्त० १२, ३८;

√**फुस** धा० I. (मृज्) ધોવું, સાફ કરવું. धोना, साफ करना. To wash, to rinse

फुसिज्जउ. सु० च० ४, २८४,

फुसिय-अ स कृ ओघ० नि० भा०२८५,

फुस. पुं० (स्पर्श) સ્પર્શ, અડકવું તે. स्पर्श, छूनेका कार्य Touching. भग० १, १०, सु० च० १, ५७,

फुसण. न० (स्पर्शन) સ્પર્શ કરવો स्पर्श करना. Touching. भग० २५, ६,

फुसणा स्त्री० (स्पर्शना) સ્પર્શ કરવો Touching अणुजो० ८०,

फुसाविअ. त्रि० (स्पर्शित) સ્પર્શાયેલ, અડેલ स्पर्श कियाहुआ, छूत Touched. भग० ५, ७,

फुसावेयव्व. त्रि० (स्पर्शितव्य) સ્પર્શ કરવો. स्पर्श करना Touching. भग० ५, ७,

फुसिय. न० (पृषत्) છાટા. छींटे. A drop, spray of water नाया० १,

फुसिय. त्रि० (स्पृष्ट) સ્પર્શ કરેલ स्पृष्ट, स्पर्श-कियाहुआ. Touched. गच्छ० ३५, कप्प० ६, २८,

फुसिया-आ स्त्री० (पृषत्) જલ બિન્દુ. जलबिन्दु A drop of water, a spray. आया० १, ५, १, १४२, प्रव० १४६५,

फुसिया. स्त्री० (पुष्पिका) આ નામની એક વેલ इस नामकी एक वेल. A creeper so named. पन्न० १,

फेडण. न० ( ) પડવું पड़ना, गिरना. Falling down. प्रव० ८८६,

फेडणा. स्त्री० (स्फोटना) ફાડી તોડી નાખવું फाड़ना तोड़ना. Tearing पिं० नि० ३८७,

फेडिअ. त्रि० (स्फोटित) ફાડી નાખેલ, ચીરી નાખેલ. फाड़ाहुआ, चीराहुआ. Torn, rent. ओघ० नि० भा० ४२,

फेण पु० (फेन) ફીણ. फेन Foam ओव० १०, २१, भग० ६, ३३, पण्ह० १, ३, नाया० १, जीवा० ३, ३, राय० ६२, उत्त० १६, १३, कप्प० ३, ३८, ४३, जं० प० ५, १२२; —**पिंड** पु० (-पिण्ड) ફીણનો પિંડો. फेनका समूह-पिंड. A lump of foam. प्रव० १४६५, —**मालिणी.** स्त्री० (-मालिनी) મહા વિદેહના વપ્રાવતી વિજયની પૂર્વ સરહદ ઉપરની મહા નદી. महाविदेहकी वप्रावती विजयकी पूर्वसीमावर्ती महानदी. A great river on the eastern boundary of the territory Vaprāvatī of Mahāvideha जं० प० ठा० २, ३,

फेलाडाजाय पु० ( ) धान्यनी नीचेनो भाग. धान्यके नीचेका भाग The lower portion of a corn. नाया० ७,

फोडण. न० (स्फोटन) भूमिआदि फोडवी ते मिट्टी-पृथ्वीका फोड़ना. Breaking a clod, earth etc. नाया० ८, पिं० नि० ३६२, (२) दाळ शाक आदिने वधार आपवो ते. दाल शाक आदिका बघारना-छौंकना. Seasoning of soup etc पिं० नि० २५०,

फोडि स्त्री० (स्फुटि) पृथ्वी फोडवी-खोदवी ते पृथ्वी खोदनेका कार्य. Digging or breaking a clod, earth etc. प्रव० २६७,

फोडीकम्म. न० (स्फोटनकर्मन्) भूमि आदिने खोदवानो व्यापार करवो ते; पंदर कर्मादानमांनो एक. भूमि आदि खोदनेकी क्रिया, पन्द्रह कर्मादानोंमेंसे एक The act of digging ground etc; one of the 15 karmādānas. भग० ८, ५;

फोफल. न० (पूग-फल) सोपारी. सुपारी. Bettle-nut. भत्त० ४२,

फोफस. न० (फोफ्फस) शरीरनो एक अवयव; फेफसुं. शरीरका एक अवयव, फुप्फुस. A lung. पण्ह० १, १;

फोल्लई. स्त्री० (फोल्ली) ए नामनी एक वेल. इस नामकी एक लता-वेल. A creeper so named पन्न० १,

ब

बउल पु० (बकुल) बकुल वृक्ष, बोलसरी-वरशोलीनुं झाड के जेनी नीचे २१ मा तीर्थंकरने केवळज्ञान उपज्युं हतुं. बकुलवृक्ष; बोलसरी वृक्ष जिसके नीचे २१ वें तीर्थंकरको केवलज्ञान उत्पन्न हुआ था. The Bakula tree under which the 21st Tīrthankara attained perfect knowledge. भग० २२, २; सम० प० २३३; पन्न० १; विशे० १७५५, जं० प० (२) न० बकुलनुं फुल. बकुल फूल. A flower of Bakula tree. नाया० ६;

बउस. पु० (बकुश) शरीर तथा उपकरणनी शोभा करतां मूळ गुणमां दोष लगाडी चारित्रने मलीन करनार साधु शरीर तथा उपकरणोंकी शोभाकी अपेक्षा मूल गुणमें दोष लगाकर चारित्रको मलीन करनेवाला साधु An ascetic who pollutes his conduct by imposing a sin on a primary merit. (२) ए नामनो एक देश इस नामका एक देश. A country so named. प्रव० ७२६; भग० २५, ६; ठा० ३, २, ५, ३; कप्प० ३, ३७; (३) त्रि० बकुश देशनो रहेवासी. बकुश देशका निवासी. An inhabitant of Bakuśa country. पन्न० १, पण्ह० ५, १; —**कुसील.** पु० (-कुशील) बकुश अने कुशील नियंठो; चारित्रमां दोष लगाडनार एक प्रकारना साधु. बकुश और कुशील नियंठा; चारित्रमें दोष लानेवाले एक प्रकारके साधु. An ascetic with partial transgression of conduct. प्रव० ७३७,

बउसत्त. न० (बकुशत्व) बकुशपणुं. बकुशता-त्व. Partial transgression of conduct. भग० २५, ६;

बउसिया(आ). स्त्री० (बकुशिका) બકુશ દેશમાં ઉત્પન્ન થયેલી દાસી बकुश देशमें उत्पन्न दासी A maid-servant born in Bakuśa country. ज० प० भग० ६, ३३;

बंदिग्गहण. न० (बंदिग्रहण) કોઇને લુંટીને કેદ કરવો તે. किसीको लूटकर बन्दी बनाना. Plundering and capturing one विवा० ३, नाया० १८;

बंध. धा० I. (बन्ध्) બાંધવું, જકડવું बांधना; जकड़ना. To bind; to tie; to chain.

बंधइ. दस० ६, ६६; निसी० १, ४५, १२, १; भग० १, ६, ५, ४; ६, ३, ६; ७, ८, ८, ८, २५, ६, २६, १; नाया० ७; १४, पिं० नि० १०१, सु० च० ११, २२, क० ग० १, ५७, ४, ६२;

बंधंति. भग० १, ३, २, १, ३, १, ६, ३, ८, ८, १६, ३, ३३, १, ज प० ५, ११४, नाया० १, पन्न० १४; ग० ४, १, क० ग० ३, २०,

बंधेज्जा. वि० भग० ६, ५, सूय० २, ५, १२,

बंधिस्सइ. भग० ८, ८; २६, १,

बंधेहिंति. भग० १५, १,

बंधिस्संति. पन्न० १४,

बंधिसु पन्न० १४,

बंधी भू का भग० ८, ८, २६, १;

बंधित्ता नाया० १, १४,

बंधित्तए. गय० २७३;

बंधइत्ता. भग० ६, ३२; १५, १, नाया० २, ७, १४; ज० प० ५, ११४,

बंधतित्ता. भग० ३, १, २०, १,

बंधमाण भग० ६, ६, २५, ६, ३३, १,

बंधत निसी० १२, १,

बंधिउं. सूय० १, २, १, १८,

बंधिऊणं सूय० १, ५, १, १४,

बंधित्तु. सं. कृ सूय० १, ५, १, १०; क० प० ४, ३६,

बंधावेइ. क. वा. विवा० ६, सु०च० ११, ४८.

बंधे वि. क० गं० २, ८, सूय० २, ५, १२,

बंधइ. आ. विवा० १, ८, ८,

बज्झाइ क वा. पिं० नि० ६४,

बज्झंति नाया० १, १७, भग० ६, ३, उत्त० ६, ३०;

बंध. पुं० (बन्ध) બંધન કરવું; બાંધવું. बधन करना, बांधना. Binding, chaining. भग० १, १, १८, ३, गय० २२४, दसा० ६, १-४, निसी० ५, ७१, ओव० ३८, ४१, सूय० २, २, ६२. अणुजो० १३०, नाया० २, १७, क० ग० १, ३२, २, १०; ११, २५, क० प० २, ३, ३, ३. पंचा० १, १०; उवा० १, ४५, (२) જીવ અને કર્મનો સબંધ, જીવ પ્રદેશ અને કર્મ પુદ્ગલનો ક્ષીર નીરની પેઠે થતો સબંધ, નવ તત્ત્વમાંનુ આઠમુ તત્ત્વ जीव और कर्मका सम्बन्ध, जीव प्रदेश और कर्म पुद्गलका क्षीर नीरवन् होनेवाला सम्बन्ध, नव तत्वोंमेंसे आठवा तत्व. The relation of the soul and karma, the 8th principle out of nine, a harmonious mingling of the soul particles and the mole cules of karmas भग० १, १, २, ५, १३, ८, ४०, १५, दस० ४, १५, १६, ओव० ३४, सम० १, ४, ठा० १, उत्त० ६, १०; २८, १४, क० ग० १, १५, २, १, ३, आया० १ २, ६, १०२, (३) પણ્ણવણાના ત્રીજા પદના પચ્ચીસમા દ્વારનુ નામ. पण्णवणाके तीसरे पदके पच्चीसवें द्वारका नाम. Name of the 25th Dvāra of the 3rd Pada of Paṇṇavaṇā. पन्न० ३, (४) સયોગ.

Relation. भग० १८, ३; २०, ७; (५) બેડી આદિનું બંધન. श्रादिका बंधन. A bond of fetters etc. दस० ६, २, १४; (६) લેપ. Anointing. पिं० नि० १४, —श्रंतग. त्रि० (-अन्तक) બંધનો અંત વિચ્છેદ કરનાર बंधका अंत-विच्छेद करनेवाला. The destroyer of bondage. क० प० ४, २०; —श्रंतर. न० (-अन्तर) કર્મબન્ધનું અન્તર. कर्म बन्धका अन्तर. The difference of karmic bond. भग० ८, ६, —उक्कोस. पु० (-उत्कर्ष) ઉત્કૃષ્ટ બંધ. उत्कृष्ट बंध A good bond. क० प० २, ३१, —उदय. पु० (-उदय) કર્મનો બંધ અને ઉદય. कर्मका बंध और उदय. The bond and appearance of karmas. क० प० ५, ४३, प्रव० ४८; —उवरम. पु० (-उपरम) કર્મબન્ધની નિવૃત્તિ-અભાવ. कर्मबन्धकी निवृत्ति-अभाव. The absence or cessation of karmic bond. क० ग० ६, ७; —ट्ठाण. न० (-स्थान) બંધનાં સ્થાનક. बंधके स्थानक Stages of bondage क० ग० ६, १२; —ट्ठिइ. स्त्री० (-स्थिति) કર્મના બંધની સ્થિતિ. कर्मके बन्धकी स्थिति. The condition of karmic bondage. सम० २०; भग० ६, ३; —पगइ. स्त्री० (-प्रकृति) બંધવાની કર્મ પ્રકૃતિ. बांधनेकी कर्म प्रकृति, बंधनशील कर्म प्रकृति Binding karmic matter. क० प० २, ७, —विह. पु० (-विध) બંધના ભેદ-પ્રકાર. बंधके भेद-प्रकार. Varieties of bonds. क० गं० ५, १; —विहाण न० (-विधान) બંધનો વિધિ बंधकी विधि-का विधान The procedure of bondage. क० प० १, १०२, ३, १, —विहि पु० (-विधि) બંધના પ્રકાર-ભાંગા. बंधके प्रकार-भाग-खण्ड. A portion of bondage. क० गं० ६, २७, —वुच्छेश्र. पुं० (-व्युच्छेद) બંધનો વિચ્છેદ-અભાવ. बंधका विच्छेद-अभाव. The absence of a bond. क० गं० ६, २४; —वोच्छेय. पुं० (-व्युच्छेद) બંધનો વિચ્છેદ-અભાવ. बंधका विच्छेद-अभाव. The absence of a bondage. क० प० २, ३५; —सयग. न० (-शतक) બંધ પ્રકરણની સો ગાથા, સો ગાથાવાળુ બંધ પ્રકરણ. बंध प्रकरणकी १०० गाथा, १०० गाथावाला बंध प्रकरण. 100 tales of the topic of bondage. क० प० १, १०२, —सामि. पुं० (-स्वामीन) બંધનો સ્વામી; કર્મ બાંધનાર. बंधका स्वामी; कर्म बन्धक. That which binds the karmas; the master of bondage. क० ग० ५, १; —सामित्त. न० (-स्वामित्व) બંધનુ સ્વામિપણુ. बंधका स्वामित्व. The state of a master of bondage. क० ग० ३, १; २४; ६, ७५,

बंधश्र. त्रि० (बन्धक) બાંધનાર; કર્મ બન્ધ કરનાર. बांधनेवाला; कर्मबन्ध करनेवाला. Binder; (one) who binds karmas पिं० नि० २०७,

बंधग. पु० (बन्धक) કર્મ બાંધનાર. कर्म बाधनेवाला. (one) who binds karmas. भग० ५, १, ८, ८, पन्न० ३; पंचा० २, ४४; १६, ४०, ११, १, २१, १, २५, ३; ३३, १, ३५, १,

बंधट्ठितिउद्देस. पु० (बन्धस्थित्युद्देश) પન્નવણા સૂત્રના એક ઉદ્દેશાનું નામ. पन्नवणा सूत्रके एक उद्देशाका नाम. Name of a chapter of Paṇṇavaṇā Sūtra भग० १३, ८,

बंधरा. न० (बन्धन) બંધન, બધ. बधन, बध. Bond; bondage. भग० ७, ६, ६, ३३, १८, ३; नाया० २; पन्न० १३, १६, राय० २५३; उत्त० १, १६, सम० २, ओव० २१, ३८, आव० ४, ७; ज० प० ३, ७०, (२) શરીરનુ બન્ધારણ. शरीरका गठन The make-up of the body. नाया० १, (३) જન્મ મરણ. जन्म मरण. Life and death दस० १०, १, २१; (४) નાવાનુ બધન नाया० ८; (५) ઔદારિક, વૈક્રિયઆદિ પાંચ શરીરના પુદ્‌ગલોનુ જોડાણ-મેળ. औदारिक, वैक्रिय आदि पांच शारीरिक पुद्गलोंका मेल-सयोग The combination of the molecules of the five bodies *viz.* physical etc. अणुजो० १२७, पन्न० २३, (६) જ્ઞાનાવરણીય આદિ આઠ કર્મનુ બન્ધન ज्ञानावरणीय आदि आठ कर्मका बन्धन A bondage of eight karmas *viz.* knowledge-obscuring etc. पन्न० ३६, आया० १, ४, ३, १३८, (७) ફળનું બીટકુ फलका बटका A slice of fruit. सूय० १, २, १, ६, (८) આઠ કર્મ અને તેના હેતુઓ. आठ कर्म और उनके हेतु. The 8 karmas and their causes. पन्न० ३६, सूय० १, १, १, १, (९) જેથી કર્મનો બધ થાય તે અધ્યવસાય, આઠ કરણમાંનુ એક. कर्म बन्धशील अध्यवसाय, आठ करणोंमेंसे एक. An effort that causes a karmic bondage, one of the 8 means. क० पं० १, २४, ३१; ३५, ३७, २, ३१, क० प० १, २, —**करण** न० (-करण) કર્મનો બધ કરવો તે कर्मबध करण The incurring of a karmic bond. क० प० १, १०२; —**छेयण** न० (-च्छेदन) જીવ સાથેના કર્મ સબધનુ છેદન. जीव विषयक कर्म सम्बन्धका छेदन The destruction of the relation of karmas with a soul ठा० ५, ३; —**छेयणगइ.** स्त्री० (-छेदनगति) શરીરથી જીવનુ જુદું પડવું. शरीरसे जीवका जुदा होना. The separation of a soul from the body. भग० ८, ७, (२) શરીરથી છુટેલ જીવની અને જીવથી છુટેલ શરીરની ક્રિયા થાય છે તે. शरीरसे मुक्त जीव और जीवसे मुक्त शरीरकी होनेवाली क्रिया. The act of a soul liberated from a body and a body liberated from a soul. पन्न० १६; —**छेयणया.** स्त्री० (-च्छेदन+ता) બધનનુ છેદન થવુ તે. बधनका छेदन कार्य. The destruction of a bondage. भग० ७, १; —**नाम.** न० (-नामन्) બધન નામે નામ કર્મની એક પ્રકૃતિ. बधन नामक नाम कर्मकी एक प्रकृति. A variety of Nāma karma matter named Bandhana. क० प० १, २८; —**पच्चइय.** पु० (-प्रत्ययिक) પરમાણુ પુદ્‌ગલોનો પરસ્પર બંધ, જેમ દ્વિપ્રદેશિકાદિ સ્કંધ. परमाणु पुद्गलोंका परस्पर बध; यथा द्विप्रदेशिकादि स्कध The combination of molecules *e. g.* a Skandha. भग० ८, ६; —**परिणअ.** त्रि० (-परिणत) બન્ધનરૂપે પરિણમેલ. बन्धनरूपमें परिणत-प्रतिफलित. Resulting or matured into a bondage क० प० २, १;

बंधन. न० (बधन) બાંધવુ તે. बधन, बांध. A binding. पचा० १, १८,

बंधय. त्रि० (बन्धक) કર્મ બાંધનાર. कर्म बाधनेवाला. That which binds the karmas. भग० ५, ४; ८, ६; २५, ६,

वंधव. पु० (बान्धव) સ્વજન, સહોદર, ભાઈ स्वजन; सहोदर; भ्राता. Brethren, a brother उत्त० ४, ४; १०, ३०, पराह० १, १;

वंधवया स्त्री० (बान्धवता) બંધુતા, ભાઈપણું. वंधुता, भ्रातृत्व, भायप. Brotherliness. उत्त० ४, ४,

वंधाविय. त्रि० (बन्धित) બંધાવેલ. बँधाया-हुआ, बँधाहुआ. Bound. सु० च० २, ४६२,

वंधिसय. न० (बन्धिशत) ભગવતી સૂત્રના ૨૬મા શતકનું નામ भगवती सूत्रके २६ वें शतकका नाम. Name of the 26th century of Bhagavati Sūtra. भग० २७, १.

वंधीसा स्त्री० ( ) વાદ્ય વિશેષ, વાજું वाद्य विशेष; वाजा. A kind of musical instrument. राय० ८८,

वंधु पु० (बन्धु) ભ્રાતા; ભાઈ भ्राता, भाई. A brother. गच्छा० २५; १०६,

वंधुजीव. पु० (बन्धुजीव) બપોરીયાનું ઝાડ. बपोरिया-वंधुजीव वृक्ष. A species of trees भग० २२, ५; राय० ५१, ५३, ५४; (२) વર્ષાઋતુમાં થતો લાલ સુંવાળી ચામડીવાળો જીવડો; મેમમોલો. वर्षाऋतुमें पैदा होनेवाला सुन्दर लाल चमडीवाला जीव. A worm with soft red velvet like skin, which is born in the rainy season. जीवा० ३, ४.

वंधुजीवग. पु० (बन्धुजीवक) બપોરીયા વૃક્ષનું ફૂલ. बन्धुजीव वृक्षका फूल. A flower of a particular tree ज० प० पन्न० १, कप्प० ४, ६०, (२) વર્ષાઋતુમાં થતાં નાનાં લાલ જીવડાં. वर्षाऋतुमें उत्पन्न होनेवाले लाल २ छोटे जीव-प्राणी A red worm born in the rainy season. नाया० १.

वन्धुद्देस पु० (बन्धोद्देशक) પન્નવણા સૂત્રના ચોવીશમા પદના એક ઉદ્દેશાનું નામ. पन्नवणा सूत्रके चौवीसवें पदके एक उद्देशाका नाम. Name of a section of the 24th Pada of Pannavanā Sūtra भग० ६, ६:

वंधुमई. स्त्री० (बन्धुमती) ૧૯ મા તીર્થંકરની મુખ્ય સાધ્વીનું નામ. १६ वें तीर्थंकरकी मुख्य साध्वीका नाम. Name of the principal nun of the 19th Tīrthankara. प्रव० ३०६,

वंधुमती. स्त्री० (बन्धुमती) અર્જુન માળીની સ્ત્રીનું નામ. Name of the wife of Arjuna māli. अंत० ६, ३, (२) મલ્લિનાથ તીર્થંકરની મુખ્ય સાધ્વીનું નામ Name of the principal nun of Mallinātha Tīrthankara. नाया० ८,

वन्धुय. पु० (बन्धुक) બન્ધુક દેશ. बन्धुक देश. A country called Bandhuka.(२) त्रि० તે દેશના રહેવાસી. इस देशके निवासी An inhabitant of that country. पन्न० १:

वंधुर त्रि० (बन्धुर) સુંદર, રમણીક. सुंदर; रमणीक. Beautiful, attractive. चउ० १०,

वन्धुवती. स्त्री० (बन्धुमती) ૧૯ મા તીર્થંકરની મુખ્ય સાધ્વી. १६ वें तीर्थंकरकी मुख्य साध्वी. The chief nun of the 19th Tīrthankara. सम० प० २३४;

वंधुसिरी. स्त्री० (बन्धुश्री) એક રાણીનું નામ एक रानीका नाम Name of a queen विवा० ६,

वंभ. पु० न० (ब्रह्मन्) બ્રહ્મચર્ય. ब्रह्मचर्य. Celibacy, continence राय० २१५; पिं० नि० भा० २४; विशे० २६३६; ओव०

१६, उत्त० १२, ४६, ३१, १४, प्रव० ४०, (२) અભિજિત નક્ષત્રનો અધિષ્ટાતા દેવતા. अभिजित नक्षत्रका अधिष्ठाता देवता. The presiding god of the constellation Abhijita. सु० प० १०; अणुजो० १३१; (३) પાચમો દેવલોક पाचवाँ देवलोक. The 5th Devaloka भग० १८, ७, ओव० २६, विशे० ५६५, नाया० १ (४) પાચમા દેવલોકનો સ્વામી-ઇંદ્ર. पाचवें देवलोकका स्वामी-इन्द्र The Indra (lord) of the 5th Deva loka ठा० २, ३, सम० ३२; पन्न० २. (५) બીજા બલદેવ-વાસુદેવના પિતા दूसरे बलदेव-वासुदेवके पिता Father of the 2nd Baldeva-Vāsudeva सम० प० २३५; (६) વર્તમાન અવસર્પિણીના બારમા ચક્રવર્તી वर्तमान अवसर्पिणीके बारहवें चक्रवर्ती The 12th Chakravarti of the current aeon of decrease. सम० प० २३४; (७) મોક્ષ मोक्ष; मुक्ति Salvation. सूय० २, ६, २०, (८) દિવસ રાતના ત્રીશ મુહૂર્તમાંનુ નવમુ મુહૂર્ત. दिन रातके तीस मुहूर्तों मेंसे ६ वाँ मुहूर्त The 9th Muhūrta out of 30 of a day and night जं० प० ७, १५२, सम० ३०, (९) બ્રહ્મદત્ત ચક્રવર્તીના એક મહેલનુ નામ ब्रह्मदत्त चक्रवर्तीके एक प्रासादका नाम. Name of a palace of Brahmadatta sovereign "उच्चोदए महूक क्केय बंभे" उत्त० १३, १३. (१०) જ્ઞાન સ્વરૂપ આત્માનુ આશ્રય સ્થાન હોવાથી સિદ્ધશિલાનુ બીજું નામ. ज्ञानस्वरूप आत्माका आश्रयस्थान होनेके कारण सिद्धशिलाका दूसरा नाम Name of a Siddha Śila being the fulcrum of the soul in the form of knowledge. सम० १२. (११) ૧૨મા ચક્રવર્તીના પિતા. १२ वें चक्रवर्तीके पिता. Father of the 12th Sovereign ruler. सम० प० २३४, (१२) બ્રહ્મ નામનુ એક છઠ્ઠા દેવલોકનુ વિમાન કે જેના દેવતાનું ૧૧ સાગરોપમનુ આયુષ્ય છે. ब्रह्म नामक छठे देवलोकका एक विमान जिसके देवताकी आयुष्य ११ सागरोपमकी है A celestial abode of the 6th Devaloka named Brahma the life of whose gods is 11 Sāgaropamas (a period of time) सम० ११, (१३) બ્રહ્મા, વિધાતા ब्रह्मा, विधाता, सृष्टिकर्ता. The creator, Brahmā. सूय० १, १, ३, ५, (१४) શીતલનાથજીના યક્ષનુ નામ. शीतलनाथजीके यक्षका नाम Name of a Yaksa (semi divine being) of Śītalanāthji. प्रव० ३७५,

—गुत्ति. स्त्री० (गुप्ति) બ્રહ્મચર્યનુ રક્ષણ ब्रह्मचर्यका रक्षण Observance of celibacy पि० नि० ६२; (२) બ્રહ્મચર્યનુ રક્ષણ કરવાને કિલ્લાની પેઠે બાધવામા આવેલી નવ વાડ ब्रह्मचर्यके रक्षणार्थ किलेके समान बनाई हुई नई वागुर परिधि उत्त० ३१, १०, भत्त० १०७, प्रव० ५५६, ५६५, —संति स्त्री० (-शान्ति) બ્રહ્મ-આત્મજ્ઞાનથી શાતિ થાય તે ब्रह्म-आत्मज्ञानद्वारा प्राप्त शान्ति Tranquillity due to the knowledge of the soul भग० ४२, १,

बंभंड पु० न० (ब्रह्माण्ड) જગત્ जगत्, विश्व The Universe मु० च० २, १६६,

बंभकंत. पु० (ब्रह्मकान्त) એ નામનુ છઠ્ઠા દેવલોકનું એક વિમાન કે જેના દેવતાઓનુ આયુષ્ય ૧૧ સાગરોપમનુ છે. इस नामका छठे देवलोकका एक विमान जिसके देवताका

आयुष्य ११ सागरोपमका है A celestial abode of this name of the 6th Devaloka, the age of whose gods is 11 Sāgaropamas. (a period of time.) सम० ११,

वंभकूड पु० (ब्रह्मकूट) એ નામનુ છઠ્ઠા દેવલોકનુ એક વિમાન કે જેમાં વસનાર દેવતાનુ ૧૧ સાગરોપમ આયુષ્ય છે इस नामका छठे देवलोकका एक विमान जिसके निवासी दवताकी आयुष्य ११ सागरोपम है. A celestial abode so named of the 6th Devaloka the gods of which live for 11 Sāgaropamas (a period of time). सम० ११, (૨) મહા કચ્છ વિજયની પૂર્વે અને કચ્છ ગાવઈ વિજયની પશ્ચિમે આવેલો એક વખારા પર્વત. महाकच्छ विजयके पूर्व और कच्छगावई विजयके पश्चिममें स्थित एक वखारा पर्वत. A Vakhārā mount to the east of the Mahākachchha territory and west of kachchha-gāvai territory. ज० प०

वंभचारि. त्रि० (ब्रह्मचारिन्) બ્રહ્મચર્ય ધારણ કરનાર ब्रह्मचारी. A celibate. भग० २, १, उत्त० ३२, ११; उवा० २, ११३; (२) पु० પાર્શ્વનાથના એ નામના એક ગણધર पार्श्वनाथके इस नामके एक गणधर. A Ganadhar so named of Pārśvanātha. ठा० ८, १;

वंभचेर न० पु० (ब्रह्मचर्य) બ્રહ્મચર્ય; વિષય ત્યાગ. ब्रह्मचर्य; विषय त्याग. Continence; celibacy. आया० १, ४, ३, १३७, १, ६, ४, १८८; ठा० २, १; उत्त० १६, १, २५, ३०; सूय० १, ३, १, १३, २, १, ४५; ज० प० ७, १६२, भग० १, ६; दस० ५, १, ६, ६, ५८; नाया० १, पिं० नि० ६६६; पगह० १, २; सु० च० ७, २७३, भत्त० १०७; गच्छा० ६७, १०७: प्रव० ६४६; उवा० १, ७६, (२) સંયમ અનુષ્ઠાન. संयमानुष्ठान Practice of self-restraint. सूय० १, १, ३, १३; (३) જિનેન્દ્રનું શાસન जिनेन्द्रका शासन. The command of Jinendra. सूय० २, ५, १; **—गुत्ति.** स्त्री० (–गुप्ति) બ્રહ્મચર્યના રક્ષણ માટે યોજાયલી નવ ગુપ્તિ–વાડ. ब्रह्मचर्यके निरीक्षणार्थ नियुक्त नौ गुप्ति. Nine methods of protecting celibacy. आव० १, ४; **—धारिणी.** स्त्री० (–धारिणी) બ્રહ્મચર્ય પાળનારી સ્ત્રી. ब्रह्मचारिणी. A female celibate. नाया० १६; **—वसाणुअ.** त्रि० (वशानयन–ब्रह्मचर्य वशमानयति-आयतं करोति दर्शना क्षेपादिनेति) બ્રહ્મચર્યનો અન્ત કરનાર; બ્રહ્મચર્યને તોડનાર. ब्रह्मचर्यका अन्त करनेवाला; ब्रह्मचर्यको भ्रष्ट करनेवाला. (one) who terminates celibacy. " नचरेज्ज वेससामते बभचेर वसाणुए " दस० ५, १, ६, **—वास.** पु० (–वास) બ્રહ્મચર્યમાં રહેવુ તે; બ્રહ્મચર્યનું પાલન. ब्रह्मचर्य पालन. Observance of celibacy. भग० १, ४; ६, ३१, १५, १: नाया० १०, १६; ठा० ५, १,

वंभजोग. पु० (ब्रह्मयोग) બ્રહ્મચર્ય ધારણ કરવુ તે. ब्रह्मचर्यका अध्यवसाय–योग The observance of celibacy. गणि० ३०;

वंभज्झय पु० (ब्रह्मध्वज) એ નામનુ છઠ્ઠા દેવલોકનું એક વિમાન કે જેમા વસતા દેવોનુ ૧૧ સાગરોપમ આયુષ્ય છે. इस नामका छठे देवलोकका एक विमाम जिसके निवासी देवताकी आयुष्य ११ सागरोपमकी है. A celestial abode so named of the 6th Devaloka, the gods of which live for

11 Sāgaropamas (a period of time). सम० ११;

बंभण. पु० (ब्राह्मण) બ્રાહ્મણ; ચાર વર્ણમાંનો એક વર્ણ ब्राह्मण, चार वर्णोंमेंसे एक वर्ण. A brāhmana, one of the 4 varnas-castes भग० २, १, सु० च० ७, २८७, उत्त० २५, १८,

बंभणश्र(य). त्रि० (ब्राह्मणक) બ્રાહ્મણ સબંધી. ब्राह्मण विषयक Pertaining to a Brāhmana श्रोव० ३८, भग० ६. ३३, १८, १०; कप्प० १, ६;

बंभदत्त पु० (ब्रह्मदत्त) બ્રહ્મદત્ત નામનો ચક્રવર્તી, કે જે પોતાના પૂર્વભવના ભાઇ ચિત્તમુનિએ સમજાવ્યા છતાં પણ ન સમજતાં છેવટ સુધી કામભોગમાં આસક્ત રહી મરીને સાતમી નરકે ગયો. ब्रह्मदत्त नामक चक्रवर्ती जो अपने पूर्वजन्मके भाई चित्तमुनिद्वारा समझाया जाने परभी न समझते हुए अन्तिम समय तक कामभोगमें श्रासक्त रहा तथा मरने पर सातवें नरकको पहुँचा. A sovereign ruler named Brahmadatta, who, though advised by his brother of previous birth, Chitta muni, did not give up sensual enjoyment to the last and hence reached the 7th hell after death. प्रव० ४१६; ठा० २, ४; ४, ३; उत्त० १३, १, जीवा० ३, १, (२) २ જા તીર્થંકરને પ્રથમ ભિક્ષા આપનાર. दूसरे तीर्थंकरको १ले भिक्षा देनेवाला. (one) who gave alms first of all to the 2nd Tīrthankara. सम० प० २३२;

बंभदीवग. पु० (ब्रह्मदीपक) રેવતી નક્ષત્ર આચાર્યના શિષ્યનુ નામ रेवती नक्षत्र श्राचार्यके शिष्यका नाम Name of the disciple of the preceptor Revatī Naksatra. नदी० ३२,

बंभदीविश्रा स्त्री० (ब्रह्मदीपिका) એ નામની એક શાખા इस नामकी एक शाखा. A branch (of a family) so named कप्प० ८,

बंभप्पभ. पु० (ब्रह्मप्रभ) બ્રહ્મપ્રભ નામનુ છઠ્ઠા દેવલોકનુ એક વિમાન કે જેના દેવોનું આયુષ્ય ૧૧ સાગરોપમ હોય છે. ब्रह्मप्रभ नामक छठे देवलोकका एक विमान जिसके देवताकी श्रायुष्य ११ सागरोपमकी होता है A celestial abode of the 6th Devaloka named Brahmaprabha, its gods live upto 11 Sāgaropamas. (a period of time). सम० ११,

बंभबन्धु. पु० (ब्रह्मबन्धु) ષટ્કર્મ રહિત માત્ર જન્મનો બ્રાહ્મણ षट्कर्म रहित मात्र जन्मका ब्राह्मण. A Brāhmana by birth only but devoid of six karmas. पिं० नि० ४४८,

बंभयारि. पु० (ब्रह्मचारिन्) બ્રહ્મચર્ય પાળનાર. ब्रह्मचारी A celibate. भग० ३, ३, १२, १; नाया० १, दस० ५, १, ६, ८, ५४, श्रोव० १७, पचा० १०, १८; (२) પાર્શ્વનાથના એક ગણધર. पार्श्वनाथका एक गणधर A ganadhara of Pārśvanātha. सम० ८;

बंभलेस्स. पु० (ब्रह्मलेश्य) એ નામનુ છઠ્ઠા દેવલોકનું એક વિમાન કે જેમાં વસતા દેવોનુ ૧૧ સાગરોપમ આયુ છે. इस नामका छठे देवलोकका एक विमान, जिसके निवासी देवताकी श्रायु ११ सागरोपमकी है. A celestial abode of the 6th Devaloka so named the gods of which

live upto 11 Sāgaropamas (a period of time) सम० ११;

वंभलोग. पुं० (ब्रह्मलोक) પાંચમા દેવલોકનું નામ पाचवें देवलोकका नाम. Name of the 5th Devaloka. प्रव० ११२६, (२) પાચમા દેવલોકમાં રહેનાર દેવ. पाचवें देवलोकमें रहनेवाला देव. A god residing in the 5th Devaloka उत्त० ३६, २०८,

वंभलोगवडिंसग. पुं० (ब्रह्मलोकावतसक) બ્રહ્મલોકાવતંસક નામનુ પાંચમા દેવલોકનુ એક વિમાન કે જેના દેવતાનું આયુષ્ય દશ સાગરોપમ છે. ब्रह्मलोकावतसक नामक पाचवें देवलोकका एक विमान जिसके देवताकी आयु १० सागरोपम है A celestial abode named Brahmalokāvatansaka of the 5th Deva'oka, the gods of which live upto 10 Sāgaropamas सम० १०,

वंभलोय. पुं० (ब्रह्मलोक) બ્રહ્મલોક, પાચમો દેવલોક ब्रह्मलोक, पाचवाँ देवलोक The 5th Devaloka (heaven) सम० ७, अणुजो० १०४, १४२; जीवा० २, ओव० ३८; नाया० १६, भग० ३, १, २४, २०; ठा० २, ३, पन्न० १, निर० २, २, ज० प० ५, ११८, —कप्प पुं० (-कल्प) પાચમા દેવલોકનુ નામ. पाचवें देवलोकका नाम. Name of the 5th Devaloka (heaven). भग० १, २; नाया० ८;

वंभवडिंसअ. पुं० (ब्रह्मावतसक) સકળ લોકનો મુકુટરૂપ હોવાથી સિદ્ધશિલાનુ નામ. सकल लोकका मुकुट होनेके कारण सिद्धशिलाका नाम. Name of Siddha-Śilā being the crown of all worlds. सम० १२;

वंभवएण पुं० (ब्रह्मवर्ण) એ નામનું છઠ્ઠા દેવલોકનુ એક વિમાન કે જેમાં વસતા દેવોનું આયુષ્ય ૧૧ સાગરોપમનું છે. इस नामका छठे देवलोकका एक विमान जिसके निवासी देवताकी आयु ११ सागरोपमकी है. A celestial abode of the 6th Devaloka; its gods live upto 11 Sāgaropamas सम० ११,

वंभवि. त्रि० (ब्रह्मवित्) આત્મજ્ઞાની. आत्मज्ञानी. (one) who knows the souls. आया० १, ३, १, १०७,

वंभसिंग पुं० (ब्रह्मशृग) એ નામનું છઠ્ઠા દેવલોકનુ એક વિમાન કે જેમા વસનાર દેવોનું આયુષ્ય ૧૧ સાગરોપમ છે. इस नामका छठे देवलोकका एक विमान जिसके निवासी देवताकी आयुष्य ११ सागरोपमकी है. A celestial abode of the 6th Devaloka; its gods live for 11 Sāgaropamas (a period of time) सम० ११,

वंभसिद्ध. पुं० (ब्रह्मसिद्ध) એ નામનુ છઠ્ઠા દેવલોકનુ એક વિમાન કે જેમાં વસતા દેવોનુ આયુષ્ય ૧૧ સાગરોપમનુ છે. इस नामका छठे देवलोकका एक विमान जिसमें वसनेवाले देवताओंकी आयु ११ सागरोपमकी है A celestial abode of the 6th Devaloka (heaven), its gods live for 11 Sāgaropamas (a period of time). सम० ११;

वंभसोअ न० (ब्रह्मशौच) શીલ-બ્રહ્મચર્યથી થતી પવિત્રતા. ब्रह्मचर्यके कारण होनेवाली पवित्रता. Purity due to continence ठा० ५, ३,

वंभावत्त पुं० (ब्रह्मावर्त) એ નામનુ છઠ્ઠા દેવલોકનુ એક વિમાન કે જેમા વસતા દેવોનું આયુષ્ય ૧૧ સાગરોપમ છે. इस नामका छठे देवलोकका एक विमान जिसके निवासी देवताकी आयु ११ सागरोपमकी है.

Name of a celestial abode of the 6th Devaloka, its gods live for 11 Sāgaropamas (a period of time). सम० ११,

बंभावति. स्त्री० (ब्रह्मावती) રમ્યકવિજયની મુખ્ય રાજધાની-નગરી. रम्यकविजयकी मुख्य राजधानी The capital city of Ramyaka territory. ज० १०

बंभी. स्त्री० (ब्राह्मी) બ્રાહ્મી લિપિ ब्राह्मी लिपि. Brāhmī script. भग० १, १, सम० १८, पन्न० १. (२) ઋષભદેવ પ્રભુની પુત્રી કે જેને પ્રભુએ બ્રાહ્મી લિપિ શીખવી હતી ऋषभदेव प्रभुकी पुत्री जिसे प्रभुने ब्राह्मी लिपि सिखलाईथी The daughter of Rsabhadeva who was taught by him the Brāhmī script भग० १, १ ज० १० सम० १८ ८४, सम० प० २३४, प्रव० ३०८

बंभुत्तरवडिंसग पु० (ब्रह्मोत्तरावतंसक) એ નામનું છઠ્ઠા દેવલોકનું એક વિમાન કે જેના દેવોનું ૧૧ સાગરોપમ આયુષ્ય છે. इस नामका छठे देवलोकका एक विमान जिसके देवोंकी आयु ११ सागरोपमकी है. A celestial abode of the 6th Devaloka, its gods live upto 11 Sāgaropamas (a period of time). सम० ११

बक पु० (बक) બગલો बगला A stork. पराह० १, १

बकुलअ. पु० (बकुलक) બકુલ વૃક્ષના નામે કોઇ માણસનું પાડેલું નામ बकुल वृक्षके नामपर रखाहुआ किसी मनुष्यका नाम. Name given to a man on the name of the Bakula tree अणुजो० १३१;

बकुसी स्त्री० (बकुशी) બકુશ દેશની ઉત્પન્ન થયેલી દાસી. बकुश देशमें उत्पन्न दासी A maid-servant born in Bakuśa country नाया० १

बग पु० (बक) બગલો बक, बगुला A stork पन्न० १,

बगिअ त्रि० (बकीय) બગલા સંબંધી बगुले सम्बन्धी. Pertaining to a stork विवा० ३

बज्झ. त्रि० (बाह्य) બાહ્ય વસ્તુ બહારની વસ્તુ बाहरकी वस्तु. External object विशे० ८१४ पंचा० १०, ४२. (२) બહારનું બીજાઓ જાણે તેવી રીતનું. बहारका दूसरोंके जाननेके योग्य External public उत्त० ३० ८

बज्झ. न० (बन्ध्य) બંધનું કારણ-પાશલો, વાગુરાદિક બંધન बंधका कारण The cause or means of a bondage, a snare noose etc सूय० १, १, २, ८. —**अभाव.** पु० (-अभाव) બાહ્ય ક્રિયાની અપ્રવૃત્તિ बाह्य क्रियाकी अप्रवृत्ति-अभाव Absence of external activity पचा० ११, १७,

बज्झओ. अ० (बाह्यतस्) બહારનું बहारका Externally आया० १, ५, ३, १५३, उत्त० ६ ३५,

बज्झंतय. त्रि० (बध्यमान) બધ્યમાન કર્મ પુદ્‌ગલ, વર્તમાન કાળમાં બંધાતા કર્મ बध्यमान कर्म पुद्गल. वर्तमान कालमें बंधनेवाले कर्म The binding karmic molecules, a karma binding in the present " जुगगावद्धावज्झंतयाय पत्ता उईरणावलिय " विशे० २६६२, क० ग० १, ३५

बज्झंतर. त्रि० (बाह्यान्तर) બાહ્ય અને અભ્યન્તર बाह्य और अभ्यन्तर. External and internal विशे० ३११,

वक्ष्मागम. पु० (बह्वागम) घणां आगमनो जाणकार. बहुतसे आगमोंका ज्ञाता. Knower of many scriptures. बव० १, ३७.

वज्झिश्रायण न० (वाभ्रव्यायन) पूर्वाषाढा नक्षत्रनुं गोत्र. पूर्वापाढ़ा नक्षत्रका गोत्र. The family-origin of the constellation Pūrvāṣādhā. जं० १० ७, १५६;

वडिस. न० (वडिश) माछलाने विंधवाने माटे वपरातो लोढानो सळीओ, के जेना उपर मांसनी के लोटनी गोळी राखवामां आवे छे. मछलीको वींधनेके लिए काममें लाई जानेवाली लोहेकी सलाई जिसपर मांस या आटेकी गोली लगाई जाती है; फन्दक, वडिश. A hook, an angle. उत्त० ३२, ६३;

वडुश्र पु० (वटुक) नान्हो छोकरो ब्रह्मचारी. वटुक, ब्रह्मचारी, बालक. A young boy, a stripling. सु० च० ८, ४८; श्रोघ० नि० भा० ६०,

वत्तीस. त्रि० (द्वात्रिंशत्) बतरीस. बत्तीस Thirty two. भग० १, ५; २, ८; ३, १; ७, १, १०, ६, १२, ६, १६, ५, १६, ७, २०, ५, मम० २४, ३२, नाया० १, ५, ८, नाया० ध० ५, नंदी० ४६, पिं० नि० ३७८, ६४२; विवा० २; वव० ८, १५ ओव० १६, पन्न० २, ४, सु० च० २, ३०६, क० गं० ६, ५६, पचा० १६, ३३, जं० प० ५, ११५, ७, १३३, ३, ६७; २, २०. —**पुरिसोवयार कुसला** स्त्री० (पुरुषोपचारकुशला) पुरुषनो उपचार करवाना बत्रीश प्रकारमां कुशळ. पुरुष चिकित्साके बत्तीस प्रकारोंकी कुशल ज्ञाता. Skilful in the 32 varieties of treating men. नाया० ३; —**सय.** न० (शत) बत्रीशसो. बत्तीससौ, ३२०० Thirty two hundred, 3200 विवा० ७,

वत्तीसइवद्ध. त्रि० (द्वात्रिंशद्बद्ध) बत्रीश प्रकारथी बंधायेल. बत्तीस भांतिसे बंधाहुआ. Bound in 32 ways. नाया० १: राय० ७८; भग० ६, ३३,

वत्तीसइम. त्रि० (द्वात्रिंशत्तम) बत्रीशमुं. बत्तीसवां. Thirty-second. नाया० १, भग० २, १, २०, ५.

वत्तीसइविह त्रि० (द्वात्रिंशद्विध) बत्रीश प्रकारनु बत्तीस प्रकारका Of thirty two varieties. भग० ११, १०.

वत्तीसवद्ध त्रि० (द्वात्रिंशद्बद्ध) बत्रीश प्रकारनुं, बत्रीश प्रकारे बंधायेल-रचायेल बत्तीस प्रकारका, बत्तीस तरहसे बनायाहुआ-निर्मित. Of 32 kinds; bound or arranged in 32 ways भग० ३, २. प्रव० ६८३,

वत्तीसविह त्रि० (द्वात्रिंशद्विध) बत्रीश प्रकारनुं. बत्तीस प्रकारका. Of 32 kinds भग० ३, १, १८, २;

वत्तीसिश्रा(या). स्त्री० (द्वात्रिंशत्तमा) माणीना बत्रीशमा भागनुं एक धान्य मापवानु माप. मानीके बत्तीसवें भागका धान्य मापनेका एक साधन. A means of measuring the 32nd part of 1 māni (6 maunds). अणुजो० १३२ राय० २७२.

वत्थि पु० (वस्ति) नाभिनी नीचेनो एक अंदरनो शरीर अवयव, पेडु. नाभिके नीचेका भीतरी अवयव, पेड़, बस्ती Pelvis. जं० प० पिं० नि० भा० ४१, पण्ह० १, ३. (२) छत्रनो मध्य भाग. छत्रका मध्य भाग. The middle part of a royal umbrella. जं० प० (३) पाणीनी मशक. पानीकी मशक. A leather-bag of a water. भग० १, ६; १८, १०; नंदी० ४७. राय०

२६०, —रोम. त्रि० (रोमन्) गुह्यरोम-वाળा. गुह्यरोम-वाला. Pubic hair. निसी० ३, ४१;

बत्थिकम्म. न० (बस्तिकर्मन्) नખ तथा બગલના રોમ-કેશ સમારવા તે. नख एव बगलके बालोंका सम्हारना-बनवाना. Paring the nails and shaving the hair of the armpit. सूय० १, ६, १२, (२) યોગની એક શારીરિક ક્રિયા કે જેથી શરીરના અંદરના અવયવો સાફ કરાય છે योगकी एक शारीरिक क्रिया जिसकेद्वारा शरीरके भीतर अवयवोंकी शुद्धि कीजाती है. A physical exercise of yoga which produces the purity of internal organs. नाया० १३, दस० ३, ६, विवा० १,

बद्र. न० (बदर) બોર बेर; बोर. A Plum पन्न० १,

बद्ध. त्रि० (बद्ध) બંધાયેલ बंधाहुआ, बद्ध Bound, tied. आया० १, २, ६, १०२, सम० ११; भग० १, १, ३, ३, ७, ६; ११, १०; १२, ४, पिं० नि० ५८४, राय० २५३, ओव० ३०; नाया० १, २; १७, जं० प० ३, ४८, ७, १६६; (२) જીવ પ્રદેશની સાથે બંધાયેલ કર્મ जीव प्रदेशके साथ बंधेहुए कर्म. Karmas bound with the soul. विशे० २५१३, (३) ગદ્યપદ્યરૂપે રચાયેલ સૂત્ર गद्य-पद्य-आकार-रूपमें रचित सूत्र A Sūtra written in both prose and poetry विशे० ३३५५, —आउअ. त्रि० (-आयुष्क) જેણે અભિપ્રેત નામ ગોત્રનુ આયુષ્ય બાંધી દીધુ હોય તે. अभिप्रेत नाम गोत्रकी आयुष्य बांध दी हो वह. (one) who has fixed the age of Abhipreta Nama-gotra. अणुजो० १४६; —कच्छ. त्रि० (-कच्छ) કચ્છ બાંધેલ, તૈયાર થયેલ. कच्छबद्ध, कटिबद्ध, तत्पर, तैयार (one) who is girded, prompt, ready भग० ६, ३३, महा० प० १३०, —पएसिय. पुं० (-प्रादेशिक) આયુના પ્રદેશ બાંધેલા હોય તેવો आयुके प्रदेशोंसे आबद्ध. Bound by the molecules of life. नाया० १३; —पुट्ठ त्रि० (स्पृष्ट) અત્યંત ગાઢ બાંધેલ, બાંધીને સ્પર્શ કરેલ खूब कसकर बाँधाहुआ, बाँधकर स्पर्श कियाहुआ Bound very tightly; touched after being bound. विशे० ३३६, —फल. न० (-फल) ઉત્પન્ન થયેલુ ફળ. उत्पन्न फल Fruit put forth. नाया० ७; —मउड. त्रि० (-मुकुट) જેણે મુગટ બાંધેલ છે તે (રાજા). मुकुटधारी (राजा). A crowned king. भग० १३, ६; मूल. त्रि० (-मूल) જેનુ મૂળ બાંધેલ હોય તે. बद्धमूल (That) whose root is fixed भग० १५, १; —लक्ख. त्रि० (-लक्ष्य) બાંધેલ છે લક્ષ્ય-દૃષ્ટિબિંદુ જેણે તે निश्चित दृष्टिबिन्दुवाला. Attentive; concentrating. गच्छा० ३६;

बद्धग त्रि० (बद्धक) જુઓ " બદ્ધ " શબ્દ. देखो " बद्ध " शब्द. Vide " बद्ध ". उत्त० ३३, १८,

बद्धिल्लग त्रि० (बद्ध) બંધાયેલ, જીવની સાથે સંબંધવાળુ जीवमें सम्बन्ध रखनेवाला. Bound; related to the soul पन्न० १२,

बद्धीसक. पुं० (बद्धीसक) વાદ્ય વિશેષ. वाद्य विशेष A particular kind of musical instrument पण्ह० २, ५;

बद्धेल्लग. त्रि० (बद्ध) જીવની સાથે સંબંધ કરેલ जीवके साथ सम्बद्ध Bound with the soul पन्न० १२, (२) ગ્રહણ કરેલ. ग्रहण कियाहुआ. Accepted. अणुजो० १४१;

वद्धिलय त्रि० (वद्ध) જુઓ "બદ્ધેલગ" શબ્દ. देखो "वद्धलग" शब्द Vide "वद्धेलग." निसी० १२, १:

वप्प. पु० ( ) પિતા. બાપ पिता. बाप. Father. जं० प० २, १६ दस० ७, १८, पराह० १, १.

वप्फ. न० (बाष्प) વરાળ, બાફ बाफ, बाष्प. Vapour विशे० १५३५; पिं० नि० २५८.

वव्वर पु० (बर्बर) બર્બર દેશ. बर्बर (जगली-अनार्य) देश Barbara country, a barbarian-country जं० प० भग० ३, २, प्रव० १५६७, (२) त्रि० બર્બર દેશ નિવાસી. बर्बर देशवासी. A barbarian, an inhabitant of Barbara country. पन्न० १. पराह० १, १.

वव्वरिया. स्त्री० (बार्बरिका) બર્બર દેશની દાસી. बर्बर देशकी दासी A maid-servant of Barbara country. भग० ६, ३३.

वव्वरी. स्त्री० (बर्बरी) બર્બર દેશમાં ઉત્પન્ન થયેલી સ્ત્રી. बर्बर देशमें उत्पन्न एक स्त्री. A female born in Barbara country जं० प० ओव० ३३ नाया० १,

वम्ह. पु० (ब्रह्मन्) શ્રવણ નક્ષત્રના સ્વામી દેવતા श्रवण नक्षत्रका स्वामी देवता The god of Śravaṇa constellation. जं० प० ७, १५७, ठा० २, ३; (२) નવમા મુહૂર્તનું નામ नवें मुहूर्तका नाम Name of the 9th Muhūrta. सू० प० १०,

वम्हकूड. पु० (ब्रह्मकूट) બ્રહ્મકૂટ વખારા પર્વતના ચાર કૂટમાંનું બીજું શિખર ब्रह्म-कूट-वखारा पर्वतके चार कूटोंमेंसे दूसरा शिखर. The 2nd peak of the 4 of Vakhāra mountain जं० प०

वयर. पु० (बदर) બોર. बेर. बोर. A plum अणुजो० १४३,

वरग. पु० (वरक) બટી: ધાન્ય વિશેષ. धान्य विशेष A kind of corn. जं० १०

वरट. पु० (वरट) બટી. ધાન્યની એક જાત. एक प्रकारका धान्य A kind of corn प्रव० १०१३,

वरहिण पु० (बर्हिन्) મોર. मोर Peacock. नाया० १, ६, पराह० १, १. पन्न० १. ओव०

वरुड. पु० ( ) સાદડી, સુપડા છાબડી, સુંડીયા, ગુપડા ઇત્યાદિ બનાવનાર. बगूँड़, झादरी, सूप, टोकरी आदि बनानेवाला A basket-maker अणुजो० १३१,

वल. न० (बल) શરીરની શક્તિ, તાકાત. સામર્થ્ય. शारीरिक बल-सामर्थ्य Strength, power.

वलसा तृ० ह० व० ठा० ५, २, भग० १, ३, ८, ३, २; ७, ७, ६, ३३. १०, ५ ओव० १६. ३४; सू० प० १७. जं० प० ३, ५२: निसी० २, ३०. १८, १६, पन्न० २३; ठा० १, १: उत्त० ३, १८; राय० ३२, २१५; २२२, २८२. नाया० ८, १६; प्रव० ५०५, पचा० १५, २७; भत्त० १२; दवा० ७, २१८; (२) સેના. सेना, फौज़ An army भग० ११, ६-११. १५, १; नाया० १. २; १४; १६; राय० २०६, पराह० १, ३, उत्त० ६, ४, ओव० २६, (३) માનસિક શક્તિ मानसिक शक्ति Mental force. भग० ३, ६, दस० ८, ३५; नाया० १, (४) એ નામનો વીતશોકા નગરીનો રાજા. इस नामका वीतशोका नगरीका राजा A king so named of Vitaśokā city. नाया० ८, (५) હરકેશી મુનિનું અપરનામ. हरकेशी मुनिका दूसरा नाम. Another

name of Harkeśī sage उत्त० १२, १, (६) नन्दनवनना બલકૂટમા વસનાર દેવ અને તેની રાજધાની नन्दनवनके बलकूट निवासी देव और उनकी राजधानी. Gods residing in the Bala peak of Nandana forest and their capital. जं० प० (७) ઉપચય વધારો સંગ્રહ, वृद्धि Accumulation. increase विशे० १६२६. (८) હસ્તિનાગપુરનો રાજા. हस्तिनागपुरका राजा King of Hastināgapura भग० ११, ११; (९) બલ નામનો એક રાજર્ષિ. बल नामक एक राजर्षि A royal sage so named. ओव० ३८, (१०) આત્મિક શક્તિ आत्मिक शक्ति Soul-force. नाया० १, (११) न० પુષ્પિકાના નવમા અધ્યયનનુ નામ. पुष्पिकाके नवें अध्ययनका नाम Name of the 9th chapter of Puśpikā निर० ३, १, —**अभियोग**. पुं० (-अभियोग) બળ પૂર્વક આજ્ઞા. बलपूर्वा आज्ञा. A forcible command. प्रव० ७६६; ६५३; पंचा० १२, ८, भग० ७, ६, —**अमद**. पुं० (-अमद) બળનો મદ ન કરવો તે. बलका घमंड न करना, निरभिमानता Not entertaining any pride of strength भग० ८, ६, —**तिभाय**. पुं० (-त्रिभाग) સેનાનો ત્રીજો ભાગ सेनाका तीसरा भाग. The 3rd part of an army. नाया० १६; —**मद**. पुं० (-मद) બળનો મદ-ગર્વ. बलका गर्व Pride of power. सम० ८, ठा०८, १, —**वाउअ(य)**. पुं० (-व्यापृत) સેનાનો અધિકારી. सेनाका नायक A commander of an army. नाया० ८, १६; ओव० दसा० १०, १, —**वाहणकहा** स्त्री० (-वाहनकथा) લશ્કરનાં અંગો તથા વાહનોનુ વર્ણન सेनाके अंगो तथा वाहनोंका वर्णन. A description of the constituents and vehicles of an army ठा० ४, २, —**विवड्ढण** त्रि० (-विवर्धन) બળ-શરીરનુ સામર્થ્ય વધારનાર. शारीरिक बलको बढ़ानेवाला That which increases physical strength गच्छा० ६२, —**विवड्ढणट्ठ** न० (-विवर्धनार्थ) બળ વધારવાને. बल वृद्ध्यर्थ For increasing strength. विवा० ५, —**वीरिय** न० (-वीर्य) બળ વીર્ય, પુરુષાકાર. बलवीर्य, पुरुषाकार. Manliness नाया० १६, दसा० ६, २८, —**संपराण** त्रि० (-सपन्न) સંપૂર્ણ બળવાન् सम्यक् समर्थ, पूर्ण सशक्त. Fully powerful. भग० २, ५, —**संपन्न**. त्रि० (-सपन्न) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो उपरका शब्द. Vide above ठा० ४, २, —**हेउ** पुं० (-हेतु) બળનુ કારણ. बलका निमित्त The reason or cause of power. नाया०, १८,

बलकूड. न० (बलकूट) નન્દન વનના નવ કૂટમાનું નવમુ કૂટ-શિખર. नदन वनके नौ कूटोंमेंसे नवॉ शिखर. The ninth of the 9 peaks of Nandana forest जं० प० सम० ५००;

बलराण. त्रि० (बलज्ञ-बलमात्मन· शक्तिं जानातीति) પોતાની શક્તિ જાણનાર आत्म शक्तिका जाननेवाला (one) who knows his own strength. आया० १, २, ५, ८८,

बलत्थ पुं० (बलस्थ) બળવાન, બળી. बलवान्, बली. Powerful; strong भग० १२, ६,

बलदेव. पुं० (बलदेव) કૃષ્ણ વાસુદેવના મ્હોટા ભાઇ કે જે તેને યુદ્ધમાં સહાય

આપી અન્તે સયમ લઈ મોક્ષ પદવી પ્રાપ્ત કરે છે कृष्णवासुदेवके ज्येष्ठ बन्धु जो उन्हें युद्ध में सहायता प्रदान कर अन्तमें सयम ग्रहणके बाद मोक्ष पदवी प्राप्त करते है The elder brother of Krsna Vāsudeva *who* helped *him* in the battle and becoming an ascetic is attaining salvation पन्न० १, नाया० १; ५, १६, अंत० १, १: दस० ६, ४, ज० प० ओव० ३४, सम० १०; जीवा० ३, ४, निर० ५, १, भग० ५, ५; ११, ११. १६, १, कप्प० ३, १६: (२) જમ્બુદ્વીપના ભરતખંડમા થનાર ૧૪ મા તીર્થંકરના પૂર્વ ભવનુ નામ. जम्बूद्वीपके भरत खण्डमें होनेवाले १४ वें तीर्थङ्करके पूर्व भवका नाम. Name of the previous life of the 14th Tīrthankara to be born in Bharatkhanda of Jambūdvīpa. सम० प० २४१; —जीव. पुं० (-जीव) બળદેવનો જીવ. बलदेवका जीव. The soul of Baladeva. प्रव० ४७०; —मायरा. स्त्री० (-मातृ) બળદેવની માતા. बलदेवकी माता The mother of Baladeva. नाया० १;

बलद्द. पु० (बलीवर्द) બળદ. बैल. An ox. सु० च० १२, ६०;

बलन्न. त्रि० (बलज्ञ-बलाबल जानातीति) બળાબળ જાણનાર. बलाबलका ज्ञाता. (one) who knows strength and weakness आया० १, ७, ३ २०६;

बलभत्त. पु० (बलभक्त) દેવને માટે ભોજન; બળિદાન. देव प्रीत्यर्थ भोजन; बलिदान. An oblation. निसी० ६, ६;

बलभद्द. पु० (बलभद्र) આવતી ચોવીસીના સાતમા વાસુદેવ. आगामी चौबीसके सातवें वासुदेव. The 7th Vāsudeva of the coming chaubīsī. सम० प० २४२; (२) મહાબળ રાજાનો પુત્ર. महाबल राजाका पुत्र. Son of the king Mahābala. नाया० ८; (३) એ નામનો રાજા. इस नामका राजा. A king so named. उत्त० १६, १; —कुमार. पु० (-कुमार) બળભદ્ર કુમાર. बलभद्र कुमार The prince Balabhadra नाया०८;

बलमित्त. पु० (न०) (बलमित्र) એક કુમાર एक कुमार. A prince. नाया० ८,

बलवंत. त्रि० (बलवत्) બળવાન્. बलवान् बली. Powerful; strong. भग० १४, १, १६, ४; १६, ३; २५, ८; नाया० १; जीवा० ३, २; आया० २, ५, १, १४२, (२) સૈન્યયુક્ત. सैन्ययुक्त; फौजवाला. Having an army. ओव० (३) આઠમા મુહૂર્તનું નામ. आठवें मुहूर्तका नाम. Name of the 8th muhūrta (part of a day). ज० प० ७, १५२,

बलवग्ग पु० (बलवत्क) બળવાન્. बलवान्; शक्तिशाली. Powerful; strong. नाया० ५; १६;

बलसिरी. पु० (बलश्री) મૃગારાણી અને બળભદ્ર રાજાનો પુત્ર કે જે મૃગાપુત્ર એ નામથી પ્રસિદ્ધ છે. मृगारानी और बलभद्र राजाका पुत्र जो मृगापुत्र नामसे प्रसिद्ध है Son of the king Balabhadra and the queen Mrgā; he is also known as Mrgāputra. उत्त० १६, २;

बलहरण पुं० (बलहरण) મોભ. Wax "बलहरणे मिच्चाइ" भग० ८, ६,

बला. स्त्री० (बला) માણસની દશ દશાઓ પૈકી ચોથી દશા ૩૧ થી ૪૦ વર્ષ સુધીની ભરજુવાનીની અવસ્થા, કે જેમાં શરીરનું બળ ખીલી નીકળે છે. मनुष्यकी दस दशा-

ओंमेंसे चौथी दशा, ३१ से चालीस वर्ष तककी पूर्ण यौवनावस्था जिसमें शरीरकी शक्ति विकसित हो जाति है The 4th stage of the 10 stages of a man which ranges from 31st to 40th year when his full physical power comes out तडु०

बला अ० (बलात्-बलात्कारेण) બલાત્કારથી. बलात्कारसे, जबर्दस्तीसे. Forcibly. ओघ० नि० भा० २०,

बलाका. स्त्री० (बलाका) બગલી. बगुली, मादा बगुली. A female stork. पण्ह० १, १,

बलाग पु० (बलाक) બગલો. बगुला. A stork पन्न० १: नाया० १,

बलागा. स्त्री० (बलाका) બગલી, પક્ષિ વિશેષ. बगली, पक्षी विशेष. A female stork. उत्त० ३२, ६; पिं० नि० ६३२;

बलाय. त्रि० (बलवत्) સંયમથી પતિત થતાં મરણ નિપજે તે, બાળ મરણમાંનું એક. सयमभ्रष्ट होनेके कारण प्राप्त मृत्यु, बालमृत्युका एक प्रकार Death due to a lapse in self-restraint, a kind of non-religious death. प्रव० १०२०; —**मरण.** न० (–मरण) જુઓ "બલાય" શબ્દ. देखो "बलाय" शब्द Vide "बलाय" प्रव० १०२०,

बलाया. स्त्री० (बलाका) બગલી बगुली A female stork जीवा० ३, ४, राय० ५४,

बलायालोय. पु० (बलाकालोक) મ્લેચ્છ લોકોનો એક દેશ म्लेच्छ लोगोंका एक देश. A country of the Mlechchhas ज० प० ३, ५२

बलाहक. पु० (बलाहक) મેઘ. मेघ, बादल. A cloud जीवा० ३ ४.

बलाहग पु० (बलाहक) મેઘ. मेघ. A cloud. भग० ३, ४; (२) બગલો. बगुला. A stork. ज० प० ५, ११३,

बलाहय. पु० (बलाहक) મેઘ. मेघ. A cloud. नाया० ५, राय० ५५; पन्न० १७ भग० २, ५; ६, ५, दस० ७, ५२, जीवा० ३, ४, (२) બગલો बगुला A stork. कप्प० ३, ४२;

बलाहिका. स्त्री० (बलाहिका) ઊર્ધ્વલોકવાસી આઠ દિશાકુમારીમાંની છેલ્લી. ऊर्ध्वलोकवासी आठ दिशाकुमारियोंमेंसे अन्तिम दिशाकुमारी The last Diśākumārī of the eight who reside in the upper world. ज० प० (२) નન્દનવનના વજ્રકૂટમાં વસનારી દેવી અને તેની રાજધાની. नन्दनवनके वज्रकुटमें रहनेवाली देवी और उसकी राजधानी. A goddess residing in the Vajrakūta of Nandana forest and her capital. जं० प०

बलि. पु० (बलिन्) ઉત્તર દિશાના અસુર કુમારોનો સ્વામી-ઇન્દ્ર. उत्तर दिशाके असुर कुमारोंका स्वामी—इन्द्र. The lord of the Asura kumārs of the North. भग० ३, १; १०, ४; १६, ६; पन्न० २, ठा० २, ३, जीवा० ३, ४; नाया० ८; नाया० ध० सम० ३२; जं० प० ५, ११६, (२) દેવતાને બલિ કર્મમા અપાતી ભેટ. बलिकर्ममें देवोंको दी जानेवाली भेंट An offering given as a sacrifice to gods पचा० ४, १४, ६, ३१, भग० ११, ६; सू० प० २०, पिं० नि० १६५; पण्ह० १, १, (३) એ નામના છઠ્ઠા પ્રતિવાસુદેવ. इस नामके छठे प्रतिवासुदेव. The 6th Prativāsudeva so named प्रव० १२२७, —**कम्म** न०

(कर्म्मन्) शरीरनी स्फूर्तिने माटे तेलादिथी मर्दन करवुं ते शरीरकी स्फूर्तिके लिए तैलादि मर्दन कार्य Rubbing oil etc. on the body for refreshing it ओव० ११. भग० २, ५, (२) देवताने निमित्ते अपाय ते. देवताके निमित्त दिया जाने वाला That which is offered for gods ओव० २७, सूय० २, ७, ५५, (३) गृह देवतानुं पूजन गृह देवताकी पूजा. Worship of a household diety कप्प० ४ ६७, ओव० ११, ज०प० —कड त्रि० (-कृत) बाकळा-वगेरेनुं बलि आपेल आदिकी दीहुई वलि An offering of cooked pulse etc. प्रव० ८८०, —कारिया स्त्री० (-कारिका) बलिकर्म करनार (स्त्री) वलिकर्म करनेवाली स्त्री. A female who offers oblations etc भग० ११, ११, —पिंड पु० (-पिण्ड) बलि कर्म माटे करेल पिंड-द्रव्य विशेष वलिकर्मके लिए किये हुए पिंड-द्रव्य विशेष. A ball made for an offering भग० ११ १०, —पेढ. पु० (-पीठ) सूर्याभनी बलिकर्म करवानी बेठक सूर्याभकी वलिकर्म करनेकी वैठक A seat of Sūryābha for offering. भग० १६, ६, राय० १७०

वलिचंचा. स्त्री० (वलिचचा) ए नामनी बलीन्द्रनी राजधानी. वलीन्द्रकी इस नामकी राजधानी A capital city so named of Balīndra भग० ३ १, १०, ५, १६. ६, नाया० ४० ७

वलिय. त्रि० (वलिक) बळवान्. शक्तिवाळु बलवान्, शक्तिशाली Powerful नाया० ५, १६, भग० ६, ३३, १५ १ कप्प० ६ १७, —सरीर न० (-शरीर) बलिष्ठ शरीर. वलिष्ठ शरीर A powerful body. नाया० ५; १६, भग० ६, ३३; १५, १;

वलियतर. त्रि० (वलवत्तर=गाढतर) मजबूत, घाडुं. मजबूत, दृढ, गाढ़ा. Harder. tighter, stronger. भग० ६, ३३, नाया० ६,

वलियतराग त्रि० (वलवत्तरक) ६७; घणु मजबुत. दृढ. अधिक गाढ़ा. Tight, stronger. नाया० १, २; ८;

वलियत्त. न० (वलिकत्व-वल विद्यतेऽस्येति तस्य भावस्तत) बलिपणुं, सामर्थ्य वलशालित्व, सामर्थ्य. Strength, powerfulness भग० १२, २:

वलिस्सार. पु० (वलिसार) उत्तर दिशाना असुर कुमारनो इंद्र. उत्तर दिशाक असुर कुमारका इन्द्र. The lord of the Asura kumār of the north. प्रव० ११५२;

वलिस्सह. पु० (वलिस्सह) महागिरिना शिष्यनु नाम महागिरिके शिष्यका नाम Name of the disciple of Mahāgiri नदी० २५, कप्प० ८,

वव. पु० (वव) दरेक महिनाना शुक्लपक्षमा पाचम अने बारसने दिवसे तथा पडवो आठम अने पुनमनी राते तेमज कृष्ण पक्षमा चोथ अने अगियारसने दिवसे तथा सातमनी राते आवतु एक करण, सात चरकरणमानु पहेलुं करण, ११ करण मानु पहेलु करण. एक करण जो प्रत्येक मासके शुक्लपक्षकी पचमी और बारमक दिनमें तथा प्रतिपदा अष्टमी और पूर्णिमाकी रात्रिमें तथैव कृष्णपक्षकी चतुर्थी और एकादशीके दिनमें और सप्तमीकी रात्रिको आता है सात चरकरणोंमेंसे पहिला करण, ११ करणोंमेंसे पहिला एक. A Karana (a sacred occasion) falling on the 5th and 12th

day, and the 1st, 8th and 15th night of the bright-half of every month; similarly in the dark-half of a month, falling on the 4th and 11th day and the 7th night, one of the 7 or 11 Karaṇas (a religious cccasion). जं० प० ७, १५३, विशे० ३३४८,

वहल. पु० (वहल) એ નામનો એક દેશ. इस नामका एक देश. A country so named पन्न० १; (२) त्रि० જાડુ, ઘટ્ટ. जाड़ा, घना, घट्ट. Thick; dense ठा० ४, २, (३) ६८; મજબૂત. दृढ़; मज़बूत. Thick; strong; firm. जं० प० (४) સખત; કઠણ. सख्त, कठिन; कठोर., Hard; solid. भग० ३, ४;

वहलतर. त्रि० (वहलतर) ઘણું મોટું. बहुत मोटा Very thick. पन्न० १,

वहलिक. त्रि० (वहलिक) બહલ દેશ નિવાસી. बहल देश निवासी. An inhabitant of Bahala country. पण्ह० १, १, पन्न० १,

वहलिय त्रि० (वहलिक) બહલ દેશવાસી. बहल देशवासी An inhabitant of Bahala country पण्ह० १, १;

वहली स्त्री० (वहली) બહલ દેશમા જન્મેલ દાસી वहल देशमें जन्मी हुई दासी. A maid-servant born in Bahala country. भग० ३, ४, नाया० १, ओव० ३३, जं० प०

वहस्सइ-ति. पु० (बृहस्पति) એ નામનો એક ગ્રહ; ગુરુ નામે ગ્રહ इस नामका एक ग्रह. गुरु नामक ग्रह The planet jupiter. जं० प० ७, १५७; पण्ह० १, ५, पन्न० २; सु० प० १०, ठा० २, ३; (२) બૃહસ્પતિ નામે દેવતા. बृहस्पति नामक देवता. A god named Brahaspati. विवा० १; भग० ३, ७, (३) પુનર્વસુ નક્ષત્રનો અધિપતિ દેવતા. पुनर्वसु नक्षत्रका अधिपति देवता. The presiding diety of the Punarvasu constellation. ठा० २, ३, **—चरिया.** स्त्री० (-चर्या) બૃહસ્પતિની ચાલ જાણવાની વિદ્યા बृहस्पतिकी गति जाननेकी विद्या. The art of knowing movements of jupiter. सूय० २, २, २७, **—दत्त.** त्रि० (-दत्त) બૃહસ્પતિનો દીધેલો. बृहस्पतिका दियाहुआ. Given or consecrated to jupiter. विवा० ५;

वहिआ. अ० (बहिर्) બાહેર. बाहर. Outside. जं० प० ७, १४१; १, १; दस० ३, ११,

वहिं. अ० (वहिर्) બહાર; બાહેર. बाहर Outside पिं० नि० २३२; उत्त० १४; ४, नाया० १;

वहिट्ठ. त्रि० न० (बहिःस्थ) મૈથુન સેવન; અબ્રહ્મચર્ય. मैथुन सेवन; अब्रह्मचर्य. Sexual intercouse सूय० १, १६, ३;

वहिट्ठाण. न० (बहिःस्थान) વિષય સેવન. विषय सेवन. Sexual intercourse. राय० २२१;

वहिद्ध. न० (वहिरध्वन्) મૈથુન; સ્ત્રી સમાગમ. मैथुन, स्त्री संसर्ग-संग. Sexual intercaurse. सूय० १, ६, १०;

वहिद्धा. पु० (वहिरध्वन्) માર્ગથી બહાર. मार्गसे बाहर Out of the road. दस० २, ४;

वहिपोग्गलपक्खेव. पुं० (बहि पुद्गलप्रक्षेप) ઉપાશ્રયની બહાર કાંકરા વગેરે પુદ્ગલ ફેંકી કંઇ લાવવાનુ કહેવુ તે; દશમા વ્રતનો એક અતિચાર. उपाश्रयके बाहर कंकरआदि पुद्गल

फेंककर कोइ वस्तु बुलाना, दसवें व्रतका एक अतिचार. A violation of the 10th vow, telling someone to bring something by throwing a pebble etc. outside Upāśraya. प्रव० २८५,

बहिया. अ० (बहिस्) બહાર; બહાર. बाहर Outside भग० २, ५, ५. ४. ८, ६, १५, १. नाया० १: २; ४, ५; १३; १५ १६. १६, आया० २, १, १, ४, अत० १, १, उत्त० ६, १४; जं० प० निसी० ६, ६; ६, १०; ओव० १०, क्व० १, २३; ८, ६; ६, ४१, वेय० १, ३८; प्रव० ५६२, उवा० १, ३; ७, ५४, —**अभिमुह.** त्रि० (-अभिमुख) બહાર તરફ મુખવાળુ. बाहरकी ओर मुँहवाला, बहिराभिमुख. Facing outside. भग० ११, १०;

बहिर. त्रि० (बधिर) બહેરો; શ્રવણ શક્તિહીન. बहिरा, श्रवण शक्तिहीन. Deaf. सू० प० १; विशे० १६५; पराह० १, १,

बहिरंत त्रि० (बधिरयत्) બહેરા કરતો; કશું સાભળવા ન દેતો. ध्यान न देताहुआ, सुनी अनसुनी करता हुआ. Deafening. सु० च० २, ५०१,

बहिरत्त न० (बधिरत्व) બધિરપણું; બહેરા-પણું. बधिरता, बहिरापन Deafness. प्रव० ५५१, आया० १, २, ३, ६८,

बहिल्लेस. त्रि० (बहिर्लेश्य) સયમથી બહારની લેશ્યાવાળો; અસયમ વૃત્તિવાળો. सयमके बाहरकी लेश्यावाला, असयम वृत्तिवाला. (one) of the non-self-restraining class ठा० ५, २,

बहु. अ० (बहु) ઘણું, અધિક; ઝાઝુ, વધારે. बहुत, अधिक, अति. Much, excessive. भग० १, १-६, २, १-५, ३, १; ४, १०; ५, ३; ६, ३, ७, ६, १५, १. १८, २, नाया० १, २, ५, ८, ६; ११; १२; १४; १५; १६: दसा० ४, ५, १. ७३-६६; ६, १४, ७, १८, ८, ४०, दसा० ४, ५२, ६, १, २; ६, ४-१६: १०, ७; नदी ३३; सू० प० १, १०, जीवा० १; पिं० नि० ८४, पिं० नि० भा० ११; आया० १, ३ २, १११; विशे० १०; गच्छ० १८: ५८, प्रव० ३, २३, ६; १४, ४०; विवा० १, जं० प० ५, ११५. ११४, ११२; —**अट्ठिय.** त्रि० (अस्थिक) જેમાં ઘણા ઠળીયા અથવા બીજ હોય તે. बहुतसे बीज या ठलवाला. Having many seeds or stones. भग० ८, ३; —**आगम.** त्रि० (-आगम) ઘણાં શાસ્ત્રના જાણનાર. बहु शास्त्रवेत्ता. Knower of many scriptures वेय० ४, २५; —**इड्ढि.** स्त्री० (-ऋद्धि) ઘણી સમૃદ્ધિ. विपुल समृद्धि A great prosperity. नाया० ११: —**उज्झियधम्मिय.** न० (-उज्झितधर्मक) જેમાંથી ખાવામાં થોડું ઉપયોગમા આવે અને વધારે નાખી દેવાનું હોય તેવુ. अधिकांशमें बेकाम और कुछ २ उपयोगी खाद्य वस्तु. An eatable which contains much that has to be thrown away. दस० ५, १, ७४; —**उदग्ग** त्रि० (-उदक) ઘણા પાણીવાળુ बहुत पानीवाला. Having plenty of water. जं० प० ७, १५१; —**कंटक.** त्रि० (-कटक) ઘણા કાંટાવાળુ. बहुत काटोंवाला, अति कँटीला. Very thorny. जं० प० ५ १, ७३; —**खज्ज.** त्रि० (-खाद्य) ખૂબ ખાવા લાયક (અન્નાદિ). खूब खाने योग्य. Fit to be eaten excessively. २, ४, २, १२८, —**गाम.** न० (-ग्राम) ઘણા ગામ. बहुतसे गाव. Many villages. विवा० ३; —**गुण.** त्रि० (-गुण) ઘણા ગુણ.

बहुतसे गुण. Many merits. गच्छा० ८७, —जढ. त्रि० (जहित) અનેક પ્રકારે તજેલું. कई भाँतिसे त्यक्त. Abondoned in many ways. दसा० ६, ३२; —जण. पु० (-जन) બહુ માણસો; ઘણા લોકો बहुतसे लोक. Numerous people. नाया० २; ५; ७, १३; १६, भग० २, १, ७, ६; १२, ५ १५, १; १८, ७, २५, ७, दसा० ६, १७, निर० ५, १, सम० ३०; —जणसद्द. पुं० (-जनशब्द) ઘણા માણસોનો શબ્દ-કોલાહલ. बहुतसे मनुष्योंका शब्द-कोलाहल. Din or bustle caused by many men भग० ६, ३३; —जणपायोगत्ता. स्त्री० (-जनप्रायोग्यता) ઘણા માણસોને યોગ્ય. बहुतसे मनुष्योंके योग्य. Fit for many men. दसा० ४, ५८; —जन्न. त्रि० (-जन्य-बहु जनेभ्यो हितम्) ઘણા જણને હિત કરનાર. अधिकांश मनुष्यका हितावह. Beneficial to the majority of men. सूय० २, ६, २; —णायार. त्रि० (-ज्ञातृ) ઘણું જાણનાર बहुज्ञ; बहुत जाननेवाला. (one) knowing much. नाया० १४; १६, निर० ३, ४, —णेह. पु० (-स्नेह) ઘણો સ્નેહ-સ્નિગ્ધ પદાર્થ बहुत चिकना-स्निग्ध पदार्थ. Very greasy. नाया० १६; —णेहावगाढ. त्रि० (-स्नेहावगाढ) ઘણા ઘૃત તેલાદિથી યુક્ત. अधिक घी तैलादिसे युक्त Having plenty of ghee, oil etc. नाया० १६, —देवसिअ. त्रि० (-दैवसिक) ઘણા દિવસનું. बहुत दिनोंका. Of many days. " जे भिक्खू णाए मे पडिग्गहे भद्देत्ति-कट्टु बहुदेवसिएण तेल्ले ण वाजाव साइज्जइ. " निसी० १४, १५; —पडिपुण्ण. त्रि० (-प्रतिपूर्ण) ખૂબ ભરેલું; ભરપુર. खूब भराहुआ; भरपूर Full, full to the brim. (२) પુરેપુરું, સંપૂર્ણ. सम्पूर्ण, आकण्ठ; दत्तादत्त, पूरापूरा. Complete कप्प० १, ८, नाया० १; १६; विवा० २, ६; —पडिपुण्णइंदिअ त्रि० (प्रतिपूर्णेन्द्रिय) જેની ઇન્દ્રિયો શક્તિમાં પરિપૂર્ણ હોય તે. पूर्ण शक्ति सम्पन्न इन्द्रियवाला (one) having fully grown senses. दसा० ४, १६; २०, २१; २२; २३; —पढिय. त्रि० (-पठित) ઘણું ભણેલ. बहुपाठी, खूब पढाहुआ. Well-read. " बहुणायाओ बहु पढियाओ " निर० ३; ४, —पदेसग्ग. त्रि० (-प्रदेशाग्र) ઘણા પ્રદેશવાળુ बहुतसे प्रदेशवाला. Occupying much space. भग० १, १; —पय. त्रि० (-पद) ઘણા પગવાળું, કાનખજુરો ઇત્યાદિ. बहुतसे पैरोंवाला, कानखजूरा; मेंद आदि Multi-ped. अणुजो० १३१, —परियावण्ण त्रि० (-पर्य्यापन्न) ઘણું પર્યાપ્ત-પૂર્ણ. पर्याप्त; काफी, पूर्ण. Enough; sufficient; too much. निसी० २, ४५; —परिवार. त्रि० (-परिवार) ઘણા પરિવારવાળું. बहु कुटुम्बी. (one) having a large family. नाया० १४; १६; —प्पगार. त्रि० (-प्रकार) નાના પ્રકારનું. विविध. Of many varieties. भग० ७, ६, —प्पयार. त्रि० (-प्रकार) અનેક તરેહનું, વિચિત્ર પ્રકારનું. कई तरहका, विचित्र भाँतिका Of different or peculiar kinds प्रव० १०८४; —फासुय(अ) त्रि० (-प्रासुक) શુદ્ધ નિર્જીવ પદાર્થ, બહુ પ્રાસુક-અચિત્ત. शुद्ध निर्जीव पदार्थ, बहु प्रासुक-अचित्त Pure, lifeless object. वव० ३, ६; ७, १७, ८, १२; भग० ८, ६; —फोड. त्रि०

( ) બહુ ખાનાર. बहुत खानेवाला; अघोरी. A glutton ओघ० नि० भा० १६१; —बीज. त्रि० (-बीज) ઘણાં બીવાળું बहुत बीजोंवाला Having numerous seeds. प्रव० २४७; —बीय त्रि० (-बीज) જેમાં વધારે બીજ હોય તે; ઘણા બીજવાળુ बहुत बीजों वाला Having numerous seeds जीवा० १, —बीयग. त्रि० (-बीजक) જેમાં અનેક બીજ હોય તે; ઘણા બીજવાળુ अनेक बीजोंवाला. Having numerous seeds. पन्न० १, —भव. पु० (-भव) અનેક ભવ कई जन्म Many lives. प्रव० २८, —भेय. त्रि० (-भेद) ઘણા ભેદવાળુ. बहुत प्रकारका. Of many varieties क० गं० १, १५, —मत्र(य). त्रि० (-मत) ઘણા જનને સમત, બહુ માનનીય बहु मान्य; बहुसम्मत Worshipful to or respected by many. पंचा० १८, ४८, भग० २, १; ६, ३३; नाया० १, पगह० २, २; उत्त० १०, ३१; वव० ३, ६; —मज्झदेसभाग. पु० (-मध्यदेशभाग) બહુ મધ્યભાગ, બરાબર મધ્ય પ્રદેશ. सम मध्य प्रदेश. The middle part. जं० प० ५, ११६; नाया० ५; ८, १५. १६; विवा० २, —मत त्रि० (-मत) ઘણી વસ્તુઓમા સૌથી પહેલા ઇચ્છવા યોગ્ય; બહુ મનુષ્યોએ કબુલ કરેલુ. अत्यन्त इष्ट, वहु जन प्रिय-स्वीकृत Very desirable; admitted by many. ओव० ३८; पचा० ६, ३२, —माण. न० (-मान) ઘણુ માન; અતિ સત્કાર. बहु मान-सत्कार. A great honour. भग० २५, ७, नाया० १, दस० १३, ४, ओव० २०, पचा० १, ३६; ४६; २, ३६, गच्छा० ६०; भत०- २०; प्रव० ५५८, —मोल्ल त्रि० (-मूल्य) ઘણી કિમ્મતવાળું; બહુ મુલ્લુ. बहु मूल्य, बेश कीमती. Very valuable. प्रव० २८०; —रव. त्रि० (-रव) મોટા શબ્દવાળો. मोटे-जड़ शब्द-वाला. Having a loud tone. दसा० ६, १६; (२) યશસ્વી; વિખ્યાત. यशस्वी; विख्यात Famous सम० ३०; —रूव त्रि० (-रूप) બહુરૂપી बहुरूपी, बहु रुपिया. Having numerous forms or garbs विशे० ६७. —लेव. पु० (-लेप) ઘણો લેપ લાગ્યો હોય તે. बहुतसे लेपवाला. Having many coatings आव० ६, १०; —लोइय त्रि० (लौकिक) ઘણુ લોક સમ્બન્ધી કાર્ય જેને હોય તે अति लौकिक कामकाजवाला; सांसारिक कई कामकाजवाला. Having many secular or worldly affairs. नाया० ८; —वत्त-—व्वया. स्त्री० (-वक्तव्य) બહુ કથન बहु भाषण-कथन. Speaking a great deal. भग० २५, ३; —वयण. न० (-वचन) બહુવચન. बहुवचन Plural. ठा० ३, ४, आया० २, ४, १, १३२, —वाहड. त्रि० (व्याहृत) બહુધા ભરેલ. बहुधा भराहुआ. Generally full. दस० ७, ३६; —विइक्कंत. त्रि० (-व्यतिक्रांत) ઘણું ગયેલ, ઘણો ભાગ પસાર થયેલ. बहुतफैला-बीताहुआ, गुजराहुआ. A great deal past or elapsed. कप्प० १, २; —वित्थडोदगा स्त्री० (-विस्तृतोदका) જેમાં પાણી ઘણુ વિસ્તરેલું હોય તેવી નદી. चौड़े पाटवाली नदी. A river with a vast expanse of water. दस० ७, ३६; —विहिय. त्रि० (-विधिक) ઘણી વિધિવાળો. बहुतसी विधिवाला. Having many ways नाया० ८,

—संजय. त्रि० (-संयत) ઘણા સાવદ્યથી નિવૃત્ત; સંયમની બહુલતાવાળો प्रचुर संयम वाला; बडी सावधानीसे मुक्त-निवृत्त Having much self-restraint, completed with great caution दसा० १०, ७, —संपत्त. त्रि० (-संप्राप्त) ઘણો ભાગ પસાર કરેલ, નજીક આવી પહોંચેલ. बहुतसा भाग पार कियाहुआ, पास आ पहुँचा हुआ. Finishing a greater part, coming near. भग० २, १. —संभारणेहकय. त्रि० (-संभारस्नेहकृत) ઘણાં દ્રવ્યથી સંસ્કાર પામેલી વસ્તુ. कई द्रव्योंद्वारा संस्कृत वस्तु. An object refined by many things नाया० १६; —संभारसंजुत्त. त्रि० (संभारसंयुक्त) ઘૃતાદિ અનેક દ્રવ્યથી સંસ્કારિત વસ્તુ घृतादि अनेक द्रव्योंद्वारा संस्कारित पदार्थ An object refined by many articles such as ghee etc नाया० १६, —संभूत त्रि० (-संभूत) ઘણા પ્રમાણમાં ઉત્પન્ન થયેલ. बहुत प्रमाणमें उत्पन्न Produced in a great quantity. दस० ७, ३३-३५, —सम. त्रि० (-सम) ઘણું સરખુ-સપાટ. बिलकुल समतल, समान. Very flat or even. भग० १३, ४; नाया० १; दस० ७, ३७, सम० ३४; समरमणिज्ज. त्रि० (-समरमणीय) સપાટ હોવાથી ઘણું રમણીય. समतल अतएव अत्यन्य रमणीक. Very attractive due to being flat. जं० प० १, ११; ३, ५२; ५, ११६; भग० ३, ७, ६, ७; —समोववन्नग त्रि० (-समोपपन्नक) બરાબર નિયમસર ઉત્પન્ન થનાર. बराबर नियमित रूपसे उत्पन्न होनेवाला. Born or produced at regular time पन्न० ३, —सलिलुप्पिलोदगा. स्त्री० (सलिलोत्पीलोदका) બીજી નદીઓના પાણીને રોકનાર (નદી). दूसरी नदियोंके पानीको रोकनेवाली नदी A river which checks the water of other rivers. दस० ७, ३६, —सस्स. त्रि० (-शस्य) ઘણું પ્રશંસનીય अति प्रशंसनीय, स्तुतिपात्र. Very praiseworthy सु० च० २, १६, —सिक्खिय त्रि० (-शिक्षित) ઘણું ભણેલ. बहुत पढ़ाहुआ, विशेष शिक्षित Very learned. नाया० १४, —स्सुअ(य) त्रि० (-श्रुत) વિદ્વાન, ઘણાં શાસ્ત્રોને જાણનાર विद्वान, बहुतसे शास्त्रोंको जानेवाला. A learned; versed in many scriptures. दसा० ४, १५, भग० २, ५; निर० ३, ५, वेय० ४, २५; दस० ८, ४४; सू० प० २०, उत्त० ५, २६, ११, १५; ठा० ६, १, सूय० १, २, १, ७, सु० च० १, ३८६, नाया० ८, १४; १६; ओघ० नि० ७८३, वव० १, ३७; गच्छा० ६४,

बहुअ न० (बहुक) ઘણાપણું; અધિકતા अधिकता, बाहुल्य, प्राचुर्य. Profusion, excess भग० २, २, ३, २,

बहुई. स्त्री० (बह्वी) ઘણી. बहुत, घनी. Much. जं० प० ३, ५३,

बहुओ. अ० (बहुतस्) ઘણે ભાગે अधिकांश. In the majority. प्रव० ११८०,

बहुग. न० (बहुत्व) ઘણાપણું, અધિકતા. अधिकता; विपुलता. Opulence, profusion पन्न० २, भग० १२, ३,

बहुगबंध. पु० (बहुकबन्ध) મ્હોટો બંધ मोटा बन्ध A great bond भग० १६, ६,

बहुतर त्रि० (बहुतर) ઘણુંજ વધારે; અતિ ઘણું. अत्याधिक, अतिशय. Very much. क० प० १, ८३, भग० १, २; ७, १०,

वहुतरय त्रि० (वहुतरक) વધારે પડતું. बहुत सा Too much भग० ७, १०; ८, ६,

वहुतराग. त्रि० (वहुतरक) ઘણા કાળનાં બાધેલ. वहुत समयमे बँधेहुए. Bound from a long time. विशे० १२०६;

वहुत्त. न० (वहुत्व) ઘણાપણું. अधिकता. Excess. विशे० १३८, १६१,

वहुदक. पु० (वहूदक) જેઓ ગામમાં એક રાત અને શહેરમાં પાંચ રાત રહે અને જે મળે તેના ઉપર સતુંટ રહે એવા સન્યાસી. सन्यासी विशेष जो किसीभी ग्राममें एक रात्रि और नगरमें पांच रात रहें और जो कुछ मिलें उसीपर सतुष्ट रहें An ascetic who stays in a village for a night, and in a city for 5 nights and is contented with what he receives. ओव० ३८;

वहुपंडिया स्त्री० (वहुपंडिता) ઘણુ ભણેલી સ્ત્રી. गिनिता-विदुषी स्त्री. A learned lady नाया० १४,

वहुपुत्तिय. न० (वहुपुत्रिक) એ નામનુ નિરયાવલીયા સૂત્રનુ એક અધ્યયન. निरयावलीया सूत्रका इस नामका एक अध्ययन A chapter of a Niryāvaliyā Sūtra, so named. निर० ३, १.(२) વિશાખા નગરીની બહારનુ એક ઉદ્યાન. विशाखा नगरीके वाहरका एक उद्यान. A garden outside the city of Viśākhā. भग० १८, ३;

वहुपुत्तिया. स्त्री० (वहुपुत्रिका) પૂર્ણભદ્ર યક્ષેન્દ્રની પટરાણી. पूर्णभद्र यक्षेन्द्रकी पटरानी. The chief queen of Purṇabhadra Yakṣendra. भग० १०, ५; ठा० ४, १;

वहुभंगिय्र. पुं० (वहुभंगिक) વિચ્છેદ ગયેલ બારમા દષ્ટિવાદ અંગના બીજા વિભાગ સૂત્રનો ત્રીજો ભેદ. विच्छिन्न बारहवें दृष्टिवाद अगके दूसरे विभाग सूत्रका तीसरा भेद. The 3rd veriety of the 2nd section of the 12th Drstivāda Aṅga (scripture) which is lost. नदी० ५६;

वहुमित्तपुत्त. पु० (वहुमित्रपुत्र) મથુરા નગરીના શ્રીદામરાજાના સુબધુ નામે અમાત્યનો પુત્ર. मथुरा नगरीके श्रीदामराजाके सुबधु नामक अमात्यका पुत्र. Son of the minister Subandhu of the king Śrīdāma of Mathurā city. विवा० ६;

वहुय. त्रि० (वहुक) વધારે; ઘણું. अधिक; वहुत. Much, excessive अणुजो० ८६; पन्न० ३; भग० ११, १०; २५, ४, उत्त० १, १०; नाया० १, २, ३, ८०; प्रव० १३६; दसा० ४, ३८; उवा० १, ८;

वहुयर. त्रि० (वहुतर) અતિ ઘણું. अतिशय; अधिकतर. Too much. सुय० २, ७, १३; नाया० ११; विशे० १६१;

वहुरय. पु० (वहुरत) જમાલિનો મત; વસ્તુ એક સમયમાં થતી નથી પણ ઘણા લાંબા કાળે થાય છે એમ માનનાર. वस्तु एक ही समयमें उत्पन्न नहीं होती वरन उसे तयार होने दीर्घ कालकी अपेक्षा होती है इस आशयका जमालि मत. The doctrine of Jamāli, that an object is not produced at once but takes a very long period. विशे० २३००; ओघ० ४१;

वहुरूवा. (वहुरूपा) ભૂતના ઇન્દ્ર સુરૂપની પટરાણી. भूतना इन्द्र सुरूपकी पटरानी. The chief queen of Surap, Indra of goblins, भग० १०, ५; ठा० ४, १; नाया० ध० ५,

बहुल. त्रि० (बहुल) વધારે, ઘણુ. अधिक, बहुत Much, plenty नाया० १, २, भग० १, १; ७, ६, उत्त० १०, १५, ओव० २१, दसा० ६, ४, दस० ६, ३७, जं० प० ७, १५४, (२) કૃષ્ણપક્ષ, અંધારિયું, અંધારૂ कृष्णपक्ष, अँधेरापक्ष, विदी The dark half of a month, darkness ओघ० नि० २८५, भग० १२, ६, जं० प० आया० २, १५, १७६; मन० ३७, (३) વ્યાપ્ત व्याप्त, फैलाहुआ Occupied, spread जीवा० ३, १, (४) ૨૪મા તીર્થંકરને પ્રથમ ભિક્ષા આપનાર ગૃહસ્થ २४वें तीर्थंकरको प्रथम भिक्षा देनेवाला गृहस्थ. A man who gave alms first of all to 24th Tirthankara. भग० १५, १, सम० प० २३२, (५) વિચ્છેદ ગયેલ બારમા દષ્ટિવાદ અંગના બીજા વિભાગ સૂત્રનો ૧૩મો ભેદ विच्छिन्न बारहवें दृष्टिवाद अंगके दूसरे विभाग सूत्रका १३वाँ भेद. The 13th variety of the 2nd section of the 12th Drstivāda Anga (scripture) which is lost. नंदी० ५६, —दोस पु० (-दोष) હિંસાદિ પ્રવૃત્તિ દોષ. हिंसादि प्रवृत्ति दोष. Sin in the form of harmful tendency. भग० २५, ७, —पक्ख. पु० (-पक्ष) કૃષ્ણપક્ષ, અંધારીયુ. कृष्णपक्ष, अँधेरा पखवाड़ा, विदी The dark-half of a month. वव० १०, २, नाया० १०; सू० प० २०, जं० प० ७, १५२, उत्त० २६, १५; —पाडिवअ. स्त्री० (-प्रतिपत्) કૃષ્ણપક્ષનો પડવો. कृष्णपक्षकी प्रतिपदा-एकम. The 1st date of the dark-half of a month. वव० १०, १२;

बहुला. स्त्री० (बहुला) શ્રી મહાવીર સ્વામિના ચુલશતક નામના શ્રાવકની સ્ત્રીનુ નામ श्रीमहावीर स्वामीके चुलशतक नामक श्रावककी स्त्रीका नाम. Name of the wife of chulaśataka voter of the lord Mahāvīra उवा० ५, १५५,

बहुलीकय त्रि० (बहुलीकृत) ઘણી વખત કરેલ बहुधा-अनेकवार-कियाहुआ Done many a time. नाया० ८,

बहुवत्तव्व न० (बहुवक्तव्य) પ્રજ્ઞાપના સૂત્રના ત્રીજા પદનુ નામ કે જેમાં જીવોનુ અલ્પ બહુત્વનુ વર્ણન છે. प्रज्ञापना सूत्रके तीसरे पदका नाम जिसमें जीवोंके अल्प-बहुत्वका वर्णन है Name of the 3rd Pada of Pragñāpanā Sūtra which deals with the inferiority or profusion of jiva. पन्न० १;

बहुविध. त्रि० (बहुविध) ઘણા પ્રકારનુ. कई तरहका. Of many varieties प्रव० २१०;

बहुविह. त्रि० (बहुविध) ઘણા પ્રકારનુ विविध-विध, कई प्रकारका Of different kinds. जं० प० ३, ४३, दस० ४, १४, दसा० ४, ३८, ५२, ठा० ६, १, —आगाम त्रि० (-आगम) અનેક પ્રકારે આગમના જાણનાર बहुविध आगमके ज्ञाता. Versed in scriptures in many ways नाया० १६,

बहुव्वीहि. पु० (बहुव्रीहि) બહુવ્રીહિ સમાસ बहुव्रीहि समास. An adjectival compound. अणुजो० १३१;

बहुसच्च न० (बहुसत्य) દસમા મુહૂર્તનુ નામ. दसवें मुहूर्तका नाम. Name of the 10th Muhūrta (part of a day) सू० प० १०, जं० प० ७, १५२,

बहुसालय. न० (बहुशालक) બ્રાહ્મણકુંડ નગરની બહાર આવેલુ એ નામનુ એક ઉદ્યાન ब्राह्मणकुण्ड नगरीके बाहरका एक उद्यान.

An orchard outside the city of Brāhmana kunda. भग० ६, ३३;

बहुसो. अ० (बहुशस्) વારંવાર; ઘણું કરીને. बारबार; बहुत करके. Many times; often नाया० ८, पिं० नि० ६४४; उत्त० ६, १, ३६, २५६; अणुजो० १३०; वव० १, ६, गच्छा० १३२, कप्प० २, ७५,

बहुस्सुईकय. त्रि० (बहुश्रुतीकृत) બહુ શાસ્ત્ર ભણાવેલ, બહુ શ્રુત-ગીતાર્થ બનાવેલ. बहुतसे शास्त्रोंको पढाहुआ-को पढानेवाला, बहुत श्रुत. (one) very learned; (one) who has taught many scriptures. भग० १५, १,

बहुहा. अ० (बहुधा) બહુ પ્રકારે. बहुधा; अनेकधा, अकसर In many ways पिं० नि० भा० १५,

बहेलग पु० (बिभीतक) બેહડાનું વૃક્ષ बेहडाका वृक्ष The tree of Baheda (a particular fruit). भग० २२, २,

बाउसिय. पु० (बाकुशिक) શરીરના શોભા કરવામાં આસક્ત થઈ ચારિત્રને મલીન કરનાર બકુશ નિયંઠો शारीरिक सजावटके कारण चरित्रको दूषित करनेवाला बकुश नियंठा. An ascetic who pollutes his conduct being attached too much to bodily decoration. ओघ० नि० ४६५, (२) त्रि० બકુશ નિયંઠા સંબંધી. बकुशनियंठा सम्बन्धी. Pertaining to an ascetic having the said fault पगह० २, ४,

बाढक्कार. न० (बाढङ्कार) આ આમ છે, અન્યથા નથી એમ બોલવું તે, નિશ્ચયકારી બોલવું તે निश्चयपूर्ण भाषण; यह यों है अन्यथा नहीं इस प्रकार दृढतापूर्वक बोलना. Speaking with a decision e g. "this is so and not otherwise" विशे० ५६५,

बाण. पु० (बाण) વૃક્ષ વિશેષ वृक्ष विशेष A particular tree. राय० ५२ जीवा० ३, ४, (२) તીર; બાણ. तीर, शर, बाण. An arrow सूय० २, ६, ५२; प्रव० १५५४;

बाणउअ. स्त्री० (द्वानवति) બાણું; ૯૨. ब्यानवे; ६२ Ninety-two; 92 न० १० १, १६,

बाणउइ. स्त्री० (द्वानवति) બાણું. ब्यानवे, बान्नु Ninety-two, 92. सम० ६२; क० गं० ६, ६०,

बाणारसी. स्त्री० (वाराणसी) બનારસ; કાશી बनारस, काशी. Benares, Kāśi. ठा० ३, १२६, ४, १४६, १०, २७७,

बादर. त्रि० (बादर) સ્થૂલ, મોટું स्थूल. मोटा Gross, thick. भग० १, ६, ५, ७, ६, ३; ५, ७; ८, १, १८, ४, सू० १० १०, सम० १०, ठा० २, १, ५, २, (२) पु० નામ કર્મની એક પ્રકૃતિ કે જેના ઉદયથી જીવને સૂક્ષ્મ શરીરની અપેક્ષાએ મોટું શરીર મળે તે. नाम कर्मकी एक प्रकृति, जिसके उदयसे जीवको सूक्ष्म शरीरसे अपेक्षाकृत मोटा शरीर प्राप्त हो. A variety of karmic matter at whose appearance a minute body becomes gross पन्न० १, २३, (३) બાદર એકેન્દ્રિયાદિ જીવ; જે શરીરરૂપે દેખાય તેવા જીવ-પૃથ્વી, પાણી વગેરે. बादर एकेन्द्रिय जीव. शरीररूपमें दीखनेवाले जीव यथा पृथ्वी, जल आदि. A one-sensed gross soul-sentient being which is visible in a bodily form e. g. the earth, water etc. भग० १६, ३; २५, १; ३३, १, (४) મોટો દોષ, સ્થૂલ દોષ मोटा-स्थूल दोष. A gross or palpable fault. भग० २५, ७,

—अगणिकाइयत्ता. स्त्री० (-अग्निकायिकता) બાદર-સ્થૂલ અગ્નિપણું बादर-स्थूल अग्निभाव. The state of gross fire-embodiment भग० ६, ५, —आउ. स्त्री० (अप्) બાદર પાણી बादर-स्थूल जल. Gross water भग० २४, १२, —निओद-य. पुं० (-निगोद) બાદર નિગોદ-સાધારણ વનસ્પતિ बादर निगोद-साधारण वनस्पति. Gross vegetation; ordinary vegetation भग० १६, ३, २५, ५,, —परिणय. त्रि० (-परिणत) બાદર-સ્થૂલરૂપે પરિણામ પામેલ (પુદ્ગલ). बादर-स्थूलरूपमें परिणमित (पुद्गल) A (molecule) matured into a gross form भग० १८, ६, २०, ५; —पुढविकाइयत्ता स्त्री० (-पृथ्वीकायिकता) બાદર પૃથ્વીકાયપણું. बादर पृथ्वीकायभाव The state of gross earth-embodiment. भग० ६, ५, —पुढविकाय. पुं० (पृथ्वीकाय) બાદર પૃથ્વીના જીવ. बादर-स्थूल पृथ्वीके जीव The soul of gross earthly beings. भग० १५, १, —बोंदिकलेवर पुं० (-बोन्दिकलेवर) એ નામે ગોસાલાને અભિમત કાળ વિશેષ. इस नामका गोसाला अभिमत काल विशेष A period of time so named according to Gośāla भग० १५, १, —बोंदिधर. त्रि० (-बोन्दिधर) બાદર શરીર ધારણ કરનાર बादर-स्थूल शरीरधारी. (one) having a gross body. उा० ५, १, —वणप्फइकाइयत्ता. स्त्री० (-वनस्पतिकायिकता) બાદર વનસ્પતિ કાયપણું बादर वनस्पति कायिकता. The state of gross vegetation-embodiment. भग० ६, ५,

बादरतरय. त्रि० (बादरतरक) અતિશય સ્થૂલ अतिशय स्थूल Very gross भग० १६, ३;

बायर. त्रि० (बादर) સ્થુલ, દૃષ્ટિગોચર થાય તેવું, મ્હોટું. स्थूल, मोटा, दृष्टिमें आने योग्य Gross, visible. भग० १, १ ३, १-४, राय० २६, पिं० नि० २४३. उत्त० ३५, ५, ३६, ७०, नाया० १ जीवा० १, क० गं० १, २६; १, ४६, ६, ७८, प्रव० ६६७, क० प० १, १७, ६४, २, २६, ४३, —आउकाइयत्ता. स्त्री० (-अप्कायिकता) બાદર પાણીપણું स्थूल जलकायिकता The state of gross water-embodiment. भग० ६, ५: —काअ. पुं० (-काय) બાદર પૃથ્વીકાય स्थूल पृथ्वीकाय Gross earth-embodiment. उत्त० ३६, ७४, —तसकाल. पुं० (-त्रसकाल) બાદરત્રસ-બે ઇન્દ્રિયાદિકને બાદરત્રસપણે રહેવાનો કાળ. दो इन्द्रियवालोंको बादरत्रस रूपमें रहनेका काल. The period of time for the existence of two-sensed-beings etc. in a gross mobile form. क०प० २, ७४. —तेउकाइय. पुं० (-तेजस्कायिक) બાદર અગ્નિના જીવ. बादर-स्थूल अग्निके जीव. The soul or living beings of gross fire जीवा० १. —नाम.न० (-नामन्) બાદર નામ, નામ કર્મની એક પ્રકૃતિ, જેના ઉદયથી જીવ બાદર શરીર પામે. बादर नाम, नाम कर्मकी एक प्रकृति. जिसके उदयसे जीव बादर शरीर प्राप्त करे A variety of Nāma karma matter at whose appearance a soul acquires gross body. सम० २८, —पज्जत्त. त्रि० (-पर्याप्त) બાદર પર્યાપ્તો बादर पर्याप्त A soul capable of developing the characteristics of a gross body क० प० २, ७४- —परित्त. त्रि० (-प्राप्त) બાદર પર્યાપ્તો बादर पर्याप्त A soul capable of

developing all the charactristics of a gross body. प्रव० ११२४, —पवग. पु० (-पवन) બાદર-સ્થૂલ વાયુ. बादर-स्थूल वायु. Gross wind. क० प० ४, ६, —पुढवी. स्त्री० (-पृथ्वी) બાદર પૃથ્વી स्थूल पृथ्वी. Gross earth. क० प० ४, १३, —वणस्सइकाइ. पु० (-वनस्पतिकायिन्) જેનું શરીર બાદર વનસ્પતિ હોય તે; બાદર વનસ્પતિ કાયિક જીવ. बादर वनस्पति कायिक जीव. Having a gross vegetation for its body. जीवा० १; —वाउकाइय. पु० (-वायुकायिक) જેનું શરીર બાદર વાયુ કાય હોય તે, બાદર વાયુકાયના જીવ. बादर-स्थूल वायुकायके जीव. The living beings of gross wind; having a gross wind-embodiment. जीवा० १;

वायरसंपराय. पु० (बादरसंपराय) નવમા ગુણઠાણાનું નામ. नवें गुणठाणाका नाम. Name of the 9th spiritual stage. प्रव० ६६७,

वायाल स्त्री० (द्वाचत्वारिंशत्) બેતાલીસ. बयालीस; ४२. Forty two, 42. ओघ० नि० ५०२; अणुजो० १४१; क० गं० १, २३; २, २०; —पुराणपगइ. स्त्री० (-पुण्यप्रकृति) બેતાલીશ પુણ્યપ્રકૃતિ. बयालीश पुण्यप्रकृति. Forty-two meritorious natures. क० ग० ५, १६;

वायालद्ध. न० (सार्द्धद्विचत्वारिंशत्) સાડા બેતાલીસ; ४२॥. साढ़े बयालीस. Forty two and a half. प्रव० ४१५;

वायालीस. स्त्री० (द्वाचत्वारिंशत्) બેતાલીસ. बयालीस; ४२. Forty-two. 42. जं० प० २, १६; भग० २, १-८; ६; ५; ७; ११. ११; १२, ६; १६, ६-६; सम० ४२; ओव० ४३; अणुजो० १४२; पिं० नि० ६३४; नाया० १, पन्न० ४, कप्प० १, २;

वार. त्रि० (द्वादश) બારની સંખ્યા; १२. बारहका अंक, १२. Twelve; 12. गच्छ० ६५; पण्ह० १, १, क० ग० २, २६; —उवओग. पु० (-उपयोग) બાર ઉપયોગ, પાંચ જ્ઞાન, ત્રણ અજ્ઞાન અને ચાર દર્શન. बारह उपयोग; पांच ज्ञान, तीन अज्ञान और चार दर्शन. The 12 uses, applications *viz.* five kinds of knowledge, three of ignorance and four Darśanas क० ग० ४, ८; —मुहुत्त. न० (-मुहूर्त) બાર મુહૂર્ત; ચોવીશ ઘડી. बारह मुहूर्त; चौबीस घड़ी. The 12 muhuratas (a measure of time). क० ग० ५, २७,

वारगा. स्त्री० (द्वारका) સોરાષ્ટ દેશમાં આવેલી શ્રી કૃષ્ણની રાજધાની; દ્વારકા નગરી. सौराष्ट्र देशस्थ श्रीकृष्णकी राजधानी; द्वारिका नगरी. The capital city of Śrī Krsna in Gujarāta. उत्त० २२,२२;

वारवई स्त्री० (द्वारवती) દ્વારિકા નગરી. द्वारिका नगरी. The city of Dwārkā. सम० प० २३१, नाया० ५; १६, पण्ह० १, ४; निर० ५, १; कप्प० ६, १७२;

वारवती. स्त्री० (द्वारवती) દ્વારિકા નગરી કે જે શ્રી કૃષ્ણની રાજધાની હતી, જેને કુબેર ભંડારિએ બાર યોજન લાંબી અને નવ યોજન પહોળી બનાવી હતી, જે હાલ "બેટ દ્વારિકા" તરીકે ઓળખાય છે. श्री कृष्णकी राजधानी द्वारिका जिसे कुबेरने बारह योजन लम्बी और नौ योजन चौड़ी बनवाई थी जो हालमें बेट द्वारिका नामसे ख्यात है. The city of Dwārkā now known as "Beta Dwārkā" the capital of Śrī Krsna

which was constructed by Kubera 12 yojanas in length and 9 in breadth (1 yojana= 8 miles). अंत० १, १;

बारस. त्रि० (द्वादश) બાર. बारह Twelve. जं० प० १, ४; भग० १, ५, १०; २, ५; ५, ८; ८, ८, १२, ७, १४, ५, १५, १, २०, १-५; २४, १; ३१, १, सम० १२; अणुजो० १३३; विशे० ३४८, नाया० १, ५, १६; दसा० ७, १; पन्न० ४, सु० च० १, ३६१, क० ग० २, २२, ३४, ३, १७, पचा० १८, २, उवा० १०, २७७, **—अह** पु० (-अहन्) બાર દિવસ बारह दिन. Twelve days नाया० १; विवा० ५, **—आहिय.** त्रि० (-आह्निक) બાર દિવસનુ. बारह दिनोंका. Of 12 days. नाया० १६; **—पएसिय.** न० (-प्रदेशिक) યુગ્મ પ્રદેશિક જઘન્ય સઠાણ -કે જે બાર પ્રદેશથી નિપજે છે. बारह प्रदेशासे उत्पन्न होनेवाले युग्म प्रदेशिक जघन्य सठाण. A yugmapradeśika which is produced by 12 atoms भग० २५, ३, **—भत्त.** पु० (-भक्त) અગીયાર ટક વીતાવી બારમે ટકે જમવુ તે, પાંચ ઉપવાસ ભેગા કરવા તે. ग्यारह टक व्यतीत कर बारहवें दिन भोजन करना, पाच उपवासोंका एकत्रीकरण. Dining on the twelfth time having fasted for 11 times, observing of the 5 fasts together ओव० १६, **—भिक्खुपडिमा.** स्त्री० (-भिक्षुप्रतिमा) ભિક્ખુ-સાધુની બાર પડિમા-અભિગ્રહ વિશેષ भिक्खु-साधुकी बारह पडिमा-अभिग्रह विशेष. A particular vow of an ascetic. नाया० १, **—मुहुत्त.** न० (-मुहूर्त) બાર મુહૂર્ત; ચોવીસ ઘડી बारह मुहूर्त, चौवीस घड़ी. 12 Muhūratas (a period of time). भग० १, १०. **—वरिस.** न० (-वर्ष) બાર વર્ષ. बारह वर्ष. Twelve years. प्रव० ७६३; **—वासपरियाग.** त्रि० (-वर्षपर्यायक) બાર વરસની દીક્ષાવાળો. बारह वर्षों की दीक्षावाला. One for whose consecration 12 years have elapsed वव० १०, २८-२६, **—समज्जिय.** त्रि० (-समर्जित) બાર બારના સમૂહથી અર્જન કરેલું, 'ડઝન.' बारह बारहके समूहमें अर्जित, 'डम्भनवार'. Arranged in a group of twelve भग० २०, १०;

बारसम त्रि० (द्वादश) બારમું; બારમા નબરનુ. बारहवाँ; बारहवें संख्यावाला. Twelfth. पन्न० ४; नाया० १२; भग० २, १; १६, ८; २०, ३; (२) પાંચ ઉપવાસ ભેગા કરવા તે. पांच उपवासो का एकत्रीकरण. Observing of the five fasts together. भग० २, १;

बारसय त्रि० (द्वादशक) જુઓ "બારસ" શબ્દ. देखो "बारस" शब्द. Vide "बारस." भग० २०, १०;

बारसविह. त्रि० (द्वादशविध) બાર પ્રકારનુ. बारह प्रकारका Of twelve kinds. पचा० १५, २६;

बारसी. स्त्री० (द्वादशी) બારસ. बारस; द्वादशी. The 12th date of a lunar month. जं० प० ७, १५३; विशे० ३४०७;

बाल पु० (बाल) બાળક; બચ્ચુ शिशु, बालक; बचा. A child; a baby. आया० २, २, ३, १०७, पिं० नि० १६४, राय० ५३, विशे० ४; नाया० २, १८; पन्न० १७; भग० ७, ६; ११, ११; १४, ६; जीवा० ३; ३; भत्त० २२; गच्छा० १६; प्रव० ७६८, (२) त्रि० અજ્ઞ; પામર;

અવિવેકી, મિથ્યાત્વી; અજ્ઞાની. अज्ञ, पामर; अविवेकी, मिथ्यामार्गी: अज्ञानी. Fool, stupid; a liar; illiterate उत्त० १, ६–३७, ५, ३, ६, ४४, १३, १७, सूय० १, १, १, ४, २, ६, १७, श्रोव० ३८, भग० २, १, ३, २, ७, २; १८, ८; दसा० ६, ७, १२, दस० ६, ७, (३) લઘુ, ન્હાનું, નવીન लघु, छोटा, नवीन Little; new, minute. भग० ११, ११, १४, ८, (४) કોમળ कोमल Soft. राय० ५७, कप्प० ४, ६०; (५) ભગવતી સૂત્રના પ્રથમ શતકના આઠમા ઉદ્દેશાનું નામ છે, જેમા એકાન્ત બાલ આદિ વિષય પર પ્રશ્નોત્તર છે. भगवती सूत्रके प्रथम शतकके आठवें उद्देशाका नाम जिसमें एकान्त बाल आदि विषयक प्रश्नोत्तर है. Name of the 8th Uddeśā (section) of the 1st century of Bhagvatī Sūtra. भग० १, १; —आयव पु० (-आतप) પ્રભાતનો તડકો. सवेरेकी धूप The morning sun कप्प० ४, ६०; —इंदु. पु० (-इन्दु) બાળ ચંદ્રમા. बाल शशि–चंद्र. The new moon. सु० च० ४०, ८४. —काल. पु० (-काल) બાલ્ય અવસ્થા बाल्यावस्था, बाल्यकाल Childhood. भग० २२, —कीलावण न० (-क्रीडन) બાળકને રમાડવું તે - बालकको खिलाना, बालकसे क्रीड़ा करना Amusing or playing with a child नाया० १८, —गवी. स्त्री० (-गो) વાછડી. वत्सतरी, बछड़ान्डी. A heifer. उत्त० २७, ४, —ग्गाहि त्रि० (-ग्राहिन्) બાળકને ગ્રહણ કરનાર. बालकको ग्रहण करनेवाला (one) holding a child. नाया० २, १८, —घायग. त्रि० (-घातक) બાળકની ઘાત કરનાર. बालकके घाती. (one) killing a child नाया० १८, —घायय त्रि० (-घातक) બાળકની ઘાત કરનાર. बालघाती, बालहत्यारा (one) killing a baby. नाया० २. —चंद. पु० (-चन्द्र) બીજનો ચન્દ્ર. द्वितीयाका चन्द्रमा. The moon of the 2nd date ज० प० ३, ४५, प्रव० २६८; —जण. पु० (-जन) અજ્ઞાની. अज्ञानी; अविवेकी. Illiterate person; fool उत्त० ३२, ३, —तमाल. पु० (तमाल) ન્હાનું તમાલનું ઝાડ. छोटा तमाल वृक्ष A young Tamāla tree. प्रव० १४८७, —तव पु० (-तपस्) બાલભાવે કરાતું તપ, અજ્ઞાન કષ્ટ. अज्ञानपूर्वक कीया जानेवाला तप Penance done ignorantly क० गं० १, ५६. —तवस्सि. त्रि० (-तपस्विन्) અજ્ઞાન કષ્ટ કરનાર, બાલ ભાવે તપ કરનાર, તાપસ વગેરે. अज्ञानसे कष्ट उठानेवाला; बाल भावसे तप करनेवाले तपस्वी आदि. An ignorant ascetic; (one) who practises penances with ignorance भग० ३, १, १५, १; —तवोकम्म. न० (-तपःकर्मन्) અજ્ઞાન કષ્ટ, મિથ્યાત્વયુક્ત તપોનુષ્ઠાન अज्ञानपूर्ण कष्ट सहन, मिथ्यात्वयुक्त तपोनुष्ठान A false or ignorant practice of austerities. भग० ८, ६, —भाव. पु० (-भाव) બાલ્યાવસ્થા; બાળ ચેષ્ટા. बाल्यावस्था; बाल चेष्टा Infancy, childish actions नाया० १, १६; राय० ६५; कप्प० १, १८, —मरण. न० (-मरण) અજ્ઞાન મરણ; બાલભાવે અજ્ઞાન દશામાં હાયવોય કરતાં મરણ પામવું તે. अज्ञानपूर्ण मरण, बाल भावसे अज्ञान दशामें हायहाय

करतेहुए मृत्युपाना An ignorant form of death, dying after grumbling and moaning a great deal. सम० १७, उत्त० ३६, २५६; ठा० ३, ४, निसी० ११, ४२, भग० १३, ७, —वच्छा. स्त्री० (वत्सा) નાના વત્સવાળી–ગાય વગેરે. छोटे वत्स–बछडेवाली-गाय आदि. A cow etc having young calves दसा० ७, १; —विच्छोह पु० (विक्षोभ) બાળકથી જુદું પડવું; બાળકનો વિયોગ. बालकका वियोग. The separation from a child. वव० १०, २; —वीरिय. न० (-वीर्य) બાળભાવ સહિત વીર્ય શક્તિ. बालभावयुक्त वीर्य, बाल पराक्रम. A child's powers अणुजो० १२७, —वीरियत्ता. स्त्री० (-वीर्यता) બાળ વીર્યપણું; બાળભાવ સહિત શક્તિ. बाल वीर्यता; बाल पुरुषार्थ–शक्ति The state of a child's powers. भग० १, ४, —वीरियलद्धि. स्त्री० (-वीर्यलब्धि) અજ્ઞાન દશામાં કાર્યની શક્તિ अज्ञान दशामें कार्यकी शक्ति. The power of work in an ignorant state भग० ८, २; —वीरियलद्धिया. स्त्री० (-वीर्यलब्धिका) બાળ વીર્યની પ્રાપ્તિ बाल वीर्यकी प्राप्ति The attainment of a child's powers. भग० ८, २;

बालग पु० (व्यालक) સર્પ. सर्प; सांप A serpent नाया० ८,

बालत्त न० (बालत्व) બાળપણું बालपन. Childhood. सु० च० १३, ५१,

बालपंडिअ त्रि० (बालपडित) દેશ વિરતિ શ્રાવક; પાપથી કંઈક નિવર્તેલ અને કંઈક ન નિવર્તેલ, કંઈક બાળ ભાવ અને કંઈક પંડિત ભાવ યુક્ત દેશ विरति श्रावक, अंशतः पापसे निवृत्त अंशतः अनिवृत्त, बालभाव और पंडित भावसे अंशतः युक्त. A layman with partial renunciation; partially attached to sins or ignorance. भग० १, ४; ८; १७, २; अणुजो० १२७; —वीरिय. न० (-वीर्य) બાળપંડિત-શ્રાવકનું વીર્ય–સામર્થ્ય. बालपडित श्रावकका वीर्य–सामर्थ्य The prowess of a partially renouncing layman अणुजो० १२७; वीरियलद्धि. स्त्री० (-वीर्यलब्धि) બાળપંડિત ભાવે શ્રાવક વૃત્તિમાં પુરુષાર્થ કરવાની શક્તિ. बालपडित भावसे श्रावकवृत्तिमें पुरुषार्थ प्रदर्शन शक्ति The attainment of showing prowess in a partially renouncing layman. भग० ८, २; —वीरियलद्धिया. स्त्री० (-वीर्यलब्धिका) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो उपरका शब्द. Vide above. भग० ८, २;

बालपंडित. त्रि० (बालपण्डित) જુઓ "बालपंडिअ" શબ્દ देखो "बालपडिअ" शब्द Vide "बालपडिअ". सम० १७, —मरण न० (-मरण) બાળપંડિત ભાવ-દેશ વિરતિપણામાં થયેલું મરણ. बालपडित भाव–देश विरतिमें प्राप्त मरण. Death in a state of partial renouncement. सम० १७;

बालय. पुं० (बालक) જુઓ "बाल" શબ્દ. देखो "बाल" शब्द. Vide "बाल". भग० १, ६; —मारय. पु० (-मारक) બાળકને મારનાર. बालकको मारनेवाला. One who slays a child. नाया० २;

बालया. स्त्री० (बालता) મૂર્ખતા; બાળકપણું; બાળભાવ मूर्खता; बालपन, बचपन. Childishness; infancy. आया० १, ५, १, १४४; १, ६, ४, १८६;

बालव. न० (बालव) દરેક માસના શુક્લ પક્ષની બીજ અને નોમને દિવસે, તથા

પાંચમ અને બારસની રાતે, તેમજ કૃષ્ણ પક્ષના એકમ અને આઠમને દિવસે, તથા ચોથ અને અગિયારસની રાતે આવતું, જ્યોતિઃ શાસ્ત્ર પ્રસિદ્ધ સાત ચરકરણમાંનું બીજું કરણ; ૧૧ કરણમાનુ બીજું કરણ. प्रत्येक मासके शुक्लपक्षकी द्वितिया और नवमीके दिन तथा ५वमी द्वादशीकी रात्रिको दैनेी कृष्णपक्षकी प्रतिपदा और अष्टमीके दिन तथा चतुर्थी और एकादशीकी रात्रिको आनेवाला ज्योतिः शास्त्र प्रसिद्ध सात चरकरणोंमेंसे दूसरा करण, ११ करणोंमेंसे दूसरा करण. The 2nd Karna (religious occasions) out of the seven or eleven which are well-known in the science of astronomy and it falls on the 2nd and 9th day and 5th and 12th night of the bright half of every month and similary falls on the 1st and 8th day and 4th and 11th night of the dark-half of every month जं० प० ७, १५३,

वाला. स्त्री० (वाला) સો વરસના માણસની દશ દશાઓમાંની પ્રથમ દશા કે જેમાં સસારની માયા કે સંકલ્પ હોતા નથી. सौ वर्षके मनुष्यकी दश दशाओंमेंसे प्रथम दशा जिसमें सांसारिक माया या सङ्कल्प का प्रभाव नहीं रहता. The 1st stage out of the 10 of a man who is hundred years old when he is not influenced by the delusion of the world or resolutions तडु० (२) કુમારી. कुमारी A young girl. गच्छा० ८४,

वालिय. न० (वाल्य) બાળભાવ; અજ્ઞાન; મિથ્યાત્વ. बालभाव; अज्ञान; मिथ्यात्व. Infancy; ignorance; falsity. भग० १, ६; (२) બાલ્ય અવસ્થા. बचपन, बाल्यकाल. Infancy. राय० —**सूरिय** पु० (-सूर्य) ઉગતો સૂર્ય. उदीयमान सूर्य. उगताहुआ सूर्य The rising sun. राय०

वालियत्त न० (वाल्यत्व) અજ્ઞાનપણું, બાળકપણું अज्ञानता, बालिशता; बचपन. Ignorance; childishness. भग० १, ६;

वालिया. स्त्री० (वालिका) કન્યા; છોડી. कन्या, पुत्री; बाला. A girl. भग० ६. ३३; नाया० ५, सु० च० १५, १३७, —**सद्द.** पु० (-शब्द) બાળકીનો શબ્દ-અવાજ. बालिकाका शब्द-अवाज The sound of a girl निसी० १७, ३५;

वालिस. त्रि० (वालिश) મૂર્ખ; અવિવેકી. मूर्ख; अविवेकी. Stupid; idiot. सूय० १, ७, ११;

वावट्ठ. स्त्री० (द्वाषष्टि) બાસઠની સંખ્યા. बॉसठकी सङ्ख्या, ६२. Sixty two; 62. भग० २५, ६-७,

वावट्ठि स्त्री० (द्वाषष्टि) બાસઠ; ६२. बॉसठ; ६२ Sixty two, 62. जं० प० ४, ८८, सम० ६२,

वावरण. त्रि० (द्विपञ्चाशत्) બાવન. बावन, ५२ Fifty two; 52. भग० ३, ७; ६३, ४; जं० प० १, ६;

वावत्तरि. स्त्री० (द्वासप्तति) બોતેર, ७२ बहोत्तर; ७२. Seventy-two; 72. जं० प० ५, ११८, पन० २; ४, सम० ७२; ओव० ४०; अणुजो० ४१; १४३; विवा० २; ७, नाया० १; भग० १, ५; ७, ६; ११, ११, १२, ६; १४, ६; १६, ६; २४, २१; जं० प० सु० च० ४, ६८, —**कला.** स्त्री० (-कला) પુરુષોની ७२ કળા. पुरुषोंकी ७२ कला. The

seventy-two arts of man. नाया० १६,

वावन्न. स्त्री० (द्विपंचाशत्) બાવન. बावन. Fifty-two, 52. सम० ५२, क० ग० ६, ५६, **—भेअ** पुं० (-भेद) બાવન ભેદ (વિનયના) विनयके बावन भेद Fifty-two varieties. प्रव० १६,

वावीस. स्त्री० (द्वाविंश) બાવીસ. बाईस Twenty-two. भग० १, ६, २, १-८, ८, ८, १३, ४, १५, १, १६, ३, २४, १, अणुजो० १४२, ओव० ४१, उत्त० ३१, १५, सम० २२, नाया० १, पन्न० ४, **—वाससहस्स** न० (-वर्षसहस्र) २२ હજાર વર્ષ. २२ हजार वर्ष 22000 years भग० १, १, **—सयभागमुहुत्त.** न० (-शतभागमुहूर्त) એક મુહુર્તના ૧૨૨ ભાગ કરીએ તેમાનો એક ભાગ. एक मुहूर्तके १२२ भागोंमेंसे एक भाग. One part of one hundred and twenty-two parts of a muhūrta (part of a day). भग० ११, ११; **—सागरोवम.** पुं० (-सागरोपम) બાવીસ સાગરોપમની સ્થિતિ बाईस सागरोपमकी स्थिति. Duration of twenty-two Sāgaropamas (a period of time). नाया० १६;

वावीसइम. न० (द्वाविंशतिम) એકવીસ ટંક ઉલ્લંઘીને બાવીસમે ટંકે આહાર લેવો તે; દશ ઉપવાસની સંજ્ઞા. इक्कीस टकके लघनके बाद बाईसवें टकमें आहार ग्रहण कार्य, दश उपवासकी संज्ञा. Taking food on the 22nd turn after fasting for 21 turns. A name for 10 fasts. नाया० १; भग० २, १,

वासट्ठि. स्त्री० (द्वाषष्टि) બાસઠ बासठ. Sixty-two. नाया० १६,

वासीइ स्त्री० (द्व्यशीति) બાસી. ૮૨. बयासी, ८२. Eighty-two, 82. क० ग० ५, १७, ६, ६३, कप्प० ७, ३०; सम० ८२,

वाह. न० (वाष्प) આંસુ. आंसु; अश्रु A tear. अणुजो० १३०, (२) વરાળ भाप Vapour. सु०च०१, ३२, **—प्पमोक्खण.** न० (-प्रमोक्षण) આંસુ ઢાળવા अश्रु डालना; अश्रु मोचना Shedding tears नाया० २, १८, (२) હાથ, ભુજા. हाथ, भुजा Arm; hand. भग० ५, ४; १४, १,

वाहगदोस. पु० (बाधकदोष) ચારિત્રને બાધ કરનાર દોષ, કામ રાગાદિ. चारित्रके बाधक दोष, काम रागादि. A sin or transgression which pollutes good conduct, e. g passion etc. पचा० १, ४६,

वाहण. न० (बाधन) બાધ કરવો તે, પીડા કરવી તે. बाधकहोना, विघ्न डालना; पीड़ा पहुँचाना. Obstructing, troubling. पचा० १६, ५;

वाहणा. स्त्री० (बाधना) પીડા. पीड़ा. Trouble, pain. पण्ह० १, ४,

वाहल्ल न० (बाहल्य) જાડાઇ, દળ. मोटाई, स्थूलता, दल. Thickness; solidity. राय० १५२, ज० प० ७, १३०; १४५, ५, ११६, जीवा० ३, १; पन्न० २; १५, भग० २, ३; ३, १, १३, ४; उत्त० ३६, ५६, सम० २०; प्रव० ६७२; **—उच्चत्त.** न० (-उच्चत्व) જાડાઇ અને ઉંચાઇ. मोटाई और ऊँचाई. Thickness and height भग० २, ७,

वाहल्ल न० (बाहुल्य) અત્યન્ત अत्यन्त, प्राचुर्य. Excess, profusion. राय० ६१, प्रव० ६७५, ११२०,

बाहा स्त्री० (बाहा) દરવાજા ઉપર બાંધેલ તાક. दरवाजे पर बनाहुआ ताक A niche above a door सम० ६, (२) બાહુ; હાથ बाहु. हाथ. The arm, hand जीवा० ३, ३. जं० प० ५, ११८. ४, ७४, वेय० ५, २२, नाया० ८; ६; १६; भग० ३, १, ६, ३१, (३) પાસું; પાર્શ્વભાગ. पासु पार्श्वभाग The rib. जीवा० ३, ४, राय० ४५. (४) ભરત આદિ ક્ષેત્રની ભુજા. भरत आदि क्षेत्रकी भुजा A peninsula of Bharata kṣetra etc. जं० प० (५) બાજુ, દિશા. बाजू, दिशा. Side; direction. " सुरियाभस्सणं विमाणस्स एगमेगाए बाहाए दारसहस्सं भवंतीति मक्खायं." राय० १०४.

बाहिं. अ० (बहिः) બહાર. बाहर Outside जं० प० ७, १३५, भग० ३, ४, १५, १, पन्न० २, दसा० ६ १, वव० ६, ३-४, विशे० २१५; वेय० १, ७ नाया० १; सु० च० १५, ८; ओव० २७, सूय० २, २, ६६, गच्छा० १०८,

बाहिंत. त्रि० (बाधयत्) પીડા કરનો पीडा करने-पहुँचानेवाला Troubling विशे० १७६४,

बाहिदुट्ठ. त्रि० (बहिर्दुष्ट) બહારથી પીડા કરનાર. बाहरसे पीडा पहुँचानेवाला. Troubling from outside. ठा० ४, ४,

बाहिंसल्ल न० (बहिःशल्य) બહાર દેખાતુ શલ્ય. बाहर दीखनेवाला शल्य-कांटा. A thorn seen from outside ठा० ४, ४;

बाहिज्ज. न० (बाधिर्य) બહેરાપણું. बहिरापन. Deafness विशे० २०८;

बाहिया. स्त्री० (बाहिका) જુઓ " बाहा " શબ્દ. देखो " बाहा " शब्द. Vide " बाहा " वेय० ५, २२,

बाहिर त्रि० (बाह्य) બહારનું; દેખીતું. बाहरका; देखाहुआ, दीखनेवाला; दृश्यमान. External; visible जं० प० ५, ११६, ३, ४५, ४३, ७, १३४, १४६, सू० प० १, पन्न० १; नाया० १८, दसा० ४, ८, ३०, भग० ६, ५, ७, ६; अणुजो० ३, सम० ६ ओव० उत्त० २८, ३१-३४, गच्छा० ७७; पचा० १५, २६; कप्प० ३, ३७; (२) બાહ્ય અવધિજ્ઞાન, અવધિજ્ઞાનનો એક પ્રકાર. बाह्य अवधिज्ञान, अवधिज्ञानका एक प्रकार External limited knowledge; a kind of knowledge विशे० ७४८, ७४६,

-- **ट्ठिइ.** स्त्री० (-स्थिति) ઉદયાવલિકાથી બહારની કર્મ સ્થિતિ उदयावलिकासे बाहरकी कर्म स्थिति The duration of karma outside Udayāvalikā क० प० ३, १, —**पेसणकारिया.** स्त्री० (-प्रेषणकारिका) ઘર બહારનુ કાર્ય કરનારી સ્ત્રી. घरके बाहरका काम करनेवाली स्त्री A female doing out-door work. नाया० ७;

—**भंडमत्तपरिग्गह** पुं० (-भाण्डमात्रपरिग्रह) પાત્ર, વસ્ત્રાદિ બાહ્ય વસ્તુ પ્રત્યે મમત્વભાવ पात्र वस्त्रादि बाह्य वस्तुमें ममता. Attachment to extenal objects *e. g.* pots, dress etc. ठा० ३, १;

—**भंडमत्तोवगरणपरिग्गह.** पु० (-भाण्डमात्रोपकरणपरिग्रह) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो उपरका शब्द Vide above भग० १८, ७, —**भंडमत्तोवगरणोवहि.** पु० (-भाण्डमात्रोपकरणोपधि) કરિયાણું વાસણ ઉપકરણ વગેરે બહારની ઉપાધી किराना बरतन उपकरण आदि बाह्य उपाधि Attachment to external worldly belongings *e.g.* pots, meterials etc. भग० १८, ७,

बाहिरअ(य). त्रि० (बाह्यक) બહારનું. बाहरका. External. ज़० प० ओव० १८, २६, नाया० १; भग० ३, ४-६, ६, ८, ७, ६; १६, ५; ठा० ३, १; प्रव० २५७,

बाहिरओ. अ० (बाह्यतस्) બહારથી बाहरसे. From outside. भग० ११, ११,

बाहिरंग. त्रि० (बहिरंग) બહારનું बाहरका. External आया० १, ८, ३, १३६, (२) આત્માની સાથે હમેશનો સબંધ રાખનાર નહીં. आत्माके साथ सतत सम्बन्ध न रखनेवाला. Not associated eternally with the soul सूय० २, १, ३८.

बाहिरप्पवाही. स्त्री० (बाह्यप्रवाही) બહાર વ્હેતી-વ્હેનારી. बाहर बहनेवाली Flowing outside. विवा० १,

बाहिरिग. त्रि० (बाह्यक) બાહેરનું. बाहरका. External. भग० १८, २;

बाहिरिए. त्रि० (बाह्यक) બહાર'. बाहरका. External नाया० १. २, ८; कप्प० ४, ५८, जं० प० ओव० २६, वेय० १, ६; दसा० ६, ४; १०, १, भग० ५, ७, ७, ६, ६, ३३; २५, ७,

बाहिरिया. स्त्री० (बहिर्) બહાર बाहर. Outside नाया० ५; भग० १५, १, दसा० १०, १, (२) પરૂ. નગરથી જૂદો પડેલો પાસેનો વસતિવાળો પ્રદેશ. नगरसे भिन्न बाग्का आबाद प्रदेश. An inhabited region surrounding a city. नाया० ५. सूय० २, ७, १, (३) બહારનું કામ કરનારી દાસી. बाहरका काम करनेवाली दासी. A maid-servant doing out-door work भग० ११, ११, (४) બહારની સભા. बाहरकी सभा External assembly. नाया० ८, १४, **—परिसा.** स्त्री० (-परिषत्) બહારની સભા बाहरकी सभा External assembly. नाया० ८.

बाहिरिल्ल त्रि० (बाह्य) બહારનું. बाहरका. External. भग० २, ८, ६, ५, ३४, १,

बाहिसंबुक्का. स्त्री० (बाह्यशम्बूका) ગોચરીની આઠમી વીધિ, બહારના ભાગમાંથી શંખના આવર્તની પેઠે ફરતા અંદરના ભાગમાં આવી ગોચરી કરવામાં આવે તે. गौचरीकी आठवीं वीधि, बाहरी भागमेंसे शखके आवर्तकी भाँति फिरते हुए भीतरी भागमें आकर कीजानेवाली गौचरी The 8th path of begging, begging from outside and reaching the inner part moving in a circular manner like a conch. प्रव० ७५२,

बाहु पु० (बाहु) ભુજા, હાથ भुजा; हाथ Arm; hand. नाया० ८, पिं० नि० ३३१; नदी० ५४; भग० १६, ८, दस० ४; सूय० १, ४, १, ३; आया० १, १, २, १६, १, ६, ३, १८६. ओव० १०, क० ग० १, ३४, प्रव० ६७, **—उत्तरण** न० (-उत्तरण) બે હાથવડે તરવું दोनों हाथोंसे तैरना. Swimming by two hands पचा० ६, २१, **—छाया** स्त्री० (-छाया) ભુજાની છાયા. भुजाकी छाया The shadow (protection) of two arms. नाया० ५. ८, विवा० ३, **—जुद्ध.** न० (-युद्ध) બાહુથી યુદ્ધ કરવું તે. बाहुद्वारा कियाजानेवाले युद्ध, बाहुयुद्ध A hand to hand fight, a duel, a boxing. ओव० नाया० १, **—जोधि.** त्रि० (-योधिन) બાહુથી યુદ્ધ કરનાર. बाहुद्वारा युद्ध करनेवाला. A boxer, a hand-to hand fighter नाया० १. **—जोहि** त्रि० (-योधिन्) હાથે હાથ લડનાર हाथोंहाथ लड़नेवाला. A hand-

to hand fighter. राय० २६२; —पमाण. त्रि० (-प्रमाण) બાહુ-ભુજા સુધીનુ. बाहु पर्यन्त, भुजाके मानका. Measuring an arm. प्रव० ६७७; — प्पमद्दि. त्रि० (-प्रमर्दिन्) બાહુથી મર્દન કરનાર. बाहुद्वरा मर्दन करनेवाला. Rubbing by means of an arm. नाया० १; —बल. न० (-बल) બાહુનું બળ; ભુજા બળ. बाहुबल, भुजाकी ताकत. The strength of arm तडु०

बाहुश्र पुं० (बाहुक) એ નામના એક તપસ્વી. इस नामका एक तपस्वी. An ascetic so named. सूय० १, ३, ४, २;

बाहुबलि. पु० (बाहुबलिन्) ભરત ચક્રવર્તીના ભાઈનુ નામ કે જેણે પૂર્વ ભવમા સાધુઓની વૈયાવચ્ચ કરવાથી અતિ બળ પ્રાપ્ત કર્યું હતું. भरत चक्रवर्तीके भाईका नाम जिन्होंने पूर्व जन्ममें साधुओंकी वैय्यावच्च करके अति बल प्राप्त किया था. Name of the brother of Bharata chakravartī, who obtained great strength due to serving in previous life, ascetics. सम० ८४; ओघ० नि० ५३५;

बाहुया स्त्री० (बाहुजा) ત્રણ ઇન્દ્રિયવાળો જીવ. तीन इन्द्रियवाला जीव. A three-sensed sentient being. पन्न० १;

बाहुलेर न० (बाहुलेय) કાળો વાછડો. काला बछड़ा. A black calf. अणुजो० १४८;

बाहुल्ल. न० (बाहुल्य) આધિક્ય; ઘણે ભાગે, પ્રાયશ, બાહુલતા. आधिक्य; बहुलता; बहुतायत, प्राचुर्य. Excess; opulence; profusion. भग० १२, ७, पिं० नि० ५६;

बि. त्रि० (द्वि) બે. दो. Two. क० ग० १, ४६; —ट्ठाण. न० (-स्थान) બે ઠાણીઓ રસ. दो स्थानोंका रस. Two stages. क० प० १, ६२;

बिश्र-य. त्रि० (द्वितीय) બીજું. दूसरा-द्वितिय कसाय अप्रत्याख्यान-चतुष्क. Second. क० गं० २, २५, २८; ३, १६; —कसाय. पु० (-कषाय) અપ્રત્યાખ્યાનાવરણીય નામે બીજો કષાય. अप्रत्याख्यानावरण. The second passion named Apratyakhānāvaranīya क० ग० २, १५;

बिश्राल त्रि० (द्विचत्वारिंशत्) બેતાલીસ; ४२. बयालीस; ४२. Forty-two; 42. क० ग० ६, २६;

बिइय. त्रि० (द्वितीय) બીજુ. दूसरा. Second. पिं० नि० १७२; नाया० १; आया० १, ५, १, १४४; १, ६, ४, १८६; उत्त० २६, १६; ओव० ३८, दसा० १, ७७, पंचा० ५, ७, —पंतिठवणा. स्त्री (-पङ्क्तिस्थापना) બીજી પંક્તિની સ્થાપના. दूसरी पंक्तिकी स्थापना. The establishing of second row. प्रव० ४१०;

बिंट. न० (वृन्त) ફૂલની દાંડી; બીંટડું, ડીંટડુ. फूलकी डींठ, पुष्पदंडी; फूलका डंठल. Stem अणुजो० १४६, —बद्ध. त्रि० (-बद्ध) દીંટડીથી બાંધેલ ફૂલ. डींठसे बद्ध फूल. A flower attached to a stem. पन्न० १;

बिंटिश्रा स्त्री० (विपिटका) પોટલી. पोटली, गठरी. A bundle जं० प० ७, १५२, १५३, ओघ० नि० २६५,

बिंदु पुं० (बिन्दु) છાંટો; બિંદુ; ટીપુ; ટપકું. बिन्दु; बूंद, छींटा, टिपका, टीप. A drop. भग० ३, २; ६, ३३; उत्त० २८, २२, ओव० १४, सु० प० १०; नंदी० ३५; पिं० नि० ५०८; पन्न० १, गच्छा० ७७; —प्पमाण. त्रि० (-प्रमाण) બિન્દુમાત્ર. बिन्दुमात्र. As big as a drop. निसी० ११, २८;

बिंदुअ. न० (बिंदुक) ટીપુ, છાટો બુંદ, छींटा A drop. अणुजो० १३१, नाया० १६; उत्त० १, २,

बिंदुग. न० (बिन्दुक) બિન્દુ; ટીપુ. बिन्दु, बूंद. A drop नाया० १६,

बिंदुय. न० (बिन्दुक) જુઓ " बिंदुग " શબ્દ. देखो "बिंदुक" शब्द. Vide 'बिंदुक' नाया० १६,

बिंदुसार. पु० (बिंदुसार) મૌર્યવંશી ચન્દ્રગુપ્તનો પુત્ર બિંદુસાર રાજા मौर्यवशी चन्द्रगुप्तका पुत्र राजा बिन्दुसार. Bindusāra, a son of chandragupta Maurya विशे० ८६२, (२) લોકમા અક્ષરના જેવુ સારભૂત, બિંદુસાર નામે ચાૈદમો પૂર્વ. लोकमें अक्षरवत् सारभूत बिंदुसार नामक १४ वाँ पूर्व The 14th Purva (scripture) named Bindusāra which is as weighty as alphabets. सम० १४; प्रव० ७२४,

बिंब न० (बिम्ब) પ્રતિબિંબ, પ્રતિ છાયો. प्रतिबिम्ब, पतिछाया, परछाई Reflection विशे० ३०४, नाया० १६, पचा० २, १७. (२) લાકડાનુ કે લોઢાનુ બનાવેલ બિંબ लकड़ी या लोहेका बनायाहुआ विम्ब. A disc made of wood or iron ओघ० नि० ७७४, (३) સ્ત્રી પુરુષના આકાર અને અવયવ શૂન્ય બાળક જન્મે તે स्त्री पुरुषके आकार एव अगोंसे शून्य बालकका जन्म A child born without any sign or limbs of a male or female तडु०

बिंबफल. न० (बिम्बफल) ગોલા, શાકની એક જાત. गोला, शाककी एक जाति, बिम्बफल विशेष. A species of vegetable. ज० प० ओव० १०; जीवा० ३, ३,

बिंबभुय. त्रि० (बिम्बभूत) પાણિમાં પડતા ચન્દ્રના પ્રતિબિંબ જેવું; અર્થ શૂન્ય. पानीमें गिरनेवाले चन्द्रप्रतिबिम्बके समान निरर्थक. Like the reflection of the moon in the water; meaningless. सूय० १, १३, ८;

बिंबोट्ठी स्त्री० (बिम्बोष्ठी) જેના હોઠ બિંબફળ–ગોલા જેવા લાલ હોય તેવી સ્ત્રી. बिम्ब फलके समान लाल होंठ–ओष्ठवाली स्त्री. A lady with lips (red and round) like a Bimba-fruit. नाया० ८,

बिंभल. त्रि० (विह्वल) આકુલ વ્યાકુલ आकुल व्याकुल, वितृल, दुखी. Sorrowful; agitated, perturbed. ओघ० नि० ७३,

बिंहणिज्ज. त्रि० (बृहणीय) ધાતુને પુષ્ટ કરનાર ભોજન–મર્દન વગેરે. धातुपुष्ट भोजन–मर्दन आदि A food or massage that increases the semen. नाया० १, पन्न० १७, ज० प० २, २२; ठा० ६, १, ओव० ३१; कप्प० ४, ६१;

बिचक्खु. त्रि० (द्विचक्षु) ચક્ષુ ઇન્દ્રિય અને અવધિજ્ઞાન એમ બે ચક્ષુ ધરનાર (દેવતા) चक्षु इन्द्रिय और अवधिज्ञान चक्षुओंके धारक (देवता) A (god) possessing the organ of sight and limited knowledge (in the form of another eye) ठा० ३, ४;

बिट्ठ. त्रि० ( ) બેઠેલું. बैठाहुआ Seated, sitting. ओघ० नि० ४७१; ६६१,

बिड. न० (बिड) વડાગરૂ મીઠું. Salt दस० ६, १८,

बितिअ(य). त्रि० (द्वितीय) બીજુ, બીજા નંબરનુ. दूसरा, दूसरे नम्बरका Second. भग० ३, १, ३, ५, ६; ७, १, १२, ६; १३, ४, १७, १२, २०, २; ६, २६, १; ३५, ६, ओव० २२, सु० प० १०, ज० प० ७, १५१, अणुजो० १२६, पन्न० ४;

वितिकसाय पुं० (द्वितीयतृतीयकषाय) અપ્રત્યાખ્યાની અને પ્રત્યાખ્યાની કષાયની ચોકડી; બીજો અને ત્રીજો કષાય अप्रत्याखानी और प्रत्याख्यानी कषायकी चौकडी; दुसरा और तीसरा कषाय. A quaternary of Apratyākhyānī and Pratyākhānī; the 2ṇd and 3rd passions क० गं० ५, ६०;

वितिगुण. न० (द्वितीयतृतीयगुण) બીજું અને ત્રીજું ગુણસ્થાનક. दूसरा और तीसरा गुण स्थानक The 2ṇd and 3rd spiritual stages क० गं० ५, ६०; —**विणा.** अ० (—विना) બીજા અને ત્રીજા ગુણઠાણા વિના-શિવાય. दूसरे और तीसरे गुणठाणों मे रहित-के अतिरिक्त Excepting the 2ṇd and 3rḍ spiritual stages. क० गं० ५, ६०;

विन्ना. स्त्री० (विन्ना) એ નામની નદી, બેના નદી इस नामकी नदी; वेना नदी. A river so named. पिं० नि० ५०३;

विव्वोअण. न० (*) ઓશીકું. उसीसी, तकिया. A pillow कप्प०३, ३२,

विव्वोय पु० (*) અભિમાન. अभिमान, गर्व. Pride भत्त० १३०: (२) અનાદર; તિરસ્કાર. अनादर; तिरस्कार. अपमान. Insult, disrespect. भत्त० १०६,

विराल पु० (बिडाल) બિલાડો; મીંદડુ. बिलाव, बिल्ली A cat. उत्त० ३२, १३; नाया० १, ज० प० आया० २, १, ५,२७,

विरालिय. न० (विरालिक) કંદની એક જાત. कन्दकी एक जाति A species of bulbous roots. आया० २, १, ८, ४५;

विरालिया. स्त्री० (बिडालिका) બિલાડી बिल्ली A female cat. सूय० २, ३, २५;

विराली. स्त्री० (बिडाली) બિલાડી. बिल्ली. A female cat. नंदी० स्थ० ४४; विशे० १४५४; २४५४;

बिल. न० (बिल) ખાણ. A mine; a hole निसी० ११, ४०. (२) પર્વતની ગુફા पर्वतकी गुफा. A mountain-cave. नाया० ८; भग० ५, ७; ७, ६; (३) ગંગા અને સિન્ધુની પાસે વૈતાઢ્યને બે પડખે છત્રીશ છત્રીશ બિલ છે તે. गंगा और सिन्धुके पास वैताढ्यकी दोनों बाजू पर स्थित छत्तीस २ बिल. Thirty-six holes on both the sides of Baitaḍhya near the Ganges and Indus. जं० प० (४) ખાબોચીયું; પાણીનો ખાડો. जलका खड्डा-गढ़ा. A pool of water. राय० १३१, पन्न० २; (५) રાફડો; સર્પ, ઉંદરને રહેવાનું દર. सांप या चूहोंके रहनेका बिल; बाँबी. A hole or burrow. उत्त० ३२, ५०; सूय० २, १, ५६; अणुजो० १३४: भग० ७, १-६; जीवा० ३, ४; ओघ० नि० १०६; ओव० ३८, ठा० ४, ४; नाया० १६; १७, १६; —**आयार.** त्रि० (—आकार) બિલના જેવો જેનો આકાર હોય તે. बिलके आकारवाला. Having the form of a hole. सु० च०१, ६७; —**धम्म.** पुं० (-धर्म) બિલ-રાફડામાં રહેનાર પ્રાણીઓનો ધર્મ-સ્વભાવ. बिलमें रहनेवाले प्राणियोंका धर्म-स्वभाव. The nature of animals living in holes. नाया० १, —**पंति.** स्त्री० (—पङ्क्ति) બિલ-નાની કુઇની પંક્તિ-હાર. बिल-छोटी २ कुईकी कतार. A row of holes, burrows. भग० ८, ६; —**पंतिया.** स्त्री० (—पङ्क्तिका) જુઓ ઉપલો શબ્દ. देखो उपरका शब्द. Vide above. भग० प० ४, ८८; पन्न० २; भग० ५, ७,

—लोण. न० (-लवण) ખાણથી ઉત્પન્ન થયેલું મીઠું. खानसे निकला हुआ नमक. Mine-salt. निसी० ११, ४०, आया० २, १, ६, ३५; —वासि. त्रि० (-वासिन्) બિલ-ગુફામા વાસ કરનાર बिल-गुफा-निवासी. Living in a hole "बिलवासिणो भवंति" भग० ७, ६, ११, ६; ज० प० २, ३६,

बिल्ल. पुं० (बिल्व) બિલ્વનુ ઝાડ. बिल्वपत्रका वृक्ष, बेल पत्रका झाड. The Bilva tree. निसी० ५, १३; पन्न० १; निर० ३, २; (२) न० બિલ્વનુ ફળ. बिल्व फळ. The fruit of Bilva tree. दस० ५, १, ७३; भग० २२, ३, अणुजो० १४३.

बिल्लिघालक. पुं० (*बिल्लिपालक) એક જાતનુ ઘાસ; તૃણ; વનસ્પતિ વિશેષ. एक जातिका घास, तृण, वनस्पति विशेष. A kind of grass. भग० २१, ७,

बिस. न० (बिस) કંદ મૂળ. कद मूल. Bulbous root. ज० प०

बिसट्ठि. स्त्री० (द्वाषष्ठि) બાસઠ; ૬૨ बॉसठ, ६२. Sixty-two; 62 प्रव० ६०८, —मास. पु० (—मास) બાસઠ માસ. बॉसठ महिने. Sixty-two months प्रव० ६०८;

बिसत्तरि. स्त्री० (द्वासप्तति) બહોતેર, ૭૨ની સખ્યા. बहोत्तरकी सख्या. Seventy-two 72. क० ग० २, १८,

बिसयरि. स्त्री० (द्वासप्तति) બહોતેર बहोत्तर; ७२. seventy-two, 72. क० ग० २, ३३, ३, ५,

बिहप्फति. पु० (बृहस्पति) બૃહસ્પતિ ગ્રહ. बृहस्पति ग्रह. The planet jupitor. ज० प० ७, १५१;

बिहस्सति पु० (बृहस्पति) જુઓ "बिहप्फति" શબ્દ देखो "बिहप्फति" शब्द. Vide "बिहप्फति" ओघ० २६;

बीज. न० (बीज) બીજ. बीज. Seed भग० ३, ४; दस० ४; —मालिया स्त्री० (-मालिका) બીજની માળા बीजकी माला. A garland of seeds निसी० ७, १:

बीभच्छ. त्रि० (बीभत्स) શુક્ર શોણિત જોવાથી જે ભાવ ઉત્પન્ન થાય તે, જુગુપ્સિત, ઘણા-સુધ ઉત્પન્ન થાય તેવુ, शुक्र शोणितके देखनेमे उत्पन्न होनेवाला भाव; जुगुप्सित-घृणित-भाव The sensation of repulsion or disgust *e. g.* at seeing the semen or blood. ठा० ४, ४; सु० च० ६, १०१, अणुजो० १३०, पण्ह० १, १; नाया० २; ८, १२, उवा० २, ६४;

बीभत्थ. पुं० (बीभत्स) જુઓ "बीभच्छ" શબ્દ देखो "बीभच्छ" शब्द. Vide "बीभच्छ." जीवा० ३, १; भग० ६, ३३; निर० ३, ४;

बीअ(य). त्रि० (द्वितीय) બીજો; બીજું दूसरा-रे-री. Second. आया० २, ४, १, १३२; विशे० ३७०, पिं० नि० १२३, दस० ८, ३१, भग० २, १-२-५; ३, ६, ६, ५; ११, १०; सूय० १, ४, १, २६, सम० ८; ज० प० ५, १२१, नदी० २०; वव० १०, २, नाया० १६, पचा० १६, ११, कप्प० ८; प्रव० ८८, ६०६; क० गं० ४, ७८; उवा० १, ६१; २, १२५; —आवरण. न० (—आवरण) બીજું આવરણ-દર્શનાવરણીય કર્મ. दूसरा आवरण-दर्शना वरणीय कर्म. The second sight obscuring karma. क० ग० ६, ६; —कसाय. पु० (—कषाय) બીજો-અપ્રત્યાખ્યાની કષાય-જેના ઉદયથી શ્રાવકપણું ન આવે તે. दूसरा-अप्रत्याख्यानी कषाय-जिसके उदयसे श्रावकता प्राप्त नहीं होती. The second

Apratyākhānī passion at whose appearance a layman cannot observe partial vows. क० गं० २, ६, ३, ८; ५, ६१; —पञ्च. न० (–पद) ઉત્સર્ગ અને અપવાદમાનુ દ્વિતીય-બીજુ પદ: અપવાદ માર્ગ. उत्सर्ग और अपवादमेंका दूसरा पद. अपवाद मार्ग. The 2nd Pada of Utsarga and Apvāda, The path of exception to a general rule. गच्छा० ७८,

वीय न० (वीज) બીજ; દાણા. वीज; दाना. A seed. उन० १, ३५, १२, १२; २४, १८, सूय० १, ३, ४, ३, नाया० १५; जीवा० ३, ३. पन्न० १; भग० ३, ४, ३, ७, ६, ७, ७, ३; १७, १; २१, १०; विवा० १; दसा० ७, १; निसी ५, ४७; नाया० २; १२; दसा० ५, ३६; दस० ४, ८, १०, १०, १, ३; पिं० नि० ४०५; ५८८; आया० २, ३, ३, १२६; १, ७, ६, २२२, ओव० १५; ४३; ठा० १, ३, कप्प० ६, ४४, गच्छा० ८१, भन० ५६; (२) વીર્ય; શરીરનો એક ધાતુ. वीर्य, शुक्र, शरीरकी एक धातु. Semen भग० २, ५; (३) હેતુ; કારણ. हेतु, कारण. Cause; reason पंचा० ७, ७, (४) ધર્મનુ બીજ –મૂળ કારણ–સમકિત धर्मका मूल कारण–वीज–समकित. The root-cause of religion प्रव० ६६४, —आहार त्रि० (–आहार) બીજનો આહાર કરનાર बीज खानेवाला. (one) living on seeds. भग० १३, ६, निर० ३, ३, —काय. पु० (–काय) ધાન્ય વગેરે બીજનો જીવ. धान्यआदि बीजका जीव A living being of corns etc. सूय० २, ६, ७, —क्कमण. न० (–क्रमण) બીજને કચરવા તે. बीजोंको पीसने–कुचलने–दाबनेका कार्य The pounding of seeds आव० ४, ३; —पइठ. त्रि० (–प्रतिष्ठ) બીજ ઉપર રાખેલ. बीजपर स्थापित. Kept on seeds. दस० ४; —भोयण. न० (–भोजन) બીજનું ભોજન; સચિત્ત ધાન્યનું ભોજન કરવું તે. बीजका भोजन, सचित्त धान्यका भोजन. A diet of seeds, a food of corn full of living beings भग० ६, ३३, दसा० २, १६–२०, नाया० १, आव० ४, ५, —मंथु. न० (–मन्थु) બીજનુ ચૂર્ણ; લોટ. बीजका चूर्ण, आटा–पीठ. A powder of seeds. दस० ५, २, २४; —रहिअ. त्रि० (–रहित) બીજ વિનાનું बीज रहित, निर्बीज. Without seeds. प्रव० ७१७, —रुइ. स्त्री० (–रुचि) અનેક અર્થ બોધક એક પદ સાભળીને થયેલ તત્ત્વરુચિ, સમકિતના દશ પ્રકારમાનો એક. अनेकार्थक पदको सुनकर उत्पन्न तत्त्वरुचि; दशविध समकितमेंसे एक A love towards reality brought about by hearing a word having different meanings. (२) त्रि० તેવી રુચિવાળો ऐसी रुचिवाला. (one) having such a taste. उत्त० २८, १६; प्रव०६६४; —रुह. त्रि० (–रुह) બી વાવવાથી ઉગે તેવા વૃક્ષાદિ. बीज बोनेपर उगनेवाले वृक्षादि A tree growing by planting seeds दस० ४, – लाभ पुं० (–लाभ) જિનશાસનના મૂળરૂપ સમ્યક્ત્વરૂપ બીજની પ્રાપ્તિ. जिनशासनके मूलरूप–सम्यक्त्वरूप बीजकी प्राप्ति The acquisition of the fundamental principle *viz.* right belief of the command of Jina. पचा० ६, २३, **संसत्त** त्रि० (–संसक्त) બીજને સ્પર્શેલ

रहेलु. बीजसे लगाहुआ. Attached to a seed. दस० ६, २५, —**हरिय.** न० (-हरित) બીજ-દાણા અને હરિત-લીલી વનસ્પતિ बीज और हरी वनस्पति. Seed and green vegetation दस० ४, ८, १५;

बीयंबीयग. पु० (बीजबीजक) પક્ષી વિશેષ पक्षी विशेष. A particular bird भग० १३, ६.

बीयग. त्रि० (द्वितीय+क) બીજુ. दूसरा. Second पचा० ३, ३६;

बीयग. पु० (बीजक) વૃક્ષની એક જાત. वृक्षकी एक जाति A species of trees. राय० ५४;

बीयत्ता. स्त्री० (बीजता) બીજપણુ. बीजता; बीजत्व The quality of seeds. सूय० २, ३, ५;

बीयपूर. न० (बीजपूर) બીજોરાનુ ફળ. बिजोरा नामक फल, बिजोरेका फल. The citron fruit, a particular fruit. पिं० नि० १६६;

बीयविंटिय पु० (बीजवेष्टित) બીજમા રહેનાર ત્રણ ઇન્દ્રિયવાળા જીવની એક જાત. बीजमें रहनेवाले तीन इन्द्रियवाला जीवकी एक जाति. A species of three-sensed sentient beings living in seeds. पन्न० १;

बीयबुद्धि. स्त्री० (बीजबुद्धि) જેની બુદ્ધિ બીજના જેવી હોય તે, જેમ એક બીજમાંથી અનેક બીજ ઉત્પન્ન થઇ શકે છે તેમ એક અર્થવાળા પદથી અનેક અર્થને અનુસરનાર, અઠાવીસ લબ્ધિમાંની એક લબ્ધિ बीजके समान बुद्धिवाला—जिस तरह एक बीजमेंसे अनेक बीज उत्पन्न हो सकते है उसी तरह एकार्थक पदसे अनेक अर्थका अनुसरण करनेवाला; अट्ठाईस लब्धियोंमेंसे एक लब्धि. (one) having intellect like a seed *i e* one seed produces many seeds so (one) whose intellect leads him to many meanings from a word having one meaning; one of the 28 attainments. ओव० १५, विशे० ७९९. प्रव० १५०८

बीयभूअ. त्रि० (बीजभूत) બીજરૂપ बीजरूप In the form of a seed पचा० १, ५०,

बीयमेत्त न० (बीजमात्र) બીજ માત્ર. થોડુંક बीजमात्र, थोडा सा. As small as a seed भग० ७, ६,

बीयरुहा. स्त्री० (-बीजरुहा) બીજરુહ નામની સાધારણ વનસ્પતિ. बीजरुह नामक साधारण वनस्पति, An ordinary vegetation named Bījaruha. पन्न० १; भग० २३, १;

बीअवावअ. पु० (बीजव्यापक) વિકલેન્દ્રિય જીવ વિશેષ. विकलेन्द्रिय जीव विशेष. A sentient being with defective organs. अणुजो० १३१;

√**बीह.** धा० I (भी) બ્હીવુ; ભય પામવો. डरना, भयभीत होना. To fear;

बीहंति. ओघ० नि० भा० १६,

बीहंत. व कृ. सु० च० १०, ६४,

बीहावेइ. णि० निसी० ११, १३;

भेसेज्जा वि० पण्ह० ?, २:

भायए. वि० दस० १०, १२,

भायमाण. व. कृ. सु० च० १४, ३५०;

बीहणअ त्रि० (भयानक) ભય ઉપજાવનાર. भय पैदा करनेवाला, डरावना. Terrible; terrorising. पण्ह० १, १;

बीहणाकर. त्रि० (भयङ्कर) ભયકારક, ભયકર भय देनेवाला, भयानक, डरावना. Terrible, horrible पण्ह० १, १;

वीहणग. त्रि० (भयानक) ભયજનક. भयोत्पादक, डरावना. Terrible. पण्ह० १, १;

वुइअ(य) त्रि० (उक्त) કહેલું, બોલેલ. कहाहुआ, उक्त Said; told. भग० ३, १; ५, ६; उत्त० १८, २६; आया० १, ५, ४, १५७,

वुक्कस. न० (वुक्कस) અડદ, મગ વગેરે કઠોળ ધાન્યની છાલ. उर्द, मूगआदि धान्यके छिलके. The skin of pulses such as beans etc. उत्त० ८, १२, (२) पुं० निषाद पिता अने अम्बष्ठी माता तेनाथी उत्पन्न थयेल એક જાત. निषाद पिता एव अवष्ठी माता-द्वारा उत्पन्न एक जाति A caste sprung from the union of a Niṣāda father and Abmasthī mother. बंभणेण सुद्दीओ जातो णिसाउत्तिवुच्चइ बंभणेण वेसीए जातो अवद्वोत्तिवुच्चइ तत्थ णिसाएण जो अंबट्ठीए जातो सो वुक्कसो भण्णति " उत्त० ३, ४; (३) એ નામનો એક અનાર્ય દેશ. इस नामका एक अनार्य देश. A non-āryan country so named प्रव० १५६८,

वुक्कास पु० ( ) વણકર, કપડા વણનાર. बुननेवाला. जुलहा. A weaver. आया० २, १, २, ११,

✓**वुज्झ.** धा० I. (बुध्-य) જાણવું; સમજવું. जानना, समझना. To know; to understand.

वुज्झइ. भग० ५, ७, १६, ६, १८, ३, दस० ६, २, ३;

वुज्झंति. ओव० ३४, उत्त० २६, १३, जं० प० भग० १५, १; नाया० १२;

वुज्झामि भग० १२, २;

वुज्झिजा. विधि. ठा० २, १,

वुज्झिस्संति. सम० १.

वुज्झेज्जा. वि. भग० ६, ३१; १२, ८, नाया० ३; पन्न० २०; सूय० १, १; १, २;

वुज्झिहिंति. भ० विवा० १०; ओव० ४०; नाया० १. नाया० ध० भग० २, १; १५, १;

वुज्झिस्संति. आया० २, १५, १७८;

वुज्झइ. आ विशे० २०२०; सूय० १, २, ३, ८;

वुज्झिया सं. कृ. उत्त० ३, १६;

वुज्झइत्ता. भग० १८, ३;

वुज्झाहि. आ० नाया० ८;

वोहेंति प्रे० विशे० १७२,

वोहेहि नाया० १४;

✓**वुड्ड.** धा० I. (ब्रुड्) બુડવું; ડુબકી મારવી. डूबना; डुबकी लगाना. To sink; to dive.

वुड्डंति. पण्ह० २, २;

वुड्डंत. सु० च० १, ३००,

वुड्ड. त्रि० (ब्रूडित) પાણીમાં ડૂબી ગયેલ. जलमें डूबाहुआ. Drowned. भत्त० १२२.

वुद्द त्रि० (बुद्ध) બોધ પામેલ; વિચારવાન્; પંડિત बोधप्राप्त, विचारशील; पंडित. Enlightened; thoughtful; learned. जं० प० ५, ११५; उत्त० १०, ३६; आया० १, ७, २, २०४, दस० १, ५; ६, २२. ओव० सम० १, नाया० १, ५; ६; पण्ह० २, ३; भग० १, १; २, १; १७, २; कप्प० २, १५; प्रव० ६४६; (२) पु० કેવળ જ્ઞાન પામેલ આત્મા. केवल-ज्ञान प्राप्त आत्मा A soul attaining perfect knowledge. उत्त० ३६. २६६; ठा० १, १; अणुजो० १२७; (३) બુદ્ધ મતના પ્રથમ આચાર્ય, શાક્યમુનિ. बुद्ध मतके प्रथम आचार्य, शाक्यमुनि The 1st preceptor of Buddhism; Śākyamuni. सूय० २, ६, २८,

(४) જાગૃત, બોધ પામેલ. जागृत, वोधप्राप्त. Wakeful नदी० ८, (५) तीर्थ६२. तीर्थकर. Tirthankara. दस० ६, ३७, ६, ६७, उत्त० १, ७, —अइसेस. पुं० (–अतिशेष) બુદ્ધ-તીર્થંકરના ૩૪ અતિશય बुद्ध-तीर्थकरके ३४ अतिशय. The 34 extras of the Buddha-Tīrthankara. सम० ३४; —जागरिया. स्त्री० (–जागरिका) બુદ્ધની જાગરણા, તત્ત્વ વિચારણા. बुद्धकी जागरणा–तत्व विचारणा. The metaphysical speculation of the Buddha. भग० १२. १; —वोहिय त्रि० (–बोधित) બુદ્ધદ્વારા બોધ પામેલ, ગુરુનો ઉપદેશ સાંભળી બોધ પામેલ. बुद्धद्वारा बोध पायाहुआ, गुरुका उपदेश सुनकर बोध पायाहुआ. Enlightened by the Buddha. नदी० २१; ठा० २, २, प्रव० ४८०, —वोहियसिद्ध. पु० (बोधितसिद्ध) બુદ્ધથી ઉપદેશ પામી સિદ્ધ થયેલ. बुद्धद्वारा उपदेश पाकर सिद्धिप्राप्त. (one) attaining salvation being advised by the Buddha पन्न० १, —वयण. न० (–वचन) તીર્થંકરનાં વચન. तीर्थकरके वचन. The words of a Tirthankara दस० १०, १, १-६; (२) બુદ્ધનુ બનાવેલ પુસ્તક बुद्धरचित–कृत पुस्तक. A book written by the Buddha. नदी० ४१, —वुत्तमहिट्ठग. त्रि० (–उक्ताधिष्ठातृ) તીર્થંકરની આજ્ઞાનું પાલન કરનાર; તીર્થંકરના કથન પ્રમાણે અનુષ્ઠાન કરનાર तीर्थकरकी आज्ञाका पालक, तीर्थकरके कथनानुसार अनुष्ठान करनेवाला. (one) who follows the commands of a Tīrthankara. दस० ६, ५५, —सासण. न० (–शासन) બુદ્ધ મતનુ શાસન. बुद्धमतका शासन. The comands of the creed of the Buddha. अणुजो० ४१;

बुद्धि. स्त्री० (बुद्धि) બુદ્ધિ; મતિ. बुद्धि; मति. Intellect. नाया० १; ५; ८, भग० ११, ११, पण्ह० २, १, निर० ४, १, दस० ८, ३०; अणुजो० ४१; जं० प० भत्त० १०२; उवा० ३, १३८, (२) અવાયનુ એક નામ. अवायका एक नाम. Name of judgment or ascertained knowledge. विशे० २१; ६३; नदी० ३२; (३) રુક્મિ પર્વત ઉપરના મહાપુંડરિક દ્રહની અધિષ્ઠાત્રી દેવી. रुक्मी पर्वतस्थ महापुडरिक द्रहकी अधिष्ठात्री देवी. The presiding goddess of the lake Pundarika on the Rukmi mountain. ठा० २, ३, —कय. त्रि० (–कृत) બુદ્ધિમાં બનાવેલ–કલ્પેલ बुद्धिद्वारा रचित-कल्पित. Made or produced by intellect. क० ग० ५, ६७; —दिट्ठ. त्रि० (–दृष्ट) શ્રુતરૂપ બુદ્ધિવડે ગ્રહણ કરેલુ. श्रुतरूप बुद्धिद्वारा ग्रहीत. Comprehended by scriptural intellect. विशे० १२८, —विन्नाण. न० (–विज्ञान) બુધ્ધિનુ વિજાન बुद्धिका विज्ञान. Discrimination of intelligence. कप्प० १, ७, —विवड्ढण. त्रि० (–विवर्धन) બુધ્ધિને વધારનાર. बुद्धिको वढ़ानेवाला. That which increases intelligence. गच्छा० ६२;

बुद्धिकूड. पुं० (बुद्धिकूट) રૂપી પર્વત ઉપરના આઠ કૂટમાંનુ પાંચમુ કૂટ-શિખર. रूपी पर्वतपरके आठ कूटोंमेंसे पांचवॉ कूट. The 5th of the 8 peaks of the Rūpī mount जं० प०

बुद्धिमंत. त्रि० (बुद्धिमत्) બુદ્ધિવાળુ. बुद्धिवान्; बुद्धिसंपन्न. Intelligent; wise. पंचा० ७, ३२,

बुद्धिल. त्रि० (बुद्धिल) પોતે અજ્ઞ હઇને બીજાની બુદ્ધિએ ચાલનાર. स्वय अज्ञ होनेसे

दूसरेकी बुद्धिपर चलनेवाला. (one) who is guided by the intelligence of others being himself stupid. ओघ० नि० भा० २७,

बुध. पु० (बुध) એ નામનો એક ગ્રહ. इस नामका एक ग्रह The planet mercury. सू० प० २०; पगह० १, ५; पन्न० २,

बुब्बुअ(य). पु० (बुद्बुद) પરપોટો. बुद्बुदा. बबूला. A bubble. ओव० १४; नाया० १, उत्त० १६, १४; पिं० नि० भा० १६; सूय० २, १, २६; प्रव० १४६५; (२) ગર્ભનો બીજા અઠવાડિયાની અવસ્થા. गर्भके दूसरे सप्ताहकी स्थिति. The condition in the 2nd week of a foetus. तंडु० १६;

बुस. न० (बुस) ફોતરાં; ભુસ્સો. छिलके; भूसा. Chaff; refuse. भग० ५, २;

बुसिमंत त्रि० (वश्यवत्) ઇન્દ્રિય વશ કરનાર. जितेन्द्रिय. (one) who has controlled his senses सूय० २, ६, १४; सूय० १, ८, १६;

√ बुह. धा० I. (वृह्) વૃદ્ધિ કરવી. वढ़ती करना. To increase

बुहए सूय० २, ५, ३२;

बुहइत्ता. उत्त० ४, ७;

बुह. पु० (बुध) વિદ્વાન; પંડિત; ડાહ્યો. विद्वान, पंडित, दाना Learned; wise. जं० प० ५, ११२; ठा० ४, ४; उत्त० ३३, २५, पिं० नि० ६४५; विशे० २६८१; भग० ४२, १, सु० च० १, १६; भत्त० ४, प्रव० ६७४; पचा० ३, २५; ४, ११, (२) બુધ નામનો ગ્રહ. बुध नामक ग्रह The planet mercury ओव० २५, ठा० २, ३; भग० ३, ७, —जण. पु० (-जन) ડાહ્યો માણસ. दाना-समझदार-मनुष्य. A prudent or wise man. पचा० ६, ५०; १६, ५;

√ बू. धा० II. (ब्रू) બોલવું. बोलना. To speak.

बेइ विशे० २३०८;

बुयाइ. राय० २४०;

बेंति. विशे० ४२; १७६; पिं० नि० ६७; १६५;

बिन्ति. अणुजो० १५६; क० ग० ३, १२;

बेमि. आया० १, १, १, १३; १, १, २, १६; नाया० २; ७; १६; १६; दसा० २, २२; १०, ११; दस० ८, ६४, १०, १, २१; वव० १, ३७, वेय० ६, २०;

बुयामि. पन्न० ११;

बूया. वि० आया० १, ७, २, २०२; दस० ६, १२; ७, १७; ५३; निसी० ६, ७;

बूहि-आ. उत्त० २५, १४;

अब्बवी. उत्त० ६, ६; २५, १०;

आह. सूय० १, १, १, १; पिं० नि० ३८०;

आहु. वेय० १, ३३;

आहंसु. भग० १, १; ६; २, ५, ७, ६; ८, १०; १२, ५; सू० प० २०, उत्त० २, ४५;

बुयमाण. भग० ३, २;

बुयाण. सूय० १, ७, १०;

बुवंत उत्त० २३, २१;

बुइत्ता. ठा० ३, २;

बूर. पु० (बूर) વનસ્પતિ વિશેષ. वनस्पति विशेष A particular vegetation. ओव० भग० २, ५; ११, ११; नाया० १; राय० ५७, (२) સુંવાળા દ્રવ્યની એક જાત.

जीवा० ३, ४, कप्प० ३, ३२; (३) ભુરી; જાર બાજરાના ફોતરા बूरी, ज्वार बाजराके छिलके-फोतरे The chaff of Jūvari, Bājarā (kinds of corn). उत्त० ३४, १६,

बेइंद्रिय पु० (द्वीन्द्रिय) જેને બે ઇન્દ્રિય હોય એવા જીવ. दो इन्द्रियवाला जीव Two-sensed being. उत्त० ३६, १२५; पिं० नि० भा० ६, ठा० १, १, अणुजो० १४४, पन्न० १; भग० १, १-५; २, १-१०; ६, ५; ८, १, २०, १, २४, १; २६, १, ३६, १; जीवा० १; दस० ४,

बेइंदियकाय पु० (द्वीन्द्रियकाय) બે ઇન્દ્રિય-વાળા જીવનિકાય-ભવસમૂહ दो इन्द्रियवाले जीवकी कायाका भव समूह. An embodiment of two sensed living being. उत्त० १०, १०;

बेइंदियत्ता. स्त्री० (द्वीन्द्रियता) બે ઇન્દ્રિયપણું. दो इन्द्रियत्व. The state of having two senses. भग० ६, ५;

बेंट. न० (वृन्त) દીટીયું, બિંટડુ. डीठ, डठ्ठल. A stem. राय० १५५,

बेंटग. न० (वृन्तक) દીટીયું; બિંટડું. डीठ, डठ्ठल. A stem वेय० ५, ३३;

बेदोणिय. त्रि० (द्विद्रोणिक) બે દ્રોણ પ્રમાણ. दो द्रोण प्रमाणका. Equal to two Dronas (a particular measure) in measure. उवा० ८, २३५,

बेन्ना. स्त्री० (वेन्ना) એ નામની એક નદી. इस नामकी एक नदी. A river so named. अणुजो० १३१;

बेया. स्त्री० (वेदा) એ નામની એક લતા-વેલ. इस नामकी एक लता. A creeper so named पन्न० १;

बेयाहिअ. पु० स्त्री० (द्व्याह्निक) બે આતરીયો તાવ. दो दिनके अंतरसे आनेवाला ज्वर, तिजारी A kind of fever attacking at an internal of two days. जीवा० ३, ३; ज० प०

बेहिय. त्रि० (द्व्याह्निक) બે દિવસનું दो दिनका. Of two days भग० ३, ७, ६, ७, ज० प० २, १६;

वोड. न० (?) કપાસના જીંડવાં कपासके फेंडू. The pod of cotton ओव० १०; —**कप्पास** पु० (-कापास) જીંડવાનો કપાસ फेंडूका कपास. Cotton pods. निसी० ३, ७२,

वोडियसाला. स्त्री० (वोंडिकशाला) કપાસ વેચવાની શાળા-દુકાન. कपास वेचनेकी दूकाना. A cotton-shop वव० ६, २१-२४-२५-२६-३०;

वोंदि. न० ( ) શરીર शरीर. The body. उत्त० ३५, २०; सू० प० १०; ओव० २२, अणुजो० १२७, ठा० ४, ४, पन्न० २, विशे० ३१५८, भग० ३, २, ८, १, १८, ७, दसा० ५, ४०; प्रव० ४६३, —**चिय** त्रि० (-चित) શરીરરૂપે ભેગા કરેલ પુદ્ગલ शरीररूपमें एकत्रित पुद्गल Molecules of matter arranged in the form of a body. भग० १६, २-८, —**धर** त्रि० (-धर) શરીર ધારી, દેહ ધરનાર शरीरधारी, देहधारक. Having a body, corporeal. भग० १८, ४,

वोक्कस. पु० (वुक्कस) વર્ણસંકર; બ્રાહ્મણથી શુદ્રીમાં ઉત્પન્ન થયેલ અથવા શુદ્રથી વૈશ્યા-દિમાં ઉત્પન્ન થયેલ. वर्णसंकर, ब्राह्मणद्वारा शूद्रस्त्रीमें उत्पन्न अथवा शूद्रद्वारा वैश्यस्त्रीमें उत्पन्न सन्तान Intermixture of castes; one born of such intermixture. सूय० १, ६, २;

वोड. पुं० (*) જેનું મસ્તક મુંડેલ હોય તે. मुंडित मस्तक-सिरवाला. (one) whose head is shaved. पिं० नि० २१७;

वोडाण. पु० ( ) એ નામની હરિત વનસ્પતિ. इस नामकी एक हरी वनस्पति. A green vegetation so named. पन्न० १,

वोडिय. पु० (वोटिक) દિગંબર સંપ્રદાય. दिगम्बर सप्रदाय. The sect of Digambaras (a class of Jains) विशे० १०४१, २५५०;

वोधण. न० (बोधन) ઉપદેશ; શિક્ષા વચન. उपदेश, शिक्षावचन Advice, instruction. सम० ६;

वोधव्व. त्रि० (बोद्धव्य) જાણવા યોગ્ય. ज्ञातव्य, जानने योग्य. Fit to be known. दस० पन्न० १; निर० ३, १; अणुजो० १३०; १३४; पिं० नि० ७७; भग० ३, ५; १०, १; १६, ८; प्रव० २८, १८४; ३२६; ४८२; उवा० १०, २७७; जं० प० ७, १५२; १५६;

वोधि. स्त्री० (बोधि) સમ્યગ્ દર્શન. (२) ધર્મ પ્રાપ્તિ. सम्यक् दर्शन. (२) धर्म प्राप्ति. Right belief; acquisition of religion. ठा० २, २;

वोर. पुं० (बदर) બોર; બદરી ફળ. बेर; बोर, बदरी फल. A plum. भग० ८, ५;

वोरी. स्त्री० (बदरी) બોરડી. बोरका वृक्ष. A plum tree अणुत्त० ३, १,

वोरु. न० (बदर) બદરી ફળ; બોર. बदरी फल; बेर; बोर. A plum. भग० १५, १;

वोरुट्ठी. स्त्री० (बूरोट्टी) રૂ વગેરે ભરવાની બોરી. रूई इत्यादि भरनेकी बोरी-थैली. A gunny-bag. प्रव० ६८७;

वोल. पुं० (बोल) બોલચાલ; કોલાહલ; ઘોંઘાટ; ગબડાટ; હલચલ. बोलचाल, कोलाहल; हुवदीगुवत, गड्बड़ाहट; हलचल. Conversation; bustle; din; stir. ओव० २१; २४; २७; सूय० १, ५, १, १०, भग० २, १; ३, ७; जं० प० ५, ११५; ७, १४०; ३, ४५; ओघ० नि० ६४४; पन्न० २; निसी० १२, ३३; राय० ४०; जीवा० ३, ३; —करण. न० (-करण) બુમરાડ-બુમાટો કરવો તે. बोम मारना. Raising a hue and cry. ओघं० नि० २४८;

वोलिंदिलिपि. स्त्री० (बोलिंदिलिपि) १८ લિપિમાંની એક લિપિ. १८ लिपियोंमेंसे एक लिपि. One of the 18 scripts. सम० १८;

वोलित्तार. पु० (बूडितृ) બુડાડનાર. डुबानेवाला. (one) who drowns. दसा० ६, ४;

वोह. पु० (बोध) બોધ; જાણવું; ઉપદેશ. बोध, ज्ञान; उपदेश. Understanding; advice. विशे०८०; ८३८; सु० च० २, ६४; पंचा० २, ३७; ७, ३१; (२) સૂત્રનો ધર્મ-સ્વભાવ सूत्रका धर्म-स्वभाव. The nature of a Sūtra. विशे० १३७६; —कर. त्रि० (-कर) બોધ કરનાર; ઉપદેશક. बोध करनेवाला; उपदेशक. A preacher; an advisor. सम० १०; —वुड्ढि. स्त्री० (वृद्धि) જ્ઞાનની વૃધ્ધિ. ज्ञानकी वृद्धि The increase of knowledge पंचा० २, ४१;

वोहण. न० (बोधन) જગાડવું. (२) જણાવવું. जगाना. (२) जनाना; बतलाना; ज्ञान कराना. Rousing; waking; enlightening. ओघ० नि० ६;

वोहणा. स्त्री० (बोधना) જણાવવું; વિજ્ઞાપન. जाहिर करना; विज्ञापन, प्रकटन. Revealing; manifesting. पिं० नि० ४५७,

बोहभाव. पुं० (बोधभाव) જ્ઞાનનું હોવાપણું. ज्ञान भाव. The existence of knowledge पंचा० २, ४१,

बोहय. त्रि० (बोधक) બોધ આપનાર; ઉપદેશ આપનાર. बोधक, उपदेशक Appriser; instructor. (२) જગાડનાર. जगानेवाला. A preacher, a teacher. ज० प० ५, ११२; ११५; नाया० १, सम० १; ओव० १२; १३; भग० १, १; २, १; अणुजो० १६; कप्प० २, १५;

बोहि. स्त्री० (बोधि) સમ્યક્ત્વ; સુદૃષ્ટિ. सम्यक्त्व, सुदृष्टि. Right sight or belief. (२) ધર્મ પ્રાપ્તિ. धर्म प्राप्ति. The acquisition of religion. सम० १; उत्त० ३, १४, ८, १५; ३६, २५५; भग० ७, १; १५, १; १८, ३; विशे० २७८४; ओव० १२; विवा० ४; राय० २३, पिं० नि० ३२४; पण्ह० २, १; प्रव० ५२८, —दय पुं० (-दय) સમ્યક્ દૃષ્ટિ દેનાર. सम्यक् दृष्टि देनेवाला. (one) who bestows right sight or belief. ज० प० ५, ११५; विवा० आव० ६, ११; —धम्म पुं० (-धर्म) બોધિ-સમ્યક્ત્વની પ્રાપ્તિરૂપ ધર્મ. बोधि-सम्यक्त्वकी-प्राप्तिरूप धर्म. Religion in the form of acquisition of right belief or sight. प्रव० ६४१, —लाभ. पुं० (-लाभ) ધર્મની પ્રાપ્તિ. धर्मकी प्राप्ति. The attainment of religion. भत्त० १३६; आव० २, ६, सम० ६; पंचा० ६, २३;

बोहित्थ. न० ( ) વહાણ. जहाज; वाहन. A ship; a boat. भत्त० १८,

बोहिदुल्लहा. स्त्री० (बोधिदुर्लभा) બોધિ બીજના દુર્લભપણાની ભાવના. बोधि जीवकी दुर्लभताकी भावनाका विचार A thought of the difficulty of the germ of right belief. प्रव० ५८१;

बोहिय. त्रि० (बोधित) જણાવેલ, બોધપમાડેલ. समझायाहुआ, बोधदियाहुआ. Instructed; taught, enlightened. ओव० १०, भग० १, ६; आव० ४, ८; कप्प० ३, ४२;

इति श्रीलीम्बडीसम्प्रदायतिलकायमानपूज्यपाद श्री १००८ श्री **गुलाबचन्द्र**-
जित्स्वामिशिष्य श्रीजिनशासनसुधाकर-शतावधानि-पण्डित
प्रवरमुनिराज श्री १००८ श्री **रत्नचन्द्रजित्**स्वामि
विरचिते बृहदर्धमागधीकोषे सप्रमाणम्
तकारादि बकारान्तशब्दसङ्कलनं
समाप्तम् ।
इति
तृतीयो भागः